विवाहे पञ्चशलाकाचक्रम्

कृ. रो. मृ. आ. पु. पु. श्ले.

म. अ. रे. उ. पू. श. ध.

म. पू. उ. ह चि. स्वा वि.

श्र. अ. उ. पू. मू. ज्ये. अनु.

राजा शुक्रः



मंत्री शनिः

...पल ५ बुधे उ. भा. मे ल. चि. ।
६ गुरौ उ. भा. रेवतीमे ल. चि. ।
शुक्रेरेवती ल. चि. दिवा. ।
...न्द्रे रोहिणीमे ल. चि. ।
... रोहिणी मृगमे ल. चि. ।
...े ल. चि. ।
म. ...े ल. चि. ।
अ. ...मे दिवा. ल. चि. ।
रे. ... चि. ल. चि. ।
उ. ...गमे ल. चि. ।
पू. ...ल. चि. ।
श. ...भद्रां विहाय ।
ध.

श्र. अ. उ. पू. मू. ज्ये. अनु.

श्री संवत् २०२५, शकः १८९०, हिजरी सन् १३८७-८८, फसली सन् १३७५-७६, ईस्वी सन् १९६८-६९ ।

'दुर्मति' नाम संवत्सरः

विंशोत्तरी मतेन आयव्यय चक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
११	५	११	५	८	११	५	११	८	२	२	८
५	१४	११	८	५	११	१४	५	११	१४	१४	११

अष्टोत्तरी मतेन आयव्यय चक्रम्

म.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी.
२	११	१४	८	११	११	११	२	५	२	२	५
५	१४	११	११	५	११	१४	८	१४	८	८	१४

देखने की रीति

...यव्ययौ समौ कृत्वा एक हीनं तु कारयेत् ।
...भिरतु हरेद्भागं शेषांके फलमादिशेत् ॥
...ं, २ सौख्यं तथा ३ क्लेशं ४ रोगं ५ लोकापवादकम् ।
...मानं ७ विजयं ८ हानिः कथितं पूर्व सूरिभिः ।

वितरक—श्री गंगा पुस्तकालय,
गायघाट, वाराणसी ।

श्री काश्याम्
शुद्धमकरन्दीय दशवर्षीय पञ्चाङ्गम्

श्री गंगा





काशी पञ्चाङ्गम्



सम्पादक—पं० चन्द्रशेखर पाठक ज्योतिषाचार्य, ज्योतिषरत्न
सी. के. ६५/१७५ बी. बड़ी पियरी, वाराणसी ।

समय-शुद्धिः

गुरु—भाद्र. कृष्ण १३ बुधे पश्चिमास्तः
आश्विन कृष्ण ३० रवौ पूर्वोदयान् ।

शुक्र—ज्येष्ठ कृष्ण ११ बुधे पूर्वास्तः ।
श्रावण कृष्ण १२ चन्द्रे पश्चिमोदयः ।

शनि—यावदब्दं मीनराशौ मासषट्कं प्राक् मेषराशौ

राहु—यावदब्दं मीन राशौ ।

केतु—यावदब्दं कन्याराशौ ।

प्रकाशक
भार्गव बुकडिपो, चौक, वाराणसी ।

...शुक्रस्य राज्ये बहुसस्य ...नः। फलन्ति रक्षा बहु गो ...। मन्त्री शनिः तस्य फलम्—...नय संरहिता बहु दुःखदा। जनपदेषु सुखं न धनं क्वचिद्। —भृगसुतो जलदस्य पतिर्यदा जलमुचो ...द्रविण धान्य युता द्विजपालका नृपतयोः ...दुर्गाधीशः शुक्रः तस्य फलम्—नगप देश विशेष-...। बहुसौख्यकरो यतः। विनयवाणिज गेहसमं सुखं ...टोपिच दुरतः। धनेशः चन्द्रः तस्य फलम्—धनपति-...कौ यदा रसचयाः क्रयविक्रयतो धनम्। वसन शालि ...रजो बहु द्रविण तैल घृतं नृपसौख्यदम्। रसेशः गुरुः तस्य ...यदि गुरुः रसपो जनसौख्यदः कमलवन्ति सरांसि च। जनपदा द्विजपूजन तत्परा गज सुवाजि रथोष्ट्र युता ...धान्यपतिः रविः तस्य फलम्—पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये ...नहि। विग्रहो भूभृतां धान्यं महर्घं ज्वरपीड़नम्॥

...राष्ट्रपति शुक्र, प्रधान मन्त्री शनि हैं। सिंचाई, ...भार राष्ट्रपति शुक्र ने स्वयं सँभाला है। ...न्त्र, रस मन्त्री गुरु खाद्यमन्त्री रवि हैं। ये शेष मन्त्री ...प्रकार के अधिकार विभाजन में कोई विशेष गड़बड़ी न ...भारतीय राष्ट्र-रक्षा तथा विदेश-नीति पूर्णतः शुद्ध नीतिपूर्ण ...परन्तु आपसी बातें हवाई होंगी। वृष्टि अच्छी होगी। ...धान्य की उत्पत्ति भी श्रेष्ठ होगी। कमर, पैर के रोग ...। जनता में आतंक से क्षोभ आयेगा। धन-धान्य की ...ठीक रहेगी। अनाज अच्छा उत्पन्न होगा। गेहूँ, रुई, ...रस, घी तेज होगा; प्रजा सुखी रहेगी। विग्रह होगा। युद्ध सम्भव है पशु तथा धान्य का नाश होगा। धातुयें होंगी।

वार्षिक राशिफल

श्री सं० २०२५ शके १८९०

मेष—साधारण है। रोग से मुक्ति मिलेगी। सफलता होगी, शुभ काम होगा। वर्षान्त में पुनः वायु रोग या शिरोव्यथा होगी। पूरे वर्ष भर व्यय अधिक होगा। शत्रु पराजित होंगे। नेत्रों से सावधान। श्रावण, वैशाख, अगहन बुरे रहेंगे। भाद्रपद में सन्तान को कष्ट होगा। आषाढ़, माघ में श्रम अधिक करना पड़ेगा। आश्विन, फाल्गुन में लाभ, हर्ष रहेगा; भाद्रपद में अधिक व्यय होता रहेगा।

वृष—वर्ष साधारण है। असफलता रहेगी। लाभ, हर्ष होता रहेगा। विवाद, झगड़ा, उदर-विकार, सन्तान को कष्ट होगा। पुखराज धारण करें। ज्येष्ठ, भाद्रपद, पौष बुरे रहेंगे। श्रावण, फाल्गुन में कार्याधिक्य रहेगा; कार्तिक, चैत्र अच्छे रहेंगे। वैशाख में अधिक व्यय करना पड़ेगा। आश्विन में चिढ़, सन्तान को कष्ट होगा।

मिथुन—वर्ष साधारण है। भाइयों को कष्ट होगा; कार्याधिक्य होते हुए भी आलस्य करेंगे। व्यापार उन्नति पर रहेगा। माता-पिता को कष्ट होगा। आषाढ़, आश्विन, माघ बुरे रहेंगे। ज्येष्ठ में अधिक व्यय होगा। भाद्रपद, चैत्र में कार्य-व्यस्त रहेंगे। कार्तिक में सन्तान को कष्ट होगा। मार्गशीर्ष, वैशाख श्रेष्ठ होंगे।

कर्क—वर्ष अच्छा है। शुभ-काम होगा। सफलता, लाभ, हर्ष रहेगा। धर्म से अरुचि रहेगी। अध्यात्म से दूर रहेंगे। व्यापार में उन्नति रहेगी। मातृ-वर्ग कष्ट में रहेगा। श्रावण, कार्तिक, फाल्गुन बुरे रहेंगे। आश्विन, वैशाख में कार्य-व्यस्त रहेंगे। पौष, ज्येष्ठ में लाभ-हर्ष रहेगा। आषाढ़ में व्यय होगा। मार्गशीर्ष में चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट होगा।

सिंह—वर्ष अच्छा नहीं। असफलता, रोग, दुर्बलता, वायु-विकार, चर्मरोग, लीवर की गड़बड़ी रहेगी। लम्बी यात्रायें भी सम्भव हैं। भाद्रपद, मार्गशीर्ष, चैत्र बुरे रहेंगे। श्रावण में व्यय होगा। आषाढ़, माघ में लाभ, हर्ष रहेगा। पौष में चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट होगा। कार्तिक, ज्येष्ठ में कार्य-व्यस्त रहेंगे।

कन्या—वर्ष अच्छा नहीं। यात्रा, अशान्ति, स्त्री को कष्ट, व्यय की अधिकता रहेगी। गुप्तांग या कमर के रोग अधिक रहेंगे। प्रेतबाधा भी सम्भव है। लहसुनिया धारण कीजिये। आश्विन, पौष, वैशाख बुरे रहेंगे। भाद्रपद में अधिक व्यय होगा।

...माघ में चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट होगा। ...कार्य-व्यस्त रहेंगे। फाल्गुन, श्रावण में लाभ हर्ष ...

तुला—वर्ष अच्छा है। लाभ, हर्ष, सफलता, उन्नति, शुभ काम होगा। शत्रु पराजित न होंगे। व्यय भी अनायास अधिक होगा। कार्तिक, ज्येष्ठ, माघ बुरे रहेंगे। पौष, श्रावण कार्य-व्यस्त रहेंगे। भाद्रपद, चैत्र अच्छे रहेंगे। आश्विन में व्यय होगा। फाल्गुन में चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट होगा।

वृश्चिक—वर्ष साधारण है। व्यापार में वृद्धि होते हुए भी लाभ साधारण रहेगा। चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट होगा। बुद्धि अस्थिर रहेगी। अनायास लाभ हो जाया करेगा। आषाढ़, अगहन, फाल्गुन बुरे रहेंगे। कार्तिक में अधिक व्यय होगा, वैशाख, आश्विन में लाभ, हर्ष रहेगा। माघ, भाद्रपद में कार्य-व्यस्त रहेंगे। चैत्र में चिढ़, सन्तान को कष्ट होगा।

धनु—वर्ष साधारण है। सफलता, लाभ, हर्ष रहेगा; विवाद-व्यथा, कष्ट, चिढ़, हानि रहेगी। माता-पिता को कष्ट; यात्रा होगी। गोमेद, लहसुनिया धारण करें। मार्गशीर्ष में अधिक व्यय होगा। श्रावण, पौष, चैत्र बुरे रहेंगे। कार्तिक, ज्येष्ठ में लाभ, हर्ष, सफलता रहेगी। आश्विन, फाल्गुन में कार्य-व्यस्त रहेंगे। वैशाख में चिढ़-चिन्ता, सन्तान को कष्ट रहेगा।

मकर—वर्ष अच्छा नहीं। श्रम, लाभ, व्यापार में उन्नति रहेगी; परन्तु कष्ट, चिढ़, उदर-विकार, असफलता रहेगी। भ्रातृ-वर्ग कष्ट में रहेगा। माघ, वैशाख, भाद्रपद बुरे रहें... पौष में अधिक व्यय होगा। चैत्र, कार्तिक में कार्य-व्यस्त र... आषाढ़, मार्गशीर्ष में लाभ, हर्ष रहेगा; ज्येष्ठ में चिढ़, ... सन्तान को कष्ट होगा।

कुम्भ—वर्ष साधारण अच्छा है। लाभ, हर्ष, ... शुभ, लाभ होगा; परिवार में अशान्ति, धन-हानि र... रोग लगा रहेगा। अनेक आपत्तियां रहेंगी। ज्ये... फाल्गुन बुरे रहेंगे। माघ में अधिक व्यय होगा। ... लाभ-हर्ष रहेगा। आषाढ़ में चिढ़, सन्तान को ... वैशाख, अगहन में कार्य-व्यस्त रहेंगे।

मीन—वर्ष अच्छा नहीं। असफलता, चिढ़, ... रोग, लीवर की गड़बड़ी, स्त्री को कष्ट होगा। ... या स्थान-परिवर्तन करना पड़ेगा। मन भ्रमि... माघ अच्छे रहेंगे। पौष, ज्येष्ठ में कार्य-व्यस्त... अधिक व्यय होगा। आषाढ़, कार्तिक, चैत्र ... में चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट होगा।

संवत् २०२५ शके १८९० मध्ये

ग्रहणम्

(१) चैत्र शुक्ल १५ शनौ चन्द्रग्रहणं सम्भवम्।
१३ अप्रैल १९६८ ई०

(२) आश्विन कृष्ण ३० रवौ सूर्यग्रहणम्।
२२ सितम्बर १९६८ ई०

घं० मि०

स्पर्श ४–४०

मध्य ५–४३

मोक्ष ६–४२

उ.
पू. प.
द.

(३) आश्विन शुक्ल १५ रवौ ग्रस्तोदित चन्द्रग्रहणम्।
६ अक्टूबर १९६८ ई०

स्पर्श ३–२७

मध्य ५–१३

मोक्ष ६–५९

द.
प. पू.
उ.

(४) चैत्र कृष्ण ३० भौमे सूर्यग्रहणं सम्भवम्।
१८ मार्च १९६९ ई०

...प्रवेश लग्नम्

२ | ३ | ...मं. | श.बु.रा.शु. १२ | ९ | ११ | के. | १०

आर्द्रा प्रवेश लग्नम्

११ | ९ | १०, ८ | ...रा. | १ चं. | ७ | ४ | ६ | २ | ३ सू.बु.शु.मं. | बृ.५के.

...र वर्ष सिंह के गुरु हैं अतः गंगा गोदावरी नदियों ...शों में विवाह में कठिनाई होगी।

सं० २०२५ विवाह मुहूर्ताः

वैशाख कृष्ण १ रवौ स्वातीभे दिवालग्नं गोधूलिर्वा।
,, ,, ३ चन्द्रे अनु. भे लग्नं विचार्यम्।
,, ,, ४ भौमे अनु. भे दिवालग्नम्।
,, ,, ५ बुधे मूल भे लग्नं विचार्यम्।
,, ,, ६ गुरौ मूल भे दिवा ल.।
वैशाख कृष्ण ७ शुक्रे उ. षा. भे ल. चि.।
,, ,, ८ शनौ उ. षा. भे दिवा लग्नम्।
,, ,, १२ बुधे उ. भा. भे ल. चि.।
,, ,, १३ गु रौ उ. भा. रेवत्यां ल. चि.।
,, शुक्ल २ चन्द्रे रोहिणी भे ल. चि.।
,, ,, ३ भौमे रोहिणी मृगभे ल. चि.।
,, ,, ८ चन्द्रे मघाभे ल. चि.।
,, ,, ९ भौमे मघा भे दिवा ल. चि.।
,, ,, ११ बुधे उ. भा. ल. चि.।
,, ,, १४ शनौ स्वातीभे।
,, ,, १५ रवौ अनु. भे कालोऽल्पीयान्।
ज्येष्ठ कृष्ण १ चन्द्रे अनु. भे ल. चि.।
,, ,, २ भौमे मूल भे ल. चि.।
,, ,, अतोऽग्रे शुक्रास्तादि दोषः।
मार्गशीर्ष कृष्ण ११ शनौ उ. फा. हस्त भे ल. चि.।
,, ,, १२ रवौ हस्तभे दिवा लग्न चि.।
,, ,, १३ चन्द्रे स्वाती भे ल. चि.।
,, शुक्ल २ शुक्रे मूलभे ल. चि.।
,, ,, ५ रवौ उ. षा. भे ल. चि.।
,, ,, ९ गुरौ उ. भा. भे।
,, ,, १० शुक्रे उ. भा रे. भे ल. चि.।
,, ,, ११ शनौ रेवती भद्रान्ते ल. चि.।
,, ,, १५ बुधे रोहिणीभे ल. चि.।
पौष कृष्ण १ गुरौ रोहिणी मृगभ ल. चि.।
,, ,, २ शुक्रे मृगभे ल. चि. दिवा लग्नम्।
,, ,, ५ भौमे मघाभे ल. चि.।
,, ,, ६ बुधे मघाभे ल. चि.।
,, ,, ७ गुरौ उ. फा. भे ल. चि.।
,, ,, ८ शुक्रे उ. फा. हस्तभे ल. चि.।
माघ कृष्ण १२ बुधे मूलभे ल. चि.।
,, ,, १३ गुरौ मूलभे ल. चि.।
,, शुक्ल ५ बुधे उ. भा. भे ल. चि.।
,, ,, ६ गुरौ उ. भा. रेवतीभे ल. चि.।
,, ,, ७ शुक्रेरेवती ल. चि. दिवा.।
,, ,, १० चन्द्रे रोहिणीभे ल. चि.।
,, ,, १० भौम रोहिणी मृगभे ल. चि.।
,, ,, ११ बुधे मृगभे ल. चि.।
फाल्गुन कृष्ण १ चन्द्रे मघाभे ल. चि.।
,, ,, २ भौमे मघा भे दिवा. ल. चि.।
,, ,, ३ बुधे उ. फा. ल. चि. ल. चि.।
,, ,, ४ गुरौ उ. फा. हस्तभे ल. चि.।
,, ,, ५ शुक्रे हस्तभे दिवा. ल. चि.।
,, ,, ६ शनौ स्वातीभे ल. चि. भद्रां विहाय।
,, ,, ७ रवौ स्वातीभे दिवालग्नम्।
,, ,, ८ चन्द्रे अनु. भे ल. चि.।
,, ,, ९ भौमे अनु. भे दिवा. लग्नम्।
,, ,, १० बुधे मूलभे ल. चि. सं. दोषः।
,, ,, ११ गुरौ मूलभे कालोऽल्पीयान्।
,, ,, १२ शुक्रे उ. षा. भे. ल. चि.।
,, शुक्ल भौम उ. षा. ल. चि.।
,, ,, २३ बुधे उ. भा. रेवतीभे ल. चि.।
,, ,, ४ गुरौ रेवतीभे ल. चि. भद्रां विहाय।
,, ,, ८ चन्द्रे रोहिणीभे ल. चि.।
,, ,, ९ भौमे रोहिणी मृगभे ल. चि.।
,, ,, १० बुधे मृगभे ल. चि. कालोऽल्पीयान्।
,, ,, १३ रवौ मघाभे ल. चि.।
,, ,, १४ चन्द्रे मघाभे ल. चि. भद्रां विहाय।
,, शुक्ल १५ भौ उ. फा. भे ल. चि.।
चैत्र कृष्ण १ बुधे उ. फा. हस्ते भे।
,, ,, २ गुरौ हस्तभे भद्राप्राक्।
,, ,, ३ शुक्रे स्वातीभे ल. चि.।
,, ,, ४ शनौ स्वातीभे ल. चि.।
,, ,, ६ रवौ अनु. ल. चि.।
,, ,, ७ चन्द्रे अनु. ल. चि.।
,, ,, ८ भौमे मूलभे ल. चि.।
,, ,, ९ बुधे मूलभे दिवा. ल. चि.।
,, ,, १० गुरौ उ. भा. भे ल. चि.।

मासिक भविष्यवाणी संवत् २०२५

चैत्र शुक्लपक्ष

सुदी २ से १४ दिन में चावल, कमलगट्टा, धान, सिंघाड़ा, मोती, रत्न, फल, नमक, सुगन्ध, मूंगे, चावल, लहसुन, लाल चपड़ा, सज्जी, तीसी, सरसों, रेंड़ी, मूंगफली तेज; सुदी ५ से १० दिन में चांदी, रुई, सोना तेज; वायु की तीव्रता, वर्षा की सम्भावना; सुदी ८ से १० दिन में ब्राह्मणों को कष्ट, रुई, धान्य तेज; देश को पीड़ा; सुदी १० से १० दिन में चावल, मोती, शक्कर, हल्दी, कपूर, फलमूल तेज; सुदी १३ से १० दिन में केसर, कस्तूरी, मजीठ, कुसुम्ब, रक्त पदार्थ, अफीम तेज; सुदी १३ से १५ दिन में सोना, चांदी, रुई घटबढ़ कर तेज; धान्य, घी मन्दा; राजपूताने में वृष्टि, सुदी १५ से १ मास में रुई, ईख, तिल, तेल, चाँदी, सोना, गुड़, खांड़ तेज; उसी दिन से १४ दिन में सर्वधान्य सर्वरस सर्वधातु सोना, चांदी आदि तीसी, रेंड़ी, तिल, मेथी, लाल चन्दन, इलायची, लौंग, सोपारी, नारियल, कपूर, हींग, तेल तेज होगा।

४-५-६, ११-१२-१३ अप्रैल को बादल-वृष्टि योग है।

वैशाख

वदी ६ से १० दिन में कपास, चन्दन, जवाहरात, कपूर मंदा; वदी ८ से १० दिन में चौपाये, मोती, जवाहरात तेज; चना, गेहूँ, गुड़, पत्थर, तीसी तेज; रुई मंदी; वदी ९ से २ मास में रुई, शेयर, सरसों, रेंड़ी, बिनौला, मूंगफली मंदी; गुड़, खांड़, लोहा, जस्ता, सीसा, मूंग, सज्जी, लहसुन, चावल, रंग तेज; वदी ११ से १० दिन में देश में मन्दी की सम्भावना; तपस्वियों को पीड़ा, सूत, कपड़ा, रुई, तिल, तेल, घी, गेहूँ, राई, रेंड़ी, चावल, मसूर, मोंठ तेज; सुदी १ से १४ दिन में सोना, चांदी, चावल, हल्दी, मिर्च, गुड़, घी, मोंठ, तूवर, तीसी, घी, पिप्पली, तांबा, पारा, सीसा, अफीम, धातुएँ तेज; सुदी २ से २० दिन में सर्वधान्य, रुई, चांदी तेज; तीसी, ऊन मंदा; उसी दिन से १२ दिन में तिल, यव, उड़द, तीसी, चना, सोंठ, रस, धातु, ऊन मंदा; सुदी ३ से ४५ दिन में धान्य, केसर, कपास, कपड़ा, सोना, रुई तेज; सुदी २ से २० दिन में संसार में कलह, युद्ध, रुई मंदी होकर तेज; अफीम तेज; सुदी ११ से ८ दिन में किरात, यवनों को पीड़ा, चांदी, अफीम, रक्तपदार्थ तीसी, उड़द, मूंग, घी, तेल, तिल, नारियल मंदा; चना, मोंठ में घटबढ़; सुदी १४ से १४ दिन में रुई, सूत, चांदी, घी, हींग, खजूर, कपास, तिल तेल, रेंड़ी, यव, चावल, गेहूँ, मूंग, सरसों तेज होगा। सुदी १४ से १० दिन में चांदी, रुई, धान, कपड़ा मंदा होगा।

१७-१८-१९, २४-२५-२६ अप्रैल तथा १-२-३, ८-९-१० मई को साधारण बादल-वृष्टि योग है।

ज्येष्ठ

वदी २ से १ मास में स्वर्ण धान्य, अफीम, कपड़ा, शस्त्र तेज; रुई, चांदी मन्दी, वदी ३ से २० दिन में वृक्षों, चौपायों का नाश, कपास, सूत, शेयर, रुई, सन, पाट, रेशम, गुड़, खांड़, छुहारा, हींग, मिर्च, राई, सरसों, तेल तेज; वदी १० से २० दिन में धान, चावल, अफीम तेज; शेयर, चांदी, रुई मंदी; वदी ११ से ८ दिन में सोना, चांदी, रुई में विशेष घटबढ़ होगी। तांबा, पीतल, जस्ता, हींग, पाट, शेयर तेज; चौपायों को कष्ट, वृष्टि की संभावना, प्रजा को कष्ट; वदी १२ से १० दिन में वायु वृष्टि की सम्भावना, रुई, चांदी, सोना मंदा; वदी ३ से १४ दिन में चावल, धान, तीसी, सरसों, मिर्च, सोपारी, हींग, तिल, खजूर, घी, रेंड़ी, राई, तेल, दाख, गुड़, खांड़, रुई, सूत, सन, पाट, ऊन तेज होगा। सुदी ३ से पातक वृद्धि-जनसंहार, अफीम तेज; चांदी, सोना, दाख, खारक, तीसी, रेंड़ी, सरसों, घी, तेल, गुड़, खांड़, सोपारी, ऊन मंदा; वदी ४ से कहीं वृष्टि, बाढ़; गेहूँ, तिल, उड़द मंदा; सुदी ५ से २० दिन में कपास, तिल, तेल तेज; रुई मंदी होकर तेज; सुदी १२ से १४ दिन में सोना, चांदी, लोहा, पारा, रांगा, सीसा, जस्ता, कमलगट्टा, सिंघाड़ा, चावल, मोती, नारियल, रुई, गुड़, सूत, रेशम, उड़द, मूंग, मोठ, बाजरा, चन्दन, सुगन्ध, कराई तेज; वायु की तीव्रता चौपायों की हानि होगी। सुदी १५ से ईख, गुड़, रस, चांदी, शेयर, तेल, तिल, रेंड़ी, बिनौला, मूंगफली, रुई तेज; तरकारी सस्ती होगी।

१४-१५-१६, २१-२२-२३, २८-२९-३० मई तथा ४-५-६ जून को बादल वृष्टि योग है।

आषाढ़

वदी १ से ४५ दिन में दूध, दही, गुड़, खांड़, रस, अनाज, अफीम, तीसी, तांबा, कुसुम्ब, मजीठ, लाल वस्तुएं तेज, वदी ४ से १ मास में कपास, कन्दमूल, तिल, धान्य, रुई, तेल, पीले रंग के पदार्थ, घी, तेज; वदी ६ से २५ दिन में वायु-वृष्टि की तीव्रता, कपास, सूत, कपड़ा, सन, पाट मंदा; अफीम तेज; तीसी; घटबढ़, वदी १० से अति वृष्टि; वदी ११ से १४ दिन में वृष्टि; घी, गुड़, खांड़, चावल, मणि, मोती, कराई, खरी, गेहूँ, सुरमा, कपूर, चन्दन, सुगन्ध, लाल वस्त्र, रुई, हल्दी, सोंठ, लोहा, चांदी तेज; तिल तथा भैंसों का नाश होगा। सुदी २ से १० दिन में चांदी, रुई तेज; राजपूताने में वर्षा और बाजार भी तेज होगा। सुदी ६ से ३ महीने में सोना, चांदी, तांबा, मोती, रुई, रत्न, पुखराज तेज होगा। यमुना तट पर उपद्रव, पूर्व देश में पीड़ा, नर्मदा के किनारे तिल, कपास, शक्कर तेज; पूर्व पश्चिम में भय; सुदी ८ से चांदी, रुई तेज; तृण, काष्ठ, रुई, सोना, गेहूँ, जौ, चना, अनाज तेज; शेयर, गुड़, बिनौला, कपूर, चन्दन, अगर-तगर, रेशम मंदा; सुदी १० से १४ दिन में उड़द, मूंग, मोठ, चावल, मसूर, नमक, ज्वार, तीसी, बिनौला, सज्जी, लाख, चपड़ा, नील, तिल, रेंड़ी, मजीठ, कुसुम्ब, माजूफल, केशर, हरड़, कपास, कपूर, चन्दन, लवंग, नारियल, सफेद वस्तुएँ, सोना, चांदी तेज; सुदी १५ से २० दिन में वायु-वृष्टि की अधिकता; रुई, चांदी मंदी; शेयर, तीसी, रेंड़ी, गुड़, खांड़, शक्कर तेज, रुई; का भाव तेज होगा। खंड-वृष्टि भी सम्भव है।

११-१२-१३, १७-१८-१९-२०, २५-२६-२७ जून तथा २-३-४, ८-९-१० जुलाई को बादल-वृष्टि योग है।

श्रावण

वदी १ से १० दिन में बादल, वृष्टि, बाढ़; गेहूँ, तिल, उड़द, कपास, नमक, रस तेज; वदी ७ से १ मास में अफीम मंदा; चांदी, अनाज, चावल तेज; वदी ९ से १४ दिन में तिल, तेल, मद्य, गुड़, ज्वार, गुगुल, सोपारी, सोंठ, मूंग, हींग, चावल, शक्कर, हल्दी, लाख, सन, पाट, चपड़ा, ऊनी वस्त्र, शीशा, सोना, चांदी तेज; रुई तेज होकर मंदा; वदी ११ से ८ दिन में रुई, सूत मंदा; वदी १३ से ८ दिन में वर्षा, सूत, सन, पाट, वस्त्र, सोना, चांदी, तिल, चावल तेज; वदी १४ से १० दिन में चावल, मूं[illegible] चना, कराई, धान्य, रुई मंदा और अनाज तेज; सुदी १ से [illegible] दिन में ईख, गुड़, शक्कर, अफीम, खांड़, धान, रुई तेज; व[illegible] संभावना; ४० से ४५वें दिन तक चांदी मंदी; सुदी ३ से [illegible] चांदी, रुई तेज; अफीम, धान्य, घी में मंदा, सुदी ४ से १[illegible] चांदी, सोना, रुई, जवाहरात मंदा; सुदी ६ से २० दिन [illegible] भय; राजाओं में विरोध; रुई, सोना, चांदी में घटबढ़; स[illegible] १४ दिन में गेहूँ, चना, तीसी, तिल, तेल, गुड़, बिनौला, [illegible] प्रामिसरी नोट, उड़द, नील, अफीम, सोना, चांदी, र[illegible] होगा। सुदी ११ से २० दिन में सोना, लाल रंग तेज; चांदी, रुई मंदी होकर तेज होगा।

१५-१६-१७, २२-२३-२४, २९-३०-३१ जुला[illegible] अगस्त को बादल-वृष्टि योग है।

भाद्रपद

वदी ५ से २० दिन में दही, खट्टा पदार्थ, देवदारु, चांदी, सूत, कपड़ा, रेलवे स्लीपर तेज; शेयर, खांड़, [illegible] कपूर मंदा। उसी दिन से २ मास में सोना, चांदी, [illegible] मूंग, ज्वार, चावल, घी, तेल, तीसी, सरसों, कपास, [illegible] रुई में घटबढ़, पृथ्वी पर कष्ट; वदी ७ से १० दिन [illegible]

जरा, ज्वार, चना मंदा; वदी ८ से १ मास में ईख, गुड़, क्कर, रक्त पदार्थ, रत्न, तिल, तेल, रुई, चाँदी, रेंड़ी, घी तेज; न्य मंदा; उसी दिन से १५ दिन में ज्वार, रुई, मूंग, रेंड़ी, तिल, ख, मिर्चा तेज; वदी १० से २० दिन में वैश्यों को पीड़ा, जपुताने में वर्षा; उड़द, तिल, तेल, रुई तेज; अनाज मंदा; दी १३ से २ मास में दुर्भिक्ष-भय, धन-नाश; रुई, सोना, चाँदी, नाज मंदा; उसी दिन से २० दिन में अल्प वृष्टि, धान्य तेज, न्तिम चार दिनों में चाँदी २) ३) मंदी। वदी ३० से १० दिन चाँदी, रुई, धान, कपड़ा मंदा; चौपायों की मृत्यु; सुदी १ से दिन में गेहूँ, जौ, बाजरा, कपास, मंदा; चाँदी शायद तेज; सुदी ५ २० दिन में खतियों का नाश, चावल, धान तेज; शाल-दुशाले शेष तेज; रुई मंदी; वदी ६से ८ दिन में वायु वृष्टि की अधिकता; , जौ, चना तेज; चाँदी अवश्य मंदी; सुदी ७ से १४ दिन में दी, सोना, सूत, गहना, कपड़ा, कपास, चावल, गेहूँ, सरसों, ल, ज्वार, जीरा, घी, अफीम तेज; सुदी १२ से १० दिन में दल की सम्भावना, अनाज मंदा; सुदी १४ से अवर्षण, धान, , चावल, मंदा होगा।

११-१२-१३, १८-१९-२०, २५-२६-२७ अगस्त तथा १-२-३ तम्बर को बादल-वृष्टि योग है।

आश्विन

वदी ४ से ४५ दिन में सोना, चाँदी, रूपा, ताँबा, गेहूँ, लाल तीसी, लाल मिर्चा तेज; उसी दिन से २० दिन में वर्षा; तिल, मूंग, अनाज तेज; वदी ६ से १४ दिन में सोना, चाँदी, तल, घी, सरसों, रेंड़ी, सुपारी, ज्वार, बाजरा, उड़द, मूंज, बाँस, नील, अफीम, रेशम तेज, चौपायों को पीड़ा; से १ मास में मजीठ, नारियल, तिल, तेल, घी, कपास चाँदी मंदी; वदी १० से १ साल में दुर्भिक्ष, चौपायों की अनावृष्टि, भयंकर युद्ध, राजाओं का नाश; गुड़, घी, तेज; अकाल पड़ेगा। वदी १२ से २० दिन में वर्षा, तेज; युद्ध होगा। चाँदी, तीसी, सरसों, रेंड़ी, बिनौला, ; वदी १४ से २० दिन में विरोध बढ़ेगा, चाँदी मंदी, सोना, अफीम तेज; वदी ३० से २ मास में , सोना, चाँदी तेज; राजाओं में विग्रह; सुदी ५ से १४ ज्वार, जौ, गुड़, खाँड़, सन, पाट, कपास, हल्दी, घास, , हर्रा, बहेरा, हींग, छार तेज; सुदी ७ से ९ दिन में ज मंदा, रस तेज; सुदी १० से २० दिन में अल्प-वृष्टि, घी, तेल, रस, लाल मिर्चा तेज होगा। सुदी १२ से रस, घी, कपूर, तिल, तेल, रेंड़ी, बिनौला, मूँगफली तेज; गेहूँ, जौ, चना, मंदा; सुदी १४ से १० दिन में रुई, चाँदी मंदी; राजपूताना में वृष्टि होगी।

७-८-९, १५-१६-१७, २२-२३-२४, २८-२९-३० सितम्बर तथा ५-६ अक्टूबर को बादल-वृष्टि योग है।

कार्तिक

वदी २ से ८ दिन में वृष्टि होगी, रुई मंदी; वदी ४ से १५ दिन में धान्य, गेहूँ, चना, सूत, कपास, रुई, अरहर, सोना, चाँदी, केशर, जवाहरात, गुड़, लाख, चपड़ा तेज; वदी ६ से २० दिन में वायु-वर्षा की अधिकता होगी; जौ, चना तेज; चाँदी, सोना, खाँड़ मंदा; वदी ८ से चाँदी, सरसों, घी, तीसी, चावल, तम्बाकू तेज; लाख, चपड़ा, रुई, चावल मंदा; वदी १०से १ मास में सोना, धान, चावल, तीसी, गेहूँ, अनाज, आमला तेज; अफीम, रुई, सोना, चाँदी मंदी; वदी ११ से १० दिन में क्षत्रियों में उपद्रव, वर्षा की न्यूनता; खाँड़, चावल, चाँदी मंदी; भूकम्प की सम्भावना; सुदी २ से २० दिन में जलवृष्टि में न्यूनता; गुड़, खाँड़ तेज; चौपायों को कष्ट; उत्पात होगा। सुदी ३ से १४ दिन में सोना, चाँदी, लोहा, पारा, राँगा, शीशा, गुड़, मिर्च, खाँड़, तेल, राई, हींग, कपूर, लाख, चपड़ा, बिनौला, केराना, धनिया, तेजपात, हल्दी, गुगुल, रुई, सन, पाट, लाख, चपड़ा तेज; सुदी ७ से चाँदी, सोना, रुई तेज; राजपूताने में वर्षा। सुदी ८ से १० दिन में अवर्षण, धान्य तेज; सोना, चाँदी, चावल, सरसों, तेल, हींग मंदा; सुदी ९ से ४५ दिन में चंदन, रेशमी वस्त्र, लालमिर्च, लाल वस्त्र, लाल गेहूँ, तीसी, सरसों, गुड़, मजीठ, सोना, चाँदी तेज; थोड़ी वर्षा होगी।

१२-१३-१४ १९-२०-२१, २५-२६-२७ अक्टूबर तथा १-२-३ नवम्बर को बादल-वृष्टि योग है।

मार्गशीर्ष

वदी १ से १४ दिन में चाँदी, सोना, लोहा, राँगा, शीशा, जस्ता, नोट, तिल, चावल, रस, सूत, अफीम, सरसों, मसूर, रेंड़ी तेज; दक्षिण और पूर्व में उपद्रव; वदी ४ से २५ दिन में धान्य तेज; रुई, चाँदी मंदी; शायद शेयर तेज; वदी ११ से १ मास में ऊनी वस्त्र चाँदी, ताँबा, तेल, तिल, रुई, अफीम तेज; वदी १३ से ८ दिन में रुई मंदी; वदी १४ से १४ दिन में रस धातु, चना, गेहूँ, नोट, तीसी, मिर्च तेज; सोना, चाँदी मंदी; वदी ३० से उड़द, तेल, तिल, छार, नमक, गुड़, खाँड़, रस मंदा; मूंग, मोठ तेज; सुदी १२ से ८ दिन में रुई में घटबढ़; तीसी, रस मंदा; सुदी १३ से १४ दिन में सोना, चाँदी, गुड़, धान्य, रेंड़ी, चावल, गुगुल, पारा, सरसों, अफीम, वस्त्र तेज; सुदी १५ से २० दिन में खेतियों का नाश; चना, रुई, चाँदी, शेयर, गुड़, घी, गेहूँ, अनाज, रस तेज होगा।

८-९-१०, १५-१६-१७, २२-२३-२४, २८-२९-३० नवंबर को बादल-वृष्टि योग है।

पौष

वदी ३ से २० दिन में रोग-वृद्धि, पीड़ा, धान्य, सोना, चावल, गेहूँ, धातुएँ तेज; वदी ९ से १० दिन में कर्णरोग बढ़ेंगे, चौपाये दुखी रहेंगे, रुई, तिल, तेल तेज; रुई, कपास, चाँदी मंदी; वदी १० से १ मास में तिल, तेल, कपास, सन, चाँदी, रुई तेज; कोट मालवा में अशान्ति; वदी १२ से २ मास में सुभिक्ष, सुवृष्टि, रुई, गुड़, खाँड़, घी, तेल, मोती, रस मंदा; वदी ३० से ४५ दिन तक सर्वधान्य, उड़द, मूंग, रुई, सन, कपास, गेहूँ, घी, धान्य, अफीम, श्वेत पदार्थ, गुड़ तेज; चाँदी मंदी; सुदी १ से १० दिन में बिनौला, तेल, धान्य मंदा; सुदी ५ से १० दिन में हाथियों को कष्ट, चाँदी तेज; चावल, रुई, तिल, मूंग, मोठ, उड़द, तेल तेज; सुदी ९ से १४ दिन में तिल, तेल, गुड़, गुगुल, हल्दी, लाख, चपड़ा, कपूर, चना, बिनौला, ऊनी वस्त्र, सन, पाट, चाँदी, अफीम तेज; उसी दिन से चाँदी, रुई, धान, कपड़ा २० दिन तक मंदा; सुदी १० से २९ दिन में अनावृष्टि; रुई, सूत, ईख, गेहूँ, रस, धातुयें, तिल, तेल, रुई तेज; सुदी १३ से २० दिन में अफीम, चाँदी मंदी होकर तेज; घी, तेल, रस तेज; तीसी मंदी होगी।

५-६-७-८, १३-१४-१५, १९-२०-२१, २६-२७-२८ दिसम्बर तथा २-३ जनवरी को साधारण बादल वृष्टि योग है।

माघ

वदी २ से ८ दिन में गेहूँ, गुड़, खाँड़, चावल तेज; वदी ५ से ५० दिन में गुड़, तीसी, धान, चना तेज; हिमपात सम्भव है; वदी ७ से १४ दिन में उड़द, मूंग, चावल, रेंड़ी, रेशम, गुड़, कपास, तीसी, घी, पिपरामूल, लोहा, धान, लाख, चपड़ा, मूंज, बाँस, सरसों तेज; वदी १० से १ मास में घी, तीसी, तेल, रुई, लाल वस्त्र, धान्य, गुड़ तेज; वायु की तीव्रता, वर्षा की सम्भावना; वदी ३० से १० दिन में रुई तेज; सुदी २ से १५ दिन में रुई, शेयर, चाँदी, पाट, हैसियत मंदा; राजपूताने में वर्षा; सुदी ६ से १४ दिन में गेहूँ, गुड़, जौ, चावल, चाँदी, पिप्पली, सोपारी, लवंग, शक्कर, नोट, तीसी, अफीम, राई, सोना, लोहा, पारा, शीशा, राँगा, जस्ता तेज, सुदी ७ से २० दिन में कपास, रुई, गेहूँ तेज; वृष्टि में कमी;

सुदी ९ से २० दिन में रुई, चाँदी तेज, धान मंदा; [illegible] सुदी १० से गोरस, रुई, तीसी, गेहूँ, जौ, चावल, रस, गुड़, घी मंदा, तिल, तेल, कपास, नमक, ऊन, सोना, चाँदी, लोहा तेज; उसी दिन से १० दिन तक ईख, गड़, खाँड़, कपूर, रस, तिल, तेल, रेंडी, बिनौला, मूंगफली तेज, गेहूँ, यव, चना मंदा होगा।

४-९-१०-११, १५-१६-१७, २२-२३-२४, २९-३०-३१ जनवरी को साधारण बादल वृष्टि योग है।

फाल्गुन

वदी १ से रुई, चाँदी तेज, राजपुताने में वर्षा, वदी ३ से १४ दिन में जवाहरात, मूंग, मसूर, रुई, सोना, चांदी, मोती, नील तेज; वदी १० से १ मास में नमक, तेल, गुड़, रक्त पदार्थ तेज, अनाज, रेंड़ी, तीसी मंदा; उसी दिन से ४५ दिन में रुई, चाँदी तेज, घी, तेल, अनाज मंदा; सुदी २ से गेहूँ, जौ, चना, तृण, काष्ठ तेज; शेयर, रुई घटबढ़ कर मंदा; अफीम, कपूर, अगर, रेशम, तेल, तीसी, गुड़, मूंगफली, बिनौला, मंदा; सुदी ३ से १४ दिन में चाँदी, सरसों, सूत, सन, पाट, कपड़ा, नील, केराना, धनिया, तेजपात मिर्च, लवंग, गुड़, जायफल, दाख तेज; सुदी ८ से रुई का भाव बदलेगा; सुदी १५ से १४ दिन में सोना, चाँदी, गेहूँ, चना, गुड़, उड़द, घी, रुई, अरहर, रेशम, गुगुल, पीपरामूल, ज्वार, बाजार, तिल, तेल तेज होगा।

५-६-७, १२-१३-१४, १८-१९-२०, २५-२६-२७-२८, फरवरी को बादल वृष्टि योग है।

चैत्र कृष्ण पक्ष

वदी १ से २० दिन में धान्य महर्घ, रुई, चाँदी तेज; ऊन, तीसी मंदा; पशुओं को कष्ट, अल्प वृष्टि; वदी २ से २० दिन में गेहूँ, लाल मिर्च तेज; वदी ११ से १ मास में धान, नमक, तिल, तेल, रस तेज; चाँदी, अफीम, मंदा; वदी ३० से १४ दिन में सर्वरस, गुड़, तिल, तेल, चावल तेज; उसी दिन से ३० मास में पृथ्वी पर सुभिक्ष, मनुष्यों को पीड़ा, राज्य, धन, धान्य, नाश, मुनियों, यमुना-तटवासियों को पीड़ा; नर्मदा तट पर अकाल; बिहार प्रान्त व यवनों को पीड़ा; पूर्व पश्चिम में भय, तिल, कपास, शक्कर, रस तेज होगा।

५-६-७, ११-१२-१३, १७-१८ मार्च को साधारण बादल वृष्टि योग है।

५३—मेष में सूर्य, वृष में चन्द्र हो और गुरु लग्न में हो तो ५३ वर्ष की आयु होगी।

५४—कर्कराशि में गुरु हो, मीन राशि में गया हुआ शुक्र दशम भाव में चन्द्रमा से युक्त हो तो ५४ वर्ष की आयु होगी।

५५—सूर्य के लग्न में कर्कराशि का चन्द्र, दशम भाव में पापग्रह से युत और गुरु चतुर्थ या सप्तम भाव में हो तो ५५ वर्ष की आयु होगी।

५५—लग्न में मीन राशि का शुक्र और कर्क में गुरु हो तो ५५ वर्ष में मरण होगा।

५५—द्विस्वभाव राशि के लग्न में शनि हो और व्ययेश निर्बल होकर अष्टम भाव में हो तो ५५ वर्ष की आयु होगी।

५५—लग्न में सूर्य पापग्रहों से युक्त हो, चन्द्रमा दशम और गुरु केन्द्र में हो तो ५५ वर्ष की आयु होगी।

५६—बलवान शुक्र और बुध लग्न में हो और शुभग्रह से दृष्ट हों तो ५६ वर्ष की आयु होगी।

५७—लग्नेश लग्न में अथवा केन्द्र स्थान में हो, शुभ ग्रहों से दृष्ट हो तो ५७ वर्ष की आयु होगी।

५७—धनराशि का गुरु लग्न में हों और राहु से युत मंगल आठवें भाव में हो तो ५७ वर्ष में मरण होगा।

५८—त्रिकस्थान (६।८।१२) में चन्द्र से युत लग्नेश हो, शनि के नवांश में हो तो ५८ वर्ष की आयु होगी।

५८—अष्टमेश सप्तम भाव में और पापयुत चन्द्रमा ६।८ भाव में हो तो ५२ वें वर्ष मृत्यु होगी।

५८—बुध शत्रु क्षेत्र में हो पापग्रह से और चन्द्रमा से युक्त हो तो ५८वें वर्ष में मृत्यु होगी।

५८—छठे भाव में बुध शुक्र हों और कृष्णपक्ष के चन्द्र से दृष्ट हो १ अंश से अल्प चन्द्रमा लग्न में अथवा त्रिक स्थान में हो तो ५८वें वर्ष मरण होगा।

५९—अष्टम स्थान में रवि राहु का योग हो तो ५९ वें वर्ष में मरण होगा।

५९—पाँचवें किंवा दशवें बुध हो आठवें गुरु, द्वादश भाव में चन्द्र गुरु शुक्र हों तो ५९ वें वर्ष में मरण होगा।

६०—चन्द्रमा अपनी उच्चराशि का हो शुभग्रह अपनी स्वराशि में हों बलवान लग्नेश लग्न में स्थित हों तो ६० वर्ष की आयु होगी।

६०—स्वराशि का चन्द्रमा लग्न में और सातवें भाव में शुभग्रह हो तो ६० वर्ष की आयु होगी।

६०—वृष का चन्द्रमा लग्न में और सभी शुभग्रह अपनी स्वराशि में हों तो ६० वर्ष की आयु होगी।

६०—अष्टम स्थान के बिना अन्य स्थान में शुभग्रह गये हों और पापग्रह से युत लग्नेश त्रिक स्थान (६-८-१२) में स्थित हो तो ६० वर्ष की आयु होगी।

६०—जन्म राशि का स्वामी सूर्य से युक्त हो और लग्नेश अष्टम स्थान में स्थित हो केन्द्र में गुरु न हो तो ६० वर्ष की आयु होगी।

६०—सर्वग्रह पंचम भाव में हों तो ६० वर्ष की आयु होवे।

६०—अष्टमेश से युक्त गुरु लग्न में हो अथवा कुम्भ राशि का गुरु पापग्रह से युक्त होकर केन्द्र स्थान में स्थित हो तो ६० वें वर्ष मरण होगा।

६०—लग्न में शनि, चतुर्थ चन्द्रमा, सप्तम में मंगल, दशम में सूर्य हो और ये बुध गुरु शुक्र में से किसी एक से भी युक्त हों तो ६० वर्ष तक जीवन रहेगा।

६०—लग्न में गया हुआ शुक्र चन्द्र बुध या गुरु से दृष्ट हो तथा पंचम भाव में गुरु हो तो ६० वर्ष की आयु होगी।

६०—लग्न में शुक्र केन्द्र में बुध शनि और ३-११ में भा[illegible] में परमोच्च राशि गत कोई भी ग्रह गया हो तो ६० वर्ष [illegible] आयु होगी।

६०—लग्नेश से ६-८-१२ स्थान में पापग्रह हों और [illegible] तथा आठवें गुरु युत हों तो ६० वर्ष की आयु होगी।

६०—जिसका केन्द्र स्थान पापग्रह से युक्त हो औ[illegible] पापग्रह से युक्त हो तो लग्न में गुरु न हो तो ६० वें वर्ष मृत[illegible]

६०—तीसरे ग्यारहवें भाव में शुक्र और नववें पाँच[illegible]म चन्द्र हो तो ६० वर्ष की आयु होगी।

६१—लग्न में चार गृह हों, शेषग्रह दूसरे तीसरे चतु[illegible] में हों तो ६१ वर्ष की आयु होगी।

६२—धन मीन अथवा कर्कराशि का गुरु लग्न[illegible] ६२ वर्ष पर्यन्त जीवित रहेगा।

६३—धनराशि में शुक्र, मीन राशि में गुरु केन्[illegible] वृश्चिक राशि में सूर्य चन्द्रमा हों तो ६३ वर्ष की आयु[illegible]

६४—जन्म लग्न का स्वामी सूर्य चन्द्रमा से [illegible] ११-७१-१० स्थान में से किसी भी स्थान में गुरु [illegible] वर्ष मरण होगा।

६५—सिंहराशि में गया हुआ चन्द्रमा किसी [illegible] हो तो ६५वें वर्ष मरण होगा।

६५—कर्कराशि का चन्द्रमा लग्न में, नीच का शनि दशवें और सप्तम भाव में सूर्य हो तो ६५ वर्ष की आयु होगी।

६६—लग्नेश और तत्काल होरा लग्नेश ये दोनों आठवें भाव में हों और अष्टमेश केन्द्र में हो तो (६०) या ६६ वर्ष की आयु होगी।

६६—लग्न में सूर्य बुध गुरु, का योग हो मीन राशि का शनि किसी भी भाव में हो और व्यय भाव में चन्द्रमा हो तो ६६ वर्ष पर्यन्त जीवन रहेगा।

६६—यदि सर्वग्रह कर्कराशि के नवांश में हों तो ६६ वर्ष की आयु होगी।

६७—बुध गुरु शुक्र लग्न में हों और उनको सभी ग्रह देखते हों तो ६७ वर्ष की आयु होगी।

६८—छठे आठवें द्वादश भाव में समस्त ग्रह हों तो ६८ वर्ष की आयु होगी।

६८—दशम भाव में रवि-चन्द्रमा, लग्न में शनि और चतुर्थ भाव में गुरु हो तो ६८ वर्ष की आयु होगी।

७०—लग्न से अथवा चन्द्रमा से केन्द्र स्थान में शुभग्रह हो लग्न में गुरु हो और वह स्वराशिगत क्रूर ग्रहों से युत दृष्ट न हो तो ० वर्ष की आयु होगी।

७०—लग्न और चन्द्रमा क्रूर ग्रहों से युक्त न हों, लग्न में ो, अष्टम में कोई भी ग्रह न हो, केन्द्र में शुभ ग्रह हों तो ७० ी आयु होगी।

—गुरु निर्बल हो शुभग्रहों से युक्त सूर्य लग्न में, चन्द्रमा पाँचवें हों तो ७० वर्ष की आयु होगी।

०—केन्द्र में अथवा त्रिकोण में नीच का शनि हो शुभ ग्रह हो अथवा बुध सहित सूर्य केन्द्र में हो तो ७० वर्ष पर्यन्त ।

०—बलवान शुभग्रह केन्द्र में हों, अष्टम भाव में कोई न हों, लग्नश पापग्रहों से दृष्ट न हो तो ७० वर्ष की ी।

—पंचम भाव में मंगल, नीच राशि में शनि किसी भी र सप्तम भाव में रवि हो तो ७० वर्ष की आयु होगी।

सभी शुभ ग्रह लग्न से छठे भाव पर्यन्त क्रम से ६ भावोंमें म से व्यय पर्यन्त ६ भाव में क्रम से सभी ग्रह गये हों आयु होगी।

यदि केन्द्र में शुक्र अपनी स्वराशि उच्चराशि वा मित्र ा हो तो ७० वर्ष पर्यन्त जीवन रहेगा।

७०—अपनी स्वराशि या उच्चराशि गत शनि सभी शुभ ग्रहों से दृष्ट होकर किसी भी भाव में हो तो ७० में वर्ष मरण होगा।

७०—सूर्य-मंगल शनि या शुक्र से युक्त हों, लग्न में गुरु निर्बल हो चन्द्रमा द्वादश या पञ्चम भाव में हो तो ७० वर्ष पर्यन्त जीवन होगा।

७०—केवल गुरु लग्नेश से केन्द्र स्थान में हो तो ७० वें वर्ष की आयु होगी।

७१—लग्न शुभ ग्रहों से इष्ट हो मंगल सप्तम में हो तो ७१ वर्ष की आयु होवे।

७२—केतु लग्न में शनि के नवांश में हो तो ७२ वर्ष की आयु होगी।

७३—किसी भी भाव में शुभ ग्रहों में षड् वर्ग में गया हुआ चन्द्रमा हो और क्रूर ग्रह से लग्नेश दृष्ट हो सभी शुभ ग्रह बलवान हों तो ७३ वर्ष की आयु होगी।

७३—शत्रु क्षेत्र में बुध हो और चन्द्रमा पापग्रह से युक्त हो तो ७३ वर्ष की आयु होगी।

७४—आठवें या द्वादश भाव में गये हुए राहु को चन्द्रमा पूर्ण देखता हो तो ७४ वर्ष की आयु होगी।

७५—पूर्ण चन्द्रमा शुभग्रहों से दृष्ट होकर लग्न में या वर्गोत्तम हो तो ७५ वर्ष की आयु होगी।

७६—लग्न का स्वामी लग्न में अथवा केन्द्र स्थान में बली हो या लग्न को पूर्ण देखता हो तो ७६ वें वर्ष मरण होगा।

७७—पांचवें या नवम भाव में शुक्र हो गुरु सप्तम भाव में बुध चौथे या दशम भाव में हो तो ७७ वर्ष की आयु होगी।

७९—चार ग्रह यदि अपनी उच्चराशि में स्थित होकर केन्द्र स्थान में हो तो ७९ वर्ष की आयु होगी।

८०—गुरु अपनी उच्चराशि में हो लग्नेश अति बलवान हो अन्य सभी शुभग्रह मूल त्रिकोण राशि में हों तो ८० वर्ष की होगी।

८०—कर्क राशिस्थ गुरु लग्न में हो और ५-९ वें भाव में शुभग्रह हो तो ८० वर्ष की आयु होगी।

८०—सभी पापग्रह शुभ ग्रह के नवांश में स्थित होकर केन्द्र में हों तो ८० वर्ष की आयु होगी।

८०—लग्न से छठे भाव पर्यन्त बलवान शुभग्रह और सप्तम भाव से बारहवें भाव पर्यन्त सर्व पापग्रह गये हों तो ८० वर्ष की आयु होगी।

८०—यदि सभी ग्रह मेषराशि के दसवें अंश पर हों और चन्द्रमा भी मेषराशि में हों तो ८० वर्ष की आयु होगी।

८०—लग्न में गुरु, सातवें शुक्र, लाभ में शनि हो तो ८० वर्ष की आयु होगी।

८०—चतुर्थ में गुरु चन्द्रमा, लाभ में बलवान लग्नेश, दशम में बुध हो तो ८० वर्ष की आयु होगी।

८५—सूर्य मंगल शनि गुरु के नवांश में स्थित होकर केन्द्र में हों गुरु लग्न में और शेष सभी ग्रह अष्टम स्थान के बिना अन्य स्थान में गये हों तो ८५ वें वर्ष में मृत्यु होगी।

८६—चन्द्रमा से युक्त गुरु केन्द्र स्थान में हो शेष ग्रह शुभ ग्रह से दृष्ट हो शेष अन्य ग्रह २-११ वें भाव में हों तो ८६ वें वर्ष मरण होगा।

८६—केन्द्र स्थान में सभी शुभ ग्रह और अष्टम भाव के बिना अन्य भावों में सभी पापग्रह हों और छठे भाव में चन्द्रमा हो तो ८६ वें वर्ष मरण होगा।

९०—धनुराशि के १२ वें अंश पर सभी ग्रह स्थित हो तो ९०वें वर्ष में मरण होगा।

१००—शुक्र गुरु केन्द्र में अपनी उच्चराशि या वर्गोत्तमांश में हों तो १०० वर्ष की आयु होगी।

१००—कर्क लग्न में गुरु और केन्द्र में शुक्र स्वगृही हो तो १०० वर्ष की आयु होगी।

१००—नवम अथवा लग्न में शनि वर्गोत्तम में और बारहवें या नवम भाव में चन्द्रमा उच्च का हो तो १०० वें वर्ष मरण होगा।

१००—केन्द्र त्रिकोण और अष्टम स्थान के अतिरिक्त अन्य स्थानों में क्रूर ग्रह हों शुक्र अथवा गुरु केन्द्र में हों धन अथवा मीन राशि का लग्न हो अष्टम और नवम भाव को शुभग्रह पूर्ण देखते हों तो १०० वर्ष में मरण होगा।

१००—मीन लग्न में शुक्र हो शुभग्रह से दृष्ट चन्द्रमा अष्टम में हो केन्द्र में गुरु स्थित हो तो १०० वें वर्ष मरण होगा।

१००—लग्नेश-आठवें, दशम मे चन्द्रमा, गुरु बलवान हो अन्य ग्रह नवम में हों तो १०० वें वर्ष की आयु होगी।

१००—कर्क राशि का लग्न हो ३-६-११ वें भाव में गुरु हो चन्द्र, शुक्र, बुध केन्द्र में हो तो १०० वर्ष में मृत्यु होगी।

१००—सभी क्रूर-ग्रह गुरु के नवांश में अथवा मिथुन राशि के नवांश में स्थित होकर नवम तथा चतुर्थ भाव में हों, शुभ ग्रह व्यय तथा धन में और लग्न में; पूर्ण चन्द्रमा हो तो १०० वर्ष में शरीर छूटेगा।

सुदी ९ से २० दिन में रुई, चाँदी तेज, धान मंदा; सुख बढ़ेगा। सुदी १० से गोरस, रुई, तीसी, गेहूँ, जौ, चावल, रस, गुड़, घी मंदा, तिल, तेल, कपास, नमक, ऊन, सोना, चाँदी, लोहा तेज; उसी दिन से १० दिन तक ईख, गुड़, खाँड़, कपूर, रस, तिल, तेल, रेंड़ी, बिनौला, मूंगफली तेज, गेहूँ, यव, चना मंदा होगा।

४-९-१०-११, १५-१६-१७, २२-२३-२४, २९-३०-३१ जनवरी को साधारण बादल वृष्टि योग है।

फाल्गुन

वदी १ से रुई, चाँदी तेज, राजपूताने में वर्षा, वदी ३ से १४ दिन में जवाहरात, मूँग, मसूर, रुई, सोना, चाँदी, मोती, नील तेज; वदी १० से १ मास में नमक, तेल, गुड़, रक्त पदार्थ तेज, अनाज, रेंड़ी, तीसी मंदा; उसी दिन से ४५ दिन में रुई, चाँदी तेज, घी, तेल, अनाज मंदा; सुदी २ से गेहूँ, जौ, चना, तृण, काष्ठ तेज; शेयर, रुई घटबढ़ कर मंदा; अफीम, कपूर, अगर, रेशम, तेल, तीसी, गुड़, मूंगफली, बिनौला, मंदा; सुदी ३ से १४ दिन में चाँदी, सरसों, सूत, सन, पाट, कपड़ा, नील, केराना, धनिया, तेजपात मिर्च, लवंग, गुड़, जायफल, दाख तेज; सुदी ८ से रुई का भाव बदलेगा; सुदी १५ से १४ दिन में सोना, चाँदी, गेहूँ, चना, गुड़, उड़द, घी, रुई, अरहर, रेशम, गुगुल, पीपरामूल, ज्वार, बाजार, तिल, तेल तेज होगा।

५-६-७, १२-१३-१४, १८-१९-२०, २५-२६-२७-२८, फरवरी को बादल वृष्टि योग है।

चैत्र कृष्ण पक्ष

वदी १ से २० दिन में धान्य महर्घ, रुई, चाँदी तेज; ऊन, तीसी मंदा; पशुओं को कष्ट, अल्प वृष्टि; वदी २ से २० दिन में गेहूँ, लाल मिर्च तेज; वदी ११ से १ मास में धान, नमक, तिल, तेल, रस तेज; चाँदी, अफीम, मंदा; वदी ३० से १४ दिन में सर्वरस, गुड़, तिल, तेल, चावल तेज; उसी दिन से ३० मास में पृथ्वी पर सुभिक्ष, मनुष्यों को पीड़ा, राज्य, धन, धान्य, नाश, मुनियों, यमुना-तटवासियों को पीड़ा; नर्मदा तट पर अकाल; बिहार प्रान्त व यवनों को पीड़ा; पूर्व पश्चिम में भय, तिल, कपास, शक्कर, रस तेज होगा।

५-६-७, ११-१२-१३, १७-१८ मार्च को साधारण बादल वृष्टि योग है।

(संवत् २०२४ का शेष)

५३—मेष में सूर्य, वृष में चन्द्र हो और गुरु लग्न में हो तो ५३ वर्ष की आयु होगी।

५४—कर्कराशि में गुरु हो, मीन राशि में गया हुआ शुक्र दशम भाव में चन्द्रमा से युक्त हो तो ५४ वर्ष की आयु होगी।

५५—सूर्य के लग्न में कर्कराशि का चन्द्र, दशम भाव में पापग्रह से युत और गुरु चतुर्थ या सप्तम भाव में हो तो ५५ वर्ष की आयु होगी।

५५—लग्न में मीन राशि का शुक्र और कर्क में गुरु हो तो ५५ वर्ष में मरण होगा।

५५—द्विस्वभाव राशि के लग्न में शनि हो और व्ययेश निर्बल होकर अष्टम भाव में हो तो ५५ वर्ष की आयु होगी।

५५—लग्न में सूर्य पापग्रहों से युक्त हो, चन्द्रमा दशम और गुरु केन्द्र में हो तो ५५ वर्ष की आयु होगी।

५६—बलवान शुक्र और बुध लग्न में हो और शुभग्रह से दृष्ट हों तो ५६ वर्ष की आयु होगी।

५७—लग्नेश लग्न में अथवा केन्द्र स्थान में हो, शुभ ग्रहों से दृष्ट हो तो ५७ वर्ष की आयु होगी।

५७—धनराशि का गुरु लग्न में हो और राहु से युत मंगल आठवें भाव में हो तो ५७ वर्ष में मरण होगा।

५८—त्रिकस्थान (६।८।१२) में चन्द्र से युत लग्नेश हो, शनि के नवांश में हो तो ५८ वर्ष की आयु होगी।

५८—अष्टमेश सप्तम भाव में और पापयुत चन्द्रमा ६।८ भाव में हो तो ५२ वें वर्ष मृत्यु होगी।

५८—बुध शत्रु क्षेत्र में हो पापग्रह से और चन्द्रमा से युक्त हो तो ५८वें वर्ष में मृत्यु होगी।

५८—छठे भाव में बुध शुक्र हों और कृष्णपक्ष के चन्द्र से दृष्ट हो १ अंश से अल्प चन्द्रमा लग्न में अथवा त्रिक स्थान में हो तो ५८वें वर्ष मरण होगा।

५९—अष्टम स्थान में रवि राहु का योग हो तो ५९ वें वर्ष में मरण होगा।

५९—पाँचवें किंवा दशवें बुध हो आठवें गुरु, द्वादश भाव में चन्द्र गुरु शुक्र हों तो ५९ वें वर्ष में मरण होगा।

६०—चन्द्रमा अपनी उच्चराशि का हो शुभग्रह अपनी स्वराशि में हों बलवान लग्नेश लग्न में स्थित हों तो ६० वर्ष की आयु होगी।

६०—स्वराशि का चन्द्रमा लग्न में और सातवें भाव में शुभग्रह हो तो ६० वर्ष की आयु होगी।

६०—वृष का चन्द्रमा लग्न में और सभी शुभग्रह अपनी स्वराशि में हों तो ६० वर्ष की आयु होगी।

६०—अष्टम स्थान के बिना अन्य स्थान में शुभग्रह गये हों और पापग्रह से युत लग्नेश त्रिक स्थान (६-८-१२) में स्थित हो तो ६० वर्ष की आयु होगी।

६०—जन्म राशि का स्वामी सूर्य से युक्त हो और लग्नेश अष्टम स्थान में स्थित हो केन्द्र में गुरु न हो तो ६० वर्ष की आयु होगी।

६०—सर्वग्रह पंचम भाव में हों तो ६० वर्ष की आयु होवे।

६०—अष्टमेश से युक्त गुरु लग्न में हो अथवा कुम्भ राशि का गुरु पापग्रह से युक्त होकर केन्द्र स्थान में स्थित हो तो ६० वें वर्ष मरण होगा।

६०—लग्न में शनि, चतुर्थ चन्द्रमा, सप्तम में मंगल, दशम में सूर्य हो और ये बुध गुरु शुक्र में से किसी एक से भी युक्त हों तो ६० वर्ष तक जीवन रहेगा।

६०—लग्न में गया हुआ शुक्र चन्द्र बुध या गुरु से दृष्ट हो तथा पंचम भाव में गुरु हो तो ६० वर्ष की आयु होगी।

६०—लग्न में शुक्र केन्द्र में बुध शनि और ३-११ में भा[illegible] में परमोच्च राशि गत कोई भी ग्रह गया हो तो ६० वर्ष [illegible] आयु होगी।

६०—लग्नेश से ६-८-१२ स्थान में पापग्रह हों और [illegible] तथा आठवें गुरु युत हों तो ६० वर्ष की आयु होगी।

६०—जिसका केन्द्र स्थान पापग्रह से युक्त हो औ[illegible] पापग्रह से युक्त हो तो लग्न में गुरु न हो तो ६० वें वर्ष मृत[illegible]

६०—तीसरे ग्यारहवें भाव में शुक्र और नववें पाँच[illegible]म चन्द्र हो तो ६० वर्ष की आयु होगी।

६१—लग्न में चार गृह हों, शेषग्रह दूसरे तीसरे चतु[illegible] में हों तो ६१ वर्ष की आयु होगी।

६२—धन मीन अथवा कर्कराशि का गुरु लग्न[illegible] ६२ वर्ष पर्यन्त जीवित रहेगा।

६३—धनराशि में शुक्र, मीन राशि में गुरु केन्[illegible] वृश्चिक राशि में सूर्य चन्द्रमा हों तो ६३ वर्ष की आयु[illegible]

६४—जन्म लग्न का स्वामी सूर्य चन्द्रमा से [illegible] ११-७१-१० स्थान में से किसी भी स्थान में गुरु [illegible] वर्ष मरण होगा।

६५—सिंहराशि में गया हुआ चन्द्रमा किरी [illegible] हो तो ६५वें वर्ष मरण होगा।

६५—कर्कराशि का चन्द्रमा लग्न में, नीच का शनि दशवें और सप्तम भाव में सूर्य हो तो ६५ वर्ष की आयु होगी।

६६—लग्नेश और तत्काल होरा लग्नेश ये दोनों आठवें भाव में हों और अष्टमेश केन्द्र में हो तो (६०) या ६६ वर्ष की आयु होगी।

६६—लग्न में सूर्य बुध गुरु, का योग हो मीन राशि का शनि किसी भी भाव में हो और व्यय भाव में चन्द्रमा हो तो ६६ वर्ष पर्यन्त जीवन रहेगा।

६६—यदि सर्वग्रह कर्कराशि के नवांश में हों तो ६६ वर्ष की आयु होगी।

६७—बुध गुरु शुक्र लग्न में हों और उनको सभी ग्रह देखते हों तो ६७ वर्ष की आयु होगी।

६८—छठे आठवें द्वादश भाव में समस्त ग्रह हों तो ६८ वर्ष की आयु होगी।

६८—दशम भाव में रवि-चन्द्रमा, लग्न में शनि और चतुर्थ भाव में गुरु हो तो ६८ वर्ष की आयु होगी।

७०—लग्न से अथवा चन्द्रमा से केन्द्र स्थान में शुभग्रह हो लग्न में गुरु हो और वह स्वराशिगत क्रूर ग्रहों से युत दृष्ट न हो तो [illegible]० वर्ष की आयु होगी।

७०—लग्न और चन्द्रमा क्रूर ग्रहों से युक्त न हों, लग्न में [illegible]ो, अष्टम में कोई भी ग्रह न हो, केन्द्र में शुभ ग्रह हों तो ७० [illegible] आयु होगी।

[illegible]—गुरु निर्बल हो शुभग्रहों से युक्त सूर्य लग्न में, चन्द्रमा [illegible] पांचवें हों तो ७० वर्ष की आयु होगी।

[illegible]०—केन्द्र में अथवा त्रिकोण में नीच का शनि हो शुभ ग्रह [illegible] हो अथवा बुध सहित सूर्य केन्द्र में हो तो ७० वर्ष पर्यन्त [illegible]।

[illegible]०—बलवान शुभग्रह केन्द्र में हों, अष्टम भाव में कोई [illegible] न हों, लग्नश पापग्रहों से दृष्ट न हो तो ७० वर्ष की [illegible]ी।

[illegible]—पंचम भाव में मंगल, नीच राशि में शनि किसी भी [illegible]र सप्तम भाव में रवि हो तो ७० वर्ष की आयु होगी।

[illegible] सभी शुभ ग्रह लग्न से छठे भाव पर्यन्त क्रम से ६ भावोंमें [illegible] से व्यय पर्यन्त ६ भाव में क्रम से सभी ग्रह गये हों [illegible] आयु होगी।

[illegible] यदि केन्द्र में शुक्र अपनी स्वराशि उच्चराशि वा मित्र [illegible] हो तो ७० वर्ष पर्यन्त जीवन रहेगा।

७०—अपनी स्वराशि या उच्चराशि गत शनि सभी शुभ ग्रहों से दृष्ट होकर किसी भी भाव में हो तो ७० में वर्ष मरण होगा।

७०—सूर्य-मंगल शनि या शुक्र से युक्त हों, लग्न में गुरु निर्बल हो चन्द्रमा द्वादश या पञ्चम भाव में हो तो ७० वर्ष पर्यन्त जीवन होगा।

७०—केवल गुरु लग्नेश से केन्द्र स्थान में हो तो ७० वें वर्ष की आयु होगी।

७१—लग्न शुभ ग्रहों से इष्ट हो मंगल सप्तम में हो तो ७१ वर्ष की आयु होवे।

७२—केतु लग्न में शनि के नवांश में हो तो ७२ वर्ष की आयु होगी।

७३—किसी भी भाव में शुभ ग्रहों में षड् वर्ग में गया हुआ चन्द्रमा हो और क्रूर ग्रह से लग्नेश दृष्ट हो सभी शुभ ग्रह बलवान हों तो ७३ वर्ष की आयु होगी।

७३—शत्रु क्षेत्र में बुध हो और चन्द्रमा पापग्रह से युक्त हो तो ७३ वर्ष की आयु होगी।

७४—आठवें या द्वादश भाव में गये हुए राहु को चन्द्रमा पूर्ण देखता हो तो ७४ वर्ष की आयु होगी।

७५—पूर्ण चन्द्रमा शुभग्रहों से दृष्ट होकर लग्न में या वर्गोत्तम हो तो ७५ वर्ष की आयु होगी।

७६—लग्न का स्वामी लग्न में अथवा केन्द्र स्थान में बली हो या लग्न को पूर्ण देखता हो तो ७६ वें वर्ष मरण होगा।

७७—पांचवें या नवम भाव में शुक्र हो गुरु सप्तम भाव में बुध चौथे या दशम भाव में हो तो ७७ वर्ष की आयु होगी।

७९—चार ग्रह यदि अपनी उच्चराशि में स्थित होकर केन्द्र स्थान में हो तो ७९ वर्ष की आयु होगी।

८०—गुरु अपनी उच्चराशि में हो लग्नेश अति बलवान हो अन्य सभी शुभग्रह मूल त्रिकोण राशि में हों तो ८० वर्ष की होगी।

८०—कर्क राशिस्थ गुरु लग्न में हो और ५-९ वें भाव में शुभग्रह हो तो ८० वर्ष की आयु होगी।

८०—सभी पापग्रह शुभ ग्रह के नवांश में स्थित होकर केन्द्र में हों तो ८० वर्ष की आयु होगी।

८०—लग्न से छठे भाव पर्यन्त बलवान शुभग्रह और सप्तम भाव से बारहवें भाव पर्यन्त सर्व पापग्रह गये हों तो ८० वर्ष की आयु होगी।

८०—यदि सभी ग्रह मेषराशि के दसवें अंश पर हों और चन्द्रमा भी मेषराशि में हों तो ८० वर्ष की आयु होगी।

८०—लग्न में गुरु, सातवें शुक्र, लाभ में शनि हो तो ८० वर्ष की आयु होगी।

८०—चतुर्थ में गुरु चन्द्रमा, लाभ में बलवान लग्नेश, दशम में बुध हो तो ८० वर्ष की आयु होगी।

८५—सूर्य मंगल शनि गुरु के नवांश में स्थित होकर केन्द्र में हों गुरु लग्न में और शेष सभी ग्रह अष्टम स्थान के बिना अन्य स्थान में गये हों तो ८५ वें वर्ष में मृत्यु होगी।

८६—चन्द्रमा से युक्त गुरु केन्द्र स्थान में हो शेष ग्रह शुभ ग्रह से दृष्ट हो शेष अन्य ग्रह २-११ वें भाव में हों तो ८६ वें वर्ष मरण होगा।

८६—केन्द्र स्थान में सभी शुभ ग्रह और अष्टम भाव के बिना अन्य भावों में सभी पापग्रह हों और छठे भाव में चन्द्रमा हो तो ८६ वें वर्ष मरण होगा।

९०—धनुराशि के १२ वें अंश पर सभी ग्रह स्थित हो तो ९०वें वर्ष में मरण होगा।

१००—शुक्र गुरु केन्द्र में अपनी उच्चराशि या वर्गोत्तमांश में हों तो १०० वर्ष की आयु होगी।

१००—कर्क लग्न में गुरु और केन्द्र में शुक्र स्वगृही हो तो १०० वर्ष की आयु होगी।

१००—नवम अथवा लग्न में शनि वर्गोत्तम में और बारहवें या नवम भाव में चन्द्रमा उच्च का हो तो १०० वें वर्ष मरण होगा।

१००—केन्द्र त्रिकोण और अष्टम स्थान के अतिरिक्त अन्य स्थानों में क्रूर ग्रह हों शुक्र अथवा गुरु केन्द्र में हों धन अथवा मीन राशि का लग्न हो अष्टम और नवम भाव को शुभग्रह पूर्ण देखते हों तो १०० वर्ष में मरण होगा।

१००—मीन लग्न में शुक्र हो शुभग्रह से दृष्ट चन्द्रमा अष्टम में हो केन्द्र में गुरु स्थित हो तो १०० वें वर्ष मरण होगा।

१००—लग्नेश-आठवें, दशम में चन्द्रमा, गुरु बलवान हो अन्य ग्रह नवम में हों तो १०० वें वर्ष की आयु होगी।

१००—कर्क राशि का लग्न हो ३-६-११ वें भाव में गुरु हो चन्द्र, शुक्र, बुध केन्द्र में हो तो १०० वर्ष में मृत्यु होगी।

१००—सभी क्रूर-ग्रह गुरु के नवांश में अथवा मिथुन राशि के नवांश में स्थित होकर नवम तथा चतुर्थ भाव में हों, शुभ ग्रह व्यय तथा धन में और लग्न में; पूर्ण चन्द्रमा हो तो १०० वर्ष में शरीर छूटेगा।

१००—धन राशि के अन्तिम नवमांश में लग्न हों। धन के आद्य नवांश में गये हुए शुभग्रह केन्द्र में हों तो १०० वर्ष में मरण होगा।

१००—लग्नेश से केन्द्र स्थान में गुरु हो और ३-६-११-१२ वें भाव में पापग्रह स्थित हो तो १०० वर्ष में मरण होगा।

१२०—शुक्र, गुरु बलवान हों, लग्न और चन्द्रमा से अष्टम स्थान में कोई भी ग्रह न हो तो १२० वर्ष की आयु होगी।

१२०—लग्न में धनु राशि १५ अंश से अधिक हो। सभी ग्रह अपनी उच्चराशि में हों, वृषभ राशि के २४ अंश का बुध हो तो १२० वर्ष की आयु होगी।

१२०—केन्द्र में गुरु, शुक्र और लाभ में चन्द्रमा हो तो १२० वर्ष की आयु होगी।

१२०—शुभ ग्रहों के नवमांश में गये हुए पराजित क्रूर ग्रह ३-६-१०-११ वें हो और शुभ ग्रह केन्द्र में हों तो १२० वर्ष की आयु होगी।

१२०—लग्नेश और गुरु केन्द्र में गये हों, केन्द्र त्रिकोणाष्टम स्थान में पापग्रह न हों तो १२० वर्ष की आयु होगी।

१२०—सभी ग्रह नवम स्थान में हों तो १२० वर्ष की आयु होगी।

१२०—क्रूर ग्रहों की राशि में क्रूर ग्रह हों और शुभ ग्रहों की राशि में शुभ ग्रह हों, लग्नेश बलवान हो तो १२० वर्ष की आयु होगी।

१२०—शुक्र, मंगल, शनि चरराशि के नवमांश में हों, रवि और गुरु स्थिर राशि के नवमांश में हों तो १२० वर्ष की आयु होगी।

१२०—तीन ग्रह अपनी उच्चराशि में हो वृषभ किंवा कर्क राशि के लग्न में गुरु हो मकर में मंगल हो और शेष सभी ग्रह केन्द्र में हों तो १२० वर्ष की आयु होगी।

अमितायु योग

बुध गुरु और शुक्र ये तीनों ग्रह एक राशि में एक ही अंश में हो नवमभाव में शनि हो तो अमितायु होगी।

बुध गुरु और शनि एक ही अंश में स्थित होकर नवम अथवा लग्न में हों तथा छठे आठवें चन्द्रमा हो तो अत्यधिक आयु होगी।

सभी ग्रह गुरु के नवमांश में स्थित होकर केन्द्र धन अथवा धर्म भाव में हों तो अत्यधिक आयु होगी।

बली रवि गुरु और मंगल ये तीनों शनि के नवमांश में स्थित होकर नवम् अथवा दशम् भाव में हों और चन्द्रमा लग्न के अन्तिम अंश में गया हो तो अत्यधिक आयु होगी।

असीम आयु योग

पूर्ण चन्द्रमा मित्रग्रह के नवांश में स्थित होकर लाभ में अथवा लग्न में हो भाग्येश शनि बलवान हो तो असीम आयु होगी।

गुरु शनि धन धर्म या दशम भावों में से किसी एक स्थान में एक ही अंश में हों लग्न में सूर्य बुध का योग हो तो असीम या अति दीर्घायु होगी।

ये सभी योग धार्मिक, सुशील, सुभोजी, नियमपूर्वक चलने वाले के लिये होते हैं, उन्हीं को बराबर मिलते हैं। पापियों को नहीं मिलते।

तेरहवाँ प्रकार रश्मिजायु

सूर्य के १०; चन्द्र के ११; भौम के ५; बुध के ५; गुरु के ७; शुक्र के ८; शनि के ५; उच्चरश्मि के गुणकांक हैं।

स्पष्ट ग्रह में से अपने-अपने उच्च को घटाना शेष ६ राशि से अल्प रहे तो उसका १२ राशि में से घटाना तदनन्तर शेष अपने गुणकांक से गुणा करना उसकी कला करना और उस कला में २१६०० का भाग देना लब्ध जो वर्षादि आवे वह उस ग्रह की रश्मिजायु के वर्षादि होते हैं। इस प्रकार सभी ग्रहों द्वारा लाये हुए वर्षादिकों में से जो ग्रह स्वगृही उच्चराशि का व मित्र क्षत्री वा वक्री हो बली हो उसके वर्षादि को द्विगुणित करना १२ वें स्थान के ग्रह की आयु की अष्टमांश षष्ठस्थान में स्थित ग्रह की आयु की द्वादशांश शनि व शुक्र के बिना अन्य ग्रह अस्तंगत हो तो द्वितीयांश उसकी आयुर्दाय के वर्षादिक में से कम करना शेष जोड़ देना वह रश्मिजायु होती है।

मरण काल के ग्रह

१—जब मारकेश की दशा में मारकेश का अन्तर प्रत्यन्तर सूक्ष्मादि आवे तथा आय समाप्त के लगभग हो तो मृत्यु होती है।

२—जन्म नक्षत्र त्रिपताकी से विद्ध हो।

३—सूर्य मंगल तथा गुरु गोचर से अशुभ स्थान में हों आयु समाप्त हो चली हो।

४—लग्न या चन्द्रमा से २ रे शनि, ४ थे राहु, ८ वें रवि, १२ वें स्थान में मंगल जिस समय जावे।

५—लग्न अथवा चन्द्रमा की राशि में सभी पापग्रह जावें।

६—लग्न अथवा चन्द्र से सातवीं राशि में सभी पापग्रह हों।

७—लग्न में अथवा चन्द्रमा की राशि में एक पापग्रह हो शेष पापग्रह सातवीं राशि में हो।

८—लग्न से या चन्द्रमा से आठवें अथवा बारहवें स्थान म सर्व पापग्रह हों।

९—लग्न में अथवा चन्द्र की राशि में एक पापग्रह हो शेष पापग्रह लग्न वा चन्द्र से आठवें या बारहवें स्थान में हों।

१०—रोगेश की दशा में मारकेश का अन्तर हो आयु समाप्त हो गयी हो।

११—लग्न और चन्द्र के एकादश या तृतीय स्थान में कुछ पापग्रह आवे शेष उनके व्ययस्थान या अष्टम स्थान में हो।

१२—चन्द्र की राशि में एक या अनेक पापग्रह हों शेष लग्न में अथवा आठवें या बारहवें अष्टम भी हों।

१३—चन्द्र से अष्टम व्यय स्थान में एक या अनेक पापग्रह हो शेष पापग्रह लग्न से अष्टम या व्यय स्थान में हो।

१४—लग्न में एक या अनेक पापग्रह हो शेष लग्न के अष्टम या बारहवें स्थान में हो।

१५—लग्न वा दूसरे बारहवें स्थान में अथवा लग्न से छठे सातवें और आठवें स्थान में सभी पापग्रह हों।

१६—चन्द्र राशि में या उसके दूसरे व बारहवें स्थान में या चन्द्र से छठे सातवें आठवें स्थान में सभी पापग्रह हों।

१७—लग्न या चन्द्रमा के दशम स्थान से लग्नपर्यन्त अथवा चन्द्रपर्यन्त सभी पापग्रह हों।

१८—मेष, कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक और मकर राशि में शनि तथा इन राशियों पर रहते हुए जिस राशि से साती हो अथवा उपर्युक्त स्थान में ये राशि हों और उसमें हो तो अतीव अनिष्टकारक जानना। इसी तरह रवि, रा[illegible] भी उपर्युक्त राशि में पूर्वोक्त स्थान में हो उस समय पीड़ा देते हैं।

१९—जन्मकुण्डली के सभी ग्रह अपनी सातवीं रा[illegible] गोचर से आ जावें उस समय मनुष्य की मृत्यु होती है।

पूर्वोक्त योगों में से जितने अधिक योग आवें उतना ही कालयोग अधिक बलवान समझना।

मरणकाल संभव के पूर्व पूर्वोक्त नियमानुसार ग्र[illegible] स्थिति जब आती है तब भारी पीड़ा, संकट वा[illegible] मृत्यु प्राप्त होती है।

सिंह से मृत्यु योग

जन्मकुण्डली में सूर्य चन्द्रमा का योग छठे या आठ[illegible] हो तो सिंह से मृत्यु होगी। चतुर्थ भाव में मंगल और[illegible] में शनि हो तो सिंह से मृत्यु होगी। (शेष आगे [illegible] में या आयुर्निर्णय नामक इसी प्रेस की पुस्तक में देखिये)

उ. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	ब्रं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३०	३१	१	शु.	५६	३७	उ.	१	२८	ब्र.	९	०	कि.	२४	५३	बव	५६	३७	ध्वज	२९	२९	१६				५	५६	६	४	११	१५	३६	५२	५९	१९
३०	३४	२	श.	६०	०	रे.	६	२८	ऐं.	९	१४	वा.	२८	४९	कौ.	६०	०	धाता	३०	३०	१७	मे.	६	२८	५	५५	६	५	११	१६	३६	११	५९	१६
३०	३७	२	र.	१	२	अ.	१२	१८	वै.	१०	७	कौ	१	२	तै.	३३	३२	आनन्द	३१	१	१८				५	५४	६	६	११	१७	३५	२७	५९	१३
३०	४१	३	चं.	६	३	भ.	१८	४२	वि.	११	२७	ग.	६	३	व.	३८	४०	चर	१	२	१९	वृ.	३४	२०	५	५२	६	८	११	१८	३४	४०	५९	१०
३०	४५	४	मं.	११	१८	कृ.	२५	१६	प्री.	१२	५९	वि.	११	१८	बव	४३	५२	गद	२	३	२०				५	५१	६	९	११	१९	३३	५०	५९	७
३०	४९	५	बु.	१६	२६	रो.	३१	४२	आ.	१३	५०	बा.	१६	२६	कौ.	४८	४०	शुभ	३	४	२१				५	५०	६	१०	११	२०	३२	५७	५९	४
३०	५२	६	बृ.	२०	५५	मृ.	३७	२१	सौ.	१५	१७	तै.	२०	५५	ग.	५२	४२	मृत्यु	४	५	२२	मि.	४	३१	५	५०	६	१०	११	२१	३२	१	५९	२
३०	५६	७	शु.	२४	३०	आ.	४२	६	शो.	१५	४६	व.	२४	३०	वि.	५५	४३	पद्म	५	६	२३				५	४९	६	११	११	२२	३०	३	५९	०
३१	०	८	श.	२६	५७	पु.	४५	५२	अ.	१५	२	बव	२६	५७	वा.	५७	३६	मित्र	६	७	२४	क.	२९	५६	५	४८	६	१२	११	२३	२८	३	५८	५८
३१	३	९	र.	२८	१५	पु.	४८	१९	सु.	१३	३६	कौ.	२८	१५	तै.	५८	१३	श्रीवत्स	७	८	२५				५	४७	६	१३	११	२४	२७	१	५८	५६
३१	७	१०	चं.	२८	१२	श्ले	४९	२७	धृ.	११	७	ग.	२८	१२	व.	५७	३२	सौम्य	८	९	२६	सि.	४९	२७	५	४७	६	१३	११	२५	२५	५६	५८	५३
३१	१०	११	मं.	२६	५३	म.	४९	२५	शू.	७	३७	वि.	२६	५३	बव	५५	३८	काल	९	१०	२७				५	४६	६	१४	११	२६	२३	५१	५८	५३
३१	१४	१२	बु.	२४	२३	पू.	४८	१४	गं.	८ ३/४	४ ६/२	वा.	२४	२३	कौ.	५२	३७	स्थिर	१०	११	२८				५	४५	६	१५	११	२७	२५	४१	५८	५०
३१	१६	१३	बृ.	२०	५२	उ.	४६	१५	ध्रु.	५१	४९	तै.	२०	५२	ग.	४८	४१	मातंग	११	१२	२९	कं.	२	४४	५	४५	६	१५	११	२८	२४	३०	५८	४८
३१	२१	१४	शु.	१६	३१	ह.	४३	२१	व्या	४५	६	व.	१६	३१	वि.	४३	५७	अमृत	१२	१३	३०				५	४४	६	१६	११	२९	२३	१६	५८	४६
[illegible]	५	१५	श.	११	२३	चि.	३९	४३	ह.	३८	१	बव	११	२३	वा.	३८	३४	काण	१३	१४	३१	तु.	११	३२	५	४३	६	१७	०	०	२२	२	५८	४४

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० चैत्र शुक्लपक्षः मार्च २९ से अप्रैल १३ तक । सौम्यायनम् याम्यगोलः । वसन्त ऋतुः ।

मार्च । नववर्षारम्भः । नवरात्रारम्भ । स.सि.योगः १।१८ उ. ।
रेवत्यामर्कः ४०।१२ । चन्द्रदर्शनम् । प्रतीच्यामुदीच्यां यात्राa
स. सि. योगः १२।१८ या. । जिलहिज । उ. फा. मे बुधःb
भ. ३८।४० उ. । अप्रैल । या. ज. मु. ६।३ या.
भ. ११।१८ या. । स. सि. योग २५।१६ या. ।
स. सि. योग । मृगभे दक्षिणपूर्वों यात्रा मु. । बुधोदयः प्राच्याम्c
प्रतीच्यां यात्रा मु. । aमु. । पञ्चक समाप्त ६।२८
भ. २४।३० उ. ५५।४३ या. । भरणीभे भौमः ९।२५ ।
महाष्टमी व्रतम् । अन्नपूर्णा परिक्रमा । b१५।४५ ।
रामनवमी व्रतम् । स. सि. योगः । c५१।१७
भ. ५७।३२ उ. । उ. फा. भे शुक्रः २७।११ ।
भ. २६।५३ या. । कामदा ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
प्रदोष व्रतम् । रेवत्यां बुधः ५४।२० । ● सम्भवम् ।
या.ज.मु. २०।५२ या. । श्री महावीरस्वामिनः जन्मदिनम् ic
भ. १६।३१ उ. ४३।५७ या. । eबुधास्तः प्राच्याम् १४।४५ ।
अश्वेमेषेचार्कः १३।४३ । वैशाख स्नानारम्भः । चन्द्रग्रहणं ●

चैत्र शु. ९ रवि. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
		११	४	११	११	११	५
		१०	१	२	२०	२५	२५
		१२	२४	१८	४२	९	९
		२४	२९	२५	३९	१५	१६
		५४	१/१०	५४	५	३	३
		३५	व.	२५	२४	११	११

शु. ११
सू.रा.१२बु. १०
के. श. ९
६के. ८
५ ७

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१ शु.	२ श.	२ र.	३ च.	४ मं.	५ बु.	६ बृ.	७ शु.	८ श.	९ र.	१० च.	११ म.	१२ बु.	१३ बृ.	१४ शु.	१५
मी.	६ ३९	६ ३५	६ ३१	६ २७	६ २३	६ २०	६ १६	६ १३	६ ९	६ ५	६ २	५ ५९	५ ५५	५ ५२	५ ४८	५ ४४
मे.	८ १७	८ १३	८ ९	८ ५	८ १	७ ५८	७ ५५	७ ५१	७ ४७	७ ४३	७ ४०	७ ३७	७ ३३	७ ३०	७ २६	७ २२
वृ.	१० १३	१० ९	१० ५	१० १	९ ५७	९ ५४	९ ५१	९ ४७	९ ४३	९ ३९	९ ३६	९ ३३	९ २९	९ २६	९ २२	९ १८
मि.	१२ २७	१२ २३	१२ १९	१२ १५	१२ ११	१२ ८	१२ ५	१२ १	११ ५७	११ ५३	११ ५०	११ ४७	११ ४३	११ ४०	११ ३६	११ ३२
क.	२ ४६	२ ४२	२ ३८	२ ३४	२ ३०	२ २७	२ २४	२ २०	२ १६	२ १२	२ ९	२ ६	२ २	१ ५९	१ ५५	१ ५१
सिं.	५ १	४ ५७	४ ५३	४ ४९	४ ४५	४ ४२	४ ३९	४ ३५	४ ३१	४ २७	४ २४	४ २१	४ १७	४ १४	४ १०	४ ६
रा.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
कं.	७ १५	७ ११	७ ७	७ ३	६ ५९	६ ५६	६ ५३	६ ४९	६ ४५	६ ४१	६ ३८	६ ३५	६ ३१	६ २८	६ २४	६ २०
तु.	९ ३२	९ २८	९ २४	९ २०	९ १६	९ १३	९ १०	९ ६	९ २	८ ५८	८ ५५	८ ५२	८ ४८	८ ४५	८ ४१	८ ३७
वृ.	११ ४९	११ ४५	११ ४१	११ ३७	११ ३३	११ ३०	११ २६	११ २३	११ १९	११ १५	११ १२	११ ९	११ ५	११ २	१० ५८	१० ५४
ध.	१ ५४	१ ५०	१ ४६	१ ४२	१ ३८	१ ३५	१ ३२	१ २८	१ २४	१ २०	१ १७	१ १४	१ १०	१ ७	१ ३	१२ ५९
म.	३ ३९	३ ३५	३ ३१	३ २७	३ २३	३ २०	३ १६	३ १३	३ ९	३ ५	३ २	२ ५९	२ ५५	२ ५२	२ ४८	२ ४४
कुं.	५ ११	५ ७	५ ३	४ ५९	४ ५५	४ ५२	४ ४९	४ ४५	४ ४१	४ ३७	४ ३४	४ ३१	४ २७	४ २४	४ २०	४ १६

चैत्र शु. १५ शनौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	०	११	४	११	११	११	५
०	१८	१९	१	११	२१	२४	२४
२२	१२	५४	१२	४२	३६	३८	३८
२	३५	३७	२७	३१	१९	२८	२८
५८	४२	१११	१	६८	७	३	३
४४	३७	१७	व७	३७	४८	११	११

२ बु.रा.शु.श. १२
३ मं.१सू. ११
४ १०
५बृ. ७ ९
चं.६के. ८

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	च.रा.प्र. रा.	घ.	प.	सू.उ. घं.	मि.	सू.अ. घं.	मि.	आं. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	०	१	च.	२६	३	अनु.	४८	४४	प.	३६	५६	कौ.	२६	३	तै.	५३	१	मानस	१३	१४	३०				५	२४	६	३६	०	२९	२७	५९	५७	४०
३३	२	२	मं.	२०	०	ज्ये.	४४	४५	शि.	२९	२५	ग.	२०	०	व.	४७	६	मुद्गर	१४	१५	३१	ध.	४४	४५	५	२४	६	३६	१	०	२५	४१	५७	३९
३३	५	३	बु.	१४	१२	मू.	४१	६	सि.	२२	११	वि.	१४	१२	बव	४१	३३	ध्वज	१५	१६	१				५	२३	६	३७	१	१	२३	२१	५७	३९
३३	७	४	बृ.	८	५५	पूषा	३८	४	सा.	१५	१३	बा.	८	५५	कौ.	३६	३५	धाता	१६	१७	२	म.	५२	३१	५	२३	६	३७	१	२	२१	०	५७	३७
३३	१०	५	शु.	४	१५	उषा	३५	५२	शु.	८	५६	तै.	४	१५	ग.	३२	१९	आनन्द	१७	१८	३				५	२२	६	३८	१	३	१८	३७	५७	३४
३३	१२	६	श.	०/५७	२४/६	श्र.	३४	२६	शु.	३/५५	१७/५४	ब.	०	२४	वि.	२८/५७	५८/३३	स्थिर	१८	१९	४				५	२२	६	३८	१	४	१६	१२	५७	३२
३३	१५	८	र.	५५	५१	ध.	३४	३	ऐं.	५४	३३	वा.	२६	४२	कौ.	५५	५१	मातंग	१९	२०	५	कुं.	४	१४	५	२१	६	३९	१	५	१३	४४	५७	२९
३३	१६	९	चं.	५२	२२	श.	३४	५७	वै.	५०	२७	तै.	२५	३६	ग.	५५	२२	अमृत	२०	२१	६				५	२१	६	३९	१	६	११	१५	५७	२७
३३	१९	१०	मं.	५६	११	पूभा	३७	४	वि.	४९	४१	व.	२५	४६	वि.	५६	११	काण	२१	२२	७	मी.	२१	३२	५	२०	६	४०	१	७	८	४२	५७	२५
३३	२१	११	बु.	५८	१९	उभा	४०	२९	प्री.	४८	४७	बव	२७	१५	बा.	५८	१९	लुम्ब	२२	२३	८				५	२०	६	४०	१	८	६	८	५७	२४
३३	२३	१२	बृ.	६०	०	रे.	४५	१	आ.	४८	४६	कौ.	२९	५६	तै.	६०	०	मित्र	२३	२४	९	मे.	४५	१	५	१९	६	४१	१	९	३	३४	५७	२४
३३	२५	१२	शु.	१	३४	अ.	५०	३३	सौ.	४९	३३	तै.	१	३४	ग.	३३	४०	वज्र	२४	२५	१०				५	१९	६	४१	१	१०	०	५९	५७	२२
३३	२८	१३	श.	५	४३	भ.	५६	४५	शो.	५०	४९	व.	५	४३	वि.	३८	१३	ध्वांक्ष	२५	२६	११				५	१८	६	४२	१	१०	५८	२१	५७	२०
३३	३०	१४	र.	१०	४०	कृ.	६०	०	अ.	५२	२७	श.	१०	४०	च.	४३	१२	धूम्र	२६	२७	१२	वृ.	१३	२४	५	१८	६	४२	१	११	५५	४४	५७	१९
३३	३२	३०	चं.	१५	४५	कृ.	३	२१	सु.	५४	५	ना.	१५	४५	कि.	४८	१५	स्थिर	२७	२८	१३				५	१८	६	४२	१	१२	५३	४	५७	१७

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० ज्येष्ठ कृष्णपक्षः । मई १३ से २७ तक । सौम्यायनगोलौ । ग्रीष्म ऋतुः ।

या.ज.मु. २६।३ या. । c४५।१ या. । मिथुने बुधः २४।७
म. ४७।६ उ. । वृषेऽर्कः १०।४ । रोहिणी मे भौमः १४।५१ ।
म. १४।१२ या. । सौर ज्येष्ठारम्भः । गणेश ४ ।
या.ज.मु. ३८।४ उ. । aदक्षिण-पूर्वी यात्रा मु. २८।५८ उ. ।b
स. सि. योगः ३५।५२ उ. । bया. ज. मु. ३४।२६ उ.
म. ०।२४ उ. २८।५८ या. । स. सि. योगः ३४।२६ या. । a
पञ्चकारम्भः ४।१४ उ. । शीतलाष्टमी । d५।४७ या. ।

म. २५।४६ उ. ५६।११ या. । वृषे शुक्रः २४।५१ ।
अपरा ११ व्रतं स्मार्तानाम् । शुक्रास्त पूर्वस्याम् ३५।३३ ।c
अपरा ११ व्रतं वैष्णवानाम् । स.सि.योगः । eपञ्चक समाप्तc
रोहिण्यामर्कः ३८।१८ । प्रदोषः । स.सि.योगः ।
म. ५।४७ उ. ३८।१३ या. । मास शिवरात्रि व्रतम् । या.ज.मु
स्नानदानादौ ३० । वटसावित्री व्रतम् । स.सि.योगः ३।२१

ज्ये. कृ. १ चन्द्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	१	१	४	०	११	११	५
२९	९	१४	१	१८	२५	२३	२३
३६	३०	३०	३६	४२	२४	३	३
२०	३४	१८	३९	१३	१७	२३	२३
५७	४२	१०२	[illegible]	७१	६	३	३
४४	३९	३७	मा.	३१	५८	११	११

म.बु.२
रा१२श
३
सू. १शु.
११
४
१०
५बृ.
७
९
६के.
८चं.

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ चं.	२ म.	ति.	३ बु.	४ बृ.	५ शु.	६ श.	८ र.	९ च.	१० मं.	११ बु.	१२ बृ.	१२ शु.	१३ श.	१४ र.	३० चं.
मे. अं.	५ २८	५ २४	वृ.	७ १६	७ १२	७ ८	७ ४	६ ५९	६ ५५	६ ५१	६ ४७	६ ४३	६ ३९	६ ३५	६ ३१	६ २७
वृ. अं.	७ २४	७ २०	मि.	९ ३०	९ २६	९ २२	९ १८	९ १३	९ ९	९ ५	९ १	८ ५७	८ ५३	८ ४९	८ ४५	८ ४१
मि. अं.	९ ३८	९ ३४	क.	११ ४९	११ ४५	११ ४१	११ ३७	११ ३२	११ २८	११ २४	११ २०	११ १६	११ १२	११ ८	११ ४	११ ०
क. अं.	११ ५७	११ ५३	सिं.	२ ४	२ ०	१ ५६	१ ५२	१ ४७	१ ४३	१ ३९	१ ३५	१ ३१	१ २७	१ २३	१ १९	१ १५
सिं. अं.	२ १२	२ ८	कं.	४ १८	४ १४	४ १०	४ ६	४ १	३ ५७	३ ५३	३ ४९	३ ४५	३ ४१	३ ३७	३ ३३	३ २९
कं. अं.	४ २६	४ २२	तु.	६ ३५	६ ३१	६ २७	६ २३	६ १८	६ १४	६ १०	६ ६	६ २	५ ५८	५ ५४	५ ५०	५ ४६
रात्रयः	रा०	रा०	रा:	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
तु. अं.	६ ४३	६ ३९	वृ.	८ ५२	८ ४८	८ ४४	८ ४०	८ ३५	८ ३१	८ २७	८ २३	८ १९	८ १५	८ ११	८ ७	८ ३
वृ. अं.	९ ०	८ ५६	ध.	१० ५७	१० ५३	१० ४९	१० ४५	१० ४०	१० ३६	१० ३२	१० २८	१० २४	१० २०	१० १६	१० १२	१० ८
ध. अं.	११ ५	११ १	म.	१२ ४२	१२ ३८	१२ ३४	१२ ३०	१२ २५	१२ २१	१२ १७	१२ १३	१२ ९	१२ ५	१२ १	११ ५७	११ ५३
म. अं.	१२ ५०	१२ ४६	कुं.	२ १४	२ १०	२ ६	२ २	१ ५८	१ ५३	१ ४९	१ ४५	१ ४१	१ ३७	१ ३३	१ २९	१ २५
कुं. अं.	२ २२	२ १८	मी.	३ ४२	३ ३८	३ ३४	३ ३०	३ २५	३ २१	३ १७	३ १३	३ ९	३ ५	३ १	२ ५७	२ ५३
मी. अं.	३ ५०	३ ४६	मे.	५ २०	५ १६	५ १२	५ ८	५ ३	४ ५९	४ ५५	४ ५१	४ ४७	४ ४३	४ ३९	४ ३५	४ ३१

ज्ये. कृ. १२ गुरौ इ. ०।

सू.	म.	बु.	बृ.	शु.	श.
१	१	१	४	१	११
९	१६	२१	२	१	२६
१३	३६	१२	१८	१२	३०
३४	१५	२५	४५	११	९
५७	४२	९०	४	७१	६
२५	१३	३४	३७	३७	५

३
४
शु.मं.रसू.बु.
५बृ.
६के.
८
७
९

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्टसूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	३३	१	मं.	२०	४४	रो.	९	४९	धृ.	५५	२१	बव	२०	४४	बा.	५२	५४	मातंग	२८	२९	१४	मि.	४२	४९	५	१७	६	४३	१	१३	५०	२२	५७	१५
३३	३५	२	बु.	२५	४	मृ.	१५	४८	शू.	५६	८	कौ.	२५	४	तै.	५६	४८	अमृत	२९	१	१५				५	१७	६	४३	१	१४	४७	३८	५७	१३
३३	३७	३	बृ.	२८	३३	आ.	२१	१	गं.	५६	४	ग.	२८	३३	व.	५९	४३	काण	३०	२	१६				५	१७	६	४३	१	१५	४४	५२	५७	१३
३३	३९	४	शु.	३०	५४	पु.	२५	८	वृ.	५५	१०	वि.	३०	५४	बव	६०	०	लुम्ब	३१	३	१७	क.	९	६	५	१६	६	०४	१	१६	४२	७	५७	१२
३३	४०	५	श.	३२	४	पु.	२८	४	ध्रु.	५३	१४	बव	१	३९	बा.	३२	४	मित्र	१	४	१८				५	१६	६	४४	१	१७	३९	२१	५७	१०
३३	४२	६	र.	३१	५४	श्ले.	२९	४६	व्या	५०	१६	कौ.	१	५९	तै.	३१	५४	वज्र	२	५	१९	सिं.	२९	४६	५	१६	६	४४	१	१८	३६	२२	५७	८
३३	४३	७	चं.	३०	३०	म.	३०	१४	ह.	४६	१८	ग.	१	१२	व.	३०/५९	३०/११	ध्वांक्ष	३	६	२०				५	१५	६	४५	१	१९	३३	४२	५७	८
३३	४५	८	मं.	२७	५३	पू.	२९	३०	व.	४१	२८	बव	२७	५३	बा.	५६	४	धूम्र	४	७	२१	कं.	४४	४	५	१५	६	४५	१	२०	३०	५१	५७	७
३३	४६	९	बु.	२४	१६	उ.	२७	४६	सि.	३५	५१	कौ.	२४	१६	तै.	५२	१	वर्द्ध.	५	८	२२				५	१५	६	४५	१	२१	२८	०	५७	७
३३	४७	१०	बृ.	१९	४७	ह.	२५	१२	व्य.	२९	३०	ग.	१९	४७	व.	४७	१०	रक्ष	६	९	२३	तु.	५३	३३	५	१५	६	४५	१	२२	२५	९	५७	५
३३	४८	११	शु.	१४	३४	चि.	२१	५५	व.	२२	३८	वि.	१४	३४	बव	४१	३७	मुसल	७	१०	२४				५	१४	६	४६	१	२३	२२	१६	५७	३
३३	४९	१२	श.	८	४१	स्वा	१८	८	प.	१५	२२	वा.	८	४१	कौ.	३५	४५	सिद्धि	८	११	२५				५	१४	६	४६	१	२४	१९	२१	५७	२
[illegible]	५०	१३	र.	३/५३	४०/५४	वि.	१४	३	शि.	७	५०	तै.	२	४९	ग.	२९/५६	४१/३४	उत्पात	९	१२	२६	वृ.	०	४	५	१४	६	४६	१	२५	१६	२४	५७	०
[illegible]	५२	१५	चं.	५०	२७	अनु.	९	५१	सि.	०/५२	११/२८	वि.	२३	३०	बव	५०	२७	मानस	१०	१३	२७				५	१४	६	४६	१	२६	१३	२६	५७	०

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० ज्येष्ठ शुक्लपक्षः। मई २८ से जून १० तक। सौम्यायनगोलौ। ग्रीष्मऋतुः।

चन्द्रोदयः। दश दिनात्मक दशहरा प्रारम्भः।
दक्षिण पश्चिमौ यात्रा मु. १५।४९ या.। सफर।
म. ५९।४३ उ.। स. सि. योगः २१।१ उ.। प्रतीच्यां यात्रा मु.a
म. ३०।५४ या.। स.सि.योगः २५।८ या.। उदीच्यां यात्रा मु.।b
जून। प्रतीच्यां यात्रा मु. २८।४ या.। मृगमे भौमः ५५।१३।
a २१।१ उ.। गणेश ४। रोहिणीभे शुक्रः ३६।४४।
म. ३०।३० उ. ५९।११ या.। b आर्द्रायां बुधः ३६।११

स.सि. योगः २७।४६ उ.। दक्षिणपूर्वौ यात्रा मु. २७।४६ उ.
म. ४७।१० उ.। गंगा दशहरा। प्राच्यां यात्रा मु. २५।१२ या.।
म. १४।३४ या.मृगभेऽर्कः ३७।१९। निर्जला ११ व्रतं सर्वेषाम्।
प्रदोषः। स. सि. योगः। १८।८ या.।
म. ५६।३४ उ.। वक्री बुधः ५९।२५।
म. २३।३० या.। स.सि. योगः ९।५१ मृगभे शुक्रः ५६।४४।
c या. वटसावित्री व्रतम्। पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.९।५१ या.

ज्ये. शु. ६ रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
[illegible]	[illegible]	२	४	१	११	११	५
[illegible]	३	८	३	१३	२७	२२	२२
[illegible]	६	६	३०	१८	३६	०	०
[illegible]	८	२७	१९	१५	१५	५०	५०
१०	४१	५३	७	७२	६	३	३
[illegible]	४	५७	३	५	३६	११	११

बु.३ 1
सू.मं.शु. २
रा.श. १२
के. ५
११
८
१०
७
९

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ मं.		२ बु.		३ बृ.		४ शु.		५ श.		६ र.		७ चं.		८ मं.		९ बु.		१० बृ.		११ शु.		१२ श.		१३ र.		१५ चं.	
वृ. अं.	६	२३	६	१९	६	१५	६	११	६	७	६	३	५	५९	५	५५	५	५१	५	४७	५	४३	५	३९	५	३५	५	३१
मि. अं.	८	३७	८	३३	८	२९	८	२५	८	२१	८	१७	८	१३	८	९	८	५	८	१	७	५७	७	५३	७	४९	७	४५
क. अं.	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	४
सिं. अं.	१	११	१	७	१	३	१२	५९	१२	५५	१२	५१	१२	४७	१२	४३	१२	३९	१२	३५	१२	३१	१२	२७	१२	२३	१२	१९
कं. अं.	३	२५	३	२१	३	१७	३	१३	३	९	३	५	३	१	२	५७	२	५३	२	४९	२	४५	२	४१	२	३७	२	३३
तु. अं.	५	४२	५	३८	५	३४	५	३०	५	२६	५	२२	५	१८	५	१४	५	१०	५	६	५	२	४	५८	४	५४	४	५०
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	७	५९	७	५५	७	५१	७	४७	७	४३	७	३९	७	३५	७	३१	७	२७	७	२३	७	१९	७	१५	७	११	७	७
ध. अं.	१०	४	१०	०	९	५६	९	५२	९	४८	९	४४	९	४०	९	३६	९	३२	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२
म. अं.	११	४९	११	४५	११	४१	११	३७	११	३३	११	२९	११	२५	११	२१	११	१७	११	१३	११	९	११	५	११	१	१०	५७
कु. अं.	१	२१	१	१७	१	१३	१	९	१	५	१	१	१२	५७	१२	५३	१२	४९	१२	४५	१२	४१	१२	३७	१२	३३	१२	२९
मी. अं.	२	४९	२	४५	२	४१	२	३७	२	३३	२	२९	२	२५	२	२१	२	१७	२	१३	२	९	२	५	२	१	१	५७
मे. अं.	४	२७	४	२३	४	१९	४	१५	४	११	४	७	४	३	३	५९	३	५५	३	५१	३	४७	३	४३	३	३९	३	३५

ज्ये. शु. १३ रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	१	२	४	१	११	११	५
२५	२८	७	४	२५	२८	२१	२१
१६	१६	१६	२१	१६	२१	३८	३८
२४	१५	३१	१६	४१	१९	३१	३१
१७	४१	१२	७	७१	५	३	३
०	२६	३५	१२	३७	५२	११	११

३ बु. 1
४
सू.२शु.मं.
१२ श.रा.
बृ ५
११
६के.
८
१०
चं.७
९

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	५२	१	मं.	४४	३७	ज्ये.	५	४६	शु.	४५	१७	वा.	१७	३२	कौ.	४४	३७	मुद्गर	११	१४	२८	ध.	५	४६	५	१४	६	४६	१	२७	१०	२८	५६	५९
३३	५३	२	बु.	३९	१३	मू.	३/५६	३/५८	शु.	३८	१९	तै.	११	५५	ग.	३९	१३	ध्वज	१२	१५	२९				५	१३	६	४७	१	२८	७	२९	५६	५८
३३	५४	३	बृ.	३४	२६	उ.	५६	२४	ब्र.	३१	५५	व.	६	४९	वि.	३४	२६	सौम्य	१३	१६	३०	म.	१३	१४	५	१३	६	४७	१	२९	४	३०	५६	५७
३३	५४	४	शु.	३०	३०	श्र.	५४	४४	ऐं.	२६	१०	बव	२	२८	बा.	३०/५१	३०/६	धूम्र	१४	१७	३१				५	१३	६	४७	२	०	१	२८	५६	५६
३३	५५	५	श.	२७	३४	ध.	५४	८	वै.	२१	१२	तै.	२७	३४	ग.	५६	३८	वर्द्धमा.	१५	१८	१	कुं.	२४	२३	५	१३	६	४७	२	०	५८	२६	५६	५६
३३	५५	६	र.	२५	४३	श.	५४	४४	वि.	१७	६	व.	२५	४३	वि.	५५	२४	रक्ष	१६	१९	२				५	१३	६	४७	२	१	५५	२४	५६	५५
३३	५६	७	चं.	२५	५	पू.	५६	३४	प्री.	१४	२	बव	२५	५	बा.	५५	२५	मुसल	१७	२०	३	मी.	४१	७	५	१३	६	४७	२	२	५२	२१	५६	५४
३३	५६	८	मं.	२५	४६	उ.	५९	४२	आ.	११	५६	कौ.	२५	४६	तै.	५६	४७	सिद्धि	१८	२१	४				५	१३	६	४७	२	३	४९	१७	५६	५४
३३	५६	९	बु.	२७	४८	रे.	६०	०	सौ.	१०	५४	ग.	२७	४८	व.	५९	२०	उत्पात	१९	२२	५				५	१३	६	४७	२	४	४६	१३	५६	५३
३३	५७	१०	बृ.	३०	५३	रे.	३	५५	शो.	१०	४२	वि.	३०	५३	बव	६०	०	मित्र	२०	२३	६	मे.	३	५५	५	१३	६	४७	२	५	४३	७	५६	५२
३३	५७	११	शु.	३५	०	अ.	९	१३	अ.	११	२३	बव	२	५६	बा.	३५	०	वज्र	२१	२४	७				५	१३	६	४७	२	६	४०	१	५६	५२
३३	५७	१२	श.	३९	४७	भ.	१५	१८	सु.	१२	३७	कौ.	७	२३	तै.	३९	४७	ध्वांक्ष	२२	२५	८	वृ.	३१	५५	५	१३	६	४७	२	७	३६	५३	५६	५२
३३	५७	१३	र.	४४	५१	कृ.	२१	४८	धृ.	१४	१२	ग.	१२	१९	व.	४४	५१	धूम्र	२३	२६	९				५	१३	६	४७	२	८	३३	४९	५६	५२
३३	५६	१४	चं.	४९	४८	रो.	२८	१८	शू.	१५	५५	वि.	१७	१९	श.	४९	४८	वर्धमा.	२४	२७	१०				५	१३	६	४७	२	९	३०	४१	५६	५०
३३	५६	३०	मं.	५४	१०	मृ.	३२	३	गं.	१७	१८	च.	२१	४९	ना.	५४	१०	रक्ष	२५	२८	११	मि.	०	१०	५	१३	६	४७	२	१०	२७	३४	५६	५०

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० आषाढ़ कृष्ण पक्षः। जून ११ से २५ तक। सौम्यायनगोलौ। ग्रीष्मऋतुः।

मिथुने भौमः ३६।४१। a श्रवसि पूर्वं यात्रा मु.। गणेश ४।
b २४।२६ या. ततः प्रतीच्यां यात्रा मु.
म. ६।४९ उ. ३४।२६ या.। या. ज. मु. ३४।२६ या. ।a
मिथुनेऽर्कः ३६।४४। स. सि. योगः दक्षिणापूर्वौ यात्रा मु.।
सौराषाढ़रम्भः। पञ्चकारम्भः २४।२६ उ. दक्षिण यात्रा मु.b
म. २५।४३ उ. ५५।२४ या.। मिथुने शुक्रः ६।४७।
c ५५।३९ पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. ३।५५ या. ततः *
* उत्तर यात्रा मु.। d यात्रा मु.। आर्द्रायां भौमः २४।१८
म. ४९।२० उ.। दशम्यां प्रतीच्यां यात्रा मु.।
म. ३०।४३ या.। पञ्चक समाप्तं ३।५५। आर्द्रायां शुक्रः c
शिवमेऽर्कः ३८।२०। योगिनी ११ व्रतं सर्वेषाम्। पूर्वोत्तरौ d
वक्रगत्या वृषे बुधः १८।३९ e २८।१८ या.
म. ४४।५१ उ.। प्रदोषः। त्रयोदशी रोहिणी भौमे या.ज.मु.
म. १७।१९ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्। स.सि.योगः
भौमवती ३०। स्नानदानादी ३०

आ. कृ. २ बुधे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	२	२	४	१	११	११	५
२८	०	७	४	२५	२८	२१	२१
७	१८	४२	४२	३६	३६	२९	२९
२९	१५	३१	४१	३९	४२	३	३
५७	४१	१२	७	७१	५	३	३
०	२६	३५	१२	३७	५२	११	११

मं ३बु. | १
४ | सू. २शु. | श रा.
बृ. ५ | ११
६के. | ८ | १०
७ | ९चं.

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ मं.	२ बु.	३ बृ.	४ शु.	तिथयः	५ श.	६ र.	७ चं.	८ मं.	९ बु.	१० बृ.	११ शु.	१२ श.	१३ र.	१४ चं.	३० मं.
वृ. अं.	५ २७	५ २३	५ २०	५ १६	मि. अं.	७ २६	७ २२	७ १८	७ १४	७ १०	७ ६	७ २	६ ५८	६ ५३	६ ४९	६ ४५
मि. अं.	७ ४१	७ ३७	७ ३४	७ ३०	क. अं.	९ ४५	९ ४१	९ ३७	९ ३३	९ २९	९ २५	९ २१	९ १७	९ १२	९ ८	९ ४
क. अं.	१० ०	९ ५६	९ ५३	९ ४९	सिं. अं.	१२ ०	११ ५६	११ ५२	११ ४८	११ ४४	११ ४०	११ ३६	११ ३२	११ २७	११ २३	११ १९
सिं. अं.	१२ १५	१२ ११	१२ ८	१२ ४	कं. अं.	२ १४	२ १०	२ ६	२ २	१ ५८	१ ५४	१ ५०	१ ४६	१ ४१	१ ३७	१ ३३
कं. अं.	२ २९	२ २५	२ २२	२ १८	तु. अं.	४ ३१	४ २७	४ २३	४ १९	४ १५	४ ११	४ ७	४ ३	३ ५८	३ ५४	३ ५०
तु. अं.	४ ४६	४ ४२	४ ३९	४ ३५	वृ. अं.	६ ४८	६ ४४	६ ४०	६ ३६	६ ३२	६ २८	६ २४	६ २०	६ १५	६ ११	६ ७
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
वृ. अं.	७ ३	६ ५९	६ ५६	६ ५२	ध. अं.	८ ५३	८ ४९	८ ४५	८ ४१	८ ३७	८ ३३	८ २९	८ २५	८ २०	८ १६	८ १२
ध. अं.	९ ८	९ ४	९ १	८ ५७	म. अं.	१० ३८	१० ३४	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १८	१० १४	१० १०	१० ५	१० १	९ ५७
म. अं.	१० ५३	१० ४९	१० ४६	१० ४२	कुं. अं.	१२ १०	१२ ६	१२ २	११ ५८	११ ५४	११ ५०	११ ४६	११ ४२	११ ३७	११ ३३	११ २९
कुं. अं.	१२ २५	१२ २१	१२ १८	१२ १४	मी. अं.	१ ३८	१ ३४	१ ३०	१ २६	१ २२	१ १८	१ १४	१ १०	१ ५	१ १	१२ ५७
मी. अं.	१ ५३	१ ४९	१ ४६	१ ४२	मे. अं.	३ १६	३ १२	३ ८	३ ४	३ ०	२ ५६	२ ५२	२ ४८	२ ४३	२ ३९	२ ३५
मे. अं.	३ ३१	३ २७	३ २४	३ २०	वृ. अं.	५ १२	५ ८	५ ४	५ ०	४ ५६	४ ५२	४ ४८	४ ४४	४ ३९	४ ३५	४ ३१

आ. कृ. १२ शनौ इ. ०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	[illegible]
२	२	२	४	२	१
७	७	०	६	८	२
३६	६	१२	१२	०	१८
५३	९	१५	३८	९	२५
५६	४१	४५/३३	९	७७	५
५३	५६	व.	१	२७	२[illegible]

४
५बृ. | शु.बु.३सू. मं.
६के. | रा.१२
७ | ९
८ | १०

दि-मा. घ.	प.	ति.	वा	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	५६	१	बु.	५७	४१	आ.	३८	५०	वृ.	१८	१२	कि.	२५	५५	बव	५७	४१	मुसल	२६	२९	१२				५	१३	६	४७	२	११	२४	२६	५६	५०
३३	५६	२	गु.	६०	०	पुन	६४	९	ध्रु.	१९	२०	वा.	२८	५२	कौ.	६०	०	सिद्धि	२७	३०	१३	क.	२७	४९	५	१३	६	४७	२	१२	२१	१७	५६	४९
३३	५५	२	शु.	०	३	पु.	४७	२३	व्या	१७	३६	कौ.	०	३	तै.	३०	३९	उत्पात	२८	१	१४				५	१३	६	४७	२	१३	१८	८	५६	४९
३३	५५	३	श.	१	१५	श्ले	४९	१९	ह.	१५	५२	ग.	१	१५	व.	३१	११	मानस	२९	२	१५	सिं.	४९	१९	५	१३	६	४७	२	१४	१४	५९	५६	४९
३३	५४	४	र.	१/५८	८/३९	म.	४९	५८	व.	१३	४	वि.	१	८	बव	३०/५९	२७/४७	मुद्गर	३०	३	१६				५	१३	६	४७	२	१५	११	४९	५६	४८
३३	५३	६	चं.	५७	१२	पू.	४९	२८	सि.	९	१७	कौ	२८	२९	तै.	५७	१२	ध्वज	१	४	१७				५	१३	६	४७	२	१६	८	४०	५६	४८
३३	५३	७	मं.	५३	३५	उ.	४७	५४	व्य.	४/५४	३६/३०	ग.	२५	२३	व.	५३	३५	धाता	२	५	१८	कं.	४	४	५	१४	६	४६	२	१७	५	३०	५६	४८
३३	५२	८	बु.	४९	९	ह.	४५	३१	प.	५२	५५	वि.	२१	२२	बव	४९	९	आनन्द	३	६	१९				५	१४	६	४६	२	१८	२	२०	५६	४८
३३	५१	९	बृ.	४३	५७	चि.	४२	२३	शि.	४६	७	वा.	१६	३३	कौ.	४३	५७	चर	४	७	२०	तु.	१३	५७	५	१४	६	४६	२	१८	५९	१०	५६	४८
३३	५०	१०	शु.	३८	१२	स्वा	३८	३९	सि.	३८	५१	तै.	११	४	ग.	३८	१२	गद	५	८	२१				५	१४	६	४६	२	१९	५६	०	५६	४८
३३	४९	११	श.	३२	९	वि.	३४	३५	सा.	३१	२१	व.	५	१०	वि.	३२/५९	०/१	शुभ	६	९	२२	वृ.	२०	३६	५	१४	६	४६	२	२०	२२	५२	५६	४९
३३	४८	१२	र.	२५	५४	अनु.	३०	२५	शु.	२३	४१	वा.	२५	५४	कौ.	५२	४९	मृत्यु	७	१०	२३				५	१५	६	४५	२	२१	४९	४३	५६	४९
३३	४६	१३	चं.	१९	४५	ज्ये.	२६	१८	शु.	१६	७	तै.	१९	४५	ग.	४६	४८	पद्म	८	११	२४	ध.	२६	१८	५	१५	६	४५	२	२२	४६	३४	५६	४९
[illegible]	४५	१४	मं.	१३	५२	मू.	२२	१७	ब्र.	८	४३	व.	१३	५२	वि.	४१	६	छत्र	९	१२	२५				५	१५	६	४५	२	२३	४३	२६	५६	५०
[illegible]	४४	१५	बु.	८	२०	पू.	१९	७	ऐं.	५/५७	३८/२८	बव	८	२०	वा.	३५	५५	श्रीवत्स	१०	१३	२६	म.	४७	४६	५	१५	६	४५	२	२४	४०	१८	५६	५०

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० आषाढ़ शुक्लपक्षः । जून २६ से जुलाई १० तक । सौम्यायनगोलौ । ग्रीष्मऋतुः ।

चन्द्रोदयः । प्रतीच्यां यात्रा मु. । रथयात्रा २ । बुधोदयः a
उदीच्यां यात्रा मु. । रविउलअव्वल । a प्राच्याम् २।२९ ।
भ. ३१।११ उ. । या. ज. मु. १।१५ या. । गणेश ४ ।
भ. १।८ या. ।
जुलाई । पुनःभे शुक्रः । ४६।१२ । मेषे शनिः ५८।५९ ।
भ. ५३।३५ उ. । हस्ते दक्षिण यात्रा मु. ।
भ. २१।२२ या. । मार्गी बुधः ३।११ ।
b चातुर्मास्य व्रतारम्भः ।
पुनर्भेऽर्कः ४३।२१
भ. ५।१० उ. ३२।९ या. । हरिशयनी ११ व्रतं सर्वेषाम् । b
प्रदोषः ।
c शुक्रः १६।४४ ।
भ. १३।५२ उ. ४१।६ या. । व्रताय १५ ।
गुरुपूर्णिमा । गुरुव्यासयोः पूजनम् । स्नानदानादौ १५ । कर्केc

आ. शु. ७ भौ. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
		१	४	२	०	११	५
		२९	७	२०	०	२०	२०
		१२	५४	१२	०	२५	२५
		२१	७	२५	१	२६	२६
		५/५८	९	७१	४	३	३
		व.	३५	२७	५	११	११

४ | २ बु. | मं.सू. ३शु. | श. १ | के. ६ | १२ रा. | ९ | ११ | ८ | १०

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.		२ बृ.		२ शु.		३ श.		४ र.		६ चं.		७ मं.		८ बु.		९ बृ.		१० शु.		११ श.		१२ र.		१३ चं.		१४ मं.		१५ बु.	
मि. अ.	६	४१	६	३६	६	३२	६	२८	६	२४	६	२०	६	१६	६	१२	६	८	६	४	६	०	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४
क. अं.	९	०	८	५५	८	५१	८	४७	८	४३	८	३९	८	३५	८	३१	८	२७	८	२३	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	३
सिं. अं.	११	१५	११	१०	११	६	११	२	१०	५८	१०	५४	१०	५०	१०	४६	१०	४२	१०	३८	१०	३४	१०	३०	१०	२६	१०	२२	१०	१८
कं. अं.	१	२९	१	२४	१	२०	१	१६	१	१२	१	८	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२
तु. अ.	३	४६	३	४१	३	३७	३	३३	३	२९	३	२५	३	२१	३	१७	३	१३	३	९	३	५	३	१	२	५७	२	५३	२	४९
वृ. अं	६	३	५	५८	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	३८	५	३४	५	३०	५	२६	५	२२	५	१८	५	१४	५	१०	५	६
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
ध. अं.	८	८	८	३	७	५९	७	५५	७	५१	७	४७	७	४३	७	३९	७	३५	७	३१	७	२७	७	२३	७	१९	७	१५	७	११
म. अं.	९	५३	९	४८	९	४४	९	४०	९	३६	९	३२	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२	९	८	९	४	९	०	८	५६
कुं. अं.	११	२५	११	२०	११	१६	११	१२	११	८	११	४	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३१	१०	२८
मी. अं.	१२	५३	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	०	११	५६
मे. अं.	२	३१	२	२६	२	२२	२	१८	२	१४	२	१०	२	६	२	२	१	५८	१	५४	१	५०	१	४६	१	४२	१	३८	१	३४
वृ. अं.	४	२७	४	२२	४	१८	४	१४	४	१०	४	६	४	२	३	५८	३	५४	३	५०	३	४६	३	४२	३	३८	३	३४	३	३०

आ. शु. १४ भौ. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	२	२	४	२	०	११	५
२३	१८	५	९	२९	०	२०	२०
४३	२८	२२	९	२४	३३	४	४
२६	१५	३१	१८	१६	१४	३८	३८
५६	३५	४७	११	७१	३	३	३
५०	५२	३६	३९	३९	३८	११	११

४ | २ | बृ. ५ | मं.सू.बु.३शु | १श. | के.६ | रा.१२ | ७ | चं.९ | ११ | ८ | १०

दि.मा. घ.	प.	ति	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योग:	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	ओ. स्पष्ट सूर्य: रा.	अं.	क.	वि.	गति: क.	वि.
३३	४०	१	बृ.	५६	३०	उ.	१६	२५	वि.	४९	१४	कौ.	३	३१	तै.	५६	३१	सौम्य	११	१४	२७				५	१६	६	४४	२	२५	३७	१०	५६	५०
३३	४१	३	गु.	५६	२७	अ.	१४	३६	प्री.	४४	६	व.	२७	५९	वि.	५६	२७	धूम्र	१२	१५	२८	कुं.	४४	१०	५	१६	६	४४	२	२६	३४	४	५६	५२
३३	३९	४	श.	५४	३२	ध.	१३	४५	आ.	३९	४८	बव	२५	२९	बा.	५४	३२	वर्ध.	१३	१६	२९				५	१६	६	४४	२	२७	३०	५८	५६	५२
३३	३८	५	र.	५३	४६	श.	१४	३	सौ.	३६	३०	कौ	२४	१	तै.	५३	४६	रक्ष	१४	१७	३०				५	१६	६	४४	२	२८	२७	५२	५६	५२
३३	३६	६	चं.	५४	२०	पू.	१५	३६	शो.	३४	१५	ग.	२४	३	व.	५४	२०	मुशल	१५	१८	३१	मी.	०	१३	५	१७	६	४३	२	२९	२४	४६	५६	५२
३३	३४	७	मं.	५६	१५	उ.	१८	२५	अ.	३८	५६	वि.	२५	१७	बव	५६	१५	सिद्धि	१६	१९	३२				५	१७	६	४३	३	०	२१	४१	५६	५३
३३	३२	८	बु.	५९	१३	रे.	२२	२३	सु.	३८	३४	बा.	२७	४४	कौ.	५९	१३	उत्पात	१७	२०	१	मे.	२२	२३	५	१८	६	४२	३	१	१८	३६	५६	५४
३३	३०	९	बृ.	६०	०	अ.	२७	२८	धृ.	३३	६	तै.	३१	१३	ग.	६०	०	मानस	१८	२१	२				५	१८	६	४२	३	२	१५	३४	५६	५५
३३	२८	९	शु.	३	१४	भ.	३३	२४	शू.	३४	१२	ग.	३	१४	व.	३५	३६	मुद्गर	१९	२२	३	वृ.	५०	०	५	१८	६	४२	३	३	१२	३१	५६	५६
३३	२७	१०	श.	७	५८	कृ.	३९	४६	गं.	३५	४६	वि.	७	५८	बव	४०	२९	ध्वज	२०	२३	४				५	१९	६	४१	३	४	९	२९	५६	५६
३३	२४	११	र.	१३	०	रो.	४६	२१	वृ.	३७	२८	बा.	१३	०	कौ.	४५	२७	धाता	२१	२४	५				५	१९	६	४१	३	५	६	२७	५६	५७
३३	२२	१२	चं.	१७	५५	मृ.	५२	३४	ध्रु.	३८	५४	तै.	१७	५५	ग.	५०	७	आनंद	२२	२५	६	मि.	१९	२७	५	२०	६	४०	३	६	३	२७	५६	५८
३३	२०	१३	मं.	२२	१९	आ.	५८	७	व्या	३९	५४	व.	२२	१९	वि.	५४	९	चर	२३	२६	७				५	२०	६	४०	३	७	०	२७	५६	५९
३३	१८	१४	बु.	२५	५९	पुन	६०	०	ह.	४०	१३	श.	२५	५९	च.	५७	१२	गद	२४	२७	८	क.	४६	३३	५	२०	६	४०	३	७	५७	२९	५६	०
३३	१६	३०	बृ.	२८	२५	पु.	२	४२	व.	३९	३४	वा.	२८	२५	कि	५९	५	सिद्धि	२५	२८	९				५	२१	६	३९	३	८	५४	३१	५६	०

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० श्रावण कृष्ण पक्षः । जुलाई ११ से २५ तक । सौम्यायनगोलौ । वर्षा ऋतुः

या.ज.मु.३।३१ या. । प्राच्यां यात्रा मु. । पुन.भे भौमः ४६।१४ a
भ. २७।५९ उ. ५६।२७ या. । स.सि. योगः । दक्षिणपूर्वा । b
a आर्द्रायां बुधः १।९ ।
b यात्रा मु. ४।१० या. । पञ्चकारम्भः ४४।१० उ.
भ. ५४।२० उ. । c पुन. भे बुधः ३३।१८ ।
भ. २५।१७ या. । कर्कोऽर्कः १४।३४ ।
सौर श्रावणारम्भः । पञ्चक समाप्त २२।२३ ।
या.ज.मु. २७।२८ उ. ।
भ. ३५।३६ उ. । पुष्यभेऽर्कः ४६।२२ । या.ज.मु. ४।१४ या. ।
भ. ७।५८ या. । स. सि. योगः ३९।४६ उ. ।
कामदा ११ व्रतं सर्वेषाम् । मृगभे दक्षिणपूर्वं यात्रा मु. । c
प्रदोषः । प्रतीच्यां यात्रा मु. १९।२७ उ. ।
भ. २२।१९ उ. ५४।९ या. । मास शिवरात्रि व्रतम् । शुक्रोदयः d
d प्रतीच्याम् १४।२१ । श्लेषायां शुक्रः १४।७ ।
स.सि.अ.सि. योगः २।२९ उ. । स्नानदानादौ ३० । कर्के
e भौमः ५६।१४ ।

श्रावण कृ. ३ शुक्रे इ. ०।०

सू.	म.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	२	२	४	३	०	११	५
२६	२०	७	९	२	०	११	११
४२	४२	४२	४२	२४	४२	५८	५८
१५	१५	३१	११	१	१	३८	३८
५६	३५	४७	११	७१	३	३	३
४३	५२	३६	३९	३९	३८	११	११

शु. ४
२
५ बृ.
बु.सू.मं.३
१ श.
६ के.
रा. १२
७
९
११
८
१०चं.

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बृ.	३ शु.	४ श.	५ र.	६ चं.	७ मं.	ति.	८ बु.	९ बृ.	९ शु.	१० श.	११ र.	१२ चं.	१३ मं.	१४ बु.	३० बृ.
मि. अं.	५ ३९	५ ३५	५ ३१	५ २७	५ २३	५ १९	क.	७ ३४	७ ३०	७ २६	७ २२	७ १८	७ १४	७ १०	७ ६	७ २
क. अ.	७ ५८	७ ५४	७ ५०	७ ४६	७ ४२	७ ३८	सि.	९ ४९	९ ४५	९ ४१	९ ३७	९ ३३	९ २९	९ २५	९ २१	९ १७
सि. अं.	१० १३	१० ९	१० ५	१० १	९ ५७	९ ५३	कं.	१२ ३	११ ५९	११ ५५	११ ५१	११ ४७	११ ४३	११ ३९	११ ३५	११ ३१
कं. अं.	१२ २७	१२ २३	१२ १९	१२ १५	१२ ११	१२ ७	तु.	२ २०	२ १६	२ १२	२ ८	२ ४	२ ०	१ ५६	१ ५२	१ ४८
तु. अं.	२ ४४	२ ४०	२ ३६	२ ३२	२ २८	२ २४	वृ.	४ ३७	४ ३३	४ २९	४ २५	४ २१	४ १७	४ १३	४ ९	४ ५
वृ. अं.	५ १	४ ५७	४ ५३	४ ४९	४ ४५	४ ४१	ध.	६ ४२	६ ३८	६ ३४	६ ३०	६ २६	६ २२	६ १८	६ १४	६ १०
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
ध. अं.	७ ६	७ २	६ ५८	६ ५४	६ ५०	६ ४६	म.	८ २७	८ २३	८ १९	८ १५	८ ११	८ ७	८ ३	७ ५९	७ ५५
म. अं.	८ ५१	८ ४७	८ ४३	८ ३९	८ ३५	८ ३१	कुं.	९ ५९	९ ५५	९ ५१	९ ४७	९ ४३	९ ३९	९ ३५	९ ३१	९ २७
कुं. अं.	१० २३	१० १९	१० १५	१० ११	१० ७	१० ३	मी.	११ २७	११ २३	११ १९	११ १५	११ ११	११ ७	११ ३	१० ५९	१० ५५
मी. अं.	११ ५१	११ ४७	११ ४३	११ ३९	११ ३५	११ ३१	मे.	१ ५	१ १	१२ ५७	१२ ५३	१२ ४९	१२ ४५	१२ ४१	१२ ३७	१२ ३३
मे. अं.	१ २९	१ २५	१ २१	१ १७	१ १३	१ ९	वृ.	३ १	२ ५७	२ ५३	२ ४९	२ ४५	२ ४१	२ ३७	२ ३३	२ २९
वृ. अं.	३ २५	३ २१	३ १७	३ १३	३ ९	३ ५	मि.	५ १५	५ ११	५ ७	५ ३	४ ५९	४ ५५	४ ५१	४ ४७	४ ४३

श्रावण कृ.१२ चन्द्रे इ. ८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	[illegible]
३	२	२	४	३	०	[illegible]
६	२७	२२	११	१४	०	[illegible]
३	२४	६	४२	४८	५४	[illegible]
२७	१५	९	१३	५	११	[illegible]
५७	४१	९०	११	७१	१	[illegible]
०	३९	३५	५८	३७	१८	[illegible]

बृ. ५
३ मं. बु
६ के.
सू. शु.४
७
श. १
८
१०
रा
९
११

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अ.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	ओ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	१३	१	शु.	२९	४५	पु.	६	१३	सि.	३७	५७	बव	२९	४५	वा.	५९	४५	उत्पात	२६	२९	१०				५	२१	६	३९	३	९	५१	३४	५७	२
३३	११	२	श.	२९	४५	श्ले.	८	२५	व्य.	३५	२१	कौ.	२९	४५	तै.	५९	७	मानस	२७	१	११	सि.	८	२५	५	२२	६	३८	३	१०	४८	३८	५७	३
३३	८	३	र.	२८	२९	म.	९	२१	व.	३१	४४	ग.	२८	२९	व.	५७	१५	मुद्गर	२८	२	१२				५	२२	६	३८	३	११	४५	४८	५७	५
३३	६	४	च.	२६	१	पू.	९	५	प.	२७	११	वि.	२६	१	बव	५४	१६	ध्वज	२९	३	१३	कं.	२३	४५	५	२३	६	३७	३	१२	४२	५२	५७	७
३३	३	५	मं.	२२	३१	उ.	७	४४	शि.	२१	४६	वा.	२२	३१	कौ.	५०	२०	धाता	३०	४	१४				५	२३	६	३७	३	१३	४०	१	५७	७
३३	१	६	बु.	१८	१०	ह.	५	३५	सि.	१५	४३	तै.	१८	१०	ग.	४५	३४	आनंद	३१	५	१५	तु.	३४	३	५	२४	६	३६	३	१४	३७	१०	५७	८
३२	५८	७	बृ.	१२	५८	चि.	२/६६	३३/२४	सा.	८	५७	व.	१२	५८	वि.	४०	८	चर	१	६	१६				५	२४	६	३६	३	१५	३४	२०	५७	८
३२	५६	८	शु.	७	१९	वि.	५४	५६	शु.	१/६६	४४/२९	बव	७	१९	वा.	३४	१७	मातंग	२	७	१७	वृ.	४०	५६	५	२५	६	३५	३	१६	३१	३१	५७	१०
३२	५३	९	श.	१/६३	५६/४९	अनु.	५०	४५	ब्र.	४६	३६	कौ.	१	१६	तै.	२६/५५	१०/५	अमृत	३	८	१८				५	२५	६	३५	३	१७	२८	४३	५७	१२
३२	५०	११	र.	४८	५२	ज्ये.	४६	३३	ऐं.	३८	५५	व.	२१	५८	वि.	४८	५२	काण	४	९	१९	ध.	४६	३३	५	२६	६	३४	३	१८	२५	५७	५७	१३
३२	४७	१२	च.	४२	५९	मू.	४२	३७	वै.	३१	२६	बव	१५	५५	वा.	४२	५९	लुम्ब	५	१०	२०				५	२७	६	३३	३	१९	२३	१२	५७	१३
३२	४५	१३	मं.	३७	२७	पू.	३९	७	वि.	२४	१५	कौ.	१०	१३	तै.	३७	२७	मित्र	६	११	२१	म.	५३	२४	५	२७	६	३३	३	२०	२०	२८	५७	१५
[illegible]	४२	१४	बु.	३२	३५	उ.	३६	१४	प्री.	१७	३६	ग.	५	१	व.	३२	३५	वज्र	७	१२	२२				५	२८	६	३२	३	२१	१७	४५	५७	१७
[illegible]	३९	१५	बृ.	२८	३३	श्र.	३४	१४	आ.	११	३१	वि.	०	३४	बव	२६/५७	३३/०	ध्वज	८	१३	२३				५	२८	६	३२	३	२२	१५	४	५७	१९

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० श्रावण शुक्ल पक्षः। जुलाई २६ से अगस्त ८ तक। याम्यायनम् सौम्यगोलः। वर्षाऋतुः

चन्द्रोदयः। aभौम २६।१४। पू.फा.भे गुरुः २।४४।
रविउस्सानी। bया.ज.मु.। cसर्वेषाम्। सिंहे शुक्रः ३९।४१।
भ. ५७।१५ उ.। गणेश ४। बुधास्तः प्राच्याम् ४४।११।
भ. २६।१ या.। पञ्चमी योगे या.ज.मु.। पुष्ये बुधः ३६।१४।
हस्तभे दक्षिणपूर्वा यात्रा मु.। नागपञ्चमी।
हस्तभे दक्षिणपूर्वा यात्रा मु.। कल्कि जयन्ती ६। पुष्ये a
भ. १२।५८ उ. ४०।८ या.। अगस्त। सप्तमी स्वाती योगे b
सार्पेऽर्कः ४६।२३। अनु. भे या. ज. योगः स. सि. योगश्च।
अनु.भे पश्चिमोत्तरा यात्रा मु.। या. ज. योगः १।१६ या.।
भ. २१।५८ उ. ४८।५२ या.। पुत्रदा ११ व्रतं प्रायः c
वीरकर्मारम्भः।
प्रदोषः। dबन्धनम्। हयग्रीवोत्पत्तिः।
भ. ३२।३५ उ.।
भ. ०।३४ या.। दक्षिण यात्रा मु.। श्रावणी योगः। रक्षा-d

श्रा. शु. ७ गुरौ इ. ०।०

[illegible]	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
[illegible]	३	३	४	३	०	११	६
[illegible]	४	९	१३	२६	१	१८	१८
[illegible]	४२	६	४२	५४	६	५२	५२
[illegible]	२१	१७	२	५	५	२	२
१०	४१	१०१	११	७१	१	३	३
२	३९	२५	२८	४१	१२	११	११

५ बृ.
३
के. ६
४ सू. बु. मं. शु.
२
७ चं.
१ श.
८
१०
रा. १२
९
११

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.	२ श.	३ र.	४ चं.	५ मं.	६ बु.	७ बृ.	८ शु.	९ श.	११ र.	१२ चं.	१३ मं.	१४ बु.	१५ बृ.
क. अं.	६ ५८	६ ५५	६ ५१	६ ४७	६ ४३	६ ३९	६ ३५	६ ३१	६ २७	६ २३	६ १९	६ १६	६ १२	६ ८
सिं. अं.	९ १३	९ १०	९ ६	९ २	८ ५८	८ ५४	८ ५०	८ ४६	८ ४२	८ ३८	८ ३४	८ ३१	८ २७	८ २३
कं. अं.	११ २७	११ २४	११ २०	११ १६	११ १२	११ ८	११ ४	११ ०	१० ५६	१० ५२	१० ४८	१० ४५	१० ४१	१० ३७
तु. अं.	१ ४४	१ ४१	१ ३७	१ ३३	१ २९	१ २५	१ २१	१ १७	१ १३	१ ९	१ ५	१ २	१२ ५८	१२ ५४
वृ. अं.	४ १	३ ५८	३ ५४	३ ५०	३ ४६	३ ४२	३ ३८	३ ३४	३ ३०	३ २६	३ २२	३ १९	३ १५	३ ११
ध. अं.	६ ६	६ ३	५ ५९	५ ५५	५ ५१	५ ४७	५ ४३	५ ३९	५ ३५	५ ३१	५ २७	५ २४	५ २०	५ १६
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
म. अं.	७ ५१	७ ४८	७ ४४	७ ४०	७ ३६	७ ३२	७ २८	७ २४	७ २०	७ १६	७ १२	७ ९	७ ५	७ १
कुं. अं.	९ २३	९ २०	९ १६	९ १२	९ ८	९ ४	९ ०	८ ५६	८ ५२	८ ४८	८ ४४	८ ४१	८ ३७	८ ३३
मी. अं.	१० ५१	१० ४८	१० ४४	१० ४०	१० ३६	१० ३२	१० २८	१० २४	१० २०	१० १६	१० १२	१० ९	१० ५	१० १
मे. अं.	१२ २९	१२ २६	१२ २२	१२ १८	१२ १४	१२ १०	१२ ६	१२ २	११ ५८	११ ५४	११ ५०	११ ४७	११ ४३	११ ३९
वृ. अं.	२ २५	२ २२	२ १८	२ १४	२ १०	२ ६	२ २	१ ५८	१ ५४	१ ५०	१ ४६	१ ४३	१ ३९	१ ३५
मि. अं.	४ ३९	४ ३६	४ ३२	४ २८	४ २४	४ २०	४ १६	४ १२	४ ८	४ ४	४ ०	३ ५७	३ ५३	३ ४९

श्रा. शु. १५ गुरौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	३	३	४	४	०	११	५
२२	८	२२	१५	५	१	१८	१८
१५	२६	३२	१८	१५	१२	२९	२९
४	३५	१५	३५	२७	१५	१६	१६
५७	३७	१०७	१२	७७	०	३	३
११	२८	२५	९	३७	४८	११	११

शु. बृ. ५
३
के. ६
सू. ४ बु. मं.
२
७
श. १
८
चं. १०
रा. १२
९
११

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३२	३६	१	शु.	२५	२७	ध.	३३	५	सौ.	६	११	कौ.	२५	२७	तै.	५४	२७	वाता	९	१४	२४	कुं.	३	३९	५	२९	६	३१	३	२३	१२	२५	५७	२०
३२	३३	२	श.	२३	२७	श.	३३	४	शो.	१/५६	४१/२७	ग.	२३	२७	व.	५३	३	आनंद	१०	१५	२५				५	२९	६	३१	३	२४	९	४७	५७	२२
३२	३०	३	र.	२२	३९	पू.	३४	१५	सु.	५५	३१	वि.	२२	३९	बव	५२	५४	चर	११	१६	२६	मी.	१८	५७	५	३०	६	३०	३	२५	७	१२	५७	२४
३२	२७	४	चं.	२३	९	उ.	३६	४१	वृ.	५४	३	वा.	२३	९	कौ.	५४	५	गद	१२	१७	२७	—			५	३१	६	२९	३	२६	४	३७	५७	२४
३२	२४	५	मं.	२५	१	रे.	४०	२७	शू.	५३	२९	तै.	२५	१	ग.	५६	२८	शुभ	१३	१८	२८	मे.	४०	२७	५	३१	६	२९	३	२७	२	३	५७	२५
३२	२१	६	बु.	२७	५६	अ.	४५	१६	गं.	५३	४७	व.	२७	५६	वि.	५९	५६	मृत्यु	१४	१९	२९				५	३२	६	२८	३	२७	५९	३०	५७	२७
३२	१८	७	बृ.	३१	५५	भ.	५०	५९	वृ.	५४	४७	बव	३१	५५	वा.	६०	०	पद्म	१५	२०	३०				५	३२	६	२८	३	२८	५६	५९	५७	२९
३२	१५	८	शु.	३६	३८	कृ.	५७	३३	ध्रु.	५६	६	वा.	४	१६	कौ.	३६	३८	छत्र	१६	२१	३१	वृ.	७	३७	५	३३	६	२७	३	२९	५४	२९	५७	३२
३२	११	९	श.	४१	४३	रो.	६०	०	व्या	५७	५२	तै.	९	१०	ग.	४१	४३	श्रीवत्स	१७	२२	१				५	३४	६	२६	४	०	५२	४	५७	३४
३२	८	१०	र.	४६	४०	रो.	३	५१	ह.	५९	२४	व.	१४	११	वि.	४६	४०	घाता	१८	२३	२	मि.	३७	१	५	३४	६	२६	४	१	४९	४०	५७	३७
३२	५	११	चं.	५१	१२	मृ.	१०	११	व.	६०	०	बव	१६	५६	वा.	५१	१२	आनंद	१९	२४	३				५	३५	६	२५	४	२	४७	१८	५७	३१
३२	२	१२	मं.	५४	५५	आ.	१५	५३	सि.	०	२९	कौ.	२३	३	तै.	५४	५५	चर	२०	२५	४				५	३६	६	२४	४	३	४४	५९	५७	३९
३१	५८	१३	बु.	५७	२७	पु.	२०	४३	सि.	०	४१	ग.	२६	११	व.	५७	२७	गद	२१	२६	५	क.	४	३१	५	३६	६	२४	४	४	४२	३९	५७	४०
३१	५५	१४	बृ.	५८	५५	पु.	२४	२९	व.	०/फट	११/३५	वि.	२८	११	श.	५८	५५	शुभ	२२	२७	६				५	३७	६	२३	४	५	४०	२०	५७	४०
३१	५२	३०	शु.	५९	४	श्ले.	२७	०	प.	५६	१८	च.	२९	०	ना.	५९	४	मृत्यु	२३	२८	७	सिं.	२७	०	५	३८	६	२२	४	६	३८	२	५७	४२

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० भाद्रपद कृष्णपक्षः
अग. ९ से २३ तक । याम्यायनम् । सौम्यगोलः । वर्षाऋतुः ।

पञ्चकारम्भः ३११३९ उ. । दक्षिण यात्रा मु. ३।२९ या.
म. ५३।३ उ. । c मास शिवरात्रि व्रतम् ।
म. २२।३९ या. । उत्तरायोगे या.ज.मु. । गणेश ४ व्रतम् । *
पञ्चमीयोगे या.ज.मु. । रेवत्यां पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. ।
वक्री शनिः ५।५९ । पञ्चक समाप्त ४०।२७ । सिंहे बुधः २।७ ।
म. २७।५६ उ. ५९।५६ या. । हलषष्ठी । *कज्जली ३
या.ज.योगः३१।५५ या. । कृष्ण जन्माष्टमी तम् स्मार्तानाम् ।a
मघायां सिंहे चार्कः ४३।४७ । कृष्ण जन्माष्टमी व्रतम् ।
सौर भाद्रपदारम्भः । aपू.फा.मे शुक्रः ३।४४ ।
म. १४।११ उ. ४६।४० या. । भौमोदयः प्राच्याम् १२।१०
अजा ११ व्रतं प्रायः सर्वेषाम् । स. सि. योगः मृगभे ।
bप्रतीच्याम् १६।७ । श्लेषायां भौमः७।१४
म. ५७।२७ उ. । प्रदोषः । प्रतीच्यां यात्रा मु. । गुरोरस्तःb
म. २८।११ या. । स.सि.योगः । अ.सि.योगः २४।२९ या. ।
कुशोत्पाटिनी ३० । बुधोदयः प्रतीयाम् २।९ ।

भा. कृ. ३ रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	३	३	४	४	०	११	५
२५	१०	१७	१५	९	१	१८	१८
७	१४	१२	५४	६	१२	२०	२०
१८	२५	५	२५	१७	६	१६	१५
५७	३७	१०७	१२	७७	०	३	३
२५	१८	२५	९	३७	४८	११	११

शु.५बृ.
३
के.६
सू.४बु.मं.
२
७
श. १
८
१०
रा.१२
९
११चं.

वैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.		२ श.		३ र.		४ चं.		५ मं.		६ बु.		७ बृ.		८ शु.	
क. अं.	६	४	६	०	५	५६	५	५२	५	४९	५	४५	५	४१	५	३७
सिं. अं.	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	४	८	०	७	५६	७	५२
कं. अं.	१०	३३	१०	२९	१०	२५	१०	२१	१०	१८	१०	१४	१०	१०	१०	६
तु. अं.	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३५	१२	३१	१२	२७	१२	२३
वृ. अं.	३	७	३	३	२	५९	२	५५	२	५२	२	४८	२	४४	२	४०
ध. अं.	५	१२	५	८	५	४	५	०	४	५७	४	५३	४	४९	४	४५
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
म. अं.	६	५९	६	५३	६	४९	६	४५	६	४२	६	३९	६	३४	६	३०
कुं. अं.	८	२९	८	२५	८	२१	८	१७	८	१४	८	१०	८	६	८	२
मी. अं.	९	५७	९	५३	९	४९	९	४५	९	४२	९	३८	९	३४	९	३०
मे. अं.	११	३५	११	३१	११	२७	११	२३	११	२०	११	१६	११	१२	११	८
वृ. अं.	१	३१	१	२७	१	२३	१	१९	१	१६	१	१२	१	८	१	४
मि. अ	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३	३	३०	३	२६	३	२२	३	१८

ति.	९ श.		१० र.		११ चं.		१२ मं.		१३ बु.		१४ बृ.		३० शु.	
सिं.	७	४८	७	४४	७	४०	७	३७	७	३३	७	२९	७	२६
क.	१०	२	९	५८	९	५४	९	५१	९	४७	९	४३	९	४०
तु.	१२	१९	१२	१५	१२	११	१२	८	१२	४	१२	०	११	५७
वृ.	२	३६	२	३२	२	२८	२	२५	२	२१	२	१७	२	१४
ध.	४	४१	४	३७	४	३३	४	३०	४	२६	४	२२	४	१९
म.	६	२६	६	२२	६	१८	६	१५	६	११	६	७	६	४
रा.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कुं.	७	५८	७	५४	७	५०	७	४७	७	४३	७	३९	७	३६
मी.	९	२६	९	२२	९	१८	९	१५	९	११	९	७	९	४
मे.	११	४	११	०	१०	५६	१०	५३	१०	४९	१०	४५	१०	४२
वृ.	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४९	१२	४५	१२	४१	१२	३८
मि.	३	१४	३	१०	३	६	३	३	२	५९	२	५५	२	५२
क.	५	३३	५	२९	५	२५	५	२२	५	१८	५	१४	५	११

भा. कृ. १३ बुधे इ. ०।[illegible]

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	३	४	४	४	०	०	[illegible]
४	१६	१५	१८	२१	०	[illegible]	[illegible]
४२	३६	३०	६	१८	४८	४	[illegible]
२९	२९	९	७	१५	५	२८	[illegible]
५७	३७	११३	१७	७१	१/फट	[illegible]	[illegible]
४४	४१	३८	४२	२९	व.	११	[illegible]

के.६
४मं.
७
बृशु.सू.५बु.
चं.३
८
२
९
११
१श.
१०
१२रा.

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	ओ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३१	४८	१	श.	५७	५६	म.	२८	१२	शि.	५२	५१	कि.	२८	३०	बव	५७	५६	पद्म	२४	२९	८				५	३८	६	२२	४	७	३५	४६	५७	४५
३१	४५	२	र.	५५	३४	पू	२८	१४	सि.	४८	२५	वा.	२६	४५	कौ.	५५	३५	छत्र	२५	३०	९	क.	४२	५७	५	३९	६	२१	४	८	३३	३३	५७	४८
३१	४१	३	चं.	५२	११	उ.	२७	५	सा.	४३	११	तै.	२३	५३	ग.	५२	११	श्रीवत्स	२६	१	१०				५	४०	६	२०	४	९	३१	२१	५७	४८
३१	३[illegible]	४	मं.	४७	५६	ह.	२५	६	शु.	३७	१०	व.	२०	३	वि	४७	५६	सौम्य	२७	२	११	तु.	५३	४०	५	४०	६	२०	४	१०	२९	१३	५७	५१
३१	३५	५	बु.	४२	५०	चि.	२२	१५	शु.	३९	३०	बव	१५	२३	वा.	४२	५०	काल	२८	३	१२				५	४१	६	१९	४	११	२७	८	५७	५४
३१	३१	६	बृ.	३७	१४	स्वा	१८	४१	ब्र.	२३	८	कौ.	१०	२	तै.	३७	१४	स्थिर	२९	४	१३				५	४२	६	१८	४	१२	२५	७	५७	५७
३१	२८	७	शु.	३१	१५	वि.	१४	४५	ऐं.	१५	४६	ग.	४	१५	व.	३०/५८	१५/११	मातंग	३०	५	१४	वृ.	०	४४	५	४२	६	१८	४	१३	२३	७	५७	५९
३१	२४	८	श.	२५	८	अनु	१०	३४	वै.	२	९	बव	२५	८	वा.	५२	३	अमृत	३१	६	१५				५	४३	६	१७	४	१४	२१	१०	५८	२
३१	२१	९	र.	१८	५८	ज्ये.	६	२२	वि	६/५२	४२/१५	कौ.	१८	५८	तै.	४६	२	काण	१	७	१६	ध.	६	२२	५	४४	६	१६	४	१५	१९	१५	५८	४
३१	१७	१०	चं.	१३	६	मू.	२/५६	२०/३२	आ.	४५	३९	ग.	१३	६	व.	४०	२१	लुम्ब	२	८	१७				५	४५	६	१५	४	१६	१७	२१	५८	५
३१	१४	११	मं.	७	३६	उ.	५५	३७	सौ.	३८	३९	वि.	७	३६	बव	३५	९	मानस	३	९	१८	म.	१२	५६	५	४५	६	१५	४	१७	१५	२८	५८	६
३१	१०	१२	बु.	२/५५	४२/५३	श्र	५३	२४	शो.	३८	२२	वा.	२	४२	कौ.	३०/५८	३८/३५	छत्र	४	१०	१९				५	४६	६	१४	४	१८	१३	३६	५८	७
३१	७	१४	बृ.	५५	३१	ध.	५२	०	अ.	२६	४७	ग.	२७	३	व.	५५	३१	श्रीवत्स	५	११	२०	कुं.	२२	४२	५	४७	६	१३	४	१९	११	४५	५८	८
३१	३	१५	शु.	५३	३०	श.	५१	४१	सु.	२२	१	वि.	२४	३०	बव	५३	३०	सौम्य	६	१२	२१				५	४७	६	१३	४	२०	९	५५	५८	१०

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० भाद्रपद शुक्ल पक्षः। अगस्त २४ से सितम्बर ६ तक। याम्यायनम् सौम्यगोलः। वर्षाऋतुः।

उ.फा.मे शुक्रः ३।२४। a३। हरतालिका ३ व्रतम्।
चन्द्रोदयः।
जमादि उलअव्वल। या.ज.योगः १७।५ या.। वाराह जयन्ती a
भ. २०।३ उ. ४७।५६ या.। गणेश ४ व्रतम्।
ऋषि पञ्चमी। कन्यायां शुक्रः १४।११। b५४।१७
अर्कषष्टी। लोलार्क कुण्डेस्नानम् काश्याम्। कन्यायां बुधः b
भ. ३१।१५ उ. ५८।११ या.। पूर्वा फाल्गुन्यामर्कः ३३।३४।
अनुभे पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.। पाक्षिक लक्ष्मी व्रतारम्भः।
सितम्बर। मूलभे स. सि. योगः।
भ. ४०।२१ उ.।
भ. ७।३६ या.। परिवर्तिनी ११ व्रतं सर्वेषाम्।
प्रदोषः। दक्षिणपूर्वौ यात्रा मु.। हस्ते बुधः ३४।११
भ. ५५।३१ उ.। प्रतीच्यां यात्रा मु.। पञ्चकारम्भः २२।४२c
भ. २४।३० या.। महालयारम्भः। c३.। हस्ते शुक्रः ४६।१७

भा. शु. १ शनी इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
[illegible]	३	४	४	४	०	११	५
७	१८	२१	१८	२५	०	१७	१७
२५	३०	३६	५६	५८	४२	३९	३९
[illegible]	२५	१३	१३	१२	१	५१	५१
[illegible]	३५	९५	११	७७	२/५	३	३
४५	४७	१८	३९	३५	व	११	११

६ के.
म. ४
७
सू.बु.शु.चं.बृ
३
५
८
२
९
११
१ श.
१०
रा. १२

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.	२ र.	३ च.	४ मं.	५ बु.	६ बृ.	७ शु.	८ श.	९ र.	१० च.	११ मं.	१२ बु.	१४ बृ.	१५ शु.
सिं. अं.	७ २२	७ १८	७ १५	७ ११	७ ७	७ ४	७ ०	६ ५६	६ ५३	६ ४९	६ ४५	६ ४२	६ ३८	६ ३४
कं. अं.	९ ३६	९ ३२	९ २९	९ २५	९ २१	९ १८	९ १४	९ १०	९ ७	९ ३	८ ५९	८ ५६	८ ५२	८ ४८
तु. अं.	११ ५३	११ ४९	११ ४६	११ ४२	११ ३९	११ ३५	११ ३१	११ २७	११ २४	११ २०	११ १६	११ १३	११ ९	११ ५
वृ. अं.	२ १०	२ ६	२ ३	१ ५९	१ ५५	१ ५२	१ ४८	१ ४४	१ ४१	१ ३७	१ ३३	१ ३०	१ २६	१ २२
ध. अं.	४ १५	४ ११	४ ८	४ ४	४ ०	३ ५७	३ ५३	३ ४९	३ ४६	३ ४२	३ ३८	३ ३५	३ ३१	३ २७
म. अं.	६ ०	५ ५५	५ ५२	५ ४९	५ ४५	५ ४२	५ ३८	५ ३४	५ ३१	५ २७	५ २३	५ २०	५ १६	५ १२
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
कुं. अं.	७ ३२	७ २८	७ २५	७ २१	७ १७	७ १४	७ १०	७ ६	७ ३	६ ५९	६ ५५	६ ५२	६ ४८	६ ४४
मी. अं.	९ ०	८ ५६	८ ५३	८ ४९	८ ४५	८ ४२	८ ३८	८ ३४	८ ३१	८ २७	८ २३	८ २०	८ १६	८ १२
मे. अं.	१० ३८	१० ३४	१० ३१	१० २७	१० २३	१० २०	१० १६	१० १२	१० ९	१० ५	१० १	९ ५८	९ ५४	९ ५०
वृ. अं.	१२ ३४	१२ ३०	१२ २७	१२ २३	१२ १९	१२ १६	१२ १२	१२ ८	१२ ५	१२ १	११ ५७	११ ५४	११ ५०	११ ४६
मि. अं.	२ ४८	२ ४४	२ ४१	२ ३७	२ ३३	२ ३०	२ २६	२ २२	२ १९	२ १५	२ ११	२ ८	२ ४	२ ०
क. अं.	५ ७	५ ३	५ ०	४ ५६	४ ५२	४ ४९	४ ४५	४ ४१	४ ३८	४ ३४	४ ३०	४ २७	४ २३	४ १९

भा. शु. ८ शनी इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	३	५	४	५	०	११	५
१४	२३	२	२०	३	०	१७	१७
२१	४२	४८	१८	३६	२४	१६	१६
१०	३९	१७	३३	११	५	४०	४०
५८	४१	११३	११	७१	३/४	३	३
४	४५	४८	३७	२७	व.	११	११

के.शु.६बु.
मं. ४
३
७
सू.बृ.५
चं. ८
२
९
११
१श.
१०
रा.१२

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३०	५९	१	श.	५२	४३	पू.	५२	३५	वृ.	१८	१२	वा.	२३	६	कौ.	५२	४३	कालदं	७	१३	२२	मी.	३७	२२	५	४८	६	१२	४	२१	८	८	५८	१२
३०	५६	२	र.	५३	११	उ.	५४	४२	ध्रु.	१५	२३	तै.	२२	५७	ग.	५३	११	स्थिर	८	१४	२३				५	४९	६	११	४	२२	६	२२	५८	१४
३०	५२	३	चं.	५५	६	रे.	५८	१०	गं.	१३	३२	व.	२४	८	वि.	५५	६	मातंग	९	१५	२४	मे.	५८	१०	५	५०	६	१०	४	२३	४	४०	५८	१६
३०	४९	४	मं.	५८	३	अ.	६०	०	वृ.	१२	४१	बव	२६	३४	वा.	५८	३	अमृत	१०	१६	२५				५	५०	६	१०	४	२४	२	५९	५८	१९
३०	४५	५	बु.	६०	०	अ.	२	४३	ध्रु.	१२	४५	कौ.	३०	२	तै.	६०	०	मृत्यु	११	१७	२६				५	५१	६	९	४	२५	१	२०	५८	२१
३०	४१	५	वृ.	२	२	भ.	८	१३	व्या	१३	३१	तै.	२	२	ग.	३४	२०	पद्म	१२	१८	२७	वृ.	२४	४५	५	५२	६	८	४	२५	५९	४४	५८	२४
३०	३८	६	शु.	६	३९	कृ.	१४	२२	हृ.	१४	५२	व.	६	३९	वि.	३९	१७	छत्र	१३	१९	२८				५	५२	६	८	४	२६	५८	१०	५८	२६
३०	३४	७	श.	११	५६	रो.	२०	५३	व.	१६	२३	बव	११	५६	वा.	४४	२८	श्रीवत्स	१४	२०	२९	मि.	५४	४	५	५३	६	७	४	२७	५६	३८	५८	२८
३०	३०	८	र.	१७	१	मृ.	२७	१६	सि.	१७	४८	कौ.	१७	१	तै.	४९	१९	सौम्य	१५	२१	३०				५	५४	६	६	४	२८	५५	३	५८	३०
३०	२७	९	चं.	२१	३७	आ.	३३	१०	व्य.	१८	५०	ग.	२१	३७	व.	५३	३१	कालदं.	१६	२२	३१				५	५५	६	५	४	२९	५३	४१	५८	३२
३०	२४	१०	मं.	२५	२६	पुन	३८	१५	व.	१९	१८	वि.	२५	२६	बव	५६	४६	स्थिर	१७	२३	१	क.	२१	५९	५	५५	६	५	५	०	५२	१५	५८	३४
३०	२०	११	बु.	२८	७	पु.	४२	१३	प.	१८	४४	वा.	२८	७	कौ.	५८	५४	मातंग	१८	२४	२				५	५६	६	४	५	१	५०	५१	५८	३७
३०	१६	१२	वृ.	२९	४२	श्ले.	४५	०	शि.	१७	३९	तै.	२९	४२	ग.	५९	४९	अमृत	१९	२५	३	सिं.	४५	०	५	५७	६	३	५	२	४९	३०	५८	३९
३०	१२	१३	शु	२९	५७	म.	४६	३३	सि.	१५	२४	व.	२९	५७	वि.	५९	२५	काण	२०	२६	४				५	५८	६	२	५	३	४८	११	५८	४२
३०	९	१४	श.	२८	५४	पू.	४६	५०	सा.	१२	७	श.	२८	५४	च.	५७	४६	लुम्ब	२१	२७	५				५	५८	६	२	५	४	४६	५६	५८	४४
३०	५	३०	र.	२६	३९	उ.	४५	५९	शु.	७	५१	ना.	२६	३९	कि	५५	१	मित्र	२२	२८	६	कं.	१	३७	५	५९	६	१	५	५	४५	४२	५८	४६

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० आश्विन कृष्णपक्षः।
सितम्बर ७ से २२ तक। याम्यायनम् सौम्यगोलः शरद् ऋतुः।

a हस्त भे २ चरणे केतुः
b ५।३७। मातृनवमी। या. ज. मु. २१।३७ या.।
म. २४।८ उ. ५५।६ या.। पश्चिमोत्तरी यात्रा मु.।
स. सि. अ. सि. योगः। सिंहे भौमः ३।७

या. ज. मु २।८ या.। वक्रगत्या उ. भा. मे ४र्थ चरणे राहुः a
म. ६।३९ उ. ३९।१७ या.। उत्तरा फाल्गुन्यामर्कः १९।२५।
मृगभे दक्षिण पश्चिमो यात्रा मु.।
महालक्ष्मी व्रतम्। जीवित्पुत्रिका व्रतम्। दक्षिण यात्रा मु.।
म. ५३।३१ उ. कन्यायामर्कः ४४।१२। पुनर्मीनराशौ शनिः b
म. २५।२६ या.। सौर आश्विनारम्भः।
इन्दिरा ११ व्रतं सर्वेषाम्। प्रतीच्यां यात्रा मु.।
कन्यायां बुधः ५।४८। प्रदोषः। या. ज. मु. २९।४२ उ. ४५।० c
म. २९।५७ उ. ५९।२५ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्।
तुलायां शुक्रः ६।४४। c या.। तुलायां बुधः १४।४१
पितृविसर्जनम्। गुरोरुदयः प्राच्याम्। सूर्य ग्रहणम्।

आ. कृ. ४ भौमे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	३	५	४	५	०	११	५
४	२९	१८	२२	१६	०	१६	१६
२३	३०	३६	३६	०	०	४४	४४
२६	२५	१३	१३	१	१	५१	५१
१८	३५	९५	११	७७	२	३	३
२२	४७	१८	३९	३५	५	११	११

के६बु.शु. ४मं.
७ बृ.सू.५ ३
८ २
चं.
९ ११ १श.
१० १२रा.

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१ श.	२ र.	३ चं.	४ मं.	५ बु.	५ बृ.	६ शु.	७ श.	८ र.	९ चं.	ति.	१० मं.	११ बु.	१२ बृ.	१३ शु.	१४ श.	३० र.
सिं.	६ ३१	६ २७	६ २३	६ २०	६ १६	६ १२	६ ९	६ ५	६ २	५ ५९	कं.	८ ९	८ ५	८ १	७ ५८	७ ५४	७ ५०
क.	८ ४५	८ ४१	८ ३७	८ ३४	८ ३०	८ २६	८ २३	८ १९	८ १६	८ १३	तु	१० २६	१० २२	१० १८	१० १५	१० ११	१० ७
तु.	११ २	१० ५८	१० ५४	१० ५१	१० ४७	१० ४३	१० ४०	१० ३६	१० ३३	१० ३०	वृ.	१२ ४३	१२ ३९	१२ ३५	१२ ३२	१२ २८	१२ २४
वृ.	१ १९	१ १५	१ ११	१ ८	१ ४	१ ०	१२ ५७	१२ ५३	१२ ५०	१२ ४७	ध.	२ ४८	२ ४४	२ ४०	२ ३७	२ ३३	२ २९
ध.	३ २४	३ २०	३ १६	३ १३	३ ९	३ ५	३ २	२ ५८	२ ५५	२ ५२	म.	४ ३३	४ २९	४ २५	४ २२	४ १८	४ १४
म.	५ ९	५ ५	५ १	४ ५८	४ ५४	४ ५०	४ ४७	४ ४३	४ ४०	४ ३७	कुं.	६ ५	६ १	५ ५७	५ ५४	५ ५०	५ ४६
रा.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
कुं.	६ ४१	६ ३७	६ ३३	६ ३०	६ २६	६ २२	६ १९	६ १५	६ १२	६ ९	मी.	७ ३३	७ २९	७ २५	७ २२	७ १८	७ १४
मी.	८ ३९	८ ५	८ १	७ ५८	७ ५४	७ ५०	७ ४७	७ ४३	७ ४०	७ ३७	मे.	९ ११	९ ७	९ ३	९ ०	८ ५६	८ ५३
मे.	९ ४७	९ ४३	९ ३९	९ ३६	९ ३२	९ २८	९ २५	९ २१	९ १८	९ १५	वृ.	११ ७	११ ३	१० ५९	११ ५६	१० ५२	१० ४८
वृ.	११ ४३	११ ३९	११ ३५	११ ३२	११ २८	११ २४	११ २१	११ १७	११ १४	११ ११	मि.	१ २१	१ १७	१ १३	१ १०	१ ६	१ २
मि.	१ ५७	१ ५३	१ ४९	१ ४६	१ ४२	१ ३८	१ ३५	१ ३१	१ २८	१ २५	क.	३ ४०	३ ३६	३ ३२	३ २९	३ २५	३ २१
क.	४ १६	४ १२	४ ८	४ ५	४ १	३ ५७	३ ५४	३ ५०	३ ४७	३ ४४	सि.	५ ५५	५ ५१	५ ४७	५ ४४	५ ४०	५ ३६

आ. कृ. १३ शुक्रे इ. ०।[illegible]

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	[illegible]	[illegible]
५	४	६	४	५	११	[illegible]	[illegible]
३	५	०	२४	२८	२९	[illegible]	[illegible]
४८	३०	४२	४८	१२	१२	[illegible]	[illegible]
११	९	१३	१५	५	१५	[illegible]	[illegible]
५८	३५	७१	११	७१	४	[illegible]	[illegible]
४५	५८	३७	४८	२१	६ व.	११	[illegible]

बु.७ चं.म.बृ.५
८ सू.शु.के.६ ४
९ ३
१० श.१२रा. २
११ १

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३०	१	१	चं.	२३	२४	ह.	४४	९	शु.	२/५४	४४/६	बव	२३	२४	वा.	५१	१८	वज्र	२३	२९	७				६	०	६	०	५	६	४४	२९	५८	४८
२९	५७	२	मं.	१९	१३	चि.	४१	२७	ऐं.	५०	१६	कौ.	१९	१३	तै.	४६	४४	व्यांक्ष	२४	१	८	तु.	१२	४८	६	१	५	५९	५	७	४३	१९	५८	५०
२९	५४	३	बु.	१४	१५	स्वा	३८	५	वै.	४३	७	ग.	१४	१५	व.	४१	२९	धूम्र	२५	२	९				६	१	५	५९	५	८	४२	१७	५८	५३
२९	५०	४	बृ.	८	४३	वि.	२४	१५	वि.	३५	३९	वि.	८	४३	बव	३५	४६	वर्द्धमा	२६	३	१०	वृ.	२०	१३	६	२	५	५८	५	९	४१	५	५८	५६
२९	४६	५	शु.	२/५३	५०/५८	अनु	३०	८	प्री.	२७	५७	वा.	२	५०	कौ.	२०/५६	४७/४५	रक्ष	२७	४	११				६	३	५	५७	५	१०	४०	४	५८	५८
२९	४३	७	श.	५०	४२	ज्ये.	२५	५५	आ.	२०	७	ग.	२३	४३	व.	५०	४२	मुशल	२८	५	१२	ध.	२५	५५	६	३	५	५७	५	११	३९	३	५९	०
२९	३९	८	र.	४४	५१	मू.	२१	५०	सौ.	१२	१६	वि.	१७	४६	बव	४४	५१	सिद्धि	२९	६	१३				६	४	५	५६	५	१२	३८	४	५९	२
२९	३५	९	चं.	३९	२६	पू.	१८	५	शो.	४/५८	५०/५४	वा.	१२	८	कौ.	३९	२६	उत्पात	३०	७	१४	म.	३२	१७	६	५	५	५५	५	१३	३७	७	५९	४
२९	३२	१०	मं.	३४	३६	उ.	१४	५३	सु.	५१	२४	तै.	७	१	ग.	३४	३६	मानस	१	८	१५				६	६	५	५४	५	१४	३६	१२	५९	७
२९	२८	११	बु.	३०	३३	श्र.	१२	२६	धृ.	३५	३४	व.	२	३४	वि.	३०/५९	३३/३	छत्र	२	९	१६	कुं.	४१	३७	६	६	५	५४	५	१५	३५	२०	५९	१०
२९	२४	१२	बृ.	२७	३१	ध.	१०	४८	शू.	४०	४३	वा.	२७	३१	कौ.	५६	३२	श्रीवत्स	३	१०	१७				६	७	५	५३	५	१६	३४	३२	५९	१२
२९	२१	१३	शु.	२५	३२	श.	१०	१३	गं.	३६	२४	तै.	२५	३२	ग.	५५	९	सौम्य	४	११	१८	मी.	५५	४१	६	८	५	५२	५	१७	३३	४५	५९	१४
२९	१७	१४	श.	२४	४६	पू.	१०	५०	वृ.	३३	१२	व.	२४	४६	वि.	५५	१	काल	५	१२	१९				६	९	५	५१	५	१८	३३	०	५९	१६
[illegible]	१३	१५	र.	२५	१७	उ.	१२	४३	ध्रु.	३१	२	बव	२५	१७	वा.	५६	१७	स्थिर	६	१३	२०				६	९	५	५१	५	१९	३२	१६	५९	१८

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० आश्विन शुक्लपक्षः ।
सित. २३ से अक्टू. ६ तक । साम्यायनम् सौम्यगोलः शरदृतुः

चन्द्रोदयः । शारदीय नवरात्रारम्भ : । दक्षिण यात्रा मु. द्वितीया-a
जमादि उस्सानी । aपाद । या. ज. मु. २३।२४ या. ।
म. ४१।२९ उ. । bअनु. मे । पश्चिमोत्तरी यात्रा मु. अनु. मे ।
म. ८।४३ या. हस्तमेर्कः ५७।२३ । या. ज. यो. स. सि. योगःb
उदीच्यां यात्रा मु. २।५० या. । c१ फा. वे भौमः २४।४८
म. ५०।४२ उ. । स्वात्यां शुक्रः ५।४४ । f २४।११ ।
म. १७।४६ या. । स. सि. योगः ३१।५० या. । दुर्गाष्टमी ।
उत्तरायोगे या. ज. मु. । दुर्गा नवमी ।
अक्टूबर । श्रवसि दक्षिण पूर्वी यात्रा मु. । विजया १० ।c
म. २।३४ उ. ३०।३३ या. । पञ्चकारम्भः ४१।३७ उ. ।d
वक्रीबुधः ५२।९ । प्रतीच्यां यात्रा मु. । ✻ १५ । कार्तिक ●
d दक्षिण पूर्व यात्रा मु. । वक्रगत्या पुनर्सिंहे गुरुः ५।४८ ।m
म. २४।४६ उ. ५५।१ या. । व्रताय १५ । बुधास्तः प्रतीच्याम्f
स.सि.योगः १२।४३या.। चन्द्र ग्रहणम् । शरद १५ । कोजागरी✻
● स्नानारम्भः । mपापाङ्कुशा ११ व्रतं सर्वेषाम् ।

आश्विन शु. १ चं. इ. ०।०

[illegible]	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
[illegible]	४	६	४	६	११	११	५२
[illegible]	७	७	२५	२१	२८	१६	१६
[illegible]६	१६	१६	१६	४२	५८	४	४
१०[illegible]	५	२१	२५	३९	३१	२८	२८
[illegible]	३६	२३	३/५६	७१	४/५८	३	३
[illegible]८	७	५८	व.	२१	व.	११	११

बु.शु.७ | बृ.मं.५
८ | चं.सू.६ के. | ४
९ | ३
१० | रा.१२श. | २
११ | १

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ च.	२मं.	३बु.	४बृ.	५शु.	७श.	८र.	९ चं.	१०मं.	११बु.	१२बृ.	१३शु.	१४श.	१५ र.
कं. अं.	७ ४७	७ ४३	७ ३९	७ ३६	७ ३२	७ २८	७ २५	७ २१	७ १६	७ १४	७ १०	७ ६	७ ३	६ ५९
तु. अं.	१० ४	१० ०	९ ५६	९ ५३	९ ४९	९ ४५	९ ४२	९ ३८	९ ३४	९ ३१	९ २७	९ २३	९ २०	९ १६
वृ. अं.	१२ २१	१२ १७	१२ १३	१२ १०	१२ ६	१२ २	११ ५९	११ ५५	११ ५१	११ ४८	११ ४४	११ ४०	११ ३७	११ ३३
ध. अं.	२ २६	२ २२	२ १८	२ १५	२ ११	२ ५७	२ ४	२ ०	१ ५६	१ ५३	१ ४९	१ ४५	१ ४२	१ ३८
म. अं.	४ ११	४ ७	४ ३	४ ०	३ ५६	३ २	३ ४९	३ ४५	३ ४१	३ ३८	३ ३४	३ ३०	३ २७	३ २३
कुं. अं.	५ ४३	५ ३९	५ ३५	५ ३२	५ २८	५ २४	५ २१	५ १७	५ १३	५ १०	५ ६	५ २	४ ५९	४ ५५
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मी. अ.	७ ११	७ ७	७ ३	७ ०	६ ५६	६ ५२	६ ४९	६ ४५	६ ४१	६ ३८	६ ३४	६ ३०	६ २७	६ २३
मे. अं.	८ ४९	८ ४५	८ ४१	८ ३८	८ ३४	८ ३०	८ २७	८ २३	८ १९	८ १६	८ १२	८ ८	८ ५	८ १
वृ. अं.	१० ४५	१० ४१	१० ३७	१० ३४	१० ३०	१० २६	१० २३	१० १९	१० १५	१० १२	१० ८	१० ४	१० १	१ ५७
मि. अं.	१२ ५९	१२ ५५	१२ ५१	१२ ४८	१२ ४४	१२ ४०	१२ ३७	१२ ३३	१२ २९	१२ २६	१२ २२	१२ १८	१२ १५	१२ ११
क. अं.	३ १८	३ १४	३ १०	३ ७	३ ३	२ ५९	२ ५६	२ ५२	२ ४८	२ ४५	२ ४१	२ ३७	२ ३४	२ ३०
सि. अं.	५ ३३	५ २९	५ २५	५ २२	५ १८	५ १४	५ ११	५ ७	५ ३	५ ०	४ ५६	४ ५२	४ ४९	४ ४५

आ. शु. ९ चन्द्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	४	६	४	६	११	११	५
१३	१२	५	२६	१०	२८	१५	१५
३७	६	३६	५४	३०	२४	४१	४१
७	१७	७	२५	११	१२	१६	१६
५९	४१	२९	२२/५८	७१	३/५८	३	३
६	३२	५८	व.	१९	व.	११	११

शु.बु.७ | बृ.मं.५
८ | सू.के.६ | ४
चं.९ | ३
१० | श.रा.१२ | २
११ | १

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२९	१०	१	चं.	२७	१६	रे.	१५	५१	व्या	२९	५६	कौ.	२७	१६	तै.	५८	४५	मातंग	७	१४	२१	मे.	१५	५१	६	१०	५	५०	५	२०	३१	३५	५९	२०
२९	६	२	मं.	३०	१४	अ.	२०	५	ह.	२९	३८	ग.	३०	१४	व.	६०	०	अमृत	८	१५	२२				६	११	५	४९	५	२१	३०	५६	५९	२३
२९	२	३	बु.	३४	२१	भ.	२५	२४	व.	३०	३	व.	२	१७	वि.	३४	२१	काण	९	१६	२३	वृ.	४१	५४	६	१२	५	४८	५	२२	३०	२१	५९	२६
२८	५९	४	बृ.	३९	११	कृ.	३१	२६	सि.	३१	७	बव	६	४६	वा.	३९	११	लुम्ब	१०	१७	२४				६	१२	५	४८	५	२३	२९	४७	५९	२८
२८	५५	५	शु.	४४	२४	रो.	३७	५६	व्य.	३२	३०	कौ.	११	४७	तै.	४४	२४	मित्र	११	१८	२५				६	१३	५	४७	५	२४	२९	१५	५९	३०
२८	५१	६	श.	४९	३७	मृ.	४४	२४	व.	३३	५५	ग.	१७	०	व.	४९	३७	वज्र	१२	१९	२६	मि.	११	१०	६	१४	५	४६	५	२५	२८	४६	५९	३२
२८	४८	७	र.	५४	१९	आ.	५०	२७	प.	३५	२	वि.	२१	५८	बव	५४	१९	ध्वांक्ष	१३	२०	२७				६	१४	५	४६	५	२६	२८	१८	५९	३४
२८	४४	८	चं.	५८	१४	पु.	५५	४७	शि.	३५	३८	वा.	२६	३१	कौ.	५८	१४	धूम्र	१४	२१	२८	क.	३९	२७	६	१५	५	४५	५	२७	२७	५३	५९	३७
२८	४१	९	मं.	६०	०	पु.	६०	०	सि.	३५	२७	तै.	२९	५२	ग.	६०	०	वर्धमा	१५	२२	२९				६	१६	५	४४	५	२८	२७	३१	५९	३९
२८	३७	९	बु.	१	०	पु.	१	१८	सा.	३२	२३	ग.	१	०	व.	३१	५१	मातंग	१६	२३	३०				६	१७	५	४३	५	२९	२७	१०	५९	४२
२८	३३	१०	बृ.	२	४२	श्ले	३	८	शु.	३८	१९	वि.	२	४२	बव	३२	५२	अमृत	१७	२४	३१	सिं.	३	८	६	१७	५	४३	६	०	२६	५२	५९	४४
२८	३०	११	शु.	३	२	म.	५	०	शु.	२९	१६	वा.	३	२	कौ.	३२	३३	काण	१८	२५	१				६	१८	५	४२	६	१	२६	३६	५९	४६
२८	२६	१२	श.	२/५७	४/४८	पू.	५	३६	ब्र.	२५	१३	तै.	२	४	ग.	३६/५९	२८/५६	लुम्ब	१९	२६	२	कं.	२०	२७	६	१९	५	४१	६	२	२६	२३	५९	४८
२८	२३	१४	र.	५६	४०	उ.	५	१	ऐं.	२०	१७	वि.	२८	१६	श.	५६	४०	मित्र	२०	२७	३				६	१९	५	४१	६	३	२६	१०	५९	५०
२८	१९	३०	चं.	५२	३३	ह.	३	२३	वै.	१४	३०	चं.	२४	३६	ना.	५२	३३	वज्र	२१	२८	४	तु.	३२	९	६	२०	५	४०	६	४	२६	१	५९	५५

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० कार्तिक कृष्ण पक्षः।
अक्टू. ७ से २१ तक। याम्यायनम् सौम्यगोलः तुलार्कतः *

पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.। १५।५१ या. ततः उदीच्यां यात्रा मु.।a
स. सि. अ. सि. योगः २०।५ या.। विशाखाभे शुक्रः ५६।४४।
म. २।१७ उ. ३४।२१ या.। स. सि. योगः २५।२४ उ.।
चित्रायामर्कः २५।२७। पञ्चमी योगे या. ज. मु.।
वक्रगत्या पुनःकन्यान्यां बुधः ५८।२६। मृगभे दक्षिण यात्रा मु.।
म. ४९।३७ उ.। दक्षिण पश्चिमयोः यात्रा मु.। aया. जयb
म. २१।५८ या.। पुन. मे दक्षिण यात्रा मु.। b१५।५१ या.।
मार्गीगुरुः ५८।२३। दक्षिण पश्चिमयोः यात्रा मु. ३८।२७ या.c
dधन्वन्तरि १३। धन १३। धन्वन्तरि जन्म १३।
म. ३१।५१ उ.। प्रतीच्यां यात्रामु.। *याम्यगोलः शरदऋतुः।
म. २।४२ या.।तुलायामर्कः९।३१। cततः पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.।
सौर कार्तिकारम्भः। रमा ११ व्रतं सर्वेषाम्। अनुभे शुक्रः२६।४९।
म. ५९।५२ उ.। प्रदोषः। त्रयोदशी उत्तरा योगे या. ज. मु.।d
म. २८।१६ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्। हनुमज्जन्म।
स्नानदानादौ ३०। दीपावली। वक्रगत्या पुनर्हस्ते बुधः ११।४

कार्तिक कृ. ४ गुरौ. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	४	६	४	६	११	११	५
२३	१८	१	२९	२२	२७	१५	१५
२९	६	६	६	४२	४२	९	९
४७	५	२१	२५	३९	३१	२८	२८
५९	३६	२३	४/३५	७१	४/६६	३	३
५६	७	५८	व.	२१	व.	११	११

शु.बु. ७
बृ.मं. ५
८
के.सू.
६
४
९
३
१०
श.रा.१२
चं.२
११
१

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१ चं.	२ मं.	३ बु.	४ बृ.	५ शु.	६ श.	७ र.	८ चं.	९ म.	९ बु.	१० बृ.	ति.	११ शु.	१२ श.	१४ र.	३० च.
कं.	६ ५५	६ ५२	६ ४८	६ ४४	६ ४१	६ ३७	६ ३३	६ ३०	६ २६	६ २३	६ १९	तु.	८ ३२	८ २८	८ २४	८ २०
तु.	९ १२	९ ९	९ ५	९ १	८ ५८	८ ५४	८ ५०	८ ४७	८ ४३	८ ४०	८ ३६	वृ.	१० ४९	१० ४५	१० ४१	१० ३७
वृ.	११ २९	११ २६	११ २२	११ १८	११ १५	११ ११	११ ७	११ ४	११ ०	१० ५७	१० ५३	ध.	१२ ५४	१२ ५०	१२ ४६	१२ ४२
ध.	१ ३४	१ ३१	१ २७	१ २३	१ २०	१ १६	१ १२	१ ९	१ ५	१ २	१२ ५८	म.	२ ३९	२ ३५	२ ३१	२ २७
म.	३ १९	३ १६	३ १२	३ ८	३ ५	३ १	२ ५७	२ ५४	२ ५०	२ ४७	२ ४३	कुं.	४ ११	४ ७	४ ३	३ ५९
कुं.	४ ५१	४ ४८	४ ४४	४ ४०	४ ३७	४ ३३	४ २९	४ २६	४ २२	४ १९	४ १५	मी.	५ ३९	५ ३५	५ ३१	५ २७
रा.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा.	रा०	रा०	रा०	रा०
मी.	६ १९	६ १६	६ १२	६ ८	६ ५	६ १	५ ५७	५ ५४	५ ५०	५ ४७	५ ४३	मे.	७ १७	७ १३	७ ९	७ ५
मे.	७ ५७	७ ५४	७ ५०	७ ४६	७ ४३	७ ३९	७ ३५	७ ३२	७ २८	७ २५	७ २१	वृ.	९ १३	९ ९	९ ५	९ १
वृ.	९ ५३	९ ५०	९ ४६	९ ४२	९ ३९	९ ३५	९ ३१	९ २८	९ २४	९ २१	९ १७	मि.	११ २७	११ २३	११ १९	११ १५
मि.	१२ ७	१२ ४	१२ ०	११ ५६	११ ५३	११ ४९	११ ४५	११ ४२	११ ३८	११ ३५	११ ३१	क.	१ ४६	१ ४२	१ ३८	१ ३४
क.	२ २६	२ २३	२ १९	२ १५	२ १२	२ ८	२ ४	२ १	१ ५७	१ ५४	१ ५०	सिं.	४ १	३ ५७	३ ५३	३ ४९
सिं.	४ ४१	४ ३८	४ ३४	४ ३०	४ २७	४ २३	४ १९	४ १६	४ १२	४ ९	४ ५	कं.	६ १५	६ ११	६ ७	६ ३

कार्तिक कृ. १४ रवौ. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.
६	४	५	५	७	११	१
३	२४	२४	१	५	२६	१४
२६	१८	१८	६	०	३८	३८
१०	३७	३१	९	९	३८	३८
५९	३५	४१/४८	२/४५	७६	९/०	३
४७	५२	व.	मा.	३६	व.	११

शु.८
चं.बु.बृ. ६
९
सू.७
मं.५
१०
४
११
१
३
श१२रा
२

दि. मा घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा.	प्र. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ.स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२८	१६	१	मं.	४७	४१	चि.	०/५६	५६/४६	वि.	८	४	कि.	२०	७	बव	४७	४१	ध्वांक्ष	२२	२९	५				६	२१	५	३९	६	५	२५	५२	५९	५५
२८	१२	२	बु.	४२	१४	वि.	५३	५८	प्री.	१/५२	१/३२	वा.	१४	५७	कौ.	४२	१४	धाता	२३	३०	६	व.	३९	५४	६	२२	५	३८	६	६	२५	४७	५९	५७
२८	९	३	बृ.	३६	२७	ऽनु.	४९	५२	सौ.	४५	५०	तै.	९	२०	ग.	३६	२७	आनंद	२४	१	७				६	२२	५	३८	६	७	२५	४४	६०	०
२८	५	४	शु.	३०	२६	ज्ये.	४५	३९	शो.	३७	५७	व.	३	२७	वि.	३०/५७	२६/३६	चर	२५	२	८	ध.	४५	३९	६	२३	५	३७	६	२५	२५	४३	६०	२
२८	२	५	श.	२४	२७	मू.	४१	३२	अ.	३०	१०	वा.	२४	२७	कौ.	५१	२४	गद	२६	३	९				६	२४	५	३६	६	९	२५	४५	६०	४
२७	५८	६	र.	१८	४१	पू.	३७	४१	सु.	२८	३५	तै.	१८	४१	ग.	४६	१	शुभ	२७	४	१०	म.	५१	५०	६	२४	५	३६	६	१०	२५	४९	६०	६
२७	५५	७	चं.	१३	२२	उ.	३४	१७	धृ.	१५	३९	व.	१३	२२	वि.	४०	५९	मृत्यु	२८	५	११				६	२५	५	३५	६	११	२५	५५	६०	८
२७	५२	८	मं.	८	३६	श्र.	३१	३६	शू.	८	३४	बव	८	३६	वा.	३६	३७	लुंबक	२९	६	१२				६	२६	५	३४	६	१२	२६	२	६०	९
२८	४८	९	बु.	४	३९	ध.	२९	४६	गं.	२/५४	२८/३२	कौ.	४	३९	तै.	३३	११	मित्र	३०	७	१३	कुं.	०	४१	६	२६	५	३४	६	१३	२६	१०	६०	१०
२०	४५	१०	बृ.	५/५८	४२/८	श.	२८	५६	वृ.	५२	३५	ग.	१	४३	व.	३९/५९	४७/५५	वज्र	३१	८	१४				६	२७	५	३३	६	१४	२६	१९	६०	११
२७	४२	१२	शु.	५९	१०	पूभा	२९	१४	ध्रु.	४९	४	बव	२९	४८	वा.	५९	१०	ध्वांक्ष	१	९	१५	मी.	१४	१०	६	२८	५	३२	६	१५	२६	२९	६०	१२
२७	३९	१३	श.	५९	४५	उभा	३०	४७	व्या	४६	३४	कौ.	२९	२७	तै.	५९	४५	धूम्र	२	१०	१६				६	२८	५	३२	६	१६	२६	४१	६०	१४
२७	३५	१४	र.	६०	०	रे.	३३	३५	ह.	४५	५७	ग.	३०	४७	व.	६०	०	वर्ध.	३	११	१७	मे.	३३	३५	६	२९	५	३१	६	१७	२६	५५	६०	१७
[illegible]	३२	१४	चं.	१	५०	अ.	३७	३२	व.	४५	१७	व.	१	५०	वि.	३३	२२	रक्ष	४	१२	१८				६	३०	५	३०	६	१८	२७	१०	६०	१७
[illegible]	२९	१५	मं.	४	५५	भ.	४२	४०	सि.	४४	२८	बव	४	५५	वा.	३७	१	मुसल	५	१३	१९	वृ.	५९	८	६	३०	५	३०	६	१९	२७	२८	६०	१९

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० कातिक शुक्लपक्षः ।
अक्टूबर २२ से नवम्बर ५ तक याम्यायनगोलौ शरदृतुः

गो कीड़नम् । गोवर्धन पूजा । अन्नकूट ।
स्वात्यामर्कः ५०।२८ । चन्द्रोदयः । चित्रगुप्त २ । भ्रातृ २ ।a
या. जय. ३६।२७ या. । रज्जव । स. सि. योगः ४९।५२ या. ।
म. ३।२७ उ. ३०।२६ या. । aउ. फा. मे भौमः ६।५४ ।
तीक्ष्णकर्म मु. । चित्राभे बुधः ३५।४४ ।
मार्गी बुधः २५।३१ ।
म. १३।२२ उ. ४०।५९ या. । या.जय १३।२२या. । श्रवसिसe
दक्षिण पूर्वौ यात्रा मु. । गोपाष्टमी। ज्येष्ठाभेशुक्रः । ३७।४१ ।b
पञ्चक प्रवत्तिः ०।४१ उ. । प्रतीच्यां यात्रा मु. ।
म. ३०।४७ उ. ५९।५१ या. । प्रबोधिनी ११ व्रतं स्मार्तानाम्
नवम्बर । प्रबोधिनी ११ व्रतं वैष्णवानाम् ।
प्रदोषः । या. ज. मु. । रेवत्यां पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. ।
पञ्चक निवृत्तिः ३३।३५ । स. सि. योगः ३३।३५ उ. ।
म. १।५० उ. ३३।२२ या. । भरणीभे या. ज. मु. ।
गुरु नानक जयन्ती । e कन्यायां भौमः ४८।१२ ।
b स. सि. योगः दक्षिण यात्रा मु. । बुधोदयः प्राच्याम् ४४।७ ।

का. शु. २ बुधे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
[illegible]	४	५	५	७	११	११	५
६	२६	२	१	८	२६	१४	१४
[illegible]५	३	३६	१४	४८	५१	२९	२९
१०७	३३	३८	२५	२५	२५	५२	५२
५९	३५	५९	१०	७२	व.	३	३
४७	४८	५५	२५	२७	४/८	११	११

शु.८
६बु.के.बृ.
९
सू.७चं.
५मं.
१०
४
११
१
३
श१२रा
२

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१ मं.	२ बु.	३बृ.	४ शु.	५ श.	६ र.	७चं.	८ मं.	९बु.	१०बृ.	१२शु.	१३ श.	१४र.	१४चं.	१५ मं.
तु.	८ १६	८ १३	८ ९	८ ५	८ १	७ ५७	७ ५३	७ ४९	७ ४५	७ ४१	७ ३७	७ ३३	७ २९	७ २५	७ २१
वृ.	१० ३३	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १८	१० १४	१० १०	१० ६	१० २	९ ५८	९ ५४	९ ५०	९ ४६	९ ४२	९ ३८
ध.	१२ ३८	१२ ३५	१२ ३१	१२ २७	१२ २३	१२ १९	१२ १५	१२ ११	१२ ७	१२ ३	११ ५९	११ ५५	११ ५१	११ ४७	११ ४३
म.	२ २३	२ २०	२ १६	२ १२	२ ८	२ ४	२ ०	१ ५६	१ ५२	१ ४८	१ ४४	१ ४०	१ ३६	१ ३२	१ २८
कुं.	३ ५५	३ ५२	३ ४८	३ ४४	३ ४०	३ ३६	३ ३२	३ २८	३ २४	३ २०	३ १६	३ १२	३ ८	३ ४	३ ०
मी.	५ २३	५ २०	५ १६	५ १२	५ ८	५ ४	५ ०	४ ५६	४ ५२	४ ४८	४ ४४	४ ४०	४ ३६	४ ३२	४ २८
रा.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मे.	७ १	६ ५८	६ ५४	६ ५०	६ ४६	६ ४२	६ ३८	६ ३४	६ ३०	६ २६	६ २२	६ १८	६ १४	६ १०	६ ६
वृ.	८ ५७	८ ५४	८ ५०	८ ४६	८ ४२	८ ३८	८ ३४	८ ३०	८ २६	८ २२	८ १८	८ १४	८ १०	८ ६	८ २
मि.	११ ११	११ ८	११ ४	११ ०	१० ५६	१० ५२	१० ४८	१० ४४	१० ४०	१० ३६	१० ३२	१० २८	१० २४	१० २०	१० १६
क.	१ ३०	१ २७	१ २३	१ १९	१ १५	१ ११	१ ७	१ ३	१२ ५९	१२ ५५	१२ ५१	१२ ४७	१२ ४३	१२ ३९	१२ ३५
सिं.	३ ४५	३ ४२	३ ३८	३ ३४	३ ३०	३ २६	३ २२	३ १८	३ १४	३ १०	३ ६	३ २	२ ५८	२ ५४	२ ५०
कं.	५ ५९	५ ५६	५ ५२	५ ४८	५ ४४	५ ४०	५ ३६	५ ३२	५ २८	५ २४	५ २०	५ १६	५ १२	५ ८	५ ४

का. शु. ९ बुधे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	५	५	५	७	११	११	५
१३	०	२६	३	१७	२६	१४	१४
२६	१४	१८	६	६	०	६	६
१०	१३	३१	७	२२	३	४०	४०
६०	३६	१२/५८	११	७१	५/५२	३	३
६	४२	मा.	५८	३९	व.	११	११

शु.८
६बृ.बु.के.मं.
९
७सू.
५
१०चं.
४
११
१
३
रा.१२श.
२

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२७	२६	१	बु.	९	८	कृ.	४८	३२	व.	४५	१८	कौ.	९	८	तै.	४२	६	सिद्धि	६	१४	२०				६	३१	५	२९	६	२०	२७	४९	६०	२२
२७	२३	२	बृ.	१४	४	रो.	५४	५७	प.	४६	३१	ग.	१४	४	व.	४६	४४	उत्पात	७	१५	२१				६	३१	५	२९	६	२१	२८	१४	६०	२५
२७	२०	३	शु.	१९	२५	मृ.	६०	०	शि.	४७	५४	वि.	१९	२५	बव	५२	३	मानस	८	१६	२२	मि.	२८	१२	६	३२	५	२८	६	२२	२८	४१	६०	२८
२७	१७	४	श.	२४	४१	मृ.	१	२७	सि.	४८	६	वा.	२४	४१	कौ.	५६	५९	वज्र	९	१७	२३				६	३३	५	२७	६	२३	२९	१०	६०	३१
२७	१४	५	र.	२९	२७	आ.	७	३७	सा.	४९	५०	तै.	२९	२७	ग.	६०	०	ध्वांक्ष	१०	१८	२४	क.	५६	४५	६	३३	५	२७	६	२४	२९	४९	६०	३४
२७	११	६	चं.	३३	२५	पुन.	१३	७	शु.	४९	५२	ग.	१	२६	व.	३३	२५	धूम्र	११	१९	२५				६	३४	५	२६	६	२५	३०	१७	६०	३६
२७	८	७	मं.	३६	१४	पु.	१७	३९	शु.	४९	०	वि.	४	४९	बव	३६	१४	प्रवर्ध	१२	२०	२६				६	३४	५	२६	६	२६	३०	५२	६०	३६
२७	५	८	बु.	३७	५८	श्ले	२१	६	ब्र.	४७	१४	वा.	७	६	कौ.	३७	५८	रक्ष	१३	२१	२७	सि.	२१	६	६	३५	५	२५	६	२७	३१	२९	६०	३७
२७	२	९	बृ.	३८	२१	म.	२२	१५	ऐ.	४४	२९	तै.	८	९	ग.	३८	२१	मुसल	१४	२२	२८				६	३६	५	२४	६	२८	३२	४	६०	३७
२६	५९	१०	शु.	३७	२५	पू.	२४	८	वै.	४०	४१	व.	७	४३	वि.	३७	२५	सिद्धि	१५	२३	२९	कं.	३९	३	६	३६	५	२४	६	२९	३२	४२	६०	३९
२६	५७	११	श.	३५	१५	उ.	२३	४९	वि.	३५	५८	बव	६	२०	वा.	३५	१५	उत्पात	१६	२४	३०				६	३७	५	२३	७	०	३३	२२	६०	४२
२६	५४	१२	र.	३२	०	ह.	२२	२६	प्री.	३०	२१	कौ.	३	३७	तै.	३२	०	मानस	१७	२५	१	तु.	५१	१९	६	३७	५	२३	७	१	३४	४	६०	४४
२६	५१	१३	चं.	२८	०	चि.	२०	१२	आ.	२४	९	ग.	०	१	व.	[illegible]	[illegible]	मुद्गर	१८	२६	२				६	३८	५	२२	७	२	३४	४९	६०	४७
२६	४९	१४	मं.	२३	५	स्वा	१७	७	सौ.	१७	१५	श.	२३	५	च.	५०	२५	ध्वज	१९	२७	३	वृ.	५९	२४	६	३८	५	२२	७	३	३५	३७	६०	४९
२६	४६	३०	बु.	१७	४५	वि.	१३	२९	शो.	९	५०	ना.	१७	४५	किं.	४४	५२	धाता	२०	२८	४				६	३९	५	२१	७	४	३६	२६	६०	५१

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः ।
नवम्बर ६ से २० तक । याम्यायनगोलौ । शिशिरऋतुः ।

द्वीशेऽर्कः १०।२९ aधनौ शुक्रः २२।३८ ।
भ. ४६।४४ उ. । तृतीया योगे या. जय. मु. ।
भ. १९।२५ या. । भद्रान्ते दक्षिण यात्रा मु. ।
मृग भे दक्षिण पश्चिमौ यात्रा मु. । स्वात्यांबुधः ४।११ ।a
तीक्ष्णकर्म मु. । bविशाखायां बुधः ९।४१
भ. ३३।२५ उ. । पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. ।
भ. ४।४९ या. । cशुक्र ३६।४७
भैरवाष्टमी । काश्यांकालभैरव यात्रा ८ ।

भ. ७।५३ उ. ३७।२५ या. । हस्ते बुधः ३८।४१ ।
वृश्चिकेऽर्कः २।१४ । उत्पन्न ११ व्रतं सर्वेषाम् । या. ज. मु. ।
सौर मार्गशीर्षारम्भः । दोषः । स. सि. योगः ।
भ. २८।० उ. ४५।३२ या. । मास शिवरात्रि व्रतम् ।b
मैत्रेऽर्कः १९।३० । बुधास्तः प्राच्याम् ५९।४७ ।
अनु.भे स. सि. अ. सि. योगः । स्नानदानादौ ३० । पू.पा.भे

मार्ग. कृ. ४ शनौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	५	६	५	७	११	११	५
२३	६	६	४	२३	२६	१३	१३
२९	३०	३६	५४	१८	१२	३४	३४
१०	३३	३२	२५	२५	२५	५२	५२
७	३५	५९	१०	१०	७२	३	३
२६	४८	५५	२५	२५	२७	११	११

शु.८ म.बृ.के ६
९ सू.७बु. ५
१० ४
११ १ ३चं.
श१२रा २

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.	२ बृ.	३ शु.	४ श.	५ र.	६ चं.	७ मं.	८ बु.	९ बृ.	१० शु.	११ श.	ति.	१२ र.	१३ चं.	१४ म.	३० बु.
तु. अं.	७ १७	७ १३	७ ९	७ ५	७ १	६ ५७	६ ५३	६ ४९	६ ४५	६ ४१	६ ३७	वृ.	८ ५०	८ ४६	८ ४२	८ ३८
वृ. अं.	९ ३४	९ ३०	९ २६	९ २२	९ १८	९ १४	९ १०	९ ६	९ २	८ ५८	८ ५४	ध.	१० ५५	१० ५१	१० ४७	१० ४३
ध. अं.	११ ३९	११ ३५	११ ३१	११ २७	११ २३	११ १९	११ १५	११ ११	११ ७	११ ३	१० ५९	म.	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३२	१२ २८
म. अं.	१ २४	१ २०	१ १६	१ १२	१ ८	१ ४	१ ०	१२ ५६	१२ ५२	१२ ४८	१२ ४४	कुं.	२ १२	२ ८	२ ४	२ ०
कुं. अं.	२ ५६	२ ५२	२ ४८	२ ४४	२ ४०	२ ३६	२ ३२	२ २८	२ २४	२ २०	२ १६	मी.	३ ४०	३ ३६	३ ३२	३ २८
मी. अं.	४ २४	४ २०	४ १६	४ १२	४ ८	४ ४	४ ०	३ ५६	३ ५२	३ ४८	३ ४४	मे.	५ १८	५ १४	५ १०	५ ६
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा.	रा०	रा०	रा०	रा०
मे. अं.	६ २	५ ५८	५ ५४	५ ५०	५ ४६	५ ४२	५ ३८	५ ३४	५ ३०	५ २६	५ २२	वृ.	७ १४	७ १०	७ ६	७ २
वृ. अं.	७ ५८	७ ५४	७ ५०	७ ४६	७ ४२	७ ३८	७ ३४	७ ३०	७ २६	७ २२	७ १८	मि.	९ २८	९ २४	९ २०	९ १६
मि. अं.	१० १२	१० ८	१० ४	१० ०	९ ५६	९ ५२	९ ४८	९ ४४	९ ४०	९ ३६	९ ३२	क.	११ ४७	११ ४३	११ ३९	११ ३५
क. अं.	१२ ३१	१२ २७	१२ २३	१२ १९	१२ १५	१२ ११	१२ ७	१२ ३	११ ५९	११ ५६	११ ५१	सिं.	२ २	१ ५८	१ ५४	१ ५०
सिं. अं.	२ ४६	२ ४२	२ ३८	२ ३४	२ ३०	२ २६	२ २२	२ १८	२ १४	२ १०	२ ६	कं.	४ १६	४ १२	४ ८	४ ४
कं. अं.	५ ०	४ ५६	४ ५२	४ ४८	४ ४४	४ ४०	४ ३६	४ ३२	४ २८	४ २४	४ २०	तु.	६ ३३	६ २९	६ २५	६ २१

मार्ग. कृ. १४ भौमे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	५	६	५	८	११	[illegible]	[illegible]
३	१२	१२	६	११	२४	१३	[illegible]
३५	३०	५४	४२	२४	४५	३	[illegible]
३७	५८	५४	४२	३७	९	५	[illegible]
६	३६	८३	११	७१	४८	३	[illegible]
४६	३९	१७	२८	३७	व.	११	११

९ गु. चं.७बु.
१० सू.८ मं. के.बृ. ६
११ ५
राश. १२ २ ४
१ ३

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	४४	१	बृ.	११	५९	अनु.	९	२७	अ.	२/५८	०/६	बव	११	५९	वा.	३९	१	आनन्द	२१	२९	५				६	३९	५	२१	७	५	३७	१७	६०	५२
२६	४१	२	शु.	६	३	ज्ये.	५	१५	वृ.	४६	३५	कौ.	६	३	तै.	३३	५	चर	२२	१	६	ध.	५	१५	६	४०	५	२०	७	६	३८	७	६०	५२
२६	३९	३	श.	०/५४	८/२०	मू.	१/५६	७/४	शू.	३८	४०	ग.	०	८	व.	२७/५४	१८/२८	गद	२३	२	७				६	४०	५	२०	७	७	३८	५९	६०	५४
२६	३७	५	र.	४९	१२	उ.	५३	३९	गं.	१३	११	बव	२१	५०	वा.	४९	१२	अमृत	२४	३	८	म.	११	१६	६	४१	५	१९	७	८	३९	५३	६०	५६
२६	३५	६	चं.	४४	३४	श्र.	५०	४७	वृ.	२४	१३	कौ.	१६	५३	तै.	४४	३४	सिद्धि	२५	४	९				६	४१	५	१९	७	९	४०	४९	६०	५७
२६	३३	७	मं.	४०	४८	ध.	४८	४६	ध्रु.	१७	५३	ग.	११	४१	व.	४०	४८	उत्पात	२६	५	१०	कु.	१९	४६	६	४२	५	१८	७	१०	४१	५६	६०	५९
२६	३०	८	बु.	३७	५८	श.	४७	३८	व्या	१२	११	वि.	९	२३	बव	३७	५८	मानस	२७	६	११				६	४२	५	१८	७	११	४२	४५	६१	१
२६	२८	९	बृ.	३६	१३	पू.	४७	३९	ह.	७	२१	वा.	७	५	कौ.	३६	१३	मुद्गर	२८	७	१२	मी.	३२	३९	६	४२	५	१८	७	१२	४३	४५	६१	३
२६	२६	१०	शु.	३५	४१	उ.	४८	५०	व.	३	२४	तै.	५	५७	ग.	३५	४१	ध्वज	२९	८	१३				६	४३	५	१७	७	१३	४४	४७	६१	३
२६	२५	११	श.	३६	२७	रे.	५१	२१	सि.	०/५४	२८/३	व.	६	४	वि.	३६	२७	धाता	३०	९	१४	मे.	५१	२१	६	४३	५	१७	७	१४	४५	४९	६१	४
२६	२३	१२	र.	३८	३८	अ.	५५	५	व.	५७	३६	बव	७	३२	वा.	३८	३८	आनन्द	१	१०	१५				६	४३	५	१७	७	१५	४६	५३	६१	६
२६	२१	१३	चं.	४१	५१	भ.	५९	५५	प.	५७	२५	कौ	१०	१४	तै.	४१	५१	चर	२	११	१६				६	४४	५	१६	७	१६	४७	५९	६१	८
[illegible]	१९	१४	मं.	४६	१३	कृ.	६०	०	शि.	५८	३	ग.	१४	२	व.	४६	१३	गद	३	१२	१७	वृ.	१६	२०	६	४४	५	१६	७	१७	४९	५	६१	८
[illegible]	१८	१५	बु.	५१	१३	कृ.	५	३६	सि.	५९	७	वि.	१८	४३	बव	५१	१३	सिद्धि	४	१३	१८				६	४४	५	१६	७	१८	५०	१२	६१	९

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः।
नवम्बर २१ से दिसम्बर ४ तक याम्यायनगोलौ शिशिरऋतुः।

चन्द्रदर्शनम्। स. सि. योगः या. जय. ११।४९ या.।
तीक्ष्ण कर्म मु.। शावान।
भ. २७।१८ उ. ५८।२८ या.।
या. जय मु.। d पिशाचमोचने स्नानम् (लोटाभंटा)
दक्षिण यात्रा मु.। a प्रवृत्तिः १९।४६ उ.।
भ. ४०।४८ उ.। दक्षिण यात्रा मु. १९।४६ या.। पञ्चकa
भ. ९।२३ या.। e बुधः ४६।२५। मकरे शुक्रः ६।७।
उग्रकर्म मु.। अनु. भे बुधः ४६।१७।
रेवत्यां उदीच्यां यात्रा मु.। b निवृत्तिः ५१।११ या.।
भ. ६।४ उ. ३६।२७ या.। मोक्षदा ११ व्रतंसर्वेषाम्। पञ्चकb
दिसम्बर। स. सि. योगः भरणीभे या. जय.। उ. षा. भे शुक्रःc
शाक्रेऽर्कः २६।३१। प्रदोषः। या. जय मु.। c ३६।३७
भ. ४६।१३ उ.। स. सि. योगः। विमलतीर्थ यात्रा। काश्यां d
भ. १८।४३ या.। स. सि. योगः। दत्त जयन्ती। ज्येष्ठाभे e

मार्गशीर्ष शुक्ल २ शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
[illegible]	५	६	५	८	११	११	५
६	१४	२०	७	१४	२४	१२	१२
३८	१४	४८	३०	५७	२८	५४	५४
[illegible]	१७	४६	११	११	४५	२९	२९
६०	३६	७१	५	७१	२/३६	३	३
५२	३५	५५	३८	३७	व.	११	११

शु.९ बु.७
१० सू.चं.८ मं.के.
११ ५
रा.श. ४
२
१ ३

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बृ.	२ शु.	३ श.	५ र.	६ चं.	७ मं.	८ बु.	९ बृ.	१० शु.	११ श.	१२ र.	१३ चं.	१४ मं.	१५ बु.
वृ. अं.	८ ३३	८ २९	८ २५	८ २०	८ १६	८ १२	८ ७	८ ३	७ ५९	७ ५४	७ ५०	७ ४६	७ ४२	७ ३७
ध. अं.	१० ३८	१० ३४	१० ३०	१० २५	१० २१	१० १७	१० १२	१० ८	१० ४	९ ५९	९ ५५	९ ५१	९ ४७	९ ४२
म. अं.	१२ २३	१२ १९	१२ १५	१२ १०	१२ ६	१२ २	११ ५७	११ ५३	११ ४९	११ ४४	११ ४०	११ ३६	११ ३२	११ २७
कुं. अं.	१ ५५	१ ५१	१ ४७	१ ४२	१ ३८	१ ३४	१ २९	१ २५	१ २१	१ १६	१ १२	१ ८	१ ४	१२ ५९
मी. अं.	३ २३	३ १९	३ १५	३ १०	३ ६	३ २	२ ५७	२ ५३	२ ४९	२ ४४	२ ४०	२ ३६	२ ३२	२ २७
मे. अं.	५ १	४ ५७	४ ५३	४ ४८	४ ४४	४ ४०	४ ३५	४ ३१	४ २७	४ २२	४ १८	४ १४	४ १०	४ ५
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
वृ. अं.	६ ५७	६ ५३	६ ४९	६ ४४	६ ४०	६ ३६	६ ३१	६ २७	६ २३	६ १८	६ १४	६ १०	६ ६	६ १
मि. अं.	९ ११	९ ७	९ ३	८ ५८	८ ५४	८ ५०	८ ४५	८ ४१	८ ३७	८ ३२	८ २८	८ २४	८ २०	८ १५
क. अं.	११ ३०	११ २६	११ २२	११ १७	११ १३	११ ९	११ ४	११ ०	१० ५६	१० ५१	१० ४७	१० ४३	१० ३९	१० ३४
सिं. अं.	१ ४५	१ ४१	१ ३७	१ ३२	१ २८	१ २४	१ १९	१ १५	१ ११	१ ६	१ २	१२ ५८	१२ ५४	१२ ४९
कं. अं.	३ ५९	३ ५५	३ ५१	३ ४६	३ ४२	३ ३८	३ ३३	३ २९	३ २५	३ २०	३ १६	३ १२	३ ८	३ ३
तु. अं.	६ १६	६ १२	६ ८	६ ३	५ ५९	५ ५५	५ ५०	५ ४६	५ ४२	५ ३७	५ ३३	५ २९	५ २५	५ २०

मा. शी. शुक्ल १० शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	५	७	५	८	११	११	५
१३	१८	७	८	२३	२४	१२	१२
४४	१८	३६	१२	२४	१२	३१	३१
४७	३७	३३	२५	९	७	१७	१७
६१	३६	९५	१०	७१	३/८	३	३
२	७	४५	३८	३७	व.	११	११

शु.९ ७
१० सू.८बु. मं.के.
११ ५
रा.श. ४
२
१ ३

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः ।
नवम्बर ६ से २० तक । याम्यायनगोलौ । शिशिरऋतुः ।

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२७	२६	१	बु.	९	८	कृ.	४८	३२	व.	४५	१८	कौ.	९	८	तै.	४२	६	सिद्धि	६	१४	२०				६	३१	५	२९	६	२०	२७	४९	६०	२२
२७	२३	२	बृ.	१४	४	रो.	५४	५७	प.	४६	३१	ग.	१४	४	व.	४६	४४	उत्पात	७	१५	२१				६	३१	५	२९	६	२१	२८	१४	६०	२५
२७	२०	३	शु.	१९	२५	मृ.	६०	०	शि.	४७	५४	वि.	१९	२५	बव	५२	३	मानस	८	१६	२२	मि.	२८	१२	६	३२	५	२८	६	२२	२८	४१	६०	२८
२७	१७	४	श.	२४	४१	मृ.	१	२७	सि.	४८	६	बा.	२४	४१	कौ.	५६	५९	वज्र	९	१७	२३				६	३३	५	२७	६	२३	२९	१०	६०	३१
२७	१४	५	र.	२९	२७	आ.	७	३७	सा.	४९	५०	तै.	२९	२७	ग.	६०	०	ध्वांक्ष	१०	१८	२४	क.	५६	४५	६	३३	५	२७	६	२४	२९	४९	६०	३४
२७	११	६	चं.	३३	२५	पुन.	१३	७	शु.	४९	५२	ग.	१	२६	व.	३३	२५	धूम्र	११	१९	२५				६	३४	५	२६	६	२५	३०	१७	६०	३६
२७	८	७	मं.	३६	१४	पु.	१७	३९	शु.	४९	०	वि.	४	४९	बव	३६	१४	प्रवर्ध	१२	२०	२६				६	३४	५	२६	६	२६	३०	५२	६०	३६
२७	५	८	बु.	३७	५८	श्ले	२१	६	ब्र.	४७	१४	बा.	७	६	कौ.	३७	५८	रक्ष	१३	२१	२७	सिं.	२१	६	६	३५	५	२५	६	२७	३१	२९	६०	३७
२७	२	९	बृ.	३८	२१	म.	२३	१५	ऐं.	४४	२९	तै.	८	९	ग.	३८	२१	मुसल	१४	२२	२८				६	३६	५	२४	६	२८	३२	४	६०	३७
२६	५९	१०	शु.	३७	२५	पू.	२४	८	वै.	४०	४१	व.	७	४३	वि.	३७	२५	सिद्धि	१५	२३	२९	कं.	३९	३	६	३६	५	२४	६	२९	३२	४२	६०	३९
२६	५७	११	श.	३५	१५	उ.	२३	४९	वि.	३५	५८	बव	६	२०	बा.	३५	१५	उत्पात	१६	२४	३०				६	३७	५	२३	७	०	३३	२२	६०	४२
२६	५४	१२	र.	३२	०	ह.	२२	२६	प्री.	३०	२१	कौ.	३	३७	तै.	३२	०	मानस	१७	२५	१	तु.	५१	१९	६	३७	५	२३	७	१	३४	४	६०	४४
२६	५१	१३	चं.	२८	०	चि.	२०	१२	आ.	२४	९	ग.	०	१	व.	२८/५५	०/[illegible]	मुद्गर	१८	२६	२				६	३८	५	२२	७	२	३४	४९	६०	४७
२६	४९	१४	मं.	२३	५	स्वा	१७	७	सौ.	१७	१५	श.	२३	५	च.	५०	२५	ध्वज	१९	२७	३	वृ.	५९	२४	६	३८	५	२२	७	३	३५	३७	६०	४९
२६	४६	३०	बु.	१७	४५	वि.	१३	२९	शो.	९	५०	ना.	१७	४५	किं.	४४	५२	धाता	२०	२८	४				६	३९	५	२१	७	४	३६	२६	६०	५१

द्वीशेऽर्कः १०।२९ [a]घनौ शुक्रः २२।३८।
भ. ४६।४४ उ. । तृतीया योगे या. जय. मु. ।
भ. १९।२५ या. । भद्रान्ते दक्षिण यात्रा मु. ।
मृग मे दक्षिण पश्चिमौ यात्रा मु. । स्वात्यांबुधः ४।११ ।[a]
तीक्ष्णकर्म मु. । [b]विशाखायां बुधः ९।४१
म. ३३।२५ उ. । पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. ।
भ. ४।४९ या. । [c]शुक्र ३६।४७
भैरवाष्टमी । काश्यांकालभैरव यात्रा ८ ।

भ. ७।५३ उ. ३७।२५ या. । हस्ते बुधः ३८।४१ ।
वृश्चिकेऽर्कः २।१४ । उत्पन्न ११ व्रतं सर्वेषाम् । या. ज. मु. ।
सौर मार्गशीर्षारम्भः । दोषः । स. सि. योगः ।
म. २८।० उ. ४५।३२ या. । मास शिवरात्रि व्रतम् ।[b]
मैत्रेऽर्कः १९।३० । बुधास्तः प्राच्याम् ५९।४७ ।
अनु.मे स. सि. अ. सि. योगः । स्नानदानादौ ३० । पू.षा.मे[c]

मार्ग. कृ. ४ शनौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	५	६	५	७	११	११	५
२३	६	६	४	२९	२९	१३	१३
२९	३०	३६	५४	१८	१२	३४	३४
१०	३३	३२	२५	२५	२५	५२	५२
७	३५	५९	१०	१०	७२	३	३
२६	४८	५५	२५	२५	२७	११	११

शु.८ मं.बृ.के.६
९ सू.७बु. ५
१० ४
११ १ ३चं.
श१२रा २

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.	२ बृ.	३ शु.	४ श.	५ र.	६ चं.	७ मं.	८ बु.	९ बृ.	१० शु.	११ श.	ति.	१२ र.	१३ चं.	१४ म.	३० बु.
तु. अं.	७ १७	७ १३	७ ९	७ ५	७ १	६ ५७	६ ५३	६ ४९	६ ४५	६ ४१	६ ३७	वृ.	८ ५०	८ ४६	८ ४२	८ ३८
वृ. अं.	९ ३४	९ ३०	९ २६	९ २२	९ १८	९ १४	९ १०	९ ६	९ २	८ ५८	८ ५४	ध.	१० ५५	१० ५१	१० ४७	१० ४३
ध. अं.	११ ३९	११ ३५	११ ३१	११ २७	११ २३	११ १९	११ १५	११ ११	११ ७	११ ३	१० ५९	म.	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३२	१२ २८
म. अं.	१ २४	१ २०	१ १६	१ १२	१ ८	१ ४	१ ०	१२ ५६	१२ ५२	१२ ४८	१२ ४४	कुं.	२ १२	२ ८	२ ४	२ ०
कुं. अं.	२ ५६	२ ५२	२ ४८	२ ४४	२ ४०	२ ३६	२ ३२	२ २८	२ २४	२ २०	२ १६	मी.	३ ४०	३ ३६	३ ३२	३ २८
मी. अं.	४ २४	४ २०	४ १६	४ १२	४ ८	४ ४	४ ०	३ ५६	३ ५२	३ ४८	३ ४४	मे.	५ १८	५ १४	५ १०	५ ६
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा.	रा०	रा०	रा०	रा०
मे. अं.	६ २	५ ५८	५ ५४	५ ५०	५ ४६	५ ४२	५ ३८	५ ३४	५ ३०	५ २६	५ २२	वृ.	७ १४	७ १०	७ ६	७ २
वृ. अं.	७ ५८	७ ५४	७ ५०	७ ४६	७ ४२	७ ३८	७ ३४	७ ३०	७ २६	७ २२	७ १८	मि.	९ २८	९ २४	९ २०	९ १६
मि. अं.	१० १२	१० ८	१० ४	१० ०	९ ५६	९ ५२	९ ४८	९ ४४	९ ४०	९ ३६	९ ३२	क.	११ ४७	११ ४३	११ ३९	११ ३५
क. अं.	१२ ३१	१२ २७	१२ २३	१२ १९	१२ १५	१२ ११	१२ ७	१२ ३	११ ५९	११ ५६	११ ५१	सिं.	२ २	१ ५८	१ ५४	१ ५०
सिं. अं.	२ ४६	२ ४२	२ ३८	२ ३४	२ ३०	२ २६	२ २२	२ १८	२ १४	२ १०	२ ६	कं.	४ १६	४ १२	४ ८	४ ४
कं. अं.	५ ०	४ ५६	४ ५२	४ ४८	४ ४४	४ ४०	४ ३६	४ ३२	४ २८	४ २४	४ २०	तु.	६ ३३	६ २९	६ २५	६ २१

मार्ग. कृ. १४ भौमे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	५	६	५	८	११	१[illegible]	[illegible]
३	१२	१२	६	११	२४	१३	[illegible]
३५	३०	५४	४२	२४	४५	३	[illegible]
३७	५८	५४	४२	३७	९	५	[illegible]
६	३६	८३	११	७१	४८	३	[illegible]
४६	३९	१७	२८	३७	व.	११	११

९गु. चं.७बु.
१० सू.८ मं. के.बृ.६
११ ५
राश. १२ २ ४
१ ३

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	ओ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	४४	१	बृ.	११	५९	अनु.	९	२७	अ.	२/५४	०/६	बव	११	५९	वा.	३९	१	आनन्द	२१	२९	५				६	३९	५	२१	७	५	३७	१७	६०	५२
२६	४१	२	शु.	६	३	ज्ये.	५	१५	धृ.	४६	३५	कौ.	६	३	त.	३३	५	चर	२२	१	६	व.	५	१५	६	४०	५	२०	७	६	३८	७	६०	५२
२६	३९	३	श.	०/५४	८/२०	मू.	५६	५/४	शू.	३८	४०	ग.	०	८	व.	२७/५४	१८/२८	गद	२३	२	७				६	४०	५	२०	७	७	३८	५९	६०	५४
२६	३७	५	र.	४९	१२	उ.	५३	३९	गं.	१३	११	बव	२१	५०	बा.	४९	१२	अमृत	२४	३	८	म.	११	१६	६	४१	५	१९	७	८	३९	५३	६०	५६
२६	३५	६	चं.	४४	३४	श्र.	५०	४७	वृ.	२४	१३	कौ.	१६	५३	तै.	४४	३४	सिद्धि	२५	४	९				६	४१	५	१९	७	९	४०	४९	६०	५७
२६	३३	७	मं.	४०	४८	ध.	४८	४६	ध्रु.	१७	५३	ग.	११	४१	व.	४०	४८	उत्पात	२६	५	१०	कुं.	१९	४६	६	४२	५	१८	७	१०	४१	५६	६०	५९
२६	३०	८	बु.	३७	५८	श.	४७	३८	व्या	१२	११	वि.	९	२३	बव	३७	५८	मानस	२७	६	११				६	४२	५	१८	७	११	४२	४५	६१	१
२६	२८	९	बृ.	३६	१३	पू.	४७	३९	ह.	७	२१	बा.	७	५	कौ.	३६	१३	मुद्गर	२८	७	१२	मी.	३२	३९	६	४२	५	१८	७	१२	४३	४५	६१	३
२६	२६	१०	शु.	३५	४१	उ.	४८	५०	व.	३	२४	तै.	५	५७	ग.	३५	४१	ध्वज	२९	८	१३				६	४३	५	१७	७	१३	४४	४७	६१	३
२६	२५	११	श.	३६	२७	रे.	५१	२१	सि.	०/५४	२८/३	व.	६	४	वि.	३६	२७	धाता	३०	९	१४	मे.	५१	२१	६	४३	५	१७	७	१४	४५	४९	६१	४
२६	२३	१२	र.	३८	३८	अ.	५५	५	व.	५७	३६	बव	७	३२	बा.	३८	३८	आनन्द	१	१०	१५				६	४३	५	१७	७	१५	४६	५३	६१	६
२६	२१	१३	चं.	४१	५१	भ.	५९	५५	प.	५७	२५	कौ	१०	१४	तै.	४१	५१	चर	२	११	१६				६	४४	५	१६	७	१६	४७	५९	६१	८
[illegible]	१९	१४	मं.	४६	१३	कृ.	६०	०	शि.	५८	३	ग.	१४	२	व.	४६	१३	गद	३	१२	१७	वृ.	१६	२०	६	४४	५	१६	७	१७	४९	५	६१	८
[illegible]	१८	१५	बु.	५१	१३	कृ.	५	३६	सि.	५९	७	वि.	१८	४३	बव	५१	१३	सिद्धि	४	१३	१८				६	४४	५	१६	७	१८	५०	१२	६१	९

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः।
नवम्बर २१ से दिसम्बर ४ तक याम्यायनगोलौ शिशिरऋतुः।

चन्द्रदर्शनम्। स. सि. योगः या. जय. ११।४९ या.।
तीक्ष्ण कर्म मु.। शावान।
म. २७।१८ उ. ५८।२८ या.।
या. जय मु.। d पिशाचमोचने स्नानम् (लोटाभंटा)
दक्षिण यात्रा मु.। a प्रवृत्तिः १९।४६ उ.।
म. ४०।४८ उ.। दक्षिण यात्रा मु. १९।४६ या.। पञ्चकa
म. ९।२३ या.। e बुधः ४६।२५। मकरे शुक्रः ६।७।
उग्रकर्म मु.। अनु. मे बुधः ४६।१७।
रेवत्यां उदीच्यां यात्रा मु.। b निवृत्तिः ५१।११ या.।
म. ६।४ उ. ३६।२७ या.। मोक्षदा ११ व्रतंसर्वेषाम्। पञ्चकb
दिसम्बर। स. सि. योगः भरणीमे या. जय.। उ. षा.मे शुक्रःc
शाक्रेऽर्कः २६।३१। प्रदोषः। या. जय मु.। c ३६।३७
म. ४६।१३ उ.। स. सि. योगः। विमलतीर्थे यात्रा। काश्यां d
म. १८।४३ या.। स. सि. योगः। दत्त जयन्ती। ज्येष्ठामे e

मार्गशीर्ष शुक्ल २ शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
[illegible]	५	६	५	८	११	११	५
६	१४	२०	७	१४	२४	१२	१२
३८	१४	४८	३०	५७	२८	५४	५४
[illegible]	१७	४६	११	११	४५	२९	२९
६०	३६	७१	५	७१	२/६	३	३
५२	३५	५५	३८	३७	व.	११	११

शु. ९ | बु. ७ | सू. चं. ८ | मं. के. ६ | १० | ११ | ५ | ४ | रा. १२ श. | २ | १ | ३

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बृ.	२ शु.	३ श.	५ र.	६ चं.	७ मं.	८ बु.	९ बृ.	१० शु.	११ श.	१२ र.	१३ चं.	१४ मं.	१५ बु.
वृ. अं.	८ ३३	८ २९	८ २५	८ २०	८ १६	८ १२	८ ७	८ ३	७ ५९	७ ५४	७ ५०	७ ४६	७ ४२	७ ३७
ध. अं.	१० ३८	१० ३४	१० ३०	१० २५	१० २१	१० १७	१० १२	१० ८	१० ४	९ ५९	९ ५५	९ ५१	९ ४७	९ ४२
म. अं.	१२ २३	१२ १९	१२ १५	१२ १०	१२ ६	१२ २	११ ५७	११ ५३	११ ४९	११ ४४	११ ४०	११ ३६	११ ३२	११ २७
कुं. अं.	१ ५५	१ ५१	१ ४७	१ ४२	१ ३८	१ ३४	१ २९	१ २५	१ २१	१ १६	१ १२	१ ८	१ ४	१२ ५९
मी. अं.	३ २३	३ १९	३ १५	३ १०	३ ६	३ २	२ ५७	२ ५३	२ ४९	२ ४४	२ ४०	२ ३६	२ ३२	२ २७
मे. अं.	५ १	४ ५७	४ ५३	४ ४८	४ ४४	४ ४०	४ ३५	४ ३१	४ २७	४ २२	४ १८	४ १४	४ १०	४ ५
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
वृ. अं.	६ ५७	६ ५३	६ ४९	६ ४४	६ ४०	६ ३६	६ ३१	६ २७	६ २३	६ १८	६ १४	६ १०	६ ६	६ १
मि. अं.	९ ११	९ ७	९ ३	८ ५८	८ ५४	८ ५०	८ ४५	८ ४१	८ ३७	८ ३२	८ २८	८ २४	८ २०	८ १५
क. अं.	११ ३०	११ २६	११ २२	११ १७	११ १३	११ ९	११ ४	११ ०	१० ५६	१० ५१	१० ४७	१० ४३	१० ३९	१० ३४
सिं. अं.	१ ४५	१ ४१	१ ३७	१ ३२	१ २८	१ २४	१ १९	१ १५	१ ११	१ ६	१ २	१२ ५८	१२ ५४	१२ ४९
कं. अं.	३ ५९	३ ५५	३ ५१	३ ४६	३ ४२	३ ३८	३ ३३	३ २९	३ २५	३ २०	३ १६	३ १२	३ ८	३ ३
तु. अं.	६ १६	६ १२	६ ८	६ ३	५ ५९	५ ५५	५ ५०	५ ४६	५ ४२	५ ३७	५ ३३	५ २९	५ २५	५ २०

मा. शी. शुक्ल १० शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	५	७	५	८	११	११	५
१३	१८	७	८	२३	२४	१२	१२
४४	१८	३६	१२	२४	१२	३१	३१
४७	३७	३३	२५	९	७	१७	१७
६१	३६	९५	१०	७१	[illegible]	३	३
२	७	४५	३८	३७	व.	११	११

शु. ९ | ७ | सू. ८ बु. | मं. के. ६ | १० | ११ | ५ | ४ | रा. १२ श. | २ | १ | ३

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० पौष कृष्णपक्षः। दिसम्बर ५ से १९ तक। याम्यायनगोलौ शिशिर ऋतुः

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	ओ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.	
२६	१६	१	बृ.	५६	३९	रो.	१२	९	सा.	६०	०	वा.	२३	५६	कौ.	५६	३९	उत्पात	५	१४	१९	मि.	४५	१८	६	४५	५	१५	७	१९	५१	१९	६१	९	या. जय. मु. १२।९ या.। प्राच्यां यात्रा मु.।
२६	१५	२	शु.	६०	०	मृ.	१८	२७	सा.	०	२६	तै.	२९	१९	ग.	६०	०	मानस	६	१५	२०				६	४५	५	१५	७	२०	५२	२७	६१	११	दक्षिण यात्रा मु.। १८।२७ या.।
२६	१४	२	श.	२	०	आ.	२४	४७	शु.	१	४५	ग.	२	०	व.	३४	२३	मुद्गर	७	१६	२१				६	४५	५	१५	७	२१	५३	३९	६१	१३	म. ३४।२३ उ.। चित्रायां भौमः ४६।१७।
२६	१२	३	र.	६	४७	पु.	३०	२८	शु.	२	३७	वि.	६	४७	बव	३८	४८	ध्वज	८	१७	२२	क.	१४	३	६	४६	५	१४	७	२२	५४	५०	६१	१४	म. ६।४७ या.।
२६	११	४	चं.	१०	४९	पु.	३५	१६	ब्र.	२	५२	वा.	१०	४९	कौ.	४२	१४	धाता	९	१८	२३				६	४६	५	१४	७	२३	५६	३	६१	१६	पश्चिमोत्तरी यात्रा मु.। श्लेषाभे या. ज. मु.।
२६	१०	५	मं.	१३	३९	श्ले	३९	१	ऐं.	२	१६	तै.	१३	३९	ग.	४४	३२	आनन्द	१०	१९	२४	सिं.	३९	१	६	४६	५	१४	७	२४	५७	१७	६१	१६	d मास शिवरात्रि व्रतम्। स. सि. अ. सि. योगः २९।१० या.।
२६	९	६	बु.	१५	२२	म.	४१	२८	वै.	०/५७	५६/३६	व.	१५	२२	वि.	४५	२०	चर	११	२०	२५				६	४६	५	१४	७	२५	५८	३२	६१	१७	म. १५।२२ उ. ४५।३२ या.।
२६	८	७	बृ.	१५	४२	पू.	४२	३८	प्री.	५४	५४	बव	१५	४२	वा.	४५	१५	गद	१२	२१	२६	कं.	५७	३८	६	४६	५	१४	७	२६	५९	४८	६१	१८	उग्र कर्म मु.।
२६	७	८	शु.	१४	४८	उ.	४२	३८	आ.	५०	२६	कौ.	१४	४८	तै.	४३	४३	शुभ	१३	२२	२७				६	४७	५	१३	७	२८	१	५	६१	१९	हस्तभे दक्षिण यात्रा मु.।
२६	६	९	श.	१२	३९	ह.	४१	२७	सौ.	२५	९	ग.	१२	३९	व.	४१	१	मृत्यु	१४	२३	२८				६	४७	५	१३	७	२९	२	२३	६१	२०	म. ४१।३ उ.। घनी बुधः ३८।११। श्रवसि शुक्रः १२।४१।
२६	६	१०	र.	९	२८	चि.	३९	२७	शो.	३९	४	वि.	९	२८	बव	३७	२६	पद्म	१५	२४	२९	तु.	१०	२७	६	४७	५	१३	८	०	३	४१	६१	२०	म. ९।२८ या.। मूलेधनुषि चार्कः ३०।५४। स्वातीभे या. ज.मु.
२६	५	११	चं.	५	२४	स्वा	३६	३५	अ.	३८	१०	वा.	५	२४	कौ.	३२	५८	छत्र	१६	२५	१				६	४७	५	१३	८	१	५	०	६१	२१	सौरपौषारम्भः। सफला ११ व्रतं सर्वेषाम्।
२६	५	१२	मं.	०/५४	३३/३८	वि.	३३	४	सु.	२५	८	तै.	०	३३	ग.	२७/५५	५५/११	श्रीवत्स	१७	२६	२	वृ.	१८	५४	६	४७	५	१३	८	२	६	१९	६१	२२	म. ५५।११ उ.। प्रदोषः। हस्तभे गुरुः ४।१७।
२६	४	१४	बु.	४९	२७	अनु.	२९	१०	वृ.	१७	२६	वि.	२२	१९	श.	४९	२७	सौम्य	१८	२७	३				६	४७	५	१३	८	३	७	३९	६१	२३	म. २२।१९ या.। मार्गी शनिः ५९।३५। तुलायां भौमः ४८।१
२६	४	१३	बृ.	३०	३२	ज्ये.	२५	२	मू.	९	३६	च.	१६	२९	ना.	४३	३२	काल	१९	२८	४	ध.	२५	२	६	४७	५	१३	८	४	९	२	६१	२४	स्नानदानादी ३०। पू. मा. भे बुधः ४८।५२

पौष कृ. ४. चन्द्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	५	७	५	९	११	११	५
२३	२४	२४	९	६	२३	११	११
५६	२४	४८	३०	२४	४८	५९	५९
३	१७	४६	११	११	४५	२९	२९
६१	३६	१०१	५	७१	२/३६	३	३
१४	३५	५५	३८	३७	व	११	११

९ | ७ | सू. ८ बु. | १० शु. | ६ मं. के. | ११ | ५ | १२ श. रा | चं. ४ | १ | २ | ३

वैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बृ.		२ शु.		२ श.		३ र.		४ चं.		५ मं.		६ बु.		७ बृ.		८ शु.		९ श.		१० र.	
वृ. अं.	७	३३	७	२९	७	२४	७	२०	७	१६	७	११	७	७	७	३	६	५९	६	५४	६	५०
ध. अं.	९	३८	९	३४	९	२९	९	२५	९	२१	९	१६	९	१२	९	८	९	४	८	५९	८	५५
म. अं.	११	२३	११	१९	११	१४	११	१०	११	६	११	१	१०	५७	१०	५३	१०	४९	१०	४४	१०	४०
कुं. अं.	१२	५५	१२	५१	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३३	१२	२९	१२	२५	१२	२१	१२	१६	१२	१२
मी. अं.	२	२३	२	१९	२	१४	२	१०	२	६	२	१	१	५७	१	५३	१	४९	१	४४	१	४०
मे. अं.	४	१	३	५७	३	५२	३	४८	३	४४	३	३९	३	३५	३	३१	३	२७	३	२२	३	१८
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	५	५७	५	५३	५	४८	५	४४	५	४०	५	३५	५	३१	५	२७	५	२३	५	१८	५	१४
मि. अं.	८	११	८	७	८	२	७	५८	७	५४	७	४९	७	४५	७	४१	७	३७	७	३२	७	२८
क. अं.	१०	३०	१०	२५	१०	२१	१०	१७	१०	१३	१०	८	१०	४	१०	०	९	५६	९	५१	९	४७
सिं. अं.	१२	४५	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२३	१२	१९	१२	१५	१२	१०	१२	६	१२	२
कं. अं.	२	५९	२	५५	२	५०	२	४६	२	४२	२	३६	२	३३	२	२९	२	२५	२	२०	२	१६
तु. अं.	५	१६	५	१२	५	७	५	३	४	५९	४	५४	४	५०	४	४६	४	४२	४	३७	४	३३

तिथयः	११ चं.		१२ म.		१४ बु.		३० बृ.	
ध. अं.	८	५१	८	४७	८	४२	८	३८
म. अं.	१०	३६	१०	३२	१०	२७	१०	२३
कुं. अं.	१२	८	१२	४	११	५९	११	५५
मी. अं.	१	३६	१	३२	१	२७	१	२३
मे. अं.	३	१४	३	१०	३	५	३	१
वृ. अं.	५	१०	५	६	५	१	४	५७
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०	
मि. अं.	७	२४	७	२०	७	१५	७	११
क. अं.	९	४३	९	३९	९	३४	९	३०
सिं. अं.	११	५८	११	५४	११	४९	११	४५
कं. अं.	२	१२	२	८	२	३	१	५९
तु. अं.	४	२९	४	२५	४	२०	४	१६
वृ. अं.	६	४६	६	४२	६	३७	६	३३

पौष कृ. ३० गुरौ इ. ०।

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	६	८	५	९	११	[illegible]	[illegible]
४	०	१२	१०	१७	२३	१	[illegible]
९	६	०	३६	१२	४८	२	[illegible]
२	३२	२३	४७	५	५१	५	[illegible]
६१	३६	१७७	५	७१	०/१	३	[illegible]
११	९	३५	५८	३९	मा.	११	११

१० शु. | ८ चं. | ११ | सू. ९ बु. | ७ मं. | १२ रा. श. | बृ. के. ६ | १ | ३ | ५ | २ | ४

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	४	१	शु.	३७	३९	मू.	२०	५२	गं.	५५/५६	३०/११	किं.	१०	३५	बव	३७	३९	स्थिर	२०	२९	५				६	४७	५	१३	८	५	१०	२४	६१	२४
२६	३	२	श.	३२	५	पू.	१६	५२	ध्रु.	४६	१५	वा.	४	५२	कौ.	३२/५२	५/२९	मातंग	२१	३०	६	म.	३०	५८	६	४७	५	१३	८	६	११	४६	६१	२४
२६	३	३	र.	२६	५३	उ.	१३	१५	व्या	३९	५	ग.	२६	५३	व.	५४	३७	अमृत	२२	१	७				६	४७	५	१३	८	७	१३	१०	६१	२४
२६	३	४	च.	२२	२१	श्र.	१०	१६	ह.	३८	२७	वि.	२२	२१	बव	५०	३०	सिद्धि	२३	२	८	कुं.	३९	११	६	४७	५	१३	८	८	१४	३४	६१	२५
२६	३	५	मं.	१८	४०	ध.	८	६	व.	२६	२८	वा.	१८	४०	कौ.	४७	१७	उत्पात	२४	३	९				६	४७	५	१३	८	९	१५	५९	६१	२५
२६	४	६	बु.	१५	५५	श.	६	४६	सि.	२९	२०	तै.	१५	५५	ग.	४५	७	मानस	२५	४	१०	मी.	५१	३६	६	४७	५	१३	८	१०	१६	२४	६१	२५
२६	४	७	बृ.	१४	२०	पू.	६	३१	व्य.	१७	१४	व.	१४	२०	वि.	४४	८	मुद्गर	२६	५	११				६	४७	५	१३	८	११	१७	४९	६१	२५
२६	४	८	शु.	१३	५६	उ.	७	२८	व.	१३	४५	बव	१३	५६	वा.	४४	२४	ध्वज	२७	६	१२				६	४७	५	१३	८	१२	१८	१४	६१	२६
२६	५	९	श.	१४	५२	रे.	९	४१	प.	११	२७	कौ.	१४	५२	तै.	४६	०	घाता	२८	७	१३	मे.	९	४१	६	४७	५	१३	८	१३	१९	४०	६१	२६
२६	५	१०	र.	१७	९	अ.	१३	११	शि.	१०	१३	ग.	१७	९	व.	४८	५०	आनंद	२९	८	१४				६	४६	५	१४	८	१४	२१	६	६१	२६
२६	५	११	चं.	२०	३२	भ.	१७	४७	सि.	९	४७	वि.	२०	३२	बव	५२	४५	चर	३०	९	१५	वृ.	३४	१०	६	४६	५	१४	८	१५	२२	३२	६१	२६
२६	६	१२	मं.	२४	५८	कृ.	२३	२१	सा.	१०	८	वा.	२४	५८	कौ.	५७	३१	गद	३१	१०	१६				६	४६	५	१४	८	१६	२३	५८	६१	२६
२६	६	१३	बु.	३०	४	रो.	२९	३६	शु.	११	८	तै.	३०	४	ग.	६०	०	शुभ	१	११	१७				६	४६	५	१४	८	१७	२५	२४	६१	२६
[illegible]	७	१४	बृ.	३५	३०	मृ.	३६	९	शु.	११	२७	ग.	२	४७	व.	३५	३०	मृत्यु	२	१२	१८	मि.	२	५२	६	४६	५	१४	८	१८	२६	५०	६१	२६
[illegible]	८	१५	शु.	४०	४९	आ.	४२	३४	ब्र.	१३	४५	वि.	८	९	बव	४०	४९	पद्म	३	१३	१९				६	४६	५	१४	८	१९	२८	१६	६१	२७

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० पौष शुक्लपक्षः। दिस. २० से जन. ३ सन् १९६९ तक। याम्यायन गोलौ। शिशिर ऋतुः।

a उ.या. ततः प्रतीच्यां यात्रामु.। पञ्चकारम्भः ३९।११ उ.
चन्द्रदर्शनम्। तृतीयायोगे या. जय मु.।
भ. ५४।३७ उ.। स. सि. या. ज. मु. १३।१५ या.। रमजान।
भ. २२।२१ या.। स. सि. योगः। दक्षिण यात्रा मु. २२।२१ a
धनिष्ठायां शुक्रः ६।११।
वड़ा दिन। b यात्रा मु.। बुधोदयः प्रतीच्याम् २।३।
भ. १४।२० उ. ४४।८ या.। उत्तरायोगे या. जय मु.।
c १७।९ उ. प्राच्यां यात्रा मु.। स्वात्यां भौमः ३६।५१।
पूर्वाषाढ़ायामर्कः ३३।३३। या. ज. मु.। ९।४१ या.। उदीच्यां b
भ. ४८।५० उ.। स. सि. योगः १३।११ या.। या. ज. मु.।
भ. २०।३२ या.। पुत्रदा ११ व्रतं सर्वेषाम्। या. जय. १७।४७ c
प्रदोषः। स. सि. योगः २३।२१ या.। कुम्भे शुक्रः ७।४१।
जनवरी १९६९ ई०। स. सि. योगः।
भ. ३५।३० उ.। यात्रा मु.। d या.। मकरे बुधः ९।४४।
भ. ८।९ या.। स्नान व्रतादौ ३०।

पौ. शु. ३ रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
[illegible]	६	८	५	१०	११	११	५
[illegible]	९	१७	१०	२०	२३	११	१५
[illegible]	५४	३६	५१	५४	५१	१८	१८
१०	१५	१५	१२	१२	५३	१५	१५
६१	३६	७७	५	६५	वं	३	३
२४	३	३५	२५	३५	म.	११	११

चं. १०
८
११ शु.
सू. ९ बु.
७ मं.
रा. १२ श.
बृ. ६ के.
१
३
५
२
४

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.	२ श.	३ र.	४ च.	५ मं.	६ बु.	७ बृ.	८ शु.	९ श.	१० र.	११ चं.	१२ मं.	१३ बु.	१४ बृ.	१५ शु.
ध. अं.	८ ३४	८ २९	८ २४	८ २०	८ १६	८ १२	८ ६	८ २	७ ५८	७ ५४	७ ५०	७ ४६	७ ४१	७ ३६	७ ३१
म. अं.	१० १९	१० १४	१० १०	१० ५	१० ०	९ ५६	९ ५१	९ ४६	९ ४२	९ ३८	९ ३४	९ ३०	९ २६	९ २१	९ १६
कुं. अं.	११ ५१	११ ४६	११ ४२	११ ३७	११ ३२	११ २८	११ २४	११ २०	११ १५	११ १०	११ ६	११ २	१० ५८	१० ५३	१० ४८
मी. अं.	१ १९	१ १४	१ १०	१ ५	१ ०	१२ ५६	१२ ५२	१२ ४७	१२ ४३	१२ ३८	१२ ३४	१२ ३०	१२ २५	१२ २०	१२ १६
मे. अं.	२ ५७	२ ५२	२ ४७	२ ४२	२ ३८	२ ३४	२ ३०	२ २५	२ २०	२ १६	२ १२	२ ८	२ ४	१ ५९	१ ५४
वृ. अं.	४ ५३	४ ४८	४ ४४	४ ४०	४ ३५	४ ३०	४ २५	४ २०	४ १६	४ १२	४ ८	४ ४	४ ०	३ ५५	३ ५०
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मि. अं.	७ ७	७ २	६ ५८	६ ५४	६ ५०	६ ४५	६ ४०	६ ३५	६ ३०	६ २५	६ २०	६ १६	६ १२	६ ८	६ ४
क. अं.	९ २६	९ २१	९ १७	९ १२	९ ८	९ ४	९ ०	८ ५५	८ ५०	८ ४५	८ ४०	८ ३६	८ ३२	८ २८	८ २३
सिं. अं.	११ ४१	११ ३६	११ ३२	११ २८	११ २४	११ २०	११ १५	११ १०	११ ५	११ ०	१० ५५	१० ५०	१० ४६	१० ४२	१० ३८
कं. अं.	१ ५५	१ ५०	१ ४५	१ ४०	१ ३५	१ ३०	१ २६	१ २२	१ १८	१ १४	१ १०	१ ५	१ ०	१२ ५६	१२ ५२
तु. अं.	४ १२	४ ७	४ ३	३ ५९	३ ५५	३ ५०	३ ४५	३ ४०	३ ३६	३ ३२	३ २८	३ २४	३ २०	३ १५	३ १०
वृ. अं.	६ २९	६ २४	६ २०	६ १५	६ १०	६ ५	६ ०	५ ५६	५ ५२	५ ४८	५ ४४	५ ४०	५ ३५	५ ३०	५ २६

पौ. शु. १० रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	६	८	५	९	११	११	५
१४	५	२८	११	२८	२३	१०	१०
२१	५४	१८	३०	४८	५४	५६	५६
६	३७	४५	१५	३५	५२	३	३
६१	२९	९६	५	६५	वं	३	३
२५	५८	५	२५	२५	मा	११	११

१० शु.
८
११
बु. ९ सू.
७ मं.
रा. १२ श.
बृ. ६ के.
१ चं.
३
५
२
४

दि. घ.	मा. प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा.	रा. घ.	प्र. प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.	श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० माघ कृष्ण पक्षः । जनवरी ४ से १८ तक। याम्यायनगोलो मकरार्कतः सौम्यायनम्a
२६	९	१	श.	४५	३५	पु.	४८	२८	ऐं.	१४	४८	वा.	१३	१२	कौ.	४५	३५	छत्र	४	१४	२०	क.	३२	०	६	४५	५	१५	८	२०	२९	४३	६१	२७	या. ज. मु. । प्रतीच्यां यात्रा मु. । aहेमन्तऋतुः।
२६	११	२	र.	४९	३२	पु.	५३	३३	वै.	१५	२०	तै.	१७	३३	ग.	४९	३२	श्रीवत्स	५	१५	२१				६	४५	५	१५	८	२१	३१	१०	६१	२७	स. सि. योगः । शते शुक्रः ४६।५९ ।
२६	१३	३	चं.	५२	१८	श्ले	५७	३२	वि.	१५	३	व.	२०	५५	वि.	५२	१८	सौम्य	६	१६	२२	सि.	५७	३२	६	४५	५	१५	८	२२	३४	२७	६१	२७	म. २०।५५ उ. ५२।१८ या. । या.जय. मु. ।
२६	१४	४	मं	५३	५५	म.	६०	०	प्री.	१३	५७	बव	२३	६	वा.	५३	५५	काल	७	१७	२३				६	४५	५	१५	८	२३	३५	५२	६१	२६	गणेश ४ व्रतम् ।
२६	१६	५	बु.	५४	१०	म.	०	२०	आ.	११	४८	कौ.	२४	२	तै.	५४	१०	चर	८	१८	२४				६	४५	५	१५	८	२४	३७	१६	६१	२६	श्रवसि बुधः ४४।७ ।
२६	१७	६	बृ.	५३	११	पू.	१	५२	सौ.	८	४१	ग.	२३	४०	व.	५३	११	गद	९	१९	२५	कं.	१६	५४	६	४५	५	१५	८	२५	३८	४०	६१	२६	म. ५३।११ उ. । bदक्षिण पूर्व यात्रा मु. ।
२६	१९	७	शु.	५०	५७	उ.	२	०	शो.	४/५५	३४/१	वि.	२२	४	बव	५०	५७	शुभ	१०	२०	२६				६	४४	५	१६	८	२६	४०	३	६१	२४	म. २२।४ या. । उत्तराषाढ़ायामर्कः ३३।३४ । भद्रान्तेb
२६	२१	८	श.	४७	४०	ह.	१/५८	१३/६	सु.	५३	४५	वा.	१९	१८	कौ.	४७	४०	मृत्यु	११	२१	२७	तु.	३०	२८	६	४४	५	१६	८	२७	४१	२७	६१	२४	c योगः ५३।२७ उ. ।
२६	२२	९	र.	४३	३२	स्वा	५६	४७	धृ.	४७	१५	तै.	१५	३६	ग.	४३	३२	लुम्ब	१२	२२	२८				६	४४	५	१६	८	२८	४२	४९	६१	२४	या. जय. मु. ।
२६	२४	१०	चं.	३८	४१	वि.	५३	२७	शू.	४०	७	व.	११	६	वि.	३८	४१	मित्र	१३	२३	२९	वृ.	३९	१७	६	४३	५	१७	८	२९	४४	११	६१	२४	म. ११।६ उ. ३८।४१ या. । मकरेऽर्कः ४९।४७ । स. सि. c
२६	१६	११	मं.	३३	१८	अनु.	४९	३८	गं.	३२	३७	बव	५	५९	वा.	३३	१८	वज्र	१४	२४	१				६	४३	५	१७	९	०	४५	३३	६१	२४	सौरमाघारम्भः । षट्तिला ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
२६	२८	१२	बु.	२७	३३	ज्ये.	४५	३२	वृ.	२२	५०	कौ	०	२५	तै.	२७/५४	३३/३	ध्वांक्ष	१५	२५	२	ध.	४५	३२	६	४३	५	१७	९	१	४६	५४	६१	२३	प्रदोषः ।
२६	३०	१३	बृ.	२१	३८	मू.	४१	१९	ध्रु.	१६	५२	व.	२१	३८	वि	४८	४२	धूम्र	१६	२६	३				६	४२	५	१८	९	२	४८	१४	६१	२२	म. २१।३८ उ. ४८।४२ या. । मास शिवरात्रि व्रतम् ।
२६	३२	१४	शु.	१५	४९	पू.	३७	१८	व्या	९	३	श.	१५	४९	च.	४३	२	वर्द्धमा	१७	२७	४	म.	५१	२२	६	४२	५	१८	९	३	४९	३४	६१	२१	पू. भा. मे शुक्रः ५६।४४ ।
२६	३४	३०	श.	१०	१६	उ.	३३	३६	ह.	१/५३	२९/४३	ना.	१०	१६	कि.	३७	४३	रक्ष	१८	२८	५				६	४१	५	१९	९	४	५०	५२	६१	२०	स्नान दानदौ ३० । मौनी ३० ।

माघकृ. ५ बुधे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	६	९	५	१०	११	११	५
२४	११	११	१२	९	२३	१०	१०
३७	३६	३६	०	५४	५४	२४	२४
१६	[illegible]	१५	१	१२	१२	१५	१५
६१	३६	७७	२	६५	४/व	३	३
२६	३	३५	२५	३५	मा.	११	११

१०बु. ८
११ शु. सू.९ ७मं.
१२ श.रा. बृ.६के.
१ ३ ५चं.
२ ४

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१श.	२र.	३चं.	४मं.	५बु.	६बृ.	७शु.	८श.	९र.	१०चं.	ति.	११मं	१२बु.	१३बृ.	१४शु	३०श.
ध. अं.	७ २७	७ २३	७ १९	७ १५	७ १०	७ ६	७ १	६ ५७	६ ५२	६ ४७	म.	८ २८	८ २४	८ २०	८ १६	८ १२
म. अं.	९ १२	९ ८	९ ४	९ ०	८ ५५	८ ५१	८ ४६	८ ४२	८ ३७	८ ३२	कुं.	१० ०	९ ५६	९ ५२	९ ४८	९ ४४
कुं. अं.	१० ४५	१० ४०	१० ३६	१० ३२	१० २८	१० २३	१० १८	१० १४	१० ९	१० ४	मी.	११ २८	११ २४	११ २०	११ १६	११ १२
मी. अं.	१२ १२	१२ ८	१२ ४	१२ ०	११ ५५	११ ५१	११ ४६	११ ४२	११ ३७	११ ३२	मे.	१ ६	१ २	१२ ५८	१२ ५४	१२ ५०
मे. अं.	१ ५०	१ ४६	१ ४२	१ ३८	१ ३३	१ २९	१ २४	१ २०	१ १५	१ १०	वृ.	३ २	२ ५८	२ ५४	२ ५०	२ ४६
वृ. अं.	३ ४६	३ ४२	३ ३८	३ ३४	३ २९	३ २५	३ २०	३ १६	३ ११	३ ६	मि.	५ १६	५ १२	५ ८	५ ४	५ ०
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मि. अं.	६ ०	५ ५६	५ ५२	५ ४८	५ ४३	५ ३९	५ ३४	५ ३०	५ २५	५ २०	क.	७ ३५	७ ३१	७ २७	७ २३	७ १९
क. अं.	८ १९	८ १५	८ ११	८ ७	८ २	७ ५८	७ ५३	७ ४९	७ ४४	७ ३९	सि.	९ ५०	९ ४६	९ ४२	९ ३८	९ ३४
सि. अं.	१० ३४	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १७	१० १३	१० ८	१० ४	९ ५९	९ ५४	कं.	१२ ४	१२ ०	११ ५६	११ ५२	११ ४८
कं. अं.	१२ ४८	१२ ४४	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३१	१२ २७	१२ २२	१२ १८	१२ १३	१२ ८	तु.	२ २१	२ १६	२ १३	२ ९	२ ५
तु. अं.	३ ५	३ १	२ ५७	२ ५३	२ ४८	२ ४४	२ ३९	२ ३५	२ ३०	२ २५	वृ.	४ ३८	४ ३४	४ ३०	४ २६	४ २२
वृ. अं.	५ २२	५ १८	५ १४	५ १०	५ ५	५ १	४ ५६	४ ५२	४ ४७	४ ४२	ध.	६ ४३	६ ३९	६ ३५	६ ३१	६ २७

माघ कृ. ३० शनौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	६	९	५	१०	११	[illegible]	[illegible]
४	१७	१९	१२	२०	२४	९	[illegible]
५०	०	३०	१८	५४	३०	५२	[illegible]
५२	१	२५	२१	२५	२३	२५	[illegible]
६१	३५	९५	०	६	४/व	३	३
१९	५७	२७	४०	२५	मा.	११	११

शु.११ ९
श १२ रा बु.सू.१० ८
१ मं.७
२ ४ बृ. के.६
३ ५

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	३७	१	र.	५	११	श्र.	३०	२७	सि.	४७	१४	बव	५	११	वा.	३२	५७	गद	१९	२९	६	कुं.	५९	१६	६	४१	५	१९	९	५	५२	१०	६१	२०
२६	३७	२	चं.	०/५६	४४/२३	ध.	२८	६	व्य.	४१	७	कौ.	०	४४	तै.	२८/५७	५५/७	शुभ	२०	१	७				६	४१	५	१९	९	६	५३	२८	६१	१९
२६	४१	४	मं.	५४	२९	श.	२६	३३	व.	३५	४३	व.	२५	४८	वि.	५४	२९	मृत्यु	२१	२	८				६	४०	५	२०	९	७	५४	४४	६१	१८
२६	४४	५	बु.	५३	२	पू.	२६	२	प.	३३	९	बव	२३	४५	वा.	५३	२	पद्म	२२	३	९	मी.	११	१०	६	३९	५	२१	९	८	५५	५९	६१	१७
२६	४६	६	बृ.	५२	४६	उ.	२६	४५	शि.	२७	३३	कौ.	२२	५४	तै.	५२	४६	छत्र	२३	४	१०				६	३९	५	२१	९	९	५७	१४	६१	१६
२६	४९	७	शु.	५३	५२	रे.	२८	४१	सि.	२५	०	ग.	२३	१९	व.	५३	५२	श्रीवत्स	२४	५	११	मे.	२८	४१	६	३८	५	२२	९	१०	५८	२८	६१	१६
२६	५१	८	श.	५६	१६	अ.	३१	५७	सा.	२३	२४	वि.	२५	४	बव	५६	१६	सौम्य	२५	६	१२				६	३८	५	२२	९	११	५९	४१	६१	१४
२६	५४	९	र.	५९	४६	भ.	३६	१७	शु.	२२	४३	वा.	२८	१	कौ.	५९	४६	काल	२६	७	१३	वृ.	५२	३८	६	३७	५	२३	९	१३	०	५२	६१	१३
२६	५७	१०	चं.	६०	०	कृ.	४१	४१	शु.	२२	५४	तै.	३२	२	ग.	६०	०	स्थिर	२७	८	१४				६	३७	५	२३	९	१४	२	२	६१	११
२६	५९	१०	मं.	४	१८	रो.	४७	४६	ब्र.	२३	४३	ग.	४	१८	व.	३६	५२	मातंग	२८	९	१५				६	३६	५	२४	९	१५	३	१०	६१	९
२७	२	११	बु.	९	२६	मृ.	५४	१७	ऐं.	२४	५७	वि.	९	२६	बव	४२	९	अमृत	२९	१०	१६	मि.	२१	१	६	३६	५	२४	९	१६	४	२८	६१	९
२७	५	१२	बृ.	१४	५३	आ.	६०	०	वै.	२६	२२	वा.	१४	५३	कौ.	४७	३२	काण	३०	११	१७				६	३५	५	२५	९	१७	५	२४	६१	८
२७	८	१३	शु.	२०	११	आ.	०	४९	वि.	२७	३५	तै.	२०	११	ग.	५२	३२	पद्म	३१	१२	१८	क.	५०	२१	६	३४	५	२६	९	१८	६	३१	६१	८
२७	११	१४	श.	२४	५३	पु.	६	५२	प्री.	२८	२१	व.	२४	५३	वि.	५६	४७	छत्र	१	१३	१९				६	३४	५	२६	९	१९	७	३६	६१	६
[illegible]७	१४	१५	र.	२८	४२	पु.	१२	११	आ.	२८	१४	बव	२८	४२	वा.	६०	०	श्रीवत्स	२	१४	२०				६	३३	५	२७	९	२०	८	३८	६१	४

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० माघ शुक्लपक्षः। जन. १९ से फरवरी २ तक। सौम्यायनम् याम्यगोलः। हेमन्तऋतुः।

चन्द्रदर्शनम्। दक्षिण पूर्वं या. मु.। पञ्चक प्रवृत्तिः ५९।१६ प्रतीच्यां या. मु.। बुवास्तः पश्चिमायाम् ५७।३३। शव्वाल म. २५।४८ उ. ५४।२९ या.। गणेश ४।
उग्र कर्म मु.। aविशाखायां भौमः ०।१७। यात्रा मु.।
श्रवणेऽर्कः ३९।४३ bशुक्रः १४।१३।
म. ५३।५२ उ.। पञ्चक निवृत्तिः २८।४१। प्रतीच्यां a म. २५।४ या.।
वक्री गुरुः ५७।२३। या. जय मु. ३६।१७ या.। मीने b
वक्रीबुधः ५।२२। स. सि. भौमः ४१। उ. L
म. ३६।५२ उ.। cयात्रा मु. भद्रान्ते। स. सि. योगः।
म. ९।२६ या.। जया ११ व्रतं सर्वेषाम्। दक्षिण पूर्वc प्रदोषः।
तीक्ष्ण कर्म मु.।
म. २४।५३ उ. ५६।४७ या.। फरवरी।
स. सि. योगः १२।११ या. ततः या. जय. मु.। स्नान व्रतादौ c १५। बुधोदयः प्राच्याम् ५९।२२।

[illegible]घ. शु. ४ भौमे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
[illegible]	[illegible]	९	५	१०	११	११	५
[illegible]	१८	२४	१२	२३	२४	९	९
[illegible]	४१	१८	२०	१२	४२	४३	४३
[illegible]	३१	१५	१५	३५	५७	५९	५९
६१	३५	९	३	५४	४	३	३
१८	३८	५५	२	२	७	११	११

चं. ११ शु
९
श.
रा. १२
१० सू. बु.
८
१
७ मं.
६
४
के. बृ.
२
३
५

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.	२ चं.	४ मं.	५ बु.	६ बृ.	७ शु.	८ श.	९ र.	१० चं.	१० मं.	११ बु.	१२ बृ.	१३ शु.	१४ श.	१५ र.
म. अं.	८ ८	८ ३	७ ५९	७ ५५	७ ५१	७ ४७	७ ४३	७ ३९	७ ३५	७ ३१	७ २७	७ २२	७ १८	७ १४	७ १०
कुं. अं.	९ ४०	९ ३५	९ ३१	९ २७	९ २३	९ १९	९ १५	९ ११	९ ७	९ ३	८ ५९	८ ५४	८ ५०	८ ४६	८ ४२
मी. अं.	११ ७	११ ३	१० ५९	१० ५५	१० ५१	१० ४७	१० ४३	१० ३९	१० ३५	१० ३१	१० २७	१० २२	१० १८	१० १४	१० १०
मे. अं.	१२ ४६	१२ ४१	१२ ३७	१२ ३३	१२ २९	१२ २५	१२ २१	१२ १७	१२ १३	१२ ९	१२ ५	१२ ०	११ ५६	११ ५२	११ ४८
वृ. अं.	२ ४२	२ ३७	२ ३३	२ २९	२ २५	२ २१	२ १७	२ १३	२ ९	२ ५	२ १	१ ५६	१ ५२	१ ४८	१ ४४
मि. अं.	४ ५६	४ ५१	४ ४७	४ ४३	४ ३९	४ ३५	४ ३१	४ २७	४ २३	४ १९	४ १५	४ १०	४ ६	४ २	३ ५८
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
क. अं.	७ १५	७ १०	७ ६	७ २	६ ५८	६ ५४	६ ५०	६ ४६	६ ४२	६ ३८	६ ३४	६ २९	६ २५	६ २१	६ १७
सिं. अं.	९ ३०	९ २५	९ २१	९ १७	९ १३	९ ९	९ ५	९ १	८ ५७	८ ५३	८ ४९	८ ४४	८ ४०	८ ३६	८ ३२
कं. अं.	११ ४४	११ ३९	११ ३५	११ ३१	११ २७	११ २३	११ १९	११ १५	११ ११	११ ७	११ ३	१० ५८	१० ५४	१० ५०	१० ४६
तु. अं.	२ १	१ ५६	१ ५२	१ ४८	१ ४४	१ ४०	१ ३६	१ ३२	१ २८	१ २४	१ २०	१ १५	१ ११	१ ७	१ ३
वृ. अं.	४ १८	४ १३	४ ९	४ ५	४ १	३ ५७	३ ५३	३ ४९	३ ४५	३ ४१	३ ३७	३ ३२	३ २८	३ २४	३ २०
ध. अं.	६ २३	६ १९	६ १४	६ १०	६ ६	६ २	५ ५८	५ ५४	५ ५०	५ ४६	५ ४२	५ ३७	५ ३३	५ २९	५ २५

मा. शु. १० भौमे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	६	९	५	११	११	११	५
१५	२२	१८	१२	१	२५	९	९
३	८	१८	६	६	६	२०	२०
१०	२३	७	९	३८	९	३७	३७
६१	२९	[illegible]	[illegible]	६५	५	३	३
५	५८	व.	व.	३५	३५	११	११

११
९
१२ श. रा.
शु
सू. १० बु.
८
१
७ मं.
२ चं.
४
बृ.
६ के.
३
५

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.
२७	१७	१	चं.	३१	१९	श्ले.	१६	२४	सौ.	२७	३५	वा.	०	१	कौ.	३१	१९
२७	१९	२	मं.	३२	४८	म.	१९	३१	शो.	२५	५०	तै.	२	३	ग.	३२	४८
२७	२३	३	बु.	३२	५४	पू.	२१	२२	अ.	२३	७	व	२	५१	वि.	३२	५४
२७	२६	४	बृ.	३१	४७	उ.	२१	५८	सु.	१९	२१	बव	२	२१	बा.	३१	४७
२७	२९	५	शु.	२९	२४	ह.	२१	२०	धृ	१४	४०	कौ.	०	३५	तै.	२३/५७	२४/४४
२७	३२	६	श.	२६	४	चि.	१९	४३	शू.	९	७	व.	२६	४	वि.	५३	५६
२७	३५	७	र.	२१	४८	स्वा.	१७	१६	गं.	२/५६	५०/५९	बव	२१	४८	बा.	४९	२०
२७	३९	८	चं.	१६	५३	वि.	१४	३	ध्रु.	४८	३८	कौ.	१६	५३	तै.	४४	९
२७	४२	९	मं.	११	२५	अनु.	१०	२०	व्या	४०	५७	ग.	११	२५	व.	३८	३१
२७	४५	१०	बु.	५/५४	३७/५६	ज्ये.	६	१७	ह.	३३	९	वि.	५	३७	बव	३२/५९	३८/३१
२७	४९	१२	बृ.	५३	५३	मू.	२/५५	६/५८	व.	२५	१५	कौ.	२६	४६	तै.	५३	५३
२७	५२	१३	शु.	४८	१९	उषा	५४	१६	सि.	१७	३५	ग	२१	६	व.	४८	१९
२७	५५	१४	श.	४३	१७	श्र.	५१	१	व्य.	१०	१४	वि.	१५	४८	श.	४३	१७
२७	५९	३०	र.	३८	५०	ध.	४८	२७	व.	३/५३	५४/४४	च.	११	३	ना.	३८	५०

ति.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	ओ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
१	सौम्य	३	१५	२१	स.	१६	२४	६	३३	५	२७	९	२१	९	४०	६१	३
२	काल	४	१६	२२				६	३२	५	२८	९	२२	१०	४२	६१	३
३	स्थिर	५	१७	२३	कं.	३६	३१	६	३२	५	२८	९	२३	११	४३	६१	१
४	मातंग	६	१८	२४				६	३१	५	२९	९	२४	१२	४१	६०	५९
५	अमृत	७	१९	२५	तु.	५०	३१	६	३०	५	३०	९	२५	१३	२७	६०	५७
६	काण	८	२०	२६				६	३०	५	३०	९	२६	१४	३२	६०	५६
७	लुम्ब	९	२१	२७	वृ.	५९	५१	६	२९	५	३१	९	२७	१५	२५	६०	५४
८	मित्र	१०	२२	२८				६	२८	५	३२	९	२८	१६	१७	६०	५२
९	वज्र	११	२३	२९				६	२८	५	३२	९	२९	१७	८	६०	५२
१०	ध्वांक्ष	१२	२४	३०	ध.	६	१७	६	२७	५	३३	१०	०	१७	५८	६०	५१
१२	धूम्र	१३	२५	१				६	२६	५	३४	१०	१	१८	४६	६०	४९
१३	आनन्द	१४	२६	२	म.	१२	७	६	२६	५	३४	१०	२	१९	३३	६०	४७
१४	चर	१५	२७	३				६	२५	५	३५	१०	३	२०	१७	६०	४४
३०	मातंग	१६	२८	४	कुं.	१९	४४	६	२४	५	३६	१०	४	२०	५९	६०	४२

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० फाल्गुन कृष्णपक्षः। फरवरी ३ से १६ तक सन् १९६९ ई. सौम्यायनम् याम्यगोल +

या. जय. १६।२४ या.। + हेमन्त ऋतुः।
c व्रतम्। वक्रगत्या उत्तराषाढ़मे बुधः ११।७।
म. २।५१ उ. ३२।५४ या.। वसुमेऽर्कः ४३।४३।
या. जय मु.। प्राच्यां यात्रा मु. ३१।४७ उ.।
दक्षिण पूर्व यात्रा मु.। a वक्रगत्या श्रवसि बुधः ५६।४१।
भ. २६।४ उ. ४३।५६ या.। स. सि. योगः १९।४५ उ.। a
या. जय. मु. १७।६ या.। b वृश्चिके भौमः २६।११।
स. सि. योगः १४।३ उ.। पश्चिमोत्तरो यात्रा मु. १४।३ उ.।
भ. ३८।३१ उ.। d शुक्रः २।९।
भ. ५।३७ या.। कुंमेऽर्कः १६।५८। विजया ११ व्रतंस्मार्तानाम्।
सौर फाल्गुनारम्भः। विजया ११ व्रतं वष्णवानाम्।
भ. ४८।१९ उ.। प्रदोषः। स. सि. योगः ५४।१६ उ.। b
भ. १५।४८ या.। स. सि. योगः ५१।१ या.। मास शिवरात्रि c
स्नान दानादी ३०। पञ्चकारम्भः १९।४४ उ.। उ. मा. मे. d

फाल्गुन कृ. ५ शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	६	९	५	११	११	११	५
२५	२७	१०	११	१०	२५	८	८
१३	३०	४८	३६	५४	४८	४९	४८
२७	३१	१५	१५	३५	५७	५९	५९
६०	२९	४७/५५	३/३	५४	२	३	३
५५	३८	व.	व.	२	७	११	११

रा. १२ श.
सू. १० बु.
११ ९ ८
७ मं.
१ २ ४ ३ ५
बृ. ६ के.

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ चं.		२ मं.		३ बु.		४ बृ.		५ शु.		६ श.		७ र.		८ चं.		९ मं.		१० बु.		ति.	१२ बृ.		१३ शु.		१४ श.		३० र.	
म. अं.	७	६	७	२	६	५७	६	५३	६	४९	६	४५	६	४१	६	३७	६	३३	६	२९	कुं.	७	५७	७	५३	७	४९	७	४५
कुं. अं.	८	३८	८	३४	८	२९	८	२५	८	२१	८	१७	८	१३	८	९	८	५	८	१	मी.	९	२५	९	२१	९	१७	९	१३
मी. अं.	१०	६	१०	२	९	५७	९	५३	९	४९	९	४५	९	४१	९	३७	९	३३	९	२९	मे.	११	३	१०	५९	१०	५५	१०	५१
मे. अं.	११	४४	११	४०	११	३५	११	३१	११	२७	११	२३	११	१९	११	१५	११	११	११	७	वृ.	१२	५९	१२	५५	१२	५१	१२	४७
वृ. अं.	१	४०	१	३६	१	३१	१	२७	१	२३	१	१९	१	१५	१	११	१	७	१	३	मि.	३	१३	३	९	३	५	३	१
मि. अं.	३	५४	३	५०	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३	३	२९	३	२५	३	२१	३	१७	क.	५	३२	५	२८	५	२४	५	२०
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा.	रा०		रा०		रा०		रा०	
क. अं.	६	१३	६	९	६	४	६	०	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४	५	४०	५	३६	सिं.	७	४७	७	४३	७	३९	७	३५
सिं. अं.	८	२८	८	२४	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	३	७	५९	७	५५	७	५१	कं.	१०	१	९	५७	९	५३	९	४९
कं. अं.	१०	४२	१०	३८	१०	३३	१०	२९	१०	२५	१०	२१	१०	१७	१०	१३	१०	९	१०	५	तु.	१२	१८	१२	१४	१२	१०	१२	६
तु. अं.	१२	५९	१२	५५	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२६	१२	२२	वृ.	२	३५	२	३१	२	२७	२	२३
वृ. अं.	३	१६	३	१२	३	७	३	३	२	५९	२	५५	२	५१	२	४७	२	४३	२	३९	ध.	४	४०	४	३६	४	३२	४	२८
ध. अं.	५	२१	५	१७	५	१२	५	८	५	४	५	०	४	५६	४	५२	४	४८	४	४४	म.	६	२५	६	२१	६	१७	६	१३

फाल्गुन कृ. १३ शुक्रे इ. ०।९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	[illegible]
१०	७	९	५	११	११	११	[illegible]
२	०	९	११	१६	२६	८	[illegible]
१९	१	३३	०	४२	३३	२७	[illegible]
३३	२५	२१	३५	३१	४९	१२	१८
६०	२९	५/५८	४/३३	५२	५	३	३
४७	३२	व.	व.	२१	५७	११	११

रा. १२ श.
१० बु.
सू. ११
१ के. ९
२ ८ मं.
३ ५ ७
४ बृ. ६ के.

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० फाल्गुन शुक्लपक्षः ।
फर. १७ से मार्च ४ तक । सौम्यायनम् । याम्यगोलः । हेमन्त ऋतुः

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२८	२	१	चं.	३५	१६	श.	४६	४२	शि.	५१	१२	किं.	७	३	बव	३५	१६	अमृत	१७	२९	५				६	२४	५	३६	१०	५	२१	३९	६०	३९
२८	६	२	मं.	३२	४१	पू.	४६	०	सि.	४५	३४	वा.	३	२८	कौ.	३२	४१	काण	१८	३०	६	मी.	३१	११	६	२३	५	३७	१०	६	२२	१५	६०	३७
२८	९	३	बु.	३१	१६	उ.	४६	२७	सा.	४२	४३	तै.	१	५८	ग.	३१	१६	लुम्ब	१९	१	७				६	२२	५	३८	१०	७	२२	५१	६०	३७
२८	१३	४	बृ.	३१	७	रे.	४८	१०	शु.	३९	५२	व.	१	११	वि.	३१	७	मित्र	२०	२	८	मे.	४८	१०	६	२१	५	३९	१०	८	२३	२६	६०	३६
२८	१६	५	शु.	३२	१४	अ.	५	५	शु.	३८	०	बव	१	४०	वा.	३२	१४	वज्र	२१	३	९				६	२१	५	३९	१०	९	२४	१	६०	३६
२८	२०	६	श.	३४	३९	भ.	५५	१३	ब्र.	३७	७	कौ.	३	२६	[illegible]	३४	३९	ध्वांक्ष	२२	४	१०				६	२०	५	४०	१०	१०	२४	३६	६०	३४
२८	२४	७	र.	३८	१४	कृ.	६०	०	ऐं.	३७	८	ग.	६	२६	व.	३८	१४	धूम्र	२३	५	११	वृ.	११	३१	६	१९	५	४१	१०	११	२५	७	६०	३१
२८	२७	८	चं.	४२	४४	कृ.	०	२६	वै.	३	५०	वि.	१०	२९	बव	४२	४४	स्थिर	२४	६	१२				६	१९	५	४१	१०	१२	२५	३६	६०	२८
२८	३१	९	मं.	४७	५५	रो.	६	२४	वि.	३९	०	वा.	१५	१९	कौ.	४७	५५	मातंग	२५	७	१३	मि.	३९	३८	६	१८	५	४२	१०	१३	२६	२	६०	२५
२८	३४	१०	बु.	५३	१७	मृ.	१२	५३	प्री.	४०	१८	तै.	२०	३६	ग.	५३	१७	अमृत	२६	८	१४				६	१७	५	४३	१०	१४	२६	२५	६०	२२
२८	३८	११	बृ.	५८	३२	आ.	१९	३०	आ.	४१	४९	व.	२५	५४	वि.	५८	३२	काण	२७	९	१५				६	१६	५	४४	१०	१५	२६	४५	६०	१९
२८	४२	१२	शु.	६०	०	पु.	२५	४१	सौ.	४२	४७	बव	३०	४९	वा.	६०	०	लुम्ब	२८	१०	१६	क.	१८	४७	६	१६	५	४४	१०	१६	२७	३	६०	१७
२८	४५	१२	श.	३	७	पु.	३१	१२	शो.	४३	१०	वा.	३	७	कौ.	३४	५८	मित्र	१	११	१७				६	१५	५	४५	१०	१७	२७	१८	६०	१४
२८	४९	१३	र.	६	४०	श्ले.	३५	४२	अ.	४२	३७	तै.	६	४०	ग.	३८	५	वज्र	२	१२	१८	सिं.	३५	४२	६	१४	५	४६	१०	१८	२७	३१	६०	१२
२८	५२	१४	चं.	९	२१	म.	३९	७	सु.	४१	१८	व.	९	२१	वि.	३९	५९	ध्वांक्ष	३	१३	१९				६	१४	५	४६	१०	१९	२७	४१	६०	११
[illegible]	५६	१५	मं.	१०	३८	पू.	४१	१३	धृ.	३८	५६	बव	१०	३८	वा.	४०	३६	धूम्र	४	१४	२०	कं.	५६	२६	६	१३	५	४७	१०	२०	२७	५१	६०	१०

शतभेऽर्कः ५३।४३ । चन्द्रदर्शनम् । मार्गीबुधः ३।३५ । ३
जिल्काद । aस. सि. योगः पश्चिमोत्तरी यात्रा मु. ।
म. १।११ उ. ३१।७ या. । पञ्चक समाप्त ४८।२० या. ।a
पूर्वोत्तरी यात्रा मु. ।
या. जय ३४।३९ उ. । bमे गुरुः ३८।११ ।
म. ३८।१४ उ. । मार्गगत्या पुनः श्रवसि बुधः ४८।४ ।
म. १०।२९ या. । या.ज.मु. । नवमी योगे । वक्रगत्या उ.फा.b
मृगभे दक्षिण यात्रा मु. ।
मृगभे दक्षिण पश्चिम यात्रा मु. । cस्नानदानादौ १५
म. २५।५४ उ. ५८।३२ या. । आमलकी ११ व्रतं स्मार्तानाम् ।
आमलकी ११ व्रतं वैष्णवानाम् । स. सि. योगः २५।११ या. ।
मार्च १९६९ ई० । पश्चिमोत्तरी यात्रा मु. । प्रदोषः ।
या. ज मु. ६।५० या. ।
म. ९।२१ उ. ३९।५९ या. । होलिकादहनम् । व्रतादौ १५।
पूर्वाभाद्रपदायामर्कः ४।४३ । धूलिवन्दन श्वपच स्पर्शः ।c

फा. शु. १ चन्द्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
[illegible]	७	९	५	११	११	११	५
[illegible]	२	९	१०	१९	२६	८	८
[illegible]	२४	१८	४८	४२	४८	१७	१७
[illegible]	२५	२१	३५	३१	४९	१२	१२
६०	७	[illegible]	[illegible]	५२	५	३	३
३९	३२	व.	व.	३१	५७	११	११

शु.श.१२ रा. | बु.१० | १ | सू. ११चं. | ९ | २ | मं.८ | ३ | ५ | ७ | ४ | के.६बृ.

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१ चं.	२ म.	३ बु.	४ बृ.	५ शु.	६ श.	७ र.	८ चं.	९ मं.	१० बु.	११ बृ.	१२शु.	१२ श.	१३ र.	१४चं.	१५ मं.
कुं.	७ ४१	७ ३८	७ ३४	७ ३०	७ २६	७ २२	७ १८	७ १५	७ ११	७ ७	७ ३	७ ०	६ ५६	६ ५२	६ ४८	६ ४४
मी.	९ ९	९ ६	९ २	८ ५८	८ ५४	८ ५०	८ ४६	८ ४३	८ ३९	८ ३५	८ ३१	८ २८	८ २४	८ २०	८ १६	८ १२
मे.	१० ४७	१० ४४	१० ४०	१० ३६	१० ३२	१० २८	१० २४	१० २१	१० १७	१० १३	१० ९	१० ६	१० २	९ ५८	९ ५४	९ ५०
वृ.	१२ ४३	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३२	१२ २८	१२ २४	१२ २०	१२ १७	१२ १३	१२ ९	१२ ५	१२ २	११ ५८	११ ५४	११ ५०	११ ४६
मि.	२ ५७	२ ५४	२ ५०	२ ४६	२ ४२	२ ३८	२ ३४	२ ३१	२ २७	२ २३	२ १९	२ १६	२ १२	२ ८	२ ४	२ ०
क.	५ १६	५ १३	५ ९	५ ५	५ १	४ ५७	४ ५३	४ ५०	४ ४६	४ ४२	४ ३८	४ ३५	४ ३१	४ २७	४ २३	४ १९
रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
सिं.	७ ३१	७ २८	७ २४	७ २०	७ १६	७ ११	७ ८	७ ५	७ १	६ ५७	६ ५३	६ ५०	६ ४६	६ ४२	६ ३८	६ ३४
कं.	९ ४५	९ ४२	९ ३८	९ ३४	९ ३०	९ २६	९ २२	९ १९	९ १५	९ ११	९ ७	९ ४	९ ०	८ ५६	८ ५२	८ ४८
तु.	१२ २	११ ५९	११ ५५	११ ५१	११ ४७	११ ४३	११ ३९	११ ३६	११ ३२	११ २८	११ २४	११ २१	११ १७	११ १३	११ ९	११ ५
वृ.	२ २०	२ १६	२ १२	२ ८	२ ४	२ ०	१ ५६	१ ५३	१ ४९	१ ४५	१ ४१	१ ३८	१ ३४	१ ३०	१ २६	१ २२
ध.	४ २४	४ २१	४ १७	४ १३	४ ९	४ ५	४ १	३ ५८	३ ५४	३ ५०	३ ४६	३ ४३	३ ३९	३ ३५	३ ३१	३ २७
म.	६ ९	६ ६	६ २	५ ५८	५ ५४	५ ५०	५ ४६	५ ४३	५ ३९	५ ३५	५ ३१	५ २८	५ २४	५ २०	५ १६	५ १२

फा. शु. ११ गुरौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	७	९	५	११	११	११	५
१५	७	१७	९	२६	२७	७	७
२६	०	२४	५४	५४	४८	४५	२५
४५	१	२५	१५	३१	११	२४	२४
६०	२६	४७	[illegible]	४२	६	३	३
१८	३३	३७	व	२३	२	११	११

श.रा.शु. १२ | १० बु. | १ | सू. ११ | ९ | २ | ८ मं. | ३चं. | ५ | ७ | ४ | के.६बृ.

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	ब.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२९	०	१	बु.	१०	३५	उ.	४२	५	शू.	३५	३२	कौ.	१०	३५	तै.	३९	५६	वर्धमा	५	१५	२१				६	१२	५	४८	१०	२१	२८	१	६०	९
२९	४	२	बृ.	९	१८	ह.	४१	४४	गं.	३१	१०	ग.	९	१८	व.	३८	२	रक्ष	६	१६	२२				६	११	५	४९	१०	२२	२८	९	६०	८
२९	७	३	शु.	६	४७	चि.	४९	१७	वृ.	२५	५८	वि.	६	४७	बव	३५	२	मुसल	७	१७	२३	तु.	११	०	६	११	५	४९	१०	२३	२८	१६	६०	६
२९	११	४	श.	३/५५	५८/५९	स्वा	३८	३	ध्र.	१९	५९	बा.	३	१८	कौ.	३१/५८	७/५७	सिद्धि	८	१८	२४				६	१०	५	५०	१०	२४	२८	२०	६०	४
२९	१५	६	र.	५३	५५	वि	३४	५७	व्या	१३	१८	ग.	२८	३२	व.	५३	५५	उत्पात	९	१९	२५	वृ.	२०	४४	६	९	५	५१	१०	२५	२८	२३	६०	२
२९	१८	७	चं.	४८	२१	अनु.	३१	२२	ह.	६/५२	६/५०	वि.	२१	८	बव	४८	२१	मानस	१०	२०	२६				६	८	५	५२	१०	२६	२८	२४	६०	०
२९	२२	८	मं.	४२	२९	ज्ये.	२७	२४	सि.	५०	५४	बा.	१५	१५	कौ.	४१	२९	मुद्गर	११	२१	२७	ध.	२७	२४	६	८	५	५२	१०	२७	२८	२४	५९	५७
२९	२६	९	बु.	३६	३२	म.	२३	१३	व्य.	४३	६	तै.	९	३०	ग.	३६	३२	ध्वज	१२	२२	२८				६	७	५	५३	१०	२८	२८	२०	५९	५५
२९	३०	१०	बृ.	३०	३७	पू.	१९	७	व.	२५	२६	व.	३	३४	वि.	३०/५७	३७/५०	धाता	१३	२३	२९	म.	३३	१०	६	६	५	५४	१०	२९	२८	१४	५९	५२
२९	३३	११	शु.	३५	४	उ.	१५	१७	प.	२८	५	बा.	२५	४	कौ	५८	३१	आनन्द	१४	२४	३०				६	५	५	५५	११	०	२८	५	५९	५०
२९	३७	१२	श.	१९	५८	.	११	४३	शि.	२१	०	तै.	१९	५८	ग.	४७	४५	स्थिर	१५	२५	१	कुं.	४०	२८	६	५	५	५५	११	१	२९	५४	५९	४८
२९	४१	१३	र.	१५	३८	ध.	९	४	सि.	१४	३४	व.	१५	३२	वि.	४३	४६	मातंग	१६	२६	२				६	४	५	५६	११	२	२९	४१	५९	४६
२९	४५	१४	चं.	१२	१	श.	७	१५	सा.	८	४६	श.	१८	१	च.	४०	४३	अमृत	१७	२७	३	मी.	५१	३१	६	३	५	५७	११	३	२९	२८	५९	४४
२९	४८	३०	मं.	९	२५	पू.	६	१६	शु.	३/५६	५०/५५	ना.	९	२५	कि.	३८	४८	काण	१८	२८	४				६	२	५	५८	११	४	२९	११	५९	४३

श्री शुभ संवत् २०२५ शके १८९० चैत्र कृष्णपक्षः । मार्च ५ से १८ तक । सौम्यायनम् याम्यगोलः । वसन्त ऋतुः ।

स. सि. योगः ४१।५ उ. । दक्षिणपूर्व यात्रा मु. हस्तमे ।a

भ. ३८।२ उ. । प्राच्यां यात्रा मु. । अनु. मे भौमः ५६।४४ ।

भ. ६।४७ या.।

स. सि. योगः ३८।३ या. । या.ज.मु. ३।२८ उ. ३०।३ या. ।

भ. ५३।१५ उ. ।

भ. २१।८ या. । पश्चिमोत्तरी यात्रा मु. भद्रान्ते ।

aमेषे शुक्रः ६।१३ । कुंभे बुधः १६।४४ ।

भ. ३।३४ उ. ३०।३७ या. । या.ज.मु. ३०।३७ उ. ।

मीनेऽर्कः ७।४ । पापमोचनी ११ व्रतं सर्वेषाम् ।

सौर चैत्रारम्भः । प्रदोषः । स. सि.योगः ११।४३ या. ।b

भ. १५।३२ उ. ४३।४६ या.

उत्तराभाद्रपदायामर्कः २४।४३ । मेषे शनिः ५७।२५ ।

bपञ्चकारम्भः ४०।२८ उ. ग्रहणम् सम्भवः ।

चैत्र कृ. ६ रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	७	१०	५	०	११	११	५
२५	११	१	८	२	२८	७	७
३७	१८	१८	४२	०	५४	१३	१३
१५	१९	३९	१३	९	३५	३५	३५
५९	२३	७७	४/३६	२५	५	३	३
५८	५८	५५	व.	५२	५२	११	११

श. रा. १२ | १० | शु. १ | सू. ११ बु. | ९ | २ | ८ मं. | ३ | ५ | चं. ७ | ४ | के. ६ बृ.

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.	२ बृ.	३ शु.	४ श.	६ र.	७ चं.	८ मं.	९ बु.	१० बृ.	११ श.	ति.	१२ श.	१३ र.	१४ चं.	३० मं.
कुं. अं.	६ ४०	६ ३७	६ ३३	६ २९	६ २५	६ २२	६ १८	६ १४	६ १०	६ ६	मी.	७ ३०	७ २६	७ २३	७ १९
मी. अं.	८ ८	८ ५	८ १	७ ५७	७ ५३	७ ५०	७ ४६	७ ४२	७ ३८	७ ३४	मे.	९ ८	९ ४	९ १	८ ५७
मे. अं.	९ ४६	९ ४३	९ ३९	९ ३५	९ ३१	९ २८	९ २४	९ २०	९ १६	९ १२	वृ.	११ ४	११ ०	१० ५७	१० ५३
वृ. अं.	११ ४२	११ ३९	११ ३५	११ ३१	११ २७	११ २४	११ २०	११ १६	११ १२	११ ८	मि.	१ १८	१ १४	१ ११	१ ७
मि. अं.	१ ५६	१ ५३	१ ४९	१ ४५	१ ४१	१ ३८	१ ३४	१ ३०	१ २६	१ २२	क.	३ ३७	३ ३३	३ २९	३ २६
क. अं.	४ १५	४ १२	४ ८	४ ४	४ ०	३ ५७	३ ५३	३ ४९	३ ४५	३ ४१	सि.	५ ५२	५ ४८	५ ४५	५ ४१
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा.	रा०	रा०	रा०	रा०
सि. अं.	६ ३०	६ २७	६ २३	६ १९	६ १५	६ १२	६ ८	६ ४	६ ०	५ ५६	कं.	८ ६	८ २	७ ५९	७ ५५
कं. अं.	८ ४४	८ ४१	८ ३७	८ ३३	८ २९	८ २६	८ २२	८ १८	८ १४	८ १०	तु.	१० २३	१० १९	१० १६	१० १२
तु. अं.	११ १	१० ५८	१० ५४	१० ५०	१० ४६	१० ४३	१० ३९	१० ३५	१० ३१	१० २७	वृ.	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३३	१२ २९
वृ. अं.	१ १८	१ १५	१ ११	१ ७	१ ३	१ ०	१२ ५६	१२ ५२	१२ ४८	१२ ४४	ध.	२ ४५	२ ४१	२ ३८	२ ३४
ध. अं.	३ २३	३ २०	३ १६	३ १२	३ ८	३ ५	३ १	२ ५७	२ ५३	२ ४९	म.	४ ३०	४ २६	४ २३	४ १९
म. अं.	५ ८	५ ५	५ १	४ ५७	४ ५३	४ ५०	४ ४६	४ ४२	४ ३८	४ ३४	कुं.	६ २	५ ५८	५ ५५	५ ५१

चैत्र कृ. ३० भौमे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	७	१०	५	०	०	११	[illegible]
४	१४	१६	७	३	०	६	[illegible]
२९	१८	२६	४	५४	६	४१	४
११	२२	११	२५	१९	७	४७	४७
५९	२३	१०१	४/३६	५	५	३	३
२९	५९	५७	व.	२३	५८	११	११

शु. १ श. | ११ बु. | २ | रा. सू. १२ चं. | १० | ३ | ९ | ४ | ६ के. बृ. | मं. ८ | ५ | ७

मुद्रक–भार्गव भूषण प्रेस, गायघाट, वाराणसी

विवाहे पञ्चशलाकाचक्रम्

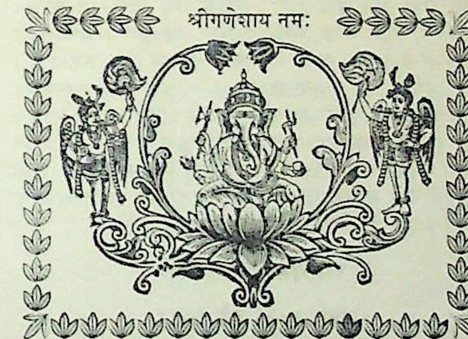
कृ. रो. मृ. आ. पु. पु. श्ले.

म. अ. रे. उ. पू. श. ध.

म. पू. उ. ह चि. स्वा वि.

श्र. अ. उ. पू. मू. ज्ये. अनु.

राजा बुधः



मंत्री सूर्यः

अन्येषु सप्तशलाकाचक्रम्

कृ. रो. मृ. आ. पु. पु. श्ले.

म. अ. रे. उ. पू. श. ध.

म. पू. उ. ह. चि. स्वा वि.

श्र. अ. उ. पू. मू. ज्ये. अनु.

श्री संवत् २०२६, शकः १८९१, हिजरी सन् १३८८-८९, फसली सन् १३७६-७७, ईस्वी सन् १९६९-७०।

'दुंदुभि' नाम संवत्सरः

श्री काश्याम्

शुद्धमकरन्दीय दशवर्षीय पञ्चाङ्गम्

श्री गंगा



काशी पञ्चाङ्गम्

सम्पादक---पं० चन्द्रशेखर पाठक ज्यौतिषाचार्य, ज्योतिषरत्न

सीके. ६५/१७५ बी. बड़ी पियरी, वाराणसी।

विंशोत्तरी मतेन आयव्यय चक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी.
२	११	२	११	१४	२	११	२	१४	८	८	१४
५	११	११	५	२	११	११	२	२	११	११	२

अष्टोत्तरी मतेन आयव्यय चक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी.
५	८	२	११	१४	२	८	५	८	११	११	८
५	१४	११	८	२	११	१४	५	११	५	५	११

देखने की रीति

आयव्ययौ समौ कृत्वा एक हीनं तु कारयेत्।
अष्टभिस्तु हरेद्भागं शेषांके फलमादिशेत्॥
१ लाभं, २ सौख्यं तथा ३ क्लेशं ४ रोगं ५ लोकापवादकम्।
६ सम्मानं ७ विजयं ८ हानिः कथितं पूर्व सूरिभिः।

प्रधान वितरक—श्री गंगा पुस्तकालय, गायघाट, वाराणसी।

समय-शुद्धिः

गुरु—भाद्र. शुक्ल १५ गुरौ पश्चिमास्तः।
आश्विन शुक्ल १२ बुधे पूर्वोदयः।

शुक्र—पौष कृष्ण २ गुरौ पूर्वास्तः।
फाल्गुन कृष्ण ६ शुक्रे पश्चिमोदयः।

शनि—यावदब्दं मेषराशौ।

राहु—शुद्धाषाढ़ शुक्ल ४ शुक्रतः यावदब्दं कुम्भ राशौ।

केतु—शुद्धाषाढ़ शुक्ल ४ शुक्रतः यावदब्दं सिंह राशौ।

प्रकाशक
भार्गव बुकडिपो, चौक, वाराणसी।

वर्ष-फलम्

सं० २०२६ शके १८९१

अस्मिन् वर्षे वर्षेशः बुधः तस्यफलम्:—बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तुर्यविवाह मंगलम् । प्रकुर्वते दान दयां जनाअपि स्वास्थ्यंसुभिक्ष धनधान्यसंकुलम् ।

मंत्री सूर्यः तस्यफलम्:—नृपभयं गदतोपिहि तस्करात् प्रचुरधान्यधनादि महीतले । रसचयंहि समर्घतमं तदा रवि-रमात्य पदं हि समागतः ।

जलमंत्री शनिः तस्य फलम्:—रवि सुते जलदस्य पतौ भवेत् विरलवृष्टिवती वसुधा तदा । मनसि तापकरो नृपतिः सदा विविधतापगता जनता सदा ।

फलाधीशः शनिः तस्य फलम्:—यदि शनिः फलपः फलहा भवेत् जनित पुष्प फलस्य द्रुमस्य च । हिमभयं चर तस्करजं तदा जनपदा दुखराशिसमान्विता ।

दुर्गेशः शनिः तस्य फलम्:—रविसुते गढ़पालन विग्रहे कलह देशगतास्चरिता जना । विविधवैर विशोषित नागराः कृषिधनं खलभैर्मुषितं भुविः ।

धान्येशभौमः तस्य फलम्:—धान्या भावो दुर्लभं मूल कन्दं नीरं स्वल्पं युद्धकृत् भूपवर्गम् । रोगात् वह्नेभीः प्रजाना समाजे पश्चात् धान्यः स्वामिनि क्ष्मातनुजे ।

धनाधिपः बुधः तस्य फलम्:—द्रविड़रो हिमरश्मिसुतो यदा विविधसंग्रह वस्तु फलार्थदः । द्विजवरायपयज्ञ समन्विता कृषि विशेष विशेषित लालसाः ।

इस वर्ष के राष्ट्रपति बुध हैं । प्रधानमन्त्री सूर्य है। राजा ने ही अर्थविभाग सँभाला है। शनि के हाथ में ३ अधिकार हैं; सिचाई, फल, राष्ट्ररक्षा । धान्य मन्त्री भौम हैं । इसका फल अच्छा नहीं है। स्वाभाविक राजा ने मंत्री का भार ग्रहण किया है अतः प्रशासन ठीक रहेगा, कर्मचारी अपने-अपने स्थान पर समुचित कर्त्तव्य का पालन करेंगे । वृष्टि अच्छी न होगी । राष्ट्ररक्षा का काम भी झोलझाल का ही रहेगा। आपसी कलह रहेगा, आँधियाँ कई आयेंगी। बादल आकर भी वर्षा न करेंगे। अनाज की उपज भी अच्छी न होगी। अग्नि से धान्य का संहार होगा । कुछ प्रान्तों में वर्षा अच्छी होगी।

धान्य सस्ते होंगे; रोग रहेगा; रुई ५०) तक गिर जायगी । ज्वार, चावल, गेहूँ, घी, खाँड़, शक्कर, तिल, तेल, उड़द, चना तेज होगा। धातुयें, तथा ऊन मंदा होगा। चाँदी एक बार मंदी होगी। ततः स्वर्ण, चाँदी, ताँबा, मोती, पुखराज तेज होगा। अकाल की सम्भावना है । अतः माता अपने पुत्रों को भी छोड़ सकती है । यमुना, नर्मदा तट, अशान्त रहेगा । अन्न तथा मानव की सुरक्षा असम्भव होगी । वर्ष भर शिरोरोग अधिक रहेंगे। लोगों का मस्तिष्क उड़ा रहेगा । आषाढ़ तक कमर तथा पैर के रोग लोगों के सन्त्रस्त किये रहेंगे। कमर-उदर तथा पिंडुरी के रोग अधिक होंगे । उक्त स्थानों पर आपरेशन होंगे, कमरउ-दर के आपरेशन में डाक्टर परेशान रहेंगे।

वार्षिक-राशिफल

संवत् २०२६ शके १८९१

मेष—वर्ष साधारण है। आधे कार्तिक तक असफलता मिलेगी ततः सफलता मिलेगी। अनुचित लाभ होता रहेगा चिढ़ चिन्ता, सन्तान को कष्ट होगा कार्तिक के पश्चात् लाभ हर्ष होगा शुभ कार्य होंगे। आषाढ़ के पहले माता-पिता को कष्ट होगा। पूरे वर्ष वायु-विकार रहेगा। दैन्य, कष्ट होगा। लीवर-उदर की गड़बड़ी भी रहेगी। पीला पुखराज लाजवर्त्त पहनें वैशाख, श्रावण तथा अगहन बुरे रहेंगे। आषाढ़, आश्विन, माघ, फाल्गुन अच्छे रहेंगे। कार्तिक में स्त्री को कष्ट होगा। चैत्र में व्यय होगा।

वृष—वर्ष साधारण है। कार्तिक कृष्ण तक लाभ, हर्ष, सफलता शुभ काम होंगे ततः सफलता मिलना कठिन होगा। धर्म में अरुचि रहेगी। आषाढ़ के पश्चात् माता-पिता को कष्ट होगा। लाजवर्त्त पुखराज धारण करें। ज्येष्ठ, भाद्रपद और पौष बुरे रहेंगे। वैशाख में अधिक व्यय होगा। श्रावण, कार्तिक, फाल्गुन, चैत्र अच्छे रहेंगे। मार्गशीर्ष में स्त्री को कष्ट होगा। पूरे वर्ष भर व्यय-धिक्य रहेगा।

मिथुन—लाभ तो रहेगा ही चाहे जितनी परेशानी रहे। कार्तिक तक कष्ट, चिढ़, झगड़ा, असफलता रहेगी। तत वर्षान्त तक सफलता मिलेगी। आषाढ़ तक विशेष कष्ट रहेगा। लीवर-उदर की गड़बड़ी रहेगी। आषाढ़, आश्विन और माघ बुरे रहेंगे। ज्येष्ठ में अधिक व्यय होगा। भाद्रपद, मार्गशीर्ष, चैत्र, वैशाख अच्छे रहेंगे। पौष में स्त्री को कष्ट रहेगा।

कर्क—वर्ष अच्छा नहीं। पूरे वर्ष असफलता रहेगी। आधे वर्ष के बाद तो कोई झगड़ा, रोग, भूमि आदि का झमेला भी खड़ा रहेगा। आषाढ़ से लीवर-उदर-विकार, प्रेत बाधा वर्षान्त के बाद तक रहेगी। परिवार में अशान्ति, अनायास, धन-हानि रहेगी। माता-पिता को कष्ट रहेगा। श्रावण, कार्तिक, फाल्गुन सर्वदा बुरे रहेंगे। आषाढ़ में अधिक व्यय होगा। माघ मे स्त्री को कष्ट होगा। वैशाख, ज्येष्ठ, आश्विन, पौष अच्छे रहेंगे।

सिंह—वर्ष साधारण है। आधे वर्ष तक लाभ, हर्ष, सफलता, रहेगी। ततः अधिक श्रम करना पड़ेगा। साधारण सफलता मिलेगी। आषाढ़ तक विशेष लाभ उल्लास रहेगा ततः १२ मास कोई न कोई रोग लगा रहेगा। स्त्री को कष्ट होगा। धर्म में अरुचि रहेगी। भाद्रपद, मार्गशीर्ष चैत्र अच्छे रहेंगे। श्रावण में अधिक व्यय होगा। फाल्गुन में स्त्री को विशेष कष्ट होगा। ज्येष्ठ, आषाढ़ कार्तिक और माघ अच्छे रहेंगे। लाजवर्त पहनें।

कन्या—वर्ष साधारण है। कोई न कोई रोग लगा रहेगा। नीलम धारण करें। कार्तिक तक असफलता रहेगी कष्ट भी है। आषाढ़ से ८ मास लाभ का कोई अनुचित मार्ग निकलेगा समान्य व्यय भी बढ़ेगा। वर्ष का उत्तरार्द्ध सफलतासूचक है। लाभ-हर्ष का काम होगा। आश्विन, पौष, वैशाख बुरे रहेंगे। भाद्रपद में अधिक व्यय होगा। आषाढ़, श्रावण अगहन, फाल्गुन अच्छे रहेंगे। चैत्र में स्त्री को कष्ट होगा।

तुला—वर्ष साधारणतया अशुभ है। आषाढ़ तक कुछ ल[illegible] रहेगा ततः चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट होगा अनुचित ढं[illegible] कोई लाभ होता रहेगा। स्त्री का स्वास्थ्य बुरा रहेगा [illegible] कार्य में व्यय होगा। असफलता बुरे वर्ष रहेगी। कार्तिक [illegible] भर कोई कष्ट भी रहेगा। पीला पुखराज धारण करें। का[illegible] माघ, ज्येष्ठ बुरे रहेंगे। श्रावण, भाद्रपद, पौष चैत्र अच्छे रहे[illegible] आश्विन में अधिक व्यय होगा। वैशाख में स्त्री को कष्ट होगा।

वृश्चिक—वर्ष का पूर्वार्द्ध शुभ है। लाभ, हर्ष, विजय, सफलता रहेगी। शुभ काम होगा। आषाढ़ शुक्ल से कोई कष्ट भी बढ़ जायगा। लीवर, उदर विकार माता-पिता को कष्ट होगा। शत्रु वृद्धि लाभ साल भर होता रहेगा। शत्रुओं की पराजय होती रहेगी। कार्तिक से वर्षान्त तक शुभ काम में अधिक व्यय होगा आषाढ़ अगहन फाल्गुन बुरे रहेंगे वैशाख, भाद्रपद, आश्विन अच्छे रहेंगे। कार्तिक में अधिक व्यय होगा ज्येष्ठ में स्त्री को कष्ट होगा।

धनु—वर्ष साधारण है। चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट पूरे वर्ष रहेगा। कार्तिक अमावस तक असफलता रहेगी।

ततः लाभ, हर्ष, सफलता रहेगी। शुभ काम होगा। आषाढ़ तक परिवार में अशान्ति धन-हानि होगी ततः अधिक श्रम, व्यापार में वृद्धि होगी। भाइयों को कष्ट, धर्म में अरुचि रहेगी। श्रावण, पौष, चैत्र बुरे रहेंगे। ज्येष्ठ, आश्विन, कार्तिक और फाल्गुन अच्छे रहेंगे। मार्गशीर्ष में अधिक व्यय होगा। आषाढ़ में स्त्री को कष्ट होगा।

मकर---वर्ष साधारण है। कोई न कोई कष्ट, विवाद सर्वदा रहेगा। आषाढ़ तक अधिक काम करना पड़ेगा लाभ रहेगा धर्म में अरुचि रहेगी। ततः १८ मास रोग-उदर-व्याधि परिवार में अशान्ति रहेगी। नीलम, लाजवर्त धारण करें। आधे कार्तिक तक लाभ हर्ष सफलता रहेगी ततः असफलता की ओर अग्रसर होंगे। इस वर्ष कोई शुभ काम भी सम्भव है। वैशाख भाद्रपद, माघ बुरे रहेंगे। आषाढ़ चैत्र, कार्तिक और अगहन अच्छे रहेंगे। पौष में अधिक व्यय होगा। श्रावण में स्त्री बीमार रहेगी।

कुम्भ---वर्ष अशुभ है। दीपावली तक कष्ट, चिढ़, हानि, परिवार में अशान्ति रहेगी। स्वास्थ्य गड़बड़ रहेगा। आषाढ़ से स्वास्थ्य की गड़बड़ी, लीवर उदर का विकार बढ़ जायगा। स्त्री को कष्ट पूरे वर्ष रहेगा दीपावली के पश्चात् कुछ सफलता मिलेगी। लाभ, हर्ष, शुभ काम भी होगा। पुखराज, लाज- [illegible] पहिनिए। ज्येष्ठ, आश्विन और फाल्गुन बुरे रहेंगे। वैशाख, [illegible]ण अगहन पौष अच्छे रहेंगे। भाद्रपद में स्त्री को कष्ट [illegible]। माघ में अधिक व्यय होगा। पूरे वर्ष व्यापार में उन्नति [illegible] भाइयों को कष्ट रहेगा।

[illegible]न---वर्ष साधारण है। पूरे वर्ष रोग-ग्रस्त रहेंगे। आषाढ़ [illegible]य बढ़ जायगा। शत्रुओं की पराजय, विजय, लाभ [illegible]गा। कार्तिक तक सफलता, हर्ष, लाभ भी रहेगा। शुभ [illegible]म होगा ततः अधिक व्यय असफलता, कष्ट, चिढ़, होगी, चैत्र, आषाढ़, कार्तिक बुरे रहेंगे। ज्येष्ठ, भाद्रपद, पौष, माघ अच्छे रहेंगे। फाल्गुन में व्यय होगा। आश्विन में स्त्री को कष्ट होगा। पूरे वर्ष अधिक व्यय तथा हानि रहेगी। परिवार में अशान्ति छाई रहेगी।

विवाहमुहूर्ताः

सं० २०२६

वैशाख कृष्ण १३ चन्द्रे उ. भा. मे. ल. चि.।
„ शुक्ल ३ शनौ रोहिणीमे ल. चि.।
„ „ ४ रवौ रो. मृगभे. ल. चि. भद्रांविहाय।
„ „ ५ चन्द्रे मृगमे. ल. चि.।
„ „ ९ शनौ मघामे. ल. चि.।
„ „ १० रवौ मघामे दिवा ल. चि.।
„ „ ११ चन्द्रे उ.फा.मे. ल. चि.।
„ „ १२ भौमे उ. फा. हस्तभे. ल. चि.।
„ „ १३ बुधे हस्तभे. दिवा ल. चि.।
„ „ १४ गुरौ स्वातीभे ल. चि. भद्रान्ते।
„ „ १५ शुक्रे स्वातीभे. दि. ल. चि.।
ज्येष्ठ कृष्ण १ शनौ अनु मे. ल. चि.।
„ „ २ रवौ अनुभे. दिवा ल. चि.।
„ „ ४ चन्द्रे मूलमे. ल. चि.।
„ „ ५ भौमे मूलभे. प्रातः ल. चि.।
„ „ ६ बुधे उ. षा. भे. ल. चि.।
„ „ १० रवौ उ. भा. मे. ल. चि.।
„ „ ११ चन्द्रे. उ. भा. रेवत्यां ल. चि.।
„ „ १२ भौमे रेवत्यां ल. चि.।
„ शुक्ल १ शनौ रोहिणीभे. ल. चि.।
„ „ २ रवौ रो. मृगभे. ल. चि.।
„ „ ३ चन्द्रे मृगभे. प्रातः ल. चि.।
„ „ ७ शुक्रे मघाभे. ल. चि. भद्राप्राक्।
„ „ ८ शनौ मघा मे. ल. चि.।
„ „ ९ रवौ उ. फा. मे. ल. चि.।
„ „ १० चन्द्रे उ. फा. हस्तभे. ल. चि.।
„ „ ११ भौमे हस्त मे. ल. चि.।
„ „ १२ बुधे स्वाती मे. ल. चि.।
„ „ १३ गुरौ स्वात्यां ल. चि.।
„ „ १४ शुक्रे अनु. मे. ल. चि.।
„ „ १५ शनौ अनु. मे. दिवा. लग्नं चिन्त्यम्।
शु. आषाढ़ कृष्ण १ रवौ मूलमे. ल. चि.।
„ „ २ चन्द्रे मूलभे. दिवा. ल. चि.।
„ „ ३ भौमे उ. षा. भे. ल. चि.।
„ „ ४ बुधे उ. षा. भे. दिवा. ल. चि.।
„ „ ९ रवौ उ. भा. मे. ल. चि.।
„ „ १० चन्द्रे उ.भा. रेवत्यां ल. चि. भाद्राप्राक् पश्चाद्वा
„ „ ११ भौमे रेवत्यां ल. चिन्त्यं कालोऽल्पीयान्।
कार्तिक शुक्ल १० बुधे उ. भा. मे. ल. चि. भद्राप्राक् पश्चाद्वा।
„ „ १० गुरौ उ. भा. रेवत्यां ल. चि.।
„ „ ११ शुक्रे रेवत्यां ल. चि. कालोऽल्पीयान्।
मार्गशीर्ष कृष्ण १ चन्द्रे रोहिणीभे. ल. चि.।
„ „ २ भौमे रो. मृगभे. ल. चि.।
„ „ ३ बुधे मृगभे ल. चि. कालोऽल्पीयान्।
„ „ ६ रवौ मघामे. भद्रान्त्ये ल. चि.।
„ „ ७ चन्द्रे मघामे. ल. चि.।
„ „ ८ भौमे. उ. फा. मे. ल. चि.।
„ „ ९ बुधे उ. फा. मे. ल. चि.।
„ „ १० बुधे हस्तभे. ल. चि.।
„ „ ११ शुक्रे स्वातीभे. ल. चि. कालोऽल्पीयान्।
„ „ १२ शनौ स्वातीभे. ल. चि.।
„ शुक्ल १ बुधे मूलमे. ल. चि.।
„ „ २ गुरौ उ. षा. मे. ल. चि.।
„ „ ३ शुक्रे उ. षा. मे. ल. चि. भद्राप्राक्।
फाल्गुन कृष्ण १० भौमे उ. षा. मे. ल. चि.।
„ „ ११ बुधे उ. षा. भे. ल. चि.।
„ शुक्ल १ रवौ उ. भा. मे. ल. चि.।
„ „ २ चन्द्रे उ. भा. रेवत्यां ल. चि.।
„ „ ३ भौमे रेवत्यां दि. ल. चि.।
„ „ ६ शुक्रे रोहिणी मे. ल. चि.।

ग्रहण

इस वर्ष चैत्र तथा आश्विन में ग्रहण की सम्भावना है परन्तु भारतवर्ष में कोई ग्रहण दृश्य न होगा।

जगल्लग्नम्	आर्द्रा-प्रवेश-लग्नम्
५।१८।२९।५२	०।२९।३।५३

जगल्लग्नम्: ७ | ५ | ८मं. | बृ. ६ के. | ४ | ९ | ३ | १० | शु. १२ रा. | २ | ११चं. | शसूबु१

आर्द्रा-प्रवेश-लग्नम्: २बु. | १२रा. | ३ | शु-१श. | ११ | ४ | १० | चं.५ | ७ | ९ | बृ.६के. | मं. ८

भविष्यवाणी संवत् २०२६

चैत्र शुक्लपक्ष

सुदी ३ से २० दिन में रुई में घटबढ़, अफीम में तेजी; सुदी ८ से १६ दिन में चाँदी मंदी; रुई, गहूँ, अफीम मंदी; तीसी, मेथी, लौंग, बिनौला तेज; सुदी १२ से १४ दिन में जल से पैदा होनेवाले पदार्थ मोती, रत्न, फल-फूल, नमक, सुगन्ध, चौपाये, मूंग, उड़द, चावल, लहसुन, लाख, चपड़ा, सज्जी, तीसी, सरसों, रेंड़ी, मूंगफली तेज होगी।

२५-२६-२७ मार्च १-२ अप्रैल को बादल-वृष्टि योग है।

वैशाख

वदी २ से केसर, मजीठ, कुसुम्ब, लाल वस्तुएँ तेज; चाँदी घटबढ़ कर तेज; वदी ८ से १० दिन में रुई, चावल, चंदन, कपूर, जवाहरात तेज; वदी ११ से ८ दिन में गेहूँ, चना, जौ, सोना, जवाहरात तेज; ईख, दूब, गुड़, खाँड़, रस, घी, तिल, तेल मंदा; वदी १२ से १४ दिन में सर्व रस, सोना, चाँदी, राँगा, पारा, सीसा, लोहा, ऊन, तीसी, सरसों, रेंड़ी, तिल, मेथी, आल्ता, लाल चन्दन, इलायची, लौंग, सुपारी, गुड़, खाँड़, नारियल, कपूर, हींग तेज; वदी १३ से वृष्टि योग है; कहीं युद्ध की संभावना; सुदी १ से हाथियों को पीड़ा, धान्य, रुई तेज; रोग की वृद्धि; सुदी ८ से ८ दिन में चाँदी, अफीम में घटबढ़; सुदी १० से १४ दिन में चावल, हल्दी, मिर्च, गुड़, घी, जौ, चना, तीसी, सोना, चाँदी, ताँबा, अफीम तेज; सुदी ११ से १७ दिन में रुई, अफीम तेज; राजाओं में मनमुटाव होगा।

नोट:—इस मास में चाँदी दो बार दो, दो रुपये के लगभग तेज होगी। ८-९, १४-१५-१६, २१-२२-२३, २८-२९-३० अप्रैल को बादल-वृष्टि आँधी का योग है।

ज्येष्ठ

वदी २ से उल्कापात; सोना, चाँदी, रुई, तीसी, आल्ता, लाल चंदन, रक्तपदार्थ तेज; वृष्टि की न्यूनता; वदी ४ से ५ दिन बाद सोना, चाँदी अवश्य तेज ततः मंदे; मोती, करेंसी नोट मंदे; सुदी ५ से ८ दिन में कपास, तिल, तेल, सूत, चावल, गुड़, खाँड़ तेज; सन, पाट मंदा; रुई तेज होकर मंदी; वदी १० से १४ दिन में श्वेत पुष्प, तीसी, रुई, रेंड़ी, सोना, चाँदी, जौ, चावल, गेहूँ, मूंग, सरसों, राई तेज; वदी १३ से १ मास में चाँदी १०) मंदी होकर ८)रु० तेज; स्वर्ण धान्य, अफीम, कपड़ा तेज; उसी दिन से ८ दिन में चाँदी, शेयर तेज; सुदी ८ से १४ दिन में धान्य, तीसी, सरसों, मिर्च, राई, तेल, सुपारी, हींग, तिल, खजूर, दाख, गुड़, खाँड़, रुई, सन, पाट, सूत तेज; सुदी १५ से २० दिन में रुई, चाँदी तेज; तीसी, ऊन मंदा; उसी दिन से ८ दिन में तिल, जौ, उड़द, तीसी, चना, सोंठ, रस धातु, ऊन मंदा।

नोट:—इस मास में चाँदी में अच्छी घटबढ़ होगी। ५-६-७, ११-१२-१३, १८-१९-२०, २५-२६-२७ मई को बादल-वृष्टि आँधी का योग है।

आषाढ़ (प्रथम)

वदी २ से २ मास में चाँदी, सरसों, घी तेज; अमेरिका में राज्य क्रान्ति। लाख, चपड़ा, रुई, चावल मंदा। वदी ५ से २० दिन में गेहूँ, लाल मिर्च तेज; पशु, पक्षियों को पीड़ा। वदी ९ से १४ दिन में सोना, चाँदी, पारा, लोहा, चावल, कंवलगट्टा, सिंघाड़ा, नारियल, फल, रुई, घी, सूत, रेशम, उड़द, मूंग, बाजरा, कपड़ा, कपूर, चंदन, सुगन्ध, कराई तेज; पशुओं की हानि; वायु की तीव्रता होगी। सुदी १ से १ मास में कपास, कन्दमूल, तिल, सम्पूर्ण धान्य, तेल, जौ, पीला रंग तेज। सुदी ६ से १४ दिन में घी, गुड़, खाँड़, तीसी, चावल, मणि, मोती, कराई, गेहूँ, सुरमा, कपूर, रेंड़ी, रस, चन्दन, सुगन्ध, लाल वस्त्र, कपास, रुई, हल्दी, सोंठ, लोहा तेज। सुदी १५ से १० दिन में सुभिक्ष, वायु की तीव्रता, वृष्टि; गेहूँ, तिल, उड़द मंदा होगा।

१-२-३, ८-९-१०, १४-१५-१६-१७, २२-२३-२४, २८-२९ जून को बादल-वृष्टियोग है।

आषाढ़ (द्वितीय)

वदी २ से २५ दिन में धान्य, महर्घ, अफीम तेज। चाँदी रुई, शेयर मंदे; वदी ३ से २० दिन में वायु, वर्षा की तीव्रता। वदी ५ से २२ दिन में चौपायों का नाश; समुद्र तट पर युद्ध; रुई मंदी; तिल, चाँदी तेज; वदी ६ से १४ दिन में उड़द, मूंग, चावल, मोठ, नमक, मसूर, बिनौला, सज्जी, चपड़ा, लाख, नील, तिल, रेंड़ी, मजीठ, माजूफल, केसर, हड़र, कुसुम्ब, कपूर, चन्दन, लवंग, नारियल, श्वेत वस्त्र, सोना, चाँदी तेज; वर्षा की अधिकता; वदी ७ से १० दिन में गेहूँ, तिल, उड़द मंदा; वर्षाधिक्य; वदी ९ से ६ मास में पूर्व दिशा में झगड़ा; लोहार, कोहारों को पीड़ा; वदी १३ से ५ दिन तक सोना, चाँदी, करेंसी नोट मंदा; ततः तेज; वदी ३० से १० दिन में कपास, सूत मंदा; सुदी २ से १ मास में प्रजा सुखी चाँदी तेज; अफीम मंदी; सुदी ५ से २० दिन में चाँदी तेज; खाँड़, सोना, श्वेत पदार्थ मंदा; सुदी ६ से १४ दिन में तिल, तेल, मद्य, गुड़, ज्वार, गुगुल, सोपारी, चावल, शक्कर, सोंठ, मोम, हींग, हल्दी, लाख, चपड़ा, सन, पाट, ऊनी वस्त्र, शीशा, सोना, चाँदी तेज; ईशान देश में उपद्रव; सुदी ८ से १० दिन में धान्य, नाश, गुड़, चीनी तेज; गेहूँ, चना, ज्वार, कराई मंदी; सुदी १५ से २५ दिन में वायु वृष्टि की अधिकता; रुई, कपास, सूत, कपड़ा, सन मंदा; अफीम तेज होगी।

५-६-७, १२-१३-१४, १९-२०-२१, २६-२७-२८ जुलाई को बादल-वृष्टियोग है।

श्रावण

वदी १ से १० दिन में वर्षाधिक्य, गुजरात में वर्षा; कराई, मंदी; तिल, उड़द, रस तेज; वदी ६ से १४ दिन में गेहूँ, अफीम, चना, तीसी, तिल, तेल, गुड़, प्रामिसरी नोट, नील, सोना, चाँदी तेज होगा। पूर्वोत्तर दिशा में उपद्रव; वदी ७ से २० दिन में धान्य मंदा; खट्टे पदार्थ, देवदारु, रुई, चाँदी, सोना, सूत, कपड़ा, रेलवे स्लीपर तेज; शेयर, खाँड़, शक्कर, कपूर, रस मंदा; वदी १४ से ८ दिन में अनाज मंदा; राजाओं में युद्ध; सुदी १ से १२ दिन में वर्षाधिक्य, कोशल, कलिंग में गड़बड़ी; सुदी ४ से १ मास में ईख, गुड़, शक्कर, रक्त पदार्थ, रत्न, तिल, तिल, रुई, चाँदी, रेंड़ी तेज; धान्य मंदा; उसी दिन से १५ दिन में ज्वार, मूंग, रुई, तिल, रेंड़ी, दाख, मिर्च तेज; वर्षा की अधिकता; सुदी ७ से ६ मास में रुई में विशेष घटबढ़; पृथ्वी पर कलह; शे[illegible] तेज; गेहूँ, मूंग, ज्वार, चावल, घी, तीसी, सरसों, कपड़ा साध[illegible] तेज; सोना, चाँदी में तेजी संभव है। सुदी ९ से १ मास में वर्षा की अधिकता, खाँड़ तेज; चाँदी मंदी; सुदी १० से [illegible] में वायु, वृष्टि की अधिकता; अनाज, तीसी, रेंड़ी, शेयर [illegible] खाँड़, शक्कर तेज; रुई, चाँदी मंदी; सुदी १३ से १[illegible] लाख, चपड़ा, गुड़, कपूर, हींग पारा, मंदा; रुई, स[illegible] सूत, तेज होगा।

१-२-३, ८-९-१०, १५-१६-१७-१८, २२-२३-२४ अ[illegible] को बादल-वृष्टियोग है।

भाद्रपद

वदी ३ से ८ दिन में धान्य मंदा; बादल की संभावना। वदी ४ से १४ दिन में, चाँदी, सोना, गहना, सूत, कपास, कपड़ा, ऊनी वस्त्र, चावल, गेहूँ, सरसों, तिल, ज्वार, जीरा, घी तेज; वदी ९ से २० दिन में कराई तेज; उसी दिन से १।। मास में सूत, बिनौला, कपड़ा, घी, घास, लकड़ी, गांजा, पशु, चाँदी तेज; वदी ११ से १० दिन में सर्पों से भय; चावल, मोठ, चना, कराई मंदी; सुदी २ से १४ दिन में सोना, चाँदी, लोहा, तेल, घी, सरसों, रेंड़ी, सुपारी, मूंज, बाँस, नील, अफीम, रेशम, कपास, ज्वार, उड़द, तीसी तेज; सुदी ६ से १ मास में मजीठ, नारियल,

तिल, तेल, घी, कपास तेज; चाँदी मंदी; सुदी ८ से ईख, गुड़, खाँड़, कपूर, रस, तिल, तेल, रेंड़ी, बिनौला, चाँदी, शेयर, मूंगफली तेज; सुदी १५ से २ मास में दुर्भिक्ष, रुई मंदी होगी।

२९-३०-३१ अगस्त ४-५-६-७, १२-१३-१४, १८-१९-२०-२५ सितम्बर को बादल-वृष्टि योग है।

आश्विन

वदी २ से १४ दिन में गेहूँ, ज्वार, जौ, गुड़, खाँड़, सन, कपास, हल्दी, लकड़ी, हींग, छार तेज; वदी ४ से १० दिन में वृष्टि संभव है। गेहूँ, जौ, ज्वार, बाजरा, चना मंदा। वदी १४ से १० दिन में साधारण वृष्टि; धान्य कुछ तेज; चाँदी मंदी; वदी ३० से १४ दिन में धान्य, गेहूँ, चना, सूत, कपास, रुई, अरहर, सोना, सूत, केसर, लाख, चपड़ा, जवाहरात, गुड़ तेज; सुदी २ से २५ दिन में खेतियों की हानि; धान्य तेज; चाँदी, रुई मंदी; सुदी ५ से २ मास में वर्षा की संभावना; सुदी ७ से १ मास में स्वर्ण, धान्य, तीसी, गेहूँ, आमला तेज; रुई, चाँदी, अफीम मंदा; टिड्डियों का उपद्रव; सुदी ९ से २० दिन में वृष्टि की संभावना; चावल, तिल, घी, उड़द तेज; वदी १० से [illegible] दिन में वर्षा में कमी; धान्य, रुई मंदा; सुदी १२ से २ [illegible] में धान्य तेज; राजपूताने में वृष्टि; उसी दिन से १½ मास [illegible]न, तीसी, रुई, सोना, चाँदी, घी, तेज, गेहूँ, तेज; सुदी १४ से [illegible] दिन में सर्वधातु, मिर्च, गुड़, खाँड़, तेल, राई, हींग, कपूर, [illegible] चपड़ा, बिनौला, केराना, गुगुल, हल्दी, रुई, सन, [illegible]ज होगा।

[illegible]६-२७ सितम्बर २-३-४, ९-१०-११, १६-१७-१८, [illegible]-२३-२४ अक्टूबर को बादल-वृष्टि योग है।

कार्तिक

वदी ४ से साधारण वर्षा; चाँदी, तीसी, सरसों, रेंड़ी, बिनौला, मूंगफली, रुई मंदी; वदी ५ से १० दिन में गुजरात, बम्बई में वर्षा; वदी ९ से ८ दिन में साधारण वृष्टि; चाँदी मंदी; वदी ११ से २५ दिन में चाँदी में घटवढ़; सोना, अफीम तेज; वदी १२ से १४ दिन में चाँदी, धातु, करेंसी नोट, तिल, चावल, सर्वरस, सूत, अफीम, सरसों, मसूर, रेंड़ी तेज; पूर्व और दक्षिण में उपद्रव; वदी १३ से २० दिन में गेहूँ, अफीम, तिल, जौ, धातुएं, तेज; वर्षा की संभावना है। सुदी २ से १० दिन में अनाज मंदा; रस तेज; वृष्टि की संभावना; रुई मंदी; सुदी ५ से ४ मास में ज्वर का प्रकोप; घी, तेल, धातु मंदी; सोना, रुई तेज; सुदी ७ से १ मास में ऊनी वस्त्र, चाँदी, ताँबा, तेल, रुई, अफीम तेज; धान्य कुछ मंदा; सुदी ८ से २० दिन में, रुई, चाँदी तेज; घी, तेल, अनाज मंदा; सुदी १० से १४ दिन में चाँदी, सोना अवश्य मंदा; रस, धातु, चना, ऊन, गेहूँ, तीसी, मिर्च तेज; सुदी १४ से १० दिन में रुई मंदी होगी।

२९-३०-३१ अक्टूबर ५-६-७-८, १२-१३-१४, १९-२०-२१ नवम्बर को बादल-वृष्टि योग है।

मार्गशीर्ष

वदी ४ से २० दिन में गुड़, शक्कर, गेहूँ, धातु, राई, जौ तेज; धान्य मंदा; वदी ५ से ८ दिन में ईख, चावल, घी, रस तेज। वदी ७ से ८ दिन में भूचाल संभव है। चावल, चाँदी कुछ मंदा; वदी ९ से १४ दिन में सोना, चाँदी, गुड़, धान्य, रेंड़ी, गुगुल, चावल, वस्त्र तेज; वदी १३ से ४५ दिन में चाँदी रुई में घटवढ़, आवरेज में अच्छी मंदी; वदी १४ से २० दिन में मृग व हस्तियों का नाश; रुई, कपास, चाँदी मंदी। सुदी ३ से ८ दिन में बिनौला तेज; धान्य मंदा; सुदी ४ से १० दिन में सोना, चाँदी, चावल, सरसों, तेल, हींग मंदा; सुदी ७ से १ मास में तिल, तेल, कपास, अनाज, सूत, रुई, चाँदी तेज; उसी दिन से १४ दिन में धान्य, रुई, सूत तेज; कोटा मालवा में उपद्रव होगा।

२५-२६-२७-२८ नवम्बर ३-४-५, ९-१०-११, १६-१७-१८, २३ दिसम्बर को साधारण बादल-वृष्टि योग है।

पौष

वदी १ से २५ दिन में धान्य तेज; खेतियों का नाश; रुई, चाँदी मंदी; शेयर तेज; अवर्षण; वदी २ से १० दिन में युद्ध की संभावना; चावल, घी, सोना तेज; वदी ४ से ८ दिन में अफीम, सोना, चाँदी साधारण तेज; वदी ६ से १४ दिन में तिल, तेल, गुड़, गुगुल, हल्दी, चपड़ा, कपूर, चना, बिनौला, सन, पाट, चाँदी, ऊनी वस्त्र तेज; वदी ९ से २० दिन में चावल, तिल, घी, उड़द तेज; पशु-पक्षियों को पीड़ा, वर्षा संभव है। वदी १० से ८ दिन में तेल, छार, नमक मंदा; सुदी २ से चाँदी, शेयर, ईख, गुड़, खांड़, कपूर, रस, तिल,तेल,रेंड़ी, बिनौला तेज; सुदी ४ से १४ दिन में उड़द, मूंग, चावल, रेंड़ी, रेशम, गुड़, कपास, घी, लोहा, पिपरामूल, लाख, चपड़ा, मूंज, बाँस, सरसों तेज; सुदी ५ से २ मास में रुई काफी मंदी; तेल, सरसों, हींग, मर्चा, शेयर, चाँदी मंदी; सुदी ७ से १ मास में घी, तीसी, तेल, लाल वस्त्र, धान्य तेज; गुड़ वृद्धि, वायु की तीव्रता रहेगी। सुदी ९ से २० दिन में अनाज रस में तेजी; सुदी १२ से दुर्भिक्ष, बादल होकर भी वर्षा का अभाव; सुगन्ध, कपूर, चंदन तेज होगा।

२४-२५-२६, ३०-३१ दिसम्बर १-६-७, १२-१३-१४, १९-२०-२१ जनवरी को साधारण बादल-वृष्टि योग है।

माघ

वदी १ से १४ दिन में गेहूँ, जौ, चावल, चाँदी, धातुएँ, सुपारी, लवंग, शक्कर, करेंसी नोट, अफीम तेज; वदी ३ से ८ दिन में रुई, तिल, तेज; कान में पीड़ा; वदी ३० से १४ दिन में मूंग, मसूर, जवाहरात, रुई, सोना, चाँदी, मोती, नील तेज; सुदी १ से २० दिन में रोग-वृद्धि, धान्य मंदा; चाँदी, तृण, काष्ट तेज; अफीम, कपूर, चंदन, अगर, तगर, रेशम, तिल, तीसी, मूंगफली, गुड़, बिनौला मंदा; सुदी ७ से मास में अनाज, रेंड़ी, तीसी मंदा; नमक, तेल कुछ तेज; सुदी ११ से ८ दिन में गुड़, तीसी, धान, चना तेज; सुदी १३ से १४ दिन में चाँदी, सरसों, सन, पाट, सूत, कपड़ा, नील, तेल, हींग, केराना, रेंड़ी, गुड़, जायफल, दाख, सुपारी, सोंठ तेज होगी।

२५-२६-२७-२८-२९ जनवरी २-३-४, ९-१०, १५-१६-१७-१८ फरवरी को साधारण बादल-वृष्टि योग है।

फाल्गुन

वदी ४ से १½ मास में तिल, ज्वार, अनाज, कपास, ऊन, प्रवाल तेज; अनाज मंदा; वदी ६ से ८ दिन में वर्षा; सोना, चाँदी, तिल, चावल तेज; वदी ७ से सुभिक्ष; दूध, घी, रस, रुई, तीसी मंदा; घी, तिल, सरसों तेज; वदी ११ से १४ दिन में सोना, चाँदी, गेहूँ, चना, गुड़, उड़द, घी, रुई, ज्वार, बाजरा, तिल, अरहर, रेशम, पिपरामूल तेज; सुदी २ से ८ दिन में चावल, मोती, शक्कर, कपूर मंदा; सुदी ७ से १मास में नमक, तिल, तेल, केराना, रस तेज; अफीम मंदा; सुदी ९ से अनाज में कुछ तेजी; सुदी १० से १४ दिन में रस, धान, तिल, मणि, चावल तेज; चांदी शायद मंदी; सुदी १२ से रुई, कपास, चावल, कपूर, जवाहरात मंदा होगा।

२३-२४-२५ फरवरी २-३, ८-९-१०, १५-१६-१७, २२-२३ मार्च को साधारण बादल-वृष्टियोग है।

चैत्र कृष्णपक्ष

वदी ५ से २५ दिन में रुई, तेज; चाँदी, काफी तेज तीसी, ऊन मंदा; उसी दिन से १० दिन में तिल, जौ, उड़द, तीसी, चना, सोंठ, रस, धातु, ऊन मंदा; वदी ९ से १४ दिन में चावल, कवलगट्टा, सिंघाड़ा, मोती, रत्न, फल-फूल, सुगन्ध, चौपाये, मूंग, उड़द, चावल, लहसुन, लाख, चपड़ा, सज्जी, तीसी, सरसों, रेंड़ी, केसर, मजीठ, कुसुम्ब, मूंगफली, रुई तेज; वदी १३ से ८ दिन में ईख, दूध, गुड़, खाँड़, रस, घी मंदा; चाँदी, सोना, मोती, जवाहरात तेज होगा।

२४,२९-३०-३१ मार्च ४-५-६ अप्रैल को साधारण बादल वृष्टि योग है। तीव्र वायु की सम्भावना है।

व्यापार-मन्जरी

निम्नलिखित योग मन्दी के हैं। पाट, तीसी, सरसों, तिल, लोहा, सोना, चाँदी, मशीन, मूंगफली, केराना और धान्य के
६ भावों पर इन योगों का प्रभाव पड़ेगा।

प्रथम मंदी के योग से यह मंजरी आरंभ कर रहा हूँ :—

सर्वतोभद्र चक्र में सूर्य केतु वेध हो। गुरु के आगे शुक्र हो। मकर में मंगल अतिचारी हो। मंगल अस्त हो। शुक्र उदय वक्री पूर्व दिशा में हो। पूर्वा भाद्रपद में (अतिचारी) मंगल हो। मीन में शुक्र हो तो ता० ३० अप्रैल को बहुत मंदा होगा। शनि वक्र गति चलता हुआ अस्त हो। गुरु, शनि दोनों वक्री हों तो अच्छी मंदी होगी। सर्वतोभद्र चक्र में मंगल राहु का वेध हो। कर्क राशि में शुक्र हो। कर्क राशि में मंगल हो। कन्या राशि में बुध हो। सूर्य राहु की युति एक नक्षत्र पर हो। श्रवण में सूर्य हो। सर्वतोभद्र में शुक्र राहु वेध हो। शनि उदय हो। कृत्तिका में सूर्य हो तो २ दिन तेज फिर ११ दिन मंदा। उत्तरा फाल्गुनी में सूर्य हो। मंगल से गुरु आगे बढ़े। उत्तराषाढ़ में गुरु हो। चित्रा में शुक्र हो। मंगल बुध युति हो। मंगल राहु युति हो, चन्द्रग्रहण हो। रेवती नक्षत्र पर मंगल हो। मृगशिरा नक्षत्र में शुक्र हो। सर्वतोभद्र में शुक्र बुध का वेध हो। शुक्र केतु युति हो। श्लेषा नक्षत्र पर मंगल है। पुनर्वसु में बुध हो। मिथुन में शुक्र हो। मंगल केतु युति हो। हस्त में शुक्र हो। शुक्र बुध युति हो। मंगल मीन के नवमांश में हो। मूल नक्षत्र में बुध हो। सूर्य, केतु, मंगल एक नक्षत्र पर हों तब बहुत मन्दी। उत्तरा फाल्गुनी का चन्द्र हो। चित्रा पर चन्द्र हो। धनु राशि मूल नक्षत्र में चन्द्रमा हो। पूर्व में शुक्र अस्त हो तब ४ दिन मंदा फिर तेज। बुध उदय पश्चिम में हो। मीन में शुक्र हो। उत्तराषाढ़ में गुरु हो। श्लेषा के चौथे चरण में मंगल हो। कन्या में बुध हो। विशाखा में शुक्र हो। सूर्य तुला राशि पर हो। मकर राशि पर गुरु हो। ज्येष्ठा पर बुध वक्री हो। मूल नक्षत्र पर बुध हो। मकर में शुक्र हो। शनि अस्त हो। आर्द्रा पर शुक्र हो। कृत्तिका पर शुक्र हो। पू० भा० उ० भा० पर शुक्र हो। विशाखा पर शनि हो। कोई भी ग्रह अनुराधा पर हो। कोई ग्रह श्लेषा पर हो, तो मंदी होती है। मूल नक्षत्र पर गुरु हो। मूल नक्षत्र का मंगल हो। अभिजित् पर शनि या मंगल हो। श्रवण का गुरु हो। श्रवण का शनि हो। मघा पू. फा. उ. फा. हस्त का गुरु हो, तो प्रथम झटका १५ दिन मन्दी का होगा। सर्वतोभद्र चक्र में गुरु चन्द्र वेध या युति हो। सर्वतोभद्र में शुक्र चन्द्र वेध हो। गुरु बुध युति हो। गुरु हस्त में हो। शनि चन्द्र युति हो। बुधवारको चन्द्रदर्शन हो। चन्द्र सूर्य युति अमावस्या को हो। धनु संक्रान्ति शुक्रवारी हो। शुक्ल ६ को शुक्रवार हो। शक्र अष्टमी को चन्द्रवार गुरुवार हो। शक्रवारी अष्टमी हो दोनों पक्ष की शुक्ल १३ क्षय। रविवार के दिन अनुराधा हो। रविवार के दिन वैधृति हो। रविवार के दिन व्यतिपात हो। मंगलवार के दिन शतभिष नक्षत्र हो। गुरुवार के दिन मृगशिरा नक्षत्र हो। सोमवार को पू० षा० हो। धनु, मीन राशि के चन्द्र में अमावस्या हो। शुक्ल पक्ष में ३ शनिवार हो, अमावस का क्षय हो। वदी १४ से मान के अमावस का मान कम हो। अमावस दो हो। शुक्ल पक्ष १५ दिन का हो। कृष्ण पक्ष में षष्ठी तिथि का मान उस दिन के नक्षत्र के मान से अल्प हो। शुक्ल पक्ष में दशमी से पूर्णिमा तक तिथि क्षय हो या दशमी के मान से क्रमशः पूर्णिमा तक मान घटता जाय। चन्द्रोदय पीले रंग का हो या चन्द्रोदय के समय बादल-वृष्टि हो। सूर्य की संक्रान्ति के समय मुहूर्ती ४५ की हो। शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को सर्वदिक् बादल रहे। चन्द्रोदय के समय चन्द्रमा स्थूल दिखायी दे। शुक्ल पक्ष की दशमी को चन्द्रवार हो। शुक्ल पक्ष की ११ को व्यतिपात योग हो। शुक्ल पक्ष की ११ को वैधृति योग हो। ज्येष्ठ शुक्ल को शनिवार हो। आषाढ़ शुक्ल ११ को शुक्रवार हो। शुक्लपक्ष की १३ को रवि या मंगलवार हो।

सन्तान-विचार

पंचमस्थ ग्रहों का फल :—

रवि—वृष, वृश्चिक और कुम्भ राशि का रवि पंचम स्थान में हो तो प्रथम पुत्र का नाश करता है। पञ्चमस्थ चार राशि (मेष, कर्क, तुला, मकर) का रवि संतान नाशकारक नहीं होता। द्विस्वभाव (मिथुन, कन्या, धन, मीन,) राशि का रवि पंचम भाव में हो तो पुत्र का नाश करता है। पंचमस्थ रवि प्रथम पुत्र का नाश, पित्त रोग, ज्वर, अग्निमान्द्य, क्षय, अतिसार द्वारा करता है। कभी-कभी गर्भपात से भी संतति की हानि होती है।

चन्द्रमा—पंचम में हो तो कन्या सन्तान होती है, पुत्र की सम्भावना कम होती है। क्षीण-चन्द्रमा पाप-ग्रह से युक्त हो तो चंचल स्वभाव का पुत्र देता है।

मंगल—अपनी शत्रु राशि (३।६।११) का तथा शत्रु ग्रह (बुध शनि) से या पाप ग्रह से युत दृष्ट हो अथवा अपनी नीच राशि का मंगल पंचम में हो तो पुत्र शोक से दुखी करता है। पंचम में मंगल होने से पुत्र हो कर मरते जाते हैं। परन्तु गुरु से या शुक्र से वह दृष्ट हो तो प्रथम के पुत्र का नाश करता है। और पीछे के पुत्र जीवित रहते हैं।

बुध—पंचम में हो तो संतति उत्पन्न होता है। यह यदि नीच या शत्रु राशि का हो अथवा अस्तंगत हो तो जो संतान उत्पन्न होगी वह दुर्बल या नष्ट होगी। पंचम में बुध कन्याप्रद होता है। पञ्चम में कर्क राशिका बुध टी. बी. रोग करता है।

गुरु—पंचम में हो, तो समृद्धिमान बहु-पुत्र युत, दाता, भोक्ता, गुणी, धनी और मानी तथा बुद्धिमान होता है। परन्तु कुम्भ का गुरु हो तो सन्तान नहीं होगी। कर्क राशि का गुरु पंचम मे हो तो ३ कन्यायें होती हैं। पंचम में गुरु निरर्थक होता है।

शुक्र—पंचम में हो तो पुत्र-सुख-युत, बहु धनवान्, प्र[illegible]मन, सुखी, पंडित, कला कुशल अथवा मजिस्ट्रेट मनुष्य होता[illegible] पंचमस्थ शुक्र पुत्र व कन्या दोनों सन्तान देता है।

शनि—पंचम में नीच या अपनी शत्रु राशि में हो त[illegible] संतान का नाश करता है अथवा अपुत्र होता है। अ[illegible] के घर का तथा अपनी उच्च राशि (७) में हो तो किसी [illegible] तीक्ष्ण स्वभाव वाले एक पुत्र का सुख करेगा। पंचम [illegible] पीछे की एक संतति का नाश करता है। परन्तु नीच का [illegible] तो कभी सात कन्या देता हुआ भी देखा गया है। कुम्भ का शनि पञ्चम में हो तो ५ पुत्र होता है। मकर का शनि पञ्चम में दो कन्या देता है।

राहु—पंचम में मेष, वृष, सिंह, कर्क राशि का हो तो शीघ्र पुत्र सुख करता है और अन्य राशि में हो तो पुत्र हीन करता है। पञ्चम में राहु पहले और पीछे के पुत्रों का नाश करता है। वास्तव में राहु गर्भपात करता है।

केतु—पंचम में हो तो प्रजा-हानि, विद्या-ज्ञान रहित, भय और त्रास भोगनेवाला, सदा दुखी और, विदेश जाने में प्रीति रखनेवाला होता है और वृद्धावस्था में पुत्र सुख पाता है। गर्भपात भी होता है। बुद्धि संशय में रहती है।

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	ब्रं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२९	५२	१	बु.	८	०	उ.	६	२८	ब्र.	५६	३९	बव	८	०	बा.	३७	५५	लुम्ब	१९	२९	५				६	२	५	५८	११	४	४२	२	५९	४०
२९	५६	२	बृ.	७	५०	रे.	७	५२	ऐ.	५४	३४	कौ.	७	५०	तै.	३८	२३	मित्र	२०	१	६	म.	७	५२	६	१	५	५९	११	५	४१	४२	५९	३७
२९	५९	३	शु.	८	५७	अ.	१०	३४	वै.	५३	३२	ग.	८	५७	व.	४०	१०	वज्र	२१	२	७				६	०	६	०	११	६	४१	१९	५९	३४
३०	३	४	श.	११	२१	भ.	१४	२८	वि.	५३	१९	वि.	११	२१	बव	४३	९	ध्वांक्ष	२२	३	८	वृ.	३०	४३	६	०	६	०	११	७	४०	५३	५९	३१
३०	७	५	र.	१४	५६	कृ.	१९	२८	प्री.	५३	५७	बा.	१४	५६	कौ.	४७	८	धूम्र	२३	४	९				५	५९	६	१	११	८	४०	२४	५९	२८
३०	११	६	चं.	१९	२१	रो.	२५	२१	आ.	५५	३	तै.	१९	२१	ग.	५१	५४	वर्धमा.	२४	५	१०	मि.	५८	३३	५	५८	६	२	११	९	३९	५२	५९	२५
३०	१४	७	म.	२४	२८	मृ.	३१	४६	सौ.	५६	३२	व.	२४	२८	वि.	५७	८	रक्ष	२५	६	११				५	५७	६	३	११	१०	३९	१७	५९	२२
३०	१८	८	बु.	२९	४८	आ.	३८	१९	शो.	५८	१	बव	२९	४८	बा.	६०	०	मुसल	२६	७	१२				५	५६	६	४	११	११	३८	३९	५९	२१
३०	२२	९	बृ.	३४	५४	पुन	४४	४०	अ.	५९	११	बा.	२	२१	का.	३४	५४	सिद्धि	२७	८	१३	क.	२८	५	५	५६	६	४	११	१२	३८	०	५९	१८
३०	२५	१०	शु.	३९	२२	पु	५०	२२	सु.	५९	२९	तै.	७	८	ग.	३९	२२	उत्पात	२८	९	१४				५	५५	६	५	११	१३	३७	१८	५९	१५
३०	२९	११	श.	४२	५६	श्ले	५५	७	धृ.	५९	३८	व.	११	९	वि.	४२	५६	मानस	२९	१०	१५	सिं.	५५	७	५	५४	६	६	११	१४	३६	३३	५९	१२
३०	३३	१२	र.	४५	२१	म.	५८	४६	शू.	५८	३८	बव	१४	८	बा.	४५	२१	मुद्गर	३०	११	१६				५	५३	६	७	११	१५	३५	४५	५९	११
३०	३६	१३	चं.	४६	३२	पू.	६०	०	गं.	५६	३५	कौ.	१५	५६	तै.	४६	३२	ध्वज	३१	१२	१७				५	५३	६	७	११	१६	३४	५६	५९	१०
३०	४०	१४	मं.	४६	२४	पू.	१	१२	वृ.	५३	३०	ग.	१६	२८	व.	४६	२४	धूम्र	१	१३	१८	कं.	१६	२८	५	५२	६	८	११	१७	३४	६	५९	८
[illegible]	४४	१५	बु.	४४	५८	उ.	२	१७	ध्रु.	४९	२८	वि.	१५	४१	बव	४४	५८	वर्द्ध.	२	१४	१९				५	५१	६	९	११	१८	३३	१४	५९	६

श्री शुभ संवत् २०२६ शके १८९१ चैत्र शुक्ल पक्षः मार्च १९ से अप्रैल २ तक सन् १९६९ ई. सौम्यायन याम्यगोलः । वसन्तऋतुः

चन्द्रदर्शनम् । पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. । पू. भा. मे. बुधः ५९।२५ ।
पञ्चक निवृत्ति ७।५२ । पश्चिमोत्तरी यात्रा मु. ७।५८ या. ततः a
भ. ४०।१० उ. । पूर्वोत्तरौ यात्रा मु. । स. सि. योगः १०।३४ f ७
भ. ११।२१ या. । रा. शक १८९१ चैत्र । पञ्चमी भरणी b
a पूर्वोत्तरौ यात्रा मु. । स. सि. योगः । ज्येष्ठायां योगः †
स. सि. योगः । f या. । गणेश ४ व्रतम् ।
भ. २४।२८ उ. ५७।८ या. । b योगे या. मु. ।
प्रतीच्यां यात्रा मु. । महाष्टमी । अन्नपूर्णा ८ । मीने बुधः १४।३८
पुष्पे अ. सि. योगः स. सि. योगः । पश्चिमोत्तरी या. मु. । e
e रामनवमी व्रतम् ।
भ. ११।९ उ. ४२।५६ या. । कामदा ११ व्रतं सर्वेसाम् । *
रेवत्यामर्कः ५५।४३ । * उ. भा. मे बुधः २१।२५ ।
प्रदोष व्रतम् । † ५८।३५ । जिलहिज ।
भ. ४६।२४ । उ. । अप्रैल ।
भ. १५।४१ या. । व्रताय १५ । वैशाख स्नानारम्भः ।

चै. शु. १ बुधे इ. ०।०

[illegible]	म.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा	के.
[illegible]	७	१०	५	०	०	११	५
[illegible]	१५	१८	७	३	०	६	६
[illegible]	१८	६	२४	५४	६	४१	४१
१२	२२	११	२५	१९	७	४७	४७
५९	२३	१०७	४ २३	५	५	३	३
३९	५९	५७	व.	२३	५८	११	११

श.१शु. बु.११
२ रा.सू.१२ च. १०
३ ९
४ ६के.बृ. ८ मं.
५ ७

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.	२ बृ.	३ शु.	४ श.	५ र.	६ चं.	७ मं.	८ बु.	९ बृ.	१० शु.	११ श.	१२ र.	१३ चं.	१४ मं.	१५ बु.
मी. अं.	७ २३	७ १९	७ १५	७ ११	७ ७	७ ३	६ ५९	६ ५५	६ ५१	६ ४७	६ ४४	६ ४०	६ ३६	६ ३२	६ २८
मे. अं.	९ १	८ ५७	८ ५३	८ ४९	८ ४५	८ ४१	८ ३७	८ ३३	८ २९	८ २५	८ २२	८ १८	८ १४	८ १०	८ ६
वृ. अं.	१० ५७	१० ५३	१० ४९	१० ४५	१० ४१	१० ३७	१० ३३	१० २९	१० २५	१० २१	१० १८	१० १४	१० १०	१० ६	१० २
मि. अं.	१ ११	१ ७	१ ४	१२ ५९	१२ ५५	१२ ५१	१२ ४७	१२ ४३	१२ ३९	१२ ३५	१२ ३२	१२ २८	१२ २४	१२ २०	१२ १६
क. अं.	३ २९	३ २५	३ २१	३ १७	३ १३	३ ९	३ ५	३ १	२ ५७	२ ५३	२ ५०	२ ४६	२ ४२	२ ३८	२ ३४
सिं. अं.	५ ४४	५ ४०	५ ३६	५ ३२	५ २८	५ २४	५ २०	५ १६	५ १२	५ ८	५ ५	५ १	४ ५७	४ ५३	४ ४९
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
कं. अं.	७ ५७	७ ५३	७ ४९	७ ४५	७ ४१	७ ३७	७ ३३	७ २९	७ २५	७ २१	७ १८	७ १४	७ १०	७ ६	७ २
तु. अं.	१० १४	१० १०	१० ६	१० २	९ ५८	९ ५४	९ ५०	९ ४६	९ ४२	९ ३८	९ ३५	९ ३१	९ २७	९ २३	९ १९
वृ. अं.	१२ ३२	१२ २८	१२ २४	१२ २०	१२ १६	१२ १२	१२ ८	१२ ४	१२ ०	११ ५६	११ ५३	११ ४९	११ ४५	११ ४१	११ ३७
ध. अं.	२ ३८	२ ३४	२ ३०	२ २६	२ २२	२ १८	२ १४	२ १०	२ ६	२ २	१ ५९	१ ५५	१ ५१	१ ४७	१ ४३
म. अं.	४ २४	४ २०	४ १६	४ १२	४ ८	४ ४	४ ०	३ ५६	३ ५२	३ ४८	३ ४५	३ ४१	३ ३७	३ ३३	३ २९
कुं. अं.	५ ५५	५ ५१	५ ४७	५ ४३	५ ३९	५ ३५	५ ३१	५ २७	५ २३	५ १९	५ १६	५ १२	५ ८	५ ४	५ ०

चै. शु. ११ शनौ इ. ०।०

सू.	म.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	७	११	५	०	०	११	५
१४	१९	६	६	४	१	६	६
३६	१२	५	४४	४४	२	३२	३२
१३	५	४८	१३	१३	५	१३	१३
५९	२३	१०५	४ ५६	५	५	३	३
१२	५९	४४	व.	२३	५८	११	११

श.१शु. ११
२ १२सू.रा बु. १०
३ ९
चं.४ के.६बृ. मं.८
५ ७

८

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	वं.	चं. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३०	४७	१	बु.	४२	२०	हं.	२	१३	व्या	४०	३२	बा.	१३	३९	कौ.	४२	२०	रक्ष	३	१५	२०	तु.	३१	३६	५	५१	६	९	११	१९	३२	२०	५९	३
३०	५१	२	गु.	३८	४५	चि.	१/५७	०/५५	ह.	३८	४७	तै.	१०	३०	ग.	३८	४५	मुसल	४	१६	२१				५	५०	६	१०	११	२०	३१	२३	५९	०
३०	५५	३	श.	३४	१६	वि.	५६	०	व.	३२	२१	व.	६	३०	वि.	३४	१६	शुभ	५	१७	२२	वृ.	४१	४४	५	४९	६	११	११	२१	३०	२३	५८	५९
३०	५८	४	र.	२९	८	अनु.	५२	३०	सि.	२५	२२	बव	१	४२	बा.	२/५६	८/५०	मृत्यु	६	१८	२३				५	४८	६	१२	११	२२	२९	२२	५८	५८
३१	२	५	च.	२३	३२	ज्ये.	४८	३४	व्य.	१८	२	तै.	२३	३२	ग.	५०	३२	पद्म	७	१९	२४	ध.	४८	३४	५	४८	६	१२	११	२३	२८	२०	५८	५७
३१	६	६	मं.	१७	३३	मू.	४४	२६	व.	१०	२२	व.	१७	३३	वि.	४४	२८	छत्र	८	२०	२५				५	४७	६	१३	११	२४	२७	१७	५८	५६
३१	९	७	बु.	११	२४	पू.	४०	१९	प.	२/५६	३५/५६	बव	११	२४	बा.	३८	२८	श्रीवत्स	९	२१	२६	म.	५४	२०	५	४६	६	४	११	२५	२६	१३	५८	५४
३१	१३	८	बृ.	४/५४	३२/५६	उ.	३६	२३	सि.	४७	२७	कौ.	५	३२	तै.	३२/५९	४३/५५	सौम्य	१०	२२	२७				५	४५	६	१५	११	२६	२५	७	५८	५१
३१	१६	१०	शु.	५४	४४	श्र.	३२	५४	सा.	४०	२१	व.	२७	१९	वि.	५४	४४	धूम्र	११	२३	२८				५	४५	६	१५	११	२७	२३	५८	५८	४९
३१	२०	११	श.	५०	१७	ध.	२९	५८	शु.	३३	४८	बव	२२	३०	बा.	५०	१७	वर्ध.	१२	२४	२९	कुं.	१	२६	५	४४	६	१६	११	२८	२२	४७	५८	४७
३१	२४	१२	र.	४६	३८	श.	२८	०	शु.	२७	५३	कौ.	१८	२७	तै.	४६	३८	रक्ष	१३	२५	३०				५	४३	६	१७	११	२९	२१	३४	५८	४५
३१	२७	१३	चं.	४३	५९	पू.	२६	४६	ब्र.	२२	५५	ग.	१५	१८	व.	४३	५९	मुसल	१४	२६	१	मी.	१२	५	५	४३	६	१७	०	०	२०	१९	५८	४४
३१	३१	१४	मं	४२	३१	उ.	२६	४२	ऐं.	१८	३९	वि.	१३	१५	श.	४२	३१	सिद्धि	१५	२७	२				५	४२	६	१८	०	१	१९	३	५८	४३
३१	३४	३०	बु.	४२	१९	रे.	२७	४८	वै.	१५	२४	च.	१२	२५	ना.	४२	१९	उत्पात	१६	२८	३	मे.	२७	४८	५	४१	६	१९	०	२	१७	४६	५८	४२

श्री संवत् २०२६ शके १८९१ वैशाख कृष्णपक्षः। अप्रैल ३ से १६ तक। सौम्यायनम् याम्यगोलः। वसन्तऋतुः।

हस्त भे प्राच्यां यात्रा मु.।

रेवत्यां बुधः ५८।३९।

म. ६।३० उ. ३४।१६ या.। अनु. भे. पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.।

पञ्चमी योगे या. ज. मु.।

a श्रवसि दक्षिण पूर्वौ यात्रा मु.।

म. १७।३३ उ. ४४।२८ या.। e बुधः ९।१०।

शीतलाष्टमी। b प्रतीच्यां यात्रा मु.। अश्विन्यां मेषे e

वक्रगत्या उ. भा. भे. शुक्रः ५८।२९।

म. २७।१९ उ.५४।४४ या.। स. सि. योगः ३२।५४ या.।a

वरूथिनी ११ व्रतम् प्रायः सर्वेषाम्। पञ्चक प्रवृत्तिः १।२६। b

अश्वेमेषे चार्कः २९।१५ शुक्रोदयः प्राच्याम् ५६।७।

म. ४३।५९ उ.। प्रदोष व्रतम्। मासशिवरात्रि व्रतम्। c

म. १३।१५ या.। स. सि. योगः। २६।४२ या.।

स्नान दानादौ ३०। पञ्चक निवृत्तिः २७।४८।

c सौर वैशाखारम्भः।

वै. कृ. ६ भौमे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	७	११	५	११	०	११	५
२०	२०	२४	४	२६	२	५	५
२८	५४	४८	४८	१८	३६	२३	२३
३७	२२	३७	१३	३५	२१	४६	४६
५७	१२	६१	२/५६	२४/६६	२	३	३
५९	३१	१५	व.	व.	४१	११	११

१श. ११
शु.
२ बु.सू.रा. १२ १०
३ चं.९
४ ६के.बृ. ८मं.
५ ७

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.	२ गु.	३ श.	४ र.	५ चं.	६ मं.	७ बु.	८ बृ.	१० शु.	११ श.	१२ र.
मी. अं.	६ २४	६ २०	६ १६	६ १२	६ ८	६ ४	६ ०	५ ५६	५ ५३	५ ४९	५ ४५
मे. अं.	८ २	७ ५८	७ ५४	७ ५०	७ ४६	७ ४२	७ ३८	७ ३४	७ ३१	७ २७	७ २३
वृ. अं.	९ ५८	९ ५४	९ ५०	९ ४६	९ ४२	९ ३८	९ ३४	९ ३०	९ २७	९ २३	९ १९
मि. अं.	१२ १२	१२ ८	१२ ४	१२ ०	११ ५६	११ ५२	११ ४८	११ ४४	११ ४१	११ ३७	११ ३३
क. अं.	२ ३०	२ २६	२ २२	२ १८	२ १४	२ १०	२ ६	२ २	१ ५९	१ ५५	१ ५१
सि. अं.	४ ४५	४ ४१	४ ३७	४ ३३	४ २९	४ २५	४ २१	४ १७	४ १४	४ १०	४ ६
रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
कं. अं.	६ ५८	६ ५४	६ ५०	६ ४६	६ ४२	६ ३८	६ ३४	६ ३०	६ २७	६ २३	६ १९
तु. अं.	९ १५	९ ११	९ ७	९ ३	८ ५९	८ ५५	८ ५१	८ ४७	८ ४४	८ ४०	८ ३६
वृ. अं.	११ ३३	११ २९	११ २५	११ २१	११ १७	११ १३	११ ९	११ ५	११ २	१० ५८	१० ५४
ध. अं.	१ ३९	१ ३५	१ ३१	१ २७	१ २३	१ १९	१ १५	१ ११	१ ८	१ ४	१ ७
म. अं.	३ २५	३ २१	३ १७	३ १३	३ ९	३ ५	३ १	२ ५७	२ ५४	२ ५०	२ ४६
कुं. अं.	४ ५६	४ ५२	४ ४८	४ ४४	४ ४०	४ ३६	४ ३२	४ २८	४ २५	४ २१	४ १७

तिथयः	१३ चं.	१४ मं.	३० बु.
मे. अं.	७ १९	७ १५	७ ११
वृ. अं.	९ १५	९ ११	९ ७
मि. अं.	११ २९	११ २५	११ २१
क. अं.	१ ४७	१ ४३	१ ३९
सि. अं.	४ २	३ ५८	३ ५४
कं. अं.	६ १५	६ ११	६ ७
रा०	रा०	रा०	रा०
तु. अं.	८ ३२	८ २८	८ २४
वृ. अं.	१० ५०	१० ४६	१० ४२
ध. अं.	१२ ५६	१२ ५२	१२ ४८
म. अं.	२ ४२	२ ३८	२ ३४
कु. अं.	४ १३	४ ९	४ ५
मी. अं.	५ ४१	५ ३७	५ ३३

वैशाख कृष्ण १२ रवौ इ ०।[illegible]

सू.	म.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	७	०	५	११	०	१[illegible]	[illegible]
०	२२	४	४	२२	३	५	[illegible]
१६	०	४८	१२	६	४	८	[illegible]
६	३५	२२	२१	२७	९	२०	२०
५८	१२	६०	३/५.	२४/५६	२	३	३
४५	२५	११	व.	व.	३८	११	११

२ रा.शु. १२
३ सू.श.१बु. ११ चं.
४ १०
५ ७ ९
बृ.६के. ८मं.

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३१	३८	१	बृ.	४३	२४	अ.	३०	१४	वि.	१३	८	कि.	१२	५१	बव	४३	२४	मानस	१७	२९	४				५	४०	६	२०	०	३	१६	२८	५८	४०
३१	४१	२	शु.	४५	४४	भ.	३३	५५	प्री.	११	५७	वा.	१४	३४	कौ.	४५	४४	मुद्गर	१८	१	५	वृ.	५०	७	५	४०	६	२०	०	४	१५	८	५८	३७
३१	४४	३	श.	४९	१४	कृ.	३८	४२	आ.	११	३७	तै.	१७	२९	ग.	४९	१४	ध्वज	१९	२	६				५	३९	६	२१	०	५	१३	४५	५८	३५
३१	४८	४	र.	५३	३७	रो.	४४	२२	सौ.	११	६	व.	२१	२५	वि.	५३	३७	धाता	२०	३	७				५	३८	६	२२	०	६	१२	२०	५८	३२
३१	५१	५	च.	५८	३८	मृ.	५०	४०	शो.	१३	१६	बव	२६	७	वा.	५८	३८	आनंद	२१	४	८	मि.	१७	३१	५	३८	६	२२	०	७	१०	५२	५८	२९
३१	५५	६	मं.	६०	०	आ.	५७	१९	अ.	१४	४४	कौ	३१	१५	तै.	६०	०	चर	२२	५	९				५	३७	६	२३	०	८	९	२१	५८	२७
३१	५८	६	बु.	३	५३	पु.	६०	०	सु.	१६	१९	तै.	३	५३	ग.	३६	२२	गद	२३	६	१०	क.	४७	८	५	३६	६	२४	०	९	७	४८	५८	२६
३२	१	७	बृ.	८	५२	पु.	३	४४	धृ.	१७	४१	व.	८	५२	वि.	४१	४	सिद्धि	२४	७	११				५	३६	६	२४	०	१०	६	१४	५८	२५
३२	५	८	शु.	१३	१७	पु.	९	३०	शू.	१८	३४	बव	१३	१७	वा.	४५	०	उत्पात	२५	८	१२				५	३५	६	२५	०	११	४	३९	५८	२२
३२	८	९	श.	१६	४३	श्ले.	१४	२९	गं.	१८	४०	कौ	१६	४३	तै.	४७	५४	मानस	२६	९	१३	सि.	१४	२९	५	३५	६	२५	०	१२	३	१	५८	१९
३२	११	१०	र.	१९	५	म.	१८	२३	वृ.	१७	५४	ग.	१९	५	व.	४९	३५	मुदगर	२७	१०	१४				५	३४	६	२६	०	१३	१	२०	५८	१६
३२	१४	११	च.	२०	६	पू.	२१	५	ध्रु.	१६	१९	वि.	२०	६	बव	४९	५८	ध्वज	२८	११	१५	कं.	३६	२६	५	३३	६	२७	०	१३	५९	३६	५८	१४
३२	१८	१२	मं.	१९	५०	उ.	२२	३१	व्या	१३	२९	वा.	१९	५०	कौ.	४९	५	धाता	२९	१२	१६				५	३२	६	२८	०	१४	५७	५०	५८	१४
३२	२१	१३	बु.	१८	२०	ह.	२२	४३	ह.	९	४३	तै.	१८	२०	ग.	४६	५८	आनंद	३०	१३	१७	तु.	५२	१४	५	३२	६	२८	०	१५	५६	४	५८	१२
३२	२४	१४	बृ.	१५	३७	चि.	२१	४५	व.	५४	३६	व.	१५	३७	वि.	४३	२७	चर	१	१४	१८				५	३१	६	२९	०	१६	५४	१६	५८	१२
३२	२७	१५	श.	११	५७	स्वा	१९	५४	व्य.	५३	२०	बव	११	५७	वा.	३९	४०	गद	२	१५	१९				५	३१	६	२९	०	१७	५२	२८	५८	१०

श्री संवत् २०२६ शके १८९१ वैशाख शुक्लपक्षः । अप्रैल १७ से मई २ तक । सौम्यायनगोलौ । वसन्तऋतुः ।

चन्द्रदर्शनम् । भरण्यां बुधः १६।४८ ।
मुहर्रम १३८९ ।
अक्षय ३ । स. सि. योगः ३८।४२ उ. । रोहिणी तृतीया योगे*
भ. २१।२५ उ. ५३।३७ या. । *या. ज. मु. ।
रा. वैशाख । स. सि. योगः । ५०।४० या. ।
दारुण कर्म मु. । b ३।४४ या. ।
a पश्चिमोत्तरी यात्रा मु. भद्राप्राक् पश्चाद्वा । या.ज.मु. b
भ. ८।५२ उ. ४१।४ या.। स. सि. अ. सि. योगः ३।४४ उ.। a
कृत्तिकायां बुधः ३।२० ।
या. ज. मु. १४।२९ या. ।
भ. ४९।३५ उ. । भरण्याऽमर्कः १०।४९ ।
भ. २०।६ या. । मोहिनी ११ व्रत सर्वेषाम् । वृषे बुधः ९।४१ ।
प्रदोष व्रतम् ।
स. सि. योग २२।४३ या. ।
भ. १५।३७ उ. ४३।२७ या. । मई । नृसिंह जयन्ती ।
स्नानदानादौ १५ । कूर्म जयन्ती । बुद्ध जयन्ती ।

वै. शु. ६ बुधे इ. ०।०

सू	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
[illegible]	७	०	५	११	०	११	५
१०	२३	२२	३	१८	४	४	४
१	६	१८	१२	१४	४२	३६	३६
१९	१	२४	२५	१२	१३	५५	५५
५८	६	१०८	५ ५	२४ ३३	९	३	३
२२	५	२७	व	व.	५	११	११

२ | १२ शु. रा.
३ चं. | सू. १ श. बु. | ११
४ | १०
५ | ७ | ९
बृ. ६ के. | मं. ८

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बृ.		२ शु.		३ श.		४ र.		५ चं.		६ म.		६ बु.		७ बृ.		८ शु		९ श.		१० र.		११ चं.		१२ म		१३ बु.		१४ बृ.		१५ शु.	
मे. अं.	७	७	७	३	६	५९	६	५५	६	५१	६	४७	६	४३	६	३९	६	३५	६	३२	६	२८	६	२३	६	१९	६	१५	६	११	६	८
वृ. अं.	९	३	८	५९	८	५५	८	५१	८	४७	८	४३	८	३९	८	३५	८	३१	८	२८	८	२४	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	४
मि. अं.	११	१७	११	१३	११	९	११	५	११	१	१०	५७	१०	५३	१०	४९	१०	४५	१०	४२	१०	३८	१०	३३	१०	२९	१०	२५	१०	२१	१०	१८
क. अं.	१	३५	१	३१	१	२७	१	२३	१	१९	१	१५	१	११	१	७	१	३	१	०	१२	५६	१२	५१	१२	४७	१२	४३	१२	३९	१२	३६
सिं. अं.	३	५०	३	४६	३	४२	३	३८	३	३४	३	३०	३	२६	३	२२	३	१८	३	१५	३	११	३	६	३	२	२	५८	२	५४	२	५१
कं. अं.	६	३	५	५९	५	५५	५	५१	५	४७	५	४३	५	३९	५	३५	५	३१	५	२८	५	२४	५	१९	५	१५	५	११	५	७	५	४
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
तु. अं.	८	२०	८	१६	८	१२	८	८	८	४	८	०	७	५६	७	५२	७	४८	७	४५	७	४१	७	३६	७	३२	७	२८	७	२४	७	२१
वृ. अं.	१०	३८	१०	३४	१०	३०	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१४	१०	१०	१०	६	१०	३	९	५९	९	५४	९	५०	९	४६	९	४२	९	३९
ध. अं.	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	९	१२	५	१२	०	११	५६	११	५२	११	४८	११	४५
म. अं.	२	३०	२	२६	२	२२	२	१८	२	१४	२	१०	२	६	२	२	१	५८	१	५५	१	५१	१	४६	१	४२	१	३८	१	३४	१	३१
कुं. अं.	४	१	३	५७	३	५३	३	४९	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३	३	२[illegible]	१	२७	[illegible]	२	३	१७	३	१३	३	९	३	५	३	२
																	३	०	२	५५	२	५[illegible]		४६								
मी. अं.	५	२९	५	२५	५	२१	५	१७	५	१३	५	९	५	५	५										४	४१	४	३७	४	३३	४	३०
													४	४५	४	४१	४	३८	४	३३	४	२९	४	[illegible]								

वै. शु. १३ बुधे. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	७	१	५	११	०	११	५
१५	२३	३	२	२६	५	४	४
५६	१४	६	३३	१२	३९	१४	१४
४	११	१२	४४	२१	१२	४३	४३
५८	१	९१	३ ५	११	७	३	३
१८	९	३४	व.	१५	४८	११	११

२ बु. | शु. १२ रा.
३ | सू. १ श. | ११
४ | १०
५ | ७ | ९
बृ. ६ के. चं. | मं. ८

१०

दि.मा घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योग:	अं.	फा.	बं.	चं. रा.	प्र. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३२	३०	१	श.	७	२४	वि.	१७	१	व.	४६	३२	कौ.	७	२४	तै.	३४	४८	शुभ	३	१६	२०	वृ.	२	५०	५	३०	६	३०	०	१८	५०	३८	५८	७
३२	३३	२	र.	२/५४	२/६६	अनु	१३	४३	प.	३९	१५	ग.	२	१२	व.	२०/५६	२०/३८	मत्यु	४	१७	२१				५	२९	६	३१	०	१९	४८	४५	५८	५
३२	३६	४	च.	५०	२७	ज्ये.	९	५३	शि.	३१	४४	वव	२३	२८	वा.	५०	२७	पद्म	५	१८	२२	व.	९	५३	५	२९	६	३१	०	२०	४६	५०	५८	३
३२	३९	५	म.	४४	१९	मू.	५	५०	सि.	२४	०	कौ.	१७	२३	तै.	४४	१९	छत्र	६	१९	२३				५	२८	६	३२	०	२१	४४	५३	५८	२
३२	४२	६	बु.	३८	११	पू.	१/५५	३/६६	सा.	१६	२०	ग.	११	१९	व.	३८	१९	श्रीवत्स	७	२०	२४	म.	१५	३९	५	२८	६	३२	०	२२	४२	५५	५८	१
३२	४५	७	बृ.	३२	३५	श्र.	५४	१	शु.	८	५१	वि.	५	२७	बव	३२/५९	३७/५८	ध्वज	८	२१	२५				५	२७	६	३३	०	२३	४०	५६	५८	१
३२	४८	८	शु.	२७	२१	ध.	५०	५६	शु.	४३	३६	कौ	२७	२१	तै.	५५	४	धाता	९	२२	२६	कुं.	२२	२८	५	२६	६	३४	०	२४	३८	५७	५७	५९
३२	५१	९	श.	२२	४८	श.	४८	४२	ऐं.	४८	८	ग.	२२	४८	व.	५०	५८	आनंद	१०	२३	२७				५	२६	६	३४	०	२५	३६	५६	५७	५७
३२	५३	१०	र.	१९	८	पूभा	४७	१५	वै.	४२	५५	वि	१९	८	बव	४७	४४	चर	११	२४	२८	मा.	३२	३७	५	२५	६	३५	०	२६	३४	५३	५७	५६
३२	५६	११	चं.	१६	२१	उभा	४६	५४	वि.	३८	३२	वा.	१६	२१	कौ.	४५	३४	गद	१२	२५	२९				५	२५	६	३५	०	२७	३२	४९	५७	५५
३२	५९	१२	मं.	१४	४८	रे.	४७	४९	प्री.	३५	७	तै.	१४	४८	ग.	४४	३८	शुभ	१३	२६	३०	मे.	४७	४१	५	२४	६	३६	०	२८	३०	४४	५७	५३
३३	१	१३	बु.	१४	२९	अ.	४९	५६	आ.	३२	४४	व.	१४	२९	वि.	४४	५७	मृत्यु	१४	२७	३१				५	२४	६	३६	०	२९	२८	३७	५७	५२
३३	४	१४	बृ.	१५	२६	भ.	५३	२१	सौ.	३१	२२	श.	१५	२६	च.	४६	३४	पद्म	१५	२८	१				५	२३	६	३७	१	०	२६	२९	५७	५०
३३	७	३०	शु.	१७	४३	कृ.	५७	५२	शो.	३०	५०	ना.	१७	४३	किं.	४९	२४	छत्र	१६	२९	२	वृ.	९	२९	५	२३	६	३७	१	१	२४	११	५७	५०

श्री संवत् २०२६ शके १८९१ ज्येष्ठ कृष्णपक्षः । मइ ३ स १६ तक । सौम्यायनगोली । ग्रीष्मऋतुः ।

अनु. मे पश्चिमोत्तरी यात्रा मु. ।

म. २९।२० । उ. ५६।२८ या. । वक्री भौमः ४।३७ ।

गणेश ४ व्रतम् । मार्गी शुक्रः ४४।३ । रोहिण्यां बुधः २८।३९ ।

म. ३८।१९ उ. ।

म. ५।२७ या. । श्रवसि प्राच्यां यात्रा मु. ।

पञ्चक प्रवृत्तिः २२।२८

म. ५०।५८ उ. । कृत्तिकायामर्कः ५९।१५ ।

म. १९।८ या. । उ. भा. मे स. सि. योगः ।

अपरा ११ व्रतं सर्वेषाम् । रेवत्यां पश्चिमोत्तरी यात्रा मु. ।

प्रदोष व्रतम् । पञ्चक निवृत्तिः ४७।४९ ।

म. १४।२९ उ.४४।५७ या. । वृषेऽर्कः २६।१६ । मासशिव- d

सौर ज्येष्ठारम्भः । d रात्रि व्रतम् । वक्री बुधः ३।२७ ।

वटसावित्री व्रतम् । स्नान दानादौ ३० ।

ज्येष्ठ कृष्ण २ रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	७	१	५	११	०	११	५
१९	२३	७	२	१६	६	४	४
४२	१८	३६	१८	४८	७	५	५
४८	२५	४५	१७	२४	९	१०	१०
५८	१	१०	४०	११	७	३	३
४	२	३५	व.	५५	४८	११	११

२ बु. | रा.१ शु.
३ | श.१ सू. | ११
४ | १०
५ | ७ | ९
के ६ बृ. | मं.८

दैनिक लग्नतारिणी

तिथयः	१ श.	२ र.	४ च.	५ म.	६ बु.	७ बृ.	८ शु.	९ श.	१० र.	११ च.	१२ मं.	१३ बु.
मे. अं.	६।४	५।५९	५।५६	५।५२	५।४८	५।४४	५।४०	५।३६	५।३१	५।२८	५।२३	५।२०
वृ. अं.	८।०	७।५५	७।५२	७।४८	७।४४	७।४०	७।३६	७।३२	७।२७	७।२४	७।१९	७।१६
मि. अं.	१०।१४	१०।९	१०।६	१०।२	९।५८	९।५४	९।५०	९।४६	९।४१	९।३८	९।३३	९।३०
क. अं.	१२।३२	१२।२७	१२।२४	१२।२०	१२।१६	१२।१२	१२।८	१२।४	११।५९	११।५६	११।५१	११।४८
सि. अं.	२।४७	२।४२	२।३९	२।३५	२।३१	२।२७	२।२३	२।१९	२।१४	२।११	२।६	२।३
कं. अं.	५।०	४।५५	४।५२	४।४८	४।४४	४।४०	४।३६	४।३२	४।२७	४।२४	४।१९	४।१६
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
तु. अं.	७।१७	७।१२	७।९	७।५	७।१	६।५७	६।५३	६।४९	६।४४	६।४१	६।३६	६।३३
वृ. अं.	९।३५	९।३०	९।२७	९।२३	९।१९	९।१५	९।११	९।७	९।२	८।५९	८।५४	८।५१
ध. अं.	११।४१	११।३६	११।३३	११।२९	११।२५	११।२१	११।१७	११।१३	११।८	११।५	११।०	१०।५७
म. अं.	१।२७	१।२२	१।१९	१।१५	[illegible]	१।७	१।३	१२।५९	१२।५४	१२।५१	१२।४६	१२।४३
कुं. अं.	२।५८	२।५३	२।५०	[illegible]	१।२७	१।२३	२।३४	२।३०	२।२५	२।२२	२।१७	२।१४
मी. अं.	४।२६	४।२१	४	३।१७	३।१३	३।९	३।५	[illegible]	३।५३	३।५०	३।४५	३।४२
			४।५२	४।४८	४।४४	४।४०	४।३६	४।३२	४			

तिथयः	१४ बृ.	३० शु.
वृ. अं.	७।१२	७।८
मि. अं.	९।२६	९।२२
क. अं.	११।४४	११।४०
सि. अं.	१।५९	१।५५
कं. अं.	४।१२	४।८
तु. अं.	६।२९	६।२५
राशयः	रा०	रा०
वृ. अं.	८।४७	८।४३
ध. अं.	१०।५३	१०।४९
म. अं.	१२।३९	१२।३५
कुं. अं.	२।१०	२।६
मी. अं.	३।३८	३।३४
मे. अं	५।१६	५।१२

ज्येष्ठ कृष्ण १२ भौमे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	७	१	५	११	०	११	[illegible]
२९	२२	१७	१	२०	७	३	३
२१	१०	४२	४२	१८	१८	३३	३३
१	२४	३०	१३	१३	२५	२६	२६
५७	[illegible]	६०	[illegible]	२८/३६	६	३	३
५८	व.	२५	व.	मा	३५	११	११

२ बु. | १२ रा.शु. चं.
३ | सू.१श | ११
४ | १०
५ | ७ | ९
बृ.६ के. | मं.८

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्टसूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	९	१	श.	२१	५	रो.	६०	०	अ.	३२	१८	बव	२१	५	वा.	५३	१२	श्रीवत्स	१७	३०	३				५	२२	६	३८	१	२	२२	९	५७	४९
३३	१२	२	र.	२५	२०	रो.	३	२६	सु.	३३	२३	का.	२५	२०	तै.	५७	४९	धाता	१८	१	४	मि.	३६	३२	५	२२	६	३८	१	३	१९	५८	५७	४७
३३	१४	३	च.	३०	१८	मृ.	९	३९	धृ.	३४	५३	ग.	३०	१८	व.	६०	०	आनंद	१९	२	५				५	२१	६	३९	१	४	१७	४५	५७	४५
३३	१६	४	म.	३५	२५	आ.	१६	११	शू.	३६	३४	व.	२	५१	वि.	३५	२५	चर	२०	३	६				५	२१	६	३९	१	५	१५	३०	५७	४३
३३	१९	५	बु.	४०	४१	पुन.	२२	४०	गं.	३८	३	बव	८	३	बा.	४०	४१	गद	२१	४	७	क.	६	३	५	२०	६	४०	१	६	१३	१३	५७	४१
३३	२१	६	बृ.	४४	४१	पु.	२८	४१	वृ.	३९	५	कौ.	१२	४१	तै.	४४	४१	शुभ	२२	५	८				५	२०	६	४०	१	७	१०	५४	५७	४१
३३	२३	७	शु.	४८	६	श्ले.	३३	५२	ध्रु.	३९	२६	ग.	१६	२३	व.	४८	६	मृत्यु	२३	६	९	सि.	३३	५२	५	१९	६	४१	१	८	८	३५	५७	४०
३३	२५	८	श.	५०	२२	म.	३७	५८	व्या	३८	५६	वि.	१९	१४	बव	५०	२२	पद्म	२४	७	१०				५	१९	६	४१	१	९	६	१५	५७	३९
३३	२७	९	र.	५१	२७	पू.	४०	५५	ह.	३७	२९	वा.	२०	५४	कौ.	५१	२७	छत्र	२५	८	११	क.	५६	२०	५	१९	६	४१	१	१०	३	५४	५७	३७
३३	२९	१०	चं.	५१	११	उ.	४२	३७	व.	३५	२	तै.	२१	१९	ग.	५१	११	श्रीवत्स	२६	९	१२				५	१८	६	४२	१	११	१	३१	५७	३५
३३	३१	११	म.	४९	३८	ह.	४२	४४	सि.	३१	३३	व.	२०	२४	वि.	४९	३८	सौम्य	२७	१०	१३				५	१८	६	४२	१	११	५९	६	५७	३३
३३	३३	१२	बु.	४६	५३	चि.	४२	२०	व्य.	२७	८	बव	१८	१५	बा.	४६	५३	कालद	२८	११	१४	तु.	१२	३२	५	१७	६	४३	१	१२	५६	३९	५७	३१
३३	३५	१३	बृ.	४३	१०	स्वा	४०	३७	व.	२१	५०	कौ.	१५	१	तै.	४३	१०	स्थिर	२९	१२	१५				५	१७	६	४३	१	१३	५४	१०	५७	३०
३३	३६	१४	शु.	३८	३३	वि.	३८	१	प.	१५	५०	ग.	१०	५१	व.	३८	३३	मातंग	३०	१३	१६	वृ.	२३	४०	५	१७	६	४३	१	१४	५१	४०	५७	२९
३३	३८	१५	श.	३३	१८	अनु.	३४	४६	शि.	९	१४	वि.	५	५५	बव	३३	१८	अमृत	३१	१४	१७				५	१६	६	४४	१	१५	४९	९	५७	२८

श्री संवत् २०२६ शके १८९१ । ज्येष्ठ शुक्लपक्षः । मई १७ से ३१ तक । सौम्यायनगोलौ । ग्रीष्म ऋतुः ।

स. सि. योगः । चन्द्रदर्शनम् ।
सफर ।
दक्षिणपश्चिमौ यात्रा मु. । स. सि. योगः ३।३९ या. ।
म. २।५१ उ. ३५।२५ या. ।
पुन. भे प्रतीच्यां यात्रा मु. ।
रा. ज्येष्ठ । स. सि. अ. सि. योगः । पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. ।
म. ४८।६ उ. । D प्रतीच्योदीच्यौ या. मु.या. ज. मु. अनु. भे ।
म. १९।१४ या. । रोहिण्यामर्कः ५३।५० । A काया बुधः ।
उत्तरा योगे स. सि. योगः । नवमी उत्तरा योगे या. ज. मु. ।
गंगा दशहरा । एकादश्यां या.ज. मु. । वक्रगत्या पुनःकृत्ति-A
म. २०।२४ उ. ४९।३८ या. । निर्जला ११ व्रतम् प्रायः B
Bसर्वेषाम् । हस्तभे दक्षिण पूर्व यात्रा मु. ।
प्रदोष व्रतम् । या. ज. मु. स्वात्याम् । C५९।४५ ।
म. ३८।३३ उ. । स.सि. योगः अनु. । अश्विन्यां मेषे शुक्रःC
म. ५।५५ या. । वटसावित्री व्रतम् । स्नान दानादौ १५ ।D

ज्ये. शु. ७ शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	७	१	५	११	०	११	५
८	२०	१६	१	२६	८	३	३
६	०	२४	३६	०	३०	१	१
१२	४	१५	१७	७	१४	४१	४१
५७ २५	[illegible] व.	११ ४५	०/४८ व.	३६/४६ मा.	७ २२	३ ११	३ ११

३ | १श. | चं.४ | सू २बु. | १२शु | रा | ५ | ११ | के. ६ बृ. | मं.८ | १० | ७ | ९

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.	२ र.	३ चं.	४ मं.	५ बु.	६ बृ.	७ शु.	८ श.	९ र.	१० चं.	११ मं.	१२ बु.	१३ बृ.	१४ शु.	१५ श.
वृ. अं.	७ ४	७ ०	६ ५६	६ ५२	६ ४८	६ ४४	६ ४१	६ ३७	६ ३४	६ २९	६ २५	६ २०	६ १६	६ १३	६ ९
मि. अं.	९ १८	९ १४	९ १०	९ ६	९ २	८ ५८	८ ५५	८ ५१	८ ४८	८ ४३	८ ३९	८ ३४	८ ३१	८ २७	८ २३
क. अं.	११ ३६	११ ३२	११ २८	११ २४	११ २०	११ १६	११ १३	११ ९	११ ६	११ १	१० ५७	१० ५२	१० ४९	१० ४५	१० ४१
सि. अं.	१ ५२	१ ४७	१ ४३	१ ३९	१ ३५	१ ३१	१ २८	१ २४	१ २१	१ १६	१ १२	१ ७	१ ४	१ ०	१२ ५६
क. अं.	४ ४	४ ०	३ ५६	३ ५२	३ ४८	३ ४४	३ ४१	३ ३७	३ ३४	३ २९	३ २५	३ २०	३ १७	३ १३	३ ९
तु. अं.	६ २१	६ १७	६ १३	६ ९	६ ५	६ १	५ ५८	५ ५४	५ ५१	५ ४६	५ ४२	५ ३७	५ ३४	५ ३०	५ २६
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
वृ. अं.	८ ३९	८ ३५	८ ३१	८ २७	८ २३	८ १९	८ १६	८ १२	८ ९	८ ४	८ ०	७ ५५	७ ५२	७ ४८	७ ४४
ध. अं.	१० ४५	१० ४१	१० ३७	१० ३३	१० २९	१० २५	१० २२	१० १८	१० १५	१० १०	१० ६	१० १	९ ५८	९ ५४	९ ५०
म. अं.	१२ ३१	१२ २७	१२ २३	१२ १९	१२ १५	१२ ११	१२ ८	१२ ४	१२ १	११ ५६	११ ५२	११ ४७	११ ४४	११ ४०	११ ३६
कुं. अं.	२ २	१ ५८	१ ५४	१ ५०	१ ४६	१ ४२	१ ३९	१ ३५	१ ३२	१ २७	१ २३	१ १८	१ १५	१ ११	१ ७
मी. अं.	३ ३०	३ २६	३ २२	३ १८	३ १४	३ १०	३ ७	३ ३	३ ०	२ ५५	२ ५१	२ ४६	२ ४३	२ ३९	२ ३५
मे. अं.	५ ८	५ ४	५ ०	४ ५६	४ ५२	४ ४८	४ ४५	४ ४१	४ ३८	४ ३३	४ २९	४ २४	४ २१	४ १७	४ १३

ज्ये. शु. १४ शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	७	१	५	०	०	११	५
१४	१८	१३	१	२	९	२	२
५१	२४	१४	३९	०	२७	२०	२०
४०	४१	१७	१२	६	१७	४४	४४
५७ २९	[illegible]/४७ व.	५२/२६ व.	०/४२ व.	४२ २४	५ ३२	३ ११	३ ११

३ | शु.श.१ | ४ | बु.सू. २ | रा. १२ | ५ | ११ | बृ. ६ के. | मं.८ | १० | ७ चं. | ९

मा.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्टसूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	४०	१	र.	२७	३२	ज्ये.	३१	०	सि.	२/५२	४/३४	वा.	०	२५	कौ.	२७/५४	३२/२८	काण	१	१५	१८	वृ.	३१	०	५	१६	६	४४	१	१६	४६	३७	५७	२८
३३	४१	२	चं.	२१	२५	मू.	२६	५७	शु.	४७	३	ग.	२१	२५	व.	४८	१८	लुम्ब	२	१६	१९				५	१६	६	४४	१	१७	४४	५	५७	२७
३३	४३	३	मं.	१५	१२	पू.	२२	४४	शु.	३९	१४	वि.	१५	१२	बव	४२	११	मित्र	३	१७	२०	म.	३६	४४	५	१५	६	४५	१	१८	४१	३२	५७	२६
३३	४४	४	बु.	९	१०	उ.	१८	४३	ब्र.	३१	५५	वा.	९	१०	कौ.	३६	१६	वज्र	४	१८	२१				५	१५	६	४५	१	१९	३८	५८	५७	२५
३३	४६	५	बृ.	३/५४	३२/३६	श्र.	१५	१	ऐं.	२४	४५	तै.	३	२२	ग.	३०/५८	४२/५	ध्वज	५	१९	२२	कुं.	४३	२५	५	१५	६	४५	१	२०	३६	२३	५७	२५
३३	४७	७	शु.	५३	२२	ध.	११	५०	वै.	१८	१	वि.	२५	४१	बव	५३	२२	धाता	६	२०	२३				५	१५	६	४५	१	२१	३३	४८	५७	२४
३३	४८	८	श.	४९	३४	श.	९	२४	वि.	११	५९	बा.	२१	२८	कौ.	४९	३४	आनंद	७	२१	२४	मी.	५३	१०	५	१४	६	४६	१	२२	३१	१२	५७	२४
३३	४९	९	र.	४६	४४	पू.	७	४५	प्री.	६	३५	तै.	१८	९	ग.	४६	४४	चर	८	२२	२५				५	१४	६	४६	१	२३	२८	३६	५७	२३
३३	५०	१०	चं.	४५	५	उ.	७	८	आ.	२/५६	४/३४	व.	१५	५४	वि.	४५	५	गद	९	२३	२६				५	१४	६	४६	१	२४	२५	५९	५७	२३
३३	५१	११	मं.	४४	३८	रे.	७	४५	सौ.	५५	५४	बव	१४	५१	बा.	४४	३८	शुभ	१०	२४	२७	मे.	७	४५	५	१४	६	४६	१	२५	२३	२२	५७	२२
३३	५२	१२	बु.	४५	२९	अ.	९	३५	अ.	५४	१९	कौ.	१५	३	तै.	४५	२९	मृत्यु	११	२५	२८				५	१४	६	४६	१	२६	२०	४४	५७	२१
३३	५३	१३	बृ.	४७	३५	भ.	१२	४२	सु.	५३	४२	ग.	१६	३२	व.	४७	३५	पद्म	१२	२६	२९	वृ.	२८	४५	५	१३	६	४७	१	२७	१८	५	५७	२१
३३	५३	१४	शु.	५०	५०	कृ.	१६	५६	धृ.	५४	०	वि.	१९	१२	श.	५०	५०	छत्र	१३	२७	३०				५	१३	६	४७	१	२८	१५	२६	५७	२०
३३	५४	३०	श.	५५	०	रो.	२२	१६	शू.	५४	५८	च.	२२	५५	ना.	५५	०	श्रीवत्स	१४	२८	३१	मि.	५५	१७	५	१३	६	४७	१	२९	१२	४६	५७	२०

श्री संवत् २०२६ शके १८९१ । शुद्ध आषाढ़ कृष्णपक्षः । जून १ से १४ तक । सौम्यायनगोलौ । ग्रीष्मऋतुः ।

म. ४८।१८ उ. । मार्गी गुरुः ५।१४
म. १५।१२ या. ।
श्रवसि दक्षिण पूर्वौ यात्रा मु. । D प्रवृत्तिः ४३।२५
म. ५८।१ उ. । श्रवसि प्राच्यां यात्रा मु. । वक्रगत्या अनु. B
म. २५।४१ या. । B भे भौमः ४४।१३ । पञ्चकD
मृगशिरस्यर्कः ५२।५१ । A भद्रा प्राक् पश्चाद् वा ।
या. ज. मु. ४६।४४ या. । स. सि. योगः ७।४५ उ. ।
म. १५।५४ उ. ४५।५ या. । पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. रेवत्यांA
योगिनी ११ व्रतं सर्वेषाम् । पञ्चक निवृत्तिः ७।४५ ।

म. ४७।३५ उ. । प्रदोष व्रतम् । या. ज. मु. १२।४२ या.
म. १९।१२ या. । मास शिवरात्रि व्रतम् । भरण्यां शुक्रः C
मिथुनेर्कः ५२।१६ । श्राद्ध स्नानदानादौ ३० । C१०।११ ।

शु.आ. कृ. २ चन्द्रे. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	७	१	५	०	०	११	५
१८	१७	१२	१	३	९	२	२
२८	३०	३०	३०	१२	४२	२९	२९
४२	१८	२८	२१	११	३३	५७	५७
५७	१८/३६	१२	[illegible]	४२	५	३	३
११	व.	३४	व.	२४	३४	११	११

३ | शु. १श. | ४ | बु. २सू. | १२ रा. | ५ | ११ | के. | वृ. ६ | ८ मं. | १० | ७ | चं. ९

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.	२ चं.	३ मं.	४ बु.	५ बृ.	७ शु.	८ श.	९ र.	१० च.	११ म.	१२ बु.	१३ बृ.	१४ शु.	३० श.
वृ. अं.	६ ५	६ १	५ ५७	५ ५३	५ ५०	५ ४६	५ ४१	५ ३८	५ ३४	५ ३०	५ २६	५ २१	५ १८	५ १४
मि. अं.	८ १९	८ १५	८ ११	८ ७	८ ४	८ ०	७ ५५	७ ५२	७ ४८	७ ४४	७ ४०	७ ३५	७ ३२	७ २८
क. अं.	१० ३७	१० ३३	१० २९	१० २५	१० २२	१० १८	१० १३	१० १०	१० ६	१० २	९ ५८	९ ५३	९ ५०	९ ४६
सिं. अं.	१२ ५२	१२ ४८	१२ ४४	१२ ४०	१२ ३७	१२ ३३	१२ २८	१२ २५	१२ २१	१२ १७	१२ १३	१२ ८	१२ ५	१२ १
कं. अं.	३ ५	३ १	२ ५७	२ ५३	२ ५०	२ ४६	२ ४१	२ ३८	२ ३४	२ ३०	२ २६	२ २१	२ १८	२ १४
तु. अं.	५ २२	५ १८	५ १४	५ १०	५ ७	५ ३	४ ५८	४ ५५	४ ५१	४ ४७	४ ४३	४ ३८	४ ३५	४ ३१
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
वृ. अं.	७ ४०	७ ३६	७ ३२	७ २८	७ २५	७ २१	७ १६	७ १३	७ ९	७ ५	७ १	६ ५६	६ ५३	६ ४९
ध. अं.	९ ४६	९ ४२	९ ३८	९ ३४	९ ३१	९ २७	९ २२	९ १९	९ १५	९ ११	९ ७	९ २	८ ५९	८ ५५
म. अं.	११ ३२	११ २८	११ २४	११ २०	११ १७	११ १३	११ ८	११ ५	११ १	१० ५७	१० ५३	१० ४८	१० ४५	१० ४१
कुं. अं.	१ ३	१२ ५९	१२ ५५	१२ ५१	१२ ४८	१२ ४४	१२ ३९	१२ ३६	१२ ३२	१२ २८	१२ २४	१२ १९	१२ १६	१२ १२
मी. अं.	२ ३१	२ २७	२ २३	२ १९	२ १६	२ १२	२ ७	२ ४	२ ०	१ ५६	१ ५२	१ ४७	१ ४४	१ ४०
मे. अं.	४ ९	४ ५	४ १	३ ५७	३ ५४	३ ५०	३ ४५	३ ४२	३ ३८	३ ३४	३ ३०	३ २५	३ २२	३ १८

शु. आ. कृ. १३ गुरौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	केः
१	७	१	५	०	०	११	५
२८	१४	९	२	१२	१०	१	१
१	२४	१५	०	६	५४	५८	५८
४२	२३	२१	४	२५	४१	१२	१२
५७	१८/१५	१७/४५	[illegible]	५४	७	३	३
०	व.	व.	मा.	२५	२५	११	११

३ | शु.श.१च. | ४ | सू.२बु. | १२रा. | ५ | ११ | के. वृ. ६ | मं. ८ | १० | ७ | ९

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि	ओ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	५५	१	र.	५९	५२	मृ.	२८	१८	ग.	५६	२६	कि	२७	२६	बव	५९	५२	सौम्य	१५	२९	१				५	१३	६	४७	२	०	१०	६	५७	२०
३३	५५	२	चं.	६०	०	आ.	३४	४९	वृ.	५८	९	वा.	३२	२३	कौ.	६०	०	काल	१६	३०	२				५	१३	६	४७	२	१	७	२६	५७	१९
३३	५६	२	मं.	४	५५	पु.	४१	१९	ध्रु.	५९	४२	कौ.	४	५५	तै.	३७	२२	स्थिर	१७	१	३	क.	२४	४२	५	१३	६	४७	२	२	४	४५	[illegible]	१८
३३	५६	३	बु.	९	४९	पु.	४७	२५	व्या	६०	०	ग.	९	४९	व.	४१	५७	मातंग	१८	२	४				५	१३	६	४७	२	३	२	३	५७	१८
३३	५६	४	बृ.	१४	७	श्ले	५२	५१	व्या	०	५१	वि.	१४	७	बव	४५	५०	अमृत	१९	३	५	सि.	५२	५१	५	१३	६	४७	२	३	५९	२१	५७	१७
३३	५७	५	शु.	१७	३४	म.	५७	१०	ह.	१	२४	बा.	१७	३४	कौ.	४८	४१	काण	२०	४	६				५	१३	६	४७	२	४	५६	३८	५७	१६
३३	५७	६	श.	१९	४९	पू.	६०	०	व.	७/५८	४/४७	तै.	१९	४९	ग.	५०	२२	लुम्ब	२१	५	७				५	१३	६	४७	२	५	५३	५४	५७	१५
३३	५७	७	र.	२०	५५	पू.	०	२३	व्य.	५७	३५	व.	२०	५५	वि.	५०	४७	छत्र	२२	६	८	कं.	१५	५२	५	१३	६	४७	२	६	५१	९	५७	१४
३३	५७	८	चं.	२०	४०	उ.	२	२०	व.	५४	२०	बव	२०	४०	बा.	४९	५५	श्रीवत्स	२३	७	९				५	१३	६	४७	२	७	४८	२३	५७	१४
३३	५७	९	मं.	१९	१०	ह.	२	५९	प.	५०	४	कौ.	१९	१०	तै.	४७	५०	सौम्य	२४	८	१०	तु.	३२	४३	५	१३	६	४७	२	८	४५	३७	५७	१४
३३	५६	१०	बु.	१६	३०	चि.	२	२८	शि.	४४	५९	ग.	१६	३०	व.	४४	३९	काल	२५	९	११				५	१३	६	४७	२	९	४२	५१	५७	१४
३३	५६	११	बृ.	१२	४८	स्वा	०/५५	५५/५७	सि.	३९	८	वि.	१२	४८	बव	४०	३६	स्थिर	२६	१०	१२	वृ.	४२	५३	५	१३	६	४७	२	१०	४०	५	५७	१३
३३	५६	१२	शु.	८	२४	अनु	५५	२२	सा.	३२	३८	बा.	८	२४	कौ.	३५	४२	रक्ष	२७	११	१३				५	१३	६	४७	२	११	३७	१८	५७	१३
३३	५५	१३	श.	३/५४	०/५९	ज्ये	५१	४२	शु.	२४	३४	तै.	३	०	ग.	३०/५७	५५/११	मुशल	२८	१२	१४	ध.	५१	४२	५	१३	६	४७	२	१२	३४	३१	५७	१२
३३	५५	१५	र.	५१	५	मू.	४७	३६	शु.	१८	१२	वि.	२४	८	बव	५१	५	सिद्धि	२९	१३	१५				५	१३	६	४७	२	१३	३१	४३	५७	१२

श्री संवत् २०२६ शके १८९१ । अधिकाषाढ़ शुक्लपक्षः । जून १५ से २९ तक । सौम्यायनगोलौ । ग्रीष्मऋतुः ।

सौर आषाढ़ारम्भः ।

पुनः भे दक्षिण पश्चिमौ यात्रा मु. । चन्द्रदर्शनम् ।

पुन. भे दक्षिण यात्रा मु. । रविउलअव्वल ।

भ. ४१।५७ उ. । प्रतीच्यां यात्रा मु. ४७।१५ या. । पुनर्रोहिण्यांa

भ. १४।७ या. । पञ्चमी योगे या. ज. मु. ५२।५१ या. ।

शिवभेऽर्कः ५३।५२ । a बुधः ४।७ ।

भ. २०।५५ उ. ५०।४७ या. । रा. आषाढ़ । या. ज. मु. b

हस्तभे दक्षिण यात्रा मु. । b उत्तरा सप्तमीयोगे ।

हस्तभे दक्षिण पूर्वौ यात्रा मु. ।

भ. ४४।३९ उ.।

भ. १२।४८ या. । कमला ११ व्रतम् सर्वेषाम् ।

प्रदोष व्रतम् । उदीच्यां यात्रा मु. । कृत्तिकायां शुक्रः १२।४४ ।

भ. ५७।११ उ. ।

भ. २४।८ या. । स्नानदान व्रतादौ १५ । मृगभे बुधः ३२।४५ ।

अ. आ. शु. ७ रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	७	१	५	०	०	११	५
७	१२	१६	२	२१	११	१	१
३०	१८	६	४२	३०	४८	२६	२६
२८	३५	२४	३९	२६	३३	२८	२८
५६	५२/१५	४२	४/६	५४	४	३	३
१३	व.	३४	मा.	३५	५४	११	११

४
बु. २
चं ५
३ सू.
१ शु. श
६ के. बृ.
१२ रा.
७
९
११
मं ८
१०

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.		२ चं.		२ मं.		३ बु.		४ बृ.		५ शु.		६ श.		७ र.		८ चं.		९ मं.		१० बु.		११ बृ.		१२ शु.		१३ श.		१५ र.	
मि. अ.	७	२४	७	२०	७	१७	७	१३	७	९	७	५	७	०	६	५७	६	५३	६	४९	६	४५	६	४१	६	३७	६	३३	६	२९
क. अं.	९	४२	९	३८	९	३५	९	३१	९	२७	९	२३	९	१८	९	१५	९	११	९	७	९	३	८	५९	८	५५	८	५१	८	४७
सिं. अ.	११	५७	११	५३	११	५०	११	४६	११	४२	११	३८	११	३३	११	३०	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४	११	१०	११	६	११	२
कं. अं.	२	१०	२	६	२	३	१	५९	१	५५	१	५१	१	४६	१	४३	१	३९	१	३५	१	३१	१	२७	१	२३	१	१९	१	१५
तु. अं.	४	२७	४	२३	४	२०	४	१६	४	१२	४	८	४	३	४	०	३	५६	३	५२	३	४८	३	४४	३	४०	३	३६	३	३२
वृ. अं.	६	४५	६	४१	६	३८	६	३४	६	३०	६	२६	६	२१	६	१८	६	१४	६	१०	६	६	६	२	५	५८	५	५४	५	५०
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
ध. अं.	८	५१	८	४७	८	४४	८	४०	८	३६	८	३२	८	२७	८	२४	८	२०	८	१६	८	१२	८	८	८	४	८	०	७	५६
म. अं.	१०	३७	१०	३३	१०	३०	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१३	१०	१०	१०	६	१०	२	९	५८	९	५४	९	५०	९	४६	९	४२
कुं. अं.	१२	८	१२	४	१२	१	११	५७	११	५३	११	४९	११	४४	११	४१	११	३७	११	३३	११	२९	११	२५	११	२१	११	१७	११	१३
मी. अं.	१	३६	१	३२	१	२९	१	२५	१	२१	१	१७	१	१२	१	९	१	५	१	१	१२	५७	१२	५३	१२	४९	१२	४५	१२	४१
मे. अं.	३	१४	३	१०	३	७	३	३	२	५९	२	५५	२	५०	२	४७	२	४३	२	३९	२	३५	२	३१	२	२७	२	२३	२	१९
वृ. अं.	५	१०	५	६	५	३	४	५९	४	५५	४	५१	४	४६	४	४३	४	३९	४	३५	४	३१	४	२७	४	२३	४	१९	४	१५

अ. आ. शु. १५ रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	७	१	५	१	०	११	५
१३	११	२६	३	१	१२	१	१
३१	२०	४	२४	२१	१७	३	३
४३	४१	३३	४१	१३	३४	५४	५४
५७	५२/१४	८५	६	७	५	३	३
१८	व.	१७	८	३२	३४	११	११

४
बु. २ शु.
५
३ सू.
१ श.
६ के. बृ.
रा. १२
७
९ चं.
११
मं. ८
१०

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगा	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	५४	१	चं.	४४	५०	पू.	४३	२६	व्र.	१०	४०	वा.	१७	५७	कौ.	४४	५०	उत्पात	३१	१४	१६	म.	५७	२५	५	१३	६	४७	२	१४	२८	५५	५७	१२
३३	५३	२	मं.	३९	४९	उ.	३९	२१	ऐं.	२/५८	५२/२६	तै.	१२	१९	ग.	३९	४९	मानस	१	१५	१७				५	१३	६	४७	२	१५	२६	७	५७	१२
३३	५२	३	बु.	३२	५१	श्र.	३५	२२	वि.	४८	१३	व.	६	२०	वि.	३२	५१	छत्र	२	१६	१८				५	१३	६	४७	२	१६	२३	११	५७	१२
३३	५२	४	बृ.	२७	२६	ध.	३२	१२	प्री.	४१	२३	बव	०	८	वा.	२७/५५	२६/३	श्रीवत्स	३	१७	१९	कुं.	३	४७	५	१४	६	४६	२	१७	२०	३१	५७	१२
३३	५१	५	शु.	२२	४०	श.	२९	३१	आ.	३५	११	तै.	२२	४०	ग.	५०	४२	सौम्य	४	१८	२०				५	१४	६	४६	२	१८	१७	४३	५७	१२
३३	५०	६	श.	१८	४५	पू.	२७	४१	सौ.	२९	४०	व.	१८	४५	वि.	४७	१६	काल	५	१९	२१	मी.	१३	९	५	१४	६	४६	२	१९	१४	५५	५७	१२
३३	४९	७	र.	१५	४८	उ.	२६	५०	शो.	२४	५७	बव	१५	४८	बा.	४४	५४	स्थिर	६	२०	२२				५	१४	६	४६	२	२०	१२	७	५७	१२
३३	४८	८	चं.	१४	०	रे	२७	८	अ.	२१	९	कौ.	१४	०	तै.	४३	४२	मातंग	७	२१	२३	म.	२७	८	५	१४	६	४६	२	२१	९	१९	५७	१३
३३	४७	९	मं.	१३	२५	अ.	२८	४१	सु.	१८	२१	ग.	१३	२५	व.	४३	४७	अमृत	८	२२	२४				५	१५	६	४५	२	२२	६	३२	५७	१३
३३	४६	१०	बु.	१४	९	भ.	३१	२९	धृ.	१६	३४	वि.	१४	९	बव	४५	१०	काण	९	२३	२५	वृ.	४७	२२	५	१५	६	४५	२	२३	३	४५	५७	१४
३३	४४	११	बृ.	१६	१०	कृ.	३५	२८	श.	१५	४७	बा.	१६	१०	कौ.	४७	४४	लुम्ब	१०	२४	२६				५	१५	६	४५	२	२४	०	५९	५७	१४
३३	४३	१२	शु.	१९	१८	रो.	४०	३०	गं.	१५	५३	तै.	१९	१८	ग.	५१	२२	मित्र	११	२५	२७				५	१५	६	४५	२	२४	५८	१३	५७	१५
३३	४१	१३	श.	२३	२७	मृ.	४६	२८	वृ.	१६	४७	व.	२३	२७	वि.	५५	४९	वज्र	१२	२६	२८	मि.	१३	२९	५	१६	६	४४	२	२५	५५	२८	५७	१५
३३	४०	१४	र.	२८	११	आ.	५२	५२	ध्रु.	१८	९	श.	२८	११	च.	६०	०	ध्वांक्ष	१३	२७	२९				५	१६	६	४४	२	२६	५२	४३	५७	१५
३३	३८	३०	चं.	३३	१५	पुन.	५९	२५	व्या.	१९	५२	च.	०	४३	ना.	३३	१५	धूम्र	१४	२८	३०	क.	४२	४७	५	१६	६	४४	२	२७	४९	५८	५७	१६

श्री संवत् २०२६ शके १८९१। अधिकाषाढ़ कृष्णपक्षः। जून ३० से जुलाई १४ तक। सौम्यायनगोलौ। ग्रीष्म ऋतुः।

जुलाई। वृषे शुक्रः ४४।९।
श्रवसिदक्षिण पूर्वो यात्रा मु.। मिथुने बुधः ५८।८३।
भ. ६।२० उ. ३२।५१ या.।
प्रतीच्यां यात्रा मु. ३२।१८ या.। पञ्चकारम्भः ३।४७ उ.।
मार्गी भौमः ४४।१७।
भ. १८।४५। उ. ४७।१६ या.। पुनर्मेऽर्कः ५८।५३।
या. ज. मु. १५।४८ या.। आर्द्रायां बुधः ३४।१४।
पञ्चकसमाप्तिः २७।८ या.। पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.२७।८या.।
भ. ४३।४७ उ.। स. सि. अ. सि. योगः प्राच्यां यात्रा मु.a
भ. १४।९ या.। a २८।४१ या.। भरण्यां शनिः २।४४।
कमला११व्रतं सर्वेषाम्। bमार्गी शुक्र४।३६।भद्रा प्राक् दक्षिणc
प्रदोषव्रतम्। रोहिण्यां शुक्रः ४५।१४। cपश्चिमौयात्रा मु.।
भ. २३।२७ उ. ५५।४९ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्। b

स्नानदानादौ ३०। पुन. भे बुधः ५८।३५।

अ. आ. कृ. ३ बुधे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	७	२	५	१	०	११	५
१६	१०	०	३	१	१२	०	०
५८	५४	१८	४२	४२	४२	५४	५४
४९	३९	२१	१३	१७	३४	४३	४३
५६	[illegible]	८४	६	७	५	३	३
५७	व.	३५	९	२५	३५	११	११

४
शु.२
५
बु.३सू.
१श.
६के.बृ.
रा.१२
७
९
११
मं.८
१०चं.

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ च.	२ मं.	३ बु.	४ बृ.	५ शु.	६ श.	७ र.	८ चं.	९ मं.	१० बु.	११ बृ.	१२ शु.	१३ श.	१४ र.	३० चं.
मि. अ.	६ २५	६ २१	६ १७	६ १४	६ ९	६ ५	६ १	५ ५८	५ ५४	५ ५०	५ ४६	५ ४२	५ ३८	५ ३३	५ ३०
क. अं.	८ ४३	८ ३९	८ ३५	८ ३२	८ २७	८ २३	८ १९	८ १६	८ १२	८ ८	८ ४	८ ०	७ ५६	७ ५१	७ ४८
सि. अं.	१० ५८	१० ५४	१० ५०	१० ४७	१० ४२	१० ३८	१० ३४	१० ३१	१० २७	१० २३	१० १९	१० १५	१० ११	१० ६	१० ३
कं. अ.	१ ११	१ ७	१ ३	१ ०	१२ ५५	१२ ५१	१२ ४७	१२ ४४	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३२	१२ २८	१२ २४	१२ १९	१२ १६
तु. अं.	३ २८	३ २४	३ २०	३ १७	३ १२	३ ८	३ ४	३ १	२ ५७	२ ५३	२ ४९	२ ४५	२ ४१	२ ३६	२ ३३
वृ. अं.	५ ४६	५ ४२	५ ३८	५ ३५	५ ३०	५ २६	५ २२	५ १९	५ १५	५ ११	५ ७	५ ३	४ ५९	४ ५४	४ ५१
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
ध. अ.	७ ५२	७ ४८	७ ४४	७ ४१	७ ३६	७ ३२	७ २८	७ २५	७ २१	७ १७	७ १३	७ ९	७ ५	७ ०	६ ५७
म. अं.	९ ३८	९ ३४	९ ३०	९ २७	९ २२	९ १८	९ १४	९ ११	९ ७	९ ३	८ ५९	८ ५५	८ ५१	८ ४६	८ ४३
कु. अं.	११ ९	११ ५	११ १	१० ५८	१० ५३	१० ४९	१० ४५	१० ४२	१० ३८	१० ३४	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १७	१० १४
मी. अं.	१२ ३७	१२ ३३	१२ २९	१२ २६	१२ २१	१२ १७	१२ १३	१२ १०	१२ ६	१२ २	११ ५८	११ ५४	११ ५०	११ ४५	११ ४२
मे. अं.	२ १५	२ ११	२ ७	२ ४	१ ५९	१ ५५	१ ५१	१ ४८	१ ४४	१ ४०	१ ३६	१ ३२	१ २८	१ २३	१ २०
वृ. अं.	४ ११	४ ७	४ ३	४ ०	३ ५५	३ ५१	३ ४७	३ ४४	३ ४०	३ ३६	३ ३२	३ २८	३ २४	३ १९	३ १६

अ. आ. कृ. १३ शनौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	७	२	५	१	०	११	[illegible]
२६	१०	१६	५	१२	१३	०	[illegible]
२९	५४	५४	०	३०	४२	२३	२[illegible]
१२	३५	३५	६	११	१४	५९	५९
५६	०	१६	९	६५	५	३	३
१२	मा.	२५	३	३५	५३	११	११

४
२शु.
५
३सू.बु.चं.
१श.
बृ.के.६
रा.१२
७
९
११
मं.८
१०

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	३७	१	म.	३८	८	पु.	६०	०	ह.	२१	२६	कि.	५	४१	बव	३८	८	वर्द्धमा.	१५	२९	३१				५	१७	६	४३	२	२८	४७	१४	५७	१६
३३	३५	२	बु.	४२	२७	पु.	५	३७	व.	२२	३८	वा.	१०	१७	का.	४२	२७	मातंग	१६	३०	३२				५	१७	६	४३	२	२९	४४	३०	५७	१७
३३	३३	३	बृ.	४५	५९	श्ले.	११	१३	सि.	२३	१७	तै.	१४	१३	ग.	४५	५९	अमृत	१७	१	१	सि.	११	१३	५	१७	६	४३	३	०	४१	४७	५७	१७
३३	३१	४	शु.	४८	१७	म.	१५	४८	व्य.	२३	८	व.	१७	८	वि.	४८	१७	काण	१८	२	२				५	१८	६	४२	३	१	३९	४	५७	१७
३३	२९	५	श.	४९	२७	पू.	१९	१७	व.	१८	६	बव	१८	५२	वा.	४९	२७	लुम्ब	१९	३	३	कं.	३४	५१	५	१८	६	४२	३	२	३६	२१	५७	१७
३३	२७	६	र.	४९	१७	उ.	२१	२९	प.	२०	१	का.	१९	२२	तै.	४९	१७	मित्र	२०	४	४				५	१९	६	४१	३	३	३३	५८	५७	१८
३३	२५	७	चं.	४७	५४	ह.	२२	२४	शि.	१६	५५	ग.	१८	३५	व.	४७	५४	वज्र	२१	५	५	तु.	५२	१६	५	१९	६	४१	३	४	३०	५६	५७	१८
३३	२३	८	मं.	४५	१६	चि.	२२	८	सि.	११	५०	वि.	१६	३५	बव	४५	१६	ध्वांक्ष	२२	६	६				५	१९	६	४१	३	५	२८	१४	५७	१८
३३	२१	९	बु.	४१	३७	स्वा	२०	४६	सा.	७	५३	वा.	१३	२६	का.	४१	३७	धूम्र	२३	७	७				५	२०	६	४०	३	६	२५	३२	५७	१९
३३	१९	१०	बृ.	३७	९	वि.	१८	३६	शु.	२/६०	०/३६	तै.	९	२३	ग.	३७	९	प्रवर्ध.	२४	८	८	वृ.	४	९	५	२०	६	४०	३	७	२२	५१	५७	१९
३३	१६	११	शु.	३१	५५	अ.	१५	३४	ब्र.	४८	४४	व.	४	३२	वि.	२/६०	५५/४	रक्ष	२५	९	९				५	२१	६	३९	३	८	२०	१०	५७	१९
३३	१४	१२	श.	२६	१३	ज्ये.	११	५९	ऐं.	४१	२३	वा.	२६	१३	का.	५३	१०	मुशल	२६	१०	१०	ध.	११	५९	५	२१	६	३९	३	९	१७	२९	५७	२०
३३	१२	१३	र.	२०	८	मू.	७	५९	वै.	३३	४८	तै.	२०	८	ग.	४७	१	सिद्धि	२७	११	११				५	२२	६	३८	३	१०	१४	४९	५७	२०
३३	९	१४	चं.	१३	५४	पू.	३/६०	४/६०	वि.	२६	४	व.	१३	५४	वि.	४०	४९	उत्पात	२८	१२	१२	म.	१७	४७	५	२२	६	३८	३	११	१२	९	५७	२०
[illegible]	७	१५	मं.	७	४४	श्र.	५५	४६	प्रा.	१८	३१	बव	७	४४	वा.	३४	४८	लुम्ब	२९	१३	१३				५	२३	६	३७	३	१२	९	२९	५७	२१

श्री संवत् २०२६ शके १८९१ । शुद्धाषाढ़ शुक्लपक्षः । जुलाई १५ से २९ तक । याम्यायनम् । सौम्यागोलः । वर्षा ऋतुः ।

D पुष्पे बुधः १४।१७ ।
कर्केऽर्कः ३०।६ । प्रतीच्यांयात्रा मु. । चन्द्रदर्शनम् ।
या. ज. मु. ११।१३ या. । सौर श्रावणारम्भः । रवि उस्सानी ।
भ. १७।८ उ. ४८।१७ या. । वक्रगतया कुम्भेराहुः सिंहे च *
पञ्चमी उत्तरा योगे या. ज. मु. । कर्के बुधः ३८।३५ ।
पुष्पभेऽर्कः १।५४ । स. सि. योग :
भ. ४७।५४ उ. । दक्षिण यात्रा मु.या. ज. मु. ।२२।२४ या. । D
भ. १६।३५ या. । मृगमे शुक्रः ८।४५ ।
राष्ट्रीय श्रावण । * केतुः ३८।५५
अनु. मे दक्षिण पूर्वी यात्रा मु. । एकादश्यां योगे या. ज. मु. ।
भ. ४।३२ उ. ३१।५५ या.।हरिशयनी ११व्रतं सर्वेषाम् । T
प्रदोष व्रतम् ।
स. सि. योगः । ७।५९ या. ।
भ. १३।५४ उ. ४०।४९ या. । E शुक्रः ५।१२ ।
पूर्व दक्षिणी यात्रा मु. । श्लेषायां बुधः ३५।१ । मिथुने E
T उदीच्यां यात्रा मु. १५।३४ या. ।

आषाढ़ १ भौमे. इ. ०।०

[illegible]	[illegible]	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के
[illegible]	[illegible]	२	५	१	०	११	५
[illegible]	१	२१	५	१५	१३	०	०
[illegible]	२२	३२	२७	४५	५७	१४	१४
१४	१४	४५	१२	४४	४४	२५	२५
५७	१२	९७	९	६५	५	३	३
१६	५	११	३	४४	५२	११	११

४
शु.२
५
बु.३सू.
१श.
बृ. ६ के.
१२रा.
७
९
११
मं.८
१०

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ म.	२ बु.	तिथयः	३ बृ.	४ शु.	५ श.	६ र.	७ च.	८ म.	९ बु.	१० बृ.	११ शु.	१२ श.	१३ र.	१४ च.	१५ म.
मि. अं.	५ २७	५ २२	क. अं.	७ ३६	७ ३२	७ २८	७ २४	७ २०	७ १६	७ १२	७ ८	७ ४	७ ०	६ ५७	६ ५२	६ ४८
क. अं.	७ ४५	७ ४०	सि. अं.	९ ५१	९ ४७	९ ४३	९ ३९	९ ३५	९ ३१	९ २७	९ २३	९ १९	९ १५	९ १२	९ ७	९ ३
सि. अं.	१० ०	९ ५५	क. अं.	१२ ४	१२ ०	११ ५६	११ ५२	११ ४८	११ ४४	११ ४०	११ ३६	११ ३२	११ २८	११ २५	११ २०	११ १६
क. अं.	१२ १३	१२ ८	तु. अं.	२ २१	२ १७	२ १३	२ ९	२ ५	२ १	१ ५७	१ ५३	१ ४९	१ ४५	१ ४२	१ ३७	१ ३३
तु. अं.	२ ३०	२ २५	वृ. अं.	४ ३९	४ ३५	४ ३१	४ २७	४ २३	४ १९	४ १५	४ ११	४ ७	४ ३	४ ०	३ ५५	३ ५१
वृ. अं.	४ ४८	४ ४३	ध. अं.	६ ४५	६ ४१	६ ३७	६ ३३	६ २९	६ २५	६ २१	६ १७	६ १३	६ ९	६ ६	६ १	५ ५७
राशयः	रा०	रा०	राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
ध. अं.	६ ५४	६ ४९	म. अं.	८ ३१	८ २७	८ २३	८ १९	८ १५	८ ११	८ ७	८ ३	७ ५९	७ ५५	७ ५२	७ ४७	७ ४३
म. अं.	८ ४०	८ ३५	कु. अं.	१० २	९ ५८	९ ५४	९ ५०	९ ४६	९ ४२	९ ३८	९ ३४	९ ३०	९ २६	९ २३	९ १८	९ १४
कु. अं.	१० ११	१० ६	मी. अं.	११ ३०	११ २६	११ २२	११ १८	११ १४	११ १०	११ ६	११ २	१० ५८	१० ५४	१० ५१	१० ४६	१० ४२
मी. अं.	११ ३९	११ ३४	मे. अं.	१ ८	१ ४	१ ०	१२ ५६	१२ ५२	१२ ४८	१२ ४४	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३२	१२ २९	१२ २४	१२ २०
मे. अं.	१ १७	१ १२	वृ. अं.	३ ४	३ ०	२ ५६	२ ५२	२ ४८	२ ४४	२ ४०	२ ३६	२ ३२	२ २८	२ २५	२ २०	२ १६
वृ. अं.	३ १३	३ ८	मि. अं.	५ १८	५ १४	५ १०	५ ६	५ २	४ ५८	४ ५४	४ ५०	४ ४६	४ ४२	४ ३९	४ ३४	४ ३०

शु. आ. शु. ८ भौमे इ. ०।०

सू.	म.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	७	३	५	१	०	१०	४
५	१२	५	६	२३	१४	२९	२९
५८	१२	६	२४	२४	६	५२	५२
१२	१५	२१	३०	३०	११	१८	१८
५६	६	१०७	८	६५	२	३	३
५९	३४	३६	३	४४	९	११	११

५के
३
६बृ.
बु.४सू.
२शु.
७
१श.
मं ८
१०
१२
९
रा.११

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	४	१	बु.	२/५४	५३/३४	ध.	५२	२८	आ.	११	११	कौ.	१	५२	तै.	२/५६	२/३६	मित्र	३०	१४	१४	कुं.	२४	७	५	२३	६	३७	३	१३	६	५०	५७	२३
३३	२	३	बृ.	५१	३९	श.	४९	२६	सौ.	४/५४	१३/३७	व.	२४	२	वि.	५१	३९	वज्र	३१	१५	१५				५	२४	६	३६	३	१४	४	१३	५७	२४
३२	५९	४	शु.	४७	४०	पू.	४७	२४	अ.	५२	८	बव	१९	४०	बा.	४७	४०	ध्वांक्ष	१	१६	१६	मी.	३२	५५	५	२४	६	३६	३	१५	१	३७	५७	२५
३२	५७	५	श.	४४	३९	उ.	४६	१६	सु.	४७	१५	कौ.	१६	९	तै.	४४	३९	धूम्र	२	१७	१७				५	२५	६	३५	३	१५	५९	२	५७	२६
३२	५४	६	र.	४२	४८	रे.	४६	१६	धृ.	४३	१३	ग.	१३	४३	व.	४२	४८	वर्धमा.	३	१८	१८	मे.	४६	१६	५	२५	६	३५	३	१६	५६	२८	५७	२७
३२	५१	७	चं.	४२	६	अ.	४७	२८	शू.	४०	१०	वि.	१२	२७	बव	४२	६	रक्ष	४	१९	१९				५	२६	६	३४	३	१७	५३	५५	५७	२८
३२	४८	८	मं.	४२	४५	भ.	४९	५७	गं.	३८	९	बा.	१२	२५	कौ.	४२	४५	मुशल	५	२०	२०				५	२६	६	३४	३	१८	५१	२३	५७	२८
३२	४६	९	बु.	४४	४४	कृ.	५३	४१	वृ.	३७	१०	तै.	१३	४५	ग.	४४	४४	सिद्धि	६	२१	२१	वृ.	५	५३	५	२७	६	३३	३	१९	४८	५१	५७	२९
३२	४३	१०	बृ.	४७	४५	रो.	५८	३३	ध्रु.	३७	२	व.	१६	१५	वि.	४७	४५	उत्पात	७	२२	२२				५	२७	६	३३	३	२०	४६	२०	५७	३१
३२	४०	११	शु.	५१	५१	मृ.	६०	०	व्या	३७	४३	बव	१९	४८	बा.	५१	५१	मानस	८	२३	२३	मि.	३१	२४	५	२८	६	३२	३	२१	४३	५१	५७	३३
३२	३७	१२	श.	५६	३६	मृ.	४	१५	ह.	३८	५८	कौ.	२४	१३	तै.	५६	३६	वज्र	९	२४	२४				५	२९	६	३१	३	२२	४१	२४	५७	३५
३२	३४	१३	र.	६०	०	आ.	१०	४३	व.	४०	३२	ग.	२९	१	व.	६०	०	ध्वांक्ष	१०	२५	२५				५	२९	६	३१	३	२३	३८	५९	५७	३६
३२	३१	१३	चं.	१	४३	पुन	१७	५	सि.	४२	९	व.	१	४३	वि.	३४	११	धूम्र	११	२६	२६	क.	०	३०	५	३०	६	३०	३	२४	३६	३५	५७	३७
३२	२८	१४	मं.	६	४०	पु.	२३	२४	व्य.	४३	२७	श.	६	४०	च.	३८	५२	वर्धमा.	१२	२७	२७				५	३०	६	३०	३	२५	३४	१२	५७	३८
३२	२५	३०	बु.	११	४	श्ले	२९	७	व.	४४	१३	ना.	११	४	कि.	४२	५२	रक्ष	१३	२८	२८	सि.	२९	७	५	३१	६	२९	३	२६	३१	५०	५७	३८

श्री संवत् २०२६ शके १८९१। श्रावण कृष्णपक्षः। जुलाई ३० से अगस्त १३ तक। याम्यायनम्। सौम्यगोलः। वर्षाऋतुः।

दक्षिण पश्चिमौ यात्रा मु. २४।७ या. ततः पश्चिमायां यात्रा. a
भ. २४।२ उ.५१।३९ या.। a मु.। पञ्चकारम्भः २४।७उ.।
गणेश ४ व्रतम्। अगस्त।
रेवत्यां प्रतीच्यां यात्रा मु.। या. ज. मु. ४४।३९ या.।
भ. ४२।४८ उ। सार्पेऽर्कः १।५५। पञ्चक समाप्त ४६।१६ या.।b
भ. १२।२७ या.। उदीच्यां यात्रा मु. भद्रान्ते। मघायां c
वीरकर्म मु.। c सिंहे बुधः २६।४०।
मार्गगत्या पुनर्ज्येष्ठायां भौमः ३।१८।
भ. १६।१५ उ. ४७।४५ या.। या. ज. मु. ४७।४५ उ. ५८।३३या.
कामदा ११ व्रतं प्रायः सर्वेषाम्। दक्षिण पश्चिमौ यात्रा मु.।
दक्षिण पश्चिमौ यात्रा मु. ४।१८ या. तिथिदानात्। d
प्रदोष व्रतम्। या. ज. मु. १०।४३ उ.। d हस्ते गुरुः ९।४५।
भ. १।४३ उ. ३४।११ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्। या. e
पू. फा. मे बुधः १९।८। e ज. मु. भद्राप्राक्।
स्नानदानादौ ३०। b अश्विनी भे प्राच्यां यात्रा मु.

श्रावण कृ. ४ शुक्रे इ. ०।१०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	७	३	५	२	०	१०	४
१५	१४	२३	८	४	१४	२९	२९
१८	४२	४२	६	३०	३०	२०	२०
४२	२१	३४	४	३१	१५	३४	३४
५७	१२	१०७	१२	६५	१	३	३
११	३७	४४	२३	२५	३१	११	११

के. ५
३ शु.
२
६ बृ.
सू. ४ बु.
श. १
७
१०
१२
मं. ८
९
चं. ११ रा.

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.	३ बृ.	४ शु.	५ श.	६ र.	७ चं.	८ मं.	९ बु.	१० बृ.	११ शु.	१२ श.	१३ र.	१३ चं.	१४ मं.	३० बु.
क. अं.	६ ४४	६ ४१	६ ३७	६ ३३	६ २९	६ २५	६ २१	६ १७	६ १३	६ ९	६ ६	६ २	५ ५८	५ ५३	५ ५०
सि. अं.	८ ५९	८ ५६	८ ५२	८ ४८	८ ४४	८ ४०	८ ३६	८ ३२	८ २८	८ २४	८ २१	८ १७	८ १३	८ ८	८ ५
कं. अं.	११ १२	११ ९	११ ५	११ १	१० ५७	१० ५३	१० ४९	१० ४५	१० ४१	१० ३७	१० ३४	१० ३०	१० २६	१० २१	१० १८
तु. अं.	१ २९	१ २६	१ २२	१ १८	१ १४	१ १०	१ ६	१ २	१२ ५८	१२ ५४	१२ ५१	१२ ४७	१२ ४३	१२ ३८	१२ ३५
वृ. अं.	३ ४७	३ ४४	३ ४०	३ ३६	३ ३२	३ २८	३ २४	३ २०	३ १६	३ १२	३ ९	३ ५	३ १	२ ५६	२ ५३
ध. अं.	५ ५३	५ ५०	५ ४६	५ ४२	५ ३८	५ ३४	५ ३०	५ २६	५ २२	५ १८	५ १५	५ ११	५ ७	५ २	४ ५९
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
म. अं.	७ ३९	७ ३६	७ ३२	७ २८	७ २४	७ २०	७ १६	७ १२	७ ८	७ ४	७ १	६ ५७	६ ५३	६ ४८	६ ४५
कुं. अं.	९ १०	९ ७	९ २	८ ५९	८ ५५	८ ५१	८ ४७	८ ४३	८ ३९	८ ३५	८ ३२	८ २८	८ २४	८ १९	८ १६
मी. अं.	१० ३८	१० ३५	१० ३१	१० २७	१० २३	१० १९	१० १५	१० ११	१० ७	१० ३	१० ०	९ ५६	९ ५२	९ ४७	९ ४४
मे. अं.	१२ १६	१२ १३	१२ ९	१२ ५	१२ ०	११ ५७	११ ५३	११ ४९	११ ४५	११ ४१	११ ३८	११ ३४	११ ३०	११ २५	११ २२
वृ. अं.	२ १२	२ ९	२ ५	२ १	१ ५७	१ ५३	१ ४९	१ ४५	१ ४१	१ ३७	१ ३४	१ ३०	१ २६	१ २१	१ १८
मि. अं.	४ २६	४ २३	४ १९	४ १५	४ ११	४ ७	४ ३	३ ५९	३ ५५	३ ५१	३ ४८	३ ४४	३ ४०	३ ३५	३ ३

श्रावण कृ. १३ चन्द्रे इ. ०।९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	[illegible]
३	७	४	५	२	०	१०	[illegible]
२५	१८	११	९	१६	१५	२८	[illegible]
१	६	४२	५४	६	०	४८	४८
१२	११	४४	३५	३२	९	४९	४९
५७	२४	१०७	१०	७२	२	३	३
२५	३१	४५	२७	७	३९	११	११

के. ५ बु.
३ शु. चं.
६ बृ.
४ सू.
२
७
श. १
८ मं.
१०
१२
९
११ रा.

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३२	२२	१	बृ.	१४	४०	म.	३३	५८	प.	४४	११	बव	१४	४०	बा.	४५	५३	मुशल	१४	२९	२९				५	३२	६	२८	३	२७	२९	२८	५७	४०
३२	१९	२	शु.	१७	७	पू.	३७	४३	शि.	४३	१६	कौ.	१७	७	तै.	४७	४६	सिद्धि	१५	१	३०	क.	५३	२०	५	३२	६	२८	३	२८	२७	८	५७	४२
३२	१५	३	श.	१८	२५	उ.	४०	१२	सि.	४१	२२	ग.	१८	२५	व.	४८	२४	उत्पात	१६	२	३१				५	३३	६	२७	३	२९	२४	५०	५७	४३
३२	१२	४	र.	१८	२३	ह.	४१	२४	सा.	३८	२५	वि.	१८	२३	बव	४७	४४	मानस	१७	३	१				५	३४	६	२६	४	०	२२	३३	५७	४४
३२	९	५	चं.	१७	६	चि.	४१	२५	शु.	३४	३२	बा.	१७	६	कौ.	४५	५०	मुद्गर	१८	४	२	तु.	११	२५	५	३४	६	२६	४	१	२०	१७	५७	४५
३२	६	६	मं.	१४	३५	स्वा	४०	१६	शु.	२९	४३	तै.	१४	३५	ग.	४२	४९	ध्वज	१९	५	३				५	३५	६	२५	४	२	१८	२	५७	४६
३२	३	७	बु.	११	३	वि.	३८	१४	ब्र.	२४	०	व.	११	३	वि.	३८	५१	धाता	२०	६	४	वृ.	२३	४५	५	३६	६	२४	४	३	१५	४८	५७	४७
३१	५९	८	बृ.	६	३९	अनु.	३५	२४	ऐं.	१७	३८	बव	६	३९	बा.	३४	४	आनंद	२१	७	५				५	३६	६	२४	४	४	१३	३५	५७	४७
३१	५६	९	शु.	५४	२१	ज्ये.	३१	५४	वै.	१०	४१	कौ.	१	२९	तै.	२८/५५	४०/५०	चर	२२	८	६	ध.	३१	५४	५	३७	६	२३	४	५	११	२२	५७	४९
३१	५३	११	श.	४९	४९	मू.	२७	५८	वि.	३/५४	५८/३६	व.	२२	५०	वि.	४९	४९	गद	२३	९	७				५	३७	६	२३	४	६	३	११	५७	५१
३१	४९	१२	र.	४३	१७	पू.	२३	४९	आ.	४७	५८	बव	१६	३३	बा.	४३	१७	शुभ	२४	१०	८	म.	३७	४६	५	३८	६	२२	४	७	७	२	५७	५२
३१	४६	१३	चं.	३७	३०	उ.	१९	३८	सो.	४०	२०	कौ.	१०	२३	तै.	३७	३०	मृत्यु	२५	११	९				५	३९	६	२१	४	८	४	५४	५७	५३
३१	४३	१४	मं.	३१	४१	श्र.	१५	३४	शो.	३२	५१	ग.	४	३५	व.	३५/२८	४१/५७	लुम्ब	२६	१२	१०	कुं.	४३	४६	५	४०	६	२०	४	९	२	४७	५७	५५
३१	३९	१५	बु.	२६	१३	ध	११	५८	अ.	२५	४४	बव	२६	१३	बा.	५३	४९	मित्र	२७	१३	११				५	४०	६	२०	४	१०	०	४२	५७	५५

श्री संवत् २०२६ शके १८९१। श्रावण शुक्लपक्षः। अगस्त १४ से ३० तक। याम्यायनम्। सौम्यगोल। वर्षाऋतुः।

चन्द्रदर्शनम्। आर्द्रायां शुक्रः १८।४२।
जमादि उल अव्वल। h प्रतीच्यां यात्रा मु.।
म. ४८।२४ उ.। मघायां सिंहे चार्कः ५९।१९। गणेश ४ व्रतम्। a
म. १८।२३ या.। दक्षिण पूर्व यात्रा मु. पञ्चम्याम्। b
नाग ५। b सौर भाद्रपदारम्भः।
उ. फा. में बुधः ४४।७। c पुन मे शुक्रः १८।१५।
म. ११।३ उ. ३८।५१ या.। वक्री शनिः ५।३७। c
नवमी योगे या. ज. मु.। तिथिदानात् पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. d
कन्यायां बुधः ३८।११। कर्के शुक्रः ३४।३२। d अनु. मे।
म. २२।५० उ. ४९।४९ या.। रा. भाद्रपद। पुत्रदा ११ व्रतं e
उत्तरायोगे या. ज. मु.। e प्रायः सर्वेषाम्।
प्रदोष। या. ज. मु. १९।३८ या.। पुष्ये शुक्रः ५८।२९।
म. ३१।४१ उ. ५८।५७ या.। पञ्चकारम्भः ४४।४६ उ. g
रक्षाबन्धनम्। यजुः श्रावणी। हयग्रीव उत्पत्ति : १५। h
a हस्त मे दक्षिण यात्रा मु.। या. ज. मु. १८।२५ या.।
g दक्षिण पूर्वौ यात्रा मु. भद्राप्राक्।

श्रा. शु. १ गुरौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	७	४	५	२	०	१०	४
२७	१९	१७	१०	१९	१५	२८	२८
२९	१८	१२	२६	१८	६	३८	३८
२८	४१	४१	१३	४१	३२	१४	१४
५७	२६	१०७	१०	७२	२	३	३
४०	४४	२५	२८	६	३९	११	११

के.५बु. चं. | शु.३
बृ.६ | सू.४ | २
७ | श. १
मं.८ | १० | १२
९ | ११रा.

दैनिक लग्नसारिणी

तिथय:	१ बृ.	२ शु.	३ श.	ति.	४ र.	५ चं.	६ मं.	७ बु.	८ बृ.	९ शु.	११ श.	१२ र.	१२च.	१४ मं.	१५बु.
क. अं.	५ ४६	५ ४२	५ ३८	सि.	७ ४९	७ ४५	७ ४१	७ ३८	७ ३३	७ २९	७ २५	७ २१	७ १७	७ १४	७ ९
सि. अं.	८ १	७ ५७	७ ५३	क.	१० २	९ ५८	९ ५४	९ ५१	९ ४६	९ ४२	९ ३८	९ ३४	९ ३०	९ २७	९ २२
कं. अं.	१० १४	१० १०	१० ६	तु.	१२ १९	१२ १५	१२ ११	१२ ८	१२ ३	११ ५९	११ ५५	११ ५१	११ ४७	११ ४४	११ ३९
तु. अं.	१२ ३१	१२ २७	१२ २३	वृ.	२ ३७	२ ३३	२ २९	२ २६	२ २१	२ १७	२ १३	२ ९	२ ५	२ २	१ ५७
वृ. अं.	२ ४९	२ ४५	२ ४१	ध.	४ ४३	४ ३९	४ ३५	४ ३२	४ २७	४ २३	४ १९	४ १५	४ ११	४ ८	४ ३
ध. अं.	४ ५५	४ ५१	४ ४७	म.	६ २९	६ २५	६ २१	६ १८	६ १३	६ ९	६ ५	६ १	५ ५७	५ ५४	५ ४९
राशय:	रा०	रा०	रा०	रा.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
म. अं.	६ ४१	६ ३७	६ ३३	कुं.	८ ०	७ ५६	७ ५२	७ ४९	७ ४४	७ ४०	७ ३६	७ ३२	७ २८	७ २५	७ २०
कुं. अं.	८ १२	८ ८	८ ४	मी.	९ २८	९ २४	९ २०	९ १७	९ १२	९ ८	९ ४	९ ०	८ ५६	८ ५३	८ ४८
मी. अं.	९ ४०	९ ३६	९ ३२	मे.	११ ६	११ २	१० ५८	१० ५५	१० ५०	१० ४६	१० ४२	१० ३८	१० ३४	१० ३१	१० २६
मे. अं.	११ १८	११ १४	११ १०	वृ.	१ २	१२ ५८	१२ ५४	१२ ५१	१२ ४६	१२ ४२	१२ ३८	१२ ३४	१२ ३०	१२ २७	१२ २२
वृ. अं.	१ १४	१ १०	१ ६	मि.	३ १६	३ १२	३ ८	३ ५	३ ०	२ ५६	२ ५२	२ ४८	२ ४४	२ ४१	२ ३६
मि. अं.	३ २८	३ २४	३ २०	क.	५ ३४	५ ३०	५ २६	५ २३	५ १८	५ १४	५ १०	५ ६	५ २	४ ५९	४ ५४

श्रा. शु. ८ गुरौ इ. ०।०

सू.	म.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	७	४	५	२	०	१०	४
४	२२	२८	११	२७	१४	२८	२८
३७	१८	६	५४	४२	५४	१७	१७
१२	२४	९	३५	३७	३५	५	५
५७	२४	१०१	११	६५	४६	३	३
४२	२३	३५	३९	२९	व	११	११

६बृ. | ४
७ | ५सू.बु.के. | ३शु.
मं. ८ | २
चं. ९ | ११रा. | श.१
१० | १२

१६

दि.मा. घ.	दि.मा. प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	४	१	बु.	५/५४	५२/३४	ध.	५२	२८	आ.	११	११	कौ.	१	५२	तैं.	२/५६	०/२६	मित्र	३०	१४	१४	कुं.	२४	७	५	२३	६	३७	३	१३	६	५०	५७	२३
३३	२	३	बृ.	५१	३९	श.	४९	२६	सौ.	४/५४	१३/३७	व.	२४	२	वि.	५१	३९	वज्र	३१	१५	१५				५	२४	६	३६	३	१४	४	१३	५७	२४
३२	५९	४	शु.	४७	४०	पू.	४७	२४	अ.	५२	८	बव	१९	४०	बा.	४७	४०	ध्वांक्ष	१	१६	१६	मी.	३२	५५	५	२४	६	३६	३	१५	१	३७	५७	२५
३२	५७	५	श.	४४	३९	उ.	४६	१६	सु.	४७	१५	कौ.	१६	९	तैं.	४४	३९	धूम्र	२	१७	१७				५	२५	६	३५	३	१५	५९	२	५७	२६
३२	५४	६	र.	४२	४८	रे.	४६	१६	धृ.	४३	१३	ग.	१३	४३	व.	४२	४८	वर्धमा.	३	१८	१८	मे.	४६	१६	५	२५	६	३५	३	१६	५६	२८	५७	२७
३२	५१	७	चं.	४२	६	अ.	४७	२८	शू.	४०	१०	वि.	१२	२७	बव	४२	६	रक्ष	४	१९	१९				५	२६	६	३४	३	१७	५३	५५	५७	२८
३२	४८	८	मं.	४२	४५	भ.	४९	५७	गं.	३८	९	बा.	१२	२५	कौ.	४२	४५	मुद्गल	५	२०	२०				५	२६	६	३४	३	१८	५१	२३	५७	२८
३२	४६	९	बु.	४४	४४	कृ.	५३	४१	वृ.	३७	१०	तै.	१३	४५	ग.	४४	४४	सिद्धि	६	२१	२१	वृ.	५	५३	५	२७	६	३३	३	१९	४८	५१	५७	२९
३२	४३	१०	बृ.	४७	४५	रो.	५८	३३	ध्रु.	३७	२	व.	१६	१५	वि.	४७	४५	उत्पात	७	२२	२२				५	२७	६	३३	३	२०	४६	२०	५७	३१
३२	४०	११	शु.	५१	५१	मृ.	६०	०	व्या	३७	४३	बव	१९	४८	बा.	५१	५१	मानस	८	२३	२३	मि.	३१	२४	५	२८	६	३२	३	२१	४३	५१	५७	३३
३२	३७	१२	श.	५६	३६	मृ.	४	१५	ह.	३८	५८	कौ.	२४	१३	तैं.	५६	३६	वज्र	९	२४	२४				५	२९	६	३१	३	२२	४१	२४	५७	३५
३२	३४	१३	र.	६०	०	आ.	१०	४३	व.	४०	३२	ग.	२९	९	व.	६०	०	ध्वांक्ष	१०	२५	२५				५	२९	६	३१	३	२३	३८	५९	५७	३६
३२	३१	१३	चं.	१	४३	पुन	१७	५	सि.	४२	९	व.	१	४३	वि.	३४	११	धूम्र	११	२६	२६	क.	०	३०	५	३०	६	३०	३	२४	३६	३५	५७	३७
३२	२८	१४	मं.	६	४०	पु.	२३	२४	व्य.	४३	२७	श.	६	४०	च.	३८	५२	वर्धमा.	१२	२७	२७				५	३०	६	३०	३	२५	३४	१२	५७	३८
३२	२५	३०	बु.	११	४	श्ले	२९	७	व.	४४	१३	ना.	११	४	किं.	४२	५२	रक्ष	१३	२८	२८	सिं.	२९	७	५	३१	६	२९	३	२६	३१	५०	५७	३८

श्री संवत् २०२६ शके १८९१। श्रावण कृष्णपक्षः। जुलाई ३० से अगस्त १३ तक। याम्यायनम्। सौम्यगोलः। वर्षाऋतुः।

दक्षिण पश्चिमौ यात्रा मु. २४।७ या. ततः पश्चिमायां यात्रा. a
भ. २४।२ उ.५१।३९ या.। a मु.। पञ्चकारम्भः २४।७उ.।
गणेश ४ व्रतम्। अगस्त।
रेवत्यां प्रतीच्यां यात्रा मु.। या. ज. मु. ४४।३९ या.।
भ. ४२।४८ उ।सार्पेऽर्कः १।५५।पञ्चक समाप्त ४६।१६ या.।b
भ. १२।२७ या.। उदीच्यां यात्रा मु. भद्रान्ते। मघायां c
वीरकर्म मु.। c सिंहे बुधः २६।४०।
मार्गगत्या पुनर्ज्येष्ठायां भौमः ३।१८।
भ. १६।१५ उ. ४७।४५ या.।या. ज. मु. ४७।४५ उ. ५८।३३या.
कामदा ११ व्रतं प्रायः सर्वेषाम्। दक्षिण पश्चिमौ यात्रा मु.।
दक्षिण पश्चिमौ यात्रा मु. ४।१८ या. तिथिदानात्। d
प्रदोष व्रतम्। या. ज. मु. १०।४३ उ.। d हस्ते गुरुः ९।४५।
भ. १।४३ उ. ३४।११ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्। या. e
पू. फा. मे बुधः १९।८। e ज. मु. भद्राप्राक्।
स्नानदानादी ३०। b अश्विनी मे प्राच्यां यात्रा मु.

श्रावण कृ. ४ शुक्रे इ. ०।१०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	७	३	५	२	०	१०	४
१५	१४	२३	८	४	१४	२९	२९
१८	४२	४२	६	३०	३०	२०	२०
४२	२१	३४	४	३१	१५	३४	३४
५७	१२	१०७	१२	६५	१	३	३
११	३७	४४	२३	२५	३१	११	११

के. ५
३ शु.
६ बृ.
सू. ४ बु.
२
श. १
७
मं. ८
१०
१२
९
चं. ११ रा.

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.	३ बृ.	४ शु.	५ श.	६ र.	७ चं.	८ म.	९ बु.	१० बृ.	११ शु.	१२ श.	१३ र.	१३ चं.	१४ म.	३० बु.
क. अं.	६ ४४	६ ४१	६ ३७	६ ३३	६ २९	६ २५	६ २१	६ १७	६ १३	६ ९	६ ६	६ २	५ ५८	५ ५३	५ ५०
सिं. अं.	८ ५९	८ ५६	८ ५२	८ ४८	८ ४४	८ ४०	८ ३६	८ ३२	८ २८	८ २४	८ २१	८ १७	८ १३	८ ८	८ ५
कं. अं.	११ १२	११ ९	११ ५	११ १	१० ५७	१० ५३	१० ४९	१० ४५	१० ४१	१० ३७	१० ३४	१० ३०	१० २६	१० २१	१० १८
तु. अं.	१ २९	१ २६	१ २२	१ १८	१ १४	१ १०	१ ६	१ २	१२ ५८	१२ ५४	१२ ५१	१२ ४७	१२ ४३	१२ ३८	१२ ३५
वृ. अं.	३ ४७	३ ४४	३ ४०	३ ३६	३ ३२	३ २८	३ २४	३ २०	३ १६	३ १२	३ ९	३ ५	३ १	२ ५६	२ ५३
ध. अं.	५ ५३	५ ५०	५ ४६	५ ४२	५ ३८	५ ३४	५ ३०	५ २६	५ २२	५ १८	५ १५	५ ११	५ ७	५ २	४ ५९
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
म. अं.	७ ३९	७ ३६	७ ३२	७ २८	७ २४	७ २०	७ १६	७ १२	७ ८	७ ४	७ १	६ ५७	६ ५३	६ ४८	६ ४५
कुं. अं.	९ १०	९ ७	९ २	८ ५९	८ ५५	८ ५१	८ ४७	८ ४३	८ ३९	८ ३५	८ ३२	८ २८	८ २४	८ १९	८ १६
मी. अं.	१० ३८	१० ३५	१० ३१	१० २७	१० २३	१० १९	१० १५	१० ११	१० ७	१० ३	१० ०	९ ५६	९ ५२	९ ४७	९ ४४
मे. अं.	१२ १६	१२ १३	१२ ९	१२ ५	१२ ०	११ ५७	११ ५३	११ ४९	११ ४५	११ ४१	११ ३८	११ ३४	११ ३०	११ २५	११ २२
वृ. अं.	२ १२	२ ९	२ ५	२ १	१ ५७	१ ५३	१ ४९	१ ४५	१ ४१	१ ३७	१ ३४	१ ३०	१ २६	१ २१	१ १८
मि. अं.	४ २६	४ २३	४ १९	४ १५	४ ११	४ ७	४ ३	३ ५९	३ ५५	३ ५१	३ ४८	३ ४४	३ ४०	३ ३५	३ ३

श्रावण कृ. १३ चन्द्रे इ. ०।९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	७	४	५	२	०	१०	[illegible]
२५	१८	११	९	१६	१५	२८	[illegible]
१	६	४२	५४	६	०	४८	४८
१२	११	४४	३५	३२	९	४९	४९
५७	२४	१०७	१०	७२	२	३	३
२५	३१	४५	२७	७	३९	११	११

के. ५ बु.
३ शु. चं.
६ बृ.
४ सू.
२
७
श. १
८ मं.
१०
१२
९
११ रा.

√ A daughter is born ... 7.35 Am (Germany)

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३२	२२	१	बृ.	१४	४०	म.	३३	५८	प.	४४	११	बव	१४	४०	वा.	४५	५३	मुशल	१४	२९	२९				५	३२	६	२८	३	२७	२९	२८	५७	४०
३२	१९	२	शु.	१७	७	पू.	३७	४३	शि.	४३	१६	कौ.	१७	७	तै.	४७	४६	सिद्धि	१५	१	३०	क.	५३	२०	५	३२	६	२८	३	२८	२७	८	५७	४२
३२	१५	३	श.	१८	२५	उ.	४०	१२	सि.	४१	२२	ग.	१८	२५	व.	४८	२४	उत्पात	१६	२	३१				५	३३	६	२७	३	२९	२४	५०	५७	४३
३२	१२	✓४	र.	१८	२३	ह.	४१	२४	सा.	३८	२५	वि.	१८	२३	बव	४७	४४	मानस	१७	३	१				५	३४	६	२६	४	०	२२	३३	५७	४४
३२	९	५	चं.	१७	६	चि.	४१	२५	शु.	३४	३२	बा.	१७	६	कौ.	४५	५०	मुद्गर	१८	४	२	तु.	११	२५	५	३४	६	२६	४	१	२०	१७	५७	४५
३२	६	६	मं.	१४	३५	स्वा	४०	१६	शु.	२९	४३	तै.	१४	३५	ग.	४२	४९	ध्वज	१९	५	३				५	३५	६	२५	४	२	१८	२	५७	४६
३२	३	७	बु.	११	३	वि.	३८	१४	ब्र.	२४	०	व.	११	३	वि.	३८	५१	धाता	२०	६	४	वृ.	२३	४५	५	३६	६	२४	४	३	१५	४८	५७	४७
३१	५९	८	बृ.	६	३९	अनु.	३५	२४	ऐं.	१७	३८	बव	६	३९	वा.	३४	४	आनंद	२१	७	५				५	३६	६	२४	४	४	१३	३५	५७	४७
३१	५६	९	शु.	५४	२९/३५	ज्ये.	३१	५४	वै.	१०	४१	कौ.	१	२९	तै.	२८/५५	४०/५०	चर	२२	८	६	ध.	३१	५४	५	३७	६	२३	४	५	११	२२	५७	४९
३१	५३	११	श.	४९	४९	मू.	२७	५८	वि.	३/५४	१८/३६	व.	२२	५०	वि.	४९	४९	गद	२३	९	७				५	३७	६	२३	४	६	३	११	५७	५१
३१	४९	१२	र.	४३	१७	पू.	२३	४९	आ.	४७	५८	बव	१६	३३	वा.	४३	१७	शुभ	२४	१०	८	म.	३७	४६	५	३८	६	२२	४	७	७	२	५७	५२
३१	४६	१३	चं.	३७	३०	उ.	१९	३८	सो.	४०	२०	कौ.	१०	२३	तै.	३७	३०	मृत्यु	२५	११	९				५	३९	६	२१	४	८	४	५४	५७	५३
३१	४३	१४	मं.	३१	४१	श्र.	१५	३४	शो.	३२	५१	ग.	४	३५	व.	३१/२८	४१/५७	लुम्ब	२६	१२	१०	कुं.	४३	४६	५	४०	६	२०	४	९	२	४७	५७	५५
३१	३९	१५	बु.	२६	१३	ध	११	५८	अ.	२५	४४	बव	२६	१३	बा.	५३	४९	मित्र	२७	१३	११				५	४०	६	२०	४	१०	०	४२	५७	५५

श्री संवत् २०२६ शके १८९१ । श्रावण शुक्लपक्षः । अगस्त १४ से ३० तक । याम्यायनम् । सौम्यगोल । वर्षाऋतुः ।

चन्द्रदर्शनम् । आर्द्रायां शुक्रः १८।४२ ।
जमादि उल अव्वल । h प्रतीच्यां यात्रा मु. ।
भ. ४८।२४ उ.। मघायां सिंहे चार्कः ५९।१९ । गणेश ४ व्रतम् ।a
भ. १८।२३ या. । दक्षिण पूर्वे यात्रा मु. पञ्चम्याम् । b
नाग ५ । b सौर भाद्रपदारम्भः ।
उ. फा. मे बुधः ४४।७ । c पुन मे शुक्रः १८।१५ ।
भ. ११।३ उ. ३८।५१ या. । वक्री शनिः ५।३७ । c
नवमी योगे या. ज. मु. । तिथिदानात् पश्चिमोत्तरी यात्रा मु.d
कन्यायां बुधः ३८।११ । कर्के शुक्रः ३४।३२ । dअनु. मे ।
भ. २२।५० उ. ४९।४९ या. । रा. भाद्रपद । पुत्रदा ११ व्रतं e
उत्तरायोगे या. ज. मु. । e प्रायः सर्वेषाम् ।
प्रदोष । या. ज. मु. १९।३८ या. । पुष्पे शुक्रः ५८।२९ ।
भ. ३१।४१ उ. ५८।५७ या. । पञ्चकारम्भः ४४।४६ उ. ।g
रक्षाबन्धनम् । यजुः श्रावणी । हयग्रीव उत्पत्ति : १५ । h
a हस्त मे दक्षिण यात्रा मु. । या. ज. मु. १८।२५ या. ।
gदक्षिण पूर्वौ यात्रा मु. भद्राप्राक् ।

श्रा. शु. १ गुरौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	७	४	५	२	०	१०	४
२७	१९	१७	१०	१९	१५	२८	२८
२९	१८	१२	२६	१८	६	३८	३८
२८	४१	४१	१३	४१	३२	१४	१४
५७	२६	१०७	१०	७२	२	३	३
४०	४४	२५	२८	६	३९	११	११

के.५बु. चं. | शु.३ | बृ.६ | सू.४ | २ | ७ | श. १ | मं.८ | १० | १२ | ९ | ११रा.

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बृ.	२ शु.	३ श.	ति.	४ र.	५ चं.	६ मं.	७ बु.	८ बृ.	९ शु.	११ श.	१२ र.	१३ चं.	१४ मं.	१५ बु.
क. अं.	५ ४६	५ ४२	५ ३८	सिं.	७ ४९	७ ४५	७ ४१	७ ३८	७ ३३	७ २९	७ २५	७ २१	७ १७	७ १४	७ ९
सिं. अं.	८ १	७ ५७	७ ५३	क.	१० २	९ ५८	९ ५४	९ ५१	९ ४६	९ ४२	९ ३८	९ ३४	९ ३०	९ २७	९ २२
क. अं.	१० १४	१० १०	१० ६	तु.	१२ १९	१२ १५	१२ ११	१२ ८	१२ ३	११ ५९	११ ५५	११ ५१	११ ४७	११ ४४	११ ३९
तु. अं.	१२ ३१	१२ २७	१२ २३	वृ.	२ ३७	२ ३३	२ २९	२ २६	२ २१	२ १७	२ १३	२ ९	२ ५	२ २	१ ५७
वृ. अं.	२ ४९	२ ४५	२ ४१	ध.	४ ४३	४ ३९	४ ३५	४ ३२	४ २७	४ २३	४ १९	४ १५	४ ११	४ ८	४ ३
ध. अं.	४ ५५	४ ५१	४ ४७	म.	६ २९	६ २५	६ २१	६ १८	६ १३	६ ९	६ ५	६ १	५ ५७	५ ५४	५ ४९
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
म. अं.	६ ४१	६ ३७	६ ३३	कुं.	८ ०	७ ५६	७ ५२	७ ४९	७ ४४	७ ४०	७ ३६	७ ३२	७ २८	७ २५	७ २०
कुं. अं.	८ १२	८ ८	८ ४	मी.	९ २८	९ २४	९ २०	९ १७	९ १२	९ ८	९ ४	९ ०	८ ५६	८ ५३	८ ४८
मी. अं.	९ ४०	९ ३६	९ ३२	मे.	११ ६	११ २	१० ५८	१० ५५	१० ५०	१० ४६	१० ४२	१० ३८	१० ३४	१० ३१	१० २६
मे. अं.	११ १८	११ १४	११ १०	वृ.	१ २	१२ ५८	१२ ५४	१२ ५१	१२ ४६	१२ ४२	१२ ३८	१२ ३४	१२ ३०	१२ २७	१२ २२
वृ. अं.	१ १४	१ १०	१ ६	मि.	३ १६	३ १२	३ ८	३ ५	३ ०	२ ५६	२ ५२	२ ४८	२ ४४	२ ४१	२ ३६
मि. अं.	३ २८	३ २४	३ २०	क.	५ ३४	५ ३०	५ २६	५ २३	५ १८	५ १४	५ १०	५ ६	५ २	४ ५९	४ ५४

श्रा. शु. ८ गुरौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	७	४	५	२	०	१०	४
४	२२	२८	११	२७	१४	२८	२८
३७	१८	६	५४	४२	५४	१७	१७
१२	२४	९	३५	३७	३५	५	५
५७	२४	१०१	११	६५	४८	३	३
४२	२३	३५	३९	२९	व	११	११

६बृ. | ४ | ७ | ५सू.बु.के. | ३शु. | मं. | ८ | चं. | २ | ९ | ११रा. | श.१ | १० | १२

१८

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घ.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३१	३६	१	बृ.	२१	२५	श.	८	५६	सु.	१९	९	कौ.	२१	२५	तै.	४९	२६	वज्र	२८	१४	१२	मी.	५२	१६	५	४१	६	१९	४	१०	५८	३७	५७	५७
३१	३२	२	शु.	१७	२८	पू.	६	४२	धृ.	१३	१४	ग.	१७	२८	व.	४५	५७	ध्वांक्ष	२९	१५	१३				५	४२	६	१८	४	११	५६	३४	५७	५९
३१	२९	३	श.	१४	२६	उ.	५	१९	शू.	८	६	वि.	१४	२६	बव	४३	३०	धूम्र	३०	१६	१४				५	४२	६	१८	४	१२	५४	३३	५८	१
३१	२५	४	र.	१२	३३	रे.	५	१	गं.	३	४९	बा.	१२	३३	कौ.	४२	११	वर्धमा.	३१	१७	१५	म.	५	१	५	४३	६	१७	४	१३	५२	३४	५८	३
३१	२२	५	चं.	११	४९	अ.	५	५५	वृ.	०/५७	३०/४९	तै.	११	४९	ग.	४२	८	रक्ष	१	१८	१६				५	४४	६	१६	४	१४	५०	३७	५८	५
३१	१८	६	मं.	१२	२७	भ.	८	४	व्या	५६	५६	व.	१२	२७	वि.	४३	२५	मुशल	२	१९	१७	वृ.	२३	५६	५	४४	६	१६	४	१५	४८	४२	५८	७
३१	१५	७	बु.	१४	२४	कृ.	११	३२	ह.	५६	३२	बव	१४	२४	बा.	४५	५५	सिद्धि	३	२०	१८				५	४५	६	१५	४	१६	४६	४९	५८	८
३१	११	८	बृ.	१७	२५	रो.	१६	४	व.	५७	०	कौ.	१७	२५	तै.	४९	२७	उत्पात	४	२१	१९	मि.	४८	४९	५	४६	६	१४	४	१७	४४	५७	५८	९
३१	८	९	शु.	२१	३०	मृ.	२१	३५	सि.	५८	५	ग.	२१	३०	व.	५३	५३	मानस	५	२२	२०				५	४६	६	१४	४	१८	४३	६	५८	११
३१	४	१०	श.	२६	१६	आ.	२७	४५	व्य	५९	३३	वि.	२६	१६	बव	५८	५१	मुद्गर	६	२३	२१				५	४७	६	१३	४	१९	४१	१७	५८	१४
३१	०	११	र.	३१	२६	पुन.	३४	१८	व.	६०	०	बा.	३१	२६	कौ.	६०	०	ध्वज	७	२४	२२	क.	१७	४०	५	४८	६	१२	४	२०	३९	३१	५८	१६
३०	५७	१२	चं.	३६	२८	पु.	४०	४१	व.	१	७	कौ.	३	५७	त.	३६	२८	धाता	८	२५	२३				५	४९	६	११	४	२१	३७	४७	५८	१८
३०	५३	१३	मं.	४०	५८	श्ले.	४६	३३	प.	२	२६	ग.	८	४३	व.	४०	५८	आनंद	९	२६	२४	सि.	४६	३३	५	४९	६	११	४	२२	३६	५	५८	२१
३०	५०	१४	बु.	४४	४४	म.	५१	३५	शि.	३	१८	वि.	१२	५१	श.	४४	४४	चर	१०	२७	२५				५	५०	६	१०	४	२३	३४	२६	५८	२३
३०	४६	३०	बृ.	४७	१६	पू.	५५	३४	सि.	३	१५	च.	१६	०	ना.	४७	१६	गद	११	२८	२६				५	५१	६	९	४	२४	३२	४९	५८	२४

श्री संवत् २०२६ शके १८९१। भाद्रपद कृष्णपक्षः। अगस्त २८ से सितम्बर ११ तक। याम्यायनम् सौम्यगोलः वर्षाऋतुः।

म. ४५।५७ उ.। हस्ते बुधः ४५।५६। a कज्जली ३।
म.१४।२६या.। पूर्वाफाल्गुन्यामर्कः ४८।५६। गणेश ४ व्रतम्।a
पञ्चक समाप्त५।१या.। अश्विन्यां स.सि.योगः। प्राच्यां यात्रा मु.।
सितम्बर। उदीच्यां यात्रा मु.५।५५या.ततः या.ज.मु.११।२९या.।
म. १२।२७उ.४३।२५या.। हलषष्ठी। कृत्तिका भे.स.सि.योगः।
श्रीकृष्ण जन्माष्टमीव्रतम् प्रायः सर्वेषाम्। रोहिणी भे स.सि.योगः।
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रतम्। मृग से पूर्व यात्रा मु. ४८।२९ या.।
म. ५३।५३ उ.। दक्षिण यात्रा मु. २१।३५ या.। मूल भेb
म. २६।१६ या.। एकादश्यां या.ज.मु.। श्लेषायां शुक्रः ४८।७।
अजा एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्। या.ज.मु. ३१।२६ या.। स.सि.c
स.सि.योगः४०।४१या.। उदीच्यां यात्रा मु.। श्लेष्यायोगे या.ज.मु.।
म. ४०।५८ उ.। प्रदोष व्रतम्। bधनुराशौ भौमः ३।१९।
म. १२।५१ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्। cयोगः ३४।१८ उ.।
कुशोत्पाटिनी ३० ॐ हुँ फट् मन्त्रेण। पिठोरा ३० व्रतम्।d
d स्नानदानादी ३०।

भा. कृ. ४ रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	७	५	५	३	०	१०	४
१४	२७	११	१३	९	१४	२७	२७
१५	०	४८	५४	३०	४८	४५	४५
४८	२९	२५	४१	३१	१५	२०	२०
५८	२७	८३	११	७१	०/४८	३	३
२	३५	२१	२५	२५	व.	११	११

६बु.बृ.
४शु.
७
के.सू.५
३
मं.८
२
९
११ रा.
१श.
१०
१२चं.

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बृ.		२ शु.		३ श.		४ र.		५ चं.		६ मं.		७ बु.		८ बृ.		९ शु.		१० श.		११ र.		१२ चं.		१३ मं.		१४ बु.		३० बृ.	
सि. अं.	७	५	७	१	६	५७	६	५४	६	४९	६	४५	६	४२	६	३८	६	३३	६	३०	६	२६	६	२२	६	१८	६	१४	६	१०
कं. अं.	९	१८	९	१४	९	१०	९	७	९	२	८	५८	८	५५	८	५१	८	४६	८	४३	८	३९	८	३५	८	३१	८	२७	८	२३
तु. अं.	११	३५	११	३१	११	२७	११	२४	११	१९	११	१५	११	१२	११	८	११	३	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०
वृ. अं.	१	५३	१	४९	१	४५	१	४२	१	३७	१	३३	१	३०	१	२६	१	२१	१	१८	१	१४	१	१०	१	६	१	२	१२	५८
ध. अं.	३	५९	३	५५	३	५१	३	४८	३	४३	३	३९	३	३६	३	३२	३	२७	३	२४	३	२०	३	१६	३	१२	३	८	३	४
म. अं.	५	४५	५	४१	५	३७	५	३४	५	२९	५	२५	५	२२	५	१८	५	१३	५	१०	५	६	५	२	४	५८	४	५४	४	५०
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कुं. अं.	७	१६	७	१२	७	८	७	५	७	०	६	५६	६	५३	६	४९	६	४४	६	४१	६	३७	६	३३	६	२९	६	२५	६	२१
मी. अं.	८	४४	८	४०	८	३६	८	३३	८	२८	८	२४	८	२१	८	१७	८	१२	८	९	८	५	८	१	७	५७	७	५३	७	४९
मे. अं.	१०	२२	१०	१८	१०	१४	१०	११	१०	६	१०	२	९	५९	९	५५	९	५०	९	४७	९	४३	९	३९	९	३५	९	३१	९	२७
वृ. अं.	१२	१८	१२	१४	१२	१०	१२	७	१२	२	११	५८	११	५५	११	५१	११	४६	११	४३	११	३९	११	३५	११	३१	११	२७	११	२३
मि. अं.	२	३२	२	२८	२	२४	२	२१	२	१६	२	१२	२	९	२	५	२	०	१	५७	१	५३	१	४९	१	४५	१	४१	१	३७
क. अं.	४	५०	४	४६	४	४२	४	३९	४	३४	४	३०	४	२७	४	२३	४	१८	४	१५	४	११	४	७	४	३	३	५९	३	५५

भा. कृ. १४ बुधे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	८	५	५	३	०	१०	[illegible]
२३	२	१८	१६	२१	१४	२७	२७
५६	३०	३६	०	१८	३६	१४	१४
५५	२९	४१	२४	२४	१५	३६	३६
५८	२९	४२	११	७५	[illegible]	३	३
२१	३४	२१	२२	२५	व.	११	११

६बु बृ.
शु.४
७
सू के.चं.
५
३
८
२
मं.९
रा.११
१श.
१०
१२

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि	गतिः क.	वि.
३०	४२	१	शु.	४८	४३	उ.	५८	२१	सा.	२	३९	कि.	१७	५९	बव	४८	४३	शुभ	१२	२९	२७	क.	११	१६	५	५२	६	८	४	२५	३१	१३	५८	२५
३०	३९	२	श.	४८	४८	ह.	५९	५२	शु.	०/५७	५६/१७	वा.	१८	४५	कौ.	४८	४८	मृत्यु	१३	३०	२८				५	५२	६	८	४	२६	२९	३८	५८	२७
३०	३५	३	र.	४७	३८	चि.	६०	०	ब्र.	५४	२३	तै.	१८	१३	ग.	४७	३८	पद्म	१४	१	२९	तु.	३०	०	५	५३	६	७	४	२७	२८	५	५८	२९
३०	३२	४	चं.	४५	१५	चि.	०/५९	९/८	ऐं.	४९	३९	व.	१६	२६	वि.	४५	१५	मूद्गर	१५	२	३०				५	५४	६	६	४	२८	२६	३४	५८	३१
३०	२८	५	मं.	४१	५१	वि.	५७	२५	वै.	४४	५	बव	१३	३३	बा.	४१	५१	श्रीवत्स	१६	३	३१	वृ.	४२	५३	५	५४	६	६	४	२९	२५	५	५८	३३
३०	२४	६	बु.	३७	३२	अनु.	५४	४३	वि.	३७	४९	कौ.	९	४१	तै.	३७	३२	सौम्य	१७	४	१				५	५५	६	५	५	०	२३	३८	५८	३५
३०	२१	७	बृ.	३२	२८	ज्ये.	५१	२१	प्री.	३०	५७	ग.	५	०	व.	३२/५९	२८/४०	काल	१८	५	२	ध.	५१	२१	५	५६	६	४	५	१	२२	१३	५८	३६
३०	१७	८	शु.	२६	५२	मू.	४७	२९	आ.	२३	२५	बव	२६	५२	बा.	५३	५३	स्थिर	१९	६	३				५	५७	६	३	५	२	२०	४९	५८	३७
३०	१३	९	श.	२०	५५	पू.	४३	२०	सौ.	१५	५९	कौ.	२०	५५	तै.	४७	५०	मातंग	२०	७	४	म.	५७	१६	५	५७	६	३	५	३	१९	२६	५८	३९
३०	१०	१०	र.	१४	४६	उ.	३९	५	शो.	८	१३	ग.	१४	४६	व.	४१	४४	अमृत	२१	८	५				५	५८	६	२	५	४	१८	५	५८	४१
३०	६	११	चं.	८	४३	श्र.	३५	१	अ.	०/५३	२८/३६	वि.	८	४३	बव	३५	४९	सिद्धि	२२	९	६				५	५९	६	१	५	५	१६	४६	५८	४३
३०	२	१२	मं.	२/५४	५५/३७	ध.	३१	१७	सु.	४५	३६	बा.	२	५५	कौ.	३०/५७	१३/३२	उत्पात	२३	१०	७	कुं.	३	९	६	०	६	०	५	६	१५	२९	५८	४५
२९	५९	१४	बु.	५२	४७	श.	२८	४	धृ.	३८	४८	ग.	२५	९	व.	५२	४७	मानस	२४	११	८				६	०	६	०	५	७	१४	१४	५८	४६
२९	५५	१५	बृ.	४८	५३	पू.	२५	४०	शू.	३२	४०	वि.	२०	५०	बव	४८	५३	मुद्गर	२५	१२	९	मी.	११	१६	६	१	५	५९	५	८	१३	०	५८	४८

श्री संवत् २०२६ शके १८९१ । भाद्रपद शुक्लपक्षः सित. १२ से २५ तक । याम्यायनम् । सौम्यगोलः । वर्षाऋतुः । * या. ज. मु. ।

* कन्यार्कतः शरद ऋतुः

उत्तरा फाल्गुन्यामर्कः ३४।५७ । दक्षिण यात्रा मु. । चन्द्रदर्शनम् । जमादि उस्सानी । हरितालिका ३ a शुक्रः ५८।२९ । म. १६।२६ उ. ४५।१५ या. । गणेश ४ व्रतम् । ढेला ४ । कन्यायामर्कः ५९।४४ । ऋषिपञ्चमीव्रतम् । मघायां सिंहे a स. सि. अ. सि. योगः । अर्क ६ । सौर आश्विनारम्भः । म. ३२।२८ उ. ५९।४० या. b वामनजयन्ती । वक्री बुधः ५।३९ ।

e परिवर्तिनी ११ सर्वेषाम् । म. ४१।४४ उ. । स. सि. योगः । म. ८।४३ या. । श्रवसि दक्षिण यात्रा मु. मद्रान्ते । e रा. आश्विन । पञ्चकारम्भः ३।९उ. । वामन १२ । b म. ५२।४७ उ. । अनन्त १४ व्रतम् । c ४३।५५ । म. २०।५० या. । उत्तरायोगे या.ज.मु. । पश्चिमास्तं गुरुः c

भाद्रपद शु. २ शनौ इ.०।०

[illegible]	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के
४	८	५	५	३	०	१०	४
२६	३	१९	१६	२५	१४	२७	२७
२९	५९	५६	३३	८	३३	५	५
३८	१२	४२	१९	१७	३२	२१	२१
५९	२८	४१	११	७५	१/७	३	३
२७	४५	३७	१९	२१	व.	११	११

बु.६बृ.
शु.४
७
के.५ सू.
चं.३
८
२
मं.९
११ रा.
१श-
१०
१२

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.	२ श.	३ र.	४ चं.	५ मं.
सि. अं.	६|७	६|३	५|५९	५|५५	५|५१
क. अं.	८|२०	८|१६	८|१२	८|८	८|४
तु. अं.	१०|३७	१०|३३	१०|२९	१०|२५	१०|२१
वृ. अं	१२|५५	१२|५१	१२|४७	१२|४३	१२|३९
ध. अं.	३|१	२|५७	२|५३	२|४९	२|४५
म. अं.	४|४७	४|४३	४|३९	४|३५	४|३१
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
कुं. अं.	६|१८	६|१४	६|१०	६|६	६|२
मी. अं.	७|४६	७|४२	७|३८	७|३४	७|३०
मे. अं.	९|२४	९|२०	९|१६	९|१२	९|८
वृ. अं.	११|२०	११|१६	११|१२	११|८	११|४
मि. अं.	१|३४	१|३०	१|२७	१|२२	१|१८
क. अं.	३|५२	३|४८	३|४४	३|४०	३|३६

तिथयः	६ बु.	७ बृ.	८ शु.	९ श.	१० र.	११ चं.	१२ मं.	१४ बु.	१५ बृ.
कं. अं.	७|५९	७|५५	७|५१	७|४७	७|४३	७|३९	७|३६	७|३२	७|२८
तु. अं.	१०|१६	१०|१२	१०|८	१०|४	१०|०	९|५६	९|५३	९|४९	९|४५
वृ. अं.	१२|३४	१२|३०	१२|२६	१२|२२	१२|१८	१२|१४	१२|११	१२|७	१२|३
ध. अं.	२|४०	२|३६	२|३२	२|२८	२|२४	२|२०	२|१७	२|१३	२|९
म अं.	४|२६	४|२२	४|१८	४|१४	४|१०	४|६	४|३	३|५९	३|५५
कुं. अं.	५|५७	५|५३	५|४९	५|४५	५|४१	५|३७	५|३४	५|३०	५|२६
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मी. अं.	७|२५	७|२१	७|१७	७|१३	७|९	७|५	७|२	६|५८	६|५४
मे. अं.	९|३	८|५९	८|५५	८|५१	८|४७	८|४३	८|४०	८|३६	८|३२
वृ. अं.	१०|५९	१०|५५	१०|५१	१०|४७	१०|४३	१०|३९	१०|३६	१०|३२	१०|२८
मि. अं.	१|१३	१|९	१|५	१|१	१२|५७	१२|५३	१२|५०	१२|४६	१२|४२
क. अं.	३|३१	३|२७	३|२३	३|१९	३|१५	३|११	३|८	३|४	३|०
सिं. अं.	५|४६	५|४२	५|३८	५|३४	५|३०	५|२६	५|२३	५|१९	५|१५

भाद्रपद शुक्ल ९ शनौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के
५	८	५	५	४	०	१०	४
३	८	१७	१८	३	१४	२६	२६
४१	१८	०	६	३०	०	४२	४२
४५	४६	२५	२१	३४	२	५१	५१
५८	३५	२	११	७१	२/४८	३	३
४१	४२	व. ५	२९	२२	व.	११	११

७
शु.के.५
चं.८
सू.बु.६वृ.
४
९ मं.
३
१०
१२
२
रा.११
श. १

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. रा.	प्र. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२९	५१	१	श.	४५	५५	उ.	२४	३	वृ.	२७	१५	वा.	१७	२४	कौ.	४५	५५	ध्वज	२६	१३	१०				६	२	५	५८	५	९	११	४८	५८	५०
२९	४८	२	श.	४४	३	रे.	२३	२७	ध्रु.	२२	३९	तै.	१४	५९	ग.	४४	३	धाता	२७	१४	११	मे.	२३	२७	६	२	५	५८	५	१०	१०	३८	५८	५२
२९	४४	३	र.	४३	२३	अ.	२४	७	व्या	१९	१	व.	१३	४३	वि.	४३	२३	आनन्द	२८	१५	१२				६	३	५	५७	५	११	९	३०	५८	५५
२९	४०	४	च.	४४	२	भ.	२५	५९	ह.	१६	२२	बव	१३	४२	वा.	४४	२	चर	२९	१६	१३	वृ.	४१	४६	६	४	५	५६	५	१२	८	२५	५८	५७
२९	३६	५	मं.	४६	३	कृ.	२९	९	व.	१४	४४	कौ.	१५	३	तै.	४६	३	गद	३०	१७	१४				६	५	५	५५	५	१३	७	२२	५८	५९
२९	३३	६	बु.	४९	६	रो.	३३	२४	सि.	१४	३	ग.	१७	३४	व.	४९	६	शुभ	१	१८	१५				६	५	५	५५	५	१४	६	२१	५९	१
२९	२९	७	बृ.	५३	१७	मृ.	३८	४५	व्य.	१४	१६	वि.	२१	११	बव	५३	१७	मृत्यु	२	१९	१६	मि.	६	४	६	६	५	५४	५	१५	५	२२	५९	३
२९	२५	८	शु.	५८	५	आ.	४४	४९	व.	१५	७	वा.	२५	४१	कौ.	५८	५	पद्म	३	२०	१७				६	७	५	५३	५	१६	४	२५	५९	४
२९	२२	९	श.	६०	०	पु.	५१	१५	प.	१६	१८	तै.	३०	४१	ग.	६०	०	छत्र	४	२१	१८	क.	३४	३९	६	८	५	५२	५	१७	३	२९	५९	७
२९	१८	९	र.	३	१८	पु.	५७	४२	शि.	१७	५८	ग.	३	१८	व.	३५	५१	श्रीवत्स	५	२२	१९				६	८	५	५२	५	१८	२	३६	५९	९
२९	१४	१०	चं.	८	२४	श्ले	६०	०	सि.	१९	१९	वि.	८	२४	बव	४०	४२	सौम्य	६	२३	२०				६	९	५	५१	५	१९	१	४५	५९	१२
२९	११	११	मं.	१३	१	श्ले	३	४५	सा.	२०	१४	बा.	१३	१	कौ.	४४	५७	आनन्द	७	२४	२१	सिं.	३	४५	६	१०	५	५०	५	२०	०	५७	५९	१५
२९	७	१२	बु.	१६	५३	म.	९	६	शु.	२०	१९	तै.	१६	५३	ग.	४८	१२	चर	८	२५	२२				६	११	५	४९	५	२१	०	१२	५९	१८
२९	३	१३	बृ.	१९	३१	पू.	१३	१८	शु.	१९	५४	व.	१९	३१	वि.	५०	१८	गद	९	२६	२३	कं.	२९	५	६	११	५	४९	५	२१	५९	३०	५९	१९
२९	०	१४	शु.	२१	५	उ.	१६	२५	ब्र.	१८	१९	श.	२१	५	च.	५१	११	शुभ	१०	२७	२४				६	१२	५	४८	५	२२	५८	४९	५९	२२
२८	५६	३०	श.	२१	१७	ह.	१८	१६	ऐं.	१५	२३	ना.	२१	१७	किं.	५०	४५	मृत्यु	११	२८	२५	तु.	४८	३३	६	१३	५	४७	५	२३	५८	११	५९	२३

श्री संवत् २०२६ शके १८९१। आश्विन कृष्णपक्षः सित. २६ से अक्टू. ११ तक। याम्यायनम्। सौम्यगोलः। शरद्ऋतुः।

स. सि. योगः। उदीच्यां यात्रा मु. २४।३ उ.।
हस्तमेऽर्कः १२।५८। प्रश्चिमोत्तरी यात्रा मु.।
म. १३।४३ उ. ४३।२३ या.। स. सि. योगः प्राच्यां यात्रा मु.a
पू. फा. भे. भौम ०।२३। वक्रगत्या पुनः उ. फा. भे बुधः ८।४३।d
स. सि. योगः २९।९ या.। dपू. फा. भे शुक्रः ९।१४।
म. ४९।६ उ.। अक्टूबर। स. सि. योगः मृग भे दक्षिण यात्रा मु.।
भ. २१।११ या.। प्रतीच्यां यात्रा मु. भद्रोपरान्ते।
महालक्ष्मी ८। जीवितपुत्रिका व्रतम्।
मातृनवमी। तिथिदानात् प्रतीच्यां यात्रा मु.। या. ज. मु. c
म. ३५।५१ उ.। स. सि. योगः ५७।४२ या.।
म. ८।२४ या.।
c५१।१५ या.।
इन्दिरा ११ व्रतं सर्वेषाम्। स. सि. योगः ३।४५ या.।
प्रदोषः। a भद्राप्राक्। तृतीया भरणी योगे या. ज. मु.।
म. १९।३१ उ. ५०।१८ या.। मास शिवरात्रिव्रतम्।
चित्रायामर्कः ४०।५९। उ. फा. मे शुक्रः ९।४५।
स्नानदानादौ ३०। पितृ.विसर्जनम्। या. ज. मु. १८।१६ या.

आ. कृ. ५ भौमे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	८	५	५	४	०	१०	४
१३	१४	९	२०	१५	१३	२६	२६
३०	१२	२४	१२	३०	२४	११	११
२४	१५	२३	११	३७	२७	७	७
५९	३५	४७/५६	११	७१	३/६	३	३
४	२९	व.	२६	२५	व.	११	११

७
के.५शु.
८ सू.६बु.बृ. ४
९मं. ३
१० १२ चं.२
रा.११ १श.

दैनिक लग्नसारिणी

तिथय:	१ शु.	२ श.	३ र.	४ च.	५ म.	६ बु.	७ बृ.	८ शु.	९ श.	९ र.	१० च.	११ म.	१२ बु.	१३ बृ.	१४ शु.	३० श.
क. अं.	७ २३	७ १९	७ १६	७ १२	७ ८	७ ४	७ ०	६ ५६	६ ५२	६ ४८	६ ४४	६ ४०	६ ३६	६ ३२	६ २८	६ २४
तु. अं.	९ ४०	९ ३६	९ ३३	९ २९	९ २५	९ २१	९ १७	९ १३	९ ९	९ ५	९ १	८ ५७	८ ५३	८ ४९	८ ४५	८ ४१
वृ. अं.	११ ५८	११ ५४	११ ५१	११ ४७	११ ४३	११ ३९	११ ३५	११ ३१	११ २७	११ २३	११ १९	११ १५	११ ११	११ ७	११ ३	१० ५९
ध. अं.	२ ४	२ ०	१ ५७	१ ५३	१ ४९	१ ४५	१ ४१	१ ३७	१ ३३	१ २९	१ २५	१ २१	१ १७	१ १३	१ ९	१ ५
म. अ.	३ ५०	३ ४६	३ ४३	३ ३९	३ ३५	३ ३१	३ २७	३ २३	३ १९	३ १५	३ ११	३ ७	३ ३	२ ५९	२ ५५	२ ५१
कुं. अं.	५ २१	५ १७	५ १४	५ १०	५ ६	५ २	४ ५८	४ ५४	४ ५०	४ ४६	४ ४२	४ ३८	४ ३४	४ ३०	४ २६	४ २२
राशय:	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मी. अं.	६ ४९	६ ४५	६ ४२	६ ३८	६ ३४	६ ३०	६ २६	६ २२	६ १८	६ १४	६ १०	६ ६	६ २	५ ५८	५ ५४	५ ५०
मे. अं.	८ २७	८ २३	८ २०	८ १६	८ १२	८ ८	८ ४	८ ०	७ ५६	७ ५२	७ ४८	७ ४४	७ ४०	७ ३६	७ ३२	७ २८
वृ. अं.	१० २३	१० १९	१० १६	१० १२	१० ८	१० ४	१० ०	९ ५६	९ ५२	९ ४८	९ ४४	९ ४०	९ ३६	९ ३२	९ २८	९ २४
मि. अं.	१२ ३७	१२ ३३	१२ ३०	१२ २६	१२ २२	१२ १८	१२ १४	१२ १०	१२ ६	१२ २	११ ५८	११ ५४	११ ५०	११ ४६	११ ४२	११ ३८
क. अं.	२ ५५	२ ५१	२ ४८	२ ४४	२ ४०	२ ३६	२ ३२	२ २८	२ २४	२ २०	२ १६	२ १२	२ ८	२ ४	२ ०	१ ५६
सिं. अं.	५ १०	५ ६	५ ३	४ ५९	४ ५५	४ ५१	४ ४७	४ ४३	४ ३९	४ ३५	४ ३१	४ २७	४ २३	४ १९	४ १५	४ ११

आश्विन कृ. १४ शुक्रे इ.

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	
५	८	५	५	४	०	१०	
२३	२०	८	२२	२७	१२	२५	२५
२३	४८	३०	३०	४२	४२	३९	३९
१४	४४	३४	१७	३३	३१	२२	२२
५९	३६	६/६	११	७१	३/१	३	३
२८	३५	व.	२८	२३	व.	११	११

७
८ चं. के.५शु.
बृ.सू.६बु. ४
मं.९ ३
१० १२ २
रा.११ श.१

24th Oct A Son is Born to Sri Narendra . 8.45 Am

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	वं.	चं. रा.	प्र. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२८	५२	१	र.	२०	५३	चि.	१८	५०	वै.	१२	७	बव	२०	१३	वा.	४९	५	पद्म	१२	२९	२६				६	१४	५	४६	५	२४	५७	३४	५९	२५
२८	४९	२	चं.	१७	५७	स्वा	१८	१४	वि.	७	३४	कौ.	१७	५७	तै.	४६	१६	छत्र	१३	१	२७				६	१४	५	४६	५	२५	५६	५९	५९	२८
२८	४५	३	मं.	१४	३६	वि.	१६	३६	प्री.	२/५७	१२/५२	ग.	१४	३६	व.	४२	३०	श्रीवत्स	१४	२	२८	वृ.	२	१	६	१५	५	४५	५	२६	५६	२७	५९	३०
२८	४२	४	बु.	१०	२५	अनु.	१४	१०	सौ.	४९	१५	वि.	१०	२५	बव	३७	५३	सौम्य	१५	३	२९				६	१६	५	४४	५	२७	५५	५७	५९	३१
२८	३८	५	बृ.	५/५४	२२/३४	ज्ये.	१०	५६	शो.	४१	४७	वा.	५	२२	कौ.	३२/५९	३९/५६	काल	१६	४	३०	ध.	१०	५६	६	१६	५	४४	५	२८	५५	२८	५९	३३
२८	३४	७	शु.	५४	२	मू.	७	१२	अ.	३४	१९	ग.	२६	५९	व.	५४	२	स्थिर	१७	५	३१				६	१७	५	४३	५	२९	५५	१	५९	३५
२८	३१	८	श.	४८	१	पू.	३/५५	४/४८	सु.	२६	३४	वि.	२१	१	बव	४८	१	मातंग	१८	६	१	म.	१७	१	६	१८	५	४२	६	०	५४	३६	५९	३६
२८	२७	९	र.	४१	५९	श्र.	५४	४५	धृ.	१८	४३	वा.	१५	०	कौ.	४१	५९	गद	१९	७	२				६	१९	५	४१	६	१	५४	१२	५९	३९
२८	२४	१०	चं.	३६	११	ध.	५०	५४	शू.	१०	५८	तै.	९	५	ग.	३६	११	शुभ	२०	८	३	कुं.	२२	५०	६	१९	५	४१	६	२	५३	५१	५९	४१
२८	२०	११	मं.	३०	५३	श.	४७	३५	गं.	३/५३	३२/०	व.	३	३२	वि.	३०/५८	५३/३३	मृत्यु	२१	९	४				६	२०	५	४०	६	३	५३	३२	५९	४२
२८	१७	१२	बु.	२६	१३	पू.	४४	५३	ध्रु.	५०	८	वा.	२६	१३	कौ.	५४	१८	पद्म	२२	१०	५	मी.	३०	३४	६	२१	५	३९	६	४	५३	१४	५९	४४
२८	१३	१३	बृ.	२२	२३	उ.	४३	३	व्या	४४	२५	तै.	२२	२३	ग.	५०	५७	छत्र	२३	११	६				६	२१	५	३९	६	५	५२	५८	५९	४५
२८	१०	१४	शु.	१९	३२	रे.	४२	१३	ह.	४८	३०	व.	१९	३२	वि.	४८	३८	श्रीवत्स	२४	१२	७	मे.	४२	१३	६	२२	५	३८	६	६	५२	४३	५९	४६
२८	६	१५	श.	१७	४४	अ.	४२	३३	व.	३५	३१	बव	१७	४४	वा.	४७	२७	सौम्य	२५	१३	८				६	२३	५	३७	६	७	५२	२९	५९	४८

श्री संवत् २०२६ शके १८९१। आश्विन शुक्लपक्षः। अक्टू. १२ से २५ तक। याम्यायनम्। सौम्यगोलः। शरद्ऋतुः।

शारदीय नवरात्रारम्भः। कलशस्थापनम्। चन्द्रदर्शनम्। a रज्जव। a कन्यायां शुक्रः ४४।१६। c गुरुः ४८।५६।
म. ४२।३० उ.। f या.। स. सि. अ. सि. योगः ४२।१३ या.।
म. १०।२५ या.। स. सि. योगः १४।१० या.। चित्रा में c पुनः हस्ते बुधः ८।४५।
म. ५४।२ उ.। तुलायामर्कः २५।३।
म. २१।१ या.। नवमी योगे या. ज. मु.। सौर कार्तिकारम्भः।
दक्षिणपूर्वौ यात्रा म. श्रवसि। उ. षा. मे भौमः ४।२५।
दक्षिण यात्रा मु. २२।५० या. ततः प्रतीच्यां यात्रा मु.। b
म. ३।३२ उ. ३०।५३ या.। पापाङ्कुशा ११ व्रतं सर्वेषाम्।
प्रदोष व्रतम्। **प्राच्यां गुरुः उदयः ४४।७।**
या. ज. मु. २२।२३ या.। रा. कार्तिक। मकरे भौमः ५३।५२
म. १९।३२ उ. ४८।३८ या.। स्वात्यामर्कः ६।०। चित्रायां e उदीच्यां यात्रा मु.।
b पञ्चकारम्भः २२।५० उ.। हस्ते शुक्रः ४।७।
e बुधः ४८।४१। पञ्चक समाप्तिः। उदीच्यां यात्रा मु. ४२।१३ f

आ. शु. ३ भौमे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	८	५	५	५	०	१०	४
२६	२२	८	२३	१	१२	२५	२५
२०	३१	१२	३	१५	३३	३०	३०
४६	१२	३४	१४	४६	४६	७	७
५९	२७	६/७	११	७१	३/२	३	३
२८	४२	व.	२५	१४	व.	११	११

७चं.
के. ५
बु.
८
शु.सू.६बृ.
४
मं.९
३
१०
१२
२
रा.११
श.१

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.		२ चं.		३ मं.		४ बु.		५ बृ.		७ शु.	
कं. अं.	६	२१	६	१७	६	१३	६	९	६	५	६	१
तु. अं.	८	३८	८	३४	८	३०	८	२६	८	२२	८	१८
वृ. अं.	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६
ध. अं.	१	२	१२	५८	११	५४	१२	५०	१२	४६	१२	४२
म. अं.	२	४८	२	४४	२	४०	२	३६	२	३२	२	२८
कुं. अं.	४	१९	४	१५	४	११	४	७	४	३	३	५९
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मी. अं.	५	४७	५	४३	५	३९	५	३५	५	३१	५	२७
मे. अं.	७	२५	७	२१	७	१७	७	१३	७	९	७	५
वृ. अं.	९	२१	९	१७	९	१३	९	९	९	५	९	१
मि. अं.	११	३५	११	३१	११	२७	११	२३	११	१९	११	१५
क. अं.	१	५३	१	४९	१	४५	१	४१	१	३७	१	३३
सिं. अं.	४	८	४	४	४	०	३	५६	३	५२	३	४८

तिथयः	८ श.		९ र.		१० चं.		११ मं.		१२ बु.		१३ बृ.		१४ शु.		१५ श.	
तु. अं.	८	१३	८	१०	८	६	८	२	७	५८	७	५४	७	५०	७	४६
वृ. अं.	१०	३१	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	४
ध. अं.	१२	३७	१२	३४	१२	३०	१२	२६	१२	२२	१२	१८	१२	१४	१२	१०
म. अं.	२	२३	२	२०	२	१६	२	१२	२	८	२	४	२	०	१	५६
कुं. अं.	३	५४	३	५१	३	४७	३	४३	३	३९	३	३५	३	३१	३	२७
मी. अं.	५	२२	५	१९	५	१५	५	११	५	७	५	३	४	५९	४	५५
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मे. अं.	७	०	६	५७	६	५३	६	४९	६	४५	६	४१	६	३७	६	३३
वृ. अं.	८	५६	८	५३	८	४९	८	४५	८	४१	८	३७	८	३३	८	२९
मि. अं.	११	१०	११	७	११	३	१०	५९	१०	५५	१०	५१	१०	४७	१०	४३
क. अं.	१	२८	१	२५	१	२१	१	१७	१	१३	१	९	१	५	१	१
सिं. अं.	३	४३	३	४०	३	३६	३	३२	३	२८	३	२४	३	२०	३	१६
कं. अं.	५	५६	५	५३	५	४९	५	४५	५	४१	५	३७	५	३३	५	२९

आ. शु. ११ भौमे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	८	५	५	५	०	१०	४
३	२७	१६	२४	९	११	२५	२५
९	१८	३६	४२	५४	५४	७	७
५८	३९	३५	३१	३७	५४	३८	३८
५९	४२	६६	११	७१	३/४	३	३
४५	३१	३७	२८	३१	व.	११	११

८
बृ.६शु.बु.
मं.९
सू ७
के.५
१०
४
रा. ११
१श.
३
१२
२

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	ब्रं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२८	३	१	र.	१७	११	म.	४४	६	सि.	३२	३१	कौ.	१७	११	तै.	४७	३३	काल	२६	१४	९				६	२३	५	३७	६	८	५२	१७	५९	५१
२७	५९	२	चं.	१३	५५	कृ.	४७	५६	व्य.	३०	३२	ग.	१३	५५	व.	४८	५९	स्थिर	२७	१५	१०	वृ.	०	३	६	२४	५	३६	६	९	५२	८	५९	५४
२७	५६	३	मं.	२०	३	रो.	५०	५२	व.	२९	३१	वि.	२०	३	बव	५१	३८	मातंग	२८	१६	११				६	२५	५	३५	६	१०	५२	२	५९	५६
२७	५३	४	बु.	२३	१४	मृ.	५५	५८	प.	२९	२४	बा.	२३	१४	कौ.	५५	१५	अमृत	२९	१७	१२	मि.	२३	२५	६	२५	५	३५	६	११	५१	५८	५९	५८
२७	४९	५	बृ.	२७	१७	आ.	६०	०	शि.	३०	१	तै.	२७	१७	ग.	५९	५०	काण	३०	१८	१३				६	२६	५	३४	६	१२	५१	५६	६०	०
२७	४६	६	शु.	३२	२४	आ.	१	५०	सि.	३१	१०	व.	३२	२४	वि.	६०	०	पद्म	३१	१९	१४	क.	५१	३९	६	२७	५	३३	६	१३	५१	५६	६०	२
२७	४३	७	श.	३७	४३	पु.	८	१५	सा.	३२	३९	वि.	५	३	बव	३७	४३	छत्र	१	२०	१५				६	२७	५	३३	६	१४	५१	५८	६०	३
२७	४०	८	र.	४२	५३	पु.	१४	४८	शु.	३३	५७	बा.	१०	१८	कौ	४२	५३	श्रीवत्स	२	२१	१६				६	२८	५	३२	६	१५	५२	१	६०	५
२७	३६	९	चं.	४७	१३	श्ले	२०	५८	शु.	३४	५५	तै.	१५	३	ग.	४७	१३	सौम्य	३	२२	१७	सिं.	२०	५८	६	२९	५	३१	६	१६	५२	६	६०	७
२७	३३	१०	मं.	५१	२७	म.	२६	२७	ब्र.	३५	१९	व.	१९	२०	वि.	५१	२७	काल	४	२३	१८				६	२९	५	३१	६	१७	५२	१३	६०	१०
२७	३०	११	बु.	५४	१०	पू.	३०	५८	ऐं.	३४	५१	बव	२२	४८	बा.	५४	१०	स्थिर	५	२४	१९	कं.	४६	५०	६	३०	५	३०	६	१८	५२	२३	६०	१३
२७	२७	१२	बृ.	५५	४७	उ.	३४	२५	वै.	३३	३४	कौ.	२४	५८	तै.	५५	४७	मातंग	६	२५	२०				६	३१	५	२९	६	१९	५२	३६	६०	१५
२७	२४	१३	शु.	५६	१	ह.	३६	३३	वि.	३१	१३	ग.	२५	५४	व.	५६	१	अमृत	७	२६	२१				६	३१	५	२९	६	२०	५२	५१	६०	१७
२७	२१	१४	श.	५५	१	चि.	३७	२६	प्री.	२७	५३	वि.	२५	३१	श.	५५	१	काण	८	२७	२२	तु.	७	०	६	३२	५	२८	६	२१	५३	८	६०	१७
२७	१८	३०	र.	५२	४७	स्वा	३७	७	आ.	२३	३४	च.	२३	५४	ना.	५२	४७	लुम्ब	९	२८	२३				६	३२	५	२८	६	२२	५३	२५	६०	१८

श्री संवत् २०२६ शके १८९१। कार्तिक कृष्णपक्षः। अक्टू. २६ से नवम्बर ९ तक। याम्यायनगोलौ शरद् ऋतुः।

या. ज. मु. १७।११ या.।
म. ४८।५९ उ.। रोहिणी योगे स. सि. योगः।
म. २०।३ या.। मृग भे दक्षिण यात्रा मु.। तुलायां बुधः ५८।४५।
स.सि.योगः मृग भे। मृग भे दक्षिण पूर्वौ यात्रा मु. २३।२५a
चित्रायां शुक्रः ९।१४
म. ३२।२४ उ.। aया ततः दक्षिण पश्चिमयो यात्रा. मु.।
म. ५।३ या.। नवम्बर। या. ज. मु. ८।१५या.। पश्चिमोत्तरयोःb
स. सि. योगः १४।४८ या.। bयात्रा मु.।
या. ज. मु. २०।५८ या.। स्वात्यां बुधः ५।९।
म. १९।२० उ. ५१।२७ या.। cश्रयसि भौमः १६।३९।
रमा ११ स्मार्तानाम्। तुलायां शुक्रः ५।१२।
द्वीशेऽर्कः २६।१। हस्ते पूर्व यात्रा मु.। रमा ११वैष्णवानाम् ।c
म. ५६।१ उ.। दक्षिण पूर्वौ यात्रा मु. ३६।३३ या.। प्रदोषf
म. २५।३१ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्। हनुमज्जन्म।
दीपावली। स्नानदानादौ ३०। f व्रतम्। धन्वन्तरि १३।

का. कृ. ५ गुरौ. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	९	६	५	५	०	१०	४
१२	४	१	२६	२२	११	२४	२४
५१	२४	०	४८	२४	६	३५	३५
५६	३१	१९	३९	३७	२६	५३	५३
६०	४२	८९	१२	७८	४	३	३
६	३९	२३	११	३१	४६	११	११

८
बृ.६शु.
के.
९
सू.७बु.
५
मं.१०
४
११
रा.
१श.
३चं.
१२
२

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.		२ चं.		३ मं.		४ बु.		५ बृ.		६ शु.		७ श.		८ र.		९ चं.		१० मं.		११ बु.		१२ बृ.		१३ शु.		१४ श.		३० र.	
तु. अं.	७	४२	७	३८	७	३५	७	३०	७	२७	७	२३	७	१८	७	१५	७	११	७	७	७	३	६	५९	६	५५	६	५१	६	४७
वृ. अं.	१०	०	९	५६	९	५३	९	४८	९	४५	९	४१	९	३६	९	३३	९	२९	९	२५	९	२१	९	१७	९	१३	९	९	९	५
ध. अं.	१२	६	१२	२	११	५९	११	५४	११	५१	११	४७	११	४२	११	३९	११	३५	११	३१	११	२७	११	२३	११	१९	११	१५	११	११
म. अं.	१	५२	१	४८	१	४५	१	४०	१	३७	१	३३	१	२८	१	२५	१	२१	१	१७	१	१३	१	९	१	५	१	१	१२	५७
कुं. अं.	३	२३	३	१९	३	१६	३	११	३	८	३	४	२	५९	२	५६	२	५२	२	४८	२	४४	२	४०	२	३६	२	३२	२	२८
मी. अं.	४	५१	४	४७	४	४४	४	३९	४	३६	४	३२	४	२७	४	२४	४	२०	४	१६	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५६
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मे. अं.	६	२९	६	२५	६	२२	६	१७	६	१४	६	१०	६	५	६	२	५	५८	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	३८	५	३४
वृ. अं.	८	२५	८	२१	८	१८	८	१३	८	१०	८	६	८	१	७	५८	७	५४	७	५०	७	४६	७	४२	७	३८	७	३४	७	३०
मि. अं.	१०	३९	१०	३५	१०	३२	१०	२७	१०	२४	१०	२०	१०	१५	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	०	९	५६	९	५२	९	४८	९	४४
क. अं.	१२	५७	१२	५३	१२	५०	१२	४५	१२	४२	१२	३८	१२	३३	१२	३०	१२	२६	१२	२२	१२	१८	१२	१४	१२	१०	१२	६	१२	२
सिं. अं.	३	१२	३	८	३	५	३	०	२	५७	२	५३	२	४८	२	४५	२	४१	२	३७	२	३३	२	२९	२	२५	२	२१	२	१७
कं. अं.	५	२५	५	२१	५	१८	५	१३	५	१०	५	६	५	१	४	५८	४	५४	४	५०	४	४६	४	४२	४	३८	४	३४	४	३०

का. कृ. ३० रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	९	६	५	६	०	१०	४
२२	११	१७	२९	४	१०	२४	२४
५३	६	६	०	४२	१२	४	४
२५	११	२२	२	४१	९	९	९
६०	४१	९५	१२	७१	४	३	३
२६	३८	३५	१९	३६	४२	११	११

८
चं.
बृ.६
९
सू.७शु.बु.
के.५
१०मं.
४
११
रा.
श. १
३
१२
२

द. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा.	प्र. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२७	१५	१	चं.	४९	३०	वि.	३५	४३	सौ.	१८	२३	कि.	२१	८	बव	४९	३०	मित्र	१०	२९	२४	वृ.	२१	४	६	३३	५	२७	६	२३	५३	४३	६०	२१
२७	१२	२	मं.	४५	२१	ऽनु.	३३	२७	शो.	१२	२५	वा.	१७	२५	कौ.	४५	२१	वज्र	११	३०	२५				६	३४	५	२६	६	२४	५४	४	६०	२३
२७	९	३	बु.	४०	२५	ज्ये.	३०	२३	अ.	५/५८	४७/४६	तै.	१२	५३	ग.	४०	२५	ध्वांक्ष	१२	१	२६	ध.	३०	२३	६	३४	५	२६	६	२५	५४	२७	६०	२५
२७	६	४	बृ.	३५	०	मू.	२६	४६	धृ.	५०	५९	व.	७	४२	वि.	३५	०	धूम्र	१३	२	२७				६	३५	५	२५	६	२६	५४	५२	६०	२७
२७	३	५	शु.	२९	११	पूषा	२२	४४	शू.	४३	१४	बव	२	५	वा.	२/५६	५/५९	वर्धमा.	१४	३	२८	म.	३६	४१	६	३५	५	२५	६	२७	५५	१९	६०	२९
२७	०	६	श.	२३	११	उषा	१८	३२	गं.	३५	२२	तै.	२३	११	ग.	४०	९	रक्ष	१५	४	२९				६	३६	५	२४	६	२८	५५	४८	६०	३०
२६	५७	७	र.	१७	८	श्र.	१४	२२	वृ.	२७	२८	व.	१७	८	वि.	४४	२२	गद	१६	५	३०	कुं.	४२	२३	६	३७	५	२३	६	२९	५६	१८	६०	३०
२६	५५	८	चं.	११	३७	ध.	१०	२४	ध्रु.	१९	५१	बव	११	३७	वा.	३८	५९	शुभ	१७	६	१				६	३७	५	२३	७	०	५६	४८	६०	३१
२६	५२	९	मं.	६	२१	श.	६	५३	व्य.	१२	४१	कौ.	६	२१	तै.	३४	२	मृत्यु	१८	७	२	मी.	४९	४५	६	३८	५	२२	७	१	५७	१९	६०	३३
२६	५०	१०	बु.	५/५६	४३/१७	पू.	४	१	ह.	६	०	ग.	१	४३	व.	२/५८	५/०	पद्म	१९	८	३				६	३८	५	२२	७	२	५७	५२	६०	३५
२६	४७	१२	बृ.	५५	१३	उ.	२	१	व.	०/५४	५/४७	बव	२६	३६	वा.	५५	१३	छत्र	२०	९	४				६	३९	५	२१	७	३	५८	२७	६०	३७
२६	४५	१३	शु.	५३	३६	रे.	०	५४	व्य.	५०	२५	कौ.	२४	२४	तै.	५३	३६	श्रीवत्स	२१	१०	५	मे.	०	५४	६	३९	५	२१	७	४	५९	४	६०	३८
२६	४२	१४	श.	५३	९	अ.	०	५५	व.	४७	४	ग.	२३	२२	व.	५३	९	सौम्य	२२	११	६				६	४०	५	२०	७	५	५९	४२	६०	३८
२६	५०	१५	र.	५४	३	भ.	२	८	प.	४४	४२	वि.	२३	३६	बव	५४	३	कालदं	२३	१२	७	वृ.	१७	४६	६	४०	५	२०	७	७	०	२०	६०	३९

श्री संवत् २०२६ शके १८९१। कार्तिक शुक्लपक्षः। नवम्बर १० से २३ तक। याम्यायनगोलौ शरद् ऋतुः। p

अन्नकूट। बलिपूजनम्।गोक्रीड़ा। अनु. मे स. सि. योगः या.ज.नु. यम २। भ्रातृ २। चित्रगुप्त पूजा २। चन्द्रदर्शनम्। विशाखायांa शावान। aबुधः ३४।११। स्वात्यां शुक्रः ९।४४। म. ७।४२ उ. ३५। ० या.। गणेश ४। तुलायां गुरुः ५८।४५। ऽप्रबोधिनी ११ व्रतं वैष्णवानाम्। f योगः। प्रदोष व्रतम्। दक्षिण यात्रा मु. श्रवसि। b४२।२३। वृश्चिके बुधः ९।४५। म.१७।८ उ.४४।२२ या.। वृश्चिकेऽर्कः १७।४६। पञ्चकारम्भः b प्रतीच्यां यात्रा मु.। गोपाष्टमी। सौ मार्गशीर्षारम्भः। अनुमेc अक्षय ९। eस्मार्तानाम्। भीष्मपञ्चकम्। cबुधः ३४।१५। म. २९।५१ उ. ५८।० या.। मैत्रेऽर्कः ३५।२।प्रबोधिनी ११ व्रतंe स. सि. योगः २।१ उ.। रेवत्यां पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.।s पञ्चक समाप्तिः ०।५४। अ.सि.योगः ०।५४ या. ततः स.सि.f म. ५३।९ उ.। या. ज. यो. भरणी योगे। रा. मार्गशीर्ष। * म. २३।३६ या.। गुरु नानक जयन्ती।

p वृश्चिकार्कतः शिशिरऋतु।

*विशाखायां शुक्रः ३८।१५।

का. शु. ३ बुधे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	९	६	५	६	०	१०	४
२५	१३	२१	२९	८	१०	२३	२३
५४	९	३६	३६	२७	२४	५५	५५
२७	४४	३२	५७	५८	३९	२१	२१
६०	४१	९४	१२	७१	४	३	३
१५	२९	३७	१७	२५	४२	११	११

८चं.
बृ.६
९
बु.सू.७शु.
५के.
मं.१०
४
११ रा.
१ श.
३
१२
२

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१चं.	२मं.	३बु.	४बृ.	५शु.	६श.	७र.
तु. अं.	६ ४३	६ ३९	६ ३५	६ ३१	६ २७	६ २३	६ १९
वृ. अं.	९ १	८ ५७	८ ५३	८ ४९	८ ४५	८ ४१	८ ३७
ध. अं.	११ ७	११ ३	१० ५९	१० ५५	१० ५१	१० ४७	१० ४३
म. अं.	१२ ५३	१२ ४९	१२ ४५	१२ ४१	१२ ३७	१२ ३३	१२ २९
कु. अं.	२ २४	२ २०	२ १६	२ १२	२ ८	२ ४	२ ०
मी. अं.	३ ५२	३ ४८	३ ४४	३ ४०	३ ३६	३ ३२	३ २८
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मे. अं.	५ ३०	५ २६	५ २२	५ १८	५ १४	५ १०	५ ६
वृ. अं.	७ २६	७ २२	७ १८	७ १४	७ १०	७ ६	७ २
मि. अं.	९ ४०	९ ३६	९ ३२	९ २८	९ २४	९ २०	९ १६
क. अं.	११ ५८	११ ५४	११ ५०	११ ४६	११ ४२	११ ३८	११ ३४
सि. अं.	२ १३	२ ९	२ ५	२ १	१ ५७	१ ५३	१ ४९
कं. अं.	४ २६	४ २२	४ १८	४ १४	४ १०	४ ६	४ २

तिथयः	८चं.	९मं.	१० बु.	१२ बृ.	१३शु.	१४श.	१५र.
वृ. अं.	८ ३३	८ २९	८ २५	८ २१	८ १७	८ १३	८ ९
ध. अं.	१० ३९	१० ३५	१० ३१	१० २७	१० २३	१० १९	१० १५
म. अं.	१२ २५	१२ २१	१२ १७	१२ १३	१२ ९	१२ ५	१२ १
कु. अं.	१ ५६	१ ५२	१ ४८	१ ४४	१ ४०	१ ३६	१ ३२
मी. अं.	३ २४	३ २०	३ १६	३ १२	३ ८	३ ४	३ ०
मे. अं.	५ २	४ ५८	४ ५४	४ ५०	४ ४६	४ ४२	४ ३८
रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
वृ. अं.	६ ५८	६ ५४	६ ५०	६ ४६	६ ४२	६ ३८	६ ३४
मि. अं.	९ १२	९ ८	९ ४	९ ०	८ ५६	८ ५२	८ ४८
क. अं.	११ ३०	११ २६	११ २२	११ १८	११ १४	११ १०	११ ६
सि. अं.	१ ४५	१ ४१	१ ३७	१ ३३	१ २९	१ २५	१ २१
कं. अं.	३ ५८	३ ५४	३ ५०	३ ४६	३ ४२	३ ३८	३ ३४
तु. अं.	६ २५	६ २१	[illegible]	[illegible]	५ ५९	५ ५५	५ ५१

का. शुक्ल १० बुधे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	९	७	६	६	०	१०	४
३	१८	४	१	१७	९	२३	२३
२९	१२	२४	६	६	३०	३३	३३
३२	२४	३३	५	११	३३	२४	२४
६०	४२	१०१	६	७७	४/२७	३	३
४६	११	५१	२	१२	व.	११	११

९
शु.७बृ.
१०मं.
सू.८बु.
६
११ रा.
के.५
चं१२
२
४
१श.
३

२२

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२८	३	१	र.	१७	११	म.	४४	६	सि.	३२	३१	कौ.	१७	११	तै.	४७	३३	काल	२६	१४	९				६	२३	५	३७	६	८	५२	१७	५९	५१
२७	५९	२	चं.	१७	५५	कृ.	४७	५६	व्य.	३०	३२	ग.	१७	५५	व.	४८	५९	स्थिर	२७	१५	१०	वृ.	०	३	६	२४	५	३६	६	९	५२	८	५९	५४
२७	५६	३	म.	२०	३	रो.	५०	५२	व.	२९	३१	वि.	२०	३	बव	५१	३८	मातंग	२८	१६	११				६	२५	५	३५	६	१०	५२	२	५९	५६
२७	५३	४	बु.	२३	१४	मृ.	५५	५८	प.	२९	२४	बा.	२३	१४	कौ.	५५	१५	अमृत	२९	१७	१२	मि.	२३	२५	६	२५	५	३५	६	११	५१	५८	५९	५८
२७	४९	५	बृ.	२७	१७	आ.	६०	०	शि.	३०	१	तै.	२७	१७	ग.	५९	५०	काण	३०	१८	१३				६	२६	५	३४	६	१२	५१	५६	६०	०
२७	४६	६	शु.	३२	२४	आ.	१	५०	सि.	३१	१०	व.	३२	२४	वि.	६०	०	पद्म	३१	१९	१४	क.	५१	३९	६	२७	५	३३	६	१३	५१	५६	६०	२
२७	४३	७	श.	३७	४३	पु.	८	१५	सा.	३२	३९	वि.	५	३	बव	३७	४३	छत्र	१	२०	१५				६	२७	५	३३	६	१४	५१	५८	६०	३
२७	४०	८	र.	४२	५३	पु.	१४	४८	शु.	३३	५७	बा.	१०	१८	कौ	४२	५३	श्रीवत्स	२	२१	१६				६	२८	५	३२	६	१५	५२	१	६०	५
२७	३६	९	चं.	४७	१३	श्ले	२०	५८	शु.	३४	५५	तै.	१५	३	ग.	४७	१३	सौम्य	३	२२	१७	सि.	२०	५८	६	२९	५	३१	६	१६	५२	६	६०	७
२७	३३	१०	मं.	५१	२७	म.	२६	२७	ब्र.	३५	१९	व.	१९	२०	वि.	५१	२७	काल	४	२३	१८				६	२९	५	३१	६	१७	५२	१३	६०	१०
२७	३०	११	बु.	५४	१०	पू.	३०	५८	ऐं.	३४	५१	बव	२२	४८	बा.	५४	१०	स्थिर	५	२४	१९	कं.	४६	५०	६	३०	५	३०	६	१८	५२	२३	६०	१३
२७	२७	१२	बृ.	५५	४७	उ.	३४	२५	वै.	३३	३४	कौ.	२४	५८	तै.	५५	४७	मातंग	६	२५	२०				६	३१	५	२९	६	१९	५२	३६	६०	१५
२७	२४	१३	शु.	५६	१	ह.	३६	३३	वि.	३१	१३	ग.	२५	५४	व.	५६	१	अमृत	७	२६	२१				६	३१	५	२९	६	२०	५२	५१	६०	१७
२७	२१	१४	श.	५५	१	चि.	३७	२६	प्री.	२७	५३	वि.	२५	३१	श.	५५	१	काण	८	२७	२२	तु.	७	०	६	३२	५	२८	६	२१	५३	८	६०	१७
२७	१८	३०	र.	५२	४७	स्वा	३७	७	आ.	२३	३४	च.	२३	५४	ना.	५२	४७	लुम्ब	९	२८	२३				६	३२	५	२८	६	२२	५३	२५	६०	१८

श्री संवत् २०२६ शके १८९१। कार्तिक कृष्णपक्षः। अक्टू. २६ से नवम्बर ९ तक। याम्यायनगोलौ शरद्ऋतुः।

या. ज. मु. १७।११ या.।
म. ४८।५९ उ.। रोहिणी योगे स. सि. योगः।
म. २०।३ या.। मृग भे दक्षिण यात्रा मु.। तुलायां बुधः ५८।४५।
स.सि.योगः मृग भे। मृग भे दक्षिण पूर्वौ यात्रा मु. २३।२५a
चित्रायां शुक्रः ९।१४
म. ३२।२४ उ.। aया ततः दक्षिण पश्चिमयो यात्रा. मु.।
म. ५।३ या.। नवम्बर। या. ज. मु. ८।१५या.। पश्चिमोत्तरयोःb
स. सि. योगः १४।४८ या.। byात्रा मु.।
या. ज. मु. २०।५८ या.। स्वात्यां बुधः ५।९।
म. १९।२० उ. ५१।२७ या.। cश्रयसि भौमः १६।३९।
रमा ११ स्मार्तानाम्। तुलायां शुक्रः ५।१२।
द्वीशेऽर्कः २६।१। हस्ते पूर्व यात्रा मु.। रमा ११वैष्णवानाम्।c
म. ५६।१ उ.। दक्षिण पूर्वौ यात्रा मु. ३६।३३ या.। प्रदोषf
म. २५।३१ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्। हनुमज्जन्म।
दीपावली। स्नानदानादौ ३०। f व्रतम्। धन्वन्तरि १३।

का. कृ. ५ गुरौ. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	९	६	५	५	०	१०	४
१२	४	१	२६	२२	११	२४	२४
५१	२४	०	४८	२४	६	३५	३५
५६	३१	१९	३९	३७	२६	५३	५३
६०	४२	८९	१२	७८	४	३	३
६	३९	२३	११	३१	४६	११	११

८
बृ.६शु.
के.
९
सू.७बु.
५
मं.१०
४
११
रा.
१श.
३चं.
१२
२

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.	२ चं.	३ मं.	४ बु.	५ बृ.	६ शु.	७ श.	८ र.	९ चं.	१० मं.	११ बु.	१२ बृ.	१३ शु.	१४ श.	३० र.
तु. अं.	७ ४२	७ ३८	७ ३५	७ ३०	७ २७	७ २३	७ १८	७ १५	७ ११	७ ७	७ ३	६ ५९	६ ५५	६ ५१	६ ४७
वृ. अं.	१० ०	९ ५६	९ ५३	९ ४८	९ ४५	९ ४१	९ ३६	९ ३३	९ २९	९ २५	९ २१	९ १७	९ १३	९ ९	९ ५
ध. अं.	१२ ६	१२ २	११ ५९	११ ५४	११ ५१	११ ४७	११ ४२	११ ३९	११ ३५	११ ३१	११ २७	११ २३	११ १९	११ १५	११ ११
म. अं.	१ ५२	१ ४८	१ ४५	१ ४०	१ ३७	१ ३३	१ २८	१ २५	१ २१	१ १७	१ १३	१ ९	१ ५	१ १	१२ ५७
कुं. अं.	३ २३	३ १९	३ १६	३ ११	३ ८	३ ४	२ ५९	२ ५६	२ ५२	२ ४८	२ ४४	२ ४०	२ ३६	२ ३२	२ २८
मी. अं.	४ ५१	४ ४७	४ ४४	४ ३९	४ ३६	४ ३२	४ २७	४ २४	४ २०	४ १६	४ १२	४ ८	४ ४	४ ०	३ ५६
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मे. अं.	६ २९	६ २५	६ २२	६ १७	६ १४	६ १०	६ ५	६ २	५ ५८	५ ५४	५ ५०	५ ४६	५ ४२	५ ३८	५ ३४
वृ. अं.	८ २५	८ २१	८ १८	८ १३	८ १०	८ ६	८ १	७ ५८	७ ५४	७ ५०	७ ४६	७ ४२	७ ३८	७ ३४	७ ३०
मि. अं.	१० ३९	१० ३५	१० ३२	१० २७	१० २४	१० २०	१० १५	१० १२	१० ८	१० ४	१० ०	९ ५६	९ ५२	९ ४८	९ ४४
क. अं.	१२ ५७	१२ ५३	१२ ५०	१२ ४५	१२ ४२	१२ ३८	१२ ३३	१२ ३०	१२ २६	१२ २२	१२ १८	१२ १४	१२ १०	१२ ६	१२ २
सि. अं.	३ १२	३ ८	३ ५	३ ०	२ ५७	२ ५३	२ ४८	२ ४५	२ ४१	२ ३७	२ ३३	२ २९	२ २५	२ २१	२ १७
कं. अं.	५ २५	५ २१	५ १८	५ १३	५ १०	५ ६	५ १	४ ५८	४ ५४	४ ५०	४ ४६	४ ४२	४ ३८	४ ३४	४ ३०

का. कृ. ३० रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	९	६	५	६	०	१०	४
२२	११	१७	२९	४	१०	२४	२४
५३	६	६	०	४२	१२	४	४
२५	११	२२	२	४१	९	९	९
६०	४१	९५	१२	७१	४	३	३
२६	३८	३५	१९	३६	४२	११	११

८
बृ.६
९
सू.७शु.बु.
के.५
१०मं.
४
११
रा.
श. १
३
१२
२

द. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२७	१५	१	चं.	४९	३०	वि.	३५	४३	सौ.	१८	२३	कि.	२१	८	बव	४९	३०	मित्र	१०	२९	२४	वृ.	२१	४	६	३३	५	२७	६	२३	५३	४३	६०	२१
२७	१२	२	मं.	४५	२१	ऽनु.	३३	२७	शो.	१२	२५	वा.	१७	२५	कौ.	४५	२१	वज्र	११	३०	२५				६	३४	५	२६	६	२४	५४	४	६०	२३
२७	९	३	बु.	४०	२५	ज्ये.	३०	२३	अ.	५/५८	४७/४६	तै.	१२	५३	ग.	४०	२५	ध्वांक्ष	१२	१	२६	व.	३०	२३	६	३४	५	२६	६	२५	५४	२७	६०	२५
२७	६	४	बृ.	३५	०	मू.	२६	४६	धृ.	५०	५९	व.	७	४२	वि.	३५	०	धूम्र	१३	२	२७				६	३५	५	२५	६	२६	५४	५२	६०	२७
२७	३	५	शु.	२९	११	पूषा	२२	४४	शू.	४३	१४	बव	२	५	वा.	२९/५६	११/५९	वर्धमा.	१४	३	२८	म.	३६	४१	६	३५	५	२५	६	२७	५५	१९	६०	२९
२७	०	६	श.	२३	११	उषा	१८	३२	गं.	३५	२२	तै.	२३	११	ग.	४०	९	रक्ष	१५	४	२९				६	३६	५	२४	६	२८	५५	४८	६०	३०
२६	५७	७	र.	१७	८	श्र.	१४	२२	वृ.	२७	२८	व.	१७	८	वि.	४४	२२	गद	१६	५	३०	कुं.	४२	२३	६	३७	५	२३	६	२९	५६	१८	६०	३०
२६	५५	८	चं.	११	३७	ध.	१०	२४	ध्रु.	१९	५१	बव	११	३७	वा.	३८	५९	शुभ	१७	६	१				६	३७	५	२३	७	०	५६	४८	६०	३१
२६	५२	९	मं.	६	२१	श.	६	५३	व्य.	१२	४१	कौ.	६	२१	तै.	३४	२	मृत्यु	१८	७	२	मी.	४९	४५	६	३८	५	२२	७	१	५७	१९	६०	३३
२६	५०	१०	बु.	१/५६	४३/५७	पू.	४	१	ह.	६	०	ग.	१	४३	व.	२९/५८	५/०	पद्म	१९	८	३				६	३८	५	२२	७	२	५७	५२	६०	३५
२६	४७	१२	बृ.	५५	१३	उ.	२	१	व.	०/५४	५/४७	बव	२६	३६	वा.	५५	१३	छत्र	२०	९	४				६	३९	५	२१	७	३	५८	२७	६०	३७
२६	४५	१३	शु.	५३	३६	रे.	०	५४	व्य.	५०	२५	कौ.	२४	२४	तै.	५३	३६	श्रीवत्स	२१	१०	५	मे.	०	५४	६	३९	५	२१	७	४	५९	४	६०	३८
२६	४२	१४	श.	५३	९	अ.	०	५५	व.	४७	४	ग.	२३	२२	व.	५३	९	सौम्य	२२	११	६				६	४०	५	२०	७	५	५९	४२	६०	३८
२६	५०	१५	र.	५४	३	भ.	२	८	प.	४४	४२	वि.	२३	३६	बव	५४	३	कालदं	२३	१२	७	वृ.	१७	४६	६	४०	५	२०	७	७	०	२०	६०	३९

श्री संवत् २०२६ शके १८९१। कार्तिक शुक्लपक्षः। नवम्बर १० से २३ तक। याम्यायनगोलौ शरदृतुः। p

अन्नकूट। बलिपूजनम्।गोक्रीड़ा। अनु. मे स. सि. योगः या.ज.मु. यम २। भ्रातृ २। चित्रगुप्त पूजा २। चन्द्रदर्शनम्। विशाखायांa शावान। aबुधः ३४।११। स्वात्यां शुक्रः ९।४४। म. ७।४२ उ. ३५। ० या.। गणेश ४। तुलायां गुरुः ५८।४५। ऽप्रबोधिनी ११ व्रतं वैष्णवानाम्। f योगः। प्रदोष व्रतम्। दक्षिण यात्रा मु. श्रवसि। b४२।२३। वृश्चिके बुधः ९।४५। म.१७।८ उ.४४।२२ या.। वृश्चिकेऽर्कः १७।४६। पञ्चकारम्भः b प्रतीच्यां यात्रा मु.। गोपाष्टमी। सौ मार्गशीर्षारम्भः। अनुमेc अक्षय ९। eस्मार्तानाम्। भीष्मपञ्चकम्। cबुधः ३४।१५। म. २९।५१ उ. ५८।० या.। मैत्रेऽर्कः ३५।२।प्रबोधिनी ११ व्रतंe स. सि. योगः २।१ उ.। रेवत्यां पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.।s पञ्चक समाप्तिः ०।५४। अ.सि.योगः ०।५४ या. ततः स.सि.f म. ५३।९ उ.। या. ज. यो. भरणी योगे। रा. मार्गशीर्ष। * म. २३।३६ या.। गुरु नानक जयन्ती।

p वृश्चिकार्कतः शिशिरऋतु।

*विशाखायां शुक्रः ३८।१५।

का. शु. ३ बुधे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	९	६	५	६	०	१०	४
२५	१३	२१	२९	८	१०	२३	२३
५४	९	३६	३६	२७	२४	५५	५५
२७	४४	३२	५७	५८	३९	२१	२१
६०	४१	९४	१२	७१	४	३	३
१५	२९	३७	१७	२५	४२	११	११

८चं.
बृ.६
९
बु.सू.७शु.
५के.
मं.१०
४
११ रा.
१ श.
३
१२
२

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१चं.	२मं.	३बु.	४बृ.	५शु.	६श.	७र.	तिथयः	८चं.	९मं.	१० बु.	१२ बृ.	१३शु.	१४श.	१५र.
तु. अं.	६ ४३	६ ३९	६ ३५	६ ३१	६ २७	६ २३	६ १९	वृ. अं.	८ ३३	८ २९	८ २५	८ २१	८ १७	८ १३	८ ९
वृ. अं.	९ १	८ ५७	८ ५३	८ ४९	८ ४५	८ ४१	८ ३७	ध. अं.	१० ३९	१० ३५	१० ३१	१० २७	१० २३	१० १९	१० १५
ध. अं.	११ ७	११ ३	१० ५९	१० ५५	१० ५१	१० ४७	१० ४३	म. अं.	१२ २५	१२ २१	१२ १७	१२ १३	१२ ९	१२ ५	१२ १
म. अं.	१२ ५३	१२ ४९	१२ ४५	१२ ४१	१२ ३७	१२ ३३	१२ २९	कुं. अं.	१ ५६	१ ५२	१ ४८	१ ४४	१ ४०	१ ३६	१ ३२
कुं. अं.	२ २४	२ २०	२ १६	२ १२	२ ८	२ ४	२ ०	मी. अं.	३ २४	३ २०	३ १६	३ १२	३ ८	३ ४	३ ०
मी. अं.	३ ५२	३ ४८	३ ४४	३ ४०	३ ३६	३ ३२	३ २८	मे. अं.	५ २	४ ५८	४ ५४	४ ५०	४ ४६	४ ४२	४ ३८
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मे. अं.	५ ३०	५ २६	५ २२	५ १८	५ १४	५ १०	५ ६	वृ. अं.	६ ५८	६ ५४	६ ५०	६ ४६	६ ४२	६ ३८	६ ३४
वृ. अं.	७ २६	७ २२	७ १८	७ १४	७ १०	७ ६	७ २	मि. अं.	९ १२	९ ८	९ ४	९ ०	८ ५६	८ ५२	८ ४८
मि. अं.	९ ४०	९ ३६	९ ३२	९ २८	९ २४	९ २०	९ १६	क. अं.	११ ३०	११ २६	११ २२	११ १८	११ १४	११ १०	११ ६
क. अं.	११ ५८	११ ५४	११ ५०	११ ४६	११ ४२	११ ३८	११ ३४	सि. अं.	१ ४५	१ ४१	१ ३७	१ ३३	१ २९	१ २५	१ २१
सि. अं.	२ १३	२ ९	२ ५	२ १	१ ५७	१ ५३	१ ४९	कं. अं.	३ ५८	३ ५४	३ ५०	३ ४६	३ ४२	३ ३८	३ ३४
कं. अं.	४ २६	४ २२	४ १८	४ १४	४ १०	४ ६	४ २	तु. अं.	६ १५	६ ११	६ ७	६ ३	५ ५९	५ ५५	५ ५१

का. शुक्ल १० बुधे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	९	७	६	६	०	१०	४
३	१८	४	१	१७	९	२३	२३
२९	१२	२४	६	६	३०	३३	३३
३२	२४	३३	५	११	३३	२४	२४
६०	४२	१०१	६	७७	४	३	३
४६	११	५१	२	१२	व.	११	११

९
शु.७बृ.
१०मं.
सू.८बु.
६
११ रा.
के.५
चं१२
२
४
१श.
३

दि. मा. घ.	प.	त.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	३७	१	चं.	५६	१७	कृ.	४	४०	शि.	४३	२२	वा.	२५	१०	कौ.	५६	१७	स्थिर	२४	१३	८				६	४१	५	१९	७	८	०	५९	६०	४१
२६	३५	२	मं.	५९	३४	रो.	८	२५	सि.	४२	५०	तै.	२७	५५	ग.	५९	३४	मातंग	२५	१४	९	मि.	४०	५१	६	४१	५	१९	७	९	१	४०	६०	४४
२६	३३	३	बु.	६०	०	मृ.	१३	१७	सा.	४३	१३	व.	३१	४७	वि.	६०	०	अमृत	२६	१५	१०				६	४१	५	१९	७	१०	२	२४	६०	४५
२६	३१	३	बृ.	४	०	आ.	१८	५८	शु.	४४	१०	वि.	४	०	बव	३६	३२	काण	२७	१६	११				६	४२	५	१८	७	११	३	९	६०	४७
२६	२९	४	शु.	९	४	पुन	२५	२९	शु.	४५	२५	बा.	९	४	कौ.	४१	४५	लुंब	२८	१७	१२	क.	८	५१	६	४२	५	१८	७	१२	३	५६	६०	४८
२६	२७	५	श.	१४	२७	पु.	३१	५०	व्र.	४६	४८	तै.	१४	२७	ग.	४७	५	मित्र	२९	१८	१३				६	४३	५	१७	७	१३	४	४४	६०	४८
२६	२५	६	र.	१९	४३	श्ले	३८	६	ऐं.	४७	५०	व.	१९	४३	वि.	५२	१०	वज्र	३०	१९	१४	सि.	३८	६	६	४३	५	१७	७	१४	५	३२	६०	४९
२६	२३	७	चं.	२४	२६	म.	४३	४७	वै.	४८	२५	बव	२४	२६	बा.	५६	२७	ध्वांक्ष	१	२०	१५				६	४३	५	१७	७	१५	६	२१	६०	४९
२६	२१	८	मं.	२८	१९	पू.	४८	३६	वि.	४८	१६	कौ.	२८	१९	तै.	५९	४०	धूम्र	२	२१	१६				६	४४	५	१६	७	१६	७	१०	६०	५०
२६	२०	९	बु.	३१	०	उ.	५२	२१	प्री.	४७	१०	ग.	३१	०	व.	६०	०	वर्धमा.	३	२२	१७	कं.	४	३२	६	४४	५	१६	७	१७	८	०	६०	५३
२६	१८	१०	बृ.	३२	३४	ह.	५४	४६	आ.	४५	११	व.	१	४७	वि.	३२	३४	रक्ष	४	२३	१८				६	४४	५	१६	७	१८	८	५३	६०	५६
२६	१७	११	शु.	३२	४९	चि.	५५	२४	सौ.	४२	१०	बव	२	४१	बा.	३२	४९	मुशल	५	२४	१९	तु.	२५	२०	६	४५	५	१५	७	१९	९	४९	६०	५७
२६	१५	१२	श.	३१	४९	स्वा	५५	५४	शो.	३८	८	कौ.	२	१९	तै.	३१	४९	सिद्धि	६	२५	२०				६	४५	५	१५	७	२०	१०	४६	६०	५८
२६	१४	१३	र.	२९	३६	वि.	५४	४३	अ.	३३	१२	ग.	०	४२	व.	२९/५७	३६/५७	उत्पात	७	२६	२१	वृ.	४०	१	६	४५	५	१५	७	२१	११	४४	६०	५९
२६	१३	१४	चं.	२६	१८	अनु.	५२	४१	सु.	२७	१६	श.	२६	१८	च.	५४	१४	मानस	८	२७	२२				६	४५	५	१५	७	२२	१२	४३	६०	५९
२६	११	३०	मं.	२२	१०	ज्ये	४९	४६	धृ.	२१	१	ना.	२२	१०	किं.	४९	४४	मुद्गर	९	२८	२३	ध.	४९	४६	६	४६	५	१४	७	२३	१३	४२	६१	१

श्री संवत् २०२६ शके १८९१। मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः। नवम्बर २४ से दिस. ९ तक। याम्यायनगोलौ। शिशिरऋतुः।

स. सि. योगः ४।४० उ.।

म. ३१।४७ उ.। स. सि. योगः १३।१७ या.।

म. ४।० या.।

धनिष्ठा मे भौमः ५६।४३।

ज्येष्ठायां बुधः ९।४५। वृश्चिके शुक्रः २९।१४।

म. १९।४३ उ. ५२।१० या.। सप्तमी श्लेषा योगे या. ज.मु.।

अनु. मे शुक्रः ५८।४४। दिसम्बर १२।

शाकेऽर्कः ४२।३। कालभैरवाष्टमी ८।

या. ज. मु. ३१।० या.। हस्ते दक्षिण यात्रा मु.।

म. १।४७ उ. ३२।३४ या.। प्राच्यां यात्रा मु. भद्राप्राक् a

उत्पन्ना ११ व्रतं सर्वेषाम्।

a पश्चाद्वा।

प्रदोष व्रतम्। त्रयोदशी स्वाती योगे या. ज. मु.।

म. २९।३६ उ. ५७।५७ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्। कुम्भे d

अमायोगे अनुमे या. ज. मु.। मूलभे धनुषि बुधः १४।२१।

स्नानदानादी ३०।

d भौमः २६।३८।

मा. शी. कृ. ५ शनौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	९	७	६	६	०	१०	४
१३	२५	२१	३	२९	८	२३	२३
३९	३०	४२	०	३०	४८	१	१
०	४४	३१	६	१४	४२	४०	४०
६१	४२	१०१	११	७१	[illegible]	३	३
२	१२	४५	१४	३१	व.	११	११

९ | शु.७बृ.
१०मं. | सू.८बु. | ६
११ रा. | ५के.
१२ | २ | ४चं.
१श. | ३

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ च.	२ मं.	३ बु.	३ बृ.	४ शु.	५ श.	६ र.	७ चं.	८ मं.	९ बु.	१० बृ.	११ शु.	१२ श.	१३ र.	१४ चं.	३० मं.
वृ. अं.	८ ५	८ २	७ ५७	७ ५३	७ ५०	७ ४६	७ ४१	७ ३८	७ ३४	७ ३०	७ २६	७ २२	७ १८	७ १४	७ १०	७ ६
ध. अं.	१० ११	१० ८	१० ३	९ ५९	९ ५६	९ ५२	९ ४७	९ ४४	९ ४०	९ ३६	९ ३२	९ २८	९ २४	९ २०	९ १६	९ १२
म. अं.	११ ५७	११ ५४	११ ४९	११ ४५	११ ४२	११ ३८	११ ३३	११ ३०	११ २६	११ २२	११ १८	११ १४	११ १०	११ ६	११ २	१० ५८
कुं. अं.	१ २८	१ २५	१ २०	१ १६	१ १३	१ ९	१ ४	१ १	१२ ५७	१२ ५३	१२ ४९	१२ ४५	१२ ४१	१२ ३७	१२ ३३	१२ २९
मी. अं.	२ ५६	२ ५३	२ ४८	२ ४४	२ ४१	२ ३७	२ ३२	२ २९	२ २५	२ २१	२ १७	२ १३	२ ९	२ ५	२ १	१ ५७
मे. अं.	४ ३४	४ ३१	४ २६	४ २२	४ १९	४ १५	४ १०	४ ७	४ ३	३ ५९	३ ५५	३ ५१	३ ४७	३ ४३	३ ३९	३ ३५
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
वृ. अं.	६ ३०	६ २७	६ २२	६ १८	६ १५	६ ११	६ ६	६ ३	५ ५९	५ ५५	५ ५१	५ ४७	५ ४३	५ ३९	५ ३५	५ ३१
मि. अं.	८ ४४	८ ४१	८ ३६	८ ३२	८ २९	८ २५	८ २०	८ १७	८ १३	८ ९	८ ५	८ १	७ ५७	७ ५३	७ ४९	७ ४५
क. अं.	११ २	१० ५९	१० ५४	१० ५०	१० ४७	१० ४३	१० ३८	१० ३५	१० ३१	१० २७	१० २३	१० १९	१० १५	१० ११	१० ७	१० ३
सिं. अं.	११ ७	११ ४	१ ९	१ ५	१ २	१२ ५८	१२ ५३	१२ ५०	१२ ४६	१२ ४२	१२ ३८	१२ ३४	१२ ३०	१२ २६	१२ २२	१२ १८
कं. अं.	३ ३०	३ २७	३ २२	३ १८	३ १५	३ ११	३ ६	३ ३	२ ५९	२ ५५	२ ५१	२ ४७	२ ४३	२ ३९	२ ३५	२ ३१
तु. अं.	५ ४७	५ ४४	५ ३९	५ ३५	५ ३२	५ २८	५ २३	५ २०	५ १६	५ १२	५ ८	५ ४	५ ०	४ ५६	४ ५२	४ ४८

मा. शी. कृ. ३० भौमे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	१०	८	६	७	०	१०	४
२३	२	८	४	१२	८	२२	२२
५०	४८	६	५४	११	६	२९	२९
३९	४२	७	३५	५	२२	५५	५५
६१	४२	९५	११	७७	[illegible]	३	३
१४	४	२३	२३	२६	व.	११	११

९बु. | ७बृ.
१० | सू.८चं.शु. | ६
रा.११मं. | ५के.
१२ | २ | ४
१श. | ३

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	१०	१	बु.	१७	१८	मू.	४६	१५	शू.	१३	५८	बव	१७	१८	बा.	४४	३६	ध्वज	१०	२९	२४				६	४६	५	१४	७	२४	१४	४३	६१	२
२६	९	२	बृ.	११	५४	पू.	४२	११	ग.	६/५२	२७/१६	कौ.	११	५४	तै.	३९	०	धाता	११	१	२५	म.	५६	१६	६	४६	५	१४	७	२५	१५	४५	६१	२
२६	८	३	शु.	६	७	उ.	३८	९	ध्रु.	४०	४७	ग.	६	७	व.	३३	१०	आनंद	१२	२	२६				६	४६	५	१४	७	२६	१६	४७	६१	३
२६	७	४	श.	०/५४	२/१०	श्र.	३३	५७	व्या	४२	५३	वि.	०	१२	बव	२७/५४	१७/२२	स्थिर	१३	३	२७				६	४७	५	१३	७	२७	१७	५०	६१	३
२६	७	६	र.	४८	४९	ध.	२९	५५	ह.	३५	१२	कौ.	२१	३५	तै.	४८	४९	मातग	१४	४	२८	कुं.	१	५६	६	४७	५	१३	७	२८	१८	५३	६१	४
२६	६	७	च.	४३	४०	श.	२६	१८	व.	२७	४८	ग.	१६	१४	व.	४३	४०	अमृत	१५	५	२९				६	४७	५	१३	७	२९	१९	५७	६१	.४
२६	५	८	मं.	३९	१४	पू.	२३	१७	सि.	२०	५३	वि	११	२७	बव	३९	१४	काण	१६	६	१	मी.	९	३	६	४७	५	१३	८	०	२१	१	६१	४
२६	५	९	बु.	३५	३५	उ.	२१	८	व्य.	१४	४०	बा.	७	२४	कौ.	३५	३५	लुम्ब	१७	७	२				६	४७	५	१३	८	१	२२	५	६१	५
२६	४	१०	बृ.	३२	५६	रे.	१९	४८	व.	९	९	तै.	४	१५	ग.	३२	५६	मित्र	१८	८	३	मे.	१९	४८	६	४७	५	१३	८	२	२३	१०	६१	६
२६	४	११	शु.	३१	२६	अ.	१९	३४	प.	४	२६	व.	२	११	वि.	३१	२६	वज्र	१९	९	४				६	४७	५	१३	८	३	२४	१६	६१	६
२६	४	१२	श.	३१	८	भ.	२०	३२	शि.	०/५७	४२/५५	बव	१	१७	बा.	३१	८	ध्वांक्ष	२०	१०	५	वृ.	३६	५	६	४७	५	१३	८	४	२५	२२	६१	६
२६	३	१३	र.	३२	१२	कृ.	२२	४६	सा.	५६	१३	कौ.	१	४०	तै.	३२	१२	धूम्र	२१	११	६				६	४७	५	१३	८	५	२६	२८	६१	७
२६	३	१४	चं.	३४	३३	रो.	२६	१६	शु.	५५	२३	ग.	३	२२	व.	३४	३३	वर्धमा	२२	१२	७	मि.	५८	३३	६	४७	५	१३	८	६	२७	३५	६१	७
[illegible]	३	१५	म.	३८	३	मृ.	३०	५१	शु.	५५	१८	वि.	६	१८	बव	३८	३	रक्ष	२३	१३	८				६	४७	५	१३	८	७	२८	४२	६१	७

श्री संवत् २०२६ शके १८९१ । मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः । दिस. १० से २३ तक । याम्यायनगोलौ । शिशिरऋतुः ।

चन्द्रदर्शनम् । २श्रवसि । पू. षा. मे बुधः ४४।८ ।
उत्तरायोगे या. ज. मु. । रमजान ।
म. ३३।१० उ. । श्रवसि स. सि. योगः। प्राच्यां यात्रा मु.३ २५
म. ०।१२ या. । दक्षिण यात्रा मु. । ज्येष्ठायां शुक्रः ८।४४ ।
पञ्चकारम्भः १।५६ उ. । शतेभौमः २३।२१ ।
म. ४३।४० उ. । मूले धनुषिचार्कः ४६।२६ ।
म. ११।२७ या. । सौर पौषारम्भः ।
उत्तरायोगे प्रतीच्यां यात्रा मु. ।
पञ्चक समाप्तः १९।४८ या. । स्वात्यां गुरुः ५८।४२ ।
म. २।११ उ. ३१।२६ या. । मोक्षदा ११ व्रतं सर्वेषाम् ।d
प्रदोष १३ व्रतम् । dप्राच्यां यात्रा मु. भद्राप्राक् ।

म. ३४।३३ उ. । स. सि. योगः २६।१६ या. । रा. पौष ।
म. ६।१८ या. । व्रताय स्नानाय दानाय च १५ ।

मार्गशीर्ष शु. ३ शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	१०	८	६	७	०	१०	४
२६	४	१२	५	१६	७	२२	२२
१६	५४	५६	२८	१२	५३	५०	५०
४७	४५	४५	२४	४८	४४	२७	२७
६१	४२	९४	११	७६	४/५७	३	३
३	५	४७	२८	२५	व.	११	११

९बु.
७ बृ.
चं१०
सू.८शु.
६
मं.११
५के.
१२
२
४
श.१
३

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१बु.	२बृ.	३शु.	४श.	६र.	७च.	ति.	८म.	९बु.	१०बृ.	११शु.	१२श.	१३र.	१४चं.	१५मं.
वृ. अं.	७ २	६ ५८	६ ५४	६ ५०	६ ४६	६ ४३	ध.	८ ४४	८ ४१	८ ३७	८ ३३	८ २९	८ २५	८ २१	८ १७
ध. अं.	९ ८	९ ४	९ ०	८ ५६	८ ५२	८ ४९	म.	१० ३०	१० २७	१० २३	१० १९	१० १५	१० ११	१० ७	१० ३
म. अं.	१० ५४	१० ५०	१० ४६	१० ४२	१० ३८	१० ३५	कुं.	१२ १	११ ५८	११ ५४	११ ५०	११ ४६	११ ४२	११ ३८	११ ३४
कुं. अं.	१२ २५	१२ २१	१२ १७	१२ १३	१२ ९	१२ ६	मी.	१ २९	१ २६	१ २२	१ १८	१ १४	१ १०	१ ६	१ २
मी. अं.	१ ५३	१ ४९	१ ४५	१ ४१	१ ३७	१ ३४	मे.	३ ७	३ ४	३ ०	२ ५६	२ ५२	२ ४८	२ ४४	२ ४०
मे. अं	३ ३१	३ २७	३ २३	३ १९	३ १५	३ १२	वृ.	५ ३	५ ०	४ ५६	४ ५२	४ ४८	४ ४४	४ ४०	४ ३६
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
वृ. अं.	५ २७	५ २३	५ १९	५ १५	५ ११	५ ८	मि.	७ १८	७ १४	७ १०	७ ६	७ २	६ ५८	६ ५४	६ ५०
मि. अं.	७ ४१	७ ३७	७ ३३	७ २९	७ २५	७ २२	क.	९ ३५	९ ३२	९ २८	९ २४	९ २०	९ १६	९ १२	९ ८
क. अं.	९ ५९	९ ५५	९ ५१	९ ४७	९ ४३	९ ४०	सि	११ ५०	११ ४७	११ ४३	११ ३९	११ ३५	११ ३१	११ २७	११ २३
सि. अं.	१२ १४	१२ १०	१२ ६	१२ २	११ ५८	११ ५५	कं.	२ ३	२ ०	१ ५६	१ ५२	१ ४८	१ ४४	१ ४०	१ ३६
कं. अं.	२ ३७	२ ३३	२ २९	२ २५	२ २१	२ ८	तु.	४ २०	४ १७	४ १३	४ ९	४ ५	४ १	३ ५७	३ ५३
तु. अं.	४ ४४	४ ४०	४ ३६	४ ३२	४ २८	४ २५	वृ.	६ ३८	६ ३५	६ ३१	६ २७	६ २३	६ १९	६ १५	६ ११

मार्गशीर्ष शु. ११ शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	१०	८	६	७	०	१०	४
४	१०	२२	६	२४	७	२१	२१
४	४२	३०	४२	५४	४४	५८	५८
०	४४	११	२१	२३	२१	११	११
६१	४७	८३	११	७१	७/५	३	३
२२	३६	३७	२२	२३	व.	११	११

१०
शु.८
११मं.
रा.
बु.सू.९
७बृ.
१२
६
१श.
३
५के.
२
४

२४

दि. मा. घ.	प.	त.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	३७	१	चं.	५६	१७	कृ.	४	४०	शि.	४३	२२	वा.	२५	१०	कौ.	५६	१७	स्थिर	२४	१३	८				६	४१	५	१९	७	८	०	५९	६०	४१
२६	३५	२	मं.	५९	३४	रो.	८	२५	सि.	४२	५०	तै.	२७	५५	ग.	५९	३४	मातंग	२५	१४	९	मि.	४०	५१	६	४१	५	१९	७	९	१	४०	६०	४४
२६	३३	३	बु.	६०	०	मृ.	१३	१७	सा.	४३	१३	व.	३१	४७	वि.	६०	०	अमृत	२६	१५	१०				६	४१	५	१९	७	१०	२	२४	६०	४५
२६	३१	३	बृ.	४	०	आ.	१८	५८	शु.	४४	१०	वि.	४	०	बव	३६	३२	काण	२७	१६	११				६	४२	५	१८	७	११	३	९	६०	४७
२६	२९	४	शु.	९	४	पुन	२५	२९	शु.	४५	२५	बा.	९	४	कौ.	४१	४५	लुंब	२८	१७	१२	क.	८	५१	६	४२	५	१८	७	१२	३	५६	६०	४८
२६	२७	५	श.	१४	२७	पु.	३१	५०	ब्र.	४६	४८	तै.	१४	२७	ग.	४७	५	मित्र	२९	१८	१३				६	४३	५	१७	७	१३	४	४४	६०	४८
२६	२५	६	र.	१९	४३	श्ले	३८	६	ऐं.	४७	५०	व.	१९	४३	वि.	५२	१०	वज्र	३०	१९	१४	सि.	३८	६	६	४३	५	१७	७	१४	५	३२	६०	४९
२६	२३	७	चं.	२४	२६	म.	४३	४७	वै.	४८	२५	बव	२४	२६	बा.	५६	२७	ध्वांक्ष	१	२०	१५				६	४३	५	१७	७	१५	६	२१	६०	४९
२६	२१	८	मं.	२८	१९	पू.	४८	३६	वि.	४८	१६	कौ.	२८	१९	तै.	५९	४०	धूम्र	२	२१	१६				६	४४	५	१६	७	१६	७	१०	६०	५०
२६	२०	९	बु.	३१	०	उ.	५२	२१	प्री.	४७	१०	ग.	३१	०	व.	६०	०	वर्धमा.	३	२२	१७	कं.	४	३२	६	४४	५	१६	७	१७	८	०	६०	५३
२६	१८	१०	बृ.	३२	३४	ह.	५४	४६	आ.	४५	११	व.	१	४७	वि.	३२	३४	रक्ष	४	२३	१८				६	४४	५	१६	७	१८	८	५३	६०	५६
२६	१७	११	शु.	३२	४९	चि.	५५	५४	सौ.	४२	१०	बव	२	४१	बा.	३२	४९	मुशल	५	२४	१९	तु.	२५	२०	६	४५	५	१५	७	१९	९	४९	६०	५७
२६	१५	१२	श.	३१	४९	स्वा	५५	५४	शो.	३८	८	कौ.	२	१९	तै.	३१	४९	सिद्धि	६	२५	२०				६	४५	५	१५	७	२०	१०	४६	६०	५८
२६	१४	१३	र.	२९	३६	वि.	५४	४३	अ.	३३	१२	ग.	०	४२	व.	२९/५७	३६/५७	उत्पात	७	२६	२१	वृ.	४०	१	६	४५	५	१५	७	२१	११	४४	६०	५९
२६	१३	१४	चं.	२६	१८	अनु.	५२	४१	सु.	२७	१६	श.	२६	१८	च.	५४	१४	मानस	८	२७	२२				६	४५	५	१५	७	२२	१२	४३	६०	५९
२६	११	३०	मं.	२२	१०	ज्ये	४९	४६	धृ.	२१	१	ना.	२२	१०	कि.	४९	४४	मुद्गर	९	२८	२३	ध.	४९	४६	६	४६	५	१४	७	२३	१३	४२	६१	१

श्री संवत् २०२६ शके १८९१। मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः। नवम्बर २४ से दिस. ९ तक। याम्यायनगोलौ। शिशिरऋतुः।

स. सि. योगः ४।४० उ.।

भ. ३१।४७ उ.। स. सि. योगः १३।१७ या.।

भ. ४।० या.।

धनिष्ठा मे भौमः ५६।४३।

ज्येष्ठायां बुधः ९।४५। वृश्चिके शुक्रः २९।१४।

भ. १९।४३ उ. ५२।१० या.। सप्तमी श्लेषा योगे या. ज.मु.।

अनु. मे शुक्रः ५८।४४। दिसम्बर १२।

शाक्रेऽर्कः ४२।३। कालभैरवाष्टमी ८।

या. ज. मु. ३१।० या.। हस्ते दक्षिण यात्रा मु.।

भ. १।४७ उ. ३२।३४ या.। प्राच्यां यात्रा मु. भद्राप्राक् a

उत्पन्ना ११ व्रतं सर्वेषाम्।

a पश्चाद्वा।

प्रदोष व्रतम्। त्रयोदशी स्वाती योगे या. ज. मु.।

भ. २९।३६ उ. ५७।५७ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्। कुम्भे d

अमायोगे अनुभे या. ज. मु.। मूलभे धनुषि बुधः १४।२१।

स्नानदानादौ ३०।

d भौमः २६।३८।

मा. शी. कृ. ५ शनौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	९	७	६	६	०	१०	४
१३	२५	२१	३	२९	८	२३	२३
३९	३०	४२	०	३०	४८	१	१
०	४४	३१	६	१४	४२	४०	४०
६१	४२	१०१	११	७१	३/०	३	३
२	१२	४५	१४	३१	व.	११	११

	९	शु.७बृ.
१०मं.	सू.८बु.	६
११ रा.		५के.
१२	२	४चं.
	१श.	३

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ च.		२ मं.		३ बु.		३ बृ.		४ शु.		५ श.		६ र.		७ च.		८ मं.		९ बु.		१० बृ.		११ शु.		१२ श.		१३ र.		१४ चं.		३० मं.	
वृ. अं.	८	५	८	२	७	५७	७	५३	७	५०	७	४६	७	४१	७	३८	७	३४	७	३०	७	२६	७	२२	७	१८	७	१४	७	१०	७	६
ध. अं.	१०	११	१०	८	१०	३	९	५९	९	५६	९	५२	९	४७	९	४४	९	४०	९	३६	९	३२	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२
म. अं.	११	५७	११	५४	११	४९	११	४५	११	४२	११	३८	११	३३	११	३०	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४	११	१०	११	६	११	२	१०	५८
कुं. अं.	१	२८	१	२५	१	२०	१	१६	१	१३	१	९	१	४	१	१	१२	५७	१२	५३	१२	४९	१२	४५	१२	४१	१२	३७	१२	३३	१२	२९
मी. अं.	२	५६	२	५३	२	४८	२	४४	२	४१	२	३७	२	३२	२	२९	२	२५	२	२१	२	१७	२	१३	२	९	२	५	२	१	१	५७
मे. अं.	४	३४	४	३१	४	२६	४	२२	४	१९	४	१५	४	१०	४	७	४	३	३	५९	३	५५	३	५१	३	४७	३	४३	३	३९	३	३५
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	६	३०	६	२७	६	२२	६	१८	६	१५	६	११	६	६	६	३	५	५९	५	५५	५	५१	५	४७	५	४३	५	३९	५	३५	५	३१
मि. अं.	८	४४	८	४१	८	३६	८	३२	८	२९	८	२५	८	२०	८	१७	८	१३	८	९	८	५	८	१	७	५७	७	५३	७	४९	७	४५
क. अं.	११	२	१०	५९	१०	५४	१०	५०	१०	४७	१०	४३	१०	३८	१०	३५	१०	३१	१०	२७	१०	२३	१०	१९	१०	१५	१०	११	१०	७	१०	३
सि. अं.	१	१७	१	१४	१	९	१	५	१	२	१२	५८	१२	५३	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३४	१२	३०	१२	२६	१२	२२	१२	१८
कं. अं.	३	३०	३	२७	३	२२	३	१८	३	१५	३	११	३	६	३	३	२	५९	२	५५	२	५१	२	४७	२	४३	२	३९	२	३५	२	३१
तु. अं.	५	४७	५	४४	५	३९	५	३५	५	३२	५	२८	५	२३	५	२०	५	१६	५	१२	५	८	५	४	५	०	४	५६	४	५२	४	४८

मा. शी. कृ. ३० भौमे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	१०	८	६	७	०	१०	४
२३	२	८	४	१२	८	२२	२२
५०	४८	६	५४	११	६	२९	२९
३९	४२	७	३५	५	२२	५५	५५
६१	४२	९५	११	७७	४/५	३	३
१४	४	२३	२३	२६	व.	११	११

	९बु.	७बृ.
१०	सू.८चं.शु.	६
रा.११मं.		५के.
१२	२	४
	१श.	३

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं.रा.प्र. रा.	घ.	प.	सू.उ. घं.	मि.	सू.अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	१०	१	बु.	१७	१८	मू.	४६	१५	शू.	१३	५८	बव	१७	१८	वा.	४४	३६	ध्वज	१०	२९	२४				६	४६	५	१४	७	२४	१४	४३	६१	२
२६	९	२	बृ.	११	५४	पू.	४२	१९	ग.	६/५२	२७/१६	कौ.	११	५४	तै.	३९	०	धाता	११	१	२५	म.	५६	१६	६	४६	५	१४	७	२५	१५	४५	६१	२
२६	८	३	शु.	६	७	उ.	३८	९	ध्रु.	४०	४७	ग.	६	७	व.	३३	१०	आनंद	१२	२	२६				६	४६	५	१४	७	२६	१६	४७	६१	३
२६	७	४	श.	०/५४	२/१०	श्र.	३३	५७	व्या	४२	५३	वि.	०	१२	बव	३७/५४	५७/२२	स्थिर	१३	३	२७				६	४७	५	१३	७	२७	१७	५०	६१	३
२६	७	६	र.	४८	४९	ध.	२९	५५	ह.	३५	१२	कौ.	२१	३५	तै.	४८	४९	मातग	१४	४	२८	कुं.	१	५६	६	४७	५	१३	७	२८	१८	५३	६१	४
२६	६	७	च.	४३	४०	श.	२६	१८	व.	२७	४८	ग.	१६	१४	व.	४३	४०	अमृत	१५	५	२९				६	४७	५	१३	७	२९	१९	५७	६१	.४
२६	५	८	मं.	३९	१४	पू.	२३	१७	सि.	२०	५३	वि.	११	२७	बव	३९	१४	काण	१६	६	१	मीं.	९	३	६	४७	५	१३	८	०	२१	१	६१	४
२६	५	९	बु.	३५	३५	उ.	२१	८	व्य.	१४	४०	वा.	७	२४	कौ.	३५	३५	लुम्ब	१७	७	२				६	४७	५	१३	८	१	२२	५	६१	५
२६	४	१०	बृ.	३२	५६	रे.	१९	४८	व.	९	९	तै.	४	१५	ग.	३२	५६	मित्र	१८	८	३	मे.	१९	४८	६	४७	५	१३	८	२	२३	१०	६१	६
२६	४	११	शु.	३१	२६	अ.	१९	३४	प.	४	२६	व.	२	११	वि.	३१	२६	वज्र	१९	९	४				६	४७	५	१३	८	३	२४	१६	६१	६
२६	४	१२	श.	३१	८	भ.	२०	३२	शि.	०/५७	४२/१५	बव	१	१७	वा.	३१	८	ध्वांक्ष	२०	१०	५	वृ.	३६	५	६	४७	५	१३	८	४	२५	२२	६१	६
२६	३	१३	र.	३२	१२	कृ.	२२	४६	सा.	५६	१३	कौ.	१	४०	तै.	३२	१२	धूम्र	२१	११	६				६	४७	५	१३	८	५	२६	२८	६१	७
२६	३	१४	चं.	३४	३३	रो.	२६	१६	शु.	५५	२३	ग.	३	२२	व.	३४	३३	वर्धमा	२२	१२	७	मि.	५८	३३	६	४७	५	१३	८	६	२७	३५	६१	७
२६	३	१५	मं.	३८	३	मृ.	३०	५१	शु.	५५	१८	वि.	६	१८	बव	३८	३	रक्ष	२३	१३	८				६	४७	५	१३	८	७	२८	४२	६१	७

श्री संवत् २०२६ शके १८९१ । मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः । दिस. १० से २३ तक । याम्यायनगोलौ । शिशिरऋतुः ।

चन्द्रदर्शनम् । aश्रवसि । पू. षा. मे बुधः ४४।८ ।
उत्तरायोगे या. ज. मु. । रमजान ।
भ. ३३।१० उ. । श्रवसि स. सि. योगः। प्राच्यां यात्रा मु.a

भ. ०।१२ या. । दक्षिण यात्रा मु. । ज्येष्ठायां शुक्रः ८।४४ ।
पञ्चकारम्भः १।५६ उ. । शतेभौमः २३।२१ ।
भ. ४३।४० उ. । मूले धनुर्पिचार्कः ४६।२६ ।
भ. ११।२७ या. । सौर पौषारम्भः ।
उत्तरायोगे प्रतीच्यां यात्रा मु. ।
पञ्चक समाप्तः १९।४८ या. । स्वात्यां गुरुः ५८।४२ ।
भ. २।११ उ. ३१।२६ या. । मोक्षदा ११ व्रतं सर्वेषाम् ।d
प्रदोष १३ व्रतम् । dप्राच्यां यात्रा मु. भद्राप्राक् ।

भ. ३४।३३ उ. । स. सि. योगः २६।१६ या. । रा. पौष ।
भ. ६।१८ या. । व्रताय स्नानाय दानाय च १५ ।

मार्गशीर्ष शु. ३ शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	१०	८	६	७	०	१०	४
२६	४	१२	५	१६	७	२२	२२
१६	५४	५६	२८	१२	५३	५०	५०
४७	४५	४५	२४	४८	४४	२७	२७
६१	४२	९४	११	७६	४/१३	३	३
३	५	४७	२८	२५	व.	११	११

९बु. ७ बृ.
चं१० सू.८शु. ६
मं.११ ५के.
१२ २ ४
श.१ ३

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.	२ बृ.	३ शु.	४ श.	६ र.	७ च.	ति.	८ म.	९ बु.	१० बृ.	११ शु.	१२ श.	१३ र.	१४ च.	१५ मं.
बृ. अं.	७ २	६ ५८	६ ५४	६ ५०	६ ४६	६ ४३	ध.	८ ४४	८ ४१	८ ३७	८ ३३	८ २९	८ २५	८ २१	८ १७
ध. अं.	९ ८	९ ४	९ ०	८ ५६	८ ५२	८ ४९	म.	१० ३०	१० २७	१० २३	१० १९	१० १५	१० ११	१० ७	१० ३
म. अं.	१० ५४	१० ५०	१० ४६	१० ४२	१० ३८	१० ३५	कुं.	१२ १	११ ५८	११ ५४	११ ५०	११ ४६	११ ४२	११ ३८	११ ३४
कुं. अं.	१२ २५	१२ २१	१२ १७	१२ १३	१२ ९	१२ ६	मी.	१ २९	१ २६	१ २२	१ १८	१ १४	१ १०	१ ६	१ २
मी. अं.	१ ५३	१ ४९	१ ४५	१ ४१	१ ३७	१ ३४	मे.	३ ७	३ ४	३ ०	२ ५६	२ ५२	२ ४८	२ ४४	२ ४०
मे. अं.	३ ३१	३ २७	३ २३	३ १९	३ १५	३ १२	वृ.	५ ३	५ ०	४ ५६	४ ५२	४ ४८	४ ४४	४ ४०	४ ३६
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
वृ. अं.	५ २७	५ २३	५ १९	५ १५	५ ११	५ ८	मि.	७ १८	७ १४	७ १०	७ ६	७ २	६ ५८	६ ५४	६ ५०
मि. अं.	७ ४१	७ ३७	७ ३३	७ २९	७ २५	७ २२	क.	९ ३५	९ ३२	९ २८	९ २४	९ २०	९ १६	९ १२	९ ८
क. अं.	९ ५९	९ ५५	९ ५१	९ ४७	९ ४३	९ ४०	सिं	११ ५०	११ ४७	११ ४३	११ ३९	११ ३५	११ ३१	११ २७	११ २३
सिं. अं.	१२ १४	१२ १०	१२ ६	१२ २	११ ५८	११ ५५	कं.	२ ३	२ ०	१ ५६	१ ५२	१ ४८	१ ४४	१ ४०	१ ३६
कं. अं.	२ २७	२ २३	२ १९	२ १५	२ ११	२ ८	तु.	४ २०	४ १७	४ १३	४ ९	४ ५	४ १	३ ५७	३ ५३
तु. अं.	४ ४४	४ ४०	४ ३६	४ ३२	४ २८	४ २५	वृ.	६ ३८	६ ३५	६ ३१	६ २७	६ २३	६ १९	६ १५	६ ११

मार्गशीर्ष शु. ११ शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	१०	८	६	७	०	१०	४
४	१०	२२	६	२४	७	२१	२१
४	४२	३०	४२	५४	४४	५८	५८
०	४४	११	२१	२३	२१	११	११
६१	४७	८३	११	७१	२/४	३	३
२२	३६	३७	२२	२३	व.	११	११

१० शु.८
११मं. रा. बु.सू.९ ७बृ.
१२ ६
१श. ३ ५के.
२ ४

A daughter born to Dr. Kher at 10.10 Am [illegible] 27th Dec. 69. [illegible] आश्लेषा [illegible]

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	३	१	बु.	४२	३२	आ.	३६	२७	ब्र.	५६	१३	वा.	१०	१७	कौ.	४२	३२	मुशल	२४	१४	९				६	४७	५	१३	८	८	२९	४९	६१	८
२६	४	२	बृ.	४७	३९	पुन.	४२	४०	ऐं.	५७	२३	तै.	१५	५	ग.	४७	३९	सिद्धि	२५	१५	१०	क.	२६	७	६	४७	५	१३	८	९	३०	५७	६१	८
२६	४	३	शु.	५३	५	पु.	४९	१६	वै.	५८	४३	व.	२०	२२	वि.	५३	५	उत्पात	२६	१६	११				६	४७	५	१३	८	१०	३२	५	६१	९
२६	४	४	श.	५८	२३	श्ले.	५५	४१	वि.	५९	५४	बव	२५	४४	बा.	५८	२३	मानस	२७	१७	१२	सिं.	५५	४१	६	४७	५	१३	८	११	३३	१४	६१	९
२६	५	५	र.	६०	०	म.	६०	०	प्री.	६०	०	कौ.	३०	४३	तै.	६०	०	मुद्गर	२८	१८	१३				६	४७	५	१३	८	१२	३४	२३	६१	९
२६	५	५	चं.	३	४	म.	१	३३	प्री.	०	४२	तै.	३	४	ग.	३४	५९	ध्वांक्ष	२९	१९	१४				६	४७	५	१३	८	१३	३५	३२	६१	१०
२६	६	६	मं.	६	५४	पू.	६	३८	आ.	०	४७	ब.	६	५४	वि.	३८	१४	धूम्र	३०	२०	१५	कं.	२२	३७	६	४७	५	१३	८	१४	३६	४२	६१	१०
२६	७	७	बु.	९	३४	उ.	१०	३६	सौ.	० ५८	२ ३३	बव	९	३४	बा.	४०	१८	प्रवर्ध.	३१	२१	१६				६	४७	५	१३	८	१५	३७	५२	६१	११
२६	७	८	बृ.	११	२	ह.	१३	२४	अ.	५६	२४	कौ.	११	२	तै.	४१	६	रक्ष	१	२२	१७	तु.	४४	१०	६	४७	५	१३	८	१६	३९	३	६१	११
२६	८	९	शु.	११	१०	चि.	१४	५५	सु.	५२	४	ग.	११	१०	व.	४०	३६	मुशल	२	२३	१८				६	४६	५	१४	८	१७	४०	१४	६१	११
२६	९	१०	श.	१०	३	स्वा	१५	१३	धृ.	४७	२५	वि.	१०	३	बव	३८	५३	सिद्धि	३	२४	१९	वृ.	५९	३४	६	४६	५	१४	८	१८	४१	२५	६१	१०
२६	१०	११	र.	७	४४	वि.	१४	२१	शू.	४२	०	बा.	७	४४	कौ.	३६	५	उत्पात	४	२५	२०				६	४६	५	१४	८	१९	४२	३५	६१	१०
२६	११	१२	चं.	४	२५	अनु.	१२	३०	गं.	३५	४७	तै.	४	२५	ग.	३२	१९	मानस	५	२६	२१				६	४६	५	१४	८	२०	४३	४५	६१	९
२६	१२	१३	मं.	० ५५	३ २६	ज्ये.	९	४९	वृ.	२८	५५	व.	०	१३	वि.	२७ ५५	४६ १९	मुद्गर	६	२७	२२	ध.	९	४९	६	४५	५	१५	८	२१	४४	५४	६१	९
२६	१४	३०	बु.	४९	५३	मू.	६	२७	ध्रु.	२१	३५	च.	२२	३६	ना.	४९	५३	ध्वज	७	२८	२३				६	४५	५	१५	८	२२	४६	३	६१	८

श्री संवत् २०२६ शके १८९१। पौष कृष्णपक्षः। दिस. २४ से जनवरी ७ सन् १९७० ई. तक। याम्यायनगोलौ। शिशिरऋतुः।

पुन. मे प्रतीच्यां यात्रा मु.। मूलमे धनुराशौ शुक्रः ०।१४।

पुष्ये अ. सि. योगः प्रतीच्यां उदीच्यां, यात्रा मु.। शुक्रास्त a

म. २०।२२ उ. ५३।५ या.। भद्राप्राक् उदीच्यां यात्रा मु.।

मकरे बुधः ८।४५।

पूर्वाषाढ़ायामर्कः ४९।५।

a प्राच्याम् ९।४४।

म. ६।५४ उ. ३८।१४ या.।

हस्तमे दक्षिण यात्रा मु.।

जनवरी १९७० ई.। प्राच्यां यात्रा मु.।

म. ४०।३६ उ.। पू.भा. मे भौमः ३१।१५। पू.षा. मे शुक्रः b

म. १०।३ या.। स. सि. योगः १५।१३ या.। b २२।४३।

सफला ११ व्रतं सर्वेषाम्।

प्रदोष व्रतम्। स. सि. योगः १२।३० या.। त्रयोदशी योगे c

म. ०।१३ उ. २७।४६ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्।

स्नानदानादौ ३०।

c अनु. मे. या. ज. म.।

पौ. कृ. ५ चन्द्रे. इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	१०	९	६	८	०	१०	४
१४	१७	२	८	७	७	२१	२१
१८	२४	०	१२	३०	४२	२६	२६
२०	२१	५	२५	२९	२१	२६	२६
६१	३९	५५	१०	७२	१/६	३	३
२६	३५	२५	२५	२३	व.	११	११

१० बु. · ८ · ११ मं. रा. · सू. ९ शु. · बृ. ७ · १२ · ६ · १ श · ३ · चं. ५ के. · २ · ४

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.		२ बृ.		३ शु.		४ श.		५ र.		५ चं.		६ मं.		७ बु.		८ बृ.		९ शु.		१० श.		११ र.		१२ चं.		१३ मं.		३० बु.	
ध. अं.	८	१३	८	८	८	५	८	१	७	५७	७	५४	७	५०	७	४६	७	४२	७	३८	७	३४	७	३०	७	२६	७	२२	७	१८
म. अं.	९	५९	९	५५	९	५१	९	४७	९	४३	९	४०	९	३६	९	३२	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२	९	८	९	४
कुं. अं.	११	३०	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४	११	११	११	७	११	३	१०	५९	१०	५५	१०	५१	१०	४७	१०	४३	१०	३९	१०	३५
मी. अं.	१२	५८	१२	५४	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३९	१२	३५	१२	३१	१२	२७	१२	२३	१२	१९	१२	१५	१२	११	१२	७	१२	३
मे. अं.	२	३६	२	३२	२	२८	२	२४	२	२०	२	१७	२	१३	२	९	२	५	२	१	१	५७	१	५३	१	४९	१	४५	१	४१
वृ. अं.	४	३२	४	२८	४	२४	४	२०	४	१६	४	१३	४	९	४	५	४	१	३	५७	३	५३	३	४९	३	४५	३	४१	३	३७
रात्रयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मि. अं.	६	४६	६	४२	६	३८	६	३४	६	३०	६	२७	६	२३	६	१९	६	१५	६	११	६	७	६	३	५	५९	५	५५	५	५१
क. अं.	९	४	९	०	८	५६	८	५२	८	४८	८	४५	८	४१	८	३७	८	३३	८	२९	८	२५	८	२१	८	१७	८	१३	८	९
सिं. अं.	११	१९	११	१५	११	११	११	७	११	३	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२४
कं. अं.	१	३२	१	२८	१	२४	१	२०	१	१६	१	१३	१	९	१	५	१	१	१२	५७	१२	५३	१२	४९	१२	४५	१२	४१	१२	३७
तु. अं.	३	४९	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३	३	३०	३	२६	३	२२	३	१८	३	१४	३	१०	३	६	३	२	२	५८	२	५४
वृ. अं.	६	७	६	३	५	५९	५	५५	५	५१	५	४८	५	४४	५	४०	५	३६	५	३२	५	२८	५	२४	५	२०	५	१६	५	१२

पौष. कृ. १२ चन्द्रे. इ. ०।०

सू.	म.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	१०	९	६	८	०	१०	४
२०	२२	२	९	१८	७	२१	२१
४३	४२	४८	१०	२९	२९	१	१
४५	११	१७	१९	४४	१८	१८	१८
६१	४२	६	६	७४	१/७	३	३
९	३७	११	३९	६	व.	११	११

बु. १० · ८ चं. · ११ मं. रा. · सू. ९ शु. · बृ. ७ · १२ · ६ · १ श. · ३ · के. ५ · २ · ४

वि. मा. ... सू. घ. प. ...

गृह निर्माणार्थं शुद्ध-पिण्ड-चक्रम्

...रणदीर्घायुप्राप्ति आरोग्यप्राप्तिनिमित्तवैदिकमहामृत्युञ्जय मंत्रजपविधि

...शान्तये महामृत्युञ्जय वैदिकमन्त्रजपविधिः ॥

अथारिष्ट...

...२१ । पौष शुक्लपक्षः । जनवरी ८ से ... राकंतःसौम्यायनमहेमन्तऋतुः ।

...रा मु. । वक्री बुधः ४२।३१। ... ४०।६ । पञ्चकारम्भः ... ने भौमः ४१।१६ ।

आचम्य प्राणानायम्य शान्तिपाठं सुमुखश्चेत्यादि गणेशस्मरणं ... अमुकमासी यामुकपक्षीयामुकतिथाव... वासरे स्वस्य (यजमा...) उत्पन्नोत्पत्स्यमानाखिलारिष्ट-शान्तये श्रीमृत्युञ्जयप्रसादाद्दीर्घायुष्यसततारोग्यतावाप्तये मृत्युञ्जयमंत्रजपमहं करिष्ये ॥ ऋष्या-दिन्यासः ॥ वामदेवकहोलवशिष्ठाऋषयः मूर्ध्नि ॥ पंक्तिगायत्री अनुष्टुप्छन्दांसि वक्त्रे ॥ सदाशिव-महामृत्युञ्जयरुद्रदेवतायै नमः हृदि ॥ ह्रीं शक्तयेनमः लिंगे ॥ श्रीं बीजायनमः पादयोः ॥ इति ऋष्यादि-न्यासः ॥ ॐ ह्रौं ॐ जूंसः भूर्भुवः स्वः त्र्यम्बकंयजामहे सुगन्धिपुष्टिवर्द्धनम् ॥ उर्व्वारुकमिवबन्धना-न्मृत्योर्मुक्षीयमामृतात् ॥ भूर्भुवः स्वरों जूंसः ह्रौं ॐ ॥ अस्य श्रीमहामृत्युञ्जयमंत्रस्य वामदेव-कहोलवशिष्ठा ऋषयः पंक्तिगायत्र्युष्णिगनुष्टुप्छन्दांसि सदाशिवमहामृत्युञ्जयरुद्रो देवता ह्रीं शक्तिः श्रीं बीजं महामृत्युञ्जयप्राप्तये ममाभीष्टसिद्ध्यर्थंजपे विनियोगः ॥ ॐ ह्रौं ॐ जूंसः भूर्भुवः स्वः त्र्यम्बकं ॐ नमोभगवते रुद्राय शूलपाणयेस्वाहा हृदयायनमः ॥ ॐ ह्रौं ॐ जूंसः भूर्भुवः स्वः यजामहे ॐ नमोभगवतेरुद्राय अमृतमूर्तयेमांजीवय शिरसिस्वाहा ॥ ॐ ह्रौं ॐ जूंसः भूर्भुव स्वः सुगन्धिपुष्टिवर्द्धनं ॐ नमोभगवतेरुद्राय चन्द्रशिरसे जटिनेस्वाहा शिखायै वौषट् ॥ ॐ ह्रौं ॐ जूंसः भूर्भुवः स्वः उर्व्वारुकमिवबन्धनात् ॐ नमोभगवतेरुद्रायत्रिपुरान्तकाय ह्रौं कवचायहुँ ॥ ॐ ह्रौं ॐ जूंसः भूर्भुवः स्वः मामृतात् ॐ नमोभगवतेरुद्राय अग्नित्रयाय उज्वलज्वालायमांरक्षरक्ष अघो-राय अस्त्रायफट् ॥ इति षडङ्गन्यासः ॥

त्र्यम्बकंशिरसि । यजामहेभ्रुवोः सुगन्धिंनेत्रयोः । पुष्टिवर्द्धनंमुखे । उर्व्वारुकं गण्डयोः । इवहृदये । बन्धनात् जठरे मृत्योःलिङ्गे । मुक्षीयऊर्वोः । मा जान्वोः ॥ अमृतात् पादयोः ॥ इति पदन्यासः ॥ मूलेनव्यापकंकृत्वाध्यानं कुर्यात् ॥ अथध्यानं ॥ हस्ताम्भोजयुगस्थकुम्भयुगलादुद्धृत्यतोयंशिरः सिञ्चन्त-करयोर्युगेन दधतं स्वांकेसकुम्भौकरौ ॥ अक्षस्रङ्मृगहस्तमम्बुजगतं मूर्द्धस्थचन्द्रस्रवत्पीयूषोन्नतनुम्भजे-संगिरिजंमृत्युञ्जयंत्र्यम्बकम् ॥१॥ चन्द्रोद्भासितमूर्द्धजंसुरपतिंपीयूषपात्रं वहद्धस्ताब्जेनदधत्सुदिव्यमम-लंहास्यास्यपंकेरुहम् ॥ सूर्येन्द्वग्निविलोचनं करतलैः पाशाक्षसूत्रांकुशाम्भोज बिभ्रतमक्षयपशुपतिं-मृत्युञ्जयं संस्मरे ॥२॥ इति ध्यात्वा ॥ मानसोपचारैः संपूज्य ॥ ॐ लंपृथिव्यात्मकगंधंसमर्पयामि ॥ ॐहंआकाशात्मकं मंत्र पुष्पं समर्पयामि ॥ ॐ यंवाय्वात्मकं धूपं समर्पयामि ॥ ॐ रंतेजसात्मकं दीपंसम-र्पयामि ॥ ॐ वंअमृतात्मकं नैवेद्यं समर्पयामि ॥ ॐ सं सर्वात्मकं मन्त्रपुष्पं समर्पयामि ॥ मन्त्रं जपेत् ॥ ॐ ह्रौं ॐ जूंसः भूर्भुवः स्वः त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिपुष्टिवर्द्धनं ...

...न्मृत्योर्मुक्षीयमामृतात् भूर्भुवः स्वरों जूंसः ह्रौं ॐ ॥ ...ततो जपानंतर देवदक्षिणकरे... गुह्यातिगुह्यगोप्तात्वंगृहाणास्मत्कृतं जपम् सिद्धिर्भवतुमे देव त्वत्प्रसादान्महेश्वर ॥१॥ रुद्र त्राहिमां शरणागतम् ॥ जन्ममृत्यु जरा पीडितंकर्मबन्धनैः ॥२॥ अर्पणं ॥ अनेन जपाख्येनकर्मणा श्री महामृत्युञ्जयः प्रीयतामिति ॥ इति विज्ञाप्य देवेशं जपेन्मन्त्रं ... जपनिवेदन ॥ जपसांगतासिद्ध्यर्थंयथाकामं ... दशांशेन तद्दशांशहुताज्यसंसिक्तं ... द्भिर्होमः ॥ तद्दशांशमार्जनं ॥ तद्दशांशतर्पणं । तद्दशांशब्राह्मणभोजनं कुर्यात्

...तीर्थ्यां यात्रा मु. । ... पञ्चक समाप्तः ... यात्रा मु. ... बुधः ५८।२३ । ... गत्या पु. स्वा. ... मु. ११।३ या. ।

अथहोमार्थशताक्षरागायत्रीमन्त्रः ॥ ॐ तत्सवितुर्वरेण्यम्भर्गोदेवस्यधीमहि धियोयोनः प्रचोदयात् ॐ जातवेदसेसुनवा मसोममरातीयतोनिदहाति वेदः । सनः पर्षदतिदुर्गाणिविश्वा नावेव सिन्धुंदुरितात्यग्निः ॥ ॐ त्र्यम्बकं यजामहेसुगन्धिंपुष्टिवर्द्धनम् ॥ उर्व्वारुकमिवबन्धनान्मृत्योर्-मुक्षीयमामृतात् स्वाहा ॥

...२६।४० । ... यात्रामु. ।

अथ शंकरजी के नैवेद्य (प्रसाद) भक्षण का विचार

पद्मपुराण में लिखा है—द्रव्यं अन्नं फलं ... शिवस्व न स्पृशेत्क्वचित् । येनैव निर्माल्यं कूपे सर्वपरित्यजेत् । मक्षिकापाद मात्रेण ... शिवस्वस्वजीवति ॥ लोभान्मोहा... गच्छेत कल्पान्तंनरके पुनः ॥ शिव नारद संवादे ... शेषमुक्तम् । बाणलिंगे तु चण्ड... च निर्माल्य कल्पना ॥ सर्वं बाणार्पितं ग्राह्यं ... विचारो यं बाणलिंगे न विद्यते ॥ तदर्पितं जलं चान्नं ग्राह्यं ... नर्मदेश्वर लिंग को कहते हैं) ।

२	२	...		२	२२
१	१७	३५	५१	४८	४८
३	६	७२	३	३	३
	१	२	मा.	११	११

प्रश्नोपरि विनष्टार्थस्य लाभालाभ विचार

प्रश्न लग्नासौम्याः केन्द्रोपचये वित्तलाभाय । तत्रस्थिते पापे हान्यै ... लग्नगो लाभः । चन्द्राधिष्ठित भवनं स्वस्वामिना दृष्टंचेल्लाभः । लग्नेशे ... उभौ सप्तमौ मुथशीलिनौ लाभः । चेत्तो मुथशीलिनी चौरः स्वयं धनं ... अष्टमे वा सूर्यः लग्ने न लाभः । कर्मेशलग्नेशयो इत्थशाल चौरः नगरात् पला... न लाभः केन्द्रस्थितेचन्द्रे लाभः । सप्तमेशेस्वार्थ तत्रैव धनम् । सप्तमेशे वा चन्द्रे केन्द्र...

बृ.९ ... शु.१० ... ८ ... ७ बृ. ... ४ ... ६ ... के.५

गृह निर्माणार्थं शुद्ध-पि[illegible]

...ष्ट सूर्यः गतिः

.मा. प.	ति.	वा.	घ. प.
६	३	१ बु.	४२
६	४	२ बृ.	४७
६	४	३ शु.	
६	४	४ श	
२६	५	५ [illegible]	
२६	५	५ [illegible]	
२६	६	६ [illegible]	
२६	७	६	
२६	७	८	
२६	८	९ बु	
२६	९	१०	
२६	१०	११	
२६	११	१२	
२६	१३	१३	
२६	१४	३०	

५९	५९	५९	५९	५९	५९	६१	६१	६१	[illegible]	६१	६१	६१	[illegible]	६३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	६३	६३	६५
४९	५१	५३	५५	५७	५९	४९	५१	५३	६१	५७	५९	६१	५९	५३	५५	५७	५१	६१	६३	५३
२	[illegible]	७	५	३	१	५	७	१	५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	५	[illegible]	१	७	५	३	१	५
७	[illegible]	३	१	६	४	७	६	५	[illegible]	५	७	१	७	७	७	[illegible]	७	७	७	२
३	९	६	३	९	६	६	९	३	६	९	[illegible]	१	९	९	९	[illegible]	९	९	९	६
४	१२	८	४	१२	८	८	१२	४	८	१२	४	८	९	१२	१२	१२	१२	१२	१२	८
[illegible]	३	५	७	१	३	७	५	३	१	७	५	३	७	१	२	६	७	१	३	७
१	१५	१४	१३	१२	११	१७	२१	२५	२	६	१०	१४	२७	९	१८	२७	९	९	२७	२०
३	१२	११	१०	९	८	२	३	४	५	६	७	८	९	१२	१५	३	६	९	१२	५
८	२१	७	२०	६	१९	२२	२४	२६	१	३	५	७	२७	१८	९	२७	१८	९	२७	१०
८८	७२	५६	४०	२४	८	३२	४८	६४	८०	९६	११२	८	२४	७२	१२०	४८	१६	२४	[illegible]	८०

६५	६७	६७	६७	६७	६७	६७	६७	६९	६९	६९	६९	६९	६९	६९	७१	७१	७१	७१	७१	७१
६५	५५	५७	५९	६१	६३	६५	६७	५७	५९	६१	६३	६५	६७	६९	५७	५९	६१	६३	६५	६[illegible]
१	५	३	१	७	५	३	१	५	७	१	३	५	७	१	७	५	३	१	७	५
१	६	१	३	५	७	२	४	५	१	४	७	३	६	२	२	६	३	७	४	१
६	६	९	३	६	९	३	६	९	९	९	९	९	९	९	९	६	३	९	५	३
८	८	१२	४	८	१२	४	८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	८	४	१२	८	४
३	७	१	३	५	७	१	३	७	५	३	१	७	५	३	५	७	१	३	५	७
२३	२३	१५	७	२६	१८	१०	२	९	६	३	२७	२४	२१	१८	३	५	७	९	११	१३
५	५	१२	४	११	३	१०	२	९	३	१२	६	१५	९	३	६	२	१३	९	५	१
२५	२५	२१	१७	१३	९	५	१	१८	३	१५	२७	२१	२४	९	१५	१६	१७	१८	१९	२०
८०	८०	७२	६४	५६	४८	४०	३२	२४	४८	७२	९६	१२०	२४	४८	९६	३२	८८	२४	८०	१६

७३	७३	७३	७३	७३	७३	७३	७३	७५	७५	७५	७५	७५	७५	७५	७५
५९	६१	६३	६५	६७	६९	७१	७३	६१	६३	६५	६७	६९	७१	७३	७५
३	५	७	१	३	५	७	१	७	५	३	१	७	५	३	१
४	२	७	५	३	१	६	४	१	७	६	५	४	३	२	१
३	६	९	३	६	९	३	६	९	९	९	९	९	९	९	९
४	८	१२	४	८	१२	४	८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२
१	७	५	३	१	७	५	३	५	७	१	३	५	७	१	३
४	११	१८	२५	५	१२	१९	२६	१५	२७	१२	२४	९	२१	६	१८
६	१४	१२	१०	८	६	४	२	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५
२	१९	९	२६	१६	६	२३	१३	२१	२७	६	१२	१८	[illegible]	३	१९
१६	१४	७२	४०	८	९६	६४	३२	१२०	१२०	१२०	१२०	१२[illegible]	[illegible]	१२०	१२०

पी

सू.	मं.				
८					
१४					
१			०	१२	३०
२०	२१		५	२५	२९
६१	३९		५५	१०	७
२६	३५		२५	२५	२

१० बु.
११ मं. रा.
सू. ९ श
१२
१ श
२

यह चक्र देखने की रीति

पहले गृहकर्ता के नाम नक्षत्र से दूसरे किसी नक्षत्र की विवाहवत् गणना गिनिये। परन्तु नाड़ी एक हो। जिस नक्षत्र से अच्छा गुण मिले उसी नक्षत्र वाले पिण्ड को इसमें से छाँटिये। जिसमें आय अच्छी हो, द्रव्य अधिक, व्यय लाभ हो और सब बातें ठीक मिलती हों वही पिण्ड बताइये। इस बात का ध्यान रहे कि गृह-स्वामी का नाम-नक्षत्र तथा राशि और गृह का नक्षत्र तथा राशि एक न हो।

४३।

गृह निर्माणार्थं शुद्ध-पिण्ड-चक्रम्

दीर्घ	२१	२१	२३	२३	२३	२५	२५	२५	२७	२[illegible]	२७	२९	२९	२९	३१	३१	३१	३१	३३	३३	३३	३३	३[illegible]	[illegible]
विस्तार	१९	२१	१९	२१	२३	२१	२३	२५	२३	[illegible]	२७	२५	२७	२९	२५	२७	२९	३१	२७	२९	३१	३३	[illegible]	[illegible]
आय	७	१	[illegible]	३	१	५	७	१	५	[illegible]	१	५	७	१	७	५	३	१	३	५	७	१	७	[illegible]
वार	७	७	६	७	१	७	२	४	३	६	२	१	५	२	३	१	६	४	४	३	२	१	७	[illegible]
अंश	९	८	३	९	६	९	३	६	९	६	९	३	९	६	६	[illegible]	३	६	९	९	९	९	६	[illegible]
द्रव्य	१२	१२	४	१२	८	१२	४	८	१२	१२	[illegible]	४	१२	८	८	[illegible]	[illegible]	८	१२	१२	१२	१२	८	[illegible]
ऋण	८	३	७	१	३	७	५	३	७	१	[illegible]	७	५	३	[illegible]	७	१	[illegible]	९	७	५	३	५	[illegible]
ऋक्ष	६	१८	१३	३	२०	१५	१०	५	२७	२७	२७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	१७	२७	१०	२०	२७	[illegible]	३	१८	२०	१३
तिथि	१२	३	१	९	२	१५	१०	५	३	१५	१२	[illegible]	९	८	५	६	७	८	३	६	९	१२	५	१०
	३	९	२०	१५	१०	२१	५	१६	२७	२७	२७	११	२६	१६	२२	२७	५	१०	२७	२१	१५	९	१०	२०
	७२	४८	१६	२४	३२	१२०	४०	८०	४८	१२०	७२	४०	२४	८	८०	९६	११२	८	४८	९६	२४	७२	८०	४०

	३७	३७	३७	३७	३९	३९	३९	३९	४१	४१	४१	४१	४१	४३	४३	४३	४३	४३	४५	४५	४५	४५	४५	४७
	३१	३३	३५	३७	३३	३५	३७	३९	३३	३५	३७	३९	४१	३७	३७	३९	४१	४३	३७	३९	४१	४३	४५	३९
	३	५	७	१	७	५	३	१	१	३	५	७	१	१	७	५	३	१	१	३	५	७	१	१
	५	६	७	१	५	७	२	४	४	७	३	६	१	७	४	१	५	२	५	३	१	६	४	५
	६	९	३	६	९	९	९	९	९	६	३	९	६	३	६	९	३	६	९	९	९	९	९	९
द्रव्य	८	१२	४	८	१२	१२	१२	१२	१२	८	४	१२	८	४	८	१२	४	८	१२	१२	१२	१२	१२	१२
ऋण	१	७	५	३	५	७	१	३	३	१	७	५	३	३	५	७	१	३	३	१	७	५	३	[illegible]
ऋक्षा	२३	२१	१९	१७	९	१२	१५	१८	२४	५	१३	२१	२	२६	११	२४	१०	२३	९	२७	१८	९	२७	[illegible]
तिथि:	१०	३	१०	२	६	१५	९	३	९	५	१	१२	८	१०	[illegible]	६	४	२	१५	१५	१५	१५	१५	[illegible]
योग:	२५	२४	२३	२२	१८	६	२१	९	१२	१६	२०	२४	१	२६	१९	१२	५	२५	१८	२७	९	१८	२७	[illegible]
आयु:	५६	४८	४०	३२	९६	१२०	२४	४८	२४	८०	१६	७२	८	४०	८	९६	६४	३२	१२०	१२०	१२०	१२०	१२०	[illegible]

दीर्घ	४७	४७	४९	४९	४९	४९	४९	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५५	५५	५५	५५	५५	५५
विस्तार	४५	४७	४१	४३	४५	४७	४९	४१	४३	४५	४७	४९	५१	४३	४५	४७	४९	५१	५३	४५	४७	४९	५१	५३	५५
आय	३	[illegible]	१	३	५	७	१	३	१	७	५	३	१	७	१	३	५	७	१	३	१	७	५	३	१
वार	२	१	७	७	७	७	७	३	४	५	६	७	१	१	३	५	७	२	४	१	४	७	३	६	२
अंश	९	६	३	६	९	३	६	९	९	९	९	९	९	३	९	६	३	९	६	९	३	६	९	३	६
द्रव्य	१२	८	४	८	१२	४	८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	४	१	८	४	१२	८	१२	४	८	१२	४	८
ऋण	१	३	३	१	७	५	३	१	३	५	७	१	३	५	३	१	७	५	३	१	३	५	७	१	३
ऋक्ष	१८	१४	७	८	९	१०	११	१५	२१	२७	६	१२	१८	७	१८	२	१३	२४	८	९	[illegible]	२४	३	१९	८
तिथि:	१५	२	७	११	१५	४	८	३	९	१५	६	१२	३	७	१५	८	१	९	२	१५	१०	५	१५	१०	५
योग:	९	७	१७	४	१८	५	१९	२१	२४	२७	३	६	९	१७	९	१	२०	१२	४	१	२६	७	१५	२३	४
आयु:	१२०	३२	११२	५६	१२०	६४	८	४८	२४	१२०	०६	७२	४८	११२	१२०	८	१६	२४	३२	२०	४०	८०	१२०	४०	८०

क्ष: । जनवरी ८ से
हेमन्तऋतु: ।
T: ४२।३१।
ारम्भ: a
७।१६ ।
१०T मु. ।
२०ाप्त:d
ई. IC
३ ।
मेb
T. I
इ. ०।०
२४ रा.के.

तिथि. १७ २८
७ बु. १३
२६ २७ ८ बृ. ११
२६ २९ ९ शु. १
२६ ३२ १० श.
२६ ३४ ११ र.
२६ ३६ १२ चं
२६ ३८ १३
२६ ४१ १
२६ ४३

गृह निर्माणार्थं शुद्ध-पत्र

सू. उ ... । श्री संवत २०२६ शके १ ... ६५ ... मि. २४ से ... ऋतुः ।

दि. मा. प.	मा. प.	ति. वा.								
२६	३	१ बृ	१	३	१	३	१	३	४	भानि
२६	४	२	...त्	शुभम्	अशुभम्	शुभम्	असत्	शुभम्	असत्	फलम्
२६	४									
२६	४									
२६										
२६										
२६										

...हुर्भादत्र दिनभावधि गणना ॥

...ले चक्रशुद्धिज्ञा-
...ज्यमुद्रावलयचक्रम्
...स्य गणना ॥

...क्षत्र	फलम्
२	सैन्यपदार्थ नाशः
४	श्रेष्ठम्
४	मरणम्
४	कीर्तिवर्द्धनम्
२	भीतिः
४	शोभनम्
४	मरणम्
३	सार्वभौमता

...त्राधोमुखनक्षत्राणि ।

...श्ले, मघा, पूर्वा ३, भरणी, ...कृत्तिका, एपुभेपु, वापीकूप-...खनचोत्तममिति ।

...रम्भे वत्सचक्रमिदम् ।
॥ रविभाद्गणना ॥

	नक्षत्र	फलम्
	३	अग्निदाहः
	४	विनाशः
...दे	४	स्थैर्यम्
	३	लक्ष्मीलाभः
...क्षी	४	श्रीः
...क्षौ	४	शूलः
	३	भयंहानिश्च
...ग्राम्	२	मृत्युभीतिः

अथात्र हलप्रवहण मुहूर्त्तविचारः ।

तत्र—मू. वि. म. स्वा. पुन. श्र. ... उ. ३ रो. मृ. रे. चि. अनु. ह. अश्वि. पुष्य. अभि. ... र. श. वारं. विना अन्य-वारेषु ... ॥ ... रिक्तावर्जि... स्वचक्रशुद्धौ सत्यां शुभं ॥ अत्र—पापैर्हीनबलैर्जलचरराशौ चन्द्रे ... शुद्धौ सत्यां दुर्लग्ने ॥ २।३।६।८।९।१२ एतस्यांदमरयांगेषु ॥ प्रशस्तः ।

अथ वास्तुपुरुषः शिरः ।

पूर्वे	दक्षिणे	पश्चिमे	उत्तरे
भाद्रपद	मार्गशीर्ष	फाल्गुन	ज्येठ
आश्विन	पौष	चैत्र	आषाढ़
कार्तिक	माघ	वैशाख	श्रावण

अथोर्ध्वमुखभानि ।

आर्द्रा, पुष्य, श्रवण, धनिष्ठा, शत, उत्तरा ३, रोहिणी एषुभेषुगृहारामनृपाभिषेकध्वजकर्ममण्डपादिकृत्यमीदृशंश्रेष्ठमिति

अथ हवनचक्रमिदम् ।

नक्षत्र	३	३	३	३	३	३	३	३	३
ग्रहाः	सू.	बुधः	शुक्रः	श.	चन्द्रः	भौ.	गुरुः	रा.	केतु
फलम्	अ.	शुभः	शुभः	अ.	शुभः	अ.	शुभः	अशु.	अशुभः

अथ होमादौ वह्निवासविचारः

गततिथ्यः शुक्लादिरीत्या सैका कार्याः ॥ ततो वारयुताः चतुर्भिस्तष्टाः ०।३ भुवि वह्निवासः होमे सौख्याय ॥ एक १ शेषेस्वर्गे वासः फलं प्राणनाशः ॥ २ शेषेपातालेवासः अर्थनाशः॥

पल्लीपतनस्यानिष्टफलवारणायात्र दानजपः ।

तिलमाषादिदानानि स्नात्वादेयाद्विजन्मने ॥ पिनाकिनं नमस्कृत्यजपेत् मन्त्रंषडक्षरम् ॥ १ ॥ शतंसहस्रमथवासर्व-दे...निबर्हणम् । शिवालयेप्रयच्छाद्द दीपंदोषोपशान्तये ॥ २ ॥ अशु...स्तये मृत्युञ्जयजप स्वर्णगोदानं कार्यमिति शुभम् ॥

अथ कूपचक्रम् ।

...त्रादिनभावधि गणना ॥

रोहिणी...	न.	फलम्
भागाः९	३	शीघ्र जल स्वादुः
...र्ध्ये	३	भूमिस्तु खंडितं न जलम्
...न्नकोणे	३	शुभं सुजलम्
दक्षिणे	३	निर्जलं तथा दुष्टम्
नैर्ऋत्ये	३	शुभं अमृतं वारि
पश्चिमे	३	शुभं निर्मलम् जलम्
वायव्ये	३	दुष्टं जलहानिः
उत्तरे	३	शुभं मधुरं जलम्
ईशाने	३	दुष्टं क्षारं, कटुजलम्

अथ गजचक्रम् सूर्यभाद्गणना			अथाश्वचक्रम् रविभुग्भाद्गणना		
स्थानम्	न.	फलम्	स्थान	न.	फलम्
शीर्षे	३	लक्ष्मीप्रा	शीर्षे	५	सुख
शुण्डे	३	श्रीलाभः	पृष्ठे	१०	लाभद
मुखे	२	मरणम्	पुच्छे	२	स्त्रीना.
हृदि	३	सुखम्	पादे	४	रणभंग
अग्रपादे	४	व्याधिभयं	उदरे	५	हयना.
पृष्ठपादे	४	भीतिः	मुखे	२	लाभः
पुच्छे	४	स्मृतिः			
पृष्ठे	४	व्याधिभयं			

इदमानयनेआरोहणे च विचार्यम्

मृत्युञ्जय-मन्त्र

ॐ ह्रौं जूं सः

इस मन्त्र का जप अरिष्टों की शान्ति करता है ।

कूपचक्रम् कोष्ठेदा... रविभाद्गणना

भागाः ९	न.	फलम्
मध्ये	३	स्वादु...
पूर्वे	३	खंडित जल
अग्नौ	३	स्वादुजल
दक्षिणे	३	जलहानिः
नैर्ऋत्ये	३	स्वादुजलं
पश्चिमे	३	क्षारोदकम्
वायव्ये	३	मिश्रीतोदकं
उत्तरे	३	मिष्टोदकं
ईशाने	३	क्षारोदकं

द्वारचक्रम् रविभाद्गणना

...नि	न.	फलम्
...	४	राज्यलाभः
...	२	हानिः
...	४	धनाप्तिः
...		...व्ययम्
...	४	...
...	२	...
...	४	...
...	२	शो...
...	३	धनल...

अथ तैलिचक्रम्

स्थानानि	नक्षत्र	फलम्
श्रृंगे	७	सम्पत्
मध्ये	३	शोकः
तले	२	विपत्
कर्णे	७	धनम्
दाखुर	३	ऋद्धि
संभार	५	सुखम्

इट्टीखिुरसादि यंत्रकर्म-ण्यपिज्ञातव्यम्

वृश्चिकाचक्रं रविभात् ॥

नक्षत्राणि	फलम्
३	असत्
५	अशुभम्
३	शुभम्
४	शुभम्
७	अनिष्टम्
२	अनिष्टम्
१	शुभम्
२	शुभम्
१	असत्

अथात्र तिर्यङ्मुखभानि ।

अनु. ह. स्वा. पुन. ज्ये. चि. अश्वि. रे. मृ. एषु भेषु हलप्रवहणगमन गजाश्वरथादिकृत्यंशोभनम् ।

११ ... ४ । ... b । ... ९ । ...गे c ...ताम् । c ... म. ...दोषं ... । ... र १३ ।

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	१५	१	बृ.	४४	७	पू.	४	४५	व्या	१३	५२	किं.	१७	०	बव	४४	७	घाता	८	२९	२४	म.	१८	४५	६	४५	५	१५	८	२३	४७	११	६१	८
२६	१७	२	शु.	३८	११	उ.	०/५५	४५/४५	ह.	५/५२	५९/८	बा.	११	९	कौ.	३८	११	आनन्द	९	३०	२५				६	४५	५	१५	८	२४	४८	१९	६१	८
२६	१८	३	श.	३२	२६	ध.	५०	१६	सि.	५०	१८	तै.	५	१८	ग.	३२/५९	२६/४०	वर्द्धमा.	१०	१	२६	कुं.	२३	२३	६	४४	५	१६	८	२५	४९	२७	६१	७
२६	२०	४	र.	२६	५३	श.	४६	३४	व्य.	४२	४७	वि.	२६	५३	बव	५४	२२	रक्ष	११	२	२७				६	४४	५	१६	८	२६	५०	३४	६१	७
२६	२२	५	चं.	२१	५१	पू.	४३	२५	व.	३५	४५	बा.	२१	५१	कौ.	४९	४०	मुशल	१२	३	२८	मी.	२९	१२	६	४४	५	१६	८	२७	५१	४१	६१	७
२६	२४	६	मं.	१७	२८	उ.	४१	४	प.	२९	१५	तै.	१७	२८	ग.	४५	४१	सिद्धि	१३	४	२९				६	४३	५	१७	८	२८	५२	४८	६१	७
२६	२५	७	बु.	१३	५५	रे.	३९	३१	शि.	२३	१६	व.	१३	५५	वि.	४२	४०	उत्पात	१४	५	३०	मे.	३९	३१	६	४३	५	१७	८	२९	५३	५५	६१	७
२६	२७	८	बृ.	११	२४	अ.	३९	२	सि.	१८	२८	बव	११	२४	बा.	४०	४२	मानस	१५	६	१				६	४३	५	१७	९	०	५५	५२	६१	६
२६	२९	९	शु.	१०	१	भ.	३९	४३	सा.	१४	२३	कौ.	१०	१	तै.	३९	५७	मुद्गर	१६	७	२	वृ.	५५	१३	६	४२	५	१८	९	१	५६	८	६१	५
२६	३२	१०	श.	९	५४	कृ.	४१	४२	शु.	११	१८	ग.	९	५४	व.	४०	२८	ध्वज	१७	८	३				६	४२	५	१८	९	२	५७	१३	६१	५
२६	३४	११	र.	११	३	रो.	४४	५७	शु.	९	१३	वि.	११	३	बव	४२	१७	धाता	१८	९	४				६	४१	५	१९	९	३	५८	१८	६१	५
२६	३६	१२	चं.	१३	३१	मृ.	४९	१८	ब्र.	८	७	बा.	१३	३१	कौ.	४५	१९	आनंद	१९	१०	५	मि.	१७	७	६	४१	५	१९	९	४	५९	२३	६१	४
२६	३८	१३	मं.	१७	७	आ.	५४	४२	ऐं.	७	५८	तै.	१७	७	ग.	४९	२४	चर	२०	११	६				६	४०	५	२०	९	६	०	२७	६१	४
२६	४१	१४	बु.	२१	४१	पुन.	६०	०	वै.	८	३२	व.	२१	४१	वि.	५४	१७	गद	२१	१२	७	क.	४४	१८	६	४०	५	२०	९	७	१	३१	६१	३
२६	४३	१५	बृ.	२६	५३	पुन.	०	५०	वि.	९	३९	बव	२६	५३	बा.	५९	३५	सिद्धि	२२	१३	८				६	३९	५	२१	९	८	२	३४	६१	३

श्री संवत् २०२६ शके १८९१। पौष शुक्लपक्षः। जनवरी ८ से
२२तक। याम्यायनम्गोलौःमकरार्कतःसौम्यायनमहेमन्तऋतुः।

उत्तरायोगे या. ज. मु.।
चन्द्रदर्शनम्। श्रवसि दक्षिण पूर्वौ यात्रा मु.। वक्री बुधः ४२।३१।
म. ५९।४० उ.। उत्तराषाढ़ायामर्कः ४९।६। पञ्चकारम्भः a
म. २६।५३ या.। c मीने भौमः ४१।१६।
शनिमार्गी ३५।२९। उ. षा. मे शुक्रः १८।४३।
स. सि. योगः। d३९।३१ या.। प्रतीच्यां यात्रा मु.।
म.१३।५५ उ.४२।४०या.। मकरेऽर्कः५।१९। पञ्चक समाप्तः d
सौरमाघारम्भः। भरण्यां या.ज. म.। पूर्वोत्तरयोः यात्रा मु. ।c
मकरे शुक्रः ८।४४। b बुधः ५८।२३।
म. ४०।२८ उ.। रो. मे स.सि. योगः। वक्रगत्या पू. स्वा. मेb
भ. ११।३ या.। पुत्रदा ११व्रतं सर्वेषाम्। या. ज. मु. ११।३ या.।
प्रदोष व्रतम्। दक्षिण यात्रा मु.। उ. फा. मे भौमः २६।४०।
a२३।२३ उ.। दक्षिणयात्रा मु.२३।२३या.। प्रतीच्यां यात्रामु.।
म. २१।४१ उ. ५४।१७ या.। रा. माघ।
स. सि. अ. सि. योगः ०।५० उ.। प्राक् या. ज. मु.।

पौष. शुक्ल १ गुरौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	१०	९	६	८	०	१०	४
२४	२४	३	९	२२	७	२०	२०
२८	४८	६	३०	१२	२४	५४	५४
१७	४२	२५	२५	२१	१४	४२	४२
६१	४२	६	६	७४	२/८	३	३
२५	३९	१२	४२	६	व.	११	११

१०बु.
८
११मं. रा.
चं. सू.९शु.
७बृ.
१२
६
श.१
३
५के.
२
४

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बृ.	२ शु.	३ श.	४ र.	५ चं.	६ मं.	७ बु.
ध. अं.	७ १४	७ ११	७ ७	७ ३	६ ५९	६ ५५	६ ५१
म. अं.	९ ०	८ ५७	८ ५३	८ ४९	८ ४५	८ ४१	८ ३७
कुं. अं.	१० ३१	१० २८	१० २४	१० २०	१० १६	१० १२	१० ८
मी. अं.	११ ५९	११ ५६	११ ५२	११ ४८	११ ४४	११ ४०	११ ३६
मे. अं.	१ ३७	१ ३४	१ ३०	१ २६	१ २२	१ १८	१ १४
वृ. अं.	३ ३३	३ ३०	३ २६	३ २२	३ १८	३ १४	३ १०
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मि. अं.	५ ४७	५ ४४	५ ४०	५ ३६	५ ३२	५ २८	५ २४
क. अं.	८ ५	८ २	७ ५८	७ ५४	७ ५०	७ ४६	७ ४२
सिं. अं.	१० २०	१० १७	१० १३	१० ९	१० ५	१० १	९ ५७
कं. अं.	१२ ३३	१२ ३०	१२ २६	१२ २२	१२ १८	१२ १४	१२ १०
तु. अं.	२ ५०	२ ४७	२ ४३	२ ३९	२ ३५	२ ३१	२ २७
वृ. अं.	५ ८	५ ५	५ १	४ ५७	४ ५३	४ ४९	४ ४५

तिथयः	८ बृ.	९ शु.	१० श.	११ र.	१२ चं.	१३ मं.	१४ बु.	१५ बृ.
म. अं.	८ ३२	८ २८	८ २४	८ २०	८ १६	८ १२	८ ८	८ ४
कुं. अं.	१० ३	९ ५९	९ ५५	९ ५१	९ ४७	९ ४३	९ ३९	९ ३५
मी. अं.	११ ३१	११ २७	११ २३	११ १९	११ १५	११ ११	११ ७	११ ३
मे. अं.	१ ९	१ ५	१ १	१२ ५७	१२ ५३	१२ ४९	१२ ४५	१२ ४१
वृ. अं.	३ ५	३ १	२ ५७	२ ५३	२ ४९	२ ४५	२ ४१	२ ३७
मि. अं.	५ १९	५ १५	५ ११	५ ७	५ ३	४ ५९	४ ५५	४ ५१
रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
क. अं.	७ ३७	७ ३३	७ २९	७ २५	७ २१	७ १७	७ १३	७ ९
सिं. अं.	९ ५२	९ ४८	९ ४४	९ ४०	९ ३६	९ ३२	९ २८	९ २४
कं. अं.	१२ ५	१२ १	११ ५७	११ ५३	११ ४९	११ ४५	११ ४१	११ ३७
तु. अं.	२ २२	२ १८	२ १४	२ १०	२ ६	२ २	१ ५८	१ ५४
वृ. अं.	४ ४०	४ ३६	४ ३२	४ २८	४ २४	४ २०	४ १६	४ १२
ध. अं.	६ ४६	६ ४२	६ ३८	६ ३४	६ ३०	६ २६	६ २२	६ १८

पौष शुक्ल ११ रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	११	८	६	९	०	१०	४
४	२	२६	१०	२	७	२०	२०
४२	१२	१२	३६	४२	४८	२२	२२
१९	१५	११	१७	३५	५१	४८	४८
६१	४२	४२/३३	६	७२	२/६	३	३
१९	५२	व.	१	२	मा.	११	११

११रा.
बृ.९
१२मं.
सू.शु.१०
८
१श.
७ बृ.
४
६
२चं.
३
के.५

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	४५	१	शु.	३२	१८	पु.	७	२२	प्री.	११	२	कौ.	३२	१८	तै.	६०	०	उत्पात	२३	१४	९				६	३९	५	२१	९	९	३	५७	६१	२
२६	४८	२	श.	३७	३४	श्ले.	१३	५१	आ.	१२	२०	तै.	४	५६	ग.	३७	३४	मानस	२४	१५	१०	सिं.	१३	५१	६	३८	५	२२	९	१०	४	३९	६१	२
२६	५०	३	र.	४२	१४	म.	१९	५२	सौ.	१३	१८	व.	९	५४	वि.	४२	१४	मुद्गर	२५	१६	११				६	३८	५	२२	९	११	५	४१	६१	१
२६	५३	४	च.	४६	१	पू.	२५	१२	शो.	१३	४४	बव	१४	७	वा.	४६	१	ध्वज	२६	१७	१२	कं.	४१	१५	६	३७	५	२३	९	१२	६	४२	६१	०
२६	५६	५	मं.	४८	३५	उ.	२९	२५	अ.	१३	१७	कौ.	१७	१८	तै	४८	३५	धाता	२७	१८	१३				६	३७	५	२३	९	१३	७	४२	६०	५९
२६	५८	६	बु.	४९	५७	ह.	३२	३२	सु.	१२	२	ग.	१९	१६	व.	४९	५७	आनंद	२८	१९	१४				६	३६	५	२४	९	१४	८	४१	६०	५७
२७	१	७	बृ.	५०	०	चि.	३४	१९	धृ.	९	४४	वि.	१९	५८	बव	५०	०	चर	२९	२०	१५	तु.	३	२५	६	३६	५	२४	९	१५	९	३८	६०	५५
२७	४	८	शु.	४८	४७	स्वा	३४	५५	शू.	६	१६	वा.	१९	२३	कौ.	४८	४७	गद	३०	२१	१६				६	३५	५	२५	९	१६	१०	३३	६०	५४
२७	७	९	श.	४६	२१	वि.	३४	१८	गं.	२/५४	८/५६	तै.	१७	३४	ग.	४६	२१	शुभ	३१	२२	१७	वृ.	१९	२७	६	३५	५	२५	९	१७	११	२७	६०	५२
२७	१०	१०	र.	४२	५७	अनु	३२	३९	ध्रु.	५१	३	व.	१४	३९	वि.	४२	५७	मृत्यु	१	२३	१८				६	३४	५	२६	९	१८	१२	१९	६०	५१
२७	१३	११	चं.	३८	३८	ज्ये.	३०	११	व्या	४४	१६	बव	१०	४७	वा.	३८	३८	पद्म	२	२४	१९	ध.	३०	११	६	३३	५	२७	९	१९	१३	१०	६०	५०
२७	१६	१२	मं.	३३	४०	मू.	२६	५७	ह.	३७	१६	कौ.	६	९	तै.	३३	४०	छत्र	३	२५	२०				६	३३	५	२७	९	२०	१४	०	६०	५०
२७	१९	१३	बु.	२८	११	पू.	२३	१५	व.	२९	४२	ग.	०	५५	व.	२८/५५	११/१६	श्रीवत्स	४	२६	२१	म.	३७	१४	६	३२	५	२८	९	२१	१४	५०	६०	४९
२७	२२	१४	बृ.	२२	२२	उ.	१९	१२	सि.	२१	५६	श.	२२	२२	च.	४९	२४	सौम्य	५	२७	२२				६	३२	५	२८	९	२२	१५	३९	६०	४८
२७	२५	३०	शु.	१६	२६	श्र.	१४	५७	व्य.	१४	३	ना.	१६	२६	किं.	४३	३१	धूम्र	६	२८	२३	कुं.	४२	५६	६	३१	५	२९	९	२३	१६	२७	६०	४७

श्री संवत् २०२६ शके १८९१ । माघ कृष्णपक्षः । जनवरी २३ से फरवरी ६ तक । सौम्यायनम् । याम्यगोलः । हेमन्त ऋतुः ।

श्रवणेऽर्कः ५५।१५ । उदीच्यांयात्रा मु. ७।२२ या. ।
श्रवसि शुक्रः २९।४४ ।
भ. ९।५४ उ. ४२।१४ या.
उत्तरा योगे या. ज. मु. । गणेश ४ व्रतम् ।
हस्तभे दक्षिण पूर्वौ यात्रा मु. ।
भ. ४९।५७ उ. । स.सि.योगः दक्षिण पूर्वौ यात्रा मु. ३२।३२ या.
भ. १९।५८ या. । स्वातीयोगे या. ज. मु. ।
मार्गीबुधः ५९।२७ ।
अनु. योगे या. ज. मु. प्रतीच्यां यात्रा मु. ३४।१८ उ. ।
फरवरी । भ. १४।३९ उ. ४२।५७ या. ।
पटूतिला ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
प्रदोष व्रतम् । a धनिष्ठायां शुक्रः ३८।१४ ।
भ. २८।११ उ. ५५।१६ या. । मास शिवरात्रि व्रतम् । a
वसुभेऽर्कः ५९।१५ । b रेवत्यां भौमः १२।४४ ।
स्नान दानादौ ३० । मौनी ३० । पञ्चकारम्भः ४२।५६ उ.

मा. कृ. ६ बुधे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	११	८	६	९	०	१०	४
१४	९	२२	११	१५	८	१९	१९
५५	२४	१२	३०	२४	१२	५१	५१
४	१७	१९	३५	२३	१५	३	३
६१	३६	२४/५६	४	७७	३/६६	३	३
१०	३१	व.	५८	३७	मा.	११	११

रा.११ — बु.९
१२मं. — सू.१०शु. — ८
१श. — ७बृ.
२ — ४ — ६चं.
३ — के.५

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.		२ श.		३ र.		४ च.		५ म.		६ बु.		७बृ.		८ शु.		९श.		१०र.		११चं.		१२ मं.		१३बु.		१४ बृ.		३०शु.	
म. अं.	८	०	७	५६	७	५२	७	४८	७	४४	७	४०	७	३६	७	३२	७	२९	७	२५	७	२१	७	१७	७	१३	७	९	७	५
कु. अं.	९	३१	९	२७	९	२३	९	१९	९	१५	९	११	९	७	९	३	९	०	८	५६	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०	८	३६
मी. अं.	१०	५९	१०	५५	१०	५१	१०	४७	१०	४३	१०	३९	१०	३५	१०	३१	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	४
मे. अं.	१२	३७	१२	३३	१२	२९	१२	२५	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	९	१२	६	१२	२	११	५८	११	५४	११	५०	११	४६	११	४२
वृ. अं.	२	३३	२	२९	२	२५	२	२१	२	१७	२	१३	२	९	२	५	२	२	१	५८	१	५४	१	५०	१	४६	१	४२	१	३८
मि. अं.	४	४७	४	४३	४	३९	४	३५	४	३१	४	२७	४	२३	४	१९	४	१६	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५६	३	५२
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
क. अं.	७	५	७	१	६	५७	६	५३	६	४९	६	४५	६	४१	६	३७	६	३४	६	३०	६	२६	६	२२	६	१८	६	१४	६	१०
सिं. अं.	९	२०	९	१६	९	१२	९	८	९	४	९	०	८	५६	८	५२	८	४९	८	४५	८	४१	८	३७	८	३३	८	२९	८	२५
कं. अं.	११	३३	११	२९	११	२५	११	२१	११	१७	११	१३	११	९	११	५	११	२	१०	५८	१०	५४	१०	५०	१०	४६	१०	४२	१०	३८
तु. अं.	१	५०	१	४६	१	४२	१	३८	१	३४	१	३०	१	२६	१	२२	१	१९	१	१५	१	११	१	७	१	३	१२	५९	१२	५५
वृ. अं.	४	८	४	४	४	०	३	५६	३	५२	३	४८	३	४४	३	४०	३	३७	३	३३	३	२९	३	२५	३	२१	३	१७	३	१३
ध. अं.	६	१४	६	१०	६	६	६	२	५	५८	५	५४	५	५०	५	४६	५	४३	५	३९	५	३५	५	३१	५	२७	५	२३	५	१९

मा. कृ. १३ बुधे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	११	८	६	९	०	१०	४
११	१४	२५	११	२४	८	१९	१९
१४	४२	०	५३	१७	२३	३०	३०
५०	४१	९	१७	३७	४९	४१	४१
६०	४२	३०/१७	२	७३	१	३	३
४९	१३	मा.	४१	३६	४७	११	११

रा.११ — बु.९चं.
मं.१२ — १०सू.शु — ८
१श. — ७बृ.
२ — ४ — ६
३ — ५ के.

दि. मा. घ.	प.	वा.	ति.	घ.	पं.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगा:	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२७	२८	श.	१	१०	३७	ध.	१०	५५	व.	६/५२	१४/२४	बव	१०	३७	बा.	३७	५१	वर्द्धमा.	७	२९	२४				६	३०	५	३०	९	२४	१७	१४	६०	४६
२७	३१	र.	२	५	६	श.	७	९	शि.	५१	२५	कौ.	५	६	तै.	३२	३५	रक्ष	८	१	२५	मी.	४९	४१	६	३०	५	३०	९	२५	१८	०	६०	४५
२७	३५	चं.	३	०/५५	४/४०	पू.	३	५२	सि.	४४	४५	ग.	०	८	व.	२७/५५	५४/४४	मुशल	९	२	२६				६	२९	५	३१	९	२६	१८	४५	६०	४३
२७	३८	मं.	५	५२	१७	उ.	१/५८	१८/१७	सा.	३८	४७	बव	२४	१	वा.	५२	१७	सिद्धि	१०	३	२७	मे.	५९	४५	६	२८	५	३२	९	२७	१९	२८	६०	४२
२७	४१	बु.	६	४९	४७	अ.	५८	५२	शु.	३३	३३	कौ.	२१	२	तै.	४९	४७	मृत्यु	११	४	२८				६	२८	५	३२	९	२८	२०	१०	६०	४१
२७	४४	बृ.	७	४८	३०	भ.	५९	२०	शु.	२९	११	ग.	१९	८	व.	४८	३०	पद्म	१२	५	२९				६	२७	५	३३	९	२९	२०	५१	६०	४०
२७	४८	शु.	८	४८	२९	कृ.	६०	०	ब्र.	२५	५२	वि.	१८	३०	बव	४८	२९	छत्र	१३	६	१	वृ.	१४	४६	६	२६	५	३४	१०	०	२१	३१	६०	३८
२७	५१	श.	९	४९	४६	कृ.	१	३	ऐ.	२३	३३	बा.	१९	७	कौ.	४९	४६	ध्वज	१४	७	२				६	२६	५	३४	१०	१	२२	९	६०	३६
२७	५४	र.	१०	५२	२०	रो.	४	०	वै.	२२	१७	तै.	२१	३	ग.	५२	२०	धाता	१५	८	३	मि.	३६	३	६	२५	५	३५	१०	२	२२	४५	६०	३४
२७	५८	चं.	११	५५	५९	मृ.	८	६	वि.	२१	४७	व.	२४	१०	वि.	५५	५९	आनंद	१६	९	४				६	२४	५	३६	१०	३	२३	१९	६०	३३
२८	१	मं.	१२	६०	०	आ.	१३	२१	प्री.	२२	१५	बव	२८	१५	बा.	६०	०	चर	१७	१०	५				६	२४	५	३६	१०	४	२३	५२	६०	३१
२८	५	बु.	१२	०	३१	पुन.	१९	२०	आ.	३०	१५	बा.	०	३१	कौ.	३३	७	गद	१८	११	६	क.	२	४३	६	२३	५	३७	१०	५	२४	२३	६०	२९
२८	८	बृ.	१३	५	४३	पु.	२५	४८	सौ.	२४	३६	तै.	५	४३	ग.	३८	२५	शुभ	१९	१२	७				६	२२	५	३८	१०	६	२४	५२	६०	२७
२८	१२	शु.	१४	११	८	श्ले.	३२	२२	शो.	२६	४	व.	११	८	वि.	४३	४३	मृत्यु	२०	१३	८	सि.	३२	२२	६	२२	५	३८	१०	७	२५	१९	६०	२६
२८	१५	श.	१५	१६	१९	म.	३८	३५	अ.	२७	१५	व.	१६	१९	बा.	४८	३५	पद्म	२१	१४	९				६	२१	५	३९	१०	८	२५	४५	६०	२४

श्री संवत् २०२६ शके १८९१। माघ शुक्लपक्षः। फर. ७ से २१ तक। सौम्यायनम् याम्यगोलः। हेमन्तऋतुः।

चन्द्रदर्शनम्। पुनः पू.षा.मे बुधः ९।४५।
कुम्भे शुक्रः २८।५४। शब्वाल।
म. २७।५४ उ. ५५।४४ या.। गणेश ४।
पञ्चकनिवृत्तिः ५९।३५। स. सि. योगः १।१८ या.।
प्राच्यां यात्रा मु.। b पश्चिमोत्तर यो. यात्रा मु.।
म. ४८।३० उ.। कुंभेऽर्कः ३२।३०। या. ज. मु. ४०।३० या.।
म. १८।३० या.। सौर फाल्गुन। शते शुक्रः ३१।३५।
या. ज. मु. १।३ उ. ४९।४६ या.।
श्रवसि बुधः ५६।४४। aपश्चिमयोः यात्रा मु. ८।८ या.।
म. २४।१० उ. ५५।५९ या.। जया ११स्मार्तानाम्। दक्षिणa
जया ११ वैष्णवानाम्। दक्षिण पश्चिमयो यात्रा मु.तिथिदानात्।
प्रदोष व्रतम्। प्रतीच्यां यात्रा मु.।
शतभेऽर्कः ९।१५। स. सि. अ. सि. योगः २५।४८ या.।b
म. ११।८ उ. ४३।४३ या.। रा. फाल्गन।
स्नान दानादौ १५। माघ स्नान समाप्तिः।

२१

माघ शु.१ शनौ इ. ०।०

सू.	म.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	११	८	६	९	०	१०	४
२५	१६	२७	१२	२८	८	१९	१९
५	४८	३०	०	०	३०	१९	१९
५५	१५	१५	१	२	१२	१९	१९
६०	४२	३०	२	७४	१	३	३
५७	१२	२७	५२	२४	४८	११	११

११रा.चं.
बु. ९
१२मं.
१०शु सू.
८
१ श.
७ बृ.
२
४
६
३
५ के.

दैनिक लग्नसारिणी

तिथय:	१ श.		२ र.		३ चं.		५ मं.		६ बु.		७ बृ.		ति.	८ शु.		९ श.		१० र.		११ चं.		१२म.		१२ बु.		१३ बु.		१४ शु.		१५ श.	
म. अं.	७	१	६	५७	६	५३	६	४९	६	४५	६	४१	कु.	८	८	८	५	८	१	७	५७	७	५३	७	४९	७	४५	७	४२	७	३८
कुं. अं.	८	३२	८	२८	८	२४	८	२०	८	१६	८	१२	मी.	९	३६	९	३३	९	२९	९	२५	९	२१	९	१७	९	१३	९	१०	९	६
मी. अ.	१०	०	९	५६	९	५२	९	४८	९	४४	९	४०	मे.	११	१४	११	११	११	७	११	३	१०	५९	१०	५५	१०	५१	१०	४८	१०	४४
मे. अं.	११	३८	११	३४	११	३०	११	२६	११	२२	११	१८	वृ.	१	१०	१	७	१	३	१२	५९	१२	५५	१२	५१	१२	४७	१२	४४	१२	४०
वृ. अं.	१	३४	१	३०	१	२६	१	२२	१	१८	१	१४	मि.	३	२४	३	२१	३	१७	३	१३	३	९	३	५	३	१	२	५८	२	५४
मि. अं.	३	४८	३	४४	३	४०	३	३६	३	३२	३	२८	क.	५	४२	५	३९	५	३५	५	३१	५	२७	५	२३	५	१९	५	१६	५	१२
राशय:	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
क. अं.	६	६	६	२	५	५८	५	५४	५	५०	५	४६	सि.	७	५७	७	५४	७	५०	७	४६	७	४२	७	३८	७	३४	७	३१	७	२७
सि. अं.	८	२१	८	१७	८	१३	८	९	८	५	८	१	कं.	१०	१०	१०	७	१०	३	९	५९	९	५५	९	५१	९	४७	९	४४	९	४०
कं. अं.	१०	३४	१०	३०	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१४	तु.	१२	२७	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	१	११	५७
तु. अं	१२	५१	१२	४७	१२	४३	१२	३९	१२	३५	१२	३१	वृ.	२	४५	२	४२	२	३८	२	३४	२	३०	२	२६	२	२२	२	१९	२	१५
वृ. अं.	३	९	३	५	३	१	२	५७	२	५३	२	४९	ध.	४	५१	४	४८	४	४४	४	४०	४	३६	४	३२	४	२८	४	२५	४	२१
ध. अं.	५	१५	५	११	५	७	५	३	४	५९	४	५५	म.	६	३७	६	३४	६	३०	६	२६	६	२२	६	१८	६	१४	६	११	६	७

मा. शु. १२ भौमे इ. ०।०

सू.	म.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	११	९	६	१०	०	१०	४
५	२४	१०	१२	१०	९	१८	१८
१४	०	४२	१२	३६	२४	४७	४७
१७	३	१५	१५	१४	१५	३५	३५
६०	४२	७८	१	७२	५	३	३
३८	११	२५	५	२५	२२	११	११

१२ मं.
१० बृ.
१ श.
सू.११शु.
रा.
९
२
८
३चं.
के. ५
७ बु.
४
६

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२८	१९	१	र.	२०	५०	पू.	४४	६	सु.	२७	५५	कौ.	२०	५०	तै.	५२	३९	छत्र	२२	१५	१०				६	२०	५	४०	१०	९	२६	९	६०	२२
२८	२२	२	चं.	२४	२८	उ.	४८	३५	वृ.	२७	५०	ग.	२४	२८	व.	५५	४१	श्रीवत्स	२३	१६	११	कं.	०	१३	६	२०	५	४०	१०	१०	२६	३१	६०	२०
२८	२६	३	मं.	२६	५५	ह.	५१	५९	शू.	२६	५२	वि.	२६	५५	बव	५७	३१	सौम्य	२४	१७	१२				६	१९	५	४१	१०	११	२६	५१	६०	१९
२८	३०	४	बु.	२८	७	चि.	५४	५	गं.	२४	५८	बा.	२८	७	कौ.	५८	४	काल	२५	१८	१३	तु.	२३	२	६	१८	५	४२	१०	१२	२७	१०	६०	१७
२८	३३	५	बृ.	२८	१	स्वा	५४	५७	वृ.	२२	३	तै.	२८	१	ग.	५७	१९	स्थिर	२६	१९	१४				६	१७	५	४३	१०	१३	२७	२७	६०	१६
२८	३७	६	शु.	२६	३७	वि.	५४	३५	ध्रु.	१८	७	व.	२६	३७	वि.	५५	२१	मातंग	२७	२०	१५	वृ.	३९	४१	६	१७	५	४३	१०	१४	२७	४३	६०	१५
२८	४०	७	श.	२४	५	अनु	५३	९	व्या	१३	५५	बव	२४	५	बा.	५२	१८	अमृत	२८	२१	१६				६	१६	५	४४	१०	१५	२७	५८	६०	१३
२८	४४	८	र.	२०	३२	ज्ये.	५०	५५	ह.	७	३६	कौ.	२०	३२	तै.	४८	२०	काण	१	२२	१७	ध.	५०	५५	६	१५	५	४५	१०	१६	२८	११	६०	११
२८	४८	९	चं.	१६	८	मू.	४७	४९	व.	[illegible]	[illegible]	ग.	१६	८	व.	४३	३७	लुंब	२	२३	१८				६	१४	५	४६	१०	१७	२८	२२	६०	९
२८	५१	१०	मं.	११	७	पू.	४४	१४	व्य.	४६	५२	वि.	११	७	बव	३८	१८	मित्र	३	२४	१९	म.	५८	१४	६	१४	५	४६	१०	१८	२८	३१	६०	७
२८	५५	११	बु.	[illegible]	[illegible]	उ.	४०	१५	ह.	३९	१२	बा.	५	३०	कौ.	३२/५९	३२/३५	वज्र	४	२५	२०				६	१३	५	४७	१०	१९	२८	३८	६०	५
२८	५९	१३	बृ.	५३	३८	श्र.	३६	२	प.	३१	२०	ग.	२६	३६	व.	५३	३८	ध्वांक्ष	५	२६	२१				६	१२	५	४८	१०	२०	२८	४३	६०	३
२९	३	१४	शु.	४७	४८	ध.	३१	५७	शि.	२३	२५	वि.	२०	४३	श.	४७	४८	धाता	६	२७	२२	कुं.	४	०	६	११	५	४९	१०	२१	२८	४६	६०	१
२९	६	३०	श.	४२	२०	श.	२८	७	सि.	१५	५८	च.	१५	४	ना.	४२	२०	आनंद	७	२८	२३				६	११	५	४९	१०	२२	२८	४७	५९	५९

श्री संवत् २०२६ शके १८९१। फाल्गुन कृष्णपक्षः। फर. २२ से मार्च ७ तक । सौम्यायनम्। याम्यगोलः। हेमन्त ऋतुः।

स. सि. योगः ४४।९ उ.। aबुधः ४८।५८।
म. ५५।४१ उ.। हस्त भे दक्षिण यात्रा मु.। या.ज.मु. २४।१८ उ.
म. २६।५५ या.। दक्षिण पूर्वयोः यात्रा मु.भद्रान्ते। धनिष्ठायां a
अश्विन्यां मेषेभौमः ५८।२४। पू.भा. मे शुक्रः ०।९।
या. ज. मु. २६।३० या.। bशुक्रोदयः पश्चिमायाम् ३०।४४।
म. २६।३७ उ. ५५।२१ या.। अनुभे. उदीच्यां यात्रा मु.। b
या.ज.मु.२४।५ या.। पश्चिमोत्तरयोः यात्रा मु. ५३।९ या.। c
मार्च। स. सि. योगः ५९।५५ उ.। कुम्भे बुधः १९।४४।
म. ४३।३७ उ.। cवक्री गुरुः ५।७।
म. ११।७ या.। dश्रवसि दक्षिण यात्रा मु.।
पूर्वा भाद्रपदायामर्कः २०।१५। विजया११ व्रतं सर्वेषाम्। d
म. ५३।३८ उ.। प्रदोष व्रतम्। प्राच्यां यात्रा मु. भद्राप्राक्।
म.२०।४३या.। महा शिवरात्रि व्रतम्। पञ्चकारम्भः ४।०उ.। e
स्नान दानादी ३०। eशते बुधः ४८।४१।

फाल्गुन कृ. ६ शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	०	९	६	१०	०	१०	४
१५	१	२६	१२	२३	१०	१८	१८
१९	४२	३०	१२	०	३	१४	१४
३९	१३	१५	२४	२१	९	५१	५१
६०	४२	९५	०	७७	५	३	३
१८	४	३५	१	२५	२२	११	११

१२
बृ.१०
श. मं.१
रा११सू.शु.
९
२
८
३
के.५
७चं. बु.
४
६

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.		२ चं.		३ मं.		४ बु.		५ बृ.		६ शु.		७श.		८र.		९ चं.		१० मं.		११बु.		१३ बृ.		१४शु.		३०श.	
कुं. अं.	७	३४	७	३०	७	२६	७	२२	७	१८	७	१४	७	१०	७	६	७	२	६	५८	६	५४	६	५०	६	४६	६	४२
मी. अं.	९	२	८	५८	८	५४	८	५०	८	४६	८	४२	८	३८	८	३४	८	३०	८	२६	८	२२	८	१८	८	१४	८	१०
मे. अं.	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	०	९	५६	९	५२	९	४८
वृ. अं.	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	८	१२	४	१२	०	११	५६	११	५२	११	४८	११	४४
मि. अं.	२	५०	२	४६	२	४२	२	३८	२	३४	२	३०	२	२६	२	२२	२	१८	२	१४	२	१०	२	६	२	२	१	५८
क. अं.	५	८	५	४	५	०	४	५६	४	५२	४	४८	४	४४	४	४०	४	३६	४	३२	४	२८	४	२४	४	२०	४	१६
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
सिं. अं.	७	२३	७	१९	७	१५	७	११	७	७	७	३	६	५९	६	५५	६	५१	६	४७	६	४३	६	३९	६	३५	६	३१
कं. अं.	९	३६	९	३२	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२	९	८	९	४	९	०	८	५६	८	५२	८	४८	८	४४
तु. अं.	११	५३	११	४९	११	४५	११	४१	११	३७	११	३३	११	२९	११	२५	११	२१	११	१७	११	१३	११	९	११	५	११	१
वृ. अं.	२	११	२	७	२	३	१	५९	१	५५	१	५१	१	४७	१	४३	१	३९	१	३५	१	३१	१	२७	१	२३	१	१९
ध. अं.	४	१७	४	१३	४	९	४	५	४	१	३	५७	३	५३	३	४९	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३	३	२९	३	२५
म. अं.	६	३	५	५९	५	५५	५	५१	५	४७	५	४३	५	३९	५	३५	५	३१	५	२७	५	२३	५	१९	५	१५	५	११

फा. कृ. १४ शुक्रे इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	०	१०	६	११	०	१०	४
२१	६	९	११	२	१०	१७	१७
२८	१२	१३	५१	३	४८	५२	५२
४६	२४	५	५२	४८	१४	४१	४१
६१	४१	१०६	३/८	७१	६	३	३
१	१४	४४	व.	२९	१५	११	११

१२शु.
चं.१०
१ मं.श.
सू.११बु. रा.
९
२
८
३
के.५
७बृ.
४
६

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.
२९	१०	१	र.	३७	१४	पू.	२४	४१	सा.	८	३९	कि.	९	४७	बव	३७	१४
२९	१४	२	चं.	३२	५४	उ.	२१	५७	शु.	५७	५६	वा.	५	४	कौ.	३२	५४
२९	१७	३	मं.	२९	२५	रे.	१९	४५	ब्र.	५०	२२	तै.	१	१०	ग.	५८	११
२९	२१	४	बु.	२६	५८	अ.	१९	७	ऐ.	४५	४०	वि.	२६	५८	बव	५६	१९
२९	२५	५	बृ.	२५	४०	भ.	१९	१८	वै.	४२	१७	वा.	२५	४०	कौ.	५५	४०
२९	२८	६	शु.	२५	३९	कृ.	२०	४३	वि.	३९	४४	तै.	२५	३९	ग.	५६	१७
२९	३२	७	श.	२६	५६	रो.	२३	२५	प्री.	३८	१५	व.	२६	५६	वि.	५८	१२
२९	३६	८	र.	२९	२८	मृ.	२७	१८	आ.	३७	३७	बव	२९	२८	वा.	६०	०
२९	४०	९	चं.	३३	८	आ.	३२	२०	सौ.	३७	५१	वा.	१	१८	कौ.	३३	८
२९	४३	१०	मं.	३७	४७	पुन.	३८	१०	शो.	३८	४६	तै.	५	२७	ग.	३७	४७
२९	४७	११	बु.	४२	५५	पु.	४४	३६	अ.	४०	८	व.	१०	२१	वि.	४२	५५
२९	५१	१२	बृ.	४८	१५	श्ले.	५१	१०	सु.	४१	३८	बव	१५	३५	वा.	४८	१५
२९	५५	१३	शु.	५३	१६	म.	५७	३२	धृ.	४२	५९	कौ.	२०	४५	तै.	५३	१६
[illegible]	५८	१४	श.	५७	४१	पू.	६०	०	शू.	४३	५४	ग.	२५	२८	व.	५७	४१
[illegible]	२	१५	र.	६०	०	पू.	३	१२	गं.	४४	९	वि.	२९	२५	बव	६०	०
[illegible]	६	१५	चं.	१	१०	उ.	७	५६	वृ.	४३	२८	बव	१	१०	वा.	३२	२५

ति.	योगाः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
१	चर	८	२९	२४	मी.	१०	३३	६	१०	५	५०	१०	२३	२८	४६	५९	५७
२	गद	९	३०	२५				६	९	५	५१	१०	२४	२८	४३	५९	५६
३	शुभ	१०	१	२६	मे.	१९	४५	६	९	५	५१	१०	२५	२८	३९	५९	५४
४	मृत्यु	११	२	२७				६	८	५	५२	१०	२६	२८	३३	५९	[illegible]
५	पद्म	१२	३	२८	वृ.	३४	३९	६	७	५	५३	१०	२७	२८	२५	[illegible]	[illegible]
६	छत्र	१३	४	२९				६	६	५	५४	१०	२८	२८	१६	५९	४९
७	श्रीवत्स	१४	५	३०	मि.	५५	२१	६	६	५	५४	१०	२९	२८	५	५९	४८
८	सौम्य	१५	६	१				६	५	५	५५	११	०	२७	५३	५९	४६
९	काल	१६	७	२				६	४	५	५६	११	१	२७	३९	५९	४३
१०	स्थिर	१७	८	३	क.	२१	४३	६	३	५	५७	११	२	२७	२२	५९	४१
११	मातंग	१८	९	४				६	३	५	५७	११	३	२७	३	५९	३८
१२	अमृत	१९	१०	५	सि.	५१	१०	६	२	५	५८	११	४	२६	४१	५९	३६
१३	काण	२०	११	६				६	१	५	५९	११	५	२६	१७	५९	३४
१४	लुम्ब	२१	१२	७				६	०	६	०	११	६	२५	५१	५९	३१
१५	छत्र	२२	१३	८	क.	१९	२३	६	०	६	०	११	७	२५	२२	५९	२९
१५	श्रीवत्स	२३	१४	९				५	५९	६	१	११	८	२४	५१	५९	२८

श्री संवत् २०२६ शके १८९१ । फाल्गुन शुक्लपक्षः । मार्च ८ से
२३ तक । सौम्यायनम् । याम्यगोलः । हेमन्तऋतुः।n
स. सि. योगः २४।४१ उ. । nमीनार्कतः वसन्तऋतुः
चन्द्रदर्शनम् । रेवत्यां प्रतीच्यां यात्रा मु.। उ.भा.मे शुक्रः २८।४४। ३१
म. ५८।११ उ. । पञ्चक समाप्तिः १९।४५ या. । जिलकाद ।
म. २६।५८ या.। a२३।२५ या. । पू. भा. मे बुधः ५६।१४ ।
या. ज. मु. १९।१८ या. ।

म. २६।५६ उ. ५८।१२ या.। मीनेऽर्कः २२।३६ । या. ज. मु.a
सौर चैत्रारम्भः । दक्षिण यात्रा मु. । bया. मीने बुधः ८।४५ ।
पुनर्वसु दक्षिण पश्चिमयोः यात्रा मु.। भरण्यां भौमः २६।४४।
उत्तरा भाद्रपदायामर्कः ४०।१५ । दक्षिण यात्रा मु.२१।४३ ।b
म. १०।२१ उ. ४२।५५ या. । आमलकी ११ व्रतं सर्वेषाम् ।c
cरेवत्यां शुक्रः ४४।६ । प्रतीच्यां यात्रामु. भद्राप्राक् ।
प्रदोष व्रतम् । d ३।१२ उ. । होलिकादहनम् प्रत्यूषे ।
म. ५७।४१ उ. । e यात्रा । धूलिवन्दनम् ।
म. २९।५५ या. । सौर चैत्र शक १८९२ । स. सि. योगःd
या. ज. मु १।१० या. । स.सि.योगः १७।५६ उ. । चतुष्षष्टीe

फा. शु. २ चन्द्रे इ. ०।०

[illegible]	[illegible]	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
[illegible]	०	१०	६	११	०	१०	४
५	८	१४	११	५	११	१७	१७
२१	१८	३०	४२	३६	६	४३	४३
५६	२५	३१	१५	१४	२	७	७
५९	४१	१०७	३/५	७१	६	३	३
५८	१२	२२	व.	३९	२५	११	११

शु.चं.१२ १०
श.मं. १ सू.बु.११ रा. ९
२ ८
३ के. ५ ७बृ.
४ ६

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१ र.		२ च.		३ मं.		४ बु.		५ बृ.		६ शु.		७ श.	
कुं.	६	३८	६	३४	६	३०	६	२६	६	२२	६	१८	६	१५
मी.	८	६	८	२	७	५८	७	५४	७	५०	७	४६	७	४३
मे.	९	४४	९	४०	९	३६	९	३२	९	२८	९	२४	९	२१
वृ.	११	४०	११	३६	११	३२	११	२८	११	२४	११	२०	११	१७
मि.	१	५४	१	५०	१	४६	१	४२	१	३८	१	३४	१	३१
क.	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५६	३	५२	३	४९
रा.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
सि.	६	२७	६	२३	६	१९	६	१५	६	११	६	७	६	४
क.	८	४०	८	३६	८	३२	८	२८	८	२४	८	२०	८	१७
तु.	१०	५७	१०	५३	१०	४९	१०	४५	१०	४१	१०	३७	१०	३४
वृ.	१	१५	१	११	१	७	१	३	१२	५९	१२	५५	१२	५२
ध.	३	२१	३	१७	३	१३	३	९	३	५	३	१	२	५८
म.	५	७	५	३	४	५९	४	५५	४	५१	४	४७	४	४४

ति.	८ र.		९ च.		१० मं.		११ बु.		१२ बृ.		१३ शु.		१४ श.		१५ र.		१५ चं.	
मी.	७	३९	७	३५	७	३१	७	२७	७	२३	७	१९	७	१५	७	१२	७	८
मे.	९	१७	९	१३	९	९	९	५	९	१	८	५७	८	५३	८	५०	८	४६
वृ.	११	१३	११	९	११	५	११	१	१०	५७	१०	५३	१०	४९	१०	४६	१०	४२
मि.	१	२७	१	२३	१	१९	१	१५	१	११	१	७	१	३	१	०	१२	५६
क.	३	४५	३	४१	३	३७	३	३३	३	२९	३	२५	३	२१	३	१८	३	१४
सि.	६	०	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४	५	४०	५	३६	५	३३	५	२९
रा	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
क.	८	१३	८	९	८	५	८	१	७	५७	७	५३	७	४९	७	४६	७	४२
तु.	१०	३०	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१४	१०	१०	१०	६	१०	३	९	५९
वृ.	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२१	१२	१७
ध.	२	५४	२	५०	२	४६	२	४२	२	३८	२	३४	२	३०	२	२७	२	२३
म.	४	४०	४	३६	४	३२	४	२८	४	२४	४	२०	४	१६	४	१३	४	९
कुं.	६	११	६	७	६	३	५	५९	५	५५	५	५१	५	४७	५	४४	५	४०

फा. शु. १२ गुरौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	०	११	६	११	०	१०	४
५	१५	२	११	१८	१२	१७	१७
१९	१२	४८	६	०	१८	११	११
५९	११	१२	७	२	४	२२	२२
५९	४१	७२	७३/५	७२	६	३	३
४१	५४	२३	व.	३१	३२	११	११

१श.मं. ११रा.
२ बु.१२सू.शु. १०
३ ९
चं.४ ६ ८
५के. बृ.७

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३०	१०	१	मं.	३	३९	ह.	११	३६	घृ.	४१	५७	कौ.	३	३९	तै.	३४	५	सौम्य	२४	१५	१०	तु.	४२	४९	५	५८	६	२	११	९	२४	१९	५९	२७
३०	१३	२	बु.	४	३२	चि.	१४	२	व्या	३९	२२	ग.	४	३२	व.	३४	२५	काल	२५	१६	११				५	५७	६	३	११	१०	२३	४६	५९	२५
३०	१७	३	बृ.	४	१७	स्वा	१५	७	ह.	३५	४८	वि.	४	१७	बव	३३	३२	स्थिर	२६	१७	१२				५	५७	६	३	११	११	२३	११	५९	२२
३०	२१	४	शु.	२	४७	वि.	१५	१	व.	३१	१५	वा.	२	४७	कौ.	३१	२७	मातंग	२७	१८	१३	वृ.	०	३	५	५६	६	४	११	१२	२२	३३	५९	२०
३०	२४	५	श.	०/५६	६/४९	अनु	१३	४९	सि.	२५	५३	तै.	०	८	ग.	२८/५६	२८/३९	अमृत	२८	१९	१४				५	५५	६	५	११	१३	२१	५३	५९	१८
३०	२८	७	र.	५२	०	ज्ये.	११	४६	व्य.	२९	४६	वि.	२४	१४	बव	५२	०	काण	२९	२०	१५	ध.	११	४६	५	५४	६	६	११	१४	२१	११	५९	१६
३०	३२	८	चं.	४६	५१	मू.	८	५१	व.	१२	५३	बा.	१९	२५	कौ.	४६	५१	लुम्ब	३०	२१	१६				५	५४	६	६	११	१५	२०	२७	५९	१३
३०	३६	९	मं.	४१	१२	पू.	५	२०	प.	५/५६	४७/२७	तै.	१४	१	ग.	४१	१२	मित्र	३१	२२	१७	म.	१९	२१	५	५३	६	७	११	१६	१९	४०	५९	११
३०	३९	१०	बु.	३५	१४	उ.	७/५५	३४/५६	सि.	५०	३०	व.	८	१३	वि.	३५	१४	वज्र	१	२३	१८				५	५२	६	८	११	१७	१८	५१	५९	९
३०	४३	११	बृ.	२९	१०	श्र.	५३	९	सा.	४२	४३	बव	२	१२	बा.	२०/५६	२०/५६	श्रीवत्स	२	२४	१९	कुं.	२५	१७	५	५१	६	९	११	१८	१८	०	५९	७
३०	४७	१२	शु.	२३	१४	श.	४९	११	शु.	३५	६	तै.	२३	१४	ग.	५०	२६	सौम्य	३	२५	२०				५	५१	६	९	११	१९	१७	७	५९	५
३०	५०	१३	श.	१७	३८	पू.	४५	४१	शु.	२७	४६	व	१७	३८	वि.	४०	४	कालद	४	२६	२१	मी.	३१	३४	५	५०	६	१०	११	२०	१६	१२	५९	२
३०	५४	१४	र.	१२	३१	उ.	४२	४८	ब्र.	२०	५३	श.	१२	३१	च.	४०	२०	स्थिर	५	२७	२२				५	४९	६	११	११	२१	१५	१४	५९	०
३०	५८	३०	चं.	८	९	रे.	४०	४७	ऐं.	१४	३९	ना.	८	९	किं.	३६	२३	मातंग	६	२८	२३	मे.	४०	४७	५	४८	६	१२	११	२२	१४	१४	५८	५९

श्री संवत् २०२६ शके १८९१। चैत्र कृष्णपक्षः। मार्च २४ से अप्रैल ६ तक। सौम्यायनम्। याम्यगोल :। वसन्तऋतुः।

पूर्व दक्षिणयोः यात्रा मु.।
भ. ३४।२५ उ.। उ. भा. मे बुधः ९।११।
भ. ४।१७ या.। या. ज. मु. ४।१७ या.। a शुक्रः ५९।७।
स. सि. योगः १५।१ उ.। पुनः भरण्यां शनिः १९।३८।
भ. ५६।२९ उ.। या. ज. मु. ०।८ या.। अश्विन्यां मेषे a
भ. २४।१४ या.। स. सि. योगः ११।४६ उ.।
d प्रतीच्यां यात्रा मु. २५।१७ उ.।
रेवत्यामर्कः ११।१५। रेवत्यां बुधः ४५।१७।
भ. ८।१३ उ. ३५।१४ या.। अप्रैल।
पापमोचिनी ११ व्रतं सर्वेषाम्। पञ्चकारम्भः २५।१७ उ.।d
प्रदोष व्रतम्। मेषे बुधः ४८।३९।
भ. १७।३८ उ. ४५।१४ या.। वारुणी पर्व। मासशिवरात्रि व्रतम्
स. सि. योगः।
स्नानदानादौ ३०।

चै. कृ. ७ रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	०	११	६	०	०	१०	४
१५	२२	२०	१०	०	१३	१६	१६
१५	३०	५४	०	२४	३०	३९	३९
१२	४	१४	४	१४	४	३८	३८
५९	४२	१०८	४३	६६	६	३	३
१८	२	२३	व.	३५	२	११	११

शु.श.मं. १
रा. ११
२
सू. १२ बु.
१०
३
९
४
६
चं. ८
५ के.
७ बृ.

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ मं.		२ बु.		३ बृ.		४ शु.		५ श.		७ र.		८ चं.		९ मं.		१० बु.		११ बृ.		१२ शु.		१३ श.		१४ र.		३० चं.	
मी. अं.	७	४	७	०	६	५६	६	५२	६	४८	६	४४	६	४१	६	३७	६	३३	६	२९	६	२५	६	२१	६	१७	६	१३
मे. अं.	८	४२	८	३८	८	३४	८	३०	८	२६	८	२२	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	३	७	५९	७	५५	७	५१
वृ. अं.	१०	३८	१०	३४	१०	३०	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१५	१०	११	१०	७	१०	३	९	५९	९	५५	९	५१	९	४७
मि. अं.	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२९	१२	२५	१२	२१	१२	१७	१२	१३	१२	९	१२	५	१२	१
क. अं.	३	१०	३	६	३	२	२	५८	२	५४	२	५०	२	४७	२	४३	२	३९	२	३५	२	३१	२	२७	२	२३	२	१९
सि. अं.	५	२५	५	२१	५	१७	५	१३	५	९	५	५	५	२	४	५८	४	५४	४	५०	४	४६	४	४२	४	३८	४	३४
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कं. अं.	७	३८	७	३४	७	३०	७	२६	७	२२	७	१८	७	१५	७	११	७	७	७	३	६	५९	६	५५	६	५१	६	४७
तु. अं.	९	५५	९	५१	९	४७	९	४३	९	३९	९	३५	९	३२	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२	९	८	९	४
वृ. अं.	१२	१३	१२	९	१२	५	१२	१	११	५७	११	५३	११	५०	११	४६	११	४२	११	३८	११	३४	११	३०	११	२६	११	२२
ध. अं.	२	१९	२	१५	२	११	२	७	२	३	१	५९	१	५६	१	५२	१	४८	१	४४	१	४०	१	३६	१	३२	१	२८
म. अं.	४	५	४	१	३	५७	३	५३	३	४९	३	४५	३	४२	३	३८	३	३४	३	३०	३	२६	३	२२	३	१८	३	१४
कुं. अं.	५	३६	५	३२	५	२८	५	२४	५	२०	५	१६	५	१३	५	९	५	५	५	१	४	५७	४	५३	४	४९	४	४५

चै. कृ. १४ रवौ इ. ०।०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	०	०	६	०	०	१०	४
२१	२८	२	९	९	१४	१६	१६
१५	९	४२	९	१५	२१	१६	१६
१४	११	१४	५४	१४	९	४१	४१
५९	१९	१००	७/५९	७१	७	३	३
०	१४	४८	व.	२१	१	११	११

बु.शु.श.मं.
१
रा. ११
२
सू. १२ चं.
१०
३
९
४
६
८
५ के.
बृ. ७

मुद्रक—भार्गव भूषण प्रेस, गायघाट, वाराणसी

विवाहे पञ्चशलाकाचक्रम्

कृ. रो. मृ. आ. पु. पु. श्ले.

भ. अ. रे. उ. पू. श. ध.

म. पू. उ. ह चि. स्वा वि.

श्र. अ. उ. पू. मू. ज्ये. अन.

राजा बुधः



मंत्री सूर्यः

अन्येषु सप्तशलाकाचक्रम्

कृ. रो. मृ. आ. पु. पु. श्ले.

भ. अ. रे. उ. पू. श. ध.

म. पू. उ. ह. चि. स्वा वि.

श्र. अ. उ. पू. मू. ज्ये. अनु.

श्री संवत् २०२७, शकः १८९२, हिजरी सन् १३८९-९०, फसली सन् १३७७-७८, ईस्वी सन् १९७०-७१।

'दुंदुभि' नाम संवत्सरः

विशोत्तरी मतेन आय-व्यय चक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
२	११	२	११	१४	२	११	२	१४	८	८	१४
१४	५	५	१४	११	५	५	१४	२	५	५	२

अष्टोत्तरी मतेन आय-व्यय चक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
८	२	५	१४	२	५	२	८	११	१४	१४	११
१४	८	५	२	१४	५	८	१४	५	१४	१४	५

देखने की रीति

आयव्ययौ समौ कृत्वा एक हीनं तु कारयेत्।
अष्टभिस्तु हरेद्भागं शेषांके फलमादिशेत्॥
१ लाभं, २ सौख्यं तथा ३ क्लेशं ४ रोगं ५ लोकापवादकम्।
६ सम्मानं ७ विजयं ८ हानिः कथितं पूर्व सूरिभिः।

प्रधान वितरक—श्री गंगा पुस्तकालय,
गायघाट, वाराणसी।

श्री काश्याम्
शुद्धमकरन्दीय दशवर्षीय पञ्चाङ्गम्

श्री गंगा





काशी पञ्चाङ्गम्



सम्पादक—पं० चन्द्रशेखर पाठक ज्यौतिषाचार्य, ज्योतिषरत्न
सी के. ६५/१७५ बी. बड़ी पियरी, वाराणसी।

समय-शुद्धिः

गुरु—कार्तिक कृष्ण १२ चन्द्रे पूर्वास्तः ३२।१७। मार्गशीर्ष कृष्ण ८ शनौ पश्चिमोदयः २९।२१

शुक्र—का. शु. ५ बुधे शुक्रास्त पश्चिमायाम् ९।७। मार्गशीर्ष कृष्ण ३ चन्द्रे शुक्रोदयः पूर्वस्याम् २१।५०।

शनि—यावदब्दं मेषराशौ।

राहु—माघ शुक्ल १२ रवौ मकर राशि ततः प्राक् कुम्भ राशौ।

केतु—माघ शुक्ल १२ रवौ कर्कराशि गतः प्राक् सिंह राशौ।

प्रकाशक
भार्गव बुकडिपो, चौक, वाराणसी।

वर्ष-फल

श्री संवत् २०२७ शके १८९२

अस्मिन् वर्षे रुधिरोद्गारी संवत्सरः। राजा भौमः तस्य फलम् :—भौमेनृपे वह्निभयं जनक्षयं चौराकुलं पार्थिवविग्रहं च। दुःखंप्रजाव्याधिवियोगपीड़ा स्वल्पं पयोमुञ्चति वारिवाहः।

मन्त्री चन्द्रः तस्यफलम्:—शशिनि मन्त्रिगते बहु सस्यवत्यपिधरा रमते सुखपण्डिता। वियति वारिधरा बहुवर्षिणो जनपदा सुखराशि सुशोभिता।

जलमन्त्री चन्द्र तत्फलम्:—शशिनि तोयपतौ यदि गोमहिष्यज खरादिषु दुग्धरसस्तदा। फलवती धन धान्यवती धरा विविध भोग भवत्यपिभामिनी।

फलाधीशः रविः तस्यफलम्:—द्रुमवती वरपुष्पवतीधराप्रमुदिता फलयोग विशेषता। बहुजलं जलदोभुवि मुञ्चति क्वचिदपि अमितं फलदो रविः।

दुर्ग-मन्त्री चन्द्र तत्फलम्—गढ़पति मृगलाञ्छन को यदा नृपसुराज्य विलासित पौरजाः। बहुधनेक्षुजगोरस भोगिनो नरवरा वर वर्णित विग्रहाः।

अर्थ-मन्त्री गुरुः तत्फलम्:—सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपो वणिज वृत्तपराः सुखभाजनाः। फलित पुष्पित भूमिरुहाः सदा विविधद्रव्ययुताः खलु मानवाः।

रस-मन्त्री शनिः तत्फलम्—रविसुते रसपे रससंक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधराः। अजवृषागजवाजिखरोष्ट्रका जनपदेषु नरा न सुखैर्युताः।

धान्य-पति बुधः तत्फलम्—बुधे धान्याधिपे मेघा जलंमुञ्चति तद्भृशम्। सैंधवे लाट देशे च मघवाल्पं प्रवर्षति।

नीरसेश गुरुः तत्फलम्—हरिद्रापीतवस्तूनां पीत वस्त्रादिकं च यत्। नीरसेशो यदाजीवः सर्वेषाप्रीति सत्तमाः

ग्रहण—इस वर्ष तीन ग्रहण लगेंगे (१) २ अगस्त (२) २६ जनवरी (३) २५ फरवरी।

परन्तु कोई भी ग्रहण भारत वर्ष में दिखाई न देगा।

इस प्रकार का अधिकार विभाजन जनता के लिये कल्याणकारी होगा। केवल राष्ट्रपति का दृष्टिकोण उग्र रहेगा। संसार में ज्वर की व्याधि अधिक होगी। दुर्भिक्ष रहेगा। कहीं-कहीं अनाज में तेजी रहेगी। घी, तेल, धातु में मन्दी होगी। सोना तेज होगा। अगहन के पूर्व शेयर खरीदना लाभदायक होगा। अगहन से दुर्भिक्ष की सम्भावना बढ़ेगी। वृष्टि अल्प होगी। राजा चोर तथा सर्पों का आधिक्य रहेगा। पापियों की संख्या में वृद्धि होगी। ५ मास तक सोना, चाँदी, कपास, ताँबा, घी, तेल तेज होगा। भैंस, घोड़ा कपड़ा मन्दा होगा। वर्ष के आरम्भ में गल्ला रखने से अन्त में लाभदायक होगा। संवत् १९४३, १९५५, १९५७, गुफा, १९७९ तथा १९९७ में ऐसा हुआ है।

इस वर्ष गुड़, छुहारा, कपासिया तेज होगा। फाल्गुन में रूई २५) ३०) मन्दी होगी। पूरे वर्षभर तिल, स्वर्ण, चाँदी, ताँबा, मोती, रूई, शक्कर, रस, पुखराज तथा शेष रत्न तेज होंगे। अकाल की काली छाया रहेगी। राजाओं के धन का नाश होगा। उपद्रव होगा। यमुना तट वासी तथा गुफा-वासी कष्ट में रहेंगे। पूर्व देश में पीड़ा होगी। नर्मदा नदी के तट पर दुर्भिक्ष रहेगा। बिहार तथा यवन देशों में पीड़ा होगी। पूर्व-पश्चिम में भय होगा। पेट सिर और पिंडुरी के रोग अधिक होंगे।

जिन ग्राम या नगरों का नाम इ ई उ ऊ ए ऐ ओ औ व वा वि वी वु वू वे वै वो वौ से आरम्भ होगा उनमें मृत्यु संख्या अधिक होगी। जिनका नाम आरम्भ ये यै यो यौ म मा मि मी मु मू ध फ फा ढ भे भै से होगा। उनमें विवाद अधिक होगा। जिनके नाम का आरम्भ भो भौ ज जा जि जी खि खी खु खू खे खै खो खौ ग, गो गि, गी से होगा उनका व्यय अधिक होगा।

जगल्लग्नम् ८।१०।४४।४६ | आर्द्राप्रवेश लग्नम् ३।२५।१९।२४

१० ८ रा. ११ ९ ७बृ. १२ ६ प्रतिपदा १ ३ ५के. मं.२ ४चं.

५के. सू.मं.३ ६ ४ शु. बु.२ ७बृ. श. १ ८ १०चं. १२ ९ ११रा

वार्षिक राशि-फल

श्री संवत् २०२७ शके १८९२

मेष—वर्ष साधारण है। शरीर में रोग रहेगा। वायुविकार, उदर-विकार की प्रधानता रहेगी। लाभ होता रहेगा। सफलता मिलती रहेगी। परन्तु अड़चन भी पड़ती रहेगी। सामान्य लाभ होता रहेगा। कुछ अनुचित ढंग पर भी लाभ होगा। चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट रहेगा। श्रावण, वैशाख, अगहन में यात्रा-व्यथा मानसिक अशान्ति रहेगी। चैत्र में अधिक व्यय होगा।

वृष—वर्ष साधारणतः अशुभ है। वर्ष के अन्तिम तृतीयांश में सफलता मिलेगी। शेष वर्ष, अड़चन, परेशानी असफलता का है। व्यय तो अधिक है ही। आगे भी व्यय होता रहेगा। उदर-विकार, माता-पिता को कष्ट रहेगा। औषधि लाभ न करेगी। ज्येष्ट, भाद्रपद, पौष मास में यात्रा-व्यथा, मानसिक, अशान्ति रहेगी। वैशाख में अधिक व्यय होगा।

मिथुन—वर्ष अच्छा है। कोई शुभ काम होगा। सफलता मिलती रहेगी। लाभ हर्ष भी रहेगा। अधिक श्रम करना पड़ेगा। धर्म में बाधा पड़ेगी। भाई-बहनों को कष्ट होगा। सन्तान को भी कष्ट सम्भव है। अनुचित ढंग से भी लाभ होता रहेगा। आषाढ़, आश्विन और माघ में यात्रा-व्यथा, मानसिक, अशान्ति रहेगी। ज्येष्ठ मास व्यय का है।

कर्क—वर्ष साधारण अशुभ है। वर्ष के अन्तिम तृतीयांश सफलता मिलेगी। शेष वर्ष असफलता का है। माता-पिता को कष्ट होगा। शरीर में आलस्य की प्रभुता रहेगी। परिवार में अशान्ति, धन-हानि होगी। कोई रोग लगा रहेगा। श्रावण, कार्तिक, फाल्गुन यात्रा-व्यथा, मानसिक, अशान्ति होगी। आषाढ़ में अधिक व्यय होगा।

सिंह—वर्ष साधारण है। असफलता रहेगी। वर्ष के अन्तिम तृतीयांश में लड़ाई, झगड़ा बढ़ जायगा। धर्म में प्रवृत्ति न रहेगी। शरीर रुग्ण रहेगा। स्त्री को भी कष्ट होगा। स्त्रियाँ भी कष्टमें रहेंगी। उनके पति को कष्ट होगा। उत्साह न रहेगा। भाद्रपद, मार्गशीर्ष और चैत्र सर्वदा बुरे रहेंगे। यात्रा-व्यथा, मानसिक अशान्ति रहेगी। श्रावण में व्यय होगा।

कन्या—वर्ष साधारण है। कोई-न-कोई शुभ काम होगा। सफलता मिलेगी। कोई रोग भी लगा रहेगा। मस्तिष्क अशान्त रहेगा। स्वास्थ्य ठीक न रहेगा। दूर यात्रा का भी योग है। सफलता मिलती रहेगी। अनायास अधिक व्यय होगा। शत्रु

पराभूत होंगे। लाभ होता रहेगा। आश्विन, पौष, वैशाख में यात्रा-व्यथा-मानसिक अशान्ति रहेगी। भाद्रपद में अधिक व्यय होगा।

तुला—वर्ष साधारण है। स्वास्थ्य ठीक न रहेगा। वायु-विकार के अतिरिक्त और भी रोग रहेंगे। स्त्री को भी कष्ट होगा। चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट रहेगा। अनुचित ढंग पर लाभ होता रहेगा। असफलता मिलेगी। कार्तिक, माघ और ज्येष्ट मास में कष्ट चिढ़, हानि, यात्रा, मानसिक–अशान्ति रहेगी। आश्विन में अधिक व्यय होगा।

वृश्चिक—वर्ष साधारण है। शुभ काम में अधिक व्यय होगा। असफलता रहेगी। शत्रु पराभूत होंगे। सामान्य लाभ होता रहेगा। कोई रोग लगा रहेगा। औषधि लाभ न करेगी। किसी से झगड़ा भी सम्भव है। माता-पिता को कष्ट रहेगा। अगहन,आषाढ़ और फाल्गुन में मानसिक अशान्ति रहेगी। यात्रा, चिढ़, चिन्ता हानि होगी। कार्तिक में अधिक व्यय होगा।

धनु—वर्ष साधारण अच्छा है। सफलता मिलेगी। शुभ काम होगा। चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट होगा लाभ होता रहेगा। धर्म के प्रति अश्रद्धा रहेगी। अधिक श्रम करना पड़ेगा। [illegible]इयों को कष्ट होगा। पौष, श्रावण, चैत्र में यात्रा, कष्ट, चिढ़, [illegible] होगी। अगहन में अधिक व्यय होगा।

मकर—वर्ष साधारण अशुभ है। कष्ट, चिढ़, हानि, [illegible] में व्यथा होगी। कोई रोग लगा रहेगा। असफलता मिलेगी। [illegible]ता-पिता को कष्ट रहेगा। परिवार में अशान्ति, धन-हानि होगी। कोई-न-कोई उदर-सम्बन्धी रोग लगा रहेगा। माघ, भाद्रपद और वैशाख अच्छे न रहेंगे। इनमें कष्ट, चिढ़, हानि, यात्रा होगी। पौष में अधिक व्यय होगा।

कुम्भ—वर्ष अच्छा है। अधिक श्रम करना पड़ेगा। लाभ होगा। बन्धु-वर्ग को कष्ट होगा। भाग्य-वृद्धि होगी। शुभ काम होगा। धर्म में रुचि रहेगी। कोई रोग लगा रहेगा। स्त्री को भी कष्ट होगा। औषधि, लाभ न करेगी। फाल्गुन, ज्येष्ठ और आश्विन अनिष्टकर होंगे। यात्रा, कष्ट, चिढ़, हानि होगी। माघ में व्यय होगा। लाजवर्त पहनिये।

मीन—वर्ष साधारण अशुभ है। परिवार में अशान्ति रहेगी। धन-हानि होगी। स्वास्थ्य ठीक न रहेगा। चिन्ता रहेगी। असफलता मिलेगी। साधारण लाभ भी होता रहेगा। दूर जाने की इच्छा होगी। आर्थिक कष्ट होगा। चैत्र, आषाढ़ और कार्तिक बुरे रहेंगे। कष्ट, चिढ़, हानि, यात्रा होगी। फाल्गुन में व्यय होगा।

भविष्य-वाणी सं० २०२७

चैत्र-शुक्लपक्ष

सुदी ३ से १२ दिन तक किरात यवनों को पीड़ा; चाँदी, अफीम, रक्तपदार्थ, नारियल मन्दा होगा; चना, तुवर धान्य में घटबढ़ होगी। सुदी ४ से ४५ दिन में धान्य, चन्दन, चाँदी, केसर, वस्त्र, कपास तेज होगा। आवरेज मन्दा, अफीम तेज होगी; सुदी ५ से ८ दिन में हाथियों, चाण्डालों को पीड़ा होगी। धान्य तेज; प्रजापीड़ा, लोगों में शत्रुता तथा रोग बढ़ेगा। सुदी ८ से १ मास में रूई, ईख, तिल तेज; उसी दिन से १४ दिन में सर्वधान्य, सर्वरस, चाँदी आदि सभी धातुयें ऊनी वस्त्र, तीसी, तिल मेथी आल्ता, लाल चन्दन, इलायची, रेड़ी, लौंग, सुपारी, नारियल, कपूर, हींग, हिंगलु तेज होगा। सुदी १३ से १२ दिन में वृष्टि की सम्भावना, रूई, फल, चाँदी, घी, हींग, खजूर, कपास, तेल, तिल, रेड़ी, सरसों मन्दा होगा। सुदी १५ से ८ दिन में विप्रों को पीड़ा होगी। अल्प-वृष्टि, चाँदी तथा अफीम में घटबढ़ होगी।

११,१२,१३, १८,१९,२० अप्रैल को साधारण बादल-वृष्टि योग है।

नोट—चाँदी, तेलहन का व्यापार तेजी की करें।

वैशाख

बदी १ से अफीम तेज, रूई मन्दी १९ दिन रहेगी। बदी ३ से १८ दिन में वृक्षों, चौपायों का नाश; कपास, सूत, वस्त्र विशेष तेज; राई, रेड़ी, यव, चावल, मसूर, मोठ तेज होगा। बदी ६ से १४ दिन में चावल, यव, चना, मोठ, तुवर, तीसी, गुड़, घी, अफीम, मूंगा, धातुयें तेज होंगी। मनुष्यों का कष्ट बढ़ जायगा। बदी ७ से १० दिन में नारियल, सुपारी, किराना, चाँदी शेयर तेज होगा। शेष वस्तुओं में काफी उतार-चढ़ाव होगा। धन-क्षय तथा रस-क्षय होगा। बदी ९ से ३ दिन तक चाँदी घटबढ़ कर मन्दी ततः तेज ; सोना, रूई, पाट आदि में भी विशेष घट-बढ़ होगी। १२ दिन में पाप-वृद्धि, जनसंहार होगा; गायों को पीड़ा होगी। दाख, खारक, सोपारी मंदा होगी। बदी १ से ८ दिन में धान्य तेज लोगों में शत्रुता बढ़ेगी। रोगोदय होगा। सुदी ६ से १४ दिन में यव, चावल, गेहूँ, मूंग, मोठ, राई, सरसों तेज होगा। अग्निहोत्री, मंत्रशास्त्री, वैयाकरणी, ज्योतिषी, कुम्भकारों को पीड़ा होगी। खान की दुर्घटनायें होंगी। बदी ३ से १८ दिन में कपास, रूई में तेजी होगी। अच्छी वर्षा होगी। बदी ९ से १ मास में स्वर्ण तेजी; चाँदी १०) मंदी होकर १५) तेज; अफीम, कपड़ा, शस्त्र तेज होगा। पीड़ा, महर्घता बढ़ेगी। सुदी ११ से २५ दिन में वायु की तीव्रता होगी। वृष्टि जल्द होगी। रूई में मन्दी अफीम में तेजी होगी। बदी १२ से १० दिन में चाँदी, सोना तेज; रूई, घटबढ़ कर तेज; वृष्टि की अधिकता होगी। सुदी १४ से ३४ दिन में आवरेज मूंग, सज्जी, लहसुन, चावल तेज; रूई मंदी; जल-वृष्टि होगी। लोग सुखी रहेंगे।

२५-२६-२७ अप्रैल १-२-३, ८-९-१०, १६-१७-१८ मई को साधारण बादल-वृष्टि योग है।

ज्येष्ठ

बदी १ से ८ दिन में अति वृष्टि कोशल, कलिङ्ग में सुभिक्ष होगा। बदी २ से १॥ मास में सर्वधान्य तेज; अफीम तेज होकर मन्दी; बदी ४ से ८ दिन में चाँदी तेज ।।) १); तृण, काष्ट तेज; अफीम, कपूर, चन्दन, अगर मंदा; बदी ५ से १४ दिन में चावल, धान्य, तीसी, सरसों, चाँदी, राई, तेल, दाख, गुड़, खाँड़, सोपारी, रूई, सन, सूत तेज होगा। राजा, धनी, गाड़ीवान, किसान तथा चौपायों को कष्ट होगा। बदी १३ से १८ दिन में तिल नाश; भैंसों की हानि होगी। रूई मन्दी; धान्य तेज; होगा। सुदी १ से ८ दिन में विप्रों को पीड़ा; अल्प-वृष्टि, ज्वर बाधा, चाँदी, अफीम में घटबढ़ होगी। सुदी ३ से १५ दिन में सभी धातुयें सोना, चाँदी, लोहा, ताँबा, अभ्रक, चावल, कवलगट्टा, सिघाड़ा, सभी प्रकार के फल, रूई, सूत, रेशम, कपड़ा, कपूर, चन्दन, सुगन्ध, चना, कराई, भूसी, तेज होगा। चौपायों की हानि होगी। वायु की तीव्रता रहेगी। उसी दिन से २१ दिन में लड़ाई-झगड़ा, बड़ा युद्ध सम्भव है। भय बढ़ेगा। ३ मास तक अग्नि भय रहेगा। सुदी ७ से २५ दिन में वायु-वृष्टि की अधिकता, खण्ड-वृष्टि, धान्य, रूई तेज होगी। सुदी १० से १० दिन में वृष्टि का आधिक्य, लाख, चपड़ा, गुड़, कपूर, पारा, हींग, हिंगलू मन्दा होगा। सुदी ११ से १ मास में कपास, कन्दमूल, तिल सभी धान्य, तेज; सुदी १३ से ८ दिन में कपास, तिल, सूत, चावल, गुड़, खाँड़ तेज; राई, तूवर, सन मंदा; रूई तेज होकर मन्दी होगी।

२२-२३-२४, २९-३०-३१ मई ४-५-६-७, १२-१३-१४, १९ जून को साधारण बादल-वृष्टियोग है।

आषाढ़

बदी २ से १४ दिन में विषम वृष्टि, घी, गुड़, खाँड़, खल, चावल, मणि, मोती, भूसी, कराई, गेहूँ, सुरमा, कपूर, चन्दन, सुगन्ध, लाल वस्त्र, कपास, रूई, हल्दी, सोंठ, लोहा, चाँदी तेज

होगी। बदी ४ से १८ दिन में तिल तथा भैंसों का नाश होगा। श्वेत वस्तुयें, कपास, नमक, रस, धान्य तेज होगा। बदी ६ से ८ दिन में वायु, वर्षा की तीव्रता; गेहूँ, तिल, उड़द मन्दा होगा। बदी ७ से १० दिन में तूवर, चावल, चना, मोठ मन्दा, सर्पों का भय रहेगा। बदी ८ से १५ दिन चाँदी तेज; रूई घटबढ़ कर तेज; धान्य, घी मन्दा होगा। बदी ९ से १६ दिन में वायु-वर्षा की तीव्रता होगी। बदी १२ से १० दिन में वृष्टि में तीव्रता होगी। बाढ़ की तेजी बढ़ेगी। सुदी ३ से १४ दिन में उड़द, मूंग, मोठ, चावल, कपूर, मसूर, नमक, सज्जी, लाख, चपड़ा, नील, तिल, रेंडी, मजीठ, माजूफल, केसर, कुसुम्ब, चन्दन, देवदास, लवँग, नारियल, श्वेत पदार्थ तेज होंगे। इन्जीनियर, दास, धनिक वर्ग, सुन्दर स्त्री पुरुषों को पीड़ा होगी। वर्षा की अधिकता रहेगी। सुदी ४ से सुवर्ण रक्तपदार्थ तेज, पशुओं को पीड़ा होगी। सुदी ५ से ४५ दिन में सभी धान्य, गुड़, खाँड़, अफीम, धान, रूई तेज होगी। वृष्टियोग भी है; भैंसों को पीड़ा होगी। सुदी ७ से १८ दिन में अफीम तेज; सुदी ८ से ६ मास में विग्रह, अग्निभय, अवृष्टि; बदी ९ से १८ दिन में राजाओं में विरोध, चोरभय; सुदी १२ से १ मास में प्रजा को सुख धान्य साधारण तेज, चाँदी तेज; सुदी १५ से ८ दिन में चाँदी मन्दी होगी।

२०-२१, २५-२६-२७ जून २-३-४, ९-१०-११-१२, १६-१७-१८ जुलाई को बादल-वृष्टियोग है।

श्रावण

बदी २ से १४ दिन में तिल, तेल, खाँड, गुड़, ज्वार, गुगुल, सुपारी, सोंठ, मोम, हींग, हल्दी, लाख, चपड़ा, सन, पाट, ऊनी वस्त्र, शीशा, चाँदी तेज होगी। साधुवर्ग, ईशानकोण के निवासी जलजीवियों को पीड़ा होगी। बदी १० से ५ दिन में वृष्टि में न्यूनता, धान की हानि, सूत, कपड़ा, देवदारु तेज; १८ दिन में रेलवे, स्लीपर, कपड़ा, सूत, खटाई तेज होगा। बदी १४ से शाल, दुशाले तेज; सुदी १ से १४ दिन में गेहूँ, चना, तीसी, तिल, तेल, गुड़, प्रामिसरी नोट, नील, अफीम, चाँदी तेज; पूर्व तथा उत्तर दिशा में गड़बड़ होगी। सुदी २ से अनाज कुछ मन्दा; सुदी ९ से अनाज मन्दा; चाँदी में घटबढ़; सुदी १३ से ८ दिन में उड़द, मूंग, मोठ तेज; सुदी १५ से १ मास में ईख, गुड़, शक्कर, रक्तपदार्थ, नवरत्न, तिल, तेल, घी, कपास तेज; उसी दिन से ८ दिन में ज्वार, मंग, चाँदी, रेंड़ी, दाल, कालीमिर्च, लालमिर्च, अफीम तेज होगी। वृष्टि होगी।

२२-२३-२४, २९-३०-३१ जुलाई ५-६-७-८, १३-१४-१५ अगस्त को बादल-वृष्टियोग है।

भाद्रपद

बदी ४ से १२ दिन में चाँदी, सोना, उत्तम खाँड़ तेज; वायु-वृष्टि की अधिकता होगी। बदी ८ से १।। मास लाल मिर्च तेज ।।) २।।) सोना, रूपा, ताँबा, लाल रंग, तेज होगा; १८ दिन में अवृष्टि, तिल, उर्द, मूंग, धान्य तेज होगा। बदी ८ से ९ दिन में बम्बई, गुजरात में वृष्टि होगी। बदी १२ से १५ दिन में चाँदी तेज; रूई घटबढ़कर तेज; ईख, खाँड़, गुड़, रस तेज; धान्य मन्दा होगा; रूई तेज होगी। बदी १४ से १४ दिन में सोना, चाँदी, लोहा, तेल, घी, सरसों, रेंड़ी, सोपारी, मूंज, बाँस, नील, अफीम, रेशम, कपास तेज; चौपायों को पीड़ा होगी। सुदी ३ से लम्बी लाइन की तेजी चाँदी में चलेगी; पृथ्वी पर दुःख होगा। सुदी ७ से रूई, चाँदी में मन्दी होगी। राजपूताने में वृष्टि होगी। बदी ८ से वृष्टि होगी। अग्नि, चोर का उपद्रव होगा। उसी दिन से ८ दिन में चाँदी, रूई, धातु, रस में विशेष घटबढ़ होगी। सुदी १३ से १४ दिन में सोना-चाँदी, लोहा, तेल, घी, सरसों, रेंडी, सोपारी, मूंज, बाँस, नील, अफीम, रेशम, कपास तेज होगा। चतुष्पदों को कष्ट होगा।

१९-२०-२१, २३ से २८ अगस्त २-३-४, ९-१०-११, १५ सितम्बर को बादल-वृष्टियोग है।

आश्विन

बदी २ से १ मास में मजीठ, नारियल, तिल, तेल, घी, कपास तेज होगा; बदी ६ से ८ दिन चाँदी तेज; रूई घटबढ़कर तेज; बदी ८ से चाँदी अवश्य तेज; रूई, पाट, जूट, शेयर मन्दा होकर तेज; तृण, काष्ट, अनाज, अफीम, कपूर, चन्दन, अगर, रेशम मन्दा होगा। बदी ८ से १० दिन में अफीम, रूई तेज; वृष्टि अच्छी होगी। बदी १२ से १४ दिन में गेहूँ, ज्वार, यव, गुड़, खाँड़, सन, कपास, हल्दी, हरड़, हींग, कथीर, क्षार तेज होगा। सुदी १ से ८ दिन उड़द, मूंग, मोठ तेज; सुदी ३ से १८ दिन में वायु-वृष्टि की अधिकता; चाँदी, सोना, खाँड़ तेज; सुदी ५ से १८ दिन में गुड़, खाँड़, घोड़े तेज होंगे; वृष्टि में बाधा पड़ेगी। सुदी ९ से १२ दिन चाँदी तेज; धान्य मन्दा; रूई घटबढ़कर मन्दी; सुदी १० से ४५ दिन में चन्दन रेशमी वस्त्र, लाल द्रव्य, लाल वस्त्र, गुड़, मजीठ, मिर्च (लाल) तीसी में फेरफार होगा। अफीम मन्दी होगी। उसी दिन शाम से १५ दिन में धान्य, गेहूँ, चना, कपास, अरहर, सूत, केसर, लाख, चपड़ा तेज होगा। चाँदी घटबढ़कर मन्दी होगी।

२१-२२-२३-२४, २९-३० सितम्बर ६-७-८, १२-१३-१४ अक्टूबर को बादल-वृष्टियोग है।

कार्तिक

बदी ३ से १ मास में स्वर्ण सब प्रकार के धान्य तेज चाँदी मंदी; गल्ला तेज होगा। बदी ५ से १० दिन में धान्य मन्दा; घी, तेल तेज; साधारण वृष्टि, राजाओं में विग्रह; बदी ७ से १७ दिन में वृष्टि होगी। पवन तथा शीतज्वर का प्रकोप होगा। धान्य तेज; बदी ९ से १४ दिन में सभी धातुयें सोना-चाँदी, ताँबा, राँगा, सीसा, गुड़, खाँड़, तेल, हींग, कपूर, लाख, चपड़ा, हल्दी, गुगुल, रूई सन, पाट तेज; बदी १३ से १८ दिन में घी, गुड़, नमक, साँवा, मडुआ, कोदो, ककुनी तेज; रूई, अफीम मन्दी होगी। सुदी ३ से ८ दिन रूई मन्दी; सुदी ४ से १० दिन में सोना, चाँदी तेज; वैद्य, सूत्रधार, व्यापारियों को पीड़ा; रूई में घटबढ़; उत्तर के देशों में सुभिक्ष; मारवाड़ में गड़बड़ी; पहाड़ों में रोग का उपद्रव होगा। बदी ७ से १५ दिन में चाँदी, नोट, चावल, सर्वरस, सूत, अफीम तेज; पूर्व तथा दक्षिण में उपद्रव होगा।

१९-२०-२१, २६-२७-२८-२९ अक्टूबर २-३-४, ९-१०-११ नवम्बर को बादल-वृष्टियोग है।

मार्गशीर्ष

बदी २ से १८ दिन में रोगों में वृद्धि; चावल, गेहूँ, ध[illegible] धातुयें तेज; बदी ३ से १ मास में ऊनी वस्त्र चाँदी, ताँबा, [illegible] द्रव्य; अफीम तेज; धान्य कुछ मन्दा होगा; छत्र-भंग, भूकम्प, [illegible] की सम्भावना; बदी ५ से १५ दिन में चाँदी, सोना, रूई धान्य, चावल, कपड़ा मन्दा होगा। (धान्य, चावल, कपड़ा पुनः तुरन्त तेजी की भी सम्भावना है।) १९ से १४ दिन में गेहूँ, नोट तेज होंगे। चाँदी, सोना मंदा होगा। बदी ८ से २ मास में राजाओं में विग्रह धान्य, काश्मीरी चन्दन, फल तेज; अनावृष्टि होगी। बदी १३ से १।। मास धान्य, उड़द, मूंग, कपास, अफीम तेज होगी। अमावस से धान्य में कुछ मन्दी होगी। सुदी ४ से १४ दिन में सोना, चाँदी, धान्य, चावल, सरसों, वस्त्र, अफीम तेज; बदी ५ से ५ दिन के भीतर सोना, चाँदी, नोट, मोती कुछ मन्दे ततः तेज; सुदी ८ से १८ दिन में रूई, गेहूँ, तिल, तेल, तेज; सुदी १४ से १ वर्ष में दुर्भिक्ष भय; राजा, चोर तथा सर्पों का भय होगा। पाप की वृद्धि होगी।

१४-१५-१६-१७, २३-२४-२५, ३० नवम्बर १-२, ६-७-८ दिसम्बर को बादल-वृष्टियोग है।

पौष

वदी ४ से १ मास में सुभिक्ष तिल, तेल, रूई, कपास, अनाज तेज; कोटा-मालवा में उपद्रव होगा। वदी ६ से रूई, चाँदी, सोना, रस, गुड़, घटवढ़ कर तेज; वदी ९ से १२ दिन में चाँदी, सोना, रूई घटवढ़ कर मन्दी; वदी १४से १८ दिन में कपास, गेहूँ तेज; वर्षा की न्यूनता होगी। अमावस से चाँदी, रूई मंदी; सुदी १ से १५ दिन में तिल, तेल, गुड़, गुगुल, हल्दी, चपड़ा, कपूर, ऊनी वस्त्र, सन, चाँदी, घर, अफीम तेज; सुदी २ से १५ दिन सामान्य मन्दी चलेगी। सुदी ७ से ८ दिन में क्षत्रियों में उपद्रव, अवर्षण, खाँड़, चावल मंदा; चाँदी, कपास, सोना तेज; सुदी १२ से १८ दिन में चाँदी, सोना अवश्य तेज; तृण, काष्ट, चौपाये तेज; अफीम, कपूर, चन्दन, अगर, रेशम मन्दा; सुदी १५ से १४ दिन में उड़द, मूंग, चावल, रेशम, गुड़, कपास पिपरामूल, लाख, चपड़ा, मूंज, बाँस, सरसों तेज होगा।

१३-१४-१५, २०-२१-२२, २७-२८-२९ दिसम्बर, ३-४-५ -११-१२ जून को साधारण बादल-वृष्टियोग है।

माघ

वदी १ से ४५ दिन में सभी द्रव्य अफीम, शास्त्र, रूई तेज; राजाओं में क्रोध, इर्ष्या की वृद्धि; वदी ३ से १ मास में घी, तेल, रूई, लाल वस्त्र, धान्य, गुड़ तेज; धान्य मन्दा; वायु की तीव्रता, मालवा में वृष्टि होगी। वदी ६ से १० दिन में धान्य कुछ तेज; सोना-चाँदी, चावल, सरसों, तेल, हींग मन्दा; बालकों को पीड़ा; अवर्षण; वदी ७ से १८ दिन में गेहूँ, लाल मिर्च तेज; पशु-पक्षियों को पीड़ा होगी। उसी दिन से २ मास में तेल, सरसों, हींग, मिर्च तेज; चाँदी, अफीम, रूई मन्दी; जनता में शान्ति, सौहार्द, सुभिक्ष रहेगा। वदी ९ से ८ दिन में वृष्टि की सम्भावना; वदी १२ से १४ दिन में गेहूँ, गुड़, यव, चाँदी, चावल, धातुयें, नोट, तीसी, अफीम तेज; सुदी ४ से १९ दिन में धान्य तेज; खेतियों का नाश, अवर्षण; सुदी ११ से १४ दिन में मूंग, मंसूर, रहर, नील तेज; सुदी १३ से १८ दिन में रोगों में वृद्धि; अफीम तेज; सुदी १५ से १८ दिन में गुड़, तीसी, धान, चना तेज होगा। ओला पड़ेगा।

१६-१७-१८-१९, २४-२५-२६, ३०-३१ जनवरी १, ५-६-७ फरवरी को साधारण बादल-वृष्टियोग है।

फाल्गुन

वदी १ से ८ दिन में नमक, क्षार, तेल, उड़द तेज; वदी ३ से १ मास में अनाज में मन्दी; नमक, तिल, तेल, धान्य तेज; अफीम मन्दी; क्षत्रियों में विरोध; गुड़, रक्त पदार्थ तेज होगा वदी ६ से ३ मास में माँस, सूत तेज; वदी ७ से १० दिन में चाँदी, रूई, सोना, धातुयें घटबढ़कर तेज; धान्य, घी मन्दा; वदी ९ से १४ दिन में चाँदी, सरसों, सन, कपड़ा, नील, तेल, हींग, जायफल, दाख, खारक, सोंट तेज; वदी ११ से ३ मास में दुर्भिक्ष-भय; वदी १२ से धान्य घटवढ़; अफीम तेज होकर मंदा; सुदी १ से १८ दिन में सभी अनाज, रस, तेज; सुदी ५ से ४५ दिन तक मूल, तृण, द्रव्य, भूसा, लकड़ी, चौपाये, पशु, घी, कपास तेज; उसी दिन से १८ दिन तक कराई, मंग तेज; क्षत्रियों, ब्राह्मणों को पीड़ा होगी। सुदी ८ से १४ दिन में सोना, चाँदी, गेहूँ, मूंग, चना, उड़द, घी, रूई, रेशम, गुगुल, पिपरामूल तेज होगा। सुदी १५ से १८ दिन में रूई, तीसी, मेथी, लौंग तेज; चाँदी, अफीम मन्दी; राजा-प्रजा में विरोध होगा।

१३-१४-१५, २०-२१-२२, २६-२७-२८ मार्च ४-५-६-७, १२ अप्रैल को साधारण बादल-वृष्टियोग है।

चैत्र कृष्ण-पक्ष

व ो २ से १ मास में धान्य, नमक, तिल, तेल, केराना, रस, कस, तेज; अफीम मन्दी; वदी ५ से १४ दिन में सर्व रस, गुड़, धान्य, तेल, चाँदी तेज होगी। वदी ७ से १० दिन में केसर, मजीठ, कुसुम्ब, आल्ता, अफीम तेज; वदी १० से १८ दिन में चावल, तिल, घी, उड़द तेज; वृष्टि की सम्भावना; दुग्ध में कमी होगी। धान्य की उपज अच्छी होगी। वदी ११ से ३ मास में युद्ध-भय, अकाल-भय होगा। सभी वस्तुयें तेजी की ओर चलेंगी। वदी १२ से १० दिन में वृष्टि की सम्भावना है। वदी ३० से १७ दिन में चौपाये, मोती, जवाहरात तेज; उसी दिन से ८ दिन में गेहूँ, यव, चना तेज; ईख, गुड़, खाँड़, दूध, रस, घी, तेज होगा।

१९, २०, २१, २५, २६ अप्रैल को बादल-वृष्टि योग है।

विवाह मुहूर्ताः संवत् २०२७

चैत्र शुक्ल १० गुरुवार मघा मे. ल. चि.
" " १२ शनिवासरे उ. फा. मे. ल. चि.
" " १३ रविवासरे उ. फा. ह. मे. ल. चि.
" " १४ चन्द्रवासरे हस्त मे. दि. ल. चि.
" " १५ भौमे. स्वात्यां ल. चि.
वैशाख कृष्ण १ बुधे. स्वात्यां दि. ल. चि. वा गोधूलिः
" " २ गुरुवासरे अनु. मे. व्यतिपात दोष
" " ३ शुक्रे. अनु. मे. भद्रा. प्राक् ल. चि.
" " ४ शनिवासरे मूल मे. ल. चि.
" " ५ रविवासरे मूल मे. दि. ल. चि.
" " ६ चन्द्रे. उ. षा. मे. ल. चि. भ. पश्चात्
" " ७ भौमे. उ. षा. मे. दि. ल. चि.
" " १२ शनिवासरे उ. भा. मे. ल. चि.
" " १३ रविवासरे उ. भा. रेवत्यां भद्रा प्राक् ल. चि.
" शुक्ल २ गुरुवासरे रो. मे. ल. चि.
" " ३ शुक्रवासरे रो. मृ. मे. ल. चि.
" " ४ शनिवासरे मृ. मे. प्रातः ल. चि.
" " ८ बुधे. म. मे. ल. चि.
" " ९ गुरुवासरे म. मे. दि. ल. चि.
" " १० शुक्रे. उ. फा. मे.
" " १० शनिवासरे उ. फा. मे. भद्रा प्राक् ल. चि.
" " ११ रविवासरे हस्त मे. ल. चि. भद्रा पश्चात्
" " १३ भौमे. स्वात्यां व्यतिपात उपरान्त ल. चि.
" " १५ गुरौ. अनु. मे. ल. चि.
ज्येष्ठ कृष्ण २ शनौ. मूले भद्रा प्राक् ल. चि.
" " ४ रवौ उ. षा. मे. ल. चि.
" " ५ चन्द्रे. उ. षा. मे. ल. चि.
" " ९ शुक्रे. उ. भा. मे. भद्रा प्राक् ल. चि.
" " १० शनौ. उ. भा. रेवत्यां ल. चि.
" " ११ रवौ. रेवत्यां ल. चि.

" शुक्ल ५ भौमे मघा मे. ल. चि.
" " ६ बुधे मघा. मे. ल. चि.
६ " " ८ शुक्रे. उ. फा. मे. ल. चि.
" " ९ शनौ. उ. फा. हस्त मे. व्यतिपात उपरि ल. चि.
" " १० रवौ. हस्त मे. कालोऽल्पीयान्
" " ११ चन्द्रे. स्वात्यां ल. चि.
" " १२ भौमे. स्वात्यां दि. ल. चि.
" " १३ बुधे अनु. मे. ल. चि.
" " १४ गुरौ, अनु. मे. दि. ल. चि.
" " १५ शुक्रे. मूल. मे. ल. चि.
आषाढ़ कृष्ण १ शनौ. मूल मे. ल. चि.
" " २ रवौ. उ. षा. मे. ल. चि. भद्रा प्राक्
" " ७ गुरौ. उ. भा. मे. ल. चि.
" " ८ शुक्रे. उ. भा. रेवत्यां ल. चि.
" " ९ शनौ. रेवत्यां ल. चि.
" " १२ भौमे. रोहिणी मे. ल. चि.
" " १३ बुधे. रो. मे. भद्रा. प्राक् ल. चि.
" शुक्ल ४ भौमे मघा मे. भद्रा प्राक् पश्चात् वा
" " ५ बुधे मघा मे. प्रातः ल. चि. व्य. दो.
" " ६ गुरौ उ. फा. मे. ल. चि.
" " ७ शुक्रे उ. फा. हस्त मे. ल. चि.
" " ७ शनौ हस्त मे. ल. चि.
" " ८ रवौ स्वात्यां ल. चि.
" " ९ चन्द्रे स्वात्यां दि. ल. चि.
" " १० भौमे अनु. मे. भद्रा प्राक् कालोऽल्पीयान्
मार्गशीर्ष शुक्ल २ चन्द्रे मूल. मे. ल. चि.
" " ३ भौमे मूल मे. प्रातः ल. चि.
" " ४ बुधे उ. षा. मे. ल. चि.
" " ५ गुरौ उ. षा. मे. प्रातः ल. चि.
" " ८ रवौ उ. भा. मे. ल. चि.
" " ९ चन्द्रे उ. भा. रेवत्यां ल. चि. व्य. दो.
" " १० भौमे रेवत्यां ल. चि. व्य. उ. भद्रा प्राक्
" " १४ शुक्रे रो. मे. भद्रा प्राक् ल. चि.
" " १५ शनौ रो. मृ. मे. भद्रा विहाय ल. चि.

पौष कृष्ण १ रवौ मृग. मे. दि. ल. चि.
माघ कृष्ण ४ शुक्रे मघा मे. प्रातः ल. चि.
" " ५ शनौ उ. फा. मे. ल. चि.
" " ६ रवौ उ. फा. हस्त मे. ल. चि.
" " ७ चन्द्रे हस्त मे. दि. ल. चि.
" " ८ भौमे स्वात्यां ल. चि.
" " ८ बुधो स्वात्यां ल. चि.
" " ९ गुरौ अनु. मे. भद्रा दोष
" " १० शुक्रे अनु. मे. भद्रा पश्चात् ल. चि.
" " ११ शनौ. मूल मे. ल. चि.
" " १२ रवौ मूल मे. ल. चि.
माघ शुक्ल ४ शनौ उ. भा. मे. ल. चि.
" " ५ रवौ उ. भा. मे. रेवत्यां ल. चि.
" " ५ रवौ उ. भा. मे. रेवत्यां ल. चि.
" " ६ चन्द्रे रेवत्यां दि. ल. चि.
" " ९ गुरौ रो. मे. ल. चि.
" " १० शुक्रे रो. मृ. मे. ल. चि. भद्रा प्राक् वै. दो.
" " १५ बुधे मघा मे. ल. चि.
फाल्गुन कृष्ण १ गुरौ मघा मे. ल. चि.
" " २ शुक्रे उ. फा. मे. ल. चि. सं. दोष
" " ३ शनौ उ. फा. मे. भद्रा उ. ल. चि.
" " ४ रवौ हस्त मे. ल. चि.
" " ६ भौमे स्वत्यां भद्रा प्राक् ल. चि.
" " ८ गुरौ अनु. मे. ल. चि.
" " ९ शुक्रे अनु. मे. प्रातः ल. चि.
" " १० शनौ मूल मे. भद्रा प्राक् पश्चात् वा
" " ११ रवौ मूल मे. प्रातः ल. चि.
" शुक्ल २ शनौ उ. भा. मे. रेवत्यां ल. चि.
" " ३ रवौ रेवत्यां ल. चि. भद्रा प्राक्
" " ७ बुधे रो. मे. वैधृति प. भद्रा प्राक् ल. चि.
" " ८ गुरौ रो. मृ. मे. भद्रा उपरान्त ल. चि.
" " ९ शुक्रे मृ. मे. ल. चि.
" " १४ भौमे मघा मे. ल. चि.

(सन्तान-विचार)

पंचमस्थ रवि पर ग्रहों की दृष्टि का फल :—

पंचमस्थ सूर्य पापग्रह से दृष्ट हो तो स्थिर बुद्धि का और स्वल्प सन्तान वाला होता है।

शनि से रवि दृष्ट हो तो लौह, वायु तथा अग्नि के संबंध से संतान की हानि होती है।

मंगल की दृष्टि रवि पर हो तो गर्भ-स्राव तथा राहु की दृष्टि हो तो गर्भपात होता है। और इन्हीं ग्रहों की रवि पर द्विपाद दृष्टि हो तो मृतापत्य होता है। रवि पर केतु की दृष्टि हो तो अनपत्यता होती है। पंचमस्थ रवि पर बुध की दृष्टि हो तो दो पुत्र और ५ कन्या का सुख होता है। यदि उस पर मंगल की दृष्टि हो तो पुत्र का नाश और राहु की दृष्टि हो तो कन्या का नाश व केतु की दृष्टि हो तो गर्भपात होता है।

पंचमस्थ शनि क्रूरग्रह से दृष्ट हो तो उदर में वायु लौह या अग्नि जनित पीड़ा होती है।

पंचमस्थ राहु सूर्य से युत हो तो स्त्री पुष्प-रहित (ब[illegible] होती है और रवि से दृष्ट हो तो अनपत्या होती है। [illegible] से युत वा दृष्ट हो तो किंचित अल्प सन्तान होगी ततः अनपत्यत[illegible] रहेगी।

पंचमस्थ राहु मंगल से दृष्ट हो तो पुत्र का नाश तथा गर्भ-स्राव होता है। बुध से युत-दृष्ट हो तो कन्या होगी और उसका नाश होता है। गुरु से दृष्ट हो तो एक सुपुत्र होता है। और एक विवाहित पुत्र मर जाता है। शुक्र से दृष्ट हो तो एक अच्छा पुत्र होता है और एक की जल में मृत्यु होती है।

पंचमस्थ राहु शनि से दृष्ट हो, तो पुत्रों से वियोग और एक कन्या म्लेच्छगामिनी होती है।

पंचमस्थ-राशि-फल

मेष राशि पंचम में हो तो बहुधा निर्धन, क्रूर, दूषित ऊष्ण स्वभाव वाला दुश्चरित्र पुत्र होता है।

वृषभ राशि पंचम में हो तो मनोहर, सुशील, गुणवान, कान्तिमान पुत्र होते हैं। और प्रायः रूपवती कन्या [illegible]

मिथुन राशि पंचम में हो तो मनोहर, सुशील, गुणी, कान्तिमान बलवान पुत्र होता है।

कर्कराशि पंचम में हो तो प्रसिद्ध, भाग्यशाली धनी, यशस्वी और विनयी पुत्र होते हैं।

सिंह राशि पंचम में हो तो क्रूर मांस-भोजी तथा स्वजनों से हीन और तीक्ष्ण स्वभाव का पुत्र होता है।

कन्या राशि पंचम भाव में हो, तो स्वजन-हीना, पति-प्रिया संतानवती और सद्गुणी कन्या होती है।

तुला राशि पंचम में हो, तो सुशील मनोहर रूपवान गुणी सुखी पुत्र होता है।

वृश्चिक राशि पंचम में हो तो शायद ही सन्तान हो। यदि पुत्र होगा, तो नीच स्वभाव का होता है।

धनु राशि पंचम में हो तो विचित्र मार्गगामी शत्रुनाशकर्ता [illegible] विलम्ब से होता है यदि पुत्र उपाय से शीघ्र हुआ तो [illegible]न्यमान्य और सेना-प्रिय पुत्र होता है।

मकर राशि यदि पंचम में हो तो पापमति, कुरूप, कुकर्मी [illegible]वलोममार्गी और हल्के स्वभाव वाली सन्तान होती है। वस्तुतः कन्या का योग होता है।

कुंभ राशि यदि पंचम में हो तो स्थिर-चित्त, गंभीर-स्वभाववाला, शक्तिवान, प्रसिद्ध पुत्र होता है पुत्रों की संख्या ५ होती है।

मीन राशि पंचम में हो, तो अधिक कन्याओं की उत्पत्ति होती है, यदि पुत्र उत्पन्न हुआ, तो स्त्री-रत, अल्प-वीर्य, रोगी, पाप-रत रहता है।

(१) लग्न से छठे अथवा चौथे स्थान में शनि मंगल का योग हो तो स्त्री को गर्भ ही नहीं होगा।

(२) शनि और षष्टेश दोनों छठे भाव में हों और चन्द्रमा सप्तमस्थ हो तो गर्भ ही नहीं आता।

(३) रवि, मंगल, चन्द्र ये तीनों ग्रह पंचम में हो और बारहवें शुक्र राहु हो तो बन्ध्या योग होता है।

(४) लग्न चतुर्थ, पंचम, सप्तम और द्वादश इन पांचों स्थानों में पापग्रह या मिश्र ग्रह (शुभ पाप दोनों) हों तो उसकी स्त्री वन्ध्या होती है। और स्त्री की कुण्डली में यदि यही स्थिति हो तो उसके पति में वन्ध्या दोष होता है।

(५) अष्टमेश अष्टम में बलवान हो तो स्त्री को गर्भधारण करने योग्य ऋतु-श्राव नहीं होता।

(६) लग्न म सूर्य और शनि हो अथवा शनि सूर्य दोनों ही सप्तम में हों और दशमस्थ चन्द्र को गुरु न देखता हो तो स्त्री गर्भिणी नहीं होती।

(७) रवि, शनि, दोनों सप्तम भाव (अंशादि) से लग्न पर्यन्त के दृश्य भाग में हो तो और छठे चन्द्रमा सप्तम में उपग्रह हों तो अथवा छठे भाव में जलचरराशि में शनि मंगल हों तो स्त्री गर्भिणी नहीं होगी।

८—पंचम स्थान में तीन पाप-ग्रह हों और उनको यदि तीन पाप (यदि बुधपाप-ग्रह के साथ हो तो पापी हो जाता है) या शत्रु ग्रह देखते हों तो दोनों पति-पत्नी को वन्ध्या योग जानना चाहिये।

गर्भपात योग

(१) पंचम भाव पापग्रह से युक्त या दृष्ट हो तो गर्भपात होगा।

(२) लग्न में चंद्रमा, धन में शुक्र, बारहवें शनि-बुध और पाचवें राहु, यह सम्पूर्ण ग्रह-स्थिति जिस कुण्डली में हो तो गर्भपात होगा।

(३) पंचम भाव पर जितने पापग्रहों की दृष्टि हो उतने ही गर्भपात होंगे। अंशात्मक भाव पर अंशात्मक ग्रहों की दृष्टि देखनी चाहिये। अंशात्मक भाव पर उतनेही अंशादि का ग्रह होगा तो पूर्ण फल होगा ततः न्यूनाधिक होने पर अल्प प्रभाव होगा।

(४) पञ्चमस्थ सूर्य, एकादश शनि, दूसरे चन्द्र तथा मंगल हों तो चौथे तथा पाँचवें मास में गर्भ-श्राव होगा।

५—दशम भाव में मंगल, पाँचवें भाव में शनि, द्वितीय पंचम या एकादश भाव में राहु हो तो गर्भपात होगा।

(६) लग्न में चन्द्र, सातवें शनि हो और पंचमेश भौम से युक्त हो तो गर्भपात होगा।

(७) पाँचवें भाव में राहु, शनि, मंगल और सूर्य ये चारो ग्रह स्थित हों तो दो गर्भपात होगा और एक पूरा बच्चा होकर तत्काल मर जाएगा।

(८) रवि, चन्द्र, मंगल और शुक्र ये सभी षष्ठस्थ हों, शनि पञ्चमस्थ हो तो गर्भपात होगा।

(९) स्त्री की कुण्डली में आठवें स्थान में रवि-शनि हों तो वन्ध्या; मंगल अथवा भौम गुरु शुक्र ये तीनों अष्टमस्थ हों तो गर्भ-श्राव वाली; शुक्र और गुरु आठवें हों तो मृत-वत्सा, चन्द्र-बुध हों तो काक-वन्ध्या होती है।

(१०) पंचम भाव में कर्क, वृश्चिक, अथवा मीन राशि का नवमांश हो और सप्तम में शुक्र, लग्न में शनि-रवि, हो तथा सप्तम भाव में पाप हो तो गर्भपात होगा।

गर्भपात-संख्या

(१) पंचमेश जिस राशि में हो उसका स्वामी जितने पापग्रहों दृष्ट हो उतने ही गर्भपात होंगे। और वही पञ्चमेश शुभग्रहों से दृष्ट हो उतने गर्भ अच्छे होंगे। नवमांश द्वारा भी यही विचार होता है।

(२) पाँचवें, सातवें, आठवें, नवें, और ग्यारहवें स्थान में पापग्रह हों तो प्रचुर गर्भपात होता है।

(३) पंचमेश के नवमांश की राशि जितने पाप-ग्रहों से दृष्ट हो, उतने ही गर्भपात होंगे।

(४) पंचम, दशम तथा एकादश भाव में मंगल हो और पंचम भाव तथा उस मंगल को शनि पूर्ण-दृष्टि से देखता हो तो गर्भपात और मृतापत्य होगा।

(५) लग्न से पाँचवें तथा सातवें भाव में पापग्रह हों और आठवें मंगल हों तो जितने पापग्रह पञ्चम या सप्तम में हों उतने ही गर्भपात होंगे।

(६) पंचमेश वा शुभग्रह पंचम को न देखते हों और क्रूर-ग्रह देखते हों तो दृष्ट क्रूरग्रह संख्या तुल्य गर्भपात होगा ।

अपुत्र योग

(१) लग्न में सूर्य और पाँचवें भाव में मंगल हो तो सुत-हानि होगी ।

(२) गुरु जिस राशि में हो, उससे पंचम स्थान का स्वामी लग्न से ६, ८, १२ वें भाव में हो और लग्नेश पंचमेश, तथा नवमेश ये तीनों लग्न से ६, ८, १२ में स्थित हों तो सुतहीन योग होता है ।

(३) गुरु पाँचवें भाव में हो और गुरु से पाँचवें क्रूरग्रह हों तो जातक सुत-हीन होता है ।

(४) पंचमेश लग्न या सप्तम में हो । तथा वह बलवान षष्ठेश से युत हो तो अपुत्र योग होता है ।

(५) पंचमेश, सप्तमेश और नवमेश ये तीनों लग्न से ६।८।१२वें स्थान में हों निर्बल हों और इन पर तथा पञ्चम भाव पर शुभग्रहों की दृष्टि न हो तो बहुत स्त्रियों वाला होने पर भी जातक अपुत्र ही होगा ।

(६) शनि, मंगल, क्रमशः नवम तथा दशम भाव में हों, पंचम भाव को शुभग्रह न देखता हो तो अपुत्र होगा ।

(७) शनि, मंगल और शुक्र, ये तीनों सातवें भाव में हों तो अपुत्री होगा ।

(८) लग्नेश शत्रु-राशि का हो, बुध-चन्द्र से दृष्ट हो और रवि छठे या दूसरे भाव में हो तो जातक अपुत्र होगा ।

(९) पंचमेश के नवमांश का स्वामी अस्त और पाप-युत हो तो जातक अपुत्र होगा ।

(१०) पंचमेश गुरु निर्बल होकर पापग्रह से युत या दृष्ट हो तो जातक अपुत्र होगा ।

(११) लग्नेश पापग्रहों से युक्त हो और पंचमेश ६।८।१२ वें भाव में हो तो पुत्रहीन होगा ।

(१२) पापग्रह से युत गुरु पाँचवें हो तो अपुत्र होगा ।

(१३) लग्नेश मेष या वृश्चिक राशि का हो और पंचमेश षष्टस्थ हो तो, जातक पुत्रहीन हो ।

(१४) व्ययेश लग्न तथा दशवें भाव में हो तो पुत्रहीन होगा ।

(१५) कन्या राशि का सूर्य लग्न में और पाँचवें भाव में मंगल हो तो पुत्रहीन होगा ।

(१६) पंचम भाव को शुक्र और मंगल ये दोनों अथवा इन दोनों में से कोई भी एक देखता हो तो दो तीन विवाह कर लेने पर भी संतान न होगी ।

(१७) लाभ-भाव में शनि-चन्द्र का योग हो तो अग्रज होता है । अनुज नहीं ।

(१८) गुरु, लग्न और चन्द्रमा से पंचम स्थान में पाप-ग्रह हों । शुभग्रह से दृष्ट न हो तो अनपत्य योग होता है ।

(१९) रवि, मंगल, राहु और शनि ये चारो बलवान होकर पाँचवें भाव में हों संतति कारक ग्रह (गुरु पञ्चमेश-नवमेश) क्षीणबली हो तो अनपत्य होगा ।

(२०) पंचमेश तथा धनेश दोनों बलहीन हों और पंचम पर पापग्रहों की दृष्टि हो तो अनेक स्त्रियों से विवाह करने पर भी पुत्र प्राप्ति न होगी । यदि उसकी स्त्री के पुत्राप्ति का योग हो और पंचम पर बुध की अथवा दशमेश की पूर्ण दृष्टि हो तो वह स्त्री जारकर्म से पुत्रवती होगी ।

(२१) लग्नेश सप्तमेश और गुरु ये तीनों निर्बल होकर पंचम स्थान में हों तो अनपत्य होगा ।

(२२) पंचमेश अपनी नीच राशि का हो, पंचम में पाप ग्रह हो, और शुभग्रह की दृष्टि इन दोनों पर न हो तो अनपत्य होगा ।

(२३) पंचम स्थान से ६।८।१२वें स्थान में पंचमेश हो उसको गुरु न देखता हो, तो अनपत्य होता है ।

(२४) पाँचवें पापग्रह की राशि बलवान पापग्रह से युत हो और उसको कोई शुभग्रह न देखता हो, तो अनपत्य होता है ।

(२५) विषम राशि में मंगल और सम राशि में शुक्र हो और ये दोनों शनि, सूर्य से पूर्ण दृष्ट हों तो पुत्र रहित होगा । यदि ये दोनों (मंगल और शुक्र) विषम राशि में हों, और बुध गुरु पूर्ण दृष्ट से देखता हो तो एक पुत्र वृद्धावस्था में होगा ।

(२६) (१) शत्रु क्षेत्रस्थ शत्रु-ग्रह से दृष्ट भौम तथा (२) अपनी नीच राशिस्थ पाप ग्रह से दृष्ट भौम पंचम भाव में हो तो पुत्र-सुख नहीं होगा ।

(२७) धनेश पंचमेश व सप्तमेश ये तीनों पापग्रह के के नवमांश में हों और पापग्रह से युक्त हो तो अनपत्य होता है ।

(२८) पंचम में सप्तमेश हो तो पुत्रहीन होता है ।

(२९) बारहवें स्थान का स्वामी जिस ग्रह के नवमांश में हो वह ग्रह यदि आठवें भाव में हो और पंचमेश क्रूरग्रह के षष्ट्यंश में हो तो अनपत्य योग जानना ।

(३०) लग्नेश तथा पंचमेश ६।८।१२वें भाव में हो अ[illegible] गुरु अपनी नीच राशि (मकर) का हो, वन्[illegible] कारक पंचम भाव में हों तो अनपत्य योग जानना ।

(३१) गुरु क्रूर ग्रह के षष्ठ्यंश में स्थित होकर पाँचवें या आठवें भाव में हो और पचमेश आठवें भाव में हो तो अनपत्य योग जानना ।

(३२) पंचमेश अपने नीच राशि में होकर अस्तंगत हो पापग्रहों से युक्त या दृष्ट हो तो शत्रु क्षेत्री हो तो संतान नहीं होती यदि पुण्य से हो जाय तो जीवित नहीं रहती ।

(३३) पंचमेश, रवि, शनि, राहु से युक्त होकर सातवें तथा पाँचवें भाव में हो और पापग्रह से दृष्ट हो तो संतान का नाश होगा ।

(३४) रवि, मंगल, गुरु, राहु और शनि इन पाँचों का योग लग्न में तथा पाँचवें हो तो संतान नहीं होगी यदि किसी प्रकार हो भी जाय तो जीवित नहीं रहेगी ।

(शेष संवत् २०२८ के पंचांग में पढ़िये ।)

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३१	०	१	मं.	४	३८	अ.	३९	३४	वै.	९	१७	बव	४	३८	वा.	३३	२२	अमृत	७	२९	२४				५	४७	६	१३	११	२३	२६	१७	५८	५८
३१	४	२	बु.	२	६	भ.	३९	३०	वि.	४	२७	कौ.	२	६	त.	३१	२७	काण	८	१	२५	वृ.	५४	४६	५	४७	६	१३	११	२४	१५	११	५८	५६
३१	७	३	बृ.	०	४८	कृ.	४०	३६	प्री.	०/५७	३८/१५	ग.	०	४८	व.	३०	४६	लुम्ब	९	२	२६				५	४६	६	१४	११	२५	२४	५	५८	५३
३१	११	४	शु.	०	४५	रो.	४३	३	सौ.	५६	१४	वि.	०	४५	बव	३१	२२	मित्र	१०	३	२७				५	४५	६	१५	११	२६	२२	५७	५८	५०
३१	१५	५	श.	२	०	मृ.	४८	२५	शो.	५५	४०	वा.	२	०	कौ.	३३	१७	वज्र	११	४	२८	मि.	१५	४४	५	४४	६	१६	११	२७	२१	४५	५८	४८
३१	१९	६	र.	४	३४	आ.	५१	३०	अ.	५६	३	त.	४	३४	ग.	३६	२१	ध्वांक्ष	१२	५	२९				५	४४	६	१६	११	२८	२०	३	५८	४६
३१	२२	७	चं.	८	८	पुन	५७	१४	सु.	५६	१६	व.	८	८	वि.	४०	२२	धूम्र	१३	६	३०	क.	४०	४८	५	४३	६	१७	११	२९	१८	५५	५८	४४
३१	२६	८	मं.	१२	३६	पु.	६०	०	धृ.	५७	३६	बव	१२	३६	वा.	४५	८	प्रवर्ध	१४	७	१				५	४२	६	१८	०	०	१८	३६	५८	४२
३१	३०	९	बु.	१७	४१	पु.	३	३२	शू.	५९	१४	कौ	१७	४१	तै.	५०	१८	मातंग	१५	८	२				५	४१	६	१३	०	१	१६	१४	५८	३९
३१	३४	१०	बृ.	२२	५५	श्ले	१०	८	ग.	६०	०	ग.	२२	५५	व.	५५	२२	अमृत	१६	९	३	सिं.	१०	८	५	४१	६	१९	०	२	१५	५०	५८	३६
३१	३७	११	शु.	२७	५२	म.	१६	३३	गं.	०	४४	वि.	२७	५२	बव	६०	०	काण	१७	१०	४				५	४०	६	२०	०	३	१३	२३	५८	३७
३१	४१	१२	श.	३२	११	पूफा	२२	२५	वृ	१	५०	बव	०	१	वा.	३२	११	लुम्ब	१८	११	५	कं.	३८	४०	५	३९	६	२१	०	४	१२	५३	५८	३२
[illegible]	४५	१३	र.	३५	३२	उफा	२७	२४	ध्रु.	२	२२	कौ.	३	५१	तै.	३५	३२	मित्र	१९	१२	६				५	३८	६	२२	०	५	१०	३२	५८	३०
[illegible]	४९	१४	चं.	३७	४७	ह.	३१	१५	व्या	२	१	ग.	६	३९	व.	३७	४७	वज्र	२०	१३	७				५	३८	६	२२	०	६	९	५०	५८	२८
[illegible]	५२	१५	मं.	३८	४३	चि.	३३	५७	ह.	०/५७	४०/४४	वि.	८	१५	बव	३८	४३	ध्वांक्ष	२१	१४	८	तु.	२	३६	५	३७	६	२३	०	७	७	१६	५८	२६

श्री शुभ संवत् २०२७ शके १८९२ चैत्र शुक्लपक्षः । सौम्यायन याम्यगोलौ शु. ८ तः सौम्यगोलः वसन्त ऋतुः अप्रैल ७ से २१ तक

चन्द्रदर्शनम् मु. ३० याम्योन्नतशृंगं । स.सि.अ. सि. योगः a ९
जिलहिज । a ३९।३४ या. । प्राच्यां यात्रा मु. ।
म. ३०।४६ उ. । वृषे भौमः २७।२० । भरण्यां शुक्रः ३।२९ ।
भ. ०।४५ या. ।
यात्रा मु. । रामराज्योतनवः ।
भरण्यां बुधः १३।१३ ।
भ. ८।८ उ. ४०।२२ या. । अश्वेमेषेचार्कः ४४।४६ मु. ४५ ।b
c पश्चिमोत्तरयोः यात्रा मु. ।
रामनवमी व्रतम् । प्रतीच्यां यात्रा मु. पुष्ये ।
भ. ५५।२२ उ. । c दक्षिणस्यां यात्रा मु. ।
भ. २७।५२ या. । कामदा ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
या. ज. योगः ३२।११ उ. । प्रदोष व्रतम् ।
या. ज. योगः २७।२४ या. ।
भ. ३७।४७ उ. । या. ज. योगः ३७।४७उ. । तिथि दानान्c
भ. ८।१५ या. । स्नान व्रतादौ । १५ । राष्ट्रीय वैशाख १९८२
b स. सि. योगः ५७।१४ या. । या. ज.योगः ८।८ या. । c

चैत्र शु. २ बुधे. इ. ४५।३०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	०	०	६	०	०	१०	४
२४	२९	७	८	१२	१४	१६	१६
२५	६	४८	४८	४८	४२	१०	१०
११	१५	११	१	२३	३	४३	४३
५८	४२	९६	६/१	५९	५	३	३
५६	३९	२	व.	२५	२९	११	११

शबुमंशुच १ | रा.११
२ | सू.१२ | १०
३ | ९
४ | ६ | ८
के.५ | बृ ७

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ मं.		२ बु.		३ बृ.		४ शु.		५ श.		६ र.		७ च.		ति.	८ मं.		९ बु.		१० बृ.		११ शु.		१२ श.		१३ र.		१४ च.		१५ म	
मी. अं	६	३	५	५९	५	५५	५	५२	५	४९	५	४६	५	४२	मे.	७	१६	७	१२	७	८	७	४	७	०	६	५७	६	५३	६	५०
मे. अं.	७	४३	७	३९	७	३५	७	३१	७	२७	७	२४	७	२०	वृ.	९	१२	९	८	९	४	९	०	८	५६	८	५३	८	४९	८	४६
वृ. अं.	९	३८	९	३४	९	३०	९	२७	९	२३	९	२०	९	१६	मि.	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४	११	१०	११	६	११	३	११	०
मि. अं.	११	५०	११	४७	११	४४	११	४०	११	३७	११	३४	११	३०	क.	१	४५	१	४१	१	३७	१	३४	१	३०	१	२६	१	२२	१	१८
क. अं.	२	१०	२	७	२	३	१	५९	१	५६	१	५२	१	४८	सिं.	४	०	३	५६	३	५२	३	४८	३	४४	३	४०	३	३६	३	३३
सिं. अं.	४	२७	४	२३	४	१९	४	१६	४	१२	४	९	४	५	रा.	६	१४	६	१०	६	६	६	२	५	५९	५	५६	५	५२	५	४८
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		कं.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कं. अं.	६	३९	६	३६	६	३२	६	२८	६	२५	६	२१	६	१८	तु.	८	३१	८	२७	८	२४	८	२०	८	१६	८	१२	८	८	८	५
तु. अं.	८	५६	८	५३	८	४९	८	४५	८	४२	८	३८	८	३४	वृ.	१०	४८	१०	४४	१०	४०	१०	३७	१०	३३	१०	३०	१०	२६	१०	२२
वृ. अं.	११	१३	११	९	११	५	११	२	१०	५८	१०	५५	१०	५२	ध.	१२	५३	१२	४९	१२	४५	१२	४१	१२	३७	१२	३४	१२	३०	१२	२६
ध. अं.	१	१८	१	१५	१	११	१	७	१	३	१२	५९	१२	५६	म.	२	३८	२	३४	२	३०	२	२७	२	२४	२	२०	२	१६	२	१२
म. अं.	३	३	२	५९	२	५६	२	५२	२	४९	२	४६	२	४२	कुं.	४	१०	४	६	४	२	३	५९	३	५६	३	५२	३	४८	३	४४
कुं. अं.	४	३६	४	३२	४	२८	४	२५	४	२१	४	१८	४	१४	मी.	५	३८	५	३४	५	३०	५	२६	५	२२	५	१९	५	१६	५	१२

चैत्र शु. ७ चन्द्रे इ. ४५।४१

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	१	०	६	०	०	१०	४
०	२	१५	८	१९	१५	१५	१५
१८	४२	१८	१८	१८	२४	५५	५५
५५	४	११	५	२५	९	२४	२४
५८	४२	१५	६	५९	५	३	३
४२	२४	२०	व०	२४	२९	११	११

मं.२ | १२
३ | बुसू.१शु.श | ११रा
४ | १०
५ के. | ७ चं. | ९
६ | ८

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३१	५४	१	बु.	३८	२२	स्वा	३५	२०	सि.	५५	१९	वा.	८	३२	कौ.	३८	२२	धूम्र	२२	१५	९				५	३७	६	२३	०	८	६	१५	५८	२४
३१	५७	२	बृ.	३६	४६	वि.	३५	३०	व्य.	५१	३	त.	७	३४	ग.	३६	४६	प्रवर्ध	२३	१६	१०	वृ.	२०	२८	५	३६	६	२४	०	९	४	३८	५८	२१
३२	०	३	शु.	३४	०	अनु.	३४	३१	व.	४५	५७	व.	५	२२	वि.	३४	०	रक्ष	२४	१७	११				५	३५	६	२५	०	१०	२	५९	५८	१९
३२	३	४	श.	३०	१७	ज्ये.	३२	३७	प.	४०	६	बव	२	८	बा.	३०/५७	२६/५९	मुशल	२५	१८	१२	ध.	३२	३७	५	३५	६	२५	०	११	१	१७	५८	१६
३२	७	५	र.	२५	४१	मू.	२९	५३	शि.	३३	३२	तै.	२५	४१	ग.	५३	४	सिद्धि	२६	१९	१३				५	३४	६	२६	०	११	५९	३२	५८	१४
३२	९	६	चं.	२०	२७	पूषा	२६	२८	सि.	२६	२९	व.	२०	२७	वि.	४७	३४	उत्पात	२७	२०	१४	म.	४०	३०	५	३३	६	२७	०	१२	५७	४६	५८	१२
३२	१३	७	मं.	१४	४१	उषा	२२	३६	सा.	१९	२	बव	१४	४१	बा.	४१	३५	मानस	२८	२१	१५				५	३३	६	२७	०	१३	५५	५८	५८	१०
३२	१६	८	बु.	८	२९	श्र.	१८	३२	शु.	११	२५	कौ.	८	२९	तै.	३५	३१	छत्र	२९	२२	१६	कुं.	४६	२७	५	३२	६	२८	०	१४	५४	८	५८	८
३२	१९	९	बृ.	२/५५	३३/५६	ध.	१४	२२	शु.	३/५२	४/५२	ग.	२	३३	व.	२२/५६	३३/३२	श्रीवत्स	३०	२३	१७				५	३२	६	२८	०	१५	५२	१५	५८	७
३२	२३	११	शु.	५०	५१	श.	१०	२२	ऐं.	४८	४८	बव	२३	४१	बा.	५०	५१	सौम्य	१	२४	१८	मी.	५२	३९	५	३१	६	२९	०	१६	५०	२०	५८	६
३२	२६	१२	श.	४५	४२	पूभा	६	४४	वै.	४१	५०	कौ.	१८	१६	तै.	४५	४२	कालदंड	२	२५	१९				५	३०	६	३०	०	१७	४८	२३	५८	५
३२	२९	१३	र.	४१	१४	उभा	३	४२	वि.	३५	२९	ग.	१३	२८	व.	४१	१४	सुस्थिर	३	२६	२०				५	३०	६	३०	०	१८	४६	२५	५८	४
३२	३२	१४	चं.	३७	३८	रे.	१	३१	प्री.	२९	४९	वि.	९	२६	श.	३७	३८	मातंग	४	२७	२१	मे.	१	३१	५	२९	६	३१	०	१९	४४	२५	५८	३
३२	३५	३०	मं.	३५	२	अ.	०/५६	५/३८	आ.	२५	०	च.	६	२०	ना.	३५	२	अमृत	५	२८	२२				५	२८	६	३२	०	२०	४२	२२	५८	२

श्री शुभ संवत् २०२७ शके १८९२ वैशाख कृष्णपक्षः ।
सौम्यायन याम्यगोलौ । अप्रैल २२से मई ५ तक । वसन्तऋतुः ।

अश्वत्थ सेचनम् । d या. ज. योगः ।
स. सि. योग. ३५।३० उ. । रोहिणी मे भौमः ४७।१४ ।
म. ५।२३ उ. ३४।० या. । स. सि. योग ३४।३१ या. । a
cया. । प्रदोष व्रतम् । मास शिवरात्रि व्रतम् ।
स. सि. योगः २९।५३ या. । aगणेश ४ व्रतम् ।
म.२०।२७ उ. ४७।३४ या. भरण्यामर्कः २६।२० । उत्तरायां d
शीतलाष्टमी । श्रवसि यात्रा मुहूर्तः दक्षिण पूर्वौ तिथिदानात् ।
दक्षिण पूर्वौ यात्रा मुहूर्तः । पञ्चक प्रवृत्तिः ।
म. २९।३३ उ. ५६।३२ या. । या. ज. मु. २।३३ या. ।
वरूथिनी एकादशी व्रतम् प्रायः सर्वेषाम् । मई ।
त्रयोदश्यां या. ज. मु. । t३७।१२ । पञ्चक नि. १।३१ ।
म. ४१।१४ उ. । स. सि. योगः ३।४२ या. । या.ज. मु. ४१।१४c
म. ९।२६ या. । उदीच्यां यात्रा मु. । बुधास्त पश्चिमयाम्
स्नान श्राद्धादौ ३० । स. सि. अ. सि. योगः ०।५ या. ।

वै. कृ. २ गुरौ इ. ४५।५८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	१	०	६	१	०	१०	४
९	९	२७	६	१	१५	१५	१५
४	४८	६	५४	३६	४२	४५	४५
१८	३५	१२	२	४५	३९	५२	५२
५८	३०	१८	७/४	७१	१३	३	३
२१	१४	५	व.	३४	२९	११	११

शु.२मं. १२
३ श.१सू बु. ११रा.
४ १०
५के. ७बृ.चं. ९
६ ८

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.		२ बृ.		३ शु.		४ श.		५ र.		६ चं.		७ मं.		८ बु.		९ बृ.		११ शु.		१२ श.		१३ र.		१४ च.		३० म.	
मेष	६	४६	६	४२	६	३८	६	३५	६	३१	६	२७	६	२४	६	२०	६	१६	६	१२	६	८	६	५	६	१	५	५७
वृष	८	४२	८	३८	८	३४	८	३१	८	२७	८	२३	८	२०	८	१६	८	१२	८	४	८	०	७	५७	६	५३	७	५०
मिथुन	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४१	१०	३८	१०	३४	१०	३०	१०	२७	१०	२३	१०	२०	१०	१६	१०	१२	१०	८
कर्क	१	१४	१	१०	१	६	१	३	१२	५९	१२	५४	१२	५०	१२	४७	१२	४३	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२४
सिंह	३	३०	३	२७	३	२३	३	१९	३	१६	३	१२	३	८	३	४	३	०	२	५७	२	५३	२	४९	२	४५	२	४१
कन्या	५	४४	५	४०	५	३६	५	३२	५	२८	५	२४	५	२०	५	१७	५	१३	५	९	५	६	५	२	४	५८	४	५५
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
तुला	८	१	७	५७	७	५३	७	५०	७	४६	७	४२	७	३८	७	३४	७	३०	७	२६	७	२२	७	१८	७	१५	७	११
वृश्चि.	१०	२०	१०	१५	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	०	९	५७	९	५३	९	४९	९	४५	९	४२	९	३८	९	३४	९	३०
धनु	१२	२२	१२	१८	१२	१४	१२	१०	१२	६	१२	२	११	५९	११	५५	११	५१	११	४७	११	४३	११	४०	११	३६	११	३२
मकर	२	८	२	४	२	०	१	५७	१	५४	१	५०	१	४७	१	४३	१	४०	१	३६	१	३२	१	२८	१	२४	१	२०
कुंभ	३	४०	३	३६	३	३२	३	२८	३	२५	३	२१	३	१८	३	१४	३	१०	३	६	३	२	२	५८	२	५४	२	५०
मीन	५	८	५	४	५	०	४	५६	४	५३	४	५०	४	४७	४	४४	४	४०	४	३६	४	३२	४	२९	४	२५	४	२१

वै. कृ. १३ रवौ इ. ४६।१४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	१	१	६	१	०	१०	४
१८	१४	०	५	१३	१८	१५	१५
४६	३६	२४	३०	४२	०	३६	३६
२५	१९	२५	९	३९	१	२०	२०
५८	५४	४१	६	७०	१३	३	३
४	१३	३६	४	१५	३	११	११

मंबुशु२ चं.१२
३ सू.१श. ११रा.
४ १०
५के. ७बृ. ९
६ ८

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.	श्री शुभ संवत् २०२७ शके १८९२। वैशाख शुक्लपक्षः सौम्यायन गोलौ। मई ६ से २१ तक। वसन्त ऋतुः।
३२	३८	१	बु.	३३	३९	कृ.	६०	०	सौ.	२१	१	किं.	४	२०	बव	३३	३९	सिद्धि	६	२९	२३	वृ.	१४	५७	५	२८	६	३२	०	२१	४०	१८	५८	०	स. सि. योगः।
३२	४१	२	बृ.	३३	३०	कृ.	०	३८	शो.	१८	३	बा.	३	३४	कौ.	३३	३०	लम्ब	७	३०	२४				५	२७	६	३३	०	२२	३८	१२	५७	५८	चन्द्रदर्शनम् मु. ४५ समश्रृंगं। तृतीया योगे या. ज. मु.।
३२	४४	३	शु.	३४	४०	रो.	२	४५	ऽति	१६	५	तै.	४	५	ग.	३४	४०	मित्र	८	१	२५	मि.	३४	२८	५	२७	६	३३	०	२३	३६	५	५७	५६	अक्षय ३। परशुराम जयन्ती। मुहर्रम १३८०।
३२	४७	४	श.	३७	३	मृ.	६	१२	सु.	१५	१०	व.	५	५१	वि.	३७	३	वज्र	९	२	२६				५	२६	६	३४	०	२४	३३	५७	५७	५४	स. ५।५१उ. ३७।३ या.। मृग मे.प्रतीच्यां यात्रा मु. तिथिदानात्।
३२	४९	५	र.	४०	३४	आ.	१०	४४	धृ.	१५	१३	बव	८	४८	बा.	४०	३४	ध्वांक्ष	१०	३	२७	क.	५९	५३	५	२६	६	३४	०	२५	३१	४८	५७	५२	पुन. योगे या. ज. मु.।
३२	५२	६	चं.	४५	२	पुन.	१६	१६	शू.	१५	५९	कौ.	१२	४८	तै.	४५	२	धूम्र	११	४	२८				५	२५	६	३५	०	२६	२९	३७	५७	५०	कृत्तिकायामर्कः १४।४६। पुनर्वसौ दक्षिण पश्चिमौ यात्रा मु.a
३२	५५	७	मं.	४९	५७	पु.	२२	२८	गं.	१७	१७	ग.	१७	२४	व.	४९	५७	प्रवर्ध	१२	५	२९				५	२४	६	३६	०	२७	२७	२३	५७	४८	म. ४९।५७ उ.। गंगा सप्तमी। aतिथिदानात्।
३२	५८	८	बु.	५५	५	श्ले.	२९	३	वृ.	१८	५४	वि.	२२	३१	बव	५५	५	रक्ष	१३	६	३०	सिं.	२९	३	५	२४	६	३६	०	२८	२५	६	५७	४६	म. २२।३१ या.।
३३	०	९	बृ.	५९	५९	म.	३५	३२	ध्रु.	२०	३४	बा	२७	३२	कौ.	५९	५९	मुसल	१४	७	३१				५	२३	६	३७	०	२९	२२	४६	५७	४४	वृषेऽर्कः ४१।४७ मु. ३०।
३३	३	१०	शु.	६०	०	पूफा	४१	३०	व्या	२१	५०	तै.	३२	४	ग.	६०	०	सिद्धि	१५	८	१	कं.	५७	४८	५	२३	६	३७	१	०	२०	२५	५७	४२	सौर ज्येष्ठारम्भः। cपश्चिमोत्तरौ यात्रा मु.।
३३	५	१०	श.	४	९	उफा	४६	४३	ह.	२२	३३	ग.	४	९	व.	३५	४९	उत्पात	१६	९	२				५	२२	६	३८	१	१	१८	३	५७	४०	म. ३५।४९ उ.। एकादश्यां या. ज. मु.।
३३	८	११	र.	७	३०	ह.	५०	४९	व.	२२	२७	वि.	७	३०	बव	३८	३५	मानस	१७	१०	३				५	२२	६	३८	१	२	१५	४०	५७	३८	म. ७।३० या.। स. सि. योगः। या. ज. मु. ७।३० या.।b
३३	१०	१२	चं.	९	४१	चि.	५३	४६	सि.	२१	३२	बा.	९	४१	कौ.	४०	८	मुद्गर	१८	११	४	तु.	२२	१७	५	२१	६	३९	१	३	१३	१५	५७	३६	प्रदोषः।
३३	१३	१३	मं.	१०	३५	स्वा	५५	२६	व्य.	१९	३३	तै.	१०	३५	ग.	४०	२२	केतु	१९	१२	५				५	२१	६	३९	१	४	१०	४९	५७	३४	bमोहिनी ११ व्रतं सर्वेषाम्। प्राच्यां यात्रा मु.।
३३	१५	१४	बु	१०	१०	वि.	५५	५३	व.	१६	३३	व.	१०	१०	वि.	३९	२०	धाता	२०	१३	६	वृ.	४०	४६	५	२१	६	३९	१	५	८	२१	५७	३२	म. १०।१० उ. ३९।२० या.। नृसिंह १४। व्रतादौ १५।
	१७	१५	बृ.	८	३१	ऽनु.	५५	१०	प.	१२	३४	बव	८	३१	बा.	३७	७	आनन्द	२१	१४	७				५	२१	६	३९	१	६	५	५८	५७	३०	स. सि. योगः। या. ज. मु. ८५।१० या.। स्नानादौ १५।c

अं. वै. शु. १ बुध इ. ४६।१९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	१	०	६	१	०	१०	४
२१	१७	२८	५	१७	१८	१५	१५
४०	२०	५	१२	१२	३९	२६	२६
१८	४१	१९	१४	३१	४	११	११
५८	५४	२१	५	६९	१२	३	३
०	९	५८	५८	५	५	११	११

म. २शु.
१२
३
सू.के. १
बु.श.
११रा.
४
१०
७बृ.
के.५
९
६
८

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१बु.		२ बृ.		३ शु.		४ श.		५ र.		६ चं.		७ मं.		८ बु.		९ बृ.	
मे.	५	५४	५	५१	५	४८	५	४१	५	४१	५	३७	५	३३	५	३०	५	२७
वृ.	७	४८	७	४५	७	४२	७	[illegible]	७	३६	७	३३	७	३०	७	२७	७	२३
मि.	१०	४	१०	१	९	५८	९	५१	९	५२	९	४९	९	४४	९	३९	९	३६
क.	१२	२०	१२	१७	१२	१४	१२	११	१२	७	१२	४	१२	१	११	५७	११	५३
सिं.	२	३६	२	३३	२	३०	२	[illegible]	२	२३	२	१९	२	१५	२	१२	२	८
कं.	४	४८	४	४५	४	४१	४	[illegible]	४	३४	४	३०	४	२७	४	२४	४	२०
रा.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
तु.	७	७	७	३	६	५९	६	५५	६	५१	६	४७	६	४३	६	३९	६	३६
वृ.	९	२६	९	२२	९	१८	९	१४	९	१०	९	६	९	२	८	५७	८	५४
ध.	११	२७	११	२४	११	२०	११	१६	११	१२	११	९	११	६	११	३	१०	५९
म.	१	१३	१	१०	१	६	१	३	१२	५९	१२	५६	१२	५२	१२	४९	१२	४६
कुं.	२	४५	२	४२	२	३८	२	३५	२	३१	२	२७	२	२४	२	२१	२	१७
मी.	४	१७	४	१३	४	९	४	६	४	१	३	५७	३	५३	३	४९	३	४५

ति.	१० शु.		१० श.		११ र.		१२चं.		१३मं.		१४बु.		१५ बृ.	
वृ.	७	१९	७	१५	७	११	७	४	७	२७	७	३	६	५९
मि.	९	३२	९	२९	९	२६	९	२२	९	१९	९	१५	९	१२
क.	११	५०	११	४७	११	४४	११	४०	११	३७	११	३३	११	३०
सिं.	२	४	२	०	१	५७	१	५४	१	५०	१	४७	१	४४
कं.	४	१७	४	१३	४	१०	४	७	४	३	४	०	३	५६
तु.	६	३३	६	३०	६	२७	६	२३	६	२०	६	१६	६	१३
रा.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ.	८	५०	८	४६	८	४३	८	४०	८	३७	८	३३	८	३०
ध.	१०	५६	१०	५३	१०	५०	१०	४६	१०	४२	१०	३९	१०	३६
म.	१२	४२	१२	३८	१२	३५	१२	३२	१२	२८	१२	२५	१२	१२
कुं.	२	१४	२	१०	२	७	२	३	२	०	१	५७	१	५४
मी.	३	४१	३	३७	३	३०	३	३१	३	२८	३	२४	३	२१
मि.	५	२४	५	२०	५	१७	५	१४	५	१०	५	७	५	४

वै. शु. ८ बुधे इ. ४६।२९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	१	०	६	१	०	१०	४
२८	२३	२३	४	२९	१९	१५	१५
२५	२४	४२	३०	५४	२४	४	४
६	२५	१४	१८	३५	१३	३२	३२
५७	५२	[illegible]	[illegible]	९५	८	३	३
४६	३८	व.	व.	३१	३	११	११

शु. २मं.
१२
३
सू. १बु.श.
११ रा
४ चं.
१०
५के.
बृ.७
९
६
८

श्री शुभ संवत् २०२७ शके १८९२ ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः । सौम्यायनगोलौ । मई २२ से जून ४ तक । ग्रीष्म ऋतुः ।

दि.मा. घ.	दि.मा. प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	वं.	चं.रा.प्र. रा.	घ.	प.	सू.उ. घं.	मि.	सू.अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.	
३३	२०	१	शु.	५	४४	ज्ये.	५३	१६	शि.	७	३	कौ.	५	४४	तै.	३३	५०	चर	२२	१५	८	वृ.	५३	१६	५	२०	६	४०	१	७	३	३०	५७	२८	रा. ज्येष्ठ । बुधोदयः पूर्वस्याम् ३।१ । वृषे बुधः ५७।२५ उ. ।
३३	२२	२	श.	५/५७	५६/५९	मू.	५०	५०	सि.	२/५६	०/४३	ग.	१	५६	व.	२०/५७	३७/१८	गद	२३	१६	९				५	२०	६	४०	१	८	०	४६	५७	२६	भ. २९।३७ उ. ५७।१८ या. ।
३३	२४	४	र.	५१	५९	पूषा	४७	३३	शु.	४८	४६	बव	२४	३८	वा.	५१	५९	शुभ	२४	१७	१०				५	१९	६	४१	१	८	५८	२१	५७	२५	गणेश ४ व्रतम् ।
३३	२६	५	च.	४६	१४	उषा	४३	४८	शु.	४१	२८	कौ.	१९	६	तै.	४६	१४	मृत्यु	२५	१८	११	म.	१	३७	५	१९	६	४१	१	९	५५	३५	५७	२३	रोहिण्यामर्कः ९।२१ । या. ज. मु. ४३।४८ या. ।
३३	२८	६	मं.	४०	११	श्र.	३९	४५	ब्र.	३३	५७	ग.	१३	१२	व.	४०	११	लुम्ब	२६	१९	१२				५	१८	६	४२	१	१०	५२	५८	५७	२१	भ. ४०।११ उ. । दक्षिण पूर्वयो. यात्रा मु. ।
३३	३०	७	बु.	३३	५८	ध.	३५	३१	ऐं.	२६	१७	वि.	७	४	बव	३३	५८	मित्र	२७	२०	१३	कुं.	७	३८	५	१८	६	४२	१	११	५०	१९	५७	१९	भ. ७।४ या. । प्रतीच्यां यात्रा मु. । पञ्चक प्र. ७।३८ ।
३३	३२	८	बृ.	२७	५३	श.	३१	३०	वै.	१८	४२	वा.	०	५५	कौ.	२७/५५	५३/२	वज्र	२८	२१	१४				५	१८	६	४२	१	१२	४७	३८	५७	१७	
३३	३४	९	शु.	२२	१२	पूभा	२७	४९	वि.	११	२१	ग.	२२	१२	व.	४९	३२	ध्वांक्ष	२९	२२	१५	मी.	१३	४४	५	१७	६	४३	१	१३	४४	५६	५७	१७	भ. ४९।३२ उ. ।
३३	३६	१०	श.	१६	५३	उभा	२४	३९	प्री.	४/५६	२३/३८	वि.	१६	५३	बव	४४	३५	धूम्र	३०	३	१६				५	१७	६	४३	१	१४	४१	११	५७	१६	भ. १६।५३या. । व्या.ज.मु.१२।१८या. । पञ्चक नि.२२।११ ।
३३	३७	११	र.	१२	१८	रे.	२२	११	सौ.	५२	१३	वा.	१२	१८	कौ.	४०	२७	वर्ध.	३१	२४	१७	मे.	२२	११	५	१७	६	४३	१	१५	३९	२६	५७	१५	अपरा ११ व्रतं सर्वेषाम् । अश्विनी योगे स. सि. योग : ।a
३३	३९	१२	चं.	८	३६	अ.	२०	३५	शो.	४७	१६	तै.	८	३६	ग.	३७	१४	रक्ष	१	२५	१८				५	१६	६	४४	१	१६	३६	४०	५७	१५	प्रदोषः । उदीच्यां यात्रा मु. । जून ।
३३	४१	१३	मं.	५	५३	भ.	२०	१	अति	४३	९	व.	५	५३	वि.	३५	७	मुशल	२	२६	१९	वृ.	३५	१०	५	१६	६	४४	१	१७	३३	५२	५७	१३	भ. ५।५३ उ. ३५।७ या. । कृत्तिका योगे । स. सि. योगः ।
३३	४२	१४	बु.	४	२२	कृ.	२०	३९	सु.	४०	४	श.	४	२२	च.	३४	१३	सिद्धि	३	२७	२०				५	१६	६	४४	१	१८	३१	४	५७	१२	वट सावित्री व्रतम् । श्राद्धादौ ३० । स. सि. योगः ।
३३	४४	३०	बृ.	४	४	रो.	२२	३१	धृ.	३७	५८	ना.	४	४	किं.	३४	३५	उत्पात	४	२८	२१	मि.	५४	५	५	१५	६	४५	१	१९	२८	१४	५७	१०	वट सावित्री व्रतम् । स्नानादौ ३० ।

ज्ये. कृ. २ शनी इ. ४६।४१

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	२	०	६	२	०	१०	४
८	०	१९	३	७	१९	१४	१४
०	०	४२	१८	५४	४२	३२	३२
४६	१	३५	१५	२५	११	५५	५५
१७	४२	२४/६५	७/५	४२	१	३	३
२६	३९	व.	व.	५२	४८	११	११

शु.३मं. बु.१श.
४ सू. २ १२
के. ५ ११ रा.
६चं. ८ १०
७बृ. ९चं.

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.	२ श.	४ र.	५ चं.	६ मं.	७ बु.	८ बृ.	९ शु.	१० श.	११ र.	१२ चं.	१३ मं.	१४ बु.	३० बृ.
वृ. अं.	६ ५५	६ ५२	६ ४८	६ ४४	६ ४०	६ ३६	६ ३२	६ २८	६ २४	६ २०	६ १६	६ १२	६ ८	६ ३
मि. अं.	९ ८	९ ४	९ ०	८ ५६	८ ५२	८ ४८	८ ४४	८ ४०	८ ३६	८ ३२	८ २८	८ २४	८ २०	८ १६
क. अं.	११ २६	११ २२	११ १८	११ १४	११ १०	११ ६	११ २	१० ५८	१० ५४	१० ५०	१० ४६	१० ४२	१० ३८	१० ३४
सिं. अं.	१ ४०	१ ३६	१ ३२	१ २८	१ २४	१ २०	१ १६	१ १२	१ ८	१ ४	१ ०	१२ ५६	१२ ५२	१२ ४८
कं. अं.	३ ५३	३ ४९	३ ४५	३ ४१	३ ३७	३ ३३	३ २९	३ २५	३ २१	३ १७	३ १३	३ ९	३ ५	३ १
तु. अं.	६ ९	६ ५	६ १	५ ५७	५ ५३	५ ४९	५ ४५	५ ४१	५ ३७	५ ३३	५ २९	५ २५	५ २१	५ १७
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
वृ. अं	८ २६	८ २२	८ १८	८ १४	८ १०	८ ६	८ २	७ ५८	७ ५४	७ ५०	७ ४६	७ ४२	७ ३८	७ ३४
ध. अं	१० ३२	१० २८	१० २४	१० २०	१० १६	१० १२	१० ८	१० ४	१० ०	९ ५६	९ ५२	९ ४८	९ ४४	९ ४०
म. अं.	१२ २२	१२ १८	१२ १४	१२ १०	१२ ६	१२ २	११ ५८	११ ५४	११ ५०	११ ४५	११ ४०	११ ३५	११ ३०	११ २६
कुं. अं.	१ ५४	१ ५०	१ ४५	१ ४१	१ ३६	१ ३२	१ २८	१ २४	१ २०	१ १६	१ १२	१ ७	१ २	१२ ५८
मी. अं.	३ २१	३ १७	३ १२	३ ७	३ ३	२ ५९	२ ५५	२ ५०	२ ४५	२ ४१	२ ३७	२ ३३	२ २९	२ २५
मे. अं.	५ ४	५ ०	४ ५५	४ ५१	४ ४७	४ ४२	४ ३८	४ ३४	४ २९	४ २५	४ २१	४ १७	४ १३	४ ८

ज्ये. कृ. १३ भौमे इ. ४६।५१

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	२	०	६	२	०	१०	४
१७	६	२५	२	२०	२२	१४	१४
३३	४८	१८	२४	६	०	०	०
५२	१२	२३	१७	९	२	१८	१८
५७	३६	३५/५६	५/५९	७७	१२/४९	३	३
१३	४१	मा.	व.	२४	मा.	११	११

श. ३ मं. चं.१बु.श.
४ २सू. १२
५के. रा. ११
६ ८ १०
७ बृ. ९

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	ओ. स्पष्टसूयः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	४५	१	शु.	५	६	मृ.	२५	४०	शू.	३६	५६	बव	५	६	बा.	३६	१४	मानस	५	२९	२२				५	१५	६	४५	१	२०	२५	२४	५७	८
३३	४६	२	श.	७	२२	आ.	२९	५६	ग.	३६	४५	कौ.	७	२२	तै.	३९	३	मुद्गर	६	३०	२३				५	१५	६	४५	१	२१	२२	३३	५७	७
३३	४७	३	र.	१०	४५	पुन	३५	१९	वृ.	३७	२६	ग.	१०	४५	व.	४२	५३	केतु	७	१	२४	क.	१८	५८	५	१५	६	४५	१	२२	१९	४२	५७	६
३३	४९	४	चं.	१५	२	पु.	४१	२१	ध्रु.	३८	४३	वि.	१५	२	बव	४७	२८	धाता	८	२	२५				५	१४	६	४६	१	२३	१६	४८	५७	५
३३	५०	५	मं.	१९	५५	श्ले.	४७	५१	व्या	४०	१७	बा.	१९	५५	कौ.	५२	२९	आनन्द	९	३	२६	सि.	४७	५१	५	१४	६	४६	१	२४	१३	५३	५७	४
३३	५१	६	बु.	२५	४	म.	५४	२१	ह.	४१	५९	तै.	२५	४	ग.	५७	२९	चर	१०	४	२७				५	१४	६	४६	१	२५	१०	१७	५७	३
३३	५२	७	बृ.	२९	५४	पूफा	६०	०	व.	४३	२४	व.	२९	५४	वि.	६०	०	गद	११	५	२८				५	१४	६	४६	१	२६	७	५९	५७	२
३३	५२	८	शु.	३४	५	पूफा	०	२८	सि.	४४	१७	वि.	१	५९	बव	३४	५	सिद्धि	१२	६	२९	कं.	१६	४९	५	१४	६	४६	१	२७	५	१	५७	१
३३	५३	९	श.	३७	२३	उफा	५	५२	व्य.	४४	२४	बा.	५	४४	कौ.	३७	२३	उत्पात	१३	७	३०				५	१३	६	४७	१	२८	२	२	५७	०
३३	५४	१०	र.	४०	४	ह	१०	११	व.	४३	४१	तै.	८	४३	ग.	४०	४	मानस	१४	८	३१	तु.	४१	४७	५	१३	६	४७	१	२८	५९	२	५६	५९
३३	५४	११	चं.	४०	२८	चि.	१३	२४	प.	४१	५२	व.	१०	१६	वि.	४०	२८	मुद्गर	१५	९	१				५	१३	६	४७	१	२९	५६	२	५६	५८
३३	५५	१२	मं.	४०	४	स्वा	१५	१९	शि.	३९	६	बव	१०	१६	बा.	४०	४	केतु	१६	१०	२				५	१३	६	४७	२	०	५३	०	५६	५७
३३	५६	१३	बु.	३८	१७	वि.	१५	५८	सि.	३५	१७	कौ.	९	१०	तै.	३८	१७	धाता	१७	११	३	वृ.	०	४८	५	१३	६	४७	२	१	४९	५८	५६	५७
३३	५६	१४	बृ.	३५	३८	अनु.	१५	२७	सा.	३०	३७	ग.	६	५७	व.	३५	३८	आनंद	१८	१२	४				५	१३	६	४७	२	२	४६	५६	५६	५६
[illegible]	६	१५	शु.	३१	५१	ज्ये.	१३	५४	शु.	२५	७	वि.	३	४४	बव	३५/५९	५५/२९	चर	१९	१३	५	ध.	१३	५४	५	१३	६	४७	२	३	४३	५२	५६	५५

श्री शुभ संवत् २०२७ शके १८९२ ज्येष्ठ शुक्लपक्षः ।
सौम्यायन गोलौ । जून ५ से १९ तक । ग्रीष्म ऋतुः ।

चन्द्रदर्शनम् मु. १५ सौम्यश्रृंगं उन्नतम् ।
पुन. योगे या. ज. मु. । a ३५।१९ उ. । सफर ।
म. ४२।५३ उ. । या. ज. मु. १०।४५ या. । स. सि. योगः a
म. १५।२ या.। मृगमेऽर्कः ८।२२ । स.सि. योगः ४१।२१ या. b
b पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. ।
उग्र कर्म मु. ।
भ. २९।५४ उ. । उग्र कर्म मु. ।
भ. १।५९ या. । d यात्रा मु. तिथिदानान् । व्रताय १५ ।
या. ज. मु. ५।५२ या. ।
स. सि. योगः । प्राच्यां यात्रा मु. ।
भ. १०।१६ उ. ४०।२८ या. । मिथुनेऽर्कः ७।४७ मु. ३० । c
प्रदोषः । c निर्जला ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
स. सि. योगः । १५।५८ उ. ।
भ. ३५।३८ उ. । स. सि. योगः १५।२७ या. । उदीच्यां d
भ. ३।४४ या. । स्नानादौ १५ ।

अ. ज्ये. शु. १ शुक्रे इ. ४६।१५

सू.

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	२	०	६	२	०	१०	४
२०	८	२६	२	२४	२२	१३	१३
२५	३६	५९	९	२	३६	५१	५१
५४	४५	१५	४१	१	१५	५	५
५७	३५	३७	[illegible]	७६	१०	३	३
८	५२	४	व.	२३	५	११	११

मचंशु
बु.१श.
४
सू.२
१२
५ के.
रा. ११
६
८
१०
बृ.७
९

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१शु.	२श.	३र.	४चं.	५मं.	६बु.	७बृ.	८शु.	९श.	१०र.	११चं.	ति.	१२मं.	१३बु.	१४बृ.	१५शु.
वृ. अं.	५ ५९	५ ५४	५ ५०	५ ४६	५ ४२	५ ३७	५ ३२	५ २८	५ २४	५ १९	५ १४	मि.	७ २३	७ १९	७ १५	७ ११
मि. अं.	८ १२	८ ८	८ ३	७ ५९	७ ५४	७ ४९	७ ४६	७ ४२	७ ३७	७ ३३	७ २८	क.	९ ४१	९ ३७	९ ३३	९ २९
क. अं.	१० ३०	१० २५	१० २१	१० १७	१० १२	१० ८	१० ४	९ ५९	९ ५५	९ ५१	९ ४६	सि.	११ ५५	११ ५१	११ ४७	११ ४३
सि. अं.	१२ ४४	१२ ४०	१२ ३५	१२ ३१	१२ २७	१२ २३	१२ १८	१२ १४	१२ ९	१२ ४	१२ ०	कं.	२ ८	२ ४	२ ०	१ ५६
कं. अं.	२ ५७	२ ५२	२ ४८	२ ४४	२ ३९	२ ३४	२ ३०	२ २५	२ २१	२ १७	२ १३	तु.	४ २४	४ २०	४ १६	४ १२
तु. अं.	५ १३	५ ८	५ ४	५ ०	४ ५५	४ ५१	४ ४६	४ ४२	४ ३८	४ ३४	४ २९	वृ.	६ ४१	६ ३७	६ ३३	६ २९
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा:	रा०	रा०	रा०	रा०
वृ. अं.	७ ३०	७ २५	७ २१	७ १७	७ १२	७ ८	७ ४	६ ५९	६ ५४	६ ५०	६ ४५	ध.	८ ४७	८ ४३	८ ३९	८ ३५
ध. अं.	९ ३६	९ ३२	९ २८	९ २४	९ १९	९ १५	९ १०	९ ५	९ १	८ ५८	८ ५४	म.	१० ३३	१० २९	१० २५	१० २१
म. अं.	११ २२	११ १८	११ १३	११ ९	११ ४	११ ०	१० ५५	१० ५१	१० ४७	१० ४२	१० ३८	कुं.	१२ ५	१२ १	११ ५७	११ ५३
कुं. अं.	१२ ५४	१२ ५०	१२ ४५	१२ ४१	१२ ३७	१२ ३३	१२ २९	१२ २४	१२ १९	१२ १४	१२ ९	मी.	१ ३२	१ २८	१ २४	१ २०
मी. अं.	२ २१	२ १७	२ १३	२ ८	२ ४	२ ०	१ ५५	१ ५०	१ ४५	१ ४०	१ ३६	मे.	३ १०	३ ६	३ २	२ ५८
मे. अं.	४ ४	३ ५९	३ ५४	३ ४९	३ ४४	३ ४०	३ ३५	३ २९	३ २५	३ २०	३ १५	वृ.	५ ९	५ ५	५ १	४ ५७

ज्ये. शु. ८ शुक्रे इ. ४६।५४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	२	१	६	३	०	१०	४
२७	१३	७	१	१	२३	१३	१३
५	३०	५४	४८	४८	१८	२८	२८
१	२३	२२	२५	७	१५	५०	५०
५७	४२	७२	[illegible]	६७	७	३	३
१	१८	३५	व.	२३	३५	११	११

३म.
१श.
४शु.
बु.२सू.
१२
के. चं.
११रा.
६
८
१०
७बृ.
९

१४

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	५७	१	श.	२७	७	मू.	११	३१	शु.	१८	५४	कौ.	२७	७	तै.	५४	३०	गद	२०	१४	६				५	१३	६	४७	२	४	४०	४९	५६	५५
३३	५७	२	र.	२१	५३	पूषा	८	२०	ब्र.	१२	६	ग.	२१	५३	व.	४८	५९	शुभ	२१	१५	७	म.	२२	२४	५	१३	६	४७	२	५	३७	४३	५६	५४
३३	५७	३	चं.	१६	५	उषा	४	३८	ऐं.	६/५३	५३/४९	वि.	१६	५	बव	४३	२	मृत्यु	२२	१६	८				५	१३	६	४७	२	६	३४	३७	५६	५३
३३	५७	४	मं.	९	५९	श्र.	०/५५	३४/५७	वि.	४९	४२	वा.	९	५९	कौ	३६	५३	लुम्ब	२३	१७	९	कुं.	२८	२९	५	१३	६	४७	२	७	३१	३२	५६	५२
३३	५६	५	बु.	३/५३	४७/५८	श.	५२	१९	प्री.	४२	११	तै.	३	४७	ग.	३०/५७	४३/४०	मानस	२४	१८	१०				५	१३	६	४७	२	८	२८	२६	५६	५२
३३	५६	७	बृ.	५१	५१	पूभा	४८	२८	आ.	३४	४६	वि.	२४	४५	बव	११	५१	मुद्गर	२५	१९	११	मी.	३४	२६	५	१३	६	४७	२	९	२५	२०	५६	५१
३३	५६	८	शु.	४६	३०	उभा	४५	९	सौ.	२७	४५	वा.	१९	१०	कौ.	४२	३०	केतु	२६	२०	१२				५	१३	६	४७	२	१०	२२	१३	५६	५१
३३	५५	९	श.	४३	२४	रे.	४२	२९	शो.	२१	२	तै.	१४	५७	ग.	४३	२४	धाता	२७	२१	१३	मे.	४२	२९	५	१३	६	४७	२	११	१९	५	५६	५१
३३	५५	१०	र.	३८	३	अ.	४०	४०	ऽति	१५	२२	व	१०	४३	वि.	३८	३	आनन्द	२८	२२	१४				५	१३	६	४७	२	१२	१५	५७	५६	५१
३३	५४	११	चं.	३५	१२	भ.	३९	५१	सु.	१०	१८	बव	६	३७	वा	३५	१२	चर	२९	२३	१५	वृ.	५४	५६	५	१३	६	४७	२	१३	१२	४९	५६	५१
३३	५४	१२	मं.	३३	३४	कृ.	४०	१०	ध.	५	५९	कौ.	४	२३	तै.	३३	३४	गद	३०	२४	१६				५	१३	६	४७	२	१४	९	४१	५६	५०
३३	५३	१३	बु.	३३	९	रो.	४१	४४	शू.	२	४४	ग	३	२१	व.	३३	९	शुभ	१	२५	१७				५	१३	६	४७	२	१५	६	३३	५६	५०
३३	५२	१४	बृ.	३४	१	मृ.	४४	३४	गं.	०/५८	२६/३४	वि.	३	३५	श.	३४	१	मृत्यु	२	२६	१८	मि.	१३	९	५	१३	६	४७	२	१६	३	२४	५६	५०
३३	५१	३०	शु.	३६	१०	आ.	४८	३३	ध्रु.	५८	५१	च	५	५	ना.	३६	१०	पद्म	३	२७	१९				५	१३	६	४७	२	१७	०	१५	५६	५०

श्री संवत् २०२७ शके १८९२ आषाढ़ कृष्ण पक्षः ।
सौम्यायनगोलौ । जून २० से जुलाई ३ तक । ग्रीष्म ऋतुः ।

a या. ज. मु. ।
म. ४८।५९ उ. । स. सि. योगः ८।२० उ. । तृतीया योगे ।a
म. १६।५ या. । शिवमेऽर्कः ९।२३ पुं. स्त्री. योगः । श्रवसिb
श्रवसि दक्षिणपूर्वां यात्रा मु. । पञ्चक प्रवृत्तिः २७।२९ ।
म. ५७।४० उ. ।
म. २४।४५ या. ।
रेवत्यां स.सि. योगः अ.सि.योगश्च । पश्चिमोत्तरौ यात्रा मु. । c
पञ्चक निवृत्तिः ४२।२९ । bस.सि.योगः । गणेश ४ । रा.आषाढ़ ।
म. १०।४३ उ. ३८।३ या. । प्राच्यां यात्रा मु. । cतिथिदानात् ।
या. ज. मु. ३५।१८ या. । योगिनी ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
स. सि. योगः । प्रदोषः ।
म. ३३।९ उ. । स. सि. योगः । मास शिवरात्रि व्रतम् । जुलाई ।
म. ३।३५ या. । प्रतीच्यां यात्रा मु. १३।९ उ. ।
स्नान श्राद्धादौ ३० ।

आ. कृ. २ रवौ इ. ४६।५८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	२	१	६	३	०	१०	४
५	१९	२४	१	१३	१४	१२	१२
३७	५४	१८	४२	३६	२४	५७	५७
४३	११	१५	२९	२५	२०	१३	१३
५६	३५	१०२	[illegible]	७१	५	३	३
५४	४४	१५	व	२५	३९	११	११

४शु. | बृ.२
५के. | मं.३सू. | श.१
६ | १२
७बृ. | चं.९ | ११रा
८ | १०

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.		२ र		३ चं.		४ मं		५ बु.		७ बृ.		८ शु.		९ श.		१० र.		११ चं.		१२ मं.		१३ बु.		१४ बृ.		३० शु.	
मि. अं.	७	७	७	३	६	५९	६	५५	६	५०	६	४६	६	४२	६	३८	६	३४	६	३०	६	२६	६	२२	६	१७	६	१३
क. अं.	९	२५	९	२१	९	१७	९	१३	९	८	९	४	९	०	८	५६	८	५२	८	४८	८	४४	८	४०	८	३५	८	३१
सिं. अं.	११	३९	११	३४	११	३०	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४	११	१०	११	६	११	२	१०	५८	१०	५४	१०	४९	१०	४५
कं. अं.	१	५२	१	४८	१	४४	१	४०	१	३५	१	३१	१	[illegible]	१	२३	१	१९	१	१५	१	११	१	७	१	२	१२	५८
तु. अं.	४	८	४	४	४	०	३	५५	३	५१	३	४७	३	४३	३	३९	३	३५	३	३१	३	२७	३	२३	३	१८	३	१४
वृ. अं.	६	२५	६	२०	६	१६	६	१२	६	८	६	४	६	०	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४	५	४०	५	३५	५	३१
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
ध. अं.	८	३१	८	२७	८	२२	८	१८	८	१४	८	१०	८	६	८	२	७	५८	७	५४	७	५०	७	४६	७	४१	७	३७
म. अं.	१०	१७	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	०	९	५६	९	५२	९	४८	९	४४	९	४०	९	३६	९	३२	९	२७	९	२३
कुं. अं.	११	४९	११	४४	११	४०	११	३६	११	३२	११	२८	११	२४	११	२०	११	१६	११	१२	११	८	११	४	१०	५९	१०	५५
मी. अं.	१	१६	१	११	१	७	१	३	१२	५९	१२	५५	१२	५१	१२	४७	१२	४३	१२	३९	१२	३५	१२	३१	१२	२६	१२	२२
मे. अं.	२	५४	२	५०	२	४६	२	४२	२	३८	२	३४	२	३०	२	२६	२	२२	२	१८	२	१४	२	१०	२	५	२	१
वृ. अं.	४	५३	४	४९	४	४४	४	४०	४	३६	४	३२	४	२८	४	२४	४	२०	४	१६	४	१२	४	८	४	३	३	५९

आ. कृ. १४ गुरौ इ. ४६।५६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	२	२	६	३	०	१०	४
१६	२६	११	१	२५	१५	१२	१२
३	२४	३०	३६	१८	३०	२५	२५
२४	१७	१९	३४	७	१४	५५	५५
५६	४१	७१	[illegible]	७१	६	३	३
५०	३८	३९	व	३	३६	११	११

४शु. | च.२
५के. | मं.३बु.सू. | १श.
६ | १२
बृ.७ | ९ | ११रा
८ | १०

घ.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं.रा.प्र. रा.	घ.	प.	सू.उ. घं.	मि.	सू.अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	५०	१	श.	३९	२७	पुन	५३	४२	व्या	५९	२३	कि.	७	४८	बव	३९	२७	छत्र	४	२८	२०	क.	३७	२५	५	१४	६	४६	२	१७	५७	७	५६	५०
३३	४९	२	र.	४३	३८	पु.	५९	४२	ह.	६०	०	बा.	११	३२	कौ.	४३	३८	श्रीवत्स	५	२९	२१				५	१४	६	४६	२	१८	५३	५८	५६	५०
३३	४८	३	चं.	४८	२८	श्ले	६०	०	ह.	०	२९	तै.	१६	३	ग.	४८	२८	सौम्य	६	१	२२				५	१४	६	४६	२	१९	५०	४९	५६	५१
३३	४७	४	मं.	५२	५८	श्ले	६	१	व.	२	५	व.	२०	४३	वि.	५२	५८	काल	७	२	२३	सिं.	६	१	५	१४	६	४६	२	२०	४७	४१	५६	५१
३३	४६	५	बु.	५८	२१	म.	१२	३३	सि.	३	४५	बव	२५	३९	बा.	५८	२१	स्थिर	८	३	२४				५	१५	६	४५	२	२१	४४	३४	५६	५१
३३	४५	६	बृ.	६०	०	पूफा	१८	४६	व्य.	५	११	कौ.	३०	२९	तै.	६०	०	मातंग	९	४	२५	कं.	३५	१०	५	१५	६	४५	२	२२	४१	२६	५६	५१
३३	४३	६	शु.	२	३७	उफा	२४	२१	व.	६	१३	तै.	२	३७	ग.	३४	१७	अमृत	१०	५	२६				५	१५	६	४५	२	२३	३८	१८	५६	५१
३३	४२	७	श.	५	५८	ह.	२८	५४	प.	६	२९	व.	५	५८	वि.	३७	४	मृत्यु	११	६	२७				५	१५	६	४५	२	२४	३५	११	५६	५२
३३	४०	८	र.	८	१०	चि.	३२	२४	शि.	५	५१	बव	८	१०	बा.	३८	४०	पद्म	१२	७	२८	तु.	०	३९	५	१६	६	४४	२	२५	३२	४	५६	५२
३३	३९	९	चं.	९	११	स्वा	३४	३६	सि.	४	१६	कौ.	९	११	तै.	३९	१	छत्र	१३	८	२९				५	१६	६	४४	२	२६	२८	५९	५६	५३
३३	३७	१०	मं.	८	५२	वि.	३५	३०	सा.	१/५६	४५/३३	ग.	८	५२	व.	३८	५	श्रीवत्स	१४	९	३०	वृ.	१६	३२	५	१६	६	४४	२	२७	२५	५४	५६	५४
३३	३५	११	बु.	७	१९	ऽन	३५	१३	शु.	५३	३२	वि.	७	१९	बव	३५	५६	सौम्य	१५	१०	३१				५	१७	६	४३	२	२८	२२	४९	५६	५४
३३	३४	१२	बृ.	४	३३	ज्ये.	३३	५१	ब्र.	४८	९	बा.	४	३३	कौ.	३२	४१	कालदं.	१६	११	३२	ध.	३३	५१	५	१७	६	४३	२	२९	१९	४४	५६	५५
३३	३२	१३	शु.	०/५५	५०/२४	मू.	३१	४१	ऐं.	४२	६	तै.	०	५०	ग.	२८/५६	३२/१४	स्थिर	१७	१२	१				५	१७	६	४३	३	०	१६	४०	५६	५५
३३	३०	१५	श.	५०	५६	पूषा	२८	३८	वै.	३५	२१	वि.	२३	३५	बव	५०	५६	मातंग	१८	१३	२	म.	४२	४४	५	१८	६	४२	३	१	१३	३७	५६	५६

श्री शुभ संवत् २०२७ शके १८९२ आषाढ़ शुक्लपक्षः ।
सौम्यायन गोलौ । जुलाई ४ से १८ तक । शुक्ल १३ तः याम्या.

प्रतीच्यां यात्रा मु. तिथिदानात् । बुधास्तः पूर्वस्याम् ३३।८ ।
चन्द्रदर्शनम् मु. ३० सौम्यश्रृंगंउन्नतम् । स. सि. योगः । रथयात्रा
पुनर्मेऽर्कः १४।२४ स्त्री. स्त्री योगः । या. ज. मु. । रविउल अव्वल
म. २०।४३ उ. ५२।५८ या. । स. सि. योगः ६।१ या. ।

हस्त मे प्राच्यां यात्रा मु. ।
भ. ५।५८ उ. ३७।४ या. ।
स्वाती योगे या. ज. मु. ।
या. ज. मु. ९।११ या. । b हरिशयनी ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
भ. ३८।५ उ. ।
भ. ७।१९ या. । स.सि. योगः ३५।१३ या। प्रतीच्यां या. मु. । b
कर्केऽर्कः ४५।३७ मु. ३० । प्रदोषः ।
भ. ५६।१४ उ. । सौर आषाढ़ारम्भः ।
भ. २३।३५ या. । गुरुपूर्णिमा । आषाढ़ी योगः। स्नान दानादौ ३०

आ. शु. २ रवौ इ. ४६।५४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	२	२	६	३	०	१०	४
१८	२८	१६	१	३८	२५	१२	१२
५३	२६	१४	२१	४१	४८	१६	१६
५८	७	३३	७	१४	१४	१४	१४
५६	४०	७०	४	७०	५	३	३
५०	९	२५	४२	५	३५	११	११

शु.४चं. २
के.५ मं.सू. ३बु. श.१
६ १२
७बृ. ९ ११रा
८ १०

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.	२ र.	३ च.	४ मं.	५ बु.	६ बृ.	६ शु.	७ श.	८ र.	९ चं.	१० मं.	११ बु.	१२ बृ.	ति.	१३ शु.	१५ श.
मि. अ.	६ ९	६ ४	६ ०	५ ५६	५ ५२	५ ४८	५ ४४	५ ४०	५ ३६	५ ३२	५ २७	५ २२	५ १७	क.	७ ३०	७ २६
क. अं.	८ २७	८ २२	८ १८	८ १४	८ १०	८ ६	८ २	७ ५८	७ ५४	७ ५०	७ ४५	७ ४०	७ ३५	सिं.	९ ४४	९ ४०
सिं. अं.	१० ४१	१० ३६	१० ३२	१० २८	१० २४	१० २०	१० १६	१० १२	१० ८	१० ४	९ ५९	९ ५४	९ ४९	कं.	११ ५७	११ ५३
कं. अं.	१२ ५४	१२ ५०	१२ ४५	१२ ४१	१२ ३७	१२ ३३	१२ २९	१२ २५	१२ २१	१२ १७	१२ १२	१२ ७	१२ २	तु.	२ १३	२ ९
तु. अं.	३ १०	३ ५	३ १	२ ५७	२ ५३	२ ४९	२ ४५	२ ४१	२ ३७	२ ३३	२ २८	२ २३	२ १८	वृ.	४ ३०	४ २६
वृ. अं	५ २७	५ २२	५ १८	५ १४	५ १०	५ ६	५ २	४ ५८	४ ५४	४ ५०	४ ४५	४ ४०	४ ३५	ध.	६ ३६	६ ३२
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा	रा०	रा०
ध. अं.	७ ३३	७ २९	७ २४	७ २०	७ १६	७ १२	७ ८	७ ४	७ ०	६ ५६	६ ५१	६ ४६	६ ४१	म.	८ २२	८ १८
म. अं.	९ १९	९ १४	९ १०	९ ६	९ २	८ ५८	८ ५४	८ ५०	८ ४६	८ ४२	८ ३७	८ ३२	८ २७	कुं.	९ ५४	९ ५०
कुं. अं.	१० ५१	१० ४६	१० ४२	१० ३८	१० ३४	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १८	१० १४	१० ९	१० ४	१० ५९	मी.	११ २१	११ १७
मी. अं.	१२ १८	१२ १४	१२ १०	१२ ५	१२ १	११ ५७	११ ५३	११ ४९	११ ४५	११ ४१	११ ३६	११ ३१	११ २६	मे.	१ ०	१२ ५६
मे. अं.	१ ५७	१ ५२	१ ४८	१ ४४	१ ४०	१ ३६	१ ३२	१ २८	१ २४	१ २०	१ १५	१ १०	१ ५	वृ.	२ ५८	२ ५४
वृ. अं.	३ ५५	३ ५१	३ ४६	३ ४२	३ ३८	३ ३४	३ ३०	३ २६	३ २२	३ १८	३ १३	३ ८	३ ३	मि.	५ १२	५ ८

आ. शु. ८ रवौ इ. ४६।५०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	३	६	४	०	१०	४
१५	२	१	२	६	२६	११	११
३	५४	१८	६	४८	३६	५४	५४
१४	३	५	९	२५	२१	२८	२८
१६	३५	११३	उ २/६	६५	५	३	३
५२	२४	१२	व.	३९	५८	११	११

मं ४बु. २
के. शु. ५ सू. ३ १श.
चं. ६ १२
७बृ. ९ रा. ११
८ १०

१६

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अ.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	आ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	२८	१	र.	४५	१०	उ.	२५	३	वि.	२८	१३	वा.	१८	३	कौ.	४५	१०	अमृत	१९	१४	३				५	१८	६	४२	३	२	१०	३५	५६	५७
३३	२६	२	चं.	३९	२	श्र.	२१	२	प्री.	२०	४४	तै.	१२	६	ग.	३९	२	सिद्धि	२०	१५	४	कुं.	४८	५७	५	१९	६	४१	३	३	७	३४	५६	५७
३३	२४	३	मं.	३२	४६	ध.	१६	५२	आ.	१२	५	व.	५	५४	वि.	३२/५९	४६/४४	उत्पात	२१	१६	५				५	१९	६	४१	३	४	४	३३	५६	५८
३३	२२	४	बु.	२६	४२	श.	१२	४३	सौ.	७/५९	३९/५४	वा.	२६	४२	कौ.	५३	४५	मानस	२२	१७	६	मी.	५४	४७	५	२०	६	४०	३	५	१	३२	५६	५९
३३	२०	५	बृ.	२०	४८	पूभा	८	४८	धृति	५०	५३	तै.	२०	४८	ग.	४८	७	मुद्गर	२३	१८	७				५	२०	६	४०	३	५	५८	३३	५७	०
३३	१७	६	शु.	१५	२७	उभा	५	१९	सु.	४४	१६	व.	१५	२७	वि.	४३	५	केतु	२४	१९	८				५	२१	६	३९	३	६	५५	३४	५७	१
३३	१५	७	श.	१०	४४	रे.	२	२९	वृ.	३८	१४	बव	१०	४४	वा.	३८	४७	धाता	२५	२०	९	मे.	२	२९	५	२१	६	३९	३	७	५२	३७	५७	२
३३	१३	८	र.	६	५०	अ.	०/५८	३८/५६	शू.	३२	५६	कौ.	६	५०	तै.	३५	२४	आनंद	२६	२१	१०				५	२१	६	३९	३	८	४९	४०	५७	३
३३	१०	९	चं.	३	५८	कृ.	५९	२४	गं.	२८	२७	ग.	३	५८	व.	३३	५	सुस्थिर	२७	२२	११	वृ.	१४	२२	५	२२	६	३८	३	९	४६	४३	५७	४
३३	८	१०	मं.	२	१३	रो.	६०	०	वृ.	२४	५६	वि.	२	१३	बव	३१	५८	मातंग	२८	२३	१२				५	२२	६	३८	३	१०	४३	३९	५७	५
३३	५	११	बु.	१	४३	रो.	०	३७	ध्रु.	२२	२५	बा.	१	४३	कौ.	३२	६	शुभ	२९	२४	१३	मि.	३१	५२	५	२३	६	३७	३	११	४०	५६	५७	६
३३	३	१२	बृ.	२	२९	मृ.	३	८	व्या	२०	५४	तै.	२	२९	ग.	३३	३१	मृत्यु	३०	२५	१४				५	२३	६	३७	३	१२	३८	४	५७	७
३३	०	१३	शु.	४	३४	आ.	६	५५	ह.	२०	२२	व.	४	३४	वि.	३६	१०	पद्म	३१	२६	१५	क.	५५	३४	५	२४	६	३६	३	१३	३५	१४	५७	८
३२	५८	१४	श.	७	४७	पुन	११	४७	व.	२०	४३	श.	७	४७	च.	३९	५१	छत्र	१	२७	१६				५	२४	६	३६	३	१४	३२	२४	५७	१०
३२	५५	३०	र.	११	५६	पु.	१७	२८	सि.	२१	४२	ना.	११	५६	कि.	४४	१९	श्रीवत्स	२	२८	१७				५	२५	६	३५	३	१५	२९	३५	५७	१२

श्री शुभ संवत् २०२७ शके १८९२ श्रावण कृष्णपक्षः ।
याम्यायनम् सौम्यगोलः । जुलाई १९ से अगस्त २ तक । वर्षाऋतुः
या. ज. मु. स. सि. योगः २५।३ या. । बुधोदयः पश्चिमायाम् २।२७
पुष्यभेऽर्कः १७।२५ पुं. स्त्री. योगः । पञ्चक प्र० ४८।५७ b
म. ५।५४ उ. ३२।४६ या. ।
b स. सि. योगः २१।२ या. । दक्षिणस्यां यात्रा मु. ।
या. ज. मु. ८।४८ उ. २०।४८ । रा. श्रावण ।
म. १५।२७ उ. ४३।५ या. ।
पञ्चक नि. २।२९ ।
या. ज. मु. ६।५० उ. ।
म. ३३।५ उ. ।
म. २।१३ या.
कामदा ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
प्रदोषः ।
म. ४।३४ उ. ३६।१० या. । मास शिवरात्रि व्रतम् ।
श्राद्धादौ ३० । या. ज. मु. ७।४७ उ. ११।४७ या. । अगस्त ।
स्नानादौ ।

श्रावण कृ. ४ बुधे इ. ४६।४१

सू.	म.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	३	३	६	४	०	१०	४
५	९	१९	२	१८	२७	११	११
१	२४	४२	४८	१२	१८	२३	२३
३२	२४	११	४४	१४	१	०	०
५६	३६	१०८	४	७१	४	३	३
२९	७	२५	१	३९	३	११	११

के.५शु. ३
६ बु.सू.४मं. २
बृ. ७ श. १
८ १० १२
९ रा.चं.११

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.	२ चं.	३ मं.	४ बु.	५ बृ.	६ शु.	७ श.	८ र.	९ चं.	१० मं.	११ बु.	१२ बृ.	१३ शु.	१४ श.	३० र.
क. अं.	७ २२	७ १८	७ १४	७ १०	७ ७	७ ४	७ ०	६ ५६	६ ५३	६ ४९	६ ४५	६ ४१	६ ३७	६ ३३	६ २९
सि. अं.	९ ३६	९ ३२	९ २८	९ २४	९ २०	९ १७	९ १३	९ ९	९ ६	९ २	८ ५८	८ ५४	८ ५०	८ ४६	८ ४२
कं. अं.	११ ४९	११ ४५	११ ४२	११ ३८	११ ३४	११ ३०	११ २६	११ २२	११ १८	११ १५	११ ११	११ ७	११ ३	१० ५९	१० ५४
तु. अं.	२ ५	२ १	१ ५८	१ ५४	१ ५०	१ ४६	१ ४२	१ ३८	१ ३४	१ ३०	१ २६	१ २२	१ १८	१ १४	१ १०
वृ. अं.	४ २२	४ १८	४ १५	४ ११	४ ७	४ ३	४ ०	३ ५६	३ ५२	३ ४८	३ ४४	३ ४०	३ ३६	३ ३२	३ २९
ध. अं.	६ २८	६ २४	६ २०	६ १७	६ १३	६ १०	६ ६	६ २	५ ५८	५ ५४	५ ५०	५ ४६	५ ४२	५ ३८	५ ३४
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
म. अं.	८ १४	८ १०	८ ६	८ २	७ ५९	७ ५६	७ ५२	७ ४९	७ ४४	७ ४०	७ ३६	७ ३२	७ २८	७ २४	७ २०
कुं. अं.	९ ४६	९ ४२	९ ३८	९ ३४	९ ३०	९ २७	९ २३	९ २०	९ १६	९ १२	९ ८	९ ४	९ ०	८ ५६	८ ५२
मी. अं.	११ १३	११ १०	११ ६	११ २	१० ५८	१० ५४	१० ५०	१० ४६	१० ४२	१० ३८	१० ३४	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १८
मे. अं.	१२ ५१	१२ ४७	१२ ४४	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३२	१२ २८	१२ २४	१२ २०	१२ १६	१२ १२	१२ ८	१२ ४	१२ १	११ ५७
वृ. अं.	२ ४७	२ ४३	२ ४०	२ ३६	२ ३३	२ २८	२ २४	२ २०	२ १६	२ १२	२ ८	२ ४	२ ०	१ ५६	१ ५३
मि. अं.	५ ४	५ ०	४ ५७	४ ५३	४ ४९	४ ४६	४ ४२	४ ३८	४ ३४	४ ३०	४ २७	४ २३	४ २०	४ १६	४ १२

श्रावण कृ. १४ शनौ इ. ४६।२९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	३	४	६	४	०	१०	४
१४	१५	७	३	२९	२८	१०	१०
३२	५४	०	४२	१२	६	५२	५२
२४	७	२	३	९	७	३३	३३
५७	३७	१०८	५	९७	४	३	३
१०	१५	५	४८	२५	३५	११	११

बु५शुके ३
६ सू.४मं.चं. २
बृ.७ श. १
८ १० १२
९ रा.११

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३२	५२	१	चं.	१६	४२	श्ले.	२३	४८	व्य.	२३	९	बव	१६	४२	बा.	४९	१४	सौम्य	३	२९	१८	सिं.	२३	४८	५	२६	६	३४	३	१६	२६	४७	५७	१३
३२	५०	२	मं.	२१	४६	म.	३०	१८	व.	२४	४९	कौ.	२१	४६	तै.	५४	१५	कालदं	४	१	१९				५	२६	६	३४	३	१७	२४	०	५७	१४
३२	४७	३	बु.	२६	४४	पूफा	३६	४१	प.	२६	१६	ग.	२६	४४	व.	५८	५३	स्थिर	५	२	२०	कं.	५३	७	५	२७	६	३३	३	१८	२१	१५	५७	१४
३२	४४	४	बृ.	३१	२	उफा	४२	२४	शि.	२७	२०	वि.	३१	२	बव	६०	०	मातंग	६	३	२१				५	२७	६	३३	३	१९	१८	३१	५७	१५
३२	४१	५	शु.	३४	२८	ह.	४७	११	सि.	२७	४१	बव	२	४५	बा.	३४	२८	अमृत	७	४	२२				५	२८	६	३२	३	२०	१५	४८	५७	१६
३२	३८	६	श.	३६	४५	चि.	५०	५७	सा.	२७	१२	कौ.	५	३६	तै.	३६	४५	काण	८	५	२३	तु.	१९	४	५	२८	६	३२	३	२१	१२	६	५७	१७
३२	३५	७	र.	३७	५४	स्वा	५३	२५	शु.	२५	५०	ग.	७	१९	व.	३७	५४	लुम्ब	९	६	२४				५	२९	६	३१	३	२२	१०	२७	५७	१९
३२	३२	८	चं.	३७	४३	वि.	५४	३४	शु.	२३	२५	वि.	७	४८	बव	३७	४३	मित्र	१०	७	२५	वृ.	३९	१७	५	३०	६	३०	३	२३	७	४९	५७	२१
३२	२९	९	मं.	३६	१८	अनु.	५४	३६	ब्र.	१९	५९	वा.	७	०	कौ.	३६	१८	वज्र	११	८	२६				५	३०	६	३०	३	२४	५	१२	५७	२३
३२	२६	१०	बु.	३३	४०	ज्ये.	५३	१५	ऐं.	१५	३४	तै.	४	५९	ग.	३३	४०	ध्वांक्ष	१२	९	२७	ध.	५३	१५	५	३१	६	२९	३	२५	२	३६	५७	२५
३२	२३	११	बृ.	३०	१	मू.	५१	२५	वै.	१०	१९	व.	१	५०	वि.	३०/५७	४६	धूम्र	१३	१०	२८				५	३१	६	२९	३	२६	०	३	५७	२६
३२	२०	१२	शु.	२५	३१	पूषा	४८	३३	वि.	४/५७	२/२६	वा.	२५	३१	कौ.	५२	५५	प्रवर्ध.	१४	११	२९				५	३२	६	२८	३	२६	५७	३१	५७	२८
३२	१७	१३	श.	२०	१९	उषा	४५	२	आ.	५०	३४	तै.	२०	१९	ग.	४७	२६	रक्ष	१५	१२	३०	म.	२	४०	५	३३	६	२७	३	२७	५५	०	५७	३०
३२	१४	१४	र.	१४	३४	श्र.	४१	७	सौ.	४३	७	व.	१४	३४	वि.	४१	३२	गद	१६	१३	३१				५	३३	६	२७	३	२८	५२	३०	५७	३२
३२	१५	१५	चं.	८	३१	ध.	३६	५८	शो.	३५	३०	बव	८	३१	बा.	३५	२४	शुभ	१७	१४	१	कुं.	९	२	५	३४	६	२६	३	२९	५०	३	५७	३४

श्री शुभ संवत् २०२७ शके १८९२ श्रावण शुक्लपक्षः । याम्यायनम् । सौम्यगोलः । अगस्त ३ से १७ तक । वर्षाऋतुः ।

सार्पेऽर्कः १७।२६ स्त्री. स्त्री. योगः । चन्द्रदर्शनम् मु. ३० C उग्र कर्म मु. । रवि उस्सानी । १७

म. ५८।५३ उ. ।

भ. ३१।२ या. । या. ज. मु. ३१ उ. ४२।२४ या. ।

नाग ५ । प्राच्यां यात्रा मु. ।

C सौम्योन्नतंशृंगं । या. ज. योगः २३।४८ या. ।

भ. ३७।५४ उ. । या. ज. मु. ।

भ. ७।४८ या. ।

भ. १।५० उ. ३०।१ या. । पुत्रदा ११ व्रतं सर्वेषाम् ।

प्रदोषः ।

या. ज. मु. २०।१९ उ. ४५।२ या. । d पञ्चक प्र. ९।२

भ. १४।३४ उ. ४१।३२ या. । प्राच्यां यात्रा मु. ।

मघायां सिंहेचार्कः १४।५० मु. ३० पुं. स्त्री. योगः । रक्षाबन्धनम् d

श्रा. शु. २ भौमे इ. ४६।१५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	३	४	६	५	०	१०	४
१७	१७	१२	३	४	२८	१०	१०
२४	४१	९	५७	३	१८	४३	४३
०	२५	४५	४६	११	२३	१४	१४
५७	३६	१०२	४	६७	४	३	३
१४	४५	३	५९	२५	९	११	११

केचं५बु. ३
शु. ६ मं४सू २
७बृ. १ श.
८ १० १२
९ ११रा.

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१चं.		२ मं.		३ बु.		४बृ.		५ शु.		६ श.		७ र.		८चं.		९मं.		१० बु.		११ बृ.		१२शु.		१३ श.		१४ र.		१५ चं.	
क. अं.	६	२४	६	२०	६	१७	६	१३	६	९	६	५	६	१	५	५७	५	५४	५	५०	५	४६	५	४२	५	३८	५	३५	५	३१
सिं. अं.	८	३८	८	३५	८	३१	८	२७	८	२३	८	१९	८	१५	८	११	८	७	८	३	८	०	७	५६	७	५३	७	४९	७	४५
कं. अं.	१०	५१	१०	४७	१०	४३	१०	४०	१०	३६	१०	३२	१०	२८	१०	२४	१०	२०	१०	१६	१०	१३	१०	१०	१०	७	१०	३	९	५९
तु. अं.	१	७	१	४	१	०	१२	५६	१२	५२	१२	४८	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३३	१२	३०	१२	२६	१२	२२	१२	१८	१२	१४
वृ. अं.	३	२४	३	२०	३	१६	३	१२	३	८	३	४	३	०	२	५७	२	५३	२	५०	२	४६	२	४२	२	३८	२	३४	२	३०
ध. अं.	५	३०	५	२६	५	२२	५	१८	५	१५	५	११	५	७	५	३	५	०	४	५६	४	५२	४	४८	४	४५	४	४१	४	३८
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
म. अं.	७	१६	७	१२	७	८	७	४	७	०	६	५७	६	५३	६	४९	६	४५	६	४२	६	३८	६	३४	६	३०	६	२७	६	२३
कुं. अं.	८	४८	८	४४	८	४०	८	३६	८	३३	८	२९	८	२५	८	२२	८	१८	८	१४	८	१०	८	६	८	२	७	५९	७	५४
मी. अं.	१०	१५	१०	१२	१०	८	१०	४	१०	०	९	५६	९	५२	९	४९	९	४६	९	४२	९	३८	९	३५	९	३१	९	२७	९	२३
मे. अं.	११	५३	११	५०	११	४६	११	४२	११	३८	११	३४	११	३०	११	२७	११	२३	११	१९	११	१५	११	११	११	७	११	४	११	०
वृ. अं.	१	४९	१	४५	१	४१	१	३७	१	३४	१	३१	१	२७	१	२३	१	२०	१	१६	१	१२	१	८	१	४	१	०	१२	५६
मि. अं.	४	७	४	२	३	५८	३	५४	३	५१	३	४७	३	४४	३	४०	३	३६	३	३२	३	२९	३	२५	३	२१	३	१७	३	१३

श्रा. शु. ९ भौमे इ. ४६।१४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	३	४	६	५	०	१०	४
२४	२२	२१	४	१०	२८	१०	१०
५	१६	४२	५४	६	४२	२१	२१
१२	९	१३	३	७	९	५	५
५७	४१	८४	६	६६	३	३	३
२३	३९	२८	५	२५	३६	११	११

बु.५के. ३
शु.६ सू.४मं. २
बृ७ श. १
चं ८ १० १२
९ रा.११

१८

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	ओ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३२	७	१	मं.	३/५६	८/५६	श.	३२	४४	अति	२७	५०	कौ.	२	१८	तै.	२/५६	१४/११	मृत्यु	१८	१५	२				५	३५	६	२५	४	०	४७	३८	५७	३६
३२	५	३	बु.	५०	२०	पू.	२८	४३	सु.	२०	१७	व.	२३	१५	वि.	५०	२०	पद्म	१९	१६	३	मी.	१४	४४	५	३६	६	२४	४	१	४५	१५	५७	३८
३२	१	४	बृ.	४४	५८	उ.	२५	६	धृ.	१२	५८	बव	१७	३९	बा.	४४	५८	छत्र	२०	१७	४				५	३७	६	२३	४	२	४२	५४	५७	४०
३१	५७	५	शु.	४०	१३	रे.	२२	५	शू.	६/५६	७/४८	कौ.	१२	३५	तै.	४०	१३	श्रीवत्स	२१	१८	५	मे.	२२	५	५	३७	६	२३	४	३	४०	३४	५७	४२
३१	५४	६	श.	३६	१८	अ.	१९	५४	वृ.	५४	२१	ग.	८	१५	व.	३६	१८	सौम्य	२२	१९	६				५	३८	६	२२	४	४	३८	१५	५७	४४
३१	५१	७	र.	३३	२२	भ.	१८	३२	ध्रु.	४९	३९	वि.	४	५०	बव	३३	२२	कालद.	२३	२०	७	वृ.	३३	२८	५	३९	६	२१	४	५	३५	७७	५७	४६
३१	४७	८	चं.	३१	२६	कृ.	१८	१५	व्या	४५	५०	बा.	२	२४	कौ.	३१	२६	सुस्थिर	२४	२१	८				५	३९	६	२१	४	६	३३	४०	५७	४८
३१	४४	९	मं.	३१	३	रो.	१९	११	ह.	४३	४	तै.	१	१४	ग.	३१	३	मातंग	२५	२२	९	मि.	५०	१६	५	४०	६	२०	४	७	३१	२६	५७	५०
३१	४१	१०	बु.	३१	४९	मृ.	२१	२१	व.	४१	१७	व.	१	२६	वि.	३१	४९	अमृत	२६	२३	१०				५	४१	६	१९	४	८	२९	१५	५७	५८
३१	३७	११	बृ.	३३	५३	आ	२४	५०	सि.	४०	३०	बव	२	५१	बा.	३३	५३	काण	२७	२४	११				५	४१	६	१९	४	९	२७	८	५७	५४
३१	३४	१२	शु.	३६	५४	पुन	२९	२५	व्य.	४०	३५	कौ.	५	२३	तै.	३६	५४	लुम्ब	२८	२५	१२	क.	१३	२४	५	४२	६	१८	४	१०	२५	१	५७	५६
३१	३०	१३	श.	४१	१३	पु.	३५	३५	व.	४१	२४	ग.	९	३	व.	४१	१३	मित्र	२९	२६	१३				५	४३	६	१७	४	११	२२	५७	५७	५८
३१	२७	१४	र.	४६	२	श्ले.	४१	९	प.	४२	११	वि.	१३	३७	श.	४६	२	वज्र	३०	२७	१४	सि.	४१	९	५	४३	६	१७	४	१२	२०	१७	५८	१०
३१	२३	३०	चं.	५१	१२	म.	४७	४०	शि.	४४	१६	च.	१८	३७	ना.	५१	१२	ध्वांक्ष	३१	२८	१५				५	४४	६	१६	४	१३	१८	५०	५८	२

श्री शुभ संवत् २०२७ शके १८९२ भाद्रपद कृष्णपक्षः। याम्यायनम्। सौम्य गोलः। अगस्त १८ से ३१ तक। वर्षाऋतुः

भ. २३।१५ उ. ५०।२० या.। कज्जली ३ व्रतम्।
पञ्चमी योगे या. ज. मु.। गणेश ४ व्रतम्।
स. सि. अ. सि. योगः। पञ्चक नि. २२।५।
भ. ३६।१८ उ.। हलषष्टी व्रतम्। या. ज. मु. ३६।१८ उ.।
भ. ४।५० या.। जन्माष्टमी व्रतम् स्मार्तानाम्। या.ज. योगःa
जन्माष्टमी व्रतम् वैष्णवानाम्। या.ज. मु. ३१।२६ उ.।b
मृग भे प्राच्यां यात्रा मु. ति. दा.।bस.सि. योगः १८।१५उ.।
भ. १।२६ उ. ३१।४९ या.। स. सि. योगः २१।२१ या.।
जया ११ व्रतं सर्वेषाम्। या.ज. मु. २४।५० उ. ३३।५३ या.।
पुष्ये उदीच्यां यात्रा मु.। a१८।३२ या.। रा. भाद्रपद।
भ. ४१।१३ उ.। प्रदोषः। मास शिवरात्रि व्रतम्। पश्चि- c
भ. १३।३७ या.।
cमोत्तरयोः यात्रा मु.।
पूर्वा फाल्गुन्यामर्कः ४।२७ स्त्री स्त्री योगः। स्नान श्राद्धादौ ३०

भा. कृ. ५ शुक्रे इ. ४५।५९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	३०	५	६	५	०	१०	४
३	२९	०	८	६	१९	९	९
४०		३६	१४	३६	५४	४९	४९
३४	२	६	१९	११	५	३८	३८
५७	३६	५४	६	८६	०	३	३
४२	१३	३०	५	२३	४८	११	११



दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ म.	३ बु.	४ बृ.	५ शु.	६ श.	७ र.	८ चं.	९ मं.	१० बु.	११ बृ.	१२ शु.	१३ श.	१४ र.	३० चं.
सि. अं.	७ ४७	७ ४४	७ ४०	७ ३६	७ ३२	७ २८	७ २५	७ २१	७ १७	७ १३	७ ९	७ ५	७ १	६ ५७
कं. अं.	९ ५४	९ ५१	९ ४७	९ ४४	९ ४०	९ ३६	९ ३२	९ २८	९ २५	९ २३	९ १८	९ १४	९ १०	९ ७
तु. अं.	१२ १०	१२ ७	१२ ४	१२ ०	११ ५७	११ ५४	११ ५०	११ ४७	११ ४४	११ ४०	११ ३६	११ ३२	११ २८	११ २५
वृ. अं.	२ २६	२ २२	२ १९	२ १५	२ ११	२ ७	२ ४	२ ०	१ ५६	१ ५२	१ ४८	१ ४४	१ ४०	१ ३७
ध. अं.	४ ३४	४ ३०	४ २६	४ २३	४ १९	४ १५	४ ११	४ ७	४ ४	४ ०	३ ५७	३ ५३	३ ४९	३ ४५
म. अं.	६ १९	६ १६	६ १२	६ ८	६ ५	६ १	५ ५७	५ ५४	५ ५०	५ ४६	५ ४२	५ ३८	५ ३५	५ ३१
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
कुं. अं.	७ ५९	७ ५६	७ ५२	७ ४८	७ ४५	७ ४१	७ ३७	७ ३३	७ २९	७ २५	७ २१	७ १६	७ १३	७ ८
मी. अं.	९ १९	९ १५	९ १२	९ ८	९ ४	९ ०	८ ५७	८ ५३	८ ५०	८ ४६	८ ४२	८ ३८	८ ३४	८ ३०
मे. अं.	१० ५६	१० ५२	१० ४८	१० ४४	१० ४०	१० ३६	१० ३२	१० २९	१० २६	१० २३	१० १९	१० १५	१० ११	१० ६
वृ. अं.	१२ ५२	१२ ४८	१२ ४४	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३३	१२ ३०	१२ २६	१२ २२	१२ १८	१२ १४	१२ १०	१२ ६	१२ ३
मि. अं	३ ९	३ ६	३ २	२ ५८	२ ५४	२ ५०	२ ४६	२ ४२	२ ३९	२ ३६	२ ३२	२ २८	२ २४	२ २०
क. अं.	५ २७	५ २४	५ २०	५ १६	५ १२	५ ८	५ ४	५ ०	४ ५७	४ ५४	४ ५०	४ ४६	४ ४२	४ ३८

भा. कृ. ३० चन्द्रे इ. ४५।४१

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	४	५	६	६	०	१०	४
१३	५	१	८	०	२९	९	९
१८	१२	३०	६	३०	६	१९	१९
५०	१	७	२	९	५	१०	१०
५८	३५	६/५	९	९५	१	३	३
८	२३	व	३८	२३	२१	११	१



दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं	चं. रा. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घ.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३१	२०	१	मं.	५६	८	पूफा	५४	२	सि.	४५	४५	कि.	२३	४४	बव	५६	८	धूम्र	१	२९	१६				५	४४	६	१६	४	१४	१६	४९	५८	४
३१	१६	२	बु.	६०	०	उफा	५९	५४	सा.	४६	४९	वा.	२८	२०	कौ.	६०	०	वर्ध.	२	३०	१७	क.	१०	३०	५	४५	६	१५	४	१५	१४	५०	५८	५
३१	१३	२	बृ.	०	३३	ह.	६०	०	शु.	४७	२२	कौ.	०	३३	तै.	३२	२०	रक्ष	३	१	१८				५	४५	६	१५	४	१६	१२	५३	५८	६
३१	९	३	शु.	४	८	ह.	४	५७	शु.	४६	५९	ग.	४	८	व.	३५	२०	अमृत	४	२	१९	तु.	३६	५५	५	४६	६	१४	४	१७	१०	५८	५८	७
३१	६	४	श.	६	३२	चि.	८	५३	ब्र.	४५	४७	वि.	६	३२	बव	३७	९	काण	५	३	२०				५	४७	६	१३	४	१८	९	५	५८	८
३१	२	५	र.	७	४६	स्वा	११	४०	ऐं.	४३	३१	वा.	७	४६	कौ.	३७	४४	लुम्ब	६	४	२१	वृ.	५७	४८	५	४८	६	१३	४	१९	७	१४	५८	९
३०	५८	६	चं.	७	४२	वि.	१३	११	वै.	४०	१५	तै.	७	४२	ग.	३७	३	मित्र	७	५	२२				५	४८	६	१२	४	२०	५	२४	५८	११
३०	५५	७	मं.	६	२४	ऽनु	१३	२८	वि	३६	०	व.	६	२४	वि.	३५	३८	वज्र	८	६	२३				५	४९	६	११	४	२१	३	३७	५८	१३
३०	५१	८	बु.	४	५३	ज्ये.	१२	३४	प्री.	३०	५४	बव	४	५३	वा.	३२	३६	ध्वांक्ष	९	७	२४	ध.	१२	३४	५	५०	६	१०	४	२२	१	५३	५८	१५
३०	४८	९	बृ.	०/५५	२९/३८	मू.	१०	४३	आ.	२५	३	कौ.	०	२०	तै.	२८/५५	९/५८	धूम्र	१०	८	२५				५	५०	६	१०	४	२३	०	११	५८	१७
३०	४४	११	शु.	५०	५१	पूषा	८	०	सौ.	१८	३०	व.	२३	२४	वि.	५०	५१	वर्द्धमा	११	९	२६	म.	२२	९	५	५१	६	९	४	२३	५८	३१	५८	१९
३०	४०	१२	श.	४५	१३	उषा	०	३५	शो.	११	२३	बव	१८	२	वा.	४५	१३	रक्ष	१२	१०	२७				५	५२	६	८	४	२४	५६	५३	५८	२१
३०	३७	१३	र.	३९	१२	श्र	०/५५	४४/५३	ऽति	३/५३	५६/३३	कौ.	१२	१२	तै.	३९	१२	गद	१३	११	२८	कुं.	२८	४०	५	५३	६	७	४	२५	५५	१७	५८	२४
३०	३३	१४	चं.	३३	४	श.	५२	२१	वृ.	४८	२८	ग.	६	८	व.	३३	४	अमृत	१४	१२	२९				५	५३	६	७	४	२६	५३	४४	५८	२६
३०	३०	१५	मं.	३६	५९	पू.	४८	१७	शू.	४०	४८	वि	०	१	बव	२६/५४	५९/६	काण	१५	१३	३०	मी.	३४	१८	५	५४	६	६	४	२७	५२	१३	५८	२८

श्री शुभ संवत् २०२७ शके १८९२ भाद्रपद शुक्लपक्षः । याम्यायनम् । सौम्यगोलः । सितम्बर १ से १५ तक । वर्षा ऋतुः

उग्र कर्म मु. । सितम्बर । बुधास्तः पश्चिमायाम् ३३।४१ ।
चन्द्रदर्शनम् मु. ४५ सौम्योन्नतंश्रृंगं ।
तृतीया योगे या. ज. मु. । हरतालिका ३ व्रतम् । जमादिउल अ. ।
भ. ३५।२० उ. ।
भ. ६।३२ या. । या. ज. मु. ८।५३ उ. । स. सि. योगः ८।५३ उ.
या. ज. मु. ७।४६ या. ।
अनु.भे प्रतीच्यां यात्रा मु. ४०।१५ उ. । अर्कषष्ठी ।
भ. ६।२४ उ. ३५।३८ या. ।

तीक्ष्ण कर्म मु. ।
भ. २३।२४ उ. ५०।५१ या. । पद्मा ११ व्रतं प्रायः सर्वेषाम् ।
वामन द्वादशी । श्रवणे स. सि. योगः याम्ये यात्रा मु. ।
उत्तरा फाल्गुन्यामर्कः ५०।२८ पुं. स्त्री योगः । प्रदोषः । *
भ. ३३।४ उ. । अनन्त १४ व्रतम् ।
भ. ०।१ या. । व्रत स्नान दानादौ १५ ।

* पञ्चक प्र. २८।४०

भा. शु. १ गुरौ इ. ४५।३६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	४	५	६	६	०	१०	४
१६	६	१	८	५	२९	९	९
१२	५७	१२	३३	३७	१०	९	९
५३	५१	३७	४४	१४	६	२८	२८
५८	३६	४ ५/३	९	८५	१	३	३
६	९	व.	२५	१३	२१	११	११

६ बु. ४
७ शु. ७ बृ.
सू.चं.५ मं.के. ३
८ २
९ ११ रा. १ श.
१० १२

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ मं.	२ बु.	२ बृ.	३ शु.	४ श.	५ र.	६ चं.	७ मं.	८ बु.	९ बृ.	११ शु.	१२ श	१३ र.	१४ चं.	१५ मं.
सिं. अं.	६ ५२	६ ४९	६ ४५	६ ४१	६ ३७	६ ३४	६ ३०	६ २६	६ २३	६ २०	६ १६	६ १३	६ ९	६ ६	६ २
कं. अं.	९ ४	९ ०	८ ५७	८ ५३	८ ४९	८ ४५	८ ४१	८ ३७	८ ३४	८ ३०	८ २७	८ २४	८ २०	८ १६	८ १२
तु. अं.	११ २०	११ १६	११ १२	११ ९	११ ५	११ २	१० ५९	१० ५४	१० ५०	१० ४७	१० ४४	१० ४१	१० ३७	१० ३३	१० २९
वृ. अं.	१ ३३	१ ३०	१ २६	१ २२	१ १९	१ १५	१ ११	१ ७	१ ३	१ ०	१२ ५६	१२ ५२	१२ ४९	१२ ४५	१२ ४१
ध. अं.	३ ४१	३ ३७	३ ३४	३ ३०	३ २७	३ २४	३ २०	३ १६	३ १३	३ ९	३ ५	३ १	२ ५७	२ ५४	२ ५०
म. अं.	५ २७	५ २४	५ २०	५ १६	५ १२	५ ८	५ ५	५ १	४ ५७	४ ५४	४ ५०	४ ४६	४ ४२	४ ३९	४ ३५
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
कुं. अं.	७ ४	७ ०	६ ५७	६ ५३	६ ४९	६ ४५	६ ४१	६ ३७	६ ३३	६ २९	६ २६	६ २३	६ १९	६ १५	६ १२
मी. अं.	८ २६	८ २३	८ २०	८ १६	८ १२	८ ८	८ ४	८ ०	७ ५७	७ ५४	७ ५०	७ ४६	७ ४३	७ ३९	७ ३५
मे. अं.	१० २	९ ५८	९ ५५	९ ५१	९ ४८	९ ४४	९ ४०	९ ३६	९ ३३	९ ३०	९ २७	९ २३	९ १९	९ १५	९ ११
वृ. अं.	१२ ०	११ ५६	११ ५३	११ ५०	११ ४६	११ ४२	११ ३९	११ ३६	११ ३२	११ २८	११ २४	११ २१	११ १७	११ १३	११ ९
मि. अं.	२ १६	२ १२	२ ८	२ ४	२ ०	१ ५६	१ ५२	१ ४८	१ ४५	१ ४२	१ ३८	१ ३४	१ ३१	१ २७	१ २४
क. अं.	४ ३४	४ ३०	४ २७	४ २४	४ २०	४ १६	४ १२	४ ९	४ ५	४ १	३ ५७	३ ५४	३ ५१	३ ४७	३ ४४

भा. शु. ९ गुरौ इ. ४५।२४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	४	४	६	६	०	१०	४
२३	११	२३	९	१०	२९	८	८
०	३०	२४	५४	०	१२	४७	४७
११	६	१२	२१	१	५	४३	४३
५८	३७	४८	७	२५	०	३	३
१७	१३	व२३	५	२३	४८	११	११

६ ४
शु.बृ. ७ के.सू.बु.मं. ५ ३
८ २
चं. ९ ११ रा. १ श.
१० १२

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३०	२६	१	बु.	२१	१३	उभा	४४	३३	गं.	३३	२५	कौ.	२१	१३	तै.	४८	३२	लुम्ब	१६	१४	३१				५	५५	६	५	४	२८	५०	४४	५८	३०
३०	१९	२	बृ.	१५	५१	रे.	४१	१९	वृ.	२६	२०	ग.	१५	५१	व.	४३	३०	मित्र	१७	१५	१	मे.	४१	१९	५	५६	६	४	४	२९	५९	१७	५८	३८
३०	१५	३	शु.	११	९	अ.	३८	५५	ध्रु.	१९	५२	वि.	११	९	बव	३९	१२	वज्र	१८	१६	२				५	५६	६	४	५	०	४७	५७	५८	३४
३०	११	४	श.	७	१६	भ.	३७	१८	व्या	१४	४	बा.	७	१६	कौ.	३५	४८	ध्वांक्ष	१९	१७	३	वृ.	५२	९	५	५७	६	३	५	१	४६	२९	५८	३७
३०	८	५	र.	४	२१	कृ.	३६	४४	ह.	९	६	तै.	४	२१	ग.	३३	२८	धूम्र	२०	१८	४				५	५८	६	२	५	२	४५	९	५८	३९
३०	४	६	चं.	२	३५	रो.	३७	२२	व.	५	१	व.	२	३५	वि.	३२	१८	प्रवर्ध	२१	१९	५				५	५८	६	२	५	३	४३	५८	५८	४२
३०	०	७	मं.	२	२	मृ.	३९	१५	सि.	५६	५३	बव	२	२	बा.	३२	२५	रक्ष	२२	२०	६	मि.	८	१८	५	५९	६	१	५	४	४२	३७	५८	४४
२९	५७	८	बु.	२	४८	आ.	४२	२७	व.	५८	४४	कौ.	२	४८	तै.	३३	५२	मुसल	२३	२१	७				६	०	६	०	५	५	४१	२३	५८	४६
२९	५३	९	बृ.	४	५७	पुन	४६	४३	प.	५८	३१	ग.	४	५७	व.	३६	३३	सिद्धि	२४	२२	८	क.	३०	३९	६	१	५	५९	५	६	४०	११	५८	४८
२९	४९	१०	शु.	८	९	पु.	५२	४	शि.	५९	७	वि.	८	९	बव	४०	१६	उत्पा.	२५	२३	९				६	१	५	५९	५	७	३९	२	५८	५०
२९	४५	११	श.	१२	२३	श्ले.	५८	५	सि.	६०	०	बा.	१२	२३	कौ.	४४	४९	मानस	२६	२४	१०	सिं.	५८	५	६	२	५	५८	५	८	३७	५५	५८	५३
२९	४२	१२	र.	१७	१६	म.	६०	०	सि.	०	११	तै.	१७	१६	ग.	४९	५२	मद्गर	२७	२५	११				६	३	५	५७	५	९	३६	५०	५८	५६
२९	३८	१३	चं.	२२	२९	म.	४	३४	सा.	१	३८	व.	२२	२९	वि.	५५	१	ध्वांक्ष	२८	२६	१२				६	४	५	५६	५	१०	३५	४७	५८	५८
२९	३४	१४	मं.	२७	३३	पूफा	११	२	शु.	३	७	श.	२७	३३	च.	५९	४८	धूम्र	२९	२७	१३	कं.	२७	३२	६	४	५	५६	५	११	३४	४९	५९	०
२९	३१	३०	बु.	३२	४	उफा	१७	३	शु.	४	१५	ना.	३२	४	किं.	६०	०	वर्द्धमा.	३०	२८	१४				६	५	५	५५	५	१२	३३	५०	५९	२

श्री शुभ संवत् २०२७ शके १८९२ आश्विन कृष्णपक्षः। याम्यायनम्। सौम्य गोलः। सितम्बर १६ से ३० तक। शरद ऋ.

रेवत्यां प्रतीच्यां यात्रा मु.।
म. ४३।३० उ। कन्यायामर्कः १५।१५ मु.३०। पश्चिमोत्तरयो.a
भ. ११।९ या.। स. सि. योगः। प्राच्यां यात्रा मु.।
पञ्चम्यां योगे या. ज. मु.। a यात्रा मु.। स. सि. योगः।
स. सि योगः ३६।४४ उ.
म. २।३५ उ. ३२।१८ या.। स.सि.योगः। मृग भे दक्षिणस्यांb
लक्ष्मी व्रतम्। बुधोदयः पूर्वस्याम्। b यात्रा मु.।
पु. भे प्रतीच्यां यात्रा मु.। श्राद्धादौ मातृनवमी। जीवित् पुत्रिकाc
म. ३६।३३ उ.। पुष्ये स. सि. योगः अमृत सिद्धि योगः।
म. ८।९ या.। मार्गी बु. ३।१ c व्रतम्। रा. आश्विन।
या. ज. मु. १२।२३ या.। इन्दिरा ११ व्रतं सर्वेषाम्।
हस्तमेऽर्कः २८।२९ स्त्री. स्त्री योगः। प्रदोषः।
म्. २२।२९ उ. ५५।१ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्।

स्नानदान श्राद्धादौ ३०। पितृ विसर्जनम्।

आ. कृ. ५ रवौ इ. ४५।४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	४	४	६	६	०	१०	४
२	१७	२१	११	१८	२८	८	८
४५	४८	६	४८	१८	४८	१५	१५
९	२९	३	३५	२९	५	१५	१५
५८	३७	५२/६९	११	४७	४/३९	३	३
३७	५८	व.	९	४६	व.	११	११

वृ.७शु. | मंबुके५
८ | सू.६ | ४
९ | ३
१० | १२ | २चं.
११रा. | १श.

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१ बु.	२ बृ.	ति.	३ शु.	४ श.	५ र.	६ चं.	७ मं.	८ बु.	९ बृ.	१० शु.	११ श.	१२ र.	१३ चं.	१४ मं.	३० बु.
सिं.	५|५७	५|५४	कं.	८|३	८|०	७|५७	७|५३	७|५०	७|४७	६|४३	७|४०	७|३६	७|३२	७|२९	७|२६	७|२२
कं.	८|९	८|६	तु.	१०|२०	१०|१७	१०|१४	१०|१०	१०|७	१०|४	१०|१	९|५८	९|५४	९|५०	९|४५	९|४२	९|३८
तु.	१०|२६	१०|२३	वृ.	१२|३१	१२|२८	१२|२५	१२|१२	१२|१९	१२|१६	१२|१३	१२|१०	१२|७	१२|४	१२|१	११|५८	११|५५
वृ.	१२|३८	१२|३५	ध.	२|४१	२|३८	२|३५	२|३२	२|२९	२|२६	२|२२	२|१९	२|१६	२|१२	२|९	२|५	२|१
ध.	२|४७	२|४४	म.	४|२६	४|२३	४|२०	४|१७	४|१४	४|११	४|८	४|५	४|१	३|५७	३|५४	३|५१	३|४७
म.	४|३२	४|२९	कुं.	६|२	५|५९	५|५६	५|५२	५|४८	५|४४	५|४१	५|३८	५|३४	५|३०	५|२६	५|२३	५|१९
रा.	रा०	रा०	रा.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
कुं.	६|९	६|६	मी.	७|२६	७|२३	७|२०	७|१६	७|१३	७|१०	१०|७	७|४	७|०	६|५७	६|५३	६|५०	६|४६
मी.	७|३	७|२९	मे.	९|२	८|५८	८|५३	८|५०	८|४७	८|४४	८|४१	८|३८	८|३५	८|३२	८|२९	८|२६	८|२३
मे.	९|८	९|५	वृ.	११|०	१०|५७	१०|५४	१०|५१	१०|४८	१०|४५	१०|४२	१०|३९	१०|३५	१०|३१	१०|२७	१०|२४	१०|२०
वृ.	११|६	११|३	मि.	१|१४	१|१०	१|७	१|४	१|१	१२|५८	१२|५४	१२|५०	१२|४७	१२|४४	१२|४०	१२|३७	१२|३३
मि.	१|२१	१|१८	क.	३|३४	३|३०	३|२७	३|२४	३|२०	३|१६	३|१३	३|१०	३|६	३|२	२|५८	२|५५	२|५१
क.	३|४१	३|३७	सिं.	५|५१	५|४८	५|४५	५|४१	५|३८	५|३५	५|३१	५|२८	५|२४	५|२०	५|१६	५|१३	५|९

आ. कृ. ३० बुधे इ. ४४।४४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	४	४	६	६	०	१०	४
१२	२४	२८	१३	२४	२८	७	७
३३	६	६	५४	५४	२४	४३	४३
५०	५	९	२९	२२	११	४८	४८
५९	४१	४२	११	३५	३/६	३	३
२	४८	३९	२९	३१	व.	११	११

शु.७बृ. | मं५बु.के
८ | सू.६चं. | ४
९ | ३
१० | १२ | २
११रा | १श

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२९	२७	१	बृ.	३५	४४	ह.	२२	२२	ब्र.	४	५३	कि.	३	५४	बव	३५	४४	रक्ष	१	२९	१५	तु.	५४	२७	६	६	५	५४	५	१३	३३	२७	५९	५
२९	२३	२	शु.	३८	१६	चि.	२६	३३	ऐं.	४	४१	वा.	७	०	कौ.	३८	१६	मुशल	२	३०	१६				६	७	५	५३	५	१४	३२	२०	५९	७
२९	२०	३	श.	३९	३८	स्वा	२९	४१	वै.	३	४१	तै.	८	५७	ग.	३९	३८	सिद्धि	३	१	१७				६	७	५	५३	५	१५	३१	११	५९	९
२९	१६	४	र.	३९	३९	वि.	३१	३०	वि.	१/५६	३७/५५	व.	९	३८	वि.	३९	३९	उत्पात	४	२	१८	वृ.	१६	३	६	८	५	५२	५	१६	३०	२२	५९	११
२९	१२	५	चं.	३८	३६	ऽनु	३२	४	आ.	५४	२८	बव	९	२	वा.	३८	२६	मानस	५	३	१९				६	९	५	५१	५	१७	२९	३६	५९	१४
२९	९	६	मं.	३६	०	ज्ये.	३१	२७	सौ.	४९	३३	कौ.	७	१३	तै.	३६	०	मुद्गर	६	४	२०	ध.	३१	२७	६	१०	५	५०	५	१८	२८	५२	५९	१६
२९	५	७	बु.	३२	३१	मू.	२९	५९	शो.	४३	४७	ग.	४	१५	व.	३२	३१	केतु	७	५	२१				६	१०	५	५०	५	१९	२८	९	५९	१८
२९	१	८	बृ.	२८	१५	पूषा	२७	२०	अ.	३७	२१	वि.	०	२३	बव	२८/५५	१५/४४	घाता	८	६	२२	म.	४१	३१	६	११	५	४९	५	२०	२७	२९	५९	२१
२८	५८	९	शु.	२३	१३	उषा	२४	६	सु.	३०	१९	कौ.	२३	१३	तै.	५०	२७	आनन्द	९	७	२३				६	१२	५	४८	५	२१	२६	५१	५९	२३
२८	५४	१०	श.	१७	४१	श्र.	२०	२२	धृ.	२३	११	ग.	१७	४१	व.	४४	४२	स्थिर	१०	८	२४	कुं.	४१	३७	६	१२	५	४८	५	२२	२६	१६	५९	१६
२८	५०	११	र.	११	४६	ध.	१६	४७	शू.	१५	७	वि.	११	४६	बव	३८	४३	मातंग	११	९	२५				६	१३	५	४७	५	२३	२५	४३	५९	२८
२८	४७	१२	चं.	५/५४	४०/२	श.	१२	१	गं.	७/५२	१३/१६	वा.	५	४०	कौ.	३२/५९	४५/४२	अमृत	१२	१०	२६	मी.	५५	४१	६	१४	५	४६	५	२४	२५	१३	५९	३०
२८	४३	१४	मं.	५३	५९	पूभा	७	५४	ध्रु.	५१	५२	ग.	२६	५०	व.	५३	५९	काण	१३	११	२७				६	१४	५	४६	५	२५	२४	४१	५९	३२
२८	४०	१५	बु.	४८	४३	उभा	४	४	व्या	४४	३९	वि.	२१	२१	बव	४८	४३	लुम्ब	१४	१२	२८				६	१५	५	४५	५	२६	२४	१८	५९	३४

श्री शुभ संवत् २०२७ शके १८९२ आश्विन शुक्लपक्षः। याम्यायनम्। सौम्यगोलः। अक्टूबर १ से १४ तक। शरदृतुः।

शारदीय नवरात्रारम्भ।

चन्द्र दर्शन मु. १५। सौम्य श्रृङ्गमुन्नतम्।

स. सि. योगः। या. ज. मु.। जमादि उस्सानी।

म. ९।३८ उ. ३९।३९ या.।

स. सि. योगः। पश्चिमोत्तरयोः यात्रा मु.।

म. ३२।३१ उ.।

म. ०।२३ या.। उत्तरा योगे या. ज. मु.। महाष्टमी।

श्रवसि स. सि. योगः। ● स. सि. योगः। पञ्चक प्र. ४१।३७।

म. ४४।४३ उ.। चित्रायामर्कः ५६।३०। पु. स्त्री. योगः। ●

म. ११।४६ या.। या. ज. मु. १६।२७ या.। बुधास्तः पूर्वे-*

म. ५३।५९ उ.। *स्याम् ३।३९।

म. २५।२१ या.।

आश्विन शु. ३ शनौ इ. ४४।२०

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	४	५	६	६	०	१०	४
१५	२६	०	१४	२६	२८	७	७
३१	८	६	३७	४४	१८	३२	३२
११	४४	९	३३	३९	४	१२	१२
५९	४०	४३	१०	३४	३/६	३	३
९	२३	१७	५२	३६	व.	११	११

७बृशुचं	सू.६बु.	के.मं.५
८		४
९		३
१०	१२	२
रा.११		१श.

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१बृ.	२शु.	३श.	४र.	५चं.	६मं.	७बु.	८बृ.	९शु.	१०श.	११र.	१२चं.	१३मं.	१५बु.
कं. अं.	७ १८	७ १५	७ ११	७ ७	७ ४	७ ०	६ ५७	६ ५३	६ ५०	५ ४६	६ ४२	६ ३८	६ ३४	६ ३१
तु. अं.	९ ३४	९ ३०	९ २६	९ २३	९ २०	९ १६	९ १२	९ ८	९ ४	९ १	८ ५८	८ ५४	८ ५०	८ ४७
वृ. अं.	११ ५१	११ ४८	११ ४४	११ ४०	११ ३६	११ ३३	११ ३०	११ २६	११ २२	११ १८	११ १४	११ १०	११ ७	११ ४
ध. अं.	१ ५७	१ ५४	१ ५०	१ ४६	१ ४३	१ ४०	१ ३६	१ ३३	१ २९	१ २५	१ २२	१ १८	१ १४	१ १०
म. अं.	३ ४३	३ ४०	३ ३६	३ ३२	३ २९	३ २५	३ २२	३ १९	३ १५	३ ११	३ ८	३ ४	३ ०	२ ५६
कुं. अं.	५ १५	५ ११	५ ८	५ ४	५ ०	६ ५७	६ ५४	६ ५०	६ ४६	६ ४२	६ ३८	६ ३५	६ ३१	६ २८
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मी. अं.	६ ४२	६ ३८	६ ३४	६ ३१	६ २७	६ २४	६ २०	६ १७	६ १४	६ १०	६ ७	६ ३	५ ५९	५ ५५
मे. अं.	८ २०	८ १६	८ १३	८ ९	८ ५	८ २	७ ५९	७ ५६	७ ५२	७ ४८	७ ४४	७ ४०	७ ३६	७ ३३
वृ. अं.	१० १६	१० १२	१० ९	१० ६	१० २	९ ५९	९ ५६	९ ५२	९ ४८	९ ४४	९ ४०	९ ३७	९ ३३	९ २९
मि. अं.	१२ २९	१२ २६	१२ २२	१२ १९	१२ १६	१२ १२	१२ ८	१२ ५	१२ १	११ ५७	११ ५४	११ ५०	११ ४६	११ ४२
क. अं.	२ ४७	२ ४४	२ ४०	२ ३७	२ ३३	२ ३०	२ २६	२ २२	२ १८	२ १५	२ ११	२ ७	२ ४	२ ०
सि. अं.	५ ५	५ २	४ ५८	४ ५५	४ ५१	४ ४७	४ ४३	४ ३९	४ ३५	४ ३१	४ २७	४ २३	४ १९	४ १५

आ. शु. १० शनौ इ. ४४।२७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
५	५	५	६	६	०	१०	४
२२	०	१०	१६	२९	२७	७	७
२६	३०	४२	०	४२	५४	१२	१२
१६	३	१४	९	१०	२२	२०	२०
५९	३५	७२	१७	३०	३/८	३	३
२५	३९	३	२२	२	व.	११	११

शु.बृ.७	सू.मं.बु.६	के.५
८		४
९		३
चं.१०	१२	२
रा.११		श.१

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२८	३६	१	बृ.	४४	५	रे.	५७	४५	हृ.	३७	५६	वा.	१६	१४	कौ.	४४	५	मृत्यु	१५	१३	२९	मे.	०	४५	६	१६	५	४४	५	२७	२३	५४	५९	३६
२८	३२	२	शु.	४०	१६	भ.	५६	१६	व.	३१	५३	तै.	१२	१०	ग.	४०	१६	मुद्गर	१६	१४	३०				६	१७	५	४३	५	२८	२३	३१	५९	३८
२८	२९	३	श.	३७	२६	कृ.	५५	२७	सि.	२६	४०	व.	८	५१	वि.	३७	२६	केतु	१७	१५	३१	वृ.	११	४	६	१८	५	४२	५	२९	२३	३	५९	३९
२८	२५	४	र.	३५	४५	रो	५५	४९	व्य.	२२	११	बव	६	३५	बा.	३५	४५	वाता	१८	१६	१				६	१८	५	४२	६	०	२२	५७	५९	४१
२८	२२	५	चं.	३५	१५	मृ.	५७	२४	व.	१८	५४	कौ.	५	३०	तै.	३५	१५	आनंद	१९	१७	२	मि.	२६	३६	६	१९	५	४१	६	१	२२	२	५९	४३
२८	१८	६	मं.	३६	४	आ.	६०	०	प.	१६	१५	ग.	५	४३	व.	३६	४	चर	२०	१८	३				६	२०	५	४०	६	२	२२	०	५९	४५
२८	१५	७	बु.	३८	१८	आ.	०	१५	शि.	१४	५१	वि.	७	११	बव	३८	१८	मुसल	२१	१९	४	क.	४८	१५	६	२०	५	४०	६	३	२२	८	५९	४७
२८	११	८	बृ.	४१	३७	पुन	४	१५	सि.	१४	१८	वा.	९	४७	कौ.	४१	३७	सिद्धि	२२	२०	५				६	२१	५	३९	६	४	२२	८	५९	५०
२८	८	९	शु.	४५	५४	पु.	९	२२	सा.	१४	३७	तै.	१६	४२	ग.	४५	५७	उत्पात	२३	२१	६				६	२२	५	३८	६	५	२२	२	५९	५२
२८	४	१०	श.	५०	५५	श्ले	१५	१४	शु.	१५	३०	व.	१८	२४	वि.	५०	५५	मानस	२४	२२	७	सि.	१५	१४	६	२२	५	३८	६	६	२१	५९	५९	५४
२८	१	११	र.	५६	१४	म.	२१	३९	शु.	१६	४९	बव	२३	३४	बा.	५४	१४	मुद्गर	२५	२३	८				६	२३	५	३७	६	७	२१	५९	५९	५६
२७	५७	१२	चं.	६०	०	पूफा	२८	१०	ब्र.	१८	१७	कौ.	२८	४८	तै.	६०	०	केतु	२६	२४	९	कं.	४४	४४	६	२४	५	३६	६	८	२२	१	६०	०
२७	५७	१२	मं.	१	२३	उफा	३४	२०	ऐं.	१९	२८	तै.	१	२३	ग.	३३	४१	आनंद	२७	२५	१०				६	२५	५	३५	६	९	२२	४	६०	२
२७	५१	१३	बु.	५	५९	ह.	३९	४९	वैं.	२०	१७	व.	५	५९	वि.	३७	५२	चर	२८	२६	११				६	२५	५	३५	६	१०	२२	९	६०	४
२७	४७	१४	बृ.	९	४६	चि.	४४	२०	वि.	२०	१२	श.	९	४६	च.	४१	३	गद	२९	२७	१२	तु.	१२	४	६	२६	५	३४	६	११	२२	१७	६०	६
२७	४४	३०	शु.	१२	२०	स्वा	४७	४४	प्री.	१९	२१	ना.	१२	२०	कि.	४३	३	गत	३०	२८	१३				६	२७	५	३३	६	१२	२२	२६	६०	८

श्री शुभ संवत् २०२७ शके १८९२ कार्तिक कृष्णपक्षः। याम्यायनगोली। अक्टूबर १५ से ३० तक। शरदृतुः।

या. ज. मु. ७।४५ या.। आश्विन्यां प्राच्योदीच्यां यात्रा मु.।b

b पञ्चक नि. ०।४५

म. ८।५१ उ. ३७।२६ या.। तुलायामर्कः ४०।८।

करक ४।

दक्षिण पश्चिमयो यात्रा मु.।

म. ३६।४ उ.।

म. ७।११ या.।

a स्त्री. स्त्री योगः।

पुण्ये स. सि. अ. सि. योगः।

म. १८।२४ उ. ५०।५५या.। स्वात्यामर्कः २१।३१ a

रम्भा ११ व्रतं स्मार्तानाम्।

रम्भा ११ व्रतं वैष्णवानाम्। पूर्वास्तं गुरुः ३२।१७

प्रदोषः। धन्वन्तरि १३।

म. ५।५९ उ. ३७।५२ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्।

श्राद्धादी ३०। दीपावली ३०।

स्नानदानादी ३०। अन्नकूट।

कार्तिक कृ. ६ भौमे इ. ४४।९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	५	५	६	७	११	१०	४
१	९	२६	१८	०	२७	६	६
२२	४८	३६	६	३०	४२	४०	४०
२६	५	९	५	९	३१	४३	४६
५९	५२	९५	११	४८	४	३	३
४५	३९	२५	४१	व.	२	११	११

शु.८ — बु६मं
९ — ७सू.बृ — ५
१० — ४
११रा. — १श. — ३
१२ — २

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१ बृ.		२ शु.		३ श.		ति.	४ र.		५ चं.		६ मं.		७ बु.		८ बृ.		९ शु		१० श.		११ र.		१२ चं.		१२ मं.		१३ बु.		१४ बृ.		३० शु.	
कं.	६	२७	६	२४	६	२०	तु.	८	३२	८	२८	८	२४	८	२०	८	१६	८	१२	८	८	८	४	८	१	७	५७	७	५३	७	४९	७	४५
तु.	८	४३	७	४०	८	३६	वृ.	१०	४९	१०	४६	१०	४२	१०	३८	१०	३४	१०	३०	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१४	१०	१०	१०	६	१०	२
वृ.	११	०	१०	५६	१०	५३	ध.	१२	५५	१२	५१	१२	४७	१२	४४	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१६	१२	१२	१२	८
ध.	१	६	१	४	१२	५९	म.	२	४३	२	३८	२	३४	२	३०	२	२६	२	२२	२	१८	२	१४	२	१०	२	६	२	२	१	५८	१	५४
म.	२	५२	२	४८	२	४८	कुं.	४	१४	४	१०	४	६	४	२	३	५८	३	५४	३	५०	३	४६	३	४२	३	३८	३	३४	३	३०	३	२६
कुं.	४	२४	४	२०	४	१७	मी.	५	४०	५	३६	५	३२	५	२८	५	२४	५	२०	५	१६	५	१२	५	८	५	४	५	०	४	५७	४	५३
रा.	रा०		रा०		रा०		रा.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मी.	५	५१	५	४८	५	४४	मे.	७	१८	७	१४	७	१०	७	६	७	१	६	५८	६	५५	६	५१	६	४७	६	४३	६	३९	६	३५	६	३१
मे.	७	२९	७	२६	७	२२	वृ.	९	१५	९	११	९	७	९	३	८	५९	८	५५	८	५१	८	४७	८	४३	८	३९	८	३५	८	३१	८	२७
वृ.	९	२५	९	२१	९	१८	मि.	११	२७	११	२४	११	१९	११	१६	११	१२	११	८	११	४	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४४	१०	४०
मि.	११	३८	११	३४	११	३१	क.	१	४६	१	४२	१	३८	१	३४	१	३०	१	२६	१	२२	१	१८	१	१४	१	१०	१	६	१	२	१२	५८
क.	१	५६	१	५२	१	४९	सिं.	४	०	३	५६	३	५२	३	४८	३	४४	३	४०	३	३६	३	३२	३	२८	३	२४	३	२०	३	१६	३	१२
सिं.	४	११	४	७	४	४	कं.	६	१७	६	१३	६	९	[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]	

कार्तिक कृ. १४ शुक्रे इ. ४३।५२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	५	६	५	६	०	१०	४
१२	१२	१३	२०	१८	२६	६	६
१२	५४	१६	२४	१८	१८	९	९
३६	२२	७	१५	२५	९	१५	१५
६०	१८	१०१	११	[illegible]	[illegible]	३	३
८	२२	१५	२७	व.	व.	११	११

८ — मं.६
९ — सू.७बुशु. — ५के.
१० — ४
११रा — १श — ३
१२

श्री शुभ संवत् २०२७ शके १८९२ कार्तिक शुक्ल पक्षः। याम्यायनगोली। अक्टूबर ३१ से नवम्बर १३ तक।

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.	
२७	४१	१	श.	१३	५७	वि.	४९	५१	आ.	१७	३१	वव	१३	४७	बा.	४३	५०	शुभ	३१	२९	१४	वृ.	३४	१९	६	२७	५	३३	६	१३	२१	३८	६०	१९	चन्द्रदर्शनम्।
२७	३८	२	र.	१३	५४	ऽनु.	५०	४३	सौ.	४१	४३	कौ.	१३	५४	तै.	४३	१९	मृत्यु	१	१	१५				६	२८	५	३२	६	१४	२२	५१	६०	१०	भ्रातृ २। चित्रगुप्त २। नवम्बर।
२७	३५	३	चं.	१२	४४	ज्ये.	५०	४२	शो.	१०	४२	ग.	१२	४४	व.	४१	३२	पद्म	२	२	१६	ध.	५०	४२	६	२८	५	३२	६	१५	२३	६	६०	११	म. ४१।३२ उ.।
२७	३१	४	मं.	१०	२१	मू.	४८	५६	अ.	६/५६	७/२८	वि.	१०	२१	वव	३८	३८	छत्र	३	३	१७				६	२९	५	३०	६	१६	२३	१३	६०	१२	म. १०।२१ या.।
२७	२८	५	बु.	६	५५	पूषा	४६	४२	धृ.	५४	९	बा.	६	५५	कौ.	३४	४७	श्रीवत्स	४	४	१८				६	३०	५	३०	६	१७	२३	४१	६०	१४	सूर्यषष्ठी व्रतम्। शुक्रास्तः पश्चिमायाम् ९।७।
२७	२५	६	बृ.	२/५५	४०/१	उषा	४३	५६	शू.	४३	१५	तै.	२	४०	ग.	३/५७	१०/४१	सौम्य	५	५	१९	म.	०	५५	६	३०	५	३०	६	१८	२४	२	६०	१६	म. ५७।४१ उ.।
२७	२१	८	शु.	५२	१४	श्र.	३९	५७	गं.	३९	४८	वि.	२४	५७	व.	५२	१४	धूम्र	६	६	२०				६	३१	५	२९	६	१९	२४	२५	६०	१८	म. २४।५७ या.। द्वीशेऽर्कः ४१।३२।
२७	१९	९	श.	४६	२३	ध.	३५	५५	वृ.	३२	५	बा.	१९	१८	कौ.	४६	२३	वर्ध.	७	७	२१	कु.	७	१०	६	३२	५	२८	६	२०	२५	५०	६०	२०	अक्षय नवमी।
२७	१६	१०	र.	४०	२२	श.	३१	४२	ध्रु.	२४	१३	तै.	१३	२३	ग.	४०	२२	रक्ष	८	८	२२				६	३२	५	२८	६	२१	२५	१५	६०	२२	
२७	१३	११	चं.	३४	१७	पूभा	२७	३३	व्या	१६	२०	व.	७	१९	वि.	३४	१७	मुसल	९	९	२३	मी.	१३	३५	६	३३	५	२७	६	२२	२६	९	६०	२४	म. ७।१९ उ.।
२७	१०	१२	मं.	२८	४८	उभा	३०	३७	ह.	८	३७	बव	१	३२	बा,	२८/५६	४८/१४	सिद्धि	१०	१०	२४				६	३३	५	२७	६	२३	२६	१४	६०	२६	बुधोदयः पश्चिमायाम् ३३।९।
२७	७	१३	बु.	२३	४०	रे.	२५	८	व.	१/५३	१२/६	तै.	२३	४०	ग.	५१	३९	उत्पात	११	११	२५	मे.	२५	८	६	३४	५	२६	६	२४	२६	२०	६०	२८	प्रतीच्यां यात्रा मु.।
२७	४	१४	बृ.	१९	७	अ.	१९	१६	व्य.	४८	०	व.	१९	७	वि.	५३	१२	मानस	१२	१२	२६				६	३५	५	२५	६	२५	२६	१४	६०	३०	म. १९।७ उ. ५३।१२ या.। वैकुण्ठ १४। व्रताय १५।
२७	१	१५	शु.	१५	२४	भ.	१५	१५	ब.	४२	२५	वव	१५	२४	बा.	५६	१७	मुद्गर	१३	१३	२७	वृ.	२९	५८	६	३५	५	२५	६	२६	२७	५१	६०	३२	स्नान दानादी १५।

का. शु. ३ चन्द्र इ. ४३।४९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	५	६	६	६	०	१०	४
१६	१३	१८	२०	२७	२६	५	५
१२	९	२०	५८	४२	३	५९	५९
१३	३८	१७	२२	३९	६	५२	५२
६०	१८	१३	१०	१२/२	५/१	३	३
१२	२४	३१	२९	व.	व.	११	११

चं.८ | मं. ६ | ९ | श.७बृ.सू. बु. | ५ के. | १० | ४ | चं. ११ रा. | श. १ | ३ | १२ | २

वैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.	२ र.	३ चं.	४ मं.	५ बु.	६ बृ.	८ शु.	९ श.	१० र.	११ चं.	१२ मं.	१३ बु.	१४ बृ.	१५ शु.
तु. अं.	७ ४१	७ ३७	७ ३३	७ २९	७ २५	७ २१	७ १७	७ १३	७ ९	७ ५	७ ३१	६ ५७	६ ५३	६ ५०
वृ. अं.	९ ५८	९ ५४	९ ५०	९ ४७	९ ४३	९ ३९	९ ३५	९ ३१	९ २७	९ २३	९ १९	९ १५	९ ११	९ ७
ध. अं.	१२ ४	१२ ०	११ ५७	११ ५३	११ ४९	११ ४५	११ ४१	११ ३७	११ ३३	११ २९	११ २५	११ २१	११ १७	११ १३
म. अं.	१ ५०	१ ४६	१ ४१	१ ३८	१ ३४	१ ३०	१ २७	१ २३	१ १९	१ १५	१ ११	१ ७	१ ३	१२ ५९
कुं. अं.	३ २२	३ १८	३ १४	१ १०	३ ७	३ ३	२ ५९	२ ५५	२ ५१	२ ४७	२ ४३	२ ३९	२ ३५	२ ३१
मी अं.	४ ४९	४ ४६	४ ४२	४ ३८	४ ३४	४ ३०	४ २६	४ २२	४ १८	४ १४	४ १०	४ ६	४ २	३ ५८
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मे. अं.	६ २७	६ २४	६ २०	६ १६	६ १२	६ ८	६ ४	६ ०	५ ५६	५ ५२	५ ४८	५ ४४	५ ४०	५ ३६
वृ. अं.	८ २३	८ २०	८ १६	८ १२	८ ४	८ ०	७ ५६	७ ५२	७ ४८	७ ४४	७ ३९	७ ३४	७ ३२	७ २८
मि. अं.	१० ३६	१० ३३	१० २९	१० २५	१० २१	१० १७	१० १३	१० ९	१० ५	१० १	९ ५८	९ ५३	९ ४९	९ ४५
क. अं.	१२ ५४	१२ ५०	१२ ४६	१२ ४१	१२ ३८	१२ ३४	१२ ३०	१२ २६	१२ २२	१२ १८	१२ १४	१२ १०	१२ ६	१२ २
सिं. अं.	३ ८	३ ४	३ ०	२ ५७	२ ५३	२ ४९	२ ४५	२ ४१	२ ३७	२ ३३	२ २९	२ २५	२ २१	२ १७
कं. अं.	५ २१	५ २२	५ १८	५ १४	५ १०	५ ६	५ २	४ ५८	४ ५४	४ ५०	४ ४६	४ ४१	४ ३६	४ ३१

का. शु. ११ चन्द्र इ. ४३।४९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	५	७	६	६	०	१०	४
२३	१९	१	२२	२२	२५	५	५
२२	३०	१२	३६	३६	३६	३७	३७
९	२	५	१२	७	५	५८	५८
६०	४१	१०७	११	३६/३६	५/७	३	३
२४	५०	४६	१८	व.	व.	११	११

८बु. | ६मं. | ९ | सू.७बृ.शु. | ५के. | १० | ४ | ११चं. रा. | १श. | ३ | १२ | २

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.
२८	३६	१	बृ.	४४	५	रे.	०/५७	४५/३०	ह.	३७	५६	वा.	१६	१४	कौ.	४४	५
२८	३२	२	शु.	४०	१६	म.	५६	१६	व.	३१	५३	तै.	१२	१०	ग.	४०	१६
२८	२९	३	श.	३७	२६	कृ.	५५	२७	सि.	२६	४०	व.	८	५१	वि.	३७	२६
२८	२५	४	र.	३५	४५	रो	५५	४९	व्य.	२२	११	बव	६	३५	बा.	३५	४५
२८	२२	५	चं.	३५	१५	मृ.	५७	२४	व.	१८	५४	कौ.	५	३०	तै.	३५	१५
२८	१८	६	मं.	३६	४	आ.	६०	०	प.	१६	१५	ग.	५	४३	व.	३६	४
२८	१५	७	बु.	३८	१८	आ.	०	१५	शि.	१४	५१	वि.	७	११	बव	३८	१८
२८	११	८	बृ.	४१	३७	पुन	४	१५	सि.	१४	१८	बा.	९	४७	कौ.	४१	३७
२८	८	९	शु.	४५	५४	पु.	९	२२	सा.	१४	३७	तै.	१६	४२	ग.	४५	५७
२८	४	१०	श.	५०	५५	श्ले	१५	१४	शु.	१५	३०	व.	१८	२४	वि.	५०	५५
२८	१	११	र.	५६	१४	म.	२१	३९	शु.	१६	४९	बव	२३	३४	बा.	५४	१४
२७	५७	१२	चं.	६०	०	पूफा	२८	१०	ब्र.	१८	१७	कौ.	२८	४८	तै.	६०	०
२७	५७	१२	मं.	१	२३	उफा	३४	२०	ऐं.	१९	२८	तै.	१	२३	ग.	३३	४१
२७	५१	१३	बु.	५	५९	ह.	३९	४९	वै.	२०	१७	व.	५	५९	वि.	३७	५२
२७	४७	१४	बृ.	९	४६	चि.	४४	२०	वि.	२०	१२	श.	९	४६	च.	४१	३
२७	४४	३०	शु.	१२	२०	स्वा	४७	४४	प्री.	१९	२१	ना.	१२	२०	कि.	४३	३

ति.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
१	मृत्यु	१५	१३	२९	मे.	०	४५	६	१६	५	४४	५	२७	२३	५४	५९	३६
२	मुद्गर	१६	१४	३०				६	१७	५	४३	५	२८	२३	३१	५९	३८
३	केतु	१७	१५	३१	वृ.	११	४	६	१८	५	४२	५	२९	२३	३	५९	३९
४	धाता	१८	१६	१				६	१८	५	४२	६	०	२२	५७	५९	४१
५	आनंद	१९	१७	२	मि.	२६	३६	६	१९	५	४१	६	१	२२	२	५९	४३
६	चर	२०	१८	३				६	२०	५	४०	६	२	२२	०	५९	४५
७	मुसल	२१	१९	४	क.	४८	१५	६	२०	५	४०	६	३	२२	८	५९	४७
८	सिद्धि	२२	२०	५				६	२१	५	३९	६	४	२२	८	५९	५०
९	उत्पात	२३	२१	६				६	२२	५	३८	६	५	२२	२	५९	५२
१०	मानस	२४	२२	७	सि.	१५	१४	६	२२	५	३८	६	६	२१	५९	५९	५४
११	मुद्गर	२५	२३	८				६	२३	५	३७	६	७	२१	५९	५९	५६
१२	केतु	२६	२४	९	कं.	४४	४४	६	२४	५	३६	६	८	२२	१	६०	०
१२	आनंद	२७	२५	१०				६	२५	५	३५	६	९	२२	४	६०	२
१३	चर	२८	२६	११				६	२५	५	३५	६	१०	२२	९	६०	४
१४	गद	२९	२७	१२	तु.	१२	४	६	२६	५	३४	६	११	२२	१७	६०	६
३०	गत	३०	२८	१३				६	२७	५	३३	६	१२	२२	२६	६०	८

श्री शुभ संवत् २०२७ शके १८९२ कार्तिक कृष्णपक्षः । याम्यायनगोली । अक्टूबर १५ से ३० तक । शरदृतुः ।

या. ज. मु. ७।४५ या. । आश्विन्यां प्राच्योदीच्यां यात्रा मु. ।b

b पञ्चक नि. ०।४५

म. ८।५१ उ. ३७।२६ या. । तुलायामर्कः ४०।८ ।

करक ४ ।

दक्षिण पश्चिमयो यात्रा मु. ।

म. ३६।४ उ. ।

म. ७।११ या. ।

a स्त्री. स्त्री योगः ।

पुण्ये स. सि. अ. सि. योगः ।

म. १८।२४ उ. ५०।५५या. । स्वात्यामर्कः २१।३१ a

रम्भा ११ व्रतं स्मार्तानाम् ।

रम्भा ११ व्रतं वैष्णवानाम् । पूर्वास्तं गुरुः ३२।१७

प्रदोषः । धन्वन्तरि १३ ।

म. ५।५९ उ. ३७।५२ या. । मास शिवरात्रि व्रतम् ।

श्राद्धादौ ३० । दीपावली ३० ।

स्नानदानादौ ३० । अन्नकूट ।

कार्तिक कृ. ६ भौमे इ. ४४।९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	५	५	६	७	११	१०	४
१	९	२६	१८	०	२७	६	६
२२	४८	३६	६	३०	४२	४०	४०
२६	५	९	५	९	३१	४३	४६
५९	५२	९५	११	४८/७	४	३	३
४५	३९	२५	४१	व.	२	११	११

शु.८ बुद्दमं
९ ७सू.बृ ५
१० ४
११रा. १ श. ३
१२ २

दैनिक लग्नसारिणी

ति.	१ बृ.	२ शु.	३ श.	ति.	४ र.	५ चं.	६ मं.	७ बु.	८ बृ.	९ शु	१० श.	११ र.	१२ चं.	१२ मं.	१३ बु.	१४ बृ.	३० शु.
कं.	६ २७	६ २४	६ २०	तु.	८ ३२	८ २८	८ २४	८ २०	८ १६	८ १२	८ ८	८ ४	८ १	७ ५७	७ ५३	७ ४९	७ ४५
तु.	८ ४३	७ ४०	८ ३६	वृ.	१० ४९	१० ४६	१० ४२	१० ३८	१० ३४	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १८	१० १४	१० १०	१० ६	१० २
वृ.	११ ०	१० ५६	१० ५३	ध.	१२ ५५	१२ ५१	१२ ४७	१२ ४४	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३२	१२ २८	१२ २४	१२ २०	१२ १६	१२ १२	१२ ८
ध.	१ ६	१ ४	१२ ५९	म.	२ ४३	२ ३८	२ ३४	२ ३०	२ २६	२ २२	२ १८	२ १४	२ १०	२ ६	२ २	१ ५८	१ ५४
म.	२ ५२	२ ४८	२ ४८	कुं.	४ १४	४ १०	४ ६	४ २	३ ५८	३ ५४	३ ५०	३ ४६	३ ४२	३ ३८	३ ३४	३ ३०	३ २६
कुं.	४ २४	४ २०	४ १७	मी.	५ ४०	४ ३६	५ ३२	५ २८	५ २४	५ २०	५ १६	५ १२	५ ८	५ ४	५ ०	४ ५७	४ ५३
रा.	रा०	रा०	रा०	रा.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मी.	५ ५१	५ ४८	५ ४४	मे.	७ १८	७ १४	७ १०	७ ६	७ १	६ ५८	६ ५५	६ ५१	६ ४७	६ ४३	६ ३९	६ ३५	६ ३१
मे.	७ २९	७ २६	७ २२	वृ.	९ १५	९ ११	९ ७	९ ३	८ ५९	८ ५५	८ ५१	८ ४७	८ ४३	८ ३९	८ ३५	८ ३१	८ २७
वृ.	९ २५	९ २१	९ १८	मि.	११ २७	११ २४	११ १९	११ १६	११ १२	११ ८	११ ४	११ ०	१० ५६	१० ५२	१० ४८	१० ४४	१० ४०
मि.	११ ३८	११ ३४	११ ३१	क.	१ ४६	१ ४२	१ ३८	१ ३४	१ ३०	१ २६	१ २२	१ १८	१ १४	१ १०	१ ६	१ २	१२ ५८
क.	१ ५६	१ ५२	१ ४९	सिं.	४ ०	३ ५६	३ ५२	३ ४८	३ ४४	३ ४०	३ ३६	३ ३२	३ २८	३ २४	३ २०	३ १६	३ १२
सिं.	४ ११	४ ७	४ ४	कं.	६ १७	६ १३	६ ९	६ ५	६ १	५ ५७	५ ५३	५ ४९	५ ४५	५ ४१	५ ३७	५ ३३	५ २९

कार्तिक कृ. १४ शुक्रे इ. ४३।५२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	५	६	५	६	०	१०	४
१२	१२	१३	२०	१८	२६	६	६
१२	५४	१६	२४	१८	१८	९	९
३६	२२	७	१५	२५	९	१५	१५
६०	१८	१०१	११	१२/३	५/६	३	३
८	२२	१५	२७	व.	व.	११	११

८ मं.६
९ सू.७बुशु. ५के.
१० ४
११रा १श ३
१२ २

श्री शुभ संवत् २०२७ शके १८९२ कार्तिक शुक्ल पक्षः। याम्यायनगोली। अक्टूबर ३१ से नवम्बर १३ तक।

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२७	४१	१	श.	१३	५७	वि.	४९	५१	आ.	१७	३१	वव	१३	४७	बा.	४३	५०	शुभ	३१	२९	१४	वृ.	३४	१९	६	२७	५	३३	६	१३	२१	३८	६०	१९
२७	३८	२	र.	१३	५४	ऽनु.	५०	४३	सौ.	४१	४३	कौ.	१३	५४	तै.	४३	१९	मृत्यु	१	१	१५				६	२८	५	३२	६	१४	२२	५१	६०	१०
२७	३५	३	चं.	१२	४४	ज्ये.	५०	४२	शो.	१०	४२	ग.	१२	४४	व.	४१	३२	पद्म	२	२	१६	ध.	५०	४२	६	२८	५	३२	६	१५	२३	६	६०	११
२७	३१	४	मं.	१०	२१	मू.	४८	५६	अ.	६/५३	७/५८	वि.	१०	२१	वव	३८	३८	छत्र	३	३	१७				६	२९	५	३०	६	१६	२३	१३	६०	१२
२७	२८	५	बु.	६	५५	पूषा	४६	४२	धृ.	५४	९	बा.	६	५५	कौ.	३४	४७	श्रीवत्स	४	४	१८				६	३०	५	३०	६	१७	२३	४१	६०	१४
२७	२५	६	बृ.	२/५५	४०/१	उषा	४३	५६	शू.	४३	१५	तै.	२	४०	ग.	३/५७	१०/४१	सौम्य	५	५	१९	म.	०	५५	६	३०	५	३०	६	१८	२४	२	६०	१६
२७	२१	८	शु.	५२	१४	श्र.	३९	५७	गं.	३९	४८	वि.	२४	५७	व.	५२	१४	धूम्र	६	६	२०				६	३१	५	२९	६	१९	२४	२५	६०	१८
२७	१९	९	श.	४६	२३	ध.	३५	५५	वृ.	३२	५	बा.	१९	१८	कौ.	४६	२३	वर्ध.	७	७	२१	कु.	७	१०	६	३२	५	२८	६	२०	२५	५०	६०	२०
२७	१६	१०	र.	४०	२२	श.	३१	४२	ध्रु.	२४	१३	तै.	१३	२३	ग.	४०	२२	रक्ष	८	८	२२				६	३२	५	२८	६	२१	२५	१५	६०	२२
२७	१३	११	चं.	३४	१७	पूभा	२७	३३	व्या	१६	२०	व.	७	१९	वि.	३४	१७	मुसल	९	९	२३	मी.	१३	३५	६	३३	५	२७	६	२२	२६	९	६०	२४
२७	१०	१२	मं.	२८	४८	उभा	३०	३७	ह.	८	३७	वव	१	३२	बा.	२८/५६	४८/१४	सिद्धि	१०	१०	२४				६	३३	५	२७	६	२३	२६	१४	६०	२६
२७	७	१३	बु.	२३	४०	रे.	२५	८	व.	१/५२	१२/६	तै.	२३	४०	ग.	५१	३९	उत्पात	११	११	२५	मे.	२५	८	६	३४	५	२६	६	२४	२६	२०	६०	२८
२७	४	१४	बृ.	१९	७	अ.	१९	१६	व्य.	४८	०	व.	१९	७	वि.	५३	१२	मानस	१२	१२	२६				६	३५	५	२५	६	२५	२६	१४	६०	३०
२७	१	१५	शु.	१५	२४	भ.	१५	१५	व.	४२	२५	वव	१५	२४	बा.	५६	१७	मुद्गर	१३	१३	२७	वृ.	२९	५८	६	३५	५	२५	६	२६	२७	५१	६०	३२

चन्द्रदर्शनम्।
भ्रातृ २। चित्रगुप्त २। नवम्बर।
म. ४१।३२ उ.।
म. १०।२१ या.।
सूर्यषष्ठी व्रतम्। शुक्रास्तः पश्चिमायाम् ९।७।
म. ५७।४१ उ.।
म. २४।५७ या.। द्वीशेऽर्कः ४१।३२।
अक्षय नवमी।
म. ७।१९ उ.।
बुधोदयः पश्चिमायाम् ३३।९।
प्रतीच्यां यात्रा मु.।
म. १९।७ उ. ५३।१२ या.। वैकुण्ठ १४। व्रताय १५।
स्नान दानादौ १५।

का. शु. ३ चन्द्र इ. ४३।४९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	५	६	६	६	०	१०	४
१६	१३	१८	२०	२७	२६	५	५
१३	९	२०	५८	४२	३	५९	५९
१३	३८	१७	२२	३९	६	५२	५२
६०	१८	१३	१०	[illegible]	[illegible]	३	३
१२	२४	३१	२९	व.	व.	११	११

चं. ८
मं. ६
९
श. ७ बृ. सू.
बु.
१०
४
चं. ११ रा.
शु. १
३
१२
२

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.	२ र.	३ चं.	४ मं.	५ बु.	६ बृ.	८ शु.	९ श.	१० र.	११ चं.	१२ मं.	१३ बु.	१४ बृ.	१५ शु.
तु. अं.	७ ४१	७ ३७	७ ३३	७ २९	७ २५	७ २१	७ १७	७ १३	७ ९	७ ५	७ ३१	६ ५७	६ ५३	६ ५०
वृ. अं.	९ ५८	९ ५४	९ ५०	९ ४७	९ ४३	९ ३९	९ ३५	९ ३१	९ २७	९ २३	९ १९	९ १५	९ ११	९ ७
ध. अं.	१२ ४	१२ ०	११ ५७	११ ५३	११ ४९	११ ४५	११ ४१	११ ३७	११ ३३	११ २९	११ २५	११ २१	११ १७	११ १३
म. अं.	१ ५०	१ ४६	१ ४१	१ ३८	१ ३४	१ ३०	१ २७	१ २३	१ १९	१ १५	१ ११	१ ७	१ ३	१२ ५९
कुं. अं.	३ २२	३ १८	३ १४	१ १०	३ ७	३ ३	२ ५९	२ ५५	२ ५१	२ ४७	२ ४३	२ ३९	२ ३५	२ ३१
मी अं.	४ ४९	४ ४६	४ ४२	४ ३८	४ ३४	४ ३०	४ २६	४ २२	४ १८	४ १४	४ १०	४ ६	४ २	३ ५८
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मे. अं.	६ २७	६ २४	६ २०	६ १६	६ १२	६ ८	६ ४	६ ०	५ ५६	५ ५२	५ ४८	५ ४४	५ ४०	५ ३६
वृ. अं.	८ २३	८ २०	८ १६	८ १२	८ ४	८ ०	७ ५६	७ ५२	७ ४८	७ ४४	७ ३९	७ ३४	७ ३२	७ २८
मि. अं.	१० ३६	१० ३३	१० २९	१० २५	१० २१	१० १७	१० १३	१० ९	१० ५	१० १	९ ५८	९ ५३	९ ४९	९ ४५
क. अं.	१२ ५४	१२ ५०	१२ ४६	१२ ४१	१२ ३८	१२ ३४	१२ ३०	१२ २६	१२ २२	१२ १८	१२ १४	१२ १०	१२ ६	१२ २
सिं. अं.	३ ८	३ ४	३ ०	२ ५७	२ ५३	२ ४९	२ ४५	२ ४१	२ ३७	२ ३३	२ २९	२ २५	२ २१	२ १७
कं. अं.	५ २[illegible]	५ २२	५ १८	५ १४	५ १०	५ ६	५ २	४ ५८	४ ५४	४ ५०	४ ४६	४ ४१	४ ३६	४ ३१

का. शु. ११ चन्द्र इ. ४३।४९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
६	५	७	६	६	०	१०	४
२३	१९	१	२२	२२	२५	५	५
२२	३०	१२	३६	३६	३६	३७	३७
९	२	५	१२	७	५	५८	५८
६०	४१	१०७	११	[illegible]	[illegible]	३	३
२४	५०	४६	१८	व.	व.	११	११

८ बु.
६ मं.
९
सू. ७ बृ. शु.
५ के.
१०
४
११ चं. रा.
१ श.
३
१२
२

दि. मा. घ. प.	ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	यो.	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा. घ. प.	सू. उ. घं. मि.	सू. अ. घं. मि	औ. स्पष्ट सूर्यः रा. अं. क. वि.	गतिः क. वि.
२६ ५९	१	श.	१२ ४०	कृ.	१४ ९	प.	३७ ३९	कौ.	१२ ४०	तै.	४१ ५३	केतु	१४	१४	२८		६ ३६	५ २४	६ २७ २८ ३९	६० ३४
२६ ५६	२	र.	११ ६	रो.	१६ ११	शि.	३३ ४८	ग.	११ ६	व.	४० ५५	धाता	१५	१५	२९	मि. ४४ ४८	६ ३६	५ २४	६ २८ २९ ९	६० ३६
२६ ५३	३	चं.	१० ४४	मृ.	१५ २५	सि.	४१ ०	वि.	११ ४४	बव	४१ १३	आनन्द	१६	१६	३०		६ ३७	५ २३	६ २९ २९ ५०	६० ३८
२६ ५१	४	मं.	११ ४३	आ.	१७ ५७	सा.	२९ ८	वा.	११ ४३	कौ.	४२ ५१	चर	१७	१७	१		६ ३८	५ २२	७ ० ३० ३२	६० ४०
२६ ४९	५	बु.	१४ ०	पुन.	२१ ४३	शु.	२८ ५६	तै.	१४ ०	ग.	४५ ४३	गद	१८	१८	२	क. ५ ४७	६ ३८	५ २२	७ १ ३१ १५	६० ४२
२६ ४७	६	बृ.	१७ १६	पु.	२६ ३६	शु.	२८ १८	व.	१७ २६	वि.	४९ ३९	शुभ	१९	१९	३		६ ३९	५ २१	७ २ ३२ २	६० ४४
२६ ४५	७	शु.	२१ ५२	श्ले	३२ १७	ब्र.	२९ ०	बव	२१ ५२	बा.	५४ २३	मृत्यु	२०	२०	४	सिं. ३२ १७	६ ३९	५ २१	७ ३ ३२ ५१	६० ४६
२६ ४३	८	श.	२६ ५५	म.	३८ ५२	ऐं.	३० ८	कौ.	२६ ५५	तै.	५९ ३७	पद्म	२१	२१	५		६ ४०	५ २०	७ ४ ३३ ४१	६० ४८
२६ ४१	९	र.	३२ १९	पूफा	४५ १२	वै.	३१ ३२	ग.	३२ १९	व.	६० ०	छत्र	२२	२२	६		६ ४०	५ २०	७ ५ ३४ ४२	६० ५०
२६ ३९	१०	चं.	३७ ३४	उफा	५१ १२	वि.	३२ ४८	व.	४ ५६	वि.	३७ ३४	श्रीवत्स	२३	२३	७	कं. १ ४६	६ ४१	५ १९	७ ६ ३५ २५	६० ५२
२६ ३७	११	मं.	४२ १३	ह.	५७ ७	प्री.	३३ ३७	बव	९ ५३	बा.	४२ १३	सौम्य	२४	२४	८		६ ४१	५ १९	७ ७ ३६ १९	६० ५३
२६ ३५	१२	बु.	४६ २	चि.	६० ०	आ.	३३ ५०	कौ.	१४ ७		४६ २	काल	२५	२५	९	तु. २९ ३०	६ ४२	५ १८	७ ८ ३७ १५	६० ५५
२६ ३३	१३	बृ.	४९ ३८	चि.	१ ५४	सौ.	३३ १३	ग.	१७ २०	व.	४८ ३८	चर	२६	२६	१०		६ ४२	५ १८	७ ९ ३८ १२	६० ५७
२६ ३२	१४	शु.	५० ७	स्वा	५ ३८	शो.	३१ ४२	वि.	१९ २२	श.	५० ७	गद	२७	२७	११	वृ. ५ २	६ ४२	५ १८	७ १० ३९ १३	६० ५९
२६ ३०	३०	श.	५० २३	वि.	२ ३	अति	२९ ८	च	२० १०	ना.	५० १३	पद्म	२८	२८	१२		६ ४३	५ १७	७ ११ ४० १२	६१ ०

श्री शुभ संवत् २०२७ शके १८९२ मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः याम्यायन गोलौ। नवम्बर १४ से २८ तक। शिशिर ऋतुः।

रोहिणी योगे स. सि. योगः। *शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ३७।३३।
म. ४०।५५ उ.।
म. १०।४४या.। वृश्चिकेऽर्कः ३३।१७मु. १५। स. सि. योगः a
a अ. सि. योगः १५।२५ या.। पश्चिम दक्षिण यात्रा मु.।*

म. १७।२६ उ. ४९।३९ या.। मैत्रेऽर्कः ५०।३३। स. सि. b
b अ. सि. योगः। पश्चिमोत्तरयोः यात्रा मु.।
पश्चिमोदयं गुरुः २९।२१
स. सि. यो. ४५।१२ उ.
म. ४।५६ उ. ३७।३४ या.।
उत्पन्ना एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्।

म. ४८।३८ उ. प्रदोषः।
म. १९।२२ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्। मार्गी शुक्रः ५।१९।
स्नान दानादौ ३०।

मार्ग. कृ. ६ गुरौ इ. ४३।२३

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	५	७	६	६	०	१०	४
२	२५	१७	२४	१७	२४	५	५
३२	३०	४८	१८	१८	३०	६	६
२	२९	२४	९	१९	४२	३०	३०
६०	३५/४६	९५	८	३०/५५	७/४९	३	३
४४	व.	३५	४५	व.	व.	११	११

९
बृ.७शु.
१०
सू.८बु.
६मं.
११रा.
५के.
१२
२
चं.४
श.१
३

वैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१श.	२र.	३चं.	ति.	४मं.	५बु.	६बृ.	७शु.	८श.	९र.	१०च.	११मं.	१२बु.	१३बृ.	१४शु.	३०श.
तु. अं.	६ ४६	६ ४२	६ ३९	वृ.	८ ५१	८ ४६	८ ४३	८ ३८	८ ३३	८ २९	८ २४	८ १९	८ १४	८ ९	८ ४	८ ०
वृ. अं.	९ ३	९ ०	८ ५६	ध.	१० ५८	१० ५३	१० ४९	१० ४४	१० ४०	१० ३६	१० ३२	१० २७	१० २२	१० १७	१० १२	१० ८
ध. अं.	११ ९	११ ५	११ २	म.	१२ ४३	१२ ३९	१२ ३४	१२ ३०	१२ २५	१२ २०	१२ १६	१२ १२	१२ ७	१२ २	११ ५८	११ ५५
म. अं.	१२ ५५	१२ ५२	१२ ४८	कुं.	२ १५	२ १०	२ ६	२ १	१ ५७	१ ५३	१ ४८	१ ४३	१ ३९	१ ३५	१ ३०	१ २६
कुं. अं.	२ २७	२ २४	२ २०	मी.	३ ४२	३ ३८	३ ३३	३ २९	३ २४	३ २०	३ १५	३ १०	३ ६	३ २	२ ५८	२ ५३
मी. अं.	३ ५४	३ ५०	३ ४७	मे.	५ २०	५ १६	५ १२	५ ७	५ ३	४ ५३	४ ५५	४ ५०	४ ४५	४ ४०	४ ३५	४ ३०
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मे. अं.	५ ३२	५ २८	५ २५	वृ.	७ १६	७ १२	७ ७	७ २	६ ५८	६ ५३	६ ४९	६ ४५	६ ४०	६ ३६	६ ३२	६ २७
वृ. अं.	७ २८	७ २४	७ २१	मि.	९ ३०	९ २५	९ २०	९ १६	९ १२	९ ७	९ ३	८ ५९	८ ५५	८ ५०	८ ४५	८ ४०
मि. अं.	९ ४१	९ ३८	९ ३४	क.	११ ४८	११ ४३	११ ३९	११ ३४	११ ३०	११ २५	१० २०	११ १६	११ १२	११ ८	११ ३	१० ५८
क. अं.	११ ५९	११ ५६	११ ५२	सिं.	२ १	१ ५७	१ ५२	१ ४८	१ ४४	१ ४०	१ ३५	१ ३०	१ २६	१ २१	१ १६	१ ११
सिं. अं.	२ १३	२ १०	२ ६	कं.	४ १५	४ १०	४ ६	४ ०	३ ५८	३ ५३	३ ४९	३ ४४	३ ४०	३ ३५	३ ३०	३ २५
कं. अं.	४ २७	४ २३	४ १९	तु.	६ ३५	६ ३०	६ २५	६ २०	६ १६	६ ११	६ ६	६ २	५ ५८	५ ५३	६ ४८	८ ४३

मार्ग. कृ. १३ गुरौ इ. ४३।१६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	६	७	६	६	०	१०	४
९	०	२७	२६	१३	२३	४	४
३८	१३	३७	२५	२५	५५	४४	४४
१८	१४	४४	१४	१४	१	३६	३६
६०	३५	९१	११	५६/२५	२	३	३
५७	१२	२७	२१	व.	१५	११	११

९
चंशुमंबृ७
१०
सू.८बु.
६
११रा.
५के.
१२
२
४
१श.
३

श्री शुभ संवत् २०२७ शके १८९२ मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः । याम्यायनगोलौ । नवम्बर २९ से दिसम्वर १२ तक ।

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	२८	१	र.	४९	४	ऽनु.	९	१०	सु.	२५	३८	किं.	१९	३८	बव	४९	४	मृत्यु	२९	२९	१३				६	४३	५	१७	७	१२	४१	१४	६१	१
२६	२६	२	चं.	४६	४२	ज्ये.	९	९	धृ.	२१	४	वा.	१७	५३	कौ.	४६	४२	पद्म	३०	३०	१४	ध.	९	९	६	४४	५	१६	७	१३	४२	१७	६१	२
२६	२४	३	मं.	४३	१९	मू.	७	५६	शू.	१५	४२	तै.	१४	४०	ग.	४३	१९	छत्र	१	१	१५				६	४४	५	१६	७	१४	४३	२२	६१	३
२६	२२	४	बु.	३९	४	पूषा	५	५५	गं.	९	३४	व.	११	११	वि.	३९	४	श्रीवत्स	२	२	१६	म.	२०	११	६	४४	५	१६	७	१५	४४	२७	६१	४
२६	२०	५	बृ.	३४	६	उषा.	३/५६	१०/२८	वृ.	२/५२	४८/३९	बव	६	३५	वा.	३४	६	सौम्य	३	३	१७				६	४५	५	१५	७	१६	४५	३४	६१	६
२६	१९	६	शु.	२८	३७	ध.	५५	३२	व्या	४७	४९	कौ.	१	२१	तै.	२८/५५	३७/४३	धाता	४	४	१८	कुं.	२७	३०	६	४५	५	१५	७	१७	४६	४२	६१	८
२६	१७	७	श.	२२	४९	श.	५१	२०	ह.	३९	५८	व.	२२	४९	वि.	४९	५१	आनन्द	५	५	१९				६	४५	५	१५	७	१८	४७	५१	६१	९
२६	१५	८	र.	१६	५३	पूभा	४७	८	व.	३१	५०	बव	१६	५३	वा	४३	५८	चर	६	६	२०	मी.	३३	११	६	४५	५	१५	७	१९	४९	०	६१	१०
२६	१३	९	चं.	११	३	उभा	४३	७	सि.	२४	१३	कौ.	११	३	तै.	३८	१७	गद	७	७	२१				६	४६	५	१४	७	२०	५०	११	६१	११
२६	१२	१०	मं.	५	३१	रे.	३९	३१	व्य.	१६	४१	ग.	५	३१	व.	३२	५९	शुभ	८	८	२२	मे.	३९	३१	६	४६	५	१४	७	२१	५१	२३	६१	१२
२६	११	११	बु.	०/५५	२८/३६	अ.	३६	३०	व.	९	३१	वि.	०	२८	बव	२८/५६	६/४	मृत्यु	९	९	२३				६	४६	५	१४	७	२२	५२	३६	६१	१३
२६	१०	१३	बृ.	५२	३०	भ.	३४	२९	प.	२/५४	५७/७	कौ	२४	१७	तै.	५२	३०	पद्म	१०	१०	२४	वृ.	४९	६	६	४६	५	१४	७	२३	५३	५०	६१	१४
२६	९	१४	शु.	४९	५६	कृ.	३२	५६	सि.	५२	०	ग.	२१	१३	व.	४९	५६	छत्र	११	११	२५				६	४६	५	१४	७	२४	५५	६	६१	१५
२६	८	१५	श.	४८	३१	रो.	३२	४२	सा.	४७	४७	वि.	१९	१३	बव	४८	३१	श्रीवत्स	१२	१२	२६				६	४७	५	१३	७	२५	५६	२४	६१	१६

या. ज. मु. ९।१० या. ।
चन्द्रदर्शनम् मु. ३० । सौम्योन्नतं शृंगम् ।
दिसम्वर । शावान ।
म. ११।११ उ. ३९।४ या. शाकेर्कः ५७।३४ ।
या. ज. मु. ३।१०गा. । श्रवसि प्राच्यां यात्रा मु. ।
पञ्चक प्र॰ २७३० ।
म. २२।४९ उ. ४९।५१ या. ।
स. सि. योगः ४७।८ उ. ।
या. ज. मु. ११।३ या. ।
म. ३२।५९ उ. । पञ्चक नि. ३९।३१ ।
म. ०।२८ या. । प्राच्या यात्रा मु. । मोक्षदा ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
या. ज. मु. ३४।२९ या. । प्रदोषः ।
म. ४९।५६ उ. ।
म. १९।१३ या. । स. सि. योगः ।

मार्गशीर्ष शु. १ रवौ इ. ४३।१४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	६	८	६	६	०	१०	४
१२	१	२	२७	१४	२४	४	४
४	५४	४८	१	३६	१	३५	३५
१४	४	६	५	२	३	३	३
६१	३५	९०	१२	१६/१७	३/५	३	३
१	४४	१५	१६	मा.	व.	११	११

९बु. म.७व.शु.
१० सू.८चं. ६
रा.११ के. ५
१२ २ ४
श.१ ३

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.		२ चं.		३ मं.		४ बु.		५ बृ.		६ शु.		७ श.		८ र.		९ चं.		१० मं.		११ बु.		१३ बृ.		१४ शु.		१५ श.	
वृ. अं.	७	५६	७	५२	७	४८	७	४३	७	३९	७	३५	७	३०	७	२६	८	२१	७	१६	७	१२	७	८	७	४	७	०
ध अं.	१०	३	९	५९	९	५५	९	५०	९	४६	९	४२	९	३८	९	३३	९	२९	९	२४	९	२०	९	१५	९	१०	९	६
म. अं.	११	५०	११	४६	११	४१	११	३७	११	३२	११	२७	१२	२३	११	१९	११	१५	११	११	११	७	११	२	१०	५८	१०	५३
कुं. अं.	१	२१	१	१७	१	१२	१	८	१	४	१	०	१२	५५	१२	५१	१२	४७	१२	४२	१२	३८	१२	३३	१२	२९	१२	२४
मी. अं.	२	४८	२	४४	२	४०	२	३५	२	३१	२	२७	३	२२	२	१८	३	१४	२	९	२	५	२	१	१	५६	१	५१
मे. अं.	४	२५	४	२०	४	१६	४	१२	४	८	४	४	४	०	३	५५	३	५०	३	४६	३	४१	३	३७	३	३४	३	३०
राशय	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
वृ. अं.	६	२२	६	१८	६	१४	६	१०	६	५	६	१	५	५६	५	५२	५	४८	५	४४	५	३९	५	३४	५	३०	५	२५
मि. अं.	८	३५	८	३०	८	२६	८	२२	८	१८	८	१३	८	९	८	५	८	१	७	५६	७	५२	७	४८	७	४३	७	३८
क. अं.	१०	५३	१०	४९	१०	४५	१०	४१	१०	३७	१०	३२	१०	२७	१०	२२	११	१८	१०	१३	१०	८	१०	४	१०	०	९	५६
सिं. अं.	१	६	१	२	१२	५८	१२	५४	१२	४९	१२	४५	१२	४०	१२	३६	१२	३१	१२	२७	१२	२२	१२	१८	१२	१४	१२	१०
कं. अं.	३	२०	३	१५	३	११	३	७	३	२	२	५८	३	५४	२	४९	३	४४	२	४०	२	३६	२	३१	२	२७	२	२३
तू. अं.	५	३८	५	३३	५	२९	५	२४	५	२०	५	१६	६	११	५	७	५	८	४	५९	४	५४	४	४९	४	४४	४	३९

मा. शी. शु. ११ बुधे इ. ४३।५९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
७	६	८	६	६	०	१०	४
२२	८	१४	२९	१६	२३	४	४
५२	६	१२	६	४८	६	३	३
३६	४	५	५	२५	३	३५	३५
६१	४१	३५	१२	११/९	२/५	३	३
१३	३८	४४	१	मा.	व.	११	११

९बु. बृ.शु.मं. ७
१० सू. ८ ६
रा. ११ के. ५
१२ २ ४
१श.चं. ३

२६

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	७	१	र.	४८	२२	मृ.	३३	३८	शु.	४४	३६	वा.	१८	२६	कौ.	४८	२२	सौम्य	१३	१३	२७	मि.	३	१०	६	४७	५	१३	७	२६	५७	४१	६१	१७
२६	६	२	चं.	४९	३१	आ.	३५	५१	शु.	४२	२३	तै.	१८	५६	ग.	४९	३१	कालद.	१४	१४	२८				६	४७	५	१३	७	२७	५९	०	६१	१८
२६	६	३	मं.	५१	५७	पु.	३९	२१	ब्र.	४१	१३	व.	२०	१४	वि.	५१	५७	स्थिर	१५	१५	२९	क.	२३	२९	६	४७	५	१३	७	२९	०	१८	६१	१९
२६	५	४	बु.	५५	३१	पु.	४३	५७	ऐं.	४०	५६	बव	२३	४४	वा.	५५	३१	मातग	१६	१६	१				६	४७	५	१३	८	०	१	३८	६१	१९
२६	४	५	बृ.	६०	०	श्ले	४९	३२	वै.	४१	२२	कौ.	२७	४७	तै.	६०	०	अमृत	१७	१७	२	सिं.	४९	३२	६	४७	५	१३	८	१	२	५९	६१	२०
२६	४	५	शु.	०	३	म.	५५	४८	वि.	४२	२०	तै.	०	३	ग.	३२	३८	काण	१८	१८	३				६	४७	५	१३	८	२	४	२१	६१	२०
२६	४	६	श.	५	१४	पूफा	६०	०	प्री.	४३	४०	व.	५	१४	वि.	३७	५६	सिद्धि	१९	१९	४				६	४७	५	१३	८	३	५	४३	६१	२१
२६	३	७	र.	१०	३९	पूफा	२	२०	आ.	४४	५९	बव	१०	३९	वा.	४३	१६	छत्र	२०	२०	५	कं.	१८	५६	६	४६	५	१३	८	४	७	५	६१	२२
२६	३	८	चं.	१५	५४	उफा	८	४५	सौ.	४५	५६	कौ.	१५	५४	तै.	४८	१४	श्रीवत्स	२१	२१	६				६	४७	५	१३	८	५	८	२८	६१	२२
२६	३	९	मं.	२०	३४	ह.	१४	३८	शो.	४६	२४	ग.	२०	३४	व.	५२	२७	सौम्य.	२२	२२	७	तु.	४७	१०	६	४७	५	१३	८	६	९	५१	६१	२३
२६	३	१०	बु.	२४	२०	चि.	१९	४३	अति	४६	१	वि.	२४	२०	बव	५५	३७	कालदं	२३	२३	८				६	४७	५	१३	८	७	११	१४	६१	२३
२६	३	११	बृ.	२६	५५	स्वा	२३	४०	सु.	४४	४९	वा.	२६	५५	कौ.	५७	३६	स्थिर	२४	२४	९				६	४७	५	१३	८	८	१२	३८	६१	२४
२६	४	१२	शु.	२८	१८	वि.	२६	२८	धृ.	४२	३६	तै.	२८	१८	ग.	५८	१९	मातंग	२५	२५	१०	वृ.	१०	४६	६	४७	५	१३	८	९	१४	३	६१	२४
२६	४	१३	श.	२८	२०	अनु.	२७	५८	शू.	३९	२१	व.	२८	२०	वि.	५७	४३	अमृत	२६	२६	११				६	४७	५	१३	८	१०	१५	३०	६१	२५
२६	४	१४	र.	२७	७	ज्ये	२८	१५	गं.	३५	८	श.	२७	७	च.	५५	५८	काण	२७	२७	१२	ध.	२८	१५	६	४७	५	१३	८	११	१६	५५	६१	२५
२६	५	३०	चं.	२४	४२	मू.	२७	२२	वृ.	३०	८	ना.	२८	४२	कि.	५२	५९	लुम्ब	२८	२८	१३				६	४७	५	१३	८	१२	१८	२१	६१	२५

श्री शुभ संवत् २०२७ शके १८९२ पौष कृष्ण पक्षः । याम्यायनगोलौ । दिसम्बर १३ से २८ तक । शि. ऋ.

म. २०।१४ उ. ५१।५७ या. । मूले धनुषि चार्कः ५८।२३ a
गणेश ४ व्रतम् । a मु. ३०। दक्षिणस्यां यात्रा मु. भद्रान्ते ।
या. ज. मु. ।

म. ५।१४ उ. ३७।५६ या. ।
स. सि. योगः २।२० उ. । या. ज. मु. २।२० उ. १०।३९ या. ।
तिथिदानात् दक्षिणस्यां यात्रा मु. । या.ज.मु. १५।५४ उ. । b
म. ५२।२७ उ. । दक्षिण पूर्व यो. यात्रा मु. । रा. पौष ।
म. २४।२० या. । b बुधास्तः पश्चिमायाम् ३।४४ ।
या. ज. म. २३।४० या. । सफला ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
प्रदोषः । c २७।५८ या. । मास शिवरात्रि व्रतम् ।
म. २८।२० उ. ५७।४३ या. । प्रतीच्यां यात्रा मु. । या. ज. मु. c

स्नानदान श्राद्धादौ ३० ।

पौष कृ. ६ शनौ इ. ४३।२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	६	८	७	६	०	१०	४
३	१४	१७	१	२१	२२	३	३
५	२४	३६	१२	३६	३६	३२	३२
४३	२५	२१	२	२२	२३	८	८
६१	३५	१८	१०	३०	३/५	३	३
११	३९	४२	२८	१८	व	११	११

१० बृ:८ ७
११ रा.
सू. ९ बु. मं.शु.
१२ ६
श. १ ३ के. ५चं.
२ ४

वैनिक लग्नसारिणी

ति.	१ र.	२ चं.	३ मं.	ति.	४ बु.	५ बृ.	५ शु.	६ श.	७ र.	८ चं.	९ मं.	१० बु.	११ बृ.	१२ शु.	१३ श.	१४ र.	३० चं.
वृ.	६।५६	६।५३	६।५०	ध.	८।४८	८।४४	८।४०	८।३६	८।३२	८।२७	८।२४	८।२१	८।१७	८।१४	८।१०	८।५	८।१
ध.	८।५९	८।५६	८।५३	म.	१०।३८	१०।३४	१०।३०	१०।२६	१०।२१	१०।१७	१०।१३	१०।९	१०।५	१०।०	९।५६	९।५१	९।४७
म.	१०।४८	१०।४५	१०।४२	कुं.	१२।१०	१२।५	१२।१	११।५७	११।५३	११।४९	११।४५	११।४१	११।३६	११।३२	११।२८	११।२४	११।१९
कुं.	१२।२०	१२।१७	१२।१४	मी.	१।३६	१।३२	१।२८	१।२४	१।२०	१।१६	१।१२	१।८	१।४	१।०	१२।५५	१२।५०	१२।४६
मी.	१।४७	१।४४	१।४१	मे.	३।१५	३।१०	३।६	३।२	२।५८	२।५४	२।५०	८।४६	२।४१	२।३७	२।३३	२।२९	२।२४
मि.	३।२५	३।२२	३।१९	वृ.	५।१०	५।६	५।२	४।५८	४।५४	४।५०	४।४५	४।४१	४।३७	४।३३	४।२९	४।२५	४।२१
रा.	रा०	रा०	रा०	रा.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
वृ.	५।२१	५।१८	५।१५	मि.	७।२४	७।२०	७।१५	७।११	७।७	७।३	६।५९	६।५५	६।५०	६।४६	६।४२	६।३८	६।३३
मि.	७।३४	७।३१	७।२८	क.	९।४२	९।३८	९।३४	९।३०	९।२६	९।२१	९।१७	९।१३	९।८	९।४	९।०	८।५५	८।५१
क.	९।५२	९।४९	९।४६	सिं.	११।५६	११।५२	११।४८	११।४४	११।३९	१४।३५	११।३१	११।२७	११।२३	११।१९	११।१४	११।१०	११।५
सिं.	१२।६	१२।३	१२।०	कं.	२।८	२।४	२।०	१।५६	१।५२	१।४८	१।४४	१।४०	१।३६	१।३१	१।२७	१।२३	१।१८
कं.	२।१९	२।१६	२।१३	तु.	६।२५	४।२१	४।१७	४।१२	४।८	४।०	३।५५	३।५२	३।४९	३।४६	३।४३	३।३८	३।३४
तु.	४।३५	४।३२	४।२९	वृ.	६।४६	६।४१	६।३७	६।३२	६।२७	६।२३	६।१९	६।१४	६।१०	६।६	६।२	५।५८	५।५३

पौष कृ. १३ शनौ इ. ४३।२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के
८	६	८	७	६	०	१०	४
१०	१८	१३	२	२६	२२	३	३
१५	०६	३६	३३	३०	१२	१०	१०
३०	१४	४५	४४	१४	२८	१२	१२
६१	३६	[illegible]	११	४१	३/७	३	३
२५	३५	व.	३२	१३	व.	११	११

१० चं.८बृ.
रा.११
सू.९बु. ७शु.६मं.
१२ ६
१ श. ३ ५के.
२ ४

श्री शुभ संवत् २०२७ शके १८९२ पौष शुक्लपक्षः । याम्यायनगोली । दिसम्बर २९ से जनवरी ११ तक ।

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	६	१	मं.	२१	१७	पूषा	२५	३२	ध्रु.	२४	९	बव	२१	१७	वा.	४९	८	मित्र	२९	२९	१४	म.	३९	५१	६	१७	५	४३	८	१३	१९	४६	६१	२५
२६	६	२	बु.	१६	५९	उषा	२२	५०	व्या	१७	३५	कौ.	१६	५९	तै.	४४	३०	वज्र	३०	१	१५				६	४७	५	४३	८	१४	२१	१२	६१	२५
२६	७	३	बृ.	१२	१	श्र.	१९	२७	ह.	१०	२५	ग.	१२	१	व.	३९	१६	केपु	३१	२	१६	कुं.	४७	३२	६	४७	५	४३	८	१५	२२	३९	६१	२६
२६	८	४	शु.	६	३१	ध.	१५	३८	व.	२/५२	५३/१३	वि.	६	३१	बव	३३	३६	ध्वांक्ष	१	३	१७				६	४७	५	४३	८	१६	२४	७	६१	२६
२६	९	५	श.	०/५४	४२/६	श.	११	३०	व्य.	४७	८	वा.	०	४२	कौ.	२७/५४	४५/४१	आनंद	२	४	१८	मी.	५३	२१	६	४६	५	४३	८	१७	२५	३४	६१	२६
२६	१०	७	र.	४९	०	पूभा	७	१८	व.	३९	१८	ग.	२१	५४	व.	४९	०	चर	३	५	१९				६	४६	५	१४	८	१८	२७	०	६१	२६
२६	११	८	चं.	४३	३०	उभा	३/५६	१७/१८	प.	३१	३९	वि.	१६	१५	बव	४३	३०	गद	४	६	२०	मे.	५९	३५	६	४६	५	१४	८	१९	२८	२७	६१	२६
२६	१२	९	मं.	३८	२९	अ.	५६	१५	शि.	२४	२१	वा.	११	०	कौ.	३८	२९	अमृत	५	७	२१				६	४६	५	१४	८	२०	२९	५३	६१	२६
२६	१३	१०	बु.	३४	९	भ.	५४	४	सि.	१७	३५	तै.	६	१९	ग.	३४	९	काण	६	८	२२				६	४६	५	१४	८	२१	३१	१९	६१	२५
२६	१४	११	बृ.	३०	४३	कृ.	५२	३१	सा.	११	२८	व.	२	२६	वि.	३०/५२	४३/३८	लुम्ब	७	९	२३	वृ.	८	४१	६	४५	५	१५	८	२२	३२	४४	६१	२५
२६	१५	१२	शु.	२८	१४	रो.	५२	२	शु.	६	९	वा.	२८	१४	कौ.	५७	३६	मित्र	८	१०	२४				६	४५	५	१५	८	२३	३४	९	६१	२५
२६	१६	१३	श.	२६	५८	मृ.	५२	४३	शु.	५२	३७/३८	तै.	२६	५८	ग.	५६	५८	वज्र	९	११	२५	मि.	२२	२२	६	४५	५	१५	८	२४	३५	३५	६१	२५
२६	१७	१४	र.	२६	५७	आ.	५४	४१	ऐं.	५५	३२	व.	२६	५७	वि.	५७	३५	ध्वज	१०	१२	२६				६	४४	५	१६	८	२५	३६	५९	६१	२५
२६	१८	१५	चं.	२८	१४	पु.	५७	५७	वै.	५४	१	बव	२८	१४	वा.	५९	३५	धूम्र	११	१३	२७	क.	४२	८	६	४४	५	१६	८	२६	३८	२३	६१	२४

पूर्वाषाढ़ायामर्कः ४।३६। चन्द्रदर्शनम् मु. ४५ सौम्योन्नतं श्रृंगम्
श्रवसि दक्षिणस्यां यात्रा मु. । रमजान ।
भ. ३९।१६ उ.। श्रवसि दक्षिण पूर्वयोः यात्रा मु.। पञ्चक प्र. ४७।३२
भ. ६।३१ या. । जनवरी सन् १९७१ ।
उग्र कर्म मु. ।
भ. ४९।० उ. । उत्तरा योगे स. सि. योगः या. ज. योगश्च ।
भ. १६।१५ या. । नवमी योगे या. ज. मु. । ❋
स. सि. अ. सि. योगः । ❋ पञ्चक नि. ५९।३५ ।
बुधोदयः पूर्वस्याम् ३।४४ ।
भ. २।२६ उ. ३०।४३ या. । पुत्रदा ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
प्रदोष व्रतम् ।
दक्षिण पश्चिमयोः यात्रा मु. ।
भ. २६।५७ उ. ५७।३५ या. । व्रताय १५ ।
उत्तराषाढ़ायामर्कः ४।३७ । प्रतीच्यां यात्रा मु. ।

पौ. शु. १ भौमे इ. ४३।३

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	६	८	७	६	०	१०	४
१३	२०	११	३	२८	२१	३	३
१९	३६	४८	६	२	६	०	०
४६	१७	२५	४	१४	४	३९	१०
४६	३७	३६/५८	११	४२	२/८	३	३
२५	२	व.	३८	३३	व.	११	११

१० | बु.८बृ. | ११ रा. | सू.९ चं. | ७ मं. शु. | १२ | ६ | १श. | ३ | के.५ | २ | ४

वैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ मं.	२ बु.	३ बृ.	४ शु.	५ श.	७ र.	८ चं.	९ मं.	१० बु.	११ बृ.	१२ शु.	१३ श.	१४ र.	१५ चं.
ध. अं.	७ ५६	७ ५१	७ ४७	७ ४२	७ ३८	७ ३४	७ २९	७ २४	७ २०	७ १६	७ ११	७ ६	७ १	६ ५८
म. अं.	९ ४२	९ ३७	२ ३३	९ २९	९ २५	९ १०	९ १६	९ ११	९ ८	९ ३	८ ५८	८ ५४	८ ४९	८ ४२
कुं. अं.	११ १४	११ १०	११ ५	११ १	१० ५६	१० ५२	१० ४८	१० ४४	१० ४०	१० ३५	१० ३०	१० २६	१० २१	१० १७
मी. अं.	१२ ४१	१२ ३६	१२ ३२	१२ २८	१२ २४	१० १९	१२ १५	१२ १०	१२ ५	१२ १	११ ५७	११ ५३	११ ४८	११ ४३
मे. अं.	२ १६	२ १२	२ ८	२ ४	१ ५९	१ ५५	१ ५०	१ ४६	१ ४३	१ ३८	१ ३४	१ ३०	१ २६	१ २९
वृ. अं.	४ १५	४ १०	४ ६	४ १	३ ५७	३ ५२	३ ४८	३ ४५	३ ४०	३ ३५	३ ३१	३ २७	३ २२	३ १७
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
मि. अं.	६ २८	६ २४	६ १९	६ १४	६ १०	६ ६	६ १	५ ५६	६ ५२	५ ४८	५ ४३	५ ३९	५ ३४	५ ३०
क. अं.	८ ४६	८ ४२	८ ३७	८ ३२	८ २८	८ २४	८ २०	८ १५	८ ११	८ ७	८ २	७ ५८	७ ५३	७ ४८
सिं. अं.	११ ०	१० ५६	१० ५५	१० ४७	१० ४२	१० ३८	१० ३४	१० ३०	१० २५	१० २०	१० १६	१० १२	१० ७	१० २
कं. अं.	१ १३	१ ९	१ ५	१ ०	१२ ५५	१२ ५१	१२ ४७	१२ ४२	१२ ३८	१२ ३४	१२ ३०	१२ २५	१२ २०	१२ १५
तु. अं.	३ २९	३ २५	३ २०	३ १६	३ १२	३ ८	३ ४	३ ०	२ ५५	२ ५०	२ ४६	२ ४१	२ ३६	२ ३०
वृ. अं.	५ ४८	५ ४४	५ ४०	५ ३५	५ ३१	५ २७	५ २२	४ १८	५ ५४	५ १०	५ ५	५ ०	३ १४	४ ४९

पौ. शु. १२ शुक्रे इ. ४३।७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
८	६	८	७	७	०	१०	४
२३	२६	६	५	७	२१	१	१
३४	४८	१२	६	१८	३६	३७	३७
९	२४	५	२	१४	१४	२	२
६१	३६	३०/५३	११	८३	५/४	३	३
६५	९	व.	९	५८	मा	११	११

१० | बृशु.८ | ११ रा. | बु.९सू. | ७मं. | १२ | ६ | १श | ३ | के.५ | चं.२ | ४

श्री शुभ संवत् २०२७ शके १८९२ माघ कृष्णपक्षः। सौम्यायनम्। याम्यगोलः। जन. १२ से २६ तक। हेमन्त ऋ.

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	१९	१	मं	३०	४९	पुन	६०	०	वि.	५३	२३	का.	३०	४९	तै.	६०	०	प्रवर्ध.	१२	१४	२८				६	४४	५	१६	८	२७	३९	४९	६१	२४
२६	२१	२	बु.	३४	३१	पु.	२	१८	प्री.	५३	३७	तै.	२	४०	ग.	३४	३१	मातंग	१३	१५	२९				६	४३	५	१७	८	२८	४१	८	६१	२३
२६	२३	३	बृ.	३९	७	श्ले	७	४३	आ.	५४	२७	व.	६	४९	वि.	३९	७	अमृत	१४	१६	३०	सिं.	७	४३	६	४३	५	१७	८	२९	४५	३	६१	२२
२६	२५	४	शु.	४४	२३	म.	१३	४८	सौ.	५५	४३	बव	११	४५	वा.	४४	२३	काण	१५	१७	१				६	४३	५	१७	९	०	४३	५३	६१	२२
२६	२६	५	श.	४९	५१	पूफा	२०	२०	शो.	५७	२	कौ.	१७	७	तै.	४९	५१	लुम्ब	१६	१८	२	कं.	३६	५८	६	४२	५	१८	९	१	४५	१४	६१	२१
२६	२८	६	र.	५५	५	उफा	२६	५१	अति	५८	०	ग.	२२	२८	व.	५५	५	मित्र	१७	१९	३				६	४२	५	१८	९	२	४६	३४	६१	२१
२६	३०	७	चं.	५९	४०	ह.	३२	५५	सु.	५८	५२	वि.	२७	२२	बव	५९	४०	वज्र	१८	२०	४				६	४१	५	१९	९	३	४७	५३	६१	२०
२६	३३	८	मं.	६०	०	चि.	३८	१३	धृ.	५८	५०	बा.	३१	३०	कौ.	६०	०	ध्वांक्ष	१९	२१	५	तु.	५	४३	६	४१	५	१९	९	४	४९	१८	६१	१९
२६	३५	८	बु.	३	२०	स्वा	४२	२४	शू.	५७	५७	कौ.	३	२०	तै.	३४	३५	धूम्र	२०	२२	६				६	४१	५	१९	९	५	५०	२९	६१	१९
२६	३७	९	बृ.	५	१५	वि.	४५	३२	गं.	५६	७	ग.	५	५१	व.	३६	२८	प्रद्धमा.	२१	२३	७	वृ.	२९	४५	६	४०	५	२०	९	६	५१	४६	६१	१८
२६	३९	१०	शु.	७	६	अनु.	४७	१८	वृ.	५३	१७	वि.	७	६	बव	३७	४	रक्ष	२२	२४	८				६	४०	५	२०	९	७	५३	२	६१	१७
२६	४२	११	श.	७	३	ज्ये.	४७	५४	ध्रु.	४९	२६	बा.	७	३	कौ.	३६	२३	मुसल	२३	२५	९	ध.	४७	५४	६	३९	५	२१	९	८	५४	१७	६१	१६
२६	४४	१२	र.	५	४३	मू.	४७	१७	व्या	४४	३९	तै.	५	४३	ग.	३४	२८	सिद्धि	२४	२६	१०				६	३९	५	२१	९	९	५५	३१	६१	१५
२६	४७	१३	चं.	३/५६	१३/३३	पूषा	४५	३७	ह.	३९	२	व.	३	१३	वि	३१/५६	२२/४७	उत्पात	२५	२७	११	म.	५९	५७	६	३८	५	२२	९	१०	५६	४४	६१	१४
२६	४९	३०	मं.	५५	२३	उषा	४२	५८	व.	३२	४५	च.	२७	३४	ना.	५५	२३	मानस	२६	२८	१२				६	३८	५	२२	९	११	५७	५७	६१	१३

प्रतीच्यां यात्रा मु. पुण्ये।

म. ६।४९ उ. ३९।७ या.।मकरेर्कः २०।४० मु. ३०। या. a

गणेश ४ व्रतम्। a ज. मु. ७।४३ या.।

म. ५५।५ उ.। स. सि. योगः या. ज. योगश्च २६।५१ या.।

म. २७।२२ या.।

म. ३६।२८ उ.। रा. माघ।

म. ७।६ या.।

षट्तिला ११ व्रतं सर्वेषाम्।

श्रवणेऽर्कः १०।४६। प्रदोषः। स. सि. योगः।

म. ३।१३ उ. ३१।२९ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्।

दान स्नान श्राद्धादौ ३०।

माघ कृ. ७ चन्द्रे ह. ४३।१५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	६	८	७	७	०	१०	४
३	१३	९	६	१७	२१	१	१
४७	६	४८	१२	१८	४२	१४	१४
५३	२	१२	२	५	१५	३०	३०
६१	४१	३५	५	६०	५/व	३	३
२०	२४	७	३७	१५	४७	११	११

रा.११ बृ. ९
१२ १० सू. चं. बु. ८
श. १ ७मं.
२ ४ शु. ६
३ के.५

वैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ मं.		२ बु.		३ बृ.		ति.	४ शु.		५ श.		६ र.		७ चं.		८ मं.		८ बु.		९ बृ.		१० शु.		११ श.		१२ र.		१३ चं.		३० मं.	
ध. अं.	६	५३	६	४९	६	४४	म.	८	२६	८	२२	८	१८	८	१४	८	१०	८	५	८	०	७	५६	७	५२	७	४८	७	४४	७	४०
म. अं.	८	३९	८	३५	८	३१	कुं.	९	५६	९	५२	९	४८	९	४४	९	४०	९	३६	९	३२	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२
कुं. अं.	१०	११	१०	६	१०	१	मी.	११	२४	११	२०	११	१६	११	१२	११	८	११	४	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४७	१०	३९
मी. अं.	११	३८	११	३३	११	२९	मे.	१	२	१२	५८	१२	५४	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३५	१२	३१	१२	२७	१२	२२	१२	१७
मे. अं.	१	१६	१	१२	१	७	वृ.	२	५८	२	५४	२	५०	२	४५	२	४१	२	३७	२	३३	२	२९	२	२५	२	२१	२	१७	२	१३
वृ. अं.	३	१२	३	८	३	३	मि.	५	११	५	७	५	२	४	५८	४	५४	४	५०	४	४५	४	४०	४	३६	४	३२	४	२९	४	२६
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मि. अं.	५	२	५	२०	५	१६	क.	७	२९	७	२५	७	२०	७	१६	७	१२	७	८	७	४	७	०	६	५६	६	५२	६	४८	६	४४
क. अं.	७	४३	७	३८	७	३४	सिं.	९	४३	९	३९	९	३५	९	३०	९	२६	९	२२	९	१८	९	१४	९	१०	९	६	९	२	८	५८
सिं. अं.	९	५७	९	५२	९	४८	कं.	११	५६	११	५२	११	४८	११	४४	११	४०	११	३६	११	३२	११	२८	११	२३	११	१८	११	१५	११	११
कं. अं.	१२	१०	१२	५	१२	१	तु.	२	१२	२	८	२	४	२	०	१	५५	१	५१	१	४७	१	४३	१	३९	१	३५	१	३१	१	२७
तु. अं.	२	२६	२	२१	२	१७	वृ.	४	३०	४	२५	४	२१	४	१७	४	१३	४	९	४	५	४	०	३	५६	३	५२	३	४८	३	४४
वृ. अं.	४	४४	४	४०	४	३५	ध.	६	३९	६	३५	६	३०	६	२६	६	२२	६	१८	६	१४	६	१०	६	६	६	२	५	५८	५	५३

माघ कृ. १३ चन्द्रे ह. ४३।२९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	७	७	७	७	०	१०	४
१०	७	१७	८	२४	२१	०	०
५६	३९	४	५४	२७	४६	२४	४२
४४	१४	२	३५	१३	७	१४	१४
६१	३५	७०	८	५९	व./०	३	३
१४	४७	२४	३१	२६	मा.	११	११

११रा. चं.९
१२ सू. १० बु. शु. मं. ८
श. १ ७
२ ४ ६
३ के५

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	५२	१	बु.	५०	२२	श्र.	२९	५४	सि.	२५	५०	किं.	२२	५२	बव	५०	२२	छत्र	२७	२९	१३				६	३७	५	२३	९	१२	५९	७	६१	१२
२६	५४	२	बृ.	४४	५०	ध.	३६	१२	व्य.	१८	२५	वा.	१७	३६	कौ.	४४	५०	श्रीवत्स	२८	३०	१४	कुं.	८	३	६	३७	५	२३	९	१४	०	१६	६१	११
२६	५७	३	शु.	३९	२	श.	३२	९	व.	१०	४२	तै.	११	५६	ग.	३९	२	सौम्य	२९	१	१५				६	३६	५	२४	९	१५	१	२३	६१	१०
२७	०	४	श.	३३	८	पूभा	२७	५५	प.	२/५३	५०/१०	व.	६	४	वि.	३३	८	काल	३०	२	१६	मी.	१३	५९	६	३५	५	२५	९	१६	२	२९	६१	९
२७	३	५	र.	२७	२०	उभा	२३	५१	सि.	४७	१७	बव	०	१३	वा.	२७/५४	२०/३८	स्थिर	३१	३	१७				६	३५	५	२५	९	१७	३	३५	६१	८
२७	६	६	चं.	२१	५७	रे.	२०	४	सा.	३९	५१	तै.	२१	५७	ग.	४९	२५	मातंग	१	४	१८	मे.	२०	४	६	३४	५	२६	९	१८	४	४०	६१	६
२७	८	७	मं.	१६	५४	अ.	१६	४९	शु.	३२	५६	व.	१६	५४	वि.	४४	४६	अमृत	२	५	१९				६	३४	५	२६	९	१९	५	४४	६१	४
२७	११	८	बु.	१२	३८	भ.	१४	१४	शु.	२६	४०	बव	१२	३८	वा.	४०	५६	काण	३	६	२०	वृ.	२८	४८	६	३३	५	२७	९	२०	६	४७	६१	३
२७	१४	९	बृ.	९	१५	कृ.	१२	२९	ब्र.	२१	४	कौ.	९	१५	तै.	३८	३	लुम्ब	४	७	२१				६	३३	५	२७	९	२१	७	४९	६१	२
२७	१७	१०	शु.	६	५१	रो.	११	४६	ऐं.	१८	१७	ग.	६	५१	व.	३६	११	मित्र	५	८	२२	मि.	४१	५९	६	३२	५	२८	९	२२	८	४९	६१	१
२७	२०	११	श.	५	४१	मृ.	१२	१३	वै.	१२	२७	वि.	५	४१	बव	३५	४२	वज्र	६	९	२३				६	३१	५	२९	९	२३	९	४७	६१	०
२७	२३	१२	र.	५	४४	आ.	१२	५६	वि.	९	३८	वा.	५	४४	कौ.	३६	२६	ध्वांक्ष	७	१०	२४				६	३१	५	२९	९	२४	१०	४३	६०	५९
२७	२७	१३	चं.	७	९	पुन.	१६	५४	प्री.	७	४७	तै.	७	९	ग.	३८	२७	धूम्र	८	११	२५	क.	०	५५	६	३०	५	३०	९	२५	११	३८	६०	५७
२७	३०	१४	मं.	९	४५	पु.	२१	०	आ.	६	५५	व.	९	४५	वि.	४१	३७	वर्द्ध.	९	१२	२६				६	२९	५	३१	९	२६	१२	३१	६०	५५
२७	३३	१५	बु.	१३	३०	श्ले.	२६	१२	सौ.	६	५६	बव	१३	३०	वा.	४५	५१	रक्ष	१०	१३	२७	सिं.	२६	१२	६	२९	५	३१	९	२७	१३	२३	६०	५३

श्री शुभ संवत् २०२७ शके १८९२ माघ शुक्लपक्षः ।
सौम्यायनम् याम्यगोलः । जनवरी २७ से फरवरी १० तक ।

चन्द्रदर्शनम् मु. ३० सौम्य श्रृंगमुन्नतम् । प्रतीच्यां यात्रा मु. ।a
शव्वाल ।   a ८।३ उ. । पञ्चकारम्भः ८।३२ ।
म. ६।४ उ. ३३।८ या. ।   b फरवरी ।
स. सि. योगः । या. ज. योगश्च । वसन्तपञ्चमी । श्री ५ ।
पञ्चक समाप्तिः २०।४ या. । प्रतीच्यां यात्रा मु. २०।१४ या. ।b
म. १६।५४ उ. ४४।४६ या. । स. सि. अ. सि. योगः १६।४९ c
c या. । प्राच्यां यात्रा मु. ।

म. ३६।११ उ. ।   e प्रतीच्यां यात्रा मु. ।
म. ५।४१ या. ।वसुमेऽर्कः १४।४६ । जया११व्रतं सर्वेषाम् ।e
प्रदोषः । मकरे राहुः कर्के च केतुः ५६।३७ ।
प्रतीच्यां यात्रा मु. । या. ज. मु. १६।५४ या. ।
म. ९।४५ उ. ४१।३७ या. ।

माघ. शु. २ गुरौ इ. ४३। २७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	७	८	७	७	०	१०	४
१४	९	२०	८	२७	२३	०	०
०	२४	४	३०	२४	४८	३५	३५
१६	१४	१३	४	१३	१३	५७	५७
६१	३५	७०	५	५९	०	३	३
१२	४८	३०	४८	३८	५६	११	११

११रा ९बु.
१२ सू.१० चं. ८ शु.मं.बृ.
१ श. ७
२ ४ ६
३ ५के.

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.	२ बृ.	३ शु.	४श.	५ र.	६ चं.	७ मं.	८ बु.	९ बृ.	१० शु.	११ श.	१२ र.	१३ चं.	१४ मं.	१५ बु.
म. अं.	७ ३६	७ ३२	७ २८	७ २४	७ २०	७ १६	७ १२	७ ७	७ ३	६ ५९	६ ५५	६ ५१	६ ४७	६ ४३	६ ३९
कुं. अं.	९ ८	९ ४	९ ०	८ ५६	८ ५२	८ ४८	८ ४४	८ ३९	८ ३५	८ ३०	८ २६	८ २२	८ १८	८ १४	८ १०
मी. अं.	१० ३४	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १८	१० १४	१० १०	१० ६	१० २	९ ५८	९ ५४	९ ५०	९ ४६	९ ४२	९ ३८
मे. अं.	१२ १३	१२ ९	१२ ५	१२ ०	११ ५६	११ ५२	११ ४८	११ ४४	११ ४०	११ ३६	११ ३२	११ २८	११ २४	११ २०	११ १६
वृ. अं.	२ ९	२ ५	२ १	१ ५६	१ ५२	१ ४८	१ ४५	१ ४२	१ ३८	१ ३४	१ २९	१ २४	१ २०	१ १६	१ १२
मि. अं.	४ २२	४ १८	४ १४	४ १०	४ ६	४ १	३ ५६	३ ५२	३ ४८	३ ४४	३ ४०	३ ३६	३ ३२	३ २८	३ २४
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
क. अं.	६ ४०	६ ३५	६ ३१	६ २७	६ २३	६ १९	६ १५	६ ११	६ ७	६ ३	५ ५९	५ ५५	५ ५१	५ ४७	५ ४३
सिं. अं.	८ ५४	८ ५०	८ ४६	८ ४२	८ ३८	८ ३४	८ २९	८ २५	८ २०	८ १६	८ १२	८ ८	८ ४	८ ०	७ ५६
कं. अं.	११ ७	११ ३	१० ५८	१० ५५	१० ५०	१० ४६	१० ४२	१० ३८	१० ३४	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १८	१० १४	१० १०
तु. अं.	१ २३	१ १८	१ १४	१ १०	१ ६	१ २	१२ ५८	१२ ५४	१२ ५०	१२ ४६	१२ ४२	१२ ३८	१२ ३४	१२ ३०	१२ २६
वृ. अं.	३ ४०	३ ३५	३ ३१	३ २७	३ २३	३ १८	३ १५	३ ११	३ ७	३ ३	२ ५९	२ ५५	२ ५१	२ ४७	२ ४३
ध. अं.	५ ४९	५ ४५	५ ४०	५ ३६	५ ३२	५ २८	५ २४	५ २०	५ १६	५ १२	५ ८	५ ४	५ ०	४ ५६	४ ५१

मा. शु. १२ रवौ इ. ४३।४१

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	७	९	७	८	०	१०	४
२४	१५	५	९	८	२१	०	०
१०	१०	२४	५४	१८	१४	२	२
४३	४	१३	१७	१२	२२	४०	४०
६०	३५	२९	७	६५	०६	३	३
१९	४५	३७	४७	२९	मा.	११	११

११रा. ९बु.
१२ सू. १० ८ शु.मं.बृ.
श. १ ७
२ ४ ६
३ चं. ५के.

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	१९	१	मं	३०	४९	पुन	६०	०	वि.	५३	२३	का.	३०	४९	तै.	६०	०	प्रवर्च.	१२	१४	२८				६	४४	५	१६	८	२७	३९	४९	६१	२४
२६	२१	२	बु.	३४	३१	पु.	२	१८	प्री.	५३	३७	तै.	२	४०	ग.	३४	३१	मातंग	१३	१५	२९				६	४३	५	१७	८	२८	४१	८	६१	२३
२६	२३	३	बृ.	३९	७	श्ले	७	४३	आ.	५४	२७	व.	६	४९	वि.	३९	७	अमृत	१४	१६	३०	सि.	७	४३	६	४३	५	१७	८	२९	४५	३	६१	२२
२६	२५	४	शु.	४४	२३	म.	१३	४८	सौ.	५५	४३	बव	११	४५	वा.	४४	२३	काण	१५	१७	१				६	४३	५	१७	९	०	४३	५३	६१	२२
२६	२६	५	श.	४९	५१	पूफा	२०	२०	शो.	५७	२	कौ.	१७	७	तै.	४९	५१	लुम्ब	१६	१८	२	क.	३६	५८	६	४२	५	१८	९	१	४५	१४	६१	२१
२६	२८	६	र.	५५	५	उफा	२६	५१	अति	५८	०	ग.	२२	२८	व.	५५	५	मित्र	१७	१९	३				६	४२	५	१८	९	२	४६	३४	६१	२१
२६	३०	७	चं.	५९	४०	ह.	३२	५५	सु.	५८	५२	वि.	२७	२२	बव	५९	४०	वज्र	१८	२०	४				६	४१	५	१९	९	३	४७	५३	६१	२०
२६	३३	८	मं.	६०	०	चि.	३८	१३	धृ.	५८	५०	बा.	३१	३०	कौ.	६०	०	ध्वांक्ष	१९	२१	५	तु.	५	४३	६	४१	५	१९	९	४	४९	१८	६१	१९
२६	३५	८	बु.	३	२०	स्वा	४२	२४	शू.	५७	५७	कौ.	३	२०	तै.	३४	३५	धूम्र	२०	२२	६				६	४१	५	१९	९	५	५०	२९	६१	१९
२६	३७	९	बृ.	५	१५	वि.	४५	३२	गं.	५६	७	ग.	५	५१	व.	३६	२८	प्रवर्धमा.	२१	२३	७	वृ.	२९	४५	६	४०	५	२०	९	६	५१	४६	६१	१८
२६	३९	१०	शु.	७	६	अनु.	४७	१८	वृ.	५३	१७	वि.	७	६	बव	३७	४	रक्ष	२२	२४	८				६	४०	५	२०	९	७	५३	२	६१	१७
२६	४२	११	श.	७	३	ज्ये.	४७	५४	ध्रु.	४९	२६	बा.	७	३	कौ.	३६	२३	मुसल	२३	२५	९	ध.	४७	५४	६	३९	५	२१	९	८	५४	१७	६१	१६
२६	४४	१२	र.	५	४३	मू.	४७	१७	व्या	४४	३९	तै.	५	४३	ग.	३४	२८	सिद्धि	२४	२६	१०				६	३९	५	२१	९	९	५५	३१	६१	१५
२६	४७	१३	चं.	३/५६	१३/३१	पूषा	४५	३७	ह.	३९	२	व.	३	१३	वि.	३५/५६	२०/४७	उत्पात	२५	२७	११	म.	५९	५७	६	३८	५	२२	९	१०	५६	४४	६१	१४
२६	४९	३०	मं.	५५	२३	उषा	४२	५८	व.	३२	४५	च.	२७	३४	ना.	५५	२३	मानस	२६	२८	१२				६	३८	५	२२	९	११	५७	५७	६१	१३

श्री शुभ संवत् २०२७ शके १८९२ माघ कृष्णपक्षः। सौम्यायनम्। याम्यगोलः। जन. १२ से २६ तक। हेमन्त ऋ.

प्रतीच्यां यात्रा मु. पुण्ये।

भ. ६।४९ उ. ३९।७ या.। मकरेर्कः २०।४० मु. ३०। या. व

गणेश ४ व्रतम्। व ज. मु. ७।४३ या.।

भ. ५५।५ उ.। स. सि. योगः या. ज. योगश्च २६।५१ या.।

भ. २७।२२ या.।

भ. ३६।२८ उ.। रा. माघ।

भ. ७।६ या.।

षट्तिला ११ व्रतं सर्वेषाम्।

श्रवणेऽर्कः १०।४६। प्रदोषः। स. सि. योगः।

भ. ३।१३ उ. ३१।२९ या.। मास शिवरात्रि व्रतम्।

दान स्नान श्राद्धादौ ३०।

माघ कृ. ७ चन्द्रे इ. ४३।१५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	६	८	७	७	०	१०	४
३	१३	९	६	१७	२१	१	१
४७	६	४८	१२	१८	४२	१४	१४
५३	२	१२	२	५	१५	३०	३०
६१	४१	३५	५	६०	[illegible]	३	३
२०	२४	७	३७	१५	४७	११	११

रा. ११ | बु. ९ | १२ | १० सू. | शु. ८ | श. १ | ७मं. | २ | ४ | चं. ६ | ३ | के. ५

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ मं.		२ बु.		३ बृ.		ति.	४ शु.		५श.		६ र.		७ चं.		८ मं.		८ बु.		९ बृ.		१०शु		११ श.		१२ र.		१३चं		३०मं.	
ध. अं.	६	५३	६	४९	६	४४	म.	८	२६	८	२२	८	१८	८	१४	८	१०	८	५	८	०	७	५६	७	५२	७	४८	७	४४	७	४०
म. अं.	८	३९	८	३५	८	३१	कुं.	९	५६	९	५२	९	४८	९	४४	९	४०	९	३६	९	३२	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२
कुं. अं.	१०	११	१०	६	१०	१	मी.	११	२४	११	२०	११	१६	११	१२	११	८	११	४	११	०	१०	५६	१०	५२	१०	४८	१०	४७	१०	३९
मी. अं.	११	३८	११	३३	११	२९	मे.	१	२	१२	५८	१२	५४	१२	५०	१२	४६	१२	४२	१२	३८	१२	३५	१२	३१	१२	२७	१२	२३	१२	१७
मे. अं.	१	१६	१	१२	१	७	वृ.	२	५८	२	५४	२	५०	२	४५	२	४१	२	३७	२	३३	२	२९	२	२५	२	२१	२	१७	२	१३
वृ. अं.	३	१२	३	८	३	३	मि.	५	११	५	७	५	२	४	५८	४	५४	४	५०	४	४५	४	४०	४	३६	४	३२	४	२९	४	२६
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा.	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
मि. अं.	५	२	५	२०	५	१६	क.	७	२९	७	२५	७	२०	७	१६	७	१२	७	८	७	४	७	०	६	५६	६	५२	६	४८	६	४४
क. अं.	७	४३	७	३८	७	३४	सि.	९	४३	९	३९	९	३५	९	३०	९	२६	९	२२	९	१८	९	१४	९	१०	९	६	९	२	८	५८
सि. अं.	९	५७	९	५२	९	४८	कं.	११	५६	११	५२	११	४८	११	४४	११	४०	११	३६	११	३२	११	२८	११	२३	११	१८	११	१५	११	११
कं. अं.	१२	१०	१२	५	१२	१	तु.	२	१३	२	८	२	४	२	०	१	५५	१	५१	१	४७	१	४३	१	३९	१	३५	१	३१	१	२७
तु. अं.	२	२६	२	२१	२	१७	वृ.	४	३०	४	२५	४	२१	४	१७	४	१३	४	९	४	५	४	०	३	५६	३	५२	३	४८	३	४४
वृ. अं.	४	४४	४	४०	४	३५	ध.	६	३९	६	३५	६	३०	६	२६	६	२२	६	१८	६	१४	६	१०	६	६	६	२	५	५८	५	५३

माघ कृ. १३ चन्द्रे इ. ४३।२९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	७	७	७	७	०	१०	४
१०	७	१७	८	२४	२१	०	०
५६	३९	४	५४	२७	४६	२४	४२
४४	१४	२	३५	१३	७	१४	१४
६१	३५	७०	८	५९	[illegible]	३	३
१४	४७	२४	३१	२६	मा.	११	११

११रा. | चं. ९ | १२ | सू. १० | ८ शु. मं. बु. | श. १ | ७ | २ | ४ | ६ | ३ | के५

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२६	५२	१	बु.	५०	२२	श्र.	३९	५४	सि.	२५	५०	किं.	२२	५२	बव	५०	२२	छत्र	२७	२९	१३				६	३७	५	२३	९	१२	५९	७	६१	१२
२६	५४	२	बृ.	४४	५०	ध.	३६	१२	व्य.	१८	२५	वा.	१७	३६	कौ.	४४	५०	श्रीवत्स	२८	३०	१४	कुं.	८	३	६	३७	५	२३	९	१४	०	१६	६१	११
२६	५७	३	शु.	३९	२	श.	३२	९	व.	१०	४२	तै.	११	५६	ग.	३९	२	सौम्य	२९	१	१५				६	३६	५	२४	९	१५	१	२३	६१	१०
२७	०	४	श.	३३	८	पूभा	२७	५५	प.	२/५३	५०/१०	व.	६	४	वि.	३३	८	काल	३०	२	१६	मी.	१३	५९	६	३५	५	२५	९	१६	२	२९	६१	९
२७	३	५	र.	२७	२०	उभा	२३	५१	सि.	४७	१७	बव	०	१३	वा.	२७/५४	२०/३८	स्थिर	३१	३	१७				६	३५	५	२५	९	१७	३	३५	६१	८
२७	६	६	चं.	२१	५७	रे.	२०	४	सा.	३९	५१	तै.	२१	५७	ग.	४९	२५	मातंग	१	४	१८	मे.	२०	४	६	३४	५	२६	९	१८	४	४०	६१	६
२७	८	७	मं.	१६	५४	अ.	१६	४९	शु.	३२	५६	व.	१६	५४	वि.	४४	४६	अमृत	२	५	१९				६	३४	५	२६	९	१९	५	४४	६१	४
२७	११	८	बु.	१२	३८	भ.	१४	१४	शु.	२६	४०	बव	१२	३८	वा.	४०	५६	काण	३	६	२०	वृ.	२८	४८	६	३३	५	२७	९	२०	६	४७	६१	३
२७	१४	९	बृ.	९	१५	कृ.	१२	२९	ब्र.	२१	४	कौ.	९	१५	तै.	३८	३	लुम्ब	४	७	२१				६	३३	५	२७	९	२१	७	४९	६१	२
२७	१७	१०	शु.	६	५१	रो.	११	४६	ऐं.	१८	१७	ग.	६	५१	व.	३६	११	मित्र	५	८	२२	मि.	४१	५९	६	३२	५	२८	९	२२	८	४९	६१	१
२७	२०	११	श.	५	४१	मृ.	१२	१३	वै.	१२	२७	वि.	५	४१	बव	३५	४२	वज्र	६	९	२३				६	३१	५	२९	९	२३	९	४७	६१	०
२७	२३	१२	र.	५	४४	आ.	१२	५६	वि.	९	३८	वा.	५	४४	कौ.	३६	२६	ध्वांक्ष	७	१०	२४				६	३१	५	२९	९	२४	१०	४३	६०	५९
२७	२७	१३	चं.	७	९	पुन.	१६	५४	प्री.	७	४७	तै.	७	९	ग.	३८	२७	धूम्र	८	११	२५	क.	०	५५	६	३०	५	३०	९	२५	११	३८	६०	५७
२७	३०	१४	मं.	९	४५	पु.	२१	०	आ.	६	५५	व.	९	४५	वि.	४१	३७	वर्द्ध.	९	१२	२६				६	२९	५	३१	९	२६	१२	३१	६०	५५
२७	३३	१५	बु.	१३	३०	श्ले.	२६	१२	सौ.	६	५६	बव	१३	३०	वा.	४५	५१	रक्ष	१०	१३	२७	सिं.	२६	१२	६	२९	५	३१	९	२७	१३	२३	६०	५३

श्री शुभ संवत् २०२७ शके १८९२ माघ शुक्लपक्षः ।
सौम्यायनम् याम्यगोलः । जनवरी २७ से फरवरी १० तक ।

चन्द्रदर्शनम् मु. ३० सौम्य शृंगमुन्नतम् । प्रतीच्यां यात्रा मु. ।a
शव्वाल । a ८।३ उ. । पञ्चकारम्भः ८।३२ ।
म. ६।४ उ. ३३।८ या. । b फरवरी ।
स. सि. योगः । या. ज. योगश्च । वसन्तपञ्चमी । श्री ५ ।
पञ्चक समाप्तिः २०।४ या. । प्रतीच्यां यात्रा मु. २०।१४ या. ।b
म. १६।५४ उ. ४४।४६ या. । स. सि. अ. सि. योगः १६।४९ c
c या. । प्राच्यां यात्रा मु. ।

म. ३६।११ उ. । e प्रतीच्यां यात्रा मु. ।
म. ५।४१ या. ।वसुमेऽर्कः १४।४६ । जया ११ व्रतं सर्वेषाम् ।e
प्रदोषः । मकरे राहुः कर्के च केतुः ५६।३७ ।
प्रतीच्यां यात्रा मु. । या. ज. मु. १६।५४ या. ।
म. ९।४५ उ. ४१।३७ या. ।

माघ. शु. २ गुरौ इ. ४३। २७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	७	८	७	७	०	१०	४
१४	९	२०	८	२७	२३	०	०
०	२४	४	३०	२४	४८	३५	३५
१६	१४	१३	४	१३	१३	५७	५७
६१	३५	७०	५	५९	०	३	३
१२	४८	३०	४८	३८	५६	११	११

११रा ९बृ.
१२ सू. १० चं. ८ शु. मं. बु.
१ श. ७
२ ४ ६
३ ५के.

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.	२ बृ.	३ शु.	४ श.	५ र.	६ चं.	७ मं.	८ बु.	९ बृ.	१० शु.	११ श.	१२ र.	१३ चं.	१४ मं.	१५ बु.
म. अं.	७ ३६	७ ३२	७ २८	७ २४	७ २०	७ १६	७ १२	७ ७	७ ३	६ ५९	६ ५५	६ ५१	६ ४७	६ ४३	६ ३९
कुं. अं.	९ ८	९ ४	९ ०	८ ५६	८ ५२	८ ४८	८ ४४	८ ३९	८ ३५	८ ३०	८ २६	८ २२	८ १८	८ १४	८ १०
मी. अ.	१० ३४	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १८	१० १४	१० १०	१० ६	१० २	९ ५८	९ ५४	९ ५०	९ ४६	९ ४२	९ ३८
मे. अं.	१२ १३	१२ ९	१२ ५	१२ ०	११ ५६	११ ५२	११ ४८	११ ४४	११ ४०	११ ३६	११ ३२	११ २८	११ २४	११ २०	११ १६
वृ. अं.	२ ९	२ ५	२ १	१ ५६	१ ५२	१ ४८	१ ४५	१ ४२	१ ३८	१ ३४	१ २९	१ २४	१ २०	१ १६	१ १२
मि. अं.	४ २२	४ १८	४ १४	४ १०	४ ६	४ १	३ ५६	३ ५२	३ ४८	३ ४४	३ ४०	३ ३६	३ ३२	३ २८	३ २४
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
क. अं.	६ ४०	६ ३५	६ ३१	६ २७	६ २३	६ १९	६ १५	६ ११	६ ७	६ ३	५ ५९	५ ५५	५ ५१	५ ४७	५ ४३
सिं. अं.	८ ५४	८ ५०	८ ४६	८ ४२	८ ३८	८ ३४	८ २९	८ २५	८ २०	८ १६	८ १२	८ ८	८ ४	८ ०	७ ५६
कं. अं.	११ ७	११ ३	१० ५८	१० ५५	१० ५०	१० ४६	१० ४२	१० ३८	१० ३४	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १८	१० १४	१० १०
तु. अं.	१ २३	१ १८	१ १४	१ १०	१ ६	१ २	१२ ५८	१२ ५४	१२ ५०	१२ ४६	१२ ४२	१२ ३८	१२ ३४	१२ ३०	१२ २६
वृ. अं.	३ ४०	३ ३५	३ ३१	३ २७	३ २३	३ १८	३ १५	३ ११	३ ७	३ ३	२ ५९	२ ५५	२ ५१	२ ४७	२ ४३
ध. अं.	५ ४९	५ ४५	५ ४०	५ ३६	५ ३२	५ २८	५ २४	५ २०	५ १६	५ १२	५ ८	५ ४	५ ०	४ ५६	४ ५१

मा. शु. १२ रवौ इ. ४३।४१

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
९	७	९	७	८	०	१०	४
२४	१५	५	९	८	२१	०	०
१०	१०	२४	५४	१८	१४	२	२
४३	४	१३	१७	१२	२२	४०	४०
६०	३५	२९	७	६५	०/६	३	३
१९	४५	३७	४७	२३	मा.	११	११

११रा. ९बु.
१२ सू. १० ८ शु. मं. बृ.
श. १ ७
२ ४ ६
३ चं. ५के.

श्री शुभ संवत् २०२७ शके १८९२ फाल्गुन कृष्णपक्षः । सौम्यायनम् याम्यगोल । फरवरी ११ से २५ तक । +

	दि. मा. घ. प.	ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	यो.	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा. घ. प.	सू. उ. घं. मि.	सू. अ. घं. मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा. अं. क. वि.	गतिः क. वि.	+ हेमन्त ऋ.
	२७ ३६	१	बृ.	१८ १२	म.	३२ १४	शो.	७ ३९	कौ.	१८ १२	तै.	५० ४१	मुसल	११	१४	२८		६ २८	५ ३२	९ २८ १४ १३	६० ५१	
३०	२७ ४०	२	शु.	२३ २६	पूफा	३८ ४३	अति	८ ४७	ग.	२३ २६	व.	५६ ९	सिद्धि	१२	१५	२९	कं. ५५ २१	६ २७	५ ३३	९ २९ १५ १	६० ५०	म. ५६।९ उ. । कुंभेर्कः ४८।१ मु. ४५ ।
	२७ ४३	३	श.	२८ ५२	उफा	४५ १६	सु.	१० १३	वि.	२८ ५२	बव	६० ०	उत्पात	१३	१६	१		६ २७	५ ३३	१० ० १४ ४९	६० ४८	म. २८।५२ या. । गणेश ४ व्रतम् ।
	२७ ४६	४	र.	३४ २	ह.	५१ २७	धृ.	११ ३२	बव	१ २७	बा.	३४ २	मानस	१४	१७	२		६ २६	५ ३४	१० १ १६ ३५	६० ४६	स. सि. योगः प्राच्यां यात्रा मु. ।
	२७ ४९	५	चं.	३८ ३२	चि.	५७ ०	शू.	१२ २८	कौ.	६ १७	तै.	३८ ३२	मुद्गर	१५	१८	३	तु. २४ १३	६ २५	५ ३५	१० २ १७ १९	६० ४४	
	२७ ५३	६	मं.	४२ ६	स्वा	६० ०	गं.	१२ ४८	ग	१० १९	व.	४२ ६	केतु	१६	१९	४		६ २५	५ ३५	१० ३ १८ २	६० ४२	म. ४२।६ उ. ।
	२७ ५६	७	बु.	४४ ३०	स्वा	१ २९	वृ.	१२ १०	वि.	१३ १८	बव	४४ ३०	धूम्र	१७	२०	५	वृ. ४९ १	६ २४	५ ३६	१० ४ १८ ४२	६० ४०	म. १३।१८ या. । बुधास्तः पूर्वस्याम् ३३।४१ ।
	२८ ०	८	बृ.	४५ ३५	वि.	४ ५२	ध्रु.	१० ४६	बा.	१५ २	कौ.	४५ ३५	वर्धमा	१८	२१	६		६ २३	५ ३७	१० ५ १९ २०	६० ३८	जानकी जयन्ती ८ ।
	२८ ३	९	शु.	४५ २१	अनु.	६ ५७	व्या	८ १७	तै.	१५ २८	ग.	४५ २१	रक्ष	१९	२२	७		६ २३	५ ३७	१० ६ १९ ५७	६० ३६	शत मेऽर्कः २४।४६ ।
	२८ ७	१०	श.	४३ ५३	ज्ये.	७ ४७	ह.	४ ५१	व	१४ ३७	वि.	४३ ५३	मुसल	२०	२३	८	ध. ७ ४७	६ २२	५ ३८	१० ७ २० ३२	६० ३४	म. १४।३७ उ. ४३।५३ या. । रा. फाल्गुन ।
	२८ १०	११	र.	४१ १६	मू.	७ २७	व.	० ३४ / ५८ ४३	बव	१२ ३४	बा.	४१ १६	सिद्धि	२१	२४	९		६ २१	५ ३९	१० ८ २१ ५	६० ३२	विजया ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
	२८ १४	१२	चं.	३७ ३८	पूषा	६ ०	व्य.	४९ ३	कौ.	९ २७	तै.	३७ ३८	उत्पात	२२	२५	१०	म. २० २७	६ २१	५ ३९	१० ९ २१ ३७	६० ३०	उत्तरा योगे या. ज. मु. ।
	२८ १७	१३	मं.	३३ १२	उषा	३ ४७	व.	४२ २४	ग.	५ २५	व.	३३ १२	मानस	२३	२६	११		६ २०	५ ४०	१० १० २२ ८	६० २८	म. ३३।१२ उ. । प्रदोषः । महाशिवरात्रि व्रतम् ।
	२८ २१	१४	बु.	२८ ५	श्र.	० ३० / ५६ ५६	प.	३५ ९	वि.	० ३८	श.	२८ ५ / ५६ १८	छत्र	२४	२७	१२	कुं. २८ ५१	६ १९	५ ४१	१० ११ २२ ३७	६० २६	म. ०।३८ या. । पञ्चक प्र. २८।५१ ।
	२८ २४	३०	बृ.	२२ ३१	श.	५३ ४	शि.	२७ ३४	ना.	२२ ३१	किं.	४९ ३८	वज्र	२५	२८	१३		६ १८	५ ४२	१० १२ २३ १	६० २४	स्नानदान श्राद्धादौ ३० ।

फाल्गुन कृ. ७ बुधे इ. ४३।५८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	७	९	७	८	०	९	३
४	२१	२२	११	१९	२२	२९	२९
१८	४२	३६	०	२४	३६	३०	३०
४२	१५	१४	२४	३	१४	५३	५३
६०	३५	१०१	११	६५	४	३	३
४९	५२	४८	३७	१३	३	११	११

१२ बु. १०र
श. १ सू. ११ ९ शु.
२ बृ. मं. ८
३ ५ ७चं.
४के. ६

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बृ.	२ शु.	ति.	३ श.	४ र.	५ चं.	६ मं.	७ बु.	८ बृ.	९ बु.	१० श.	११ र.	१२ चं.	१३ मं.	१४ बु.	३० बृ.
म. अं.	६ ३५	६ ३०	कुं.	७ ५८	७ ५४	७ ५०	७ ४७	७ ४३	७ ३९	७ ३५	७ ३१	७ २७	७ २३	७ १९	७ १५	७ ११
कुं. अं.	८ ७	८ २	मी.	९ २५	९ २१	९ १७	९ १४	९ १०	९ ६	९ २	८ ५८	८ ५४	८ ५०	८ ४६	८ ४२	८ ३८
मी. अं.	९ ३४	५ २९	मे.	११ ४	११ ०	१० ५६	१० ५२	१० ४८	१० ४४	१० ४०	१० ३६	१० ३२	१० २८	१० २४	१० २०	१० १६
मे. अं.	११ १२	११ ७	वृ.	१ ०	१२ ५६	१२ ५२	१२ ४८	१२ ४४	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३२	१२ २८	१२ २४	१२ २०	१२ १६	१२ १२
वृ. अं.	१ ८	१ ३	मि.	३ १२	३ ८	३ ४	३ ०	२ ५६	२ ५२	२ ४८	२ ४५	२ ४१	२ ३७	२ ३३	२ २९	२ २५
मि. अं.	३ २०	३ १६	क.	५ ३०	५ २७	५ २३	५ १९	५ १५	५ ११	५ ७	५ ३	४ ५९	४ ५५	४ ५१	४ ४७	४ ४३
राशयः	रा०	रा०	रा.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
क. अं.	५ ३९	५ ३४	सिं.	७ ४४	७ ४०	७ ३६	७ ३२	७ २८	७ २४	७ २०	७ १७	७ १३	७ ९	७ ५	७ १	६ ५७
सिं. अं.	७ ५३	७ ४८	कं.	९ ५७	९ ५४	९ ५०	९ ४६	९ ४२	९ ३८	९ ३४	९ ३०	९ २६	९ २२	९ १८	९ १४	९ १०
कं. अं.	१० ६	१० १	तु.	१२ १४	१२ १०	१२ ६	१२ २	११ ५८	११ ५४	११ ५०	११ ४६	११ ४२	११ ३८	११ ३४	११ ३०	११ २६
तु. अं.	१२ २२	१२ १७	वृ.	२ ३०	२ २७	२ २३	२ १९	२ १५	२ ११	२ ७	२ ३	१ ५९	१ ५५	१ ५१	१ ४७	१ ४१
वृ. अं.	२ ३९	२ ३४	ध.	४ ३६	४ ३२	४ २८	४ २५	४ २१	४ १७	४ १३	४ ९	४ ५	४ १	३ ५७	३ ५३	३ ४९
ध. अं.	४ ४५	४ ४०	म.	७ २७	६ २३	६ १९	६ १५	६ ११	६ ८	६ ३	५ ५९	५ ५५	५ ५१	५ ४७	५ ४३	५ ३९

फाल्गुन कृ. १४ बुधे इ. ४४।२

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	७	१०	७	८	०	९	३
११	२६	४	११	२८	२३	२९	२९
१२	१	४८	३६	२६	१६	८	८
३७	४४	३४	१३	२६	१५	३८	३८
६०	२९	५५/८२	४/३३	५२	५	३	३
४७	३२	व.	व.	२१	५७	११	११

१२ चं१०रा
श. १ सू. ११बु. शु. ९
२ बृ. ८मं.
३ ५ ७
४के. ६

श्री शुभ संवत् २०२७ शके १८९२ फाल्गुन शुक्लपक्षः ।
सौम्यायनम् याम्यगोल । फरवरी २६ से मार्च १२ तक ।

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.	
२८	२८	१	शु.	१६	४५	पूभा	४८	५२	सि.	१९	४९	बव	१६	४५	बा.	४३	४३	ध्वांक्ष	२६	२९	१४	मी.	३४	५५	६	१८	५	४२	१०	१३	२३	२३	६०	२२	चन्द्रदर्शनम् मु. ३० समश्रृंगम् ।
२८	३२	२	श.	१०	४२	उभा	४४	४७	सा.	११	४७	कौ.	१०	४२	तै.	३७	४७	धूम्र	२७	१	१५				६	१७	५	४३	१०	१४	२३	४३	६०	२७	रेवत्यां पश्चिमोत्तरयोः यात्रा या. ज. मु. ।
२८	३५	३	र.	४/५४	५३/३०	रे.	४०	५६	शु.	४/५६	१३/३३	ग.	४	५३	व.	३२/५९	८/३३	प्रवर्ध.	२८	२	१६	मे.	४०	५६	६	१६	५	४४	१०	१५	२४	२	६०	१८	म. ३२।८ उ. ५९।२३ या. । पञ्चक नि. ४०।५६ ।
२८	३९	५	चं	५४	२६	अ.	३७	३३	ब्र.	४९	४५	बव	२६	५४	बा.	५४	२६	रक्ष	१	३	१७				६	१६	५	४४	१०	१६	२४	२१	६०	१६	म. १ मार्च ।
२८	४६	६	मं.	५०	१७	भ.	३४	४६	ऐं.	४३	१६	कौ.	२२	१९	तै.	५०	१३	मुसल	२	४	१८	वृ.	४९	१८	६	१५	५	४५	१०	१७	२४	३८	६०	१७	
२८	४८	७	बु.	४६	५०	कृ.	३२	५६	वै.	३७	२९	ग.	१८	३१	व.	४६	५०	सिद्धि	३	५	१९				६	१४	५	४६	१०	१८	२४	५३	६०	१४	म. ४६।५० उ. ।
२८	५०	८	बृ.	४४	२७	रो.	३१	५७	वि.	३२	३२	वि.	१५	३८	बव	४४	२७	उत्पात	४	६	२०				६	१३	५	४७	१०	१९	२५	१७	६०	१२	म. १५।३८ या. । पूर्वा भाद्रपदामेऽर्कः ३५।४६ ।
२८	५३	९	शु.	४३	२८	मृ.	३२	९	प्री.	२८	२६	बा.	१३	५२	कौ.	४३	१८	मानस	५	७	२१	मि.	२	३	६	१३	५	४७	१०	२०	२५	१८	६०	११	होलाष्टकारम्भः ।
२८	५७	१०	श.	४३	२३	आ.	३३	३४	आ.	२५	२१	तै.	१३	२०	ग.	४३	२३	मुद्गर	६	८	२२				६	१२	५	४८	१०	२१	२५	२७	६०	१०	तीक्ष्ण कर्म मु. ।
२९	१	११	र.	४४	५०	पुन.	३६	१६	सौ.	२३	१५	व.	१४	६	वि.	४४	५०	केतु	७	९	२३	क.	२०	३६	६	११	५	४९	१०	२२	२५	३४	६०	९	म. १४।६ उ. ४४।५० या. । आमलकी ११ व्रतं सर्वेषाम् ।
२९	५	१२	चं.	४७	२५	पु.	४०	८	शो.	२२	१०	बव	१६	७	बा.	४७	२५	धाता	८	१०	२४				६	१०	५	५०	१०	२३	२५	३९	६०	८	स. सि. योगः । पश्चिमोत्तरयोः यात्रा मु. ।
२९	८	१३	मं.	५१	११	श्ले.	४५	९	अति	२२	१	कौ.	१९	१८	तै.	५१	११	आनन्द	९	११	२५	सिं.	४५	९	६	१०	५	५०	१०	२४	२५	४२	६०	६	प्रदोषः । स. सि. योगः ।
२९	१२	१४	बु.	५५	५१	म.	५१	२	सु.	२२	३५	ग.	२३	३१	व.	५५	५१	चर	१०	१२	२६				६	९	५	५१	१०	२५	२५	४४	६०	४	म. ५५।५१ उ. ।
२९		१५	बृ.	६०	०	पूफा	५७	२९	धृ.	२३	४४	वि.	२८	२७	बव	६०	०	गद	११	१३	२७				६	८	५	५१	१०	२६	२५	४१	६०	५	म. २८।२७ या. । होलिकादहनम् भद्रान्ते ।
२९	१६ ७१	१५	शु.	१	३	उफा	६०	०	शू.	२२	१२	बव	१	३	बा.	३३	४४	शुभ	१२	१४	२८	कं.	१४	७	६	७	५	५३	१०	२७	२५	३८	६०	१०	वसन्तोत्सवः । धूलि वन्दनम् । चूतकुसुम प्राशनम् । श्वपचस्पर्शः ।

फा. शु. २ शनौ इ. ४४।२८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	७	१०	७	९	०	९	३
१४	२७	१०	११	१	२३	२८	२८
२३	५४	३६	४८	६	१८	५९	५९
४३	१५	१५	१५	५	१२	५	५
६०	३५	१०७	४	७०	४	३	३
२०	५३	३५	३४	३३	३	११	११

१२ चं. रा१०शु
१ श. सू.११बु. ९
२ बृ.८मं.
३ ५ ७
के४ ६

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.	२ श.	३ र.	५ चं.	६ मं.	७ बु.	८ बृ.	९ शु.	१० श.	११ र.	१२ चं.	१३ मं.	१४ बु.	१५ बृ	१५ शु.
कुं. अं.	७ ७	७ ४	७ ०	६ ५६	६ ५३	६ ४९	६ ४५	६ ४२	६ ३८	६ ३४	६ ३०	६ २६	६ २२	६ १८	६ १४
मी. अं.	८ ३८	८ ३२	८ २८	८ २४	८ २०	८ १६	८ १२	८ ८	८ ४	८ ०	७ ५६	७ ५३	७ ४९	७ ४५	७ ४१
मे. अं.	१० १३	१० १०	१० ६	१० २	९ ५८	९ ५५	९ ५१	९ ४७	९ ४३	९ ३९	९ ३५	९ ३१	९ २७	९ २३	९ १९
वृ. अं.	१२ ९	१२ ५	१२ १	११ ५७	११ ५४	११ ५०	११ ४७	११ ४३	११ ३९	११ ३६	११ ३२	११ २८	११ २४	११ २०	११ १६
मि. अं.	२ २२	२ १८	२ १५	२ ११	२ ७	२ ३	२ ०	१ ५७	१ ५४	१ ५१	१ ४७	१ ४३	१ ३९	१ ३५	१ ३१
क. अं.	४ ४०	४ ३६	४ ३२	४ २८	४ २५	४ २१	४ १७	४ १३	४ ९	४ ५	४ १	३ ५८	३ ५४	३ ५०	३ ४६
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
सिं. अं.	६ ५४	६ ५०	६ ४७	६ ४३	६ ३९	६ ३५	६ ३१	६ २७	६ २३	६ १९	६ १६	६ १२	६ ८	६ ४	६ ०
कं. अं.	९ ७	९ ४	९ ०	८ ५६	८ ५२	८ ४८	८ ४४	८ ४०	८ ३६	८ ३२	८ २८	८ २५	८ २१	८ १७	८ १३
तु. अं.	११ २३	११ १९	११ १५	११ १२	११ ८	११ ४	११ ०	१० ५६	१० ५२	१० ४८	१० ४४	१० ४०	१० ३६	१० ३२	१० २८
वृ. अं.	१ ४०	१ ३६	१ ३२	१ २८	१ २४	१ २०	१ १६	१ १०	१ ९	१ ५	१ १	१२ ५८	१२ ५४	१२ ५०	१२ ४६
ध. अं.	३ ४६	३ ४२	३ ३९	३ ३५	३ ३१	३ २८	३ २४	३ २०	३ १६	३ १२	३ ८	३ ५	३ १	२ ५७	२ ५३
म. अं.	५ ३४	५ ३०	५ २६	५ २२	५ १९	५ १५	५ ११	५ ७	५ ४	५ ०	४ ५६	४ ५२	४ ४८	४ ४७	४ ४०

फा. शु. १३ भौमे इ. ४४।३४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१०	९	१०	७	९	०	९	३
२४	४	२८	१२	१२	२३	२८	२८
२५	६	४८	३०	३६	५४	२७	२७
४२	२	२८	१३	२	५	१७	१७
६०	४१	१०७	५	६५	३	३	३
६	३९	२८	३९	२९	५	११	११

१२ शु१०रा
१श. बु.११व. ९मं.
२ ८बृ.
३ ५ ७
चं.४के. ६

श्री शुभ संवत् २०२७ शके १८९२ चैत्र कृष्णपक्षः ।
सौम्यायनम् याम्यगोलः । मार्च १३ से २६ तक । बसन्त ऋ.

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	ब.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
२९	२५	१	श.	६	२६	उफा	४	२	गं.	२६	४२	कौ.	६	२६	तै.	३८	५८	अमृत	१३	१५	२९				६	८	५	५२	१०	२८	२५	३१	५९	५७
२९	२९	२	र.	११	३०	ह.	१०	२३	वृ.	२७	४८	ग.	११	३०	व.	४३	४०	उत्पात	१४	१६	३०	तु.	४३	८	६	७	५	५३	१०	२९	२५	२४	५९	५५
२९	३३	३	चं.	१५	५१	चि.	१६	४	ध्रु.	२८	२५	वि.	१५	५१	बव	४७	३३	मानस	१५	१७	१				६	६	५	५४	११	०	२५	१९	५९	५२
२९	३७	४	मं.	१९	१६	स्वा	२०	४८	व्या	२८	११	बा.	१९	१६	कौ.	१०	२५	मुद्गर	१६	१८	२				६	५	५	५५	११	१	२५	०	५९	५०
२९	४१	५	बु.	२१	३४	वि.	२४	२७	ह.	२७	७	तै.	२१	३४	ग.	५२	३	केतु	१७	१९	३	वृ.	८	३२	६	४	५	५६	११	२	२४	४५	५९	४९
२९	४५	६	बृ.	२२	३३	अनु.	२६	५१	व.	२५	०	व.	२२	३३	वि.	५२	२१	धाता	१८	२०	४				६	४	५	५६	११	३	२४	२८	५९	४६
२९	४८	७	शु.	२२	९	ज्ये.	२७	५६	सि.	२१	५३	बव	२२	९	वा.	५१	२०	आनन्द	१९	२१	५	ध.	२७	५६	६	४	५	५६	११	४	२४	९	५९	४४
२९	५२	८	श.	२०	३२	मू.	२७	५०	व्य.	१७	४६	कौ.	२०	३२	तै.	४९	९	चर	२०	२२	६				६	४	५	५६	११	५	२३	४९	५९	४२
२९	५६	९	र.	१७	४७	पूषा	२६	३७	व.	१२	४८	ग.	१७	४७	व.	४५	५५	गद	२१	२३	७	म.	४१	६	६	३	५	५७	११	६	२३	२५	५९	३९
३०	०	१०	चं.	१४	३	उषा	२४	३४	प.	७	१	वि.	१४	३	बव	४१	४६	शुभ	२२	२४	८				६	२	५	५८	११	७	२२	५८	५९	३७
३०	४	११	मं.	९	२९	श्र.	२१	३८	शि.	०/५६	३३/५८	वा.	९	२१	कौ	३६	५३	लुम्ब	२३	२५	९	कुं.	४९	५३	६	१	५	५९	११	८	२२	२०	५९	३४
३०	८	१२	बु.	४/५४	१७/१९	ध.	१८	८	सा.	४६	५	तै.	४	१७	ग.	३५/५८	२६/३६	मित्र	२४	२६	१०				६	०	६	०	११	९	२१	५८	५९	३२
३०	१२	१४	बृ.	५२	३९	श.	१४	१२	शु.	३७	२६	वि.	२५	३७	श.	५२	३९	वज्र	२५	२७	११	मी.	५६	६	६	०	६	०	११	१०	२१	२७	५९	३०
३०	१५	३०	शु.	४६	४०	पूभा	१०	४	शु.	३०	३६	च.	१३	३९	ना.	४६	४०	ध्वांक्ष	२६	२८	१२				६	१	५	५९	११	११	२१	५५	५९	२८

म. ४३।४० उ.। सं. मीनेऽर्कः ३८।७मु. ३० । प्राच्यां यात्रा मु. ।
म. १५।५१ या. ।
a प्रतीच्यां यात्रा मु. अनु. मे. ।
उत्तरा भाद्रपद भे रविः ५५।४६ । स.सि. योगः, अ.सि.योगश्च a
म. २२।३३ । स. सि. योगः पश्चिमोत्तरयो यात्रा मु. अनु. मे ।
बुधोदयः पश्चिमायाम् ३८।२२ ।
म. ४५।५५ उ. । b पञ्चक प्र० ४०।५३
म. १४।३ या. । दक्षिणयात्रा. मु. २४।३४ उ. ।
दक्षिण पूर्वयोः यात्रा मु. । पापमोचिनी ११ व्रतं सर्वेषाम् b
म. ५८।३६ उ. । प्रतीच्यां यात्रा मु. १८।८ या. । प्रदोषः ।
म. २५।३७ या. । मास शिवरात्रि व्रतम् ।
श्राद्धस्नान श्राद्धादौ ३० ।

चैत्र कृ. ७ शुक्रे इ. ४४।५४

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	८	११	७	९	०	९	३
४	९	१५	१२	२४	२५	२७	२७
२४	५४	४२	४७	३६	०	५५	५५
९	१५	६	३	१३	३	२९	२९
५९	३०	१०१	१	७०	१	३	३
४४	१४	३	४८	२९	६	११	११

श.१
११
२
सू.१२बु.
रा.
शु.
३
९ मं.
४के.
६
चं.वृ.
८
५
७

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.	२ र.	ति.	३ चं.	४ मं.	५ बु.	६ बृ.	७ शु.	८ श.	९ र.	१० चं.	११ मं.	१२ बु.	१४ बृ.	३० शु.
कुं. अं.	६ १०	६ ७	मी	७ ३०	७ २७	७ २४	७ २०	७ १६	७ १२	७ ८	७ ४	७ १	६ ५७	६ ५४	६ ५०
मी. अं.	७ ३७	७ ३४	मे.	९ ८	९ ५	९ १	८ ५८	८ ५४	८ ५०	८ ४७	८ ४३	८ ३९	८ ३६	८ ३२	८ २८
मे. अं.	९ १५	९ १२	वृ.	११ ४	११ ०	१० ५७	१० ५४	१० ५०	१० ४७	१० ४३	१० ४०	१० ३६	१० ३२	१० २८	१० २५
वृ. अं.	११ ११	११ ८	मि.	१ १८	१ १४	१ १०	१ ७	१ ४	१ ०	१२ ५६	१२ ५२	१२ ४९	१२ ४५	१२ ४१	१२ ३७
मि. अं.	१ २४	१ २१	क.	३ ३६	३ ३२	३ २८	३ २४	३ २१	३ १८	३ १४	३ १०	३ ६	३ ३	२ ५९	२ ५५
क. अं.	३ ४२	३ ३९	सि.	५ ५०	५ ४६	५ ४२	५ ३८	५ ३४	५ ३०	५ २६	५ २२	५ १९	५ १५	५ ११	५ ७
राशयः	रा०	रा०	रा.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
सि. अं.	५ ५६	५ ५३	कं.	८ २	७ ५८	७ ५४	७ ५०	७ ४६	७ ४२	७ ३८	७ ३४	७ ३०	७ २६	७ २३	७ २०
कं. अं.	८ ८	८ ५	तु.	१० १९	१० १५	१० १२	१० ८	१० ४	१० ०	९ ५७	९ ५४	९ ५०	९ ४६	९ ४२	९ ३८
तु. अं.	१० २५	१० २२	वृ.	१२ ३५	१२ ३२	१२ २८	१२ २४	१२ २०	१२ १६	१२ १३	१२ ८	१२ ५	१२ १	११ ५७	११ ५३
वृ. अं.	१२ ४२	१२ ३९	ध.	२ ४२	२ ३९	२ ३५	२ ३१	२ २७	२ २४	२ २१	२ १७	२ १३	२ ९	२ ५	२ २
ध. अं.	२ ४९	२ ४५	म.	४ २७	४ २४	४ २०	४ १६	४ १२	४ ८	४ ४	४ १	३ ५७	३ ५३	३ ५०	३ ४६
म. अं.	४ ३४	४ ३१	कुं.	६ ४	६ ०	५ ५६	५ ५३	५ ५०	५ ४६	५ ४२	५ ३९	५ ३६	५ ३२	५ २८	५ २५

चैत्र कृ. ३० शुक्रे इ. ४५।७

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	८	११	७	१०	०	९	३
११	१३	२८	१२	३	२५	२७	२७
२१	१३	३३	५६	५	८	३०	३०
५५	१२	१५	३९	१	१४	७	७
५९	३१	१००	१	६५	१	३	३
३८	७	३८	३६	९	४	११	११

१श.
११शु.
२
बु.१२सू.चं
१०रा
३
९ मं.
४के.
६
८वृ.
५
७

विवाहे पञ्चशलाकाचक्रम्

कृ. रो. मृ. आ. पु. पु. श्ले.

भ. अ. रे. उ. पू. श. ध. | म. पू. उ. ह. चि. स्वा वि.

श्र. अ. उ. पू. मू. ज्ये. अन.

राजा शनिः



मंत्री बुधः

अन्येषु सप्तशलाकाचक्रम्

कृ. रो. मृ. आ. पु. पु. श्ले.

भ. अ. रे. उ. पू. श. ध. | म. पू. उ. ह. चि. स्वा वि.

श्र. अ. उ. पू. मू. ज्ये. अनु.

श्री संवत् २०२८, शकः १८९३, हिजरी सन् १३९०-९१, फसली सन् १३७८-७९, ईस्वी सन् १९७१-७२। राष्ट्रीय शक १८९३।

'रक्ताक्षी' नाम संवत्सरः

श्री काश्याम्
शुद्धमकरन्दीय दशवर्षीय पञ्चाङ्गम्

श्री गंगा | **काशी पञ्चाङ्गम्**



सम्पादक—पं० चन्द्रशेखर पाठक ज्यौतिषाचार्य, ज्योतिषरत्न
सी.के. ६५/१७५ बी. बड़ी पियरी, वाराणसी।

विंशोत्तरी मतेन आय-व्यय चक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
८	२	८	२	५	८	२	८	५	१४	१४	५
५	१४	११	८	५	११	१४	५	११	११	११	११

अष्टोत्तरी मतेन आय-व्यय चक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
८	८	११	५	८	११	८	८	२	५	५	२
१४	८	५	५	१४	५	८	१४	८	२	२	८

देखने की रीति

आयव्ययौ समौ कृत्वा एक हीनं तु कारयेत्।
अष्टभिस्तु हरेद्भागं शेषांके फलमादिशेत्॥
१ लाभं, २ सौख्यं तथा ३ क्लेशं ४ रोगं ५ लोकापवादकम्।
६ सम्मानं ७ विजयं ८ हानिः कथितं पूर्वं सूरिभिः।

प्रधान वितरक—श्री गंगा पुस्तकालय,
गायघाट, वाराणसी।

समय-शुद्धिः

गुरु—मार्गशीर्ष शुक्ल ९ शुक्रे पश्चिमास्तं।
पौष शुक्ल ५ बुधे पूर्वोदयः।

शुक्र—श्रावण कृ० ३० गुरौ शुक्रास्त पूर्वस्याम्।
कार्तिक कृष्ण ८ चन्द्रे शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

शनिः—वैशाख शुक्ल ६ शुक्रे वृष राशि गतः।
यावदब्दं स्थास्यति तत्रैव।

राहु—यावदब्दं मकर राशौ।

केतु—यावदब्दं कर्कराशि गतः।

प्रकाशक
भार्गव बुकडिपो, चौक, वाराणसी।

वर्षफल

अस्मिन् वर्षे राजा शनिः। तस्य फलम्:—शनैश्चरे भूमिपतौ सक्रुज्जलम् प्रभूत रोगैः परिपीडते जनाः। युद्ध नृपाणां गदतस्कराद्यं भ्रमन्ति लोकाः क्षुधियाश्चदेशान्। मन्त्री बुधः तस्यफलम्:—शशिसुते शुभ मन्त्रिसमागते स्वपतिना रमते मदनप्रिया। बहुधनं बहुवारिसमन्वितं यव मसूर चाणान्नमहर्घता। फल-मन्त्री चन्द्रः तस्यफलम्:—यदि विधुः फल मन्त्रि समागते फलयुता व्रततिः कुसुमैर्युताः। द्विजमुखा वरभोगसमन्विता नृपतयोः नयताणन् तत्पराः। जलमन्त्री भौमः तस्यफलम्। अवनिजे जलदस्य पतौभुवि श्रुतिविचार विहीन धरामरा। क्वचिदपि प्रचुरं जल मल्पकं क्वचिदपि प्रशमं बहुतापदम्। दुर्गमन्त्री भौमः तस्य फलम्:—क्षितिसुतो गढ़पो जनविग्रहो न च जलं न धनं धरणी तले। न जलदा जलदा जनतापदा विविध वैरियुता खलु मानवाः। अर्थमन्त्री शुक्रः तस्यफलम्:—भृगुसुतो द्रविणस्य पतिर्यदा बहुधनं लभते क्रयविक्रयात्। नरवराः धनधान्य युता सदा। द्विजवरा बहुशास्त्र परायणा। रसमन्त्री रविः तस्यफलम्:—रसाधिपेयदा सूर्ये सर्वे पापरता नराः। म्लेच्छानां जायते वृद्धिः मध्यमा वृष्टिरेव च। धान्यपति गुरुः तस्य फलम्:—यज्ञक्रियायां निरता द्विजेन्द्रा-गावोमहिष्यो बहुदुग्धयुक्ता। सुभिक्ष कृत वर्षति देवराजो धान्याधिपोयत्र सुरेन्द्रमन्त्री। नीरसेशः शुक्रः तस्यफलम्:—वज्रमुक्ताफलं कांस्यं रजतं शुक्लवाससम्। अर्घवृद्धिप्रजायेत नीरसेशो भृगुः यदा।

वर्ष-फल

इस वर्ष राजा शनि, मन्त्री बुध हैं। लगभग सभी ग्रहों को उनके अनुकूल कार्य-भार सौंपा गया है। इसका फल शुभद न होगा। इस वर्ष अकाल की सम्भावना है। वर्षा अल्प ही होगी। पाप-भार, धरा पर बढ़ेगा। उपद्रव का आधिक्य रहेगा। चोर तथा सर्पों को कष्ट रहेगा। नया टैक्स लगेगा। सोना-चाँदी, कपास, ताँबा, घी, तेल तेज; कपड़ा, भैंस, घोड़ा मन्दा होगा। वर्ष में प्रारम्भ के दो मास विग्रह, अग्निभय होगा। वर्ष भर कृष्णा नदी के तट पर दुभिक्ष होगा। इस वर्ष से ३० मास के भीतर गोदावरी तट पर दुख होगा। गाय-भैंसों का नाश होगा। रुधिर की धारा बहेगी। बहुजन नाश होगा। बहुत-से नगर नष्ट हो जायेंगे। बड़े लोगों का नाश होगा। अनाज मिट्टी के समान होगा। सोना-चाँदी, ताँबा, रस, तेज होगा। ११ मास बाद तिगुना लाभ होगा।

वार्षिक राशिफल संवत् २०२८

मेष—वर्ष अच्छा नहीं। कष्ट, चिढ़, हानि, झगड़ा रहेगा। माता-पिता को कष्ट रहेगा। उनको क्रमशः हृदय और घुटनों में व्यथा रहेगी। आपको वायु-रोग और शिरोव्यथा रहेगी। आरंभ के कुछ मास बाद परिवार में अशान्ति धनहानि होगी। अनायास विवाद उठ खड़ा होगा। मित्रों से झगड़ा रहेगा। वर्षान्त के तीन मास सफलता के हैं। शेष पूरा वर्ष असफलता का है। पुखराज, नीलम, गोमेद और लहसुनिया पहनिये।

वृष—वर्षादि के नव मास सफलतासूचक हैं। शेष असफलतासूचक। व्ययाधिक्य पूरे वर्ष रहेगा। वायु-विकार, उत्तमांग में कष्ट, भाइयों को परेशानी होगी। धर्म से विमुख रहेंगे। अधिक श्रम करना पड़ेगा। सामान्य लाभ होगा। पिता-माता को आर्थिक हानि होगी। नीलम पहनिये।

मिथुन—वर्ष साधारण है। वर्षादि के नवमास असफलतासूचक हैं। शेष सफलतासूचक। ज्येष्ठ से ३० मास अधिक व्यय होगा। स्वास्थ्य भी ठीक न रहेगा। परिवार में अशान्ति, धनहानि, हृदय या लीवर की गड़बड़ी, आमाशय रोग या घुटन में व्यथा होगी। नीलम, गोमेद, लहसुनिया और पुखराज पहनिये।

कर्क—वर्ष अच्छा है। बहुत दिनों के बाद लाभ और सफलता का स्वर्ण अवसर इस वर्ष प्राप्त हुआ है। ज्येष्ठ से ३० महीने लगातार लाभ होगा। प्रारंभ के दो मास आखिर के आठमास विशेष लाभदायक होंगे। इस वर्ष कोई शुभ काम भी होगा। कोई-न-कोई रोग लगा रहेगा। स्त्री अस्वस्थ रहेगी। धार्मिक विरोध रहेगा। सावन, कार्तिक, फागुन में चरित्र की रक्षा कीजिये। गोमेद और लहसुनिया धारण कीजिये। सन्तान की उन्नति होगी।

सिंह—वर्ष अच्छा नहीं, सफलता और विफलता का घोर संघर्ष रहेगा। प्रत्येक गुरुवार को नया कोई काम न करिये। मित्रों से झगड़ा, कोई विवाद उठ खड़ा होगा। भूमि-विवाद भी सम्भव है। श्रावण मास अधिक व्यय का भी है। पिता-माता को कष्ट रहेगा। स्त्री को आर्थिक कष्ट रहेगा। पुखराज और लहसुनिया पहनिये। माता कष्ट में रहेंगे।

कन्या—वर्ष साधारण है। धन की ओर विरोधाभास रहेगा। अनुचित ढंग से अच्छा लाभ होगा। चिढ़ होगी। सन्तान कष्ट में रहेंगे। उनको लीवर-उदर की गड़बड़ी रहेगी। वैशाख आपके बुरे महीने का अन्तिम मास है। अधिक श्रम करने से साधारण लाभ होगा। ज्येष्ठ से भाइयों को कष्ट होगा। पिता का आर्थिक व्यय होगा। गोमेद पहिनिये।

तुला—वर्ष सफलता का है। कोई शुभ काम होगा। ज्येष्ठ से आपके दुर्दिन प्रारंभ होंगे। जो ३० महीने रहेंगे। मुख-रोग, वायु-विकार, आर्थिक हानि, स्त्री को कष्ट रहेगा। माता-पिता भी कष्ट में रहेंगे। अनायास कोई झगड़ा खड़ा हो जायेगा। मित्रों से नहीं पटेगी। पारिवारिक सुख छोड़कर सभी तरह के सुख-दुःख प्राप्य होंगे। लीवर से सावधान। गोमेद, लहसुनिया पहनिये।

वृश्चिक—वर्ष अच्छा नहीं। वर्षान्त में कुछ लाभ हो जायेगा। कोई शुभ काम भी होगा। शेष वर्ष रोग असफलता के लिए है। धार्मिक प्रवृत्ति न रहेगी। भाइयों को कष्ट रहेगा। वैशाख आश्विन में लाभ, उल्लास रहेगा। शत्रु पराभूत होंगे।

धनु—वर्ष साधारण अच्छा है। शुभ काम में अधिक व्यय होगा। कोई-न-कोई रोग, लगा रहेगा। हृदय में उद्विग्नता रहेगी। ज्येष्ठ से ३० मास शत्रुओं का पराभव होगा। सामान्य अर्थलाभ होता रहेगा। स्त्री को अर्थ-कष्ट होगा। परिवार में अशांति होगी। बड़े कामों में असफलता मिलेगी। वर्षान्त के तीन मास कष्टप्रद होंगे। श्रावण भी उत्साहभंग करनेवाला होगा। गोमेद, लहसुनिया, पुखराज पहनिये।

मकर—वर्ष अच्छा है। सफलता मिलेगी। लाभ, उल्लास रहेगा। शुभ काम होगा। वैशाख तक चिढ़, चिन्ता, झगड़ा रहेगा। ततः सन्तान को कष्ट होगा। पूरे वर्ष कोई-न-कोई रोग लगा रहेगा। स्त्री भी अस्वस्थ रहेगी। वर्षान्त के तीन मास व्ययकारी हैं। सम्भवतः शुभ काम में व्यय होगा। गोमेद, लहसुनिया पहनिये।

कुंभ—वर्ष ठीक नहीं है। अधिक काम करने पर भी असफलता मिलेगी। चिढ़-चिन्ता, झगड़ा होगा। कोई लम्बा विवाद भी प्रारंभ होगा। अनायास अधिक व्यय होगा। बिना श्रम के शत्रुओं का नाश होगा। मित्रों से सावधान। वर्षान्त के तीन मास शुभद होंगे। सफलता मिलेगी यद्यपि अर्थ-कष्ट रहेगा। मामा को कष्ट होगा। नीलम, गोमेद और पुखराज धारण कीजिये।

मीन—वर्ष अच्छा है। व्यापार में उन्नति होगी। लाभ होगा। सफलता मिलेगी। चिढ़, चिन्ता, सन्तान को कष्ट होगा। अनाचार द्वारा लाभ होगा। वर्षान्त के दो मास असफलतादायक तथा व्ययकारी है। धर्म में रुचि न रहेगी। माता को कष्ट रहेगा। लहसुनिया पहनिये।

भविष्य-फल

सं० २०२८ चैत्र शुक्लपक्ष

सुदी ५ से १४ दिन में कवलगट्टा, धान, सिघाड़ा, जलज-पदार्थ, मोती, रत्न, फल-फूल, नमक, सुगन्ध, चतुष्पद, तूवर, मूंग, उड़द, चावल, लहसुन, लाख, चपड़ा, सज्जी, रूई तेज; उसी दिन से २ मास तक विग्रह, अग्निभय, अवर्षण; सुदी १४ से १६ दिन चांदी शेयर, सोना तेज; रूई, घटबढ़कर तेज होगा।

२७ मार्च १-२-३, ८-९-१० अप्रैल को वायु साधारण, बादल-वृष्टियोग है।

वैशाख

वदी १ से चाँदी, सोना मन्दा होकर तेज; वदी ४ से १ मास में रूई, ईख, तिल, तेल, सर्व धातुयें तेज; उसी दिन से १५ दिन में सर्वधान्य, सर्वरस, सोना-चाँदी, लोहा, पारा, राँगा, शीशा, ताँबा, गुड़, घी, खटाई, मिर्च, नमक, ऊन, काला तिल, तीसी, रेड़ी, मेथी, लाल रंग, लाल चन्दन, आलता, इलायची, लौंग, सोपारी, नारियल, कपूर, हींग, हिंगलू तेज; वदी ५ से १८ दिन में बहुत जल-वृष्टि, दूध में कमी, उपज श्रेष्ठ, चावल, उड़द, तिल, घी तेज होगा। वदी ७ से १७ दिन में रूई तेज, धान्य मंदा, सुभिक्ष, सुख में वृद्धि; वदी ११ से १॥ मास में घी, तेल, गेहूँ तेज, धान्य मन्दा, आखरेज ४०) तेज, रूई साधारण मंदी होगी। सुदी २ से १४ दिन में चावल, यव, चना, मोठ, तुवर, तीसी, गुड़, घी, अफीम, मूँगा, धातुयें, सोना-चाँदी, लोहा, पारा, राँगा, सीसा तेज; सुदी ४ से चाँदी १) ३) तेज; तृण, काष्ठ, भूसा तेज; सुदी ११ से १२ दिन में चाँदी १) २) अवश्य तेज; सुदी १५ से १८ दिन में गेहूँ तेज, रोग में वृद्धि, वृष्टि होगी।

११, १६-१७-१८, २२-२३-२४, २८-२९-३० अप्रैल ५-६-७-८ मई को साधारण वायु-बादल-वृष्टियोग है।

ज्येष्ठ

वदी १ से १५ दिन तक श्वेत पुष्प, सोना-चाँदी, लोहा, राँगा, पारा, शीशा, यव, चावल, गेहूँ, मूँग, मोठ, राई, सरसों तेज; वदी ३ से २५ दिन में सर्वधान्य महर्घ, चाँदी तेज होकर मन्दी; भैंसों को ोड़ा; उसी दिन से ८ दिन में तिल, यव, उड़द, अलसी, चना, सोंठ, सर्वरस, गुड़, नमक, धातु, ऊन मन्दा; वदी ४ से १ मास में चाँदी ८) मन्दी होकर १२) तेज; स्वर्ण, धान्य, अफीम, कपड़ा तेज; पीड़ा, महर्घता बढ़ेगी। वदी १४ से १० दिन में धान्य तेज; शत्रुता, रोग बढ़ेगा। अमावस १० दिन में चाँदी, अफीम, रक्त पदार्थ, नारियल मन्दा; चना, तुवर, मोट, धान्य में घटबढ़ होगी। सुदी १ से १५ दिन में चावल आदि धान्य, तीसी, सरसों, तेल, दाख, गुड़, खाँड़, सोपारी, रूई, सूत, सन, पाट तेज; सुदी ८ से १० दिन में चाँदी, अफीम में घटबढ़, साधारण वृष्टि की सम्भावना; सुदी १४ से २५ दिन में कलह, युद्ध की सम्भावना; सुदी १२ से २ मास में आवरेज, मूंग, सज्जी, लहसुन, चावल, धान्य, गुड़, ईख तेज; यद्ध की सम्भावना; सुदी १४ से १५ दिन में धान्य, अफीम तेज; रूई मन्दी होगी। सुदी १५ से १४ दिन में सोना-चाँदी, पारा, राँगा, शीशा, लोहा, पीतल, चावल, सिघाड़ा, कवलगट्टा, नारियल, फल, सूखे मेवे, रूई, सूत, रेशम, कपड़ा, कपूर, चन्दन, सुगन्ध, चना, कराई तेज होगा।

१३-१४-१५, १९-२०-२१, २६-२७-२८ मई २-३-४, जून को साधारण बादल-वृष्टि का योग है।

आषाढ़

वदी १ से ९ दिन में कपास, तिल, सूत, चावल, गुड़, खाँड़, तेज; राई, तुवर, सन, पाट मन्दा होगा; वदी २ से १६ दिन तक चाँदी, सोना, रुई, घट-बढ़कर तेज; राजपूताने में वृष्टि; वदी ५ से १८ दिन में गेहूँ, यव, शक्कर, धातुयें तेज; वदी ७ से १ मास में कपास, घृत-मूल, तिल, सभी धान्य तेज; १० दिन में वायु-वर्षा में तीव्रता; तिल, गेहूँ, उड़द मन्दा; वदी ८ से १० दिन में दाख, सुपारी, खाद्य मन्दा; पाप की वृद्धि, जननाश; वदी ११ से वायु वृष्टि की तीव्रता; अमावस से १४ दिन में घी, गुड़, खाँड़, खल, चावल, मणि, मोती, कराई, धान्य, गेहूँ, सुरमा, कपूर, चन्दन, सुगन्ध, लाल वस्त्र, कपास, रूई, हल्दी, सोंठ, लोह, चाँदी तेज; सुदी ६ से ८ दिन में कपास, सूत मन्दा; सुदी ८ से २० दिन में वायु-वृष्टि की अधिकता; रूई मन्दी; अफीम तेज; सुदी ८ से १५ दिन में अफीम तेज, चाँदी, सोना, रूई, घटबढ़कर मन्दी; सुदी ११ से ८ दिन में राजभय, चाँदी में घटबढ़; सुदी १३ से १४ दिन में मूंग, मोठ, चावल, मसूर, नमक, सज्जी, लाख, चपड़ा, नील, तिल, रेडी, मजीठ, माजूफल, केसर, कुसुम्ब, कपूर, चन्दन देवदारु, लवँग, नारियल, श्वेत वस्तुएँ तेज; वृष्टि, इन्जीनियरों को पीड़ा होगी।

९-१०-११, १६-१७-१८, २२-२३-२४, २९-३० जून १, ६-७-८ जुलाई को बादल-वृष्टियोग है।

श्रावण

वदी ४ से १० दिन में तिल, उड़द तेज; वृष्टि की अधिकता, बाढ़; वदी ६ से ९ दिन में रूई मन्दी; वदी १० से १ मास में प्रजा सुखी, चाँदी तेज १) २); वदी १२ से १६ दिन में चाँदी, लोहा, मशीन, विद्युत्, यन्त्र, गेहूँ, तीसी, सरसों, लालमिर्च तेज; अनावृष्टि, भूकम्प की सम्भावना; वदी १३ से १४ दिन में तिल, तेल, मद्य, गुड़, ज्वार, गुगुल, सोपारी, सोंठ, हींग, हल्दी, लाख, सन, पाट, ऊनी वस्त्र, शीशा, चाँदी, गहने तेज; वदी १४ से ४५ दिन में अमचुर, खटाई, निबुआ, देवदारु, सूत, कपड़ा, रेलवे स्लीपर तेज; युद्ध की सम्भावना; गोदावरी तट पर अकाल; सुदी १ से १२ दिन में सोना, चाँदी, रूई, चावल मन्दा; घी में भी गड़बड़ी; सुदी ४ से २५ दिन में रूई, धान्य तेज; वृष्टि में विषमता; सुदी ६ से १० दिन में लाख, चपड़ा, कपूर, गुड़, पारा, हींग, हिंगलु मन्दा; सुदी १० से अन्न मन्दा; सुदी ११ से १५ दिन में गेहूँ, चना, चाँदी, तीसी, तिल, तेल, गुड़, प्रामिसरी नोट, नील तेज; सुदी १४ से १५ दिन में चाँदी घट-बढ़कर तेज; रूई, सोना तेज; रूई में घटबढ़ होगी।

१३-१४-१५, १९-२०-२१, २६-२७-२८ जुलाई ३-४-५ अगस्त को बादल-वृष्टियोग है।

भाद्रपद

वदी २ से १० दिन में तूवर, चावल, मोठ, चना, कराई मन्दा; सर्पों से भय; वर्षा की कमी; वदी ६ से १२ दिन रस, चाँदी, सोना, रूई, शेयर, ईख, गुड़, खाँड़ तेज; धान्य मन्दे होंगे। वदी ९ से १८ दिन गेहूँ, रक्तपदार्थ तेज; वृष्टियोग; वदी ११ से १५ दिन में ज्वार, मूँग, चाँदी, रेंड़ी, दाख, अफीम तेज; वृष्टि होगी। उसी दिन से १ मास में ईख, गुड़, शक्कर, रक्तपदार्थ, रत्न, तिल, तेल, घी तेज; धान्य मन्दा; वदी १४ से १५ दिन में सुवर्ण, लाल रंग, धान्य तेज; मारवाड़ में वृष्टि की न्यूनता, चौपायों को पीड़ा; उसी दिन से चाँदी, रूई, सोना घटबढ़कर मन्दा; सुदी ५ से १८ दिन में रूई मन्दी; बंगाल, पञ्जाब में विद्रोह; सुदी ९ से १४ दिन में चाँदी, चाँदी के गहने तथा बर्तन, कपड़ा, चावल, गेहूँ, सरसों, तिल, ज्वार, जीरा, घी तेज; आवरेज मन्दा; सुदी १३ से ८ दिन में सोना-चाँदी, शेयर तेज; रूई घटबढ़कर तेज; सुदी १५ से १० दिन में चाँदी अवश्य तेज १) २) होगी; रूई तेज; सोना साधारण तेज होगा।

९-१०-११, १६-१७-१८, २३-२४-२५, ३०-३१ अगस्त १ सितम्बर को बादल-वृष्टियोग है।

आश्विन

वदी ३ से वृष्टि, धान्य साधारण तेज; वदी ९ से १४ दिन में सोना, चाँदी, लोहा, तेल, घी, सरसों, रेड़ी, सोपारी, मूँज,

बाँस, नील, अफीम, रेशम, कपास तेज; चौपायों को कष्ट; वदी १२ से १ मास में मजीठ, नारियल, तिल, तेल, घी, कपास ४ तेज; अमावस से लम्बी लाइन के लिये चाँदी, शेयर तेज; सुदी १ से चाँदी, धान मन्दा; सुदी ४ से १० दिन में चाँदी, सोना साधारण तेज; रूई घटवढ़कर तेज; सुदी ५ से ७ दिन में उड़द, मूँग, मोठ साधारण तेज; सुदी ३ से २० दिन में वायु-वृष्टि की अधिकता; सोना, खाँड़ तेज; सुदी ८ से १४ दिन में गेहूँ, ज्वार, गुड़, खाँड़, सन, पाट, कपास, हल्दी, हरड़, हींग, क्षार, कथीर तेज; सुदी ११ से ८ दिन में गुजरात, बम्बई में वृष्टि; सुदी १४ से १८ दिन में गुड़, शक्कर, गेहूँ, धातु, यव तेज; धान्य मन्दा होगा।

६-७, १२-१३-१४, १९-२०-२१, २७-२८-२९ सितम्बर ३-४ अक्टूबर को बादल-वृष्टियोग है।

कार्तिक

वदी २ से शीतपवन की वृद्धि होगी; साधारण वृष्टि, धान्य तेज; वदी ७ से ८ दिन गणिका, द्विज, शिल्पी को पीड़ा; वदी ८ से १४ दिन में धान्य, गेहूँ, चना, कपास, अरहर, सूत, केशर, लाख, चपड़ा तेज; वदी ९ से वृष्टि, धान्य कम होगा। वदी १३ से १ मास में सुवर्ण, धान्य तेज; टिड्डी का भय, युद्ध-प्रसंग, अफीम मन्दी होगी; सुदी ३ से ४५ दिन में सर्वधान्य महर्घ, प्रजा सुखी; आवरेज मन्दा; सुदी ५ से १४ दिन में सोना-चाँदी, पारा, राँगा, सीसा, लोहा, गुड़, खाँड़, तेल, हींग, हल्दी, लाख, गुगुल, कपूर, रूई, सन, पाट तेज; सुदी ९ से १० दिन चाँदी, रूई, मंदी; सोना घटवढ़कर मन्दा; कपास, धान, कपड़ा मन्दा; वदी ११ से बाजार में सामान्य मंदी; सुदी १४ से १० दिन चाँदी मंदी; सुदी १५ से १० दिन में खाँड़ चावल मन्दा होगा।

५, ९-१०-११, १६-१७-१८, २४-२५-२६, ३०-३१ अक्टू. १ नवम्बर को साधारण बादल-वृष्टियोग है।

मार्गशीर्ष

वदी ३ से १८ दिन में धान्य-वृद्धि, मूषक, कीटों की वृद्धि; वदी ४ से १४ दिन में चाँदी, नोट, चावल, गुड़, खट्टा रस, सूत, अफीम तेज; पूर्व, दक्षिण में उपद्रव; वदी ५ से २ मास वृष्टि में कमी; वदी १३ से ईख, चावल, घी, रस तेज; सोना, चाँदी, सरसों, तेल, हींग मन्दा; वदी १४ से १ मास में ऊनी वस्त्र, चाँदी, ताँबा, सर्व द्रव्य अफीम कुछ तेज, धान्य कुछ मंदा। सुदी १ से १४ दिन में चाँदी, सोना मन्दा; गेहूँ और तेज; सुदी ५ से १४ दिन में सर्वधान्य महर्घ; सुदी ९ से १ मास में नेत्र रोग, दुर्भिक्ष भय, रुई, अफीम मन्दा; सुदी ११ से १८ दिन में तिल तेल, वस्त्र, सुपाड़ी, कपास, सूत, सरसों, रुई, चाँदी, तीसी तेज; सुदी १५ से १४ दिन में सोना, चाँदी, धान्य, चावल, सरसों, वस्त्र, मालवा की अफीम तेज होगी।

५-६-७, १२-१३-१४, २०-२१-२२, २७-२८-२९ नव० को साधारण बादल-वृष्टियोग है।

पौष

वदी ५ से १३ दिन में चाँदी, सोना, रुई घट-बढ़कर मन्दी; वदी १४ से ४५ दिन में तृण, घास, भूसा, चौपाये तेज; अमावस से १ मास में सुभिक्ष, तिल, तेल, कपास, अनाज, रुई तेज; उसी दिन से १४ दिन में धान्य, रुई तेज; कोटा, मालवा में उपद्रव; सुदी ५ से १५ दिन में सब अन्न रस तेज; सोना, चाँदी तथा रुई तेज; राजपूताने में वृष्टि; सुदी ४ से १८ दिन दुर्भिक्ष, बादल के रहते हुए भी अवृष्टि; सुदी ५ से १ मास में राजाओं में विग्रह, धान्य तेज; वर्षा होगी। सुदी ६ से १६ दिन में चाँदी, तृण, काष्ठ, चौपाये तेज; सुदी १२ से १५ दिन में तिल, तेल, गुड़, गुगुल, हल्दी, चपड़ा, कपूर, ऊनी वस्त्र, सन, चाँदी, अफीम तेज होगी।

३-४-५, १०-११-१२, १७-१८-१९, २४-२५-२६, ३०-३१ दिसम्बर को साधारण बादल-वृष्टियोग है।

माघ

वदी ५ से २ मास में गेहूँ, अन्न तेज; तेल, गुड़, मद्य मन्दा; वृष्टि होगी। वदी ७ से १० दिन में पशु-पक्षी, बालकों को पीड़ा; धान्य मन्दा; वदी १० से १४ दिन में उड़द, मूँग, चावल, रेशम गुड़, कपास, पिपरामूल, लाख, चपड़ा, मूँज, बाँस, सरसों तेज; वदी १२ से २६ दिन में वृष्टि की सम्भावना है। वदी १३ से १ मास में घी, तेल, धान्य, रुई, लाल वस्त्र तेज; गुड़ वृद्धि, वायु की तीव्रता; सुदी ९ से १४ दिन में गेहूँ, यव, चावल, चाँदी, सर्व धातु, नोट, तीसी तेज; सुदी १३ से चाँदी तेज; रुई घट-बढ़कर तेज; धान्य, घी मन्दा; सुदी १५ से २ मास में तेल, सरसों, हींग, मिर्च, सुकाल, रुई, चाँदी, लम्बी लाइन के लिये मन्दा; दक्षिण में युद्ध की सम्भावना होगी।

६-७-८, १४-१५-१६, २०-२१-२२, २७-२८-२९ जनवरी को बादल-वृष्टियोग है।

फाल्गुन

वदी २ से ४५ दिन में धान्य मंदा; कराई, भूसा, मूँगा तेज; वदी ५ से २५ दिन में रुई तेज; धान मंदा; सुकाल; वदी ७ से १४ दिन में मूँग, मसूर, चना नील, रहर तेज; वदी १२ से १ मास में धान्य मंदा; नमक, तेल, रुई तेज; अफीम मन्दा; वदी १४ से अफीम तेज होकर मंदा; सुदी ५ से १४ दिन में चाँदी, सरसों, सन, कपड़ा, नील, जायफल, हींग, दाख, खारक, सोंठ तेज; सुदी ६ से १८ दिन में ब्राह्मणों को पीड़ा; धान्य तेज; सभी देश परेशान होंगे।

३-४-५, १०-११-१२, १७-१८, २३-२४-२५ फरवरी को साधारण बादल-वृष्टियोग है।

चैत्र कृष्णपक्ष:

वदी १ से १० दिन में रुई, तीसी, मेथी, लौंग तेज; अफीम मन्दी; वदी ३ से १४ दिन में सोना, चाँदी, गेहूँ, चना, उड़द, घी, रुई, रेशम, गुगुल, पिपरामूल तेज; वदी ११ से १८ दिन में देशभंग का प्रसंग; रुई, सूत, कपड़ा, तिल, तेल, घी, गेहूँ, राई, रेड़ी, यव, चावल, मसूर, मोठ तेज; वदी १३ से १ मास में धान्य, नमक, तिल, तेल, किराना, रस तेज होगा।

१-२-३, ८-९-१०-११, १५ मार्च को साधारण बादल-वृष्टियोग है।

ग्रहणम् संवत् २०२८ शके १८९३

(१) श्रावण शुक्ल १५ शुक्रे खग्रास चन्द्रग्रहणम्

	घ.	प.
स्पर्श	४२	२७
मध्य	४६	५०
मोक्ष	५१	१३

प.
द. उ.
पू.

(२) माघ शुक्ल १५ रवौ ग्रस्तोदयं खग्रास चन्द्रग्रहणम्

	घ.	प.
स्पर्श	२०	३९
मध्य	२४	५६
मोक्ष	२९	५३

प.
द. उ.
पू.

विवाह मुहूर्ताः

सं० २०२८

वैशाख कृष्ण ४ बुधे अनु. भे. संक्रान्ति दोषः।
" " ५ गुरौ मूल. भे. ल. चि.।
" " ६ शुक्रे मूल भे. ल. चि. भद्राप्राक्।
" " ७ शनौ उ. पा. भे. ल. चि.।
" " ८ रवौ उ. पा. भे. ल. चि.।
" " १२ गुरौ उ. भा. भे. ल. चि.।
" " १३ शुक्रे उ. भा. रेवत्यां ल. चि.।
" शुक्ल ३ भौमे रोहिणी भे. ल. चि.।
" " ४ बुधे रो. मृग. भे. ल. चि.।
" " ५ गुरौ मृग. भे. दिवा. ल. चि.।
" " ९ चन्द्रे मघा भे. ल. चि.।
" " १० भौमे मघा भे. दिवा. ल. चि.।
" " १० बुधे उ. फा. भे. ल. चि.।
" " ११ गुरौ उ. फा. हस्त भे. ल. चि.।
" " १२ शुक्रे हस्त भे. ल. चि.।
" " १३ शनौ स्वात्यां कालोऽल्पीयान्।
ज्येष्ठ कृष्ण १ भौमे. अनु. भे. ल. चि.।
" " २ बुधे अनु. भे. प्रातः ल. चि.।
" " ३ गुरौ मूल. भे. ल. चि. रात्रौ।
" " ४ शुक्रे मूल. भे. प्रातः ल. चि.।
" " ५ शनौ उ. षा. भे. ल. चि.।
" " ६ रवौ उ. षा. भे. प्रातः ल. चि.।
" " ११ गुरौ उ. भा. भे. ल. चि.।
" " १२ शुक्रे रेवत्यां ल. चि.।
" शुक्ल १ भौमे रोहिणी मृग. भे. ल. चि.।
" " २ बुधे मृग भे. दि. ल. चि.।
" " ६ रवौ मघा भे. ल. चि.।
" " ७ चन्द्रे मघा भे. ल. चि.।
" " ९ बुधे उ. फा. भे. ल. चि.।
" " १० गुरौ उ. फा. हस्त भे. ल. चि.।
" " ११ शुक्रे हस्त भे. प्रातः ल. चि.।
" " १२ शनौ स्वात्यां ल. चि.।
" " १३ रवौ स्वात्यां प्रातः ल. चि.।

आषाढ़ कृष्ण १ बुधे मूल भे. ल. चि.।
" " २ गुरौ मूल भे. दि. ल. चि.।
" " ३ शुक्रे उ. षा. भे. भद्रान्ते कालोऽल्पीयान्।
" " ४ शनौ उ. षा. भे. दि. ल. चिन्त्यम्।
" " ८ बुधे उ. भा. भे. ल. चि.।
" " ९ गुरौ उ. भा. भे. रेवत्यां. ल. चि.।
" शुक्ल ५ रवौ मघा भे. ल. चि.।
" " ६ चन्द्रे मघा भे. प्रातः ल. चि.।
" " ६ भौमे उ. फा. भे. ल. चि.।
" " ७ बुधे उ. फा. हस्त भे. ल. चि.।
" " ९ शुक्रे स्वात्यां ल. चि.।
" " १० शनौ स्वात्यां ल. चि.।
माघ शुक्ल ५ शुक्रे उ. भा. रेवत्यां ल. चि.।
" " ६ रेवत्यां लग्न चिन्त्यम्।
" " १० भौमे रोहिणी भे. ल. चि.।
" " ११ बुधे रो. मृग भे. ल. चि.।
फाल्गुन कृष्ण १ चन्द्रे मघा भे. ल. चि.।
" " २ भौमे मघा भे. दिवा. ल. चि.।
" " ३ बुधे उ. फा. भे. ल. चि.।
" " ४ गुरौ उ. फा. हस्त भे. ल. चि.।
" " ५ शुक्रे हस्त भे. ल. चि.।
" " ७ रवौ स्वात्यां ल. चि.।
" " ९ भौमे अनु. भे. ल. चि.।
" " १० बुधे अनु. भे. ल. चि. प्रातः।
" " ११ गुरौ मूल भे. ल. चि.।
" " १२ शुक्रे मूल भे. प्रातः ल. चि.।
" " १३ शनौ उ. षा. भे. ल. चि.।
" शुक्ल ३ गुरौ उ. भा. भे. ल. चि.।
" " ४ शुक्रे उ. भा. रेवत्यां ल. चि.।
" " ५ शनौ रेवत्यां प्रातः ल. चि.।
" " ८ भौमे रोहिणी भे. ल. चि.।
" " ९ बुधे मृग भे. ल. चि.।
" " १३ रवौ मघा भे. ल. चि.।

" " १४ चन्द्रे मघा भे. ल. चि.।
" " १५ भौमे उ. फा. भे. ल. चि.।
चैत्र कृष्ण १ बुधे उ. फा. भे. ल. चि.।
" " २ गुरौ हस्त भे. ल. चि.।
" " ४ शुक्रे स्वात्यां ल. चि.।
" " ६ चन्द्रे अनु. भे. ल. चि.।
" " ७ भौमे अनु. भे. दिवा. ल. चि.।
" " ८ बुधे मूल भे. ल. चि.।
" " ९ गुरौ मूले ल. चि.।
" " १० शुक्रे उ. षा. भे. ल. चि.।
" " ११ शनौ उ. षा. भे. ल. चि.।

शनि-विचार

मेष, तुला, कुम्भ वालों को २॥ वर्ष नेष्ट रहेगा। वृष राशि वालों को ५ वर्ष नेष्ट होगा।

मिथुन राशि वालों को ७॥ वर्ष अनिष्टकर होगा।

धनु, कर्क, मीन वालों को २॥ वर्ष श्रेष्ठ रहेगा। शेष को साधारण रहेगा।

सन्तान-विचार तथा आयु-विचार

काशी के ख्यातनामा ज्योतिषाचार्य चन्द्रशेखर पाठक द्वारा मुख्य-मुख्य उपयोगी पुस्तकें लिखायी जा रही हैं। जो क्रमशः पाठकों की सेवा में उपस्थित की जायेंगी। यह स्मरण रखें कि ये पुस्तकें केवल अनुवाद मात्र न होंगी, बल्कि अनुभवों के आधार पर होंगी। यदि पाठकों ने इन्हें अपनाया तो ज्योतिष-संसार का बड़ा उपकार होगा।

इस दशवर्षीय पञ्चाङ्ग में सन्तान-विचार का पूरा विवरण दिया जा रहा है। साथ ही आयुर्विचार और सन्तान-विचार नाम की दो पुस्तकें भी श्री चन्द्रशेखर पाठक ज्योतिषाचार्य द्वारा लिखित छापी जा रही हैं। अब तक के ज्योतिष साहित्य में ऐसी पुस्तकें नहीं छपी हैं। प्रत्येक ज्योतिषी के लिए संग्रह करने योग्य हैं।

व्यवस्थापक गंगा पुस्तकालय

(शेषांक सं० २०२७ पृष्ठ ८ से)

(३५) लग्नेश, सप्तमेश, पंचमेश और गुरु ये चारों निर्बल हों तो अनपत्य योग होता है।

(३६) पाँचवें भाव में पाप-ग्रह हों पंचमेश नीच राशि में हो और शुक्र न देखता हो तो अनपत्य होता है।

(३७) लग्न चन्द्र और गुरु से पाँचवें स्थान में पापग्रह हों और उन पर शुभ ग्रहों पर उनकी दृष्टि न हो तो अनपत्य होता है।

(३८) पाँचवें पापग्रह की राशि में बलवान् पापग्रह हो, पंचमेश पापग्रहों के मध्य में (कर्तरी) हो शुभ ग्रहों से अदृष्ट हो तो अनपत्य होता है।

(३९) गुरु पापग्रहों के मध्य में (कर्तरी) में हो और पंचमेश निर्बल हो शुभग्रह से दृष्ट न हो तो अनपत्य होता है।

४०—कर्क तथा कुम्भ राशि का गुरु पाँचवें हो तो संतान नहीं होते, (पञ्चम में कर्क का गुरु हो तो ३ कन्यायें होती हैं।)

४१—रितु (मंगल) (रेत) शुक्र ये दोनों जिनकी कुण्डलियों में संयुक्त न हो वा परस्पर मंगल को शुक्र वा शुक्र को मंगल देखता न हो तो दो तीन चार स्त्रियों से विवाह करने पर भी संतान नहीं होगा।

४२—जिसके जन्म के लग्न से १,३,५, ७,९, ११। इन छः स्थानों में पापग्रह तथा मित्र (स्त्री) ग्रह हो तो अनपत्य होता है।

४३—शनि रवि का योग बारहवें स्थान में हो अथवा नवम या पांचवें रवि हो और शनि पंचमेश होकर बारहवें हो तो अनपत्य होता है।

४४—बुध रवि का योग बारहवें भाव में हो और पञ्चम तथा नवम भाव में मंगल हो तो अनपत्य होता है।

४५—तीन पापग्रह शत्रु राशि के होते हुए सुख भाव म हों और राहु दसवें, शनि लाभ में हो तथा लग्न में राहु और धन में रवि चन्द्र मंगल हो तो अनपत्य होता है।

(४६) पंचमेश अस्तंगत हो या पापयुक्त हो या पाप-कर्तरी में हो या पाप-दृष्ट हो तथा पापग्रह से युक्त चन्द्रमा केन्द्र स्थान में हो तथा पंचमस्थान में नीच राशिगत ग्रह अपने शत्रु ग्रह से दृष्ट अथवा पञ्चम में मंगल हो तो अनपत्य होता है।

ये अनपत्य योग भी वन्ध्या योग के तुल्य ही हैं। ऐसे योग जिसकी कुण्डली में होते हैं उसको संतान नहीं होती है।

अपुत्र योग वालों के कन्या संतान तो हो सकती है किन्तु पुत्र सन्तान नहीं होती है।

सर्प-शाप से विपुत्र योग

(१) पंचम भाव में राहु मंगल से दृष्ट हो या मंगल की राशि (१, ८) का राहु पंचम में हो।

(२) पंचम भाव में शनि, चन्द्र से दृष्ट हो पंचमेश राहु युक्त हो।

(३) पुत्रकारक (गुरु) राहु से युक्त हो, पंचमेश निर्बल हो, लग्नेश मंगल से युक्त हो।

(४) पुत्रकारक (गुरु) मंगल से युक्त हो, लग्न में राहु हो, पंचमेश ६, ८, १२ में हो।

(५) पंचमेश बुध मंगल से युक्त होकर मंगल के नवांश में हो, लग्न गत राहु व गुलिक हो।

(६) पंचमेश मंगल हो, पंचम में राहु हो, शुभग्रह से दृष्ट न हो।

(७) लग्नेश पंचमेश दोनों निर्बल हों, बुध गुरु से युक्त हो, पापग्रह पंचम में हों।

(८) लग्नेश राहु से, पंचमेश मंगल से युक्त हो कारक (गुरु) राहु से दृष्ट हो।

(९) पंचम में रवि, शनि, राहु, मंगल, बुध और गुरु सभी ग्रह हों और लग्नेश पंचमेश निर्बल हो।

उपाय—उपर्युक्त योगों में सर्प की सुवर्णमय मूर्ति बनाकर प्राण-प्रतिष्ठा कराकर चाँदी की कटोरी में स्थापित करनी चाहिये। प्रति दिन दूध-लावा, जल, अक्षत, पुष्प, धूप, दीप से पूजन करना चाहिये। तब सन्तान होगी।

प्रेतशाप से सुतक्षय योग

जो अपने पितरों का क्रिया-कर्म नहीं करता है उसे पितरगण शाप देते हैं। यही कारण है कि शुभ कर्मों में भी नान्दी-श्राद्ध होता है। इसलिये अपनी रुचि के अनुसार पितृक्रिया अवश्य करनी चाहिये। पितृपक्ष में भी पितृगण अपनी सन्तान के द्वार पर आते हैं। वहाँ यदि उन्हें जल या श्राद्धान्न नहीं दिया जाता तब भी वे शाप देते हैं।

(१) पाँचवें शनि या सूर्य; सप्तम में क्षीण-चन्द्र, लग्न में राहु और बारहवें गुरु हो।

(२) लग्न में मंगल, अष्टम में गुरु और पंचमेश शनि अष्टम में हो।

(३) लग्न में पापग्रह, बारहवें रवि, पांचवें मंगल व शनि या बुध और पंचमेश अष्टम में हो।

(४) लग्न में राहु, पाँचवें शनि, आठवें गुरु हो।

(५) लग्न में राहु, शुक्र, गुरु, चन्द्र, शनि का योग हो और लग्नेश अष्टम में हो।

(६) लग्न में राहु और पंचम में शनि मंगल से युत अथवा दृष्ट हो।

(७) गुरु मकर राशि में और पंचमेश स्थिर राशि में हो और वह नीच राशिगत किसी ग्रह से युत तथा दृष्ट हो।

(८) लग्न में शनि, पाँचवें राहु, आठवें शनि और बारहवें मंगल हो।

(९) लग्न में शनि और गुरु, पाँचवें चन्द्रमा और सप्तमेश ६, ८, १२वें स्थान में हों तो।

(१०) पंचम स्थान में अष्टमेश शनि व शुक्र से युक्त हो और आठवें गुरु हो।

उपाय—इन योगों के होने पर पिशाचमोचन पर त्रिपिण्डी श्राद्ध, गया-श्राद्ध तथा श्रीमद्भागवत् का सप्ताह सुनना चाहिये। इस प्रकार कल्याण होगा।

पितृ शापाद्विपुत्र योग

१—पंचमेश सूर्य ५,९ वें स्थान में क्रूर ग्रहों के मध्य में हो और पापग्रह से युक्त या दृष्ट हो।

२—पाँचवें भाव में नीच राशि का सूर्य पापग्रहों के मध्य में हो। शनि के नवांश में हो।

३—सिंह राशि में गुरु हो, पंचमेश सूर्य से युक्त हो, लग्न में और पाँचवें पापग्रह हों।

४—आठवें सूर्य, पाँचवें शनि, पंचमेश राहु से युक्त हो।

५—व्ययेश लग्न में हो, अष्टमेश पञ्चम में, दशमेश अष्टम भाव में हो।

६—पंचम में राहु, पंचमेश अथवा शनि से युक्त हो और शुभग्रहों से दृष्ट न हो।

७—निर्बल लग्नेश पंचम में और पंचमेश सिंह राशि में हो। लग्न में व पाँचवें पापग्रह हों।

८—नवमेश या दशमेश पंचम में हो या पंचमेश पंचम में हो, लग्न में और पंचम में पापग्रह हों।

९—नवमेश या दशमेश मंगल होकर पंचमेश से युत हो और लग्न नवम व दशम स्थान में पापग्रह हो।

१०—नवमेश ६।८।१२ में हो और गुरु पापग्रह की राशि में हो, पंचम में लग्नेश और पापग्रह हों तो पितृ-शाप से सुतक्षय होगा।

११—लग्न और पंचम भाव में सूर्य, मंगल, शनि हों, आठवें तथा बारहवें राहु, गुरु का योग हो तो पितृ शाप से सुतक्षय होगा।

१२—षष्टेश अथवा नवमेश अथवा दशमेश पंचम में हो और गुरु-राहु युक्त हो तो पितृ शाप से सुतक्षय होता है।

मातृ-शाप से विपुत्र योग

(१) पुत्रेश तथा चन्द्रमा नीच का हो अथवा ये दोनों पाप-ग्रहों के मध्य में हो, चौथे और पाँचवें भाव में पापग्रह हों।

(२) ग्यारहवें शनि, चौथे पापग्रह हों और पंचम में नीच का चन्द्रमा हो।

(४) पंचमेश ६, ८, १२ वें भाव में हो, चन्द्रमा पापग्रह के नवमांश में हो और लग्न व पंचम में पापग्रह युत हो।

(५) मीन जन्म लग्न हो, चन्द्रमा शनि, राहु, मंगलसे युत हो और नवम वा पंचम अथवा गुरु वा शनि, राहु, मंगल से युत हो तो मातृ-शाप से विपुत्र होगा।

(६) सिंह या मकर जन्म लग्न हो, मंगल, राहु-शनि से युत हो लग्न में रवि-चन्द्रमा का योग हो।

(७) सुखेश अष्टम में, लग्नेश पंचमेश दोनों छठें और दशमेश षष्ठेश दोनों लग्न में हों।

(८) लग्न पंचम, षष्ठ और अष्टम स्थानों में राहु-रवि मंगल और शनि क्रम से हों और लग्नेश ६,८,१२ वें भावमें हो।

(९) राहु, मंगल, गुरु ये तीनों ६, ८, १२ वें भाव में हो, पंचम भाव में शनि-चन्द्र का योग हो।

(१०) चतुर्थ स्थान में पाप-ग्रह हो और पंचमेश शनि से युत हो, बारहवें भाव में पापग्रह हो।

विशेष

उपाय—मातृ से तात्पर्य है माता-दादी-परदादी आदि। उनको कष्ट देने से उनकी जो आह निकलती है उसीके कारण सन्तान नहीं होती इसका एक मात्र उपाय है श्री मद्भागवत का सप्ताह सुनें। दोनों नवरात्रों को कुमारी ब्राह्मण-कन्याओं को भोजन कराकर उनको वस्त्र तथा दक्षिणा दे। कन्यायें बहुत पवित्र हों भोजन भी पवित्र हो।

मातुल के शाप से सुतक्षय योग

(१) पंचम में बुध, गुरु, मंगल और राहु ये चारो ग्रह हों और लग्न में शनि हो।

(२) लग्नेश पंचमेश का योग पंचम में बुध, मंगल अथवा शनि से युत हो।

(३) पंचमेश लग्न में अस्तंगत हो और सप्तमस्थ शनि हो लग्नेश बुध से युत हो।

(४) षष्ठेश लग्न में व्ययेश से संयुक्त हो पंचम में चन्द्र, बुध और मंगल स्थित हो।

(५) अधिकांश देखा गया है, लोग पत्नियों की दुर्गति किया करते हैं। अतः उनके मन में सर्वथा अशान्ति छाई रहती है। ऐसी स्थितिमें स्त्रियोंके मुख से अपशब्द अनायास ही निकला करते हैं, वे ही अनायास शब्द शाप का रूप धारण करते हैं।

पत्नी के शाप से सुतक्षय योग

(१) सप्तमेश पंचम भाव में स्थित होकर शनि के नवमांश में और पंचमेश आठवें भाव में हो।

(२) सप्तमेश आठवें, व्ययेश पंचम में पंचम का कारक गुरु पापग्रह से युत हो।

(३) पंचम में शुक्र हो, सप्तमेश आठवें, कारक, (गुरु) पापयुक्त हों।

(४) द्वितीय स्थान में पापग्रह हों सप्तमेश लग्न में या पञ्चम में या आठवें और पाँचवें पापग्रह हो।

(५) शुक्र नवम भाव में तो हो सप्तमेश अष्टम या लग्न में और पञ्चम भाव में पापग्रह हों।

(६) कन्या या कुम्भ लग्न हो, पंचमेश शत्रु राशि में, गुरु लग्नेश और सप्तमेश ६, ८, १२ वें स्थान में हों।

(७) पंचम भाव में शुक्र की राशि २, ७ में राहु, चन्द्र हों जन्म लग्न से बारहवें व तथा धन भाव में पापग्रह हों।

(८) सप्तम भाव में शनि, शुक्र का योग हो, अष्टमेश पंचम में हो और लग्न में रवि राहु की युति हो।

(९) धन भाव में मंगल, बारहवें गुरु, पाँचवें शुक्र हो और वह शुक्र राहु से युक्त या दृष्ट हो।

(१०) धनेश और सप्तमेश का योग अष्टम स्थान में हो और पाँचवें मंगल व लग्नेश शनि हो पंचम का कारक गुरु पापग्रह से युक्त हो।

(११) लग्न में राहु, पाँचवें शनि, नवम भाव में मंगल हो और पंचमेश तथा सप्तमेश का योग अष्टम में हो।

कुलदेव के दोष से विपुत्र होने के योग

(१) छठे बैठा हुआ शनि, रवि-चन्द्र-बुध से दृष्ट हो और लग्न पापग्रह से दृष्ट हो तो कुल देव दोष से विपुत्र होवे।

(२) कहीं बैठा हुआ मकर या कुम्भ राशि का सूर्य पाप-ग्रह से दृष्ट हो अथवा लग्न में पापग्रह का षड् वर्ग हो तो कुल देव दोष से विपुत्र होवे।

भ्रातृ शाप से सुत-क्षय योग

(१) पंचम में तथा कन्या राशि में शनि, राहु का योग हो और बारहवें भाव में बुध मंगल का योग हो।

(२) लग्नेश तीसरे भाव में तृतीयेश पंचम भाव में हो, लग्न तृतीय व पंचम भाव में पापग्रह हों।

(३) तृतीयेश, अष्टम या पंचम भाव में हो, लग्न तृतीय व पंचम भाव में पापग्रह हों।

(४) अष्टमेश पंचम में तृतीयेश से युत हो और आठवें भाव में मंगल, शनि युक्त हो।

ब्रह्म शाप से सुत-क्षय योग

(१) गुरु की राशि (९,१२) में राहु और पंचम में गुरु मंगल, शनि हों नवमेश अष्टम में हो।

(२) नवमेश पंचम में हो। पंचमेश अष्टम में गुरु, मंगल व राहु से युक्त हो तो ब्रह्म-शाप से सुत-क्षय होगा।

(३) नवमेश नीच राशि का हो, व्ययेश पंचम में राहु से युक्त वा दृष्ट हो।

(४) नीच राशि का गुरु होकर लग्न या पंचम भाव में बैठा हो, पंचमेश ६, ८, १२ में हो।

(५) पंचमेश गुरु पापग्रह से युक्त होकर अष्टम में हो।

(६) गुरु, शनि के नवमांश में स्थित होकर शनि, मंगल से युक्त हो, पंचमेश व्यय स्थान में हो।

(७) लग्न में शनि, राहु पापग्रह से युक्त होकर भाग्य भाव में हो और बारहवें गुरु हो।

सन्तान-नाश-योग

(१) अष्टमेश पंचम में और पंचमेश अष्टम में शत्रु या नीच राशि का हो, शुभग्रह से अदृष्ट हो तो सन्तान नाशकारक योग जानना चाहिये।

(२) दो पापग्रहों के मध्य में गुरु हो, पंचमेश निर्बल हो, शुभग्रह से युत दृष्ट न हो तो सन्तान नाश होगा।

(३) दो पापग्रहों के मध्य में पंचम भाव हो, शुभग्रह से युत दृष्ट न हो और पंचमेश पाप युत हो तो सन्तति का नाश होगा।

(४) पंचमेश नीच, शत्रु तथा अस्त राशि गत हो और ६, ८, १२ भाव के स्वामी से युत हो पंचम भाव और पंचमेश पापग्रह से युत दृष्ट हो तो संतान नाश होगा।

(५) पञ्चमेश यदि पाप कर्तरी में हो तो सन्तान होकर नष्ट होगा। गुरु से भी यही विचार करना।

(६) गुरु या पञ्चमेश शनि या भौम या दोनों से दृष्ट हो तो सन्तान नाश होगा।

मृतापत्य योग

(१) पापग्रह (मंगल) पाँचवें भाव में हों तो सन्तान होगा ही नहीं यदि होगा तो समाप्त हो जायगा।

(२) तीसरे तथा पाँचवें चन्द्र हो, लग्न में शनि, मंगल, या नवम भाव में मंगल; लग्न में शनि हो तो संतान जीवित नहीं रहेगा।

(३) शनि ग्यारहवें, मंगल आठवें या दूसरे बैठा हो पाप ग्रह पाँचवें भाव में हों तो सन्तान न होंगी यदि होगी तो विस्फोट (बड़ी माता) या लीवर रोग से मरती जायगी।

(४) गुरु पञ्चम भाव में हो मंगल या शनि की पूर्ण दृष्टि हो तो मृत-सन्तान उत्पन्न होगी।

(५) चन्द्रमा से पाँचवें भाव में गुरु, या रवि अथवा मंगल अपने शत्रु या नीच राशि में हो अथवा अस्त हो पाप दृष्ट हो तो सन्तान होकर मरती जायगी।

(६) पंचमेश मंगल वा राहु से युत हो अथवा पंचमेश राहु मंगल के बीच में (कर्तरी में) हो तो संतान का नाश होगा।

(७) पंचम और पंचमेश ये दोनों नीच राशि में हो, नीच राशि गत ग्रह से युत हो, शत्रु क्षेत्री हो, अस्तगत हो, निर्बल हो, पापग्रहों से युक्त हो, शुभग्रहों की दृष्टि रहित हो—शुक्र, मंगल विषम राशि में एकत्र हों और चन्द्रमा इनको देखता हो तो मृत-प्रजा योग होता है।

(८) शुक्र और मंगल नीच तथा शत्रु राशि में या नीच शत्रु राशि के नवांश में हो या निर्बल तथा पराजित हों तो मृत प्रजा होगी।

(९) पंचम में बलहीन पापग्रह पुत्र नाश करता है और अष्टमेश के बिना शुभ ग्रह (गुरु के अतिरिक्त) बलवान होकर पंचम में हो तो शुभ फल देता है।

(१०) पंचम नवम और चतुर्थ भाव में पापग्रह हो तो प्रथम भार्या का प्रथम पुत्र मरेगा और दूसरे विवाह की स्त्री से जन्मा हुआ पुत्र जीवित रहेगा और वह भाग्यवान तथा दीर्घायु होगा।

(११) मकर राशि का गुरु पाँचवे स्थित हो तो मृत-प्रजा होगी।

(१२) बृहस्पति जिस राशि में स्थित हो उस राशि से पञ्चम स्थित पापग्रह की राशि हो तो पुत्र का विनाश करेगा, यदि गुरु से पाँचवें शुभ राशि शुभग्रह से युक्त हो तो पुत्र सुख होगा।

(१३) जन्म लग्न से पाँचवे राहु, मंगल से युत हो तो मृत प्रजा होगी।

(१४) पंचम भाव में प्रकाशावस्था में रवि हो तो मृतापत्य होगा।

पुत्र-हानि-योग

(१) लग्नेश ६,८ १२ वें हो। पंचमेश पाप युत या दृष्ट हो और नीच राशि गत या अस्तंगत हो तो पुत्र-हानि होगी।

(२) पंचम भाव, पंचमेश वा पंचम का कारक (गुरु) पापग्रहों के मध्य में और पापग्रहों से युत हो तो पुत्र नाश होगा।

(३) सप्तमेश, नवमेश, पंचमेश इन तीनों के नवांश के स्वामी पापग्रहों के नवांश में हों और पापग्रहों से युक्त हो तो पुत्र-नाश होगा।

(४) पंचमेश क्रूर नवमांश में हो अपनी नीच वा अस्तंगत राशि का हो पाप ग्रहों से दृष्ट हो तो पुत्र-नाश होगा।

(५) व्ययेश के नवांश का स्वामी जिस द्रेष्काण में हो उसके स्वामी से लग्न से पंचमेश युक्त हो तो पुत्र-नाश होगा।

(६) पञ्चम नवम भाव में पापग्रह हों लग्न में क्षीण चन्द्रमा; शनि की राशि (१० तथा ११) का गुरु अस्त हो तो पुत्र-सुख नहीं होगा।

(७) बुध पञ्चम में हो लग्न तथा सुख भाव में पापग्रह हों तो पुत्रसुख होकर नष्ट होगा।

(८) दशम में चन्द्र, सप्तम में शुक्र और शुक्र से सप्तम में पापग्रह हों तो संतति का नाश होगा।

(९) पंचमेश ६,८,१२ भाव में हो, तथा क्रूर षष्ठ्यंश में हो या क्रूरग्रह से दृष्ट हो शुभग्रहों से अदृष्ट तो पुत्र नाश होगा।

संतति मरण के कारण

पंचम भाव से अष्टमस्थ ग्रहों का फल निम्नीय है :

सूर्य हो तो ज्वर पीडा से बालक की मृत्यु होती है।

चन्द्र हो तो जल तथा शीत से मृत्यु होती है।

मंगल हो तो विष, शस्त्र, कफ रक्त से मृत्यु होती है।

बुध हो तो शीतला, स्नायु रोग, उदरविकार रोग से बालक की मृत्यु होती है।

गुरु हो तो विष तथा सर्प, देवबाधा से मृत्यु होती है।

शुक्र हो तो धातु,पशु आदि हिंसक जन्तुओं से मृत्यु होती है।

शनि हो तो बालारिष्ट ग्रह से, भूतप्रेत से मृत्यु होती है।

राहु हो तो सर्प, शस्त्र, वृक्ष आदि से मृत्यु होती है।

केतु हो तो वायु-विकार से बालक की मृत्यु होवे।

(शेष संवत् २०२९ के पञ्चाङ्ग में देखिये)

द.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	वं.	चं. रा.	घ.	प.	सू.उ. घं.	मि.	सू.अ. घं.	मि.	स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३०	२३	१	श.	४०	४७	उ.	५	५६	ब्र.	२२	५६	किं.	१३	४३	बव	४०	४७	धूम्र	२७	२९	१३				५	५६	६	४	११	१२	२१	१३	५९	२९
३०	२५	२	र.	३५	१४	र.	२/५६	०/३२	ऐ.	१५	२७	वा.	८	०	कौ.	३५	१४	वर्धमा.	२८	३०	१४	मे.	२	०	५	५५	६	५	११	१३	१३	५३	५९	२३
३०	२९	३	चं.	३०	१३	भ.	५५	३६	वै.	८	१७	तै.	२	४३	ग.	३०/५७	१३/३६	चर	२९	१	१५				५	५४	६	६	११	१४	१३	१३	५९	२०
३०	३३	४	मं.	२५	०	कृ.	५३	३५	वि.	५४	४/५	वि.	२५	०	बव	५३	४७	गद	३०	२	१६	वृ.	१०	६	५	५३	६	७	११	१५	१२	३२	५९	१८
३०	३६	५	बु.	२२	३५	रो.	५२	२२	आ.	५१	४३	वा.	२२	३५	कौ.	५१	२४	शुभ	३१	३	१७				५	५३	६	७	११	१६	११	४८	५९	१६
३०	४०	६	बृ.	२०	१३	मृ.	५२	१९	सौ.	४६	२४	तै.	२०	१३	ग.	४९	३७	मृत्यु	१	४	१८	मि.	२२	२१	५	५२	६	८	११	१७	११	३	५९	१४
३०	४४	७	शु.	१९	२	आ.	५३	२६	शो.	४३	८	व.	१९	२	वि.	४९	३	पद्म	२	५	१९				५	५१	६	९	११	१८	१०	१९	५९	१२
३०	४७	८	श.	१९	५	पुन	५५	५२	अ.	४०	४९	बव	१९	५	वा.	४९	४७	छत्र	३	६	२०	क.	४०	१८	५	५०	६	१०	११	१९	९	२४	५९	९
३०	५१	९	र.	२०	२९	पु	५९	३१	सु.	३९	३५	कौ.	२०	२९	तै.	५१	४५	श्रीवत्स	४	७	२१				५	५०	६	१०	११	२०	८	३३	५९	७
३०	५५	१०	चं.	२३	२	श्ले	६०	०	धृ.	३९	१३	ग.	२३	२	व.	५४	५४	सौम्य	५	८	२२				५	४९	६	११	११	२१	७	३८	५९	४
३०	५८	११	मं.	२६	४६	श्ले	४	२०	शू.	३९	४४	वि.	२६	४६	बव	५९	३	आनन्द	६	९	२३	सिं.	४	२०	५	४८	६	१२	११	२२	६	४१	५९	२
३१	२	१२	बु.	३१	२०	म.	१०	१	गं.	४०	५०	वा.	३१	२०	कौ.	६०	०	चर	७	१०	२४				५	४८	६	१२	११	२३	५	४३	५९	०
३१	६	१३	बृ.	३६	२७	पूफा	१६	२०	वृ.	४२	२१	कौ.	३	५३	तै.	३६	२७	गद	८	११	२५	कं.	३२	५९	५	४७	६	१३	११	२४	४	४२	५८	५९
३१	९	१४	शु.	४१	४४	उफा	२२	५६	ध्रु.	४३	५४	ग.	९	५	व.	४१	४४	शुभ	९	१२	२६				५	४६	६	१४	११	२५	३	३९	५८	५७
३१	१३	१५	श.	४६	४०	ह.	२९	२३	व्या	४५	११	वि.	१४	१२	बव	४६	४०	मृत्यु	१०	१३	२७				५	४५	६	१५	११	२६	२	३३	५८	५५

श्री शुभ संवत् २०२८ शके १८९३ चैत्र शुक्लपक्षः सौम्यायनम्। याम्यगोलः। मार्च २७ से अप्रैल १० तक। a

या. ज. मु. ४०।४७ या.। द्वितीया योग प्रतीच्यां चन्द्रोदयः। स. सि. योग. २।० उ.। मेषे बुधः ५७।२३। b

म. ५७।३६ उ.। या.ज.मु. ३०।१३ या.। शते शुक्रः ५।४०। c

म. २५।० या.। स. सि. योगः ५३।२५। c सफर

रेवत्यामर्कः २६।४६। स. सि. योगः।

मिथुने चन्द्रे प्रतीच्यां यात्रा मु.। अप्रैल। a वसंततुः।

म. १९।२ उ. ४९।३ या.। b पञ्चक समाप्त २।०

प्रतीच्यां यात्रा मु.।

स. सि. योगः। ✱ सर्वेषाम्।

म. ५४।५४ उ.। एकादश्यां या. ज. मु.।

म. २६।४६ या.। स. सि. योगः ४।२० या। कामदा ११ व्रतं✱

प्रदोषः।

उत्तरायोगे या. ज. मु.।

म. ४१।४४ उ.। पूर्णिमा योगे प्राच्यां यात्रा मु.।

म. १४।१२ या.। दानव्रताय १५।

चै. शु. ३ सोमे इ. ४५।१

सू.	म.	बु.	बृ.	श.	शा.	रा	के.
११	८	०	७	१०	०	९	३
१४	१५	०	१२	६	२६	२७	२७
५३	१४	३०	५४	२४	६	१४	१४
५३	१५	१०	९	१७	९	१३	१३
५९	३६	६०	३/५	७१	५	३	३
२०	१४	३	व.	३	४९	११	११

शा.१बु.चं. | शु.११ | २ | सू. १२ | रा.१० | ३ | मं.९ | ४के. | ६ | ८ बृ. | ५ | ७

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.		२ र.		३ चं.		४ मं.		५ बु.		६ बृ.		७ शु.		८ श.		९ र.		१० चं.		११ मं.		१२ बु.		१३ बृ.		१४ शु.		१५ श.	
मी. अं.	६	५२	६	४८	६	४४	६	४०	६	३६	६	३२	६	२८	६	२५	६	२१	६	१७	६	१३	६	१०	६	६	६	२	५	५८
मे. अं.	८	३०	८	२६	८	२२	८	१८	८	१४	८	१०	८	७	८	३	८	०	७	५६	७	५२	७	४८	७	४४	७	४०	७	३५
वृ. अं.	१०	२६	१०	२२	१०	१८	१०	१४	१०	१०	१०	७	१०	३	९	५९	९	५५	९	५१	९	४७	९	४३	९	३९	९	३५	९	३१
मि. अं.	१२	४०	१२	३६	१२	३२	१२	२८	१२	२४	१२	२०	१२	१७	१२	१३	१२	९	१२	५	१२	१	११	५७	११	५३	११	४९	११	४५
क. अं.	२	५८	२	५४	२	५०	२	४६	२	४२	२	३९	२	३५	२	३१	२	२७	२	२३	२	१९	२	१५	२	११	२	७	२	३
सिं. अं.	५	१३	५	१०	५	६	५	२	४	५८	४	५४	४	५०	४	४६	४	४२	४	३८	४	३४	४	३०	४	२६	४	२२	४	१८
राशयः	रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०		रा०	
कं. अं.	७	२६	७	२२	७	१८	७	१४	७	१०	७	६	७	२	६	५९	६	५५	६	५२	६	४७	६	४३	६	३९	६	३५	६	३१
तु. अं.	९	४३	९	४०	९	३६	९	३२	९	२८	९	२४	९	२०	९	१६	९	१२	९	८	९	४	९	०	८	५६	८	५२	८	४९
वृ. अं.	१२	२	११	५८	११	५४	११	५०	११	४६	११	४२	११	३८	११	३४	११	३०	११	२६	११	२२	११	१८	११	१४	११	१०	११	६
ध. अं.	२	७	२	४	२	०	१	५६	१	५२	१	४८	१	४४	१	४०	१	३६	१	३२	१	२८	१	२४	१	२०	१	१६	१	१२
म. अं.	३	५३	३	५०	३	४६	३	४२	३	३८	३	३४	३	३०	३	२६	३	२२	३	१८	३	१४	३	१०	३	६	३	२	२	५८
कुं. अं.	५	२४	५	२०	५	१६	५	१२	५	८	५	४	५	०	४	५६	४	५२	४	४९	४	४५	४	४१	४	३७	४	३३	४	२९

चै. शु. १३ गुरु इ. ४५।३३

सू.	म.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	८	०	७	१०	०	९	३
२४	२१	१०	१२	१८	२७	२६	२६
४९	४२	०	१८	३५	६	४३	४३
४२	१९	३	२४	५४	३५	३६	३६
५८	३६	६०	३/८	७४	५	३	३
५९	३६	५	व	२३	३९	११	११

श.१बु. | ११शु. | २ | १२सू. | १० रा. | ३ | ९ मं. | के.४ | ६ | बृ.८ | ५चं. | ७

द. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	वं.	चं. रा.	प्र. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३१	१६	१	र.	५०	५८	चि.	३५	१३	ह.	४६	०	वा.	१८	४९	कौ.	५०	५८	पद्म	११	१४	२८	तु.	२	१८	५	४५	६	१५	११	२७	१	२७	५८	५८
३१	२०	२	चं.	५४	१९	स्वा	४०	१२	व.	४६	३	तै.	२२	३८	ग.	५४	१९	छत्र	१२	१५	२९				५	४४	६	१६	११	२८	०	२९	५८	५३
३१	२३	३	मं.	५६	२६	वि.	४४	५	सि.	४५	११	व.	२५	२२	वि.	५६	२६	श्रीवत्स	१३	१६	३०	वृ.	२८	७	५	४३	६	१७	११	२९	०	५	५८	५२
३१	२७	४	बु.	५७	१५	अनु.	४६	४७	व्य.	४३	२७	बव	२६	५०	बा.	५७	१५	सौम्य	१४	१७	१				५	४३	६	१७	११	२९	५८	५७	५८	५०
३१	३१	५	बृ.	५६	४६	ज्ये.	४८	९	व.	४०	४१	कौ.	२७	०	तै.	५६	४६	काल.	१५	१८	२	ध.	४८	९	५	४२	६	१८	०	०	५६	३०	५८	४८
३१	३४	६	शु.	५५	२	मू.	४८	१९	प.	३६	५३	ग.	२५	५४	व.	५५	२	स्थिर	१६	१९	३				५	४१	६	१९	०	१	५५	११	५८	४६
३१	३७	७	श.	५२	१२	पूषा	४७	१९	शि.	३२	११	वि.	२३	३७	बव	५२	१२	मातंग	१७	२०	४				५	४१	६	१९	०	२	५३	५०	५८	४४
३१	४१	८	र.	४८	२३	उषा	४५	२७	सि.	२६	३९	बा.	२०	१८	कौ.	४८	२३	अमृत	१८	२१	५	म.	१	५१	५	४०	६	२०	०	३	५२	२१	५८	४२
३१	४५	९	चं.	४३	४२	श्र.	४२	४३	सा.	२०	२६	तै.	१६	२	ग.	४३	४२	सिद्धि	१९	२२	६				५	३९	६	२१	०	४	५१	०	५८	३९
३१	४८	१०	मं.	३८	२६	ध.	३९	१५	शु.	१३	३६	व.	११	४	वि.	३८	२६	उत्पात	२०	२३	७	कुं.	१०	५९	५	३९	६	२१	०	५	४९	३२	५८	३७
३१	५१	११	बु.	३२	४०	श.	३५	२५	शु.	६/५९	२०/५८	बव	५	३३	बा.	३२/५९	४०/४०	मानस	२१	२४	८				५	३८	६	२२	०	६	४८	२	५८	३४
३१	५४	१२	बृ.	२६	४१	पूभा	३१	२१	ऐं.	५१	५	तै.	२६	४१	ग.	५३	३८	मुद्गर	२२	२५	९	मी.	१७	२२	५	३७	६	२३	०	७	४६	२९	५८	३२
३१	५८	१३	शु.	२०	३५	उभा	२७	९	वै.	४३	२४	व.	२०	३५	वि.	४७	३७	केतु	२३	२६	१०				५	३६	६	२४	०	८	४४	५५	५८	३०
३२	१	१४	श.	१४	४०	रे.	२३	१०	वि.	३५	५५	श.	१४	४०	च.	४१	५१	धाता	२४	२७	११	मे.	२३	१०	५	३६	६	२४	०	९	४३	२०	५८	२८
३२	४	३०	र.	९	३	अ.	१९	३३	प्री.	२८	४६	ना.	९	३	कि.	३६	३०	आनंद	२५	२८	१२				५	३५	६	२५	०	१०	४१	४०	५८	२६

श्री शुभ संवत् २०२८ शके १८९३ वैशाख कृष्णपक्षः ।
सौम्यायनगोलौ । अप्रैल ११ से २५ तक । वसन्तऋतुः ।

स्वाती योगे. या. ज. मु. ।
bरेवत्याम् । उदीच्यां या. मु.भद्रां विहाय । मासशिवरात्रि व्रतम्
भ. २५।२२ उ. ५६।२६ या. । aगणेश ४ व्रतम् ।
अश्वे मेषेचार्कः ०।१८ । स. सि. अ. सि. योगः ४६।४७ या.।a
वक्रीबुधः ३।४१
भ. ५५।२ उ. ।
भ. २३।३७ या. ।
स. सि. योगः ४५।२७ या. । मीने च शुक्रः ४५।७ ।
स. सि. योगः दक्षिणस्यां यात्रा मु. ।
भ. ११।४ उ. ३८।२६ या. । दक्षिण पूर्वयोः यात्रा मु. १०।५९ या.*
वरूथिनी ११ व्रतं सर्वेषाम् । रा. वैशाख ।
उत्तरायोगे या. ज. मु. । प्रदोषः । *पञ्चकारम्भ १०।५९ ।
भ. २०।३५ उ. ४७।३७ या. । स. सि. योगः अ. सि. योगःb
श्राद्धादी ३० । पञ्चकसमाप्त २३।१० ।
स. सि. योगः । स्नान दानादी ३० ।

वै. कृ. ३ भौमे इ. ४४।४१

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
११	८	०	७	१०	०	९	३
२९	२४	११	१२	२४	२७	२६	२६
४५	४२	३०	६	४८	४८	३४	३४
१	३७	१२	१४	५८	३७	१२	१२
५८	३६	१२	३	७१	८	३	३
१२	४५	३०	व.	३७	३	११	११

श.बु.१ शु.११
२ सू. १२ रा१०
३ मं.९
४के. ६ ८बृ.
५ ७

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ र.	२ चं.	३ मं.	तिथयः	४ बु.	५ बृ.	६ शु.	७ श.	८ र.	९ चं.	१० मं.	११ बु.	१२ बृ.	१३ शु.	१४ श.	३० र.
मी. अं.	५ ५३	५ ४९	५ ४६	मे. अं.	७ २०	७ १६	७ १२	७ ८	७ ४	७ ०	६ ५६	६ ५२	६ ४८	६ ४४	६ ४०	६ ३६
मे. अं.	७ ३१	७ २७	७ २४	वृ. अं.	९ १६	९ १२	९ ८	९ ४	९ ०	८ ५६	८ ५२	८ ४८	८ ४४	८ ४०	८ ३६	८ ३२
वृ. अं.	९ २७	९ २४	९ २०	मि. अं.	११ ३४	११ ३०	११ २६	११ २२	११ १८	११ १४	११ १०	११ ६	११ २	१० ५८	१० ५४	१० ५०
मि. अं.	११ ४५	११ ४२	११ ३८	क. अं.	१ ४८	१ ४४	१ ४०	१ ३६	१ ३२	१ २८	१ २४	१ २०	१ १६	१ १२	१ ८	१ ४
क. अं.	१ ५९	१ ५६	१ ५२	सिं. अं.	४ ३	३ ५९	३ ५५	३ ५१	३ ४७	३ ४३	३ ३९	३ ३५	३ ३१	३ २७	३ २३	३ १९
सिं. अं.	४ १४	४ ११	४ ७	कं. अं.	६ १५	६ ११	६ ७	६ ३	५ ५९	५ ५५	५ ५०	५ ४७	५ ४३	५ ३९	५ ३५	५ ३०
रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
कं. अं.	६ २७	६ २३	६ १९	तु. अं.	८ ३३	८ २९	८ २५	८ २१	८ १७	८ १३	८ ९	८ ५	८ १	७ ५७	७ ५३	७ ४९
तु. अं.	८ ४४	८ ४०	८ ३७	वृ. अं.	१० ५१	१० ४७	१० ४३	१० ३९	१० ३५	१० ३१	१० २७	१० २३	१० १९	१० १५	१० ११	१० ७
वृ. अं.	११ २	१० ५८	१० ५५	ध. अं.	१२ ५६	१२ ५२	१२ ४८	१२ ४४	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३२	१२ २८	१२ २४	१२ २०	१२ १६	१२ १२
ध. अं.	१ ८	१ ४	१ ०	म. अं.	२ ४३	२ ३९	२ ३५	२ ३१	२ २७	२ २३	२ १९	२ १५	२ १२	२ ८	२ ४	२ ०
म. अं.	२ ५४	२ ५१	२ ४७	कुं. अं.	४ १०	४ ७	४ ३	३ ५९	३ ५५	३ ५१	३ ४७	३ ४३	३ ३९	३ ३६	३ ३३	३ ३०
कुं. अं.	४ २१	४ १७	४ १४	मी. अं.	५ ४२	५ ३८	५ ३४	५ ३०	५ २६	५ २२	५ १८	५ १४	५ १०	५ ६	५ २	४ ५८

वैशाख कृष्ण १३ शुक्रे इ. ४५।५९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	९	०	७	११	०	९	३
९	०	६	११	६	२९	२६	२६
२५	१८	५४	१२	४८	६	२	२
५५	४५	२५	२५	३४	१२	२५	२५
५८	३५	३० ४	३ ४५	७१	८	३	३
३०	५९	व.	व.	२३	५	११	११

२ १२ शु.
३ सू.श.१बु. ११ चं.
४ के. रा.१०मं.
५ ७ ९
६ बृ.८

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३२	८	१	चं.	३/५५	५७/४३	म.	१६	३१	आ.	२२	८	बव	३	५७	बा.	३/५९	४८/४०	चर	२६	२९	१३	वृ.	३०	५८	५	३५	६	२५	०	११	३९	५९	५८	१६
३२	११	३	मं.	५६	८	कृ.	१४	१९	सौ.	१६	१०	तै.	२७	५४	ग.	५६	८	गद	२७	१	१४				५	३४	६	२६	०	१२	३८	१५	५८	१४
३२	१५	४	बु.	५३	४०	रो.	१२	५३	शो.	१०	५३	व.	२४	५२	वि.	५३	४०	शुभ	२८	२	१५	मि.	४२	४३	५	३३	६	२७	०	१३	३६	२९	५८	१२
३२	१८	५	बृ.	५२	२५	मृ.	१२	३३	अ.	६	२८	बव	२३	२	बा.	५२	२५	मत्स्य	२९	३	१६				५	३३	६	२७	०	१४	३४	४१	५८	१०
३२	२१	६	शु.	५२	२३	आ.	१३	२८	सु.	३	१	कौ	२२	२४	तै.	५२	२३	पद्म	३०	४	१७				५	३२	६	२८	०	१५	३२	५३	५८	८
३२	२४	७	श.	५३	४१	पुन.	१५	३५	धृ.	०/५८	३६/३७	ग.	२३	२	व.	५३	४१	छत्र	१	५	१८	क.	०	३	५	३१	६	२९	०	१६	३१	१	५८	७
३२	२७	८	र.	५६	९	पु.	१९	१	गं.	५८	४०	वि.	२४	५५	बव	५६	९	श्रीवत्स	२	६	१९				५	३१	६	२९	०	१७	२९	९	५८	६
३२	३०	९	चं.	५९	४९	श्ले.	२३	३३	वृ.	५९	३	बा.	२७	५९	कौ.	५९	४९	सौम्य	३	७	२०	सि.	२३	३३	५	३०	६	३०	०	१८	२७	१५	५८	५
३२	३३	१०	मं.	६०	०	म.	२९	७	ध्रु.	६०	०	तै.	३२	४	ग.	६०	०	कालदं.	४	८	२१				५	२९	६	३१	०	१९	२५	२१	५८	४
३२	३६	१०	बु.	४	१९	पूफा	३५	२०	ध्रु.	०	४	ग.	४	१९	व.	३६	४९	सुस्थिर	५	९	२२	कं.	५१	५८	५	२९	६	३१	०	२०	२३	२६	५८	२
३२	३९	११	बृ.	९	१९	उफा	४१	५२	व्या	१	३१	वि.	९	१९	बव	४१	५५	मातंग	६	१०	२३				५	२८	६	३२	०	२१	२१	२९	५७	५९
३२	४२	१२	शु.	१४	३२	ह.	४८	२१	ह.	३	९	ब.	१४	३२	कौ.	४६	५७	अमृत	७	११	२४				५	२८	६	३२	०	२२	१९	२८	५७	५७
३२	४५	१३	श.	१९	२३	चि.	५४	२२	व.	४	३५	तै.	१९	२३	ग.	५१	२९	काण	८	१२	२५	तु.	२१	२१	५	२७	६	३३	०	२३	१७	२६	५७	५४
३२	४८	१४	र.	२३	३६	स्वा	५९	३५	सि.	५	३०	व.	२३	३६		५५	१२	लम्ब	९	१३	२६				५	२७	६	३३	०	२४	१५	२०	५७	५१
३२	५१	१५	चं.	२६	४८	वि.	६०	०	व्य.	५	५०	बव	२६	४८		५७	२१	मित्र	१०	१४	[illegible]	[illegible]	४७	४०	५	२६	६	३४	०	२५	१३	१८	५७	४८

श्री शुभ संवत् २०२८ शके १८९३ वैशाख शुक्लपक्षः । सौम्यायनगोलौ। अप्रैल २६ से मई १० तक। वसन्त ऋतुः।

चन्द्रोदयः। या. ज. मु. ३।५७ या. । a रवि उल अव्वल

भरण्यामर्कः ४१।५२। स. सि. योगः १४।१९ या.। अक्षय ३ ।a ११

भ. २४।५२ उ. ५३।४० या.। स. सि. योगः १८।५३ या.।

प्रतीच्यां यात्रा मु. ।

वृषे शनिः ३।३५ ।

* मु.। मई

भ. ५३।४१ उ.। या. ज. मु. १५।३५ या.। प्रतीच्यां यात्रा *

भ. २४।५५ या.। स. सि. योगः १९।१ या.।

या. ज. मु. २३।३३ या. ।

भ. ३६।४९ उ. ।

भ. ९।१९ या.। मोहिनी ११ व्रतं सर्वेषाम्। या. ज. मु. ९।१९या.

प्रदोषः । प्राच्यां यात्रा मु. ।

मार्गी बुधः ५९।७ ।

भ. २३।३६ उ. ५५।१२ या.। व्रतादौ १५। या. ज. मु. २३।३६उ.

स्नान दानादौ १५ ।

वै. शु. १ चन्द्रे इ. ४६।७

सू	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	९	०	७	११	०	९	३
१२	२	४	११	१०	२९	२५	२५
२४	८	२४	२४	१३	३०	५२	५२
५९	४४	४३	३७	४२	१४	४७	४७
५८	३६	२ ५/७	४	७०	७	३	३
१६	२	व.	२७	३	६	११	११

२ | १२शु.
३ | सू.१श.चं. बु. | ११
४के. | रा.१०मं.
५ | चं.७ | ९
६ | ८बृ.

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ च.	३ म.	४ बु.	५ बृ.	६ शु.	७ श.	८ र.	९ च.	१० मं.	१० बु.	११ बृ.	१२ शु.	१३ श.	१४ र.	१५ चं.
मे. अं.	६ ३२	६ २८	६ २४	६ २०	६ १६	६ १२	६ ८	६ ४	६ ०	५ ५६	५ ५२	५ ४८	५ ४५	५ ४०	५ ३७
वृ. अं.	८ २८	८ २४	८ २०	८ १६	८ १२	८ ८	८ ४	८ ०	७ ५६	७ ५२	७ ४८	७ ४४	७ ४०	७ ३६	७ ३३
मि. अं.	१० ४६	१० ४२	१० ३८	१० ३४	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १८	१० १४	१० १०	१० ७	१० २	९ ५८	९ ५४	९ ४२
क. अं.	१ ०	१२ ५६	१२ ५२	१२ ४८	१२ ४४	१२ ४०	१२ ३७	१२ ३४	१२ ३०	१२ २५	१२ २१	१२ १७	१२ १३	१२ ९	१२ ५
सि. अं.	३ १५	३ ११	३ ७	३ ३	२ ५९	२ ५६	२ ५२	२ ४८	२ ४४	२ ४०	२ ३६	२ ३२	२ २८	२ २४	२ २०
कं. अं.	५ २७	५ २३	५ १९	५ १५	५ १२	५ ७	५ ३	४ ५९	४ ५५	४ ५२	४ ४७	४ ४३	४ ३९	४ ३६	४ ३३
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
तु. अं.	७ ४५	७ ४१	७ ३७	७ ३३	७ २९	७ २५	७ २१	७ १७	७ १३	७ ९	७ ५	७ १	६ ५७	६ ५३	६ ५०
वृ. अं.	१० ३	९ ५९	९ ५५	९ ५१	९ ४७	९ ४३	९ ३९	९ ३५	९ ३२	९ २७	९ २३	९ १९	९ १५	९ ११	९ ८
ध. अं.	१२ ८	१२ ४	१२ ०	११ ५७	११ ५३	११ ४९	११ ४५	११ ४१	११ ३७	११ ३३	११ २९	११ २५	११ २१	११ १७	११ १४
म. अं.	१ ५६	१ ५२	१ ४८	१ ४४	१ ४०	१ ३६	१ ३२	१ २८	१ २४	१ २०	१ १६	१ १२	१ ८	१ ४	१ ०
कुं. अं	३ २६	३ २२	३ १८	३ १४	३ १०	३ ६	३ २	२ ५८	२ ५४	२ ५०	२ ४६	२ ४२	२ ३८	२ ३४	२ ३१
मी. अं.	४ ५४	४ ५०	४ ४६	४ ४२	४ ३८	४ ३४	४ ३०	४ २६	४ २२	४ १८	४ १४	४ १०	४ ६	४ २	३ ५९

वै. शु. ९ चन्द्रे इ. ४६।१५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	९	०	७	११	१	९	३
११	५	०	१०	१८	०	२५	२५
१२	३०	४८	१२	५४	२४	३०	३०
१५	१२	१५	२५	२५	१४	२७	२७
५८	१८	२४/३	५/४	४८	१	३	३
५	५	व.	व.	३५	५	११	११

२ श. | शु.१२
३ | सू.१बु. | ११
चं. ४के. | मं.१०रा.
५ | ७ | ९
६ | बृ.८

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	ऑ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३२	५३	१	मं.	२९	५४	वि.	३	४२	व.	५	१७	कौ.	२९	५४	तै.	५९	४३	श्रीवत्स	११	१५	२८				५	२५	६	३५	०	२६	११	१	५७	४५
३२	५६	२	बु.	२९	३२	अनु.	६	३७	प.	३	४८	ग.	२९	३२	व.	५८	५०	सौम्य	१२	१६	२९				५	२५	६	३५	०	२७	८	४८	५७	४३
३२	५८	३	बृ.	२८	९	ज्ये.	८	१६	शि.	१/५६	३०/६०	वि	२८	९	बव	५७	४५	का. द.	१३	१७	३०	ध.	८	१६	५	२४	६	३६	०	२८	६	३१	५७	४१
३३	१	४	शु.	२७	२२	मू.	८	४३	सा.	५३	२२	वा.	२७	२२	कौ.	५५	५४	सुस्थिर	१४	१८	३१				५	२४	६	३६	०	२९	४	१२	५७	४०
३३	४	५	श.	२४	२७	पूषा	८	०	शु.	४८	२	तै.	२४	२७	ग.	५२	३०	मातंग	१५	१९	१	म.	२२	३३	५	२३	६	३७	१	०	१	५२	५७	३९
३३	६	६	र.	२०	३४	उषा	६	१४	शु.	४२	५	व.	२०	३४	वि.	४८	१२	अमृत	१६	२०	२				५	२३	६	३७	१	०	५९	३२	५७	३९
३३	९	७	चं.	१५	५१	श्र.	३	३९	ब्र.	३५	२४	बव	१५	५१	वा.	४३	११	सिद्धि	१७	२१	३	कुं.	३२	१	५	२२	६	३८	१	१	५७	१३	५७	३७
३३	११	८	मं.	१०	३१	ध.	०/५६	२३/६०	ऐं.	२८	१५	कौ.	१०	३१	तै.	३७	३६	उत्पात	१८	२२	४				५	२२	६	३८	१	२	५४	५३	५७	३४
३३	१४	९	बु.	४/५६	४२/५६	पूभा	५२	३२	वै.	२०	५०	ग.	४	४१	व.	३५/५८	३८/६०	पद्म	१९	२३	५	मी.	३८	३४	५	२१	६	३९	१	३	५२	२८	५७	२९
३३	१६	११	बृ.	५२	२६	उभा	४८	२१	वि.	१३	१३	बव	२५	३१	वा.	५२	२६	छत्र	२०	२४	६				५	२१	६	३९	१	४	५०	१	५७	२७
३३	१८	१२	शु.	४६	२७	रे.	४४	२०	प्री.	७/५६	३५/६०	कौ	१९	२६	तै.	४६	२७	श्रीवत्स	२१	२५	७	मे.	४४	२०	५	२०	६	४०	१	५	४७	३८	५७	२७
३३	२०	१३	श.	४०	४५	अ.	४०	३७	सौ.	५०	५४	ग.	१३	३६	व.	४०	४५	सौम्य	२२	२६	८				५	२०	६	४०	१	६	४५	०	५७	२६
३३	२३	१४	र.	३५	३४	भ.	३७	२६	शो.	४४	१३	वि.	८	९	श.	३५	३४	का. द.	२३	२७	९	वृ.	५१	५०	५	२०	६	४०	१	७	४२	२७	५७	२५
३३	२५	३०	चं.	३१	१०	कृ.	३५	१	ऽति	३८	९	च.	३	२२	ना.	३१/५६	१०/६०	सुस्थिर	२४	२८	१०				५	१९	६	४१	१	८	३९	५३	५७	२४

श्री शुभ संवत् २०२८ शके १८९३ ज्येष्ठ कृष्णपक्षः। सौम्यायनगोली। मई ११ से २४ तक। ग्रीष्म ऋतुः।

कृत्तिकायामर्कः ३०।१८ मेषे च शुक्रः ४६।२४।

भ. ५८।५० उ.। स. सि. योगः ६।३७ या. प्रतीच्यां या. मु. श्च।

भ. २८।९ या.।

वृषेऽर्कः ५७।३३। h यात्रा मु.। रा. ज्येष्ठ।

या. ज. मु. ८।० उ. २४।२७ या.।

भ. २०।३४ उ. ४८।१२ या.। स. सि. योगः ६।१४ या.।

स. सि. योगः ३।३९ या.। या. ज. मु. ३।३९ उ. १५।२१ या.। a

a पञ्चक प्र. ३२।१।

भ. ३१।३८ उ. ५८।३६ या.।

अपरा ११ व्रतं प्रायः सर्वेषाम्। या. ज. मु. ४८।२२ या.।

स. सि. अ. सि. योगः। उदीच्यां यात्रा मु. तिथि दानात्। b

भ. ४०।४५ उ.। प्रदोषः। मास शिवरात्रि व्रतम्। उदीच्यां h

भ. ८।९ या.। b पञ्चक नि. ४४।२०

श्राद्धदानादी ३०।

ज्येष्ठ कृष्ण ३ गुरौ इ. ४६।३९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
०	९	०	७	०	१	९	३
२८	१०	४	८	१	१	२४	२४
५२	३०	२४	५४	०	३६	४८	४८
३१	१४	१८	२५	५	३४	४०	४०
५७	३०	९४/५१	११	७७	७	३	३
४१	१८	मा. ४९	१३	५	११	११	११

२श.
१२
३
बु.१सू.श.
११
४ के.
मं.रा. १०
५
७
९
६
८चं.बृ.

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ म.	२ बु.	३ बृ.	४ शु.	तिथयः	५ श.	६ र.	७ च.	८ म.	९ बु.	११ बृ.	१२ शु.	१३ श.	१४ र.	३० च.
मे. अं.	५ ३३	५ ३०	५ २६	५ २२	वृ. अं	७ १३	७ १०	७ ६	७ २	६ ५८	६ ५४	६ ५०	६ ४६	६ ४२	६ ३७
वृ. अं.	७ २९	७ २५	७ २१	७ १७	मि. अं.	९ २७	९ २३	९ १९	९ १५	९ ११	९ ७	९ ३	८ ५९	८ ५५	८ ५१
मि. अं.	९ ४३	९ ३९	९ ३५	९ ३१	क. अं.	११ ४५	११ ४१	११ ३७	११ ३३	११ २९	११ २५	११ २१	११ १७	११ १३	११ ९
क. अं.	१२ १	११ ५७	११ ५३	११ ४९	सिं. अं.	२ ०	१ ५६	१ ५२	१ ४८	१ ४४	१ ४०	१ ३६	१ ३२	१ २८	१ २४
सिं. अं.	२ १६	२ १२	२ ८	२ ४	कं. अं.	४ १३	४ ९	४ ५	४ १	३ ५७	३ ५३	३ ४९	३ ४५	३ ४१	३ ३७
कं. अं.	४ २९	४ २५	४ २१	४ १७	तु. अं.	६ ३०	६ २६	६ २२	६ १८	६ १४	६ १०	६ ६	६ २	५ ५८	५ ५४
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
तु. अं.	६ ४६	६ ४२	६ ३८	६ ३४	वृ. अं.	८ ४८	८ ४४	८ ४०	८ ३६	८ ३२	८ २८	८ २४	८ २०	८ १६	८ १२
वृ. अं.	९ ४	९ ०	८ ५६	८ ५२	ध. अं.	१० ५४	१० ५०	१० ४६	१० ४२	१० ३८	१० ३४	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १८
ध. अं.	११ १०	११ ६	११ २	१० ५८	म. अं.	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३२	१२ २८	१२ २४	१२ २०	१२ १६	१२ १२	१२ ८	१२ ४
म. अं.	१२ ५६	१२ ५२	१२ ४८	१२ ४४	कुं. अं	२ ११	२ ७	२ ३	१ ५९	१ ५५	१ ५१	१ ४७	१ ४३	१ ३९	१ ३५
कुं. अं.	२ २७	२ २३	२ १९	२ १५	मी. अं.	३ ३९	३ ३५	३ ३१	३ २७	३ २३	३ १९	३ १५	३ ११	३ ७	३ ३
मी. अं.	३ ५५	३ ५१	३ ४७	३ ४३	मे. अं.	५ १८	५ १४	५ १०	५ ७	५ ३	४ ५९	४ ५५	४ ५१	४ ४७	४ ४३

ज्येष्ठ कृष्ण १४ रवौ इ. ४६।४१

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	९	०	७	०	१	९	३
८	१५	१६	७	१३	३	२४	२४
२४	१२	६	४२	१२	०	२७	२७
२७	१४	१५	३५	२५	९	५२	५२
५७	३१	७१	७/५६	७०	८	३	३
२८	१६	३९	व.	३३	१८	११	११

३
चं.बु.१शु.
के.
४
सू.२श.
१२
५
११
६
८बृ.
रा.
१०मं.
७
९

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	ओ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.	श्री शुभ संवत् २०२८ शके १८९३ ज्येष्ठ शुक्लपक्षः । सौम्यायनगोलौ । मई २५ से जून ८ तक । ग्रीष्म ऋतुः ।
३३	२७	१	मं.	२७	३५	रो.	३३	२५	सु.	३२	४६	बव	२७	३५	बा.	५६	१९	मातंग	२५	२३	११				५	१९	६	४१	१	९	३७	१२	५७	२४	रोहिण्यामर्कः २४।५३ । चन्द्रोदयः ।
३३	२९	२	बु.	२५	३	मृ.	३२	५१	धृ.	२८	१४	कौ.	२५	३	तै.	५४	२१	अमृत	२६	१	१२	मि.	३	८	५	१८	६	४२	१	१०	३४	४२	५७	२२	प्रतीच्यां यात्रा मु. । स. सि. योगः ३२।५१ या. । रविउस्सानी १३
३३	३१	३	बृ.	२३	४०	आ.	३३	२८	शू.	२४	३८	ग.	२३	४०	व.	५३	३५	काण	२७	२	१३				५	१८	६	४२	१	११	३२	४	५७	२०	म. ५३।३५ उ. । गणेश ४ व्रतम् ।
३३	३२	४	शु.	२३	३१	पुन.	३५	२१	गं.	२२	४	वि.	२३	३१	बव	५४	७	लुम्ब	२८	३	१४	क.	१९	५३	५	१८	६	४२	१	१२	२९	२५	५७	१९	म. २३।३१ या. ।
३३	३४	५	श.	२४	४३	पु.	३८	३१	वृ.	२०	२८	बा.	२४	४३	कौ.	५५	५३	मित्र	२९	४	१५				५	१७	६	४३	१	१३	२६	४४	५७	१७	पश्चिमोत्तरयोः यात्रा मु. ।
३३	३६	६	र.	२७	४	श्ले.	४२	४८	ध्रु.	१९	५१	तै.	२७	४	ग.	५८	४८	वज्र	३०	५	१६	सि.	४२	४८	५	१७	६	४३	१	१४	२४	१	५७	१५	या. ज. मु. २७।४ उ. ४२।४८ या. ।
३३	३८	७	चं.	३०	३२	म.	४८	८	व्या	२०	९	व.	३०	३२	वि.	६०	०	ध्वांक्ष	३१	६	१७				५	१६	६	४४	१	१५	२१	१६	५७	१३	म. ३०।३२ उ. ।
३३	३९	८	मं.	३४	५८	पूफा	५४	१२	ह.	२१	७	वि.	२	४५	बव	३४	५८	धूम्र	१	७	१८				५	१६	६	४४	१	१६	१८	३१	५७	१३	म. २।४५ या. । जून । वृषे बुधः २।३ ।
३३	४१	९	बु.	३९	५३	उफा	६०	०	व.	२२	३४	बा.	७	२५	कौ.	३९	५३	प्रवर्ध.	२	८	१९	कं.	१०	५०	५	१६	६	४४	१	१७	१५	४५	५७	१२	या. ज. मु. ३९।५३ या. ।
३३	४२	१०	बृ.	४५	१	उफा	०	४६	सि.	२४	१७	तै.	१२	२७	ग.	४५	१	मातंग	३	९	२०				५	१६	६	४४	१	१८	१२	५७	५७	१०	दशहरा । प्राच्यां यात्रा मु. ।
३३	४४	११	शु.	४९	५०	ह.	७	१८	व्य.	२५	४९	व.	१६	२५	वि.	४९	५०	अमृत	४	१०	२१	तु.	४०	२२	५	१५	६	४५	१	१९	१०	८	५७	८	म. १६।२५ उ. ४९।५० या. । निर्जला ११ प्रायः सर्वेषाम् । a
३३	४५	१२	श.	५३	५७	चि.	१३	२६	व.	२६	५६	बव	२१	५३	बा.	५३	५७	काण	५	११	२२				५	१५	६	४५	१	२०	७	१८	५७	८	a प्राच्यां यात्रा मु. ७।१८ या. ।
३३	४६	१३	र.	५७	८	स्वा	१८	४९	प.	२७	२९	कौ.	२५	३२	तै.	५७	८	लुम्ब	६	१२	२३				५	१५	६	४५	१	२१	४	२६	५७	७	प्रदोषः । या. ज. मु. १८।४९ या. ।
३३	४८	१४	चं.	५९	१३	वि.	२३	१०	शि.	२७	८	ग.	२८	१०	व.	५९	१३	मित्र	७	१३	२४	वृ.	७	५	५	१४	६	४६	१	२२	१	३५	५७	७	म. ५९।१३ उ. । वृषे च शुक्रः २।५ ।
३३	४९	१५	मं.	५९	५९	अनु.	२६	२४	सि.	२५	५३	वि.	२९	३६	बव	५९	५९	वज्र	८	१४	२५				५	१४	६	४६	१	२३	५८	४२	५७	५	म २९।३६ या. । मृगभेऽर्कः २३।५४ । स्नानदानव्रतादौ १५ ।

ज्ये. शु. २ बुधे इ. ४६।४४

सू.	म.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	९	०	७	०	१	९	३
११	१७	१९	८	१३	३	२४	२४
१९	३७	३९	३	३३	२४	१८	१८
४२	४४	५२	९	३४	१५	१९	१९
५७	३२	७२	७	७१	७	३	३
२२	८	३४	व१४	२२	४५	११	११

३ | १बु.शु.
के.४ | सू २श.चं. | १२
५ | ११
६ | बृ.८ | १० रा.मं.
७ | ९

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ [illegible]	२ बु.	३ बृ.	४ शु.	५ श.	६ र.	७ च.	८ मं.	९ बु.	१० बृ.	११ शु.	१२ श.	१३ र.	१४ च.	१५ मं.
वृ. अं.	६ ३३	६ २९	६ २५	६ २१	६ १७	६ १४	६ १०	६ ६	६ २	५ ५८	५ ५४	५ ४९	५ ४६	५ ४२	५ ३८
मि. अं.	८ ४७	८ ४३	८ ३९	८ ३५	८ ३१	८ २७	८ २३	८ १९	८ १५	८ ११	८ ७	८ ३	७ ५९	७ ५६	७ ५२
क. अं.	११ ५	११ १	१० ५७	१० ५३	१० ४९	१० ४५	१० ४१	१० ३७	१० ३३	१० २९	१० २५	१० २१	१० १७	१० १३	१० १०
सि. अं.	१ २०	१ १६	१ १२	१ ८	१ ४	१ ०	१२ ५६	१२ ५२	१२ ४८	१२ ४४	१२ ४०	१२ ३६	१२ ३२	१२ २८	१२ २५
कं. अं.	३ ३३	३ ३०	३ २६	३ २२	३ १८	३ १४	३ १०	३ ६	३ २	२ ५८	२ ५४	२ ५०	२ ४६	२ ४२	२ ३८
तु. अं.	५ ५०	५ ४६	५ ४२	५ ३८	५ ३४	५ ३०	५ २६	५ २२	५ १८	५ १४	५ १०	५ ६	५ २	४ ५८	४ ५४
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
वृ. अं.	८ ८	८ ४	८ ०	७ ५६	७ ५२	७ ४८	७ ४४	७ ४०	७ ३६	७ ३२	७ २८	७ २४	७ २०	७ १६	७ १३
ध. अं.	१० १४	१० १०	१० ६	१० २	९ ५८	९ ५४	९ ५०	९ ४६	९ ४२	९ ३८	९ ३४	९ ३०	९ २६	९ २२	९ १९
म. अं.	१२ ०	११ ५६	११ ५२	११ ४८	११ ४४	११ ४०	११ ३६	११ ३२	११ २८	११ २४	११ २०	११ १६	११ १२	११ ८	११ ५
कुं. अं.	१ ३१	१ २७	१ २३	१ २०	१ १६	१ १२	१ ८	१ ४	१ ०	१२ ५६	१२ ५२	१२ ४८	१२ ४४	१२ ४०	१२ ३६
मी. अं.	२ ५९	२ ५६	२ ५२	२ ४८	२ ४४	२ ४०	२ ३६	२ ३२	२ २८	२ २४	२ २०	२ १६	२ १२	२ ८	२ ४
मे. अं.	४ ३७	४ ३३	४ ३०	४ २६	४ २२	४ १८	४ १४	४ १०	४ ६	४ २	३ ५८	३ ५४	३ ५०	३ ४६	३ ४२

ज्ये. शु. ९ बुधे इ. ४६।५०

सू.	म.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	९	१	७	०	१	९	३
१८	१९	१	६	२५	४	२३	२३
०	१८	४२	१८	२४	२४	५६	५६
४५	२५	३७	२९	१७	१३	५	५
३७	२४	९०	५	७१	५	३	३
१२	३७	३०	३८व	४८	३७	११	११

३ | शु.१
के. ४ | बु.सू. २ श. | १२
५चं. | ११
६ | बृ.८ | १० रा मं.
७ | ९

१४

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	वं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	आ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	५०	१	बु.	५९	२६	ज्ये.	२८	१९	सा.	२३	३६		२९	४२	कौ.	५९	२६	ध्वांक्ष	९	१५	२६	ध.	२८	१९	५	१४	६	४६	१	२३	५५	४८	५७	
३३	५१	२	बृ.	५७	४२	मू.	२८	५७	शु.	२०	२०	तै.	२८	३४	ग.	५७	४२	धूम्र	१०	१६	२७				५	१४	६	४६	१	२४	५२	५३	५७	२
३३	५२	३	शु.	५४	४७	पूषा	२८	२६	शु.	१६	४	व.	२६	१४	वि.	५४	४७	प्रवर्ध	११	१७	२८	म.	४३	२	५	१४	६	४६	१	२५	४९	५५	५७	०
३३	५३	४	श.	५०	५३	उषा	२६	५२	ब्र.	१०	५७	बव	२२	५०	वा.	५०	५३	रक्ष	१२	१८	२९				५	१३	६	४७	१	२६	४६	५७	५७	०
३३	५४	५	र.	४६	९	श्र.	२४	२८	ऐं.	[illegible]	[illegible]	कौ.	१८	३१	तै.	४६	९	गद	१३	१९	३०	कुं.	५२	५३	५	१३	६	४७	१	२७	४३	५८	२६	५९
३३	५५	६	चं.	४०	४७	ध.	२१	१८	वि.	५१	३२	ग.	१३	२८	व.	४०	४७	शुभ	१४	२०	३१				५	१३	६	४७	१	२८	४०	५९	५६	५८
३३	५५	७	मं.	३४	५४	श.	१७	३५	प्री.	४४	९	वि.	७	५०	बव	३४	५४	मृत्यु	१५	२१	३२				५	१३	६	४७	१	२९	३७	५८	५६	५७
३३	१५	८	बु.	२८	४८	पूभा	१३	३१	आ.	३६	३६	वा.	१	५१	कौ.	[illegible]	[illegible]	पद्म	१६	२२	१	मी.	१	३७	५	१३	६	४७	२	०	३४	५७	५६	५६
३३	५६	९	बृ.	२२	३६	उभा	९	२२	सौ.	२८	५५	ग.	२२	३६	व.	४९	३३	छत्र	१७	२३	२				५	१३	६	४७	२	१	३१	५५	५६	५५
३३	५६	१०	शु.	१६	३१	रे.	५	१६	शो.	२१	२५	वि.	१६	३१	बव	४३	३७	श्रीवत्स	१८	२४	३	मे.	५	१६	५	१३	६	४७	२	२	२८	५२	५६	५५
३३	५६	११	श.	१०	४३	अ.	[illegible]	[illegible]	अ.	१०	१-		१०	४३	कौ.	३८	६	सौम्य	१९	२५	४				५	१३	६	४७	२	३	१५	४९	५६	५४
३३	५६	१२	र.	५	२९	कृ.	५५	२७	सु.	७	२४	तै.	७	२९	ग.	३३	१३	धूम्र	२०	२६	५	वृ.	१२	२७	५	१३	६	४७	२	४	२२	४४	५६	५३
३३	५६	१३	चं.	[illegible]	[illegible]	रो.	५३	३९	वृ.	[illegible]	[illegible]	व.	०	५८	वि.	[illegible]	[illegible]	प्रवर्ध	२१	२७	६				५	१३	६	४७	२	५	१९	३८	५६	५३
३३	५६	३०	मं.	५४	३५	मृ.	५२	५०	गं.	५१	२	च.	२५	५६	ना.	५४	३५	रक्ष	२२	२८	७	मि.	२३	१४	५	१३	६	४७	२	६	१६	३३	५६	५२

श्री शुभ संवत् २०२८ शके १८९३ आषाढ़ कृष्णपक्षः । सौम्यायन गोलौ । जून ९ से २२ तक । ग्रीष्म ऋतुः ।

दारुण कर्म मु. ।
तीक्ष्ण कर्म मु. ।
भ. २६ ।१४ उ. ५४।४७ या. । उत्तरायोगे या. ज. मु. ।
श्रवसि दक्षिण यात्रा मु. तिथि दानात् ।
प्राच्यां यात्रा मु. । पञ्चक प्रवत्तिः ५२।५३
भ. ४०।४७ उ. । यात्रा मु. तिथि दानात् ।
भ. ७।५० या. । मिथुनेर्कः २३।१९ ।
उग्र कर्म मु. । ८५।१६ । स. सि. योगः ।
भ. ४९।३३ उ. । या. ज. मु. भद्राप्राक् । उदीच्यां यात्रा मु. ।
भ. १६।३१ या. । स. सि. अ. सि. योगः ५।१६ या. । पं०नि०८
योगिनी ११ व्रतं सर्वेषाम् । उदीच्यां यात्रा मु. १।२८ या. ।
प्रदोषः । मिथुने बुधः ०।२ ।
भ. ०।५८ उ. २९।७ या. । स. सि. योगः । मास शिवरात्रि व्रतम्
शिवभेर्कः २४।५५ । दान श्राद्धादौ ३० । रा. आषाढ़ ।

आ. कृ. ४ शनौ. इ. ४६।५६

सू.	म.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
१	९	१	७	१	१	९	३
२७	२३	१९	५	७	५	२३	२३
३१	०	५४	६	३६	४६	२४	२४
५७	१२	१२	१२	१५	१४	१७	१७
५७	२४	१०३	[illegible]	७२	७	३	३
०	२७	४७	व.	३९	८	११	११

३
श
१
४ के.
बु. २सू.शु.
१२
५
११
चं.
६
८ बृ.
१०मं.
रा.
७
९

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१बु.	२बृ.	३शु.	४श.	५र.	६च.	७म.	तिथयः	८बु.	९बृ.	१०शु.	११श.	१२र.	१३चं.	३०मं.
वृ. अ.	५ ३४	५ ३०	५ २६	५ २२	५ १८	५ १४	५ १०	मि. अं.	७ २०	७ १६	७ १२	७ ८	७ ४	७ ०	६ ५७
मि. अ	७ ४८	७ ४४	७ ४०	७ ३६	७ ३२	७ २८	७ २४	क. अं.	९ ३८	९ ३४	९ ३०	९ २६	९ २२	९ १८	९ १५
क. अ.	१० ६	१० २	९ ५८	९ ५४	९ ५०	९ ४६	९ ४२	सिं. अं.	११ ५३	११ ४९	११ ४५	११ ४१	११ ३७	११ ३३	११ २९
सिं. अ	१२ २१	१२ १७	१२ १३	१२ ९	१२ ५	१२ १	११ ५७	कं. अं.	२ ६	२ २	१ ५९	१ ५५	१ ५१	१ ४७	१ ४३
कं. अ	२ ३४	२ ३०	२ २६	२ २२	२ १८	२ १४	२ १०	तु. अ.	४ २४	४ २०	४ १६	४ १२	४ ८	४ ०	३ ५६
तु. अं.	४ ५१	४ ४७	४ ४३	४ ३९	४ ३५	४ ३१	४ २७	वृ. अ.	६ ४१	६ ३७	६ ३४	६ ३०	६ २६	६ २२	६ १९
रात्रयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	ध. अं.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
वृ. अं.	७ ९	७ ५	७ १	६ ५७	६ ५३	६ ४९	६ ४५	रात्रयः	८ ४८	८ ४४	८ ४०	८ ३६	८ ३२	८ २८	८ २३
ध. अं.	९ १५	९ ११	९ ७	९ ३	८ ५९	८ ५५	८ ५२	म. अं.	१० ३४	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १८	१० १४	१० १०
म. अं.	११ १	१० ५७	१० ५३	१० ४९	१० ४५	१० ४१	१० ३८	कुं. अं.	१२ ४	१२ ०	११ ५७	११ ५३	११ ४९	११ ४६	११ ४१
कुं. अं.	१२ ३२	१२ २८	१२ २४	१२ २०	१२ १६	१२ १२	१२ ८	मी. अं.	१ २८	१ २४	१ २०	१ १७	१ १४	१ ११	१ ८
मी. अं.	२ ०	१ ५६	१ ४८	१ ४४	१ ४०	१ ३६	१ ३२	मे. अं.	३ १०	३ ६	३ २	२ ५९	२ ५६	२ ५२	२ ४७
मे. अं.	३ ३८	३ ३४	३ ३०	३ २६	३ २२	३ १८	३ १४	वृ. अं.	५ ६	५ २	४ ५९	४ ५५	४ ५१	४ ४७	४ ४३

आ. कृ. ३० भौमे इ. ४६।५८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	९	२	७	१	१	९	३
१७	२६	८	३	१९	७	२२	२२
१	०	३६	५४	४६	०	५२	५२
३३	१२	१५	२५	१५	५	३०	३०
५६	१८	११२	[illegible]	७१	४	३	३
५२	२५	३१	व	३७	७	११	११

के.४
शु.श.२चं.
५
सू.३बु.
१
६
१२
७
९
११
८व.
रा१०मं.

श्री शुभ संवत् २०२८ शके १८९३ आषाढ़ शुक्लपक्षः । सौम्यायनगोली । जून २३ से जुलाई ८ तक । ग्रीष्म ऋतुः ।

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	५६	१	बु.	५३	७	आ.	५३	९	वृ.	४७	१६	कि.	२३	५१	बव	५३	७	मुसल	२३	२९	८				५	१३	६	४७	२	७	१३	२७	५६	५२
३३	५६	२	बृ.	५२	५३	पुन.	५४	४५	ध्रु.	४४	३०	वा.	२३	०	को.	५२	५३	सिद्धि	२४	३०	९	क.	३९	२१	५	१३	६	४७	२	८	१०	२१	५६	५२
३३	५६	३	शु.	५३	५६	पु.	५७	३५	व्या.	४२	४५	तै.	२३	२४	ग.	५३	५६	उत्पात	२५	१	१०				५	१३	६	४७	२	९	७	१४	५६	५०
३३	५५	४	श.	५६	१२	श्ले.	६०	०	ह.	४१	५९	व.	२५	४	वि.	५६	१२	मानस	२६	२	११				५	१३	६	४७	२	१०	४	६	५६	५०
३३	५५	५	र.	५९	३६	श्ले.	१	३५	व.	४२	९	बव	२७	५४	वा.	५९	३६	वज्र	२७	३	१२	सिं.	१	३५	५	१३	६	४७	२	११	०	५८	५६	५०
३३	५४	६	चं.	६०	०	म.	६	४१	सि.	४३	२	को.	३१	४४	तै.	६०	०	ध्वांक्ष	२८	४	१३				५	१३	६	४७	२	११	५७	५१	५६	४९
३३	५४	६	मं.	३	५३	पूफा	१२	३८	व्य.	४४	२५	तै.	३	५३	ग.	३६	१३	धूम्र	२९	५	१४	कं.	२९	१४	५	१३	६	४७	२	१२	५४	४२	५६	४९
३३	५४	७	बु.	८	३४	उफा	१९	५	व.	४६	९	व.	८	३४	वि.	४१	१०	प्रवर्ध.	३०	६	१५				५	१४	६	४६	२	१३	५४	३३	५६	४९
३३	५३	८	बृ.	१३	४७	ह.	२५	३७	प.	४७	४२	बव	१३	४७	वा.	४६	११	रक्ष	१	७	१६	तु.	५८	४३	५	१४	६	४६	२	१४	४८	२३	५६	४८
३३	५२	९	शु.	१८	३६	चि.	३१	५०	शि.	४८	५४	को.	१८	३६	तै.	५०	४०	मुसल	२	८	१७				५	१४	६	४६	२	१५	४५	१३	५६	४८
३३	५२	१०	श.	२२	४५	स्वा	३७	२६	सि.	४९	३५	ग.	२२	४५	व.	५४	२१	सिद्धि	३	९	१८				५	१४	६	४६	२	१६	४२	३	५६	४८
३३	५१	११	र.	२५	५८	वि.	४२	०	सा.	४९	२२	वि.	२५	५८	बव	५७	०	उत्पात	४	१०	१९	वृ.	२५	१२	५	१४	६	४६	२	१७	३८	५४	५६	४८
३३	५०	१२	चं.	२८	३	अनु.	४५	३०	शु.	४८	१९	वा.	२८	३	को.	५८	३०	मानस	५	११	२०				५	१४	६	४६	२	१८	३५	४४	५६	४८
३३	४९	१३	म.	२८	५८	ज्ये.	४७	४०	शु.	४६	१४	तै.	२८	२८	ग.	५८	४२	मुद्गर	६	१२	२१	ध.	४७	४०	५	१४	६	४६	२	१९	३२	३४	५६	४८
३३	४९	१४	बु.	२८	२६	मू.	४८	३५	ब्र.	४३	७	व.	२८	२६	वि.	५७	३४	केतु	७	१३	२२				५	१५	६	४५	२	२०	२९	२५	५६	४९
३३	४७	१५	बृ.	२६	४२	पूषा	४८	१७	ऐं.	३९	१	बव	२६	४२	वा.	५५	१६	धाता	८	१४	२३				५	१५	६	४५	२	२१	२६	१६	५६	४९

चन्द्रोदयः । प्रतीच्यां यात्रा मु. । स. सि. अ. सि. योगः ✱
उदीच्यां यात्रा मु. । जमादि उल अव्वल
म. २५।४ उ. ५६।१२ या. ।
या. ज. मु. १।३५ या. ।
a प्राच्यां यात्रा मु. ।
✱ ५४।४५ उ. ।
म. ८।३४ उ. ४१।१० या. । स. सि. योगः १९।५ उ. । a
प्राच्यां यात्रा मु. तिथिदानात् । जुलाई । मिथुनेशुक्रः ४५।१४ ।
म. ५४।२१ उ. । या. ज. मु. २८।४५ उ. ३७।२६ या. ।
म. २५।५८ या. । हरिशयनी ११ व्रतं सर्वेषाम् । कर्कें च e
प्रदोषः । पश्चिमोत्तरयोः यात्रा मु. । या. ज. मु. २८।३ उ. ।
पुनर्मेऽर्कः २९।५६ ।
e बुधः ८।७
म. २८।२६ उ. ५७।३४ या. ।
गुरु पूर्णिमा । आषाढ़ी योगः । वायु परीक्षा ।

आषाढ़ शु. ३ शुक्रे. इ. ४६।५८

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	९	२	७	१	१	९	३
९	२६	१४	३	२२	७	२२	२२
५१	५४	११	३६	४३	१२	४३	४३
१४	४७	१२	१५	१७	३८	१२	१२
५६	१०	११२	५ ४६	७०	४	३	३
१०	९०	१४	व	२४	५	११	११

च.४के. शु.२श
५ बु.३सू. १
६ १२
७ ९ ११
बृ.८ रा१०मं.

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ बु.	२ बृ.	३ शु.	४ श.	५ र.	६ च.	६ म.	७ बु.	८ बृ.	९ शु.	१० श.	११ र.	१२ च.	१३ मं.	१४ बु.	१५ बृ.
मि. अं.	६ ५२	६ ४९	६ ४५	६ ४१	६ ३७	६ ३३	६ २९	६ २५	६ २१	६ १७	६ १३	६ ९	६ ५	६ १	५ ५८	५ ५४
क. अं.	९ १०	९ ६	९ २	८ ५८	८ ५५	८ ५१	८ ४७	८ ४३	८ ३९	८ ३५	८ ३१	८ २७	८ २४	८ २०	८ १६	८ १२
सिं. अं.	११ २५	११ २१	११ १७	११ १४	११ १०	११ ६	११ २	१० ५८	१० ५५	१० ५१	१० ४७	१० ४३	१० ३९	१० ३५	१० ३१	१० २७
क. अं.	१ ३८	१ ३५	१ ३१	१ २७	१ २४	१ २०	१ १६	१ १२	१ ८	१ ४	१ ०	१२ ५६	१२ ५२	१२ ४८	१२ ४४	१२ ४०
तु. अं.	३ ५५	३ ५२	३ ४८	३ ४४	३ ४०	३ ३६	३ ३२	३ २८	३ २४	३ २०	३ १६	३ १२	३ ८	३ ४	३ ०	२ ५७
वृ. अं.	६ १३	६ १०	६ ६	६ २	५ ५९	५ ५६	५ ५२	५ ४८	५ ४४	५ ४०	५ ३६	५ ३२	५ २८	४ २४	५ २०	५ १५
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
ध. अं.	८ १९	८ १६	८ १२	८ ८	८ ४	८ ०	७ ५६	७ ५२	७ ४९	७ ४५	७ ४१	७ ३७	७ ३३	७ २९	७ २५	७ २१
म. अं.	१० ५	१० १	९ ५७	९ ५४	९ ५०	९ ४६	९ ४२	९ ३८	९ ३४	९ ३०	९ २६	९ २२	९ १८	९ १४	९ १०	९ ७
कुं. अं.	११ ३६	११ ३२	११ २८	११ २४	११ २०	११ १६	११ १२	११ ८	११ ४	११ ०	१० ५७	१० ५४	१० ५०	१० ४६	१० ४२	१० ३८
मी. अं.	१ ४	१ ०	१२ ५७	१२ ५४	१२ ५०	१२ ४६	१२ ४२	१२ ३८	१२ ३४	१२ ३०	१२ २६	१२ २२	१२ १८	१२ १४	१२ १०	१२ ६
मे. अं.	२ ४२	२ ३८	२ ३४	२ ३०	२ २६	२ २२	२ १८	२ १४	२ ११	२ ८	२ ४	२ ०	१ ५६	१ ५२	१ ४८	१ ४४
वृ. अं.	४ ३८	४ ३४	४ ३०	४ २६	४ २२	४ १८	४ १४	४ ११	४ ८	४ ४	४ ०	३ ५६	३ ५२	३ ४८	३ ४४	३ ४०

आ. शु. ९ बुधे इ. ४६।५६

सू.	म.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	९	२	७	२	१	९	३
१६	२७	२७	३	१	८	२२	२२
३१	२४	४८	०	४२	१२	२०	२०
१३	३४	४५	९	३५	४४	४५	४५
५६	६	११३	४ ४८	७३	७	३	३
४८	५	४१	व	७	३	११	११

के४ श २
५ सू.३बु.शु. १
६ १२
७चं. ९ ११
बृ.८ मं१०रा

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	ो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	औ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	४५	१	शु.	२३	५१	उ	४६	५५	वै.	३४	२	कौ.	२३	५१	तै.	५१	५६	आनन्द	९	१५	२४	म.	२	५६	५	१५	६	४५	२	२२	२३	७	५६	४९
३३	४४	२	श.	२०	१	श्र.	४४	४४	वि.	२८	१८	ग.	२०	१	व.	४७	४०	सुस्थिर	१०	१६	२५				५	१५	६	४५	२	२३	११	५९	५६	५०
३३	४३	३	र.	१५	१९	ध.	४१	४०	प्री.	२१	५४	वि.	१५	१९	बव	४२	३८	मातंग	११	१७	२६	कुं.	१३	१२	५	१६	६	४४	२	२४	१६	५१	५६	५०
३३	४१	४	चं.	९	५७	श.	३८	६	आ.	१४	५५	बा.	९	५७	कौ.	३७	२	अमृत	१२	१८	२७				५	१६	६	४४	२	२५	१३	४३	५६	५०
३३	४०	५	मं.	४/५६	७/५३	पूभा	३४	४	सौ.	७	३३	तै.	४	७	ग.	३५/५७	३/५१	काण	१३	१९	२८	मी.	२०	५	५	१६	६	४४	२	२६	१०	३५	५६	५२
३३	३८	७	बु.	५१	४६	उभा	२९	५३	शो.	२/५६	१/२८	वि.	२४	५२	बव	५१	४६	लम्ब	१४	२०	२९				५	१७	६	४३	२	२७	५	२९	५६	५२
३३	३६	८	बृ.	४५	३६	रे.	२५	४५	सु.	४४	४८	बा.	१८	४१	कौ.	४५	३६	मित्र	१५	२१	३०	मे.	२५	४५	५	१७	६	४३	२	२८	४	२३	५६	५२
३३	३५	९	शु.	३९	५०	अ.	२१	५०	धृ.	३७	३०	तै.	१२	४३	ग.	३९	५०	वज्र	१६	२२	३१				५	१७	६	४३	२	२९	१	३८	५६	५२
३३	३३	१०	श.	३४	३०	भ.	१८	२२	शू.	३०	३७	व.	७	१०	वि.	३४	३०	ध्वांक्ष	१७	२३	३२	वृ.	३२	३९	५	१८	६	४२	२	२९	५८	१२	५६	५३
३३	३१	११	र.	२९	५४	कृ.	१५	३१	गं.	२४	१५	बव	२	१२	बा.	२२/५८	५४/१	धूम्र	१८	२४	१				५	१८	६	४२	३	०	५५	७	५६	५४
३३	२९	१२	चं.	२६	८	रो.	१३	३१	वृ.	१८	३७		२६	८	ग.	५४	३४	वर्धमा.	१९	२५	२	मि.	४२	५८	५	१९	६	४१	३	१	५२	४	५६	५५
३३	२७	१३	मं.	२३	१८	मृ.	१२	२६	ध्रु.	१३	४७	व.	२३	१८	वि.	५२	३०	रक्ष	२०	२६	३				५	१९	६	४१	३	२	४९	१	५६	५६
३३	२५	१४	बु.	२१	४३	आ.	१२	२९	व्या	९	४९	श.	२१	४३	च.	५१	३२	मुशल	२१	२७	४	क.	५८	२३	५	१९	६	४१	३	३	४५	५९	५६	५६
३३	२३	३०	बृ.	२१	२२	पुन	१३	४१	ह.	६	५०	न.	२१	२२	किं.	५१	५०	सिद्धि	२२	२८	५				५	२०	६	४०	३	४	४२	५८	५६	५७

श्री शुभ संवत् २०२८ शके १८९३ श्रावण कृष्णपक्षः ।
कृष्ण १० ताः याम्यायनम् सौम्यगोलः । जुलाई ९ से २२ तक ।a
श्रवसि स. सि. योगः । aवर्षा ऋतुः ।
म. ४७।४० उ. । स. सि. योगः दक्षिणस्यां यात्रा मु. ।
म. १५।१९ या. । गणेश ४ व्रतम् । पञ्चकारम्भः १३।१२ ।d
म. ५७।५९ उ. । dया. ज. मु. १५।१९ या. ।
म. २४।५२ या. । रेवत्यां प्रतीच्यां यात्रा मु. ।
पञ्चक समाप्ति २५।४५ । पश्चिमोत्तरयोः यात्रा मु. २५।४५c
प्राच्यां यात्रा मु. २१।५० या. । cया. । स. सि. योगः ।
म. ७।१० उ. ३४।३० या. कर्केऽर्कः १९ ।
कामदा ११ व्रतं सर्वेषाम् । या. ज. मु. १५।३१ उ. २९।५४ या. ।
प्रदोषः । मृगशिरसि पश्चिम दक्षिणयो यात्रा मु. । स. सि. योगः
म. २३।१८ उ. ५२।३० या. । पुष्यभेऽर्कः ३२।५३ । मास e
तीक्ष्ण कर्म मु. । वक्री भौमः २।७ । eशिवरात्रि व्रतम् ।
श्राद्धदानादौ ३० । स. सि. अ. सि. योगः १३।४१ उ. ।
शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ४३।१४ । सिंहे बुधः ३।३१ ।

श्रावण कृ. ४ चन्द्रे इ. ४६।४६

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
२	९	३	७	२	१	९	३
२५	२८	१४	२	१४	९	२१	२१
५८	०	१८	३०	०	३०	४०	४०
४३	१२	४५	२५	१७	११	५८	५८
५६	५	३८	३/५	३४	७	३	३
५०	२४	२२	व	४४	८	११	११

के४ बु.
श.२
५
३सू.शु.
१
६
१२
९
११ चं.
७
८ बृ.
१०मं.रा.

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.	२ श.	३ र.	४ च.	५ म.	७ बु.	८ बृ.	९ शु.	१० श.	त.	११ र.	१२ च.	१३ म.	१४ बु.	३० बृ.
मि. अं.	५ ५०	५ ४६	५ ४२	५ ३८	५ ३४	५ ३०	५ २६	५ २३	५ १८	क.	७ ३२	७ २८	७ २४	७ २०	७ १६
क. अं.	८ ८	८ ४	८ ०	७ ५६	७ ५२	७ ४८	७ ४४	७ ४०	७ ३६	मि.	९ ४७	९ ४३	९ ३९	९ ३४	९ ३०
सिं. अं.	१० ३३	१० १९	१० १५	१० ११	१० ७	१० ३	९ ५९	९ ५५	९ ५१	क.	१२ ०	११ ५६	११ ५२	११ ४८	११ ४४
क. अं.	१२ ३६	१२ ३२	१२ २८	१२ २४	१२ २०	१२ १६	११ १२	१२ ८	१२ ४	तु.	२ १७	२ १३	२ ९	२ ५	२ १
तु. अं.	२ ५३	२ ४९	२ ४५	२ ४१	२ ३७	२ ३३	२ २९	२ २५	२ २१	वृ.	४ ३५	४ ३१	४ २७	४ २३	४ १९
वृ. अं.	५ ११	५ ७	५ ३	४ ५९	४ ५५	४ ५१	४ ४७	४ ४३	४ ३९	ध.	६ ४१	६ ३७	६ ३३	६ २९	६ २५
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	म.	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
ध. अं.	७ १७	७ १३	७ ९	७ ५	७ १	६ ५७	६ ५३	६ ४९	६ ४५	रा.	८ २७	८ २३	८ १९	८ १५	८ ११
म. अं.	९ ३	८ ५९	८ ५५	८ ५१	८ ४७	८ ४३	८ ३९	८ ३५	८ ३१	कुं.	९ ५८	९ ५४	९ ५०	९ ४६	९ ४२
कुं. अ.	१० ३४	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १८	१० १४	१० १०	१० ६	१० २	मी.	१२ २६	११ २२	११ १८	११ १४	११ १०
मी. अं.	१२ २	११ ५८	११ ५४	११ ५०	११ ४६	११ ४२	११ ३८	११ ३४	११ ३०	मे.	१ ४	१ ०	१२ ५६	१२ ५२	१२ ४८
मे. अं.	१ ४०	१ ३६	१ ३२	१ २८	१ २४	१ २०	१ १६	१ १२	१ ८	वृ.	३ ०	२ ५६	२ ५२	२ ४८	२ ४४
	३ ३६	३ ३२	३ २९	३ २४	३ २०	३ १६	३ १२	३ ८	३ ४	मि.	५ १५	५ ११	५ ८	५ ४	४ ५९

श्रावण कृ. ३० गुरौ इ. ४६।४१

सू.	म.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	९	४	७	२	१	९	३
५	२८	०	२	२६	१०	२१	२१
२७	०	४८	१२	१८	२४	१०	१०
५८	१२	१२	३८	३९	१७	०	०
५६	५	९५	४८	७१	५	३	३
५७	व	४८	व	३९	४८	११	११

५ बु.
३ शु.
६
४ सू.के.चं.
२श.
७
१
बृ.८
१०मं.रा.
९
१२
११

दि. मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	वं.	च. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	ओ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३३	२१	१	शु.	२२	१८	पु.	१६	१५	व.	४	५२	बव	२२	१८	बा.	५३	२३	उत्पात	२३	२९	६				५	२०	६	४०	३	५	३९	५७	५६	५८
३३	१९	२	श.	२४	२९	श्ले.	२०	१	सि.	३	५८	कौ.	२४	२९	तै.	५६	९	मानस	२४	१	७	सि.	२०	१	५	२१	६	३९	३	६	३६	५७	५६	५९
३३	१६	३	र.	२७	५०	म.	२४	५४	व्य.	३	५४	ग.	२७	५०	व.	५९	५६	मुद्गर	२५	२	८				५	२१	६	३९	३	७	३३	५७	५७	०
३३	१४	४	चं.	३२	२	पूफा	३०	३७	व.	४	३६	वि.	३२	२	बव	६०	०	केतु	२६	३	९	क.	४७	१५	५	२२	६	३८	३	८	३०	५३	५७	०
३३	१२	५	मं.	३६	५४	उफा	३७	८	प.	५	५२	बव	४	२८	बा.	३६	५४	धाता	२७	४	१०				५	२२	६	३८	३	९	२८	२	५७	२
३३	९	६	बु.	४१	५७	ह.	४३	३०	शि.	७	२७	कौ.	९	२५	तै.	४१	५७	आनंद	२८	५	११				५	२३	६	३७	३	१०	२५	६	५७	३
३३	७	७	बृ.	४६	५१	चि.	४९	५२	सि.	९	३	ग.	१४	२४	व.	४६	५१	चर	२९	६	१२	तु.	१६	४१	५	२३	६	३७	३	११	२२	११	५७	४
[illegible]	४	८	शु.	५१	३	स्वा	५५	३४	सा.	१०	१९	वि.	१८	५७	बव	५१	३	गद	३०	७	१३				५	२४	६	३६	३	१२	१९	१८	५७	५
३३	२	९	श.	५४	२२	वि.	६०	०	शु.	११	४	बा.	२२	४२	कौ.	५४	२२	शुभ	३१	८	१४	वृ.	४४	११	५	२४	६	३६	३	१३	१६	२६	५७	७
३२	५९	१०	र.	५६	३३	वि.	०	२३	शु.	११	०	तै.	२५	२७	ग	५६	३३	उत्पात	१	९	१५				५	२५	६	३५	३	१४	१३	३५	५७	८
३२	५७	११	चं.	५७	३१	अनु.	४	१०	ब्र.	१०	७	व.	२७	२	वि.	५७	३१	मानस	२	१०	१६				५	२५	६	३५	३	१५	१०	४६	५७	८
३२	५४	१२	मं.	५७	९	ज्ये.	६	४२	ऐं.	८	१०	बव	२७	२०	बा.	५७	९	मुद्गर	३	११	१७	ध.	६	४२	५	२६	६	३४	३	१६	७	५५	५७	९
३२	५१	१३	बु.	५५	३४	मू.	७	४६	वै.	५	१२	कौ.	२६	२१	तै.	५५	३४	केतु	४	१२	१८				५	२६	६	३४	३	१७	५	७	५७	१०
३२	४९	१४	बृ.	५२	४७	पूषा	७	४६	वि.	५५	११	ग.	२४	१०	व.	५२	४७	धाता	५	१३	१९	म.	२२	२८	५	२७	६	३३	३	१८	२	२१	५७	१२
३२	४६	१५	शु.	४९	२	उपा	६	३६	आ.	५०	४७	वि.	२०	५४	बव	४९	२	आनंद	६	१४	२०				५	२७	६	३३	३	१८	५९	३५	५७	१३

श्री शुभ संवत् २०२८ शके १८९३ श्रावण शुक्लपक्षः । याम्यायनम् । सौम्यगोलः । जुलाई २३ से अगस्त ६ तक । व.ऋ.

चन्द्रोदयः उदीच्यां यात्रा मु. द्वितीयायाम् । रा. श्रावण ।
तीक्ष्ण कर्म मु. । जमादि उस्सानो ।
भ. ५९।५६ उ. ।
भ. ३२।२ या. । पञ्चमी योगे या. ज. मु. ।
हस्तभे दक्षिण यात्रा मु. । नाग ५ । कर्के शुक्रः ४।४८ ।
स. सि. योगः ४३।३० या. । दक्षिण पूर्वयोः यात्रा मु. ।
भ. ४६।५१ उ. ।
भ. १८।५७ या. ।
मिश्र कर्म मु. ।
या. ज. मु. ५६।३३ उ. । अगस्त ।
भ. २७।२ उ. ५७।३१ या. । या. ज. मु. स. सि. योगश्च.a
सार्पेर्कः ३२।५८ । पुत्रदा ११ वैष्णवानाम् ।
प्रदोषः । a ४।१० या. । पुत्रदा ११ स्मार्तानाम् ।
भ. ५२।४७ उ. ।
भ. २०।५३ या. । रक्षाबन्धनम् । श्रावणी ।

श्रा. शु. ३ रवौ इ. ४६।३८

सू.	म.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	९	४	७	२	१	९	३
८	२७	५	२	२६	१०	२१	२१
१८	५६	३१	९	४७	३९	०	०
५७	१४	४७	२५	१५	१४	३७	३७
५७	०/२	९४	५/४७	७०	५	३	३
०	व.	३४	व.	३७	४८	११	११

५बु. शु.३
६ सू.४के. श.२
७ १
बृ.८ मं.१०रा. १२
९ ११

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ शु.	२ श.	३ र.	४ चं.	५ म.	६ बु.	७ बृ.	८ शु.	९ श.	१० र.	११चं.	१२ म.	१३ बु.	१४ बृ.	१५शु.
क. अं.	७ १३	७ ९	७ ५	७ १	६ ५७	६ ५३	६ ५०	६ ४५	६ ४१	६ ३७	६ ३३	६ २९	६ २५	६ २१	६ १७
सि. अं.	९ २८	९ २४	९ २०	९ १५	९ १२	९ ८	९ ४	९ ०	८ ५६	८ ५२	८ ४८	८ ४४	८ ४०	८ ३६	८ ३२
कं. अं.	११ ४१	११ ३७	११ ३३	११ २९	११ २५	११ २१	११ १७	११ १३	११ ९	११ ४	११ ०	१० ५७	१० ५३	१० ४९	१० ४६
तु. अं.	१ ५८	१ ५४	१ ५०	१ ४६	१ ४२	१ ३८	१ ३४	१ ३०	१ २६	१ २२	१ १८	१ १४	१ १०	१ ६	१ ३
वृ. अं.	४ १६	४ १२	४ ८	४ ४	४ ०	३ ५६	३ ५२	३ ४७	३ ४४	३ ४०	३ ३६	३ ३२	३ २८	३ २४	३ २१
ध. अं.	६ २२	६ १८	६ १४	६ १०	६ ६	६ २	५ ५८	५ ५४	५ ५०	५ ४६	५ ४२	५ ३८	५ ३४	५ ३०	५ २७
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
म. अं.	८ ८	८ ४	८ ०	७ ५६	७ ५२	७ ४८	७ ४४	७ ४०	७ ३६	७ ३२	७ २८	७ २४	७ २०	७ १६	७ १३
कुं. अं.	९ ३९	९ ३६	९ ३२	९ २८	९ २४	९ २०	९ १६	९ १२	९ ८	९ ४	९ ०	८ ५६	८ ५२	८ ४८	८ ४४
मी. अं.	११ ७	११ ४	११ ०	१० ५६	१० ५२	१० ४८	१० ४४	१० ४०	१० ३६	१० ३२	१० २८	१० २४	१० २०	१० १६	१० १२
मे. अं.	१२ ४५	१२ ४१	१२ ३८	१२ ३४	१२ ३०	१२ २६	१२ २२	१२ १८	१२ १४	१२ १०	१२ ६	१२ २	११ ५८	११ ५४	११ ५०
वृ. अं.	२ ४१	२ ३८	२ ३४	२ ३०	२ २६	२ २२	२ १८	२ १४	२ १०	२ ६	२ २	१ ५८	१ ५४	१ ५०	१ ४६
मि. अं.	४ ५५	४ ५२	४ ४८	४ ४४	४ ४०	४ ३६	४ ३२	४ २८	४ २४	४ २०	४ १६	४ १२	४ ८	४ ४	४ ०

श्रा. शु. १० रवौ इ. ४५।५९

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	९	४	७	३	१	९	३
१४	२४	१२	२	८	११	२०	२०
५८	४२	१८	१२	२४	१८	३७	३७
३५	११	१४	३५	१४	३९	२३	२३
५७	२४/५५	७१	०/६	७१	५	३	३
८	व	३९	व	४१	३६	११	११

बु. ५ ३
६ सू.४शु.के श.२
७ १
बृ.८चं मं.१०रा. १२
९ ११

१८

दि.मा. घ.	प.	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	घ.	प.	योगाः	अं.	फा.	बं.	चं. रा. प्र. रा.	घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	ओ. स्पष्ट सूर्यः रा.	अं.	क.	वि.	गतिः क.	वि.
३२	४२	१	श.	४४	२३	श्र.	४	३५	सौ	४४	२६	वा.	१६	४२	कौ.	४४	२३	सुस्थिर	७	१५	२१	कुं.	३३	८	५	२८	६	३२	३	१९	५६	५०	५७	१३
३२	४०	२	र.	३९	७	ध.	५/५६	४३/३७	शो.	३७	३१	तै.	११	४५	ग.	३९	७	मातंग	८	१६	२२				५	२९	६	३१	३	२०	५४	७	५७	१५
३२	३७	३	चं.	३३	२०	पूभा	५४	१५	अति	३०	१३	व.	६	१३	वि.	३३	२०	मुशल	९	१७	२३	मी.	४०	१४	५	२९	६	३१	३	२१	५१	२६	५७	१७
३२	३४	४	मं.	२७	१३	उभा	५०	५	सु.	२२	४०	बव	०	१६	वा.	२६/५४	१३/७	सिद्धि	१०	१८	२४				५	३०	६	३०	३	२२	४७	४६	५७	१९
३२	३१	५	बु.	२१	२	रे.	४५	५४	धृ.	१४	५७	तै.	२१	२	ग.	४७	५९	उत्पात	११	१९	२५	मे.	४५	१४	५	३०	६	३०	३	२३	४६	७	५७	२०
३२	२८	६	वृ.	१४	५७	अ.	४१	५२	शू.	१/५६	३/३६	व.	१४	५७	वि.	४२	३	मानस	१२	२०	२६				५	३१	६	२९	३	२४	४३	३०	५७	२२
३२	१५	७	शु.	९	९	भ.	३८	१६	वृ.	५२	५४	वव	९	९	वा.	३६	३३	मुद्गर	१३	२१	२७	वृ.	५२	३१	५	३२	६	२८	३	२५	४०	५५	५७	२४
३२	२२	८	श.	३/५५	५१/१२	कृ.	३५	१६	ध्रु.	४६	२५	कौ.	३	५७	तै.	३/५६	३३/१	केतु	१४	२२	२८				५	३२	६	२८	३	२६	३८	२२	५७	२४
३२	१९	१०	र.	५५	२१	रो.	३३	३	व्या	४०	३५	व.	२७	१५	वि.	५५	२१	धाता	१५	२३	२९				५	३३	६	२७	३	२७	३५	४८	५७	२५
३१	१५	११	चं.	५२	३१	मृ.	३१	४२	ह.	३५	३३	बव	२३	५६	वा.	५२	३१	आनंद	१६	२४	३०	मि.	२	२	५	३४	६	२६	३	२८	३३	१६	५७	२७
३२	१२	१२	मं.	५०	५२	आ.	३१	२७	व.	३१	१९	कौ.	२१	४१	तै.	५०	५२	चर	१७	२५	३१				५	३४	६	२६	३	२९	३०	४६	५७	२९
३२	९	१३	बु.	५०	२७	पुन.	३२	२२	सि.	२८	८	ग.	२०	३९	व.	५०	२७	गद	१८	२६	१	क.	१७	८	५	३५	६	२५	४	०	२५	२९	५७	३२
३२	६	१४	वृ.	५१	१८	पु.	३४	३५	व्य	२५	५६	वि.	२०	५२	श.	५१	१८	शुभ	१९	२७	२				५	३५	६	२५	४	१	२५	५४	५७	३४
३२	३	३०	शु.	५३	२८	श्ले.	३८	३	व.	२४	४३	च.	२२	२३	ना.	५३	२८	मृत्यु	२०	२८	३	सिं.	३८	३	५	३६	६	२४	४	२	२०	३६	५७	३७

श्री शुभ संवत् २०२८ शके १८९३ भाद्रपद कृष्णपक्षः। याम्यायनम् । सौम्यगोलः। अगस्त ७ से २० तक।

पञ्चकारम्भः ३३।८। दक्षिणस्यां यात्रा मु. ३३।८ प्राक्ततःa
a प्रतीच्याम् । स. सि. योगः ४।३५ या. ।
भ. ६।१३ उ. ३३।२० या. । गणेश ४ व्रतम् । कज्जली ३ ।
b भरणी योगे या. ज. मु. । हल ६ ।
पञ्चक समाप्त ४५।४२ । प्रतीच्या यात्रा मु. ।
भ. १४।५७ उ. ४२।३ या. । पूर्वोत्तरयो यात्रा मु. भद्राविहाय ।b
श्री कृष्ण जन्माष्टमी व्रतम् स्मार्तानाम् ।
स.सि. योगः३५।१६उ.।श्री कृष्णजन्माष्टमी व्रतम् वैष्णवानाम्।
भ. २७।१५ उ. ५५।२१ या. । सिंहे शुक्र १९।४५।
जया ११ व्रतं प्रायः सर्वेषाम् । स. सि. योगः ।
मघायांसिंहे चार्कः ३०।२२ । dवाक्री बुधः ४६।४८ ।
भ. ५०।२७ उ. । प्रदोषः । प्रतीच्या यात्रा मु. ।
भ.२०।५२ या. । मास शिवरात्रि व्रतम् । स. सि. अ. सि. योगः।d
दान श्राद्धादी ३० ।

भा. कृ. ५ बुधे इ. ४६।१५

सू.	म.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	९	४	७	३	१	९	३
२४	२१	१४	२	२०	१२	२०	२०
३३	४२	४८	४२	४२	१२	५	५
७	११	१७	३९	१७	११	३५	३५
५७	८/३६	७१	३/१२	७२	५	३	३
२०	व.	४७	मा.	१३	३९	११	११

५बु. ३
६ सू.४शु.के. श.२
७ १
८बृ. रा.१०मं. १२ चं.
९ ११

दैनिक लग्नसारिणी

तिथयः	१ श.	२ र.	३ च.	४ मं.	५ बु.	६ बृ.	७शु.	८ श.	१० र.	११ च.	१२ मं.
सि. अं.	६ १४	६ १०	६ ६	६ २	५ ५८	५ ५४	५ ५०	५ ४६	५ ४२	५ ३८	५ ३४
क. अं.	८ २९	८ २५	८ २०	८ १६	८ १२	८ ८	८ ४	८ ०	७ ५६	७ ५२	७ ४८
तु. अं.	१० ४२	१० ३८	१० ३४	१० ३०	१० २६	१० २२	१० १८	१० १४	१० १०	१० ६	१० २
वृ. अं.	१२ ५९	१२ ५५	१२ ५१	१२ ४७	१२ ४३	१२ ३९	१२ ३५	१२ ३१	१२ २७	१२ २३	१२ १९
ध. अं.	३ १७	३ १३	३ ९	३ ५	३ १	२ ५७	२ ५३	२ ५०	२ ४५	२ ४१	२ ३७
म. अं.	५ २३	५ २०	५ १६	५ १२	५ ८	५ ४	५ ०	४ ५६	४ ५२	४ ४८	४ ४४
राशयः	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०	रा०
कुं. अं.	७ ९	७ ६	७ २	६ ५८	६ ५४	६ ५०	६ ४६	६ ४२	६ ३८	६ ३४	६ ३०
मी. अं.	८ ४०	८ ३६	८ ३२	८ २८	८ २४	८ २०	८ १६	८ १२	८ ८	८ ४	८ ०
मे. अं.	१० ८	१० ४	१० ०	९ ५६	९ ५२	९ ४८	९ ४४	९ ४०	९ ३६	९ ३२	९ २८
वृ. अं.	११ ४६	११ ४२	११ ३८	११ ३४	११ ३०	११ २६	११ २२	११ १८	११ १४	११ १०	११ ६
मि. अं.	१ ४२	१ ३८	१ ३४	१ ३०	१ २६	१ २२	१ १८	१ १४	१ १०	१ ६	१ ४
क. अं.	३ ५६	३ ५२	३ ४८	३ ४४	३ ४०	३ ३६	३ ३२	३ २८	३ २४	३ २०	३ १६

तिथयः	१३ बु.	१४ बृ.	३० शु.
सि. अं.	७ ४४	७ ४०	७ ३७
कं. अं.	९ ५८	९ ५४	९ ५१
तु. अं.	१२ १५	१२ ११	१२ ८
वृ. अं.	२ ३३	२ २९	२ २६
ध. अ	४ ४०	४ ३६	४ ३२
म. अं.	६ २६	६ २२	६ १८
राशयः	रा०	रा०	रा०
कुं. अं.	७ ५६	७ ५२	७ ४९
मी. अं.	९ २४	९ २०	९ १७
मे. अं.	११ २	१० ५८	१० ५५
वृ. अं.	१२ ५८	१२ ५४	१२ ५१
मि. अं.	३ १२	३ ८	३ ५
क. अं.	५ ३०	५ २७	५ २३

भा. कृ. १३ बुधे इ. ४६।५

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
४	९	४	७	४	१	९	३
१	१९	७	३	१	१२	१९	१९
१६	१२	१४	१९	१०	४२	३६	३६
२९	२४	२७	४१	१९	४१	१४	१४
५७	१७/४५	६२	५/१६	७२	४	३	३
३२	व.	७	व्र.	५	३८	११	११

६ ४के.
७ सू.शु.बु. ५ ३चं.
बृ.८ श.२
९ ११ १
रा.१०मं १२

योगाः	ति.	वैशाखशुक्लपक्षः सं. १९७७ शाकः १८४२												दि.	र. उ.	र. अ.	हिं.	इं.	सु.	चन्द्रः	प्रा.र.स्प	गति	गणः ५ अहर्गणः २६६२३१ वसन्तर्तुः उत्तरे रविः
राक्षस.	१	चं	४४	४८	अ	२०	५२	प्री	४८	३१	किं	१७	१९	३३/५६	५।३७	६।२३	८	१९	२९	मेष.	[illegible]	[illegible]	वृषेभानुः २५/५४
मुसल.	२	मं	३९	२१	भ	१७	२९	आ	४१	१७	वा	१४	४	३२/०	५।३६	६।२४	९	२०	३०	वृ. ३१/३२	[illegible]	[illegible]	*ल. रा. १२ रे. १० शुद्धम्.
अक्षय.	३	बु	३३	३०	कृ	१३	४०	सौ	३३	४८	तै	६	२५	३	५।३६	६।२४	१०	२१	१	वृषभ.	[illegible]	[illegible]	सावानमा. ८ मु. अक्षय.३परशु. ज. त्रेतायुगादिकल्पादिरोहिण्यां*
उत्पात.	४	गु	२७	२९	रो	९	३७	शो	२६	१०	व	०	२९	७	५।३५	६।२५	११	२२	२	मि. ३५/३४	[illegible]	[illegible]	म. ०।२९ उ. २७।२९ या. मृगेलग्नाऽभावः
मानस.	५	शु	२१	२७	मृ	५	३१	अ	१८	३३	वा	२१	२७	१०	५।३४	६।२६	१२	२३	३	मिथुन.	[illegible]	[illegible]	रेवत्यांबुधः १६।४७ ग. १०२।१७
सुद्गर.	६	श	१५	३८	आ	१५/३६	५८/२	सु	११	६	तै	१५	३८	१३	५।३४	६।२६	१३	२४	४	क. ४३/५५	[illegible]	[illegible]	
गंगास.	७	र	१०	१२	पु	५५	२	धृ	३/५७	शु	५७/१७	व	१०/१२	१६	५।३३	६।२७	१४	२५	५	कर्क.	[illegible]	[illegible]	म. १०।१२ उ. ३७।४६ या. गंगा ७ श्रीगंगोत्पत्तिः
सौम्य.	८	चं	५	२०	अ	५२	४६	गं	५१	११	व	५	२०	१९	५।३२	६।२८	१५	२६	६	सिं. ५२/४६	[illegible]	[illegible]	भरण्यांरविः २१।३५ मघायांल. क्रांतिः
कालद.	९	मं	१	१४	म	५१	२५	वृ	४५	५०	कौ	१	१४	२२	५।३२	६।२८	१६	२७	७	सिंह.	[illegible]	[illegible]	मघायांलग्नः क्षयाह. क्रांतिश्च.
क्षय.	१०	मं	५८	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
ए. व्र.	११	बु	५६	२	पू	५१	९	ध्रु	४१	२१	व	२७	४	२६	५।३१	६।२९	१७	२८	८	सिंह.	[illegible]	[illegible]	म. २७।४ उ. ५६।२ या. मोहिनी ११ स्मार्तानाम्.
ए. व्र.	१२	गु	५५	१०	उ	५२	३	व्या	३७	४६	व	२५	३६	२९	५।३०	६।३०	१८	२९	९	क. ६/२२	[illegible]	[illegible]	मेषेसितः २४/५८ ग. ७४/२३ मोहिनी ११ भाग. निम्बा.
प्रदोष.	१३	शु	५५	३५	ह	५४	१४	ह	३५	१४	कौ	२५	२२	३२	५।३०	६।३०	१९	३०	१०	कन्या.	[illegible]	[illegible]	बुधास्तः प्राक् ३४।५ [ग. १९।५ मेषेबुधः ६/२ ग. १०९।८
नृ. च.	१४	श	५७	१६	चि	५७	३९	व	३३	४१	ग	२६	२५	३५	५।२९	६।३१	२०	१	११	तु. २५/५६	[illegible]	[illegible]	म. ५७।१६ उ. मे. मा. ५ इं. ता. ३१ पुनः कन्यायांमंगलः ४६/३९
लुंबक.	१५	र	६०	०	स्वा	६०	०	सि	३३	६	वि	२८	४३	३८	५।२९	६।३१	२१	२	१२	तुला.	[illegible]	[illegible]	कूर्मजयन्ती. चंद्रग्रहण ग्रस्तास्तः म. २८।४३ या.
वै. पू.	१५	चं	०	११	स्वा	२	१२	व्य	३३	२१	व	०	११	३२/४१	५।२८	६।३२	२२	३	१३	वृ. ५१/२०	[illegible]	[illegible]	वैशाख. स्नानस.

गोचरग्रहाः

२ | बु. १२शु.
३ | र. के. | ११
१
चं. ४ गु. | १०
५श. | रा. ७ मं. | ९
६ | ८

अ. ५ वै. शु. ८ चं. इ ०।० ग. १२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
०	६	११	३	११	४	६	०
१२	२	२१	१८	२५	११	२२	२२
५९	२४	१८	२४	४५	४२	५५	५५
११	४६	१५	२४	५१	९	२८	२८
५८	२५/२	१०२	३	७४	२/१८	३	३
१५	+	१७	४१	२३	+	११	११

मासफलम्

इस महीनेमें चांवल उडद मूंग तूअर हलदी रूई कपास तिल तेल नमक गुड शकर घृत चंदन रेशमीवस्त्र कुसुम लालरंगकी वस्तु तेज भाव होगा. और गेहूं मटर मसूर चणा जो राबा सरसू अलसी अफीम शणजीरा धनिया सोना चांदी हुंडी नोट सस्ता रहैगा।

अ. ६ वै. शु. १५ चं. इ०।० ग. १९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
०	५	०	३	०	४	६	०
१९	२९	३	१८	४	११	२२	२२
४५	३६	२७	५०	२६	२६	३३	३३
५६	४१	१८	११	३६	३	१२	१२
५७	१९/५	१०९	३	७४	२/१८	३	३
५९	+	८	४१	२३	+	११	११

गोचरग्रहाः

२ | १ | १२
३ | र.बु.शु.के. | ११
४ गु. | १०
५श. | चं. ७ रा. | ९
६ मं. | ८

अथ गर्भसंभवयोगः ॥ शनैश्चरक्ष्मासुतशुक्रसूर्यैर्निजांशगैश्चोपचयस्थितैश्च । त्रिकोणलग्नोपगतैसुरेज्यैर्वीर्यान्वितैगर्भसमुद्भवःस्यात् ॥ १ ॥

अर्थः-शनि, मंगल, शुक्र, सूर्य अपनेनवांशमें स्थित होवे अथवा जन्मराशिसे ३।६।१०।११ स्थित होवे निजांशमें होवे वा गुरु १।५।१ में स्थित होवे तो गर्भग्रहण होता है.

योगाः	ति.	ज्येष्ठकृष्णपक्षः सं. १९७७ शाकः १८४२												दि.	र. उ.	र. अ.	हिं.	इं.	मु.	चन्द्रः	प्रा.र.स्प	गतिः
श्रीवत्स	१	मं	४	६	वि	७	४३	व	३४	२३	कौ	४	६	३२ ४४	५।२७	६।३३	२३	४	१४	वृश्चिक.	[illegible]	[illegible]
सौम्य.	२	बु	८	४७	अ	१३	५५	प	३५	४४	म	८	४७	४८	५।२७	६।३३	२४	५	१५	वृश्चिक.	[illegible]	[illegible]
ग. च.	३	गु	१३	५६	ज्ये	२०	२४	शि	३७	१७	वि	१३	५६	५१	५।२६	६।३४	२५	६	१६	ध. २० २४	[illegible]	[illegible]
स्थिर.	४	शु	१९	१	मू	२६	४९	सि	३८	३९	वा	१९	१	५४	५।२५	६।३५	२६	७	१७	धन.	[illegible]	[illegible]
मार्तंय.	५	श	२३	३४	पू	३२	६	सा	३९	४३	तै	२३	३४	५८	५।२५	६।३५	२७	८	१८	म. ४८ ३३	[illegible]	[illegible]
अमृत.	६	र	२७	२९	उ	३७	५५	शु	४०	१५	व	२७	२९	३३ १	५।२४	६।३६	२८	९	१९	मकर.	[illegible]	[illegible]
सिद्धि	७	चं	३०	२४	श्र	४२	३	शु	३९	३८	व	३०	२४	४	५।२३	६।३७	२९	१०	२०	मकर.	[illegible]	[illegible]
उत्पात.	८	मं	३२	४	ध	४४	५७	ब्र	३८	१९	वा	१	१४	७	५।२३	६।३७	३०	११	२१	कुं १३ ४०	[illegible]	[illegible]
मानस.	९	बु	३२	२९	श	४६	३५	ऐं	३५	५७	तै	२	१७	१०	५।२२	६।३८	३१	१२	२२	कुंभ.	[illegible]	[illegible]
मुद्गर.	१०	गु	३१	३६	पू	४६	५९	वै	३२	३४	व	२	३	१४	५।२१	६।३९	१	१३	२३	मी. ३१ ५३	[illegible]	[illegible]
ध्व.क्ष.	११	शु	२९	२९	उ	४६	१६	वि	२८	१५	व	०	३२	१७	५।२१	६।३९	२	१४	२४	मीन.	[illegible]	[illegible]
प्रदोष.	१२	श	२६	१३	रे	४४	३०	प्री	२३	३	तै	२६	१३	२०	५।२०	६।४०	३	१५	२५	मे. ४४ ३०	[illegible]	[illegible]
आनंद.	१३	र	२२	५	अ	४१	५४	आ	१७	६	व	२२	५	२२	५।२०	६।४०	४	१६	२६	मेष.	[illegible]	[illegible]
चर.	१४	चं	१७	८	भ	३८	३८	सौ	१०	३३	श	१७	८	२४	५।१९	६।४१	५	१७	२७	वृ. ५२ ४२	[illegible]	[illegible]
अमा.	३०	मं	११	२७	कृ	३४	५२	शो	३ ३०	अ	५६ ४	ना	११ ३७	३३ २५	५।१८	६।४२	६	१८	२८	वृषभ.	[illegible]	[illegible]

गणः २० अहर्गणः २६९२४६ ग्रीष्मर्तुः उत्तरेरविः (अ.वै.कृ.)

म. ४१।२२ उ.

म. १३ ५६ या. मार्गीशनिः ४३ २५ रा. ४ ११। १७ ५ ग. २।२८

भरण्यांबुधः २५ ४५ ग. ११४ २६

म. २७।२९ उ. ५८।५६ या.

कृत्तिकायांरविः ९।२४ भरण्यांसितः १० १५ ग. ७३ ५९

[*चलग्नाऽभावः

[†लग्नाऽभावः मृत्युबाणकृष्णनंग ४ दिनम्.

वृषेऽर्कः ३७ २१ वै.सु.३० बंगलाज्येष्ठः उफायांलग्नरविः निरंशम् म. २ ३ उ. ३१ ३६ या.

अपरा ११ सर्वेषाम् उभायां रेवत्यां*

कृत्तिकायांबुधः २५ १४ ग. ११५ ० रेवत्यां †

म. २२ ५ उ. ४१ ३६ या. सावित्रीव्रतम्.

वृषेबुधः ९ ३५ ग. ११६ ४ अगस्त्यास्तः ३० ५३

वटपूजनम्



→ गोचरग्रहाः ←



अ. ७ ज्ये. कृ. ८ मं. इ०।० ग. २७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
०	५	०	३	०	४	६	०
२७	२७	८	१९	१४	११	२२	२२
२८	४	१४	१९	२१	२७	७	७
४२	१	४	३९	२१	३८	४५	४५
५७	१९ ५	११४	३	७३	२ २८	३	३
४४	+	२६	४१	५९	मा	११	११

→ वृषभसंक्रांतिफलं. ←

ज्येष्ठ कृष्णा १० गुरौ वृषेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ४ वा. ना. नंदाग. द्वि. सा. न. नां. धीरा शूद्रसु. रा. प्र. या. ध्या. विशावान्हं. पूर्वंग. अग्निर्यांद्द. ववकरणे वै. म. फ. वा. सिंह उ. वा. गज मय फ. श्वेत. मुशुंडीआ. सुवर्णपा. अन्नभ. कस्तूरीले. देवजा. पुत्रागपु. पिरोजाभू. विचित्रकं. बालाऽव वै. सु. ३० धा. मा. तेज धा. क. सम रस ते. शु. उ. पू. व. उ. रा. प. भू. पा.

अ. ८ ज्ये. कृ. ३० मं. इ०।० ग. ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
१	५	१	३	०	४	६	०
४	२४	१	१९	२२	११	२१	२१
१२	५०	३७	४५	५९	४४	४५	४५
४	२६	३२	२६	१४	५४	२९	२९
५७	१९ ५	११६	३	७३	२	३	३
३२	+	४	४१	५६	२८	११	११

→ गोचरग्रहाः ←



अथ गर्भसंभवे अन्ययोगः। बलान्वितावर्कसितौ स्वभांशे पुंसस्तदा चोपचये भवेताम्। तथांगनानां शशिभूमिजौ वा तदा भवेद्गर्भसमुद्भवश्च॥१॥

अर्थ—सूर्य, शुक्र, निजांशमें हो बलवान् हो और पुरुषकी राशिसे ३।६।१०।११ स्थानमें हो वैसेही स्त्रीकी राशिसे चंद्र मंगल ३।६।१०।११ स्थित हो तो निश्चय गर्भस्थिति होती है.

योगाः	ति.	ज्येष्ठशुक्लपक्षः सं. १९७७ शाकः १८४२												दि.	र. उ.	र. अ.	हिं.	इं.	मु.	चन्द्रः	प्रा.र.स्प	गति	गणः ३५ अहर्गणः २६९२६१ ग्रीष्मर्तुः उत्तरे रविः
शुभ.	१	बु	५	४२	रो	३०	५०	सु	४८	३०	व	५	४२	३३/२७	५।१८	६।४२	७	१९	२९	मि. ५८/४७	[illegible]	[illegible]	चंद्रदं. मृगेल. क्षयाह्.
क्षय.	२	बु	५९	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	० ०	०	०	०	० ०	० ०	०	[५८/५६ ग. ७४/२१
मृत्यु.	३	गु	५३	२९	मृ	२६	४४	धृ	४०	५५	तै	२६	२२	३०	५।१७	६।४३	८	२०	१	मिथुन.	[illegible]	[illegible]	मिथुनेभानुः ४१/१२ रमजानमा. ९ मु. कृत्तिकायांसितः
पद्म.	४	शु	४७	३४	आ	२२	४३	शू	३३	२८	व	२०	३१	३३	५।१७	६।४३	९	२१	२	मिथुन.	[illegible]	[illegible]	म. २०/३१ उ. ४७/३४ या. सार्प्पेंद्धि. गुरुः ५६/२५ ग. ८/५१
छत्र.	५	श	४२	६	पु	१९	४	गं	२६	१८	व	१४	५०	३५	५।१७	६।४३	१०	२२	३	क. ४/५८	[illegible]	[illegible]	मार्गीमंगलः ४९/४२ रा. ५/२३ । ४५/५५ ग. ११/४५ रोहिण्यांबुधः १९/४५ ग. १३४/१७
श्रीवत्स.	६	र	३७	७	पु	१५	५४	वृ	१९	३३	कौ	९	३६	३७	५।१६	६।४४	११	२३	४	कर्क	[illegible]	[illegible]	वृषेसितः ४०।१९ ग. ७४।६
सौम्य.	७	चं	३२	५५	अ	१३	२४	ध्रु	१३	२३	ग	५	१	३८	५।१६	६।४४	१२	२४	५	सि. १३/२४	[illegible]	[illegible]	रोहिण्यांरविः ३।१८ म. ३२।३५ उ.
कालंद.	८	मं	२९	३८	म	११	४९	व्या	७	५४	वि	१	१७	३९	५।१५	६।४४	१३	२५	६	सिंह.	[illegible]	[illegible]	म. १।१७ या. सितास्तः प्राक् ०।२१
स्थिर.	९	बु	२७	२४	पू	११	१६	ह	३/१६	व	५९/३३	कौ	२७/२४	४१	५।१५	६।४५	१४	२६	७	क. २६/२५	[illegible]	[illegible]	
गंगाद.	१०	गु	२६	२४	उ	११	५३	सि	५६	५०	ग	२६	२४	४३	५।१५	६।४५	१५	२७	८	कन्या	[illegible]	[illegible]	म. ५६/३४ उ. गंगा १० व्र.
ए.व्र.	११	शु	२६	४३	ह	१३	४४	व्य	५५	८	वि	२६	४३	४४	५।१५	६।४५	१६	२८	९	तु. ४५/१८	[illegible]	[illegible]	म. २६/४३ या. निर्जला ११ सर्वेषाम्.
प्रदोष.	१२	श	२८	१६	चि	१६	५१	व	५४	२५	बा	२८	१६	४६	५।१५	६।४५	१७	२९	१०	तुला.	[illegible]	[illegible]	मृगेबुधः १९/४७ ग. १११/२४
लुंबक.	१३	र	३१	०	स्वा	२१	१०	प	५४	३४	तै	३१	०	४७	५।१५	६।४५	१८	३०	११	तुला.	[illegible]	[illegible]	वटसावित्रीव्रतारंभः देशाचारे
मित्र.	१४	चं	३४	४८	वि	२६	२६	शि	५५	२६	ग	२	५	४८	५।१४	६।४६	१९	३१	१२	वृ. १०/७	[illegible]	[illegible]	म. ३४/४८ उ. रोहिण्यांसितः ४/६ ग. ७३/५१ बुधोदयः पश्चिमे ५९/५८
ज्ये.पू.	१५	मं	३९	२१	अ	३२	२९	सि	५६	४७	वि	७	४	३३/४९	५।१४	६।४६	२०	१	१३	वृश्चिक.	[illegible]	[illegible]	म. ७/४ या. जून मा. ६ इं. ता. २० मिथुनेबुधः ५५/१२ ग. १०८/१५ वटपू. मन्वादि.

गोचरग्रहाः

३ — १के. — ४गु. — र.२ बु.शु. — १२ — श.५ चं. — ११ — ६मं. — ८ — १० — ७रा. — ९

अ. ९ ज्ये. शु. ८ मं. इ. ०।० ग. ४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
१	५	१	३	१	४	६	०
१०	२४	१५	२०	१	१२	२१	२१
५४	११	५	२६	३८	२२	२३	२३
११	२६	१४	३४	२५	१०	१३	१३
५७	११/४५	११४	८	७४	२	३	३
२१	मा	१७	४१	६	२८	११	११

मासफलम्.

इस महीनेमें गेहूं जव चना चांवल मूंग तुअर मका तिल तैल रुई कपास विनोला सुत कपडा मोठ सिंघाडा गुड शक्कर नारियल हल्दी मिरची मूंग फली तेज होगी। और ज्वार उडद मसूर कांगणी लहसन राया सरसूं दाणा अलसी धनिया जीरा रांगा शीशा चतुष्पद सस्ते होंगे.

अ. १० ज्ये. शु. १५ मं. इ. ०।० ग. ४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
१	५	१	३	१	४	६	०
१७	२५	२९	२१	१०	१२	२१	२१
३५	३३	४७	२७	१७	१९	०	०
१०	४१	३१	२१	६	२६	५७	५७
५७	११	११	८	७३	२	३	३
१२	४५	२४	४१	५१	२८	११	११

गोचरग्रहाः

३ — १ के. — ४ गु. — र.२ बु.शु. — १२ — ५ श. — ११ — ६मं. — ८ चं. — १० — ७रा. — ९

अथ प्रसवकालज्ञानम्। द्विघ्नकभागेशशभृद्वियस्मिंस्तस्मिन्प्रसूतिः पुरतोमृगांके। उदेतियावांन्नवांशकस्तावद्गते जन्मदिनोवसोः स्यात्॥ अर्थः—आधान कालमें चंद्रमा जिस द्वादशांशमें बैठा हो उस द्वादशांशसे उतनी राशीमें स्थितचंद्रमामें जन्म कहना आधान लग्नसे जितनी लग्न गत हुई हो उतनीही दिन वा रात्रि व्यतीत होनेपर जन्म कहना दिनबलि वा रात्रिबलि लग्नके अनुसार देखना।

द.मा. प. | ति. वा. घ. प. न. घ. प. यो. घ. प. क. घ. प. क. घ. प. योगाः अं. फा. वं. | चं. रा. प्र. सू. उ. सू. अ. औ. स्पष्ट सूर्यः गतिः | श्री शुभ संवत् २०२८ शके १८९३ भाद्रपद कृष्णपक्षः। याम्याय-

योगाः	ति.	आषाढकृष्णपक्षः सं. १९७७ शाकः १८४२												दि.	र. उ.	र. अ.	दिं.	इं.	मु.	चन्द्रः	ग्र.र.स्प	गति
ध्वांक्ष	१	बु	४४	२०	ज्ये	३८	[illegible]	सा	५८	२२	वा	११	५१	३३/५०	५।१४	६।४६	२१	२	१४	ध. ३८/५६	[illegible]	[illegible]
धूम्र.	२	गु	४९	१८	मू	४५	२२	शु	५९	५८	तै	१६	४९	५१	५।१३	६।४७	२२	३	१५	धन.	[illegible]	[illegible]
प्रवर्ध.	३	शु	५३	५५	पू	५१	२७	शु	६०	०	व	२१	३७	५३	५।१३	६।४७	२३	४	१६	धन.	[illegible]	[illegible]
ग. च.	४	श	५७	४८	उ	५६	४८	शु	१	८	व	२५	५१	५५	५।१३	६।४७	२४	५	१७	म. ७/४७	[illegible]	[illegible]
गद.	५	र	६०	०	श्र	६०	०	ब्र	१	२०	कौ	२९	१४	५६	५।१३	६।४७	२५	६	१८	मकर.	[illegible]	[illegible]
सिद्धि.	५	चं	०	४१	श्र	१	१०	ऐं	१	१०	तै	०	४१	५७	५।१३	६।४७	२६	७	१९	कुं. ३२/४५	[illegible]	[illegible]
उत्पात.	६	मं	२	२०	ध	४	२०	वै	०/१	वि	५६/५२	व	२/०	५९	५।१२	६।४८	२७	८	२०	कुंभ.	[illegible]	[illegible]
मानस.	७	बु	२	४४	श	६	१६	प्री	५४	४३	व	२	४४	३४/०	५।१२	६।४८	२८	९	२१	मी. ११/४६	[illegible]	[illegible]
मुद्गर.	८	बु	१	४९	पू	६	५७	आ	५०	३५	कौ	१	४९	१	५।१२	६।४८	२९	१०	२२	मीन.	[illegible]	[illegible]
क्षय.	९	गु	५९	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ध्वज.	१०	शु	५६	३२	उ	६	२७	सौ	४५	३४	व	२८	८	२	५।१२	६।४८	३०	११	२३	मीन.	[illegible]	[illegible]
ए. ब्र.	११	श	५२	१७	रे	४	५४	शो	३९	४६	व	२४	२४	३	५।११	६।४९	३१	१२	२४	मे. ४/५४	[illegible]	[illegible]
ए. म.	१२	र	४७	१९	अ	२/२६	भ	५१/१०	अ	३३	१६	कौ	३६/४८	४	५।११	६।४९	३२	१३	२५	मेष.	[illegible]	[illegible]
प्रदोष.	१३	चं	४१	५१	कृ	५५	३९	सु	२६	१९	ग	१४	३५	५	५।११	६।४९	१	१४	२६	वृ. १३/५४	[illegible]	[illegible]
मातंग.	१४	मं	३५	५३	रो	५१	३९	धृ	१९	०	वि	८	५२	६	५।११	६।४९	२	१५	२७	वृषभ.	[illegible]	[illegible]
अमा.	३०	बु	२९	४५	मृ	४७	२८	शू	११	२८	ग	२	४९	३४/८	५।१०	६।५०	३	१६	२८	मि. १९/३३	[illegible]	[illegible]

गणः ४९.अहर्गणः२६९२७५ ग्रीष्मर्तुःउत्तरेरविः(अं.ज्ये.कृ.)

म. २१/३७ उ. ५३/५५ या.
रौद्रेबुधः ३६/४६ ग. १०१/२१

मृगेरविः १/५८ सं. पु. पु. सू. चं. वा. अश्व व सग.
स. २/२० उ. ३२/३२ या.

म. २८/८ उ. ५६/३२ या. मृगेसितः ३६/० ग. ७३/२७
योगिनी ११ स्मार्तानाम्. [भाग. निम्बा.
पुनर्वसौबुधः ३०/२२ ग. ८४/३१ सार्वत्रि. गुरुः ३१/३ ग. १०/१४ योगिनी ११
मिथुनेऽर्कः २/४२ वै. ३० मु. बंगला आषाढ म. ४१/५१ उ.
भद्रा. ८।५२ या.

→ गोचरग्रहाः ←

२ बु. | १ के. | चं. | ४ गु. | र. २ शु. | १२ | ५ श. | ११ | ६ मं. | ८ | १० | ७ रा. | ९

अ. ११ आ. कृ. ८ गु. इ०।० ग. ५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
१	५	२	३	१	४	६	०
२६	२७	१४	२२	२१	१२	२०	२०
९	१९	४	४५	२१	४१	३२	३२
१९	२६	३८	३०	४५	३८	१९	१९
५७	११	१०१	८	७३	२	३	३
३	४५	२१	४१	५१	२८	११	११

मिथुनसंक्रान्तिफलम्.

आषाढ कृष्ण १३ चंद्रे मिथुनेऽर्कः प्र. घा. ५ न. ६ घा. ना. ध्वां: वैश्यसु. न. ना. मिश्रा पशु सु. पूर्वाह्ने व्या. राजानं. ड. ग. ई. दू. गरकरणे वै. म. फ. वा. गज ड. वा. खर लक्ष्मीप. काल व. धनु आ. लोहपा. प्रवय. गोरोचनले. पशुना. बिल्वपु. मुकुटमू. सितकं. प्रौढास्त्र. वै. मु. ३० घा. भा. सम घा. क. सम. रसक. तेजशु. अ. पृ. व. ड. रा. प. सू. स्वर्गे.

अ. १२ आ. कृ. ३० बु. इ०।० ग. ६३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
२	५	२	३	१	४	६	०
१	२८	२३	२३	२८	१२	२०	२०
५१	२९	३०	४५	४३	५६	१३	१३
२२	५६	४७	२४	११	२६	१४	१४
५६	११	८४	१०	७३	२	३	३
५८	४५	३१	१४	२७	२८	११	११

→ गोचरग्रहाः ←

४ गु. | शु. २ चं. | ५ श. | र. ३ बु. | १ के. | ६ मं. | १२ | ७ रा. | ९ | ११ | ८ | १०

जन्मकुण्डल्युपरिशकज्ञानम्—यस्मिन् राशौ भवेत्सौरिस्तस्मात्तार्द्धेच द्वे समाः। शनिर्यावद्भवेद्वर्षं तथैज्याश्रितराशितः॥१॥ अर्थः—जन्मकुंडलीमें [illegible] राशिका शनि होवे उस राशिसे वर्तमान शनिकी राशितक गिणना फिर दाई गुणाकरना गत वर्ष होंगे [illegible] होगा इसीप्रकार १ वर्ष गुरुकी राशिसे गिणना ॥

योगाः	ति.	आषाढशुक्लपक्षः सं. १९७७ शाकः १८४२												दि.	र.उ.	र.अ.	हिं.	इं.	मु.	चन्द्रः	प्रा.र.स्प	गति
काण.	१	गु	२३	३५	आ	४३	२७	ग	३/५२	धृ	५६/२३	व	२३/३५	३४/९	५।१०	६।५०	४	१७	२९	मिथुन.	[illegible]	[illegible]
रथया.	२	शु	१७	३६	पु	३९	४०	ध्रु	४९	४	कौ	१७	३६	११	५।१०	६।५०	५	१८	१	क. २५/३७	[illegible]	[illegible]
मित्र.	३	श	११	५९	पु	३६	२०	व्या	४२	१४	ग	११	५९	१२	५।१०	६।५०	६	१९	२	कर्क.	[illegible]	[illegible]
वज्र.	४	र	६	५५	अ	३३	४०	ह	३५	५६	ति	६	५५	१४	५।१०	६।५०	७	२०	३	सिं. ३३/४७	[illegible]	[illegible]
सोमप.	५	चं	२	४०	म	३१	५०	व	३०	१९	वा	२	४०	१५	५।९	६।५१	८	२१	४	सिंह.	[illegible]	[illegible]
क्षय.	६	चं	५९	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	० ०	०	०	०	० ०	० ०	०
धूम्र.	७	मं	५६	५५	पू	३१	१	सि	२५	३०	ग	२८	५	१६	५।९	६।५१	९	२२	५	क. ४६/६	[illegible]	[illegible]
बुधाष्ट.	८	बु	५५	४७	उ	३१	२०	व्य	२१	३५	वि	२६	२१	१५	५।९	६।५१	१०	२३	६	कन्या.	[illegible]	[illegible]
भद्रली.	९	गु	५५	५७	ह	३२	५२	व	१८	४१	बा	२५	५२	१४	५।९	६।५१	११	२४	७	कन्या.	[illegible]	[illegible]
मुसल.	१०	शु	५७	२०	चि	३५	४१	प	१६	४७	तै	२६	३९	१२	५।९	६।५१	१२	२५	८	तु. ४/१६	[illegible]	[illegible]
ए. व्र.	११	श	५९	५८	स्वा	३९	४२	शि	१५	५२	व	२१	३९	११	५।१०	६।५०	१३	२६	९	तुला.	[illegible]	[illegible]
ए. व्र.	१२	र	६०	०	वि	४४	४६	सि	१५	५१	व	३१	४८	९	५।१०	६।५०	१४	२७	१०	वृ. २८/३०	[illegible]	[illegible]
प्रदोष.	१२	चं	३	३९	अ	५०	३८	सा	१६	३६	बा	३	३९	८	५।११	६।४९	१५	२८	११	वृश्चिक.	[illegible]	[illegible]
मुद्गर.	१३	मं	८	१०	ज्ये	५७	१	शु	१७	५२	तै	८	१०	७	५।११	६।४९	१६	२९	१२	ध. ५७/१	[illegible]	[illegible]
ध्वज.	१४	बु	१३	३	मू	६०	०	शु	१९	२६	व	१३	३	६	५।११	६।४९	१७	३०	१३	धन.	[illegible]	[illegible]
व्या. पू.	१५	गु	१७	५८	मू	२	२८	ब्र	२१	४	व	१७	५८	३४/५	५।१२	६।४८	१८	१	१४	धन.	[illegible]	[illegible]

गणः ६४ अहर्गणः २६९२९० ग्रीष्मर्तुः उत्तरे रविः

चंद्रद. मिथुनेसितः २/४३ ग. ७३/२७

सव्वालमा. १० मु० रामरथोत्सवः

स. ३९/२७ उ.

भ. ६/५५ या. कर्केबुधः ३६/१८ ग. ७१/५९ स्वात्यांच राहुः भरण्यांद्रि. केतुः ३०/५८

कर्केभानुः ९०/२१ रौद्रेरविः ४/० दक्षिणे रविः सं. स्त्री.स्त्री. चं.चं. वा.चातक.व.स.

भ. ५६/५५ उ. रौद्रेसितः २९/२३ ग. ७३/२२

भ. २६/२१ या. तुलायांमंगलः ३८/२१ ग. २३/२४ पुष्येबुधः २४/२ ग. ३६/४३

भद्रुली. ९

पूफायां प्र. शनिः २९/४५ ग. ५/४६ मन्वादि.

भ. २८/३९ उ. ५९/५८ या. देवशयनी ११ स्मार्ता. विष्णुशयनो. चा.अ.प्रा.

देवशयनी ११ भाग. निम्बा. हरिवा. ना.

भ. १३/३ उ. ४५/३० या. ध्वजारो. वायुपरीक्षा

जुलै मा. ७ इं. ता. ३१ व्यासपू. मन्वादि.

→ गोचरग्रहाः ←

बु. ४ गु. | २
५ श. | र. ३ शु. | १ के.
चं. ६ मं. | १२
७ रा. | ९ | ११
८ | १०

अ. १३ आ. शु. ८ बु. इं. ०।० ग. ७०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
२	५	३	३	२	४	६	०
८	२९	२	२४	७	१३	१९	१९
३०	५२	५२	५७	१७	१३	५१	५१
०	११	४९	२	२६	४२	२	२
५६	११	७१	१०	७३	२	३	३
५५	४५	५९	१४	२२	२८	११	११

→ मासफलम्. ←

इस महीनेमें चावल गेंहू ज्वार मक्का उडद मूंग तिल तेल घृत गुड शक्कर अफीम चांदी सोना हुंडी नोटका भाव तेज रहैगा। और जव चवला मसूर मटर कांगणी लहसन सुत कपास रूई कपडा बिनोला रावा सरसूंका भाव मंदा रहैगा.

अ. १४ आ. शु. १५ गु. इं. ०।० ग. ७८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
२	६	३	३	२	४	६	०
१६	२	७	२६	१७	१३	१९	१९
५	५२	५८	१८	४	५१	२५	२५
१८	१४	५६	५४	२२	४४	३५	३५
५६	२३	३६	१०	७३	५	३	३
५४	२४	४३	१४	२२	४६	११	११

→ गोचरग्रहाः ←

४ बु. गु. | २
५ श. | र. ३ शु. | १ के.
६ | १२
सं. सा. ७ | ९ चं. | ११
८ | १०

कुंडल्याः मासज्ञानम् ॥ वैशाखे स्थाप्यते मेषो यावद्द्वादशश्च गण्यते । तावन्मासे भवेज्जन्म गर्भस्य वचनं यथा ॥ १ ॥ अर्थ-मेषका सूर्य हो तो वैशाख जानिये वृषभका ज्येष्ठ मिथुनका आषाढ इत्यादि क्रमसे जिस राशिमें सूर्य हो वैशाखादिगणनासे मास जानना.

…मा. प. | ति. | वा. | घ. प. | न. | घ… चं. रा. प्र. | सू. उ. | सू. अ. | औ. स्पष्ट सूर्यः | गतिः | श्री शुभ संवत् २०२८ शके १८९३ भाद्रपद कृष्णपक्षः। याम्याय-

२४२ | १ ग…

योगाः	ति.	प्र.श्रावणकृष्णपक्षः सं. १९७७शाकः१८४२												दि.	र. उ.	र. अ.	दिं.	इं.	मु.	चन्द्रः	प्रा.र.स्प	गति
प्रवर्ध.	१	शु	२२	३५	पू	९	३९	ऐं	२२	१९	कौ	२२	३५	३४/३	५।१२	६।४८	१९	२	१५	म. २६/२	[illegible]	[illegible]
राक्षस.	२	श	२६	२७	उ	१५	११	वै	२३	३	ग	२६	२७	२	५।१२	६।४८	२०	३	१६	मकर.	[illegible]	[illegible]
ग. च.	३	र	२९	१८	अ	१९	४७	वि	२२	५९	वि	२९	१८	१	५।१२	६।४८	२१	४	१७	कुं. ५१/३१	[illegible]	[illegible]
शुभ.	४	चं	३१	१	ध	२३	१४	प्री	२२	१	वा	०	१०	३४/०	५।१२	६।४८	२२	५	१८	कुंभ.	[illegible]	[illegible]
नागपं.	५	मं	३१	२८	श	२५	२१	आ	२०	४	तै	१	१५	३३/५९	५।१२	६।४८	२३	६	१९	कुंभ.	[illegible]	[illegible]
पद्म.	६	बु	३०	३८	पू	२६	१८	सौ	१७	६	व	३०	३८	५७	५।१३	६।४७	२४	७	२०	मी. ११/३	[illegible]	[illegible]
छत्र.	७	गु	२८	३३	उ	२६	३	शो	१३	१०	व	२८	३३	५६	५।१३	६।४७	२५	८	२१	मीन.	[illegible]	[illegible]
श्रीवत्स.	८	शु	२५	२३	रे	२४	४४	अ	८	१८	कौ	२५	२३	५५	५।१३	६।४७	२६	९	२२	मे. २४/४४	[illegible]	[illegible]
सौम्य.	९	श	२१	१८	अ	२२	१७	सु	२/३८	धृ	५६/१८	ग	२१/१८	५३	५।१४	६।४६	२७	१०	२३	मेष.	[illegible]	[illegible]
कालदं.	१०	र	१६	२४	भ	१९	२६	शू	४९	२६	वि	१६	२४	५२	५।१४	६।४६	२८	११	२४	वृ. ३३/३२	[illegible]	[illegible]
धू. म.	११	चं	१०	४५	कृ	१५	५१	गं	४२	१३	वा	१०	४५	५०	५।१४	६।४६	२९	१२	२५	वृषभ.	[illegible]	[illegible]
प्रबोध.	१२	मं	४	४९	रो	११	५४	वृ	३४	११	तै	४	४९	४९	५।१५	६।४५	३०	१३	२६	मि. ३९/४१	[illegible]	[illegible]
क्षय.	१३	मं	५८	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
अमृत.	१४	बु	५२	३६	मृ	७	४५	ध्रु	२७	५	वि	२५	४२	४८	५।१५	६।४५	३१	१४	२७	मिथुन.	[illegible]	[illegible]
हरिया.	३०	गु	४६	३६	आ	३/३९	पु ५०/४५	व्या	१९	३०	च	११/३६		३३/४७	५।१५	६।४५	१	१५	२८	क. ४५/४३	[illegible]	[illegible]

गणः७९अहर्गणः २६९३०५ वर्षाऋतुःदक्षिणेरवि (अ.आ.छ.)

म. ५७/५२ उ. सार्प्येचगुरुः २/५३ ग. १२/३० पुनर्वसौसितः २३/३५ ग. ७३/२३

म. २९/१८ या. वक्रीबुधः ५०/४ रा. ३/१०।१०/५४ ग. ३४/५४

पुनर्वसौरविः ७०/२४ सं.स्त्री.पु.चं.चं.वा.खरव.श्रेष्ठः

नागपं. ५ मरुस्थले.

म. ३०/३८ उ. ५९/३५ या.

म. ४८/५६ उ. स्वात्यांमंगलः ४५/३ ग. ३६/१६ बुधास्तः पश्चिमे २४/५२

म. १६/२४ या. कर्केसितः ३४/७ ग. ७३/३५ संवत्सर ७ नामश्रीमुख २४।१०

कामिका ११ सर्वेषाम्.

म. ५८/४७ उ.

म. २५/४२ या. पुष्येसितः १७/११ ग. ७३/२६ [त्रिपुष्करे,

कर्केऽर्कः ३९/५० वै. ४५ मु. बंगला श्रावणः **हरियाली.** लक्ष्मीपोलयात्रा-

→ गोचरग्रहाः ←

बु.गु. | २
५श. | र. ३ शु. | १के.
६ | १२ चं.
रा. मं. ७ | ९ | ११
८ | १०

अ. १५प्र.श्रा. कृ. ८ मृ. इ ०।० ग. ८६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
२	६	३	३	२	४	६	०
२३	५	७	२७	२६	१४	१९	१९
४०	५९	५६	५४	४९	३७	०	०
३४	२६	३१	२४	४९	५२	९	९
५६	२२	३४/५४	१२	७३	५	३	३
५४	२४	+	३०	२३	४६	११	११

→ कर्कसंक्रांतिफलम् ←

प्र. श्रावण कृष्ण ३० गुरौकर्केऽर्कः प्र. वा. ४ न. १ वा. ना. मं. ग. डि. सौ. न. ना. महोदरी घोरसु. रा. प्र. वा. व्या. पिशाचान्हं पूर्वग. आग्नेय्यांदृ. नागकरणे मनीने. फ. वा. वृषभ उ. वा. व्याघ्र स्थैर्य फ. दिगंबरव. कृपाणायु. भूमिपा. घृतभ. अगरुले. शूद्रजाति. पाटलीपु. कांचनभू. वल्कलकं. पुत्रऽव. सु. मु. ४५ धा. मा. सम धा. क. समरस तै. शु. अ.पू.अ. उ. रा. प. मू. मू.

अ. १६ प्र.श्रा. कृ. ३० मु. इ ०।० ग. ९२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
२	६	३	३	३	४	६	०
२९	८	४	२९	४	१५	१८	१८
२२	४८	२७	९	१२	१२	४१	४१
१२	३६	७	२४	२४	२८	३	३
५६	३०	३४/५४	१२	७३	५	३	३
५७	१६	+	३०	२६	४६	११	११

→ गोचरग्रहाः ←

बु.गु.शु. ४ | २
५श. | र. ३ चं. | १के.
६ | १२
मं. ७ रा. | ९ | ११
८ | १०

जन्मकुण्डल्युपरि पक्षज्ञानम् ॥ यत्र राशौ भवेत्सूर्यस्तस्मात्सप्तग्रहान्तरे । चंद्रे शुक्लो भवेत्पक्षश्चान्यथा कृष्णपक्षकः ॥ १ ॥

अर्थ—जिस राशिपर सूर्य हो उस राशिसे सात राशिके भीतर … बाहर चंद्र हो तो कृष्णपक्ष होता है।

योगाः	ति.	प्र.श्रावणशुक्लपक्षः सं. १९७७ शाकः १८४२												दि.	र. उ.	र. अ.	हिं.	इं.	मु.	चन्द्रः	प्रा.र.स्प	गति
उत्पात.	१	शु	४०	५७	पु	५६	१७	ह	१२	१२	किं	१३	४६	३३/४६	५।१५	६।४५	२	१६	२९	कर्क.	[illegible]	[illegible]
मानस.	२	श	३५	५०	अ	५३	२७	व	५/१६	सि ५८/५०	वा	२८/२३		४४	५।१५	६।४५	३	१७	३०	सिं. ५३/२७	[illegible]	[illegible]
सुद्गर.	३	र	३१	२७	म	५१	२३	व्य	५३	५	तै	३	३८	४३	५।१६	६।४४	४	१८	१	सिंह.	[illegible]	[illegible]
ध्वज.	४	चं	२७	५९	पू	५०	१८	व	४८	५	वि	२७	५९	४२	५।१६	६।४४	५	१९	२	सिंह.	[illegible]	[illegible]
प्रजाप.	५	मं	२५	३४	उ	५०	१९	प	४३	५९	वा	२५	३४	४१	५।१६	६।४४	६	२०	३	क. ५/१९	[illegible]	[illegible]
आनंद.	६	बु	२४	२०	ह	५१	३२	शि	४०	५१	तै	२४	२०	४०	५।१६	६।४४	७	२१	४	कन्या.	[illegible]	[illegible]
चर.	७	गु	२४	२३	चि	५४	२	सि	३८	४६	व	२४	२३	३८	५।१७	६।४३	८	२२	५	तु. २२/४७	[illegible]	[illegible]
गद.	८	शु	२५	४३	स्वा	५७	४७	सा	३७	४०	व	२५	४३	३७	५।१७	६।४३	९	२३	६	तुला.	[illegible]	[illegible]
शुभ.	९	श	२८	२६	वि	६०	०	शु	३७	२९	कौ	२८	२६	३५	५।१७	६।४३	१०	२४	७	वृ. ४६/२४	[illegible]	[illegible]
रविद.	१०	र	३१	५४	वि	२	३६	शु	३८	५	ग	३१	५४	३२	५।१८	६।४२	११	२५	८	वृश्चिक.	[illegible]	[illegible]
ए. ब्र.	११	चं	३६	१४	अ	८	१८	ब्र	३८	५८	व	४	४	२९	५।१८	६।४२	१२	२६	९	वृश्चिक.	[illegible]	[illegible]
सुद्गर.	१२	मं	४१	८	ज्ये	१४	३४	ऐं	४०	३३	व	८	४१	२६	५।१९	६।४१	१३	२७	१०	ध. १४/३४	[illegible]	[illegible]
प्रदोष.	१३	बु	४६	४	मू	२१	७	वै	४२	६	कौ	१३	३६	२३	५।२०	६।४०	१४	२८	११	धन.	[illegible]	[illegible]
प्रजाप.	१४	गु	५०	४४	पू	२७	२३	वि	४३	२४	ग	१८	२४	२०	५।२०	६।४०	१५	२९	१२	म. ४३/४८	[illegible]	[illegible]
पूर्ण.पू.	१५	शु	५४	४०	उ	३३	३	प्री	४४	१३	वि	२२	४२	३३/१७	५।२१	६।३९	१६	३०	१३	मकर.	[illegible]	[illegible]

गणः ६३ अहर्गणः २६९३१९ वर्षाऋतुः दक्षिणे रविः

पुनः पुनर्वसौबुधः ५१/५१ ग. ३९/४७ पुरुषोत्तममासप्रा.
चंद्रद.
भ. ५९/४३ उ. जिल्कादमा. ११ सु.
पुष्येरविः १०/२४ सिंहेगुरुः १/४६ ग. १२/३६ भ.*
[*२७/५१ या. सं.स्त्री.स्त्री.चं.सू.वा.मेष व. श्रेष्ठः
पुनः मिथुनेबुधः ५३/२४ ग. १८/५२
सिंहेभानुः ४६/३१ भ. २४/२३ उ. ५५/३ या.
सार्पेसितः १०/४७ ग. ७३/४०
भ. ४/४ उ. ३६/१४ या. बुधोदयः शक्र. ७/१३ कमला ११ सर्वेषाम्.
मार्गीबुधः ८/२६ रा. २/२८।२०/५४ ग. १७/३९
भ. ५०/४४ उ.
भ. २२/४२ या. पूफायांह्रि. शनिः ९।१८ ग. ६।४९

→ गोचरग्रहाः ←

गु.५श. ३ बु. २
६ र. ४ शु.
मं.७रा.चं. १ के.
८ १० १२
९ ११

अ. १७ प्र. श्रा. शु. ८ मृ. इ. ०।० ग. १००

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
३	६	२	४	३	४	६	०
६	१२	२९	०	१३	१५	१८	१८
५७	५०	२९	५०	५९	५८	१५	१५
५८	४४	४	७	५२	३६	३७	३७
५७	३०	१८/५२	१२	७३	५	३	३
२	१६	+	३६	२६	४६	११	११

→ मासफलम् ←

इस महिनेमें चांवल गेहूं चवला उडद मूंग अलसी तिल तैल जीरा धनिया रांगा शीशा सोना चांदी लाल वस्तु चौपाया तेजभाव रहैगा और जो मसूर मटर मका ज्वार चवला लहसन राबा सरसू गुड शकर रूई कपास कपडा चोपाया हुंडीनोटका भाव मंदा रहैगा.

अ. १८ प्र. श्रा. शु. १५ भृ. इ. ०।० ग. १०७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
३	६	२	४	३	४	६	०
१३	१६	२९	२	२२	१६	१७	१७
३७	२२	११	२८	३५	३८	५३	५३
३६	३६	२१	१२	६	५८	२१	२१
५७	३०	१७/३२	१२	७३	५	३	३
१०	१६	मा.	३६	४०	४६	११	११

→ गोचरग्रहाः ←

गु.५श. ४ ३ बु. २
६ र. शु.
मं. ७ रा. १ के.
८ १० चं. १२
९ ११

कुंडल्युपरि तिथिज्ञानम् ॥ यत्र भानुः स्थितस्तत्र सार्द्धं द्वे तिथि गण्यते । चंद्रो यावत्समाख्यातं तिथिज्ञानं मनीषिभिः ॥ १ ॥
अर्थः—जिस स्थानमें सूर्य हो उस स्थानसे चंद्रतक स्थानसंख्या गिणो तिनको ढाई गुणाकरनेसे तिथि लब्ध होती है.

योगाः	ति.	द्वि.	श्रा.कृष्णपक्षः सं.१९७७ शाकः १८४२											दि.	र.उ.	र.अ.	हिं.	इं.	मु.	चन्द्रः	प्रा.र.स्प	गति
स्थिर.	१	श	५७	४०	ध	३७	५१	आ	४४	१६	वा	२६	१०	३३/१४	५।२१	६।३९	१७	३१	१४	मकर.	[illegible]	[illegible]
मातंग.	२	र	५९	२९	ध	४१	३४	सौ	४३	२९	तै	२८	३४	१०	५।२२	६।३८	१८	१	१५	कुं. ९/४२	[illegible]	[illegible]
अमृत.	३	चं	६०	०	श	४४	३	शो	४१	४२	व	२९	४५	७	५।२३	६।३७	१९	२	१६	कुंभ.	[illegible]	[illegible]
ग. च.	३	मं	०	१	पू	४५	१६	अ	३८	५४	वि	०	१	४	५।२३	६।३७	२०	३	१७	मी. २९/५८	[illegible]	[illegible]
क्षय.	४	मं	५९	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	० ०	०	०	०	० ०	० ०	०
लुंबक.	५	बु	५७	१५	उ	४५	१६	सु	३५	७	कौ	२८	१५	१	५।२४	६।३६	२१	४	१८	मीन.	[illegible]	[illegible]
मित्र.	६	गु	५४	११	रे	४४	१०	धृ	३०	२३	ग	२५	४३	३२/५८	५।२५	६।३५	२२	५	१९	मे. ४४/१०	[illegible]	[illegible]
वज्र.	७	शु	५०	७	अ	४२	५	शू	२४	५१	वि	२२	९	५५	५।२५	६।३५	२३	६	२०	मेष.	[illegible]	[illegible]
ध्वांक्ष.	८	श	४५	१६	भ	३९	१३	गं	१८	३६	बा	१७	४१	५३	५।२६	६।३४	२४	७	२१	वृ. ५३/२१	[illegible]	[illegible]
धूम्र.	९	र	३९	४८	कृ	३५	४४	वृ	११	४८	तै	१२	३२	५१	५।२६	६।३४	२५	८	२२	वृषभ.	[illegible]	[illegible]
प्रवर्ध.	१०	चं	३३	५३	रो	३१	५१	ध्रु	४/३५	व्या ५७/५	व	६/५०		४८	५।२७	६।३३	२६	९	२३	मि. ५९/४७	[illegible]	[illegible]
ए. व्र.	११	मं	२७	४५	मृ	२७	४४	ह	४९	२४	व	२७	४५	४४	५।२७	६।३३	२७	१०	२४	मिथुन.	[illegible]	[illegible]
प्रदोष.	१२	बु	२१	३९	आ	२३	३४	व	४१	४९	तै	२१	३९	४१	५।२८	६।३२	२८	११	२५	मिथुन.	[illegible]	[illegible]
सिद्धि.	१३	गु	१५	४१	पु	१९	३८	सि	३४	२५	व	१५	४१	३८	५।२९	६।३१	२९	१२	२६	क. ५/३७	[illegible]	[illegible]
उत्पात.	१४	शु	१०	४	पु	१६	४	व्य	२७	२१	श	१०	४	३५	५।२९	६।३१	३०	१३	२७	कर्क.	[illegible]	[illegible]
अमा.	३०	श	४	५९	आ	१३	४	व	२०	४८	ना	४	५९	३२/३२	५।३०	६।३०	३१	१४	२८	सिं. १३/४	[illegible]	[illegible]

गणः १०८ अहर्गणः २६९३३४ वर्षाऋतुः दक्षिणे रविः (अ.श्रा.कृ.)

आगष्टमा. ८ इं. ता. ३१. कर्केबुधः ४५/२ ग. ४६/४ [व. श्रेष्ठ.
सार्पेरविः ११/१९ सितोदयः पश्चिमे ७/२१ म. २९/४५ उ. सं.स्त्री.स्त्री.चं.सू.वा. महिष
म. ०/१ या. मघायांह्रि. गुरुः ५३/२० ग. १३/०



भद्रा ५४।११ उ. सिंहेसितः २।१५ ग. ७३।५४
म. २२/० या. विशाखायांमंगलः १०।१९ ग. ३४/२८ पुष्येबुधः ५/२९ ग. ७५/२१



गुर्वस्तः पश्चिमे ५५/४
म. ६।५० उ. ३३।५३ या.
कमला ११ सर्वेषाम्.



म. १५।४१ उ. ४२।५२ या.

पुरुषोत्तममासः समाप्तः

→ गोचरग्रहाः ←



अ.१९ द्वि.श्रा.कृ.८ श.इ०।० ग.११५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
३	६	३	४	४	४	६	०
२१	२०	४	४	२	१७	१७	१७
१५	२८	२८	०	२५	३३	२७	२७
३१	३२	२८	२७	२	२८	५५	५५
५७	३४	७५	१३	७३	६	३	३
२०	२८	२१	०	५४	४९	११	११

→ मासफलम्. ←

इस महीनेमें गेहूं चावल बाजरी मोठ सिंघाडा नारियल मिरची रुई कपास तिल तेल गुड शक्कर लहसन राबा सरसूं अफीम सण दाणा अलसी जीरा धनिया यह तेजभाव रहेगा। और जो चणा मसूर मटर उडद मूंग तूअर ज्वार मक्का सोना चांदी हुंडी नोटका भाव मंदा रहेगा।

अ.२० द्वि.श्रा.कृ.३० श.इ०।० ग.१२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
३	६	३	४	४	४	६	०
२७	२४	१३	५	११	१८	१७	१७
५७	२९	१५	३१	२	२१	५	५
१८	४८	५५	२७	२०	११	३९	३९
५७	३४	७५	१३	७३	६	३	३
२८	२८	२१	०	५४	४९	११	११

→ गोचरग्रहाः ←



कुंडल्यां योगपरिज्ञानम् ॥ भानुभंगणयेत्पुष्याच्छ्रवणा चान्द्रभं तथा चैकीकृत्वाक्रमाद्योगान्विष्कुंभादीन्वदेत् क्रमात् ॥ १ ॥

अर्थः—पुष्य नक्षत्रसे सूर्यके नक्षत्रतक गिनना और श्रवणसे दिनके नक्षत्रतक गिनना दोनोंको जोडके २७ का भाग देना [illegible] सो विष्कुंभादि योग जानना ॥

योगाः	ति.	ङि.	श्रावणशुक्लपक्षः सं.१९७७शाकः१८४२											दि.	र. उ.	र. अ.	हिं.	इं.	मु.	चन्द्रः	प्रा.र.स्प	गति
सिंजारा	१	र	०	३६	म	१०	४९	प	१४	५२	व	०	३६	३२/२९	५।३०	६।३०	३२	१५	२९	सिंह.	[illegible]	[illegible]
क्षयः	२	र	५७	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
छोटीती	३	चं	५४	४४	पू	९	३१	शि	९	४१	तै	२५	५७	२६	५।३१	६।२९	१	१६	१	क. २४/२७	[illegible]	[illegible]
अंगार.	४	मं	५३	२८	उ	९	१६	सि	५	२१	व	२४	६	२२	५।३२	६।२८	२	१७	२	कन्या.	[illegible]	[illegible]
नागपं.	५	बु	५३	३०	ह	१०	१५	सा	२/१	शु	५९/४०	च	२३/२९	१९	५।३२	६।२८	३	१८	३	तु. ४१/२१	[illegible]	[illegible]
चर.	६	शु	५४	४९	चि	१२	२८	शु	५८	२१	कौ	२४	९	१६	५।३३	६।२७	४	१९	४	तुला.	[illegible]	[illegible]
गद.	७	शु	५७	२२	स्वा	१५	५६	ब्र	५७	४९	ग	२६	५	१३	५।३४	६।२६	५	२०	५	तुला	[illegible]	[illegible]
शुभ.	८	श	६०	०	वि	२०	३२	ऐं	५८	१३	वि	२९	१०	१०	५।३४	६।२६	६	२१	६	वृ. ४/२३	[illegible]	[illegible]
मृत्यु.	८	र	०	५९	अ	२६	४	वै	५९	१४	व	०	५९	७	५।३५	६।२५	७	२२	७	वृश्चिक.	[illegible]	[illegible]
पद्म.	९	चं	५	२७	ज्ये	३२	१४	वि	६०	०	कौ	५	२७	३	५।३६	६।२४	८	२३	८	ध. ३२/१४	[illegible]	[illegible]
छत्र.	१०	मं	१०	२४	मू	३८	४१	प्री	०	३४	ग	१०	२४	३२/०	५।३६	६।२४	९	२४	९	धन.	[illegible]	[illegible]
ए.व्र.	११	बु	१५	२४	पू	४५	२	प्री	२	१०	वि	१५	२४	३१/५७	५।३७	६।२३	१०	२५	१०	धन	[illegible]	[illegible]
प्रदोष.	१२	गु	२०	९	उ	५०	५३	आ	३	३२	बा	२०	९	५४	५।३७	६।२२	११	२६	११	म. १/३०	[illegible]	[illegible]
धूम्र.	१३	शु	२४	१३	श्र	५५	५४	सौ	४	२६	तै	२४	१३	५१	५।३८	६।२२	१२	२७	१२	मकर.	[illegible]	[illegible]
प्रवर्ध.	१४	श	२७	२०	ध	५९	५३	शो	४	२९	व	२७	२०	४८	५।३९	६।२१	१३	२८	१३	कुं. २७/५३	[illegible]	[illegible]
श्रावणी.	१५	र	२९	१६	श	६०	०	अ	४	३	व	२९	१६	३१/४४	५।३९	६।२१	१४	२९	१४	कुंभ.	[illegible]	[illegible]

गणः १२३ अहर्गणः २६९३४९ वर्षाऋतुः दक्षिणे रविः

चंद्रद. पूफायांसितः ५१।४५ ग. ७४।२
[४२/२६ ग. ९६/० सं. स्त्री. स्त्री. मू. चं. वा.जंबूक व. सम.
सिंहेऽर्कः ९/८ सू. ३० मु. बंगलाभाद्रपद जिल्हैजमा. १२ मु. सार्प्पेबुधः
म. २४।६ उ. ५३।२८ या.
नाग. ५ देशाचारे.
मघायांतृ. गुरुः १६।२१ ग. १२।३९ कल्किजयंती.
शन्यस्तः ३०।५ म. ५७।२२ उ.
म. २९।१० या. बुधास्तः प्राक् ११।१२
स्वात्यांतृ. राहुः भरण्यां प्र. के. ४।२४
कन्यायांभानुः ०/३४ वृश्चिकेमंगलः ३४/४५ ग. ३५/१६
म. ४२।५४ उ.
म. १५/२४ या. सिंहेबुधः २/२६ ग. १०४/११ पुत्रदा ११ सर्वेषाम्.
उफायांसितः ४०/२ ग. ७४/१५ पवित्रारो. दधिभ. व्रतम्.
[यजुःश्रावणी. रक्षाबंधनम्. सं.स्त्री.पु.मू.मू.वा.चातक व. श्रेष्ठः
म. २७/२० उ. ५८/१८ या. पूफायांतृ. शनिः २८/३ ग. ७/८
पूफायांरविः ५९/४५ अनु. मंगलः १४/५२ ग. ३६/२२ कन्यायांसितः २१/३८ ग. ५४/१९

गोचरग्रहाः

६ ५ ४ बु.
रा. मं. ७ चं.
र. गु. शु. श.
३
८ २
९ ११ १के.
१० १२

अ.२१द्वि-श्रा.शु.८श.इ.०।०ग.१२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
४	६	३	४	४	४	६	०
४	२८	२३	७	१९	१९	१६	१६
४०	३१	३२	१	४०	८	४३	४३
९	४	६	५१	२१	५४	२३	२३
५७	३४	९६	१२	७४	६	३	३
३८	२८	०	३९	२	४९	११	११

सिंहसंक्रांतिफलम्

द्वि. श्रावण शुक्ल ३ चंद्रेसिंहेऽर्कः प्र. वा. ५ न. ५ वा. ना. ध्वांक्षी वैश्यसु. न. ना. घोराशूद्रसु. पूर्वाह्णवा. राक्षांहंति ऊ. ग. इ. दृ. तैतल. क. सू. ने. फ. वा. गर्दभ. ऊ. वा. मीढासुभीक्षफ. श्वेतव. दंडायु. कांस्यपा. पक्वान्नभ. सूतिकाले. पक्षीजा. केवडायु. प्रवालभू. भूर्जपत्रकं युवाऽव. सू. मु. ३० घा. भा. मं. घा. क. सरसमं. शु. ऊ. प. व. द. रा. पूर्वे. मूलस्वर्गे.

अ.२२द्वि-श्रा.शु.१५र.इ.०।०ग.१३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
४	७	४	४	४	४	६	०
१२	३	६	८	२९	२०	१६	१६
२२	११	५२	४५	३३	३	१७	१७
२६	१६	२७	३	१४	४८	५७	५७
५७	३५	१०४	१२	७४	७	३	३
५२	१६	११	३९	१५	८	११	११

गोचरग्रहाः

६ ५ ४
७रा.
र. बु. गु. शु. श.
३
८ मं. २
९ चं. ११ १के.
१० १२

कुंडल्यां दिवारात्रिजन्मज्ञानम् ॥ सूर्यक्ष लग्न यदिषड्गृहान्तरे भवेत्तदा जन्म दिवा वदेद्बुधः । स्वात्सप्तमे यस्यच तस्य सायं तदन्यथावदेजनने निशायाम् ॥ १ ॥ अर्थः-कुंडलीमें सूर्यसे छः घरतक लग्न होवेतो दिनका जन्म कहना और सातमे सामका और १२ घरतक रातका जन्म कहना.

र.मा. | ति. | वा. | घ. प. | न. | ... चं. रा. प्र. स. उ. सू. अ. औ. स्पष्ट सूर्यः गतिः | श्री शुभ संवत् २०२८ शके १८९३ भाद्रपद कृष्णपक्षः। याम्याय-

योगाः	ति	भाद्रपदकृष्णपक्षः सं. १९७७ शाकः १८४२												दि.	र. उ.	र. अ.	हिं.	इं.	मु.	चन्द्रः	प्रा.र.स्प	गति
अमृत.	१	चं	२९	५५	श	२	३८	सु	३४/२६	५९/४९	कौ	२९	५५	३१/४०	५।४०	६।२०	१५	३०	१५	मी. ४८/४५	[illegible]	[illegible]
काण.	२	मं	२९	१७	पू	४	८	शू	५६	११	ग	२९	१७	३६	५।४१	६।१९	१६	३१	१६	मीन.	[illegible]	[illegible]
ग. च.	३	बु	२७	२७	उ	४	२५	गं	५१	३८	वि	२७	२७	३२	५।४२	६।१८	१७	१	१७	मीन.	[illegible]	[illegible]
मित्र.	४	गु	२४	२९	रे	३	३३	वृ	४६	१३	वा	२४	२९	२८	५।४२	६।१८	१८	२	१८	मे. ३/३३	[illegible]	[illegible]
वज्र.	५	शु	२०	३१	अ	१४/४२	५९/०	ध्रु	४०	५	तै	२०	३१	२४	५।४३	६।१७	१९	३	१९	मेष.	[illegible]	[illegible]
ध्वज.	६	श	१५	४६	कृ	५५	३८	व्या	३३	२२	व	१५	४६	२०	५।४४	६।१६	२०	४	२०	वृ. १२/५४	[illegible]	[illegible]
प्रजाप.	७	र	१०	२४	रो	५१	५०	ह	२६	११	व	१०	२४	१६	५।४५	६।१५	२१	५	२१	वृषभ.	[illegible]	[illegible]
जन्माष्ट.	८	चं	४	३५	मृ	४७	५५	व	१८	४२	कौ	४	३५	१२	५।४६	६।१४	२२	६	२२	मि. १९/५२	[illegible]	[illegible]
क्षय.	९	चं	५८	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
चर.	१०	मं	५२	२४	आ	४३	३६	सि	११	४	व	२५	२७	८	५।४६	६।१४	२३	७	२३	मिथुन.	[illegible]	[illegible]
ए. अ.	११	बु	४६	७	पु	३९	३५	व्य	३४/२५	५५/५२	व	१९	१५	४	५।४७	६।१३	२४	८	२४	क. ३५/३५	[illegible]	[illegible]
ए. म.	१२	गु	४०	३४	पु	३५	५४	प	४८	४२	कौ	१३	२०	३१/०	५।४८	६।१२	२५	९	२५	कर्क.	[illegible]	[illegible]
प्रदोष.	१३	शु	३५	३२	आ	३२	४५	शि	४२	०	ग	८	३	३०/५६	५।४९	६।११	२६	१०	२६	सिं. ३२/४५	[illegible]	[illegible]
पद्म.	१४	श	३१	१२	म	३०	१९	सि	३५	५१	वि	३	२२	५२	५।४९	६।११	२७	११	२७	सिंह.	[illegible]	[illegible]
अमा.	३०	र	२७	४६	पू	२८	४६	सा	३०	२९	ना	२७	४६	३०/४८	५।५०	६।१०	२८	१२	२८	क. ४३/३८	[illegible]	[illegible]

गणः १३८ अहर्गणः २६९३६४ वर्षाऋतुः दक्षिणेरविः (अ.श्रा.कृ)

स. ५८।२२ उ.

म. २/२७ या. सप्टेंबर मा. ९ इं. ता. ३० पूफायांबुधः ४/९ ३ ग. १०/३६ ६ कज्जली ३

चंद्रः ६

म. १५/४६ उ. ४३/५ या. मघायांचगुरुः ४/५ ग. १२/३३

कृष्णज. स्मार्तानाम् अगस्त्युदयः १८/५४

हस्तेसितः २६/२ ग. ७४/१२ कृष्णज. भाग.*

[* निम्बा मन्वादि.

म. २५/२७ उ. ५२/२४ या. गुरोरुदयः प्राक् ५८/९

अजा ११ स्मार्तानाम् [गोवत्सपू.

उमायांबुधः १३/२३ ग. १०७/८ अजा ११ भाग. निम्बा.

म. ३५।३२ उ.

म. ३/२२ या. कन्यायां बुधः ५/२३ ग. १०६/४४

उफायांरविः ४४/५९ कुशग्रहणम् सं. स्त्री. स्त्री. सू. सू. वा. अश्व व. मध्यमः

→※ गोचरग्रहाः ※←

६ शु. श. | ४
७रा. | र. ५ बु. | ३
गु.
८ मं. | २ चं.
९ | ११ | १के.
१० | १२

अ. २३ मा. कृ. ८ चं. इ०।० ग. १४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
४	७	४	४	५	४	६	०
२०	८	२०	१०	९	२१	१५	१५
६	२	५६	२४	२७	०	५२	५२
३८	४९	२०	१४	४५	५२	३१	३१
५८	३६	१०६	१२	७४	७	३	३
८	२९	३६	३३	१९	८	११	११

→※ मासफलम्. ※←

इस महीनेमें जो चणा मसूर मटर कांगणी मक्का मोट उड़द मूंग मजीठ नारियल तिल तेल दाणा अलसी सरसूं राता लोह शीसा रांगा मोती मूंगा का भाव तेज रहैगा। और चावल गेहूं सूत रुई कपास बिनोला हलदी धनिया शक्कर गुड सोना चांदी मिरची घृत हुंडी नोटका भाव मंदा रहैगा।

अ. २४ मा. कृ. ३० र. इ०।० ग. १५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
४	७	५	४	५	४	६	०
२५	११	१	११	१६	२१	१५	१५
५६	४१	३७	३९	५३	४३	३३	३३
१७	४३	९	३२	१	४०	२६	२६
५८	३९	१०६	१२	७४	७	३	३
२२	२९	४४	३३	१२	८	११	११

→※ गोचरग्रहाः ※←

बु ६ शु. | ४
७रा. | र. गु. ५ श. चं. | ३
८ मं. | २
९ | ११ | १के.
१० | १२

स्त्रीपुरुषयोर्मध्ये कस्य जन्मपत्रमिति ज्ञानम्—विहाय लग्नं विषमर्क्षसंस्थः सौरोपि पुंजन्मकरो विलग्नात्। प्रोक्तग्रहाणामवलोक्य वीर्यं [illegible] प्रकृतिः पुरुषोंगना वा ॥ १॥ अर्थ—जन्मकुंडलीमें लग्नको छोड़ विषमस्थानमें शनि बैठा होवे और पुरुषग्रह बलाढ्य होवे तो पुरुषकी [illegible] इससे विपरीत होवे तो स्त्रीकी कुंडली कहना

योगाः	ति.	भाद्रपदशुक्लपक्षः सं. १९७७ शाकः १८४२												दि.	र. उ.	र. अ.	हिं.	इं.	मु.	चन्द्रः	प्रा.र.स्प	गति
श्रीवत्स.	१	चं	२५	२२	उ	२८	१६	शु	२५	५६	व	२५	२२	३०/४०	५।५१	६।९	२९	१३	२९	कन्या.	[illegible]	[illegible]
सौम्य.	२	मं	२४	९	ह	२८	५७	शु	२२	२९	कौ	२४	९	४०	५।५२	६।८	३०	१४	१	तु. ५९/५५	[illegible]	[illegible]
हरिता.	३	बु	२४	१४	चि	३०	५४	ब्र	१९	१४	ग	२४	१४	३६	५।५३	६।७	३१	१५	२	तुला.	[illegible]	[illegible]
ग. ज.	४	गु	२५	३५	स्वा	३४	४	ऐं	१७	३३	वि	२५	३५	३२	५।५४	६।६	१	१६	३	तुला.	[illegible]	[illegible]
ऋषिपं.	५	शु	२८	११	वि	३८	२४	वै	१६	५२	वा	२८	११	२८	५।५४	६।६	२	१७	४	वृ. २२/१९	[illegible]	[illegible]
अमृत.	६	श	३१	५१	अ	४३	४६	वि	१७	१	कौ	०	१	२४	५।५५	६।५	३	१८	५	वृश्चिक.	[illegible]	[illegible]
रवि.स.	७	र	३६	२२	ज्ये	४९	४९	प्री	१७	५०	ग	४	७	२०	५।५६	६।४	४	१९	६	ध. ४९/४९	[illegible]	[illegible]
राधाष्ट.	८	चं	४१	२४	मू	५६	१२	आ	१९	७	वि	८	५३	१६	५।५७	६।३	५	२०	७	धन.	[illegible]	[illegible]
मित्र.	९	मं	४६	२९	पू	६०	०	सौ	२०	३५	वा	१३	५६	१२	५।५८	६।२	६	२१	८	धन.	[illegible]	[illegible]
श्रीवत्स.	१०	बु	५१	२०	पू	२	३८	शो	२१	५६	तै	१८	५५	८	५।५८	६।२	७	२२	९	म. १९/८	[illegible]	[illegible]
ए. ब्र.	११	गु	५५	३१	उ	८	३८	अ	२२	५३	व	२३	२५	४	५।५९	६।१	८	२३	१०	मकर.	[illegible]	[illegible]
ए. ब्र.	१२	शु	५८	४५	श्र	१३	५२	सु	२३	१३	व	२७	८	३०/०	६।०	६।०	९	२४	११	कुं. ४५/५९	[illegible]	[illegible]
प्रदोष	१३	श	६०	०	ध	१८	६	धृ	२२	४३	कौ	२९	४६	२९/५६	६।१	५।५९	१०	२५	१२	कुंभ.	[illegible]	[illegible]
राक्षस.	१३	र	०	४८	श	२१	६	शू	२१	१७	तै	०	४८	५२	६।२	५।५८	११	२६	१३	कुंभ.	[illegible]	[illegible]
मुसल.	१४	चं	१	३६	पू	२३	४	गं	१८	५२	व	१	२६	४८	६।३	५।५८	१२	२७	१४	मी. ७/३७	[illegible]	[illegible]
प्रौ. पू.	१५	मं	१	५	उ	२३	३८	वृ	१५	२५	व	१	५	२९/४४	६।३	५।५७	१३	२८	१५	मीन.	[illegible]	[illegible]

गणः १५२ अहर्गणः २६९३७८ वर्षाऋतुः दक्षिणे रविः



चंद्रद. [* ४२/२ ग. १०३/४८ गणेशज. म. २५/३५ या.

मोहोरम मा. १ मु. सन १३३९ हि.

म. ५४/५४ उ. हरितालिकाव्रतम्. मन्वादि

कन्याऽर्कः १०/१० वै. १५ मु. बंगलाआश्विन हस्तेबुधः*

चित्रायांसितः १२/५४ ग. ७४/९२ ऋषि ५ व्रतम्.

म. ३६।२२ उ.

म. ८/५३ या. ज्येष्ठायां मंगलः १०/२२ ग. ४०/३४ पूफायांप्र. गुरुः ०/५ ग. १२/१

तुलायां भानुः तुलायां सितः ३६।२० ग. ७४।८

ग. २३/२५ उ. ५५/३१ या. पद्मा ११ स्मार्तानाम्.

चित्रायांबुधः २४/३२ ग. ९९/५९ शन्युदयः ५०/१४ पद्मा ११ भाग. निम्बा.†

पूफायांच शनिः २६।३६ ग. ६।२० [† वामनज. हरिता. ना.

हस्तेरविः २३।२१ सं. स्त्री. पु. सू. चं. वा. मेष. व. श्रेष्ठः

म. १/३६ उ. ३१/२० या. बुधोदयः पश्चिमे ५८।१२ अनन्त १४ व्रतम्.

तुलायांबुधः २५/२ ग. ९६/४ स्वात्यांसितः ०/२ ग. ७४/५ प्रौष्ठपदी.

→ गोचरग्रहाः ←

७रा. | गु. ५श.
८ मं. | र. ६ बु. शु. | ४
९ चं. | ३
१० | १२ | २
११ | १के.

अ. २५ भा. शु. ८ चं. इ०।० ग. १५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
५	७	५	४	५	४	६	०
३	१६	१५	१३	२६	२२	१५	१५
४४	३३	४२	१९	४६	४०	८	८
५४	३५	१९	५८	३७	४४	०	०
५८	३६	१०३	१२	७४	७	३	३
३९	२९	४८	३३	१२	८	११	११

→ कन्यासंक्रांतिफलम् ←

भाद्रपद शुक्ला ४ गुरौ कन्याऽर्कः प्र. वा. ४
न. ५ वा. नाम नंदा ग. द्वि. शु. न. ना. महोदरी
चोरान्सौ. मध्यान्हेस. व्या. द्विजान्ह. पूर्वेग. अ.
दृ. विधिक. वै. म. फ. वा. अश्व उ. वा. सिंह
स्थैर्यफ. पूब्रव. कुंतआ. पत्रवा. चित्राम्बन. जवा-
दिले. विप्रजा. दूर्वापु. गुंजाभू. नीलकं. वृद्धाऽ
वस्था. वै. मु. १५ धा. भा. तेज धा. क. ते.
रसलम शु. उ. प. व. पू. रा. उ. मू. ल.

अ. २६ भा. शु. १५ मं. इ०।० ग. १६७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
५	७	५	४	६	४	६	०
११	२१	२९	१४	६	२३	१४	१४
३४	५७	१८	५६	३९	३६	३२	३२
५१	३१	१७	६	५८	१२	३३	३३
५९	४०	९९	१२	७४	६	३	३
०	३४	५९	१	८	२०	११	११

→ गोचरग्रहाः ←

रा. ७ शु. | गु. ५ श.
८ मं. | बु. ६ र. | ४
९ | ३
१० | १२ चं. | २
११ | १ के.

जन्मसमयाद्दिवाद्दवर्षशानम् ॥ शुक्राचंद्रात्सप्तमे यद्गृहं तत्संख्यातुल्ये वत्सरेऽर्के युते वा ॥ स्यादुद्वाहो वत्सरे तद्दशान्ते वंशो रूपं तत्पतेश्चिन्तनीयम् ॥ १ ॥ अन्यच्च ॥ सितात्त्रिकोणराशिगे गुरुर्भवेद्धि गोचरे । श्चयग्रहस्तदा भवेद्विचार्य बुद्धिमान् वदेत् ॥ २ ॥

योगाः	ति.	आश्विनकृष्णपक्षः सं. १९७७ शाकः १८४२												दि.	र. उ.	र. अ.	हिं.	इं.	मु.	चन्द्रः		प्रा.र.स्प	गति
क्षय.	१	मं	५९	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
उत्पात.	२	बु	५६	२८	रे	२३	१	ध्रु	११	२	तै	२७	५४	२१/४०	६।४	५।५६	१४	२९	१६	मे.	२३/१	[illegible]	[illegible]
मानस.	३	गु	५२	३७	अ	२१	२३	व्या	१/४५	ह	५९/४३	व	२४/३२	३६	६।५	५।५५	१५	३०	१७	मेष.		[illegible]	[illegible]
ग. च.	४	शु	४७	५७	म	१८	५१	व	५३	४	व	२०	१७	३२	६।६	५।५४	१६	१	१८	वृ.	३३/३	[illegible]	[illegible]
ध्वज.	५	श	४२	४०	कृ	१५	३८	सि	४५	५४	कौ	१५	१९	२८	६।६	५।५४	१७	२	१९	वृषभ.		[illegible]	[illegible]
प्रजाप.	६	र	३६	५७	रो	११	५५	व्य	३८	३५	ग	९	४८	२४	६।७	५।५३	१८	३	२०	मि.	३९/५४	[illegible]	[illegible]
आनंद.	७	चं	३०	५८	मृ	७	५३	व	३०	४५	वि	३	५७	२०	६।८	५।५२	१९	४	२१	मिथुन.		[illegible]	[illegible]
चर.	८	मं	२४	५६	आ	३/४३	पु	५९/३९	प	२३	१	कौ	२४/५६	१६	६।९	५।५१	२०	५	२२	क.	४५/४०	[illegible]	[illegible]
मातंग.	९	बु	१९	३	पु	५५	५४	शि	१५	२५	ग	१९	३	१२	६।१०	५।५०	२१	६	२३	कर्क.		[illegible]	[illegible]
अमृत.	१०	गु	१३	३०	आ	५२	३६	सि	८	५	वि	१३	३०	८	६।११	५।४९	२२	७	२४	सिं.	५२/३६	[illegible]	[illegible]
मु. स.	११	शु	८	१०	म	४९	५९	सा	१/१०	शु	५४/४८	वा	८/१०	४	६।११	५।४९	२३	८	२५	सिंह.		[illegible]	[illegible]
प्रदोष.	१२	श	३	५५	पू	४८	१२	शु	४९	८	तै	३	५५	२९/०	६।१२	५।४८	२४	९	२६	सिंह.		[illegible]	[illegible]
मित्र.	१३	र	०	३४	उ	४७	२७	व	४४	३	व	०	३४	२८/५६	६।१३	५।४७	२५	१०	२७	क.	३/१	[illegible]	[illegible]
क्षय.	१४	र	५८	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
सो.अ.	३०	चं	५७	७	ह	४७	५०	ऐं	४०	३	च	२७	४१	५२	६।१४	५।४६	२६	११	२८	कन्या.		[illegible]	[illegible]

गणः१६८ अहर्गणः२६९३९४ शरदृतुः दक्षिणेरविः(अ.मा.कृ.)



भद्रा. २४।३२ उ. ५२।३७ या.

अक्टोम्बर मा. १० इं. ता. ३१

स्वात्यांबुधः ३४।५१ ग. ८४।८

भ. ३६।५७ उ.

भ. ३।५७ या.

भ. ४६/१७ उ. पूफायांद्वि. गुरुः ३८/३२ ग. ११/३ सौभाग्यवतीनांश्राद्धम्.

भ. १३।३० या.

[* वा. खर व. श्रेष्ठः

विशाखायांसितः ४७/५१ ग. ७४/४ इंदिरा ११ सर्वेषाम् संन्यासिनांश्राद्धम्.

चित्रायांरविः ५४/१५ धनुषिमंगलः ५३/३५ ग. ४२/५५ सं. स्त्री. स्त्री. सू. सु. *

भ. ०।३४ उ. २९।२४ या. कलियुगादि. शस्त्रादिना हतस्य श्राद्धम्.

सर्वपितृ ३०

→ गोचरग्रहाः ←

बु.७शु.रा.		गु.५श.
८ मं.	६ र.	४
९		३ चं.
१०	१२	२
११		१के.

अ. २७ आ.कृ. ८ मं.इ.०।०ग.१७४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
५	७	६	४	६	४	६	०
१८	२६	१०	१६	१५	२४	१४	१४
२८	४१	३	२०	१८	२०	१०	१०
४६	२९	३२	१२	३३	३२	१७	१७
५९	४०	८४	१२	७४	६	३	३
१६	२४	८	१	५	२०	११	११

→ मासफलम् ←

इस महीनेमें चावल गेहूं ज्वार उडद तूवर कांगणी घृत शक्कर गुड नारियल रुई कपास कपडा विनौला सूत तृण काष्ठ अमीचंद लहसन जीरा सरसू रावा तेज भाव होगा और मक्का जो चणा मसूर मूंग बाजरी मोठ अफीम शण तिल तैल धनिया रेशमीवस्त्र ऊन सोना चांदी हुंडी नोटका भाव मंदा रहेगा.

अ. २८ आ.कृ. ३० चं. इ०।०ग. १८०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
५	८	६	४	६	४	६	०
२४	०	१८	१७	२२	२४	१३	१३
२५	४७	२८	२८	४३	५८	५१	५१
४	३१	२०	९	८	३२	१३	१३
५९	४२	८४	११	७४	६	३	३
३०	५५	८	३	४	२०	११	११

→ गोचरग्रहाः ←

७रा.बु.शु.		गु.५श.
८	र.६ चं.	४
९ मं.		३
१०	१२	२
११		१के.

मृतस्य जीवतोवा कुण्डलीयमिति ज्ञानम्—जन्माक्षरंप्रस्य प्रश्नकस्य युतिश्च निघ्नाष्टसनायमेन । लब्धशसंस्यक्षेविभक्तशेषेप्योजे मृतं-
श्रीमित्रजन्मपत्री ॥ २ ॥ अर्थ—जन्मकाक्षर रंगाह प्रश्नकाक्षर इनको जोड अष्टमेश बैठा हो उस राशिसे गुणाकरे लग्नेश बैठा हो उस राशिका भाग दे शेष ओजांक रहे तो जीतेकी समांक रहे तो मरेकी कुंडली कहना

योगाः	ति. १६	आश्विनशुक्लपक्षः सं.१९७७ शाकः १८४२												दि.	र. उ.	र. अ.	हिं.	ई.	मु.	चन्द्रः	प्रा.र.स्प	गति
ध्वांक्ष	१	सं	५७	१७	चि	४९	२९	वै	३७	३	किं	२७	१२	२८/४८	६।१४	५।४६	२७	१२	२९	तु. १८/३९	[illegible]	[illegible]
धूम्र.	२	बु	५८	४३	स्वा	५२	२३	वि	३५	२	वा	२८	०	४४	६।१५	५।४५	२८	१३	३०	तुला.	[illegible]	[illegible]
प्रवर्ध.	३	गु	६०	०	वि	५६	२९	प्री	३४	२	तै	३०	३	४०	६।१६	५।४४	२९	१४	१	वृ. ४०/२७	[illegible]	[illegible]
राक्षस.	३	शु	१	२४	अ	६०	०	आ	३३	५५	ग	१	२४	३६	६।१७	५।४३	३०	१५	२	वृश्चिक.	[illegible]	[illegible]
अमृत.	४	श	५	९	अ	१	३६	सौ	३४	३०	वि	५	९	३२	६।१८	५।४२	१	१६	३	वृश्चिक	[illegible]	[illegible]
काण.	५	र	९	५१	ज्ये	७	३०	शो	३५	३७	वा	९	५१	२८	६।१८	५।४२	२	१७	४	ध. ७/३०	[illegible]	[illegible]
लुंबक.	६	चं	१४	५८	मू	१३	५४	अ	३७	०	तै	१४	५८	२४	६।१९	५।४१	३	१८	५	धन.	[illegible]	[illegible]
मित्र.	७	मं	२०	८	पू	२०	१९	सु	३८	२०	व	२०	८	२०	६।२०	५।४०	४	१९	६	म. ३६/५१	[illegible]	[illegible]
दुर्गाष्ट.	८	बु	२५	३	उ	२६	२७	धृ	३९	२१	व	२५	३	१६	६।२१	५।३९	५	२०	७	मकर.	[illegible]	[illegible]
ध्वज.	९	गु	२९	१८	श्र	३१	५४	शू	३९	४९	कौ	२९	१८	१२	६।२१	५।३९	६	२१	८	मकर.	[illegible]	[illegible]
विजया.	१०	शु	३२	३७	ध	३६	२३	गं	३९	२९	तै	०	५७	८	६।२२	५।३८	७	२२	९	कुं. ४/९	[illegible]	[illegible]
ए. व्र.	११	श	३४	४३	श	३९	४७	वृ	३८	१५	व	३	४०	४	६।२३	५।३७	८	२३	१०	कुंभ.	[illegible]	[illegible]
चर.	१२	र	३५	३५	पू	४१	५१	ध्रु	३६	०	व	५	९	२८/०	६।२४	५।३६	९	२४	११	मी. ३६/२०	[illegible]	[illegible]
प्रदोष.	१३	चं	३५	७	उ	४२	४१	व्या	३२	४६	कौ	५	२१	२७/५७	६।२४	५।३६	१०	२५	१२	मीन.	[illegible]	[illegible]
शुभ.	१४	मं	३३	२६	रे	४२	१९	ह	२८	३४	ग	४	१७	५३	६।२५	५।३५	११	२६	१३	मे. ४२/१९	[illegible]	[illegible]
शरत्पू.	१५	बु	३०	३६	अ	४०	५३	व	२३	२८	वि	२	१	५०	६।२५	५।३५	१२	२७	१४	मेष.	[illegible]	[illegible]

गणः १८१ अहर्गणः २६९४०७ शरदृतुः दक्षिणे रविः

विशाखायांबुधः ५/१६ ग. ५३/२४ मातामहश्राद्धम्. घटस्था. नवरात्रप्रा.
चंद्रद.
सफर मा. २ सु.
स. ३३।१६ उ.
स. ५/१ या. तुलार्कः ३७/१० वै. १५ मु. बंगला कार्तिक. वृश्चिकेसितः ५३/५१ ग. ७३/३८

सरस्वत्यावाहनम्.
स. २०/८ उ. ५२/३५ या. अनु. सितः ३६/४८ ग. ७३/४१ सरस्वतीपू.
सरस्वतीबलिदानम्. दुर्गा ८
सरस्वतीविसर्जनम् मन्वादि. [पाशांकुशा ११ सर्वेषाम्.
विजया १० बौद्धजयंती. [* स्वात्यांद्वि. राहुःआश्विन्यांचकेतुः ५१/७१ +
स. ३/४० उ. ३४/४३ या. वृश्चिकेभानुः १२/९ स्वात्यांरविः १८/१८ वृश्चिकेबुधः ३९/२२ ग १४/१५ *
पूफायांतु. गुरुः ४२।५७ ग. ८।५४
[व्रतम्.
स. ३३/२६ उ. उफायांप्र. शनिः ५८/५५ ग. ३/३० कोजागरी
स. २/१ या. शरत् १५ का. आ. प्रा. चन्द्रग्रहणम्.

→ गोचरग्रहाः ←

८ शु. | ६ | गु. | ५ श. | ९ मं. | रा. ७ बु. र. | १० चं. | ४ | ११ | १ के. | ३ | १२ | २

अ. २९ आ. शु ८ बु. इं०।० ग. १८९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
६	८	६	४	७	४	६	०
३	७	२७	१९	३	२५	१३	१३
२२	१३	२	७	४८	५५	२२	२२
१	४६	३१	३७	३०	३२	३६	३६
५९	४२	५३	११	७३	६	३	३
४९	५५	२४	३	४१	२०	११	११

→ तुलासंक्रांतिफलम्. ←

आश्विन शुक्ला ४ शनौतुलाऽर्कः प्र. वा. ३ न. ४ वा. ना. राक्षसी चांडालसौ. न. ना. राक्षसी चांडालसौ. रा. द्वि. वा. व्या. राक्षसान्हं. उ. ग. ई. दु. ववकरणे वै. म. फ. वा. सिंह उ. वा.गज भयफ. श्वेतव. भुशुंडीआ. सुवर्णपा. अन्नभ. कस्तूरीले. देवजा. पुन्नागपुष्प. पिरोजाभू. विचित्रकंचुकी बालऽव. वै. मु. १५ धा. भा. तेज धा. क. मं. रस तेज शु. उ.प. वत्स. पू.रा.उ.मूरु भू.

अ. ३० आ. शु. १५ बु. इं०।०ग. १९६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
६	८	७	४	७	४	६	०
१०	१२	०	२०	१२	२६	१३	१३
२१	१४	५२	२०	२४	४०	१०	१०
४०	११	२४	२०	१७	३	२१	२१
६०	४२	१४	८	७३	३	३	३
३	५५	१५	५४	४१	३७	११	११

→ गोचरग्रहाः ←

बु. ८ शु. | ६ | ९ मं. | रा. ७ र. | गु. ५ श | १० | ४ | ११ | के. १ चं. | ३ | १२ | २

अथ दंपत्योर्विनाशकयोगः ॥ चंद्राल्लग्नव्ययाष्टमे मदसुखे राहुः कुजार्कौ तथा कन्याश्चेद्वरनाशकृद्वरवधूहानिर्ध्रुवं जायते इति ॥ १ ॥
चंद्रमासे १।८।७।४।१२ इन स्थानोंमें राहु तथा मंगल तथा शनि यदि पुरुषकी कुंडलीमें होवे तो स्त्रीका और स्त्रीकी कुंडलीमें होवे तो पुरुषका नाश करे ऐसा क्रमसेभी देखना.

योगाः	ति.	कार्तिककृष्णपक्षः सं. १९७७ शाकः १८४२												दि.	र. उ.	र. अ.	दिं.	इं.	मु.	चन्द्रः	प्रा.र.स्प	गति
पद्म.	१	गु	२६	४८	भ	३८	३२	सि	१७	३४	कौ	२६	४८	३६/४७	६।२६	५।३४	१३	२८	१५	वृ. ५२/४६	[illegible]	[illegible]
छत्र.	२	शु	२२	१२	कृ	३५	२७	व्य	११	०	ग	२२	१२	४४	६।२७	५।३३	१४	२९	१६	वृषभ.	[illegible]	[illegible]
ग. च.	३	श	१६	५९	रो	३१	४९	व	३/५५	प ५६/२७	वि	१६/५९		४१	६।२८	५।३२	१५	३०	१७	मि. ५९/४९	[illegible]	[illegible]
सौम्य	४	र	११	२०	मृ	२७	४९	शि	४८	४४	वा	११	२०	३८	६।२९	५।३१	१६	३१	१८	मिथुन	[illegible]	[illegible]
कालदं.	५	चं	५	२६	आ	२२	३८	सि	४०	५७	तै	५	२६	३४	६।२९	५।३१	१७	१	१९	मिथुन.	[illegible]	[illegible]
क्षय.	६	चं	५९	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	० ०	०
स्थिर.	७	मं	५३	४०	पु	१९	३२	सा	२३	१४	वि	२६	३५	३१	६।३०	५।३०	१८	२	२०	क. ५/३३	[illegible]	[illegible]
मातंग.	८	बु	४८	१४	पु	१५	३९	शु	२५	४३	वा	२०	५७	२८	६।३०	५।३०	१९	३	२१	कर्क.	[illegible]	[illegible]
अमृत.	९	गु	४३	१८	आ	१२	१२	शु	१८	३७	तै	१५	४६	२५	६।३१	५।२९	२०	४	२२	सिं. १२/१२	[illegible]	[illegible]
काण.	१०	शु	३९	३	म	९	२५	ब्र	११	३९	व	११	१०	२२	६।३१	५।२९	२१	५	२३	सिंह.	[illegible]	[illegible]
धू. प्र.	११	श	३५	११	पू	७	२४	ऐं	५	४०	व	७	७	१९	६।३२	५।२८	२२	६	२४	क. २२/९	[illegible]	[illegible]
मित्र	१२	र	३३	१९	उ	६	२४	वै	०/२६	वि ५६/६	कौ	५/१५		१६	६।३३	५।२७	२३	७	२५	कन्या.	[illegible]	[illegible]
प्रद्योत.	१३	चं	३२	१७	ह	६	२९	प्री	५२	४३	ग	२	४८	१२	६।३३	५।२७	२४	८	२६	तु. ३७/९	[illegible]	[illegible]
स्तम्भ.	१४	मं	३२	३५	चि	७	४९	आ	५०	२१	वि	२	२६	९	६।३४	५।२६	२५	९	२७	तुला.	[illegible]	[illegible]
दीपाव.	३०	बु	३४	९	स्वा	१०	२४	सौ	४८	४९	च	३	२२	२७/६	६।३५	५।२५	२६	१०	२८	वृ. ५८/१५	[illegible]	[illegible]

गणः १९७ अहर्गणः २६९४२३ शरदृतुः दक्षिणेरविः (अ.आ.कृ.)

पूषायांमंगलः ३१।५० ग. ४३।० वक्रीबुधः २९/१२ रा. ७/१।१३/३७ ग. १५/२०
म. ४९।३५ उ.
म. १६।५९ या. ज्येष्ठायांसितः २७।४८ ग. ७३।४३
बुधास्तः पश्चिमे ३६।४२
म. ५९।३१ उ. नवेम्बर मा. ११ इं. ता. ३०



म. २६/३५ या. पुनः तुलायांबुधः १७/२ ग. ३१/२७
म. ११/१० उ. ३९/३ या. विशाखायांरविः ३५/५४
रमा ११ सर्वेषाम्.
गोवत्सपू. देशाचारे.
म. ३२।१७ उ. धन १३ यमदीपदानम्.
म. २।२६ या. नरक १४
धनुषिसितः १८/४९ ग. ७३/३० दीपोत्सवः लक्ष्मीपू. बहीपू. सायङ्काले.

→ गोचरग्रहाः ←



अ. ३१ का. कृ. ८ बु. इ०।० ग. २०३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
६	८	६	४	७	४	६	०
१७	१७	२९	२१	२१	२७	१२	१२
२३	१५	३७	२२	०	५	४८	४८
५	११	२९	३८	४३	२२	६	६
६०	४३	३१/२७	८	७३	३	३	३
१९	०	+	५४	४३	३७	११	११

→ मासफलम्. ←

इस महीनेमें चांवल मूंग तूअर ज्वार जौ चणा गुड शक्कर दाणा अलसी सूत कपास अफीम तिल तैल घृत ऊन रेशम वस्त्र सोना चांदी हुंडी नोटका भाव तेज होगा। और गेहूं मक्का उडद बाजरी मोठ सिंगाडा नारियल पिंड खिजूर छुहारे हलदी मिरची कपूर चतुष्पद तृण काष्ठ मंदे भाव होगा॥

अ. ३२ का. कृ. ३० बु. इ०।० ग. २१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
६	८	६	४	७	४	६	०
२४	२२	२५	२२	२९	२७	१२	१२
२६	१६	५७	२४	३६	३०	२५	२५
१०	११	२०	५६	४४	४१	५०	५०
६०	४३	३१/२७	८	७३	३	३	३
३२	०	+	५४	४३	३७	११	११

→ गोचरग्रहाः ←



स्त्रीपुंसोर्मध्येप्रथमंकस्यमरणंभविष्यतीतिज्ञानम्॥ नाम्नोमात्राकृतगुणा द्विगुणाक्षरसंयुताः। तष्टास्त्रिभिर्द्विशेषेस्त्री म्रियते खेकयोःपुमान्॥१॥

भाषा–स्त्रीपुरुषके नामकी मात्राको ४से गुणाकरे जो अक्षर होवे उनको द्विगुणाकर जोड़देवें फिर ३ का भाग देवे यदि २ शेष रहै तो प्रथम स्त्रीकी मृत्यु और १।० बाकी रहै तो प्रथम पुरुषकी मृत्यु जानना।

योगाः	ति.	कार्तिकशुक्लपक्षः सं. १९७७ शाकः १८४२												दि.	र. उ.	र.अ.	ह्रिं.	इं.	मु.	चन्द्रः	प्रा.र.स्प	गति
प्रवर्ध.	१	शु	३६	५७	वि	१४	१२	शो	४८	३२	किं	५	३३	२७/२	६।३५	५।२५	२७	११	२९	वृश्चिक.	[illegible]	[illegible]
राक्षस.	२	शु	४०	४९	अ	१९	६	अ	४८	५२	वा	८	५३	२६/५९	६।३६	५।२४	२८	१२	३०	वृश्चिक.	[illegible]	[illegible]
मुसल.	३	श	४५	३२	ज्ये	२४	५१	सु	४९	४७	तै	१३	१०	५६	६।३७	५।२३	२९	१३	१	ध. २४/५१	[illegible]	[illegible]
सिद्धि.	४	र	५०	४३	मू	३१	७	धृ	५१	३	व	१८	७	५३	६।३७	५।२३	३०	१४	२	धन.	[illegible]	[illegible]
सौ. प.	५	चं	५६	३	पू	३७	३४	शू	५२	१७	व	२३	२३	५०	६।३८	५।२२	१	१५	३	म. ५४/७	[illegible]	[illegible]
मानस.	६	मं	६०	०	उ	४३	४७	गं	५३	२२	कौ	२८	३२	४६	६।३९	५।२१	२	१६	४	मकर.	[illegible]	[illegible]
छत्र.	६	बु	१	१	श्र	४९	२४	वृ	५३	५८	तै	१	१	४३	६।३९	५।२१	३	१७	५	मकर.	[illegible]	[illegible]
श्रीवत्स.	७	गु	५	१६	ध	५४	६	ध्रु	५३	४९	व	५	१६	४०	६।४०	५।२०	४	१८	६	कुं. २१/४५	[illegible]	[illegible]
सौम्य.	८	शु	८	३६	श	५८	१	व्या	५२	४९	व	८	३६	३७	६।४०	५।२०	५	१९	७	कुंभ.	[illegible]	[illegible]
कालद.	९	श	१०	४६	पू	६०	०	ह	५०	५१	कौ	१०	४६	३४	६।४१	५।१९	६	२०	८	मी. ४४/४९	[illegible]	[illegible]
रविद.	१०	र	११	३५	पू	०	२५	व	४७	५१	ग	११	३५	३१	६।४२	५।१८	७	२१	९	मीन.	[illegible]	[illegible]
ए. ब्र.	११	चं	११	८	उ	१	३०	सि	४३	५२	वि	११	८	२८	६।४२	५।१८	८	२२	१०	मीन.	[illegible]	[illegible]
प्रदोष.	१२	मं	९	२६	रे	१	२५	व्य	३९	०	वा	९	२६	२५	६।४३	५।१७	९	२३	११	मे. १/२५	[illegible]	[illegible]
मृत्यु.	१३	बु	६	३७	अ	०/१३	स	५८/४	व	१६/३३	तै	६	३७	२३	६।४३	५।१७	१०	२४	१२	मेष.	[illegible]	[illegible]
लुंबक.	१४	गु	२	५१	कृ	५५	८	प	२६	५०	च	२	५१	२६/२२	६।४४	५।१६	११	२५	१३	वृ. १२/२०	[illegible]	[illegible]
क्षय.	१५	गु	५८	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०	०	० ०	० ०	०

गणः २१० अहर्गणः २६९४३७ शरदृतुः दक्षिणेरविः

गोवर्धनपू. बलिदानंच. सं. १९७७ व्यापारे.
चंद्रद. यम २
रविउलावल मास. ३ मु.
भ. १८।७ उ. ५०।४३ या.
वृश्चिकेऽर्कः ३०।२०वै.३० मु. बंगलामार्गे.
उषायांमंगलः ८/६ ग. ४३/५१ पूकायांच. गुरुः १०।४१ ग. ५।४८
बुधोदयः प्राक् ०।२९
भ. ५।१६ उ. ३९।५२ या. अनुः रविः ४७।५० कल्पादि.
मार्गीबुधः ३४।४२ रा. ६/२०।५५/५५ ग. ३२/१३ गोप ८
मकरेमंगलः ४१।४१ ग. ४५।२३ अक्षय ९ कृतयुगादि.
भ. ४१।२१ उ. पूषायां सितः ११।५२ ग. ७३।२५
भ. ११/८ या. प्रबोधिनी ११ सर्वेषाम् तुलसीवि. भीष्मपं. व्रतम्.
धनेभानुः १/१५ मन्वादि. हरिवा. १/२५ या.
वैकुंठ १४
भ. २/५१ उ. ३०/३४ या. त्रिपुरोत्सवः का. स्ना. स. पुष्करयात्रास. मन्वादि.

गोचरग्रहाः

मं.९शु. | बु.७रा. | १० | ८र. | ६ | ११चं. | गु.५श. | १२ | २ | ४ | १के. | ३

अ. ३३ का. शु. ८ श. इ०।० ग. २१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
७	८	६	४	८	४	६	०
३	२८	२१	२३	१०	२८	११	११
३२	४५	१४	३६	३८	३	५७	५७
२०	३८	१७	२२	२८	१४	१३	१३
६०	४२	३१/२७	५	७३	३	३	३
४८	५१	+	४८	३०	३७	११	११

वृश्चिकसंक्रांतिफलम्.

कार्तिक शुक्ला ५ चंद्रे वृश्चिकेऽर्कः प्र. वा. ३ न. २ घारनाम ध्वांक्षीवैश्यान्स्त्री. न. मा. घोरा शूद्रसु. रा.प्र.या.ध्वा. पिशाचान्हं. उ. ग. ई. दृ. बालव.क. वै.म.फ.वा. व्याघ्र उ. वा. अश्व भयफ. पीतव. गदाऽयु. रौप्यपा. पायसभ. कुंकुमले. भूतजा. जातीपु. कंकणभू. पर्यंक कुमारीऽव. वै. मु.२० धा. भा. सम धा. क. मंदा रस तेज. शु. उ. १. वरसद. राहुपू.मूलभूमौ.

अ. ३४ का. शु. १४ गु.इ०।०ग.२२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
७	९	६	४	८	४	६	०
९	३	२४	२४	१७	२८	११	११
३७	१५	१७	११	५९	२४	३८	३८
४२	२३	४१	१०	९	५६	८	८
६०	४५	३७/१३	५	७३	३	३	३
५७	२३	मा	४८	२५	२७	११	११

गोचरग्रहाः

९शु. | रा.७बु. | १० मं. | ८र. | ६ | ११ | गु.५श. | १२ | २ | ४ | के.१चं. | ३

अथ घनसंख्यायोगानाह ॥ सहस्रनाथो दिनपः प्रदिष्टो लक्षाधिपो रात्रिकरः सदैव। शताधिपो भूतनयस्तथैव कोटीश्वरश्चंद्रसुतः सदैव॥१॥
सर्वाधिराजः सुरराजमंत्री शुक्रोथ शंखं शनिरल्पतुल्यः। स्वतुंगगाः स्युर्यदि सर्व एते स्वयान्तराळे ह्यनुपाततः स्यात् ॥२॥ पादोने च बलं त्रिकोणगृहगे सार्धे दलं च त्रये [illegible] च चरणो [illegible] ॥

योगाः	ति.	मार्गशीर्षकृष्णपक्षः सं. १९७७ शाकः १८४२												दि.	र. उ.	र.अ.	हिं.	इं.	सु.	चन्द्रः	मा.र.स्प.	गति	गणः २२६ अहर्गणः २६९४५२ हेमन्तर्तुः दक्षिणेरविः (अ.का.कृ.)
मित्र.	१	शु	५३	२	रो	५१	३६	शि	१९	५०	वा	२५	३९	२६/२१	६।४४	५।१६	१२	२६	१४	वृषभ.	[illegible]	[illegible]	
वज्र.	२	श	४७	३	मृ	४७	४१	सि	१२	२४	तै	२०	२	१९	६।४४	५।१६	१३	२७	१५	मि. १९/३८	[illegible]	[illegible]	
ध्वांक्ष.	३	र	४१	३५	आ	४३	३२	सा	४/४२	शु	५६/५०	व	१४/१९	१७	६।४४	५।१६	१४	२८	१६	मिथुन.	[illegible]	[illegible]	म. १४।१९ उ. ४/३ १/५ या.
ग. च.	४	चं	३५	४२	पु	३९	२३	शु	४९	०	व	८	३८	१६	६।४५	५।१५	१५	२९	१७	क. २५/२५	[illegible]	[illegible]	
प्रवर्ध.	५	मं	३०	०	पु	२५	२६	ब्र	४१	१२	कौ	२	५१	१४	६।४५	५।१५	१६	३०	१८	कर्क.	[illegible]	[illegible]	
[illegible]	६	बु	२४	३८	आ	३१	५३	ऐं	३३	५०	च	२४	३८	१३	६।४५	५।१५	१७	१	१९	सिं. ३१/५३	[illegible]	[illegible]	म. २/३ ४/८ उ. ५/१ २/३ या. ज्येष्ठायांरविः ५/१ ५/३ डिसेम्बर मा. १२ इं. ता. ३१
मुद्गर.	७	गु	१९	४८	म	२८	५५	वै	२७	१०	च	१९	४८	१२	६।४६	५।१४	१८	२	२०	सिंह.	[illegible]	[illegible]	उषायांसितः ५।३४ ग. ७/५ २/३
सिद्धि.	८	शु	१५	४०	पू	२६	४३	वि	२०	४४	कौ	१५	४०	११	६।४६	५।१४	१९	३	२१	क. ४१/२४	[illegible]	[illegible]	श्रवणेमंगलः ५४।४८ ग. ४५।४७
उत्पात.	९	श	१२	३०	उ	२५	२७	प्री	१५	१२	ग	१२	३०	१०	६।४६	५।१४	२०	४	२२	कन्या.	[illegible]	[illegible]	म. ४/२ १/६ उ. वृश्चिकेबुधः १/५ २/५ ग. ७/१ २/७ मकरेसितः ५/२ ०/१ ग. ७/१ २/०
मानस.	१०	र	१०	२२	ह	२५	१६	आ	१०	३१	वि	१०	२२	८	६।४६	५।१४	२१	५	२३	तु. ५५/४७	[illegible]	[illegible]	म. १०।२२ या.
प. श.	११	चं	९	७	चि	२६	१८	सौ	६	४९	बा	९	७	७	६।४७	५।१३	२२	६	२४	तुल.	[illegible]	[illegible]	अनु. बुधः ५८।५६ ग. ८४।४९ उत्पत्तिः ११ सर्वेषाम्.
प्रदोष.	१२	मं	९	३१	स्वा	२८	३६	शो	४	४	तै	९	३१	५	६।४७	५।१३	२३	७	२५	तुल.	[illegible]	[illegible]	
प्रजाप.	१३	बु	११	१२	वि	३२	७	अ	२	१९	व	११	१२	४	६।४७	५।१३	२४	८	२६	वृ. १६/१४	[illegible]	[illegible]	म. ११।१२ उ. ४२।४४ या.
आनंद.	१४	गु	१४	६	अ	३६	४८	सु	१	३३	श	१४	६	३	६।४७	५।१३	२५	९	२७	वृश्चिक.	[illegible]	[illegible]	
अमा.	३०	शु	१८	५	ज्ये	४२	२१	धृ	१	२६	ना	१८	५	२६/१	६।४८	५।१२	२६	१०	२८	ध. ४२/२१	[illegible]	[illegible]	

→ गोचरग्रहाः ←

९ शु. | बु. ७ रा. | १० मं. | ८ र. | ६ | ११ | गु. ५ श. चं. | १२ | २ | ४ | १ के. | ३

अ. ३५ मा. कृ. ८ श. इ०।० ग. २३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
७	९	६	४	८	४	६	०
१७	९	२९	२४	२७	२८	११	११
४६	१८	१५	५७	४६	५३	१२	१२
५	२७	२५	३४	७	५२	४१	४१
६१	४५	३७	५	७२	३	३	३
७	२१	१३	४८	५३	३७	११	११

मासफलं.

इस महीनेमें गेहूं चावल जो चणा मसूर मटर गावा जीरा रुई कपास सूत कपडा विनोला कन रेशमीकपडा तिल तेल दाणा अलसी अफीम शुण मिरची लहसन धनिया काष्ठ तेज भाव होगा। और मक्का ज्वार मूंग मोठ बाजरी उडद तूअर सिंघाडा गुड शक्कर हलदी पिंड खिजूर मूंगफली चतुष्पद तथा तृण हुंडी नोटका भाव मंदा होगा।

अथ पंचमाधिपवशेन ग्रहाणांपुत्रपुत्रीसंख्याचाह॥

अ. ३६ मा. कृ. ३० सू. इ०।० ग. २४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
७	९	७	४	९	४	६	०
२४	१४	७	२५	६	२९	१०	१०
५४	३८	२५	३८	१२	१९	५०	५०
१८	४०	५८	१०	३८	११	२५	२५
६१	४५	८४	५	७२	३	३	३
१४	४७	४९	४८	१०	३७	११	११

→ गोचरग्रहाः ←

९ | ८ | ७ रा. | मं १० शु. | र. बु. चं. | ६ | ११ | गु. ५ श. | १२ | २ | ४ | १ के. | ३

पुत्रैकदिनमाथपंचमपतिः सद्वीर्य्यदृष्टिर्यदेत्पुत्राः पंचवदंति बुधगुरुणा भौमस्तृतीयंक्रमात। सौरे सप्तसुताइत्यादि॥१॥ अर्थः—जन्मलग्नसेपंचमस्था-

[illegible] १ [illegible] ५ [illegible] ३ पुत्रहोवे [illegible] चंद्र होवे तो दो कन्या होवे इसी प्रकार नवांशकमें देखे परंतु पंचमेश [illegible]

योगाः	ति.	मार्गशीर्षशुक्लपक्षः सं. १९७७ शाकः १८४२												दि.	र. उ.	र. अ.	हिं.	ई.	मु.	चन्द्रः	प्रा.र.स्प	गति
गद.	१	श	२२	५८	मू	४८	३३	शू	२	१९	व	२२	५८	२६/०	६।४८	५।१२	२७	११	२९	धन.	[illegible]	[illegible]
शुभ.	२	र	२८	१३	पू	५५	४	गं	३	२८	कौ	२८	१३	२५/५९	६।४८	५।१२	२८	१२	१	धन.	[illegible]	[illegible]
मृत्यु.	३	चं	३३	२८	उ	६०	०	वृ	४	४६	तै	०	५०	५८	६।४८	५।१२	२९	१३	२	म. ११/३८	[illegible]	[illegible]
अङ्गार.	४	मं	३८	२६	उ	१	२२	ध्रु	५	५५	व	५	५७	५७	६।४८	५।१२	३०	१४	३	मकर.	[illegible]	[illegible]
छत्र.	५	बु	४२	४०	श्र	७	९	व्या	६	३५	व	१०	३३	५५	६।४९	५।११	१	१५	४	कुं. ३९/३७	[illegible]	[illegible]
श्रीवत्स.	६	गु	४५	५७	ध	१२	५	ह	६	४१	कौ	१४	१८	५४	६।४९	५।११	२	१६	५	कुंभ.	[illegible]	[illegible]
सौम्य.	७	शु	४८	२	श	१५	५६	व	५	५७	ग	१६	५९	५२	६।५०	५।१०	३	१७	६	कुंभ.	[illegible]	[illegible]
कालदं.	८	श	४८	४९	पू	१८	३८	सि	४	१६	वि	१८	२५	५१	६।५०	५।१०	४	१८	७	मी. २/५७	[illegible]	[illegible]
स्थिर.	९	र	४८	२०	उ	२०	१	व्य	१/३४	व	५७/५४	चा	१८/३४	४९	६।५०	५।१०	५	१९	८	मीन.	[illegible]	[illegible]
मातंग.	१०	चं	४६	३५	रे	२०	१२	प	५३	१७	तै	१७	२७	४८	६।५१	५।९	६	२०	९	मे. ३०/१२	[illegible]	[illegible]
ए. ब्र.	११	मं	४३	४५	अ	१९	१५	शि	४७	४७	व	१५	१०	४६	६।५१	५।९	७	२१	१०	मेष.	[illegible]	[illegible]
ए. ब्र.	१२	बु	३९	५८	भ	१७	१९	सि	४१	३२	व	११	५१	४५	६।५१	५।९	८	२२	११	वृ. ३१/३७	[illegible]	[illegible]
प्रदोष.	१३	गु	३५	२१	कृ	१४	३०	सा	३४	४१	कौ	७	३९	४४	६।५१	५।९	९	२३	१२	वृषभ.	[illegible]	[illegible]
मित्र.	१४	शु	३०	११	रो	११	८	शु	२७	२०	ग	२	४६	४५	६।५१	५।९	१०	२४	१३	मि. ३९/१२	[illegible]	[illegible]
मा पू.	१५	श	२४	२९	मृ	७	१७	शु	१९	४०	व	२४	२९	२५/४६	६।५१	५।९	११	२५	१४	मिथुन.	[illegible]	[illegible]

गणः २४१ अहर्गणः २३९४६७ हेमन्तर्तुः दक्षिणे रविः

चन्द्रद.
रविउल्लाखरमा. ४ मु.
श्रवणेसितः ८।५६ ग. ७०।४४
म. ५।३७ उ. ३२/२६ या. धनुष्यर्कः ५९।२९ वै. ३० मु.
बंगलापौष. नाग ५ दक्षिणे.
ज्येष्ठायांबुधः २४।४७ ग. ९७।७ चंपा ६ स्कंद ६
म. ४८।२ उ.
म. १८।२५ या.
कल्पादि. [१/३ शनिः ६/६ ग. १/५ उत्तरेरविः मोक्षदा ११ स्नातानाम्
उफायांप्र. गुरुः ३७।४२ ग. ०।५८ [* २३/१० ग. ४५/५२ कन्यायां
म. १५/१० उ. ४३/४५ या. मकरेभानुः ३३/२३ धनिष्ठायांमंगलः *
बुधास्तः प्राक् ५१/२ मोक्षदा ११ भागव. निम्वा.
[† सितः २७/२९ ग. ७०/० पिशाचमोचनश्राद्धम्.
म. ३०/११ उ. ५७/२० या. धनुषिबुधः ३८/५९ ग. १०२/२२ धनिष्ठायां †
स्वात्यांप्र. राहुः अश्विन्यांतृ. केतुः ५१/१७ दत्तजयंती.

→ गोचरग्रहाः ←

शु. १०मं. | ८ बु. | ११ चं. | ९ र. | ७रा. | १२ | ६ | ५ गु. श. | १के. | ३ | २ | ४

अ. ३७ मा. शु. ८ श. ३०।० ग. २४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	क
८	९	७	४	९	४	६	०
३	२०	१९	२६	१५	२९	१०	१०
४	४४	१४	२८	४३	४८	२४	२४
४५	५६	७	३४	८	७	५९	५९
६१	४५	९७	५	७०	३	३	३
२०	४७	७	४८	४४	३७	११	११

→ धनसंक्रांतिफलम्. ←

मार्गशीर्ष शुक्ला ४ भौमे धनुष्यर्कः प्र. वा. २ नक्षत्रात् १ वार नाम महोदरी चोरान्सौ. न.ना. महोदरीचोरान्सौ. रा. च. वा. व्या. गोरक्षकान्हं. पश्चिमेग. वा. दृ. ववक. वै. म. फ. वा. सिंह उ. वा. यज भयफ. श्वेतव. सुशुंडीआ. सुवर्णपा. अन्नक्ष. कस्तूरीले. देवजा. पुन्नागपु. पिरोजाभू. विचित्रकं. बालाऽव. वै. मु. ३० धा. भा. तेज धा. क. सम रस सम शु. उ. प. वत्सद. रा. पू. मू. भू.

अ. ३८ मा. शु. १५ श. ३०।० ग. २५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
८	९	८	४	९	५	६	०
१०	२६	०	२६	२३	०	१०	१०
१४	५	३५	४४	५७	४	२	२
१९	४५	५१	१२	५६	११	४३	४३
६१	४५	१०२	०	७०	१	३	३
२१	५२	२२	५८	०	५	११	११

→ गोचरग्रहाः ←

म. १०शु. | ८ | ११ | बु. ९ र. | ७रा. | १२ | ६ श. | १के. | ३ चं. | ५गु. | २ | ४

अथकस्मिन्वयसिभाग्योदय इतिविचारः ॥ भाग्याधिपश्चेद्यदिकेंद्रसंस्थश्चाद्येवयस्येवसुखोदयःस्यादिति।

अर्थ—भाग्यका स्वामी केंद्रमें बैठाहो बलाढ्यहो तो बालावस्थामें भाग्योदय होवे और त्रिकोणमें वा उच्चका बैठा होवे तो युवाऽवस्थामें भाग्योदय होवे और स्वक्षेत्र वा मित्रक्षेत्रमें बैठा होवे तो वृद्धावस्थामें भाग्योदय होवे.

योगाः	ति.	पौषकृष्णपक्षः सं. १९७७ शाकः १८४२												दि.	र. उ.	र. अ.	हिं.	इं.	मु.	चन्द्रः		प्रा.र.स्प	गति
ध्वांक्ष.	१	र	१८	४२	आ	३पु १०	५९ ०	ब्र	११	३३	कौ	१८	४२	३५ ४८	६।५१	५।९	१२	२६	१५	क.	४५ २	[illegible]	[illegible]
प्रजाप.	२	चं	१२	५१	पु	५५	०	ऐं	३ ३८	वै	५५ ५७	ग	१२ ५१	४९	६।५०	५।१०	१३	२७	१६	कर्क.		[illegible]	[illegible]
ग. च.	३	मं	७	१२	आ	५१	२०	वि	४८	२९	वि	७	१२	५१	६।५०	५।१०	१४	२८	१७	सिं.	५१ २०	[illegible]	[illegible]
चर.	४	बु	१	५३	म	४८	१२	प्री	४१	२६	वा	१	५३	५३	६।५०	५।१०	१५	२९	१८	सिंह.		[illegible]	[illegible]
क्षय.	५	बु	५७	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०
गद.	६	गु	५३	१६	पू	४५	४८	आ	३४	५६	ग	२५	८	५५	६।४९	५।११	१६	३०	१९	सिंह.		[illegible]	[illegible]
शुभ.	७	शु	५०	१	उ	४४	१८	सौ	२९	७	वि	२१	३८	५७	६।४९	५।११	१७	३१	२०	क.	० २५	[illegible]	[illegible]
मृत्यु.	८	श	४८	१	ह	४३	५२	शो	२४	१०	वा	१९	१	५८	६।४८	५।१२	१८	१	२१	कन्या.		[illegible]	[illegible]
पद्म.	९	र	४७	१३	चि	४४	३६	अ	२०	७	तै	१७	३७	५९	६।४८	५।१२	१९	२	२२	तु.	१४ १४	[illegible]	[illegible]
छत्र.	१०	चं	४७	४३	स्वा	४६	३७	सु	१७	२	व	१७	२८	२६ ०	६।४८	५।१२	२०	३	२३	तुला.		[illegible]	[illegible]
प्र. व.	११	मं	४९	२८	वि	४९	५२	धृ	१४	५७	व	१८	३५	१	६।४८	५।१२	२१	४	२४	वृ.	३४ ३	[illegible]	[illegible]
प्र. व.	१२	बु	५२	३०	अ	५४	१६	शू	१३	५३	कौ	२०	५९	३	६।४८	५।१२	२२	५	२५	वृश्चिक.		[illegible]	[illegible]
प्रदोष.	१३	गु	५६	३४	ज्ये	५९	३९	गं	१३	४०	ग	२४	३२	४	६।४७	५।१३	२३	६	२६	ध.	५९ ३९	[illegible]	[illegible]
स्थिर.	१४	शु	६०	०	मू	६०	०	वृ	१४	१२	वि	२८	५९	५	६।४७	५।१३	२४	७	२७	धन.		[illegible]	[illegible]
गद.	१४	श	१	२४	मू	५	४३	ध्रु	१५	१२	श	१	२४	७	६।४७	५।१३	२५	८	२८	धन.		[illegible]	[illegible]
अमा.	३०	र	६	४०	पु	१२	१३	व्या	१६	२६	ना	६	४०	२६ ८	६।४७	५।१३	२६	९	२९	म.	२८ ४९	[illegible]	[illegible]

गणः२५६ अहर्गणः २६९४८२ हेमन्तर्तुः उत्तरेरविः(अ.मा.कृ.).

म. ४०।२ उ.
म. ७।१२ या. पूषायांरविः १।३२

[१० २२ ग. ६८ ४८
म. ५३ १६ उ. कुंभेमंगलः ६ २४ ग. ४६ ९ कुंभेसितः
म. २१।३८ या. [षाढ्यांबुधः २७ ५० ग. १०४ २०
जानेवारी मा. १ इं. ता. ३१ सन् १९२१ पू.
वक्रीशनिः १३।२२ रा. ५।१३ ०७ ग. ०।४०.
म. १७।२८ उ. ४७।४३ या.
शतेसितः ५९।८ ग. ६७।० सफला ११ स्मार्तानाम्.
वक्रीगुरुः ४९ २५ रा. ४ २६।५५ ५२ ग. १ ६ सफला ११ भाग. निम्बा.
म. ५६।३४ उ.
म. २८।५९ या. शतेमंगलः ४६।२४ ग. ४६।१४

उषायांबुधः ७।५० ग. १०३।३४



→ गोचरग्रहाः ←

म. ११ | १० | ९ | ८ | र. बु. | रा. ७ | गु. | १२ | चं. ६ श. | १के. | ३ | ५शु. | २ | ४

अ. ३९ पौ. कृ. ८ श. इ०।० ग. २६२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
८	१०	८	४	१०	५	६	०
१७	१	१२	२६	१	०	९	९
२४	२७	३२	५०	३३	११	४०	४०
७	२२	३१	५९	३४	४६	२६	२६
६१	४६	१०२	०	६८	१	३	३
२३	९	२२	५८	४८	५	११	११

→ मासफलम्. ←

इस महीनेमें गेहूं मक्का जौ चणा मसूर मटर कांगणी अफीम घृत तिल तेल गुड शक्कर अलसी राया सरसूं शण जीरा धनिया ऊन रेशमी वस्त्र सूत कपड़ा रुई कपास तेज भाव होगा। और चांवल चवला उड़द मूंग तूअर बाजरी मोठ सिंघाडा हलदी मिरची पिंडखजूर मूंगफली सोना चांदी रांगा केसर कपूर चतुष्पद हुंडी नोटका भाव मंदा होगा।

अ. ४० पौ. कृ. ३० र. इ०।०ग. २७०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
८	१०	८	४	१०	५	६	०
२५	७	२६	२६	११	०	९	९
३५	३६	२६	५२	८	८	१५	१५
१४	४२	२२	२३	५८	३६	०	०
६१	४६	१०८	१ ६	६७	० ४०	३	३
२१	१४	२०	+	०	+	११	११

→ गोचरग्रहाः ←

गु. ११ | १० | ९ | ८ | बु. र. चं. | ७रा. | मं. | १२ | ६ श. | १के. | ३ | ५शु. | २ | ४

अथ तीर्थे मृत्युमोक्षयोगः॥ नैधनेशोयदासौम्यग्रहो भवति यस्य तु। सौम्यैर्दृष्टं च निधनं तदा तीर्थे समादिशेत्॥१॥ जीवेप्रयागमरणंविधुना च काश्यांद्वारावत्यां बुधसितयोरिति॥१॥

अर्थ-अष्टमस्थानका स्वामी शुभग्रह होवे शुभग्रह अष्टम भावको देखता होवे तो तीर्थस्थानमें मृत्यु होवे यदि गुरु होवे तो प्रयागमें चंद्र होवे तो काशीमें बुध वा शुक्र होवे तो द्वारिकामें मृत्यु होवे.

योगाः	ति.	पौषशुक्लपक्षः सं. १९७७ शाकः १८४२												दि.	र. उ.	र. अ.	हिं.	इं.	मु.	चन्द्रः	प्रा.र.स्प	गति
मृत्यु.	१	चं	१२	१	उ	१८	३६	ह	१७	४०	व	१२	१	२६/१०	६।४६	५।१४	२७	१०	३०	मकर.	[illegible]	[illegible]
लुंबक.	२	मं	१६	५५	श्र	२४	३१	व	१८	३४	कौ	१६	५५	११	६।४६	५।१४	२८	११	१	कुं. ५७/६	[illegible]	[illegible]
मित्र.	३	बु	२१	५	ध	२९	४१	सि	१८	५५	ग	२१	५	१२	६।४६	५।१४	२९	१२	२	कुंभ.	[illegible]	[illegible]
वज्र.	४	गु	२४	१५	श	३४	८	व्य	१८	२८	वि	२४	१५	१३	६।४५	५।१५	१	१३	३	कुंभ.	[illegible]	[illegible]
ध्वांक्ष.	५	शु	२६	१३	पू	३७	६	व	१७	८	बा	२६	१३	१४	६।४५	५।१५	२	१४	४	मी. २१/२१	[illegible]	[illegible]
धूम्र.	६	श	२६	५३	उ	३८	४९	प	१४	४५	तै	२६	५३	१६	६।४५	५।१५	३	१५	५	मीन.	[illegible]	[illegible]
रविस.	७	र	२६	१४	रे	३९	१७	शि	११	२४	व	२६	१४	१७	६।४४	५।१६	४	१६	६	मे. ३९/१७	[illegible]	[illegible]
राक्षस	८	चं	२४	२२	अ	३८	३७	सि	७	६	ब	२४	२२	१९	६।४४	५।१६	५	१७	७	मेष.	[illegible]	[illegible]
मुसल.	९	मं	२१	२६	भ	३६	५४	सा	१/५	शु	५५/५२	कौ	३१/२६	२१	६।४४	५।१६	६	१८	८	वृ. ५१/१५	[illegible]	[illegible]
सिद्धि.	१०	बु	१७	२९	कृ	३४	२०	शु	४९	१२	ग	१७	२९	२२	६।४४	५।१६	७	१९	९	वृषभ.	[illegible]	[illegible]
ए. ब्र.	११	गु	१२	४९	रो	३१	५	ब्र	४१	५४	वि	१२	४९	२३	६।४३	५।१७	८	२०	१०	मि. ५९/१३	[illegible]	[illegible]
प्रदोष.	१२	शु	७	३५	मृ	२७	२१	ऐं	३४	२२	बा	७	३५	२५	६।४३	५।१७	९	२१	११	मिथुन.	[illegible]	[illegible]
मुद्गर.	१३	श	१	५७	आ	२३	१८	वै	२६	३५	तै	१	५७	२८	६।४२	५।१८	१०	२२	१२	मिथुन.	[illegible]	[illegible]
क्षय.	१४	श	५६	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०
पौ.पू.	१५	र	५०	१३	पु	१९	९	वि	१८	४४	वि	३	१०	९६/३१	६।४२	५।१८	११	२३	१३	क. ५/११	[illegible]	[illegible]

गणः २७१ अहर्गणः २६९४२७ हेमन्तर्तुः उत्तरे रविः

उषायांरविः ३/२० चंद्रदर्शनं.

जमादिअव्वलमा. ५ मु. मकरेबुधः ३/४२ ग. १०१/३३

म. ५२।४० उ.

म. २४/१५ या. मकरेऽर्कः १८/५३ वै. १५ मु. बंगलामाघ.



म. २६/१४ उ. ५५/१८ या. श्रवणेबुधः ५८/२ ग. ९८/३९ पूभायां सितः ५५/४८ ग. ६४/७

कुंभेभानुः ५४।५२

पुनः पूभायांच गुरुः १४/२९ ग. ४/५९ पुत्रदा ११ सर्वेषाम् मन्वादि.

पुनः सिंहेशनिः ३१।१८ ग. ३।२६

म. ५६।७ उ.

म. २३।१० या. श्रवणेरविः ६।१० माघस्नानप्रारम्भः

→ गोचरग्रहाः ←

शु. ११ मं.		९
१२	र. १० बु.	८
चं. १ के.		७ रा.
२	४	६ श.
३		५ गु.

अ. ४१ पौ. शु.८ चं. इ०।० ग.२७८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
९	१०	९	४	१०	५	६	०
३	१३	१०	२६	२०	०	८	८
४६	४६	३	४३	४	३	४९	४९
०	३४	२	३५	२९	१६	३४	३४
६१	४६	९८	१/६	६४	०/४०	३	३
१८	१४	३९	+	७	+	११	११

→ मकरसंक्रांतिफलम्. ←

पौष शुक्ल ४ गुरौ. मकरेऽर्कः प्र. बा. ३ न. ३ वा. ना. नंदा द्वि.सौ. न.ना. महोदरीचोरसु. म. ब्या. द्विजान्नं. पूर्वेग. आ. दृ. विष्टिक वै. म. फ. वा. अश्व. उ. वा. सिंह स्वैर्यफ. धूम्रव. कुंत-आ.पत्रपा. चित्राम्बर. जवादिले. विप्रजा. दूर्वापु. गुंजाभू. नीलकं. वृद्धाऽव. वै. मु. १५ धा.भा.सं. धा.क.ते. रस. ते. शु. उ.प. ब.द. रा.पू.मू.भू.

अथ सुनफादयो योगाः ॥ रविवर्जं द्वादशगैरनफा चंद्राद्द्वितीयगैस्सुनफा । उभयस्थितैर्दुरुधरा केमद्रुमसंज्ञितश्चान्यः ॥ १ ॥ चंद्रमासे सूर्यकेविना अन्यग्रह १२ स्थानमें होवे तो अनफा और २ स्थानमें होवे तो सुनफा दोनों स्थानमें होवे तो दुरुधरा और दोनों स्थानमें कोईभी ग्रह नहीं होवे तो केमद्रुम योग होता है तिसका फल पहले कहे ३ योगोंका फल श्रेष्ठ है केमद्रुमका फल नेष्ठ होता है।

अ. ४२ पौ. शु.१५ र. इ.०।० ग.२८४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
९	१०	९	४	१०	४	६	०
९	१८	१९	२६	२६	२९	८	८
५३	२३	५४	२६	२९	५४	३०	३०
४१	५८	५६	१५	११	५६	२९	२९
६१	४६	९८	४/५९	६४	३/२६	३	३
१३	१४	३९	+	७	+	११	११

→ गोचरग्रहाः ←

शु. ११ मं.		९
१२	र. १० बु.	८
१ के.		७ रा.
२	४	६
३ चं.		गु. ५ श.

योगाः	ति.	माघकृष्णपक्षः सं. १९७७ शाकः १८४२												दि.	र. उ.	र. अ.	हिं.	इं.	मु.	चन्द्रः	प्रा.र.स्प	गति	गणः२८५ अहर्गणः२६९५११ शिशिरर्तुः उत्तरेरविः(अ.पौ.कृ.)
प्रजाप	१	चं	४४	२६	पु	१५	८	प्री	१०	५७	वा	१७	२४	२६/३४	६।४१	५।१९	१२	२४	१४	कर्क.	[illegible]	[illegible]	
आनंद.	२	मं	३९	२१	श्ले	११	२५	आ	३/२२	सौ	५६/१२	तै	११/५८	३७	६।४०	५।२०	१३	२५	१५	सिं. ११/२५	[illegible]	[illegible]	पूसायांमंगलः ४/१६ ग. ४६/१९ धनिष्ठायांबुधः ४/४२ ग. ६९/२३ बुधोदयः पश्चिमे ११/३६
चर.	३	बु	३४	४१	म	८	११	शो	४९	३४	व	७	१	४०	६।४०	५।२०	१४	२६	१६	सिंह.	[illegible]	[illegible]	म. ७/१ उ. ३४/४१ या. मीनेसितः १७/१२ ग. ६४/५
ग. च.	४	गु	३०	४६	पू	५	३९	अ	४३	४३	व	२	४३	४३	६।३९	५।२१	१५	२७	१७	क. २०/१४	[illegible]	[illegible]	
शुभ.	५	शु	२७	४८	उ	३	५८	सु	३८	१८	तै	२७	४८	४६	६।३९	५।२१	१६	२८	१८	कन्या.	[illegible]	[illegible]	
मृत्यु.	६	श	२५	५५	ह	३	२०	धृ	३३	५८	व	२५	५५	५०	६।३८	५।२२	१७	२९	१९	तु. ३३/३५	[illegible]	[illegible]	म. २५/५५ उ. ५५/३५ या. कुंभेबुधः ३३/१० ग. ८०/५८ उभायांसितः ३४/२५ ग. ५९/२५
ध्व.	७	र	२५	१५	चि	३	५१	शू	२०	३५	व	२५	१५	५३	६।३७	५।२३	१८	३०	२०	तुला.	[illegible]	[illegible]	
छत्र.	८	चं	२५	५४	स्वा	५	३६	गं	२८	१३	कौ	२५	५४	५६	६।३७	५।२३	१९	३१	२१	वृ. ३२/५२	[illegible]	[illegible]	
श्रीवत्स.	९	मं	२७	४९	वि	८	३७	वृ	२६	५१	ग	२७	४९	५९	६।३६	५।२४	२०	१	२२	वृश्चिक.	[illegible]	[illegible]	म. ५९।२२ उ. फेब्रुवारी मा. २ इं. ता. २८
सौम्य.	१०	बु	३०	५६	अ	१२	४९	ध्रु	२६	२४	वि	३०	५६	२७/२	६।३५	५।२५	२१	२	२३	वृश्चिक.	[illegible]	[illegible]	म. ३०।५६ या.
प. व.	११	गु	३४	१९	ज्ये	१८	२	व्या	२६	३९	व	२	३७	६	६।३५	५।२५	२२	३	२४	ध. १८/२	[illegible]	[illegible]	शतेबुधः २९।३४ ग. ४२।४३ षट्तिला ११ सर्वेषाम्.
स्थिर.	१२	शु	४०	११	मू	२४	१	ह	२७	३४	कौ	७	१५	९	६।३४	५।२६	२३	४	२५	धन.	[illegible]	[illegible]	
प्रदोष.	१३	श	४५	३०	पू	३०	२७	व	२८	५०	ग	१२	५१	१२	६।३३	५।२७	२४	५	२६	म. ४७/३	[illegible]	[illegible]	म. ४५।३० धनिष्ठायांरविः ११।३४
अमृत.	१४	र	५०	४६	उ	३६	५३	सि	३०	९	वि	१८	८	१६	६।३३	५।२७	२५	६	२७	मकर.	[illegible]	[illegible]	म. १८।८ या.
सौमव.	३०	चं	५५	३६	श्र	४२	५८	व्य	३१	१४	च	२३	११	२७/१९	६।३२	५।२८	२६	७	२८	मकर.	[illegible]	[illegible]	मीनेमंगलः १।१८ ग. ४६।५९ द्वापरयुगादि. तिलपात्रदानम्.



→ गोचरग्रहाः ←

मं. ११बु. | ९ | १२ शु. | १० र. | ८ | १ के. | चं. ७रा. | २ | ४ | ६ | ३ | गु. ५श.

अ.४३ मा.कृ.८ चं.इ. ०।० ग.२९२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
९	१०	१०	४	११	४	६	०
१८	२४	१	२५	४	२९	८	८
३	३४	५७	४६	५४	२७	५	५
६	३६	१०	२३	४०	२८	३	३
६१	४६	८०	४/५९	५९	३/२६	३	३
६	१९	५८	+	२५	+	११	११

→ मासफलम् ←

इस महीनेमें गेहूं जो चना मसूर मटर कांगणी हलदी मिरची तिल तैल वस्त्र रुई कपास विनोला नमक राबा सरसूं अफीम तृण काष्ठ चतुष्पद हुंडी नोट का भाव तेज रहैगा। और चांवल चवला उडद मूंग तूअर मक्का ज्वार बाजरी जीरा धनिया ऊन रेशमी वस्त्र सोंठ हरड केसर सिंघाडा गुड शकर नारियल चतुष्पदका भाव मंदा रहेगा।

अ. ४४ मा.कृ.३० चं.इ ०।० ग.२९९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
९	१०	१०	४	११	४	६	०
२५	२९	२९	२५	११	२९	७	७
१०	५९	५९	११	५०	३	४२	४२
१७	१	१	२०	३५	२६	४७	४७
६०	४६	४२	४/५९	५९	३/२६	३	३
५५	१९	४३	+	२५	+	११	११

→ गोचरग्रहाः ←

मं.११बु. | ९ | १२ शु. | र.१० चं. | ८ | १ के. | ७ रा. | २ | ४ | ६ | ३ | गु. ५श.

अथशकात्सुभिक्षंवादुर्भिक्षमिति ज्ञानम् ॥ शकेत्रिभिर्युतेबाणैः शेषेभक्तेऽथवंक्षयंके। क्रमान्मध्यंसुभिक्षंच दुर्भिक्षंचसुभिक्षकम्। महर्घं समताघो[illegible]मा केलतो रौरवं क्षुधम् ॥ २ ॥ अर्थः—शाकको ३ से गुणाकर ५ और जोडदेना फिर ७ का भाग देना शेष रहै वह क्रमसे १ मध्यम २ सुभिक्ष ३ दुर्भिक्ष ४ सुभिक्ष ५ महंगा ६ समता ७ घोर दुर्भिक्ष जानना.

योगाः	ति. १५	माघशुक्लपक्षः सं. १९७७ शाकः १८४२												दि.	र. उ.	र. अ.	हिं.	इं.	मु.	चन्द्रः	प्रा.र.स्प	गति
उत्पात.	१	मं	५९	४०	ध	४८	२५	व	३१	५०	किं	२७	३८	३७/२२	६।३१	५।२९	२७	८	२९	कुं. १५/४१	[illegible]	[illegible]
मानस.	२	बु	६०	०	श	५२	४३	प	३१	४१	वा	३१	१५	२६	६।३१	५।२९	२८	९	३०	कुंभ.	[illegible]	[illegible]
मुद्गर.	२	गु	२	४३	पू	५५	५८	शि	३०	३९	कौ	२	४३	३०	६।३०	५।३०	२९	१०	१	मी. ४०/९	[illegible]	[illegible]
ध्वज.	३	शु	४	३४	उ	५८	१	सि	२८	४१	ग	४	३४	३४	६।२९	५।३१	३०	११	२	मी .	[illegible]	[illegible]
प्रजाप.	४	श	५	६	रे	५८	४७	सा	२५	४३	वि	५	६	३८	६।२८	५।३२	१	१२	३	मे. ५८/४७	[illegible]	[illegible]
वसंत.	५	र	४	२०	अ	५८	२४	शु	२१	४५	बा	४	२०	४१	६।२८	५।३२	२	१३	४	मेष.	[illegible]	[illegible]
चर.	६	चं	२	२२	भ	५६	५४	शु	१६	५२	तै	२	२२	४४	६।२७	५।३३	३	१४	५	मेष.	[illegible]	[illegible]
क्षय.	७	चं	५९	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
गद.	८	मं	५५	२१	कृ	५४	३३	ब्र	११	११	वि	२७	२०	४७	६।२६	५।३४	४	१५	६	वृ. ११/१९	[illegible]	[illegible]
शुभ.	९	बु	५०	३७	रो	५१	२८	ऐं	४/४९	वै	५७/५३	बा	२२/५९	५०	६।२५	५।३५	५	१६	७	वृषभ.	[illegible]	[illegible]
मृत्यु.	१०	गु	४५	१६	मृ	४०	५०	वि	५०	३५	तै	१७	५७	५३	६।२५	५।३५	६	१७	८	मि. १९/३९	[illegible]	[illegible]
ए.ब्र.	११	शु	३९	३६	आ	४३	५२	प्री	४२	५६	व	१२	२६	५७	६।२४	५।३६	७	१८	९	मिथुन.	[illegible]	[illegible]
ए.प्र.	१२	श	३३	४४	पु	३९	४३	आ	३५	९	घ	६	४०	२८/०	६।२४	५।३६	८	१९	१०	क. २५/४५	[illegible]	[illegible]
प्रदोष.	१३	र	२७	५४	पु	३५	४२	सौ	२७	२३	कौ	०	४९	४	६।२३	५।३७	९	२०	११	कर्क.	[illegible]	[illegible]
सौम्य.	१४	चं	२२	१७	ऽश्ले	३१	५४	शो	१९	४९	व	२२	१७	८	६।२२	५।३८	१०	२१	१२	सिं. ३१/५४	[illegible]	[illegible]
मा.पू.	१५	मं	१७	३	म	२८	३३	अ	१२	३३	घ	१७	३	१२	६।२१	५।३९	११	२२	१३	सिंह.	[illegible]	[illegible]

गणः ३०० अहर्गणः २६९५२६ शिशिरर्तुः उत्तरे रविः

चंद्रदर्शनं.

जमादिलाखरमा. ६ मु. [सितः ५/९ २ ग. ५०/४४

म. ३४/५० उ. कुंभेऽर्कः ४५/४० वै. ४५ मु. उमायांमंगलः १६/४० ग. ४७/५ रेवत्यां-

म. ५।६ या. बंगलाफालगुन.

वसंत ५

म. ५९/१९ उ. रथ. ७ अरुणोदयस्नानादि.

म. २७।२० या. भीष्म ८

म. १२/२६ उ. ३१/३६ या. मीनेभानुः ३०/४० शतेरविः २०/३६ जया ११ स्नातानाम्.

वक्रीबुधः ३४/१२ रा. १०/१८।५६ ग. ३०/३७ जया ११ भाग. निम्बा. **भीष्म १२**

कल्पादि.

म. २२।१७ उ. ४९।४० या. बुधास्तः पश्चिमे ३/४७

माघस्नानंसमाप्ते.

→ गोचरग्रहाः ←

मं.१२शु. १० 1के. चं. र.११बु. ९ २ ८ ३ गु.५श. ७रा. ४ ६

अ. ४५ मा. शु. ८भौ. इ०१० ग. ३०७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
१०	११	१०	४	११	४	६	०
३	६	१७	२४	१९	२८	७	७
१७	१५	२९	३१	१८	३५	१७	१७
०	१५	२३	३८	५१	५८	२०	२०
६०	४७	४२	४/५९	५०	३/२६	३	३
४३	५	४३	+	४४	+	११	११

कुंभसंक्रांतिफलम्.

माघ शुक्ला ३ भृगौ कुंभेऽर्कः प्र. बा. २ न. ३ वा. ना. मिश्रापशुभी. न.ना. नंदाग. द्वि. सौ. रा. तु. या. ध्या नदान्हंति. दक्षिणेग. नै. दृ. वि-ष्टिक. वै. म. फ. बा. अश्व उ. बा. सिंह स्थैर्यफ. भूजव. कुंताद्यु. पत्रपा. चित्रास्त्रस. जवादिले. विप्रजा. दूर्वापु. शुंगाभू. नीलकं. वृद्धाञ्च. वै. मु. ४५ धा. भा. ते. धा. क. सम रस तेज शु. उ. प. वत्स पश्चिमे रा. दक्षिणे मू. पाताले.

अ.४६ मा. शु.१५बु. इ०१० ग.३१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
१०	११	१०	४	११	४	६	०
१०	११	१६	२३	२५	२८	६	६
२१	४४	५२	५६	१३	११	५५	५५
३९	५०	३२	४५	५९	५६	५	५
६०	४७	३०/२७	४/५९	५०	३/२६	३	३
३०	५	+	+	४४	+	११	११

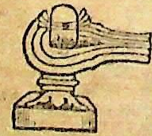
→ गोचरग्रहाः ←

मं.१२शु. १० १के. र. बु. ११ ९ २ ८ ३ गु.५श.चं. ७रा. ४ ६

विवाहादि शुभकार्येषु ग्राह्यो द्वादशस्थचन्द्रः । आधाने संप्रदाने च विवाहे राजविग्रहे ॥ शुभे कार्ये च यात्रायां चन्द्रो द्वादशगः शुभः ॥

अर्थः—आधान गर्भाधान सीमन्त विवाह राजयुद्ध और भी शुभकार्यमें और यात्रामें द्वादश चन्द्र ग्राह्य है. ऐसा किसी आचार्यका मत है.

योगाः	ति.	फाल्गुनकृष्णपक्षः सं. १९७७ शाकः १८४२												दि.	र. उ.	र. अ.	हि.	इं.	मु.	चन्द्रः	प्रा.र.स्प	गति	गणः ३१५ अहर्गणः २६९५४१ शिशिरर्तुः उत्तरेरविः (अ.मा.कृ)
स्थिर.	१	बु	१२	२४	पू	२५	५१	सु	५/४६	धृ	१९/३५	को	३२/१४	२८/१६	६।२१	५।३९	१२	२३	१४	क. ४०/३३	[illegible]	[illegible]	
मातंग.	२	गु	८	३३	उ	२३	५९	शू	५४	९	ग	८	३३	२०	६।२०	५।४०	१३	२४	१५	कन्या.	[illegible]	[illegible]	म. ३७।५ उ.
ग. च.	३	शु	५	३७	ह	२३	६	गं	४९	३४	वि	५	३७	२४	६।१९	५।४१	१४	२५	१६	तु. ५३/१३	[illegible]	[illegible]	भ. ५।३७ या.
काण.	४	श	३	४८	चि	२३	२१	वृ	४५	५८	वा	३	४८	२८	६।१८	५।४२	१५	२६	१७	तुला.	[illegible]	[illegible]	चित्रायांचराहुः अश्विन्यां. द्वि. केतुः ४४/४४
लुंबक.	५	र	३	१२	स्वा	२४	४९	ध्रु	४३	१९	तै	३	१२	३२	६।१८	५।४२	१६	२७	१८	तुला.	[illegible]	[illegible]	मेषेसितः ३८।० ग. २५।४६
मित्र.	६	चं	३	५५	वि	२७	३४	व्या	४१	४०	व	३	५५	३६	६।१७	५।४३	१७	२८	१९	वृ. ११/५३	[illegible]	[illegible]	भ. ३।५५ उ. ३४।५४ या. रेवत्यांमंगलः १५।५४ ग. ४५।४८
वज्र.	७	मं	५	५४	अ	३१	३२	ह	४१	०	व	५	५४	४०	६।१६	५।४४	१८	१	२०	वृश्चिक.	[illegible]	[illegible]	मार्च. मा. ३ इं. ता. ३१ पुनः पूफायांतृ. गुरुः १८।२६ ग. ६।३४
ध्वांक्ष.	८	बु	९	५	ज्ये	३६	३२	व	४१	९	कौ	९	५	४४	६।१५	५।४५	१९	२	२१	ध. ३६/३२	[illegible]	[illegible]	
धूम्र.	९	गु	१३	१६	मू	४२	२४	सि	४१	५८	ग	१३	१६	४८	६।१४	५।४६	२०	३	२२	धन.	[illegible]	[illegible]	म. ४५।४६ उ. पूभायांरविः ३५।१९
प्रवर्ध.	१०	शु	१८	१६	पू	४८	४५	व्य	४३	१३	वि	१८	१६	५२	६।१४	५।४६	२१	४	२३	धन.	[illegible]	[illegible]	म. १८।१६ या.
धू.ब्र.	११	श	२३	४०	उ	५५	१४	व	४४	३७	वा	२३	४०	५६	६।१३	५।४७	२२	५	२४	म. ५/२२	[illegible]	[illegible]	विजया ११ सर्वेषाम्
गद.	१२	र	२८	५१	श्र	६०	०	प	४५	५२	तै	२८	५१	३९/०	६।१२	५।४८	२३	६	२५	मकर.	[illegible]	[illegible]	बुधोदयः प्राक् १३।९
प्रदोष.	१३	चं	३३	३६	श्र	१	२८	शि	४६	४२	ग	१	१३	४	६।११	५।४९	२४	७	२६	कुं. ३४/१८	[illegible]	[illegible]	म. ३३/३६ उ. महाशिवरात्रिव्रतम्
उत्पात.	१४	मं	३७	३३	ध	७	७	सि	४६	५३	वि	५	३४	८	६।११	५।४९	२५	८	२७	कुंभ.	[illegible]	[illegible]	म. ५।३४ या.
अमा.	३०	बु	४०	२९	श	११	५१	सा	४६	१५	च	९	१	२९/३२	६।१०	५।५०	२६	९	२८	मी. ५९/२१	[illegible]	[illegible]	



गोचरग्रहाः



अ.४७ फा.कृ.८ बु.इ.०।० ग.३२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
१०	११	१०	४	०	४	६	०
१८	१७	१२	२३	१	२७	६	६
२४	५९	४७	१५	०	४४	२९	२९
५९	२६	३६	२७	५९	२८	३९	३९
६०	४५	३०/३७	६/३४	२५	३/२६	३	३
१४	४८	+	+	४६	+	११	११

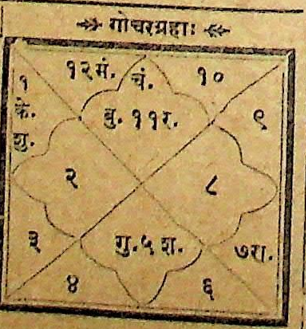
मासफलम्.

इस महीनेमें चावल चणा मसूर मटर मूंग तूअर मक्का बाजरी मोठ सिंघाड़ा चतुष्पद चांदी सोना केसर कपूर नमक तिल तैल घृत रसादि वस्तु गुड़ शक्कर मूंगा रक्त मिरची कुसुम लाल-वस्तु लहसन राई सरसूं अफीम शण तेज भाव होगा और गेहूं जो कांगणी चवला उड़द नारियल सूत रुई कपास बिनौला हलदी मिरची मूंगफली हुंडी नोटका भाव मंदा होगा।

अ.४८ फा.कृ.३० बु.इ.०।० ग.३२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
१०	११	१०	४	०	४	६	०
२५	२३	९	२२	४	२७	६	६
२५	२०	७	२९	१	२०	७	७
५९	३५	१७	२९	२१	२६	२३	२३
५९	४५	३०/३७	६/३४	२५	३/२६	३	३
५६	४८	+	+	४६	+	११	११

गोचरग्रहाः



जीर्णपंचांगस्य संक्रान्त्या नूतनपंचांगस्य संक्रान्त्यानयनम्। वारे करा १ तिथौ रुद्रा ११ नाड्यः १५ पंचदशैव तु। जिर्णपत्रप्रमाणेन संक्रांतिर्नूतना भवेत् ॥ १ ॥ अर्थ-गत पंचांगकी संक्रांतिमें वारमें १ और तिथिमें ११ घटीमें १५ मिलानेसे आगामी वर्षकी संक्रांती होती है.

योगाः	ति.	फाल्गुनशुक्लपक्षः सं. १९७७ शाकः १८४२													दि.	र. उ.	र. अ.	हिं.	इं.	मु.	चन्द्रः	प्रा.र.स्प	गति
सुद्गर.	१	गु	४२	१०	पू	१५	२५	शु	४४	३९	किं	११	२०	३९/१६	६।१९	५।५१	२७	१०	२९	मीन.	[illegible]	[illegible]	
ध्वज.	२	शु	४२	३४	उ	१७	४५	शु	४२	२	वा	१२	२२	२०	६।१८	५।५२	२८	११	३०	मीन.	[illegible]	[illegible]	
प्रजाप.	३	श	४१	४३	रे	१८	५१	ब्र	३८	२१	तै	१२	८	२४	६।७	५।५३	२९	१२	१	मे. १८/५१	[illegible]	[illegible]	
आनंद.	४	र	३९	३८	अ	१८	४२	ऐं	३३	५२	व	१०	४०	२८	६।६	५।५४	१	१३	२	मेष.	[illegible]	[illegible]	
सोमप.	५	चं	३६	२९	भ	१७	३०	वै	२८	३१	व	८	३	३२	६।६	५।५४	२	१४	३	वृ. ३१/५८	[illegible]	[illegible]	
गद.	६	मं	३२	२५	कृ	१५	२१	वि	२२	२६	कौ	४	२७	३६	६।५	५।५५	३	१५	४	वृषभ.	[illegible]	[illegible]	
शुभ.	७	बु	२७	३७	रो	१२	२५	प्री	१५	४४	ग	०	१	४०	६।४	५।५६	४	१६	५	मि. ४०/४०	[illegible]	[illegible]	
मृत्यु.	८	गु	२२	१५	मृ	८	५	आ	८	३३	ब	२२	१५	४४	६।३	५।५७	५	१७	६	मिथुन.	[illegible]	[illegible]	
पद्म.	९	शु	१६	२७	आ	५	२	सौ	१/३	शो ५३/२१	कौ	१६/२७		४८	६।२	५।५८	६	१८	७	क. ४६/५८	[illegible]	[illegible]	
छत्र.	१०	श	१०	३२	पु	०/५७	पु ५६/५३	अ	४५	३८	ग	१०/३२		५२	६।२	५।५८	७	१९	८	कर्क.	[illegible]	[illegible]	
ए. व्र.	११	र	४	३९	आ	५३	१	सु	३८	३	वि	४	३९	५६	६।१	५।५९	८	२०	९	सिं. ५३/१	[illegible]	[illegible]	
क्षय.	१२	र	५८	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
प्रदोष.	१३	चं	५३	४५	म	४९	३४	धृ	३०	४५	कौ	२६	२२	३०/०	६।०	६।०	९	२१	१०	सिंह.	[illegible]	[illegible]	
धूम्र.	१४	मं	४९	५	पू	४६	४३	शू	२३	५२	ग	२१	२५	४	५।५९	६।१	१०	२२	११	सिंह.	[illegible]	[illegible]	
होली.	१५	बु	४५	१३	उ	४४	४०	गं	१७	३४	वि	१७	९	८	५।५८	६।२	११	२३	१२	क. १/१२	[illegible]	[illegible]	

गणः ३३० अहर्गणः २६९५६६ शिशिरर्तुः उत्तरे रविः

चंद्रद.

रज्जवमा. ७ सु. [म. १०/४० उ. ३९/३८ या.

मीनेऽर्कः ३४/३१ वै. १५ सु. बंगलाचैत्र. मार्गीबुधः २८/३३ रा. १०/६ । ५६/१० ग. ४५/४

उभायांरविः ५५।९ म. २७।३७ उ. ५४।५६ या.

मेषेमंगलः ४३।३७ ग. ४४।४३ होलाष्टकप्रारंभः

म. ३७।३५ उ. [म. ४/३९ या.

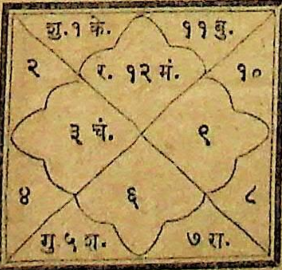
मेषेभानुः २८/२३ पुनः पूफायांचशनिः ५०/१४ ग. २/२ आमलकी ११ सर्वेषाम्.



म. ४९।५ उ.

म. १७।९ या. होलिकादीपनं प्रदोषे मन्वादि.

गोचरग्रहाः



अ. ४५ फा. शु. ८ बु. इ०।० ग. ३३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
११	११	१०	४	०	४	६	०
३	२९	९	२१	७	२६	५	५
२४	२६	३४	३६	२७	५२	४१	४१
३६	२६	५९	५७	२९	५८	५६	५६
५९	४५	४५/४	६/३४	२५	३/२६	३	३
३७	४८	मा	+	४६	+	११	११

मीनसंक्रान्तिफलम्

फाल्गुन शुक्ला ४ रवौ मीनेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ४ वार नाम घोरा शूद्रसौ. रा. प्र. या. व्या. पिशाचान्हं द. ग. नै. दु. विष्टिक. वै. म. फ. वा. अश्व उ. वा. सिंह स्यैयक. धूम्रव. कुंतआ. पत्रपा. चित्रावम. जवादिले. विप्रजा. दूर्वापु. गुंजाभू. नीलक. वृद्धाऽव. वै. मू. २५ धा. भा. सम धा. क. सम रस सम शु. उ. प. व.प. रा. द. गु.भू.

अ. ५० फा. शु. १५ बु. इ०।० ग. ३४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
११	०	१०	४	०	४	६	०
४	३	१४	२०	१०	२६	५	५
२२	५५	५	५७	२	३४	२२	२२
६	४८	२३	३३	५	५३	५२	५२
५९	४४	४५	६/३४	२५	२/२२	३	३
२४	४३	४	+	४६	+	११	११

गोचरग्रहाः



अथ मध्यरेखादेशाः ॥ पुरी रक्षसां देवकन्याऽथ कांची सितः पर्वतः पर्यलिर्वत्सगुल्मी । पुरी चोज्जयिन्याह्वया गर्गराटं कुरुक्षेत्रमेरू भुवो मध्यरेखा ॥ १ ॥ अर्थः—लंका देवकन्या कांची सितपर्वत वत्सगुल्म उज्जेन गर्गराट कुरुक्षेत्र मंदराचल यह मध्यरेखाके बचके देश हैं ॥ १ ॥

योग.	ति.	चैत्रकृष्णपक्षः सं. १९७७ शाके: १८४२												दि.	र.उ.	र.अ.	हि.	इं.	मु.	चन्द्रः	ग्र.र.स्प	गतिः
छारंडी.	१	गु	४२	१८	ह	४३	३२	वृ	११	५७	वा	१३	४५	३०/१२	५।५८	६।२	१२	२४	१३	कन्या.	[illegible]	[illegible]
मुसल.	२	शु	४०	२८	चि	४३	३३	ध्रु	७	११	तै	११	२३	१६	५।५७	६।३	१३	२५	१४	तु. १३/३२	[illegible]	[illegible]
सिद्धि.	३	श	३९	५३	स्वा	४४	४४	व्या	३	२०	व	१०	११	२०	५।५६	६।४	१४	२६	१५	तुला.	[illegible]	[illegible]
ग.च.	४	र	४०	३५	वि	४७	१२	ह	०/२८	व	५८/३७	व	१०/१४	२४	५।५५	६।५	१५	२७	१६	वृ. ३१/३५	[illegible]	[illegible]
मानस.	५	चं	४२	३४	अ	५०	५५	सि	५७	४५	कौ	११	३४	२८	५।५५	६।५	१६	२८	१७	वृश्चिक.	[illegible]	[illegible]
मुद्गर.	६	मं	४५	४५	ज्ये	५५	४३	व्य	५७	४५	ग	१४	९	३२	५।५४	६।६	१७	२९	१८	ध. ५५/४३	[illegible]	[illegible]
ध्वज.	७	बु	४९	५४	मू	६०	०	व	५८	२८	वि	१७	४९	३६	५।५३	६।७	१८	३०	१९	धन.	[illegible]	[illegible]
धूम्र.	८	गु	५४	४६	मू	१	२५	प	५९	४१	वा	२२	२०	४०	५।५२	६।८	१९	३१	२०	धन.	[illegible]	[illegible]
प्रवर्ध.	९	शु	६०	०	पू	७	४३	शि	६०	०	तै	२७	२५	४४	५।५१	६।९	२०	१	२१	म. २४/२०	[illegible]	[illegible]
राक्षस.	९	श	०	४	उ	१४	१२	शि	१	८	ग	०	४	४८	५।५०	६।१०	२१	२	२२	मकर.	[illegible]	[illegible]
गद.	१०	र	५	१५	श्र	२०	३३	सि	२	२२	वि	५	१५	५२	५।५०	६।१०	२२	३	२३	कुं. ५३/२६	[illegible]	[illegible]
ए.न.	११	चं	९	४०	ध	२६	२०	सा	३	३५	वा	९	४०	५६	५।४९	६।११	२३	४	२४	कुंभ.	[illegible]	[illegible]
प्रदोष.	१२	मं	१३	३०	श	३१	१६	शु	४	३	तै	१३	२०	३१/०	५।४८	६।१२	२४	५	२५	कुंभ.	[illegible]	[illegible]
पद्म.	१३	बु	१६	१८	पू	३५	६	शु	३	४३	व	१६	१८	४	५।४७	६।१३	२५	६	२६	मि. १९/८	[illegible]	[illegible]
छत्र.	१४	गु	१७	५२	उ	३७	४४	ब्र	२	३१	श	१७	५२	८	५।४६	६।१४	२६	७	२७	मीन.	[illegible]	[illegible]
अमा.	३०	शु	१८	९	रे	३९	७	ऐं	०/१३	वै	५७/८	च	१८/०	३१/१२	५।४६	६।१४	२७	८	२८	मे. ३९/७	[illegible]	[illegible]

गणः ३४४ अहर्गणः २६९५७० वसंतर्तुः उत्तरेरविः (अ.फा.कृ.)

वसंतोत्सवः धूलिवं. आम्रपु. प्रा.

वक्रीसितः ४५।२३ रा. ०/११।१३/२४ ग. २१।५७

म. १०।११ उ. ३९।५३ या. कल्पादि.

म. ४५।४५ उ.

रेवत्यांरविः २२/२ पूभायांबुधः ५१/५५ ग. ८८/१६ शील. ७ म. १७/४९ या.

पुनः पूफायांद्धि. गुरुः ४३/२१ ग. २/४० शीतला ८

एप्रेल मा. ४ इं. ता. ३०

म. ३२।३९ उ.

म. ५।१५ या. [सर्वेषाम्.

भरण्यांमंगलः ४४/४८ ग. ४४/१ पापमोचनी ११

म. १६/१८ उ. ४७/५ या. मीनेबुधः ३७/५२ ग. १६/४०



उमायांबुधः ४२/० ग. १०३/४ मन्वादिगणः ३५९ अहर्गणः २६९५८५

गोचरग्रहाः



अ.५१. चै. कृ.८ गु. इ.०१० ग.३५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
११	०	१०	४	०	४	६	०
१७	९	२०	२०	९	२६	४	४
१७	५३	११	५	१८	१५	५७	५७
०	३२	५२	१	१८	५७	२५	२५
५९	४४	८८	६/३४	२१/५७	२/२२	३	३
१०	४३	१६	+	+	+	११	११

मासफलम्.

इस महीनेमें चावल ओ चना जुवार मका सूअर उडद मूंग मोठ सिंघाडा गुड शक्कर नारियल सूत रुई कपास बिनोला हलदी मिरची चतुष्पद नोट हुंडी नोटका भाव तेज रहेगा। और गेहूं मसूर मटर लहसन रावा सरसूं अफीम शण तिल तैल दाणा अलसी जीरा धनिया सोना चांदी रांगा मंदा. होगा।

अ. ५२ चै. कृ.३० शु. इ.०१० ग.३५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
११	०	११	४	०	४	६	०
२५	१५	२	१९	६	२५	४	४
९	४३	१२	४०	२२	५७	३१	३१
४१	१२	१९	३७	४२	१	५८	५८
५८	४४	९६	२/४०	२१/५७	२/२२	३	३
५३	१	४०	+	+	+	११	११

गोचरग्रहाः



अथ षोडशसंस्कारनामानि। गर्भाधानमतश्च पुंसवनकं सीमन्तजाताभिधे नामाख्यं सह निष्क्रमेण च तथाऽन्नप्राशनं कर्म च॥ चूडाख्यं व्रतबन्धकोऽप्यथ चतुर्वेदव्रतानां पुरः केशान्तं सविसर्गकः परिणयः स्यात्षोडशी कर्मणाम्॥ १॥

अथ मुहूर्तचिंतामणिमार्तंडगणपत्यादिमतेन आवश्यकमुहूर्ताः

क्रम.	नाममुहूर्त.	नामनक्षत्र.	तिथि	वार.	लग्न.	क्रम.	नाममुहूर्त.	नामनक्षत्र.	तिथि.	वार.	लग्न.
१	रजोदर्शन	श्रवण ३ मृग, रेवती, चित्रा, ऽनु. हस्त, स्वाती, अश्वि-उत्तरा ३ मासमाघ२मार्ग.वै.२श्रा.आ.शु.प.	शुभ.	चं.बु. गु.शु.	शुभ.	१३	क्रयविक्रय	पु. पू. भा. उ. ३ ऽनु. ऽश्व. श्र. ह. मृ. स्वा. ऽश्ले. रेवती.	शु.	शु.	शु.
२	रजःस्नानशीघ्र गर्भाधारण	ह.स्वा.अनु. रेव.ऽश्व. मृ. ध.रो.उ. ३ ज्येष्ठा २ मृ. रे. स्वा. ह.अश्व.रो.शीघ्र गर्भधारण होय.	शु.	शु.	शु.	१४	दुकानकरना	मृ. रे. चि. ऽनु. रो. उ. ३ ह ऽश्व. पु. मित्रध्रुव-क्षिप्रसंज्ञाके नक्षत्र. चन्द्रलग्नमें.	शु.	र. चं. बु. गु. शु. श.	शु.
३	गर्भाधान	उ. ३ मृ. ह. ऽनु. रो. स्वा. श्र. ध. श.	शु.	शु.	शु.	१५	नोकररखनेका	ह. ऽभि ऽश्व. पु. मृ. रे. चि. ऽनु.	शु.	बु.शु.गु.र	शु.
४	पुंसवनसी-मंतकर्म	मृ. पू. मू. श्र. पु. ह. मास ३।८	शु.	गु. शु. मं.	शु.	१६	चूडापहरनेका सूर्यभाद्र.	ऽश्व. ह. चि. स्वा. वि.ऽनु. ध.रे. ध्रुवन. ने.३ने. ५श्रे. ३ ने. २ श्रे. ७ ने. २ श्रे. १ श्रे. ३ ने.१	शु.	सू. गु. शु. बु.	शु.
५	जातकर्म (नामकर्म)	मू. चि. रे. ऽनु. ह. ऽश्व. पुन.उ. ३ रो. स्वाती. पु. श्र. ध. श. जन्मतः ११ वा. १२ दिने.	शु.	शु.	शु.	१७	चूल्हेथापनेका	पू. भा. रो. पुष्य. उ. ३ आ. भा. (रविभाद्रणना) ६ श्रे. ४ ने. ८ श्रे. ५ ने. २ श्रे. ३ ने.	शु.	शु.	शु.
६	सूतिकास्नान मुहूर्तः	रे. उ. ३ रो. मृ. ह. ३ अश्वि. ऽनु.	शु.	र. मं. गु.	शु.	१८	आटीगुथावण	मू. रो. मृ. ह. रे. स्वा.	शु.	मं. सू. गु.	शु.
७	पालनेमें सुलानेका	मृ. रे. चि. ऽनु. ह. ऽभि. पु.रो.उ.३ सूर्यभाद्रणना आरोग्य ५ मृत्यु ५ देहकष्ट ५ रोग ५ सौख्य ७	शु.	शु.	शु.	१९	हलचलाना सूर्यभाद्रण.	अ. रो. २ पु. २ म. उ. ३ ह. ५ मू. ऽभि. श्र. रे.श.३ने.३श्रे.३ने.५ श्रे.३ ने.५ श्रे. ३ ने. २श्रे.	शु.	शु.	शु.
८	जलपूजन	श्र. पु. पु. मृ. ह. मू. ऽनु. (शु. गु. अस्त चै.पौ. ऽधिमासमें पूजा नही करणी)	शु.	शु.	शु.	२०	बीजवावना राहुभाद्रण.	अ. रो २ पु. म. उ. ३ ह. २ऽनु. मू. ऽभि. रेवती. ने.८ श्रे.३ ने.१ श्रे.३ ने.१श्रे. ३ने.१ श्रे.३ने. ४	शु.	र. चं. बु. गु. शु. श.	शु.
९	कर्णवेध	श्र. ३ पु. २ अश्व. मृ. ह. २ मू. ऽनु.ऽभिजित्. रेव. (देवसुसमें जन्ममासचै. पौ. समवर्ष त्यागना)	शु.	शु.	शु.	२१	रोगमुक्तस्नान	ऽश्व. ३ मृ. २ पु. २ पू. ३ ह. २ वि.१२श्रे.	ऽशु.	र. मं. बु. गु. श.	ऽशु.
१०	जडुला उतारनेका	अश्वि. मृ. पु. २ ह. ३ ज्ये. श्र. ३ रे. ३।५ वर्ष उत्तरायण.	शु.	शु.	शु.	२२	काष्ठस्थापन	रविभाद्रणना दिननक्षत्रतक. श्रे. ६ ने. २ ने. ४ श्रे. ४ ने. ४ने.४ ने.४श्रे.४	शु.	शु.	शु.
११	विद्यापढाना	ऽश्वि. रो. ६ पू. ३ उ. ३ ह. ३ऽनु. मू. रे.	५.६ ३.१०.२ ११.१२	सू.गु.बु. शु.	शु.	२३	गृहप्रवेशे कुंभचक्र	रविभाद्रणना दिननक्षत्रतक. ने. १ ने. ४ श्रे. ४ श्रे.४ ने.४ ने.४ श्रे. ३ श्रे.३	शु.	शु.	शु.
१२	वापीकूपत-डागारंभः	म. हस्त. रे. मृ. पु. ध. श. पू.षा. उत्तरा३ रो.अ.	शु.	शु.	शु.	२४	द्वारशाखा	रविभाद्रणना दिननक्षत्रतक. श्रे. ४ ने. ८ श्रे. ८ ने. ३ श्रे. ४	शु.	शु.	शु.

अधोमुखनक्षत्रफलम्.

मूल कृत्ति. मघा. विशा. भर. अश्ले. पूर्वा. पूर्वाषा. पूर्वाभा. इणनक्षत्रांमैं बावडी कूवा तलाव हौद खान द्रव्य काढणो. द्रव्य दाटणो. कुवा गुफाप्रवेश. गणितांकप्रारंभ. एता कार्य करणा शुभ होय.

तिर्यङ्मुखनक्षत्रफलम्.

ज्येष्ठा पुन. हस्त अश्वि. मृग रेवती अनु. स्वाती चित्रा. इणनक्षत्रांमैं घोडा हाथी उंट गधा बलद मैंढा शूर श्वान एतै लेणा नांव पाणीमैं घालणा हलजोतणो तिरणौं सारंगी सतार गमन एता कार्य करणा.

ऊर्ध्वमुखनक्षत्रफलम्.

पुष्य आर्द्रा श्रव. उ. फा. उ. षा. उ. भा. शतता. रोहि. धनिष्ठा. इणनक्षत्रांमैं देवालय ध्वजा मंडप घर कोटदिवाल तोरण चांदा बाग बगीचा राज्याभिषेक एता कार्य करणा शुभ.

ध्रुवनक्षत्रफलम्.

रोहि. उत्तरा फा. उत्तराषा. उत्तराभाद्रपदा इण नक्षत्रांमैं बिजवावणो. नगरप्रवेश. राज्याभिषेक बागाईत लगावणो. शांतिकर्म. एता कार्य करणां हितकारक होय.

मिश्रनक्षत्रफलम्.

कृत्तिका विशाखा इणनक्षत्रांमैं अभिषेक खेतमैं बीज पेरणो. ग्रामनगरमैं प्रवेश बागाईत वृक्ष वेल लता शांतिकर्म एता कार्य करणा शुभ होय.

मृदुनक्षत्रफलम्.

मृग. चित्रा. अनु. रेवती इण नक्षत्रांमैं मित्राचारी. स्त्रीसंग. भूषणधारण. वस्त्रधारण. गायनविद्या और नानाप्रकारका मंगलकार्य करणा. सुखप्राप्ति होय.

लघुनक्षत्रफलम्.

अश्वि. पुष्य. हस्त. ऽभिजित इण नक्षत्रांमैं व्यवहार भूषणधारण. कलाकुशल. क्रीडा करणा. औषध देणी लेणी ज्ञानविद्या. सुधारणपणा. प्रस्थान करणा शुभ है.

तीक्ष्णनक्षत्रफलम्.

आर्द्रा. अश्ले. ज्येष्ठा मूल इण नक्षत्रांमैं भूतादिकपीडा निवारण करणां. द्रव्य काढणो. मंत्रसाधना बंधन भेद करणो. बंध करणो. एता कार्य शुभदायक होय.

चरनक्षत्रफलम्.

पुनर्व. स्वाती. श्रवण. धनिष्टा इणनक्षत्रांमैं हाथी घोडा नानाप्रकारका वाहन बागबगीचा जावणा. पालखी रथमैं बैठना. एता कार्य शुभदायक होय.

उग्रनक्षत्रफलम्.

भरणी पू. फा. पू. षा. पूर्वाभाद्रपदा मघा इण नक्षत्रांमैं शठत्व करणौं. नाशकरणो विषदेणो. बंधन उत्साह शस्त्रचलावणो. बालण एता कार्य उक्त होय.

लग्नभंगदाग्रहाः

५	श.
९	मं. श.
१२	शु. मं.
केंद्र	रा. मं. श.
८	चं. मं. बु. गु. शु. लग्नपति
७	सू. मं. बु. गु. श.
६	चं. शु. लग्नपति
१	सू. चं. मं. श. रा.

लग्नेविश्वादाग्रहाः

रा	३ ६ ११
श	३ ६ ११
शु	१ २ ३ ४ ५ ९ १० ११
गु	१ २ ३ ४ ५ ६ ९ १० ११
बु	१ २ ३ ४ ५ ६ ९ १० ११
मं	३ ६ ११
चं	२ ३ ११
र	३ ६ ११

लतदक्षिण.				लतवाम.				चंद्रसूर्यादियुतेसतियुतिदो.							
र	मं	गु	श	चं	बु	शु	रा	र	मं	बु	गु	शु	श	रा	पाप्र
१२	३	६	८	२२	७	५	९	दारिद्र्य	मरण	शुभ	सौख्य	सापत्न्य	वैराग्य	कलह	मरण

जामित्रलग्नभाद्ग्रहस्थितेसति.										
रो	मृ	म	उफा	ह	स्वा	ऽनु	मू	उषा	उभा	रे
ऽनु	ज्ये	ध	पूभा	उभा	ऽश्वि	कृ	म	पुन	उफा	ह

पकार्गलनिर्णयः

व्याघात गंड व्यतीपात शूल वैधृति वज्र परिघ अतिगंड यह योग विवाहके दिन होवे और रविनक्षत्रसे विवाहका नक्षत्र विषमांकपर होवे तो उक्त दोष होता है.

क्रांतिसूर्याचंद्रमसोः परस्परवेधेसति.

मे	वृ	मि	क	कं	तु
१	२	३	४	६	७
सिं	म	ध	वृ	मी	कुं
५	१०	९	८	१२	११

पातनिर्णय.

हर्षण, वैधृति, साध्य, व्यतिपात, गंड, शूल, इन योगोंके अंतमें विवाहका नक्षत्र होवे तो पातदोष लगे.

वेधयंत्रम्.

रो	मृ	म	ह	स्वा	ऽनु	मू	रे
ऽभि	उषा	श्र	उभा	श	भ	पुन	उ.फा

उपग्रहयंत्रंसूर्यभाद्विवाहभंतर्हि

५	८	१४	१८	१९	२२	२३	२४
विद्युत्	शूल	सन्निपात	केतु	उल्का	निर्घात	कंप	वज्र

दग्धातिथिषु सर्वे.

२	४	६	८	१०	१२
धनमीन	वृषकुंभ	मेषकर्क	कं. मि.	सिं. वृ.	मक. तु.

पंचकसूर्यादोषु क्रमेण.

रोग	अग्नि	नृप	चौर	मृत्यु	बाण
८	२	४	६	१	सूर्या.
१७	११	१३	१५	१०	शेषु.
२६	२०	२२	२४	१९	
	२९			२८	

संक्रांतिवाहन अश्व. संक्रांतिउपवाहन सिंह.

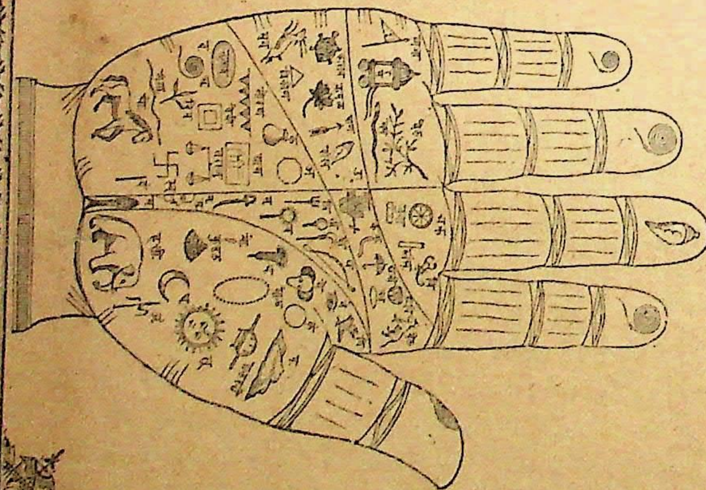


श्रीगणेशायनमः ॥ अथमकरसंक्रान्तिफलम् ॥ स्वस्तिश्रीमन्नृपतिविक्रमार्कसंवत् १९७७ शालिवाहनशाके १८४२ प्रवर्तमाने श्रीमुखनामसंवत्सरे रविः उत्तरे हेमन्तर्तुः मासानामुत्तमे मासे पौषमासे शुभे शुक्लपक्षे ४ गुरुवासरे घटी २४।१५ शततारकाभे घटी ३४।८ व्यतिपातनामयोगे घटी १८।२८ विष्टिनामकरणे घटी २४।१५ एवं पंचांगशुद्धावत्रदिने श्रीसूर्योदयादिष्टघट्यः १८।५३ समये मकरराशौ रवेः संक्रमणं स्यात् । तदा देवानां दिनोदयः दैत्यानां रात्र्युद्गमः । अस्य पुण्यकालः तद्दिने श्रेष्ठः । अथ वाहनादिप्रकारो लिख्यते । वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम नंदा गणकद्विजसुखी नक्षत्रनाम महोदरी चौरान्सौख्यदा मध्यान्हव्यापिनी द्विजान्हंति पूर्वगमनं अग्नेय्यांदृष्टिः विष्टिकरणे बैठीमध्यमफलदा वाहन अश्व उपवाहन सिंह स्थिरफल धूम्रवस्त्र कुंतआयुध पत्रपात्र चित्रान्नभक्षण जवादिलेपन विप्रजाति दूर्वापुष्प गुंजा भूषण नीलकंचुकी वृद्धावस्था बैठी मुहूर्त १५ धानभाव मंदा धातु कपडा तेज रस कस तेज ॥ अथैषांफलानि ॥ यानि यानि च वस्तूनि संक्रांतिः स्वीकरोति च । तत्तन्महर्घं वा नाशः क्रयविक्रयमीतिदा ॥ १ ॥ स्वरूपम् ॥ षष्टियोजनविस्तीर्णा लंबोष्ठी दीर्घनासिका । एकवक्त्रा दशभुजा संक्रांतिः पुरुषाकृतिः ॥ २ ॥ इतीदं संक्रमफलं तस्मात्प्राक्परतोपि वा ॥ शृणुयात्पुत्रपौत्राद्यैर्मोदते सुचिरं भुवि ॥ ३ ॥ श्रीरस्तु ॥

॥ अथ गुरुचारशनिचारफलं लिख्यते ॥ गुरुचार शनिचारादि ग्रहयोगसे संवत्के चैत्रमासमें अन्न और धातुका भाव सस्ता रहेगा गुड शक्कर घृत तैलका भाव कुछ तेज होगा राजा प्रजामें सुखशांति होगा । किसी खंडमें रोग का भय होनेकाभी योग है । वैशाखमें पांच रविवार अशुभ है राजा और प्रजाको पीडा अन्नभाव तेज गेहूं कपास रुई गुड तेज होगा चंदन केसर रेशमी वस्त्र लाल मिरची व लालरंगकी सबवस्तु तेज भाव विकेगा चंद्रवारको चंद्रग्रहण अशुभ है । ज्येष्ठमें पांच मंगल रोगभय शोक संताप प्रजापीडा राजविग्रह कर्ता है परंतु शनि और मंगल ग्रहोंका मार्गी भाव होना शुभ हैं तथापि अन्नभाव थोडा तेज होगा बुधग्रह रुई कपास सूत वस्त्र तिलतैलकी तेजीकर्ता है गेहूं तिल उडदकी तेजी होकर फिर मंदी होगी शुक्रका अस्त वृष्टिका आरंभ कर्ता है प्रचंड पवन चलेगा । आषाढमें पांच बुधवार सोमवारी संक्रांति शुभ है रोगपीडा दूर करे प्रजामें सुख शांति हो पवन और जलवृष्टिका जोर होगा अन्नके भावमें घटावढी होगी रुई कपासमें मंदी चलेगी शुक्र पक्षमें तुलाका मंगल रुई कपास सूतकपडा तिल तैलकी तेजी कर्ता है । प्रथम श्रावणमें पांच भृगु गुरुवारीं संक्रांति और सिंह राशिपे गुरुका तारा उत्तम फलदायक है प्रजा सुखी सुवृष्टि होगा खेतीकी नीम मजबूत लगेगी परंतु शनि रवि पुनर्वसुपे अशुभ हैं धान्यकी तेजी थोडी वर्षा सोना और लाल वस्तु तेजभाव होगा । द्वितीय श्रावणमें पांच शनिश्चर गुरुका अस्त अशुभ है परंतु मेषद्वारपे शुक्रका उदय मेघ की वृष्टि कर्ता है राजप्रजामें सुखका उदय होगा अन्नकी उपज अच्छी होगी चंद्रवारकी संक्रांति गुड शक्कर लाल वस्तु तिल तैलका भाव तेज कर्ती है तृण काष्ठकी मंहगाई इस महीनेमें सूर्य बुध गुरु शुक्र शनि यह पांच ग्रहोंकी पंचायत खराब है । भाद्रपदमें पांच सोमवार गुरुका उदय स्वराशीपे बुध उत्तम है सुंदर वृष्टि होगी गुड शक्कर सोनेका भाव सस्ता होगा मजीठ तिल तैल नारियल उडद मूंग महंगे विकेंगे । आश्विनमें पांच मंगल धनुराशिपर मंगल तथा चंद्रग्रहण अशुभ है रुई कपास घृत गुड शक्कर तृण काष्ठ जमी कंद मूलद्रव्योंकी तेजी होगी और अलसी सरसो राईकी तेजी होगी कंबोज किरात पांचाल तैलंग देशमें रोगभय प्रजापीडा होगी । कार्तिकमें पांच गुरु बुधका वक्रभाव हुआ है सो प्रजामें सुखशांति रहैगी अन्न का भाव सस्ता होगा मकरका मंगलभी धानभाव मंदा कर्ता है परंतु पश्चिम दक्षिण दिशामें सुकाल अधिक होगा । और पूर्व उत्तर दिशामें तेजी होगी रुई घृत तिल तैल ऊन सोना चांदीका भाव तेज होगा । मंगसरमें पांच भृगु उत्तम है परंतु श्रवणपे मंगल मकरका शुक्र मंगलवारी संक्रांती है सो अन्नभाव तेज होगा गेहूं की विशेष तेजी होगी रुई कपास सूत वस्त्र गुड शक्कर घृत तिल तैल तेजभाव होंगे । ओलापालासे खेतीमें नुकसान होगा । पौषमें पांच रवि कुंभका मंगल है सो पीडा शोक रोग भय अन्नका भाव अकरा कर्ता है कीट मूषककी उत्पत्ति विशेष होकर खेतीमें हानि होगी घृत तिल तैल तेजभाव होगा ओलापालाका भय होगा गेहूंकी विशेष तेजी होगी । माघमें पांच चंद्रवार मीनका मंगल है इस महीनेमें कोई भारी अशुभ योग नहीं बना है सो सुख शांति व सस्ताई होगी प्रायः सबीवस्तुका भाव घट जायगा सिर्फ रुई कपास तिल तैल तृण काष्ठ और चतुष्पद तथा नमकका भाव कुछ तेज होगा । फाल्गुनमें पांच बुध मेषपर मंगल मंगल उत्साह सुखशांति कर्ता है राजाओंमें सुखका संचार अन्नका भाव मंदा होगा नमक और तिल तैल मूंगा रत्न तथा लाल वस्तुका भाव कुछ तेज होगा दक्षिणमें अधिक होगा.

शिवपार्वतीसंवादे सामुद्रिके हस्तरेखाशुभाशुभफलं लिख्यते.

श्रीगणेशाय नमः ॥ अथातः संप्रवक्ष्यामि हस्तरेखाविचारणम् ॥ दक्षिणे पुरुषं ज्ञेयं वामे वामकरं शुभम् ॥ १ ॥ शिवोक्तं तत्र सामुद्रं हस्तरेखाशुभाशुभम् ॥ यस्य विज्ञानमात्रेण पुरुषो नहि शोचति ॥ २ ॥ यस्य मीनसमा रेखा कर्मसिद्धिश्च जायते ॥ धनाढ्यस्तु स विज्ञेयो बहुपुत्रो न संशयः ॥ ३ ॥ तुलाग्रामं तथा वज्रं करमध्ये च दृश्यते ॥ तस्य वाणिज्यसिद्धिः स्यात्पुरुषस्य न संशयः ॥ ४ ॥ पद्मचापादि खड्गं च अष्टकोणादि दृश्यते ॥ स्त्रियाश्च पुरुषस्यापि धनवान्स सुखी नरः ॥ ५ ॥ त्रिशूलं करमध्ये तु तेन राजा प्रवर्तते ॥ यज्ञे धर्मे च दाने च देवद्विजप्रपूजकः ॥ ६ ॥ शक्तितोमरबाणैश्च करमध्ये च दृश्यते ॥ रथचक्रध्वजाकारौ सच राज्यं लभेन्नरः ॥ ७ ॥ अंकुशं कुंडलं चक्रं यस्य पाणितले भवेत् ॥ तस्य राज्यं महाश्रेष्ठं सामुद्रवचनं यथा ॥ ८ ॥ गिरिकंकणयोनीनां नरमुंडघटादिकम् ॥ करे वै यस्य चिह्नानि राजमंत्री भवेन्नरः ॥ ९ ॥ रविचंद्रलतानेत्रं अष्टकोणत्रिकोणकम् ॥ मन्दिरस्य गजाश्वानां चिह्ने धनसुखी नरः ॥ १० ॥ अंगुष्ठोदरमध्यस्थो यवो यस्य विराजते ॥ उत्पन्नभक्ष्यभोगी स्यात्स नरः सुखमेधते ॥ ११ ॥ मध्यमा तर्जनीमूले यवो यस्य प्रदृश्यते ॥ धनवान्सुखभोगी स्यात्स्वदारगृहादिषु ॥ १२ ॥ इति सामुद्रिकम्.



अब हस्तरेखाका विचार कहते हैं-पुरुषके दक्षिण हस्त और स्त्रीके वाम हस्तसे शुभाशुभका विचार करना १ हस्तकी रेखाका है शुभाशुभ जिसमें ऐसा यह सामुद्रिक शास्त्र आदिमें शिवमहाराजने कहा है जिसके ज्ञानमात्रसे पुरुष शोच नहीं करता अर्थात् उसको अपने भूत भविष्यत् वर्तमान शुभाशुभका ज्ञान होजाताहै २ जिस पुरुषके हस्तमें मीन (मछली)के समान रेखा रहतीहै उसके कार्यकी सिद्धि होती है वह पुरुष धनाढ्य और बहुपुत्रवान् होताहै ३ जिस पुरुषके हस्तमें तुला (तराजू) यद्वा ग्राम वा वज्र दिखाई देता है उस पुरुषके वणिज (व्यापार) की सिद्धि होती है इसमें संशय नहीं है ४ जिस पुरुषके यद्वा स्त्रीके हस्तमें पद्म (कमल) चाप (धनु) खड्ग (तलवार) और अष्टकोण चक्र दिखाई देता है वह पुरुष वा स्त्री धनवान् और शरीरादि सुखी होते हैं ५ जिस पुरुषके हस्तमें त्रिशूल हो वह पुरुष राजा होता है और यज्ञमें धर्ममें दानमें देवता और ब्राह्मणोंका पूजनेवाला होताहै ६ जिस पुरुषके हस्तमें शक्ति, तोमर, बाण, रथ, चक्र, ध्वजा, इनमेंसे किसीका आकार दिखाईदे वह पुरुष राज्य पाताहै ७ अंकुश, कुण्डल, चक्र, इनमेंसे कोई जिस पुरुषके हस्तमें हो सामुद्रिकशास्त्रके कथनानुसार उस पुरुषको महाश्रेष्ठ राज्ययोग जानो ८ गिरि (पर्वत) कंकण (हस्तमें पहननेका कडा) योनि, मनुष्यका मुण्ड और घट इत्यादि चिन्ह जिस पुरुषके हस्तमें दिखाई दें वह पुरुष राजमन्त्री होता है ९ सूर्य, चन्द्र, लता (बेल), नेत्र, अष्टकोण, त्रिकोणचिन्ह, जिस पुरुषके हस्तमें हो और मन्दिर हस्ती अश्व इनका चिन्ह हो वह पुरुष धनसे सुखी होता है १० जिस पुरुषके अंगुष्ठके उदरके मध्यमें यव हो वह पुरुष उत्पन्न पदार्थोंके भक्ष और भोग करनेवाला होता है और सुखपूर्वक वृद्धिको प्राप्त होता है ११ मध्यमा अङ्गुलि और तर्जनी अङ्गुलिके मूलमें यव (जो) का चिन्ह जिस पुरुषको हो वह पुरुष धनवान् और पुत्र स्त्री गृहादिकोंमें सुख भोगनेवाला होता है १२ सामुद्रिक भाषाटीका समाप्ता शुभम् ॥

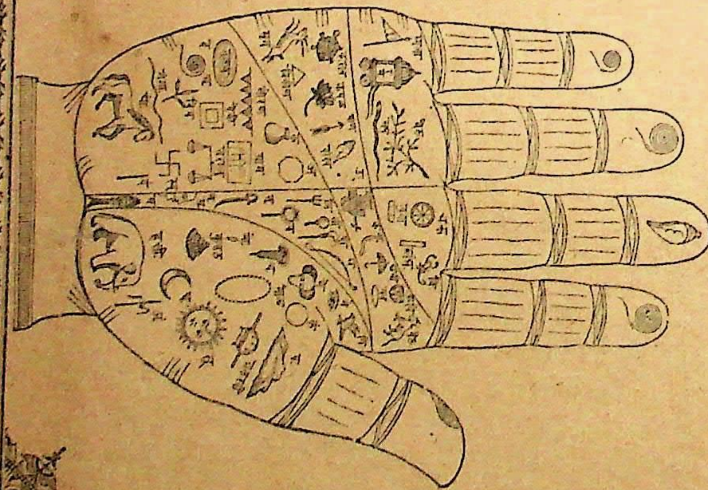
कन्या. | (वरः)

॥ दोहा ॥ वरकन्याके ऋक्षकी निगा मिलै जिहि ठोर ॥ ठारह १८ सें गुण अधिक हो शुभ मिलाप कह जोर ॥

०राशि.	राशि.न.	मे.अ.	मे.भ.	मे.कृ.	वृ.कृ.	वृ.रो.	वृ.मृ.	मि.मृ.	मि.आ.	मि.पु.	क.पु.	क.पु.	क.श्ले.	सिं.म.	सिं.पू.	सिं.उ.	क.उ.	क.ह.	क.चि.	तु.चि.	तु.स्वा.	तु.वि.	वृ.वि.	वृ.अनु.	वृ.ज्ये.	ध.मू.	ध.पू.	ध.उ.	म.उ.	म.श्र.	म.ध.	कुं.ध.	कुं.श.	कुं.पू.	मी.पू.	मी.उ.	मी.रे.
मे.	अ.	२८	३३	२७॥	१७॥	२३॥	२२॥	२५॥	१६॥	१७॥	२२॥	३०॥	२७	२०	२४	१४॥	९॥	१०॥	१२॥	२२	२८	२२	१८॥	२४॥	१३	१२॥	२४॥	२३	२५	२६	२०	१९॥	१४॥	१५॥	१४॥	२३॥	२६
मे.	भ.	३३	२८	२८	१८	२६॥	१४॥	१७॥	२५॥	२५॥	३०॥	२२॥	२४॥	१९	१७	२४	१९	१८॥	३॥	१३	२८	२१	१८॥	१७॥	१९॥	१२॥	१७॥	२५॥	२७॥	२६	१०	९॥	१९॥	२३	२२॥	१६॥	२५॥
मे.	कृ.	२६॥	२८	२८	१८	१०	१६॥	१९॥	१९॥	१९॥	२४॥	२६॥	२२॥	१५॥	१२	२०	१५	१४	१७॥	२७	१४	१९	१६॥	१९॥	१५॥	२५	१९॥	११॥	१२॥	१६॥	२५	२४॥	२५॥	१८॥	१७॥	१९॥	१०॥
वृ.	कृ.	१९॥	१९	१९	२८	१८॥	२६॥	१७	१७	१७	२१	२३	१९	१९	२१	२२	२०	१८	२३	२२	९	१४	२१॥	२४॥	३०॥	२२	१५	७	१२	१०॥	२४॥	२९	३०	२३	२०	२२	१३
वृ.	रो.	२३॥	२३॥	११	२०	२८	२६	२६॥	२३	२२	२६	२७	१२	१०॥	२४॥	२७	२५॥	२५॥	१८॥	१७॥	१५	८	१४॥	२९॥	२३॥	१३॥	१९॥	११	१६	१८	११	२५॥	२४	२९	२६	२७	१९
वृ.	मृ.	२३॥	१४॥	१८॥	२७॥	३५	२८	१८॥	२३॥	२२॥	२६	१९	२१	१९॥	१५॥	२४॥	२३	२५॥	१५॥	१०॥	२४॥	१७	२३॥	२१॥	२४॥	१४॥	१०॥	१६॥	२१॥	२६	१२	१७॥	२६॥	२८	२५	१८	२७
मि.	मृ.	२६॥	१७॥	२१॥	१९	२६॥	१९॥	२८	३३	३१॥	१८॥	११॥	१३॥	२२॥	१८॥	२७॥	३१॥	३४	२०	१३	२७	१९॥	१३	१३	१४	२२	१९	२५	१९॥	२४	१०	१२	२१	२२॥	२४	१७	२६
मि.	आ.	१८॥	२६॥	२१॥	१९	२४	२५॥	३४	२८	२५	१२	२०॥	१२॥	२१॥	२७॥	२०॥	२४॥	२४॥	२७	२०	२७	२०	१३॥	१९	५	१५	२८	२७	२१॥	२२॥	१७	१९	१२	१७	१८॥	२६	२६
मि.	पु.	१८॥	२५॥	२१॥	१९	२२	२३	३१॥	२४	२८	१४	२१	१५॥	२१॥	२५॥	१९॥	२३॥	२४॥	२६॥	१९॥	२७	२१	१४॥	२०॥	६	१४	२७	२७	२१॥	२२॥	१६॥	१८॥	१३	१६	१३॥	२६॥	२६
क.	पु.	२१॥	२८॥	२४॥	२१	२४	२५	१७॥	१०	१३	२८	३४	२८॥	१६॥	२०॥	१४॥	१६॥	१५॥	१९॥	१९	२६॥	२०॥	१९	२५	१०॥	७॥	२०॥	२०॥	२६	२७	२१	१२	५॥	९॥	१६	२५	२४॥
क.	पु.	२९॥	२०॥	२६॥	२२	२५	१८	१०॥	१८॥	२४	३४	२८	२९	१८॥	१३॥	२३॥	१५॥	२५॥	११॥	११	२५	२०॥	१९	१७	२०	१७॥	१२॥	२०॥	२६	२७	१३	४	१३	१०॥	२६	१८	२६
क.	श्ले.	२५	३३	२१॥	१८	११	१९	११॥	११॥	१३	२७॥	२८	२८	१५	१५॥	१७॥	१९॥	१५॥	२३॥	२२	११	१६	१४॥	१९	२५	२२॥	१९॥	७॥	१३	१३	२६	१७	१८	११	१७॥	२०	१२
सिं.	म.	१९	१९	१५॥	१६॥	९॥	१७॥	२०॥	२०॥	१९॥	१६॥	१८॥	१६	२८	३०	२६॥	१४॥	१४॥	१९॥	२३॥	१०॥	१५॥	२४॥	२४॥	३२	२४	१९	८॥	३॥	४॥	१७॥	२३॥	२४॥	१७॥	१७॥	१८॥	१२
सिं.	पू.	२५	१७	१९	२०	२३॥	१५॥	१८॥	२६॥	२५॥	२२॥	१६॥	१६॥	३०	२८	२४	२४	२०॥	५॥	९॥	२४॥	१७॥	२३॥	२२॥	२४॥	२०	१७	२४	१९	१८॥	५॥	९॥	१८॥	२३॥	२३॥	१६॥	२४॥
सिं.	उ.	१५॥	२५	२०	२१	२६	२४॥	२७॥	१९॥	१७॥	१४॥	२५॥	१८॥	२६॥	२४	२८	१६	१५	१२॥	१६॥	२५॥	१६॥	२२॥	३०॥	१६॥	९॥	२५	२५	२०	२०	११॥	१७॥	१०॥	१५॥	१५॥	२६॥	२४॥
क.	उ.	११	२१	१६	२०॥	२५॥	२४	३१॥	२१॥	२३॥	१७॥	२७॥	२०॥	१५॥	२३	१७	२८	२७	२४॥	१६॥	२५॥	१६॥	१८	२६	१२	१४	२९॥	२९॥	२४	२४	१५॥	१६॥	९॥	१४॥	१३	२८	२६
क.	ह.	११	१८॥	१६	२०॥	२३॥	२४॥	३२	१८॥	२३॥	१८॥	२६॥	२१॥	१६	१०॥	१५	२६	२८	२८	२०	२६॥	१८॥	२०	२६	१३॥	१५	२७	२८॥	२३	२४	१८	१९	१०॥	१९॥	१६	२६	२६
क.	चि.	१२॥	४॥	१८॥	२३	१८॥	१०॥	१८	२२	२४॥	२१॥	११॥	२५॥	२०॥	६॥	१३॥	२४॥	२७	२८	१९	१२	२५॥	२७	११	२५	२७	१३	२१	१५॥	१७	१५	१६	२४	१६॥	१२	१०	१९
तु.	चि.	२२	१४	२८	२३	१८॥	१०॥	१२	२०	१८॥	१९	११	२५	२३॥	१०॥	१७॥	२७॥	२०	२०	२८	२७	३३॥	२३॥	६॥	२०॥	२७	१३	२१	२३॥	२५	२३	१८	२६	१८॥	१२	३	१२
तु.	स्वा.	२९	२८	१६	११	१४	२४	२६	२६	२७	२७॥	२६	१२	१३॥	२४	२५॥	२५॥	२७॥	२१	२८	२८	२०	९	२१॥	१६॥	२३	२७	१९	२१॥	२२॥	२६	२१	२२	२५	१८॥	१९	११
तु.	वि.	२१	२२	२०	१५	९	१७	१८॥	२०	२०	२०॥	२०॥	१७	१६॥	१८॥	१७॥	१७॥	१८॥	२६	२३॥	१९	२८	१६	१६	२१॥	२७	२१	१३	१५॥	१५॥	२९॥	२४	२६	२०	१३॥	१२॥	४
वृ.	वि.	१६॥	१६॥	१४॥	१९॥	१३॥	२१॥	११	१२॥	१२॥	१८	१८	१४॥	२४॥	२२॥	२१॥	१७	१८	२६	२१॥	७	१५	२८	२७	३१॥	२१॥	१५॥	७॥	११	११	२५	२४	२५॥	१५॥	१९	१८	९॥
वृ.	ऽनु.	२३॥	१४॥	१८॥	२३॥	२७॥	२०॥	१०	१५	१९॥	२५	१७	२०	२४॥	२०॥	२८॥	२४	२५	११	६॥	२०॥	१६	२८	२८	३१॥	१५॥	१३॥	२१॥	२५	२६	१२	११	२०	२४॥	२४	१७	२६
वृ.	ज्ये.	१०	१७॥	२३॥	२८॥	२२॥	२९॥	१२	२	४	९॥	१९	२५	३१	२३॥	१५॥	११	११	२४	१९॥	१४॥	१९	३१॥	२०	२८	१४	१६॥	१६॥	२०	२०	२५	२२	१७	१०	९॥	२०	२०
ध.	मू.	११॥	१९	२५	१९॥	१२॥	१२॥	२१	१४	१२	७॥	१७॥	२३	२४	१८	९॥	१३	१३	२६	२६	२१	२६	२२॥	१६॥	१६	२८	२८	१५॥	१३॥	१४॥	१९॥	२८॥	२१॥	१४॥	१६॥	२४॥	२६
ध.	पू.	२५॥	१७॥	१९॥	१४	१८॥	१०॥	१९	२६	२७	२२॥	१४॥	१६॥	१९	१९	२५	२८॥	२७	१२	१२	२७	२०	१६	१५॥	१७॥	२७	२८	२४	२२	२२॥	५॥	१४॥	२३॥	२८॥	२९॥	२२॥	३०॥
ध.	उ.	२४	२५॥	११॥	६	१०	१६॥	२५	२६	२७	२२॥	२२॥	८॥	८॥	२४	२५	२८॥	२८॥	२०	२०	१९	१२	८॥	२३॥	१७॥	२५	३५	२८	१६	१५	१३॥	२२॥	२३॥	२८॥	२९॥	३०॥	२२॥
म.	उ.	२७	२८॥	१४॥	१२	१६	२२॥	१९॥	२४॥	२१॥	२८	२८	१४	४॥	२०	२१	२४	२४	१५॥	२२॥	२१॥	१४॥	१२	२७	२१	१४॥	२४	१७	२८	२७	२५॥	१५॥	१६॥	२१॥	२९॥	३०॥	२२॥
म.	श्र.	२८	२७	१४॥	१२	१७	२६	२४	१९॥	२१॥	२८	२८	१४	५॥	१८॥	२०	२३	२४	१७	२४	२१॥	१४॥	१२	२७	२१	१४	२२॥	१५	२६	२८	२७	१७	१७॥	२४॥	२८॥	२९॥	२२॥
म.	ध.	२०	११	२६	२३॥	१९	११	८	१६	१४॥	२१	१३	२७	१८॥	४॥	१०॥	१५॥	१३	१५	२९	२४	२८॥	२६	१२	२६	२०॥	६॥	१३॥	२५॥	२७	२८	१७	२३	१७॥	२४॥	१५	२२॥
कुं.	ध.	१९॥	१०॥	२५॥	३०	२५॥	१७॥	११	१८	१७	१२	४	१८	२४॥	१०॥	१८॥	१७॥	१९	१७	१८	२०	२४॥	२५	११	२५	२९॥	१५॥	२३॥	१६॥	१८	१८	२८	२३	२७॥	१६॥	६॥	१३॥
कुं.	श.	१४॥	२०॥	२६॥	३१	२५	२६॥	२०	१२	१२	६॥	१३	१९	२५॥	१९॥	११॥	१०॥	१०॥	२५	२६	२१	२६	२६॥	२०	१८	२२॥	२४॥	२४॥	१७	१७॥	२४	३३	२८	२९	८	२४॥	१५॥
कुं.	पू.	१७॥	२४॥	१९॥	२४	३०	३०	२४॥	१७	१७	११॥	१२॥	१२	१८॥	२४॥	१६॥	१५॥	१५॥	१७॥	१८॥	२६	२०	२०॥	२६॥	११	१५	२५॥	२९॥	२३॥	२२॥	२८॥	२७	१९	२८	१६	२२	१४॥
मी.	पू.	१४॥	२१॥	१६॥	१९	२५	२५	२४	१७॥	१७॥	१७	२५	१७॥	१६॥	२२॥	१४॥	१६	१६	१८	११	१८॥	१२॥	१९	२५	९॥	१४	२८॥	२८॥	२८॥	२८॥	२३॥	१५॥	७	१५	२८	३३	३०॥
मी.	उ.	२३॥	१५॥	१८॥	२१	२६	१८	१७	२५	२६॥	२६	१९	२०	१७॥	१५	२५॥	२७	२६	९	२	१९	११॥	१८	१८	२०	२३॥	२१॥	२९॥	२९॥	२५॥	१४॥	५॥	२४॥	२५	३१	२८	३२
मी.	रे.	२५	२४॥	१०॥	१३	१७	२६	२५	२४	२५	२४॥	२६	१३	१२	२२॥	२२॥	२४	२५	१९	१९	१०	४	१०॥	२६	२१	२६	२८॥	२०॥	१३॥	२१॥	२२॥	१३॥	१५॥	७॥	२०॥	२३	[illegible]

श्रीगणेशाय नमः ॥ अथातः संप्रवक्ष्यामि हस्तरेखाविचारणम् ॥ दक्षिणे पुरुषं ज्ञेयं वामे वामकरं शुभम् ॥ १ ॥ शिवोक्तं तत्र सामुद्रं हस्तरेखाशुभाशुभम् ॥ यस्य विज्ञानमात्रेण पुरुषो नहि शोचति ॥ २ ॥ यस्य मीनसमा रेखा कर्मसिद्धिश्च जायते ॥ धनाढ्यस्तु स विज्ञेयो बहुपुत्रो न संशयः ॥ ३ ॥ तुलाग्रामं तथा वज्रं करमध्ये च दृश्यते ॥ तस्य वाणिज्यसिद्धिः स्यात्पुरुषस्य न संशयः ॥ ४ ॥ पद्मचापादि खड्गं च अष्टकोणादि दृश्यते ॥ स्त्रियाश्च पुरुषस्यापि धनवान्स सुखी नरः ॥ ५ ॥ त्रिशूलं करमध्ये तु तेन राजा प्रवर्तते ॥ यज्ञे धर्मे च दाने च देवद्विजप्रपूजकः ॥ ६ ॥ शक्तितोमरबाणैश्च करमध्ये च दृश्यते ॥ रथचक्रध्वजाकारौ सच राज्यं लभेन्नरः ॥ ७ ॥ अंकुशं कुंडलं चक्रं यस्य पाणितले भवेत् ॥ तस्य राज्यं महाश्रेष्ठं सामुद्रवचनं यथा ॥ ८ ॥ गिरिकंकणयोनीनां नरमुंडघटादिकम् ॥ करे वै यस्य चिह्नानि राजमंत्री भवेन्नरः ॥ ९ ॥ रविचंद्रलतानेत्रं अष्टकोणत्रिकोणकम् ॥ मन्दिरस्य गजाश्वानां चिह्ने धनसुखी नरः ॥ १० ॥ अंगुष्ठोदरमध्यस्थो यवो यस्य विराजते ॥ उत्पन्नभक्ष्यभोगी स्यात्स नरः सुखमेधते ॥ ११ ॥ मध्यमा तर्जनीमूले यवो यस्य प्रदृश्यते ॥ धनवान्सुखभोगी स्यात्स्वस्वदारगृहादिषु ॥ १२ ॥ इति सामुद्रिकम्.

शिवपार्वतीसंवादे सामुद्रिके हस्तरेखाशुभाशुभफलं लिख्यते.





अब हस्तरेखाका विचार कहते हैं–पुरुषके दक्षिण हस्त और स्त्रीके वाम हस्तसे शुभाशुभका विचार करना १ हस्तकी रेखाका है शुभाशुभ जिसमें ऐसा यह सामुद्रिक शास्त्र आदिमें शिवमहाराजने कहा है जिसके ज्ञानमात्रसे पुरुष शोच नहीं करता अर्थात् उसको अपने भूत भविष्यत् वर्तमान शुभाशुभका ज्ञान होजाताहै २ जिस पुरुषके हस्तमें मीन (मछली)के समान रेखा रहतीहै उसके कार्यकी सिद्धि होती है वह पुरुष धनाढ्य और बहुपुत्रवान् होताहै ३ जिस पुरुषके हस्तमें तुला (तराजू) यद्वा ग्राम वा वज्र दिखाई देता है उस पुरुषके वणिज (व्यापार) की सिद्धि होती है इसमें संशय नहीं है ४ जिस पुरुषके यद्वा स्त्रीके हस्तमें पद्म (कमल) चाप (धनु) खड्ग (तलवार) और अष्टकोण चक्र दिखाई देता है वह पुरुष वा स्त्री धनवान् और शरीरादि सुखी होते हैं ५ जिस पुरुषके हस्तमें त्रिशूल हो वह पुरुष राजा होता है और यज्ञमें धर्ममें दानमें देवता और ब्राह्मणोंका पूजनेवाला होताहै ६ जिस पुरुषके हस्तमें शक्ति, तोमर, बाण, रथ, चक्र, ध्वजा, इनमेंसे किसीका आकार दिखाईदे वह पुरुष राज्य पाताहै ७ अंकुश, कुण्डल, चक्र, इनमेंसे कोई जिस पुरुषके हस्तमें हो सामुद्रिकशास्त्रके कथनानुसार उस पुरुषको महाश्रेष्ठ राज्ययोग जानो ८ गिरि (पर्वत) कंकण (हस्तमें पहननेका कड़ा) योनि, मनुष्यका मुण्ड और घट इत्यादि चिन्ह जिस पुरुषके हस्तमें दिखाई दें वह पुरुष राजमन्त्री होता है ९ सूर्य, चन्द्र, लता (बेल), नेत्र, अष्टकोण, त्रिकोणचिन्ह, जिस पुरुषके हस्तमें हो और मन्दिर हस्ती अश्व इनका चिन्ह हो वह पुरुष धनसे सुखी होता है १० जिस पुरुषके अंगुष्ठके उदरके मध्यमें यव हो वह पुरुष उत्पन्न पदार्थोंके भक्ष और भोग करनेवाला होता है और सुखपूर्वक वृद्धिको प्राप्त होता है ११ मध्यमा अङ्गुलि और तर्जनी अङ्गुलिके मूलमें व (जौ) का चिन्ह जिस पुरुषको हो वह पुरुष धनवान् और पुत्र स्त्री गृहादिकोंमें सुख भोगनेवाला होता है १२ सामुद्रिक भाषाटीका समाप्त शुभम् ॥

कन्या· | (वरः) ॥ दोहा ॥ वरकन्याके ऋक्षकी निगा मिलै जिहि ठोर ॥ ठारह १८ सें गुण अधिक हो शुभ मिलाप कह जोर ॥

राशि.	राशि.न.	मे.अ.	मे.भ.	मे.कृ.	वृ.कृ.	वृ.रो.	वृ.मृ.	मि.मृ.	मि.आ.	मि.पु.	क.पु.	क.पु.	क.श्ले.	सिं.म.	सिं.पू.	सिं.उ.	क.उ.	क.ह.	क.चि.	तु.चि.	तु.स्वा.	तु.वि.	वृ.वि.	वृ.अनु.	वृ.ज्ये.	ध.मू.	ध.पू.	ध.उ.	म.उ.	म.श्र.	म.ध.	कुं.ध.	कुं.श.	कुं.पू.	मी.पू.	मी.उ.	मी.रे.
मे.	अ.	२८	३३	२७॥	१७॥	२३॥	२२॥	२५॥	१६॥	१७॥	२२॥	३०॥	२७	२०	२४	१४॥	२॥	१०॥	१२॥	२२	२८	२२	१८॥	२४॥	१३	१२॥	२४॥	२३	२५	२६	२०	१९॥	१४॥	१५॥	१४॥	२३॥	२६
मे.	भ.	३३	२८	२८	१८	२६॥	१४॥	१७॥	२५॥	२५॥	३०॥	२२॥	२४॥	१९	१७	२४	१९	१८॥	३॥	१३	२८	२१	१८॥	१७॥	१२॥	१२॥	१७॥	२५॥	२७॥	२६	१०	९॥	१२॥	२३	२२॥	१६॥	२५॥
मे.	कृ.	२६॥	२८	२८	१८	१०	१६॥	१९॥	१९॥	१९॥	२४॥	२६॥	२२॥	१५॥	१९	२०	१५	१४	१७॥	२७	१४	१९	१६॥	१९॥	१५॥	२५	१९॥	११॥	१३॥	१६॥	२५	२४॥	२५॥	१८॥	१७॥	१९॥	१७॥
वृ.	कृ.	१९॥	१९	१९	२८	१८॥	२६॥	१७	१७	१७	२१	२३	१९	१९	२१	२२	२०	१८	२३	२२	९	१४	२१॥	२४॥	३०॥	२२	१५	७	१२	१०॥	२४॥	२५	३०	२३	२०	२२	१३
वृ.	रो.	२३॥	२३॥	११	२०	२८	३६	२६॥	२३	२२	२६	२७	१२	१०॥	२४॥	२७	२५॥	२५॥	१८॥	१७॥	१५	८	१४॥	२९॥	२३॥	१३॥	१९॥	११	१६	१८	१९	२४॥	२४	२५	२६	२७	१२
वृ.	मृ.	२३॥	१४॥	१८॥	२७॥	३५	२८	१८॥	२३॥	२२॥	२६	१९	२१	१९॥	१५॥	२४॥	२२	२५॥	११॥	१०॥	२४॥	१७	२३॥	२१॥	२४॥	१४॥	१०॥	१६॥	२१॥	२६	१२	१७॥	२६॥	२८	२५	१८	२७
मि.	मृ.	२६॥	१७॥	२१॥	१९	२६॥	१९॥	२८	३३	३१॥	१८॥	११॥	१३॥	२२॥	१८॥	२७॥	३१॥	३४	२०	१३	२७	१२॥	१३	१३	१४	२३	१९	२५	१९॥	२४	१०	१२	२१	२२॥	२४	१७	२६
मि.	आ.	१८॥	२६॥	२१॥	१९	२४	२५॥	३४	२८	२५	१२	२०॥	१२॥	२१॥	२७॥	२०॥	२४॥	२४॥	२७	२०	२७	२०	१३॥	१९	५	१५	२८	२७	२१॥	२२॥	१७	१९	१२	१७	१८॥	२६	२६
मि.	पु.	१८॥	२५॥	२१॥	१९	२२	२३	३१॥	२४	२८	१४	२१	१५॥	२१॥	२५॥	१९॥	२३॥	२४॥	२६॥	१९॥	२७	२१	१४॥	२०॥	६	१४	२७	२७	२१॥	२२॥	१६॥	१८॥	१३	१६	१७॥	२६॥	२६
क.	पु.	२१॥	२८॥	२४॥	२१	२४	२५	१७॥	१०	१३	२८	३४	२८॥	१६॥	२०॥	१४॥	१६॥	१७॥	१९॥	१२	२६॥	२०॥	१९	२५	१०॥	७॥	२०॥	२०॥	२६	२७	२१	१२	५॥	९॥	१६	२५	२४॥
क.	पू.	२९॥	२०॥	२६॥	२३	२५	१८	१०॥	१८॥	२४	३४	२८	२९	१८॥	१४॥	२२॥	१५॥	२५॥	११॥	११	२५	२०॥	१९	१७	२०	१७॥	१२॥	२०॥	२६	२७	१३	४	१३	१७॥	२६	१८	२६
क.	श्ले.	२५	२३	२१॥	१८	११	१९	११॥	११॥	१३	२०॥	२८	२८	१५	१५॥	१७॥	१९॥	१९॥	२१॥	२४	११	१६	१४॥	१२	२९	२२॥	१५॥	७॥	१३	१३	२६	१७	१८	११	१७॥	२०	१२
सिं.	म.	१९	१९	१५॥	१६॥	९॥	१७॥	२०॥	२०॥	१९॥	१६॥	१८॥	१६	२८	३०	२६॥	१४॥	१४॥	१९॥	२३॥	१०॥	१५॥	२४॥	२४॥	२२	२४	१९	८॥	३॥	४॥	१७॥	२३॥	२४॥	१७॥	१७॥	१८॥	१२
सिं.	पू.	२५	१७	१९	२०	२३॥	१५॥	१८॥	२६॥	२५॥	२२॥	१६॥	१६॥	३०	२८	३४	२४	२०॥	५॥	९॥	२४॥	१७॥	२३॥	२२॥	२४॥	२०	१७	२४	१९	१८॥	५॥	९॥	१८॥	२३॥	२३॥	१६॥	२४॥
सिं.	उ.	१५॥	२५	२०	२१	२६	२४॥	२७॥	१९॥	१७॥	१४॥	२५॥	१८॥	२६॥	२४	२८	१६	१५	१२॥	१६॥	२५॥	१६॥	२२॥	३०॥	१६॥	९॥	२५	२५	२०	२०	११॥	१७॥	१०॥	१५॥	१५॥	२६॥	२३॥
क.	उ.	११	२१	१६	२०॥	२५॥	२४	३१॥	२१॥	२३॥	१७॥	२७॥	२०॥	१५॥	२३	१७	२८	२७	२४॥	१६॥	२५॥	१६॥	१८	२६	१२	१४	२९॥	२९॥	२४	२४	१५॥	१६॥	९॥	१३॥	१७	२८	२६
क.	ह.	११	१८॥	१६	२०॥	२३॥	२४॥	३२	१८॥	२३॥	१८॥	२६॥	२१॥	१६	१०॥	१५	२६	२८	२८	२०	२६॥	१८॥	२०	२६	१३॥	१५	२७	२८॥	२३	२४	१८	१९	१०॥	१३॥	१६	२६	२६
क.	चि.	१२॥	४॥	१८॥	२३	१८॥	१०॥	१८	२२	२४॥	२१॥	११॥	२५॥	२०॥	६॥	१३॥	२४॥	२७	२८	१९	१९	२५॥	२७	११	२५	२७	१३	२१	१५॥	१७	१५	१६	२४	१६॥	१२	१०	१९
तु.	चि.	२२	१४	२८	२३	१८॥	१०॥	१२	२०	१८॥	१९	११	२५	२४॥	१०॥	१७॥	२७॥	२०	२०	२८	२७	३३॥	२२॥	६॥	२०॥	२७	१३	२१	२३॥	२५	२३	१८	२६	१८॥	१२	३	१२
तु.	स्वा.	२९	२८	१६	११	१४	२४	२६	२६	२७	२७॥	२६	१३	१२॥	२४	२५॥	२५॥	२७॥	२१	२८	२८	२०	९	२१॥	१६॥	२३	२७	१९	२१॥	२२॥	२६	२१	२२	२५	१८॥	१९	११
तु.	वि.	२१	२२	२०	१५	९	१७	१८॥	२०	२०	२०॥	२०॥	१७	१६॥	१८॥	१७॥	१७॥	१८॥	२६	३३॥	१५	२८	१६	१६	२१॥	२७	२१	१३	१५॥	१५॥	२२॥	२४	२६	२०	१३॥	१२॥	४
वृ.	वि.	१६॥	१६॥	१४॥	१९॥	१३॥	२१॥	११	१२॥	१२॥	१८	१८	१४॥	२४॥	२२॥	२१॥	१७	१८	२६	२१॥	७	१५	२८	२७	२१॥	२१॥	१५॥	७॥	११	११	२५	२४	२५॥	१५॥	१२	१८	९॥
वृ.	अनु.	२३॥	१४॥	१८॥	२३॥	२७॥	२०॥	१०	१५	१९॥	२५	१७	२०	२४॥	२०॥	२८॥	२४	२५	११	६॥	२०॥	१६	२८	२८	२१॥	१५॥	१४॥	२१॥	२५	२६	१२	११	२०	२४॥	२४	१७	२६
वृ.	ज्ये.	१०	१७॥	२३॥	२८॥	२२॥	२९॥	१२	२	४	९॥	१२	२५	३१	२३॥	१५॥	११	११	२४	१९॥	१४॥	१९	३१॥	२०	२८	१४	१६॥	१६॥	२०	२०	२५	२४	१७	१०	९॥	२०	२०
ध.	मू.	११॥	१९	२५	१९॥	१२॥	१२॥	२१	१४	१२	७॥	१७॥	२३	२४	१८	९॥	१३	१३	२६	२६	२१	२६	२२॥	१६॥	१६	२८	२८	१५॥	१३॥	१४॥	१९॥	२८॥	२१॥	१४॥	१६॥	२४॥	२६
ध.	पू.	२५॥	१७॥	१९॥	१४	१८॥	१०॥	१९	२६	२७	२२॥	१४॥	१६॥	१९	१९	२५	२८॥	२७	१२	१२	२७	२०	१६	१५॥	१७॥	२७	२८	३४	२३	२२॥	५॥	१४॥	२३॥	२८॥	२९॥	२२॥	२०॥
ध.	उ.	२४	२५॥	११॥	६	१०	१६॥	२५	२६	२७	२२॥	२२॥	८॥	८॥	२४	२५	२८॥	२८॥	२०	२०	१९	१२	८॥	२३॥	१७॥	२५	३५	२८	१६	१५	१३॥	२२॥	२३॥	२८॥	२९॥	३०॥	२२॥
म.	उ.	२७	२८॥	१४॥	१२	१६	२२॥	१९॥	२४॥	२१॥	२८	२८	१४	४॥	२०	२१	२४	२४	१५॥	२२॥	२१॥	१४॥	१२	२७	२१	१४॥	२४	१७	२८	२७	२५॥	१५॥	१६॥	२१॥	२९॥	३०॥	२२॥
म.	श्र.	२८	२७	१४॥	१२	१७	२६	२३	१९॥	२१॥	२८	२८	१४	५॥	१८॥	२०	२४	२४	१७	२४	२१॥	१४॥	१२	२७	२१	१४	२२॥	१५	२६	२८	२७	१७	१७॥	२६॥	२८॥	२९॥	२४॥
म.	ध.	२०	११	२६	२३॥	१९	११	८	१६	१४॥	२१	१३	२७	१८॥	४॥	१०॥	१५॥	१७	१५	२९	२४	२८॥	२६	१२	२६	२०॥	६॥	१२॥	२५॥	२७	२८	१७	२३	१७॥	२४॥	१५	२३॥
कुं.	ध.	१९॥	१०॥	२५॥	३०	२५॥	१७॥	११	१८	१७	१२	४	१८	२४॥	१०॥	१८॥	१७॥	१९	१७	१८	२०	२४॥	२५	११	२५	२९॥	१५॥	२३॥	१६॥	१८	१८	२८	३३	२७॥	१६॥	६॥	१३॥
कुं.	श.	१४॥	२०॥	२६॥	३१	२५	२६॥	२०	१२	१२	६॥	१३	१९	२५॥	१९॥	११॥	१०॥	१०॥	२५	२६	२१	२६	२६॥	२०	१८	२२॥	२४॥	२४॥	१७	१७॥	२४	३३	२८	१९	८	२४॥	१५॥
कुं.	पू.	१७॥	२४॥	१९॥	२४	३०	३०	२३॥	१७	१७	११॥	१९॥	१२	१८॥	२४॥	२६॥	१५॥	१५॥	१७॥	१८॥	२६	२०	२०॥	२६॥	११	१५	२८॥	२५॥	२२॥	२२॥	२८॥	२७	१९	२८	१६	२२	[illegible]
मी.	पू.	१४॥	२१॥	१६॥	१९	२५	२५	२४	१७॥	१७॥	१७	२५	१७॥	१६॥	२२॥	१४॥	१६	१६	१८	११	१८॥	१३॥	१९	२५	९॥	१४	२८॥	२८॥	२८॥	२८॥	३४॥	१५॥	७	१५	२८	३३	[illegible]
मी.	उ.	२३॥	१५॥	१८॥	२१	२६	१८	१७	२५	२६॥	२६	१९	२०	१७॥	१५	२५॥	२७	२६	९	२	१९	११॥	१८	१८	२०	२३॥	२१॥	२९॥	२९॥	२९॥	१४॥	५॥	२४॥	२१	३६	२८	[illegible]
मी.	रे.	२५	२३॥	१०॥	१४	१७	३६	२५	२४	२५	२४॥	२६	१३	१२	२२॥	२२॥	२४	२५	१५	१९	१०	४	१०॥	२६	२१	२६	[illegible]	[illegible]	३१॥	[illegible]	२४॥	१३॥	१५॥	१०॥	[illegible]	[illegible]	[illegible]

वर्षसारिणी–गतसमके वारादि सब जन्म इष्टमें जोड ॥ समसूरजअग्रिमधरो वारसातसे तोड ॥ १ ॥

०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	२०	३०	४०	५०	६०	७०	८०	९०
वार	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	४	२	१	६	५	४	२	१
घटी	१५	३१	४६	२	१७	३३	४८	४	१९	३५	१०	४५	२१	५६	३१	६	४२	१७
पळ	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३	१५	३०	४५	०	१५	३०	४५	०	१५
विप.	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
तिथि	११	२२	३	१४	२५	६	१७	२८	९	२०	१०	०	२०	१०	०	२०	१०	०

स्वभावत् मैत्रचक्रम्.

मित्र	समा	शत्रु
३	२	१
५	६	४
९	८	७
११	१२	१०
०	०	०

हद्दाचक्रम्.

मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
गु. ६	शु. ८	बु. ६	मं. ७	गु. ६	बु. ७	श. ६	मं. ७	गु. १२	बु. ७	शु. ७	शु. १२
शु. ६	बु. ६	शु. ६	शु. ६	शु. ५	शु. १०	बु. ८	शु. ४	शु. ५	गु. ७	बु. ६	गु. ४
बु. ८	गु. ८	गु. ५	बु. ६	श. ७	गु. ४	गु. ७	बु. ८	बु. ४	शु. ८	गु. ७	बु. ३
मं. ५	श. ५	मं. ७	गु. ७	बु. ६	मं. ७	शु. ७	गु. ५	मं. ५	श. ४	मं. ५	मं. ९
श. ५	मं. ३	श. ६	श. ४	मं. ६	श. २	मं. २	श. ६	श. ४	मं. ४	श. ५	श. २

दिनकेसहम ऊपरसे और रात्रिके सहम नीचेसे करो.

सहमा	एतऊ.	एतेभ्य	एतेयुक्त	सहमा.	एहीनक	इनमेक.	एतेयु
पुण्यं	सूर्य.	चंद्रात्	तनु	प्रसूति	बुधं	गुरुतः	तनु
गुरुः	चंद्र	सूर्यात्	तनु	जाड्य	शनि	भौमात्	बुध
यश.	पुण्यं	जीवात्	तनु	जलप	चंद्रं	शनेः	लग्न
मित्र.	पुण्यं	गुरुतः	शुक्र	शत्रु	शनि	भौमात्	लग्न
महा.	भौमः	पुण्यात्	तनु	दरिद्र	बुधं	पुण्यात्	बुध
आशा	शुक्र	शनितः	तनु	शास्त्र	शनि	गुरुतः	बुध
राज	सूर्य	शनेः	तनु	बंदक	बुधं	चन्द्रात्	तनु
माता	शुक्रं	चंद्रात्	तनु	बंधन	शनि	पुण्यात्	तनु
उपाय	गुरु	शनेः	तनु	अश्व	सूर्य	पुण्यात्	लाभ
कर्म	बुधं	भौम	तनु	अन्यक.	शनि	चंद्रात्	तनु
कली	भौमं	गुरुतः	तनु	बुद्धि	सूर्य	जीवात्	तनु
मनुष्य.	६ भाव	१२ भा.	तनु	अंग	शनि	भौमात्	तनु
रात्री	शोधक	शोध्य	विमे	रात्रिमे	शोधक	शोध्य	

दिनरात्रिमें इकसार सहम.

सहमा.	एहीनक	इनमे	एतुक्त.
भ्रातृ	शनि	गुरुतः	लग्न
पुत्र	चन्द्रं	गुरुतः	लग्न
रोग	चन्द्रं	तनुतः	तनु
बंधु	चन्द्रं	बुधात्	तनु
मृत्यु	चन्द्रं	८भावा	शनि
यात्रा	धर्मेशं	धर्मात्	तनु
धन	धनेशं	धनात्	तनु
अन्यस्त्री	सूर्य	शुक्रात्	तनु
वणिक्	बुधं	चन्द्रात्	तनु
विवाह	शनि	शुक्रात्	तनु
श्रद्धा	भौमं	शुक्रात्	तनु
प्रीति	पुण्यं	ज्ञानतः	तनु
व्यापार	बुधं	भौमात्	तनु
कन्या	चन्द्रं	शुक्रात्	तनु
संताप	चन्द्रं	शनितः	६ भा.
जलपा	शनि	कर्कार्द्धः	तनु
राज	गुरुः	चंद्रतः	तनु
घातक	पुण्यं	गुरुतः	तनु

दृष्टिचक्रं ताजकोक्तम्.

शेषरा.	स्पष्टद.	ल. गु.	भागां.	दृष्टिम.
१	०	४	३	ध.
२	४०	५	६	ऋ.
३	१५	१	१	ध.
४	४५	३	२	ऋ.
५	०	४	२	ध.
६	६०	२	१	ऋ.
७	०	३	२	ध.
८	४५	१	१	ऋ.
९	१५	१	६	ऋ.
१०	१०	१	३	ध.
११	०	२	१	ध.
०	६०	२	१	ऋ.

जिस ग्रह या भाव ऊपर दृष्टि करणी होय उसमेंसे जिस ग्रहकी दृष्टि करणी होय उसकूं घटावें. शेषराशितुल्य कोष्ठका उक्त कर्म करे कलादि दृष्टि स्पष्ट होय ये दृष्टि १-४-७-१० भावोंपर या इनस्थानोंमें बैठे ग्रहोंपर शत्रुदृष्टि होती है. फल नेष्ट और ३-५-९-११ भावोंपर या ग्रहों ऊपर मित्र दृष्टि है. फल श्रेष्ठ ये स्थानग्रह बैठेसे है.

द्रेष्काणचक्रम्.

रा	मे	वृ	मि	क	सि	क	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
१०	मं	बु	गु	शु	श	सू	चं	मं	बु	गु	शु	श
२०	र	चं	मं	बु	गु	शु	श	र	चं	मं	बु	गु
३०	शु	श	र	चं	मं	बु	गु	शु	श	र	चं	मं

	स्व	मि	स	श
स्व.	३०	२२ ३०	१५	७ ३०
हद्दा.	१५	११ १५	७ ३०	३ ४५
द्रेष्क.	१०	७ ३०	५	२ ३०
नव.	५	३ ४५	२ ३०	१ १५

त्रिराशिपतिचक्रम्

रा	मे	वृ	मि	क	सिं	क	तु	वृ	ध	मं	कुं	मी
दि	सू	शु	श	शु	गु	चं	बु	मं	श	मं	गु	चं
रा	गु	चं	बु	मं	सू	शु	श	शु	श	मं	गु	चं

नवमांशाद्यगण.

आ.	मे	म	तु	क
रा.	१	२	३	४
रा.	५	६	७	८
रा.	९	१०	११	१२

पुण्यसहमके समानही ज्ञान-विद्याप्राप्ती होते हैं ऐसेही यशःके समान बल देह और महात्मके सम धीर्य धैर्य माताके समान बंधु प्रीतिके समान उपाय विवाह सम स्त्री. कलीसोही क्षमायात्राके समान परदेसमार्ग होते हैं और शोध्यसे शोधकतक लग्न बीचमें नहीं आवे तो सहममें १ राशि और जोडदेनी अन्यथा नहीं ॥

श्लो०. नंदत्रिषट्लग्नभवर्क्षपुत्रव्यया इमाद्दर्षपदं समोत्तम् । त्रिभं त्रिभं लग्नभतः क्रमेण क्षीणो नृणां रात्रिदिने च तेषां ॥१॥ गतसम जन्मभ एककर युग्महीन नवदंश बाकी सू.चं.मं.रा.गु.श.बु.के. शु. त्रिघ्न सम अंश ॥ २ ॥ टी०. गतवर्षोंमें जन्मनक्षत्र संख्या जोड २ हीन ९ को भागदे बाकी जो रहे सो सूर्यादिकोंकी दशाविंशोत्तरीका वर्षोंको तिगुनाकर अंश लिखें १ वर्षका सूर्यमें १ राशि जोडके अवधिका सूर्यके और महीनाका सूर्यके अंतरकी पलाके गतिकी पलाको भागदे लब्ध दिनादि ठेके पंक्तीका इष्टमें धन या ऋण करदे तो महीना स्पष्ट हो जाय ॥२॥ दो० तृसामें घर वर्ष तनु नभग जन्मके देय । चन्द्र चला नव वर्षसे चार चारसे शेष ३.

होरा.

मे.	वृ.	मि	क.	सिं	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी	अं.
५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	१५
४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	३०

द्रेष्काण.

मे.	वृ.	मि	क.	सिं	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी	अं.
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१०
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	२०
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	३०

विषमे त्रिंशांशकाः समभेत्रिंशांशकाः

अं.	मे.	मि	सिं	तु.	ध.	कुं.	वृ.	क.	क.	वृ.	म.	मी	अं.
५	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	५
१०	११	११	११	११	११	११	६	६	६	६	६	६	१२
१८	९	९	९	९	९	९	१२	१२	१२	१२	१२	१२	२०
२५	३	३	३	३	३	३	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२५
३०	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	३०

सप्तांशक ४।१७।८।३४.

मे.	वृ.	मि	क.	सिं	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी	अं.	
१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	६	४	१७
२	९	४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	७	८	३४
३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	६	१	८	१२	५१
४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	१७	८
५	१२	७	२	९	४	११	६	१	८	३	१०	२१	२२
६	१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	२५	४२
७	२	९	४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	३०	०

नवमांशक.

मे.	वृ.	मि	क.	सिं	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी	अं.	
१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	३	२०
२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	८	५	६	४०
३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	१०	०
४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	१३	२०
५	२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	८	१६	४०
६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	२०	०
७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	२३	२०
८	५	२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	२६	४०
९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	३०	०

द्वादशांशक.

मे.	वृ.	मि	क.	सिं	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी	अं.	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	२	३०
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	५	०
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	७	३०
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	१०	०
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	१२	३०
६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	१५	०
७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	१७	३०
८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	२०	०
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	२२	३०
१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	२५	०
११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	२७	३०
१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	३०	०

विंशोत्तरीदशाकी गणना.

सू.	चं.	मं.	रा.	गु.	श.	बु.	के.	शु.
६	१०	७	१८	१६	१९	१७	७	२०
कृ.	रो.	मृ.	आ	पु.	पु.	ऽश्ले.	म.	पू.
उ.	ह.	चि.	स्वा	वि.	अ.	ज्ये.	मू.	पू.
उ.	श्र.	ध.	श.	पू.	उ.	रे.	अ.	भ.

योगिनीदशाकी गणना

मं.	पिं.	ध.	भ्रा.	भ.	उ.	सि.	सं.
आ.	पु.	पु	ऽश्ले.	म.	पू.	उ.	ह.
चि.	स्वा.	वि.	अ.	ज्ये.	मू.	पू.	उ.
श्र.	ध.	श.	पू.	उ.	रे.	०	०
०	०	०	अ.	भ.	कृ.	रो.	मृ.
१	२	३	४	५	६	७	८

दशाभुक्त भोग्यकी कर्त्तव्यता-गत नक्षत्रकी घटी ६० मेंसे घटा इष्ट घटी जोडे उसे भयात और ६० में घटाया उसीमें प्रवेश न. की घटी जोडे उसे भभोग कहते है भयातकी पलोंको दशाकावर्षासे गुणके भभोगकी पलोंसे भागले लब्ध अंक वर्षफिर शेषांकको १२ गुणभभोगकी पलोंका भाग दे लब्ध मास फिर ३० गुणाकर दिन ६० गुणाकर घटी और पलले फिर दशाका भुक्त यह है इसे दशाके वर्षोंमे घटादे तो भोग्यवर्षहोय

रविरेखा ४८ दि ३ घ ४५

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
१	३	१	३	५	६	१	३
२	६	२	५	६	७	२	४
४	१०	४	६	९	१२	४	६
७	११	७	९	११		७	१०
८		८	१०			८	११
९		९	११			९	१२
१०		१०	१२			१०	
११		११				११	

चंद्ररेखा ४९ दि १६।५२

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
३	१	२	१	१	३	३	३
६	३	३	३	४	४	५	६
७	६	५	४	७	५	६	१०
८	७	६	५	८	७	११	११
१०	१०	९	७	१०	९		
११	११	१०	८	११	१०		
		११	१०	१२	११		
			११				

भौमरे. ३९ दि. ५।३।३९

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
३	३	१	३	६	६	१	१
५	६	२	५	१०	८	४	३
६	११	४	६	११	११	७	६
१०		७	११	१२	१२	८	१०
११		८				९	११
		१०				१०	
		११				११	

बुधरेखा ५४ दि. ३।१७

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
५	२	१	१	६	१	१	१
६	४	२	३	८	२	२	२
९	६	४	५	११	३	४	४
११	८	७	६	१२	४	७	६
१२	१०	८	९		५	८	८
	११	९	१०		८	९	१०
		१०	११		९	१०	११
		११	१२		११	११	

गुरुरे. ५६ मा. २।१८।५४

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
१	२	१	१	१	२	३	१
२	५	२	२	२	५	५	२
३	७	४	४	३	६	६	४
४	९	७	५	४	९	१२	५
७	११	८	६	७	१०		६
८		१०	९	८	११		७
९		११	१०	१०			९
१०			११	११			१०
११							११

भृगु. ५२ दि. ३।५२।५१

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
८	१	३	३	५	१	३	१
११	२	५	५	८	२	४	२
१२	३	६	६	९	३	५	३
	४	९	९	१०	४	८	४
	५	११	११	११	५	९	५
	८	१२			८	१०	८
	९				९	११	९
	१०				११		
	११				१२		

शनि. ३९ मा. ३।२२।२२

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
१	३	३	६	५	६	३	१
२	६	५	८	६	११	५	३
४	११	६	९	११	१२	६	४
७		१०	१०	१२		११	६
८		११	११				१०
१०		१२	१२				११
११							

लग्नरेखा ४९

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
३	३	१	१	१	१	१	३
४	६	३	२	२	२	३	६
६	११	६	४	४	३	४	१०
१०		१०	६	५	४	६	११
११		११	८	६	५	१०	
१२			१०	७	८	११	
			११	९	९		
				१०	११		
				११			

अवस्थाच.

विषमे.		समे.
मृता.	३०	बाल.
वृद्धा.	२४	कुमार.
युवा.	१८	युवा.
कुमार.	१२	वृद्धा.
बाल.	६	मृता.

अवस्थाजाग्र.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

निसर्गमैत्री.

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ग्र.
चं. मं. गु.	सू. बु.	सू. चं. गु.	सू. शु.	सू. चं. मं.	बु. श.	बु. शु.	मित्राः
बु.	मं. गु. शु. श.	शु. श.	मं. गु. श.	श.	मं. गु.	गु.	समाः
शु. श.	०	बु.	चं.	बु. शु.	सू. चं.	सू. चं. मं.	शत्रवः

तात्कालमैत्री.

मित्रा.	शत्रवः
२	१
३	५
४	६
१०	७
११	८
१२	९

कष्टस्यादेकरेखायांद्वाभ्यामर्थक्षयो भवेत् । त्रिभिः कुश त्रिजानीयाच्चतुर्भिस्समतां विदेत् ॥१॥ पंचभिश्चवदेत्सौख्यंषड्भिश्चैव धनागमः ॥ सप्तभिःपरमानंदमष्टभिस्सर्वसंपदम् ॥२॥ टी० जिसग्रहका बल देखनाहो उसकी रेखा जन्मकुंडली लिखके लगानी फिर विचारणीयराशिमें कितने रेखा पाया हैं यदि १ से ३ तक पाया तो निर्बली ग्रह हुवा४पाया तो सम५ से८ पाया तो बली ऐसेही विचार विवाहजनेऊ आदिकर्म करना सब ग्रहोंकी रेखा एक जगह करनेसे आयुका निर्णयभी ठीकहो जाता है। और देखो जातकमे

पंचधामैत्रीसप्तकवर्गीबलम्

१ सप्तकवर्गमें स्वगृहीका	३०	०	०
२ मित्रमित्रको अतिमित्रताको	२२	३०	०
३ मित्रसमको मित्रहोयताको.	१५	०	०
४ मित्रशत्रुकोसम होयताको.	७	३०	०
५ सम शत्रुकोशत्रु होयताको.	३	४५	०
६ शत्रुशत्रुको अतिशत्रुहो.	१	५२	३०

अथ विशेषविषयसम्पन्न सर्वोपयोगी चक्रम्.

ग्रह	र.	चंद्र.	मंगल.	बुध.	गुरु.	शुक्र.	शनि.	राहु.	केतु.
सितारा	आफताब.	माहताब.	मिरीख	उतारद	मुश्तरी	जाहार.	जाहल	रास	जनब.
प्लेनेट	सन्	मून.	मार्स.	मर्क्यूरी.	जुपिट.	वेनस	सटर्न	हूगोन्स	ड्रेगोन्स
ग्रहाणांएकपाददृष्टि०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०
द्विपाददृष्टि०	५।९	५।९	५।९	५।९	५।९	५।९	५।९	५।९	५।९
त्रिपाददृष्टि०	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८
सम्पूर्णदृष्टि	७	७	४।७।८	७	५।७।९	७	३।७।१०	७	७
ग्रहाणां वर्षाः	२२	२४	२८	३२	१६	२५	३६	४२	४२
नेष्टग्रहस्यबंध दानोपायसाधन	हरिवंश श्र.	त्रिपुर. जप.	स्त्रीजप	कांस्य दान.	अमावस्या	गोरक्षा	मृत्युंजयजप	भुजंग दान	ध्वजा दान
ग्रहाणा एकराशौ भुक्तप्रमाण.	मास. १	दिन. २१	मास १॥	मास १	मास १३	मास १	मास ३०	मास १८	मास १८
ग्रहाणां रत्नानि	माणक.	मोती.	प्रवाल.	पन्ना.	पुष्परा.	हीरो	नीलम	पिरोजी	लसणि.
मित्रग्रहाः	चं. मं. बृ.	र. बु.	र. बृ. च.	र. रा. शु.	र. चं. मं	बु. रा. श.	बु. रा. शु.	बु. श. शु.	बु.
समग्रहाः	बु.	मं. शु. गु. श.	शु. श. रा.	म. श. गु.	श. रा.	मं. गु.	गु.	गु.	०
शत्रुग्रहाः	श. रा. शु.	रा.	बु. रा.	चं.	बु. शु.	र. चं.	र.चं.मं	र.चं.मं	०
ग्रहाणां उच्चराश्यं.	मेष १०	वृष ३	मकर २८	कन्या. १५	कर्क ५	मीन २७	तुला २०	मिथुन १५	धन १५
नीचग्रहांश अं.	तुल १०	वृश्चि. ३	कर्क २८	मीन १५	मकर ५	कन्या २७	मेष २०	धन १५	मिथुन १५
स्वगृहाणि	सिंह	कर्क	मे. वृ.	क. मि	ध. मी.	वृ. तु	म. कु.	कन्या.	मीन
मूलत्रिकोण	सिंह	वृष.	मेष	कन्या	धनु	तुला	कुंभ	कर्क	मकर
वर्ण	क्षत्री	वैश्य	क्षत्री	शूद्र	विप्र	विप्र	शूद्र निखाद	निखाद	निखाद
पुं. स्त्री	पुरु.	स्त्री	पुरु	स्त्री	पुरु	स्त्री	स्त्री	पुरु	पुरु
आकार	चतुरस्र	व.स्थूल	चतुष्को	वृत्त	वृत्त	दीर्घ	दीर्घ	दीर्घ	पुच्छ
समय	मध्याह्न	अपराह्न	मध्याह्न	प्रभात	प्रभात	अपराह्न	अपराह्न	अपराह्न	अपराह्न
दिशा	पूर्व	वायव्य	दक्षि	उत्तर	ईशान	आग्नेय	पश्चिम	नैऋत्य	नैऋत्य
धातु	सुवर्ण	रौप्य	सुवर्ण	कांस्य	हीरसुव	रौप्य	लोह	लोह	लोह
पाद	चतुष्प.	बहुपद	चतुष्प.	द्विपद	द्विपद	द्विपद	भुजग अपद	अपद	अपद
सौम्यादि	उग्र.	सौम्य	उग्र	शुभ	शुभ	शुभ	पाप	पाप	पाप
गुण	सत्व.	सत्व	तम	रज	सत्व	रज	तम	तम	तम
चरादि	स्थिर	चर	चर	द्विस्व	स्थिर	चर	पक्षी स्थिर	चर	पक्षी
रस	तिक्त	क्षार	कटु	सर्वरस	मधुर	अम्ल	कषाय	कषाय	कषाय
भूमि	पशुप्राय	जलभू	दग्ध	स्मशान	वाणी सुरालय	जलभू	उत्कर	उपर	उपर
पित्तादि	पित्त	श्लेष्म	पित्त	सम धातु	सम धातु	कफ शुक्र	वायु	वायु	वायु
अवस्था	वृद्ध	युवा	युवा	युवा	वृद्ध	युवा	अतिव.	वृद्ध	वृद्ध
रंग	पाटल	गौरश्वे.	रक्त	नील	पीत	श्वेत	नील	धूम्र	धूम्र
धात्वादि	मूल	जीव	धातु	जीव	जीव	मूल	मूल	धातु	धातु
स्थान	वन	जल	वन	ग्राम	ग्राम	ग्राम	संधि	विवर	विवर

विवाहे रविचन्द्रगुरुशुद्धिचक्रम्.

वरस्य रविः	उभयोः चंद्रः	कन्यायाः गुरुः	ग्रहाः
३।६।१०।११	१।२।३।५।६। ७।१०।११	२।५।७।९।११	शुभस्थान.
१।२।५।७।९		१।३।६।१०	पूज्यस्थान.
४।८।१२	४।८।१२	४।८।१२	अपूज्यस्थान

सूर्यरीसंक्रांतिसू इतना दिन ५।७।९।१५।२१।२४ धरतीसूती कहिजे सूर्यनक्षत्रात्५।७।९।१२।१९। २६ मुख्यमं. केचित्

ईशान्य १४	पूर्व १७	अग्नि १५
उत्तर १५	सर्वघटी १३५	दक्षिण २१
वायव्य १९	पश्चिम १८	नैऋत्य १६

एकराशिके चंद्रका घटीनुसार वास.

वार वेला.

वार	याम	घटी	कुलिक.	काल.	कंटक.	एतिष.	दुष्टक्षण.
र.	४	३॥	१४	८	६	१०	१४
चं.	७	३॥	१२	६	४	८	१२
मं.	२	३॥	१०	४	२	६	४
बु.	५	३॥	८	२	१४	४	८
गु.	८	३॥	६	१४	१२	२	१२
शु.	३	३॥	४	१२	१०	१४	४
श.	६	३॥	२	१०	८	१२	२

जन्मनि विंशतिः २० सूर्ये तृतीये दश १० चंद्रमाः ॥ चतुर्थे चाष्टमे भौमे षष्ठे वेद बुधस्तथा ॥ १ ॥ सप्तमे दश मंदस्य नवमेष्ट बृहस्पतेः ॥ दशमे विंशती राहोः शेषा भृगुदशा भवेत् ॥ २ ॥

जन्मके सूर्यकादिन २० तक सूर्यकी दशाते मध्येऽन्तर.				तीजा सूर्यका १० दिन-तक चंद्रमाकी दशा दि-न ५० ते मध्येऽन्तर.				चोथा सूर्यका दिन ८ तक भौमदशा दिन २८ ते मध्येऽन्तर.				छठे सूर्यका दिन ४ तक बुधदशा दिन ५६ ते मध्येऽन्तर.				सातमा सूर्यका दिन १० तक शनिदशा दिन ३६ ते मध्येऽन्तर.				नवमा सूर्यका दिन ८ तक गुरुदशा दिन ५८ ते मध्येऽन्तर.				दशमा सूर्यका दिन २०तक राहुदशा दि-न ४२ ते मध्येऽन्तर.				बारह्मा सूर्य संपूर्ण तक शुक्रदशा दिन ७० ते मध्येऽन्तर.			
ग्र.	दि.	घ.	प.	ग्र.	दि.	घ.	प.	ग्र.	दि.	घ.	प.	ग्र.	दि.	घ.	प.	ग्र.	दि.	घ.	प.	ग्र.	दि.	घ.	प.	ग्र.	दि.	घ.	प.	ग्र.	दि.	घ.	प.
र	१	६	४०	चं	६	५६	४०	मं	२	१०	४०	बु	८	४२	४०	श	३	३६	०	गु	९	२०	४०	रा	४	५४	०	शु	१३	३६	४०
चं	२	४६	४०	मं	३	५३	२०	बु	४	२१	२०	श	५	३६	०	गु	५	४८	०	रा	६	४६	०	शु	८	१०	०	र	३	५३	२०
मं	१	३३	२०	बु	७	४६	४०	श	२	४८	०	गु	९	१	२०	रा	४	१२	०	शु	११	१६	४०	र	२	२०	०	चं	९	४३	२०
बु	३	६	४०	श	५	०	०	गु	४	३०	४०	रा	६	३२	०	शु	७	०	०	र	३	१३	२०	चं	५	५०	०	मं	५	२६	४०
श	२	०	०	गु	८	३	२०	रा	३	१६	०	शु	१०	५३	२०	र	२	०	०	चं	८	३	२०	मं	३	१६	०	बु	१०	४३	२०
गु	३	१३	२०	रा	५	५०	०	शु	५	२६	४०	र	३	६	४०	चं	५	०	०	मं	४	३०	४०	बु	६	३२	०	श	७	०	०
रा	२	२०	०	शु	९	४३	२०	र	१	३३	२०	चं	७	४६	४०	मं	२	४८	०	बु	९	१	२०	श	४	१२	०	गु	११	१६	४०
शु	३	५३	२०	र	२	४६	४०	चं	३	५३	२०	मं	४	२१	२०	बु	५	३६	०	श	५	४८	०	गु	६	४६	०	रा	८	१०	०

राशीका उपरथकी शुभाशुभ देखना.

राशि	मे. १	वृ. २	मि. ३	क. ४	सिंह. ५	क. ६	तु. ७	वृ. ८	ध. ९	म. १०	कुं. ११	मी. १२
रवि	स्थाननाश	भय	श्रीप्राप्ति	मानभंग	दैन्य	रिपुनाश	गमन	पीडा	कांतिक्षय	कार्यसिद्धि	वित्तलाभ	हानी
चन्द्र	अन्न	वित्तनाश	द्रव्यलाभ	कुक्षिरोग	कार्यनाश	वित्तलाभ	धनस्त्रीलाभ	मृत्यु	राजभय	महासौख्य	विविध	रोगधननाश
मंगल	शत्रुभय	धननाश	श्रीलाभ	शत्रुभय	धनक्षय	द्रव्यलाभ	शोक	शत्रुभय	कार्यनाश	शोक	वस्त्रलाभ	रोगधननाश
बुध	बंधुलाभ	धनलाभ	क्लेशकर	अर्थलाभ	शत्रुवृद्धि	स्थानप्रा.	शरीरपीडा	धनलाभ	पीडा	सौख्य	धनलाभ	वित्तनाश
गुरु	भय	धनलाभ	रोग	द्रव्यनाश	सौख्य	शोक	राजमान	मृत्यु	सौख्य	दैन्य	द्रव्यलाभ	पीडा
शुक्र	शस्त्रघात	द्रव्यलाभ	वित्तनाश	धनलाभ	पुत्रलाभ	शत्रुभय	शोक	अन्नलाभ	शस्त्रलाभ	सौख्य	धनलाभ	द्रव्यलाभ
शनि	धननाश	धनहर	धनलाभ	शत्रुभय	अर्थलाभ	अन्नलाभ	दोषसंग्रह	शरीरपीडा	धनलाभ	दौर्मनस्य	द्रव्यलाभ	अनर्थ
राहु	हानि	वित्तनाश	द्रव्यलाभ	वैर	शोक	वित्तलाभ	कलि	प्राणनाश	पाप	वैर	यश	हानि
केतु	हानि	वित्तनाश	द्रव्यलाभ	वैर	शोक	वित्तलाभ	कलि	प्राणनाश	पाप	वैर	यश	हानि

रोगीके मरणजीवनका विचार.

उरगशतभिषगार्द्रा स्वातिमूळे त्रिपूर्वा मरणिरविजवारे भानुभौमार्कि युक्ताः। प्रथमदिन चतुर्थी द्वादशी षष्ठि भूता हरिहरविधिरक्षो रोगिणां मृत्युकालः ॥ १ ॥ ऽश्लेषा. शतभिषक्. आर्द्रा. स्वाती. पूर्वा ३. भरणी ये नक्षत्र. शनि भौम रवि ये वार. ४।१२।६।१४ ये तिथि इनमें बीमार पुरुषकी ब्रह्मा विष्णु सब रक्षा करे तबभी मृत्यु हो और इन तीनमें एकभी कम हो तो चिन्ता नहीं करना.

अथ संमुखचंद्रदिशाप्रति.

मेषे च सिंहे धनु पूर्वभागे वृषे च कन्या मकरे च याम्ये ॥ युग्मं तुला कुंभसु पश्चिमायां कर्कालिमीने दिशि चोत्तरस्यां ॥१॥ फल—सन्मुखे अर्थलाभाय दक्षिणे सुखसंपदा। पृष्ठतः प्राणनाशाय वामे चंद्रे धनक्षयः ॥२॥ अर्थः—मेष. सिं. ध. पूर्व. वृ. कन्या. म. दक्षिण. मि. तु. कुं. पश्चिमे कर्क. मी. वृ. उत्तरे.

अथ योगिनीचक्रम्.

ईशान. ३०।८ — पूर्व. १।९ — आग्ने. ३।११

उत्तर २।१० — दक्षिण ५।१३

योगिनी सुखदा वामे पृष्ठे वांछितदायिनी ॥ दक्षिणे धनहंत्री च सन्मुखे मरणप्रदा ॥ १ ॥

वायव्य ७।१५ — पश्चिम ६।१४ — नैर्ऋत्य ४।१२

अथ कालराहुचक्रम्.

ईशान — पूर्व शनि — अग्नि. शुक्र

उत्तर रवि — दक्षिण गुरु

अर्कोत्तरे वायुदिशा च सोमे भौमे प्रतीच्यां बुधनैर्ऋते च याम्ये गुरौ वह्निदिशा च शुक्रे मंदे च पूर्वे प्रवदंति कालः

वायव्य सोम — पश्चिम मंगल — नैर्ऋत्य बुध

अथ दिशाशूलचक्रम्.

पूर्व चंद्र शनि

उत्तर मंगल बुध — दक्षिण गुरु

दिशाशूल लेजावो बामे राहू योगिनीपूठ॥ सन्मुखलेवै चंद्र मा ल्यावे लक्ष्मी लूट ॥ १ ॥

पश्चिम रवि शुक्र

अथ दत्तपुत्र तथा खोले लेणो

हस्तादिपंचकभिषग्वसुपुष्यभेषु सूर्यक्षमाजगुरुभार्गववासरेषु। रिक्ताविवर्जिततिथिष्वलिकुंभलग्ने सिंहे वृषे भवति दत्तपरिग्रहो यः॥१॥ ह. चि. स्वा. वि. ऽनु. ऽश्वि. ध. पु. र. मं. गु. शु. सिंह वृषलग्न शुभ और रिक्ता वृ. कु. ऽशुभ.

अथ गुरुशुक्रयोरस्ते वर्जितकर्म.

वापीकूपतडागयज्ञगमनं क्षौरं प्रतिष्ठा ततो विद्यामंदिरकर्णवेधनमहादानं गुरोः सेवनं ॥ तीर्थस्नानविवाहकाम्यहवनं मंत्रोपदेशो शुभं दूरेणैव जिजीविषुः परिहरेदस्तं गुरोर्भार्गवं ॥ १ ॥

तृणकाष्ठादि संग्रहकरना.

वासवोत्तरदलादिपंचके याम्यदिग्गमनं गृहगोपनं। प्रेतदाहतृणकाष्ठसंग्रहं शैयकाविननं च वर्जयेत् ॥ १ ॥ धनिष्ठाको उत्तरदल. शत. पूर्वाभा. उ. भा. रेवती इन नक्षत्रांमे दक्षिणगमन गृहछावणो माचोबुणानो तृणकाष्ठादिसंग्रह करणे नहीं.

अथ सूतिकासूर्यपूजनमुहूर्त.

पुनर्वसुद्वयं चित्रा विशाखा भरणीद्वयं ॥ मूलमार्द्रा मघा हेया श्रवणो दशमस्तथा॥ सोमःशुक्रो बुधः सौरिः प्रसूतिस्नानकर्मणि। हेया प्रतिपदा षष्ठी नवमी च तिथिक्षयः ॥ २ ॥ एता त्याग न करीजे.

प्रथमवधूप्रवेशमुकलावामुहूर्त.

हस्तद्वये ब्रह्मयुग्मे मघायां पुष्ये धनिष्ठाश्रवणोत्तरेषु॥ मूलानुराधाद्वयरेवतीषु स्थिरेषु लग्नेषु वधूप्रवेशः ॥ १ ॥ एते नक्षत्र शुभ. चं. गु. भृ. एते वार श्रेष्ठ २।५।८।११ एते लग्न श्रेष्ठ, चंद्रवलदेखजे. १।३।५ एते वर्ष श्रेष्ठ, पश्चात् अशुभ.

अथ गंधर्वविवाह तथा नातरो

इंद्ररुद्रादितिऽश्लेषा आग्नेय्यवरुणस्तथा ॥ अश्विनी वसुदैवत्यं पट्टकाले शुभं स्मृतं ॥ १ ॥ ज्येष्ठा. आर्द्रा. पुनर्व. ऽश्लेषा. कृत्ति. शत. अश्विनी. धनिष्ठा एते नक्षत्र शुभ और गुरुशुक्र अस्तोदय दोष नहीं..

अथ राशिगुणादिस्वरूपचक्रम्.

संज्ञा	पु. स्त्री	चरादि	तत्व	पुष्टकृश	पाद	वर्ण	गुण	धातु	शब्द	स्थान	क्रूरादि	बलस	समवि.	दिशा	स्त्रीसंग	कांति	जाति	समादि	उदय	ऋतु	बुरुज	साइन
मेष	पुरुष	चर	अग्नि	दृढ	चतुष्पद	पाटलरक्त	तमदेह	पित्त	अतिरव	पर्वत	उग्र	दिवाव	विषम	पूर्व	अल्प	रूक्ष	क्षत्री	सम	पृष्ठोदय	वसन्त	हमल	एरिस
वृष	स्त्री	स्थिर	पृथ्वी	दृढ	चतुष्पद	श्वेत	शीत	वायु	अतिरव	समभू.	सौम्य	रात्रि	सम	दक्षिण	मध्य	रूक्ष	वैश्य	विषम	पृष्ठोदय	ग्रीष्म	सूर	टारस
मिथुन	पुरुष	द्विस्व.	वायु	मृदु	द्विपद	हरित	तप्त	समधा	दीर्घशब्द	वनचर	उग्र	दिवा	विषम	पश्चिम	मध्य	स्निग्ध	शूद्र	विषम	शीर्षोदय	ग्रीष्म	जोझा	जिमिना
कर्क	स्त्री	चर	जल	मृदु	अपद	पाटल	शीत	कफ	हीनशब्द	जलचर	सौम्य	रात्रि	सम	उत्तर	बहु	स्निग्ध	विप्र	सम	पृष्ठोदय	वर्षा	सर्तान्	केन्सर
सिंह	पुरुष	स्थिर	अग्नि	दृढ	चतुष्पद	धूम्र	उष्ण	पित्त	दीर्घशब्द	पर्वत	उग्र	दिवा	विषम	पूर्व	अल्प	रूक्ष	क्षत्री	सम	शीर्षोदय	वर्षा	असद	लेओ
कन्या	स्त्री	द्विस्व.	पृथ्वी	कृश	द्विपद	पांडुरंग	शीत	वायु	अर्धशब्द	शुभभू.	सौम्य	रात्रि	सम	दक्षिण	अल्प	रूक्ष	वैश्य	सम	शीर्षोदय	शरत्	संबुला	वर्गो
तुला	पुरुष	चर	वायु	दृढ	द्विपद	विचित्र	उष्ण	समधा	शब्दहीन	वनचर	उग्र	दिवा	विषम	पश्चिम	अल्प	स्निग्ध	शूद्र	सम	शीर्षोदय	शरत्	मीझान्	लाइब्रा
वृश्चिक	स्त्री	स्थिर	जल	कृश	बहुपद	श्वेत	शीत	कफ	शब्दहीन	जलचर	सौम्य	रात्रि	सम	उत्तर	बहु	स्निग्ध	विप्र	सम	शीर्षोदय	हेमंत	अकब	स्कोर्पि
धन	पुरुष	द्विस्व.	अग्नि	दृढ	द्विपद	सुवर्ण	उष्ण	पित्त	अतिशब्द	पर्वत	उग्र	दिवा	विषम	पूर्व	अल्प	रूक्ष	क्षत्री	सम	पृष्ठोदय	हेमंत	कौस	सगाटेरी
मकर	स्त्री	चर	पृथ्वी	दृढ	चतुष्पद	पीत	शीत	वायु	अतिशब्द	वनचर	सौम्य	रात्रि	सम	दक्षिण	अल्प	रूक्ष	वैश्य	विषम	पृष्ठोदय	शिशिर	जदी	केप. फा.
कुंभ	पुरुष	स्थिर	वायु	दृढ	अपद	कर्बुर	उष्ण	समधा	खंडशब्द	भूमि	उग्र	दिवा	विषम	पश्चिम	मध्य	स्निग्ध	शूद्र	विषम	शीर्षोदय	शिशिर	दलु	एकारीस
मीन	स्त्री	द्विस्व.	जल	दृढ	अपद	धूम्र	शीत	कफ	हीनशब्द	जलचर	सौम्य	रात्रि	सम	उत्तर	बहु	स्निग्ध	विप्र	विषम	उभयोदय	वसन्त	हूत	पिसंस

अश्विन्यादिनक्षत्राणां चरणगतकष्टार्थे दानं कष्टावलीयंत्रम्

अश्वि.	९	१०	७	७	मोती.	स्वाती.	११	२१	२	२३	घृत.
भरणी.	५	७	१५	५	अन्न.	विशा.	१५	१४	१	५	गुड.
कृत्तिका	१५	०	१५	५	घृत.	ऽनुराधा.	१०	११	१२	१५	गेहूं.
रोहिणी.	१७	१८	२६	२०	मधु.	ज्येष्ठा.	१	५	११	१८	रातो.
मृग.	१५	१७	२१	८	कालो.	मूल.	१६	१५	१८	८	मीठो.
आर्द्रा.	०	२	७	२	दूध.	पूर्वाषाढा.	०	९	०	३०	अन्न.
पुन.	७	१२	२०	८	पीत.	उत्तराषाढा.	७	११	१०	०	रातो.
पुष्य.	७	११	१०	०	रातो.	ऽभिजित्.	७	८	५	१५	भूमि.
ऽश्लेषा.	७	०	०	०	रूपो.	श्रवण.	११	१८	१७	९	सुद्र.
मघा.	२१	१५	१७	७	गाय.	धनिष्ठा.	१०	११	१५	७	तैल.
पूर्वा.	१५	५	९	९	गेहूं.	शततारका.	१६	२	२०	९	लूण.
उत्तरा.	७	१४	८	८	तैल.	पू. भा.	०	७	८	७	अन्न.
हस्त.	१७	८	२०	२०	श्वेत.	उ. भा.	७	११	१०	०	कालो.
चि.	११	२१	२	१	सूत्र.	रेवती.	९	४७	०	०	हेम.

दिनका चौघडिया.

र	चं	मं	बु	गु	शु	श
उ	अ	रो	ला	शु	चं	का
चं	का	उ	अ	रो	ला	शु
ला	शु	चं	का	उ	अ	रो
अ	रो	ला	शु	चं	का	उ
का	उ	अ	रो	ला	शु	चं
शु	चं	का	उ	अ	रो	ला
रो	ला	शु	चं	का	उ	अ
उ	अ	रो	ला	शु	चं	का

रात्रिका चौघडिया.

र	चं	मं	बु	गु	शु	श
शु	चं	का	उ	अ	रो	ला
अ	रो	ला	शु	चं	का	उ
चं	का	उ	अ	रो	ला	शु
रो	ला	शु	चं	का	उ	अ
का	उ	अ	रो	ला	शु	चं
ला	शु	चं	का	उ	अ	रो
उ	अ	रो	ला	शु	चं	का
शु	चं	का	उ	अ	रो	ला

अथ तिथिवारनक्षत्रादिषु त्रयोदशयोगकोष्टकं लिख्यते.

योग.	रवि.	चंद्र.	मंगल.	बुध.	गुरु.	शुक्र.	शनि.	वार
चर.	पू. भा.	भर.	आर्द्रा.	मघा.	चित्रा.	ज्येष्ठा.	अभि.	१
क्रकच.	१२ति.	११	१०	९	८	७	६	२
दग्ध.	१२ति.	११	५	३	६	८	९	३
मृत्युदा.	१ ६ ११	२ ७ १२	१ ६ ११	३ ८ १३	४ ९ १४	२ ७ १२	५ १० १५	४
सिद्धि.	०	०	३ ८ १३	२ ७ १२	५ १० १५	१ ६ ११	४ ९ १४	५
उत्पात.	विशा.	पू. षा.	धनि.	रेव.	रोहि.	पुष्य.	ऊ. फा.	६
मृत्यु.	ऽनु.	उत्त.षा.	शत.	ऽश्वि.	मृग.	ऽश्ले.	हस्त.	७
काण.	ज्ये.	ऽभि.	पू. भा.	भ.	आ.	म.	चि.	८
सिद्धि.	मूल.	श्र.	उ. भा.	कृ.	पुन.	पू. फा.	स्वा.	९
यमदंष्ट्र.	मघा. धनिष्ठा.	मूल. विशा.	कृति. रो.	पू. षा. पुन.	उत्तरा. ऽश्वि.	रो. ऽनु.	श्र. शत.	१०
यमघं.	मघा.	विशा.	आर्द्रा.	मूल.	कृ.	रो.	ह.	११
मुसल.	अभि.	पू. भा.	भर.	आर्द्रा.	मघा.	चित्रा.	ज्येष्ठा.	१२
अमृतसि.	हस्त.	मृग.	ऽश्वि.	ऽनु.	पुष्य.	रेव.	रोहि.	१३

ज्योतिषविद्याका विज्ञापन.

इससे पहले छपे नियम सवखारिज समझना.

श्लोक। ज्योतिश्चक्र तु लोकस्य सर्वस्योक्तं शुभाशुभम् ॥ ज्योतिर्ज्ञानं तु यो वेद स याति परमां गतिम् ॥ महाशयों! देखिये ज्योतिषविद्याका चमत्कार कोईभी हमारे पास आकर पहले अपना जन्मपत्र नहीं बतलावें हम सिर्फ उनका जन्मनाम पूछ हातकी रेखा देखकर संवत् मास, दिन, लग्न, ग्रह आदि सारी जन्मकुंडली उसी वक्त बतला देंगे फल पूछे सो कहेंगे शरीरका बंधुओंका, सुखदुःख, कौन वर्षमें किसप्रकार कौनदिशासे कितना द्रव्य मिलेगा, मातापिताका सुखदुःख, उनकी द्रव्यप्राप्ति, जमीन जायदातप्राप्ति, कै संतान पुत्र वा पुत्री किन वर्षोंमें होंगे वा नहीं, कै जीवें, कौन २ वर्षोंमें किस २ प्रकारका अरिष्ट, घातयोग, आयुष्य कितनी, किस संवत् मास दिन किस वक्त कौन देशमें किसके द्वारा मृत्यु मोक्षयोग, किस वयमें कैसी रूपवान् स्त्रीसे विवाह कितने किन २ वर्षोंमें भाग्योदय, कैसा राजयोग, राजमान्ययोग, नृपति, सिंहासनप्राप्ति आदियोग, मंत्रियोग, वज्रांगयोग आदि समस्त और जो जो पूछेंगे सो ठीक२ बतला देंगे। जिसकी फी १० रु. होगी. बाहिरसे जो मनुष्य जन्मकुंडली भेजकर जो हाल पूछें सो बतला देंगे. परंतु एक चिट्ठीमें १ प्रश्नसे ४ प्रश्नतक १) व ४से ज्यादे ८ तक २) रु. इसी हिसाबसे मनिआर्डर गणितकार व लेखकके लिये भेजे प्रश्नोंके उत्तर वी. पी. से नहीं भेजे जावेंगे और श्रीमान् पुरुष यथाशक्ति भेट भेजकर प्रश्न पूछें। हमारे यहां साधारण जन्म टिप्पण १।) रु. का और जन्मपत्र ५) से लगाय सैंकडोंतकके और वर्षफल २) से लगाय २५) तक जितनी अधिक भेटका बनवावें उतना ही परिश्रम उसमें अधिक किया जाता है आधी भेट पहले और आधी वी. पी. द्वारासे घर बैठे वर्ष जन्मपत्र मिलजाते हैं। गर्भमेंके बालककी जन्मकुंडली पहिलेहीसे बना देते हैं परंतु उस स्त्रीके ऋतुस्नानका ४ दिन और उसकी तथा उसके पतिकी जन्मकुंडली लिखे और २) रु. भेट पत्रके साथही भेजे। आज २३ वर्षसे सैंकडों मनुष्योंने अपने अभीष्ट प्रश्न मिलाकर पारितोषिक व प्रशंसापत्र भेजे हैं वो दो पैसेका टिकट भेज सूचीपत्र मंगवा देखें। उत्तरके लिये दो पैसेका टिकट वा जवाबी कार्ड भेजें बैरंगपत्र नहीं लिया जाता न भेजा जाता है।

अनाथोपकारक आयुर्वेदीय औषधालय.

इस औषधालयमें ज्वर, अतिसार, संग्रहणी, अजीर्ण, कृमी, पांडु, रक्तपित्त, खांसी, दमा, वमन, मृगी, मूर्च्छा, उन्माद, वातरोग, वातरक्त, आमवात, शूल, गोला, सुजाक, गरमी, पथरी, प्रमेह, सूजन, उदररोग, अम्लपित्त, कुष्ट, दाद, नेत्र, शिरोरोग, प्रदरादिस्त्रीरोग और बालकके प्रत्येक रोगोंकी चरक, सुश्रुत, वाग्भट्ट, भावप्रकाश, आदि आर्ष ग्रंथोक्त प्रक्रियाद्वारा सिद्ध कीहुई नाना विधि काष्ठादिक औषधि रसादिक, तैल, घृत, आसव, अरिष्ट, मोदक, तेजाब, धातुभस्म, और जंगली जडी बूटियां, वगैरह दवायें हमेशा प्रस्तुत रहती है। गांवके दीन दुःखी मनुष्योंको औषधालयमें आनेसे और बाहिरके गरीबोंको डाकमहसूल प्याकिंगके सिर्फ ।) के टिकट भेजनेसे और श्रीमानोंको उचित मूल्यसे हरेक रोगपर दवा और व्यवस्था दी जाती है। रोगीजन अपने रोगका कुलहाल और दवा जितने रुपियेतककी चाहे पत्र लिख भेजे पर इस बातका ख्याल रक्खें कि जितने अधिक मूल्यकी दवा मंगायेंगे उतनी ही लागतकी शीघ्र आराम करनेवाली औषधभी भेजी जायगी इसलिये शरीरको अमूल्य समझकर कृपणतारहित सामर्थ्यभर मूल्य लिखदेवें। वस यह पत्र मिलतेही आपके रोगका निर्णय कर उसी दिन औषधीका पारसल अनुपान पथ्यापथ्य आदि व्यवस्थापत्रसहित भेजदिया जायगा। कई औषधी जीर्ण और कई नवीन गुणकारी होती हैं. इसलिये यदि आपके रोगपै कोई नवीन दवाकी आवश्यकता हुई तो तुरन्त बनाकर भेजदी जायगी यदि दवा गिली हो तो सुखानेमें कुछ देरी होगी परंतु जवाब उसी दिन दिया जायगा। जिन लोगोंको लिखी हुई चिट्ठीयोंका १० दिनमें उत्तर न मिले वे समझलेवें की या तो पत्र नहीं पहुंचा या ठिकाना नहीं समझागया इस हालतमें दूसरा पत्र स्पष्ट हरफोंमें लिख भेजना चाहिये। सैकडों मनुष्य कठिन रोगसे छुटी पाकर प्रशंसापत्र भेज चुके हैं—दो पैसेका टिकट भेज बडा सूचीपत्र मंगा देखो.

अ॰आ॰औषधालय नीमचकी परीक्षित औषधियां.

राजमृगांक रस तोला १की	६०)	श्वास (दमेकी) दवा,,	१)
चंद्रोदयरस ,, ,,	४०)	छर्दी(कें) बंद होनेकी दवा	१)
रूपरस ,, ,,	५)	वातव्याधिहरण तैल ,,	१)
तांबेश्वर श्वेत १०) श्याम	२)	वायगोला व शूलहनन चूर्ण	१)
कांतिसार ,, ,,	२)	प्लीह (तापतिल्ली)की दवा.	१)
मंडूर ,, ,,	१)	सुजाक व पथरीहननकी पु.	१)
वंग, नाग तथा जस्त,,	१)	आतिशक (गर्मी)की दवा	१॥)
अभ्रक शतपुटी ,, ,,	५)	नामर्दीका अक्सीर तिला	२)
स्वर्णमाक्षिक ,, ,,	१)	प्रमेह(जरियान)विनाशकगो.	१)
प्रवाल चंद्र तथा सूर्यपुटी	१)	सोथ सूजन रफे होनेकी दवा	१)
शोधित अमृत (बचनाग)	॥)	व्रण घावपे उत्तम मलहम	॥)
शोधित गंधक ,, ,,	।)	नाडीव्रण (नासूर)की दवा.	२)
,, पारद ,, ,,	१)	भगंदरकी औषध ,,	२)
,, शिलाजीत,, ,,	२)	स्नायु (नहरुआ) की दवा	१)
,, हिंगुल ,, ,,	॥)	मस्तकपीडा आधाशीशी	।)
,, कपर्दिक भस्म ,,	।)	जाला धूंधल हनन सुरमा	१)
कज्जली ,, ,,	॥।)	कर्णशूलांतक तैलशीशी.	।)
बुखार उतारनेकी गोलियां	॥)	दत्तानन्दमणिमंजन ,,	।)
दस्त(पेचिस)की गोलियां	॥)	स्त्रीके प्रदर सोमरोगकी दवा	२)
मंदाग्नि व अजीर्णका चूर्ण.	॥)	स्त्रीके प्रसूत रोगकी दवा	२)
कब्जका मलशुद्धि चूर्ण,,	॥)	बच्चोंकेदस्तकेका चूर्ण ,,	१)
पेटके कीडे निकालनेकी दवा	॥)	सर्प विच्छू श्वान काटेकी दवा	२)
पांडुरोग (पीलिये)की दवा	॥)	मच्छर खटमल नष्टकी दवा	॥)
रक्तपित्त व अम्लपित्तकीदवा	१)	दादकी दवा ,, ,,	॥)
उरःक्षत (क्षयी)की दवा.	२)	अर्ककपूर ,, ,,	।)
खांसीकी गोलियां ३२	॥)	सब औषधियोंका डाकमहसूल	
हिचकीकी दवा.	॥)	जिम्मे खरीददारके है.	

चिठ्ठी पत्री भेजनेका पत्ता:—पं॰ भवानीशंकर शर्मा, अध्यक्ष ज्योतिषशास्त्र कार्यालय मु॰ पो॰ नीमच (प्रांत मालवा.)

१ रत्न मृगांकवटी ।

श्लोक । मृगांकवटिका हन्ति बहुमूत्रं सुदारुणम् । मधुमेहंतथा चान्यान् रोगांस्तदनुबन्धिनः ॥ इन गोलियोंसे २० प्र० प्रमेह-सुजाक दस्तकी कब्जियत अजीर्ण पेटका फूलना हाथ पैरका जलना शूल कमरकी पीडा वात पित्त और कफका प्रकोप अन्यान्य कई प्रकारके रोग दूर होते हैं यह दूषितरक्तको सुधारकर बलवीर्य्यको बढाती है मनुष्यकी विकलेंद्रियोंको चैतन्यकर संसारिक सुख भोगनेमें बलवान कर देती हैं मूत्रपुरीषके साथ वा स्वप्नमें धातुपतनादि दोष दूर करती हैं ३२ वटीकी डिबियाका मूल्य १) रु० चार डिबिया लेनेमें महसूल माफ ।

२ रत्न उपदंशनाशक घृत ।

श्लोक । सर्पिर्निहन्यादुपदंशदोषं सदाहपाकं श्रुतिरागयुक्तम् ॥ त्रिदोषसंबंधी कैसीही आतशक (गरमी) हो दाहयुक्त घाव हो पीव (राध) बहता हो नसनसमें प्रवेश हुई आतशकको यह नष्ट कर देगा इस दवासे मुंह नहीं आता न किसी प्रकार की तकलीफ होती है सिर्फ ७ दिन दवा खाना और घृतको घावपर लगाना चाहिये जिससे गरमी नष्ट होकर घाव भरकर खरूठ आजाता है. दवा और घृत दोनोंका मूल्य १॥) रु० डा. मा. ।)

३ रत्न अमृतवल्लीकषाय ।

श्लोक । अमृतादि कषायोयं सर्वरोगविनाशकः । नातः परतरं किंचिद्भेषजं रक्तशुद्धिकृत् ॥ इसको यथाविधि पीनेसे रक्तपित्त पारेका विकार उपदंश (गर्मी) बातरक्त दाद तथा सब तरहके चर्मरोग खुजली घमौरी दाग लिंग कोष आदि स्थानोंका घाव यह सब जल्द आराम होते हैं । इसके सिवाय दूसरी दवा खून साफ करनेवाली नहीं है मूल्य एक शीशी १) रु० डा. मा. ॥)

४ वां रत्न सुजाककी अकसीर दवा ।

श्लोक । शुक्रदोषं रजोदोषं मूत्रदोषं सुदारुणम् । निहन्ति विविधान्मेहान्मूत्राघातांस्त्रयोदश ॥ इस दवासे शुक्रका दोष मूत्रमार्गमें जलन बारबार मूत्रका होना तथा हर समय धातुका दाग लगना आदि दोष जल्द मिटते हैं । शरीरकी ओज धातु साफ होकर चैतन्यता फुरती मस्तिष्कमें ताकत आती है मूल्य १) रु.

५ रत्न नपुंसकसंजीवनतिला ।

श्लोक । एतत्तैलं वरं हन्ति वातपित्तकफोद्भवान् । क्लैब्यं साध्यान्विशेषेण प्रमेहान् हंति विंशतिम् ॥ प्रियगण ! परमात्माने विषयानन्द और संतानोत्पन्न सुख मुख्य रक्खा है पर नपुंसक रोगग्रस्त मनुष्योंको यह सुख क्योंकर मिले इसलिये हमने आयुर्वेदशास्त्रोक्त प्रक्रियासे नपुंसकसंजीवनचूर्ण और तिला तय्यार किया है. जिसका विधिपूर्वक व्यवहारसे सब प्रकारकी नपुंसकता नष्ट होकर मनुष्य जन्म लेनेका सुख प्राप्त होता है. दवा और शीशीका मूल्य २) रु० डा. मा. ।)

६ वां रत्न बालामृत.

श्लोक । बालामृतं कासरोगे ज्वरे तज्ञे च दारुणे । हृद्व्यथायां श्वासकृच्छ्रे प्रशस्तं सर्वथा हितम् ॥ बालकको अक्सर डिब्बेका रोग होजाता है जिसको बहुलकी बीमारिभी कहते हैं इस रोगसे बालकका बचना बडा मुस्किल होजाता है दो चार प्रहरमेंही प्रायः बालकका प्राण पयान कर जाता है इस रोगका नष्टोपाय "बालामृतचूर्ण" की एक २ डिब्बी हरएक गृहस्थको अपने घरमें रखनी चाहिये इससे बालककी सर्दी खांसी ज्वर छातीका दर्द श्वास कृच्छ्रता आदि रोगभी नष्ट होते हैं १ डिब्बी मूल्य १) रु.

७ वां रत्न बवासीरविनाशक चूर्ण.

श्लोक। श्वासं कासं ज्वरं हिक्कां छर्दि मूर्च्छां मदभ्रमम् । चूर्णं अर्शोहरं वृष्यं मूलरोगान्विनाशयेत् ॥ इस चूर्णको विधिपूर्वक सेवन करनेसे निस्सन्देह अर्शरोग (बवासीर) खूनी बादी सर्वप्रकारका नष्ट होता है । श्वास कास ज्वर हिक्का छर्दि मूर्च्छा मदात्यय चित्तभ्रम आदि उपद्रवभी शान्त होते हैं विशेष यह चूर्ण बलपुष्टिकारक है मूल्य फी डिब्बा १) रु० डा. मा. ।)

८ वां रत्न श्वासकासकुठार.

श्लोक । कासं श्वासं निहंत्याशु स्वरभेदं सुदारुणम् । कासश्वासकुठारोयं सर्वश्वासनिवारणं ॥ इसके सेवनसे सर्व प्रकारकी खांसी श्वास (दम) स्वर-भेद नष्ट होता है यह औषध सैकडोंवार अजमाईहुई शीघ्र आराम करनेवाली इस कार्य्यालयने बडी मिहनतके साथ निर्माण की है नित्यसेवनसे भयानक कफ शान्त होकर रोगीको बडा सुख मिलता है सुखसे नींद आती है मूल्य १) रु.

९ वां रत्न वातारिमर्दनतैल.

श्लोक । भग्नानां खंजपंगूनां शिरोरोगे हनुग्रहे । समस्तान् वातजान् रोगान् तूर्णं नाशयति ध्रुवम् ॥ यह तेल दर्दकी जगहपर मसलनेसे सब तरहका वायु अर्थात् हाथ, पैर, पीठ, मसुरी, कमर और जांघ, आदिमें स्थित वायुकी पीडा नष्ट होजाती है वायु रोगसे अवयव बेकार होजाता है परंतु इस रोगसे पीडित कई महाशयोंने हमारे यहांसे यह तैल मंगा दुःखसे छुटकारा पाकर प्रशंसापत्र दिये हैं. मूल्य १) रु. डा. ॥)

१० वां रत्न नयनप्रमोदांजन.

श्लोक । प्रमोदांजनमिदं श्रेष्ठं चक्षूरोगविनाशनम् । पटलेस्थितगदं हंति तमःसूर्य्योदये यथा ॥ यह अंजन नेत्रमें धुंधलापनको नष्टकर ज्योतिको बढाता है आंखके भीतरका सफेद दाग (अक्षिपाकात्यय) नकलांध्य अर्जुन नेत्रस्राव वातपित्तकफजन्य चक्षूरोग सब नष्ट होते हैं विशेष चमत्कार यह है कि नेत्रसे चार अंगुल दूरीपर इस अंजनकी भरी सलाका थांभनेसे फौरन नेत्रका रोगयुक्त जल बह निकलता है और सलाका लगातेही समस्तदोष जलकी राह निकलकर नेत्र शीतल हो जाते हैं मूल्य शीशी १) रु.

११ वां रत्न अतिसारान्तकवटी.

श्लोक । अतिसारान्तकाख्याता नाशयेद्ग्रहणीगदं । कासं श्वासं तथार्शांसि विषूचीं च हृदामयम् ॥ यह गोली एक दिनके सेवनमात्रसे महाघोर अतिसार संग्रहणी कास श्वास अर्श विषूचिका और हृदयकी पीडा आदि रोग नष्ट होते हैं यह अतिसार ग्रहणीरोग विशेषकर वृद्ध और कमताकतवालेको महादुःखदाई होता है इस दुःखसे अत्यंत घबरा जाता है सहः वेदना और महातृष्णा होती है परिचर्य्यावाले दुःखी होजाते हैं इस रोगपर हमारे यहांकी अनुभूत गोली ३२ की डिबियाका मूल्य ॥) दरजन ५) रु.

१२ वां रत्न स्तम्भनवटी.

श्लोक । शुक्रस्तंभकरं पुंसामिदमानन्दकारकम् । नारीणां प्रीतिजननं सेवेत निशि कामुकः ॥ यह स्तंभनवटी अर्थात् बंधेजकी गोली वीर्यको रोकती है पुरुषोंको आनन्द देती है स्त्रीमें प्रीति उत्पन्न करती है इसका सेवन रात्रिके समय करना चाहिये ३२ गोलीकी डिबियाका मूल्य १) रु० व्ही. पी. ।)

दवा मिलनेका पत्ताः—पं० भवानीशंकर शर्मा, अध्यक्ष अनाथोपकारक आयुर्वेदीय औषधालय मु० पो० नीमच (प्रांत मालवा.)

निर्णयसागर छापखानेके पुस्तकोंका सूचीपत्र.

संस्कृतग्रंथाः ।

गादाधरीपञ्चलक्षणी

चिन्तामणि-दीधिति-गादाधरी-कृष्णंभट्टीय-न्यायरत्नेति न्यापञ्चग्रन्थीसंग्रहः । सिंहव्याघ्रलक्षण-सार्वभौमपरिष्कारोपेतः ।

यह न्यायशास्त्रका सर्वोपयुक्त प्रकरणग्रन्थ यद्यपि अन्यत्र मुद्रित हुवा है, तथापि फिर हमनें पंडितद्वारा अनेक प्राचीन पुस्तकोंसें शुद्ध करवाय पाठान्तरादिसें अलंकृतकर विद्यार्थियोंको अत्यंत सुबोध करके प्रसिद्ध किया है. मू. १॥ रु. मा. २ आ.

श्रीमच्छंकराचार्यविरचितं

१ रत्नपञ्चकं (सोपानपञ्चकं) सभाष्यं,

२ विश्वगुरुभवानन्दलहरी (शिवानन्दलहरी), ३ शतश्लोकीसारसंग्रहः, ४ कौपीनपञ्चकम्, ५ एकोविष्णुपद्यस्य श्रीनिवासाचार्यकृतव्याख्यानम् ।

इन पांच अपूर्व विषयोंका संग्रह है. मू. ३ आ. मा. १ आ.

अद्वैतसिद्धिः मधुसूदनीया.

विट्ठलेशीयव्याख्योपबृंहित-गौडब्रह्मानन्दीव्याख्यासनाथीकृता, बलभद्रीयासिद्धिव्याख्या अनन्तकृष्णशास्त्रिसंगृहीतन्यायामृताद्वैतसिद्धितरङ्गिणीलघुचन्द्रिकासंग्रहश्च ।

अद्वैतसिद्धि यह ग्रन्थ प्रमेयबहुल और अत्यन्त गभीरार्थ है. तिसकी व्याख्या लघुचन्द्रिका ही गौडब्रह्मानन्दीनामसे प्रसिद्ध है. तिसका व्याख्यान विट्ठलेशीय विस्तृत और सुबोध है. और दूसरी सिद्धिव्याख्या बलभद्रकीभी अत्युत्तम है. यह दो व्याख्यायें उपलब्ध हुई तावन्मात्र छपी हैं. प्रतिप्रकरणके अन्तमें चतुर्ग्रन्थसिद्धान्तसंग्रह और अन्तमें मधुसूदनकाही अद्वैतरत्नरक्षण नामक छोटा ग्रन्थ जोडदिया है.

कीमत १० रु., डांकमार्ग १ रु.

ललितोपाख्यानम् ।

ब्रह्माण्डपुराणोत्तरखण्डान्तर्गतम् । अध्यायाः ४०

कीमत १। रु., डांकमार्ग ४ आना.

उपदेशसाहस्री ।

गद्यपद्यरूपपूर्वोत्तरभागात्मिका ।

यह अद्वैतवेदान्तसिद्धान्तोंसे भराहुआ सर्वोत्कृष्ट ग्रंथ श्रीभगवत्पादाचार्योंने बनाया है. इसका परिशीलन करनेसे वेदान्तका ज्ञान सुलभ हो जाय । इसके पहले गद्य और पद्य ऐसे दो भाग पृथक् छपेथे वह ग्राहकोंके सुभीतेकेलिये एकही भागमें छपा है.

मूल्यं १॥ रु., डांकमार्ग ४ आना.

☞ चिठीपत्री भेजनेका पता—पांडुरंग जावजी, निर्णयसागर छापखानेके मालिक, बम्बई, इस पत्तेसें पुस्तक मंगाना.

प्रयोगपारिजातस्य।

ऋग्वेदी षोडशसंस्कारकाण्डम्।

कीमत ४) रु. डांकखर्च ॥) आना.

विद्वद्वरेसर श्रीमन्नृसिंहविरचित आश्वलायनोंका प्राचीन याज्ञिकग्रन्थ है. इसमें ग्रन्थकारनें कौनसाभी प्रयोग लिखते समय उससंस्कारकेविषे ज्योतिष प्रमाणसें दिनशुद्धि, उसका गृह्यसूत्रभाग, नारायणवृत्ति, भट्टकुमारिलकी आश्वलायनकारिका और शौनककारिका आदि सवविषयोंका उपन्यास करके तिस प्रयोगमें आनेवाले वेदके तथा सूत्रोंके मन्त्रका भाष्यरूप अर्थ जोडकर सुविस्तृत प्रयोग लिखा है. तिस तिस प्रयोगमें आनेवाले विरोधवाक्योंकाभी स्पष्ट खुलासा किया है. यद्यपि याज्ञिक ग्रन्थ अनेक हैं तथापि पारिजातसरीखी सप्रमाण व्यवस्था कौनसेभी ग्रन्थकारनें नहीं कीहुई दीखपडती है.

वेदस्तुतिः।

लोकेव्यवायेतिश्लोकः, जन्मद्यस्येतिश्लोकश्च

काशीनाथोपाध्यायकृतव्याख्योपबृंहितश्रीधरीव्याख्या।

वेदस्तुतिभाग अद्वैतवेदांतका मुख्य प्रकरण है. वैसाही लोकेव्यवाया०, तथा जन्माद्यस्यतः इस पद्यद्वयपर जो श्रीधरस्वामीने व्याख्या लिखी है सो केवल मीमांसापूर्ण होनेसे दुर्बोध हुई है तिसका तत्पर्यज्ञान लोकोंको सुलभ होनेकेवास्ते प्रसिद्ध धर्मसिंधुकार काशीनाथोपाध्यायनें निर्दिष्ट तीनों विषयोंपर सर्वोत्कृष्ट व्याख्या बनाई थी तिसके साथ छपी है.

कीमत १२ आना, डांक २ आना.

सुश्रुतसंहिता।

श्रीडल्हणाचार्यविरचितया निबन्धसंग्रहाख्यव्याख्यया सहिता।

यह ग्रन्थ भगवान् धन्वंतरिके उपदेशानुसार महर्षिसुश्रुतका रचा हुवा संपूर्ण आयुर्वेदके ग्रन्थोंमें शिरोमणि है. चरकमें केवल देहचिकित्साका प्रतिपादन है परंतु सुश्रुतसंहितामें सब विषयोंका सरलरीतिसे प्रतिपादन बहुत अच्छा किया है. अर्थका स्पष्ट ज्ञान होनेके लिये डल्हणाचार्यकी व्याख्याभी सर्वोत्तम है. इसके संस्करणके समय प्रसंगविशेषसे शस्त्रक्रियायोग्य शस्त्रादिकोंके भी सुन्दर चित्र बड़े प्रयत्नसे बनवाकर जोड़ दिये हैं. की. ८।) रु., डां. १) रु.

तत्त्वदीपिका-चित्सुखी

श्रीमच्चित्सुखाचार्यमुनिवरविरचिता। परमहंसप्रत्यग्रूपभगवत्प्रणीतया नयनप्रसादिनीव्याख्यया सहिता।

यह ग्रन्थ सर्वांशपरिपूर्ण अद्वैतसिद्धान्तका प्रकाशक और व्युत्पादक है. इसके ४ परिच्छेद (प्रकरण) हैं. इसके परिचयसे व्यासंग करनेवाला अद्वैतवेदान्तका सिद्धान्ती हो सक्ता है. इसकी व्याख्या अत्यन्त विशद और मनोहर है. की. ३)= रु. डां. ॥) आ.

सिद्धान्तमुक्तावली।

दिनकरी–रामरुद्रीव्याख्याभ्यां सहिता।

यह ग्रन्थ न्यायशास्त्रका सुप्रसिद्ध है. न्यायप्रवेशकी इच्छावालेको इसका अध्ययन अवश्य है. ग्रन्थ गंभीरार्थ होनेसे पाठप्रवचनको दिनकरी और रामरुद्रीव्याख्याकी अत्यन्त जरूर है.

कीमत २॥) रु. डांकखर्च ।=) आना.

चिठीपत्री भेजनेका पता—पांडुरंग जावजी, निर्णयसागर छापखानेके मालिक, बम्बई, इस पत्तेसे पुस्तक मंगाना.

वेदग्रन्थाः ।

आपस्तंबशाखोक्त देवेमंत्र.	)॥	)॥
आश्वलायनगृह्यसूत्रम्—चतुरध्याय....	=)	)॥
उदकशांति—आपस्तंबी प्रयोगसहित.	=)	)॥
उदकशांति—शौनकीया (ऋग्वेदी प्रयोगसहित).	।)	)॥
ऋग्वेदोक्त देवेमंत्र	)॥	)॥
ऋग्वेदमंत्रसंहिता.	॥।)	=)
ऋग्वेदसंहिता—(परिभाषा—सर्वानुक्रम-स्वाहाकार प्रयोग—ऋग्विधान—मंत्रकोशादिसहित).	३)	॥)
ऐतरेयोपनिषत्—(अरणें.)	।)	-)
ऐतरेयब्राह्मण—(पंचिका ८)	१)	=)
गणपत्यथर्वशीर्ष.	)॥	)॥
पवमानपंचसूक्त.	-)॥	)॥
पुरुषसूक्त.	)॥	)॥
रुद्र—(नमकचमकात्मक अध्याय)....	)॥।	)॥
शिक्षादिवेदषडंगानि—नाम—१ शिक्षा, २ ज्योतिषं, ३ छंदः, ४ निघंटुः, निरुक्तं—पूर्वषट्कं, उत्तरषट्कं, ५ आश्वलायनश्रौतसूत्रं—पूर्वषट्कं, उत्तरषट्कं, आश्वलायनगृह्यसूत्रं, ६ अष्टाध्यायी (सूत्रपाठः).	१।)	।)
शिक्षादिवेदांगचतुष्टयम्—नाम—शिक्षा, ज्योतिषं, छंदः, निघंटुः, इति.	≡)	)॥
शुक्लयजुर्वेदमाध्यंदिनसंहिता.	२)	।=)
शुक्लयजुर्वेदसंहिता—उवट—महीधरभाष्ययुता यजुःशाखीयविविधपरिशिष्टयुता च.....	५।)	॥।)
शुक्लयजुर्वेदीयरुद्राष्टाध्यायी—(रुद्री)	≡)	-)
श्रीसूक्त.	)॥	)॥
सौरसूक्त.	)॥	)॥

कर्मकाण्डग्रन्थाः ।

आचाररत्नम्—आह्निकग्रन्थः.	१)	=)
आह्निकचन्द्रिका—अथवा आचारचंद्रिका, सायनमन्त्रभाष्यसहित.	॥।=)	=)
*आह्निकसूत्रावली—(शुक्लयजुर्वेदी)	२)	।)
उत्सर्जनोपाकरणविधि—(ऋ. श्रावणी)	=)	)॥
ऋग्वेदोक्त नित्यविधि.	॥)	-)
कुंडरत्नावली (सटीक)—(कुंडोंकी ६४ आकृतियोंसह).	१।)	=)॥
गणेशसहस्रनामावली.	≡)	)॥
त्रिकालसंध्या—ऋग्वेदी.	-)	)॥
त्रिकालसंध्या—हिरण्यकेशी.	)॥।	)॥
त्रिकालसंध्या—यजुर्वेदी.	-)	)॥
त्रिसुपर्ण.	)॥	)॥
दत्तात्रेयसहस्रनामावली.	=)	)॥
दुर्गासप्तशती (चंडीपाठ)—देवीसूक्त, रहस्यत्रय आदि ४८ विषयसहित स्थूलाक्षर रेशमी पुट्ठा.	॥।=)	=)॥
दुर्गासप्तशती—(रेशमी पुट्ठा मध्यमाक्षर)	॥-)	-)
दुर्गासप्तशती—(सूक्ष्माक्षर)	।=)	-)
दुर्गासप्तशती—(स्थूलाक्षर खुला पत्रा)	छपता है	
दुर्गासप्तशती—(सादी कागदी मध्य. अ.)	।≡)	)॥
दुर्गासप्तशती—बहुत छोटी....	≡)	)॥
देवीसहस्रनामावली.	≡)	)॥
नित्यकर्मपद्धति.	-)	)॥
पूजासमुच्चय—विषयसंख्या १०५	॥।)	=)
प्रतिसांवत्सरिक श्राद्धप्रयोग.	=)	)॥
प्रयोगरत्नं-नारायणभट्टी—उत्तरनारायणभट्टी—अन्त्येष्टि (ऋग्वेदी) समंत्रक.	२)	।)

चिठीपत्री भेजनेका पता—पांडुरंग जावजी, निर्णयसागर छापेखानेके मालिक, बम्बई, इस पत्तेसें पुस्तक मंगाना.

प्रातःस्मरण. .... ⌐))॥

ब्रह्मकर्मसमुच्चय, ऋग्वेदी—(विषय ३८८).... .... २॥) ।=)

ब्रह्मकर्मसमुच्चय—हिरण्यकेशी (विषय ३८८) तैत्तिरीयशाखी ब्राह्मणोंका यह अपूर्वग्रंथ है. .... २।) ।=)

विवाहपद्धती—(यजुर्वेदी)..... .... ।) ⌐)

विष्णुसहस्रनामावली. .... =))॥

वैश्वदेव—(बलिहरण मंडलसहित) ....)॥।)॥

शिवसहस्रनामावलि. .... ⌐)॥)॥

सर्वपूजा—(सब देवोंकी सामान्य पूजा). ⌐))॥

सूर्यसहस्रनामावलि. .... ⌐)॥)॥

संस्कारकौस्तुभ—अनंतदेवभट्टविरचित, पोथीसाइज. .... २) ।)

हिरण्यकेशीय-(आपस्तंबीय नित्यविधि) ≡) ⌐)

पुराण–इतिहासग्रन्थाः ।

अध्यात्मरामायण—(रे. पुट्ठा)..... ॥।) ⌐)॥

मत्स्यपुराण सटीक—(सारोद्धार). ॥=) ⌐)॥

मूलरामायण. .... ⌐))॥

वाल्मीकिरामायण–रामकृततिलकटीका ७॥) ॥।)

वाल्मीकिरामायण—(मूलमात्र)..... ३।) ।=)

विदुरनीति—(सटिप्पणी). .... ।=))॥

विनायकमाहात्म्य..... .... ॥) =)

श्रीमद्भागवत मूल—(रेशमी गुटका) १॥) ≡)

श्रीमद्भागवतदशमस्कंध तोषणीसार-टीकासह. .... ३) ।≡)

श्रीमद्भागवत—श्रीधरीसंस्कृतटीकासह. हमने वृन्दावनमें अनेक व्याख्याओंसहित छपे हुए भागवतके आधारसे इसमें मनोहर अर्थांतर तथा पाठांतर देकर ग्रन्थको सर्वांग-सुन्दर बनाया है । प्रत्येक स्कंधके आरंभमें सुंदर चित्र दिये हैं । छोटेसे लेकर बडेतक इसे बांच सकें, इस ख्यालसे यह ग्रन्थ मोटे अक्षरोंमें खूब मजबूत कागजोंपर छपाया गया है । रफ की. ७॥) १॥)

सचूर्णिक श्रीमद्भागवत—(विषमस्थल-टिप्पणीसहित) ग्लेज की. ६) रु. डा. १) रु. ... . रफ ५) १)

सत्यनारायणपूजा तथा कथा मूल. ⌐))॥

वेदान्तग्रन्थाः ।

अद्वैतरत्नरक्षणम्—मधुसूदनीयम् .... ॥=))॥

अनुभूतिप्रकाश—इसमें २० विषय हैं. १) ⌐)॥

अष्टोत्तरशतोपनिषदः (११२) ....२॥) ।)

अष्टाविंशत्युपनिषदः—(गुटिका).... १) =)

अवधूतगीता—(सादी) .... =)॥)॥

अवधूतगीता—(रेशमी पुट्ठा) .... ।=))॥

गणेशगीता—(सादी) .... =)॥)॥

गणेशगीता—(रेशमी पुट्ठा) .... ।⌐))॥

पंचदशी—रामकृष्णविरचित व्याख्यासह. १) =)

पंचरत्नी गीता—(इसमें भगवद्गीता, विष्णुसहस्रनाम, भीष्मस्तवराज, अनुस्मृति और गजेंद्रमोक्ष इतने प्रकरण हैं.) (रेशमी पुट्ठा स्थूलाक्षर).... १) ≡)

पंचरत्नी गीता—(रेशमी मध्यमाक्षर) ॥⌐) ⌐)

पंचरत्नी गीता—(रेशमी सूक्ष्माक्षर) ।≡) ⌐)

पंचरत्नी गीता—(सादी) .... ।=) ⌐)

पातञ्जलयोगसूत्रम्—भावागणेशीयवृत्ति–नागोजीभट्टीयवृत्तिसहितम् .... ॥।) =)

पांडवगीता. .... ⌐))॥

ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्—मूलमात्रं सटिप्पणम्. .... २।) ।)
भगवद्गीता—(शंकरानंदीटीकासहित). २।) ।)
भगवद्गीता—(श्रीधरीटीकासह) .... ॥।) =)॥
भगवद्गीता—(रेशमी पुट्ठा स्थूलाक्षर) ॥।) -)॥
भगवद्गीता—(रेशमी पुट्ठा मध्यमाक्षर) ॥))॥
भगवद्गीता—(रेशमी पुट्ठा सूक्ष्माक्षर) ।-))॥
भगवद्गीता—(मध्यमाक्षर) सादी. ।))॥
भगवद्गीता—बुकसाइज (मध्यमाक्षर)सादी. ।))॥
भगवद्गीता मूल—स्थूलाक्षर पोथीसाईज. ।=) -)
भगवद्गीता—(बहुतही छोटा गुटका) ≡))॥
भगवद्गीतानुक्रमः ... . -))॥
भगवद्गीता—सप्तश्लोकी. ....)।)॥
श्रीमद्भगवद्गीता—व्याख्याष्टक ८ मण्डिता .... ८।) -)
मन्त्ररत्नमंजूषा—श्रीमत्त्रिविक्रमभट्टारकप्रणीता .... ॥) =)
महावाक्यरत्नावलि—(मूलमात्र).... ≡))॥
रामगीता और रामगीतामाहात्म्य.)॥।)॥

लघुयोगवासिष्ठ—आत्मसुखकृत, वासिष्ठचन्द्रिकाटीकासहित. .... ५) ॥)
ललितासहस्रनाम—भास्कररायप्रणीतसौभाग्यभास्करभाष्यम्. .... १॥) ।)
वेदांतसार—आवृत्ति दूसरी, नृसिंहसरस्वतीस्वामिकृत सुबोधिनी तथा रामतीर्थविरचित विद्वन्मनोरंजनी. व्याख्याद्वयसहित. यह ग्रंथ जे. ई. जेकब इन्होंनें पाठांतर तथा विपुल इंग्रेजी नोट्स जुडवायके शुद्ध किया है. .... १) =)॥
शिवगीता—लक्ष्मीनरहरिसूनुकृत बालानंदिनी टीका और शंकराचार्यकृत कालभैरवाष्टकसहित. (बुकसाईज) ॥) -)
शिवगीता—(सादी) .... ।=) -)
शिवगीता—(रेशमी पुट्ठा) .... ॥) -)

धर्मशास्त्रग्रन्थाः ।

आशौचनिर्णय—त्र्यम्बककृत. .... -)॥)॥
निर्णयसिंधु मूल—इसके तीन परिच्छेद हैं, कि जिनमें सर्वोपयुक्त सनातन आर्यधर्मका सरल रीतीसे निर्णय किया है. २=) ।)
पुरुषार्थचिंतामणि—श्रीमद्रामकृष्णभट्टसूनुविष्णुभट्टकृत..... .... २) ।)
मनुस्मृति—कुल्लूकभट्टकृत, मन्वर्थमुक्तावली टीका और वर्णानुक्रमकोशसहित. छपता है.
याज्ञवल्क्यस्मृति—मिताक्षरा नामकी व्याख्यासहित वर्णानुक्रमकोशसहित. २॥) ।)
स्मृतिकौस्तुभ—श्रीमदनंतदेवभट्टकृत. २=) ।)
सनातनमानवधर्म—धर्मवचनोंका संग्रह. =))॥

न्यायशास्त्रग्रन्थाः ।

कारिकावली—सिद्धान्तमुक्तावलीसह. ॥) -)
तर्ककौमुदी—लौगाक्षिभास्करकृत. .... =))॥
तर्कसंग्रह—न्यायबोधिनीव्याख्याटिप्पणीसह. ।=) -)
तर्कसंग्रहचंद्रिका—तर्कसंग्रहसहिता. ।=) -)
न्यायलीलावती. ... . ॥।) =)
प्रमेयकमलमार्तण्ड—(जैनी)न्यायग्रंथ. ४) ॥)
भास्करोदया—तर्कसंग्रहदीपिकाप्रकाश (नीलकण्ठी) की व्याख्या. .... ॥।=) =)
भाषापरिच्छेद—(मैथिल-मुकुंदझाप्रणीत) ॥) -)

मीमांसाग्रन्थाः ।

अर्थसंग्रहः—श्रीलौगाक्षिभास्करप्रणीतः श्रीमत्परमहंसरामेश्वरशिवयोगिभिक्षुप्रणीतमीमांसार्थसंग्रहकौमुदीव्याख्यायुतः .... ॥) =)

मीमांसान्यायप्रकाश—आपोदेवी..... ॥) =)

मीमांसापरिभाषा-श्रीमत्कृष्णयज्वप्रणीता. ।))॥

शास्त्रदीपिका-प्रथमस्तर्कपादः—प्रत्यधिकरणविभक्तजैमिनीयन्यायमालायुतः । रामकृष्णप्रणीतयुक्तिस्नेहप्रपूरणी-सिद्धांतचन्द्रिकाव्याख्यायुतः स्वोपज्ञसिद्धांतचन्द्रिकागूढार्थविवरणसहितश्च. .... १॥) ।)

व्याकरणग्रन्थाः ।

अष्टाध्यायीसूत्रपाठ—पाणिनिमुनिकृत. =))॥

धातुरूपावलि. .... =))॥

प्राकृतमञ्जरी—कात्यायनमुनिप्रणीत प्राकृतसूत्रवृत्ति. बालभाषाका व्याकरण. ।=))॥

मध्यसिद्धान्तकौमुदी—श्रीवरदराजकृत, टिप्पण और सूत्रवर्णक्रमकोशसहित. १।) =)

रामचंद्रिका-(गुंजीकरकृत शब्दरूपावलि) ।))॥

लघुसिद्धांतकौमुदी—वरदराजकृत टिप्पणीसहित. .... ।=) -)

लघुधातुरूपसंग्रह. .... =) -)

*व्युत्पत्तिवादः—श्रीमद्गदाधरभट्टाचार्यप्रणीतः गूढार्थतत्त्वालोकव्याख्यासहितः. ४) ॥=)

शब्दरूपावली. .... -)॥)॥

समासचक्र..... .... -))॥

सारस्वतपूर्वपक्षावली. .... =)॥)॥

सारस्वतव्याकरण—चन्द्रकीर्तिटीकासहित. (तीनों वृत्ति.).... .... २॥) ।)

सारस्वत चन्द्रकीर्तिटीका—उत्तरार्ध. १॥) ।)

सारस्वतव्याकरण मूल–(पूर्वार्ध)कपडेकी ।-) -)

सारस्वतव्याकरण मूल–(पूर्वार्ध) काग. ।))॥

सारस्वतव्याकरण तीनों वृत्ति—इसमें वर्णज्ञान होनेके लिये सिद्धांतकौमुदीके अनुसार कठिनटिप्पणी और अन्तमें समस्त सूत्रोंका वर्णक्रमसे कोषभी लगा दिया है. .... ॥) =)

सारस्वतव्याकरण–तीनों वृत्ति–काग. ॥=) -)॥

सिद्धांतकौमुदी—भट्टोजीदीक्षितकृत. २।) ।-)

सिद्धांतकौमुदी—तत्त्वबोधिनी नामक टीका और परिशिष्टोंसहित. .... ४।) ॥)

निरुक्तग्रन्थाः ।

निरुक्तलघुवृत्ति—सप्तपादिका. .... ॥=) =)

कोशग्रन्थाः ।

अमरकोश—अमरसिंह, भानुजीदीक्षितकृत व्याख्यासुधा अथवा रामाश्रमी टीका. ४।) ॥-)

अमरकोश मूल—शब्दकोशसहित. ॥=) -)

अमरकोश सटीक—शब्दकोशसहित. ॥=) =)॥

शब्दभेदप्रकाश—(शब्दद्वैधकोशः) एकाक्षरकोशश्च .... -))॥

काव्यग्रन्थाः ।

अमरुशतक—अमरुककविविरचित, अर्जुनवर्मदेवप्रणीत टीकासहित. .... ॥=) -)

आर्यासप्तशती—गोवर्धनाचार्यकृत, अनन्तपण्डितकृत टीकासहित. .... १॥) =)

लि १६ | श्रीकुशलगुरुभ्योनमः मीनमासः सं० १९७२ शाके १८३७ चै. शु | तारीख जै दिन॰ १

योग	ति.	वा	घ	प.	न	घ.	प	यो	घ.	प.	क	घ	प.	क.	फा	इ	ति	घ	प.	प्रविष्टि	सूर्य: रा	अं	क	वि	गत अं	क
सिद्धि	०१	मं	४५	५१	उ	५७	१२	शु	०८	२६	कि	१४	२७	ब	२९	१६	०१	२९	३६	३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
उत्पात	०२	बु	४९	२०	रे	६०	००	ब्र	५८	२०	बा	१५	३६	कौ	३०	१७	०२	२९	४०	४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मैत्र	०३	बृ	५३	४३	रे	००	५३	ऐं	५९	११	तै	२१	३२	ग	१	१८	०३	२९	४४	५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
वज्र	०४	शु	५८	३६	अ	०६	४१	वै	६०	००	ब	२६	१०	वि	२	१९	०४	२९	४९	६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
ध्वांक्ष	०५	श	६०	००	भ	१३	०५	वै	००	३६	ब	३०	३७	वा	३	२०	०५	२९	५३	७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
धूम्र	०५	र	०३	३९	कृ	१८	२७	वि	०१	५२	बा	०३	३९	कौ	४	२१	०६	२९	५७	८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
प्र. मा.	०६	चं	०८	४५	रो	२५	४०	प्री	०२	१२	तै	०८	४५	ग	५	२२	०६	३०	०१	९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
राक्षस	०७	मं	१३	२५	मृ	३१	१६	आ	०४	१०	व	१२	२५	वि	६	२३	०७	३०	०५	१०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मुसल	०८	बु	१७	११	आ	३६	०८	सौ	०४	४४	ब	१७	१९	बा	७	२४	०८	३०	०९	११	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
सिद्धि	०९	बृ	१९	४५	पु	३९	४८	शो	०२	५८	कौ	१९	४५	तै	८	२५	०९	३०	१४	१२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
उत्पात	१०	शु	२१	११	पु	०२	०४	ऽगं	०२	१३	ग	२१	११	ब	९	२६	१०	३०	१८	१३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मानस	११	श	२१	१७	श्ले	४३	३१	सु	००	०६	वि	२०	१७	व	१०	२७	११	३०	२२	१४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मुद्गर	१२	र	२०	०६	म	४३	१०	शु	५२	१६	बा	२०	०६	कौ	११	२८	१२	३०	२७	१५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
ध्वज	१३	चं	१७	४१	पू	४२	२२	गं	४७	०५	तै	१७	४१	ग	१२	२९	१३	३०	३१	१६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
प्रजा.	१४	मं	१४	१६	उ	४०	१७	वृ	४१	०८	व	१४	१६	वि	१३	३०	१४	३०	३५	१७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
आनंद	१५	बु	११	५९	ह	३७	२१	ध्रु	३४	३८	बा	११	५९	श	१४	३१	१५	३०	४०	१८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

अयनांशाः २१।१४।२४ भू ५६।४० श्रीजैनसम्वत् २४४१
साजन सट्टा साँवठा कर मन मोद बढ़ाय ॥

वर्ष तत्रऋतुः
रवि उत्तरायणे

सम्वत्सरारम्भ नवदुर्गा० १
उभां १ ऽर्कः २९।१८ शतां १ बुः ५३।३९ चन्द्रदर्शन० रूपा० द्वे०
मे० चं० ०।५२ गुणगौर० ३ जमादि० उलअव्वल २९ मत्स्यजयन्ती
म० २६।१० उ० ५८।३६ या० धनेष्टे १ भृगुः ४४।५२
वृ० चं० २९।४० सरस्वती० ५
कल्पादि०
मि० चं० ५८।३८ कुमार० ६
म० १३।२५ उ० ४५।१८ या०
दुर्गा० ८
* भृगुः ३२।३४ राम० ९
पूभां १ भौमः ०६।१ अर्क० चं ९३।५२ पूभां १ गुरुः ३२।२१ धनष्टे २ कुंभे
म ५९।१४ उ०
म २१।११ या० सिं० चं ४३।२१ कामदा ११ व्रत
पूभा १ बुः ३२।३२ प्रदोष० व्रत
क० चं ५६।५१ अनंगव्रत
म १४।१६ उ० ४३।०७ या० रेवे १ ऽर्कः ५७।४१ बासाही १४
शतां १ भगुः १५।०४ हनुमान् जन्म अहोनिशो १५ वैशाखस्नानारंभः १५

मे० १ ति० ७ मं० मिश्र ४५।०३ दिनमान ३०।०५

[illegible]	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
[illegible]	उ०	व०	उ०	उ०	उ०	००	००
[illegible]	१०	१०	१०	०९	०२	१०	०४
[illegible]	१८	१३	१९	२८	०५	०२	०२
[illegible]	५०	११	४०	३३	११	०५	०५
[illegible]	१८	३१	४६	५३	३७	२०	२०
[illegible]	४६ ३६	०५ ३२	१२ ४४	६१ ०२	०२ १५	०३ ११	०३ ११
[illegible]	मा	मा	मा	मा	मा	व०	व०

१ बु मं बृ रा ११ शु १० २ १२ श ३ चं ९ ४ ६ ८ ५ के ७

अथ सम्वत् १९७२ प्रवेशकथनम् ॥

दोहा-श्रीगुरु कुशलमुनींद्र पद, बन्दौ बारम्बार ॥
फल भाखूं इस सालका, ज्योतिषके अनुसार ॥ १ ॥
संवत् फीका सकलांधि, ईत भीत कर्तार ॥
बाधा होय जहान में तिलमिलाय संसार ॥ २ ॥
रोज़गार फीका पड़े दिनकर तपै प्रचंड ॥
जल चाहे कथा होत है, पानी खंडही खंड ॥ ३ ॥
जो जीवे इस सालमें उसका भाग विशाल ॥
दीनानाथ दया करैं भावै जीयालाल ॥ ४ ॥

पं० २ लि० १५ बु० मिश्र ४५।२० दिनमान ३०।१०

१ मं बु रा बृ शु ११ २ ११ सू १० श ९ ३ ४ ८ ६ ५ के ७

सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
व०	उ०	उ०	व०	उ०	व०	०	००
११	१०	१०	१०	१०	०२	१०	०४
१७	२५	२४	२१	०६	०५	०१	०१
२७	०३	१०	२८	५०	३३	३०	३१
५७	४२	४४	१३	२१	१३	५४	२४
५९ ३५	४८ ३६	६६ २०	१२ ४४	०१ ३२	०३ २७	०३ ११	०३ ११
मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व

मि१४ | श्रीसम्वत् १९७२ शाक १८३७ प्रथम वैशाखकृष्ण | तारीख | जै | ति.मा. | सूर्य: | गत

योग	ति	वा	घ.	प.	न	घ	प.	यो.	घ	प	क.	घ.	प	क.	फा	इं	ति	घ.	प.	प्रविष्टा	सूर्य:				गत	
चर	०१	बृ	०४	५१	चि	३३	५५	व्या	२७	३४	कौ	०४	५१	तै	१५	अ१	०२	३०	०४	१९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
अमृ	०२	बृ	२९	१४	क्षयदिनम्			००	००	००	तै	३२	०२	ग	००	००	००	००	००	००	०	०	०	०	०	०
गद	०३	शु	५३	२३	स्वा	११	५७	ह	१९	४२	व	२६	१८	वि	१६	२	०३	३०	४८	२०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
शुभ	०४	श	४७	२४	वि	२५	५७	व	१२	१४	व	२०	२४	बा	१७	३	०४	३०	५२	२१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मृत्यु	०५	र	४१	३०	अनु	२१	५१	सि	०४	१५	कौ	१४	२७	तै	१८	४	०५	३०	५६	२२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
पद्म	०६	चं	३५	४८	ज्ये	१८	००	व	४९	३५	ग	०८	३९	व	१९	५	०६	३१	००	२३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
छत्र	०७	मं	३०	२९	मू	१४	३४	प	४४	३९	वि	०३	०८	ब	२०	६	०७	३१	०४	२४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
श्रीव	०८	बु	२५	५७	पू	११	१०	शि	३६	२७	कौ	२५	५७	तै	२१	७	०८	३१	०८	२५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
सौम्य	०९	बृ	२२	१५	उ	०९	२४	सि	३०	३५	ग	२२	१५	ब	२२	८	०९	३१	१२	२६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
धूम्र	१०	शु	१९	१०	श्र	०८	११	सा	२५	४९	वि	१९	३०	ब	२३	९	१०	३१	१६	२७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
प्रवर्ध	११	श	१७	५१	ध	०८	०३	शु	२१	५६	बा	१७	५१	कौ	२४	१०	११	३१	२०	२८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
राक्षस	१२	र	१७	२०	श	०९	०८	शु	१८	५४	तै	१७	२०	ग	२५	११	१२	३१	२४	२९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मुसल	१३	चं	१८	२१	पू	११	२६	ब्र	१६	४४	व	१८	२१	वि	२६	१२	१३	३१	२८	३०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
सिद्धि	१४	मं	२०	३०	उ	१५	०५	ऐं	१६	०३	श	२०	३०	च	२७	१३	१४	३१	३२	चै१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
उत्पात	३०	बु	२३	४४	रे	२१	१६	वै	१६	०१	ना	२३	४४		२८	१४	३०	३१	३६	२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

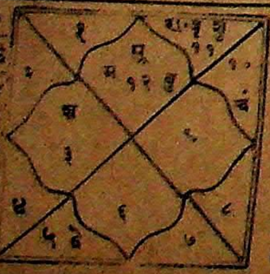
क्ष० ५७।१० श्रीजैन सम्वत २४४१
हग शिव विष्णु ब्रह्म रस द्वीप तुर्य सरलाय ॥ १ ॥

वसंत ऋतुः रविरुत्तरायणे

तु० घं० ५।३८ अप्रैल १० आशा० २
०
म २६।१८ उ० ५३।२३ या०
बृ० घं ११।५७ गणश० ४
पूभां ४ मीने शु: ०५।३८
घ० चं १८।०० म ३५।४८ उ०
म ०३।०८ या० उभां १ बु: ०४।४६
पूभां ४ मीनभौम: ०७।३५ श० चं० २५।४९
पूर्वास्तंश: २७।०५ म ५०।५२ उ०
म० १९।३० या० कुं० चं० ३८।०७
वरूथिनी ११ व्रतम्
उभां १ भौम: ३४।३९ पूभां १ भृगु: ३४।५६ मी० चं० ५५।५५
म १८।२१ उ० ४९।२५ या०
* ५४।०४ ल० कु
अश्वे१सं० मेषऽर्कः ३१।३५ मु० ३० सू० बैवे१सं: ४४।०० आकृतप्रवेश: *
मे० चं १९।३६ सतुआ १०

पं० ३ ति० ८ बु० मिश्र ४५।३४ दिनमान ३१।०८

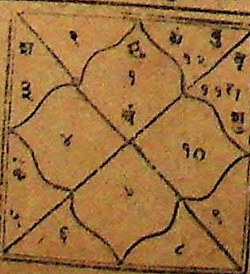
ब	व	व	ट	उ	उ	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
११	११	११	१०	१०	०२	१०	०४
२४	००	०५	११	१५	०५	०१	०१
२१	२५	३०	०१	०५	५४	१७	१७
४४	१३	५०	२८	५८	२९	१९	३९
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व



अथ मेषसंक्रान्ति कथनम् ॥

दोहा-तब चौदश वैशाखकी, कुजदिन मेष दिनेश ॥ तीस मुहूर्त रात्रि गत, मध्य भाग फल वेश ॥१॥ गीतिछंद ॥
वाहन सवारी मेष उपवाहन माहिष पट कोयला ॥ कर प.व शस्त्र कटार खांडा शीशा कम्बल खोयला ॥ मधु भक्ष तिलक सिन्दूर भूषण नीलम शूद्र बखानिये ॥ मध्या अवस्था श्याम अँगिया पुष्पमही मानिये ॥ २ ॥
दोहा-अकरे रस कम खांडु घृत, सस्त कुसम्भ पराल ॥ कपड़ा रूई ऊन सण, मंदे जीयालाल ॥ ३ ॥

पं० ४ ति० ३० बु० मिश्र ४५।४७ दिनमान ३१।३६



उ	उ	ऽस्त	उ	उ	उ	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
००	११	११	१०	१०	०२	१०	०४
०१	०६	१७	१४	२३	०६	००	००
१३	००	४६	३४	२१	१९	५५	५५
३३	४१	००	४०	१६	३२	२४	२४
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व

ति.१५ | श्रीसम्वत् १९७२ शाके १८३७ प्रथम वैशाखशुक्ला तारीख जै दिनमान

योग	ति	वा	घ.	प.	न.	घ	प.	यो	घ	प.	क	घ.	प.	क.	का	इं.	ति.	घ.	प	सूर्योदय	सूर्यः (रा अं क वि)	गत (क वि)
मानस	१	बृ	२८	११	अ	२५	२३	वि	१६	३६	ब	२८	११	वा	२९	१५	०१	३१	३९	३	[illegible]	[illegible]
मुद्गर	२	शु	३२	५८	म	३१	३७	प्री.	१७	५९	बा.	००	३४	कौ	१	१६	०२	३१	४२	४	[illegible]	[illegible]
ध्वज	०३	श	३८	०१	कृ	३८	०६	आ	१९	२१	तै	०५	२९	ग	२	१७	०३	३१	४६	५	[illegible]	[illegible]
प्रजा०	०४	र	४२	५७	रो	४४	२५	सौ	२०	३९	ब	१०	२९	वि	३	१८	०४	३१	५०	६	[illegible]	[illegible]
आनंद	०५	चं	४७	२७	मृ	५०	१६	शो	२१	४९	ब	१५	१२	बा	४	१९	०५	३१	५४	७	[illegible]	[illegible]
चरः	०६	मं	५१	०९	आ	५५	१४	ऽगं	२२	२८	कौ	१९	१८	तै	५	२०	०६	३१	५८	८	[illegible]	[illegible]
गदा०	०७	बु	५३	४३	पु	५९	१४	सु	२२	१४	ग	२२	२६	ब	६	२१	०७	३२	०२	९	[illegible]	[illegible]
शुभ	०८	बृ	५५	०६	पु	६०	००	धृ	२१	०८	वि	२४	२४	ब	७	२२	०८	३२	०६	१०	[illegible]	[illegible]
उत्पात	०९	शु	५५	०१	पु	०२	०१	शू	१८	५७	बा	२५	०३	कौ	८	२३	०९	३२	१०	११	[illegible]	[illegible]
मानस	१०	श	५३	१६	श्ले	०३	११	गं	१६	०८	तै	२४	२३	ग	९	२४	१०	३२	१३	१२	[illegible]	[illegible]
मुद्गर	११	र	५१	२०	म	०३	५२	वृ	११	५२	ब	२२	३३	वि	१०	२५	११	३२	१६	१३	[illegible]	[illegible]
ध्वजः	१२	चं	४७	५८	पू	०३	०	ध्रु	०६	५५	ब	१९	३१	बा	११	२६	१२	३२	१९	१४	[illegible]	[illegible]
प्रजाप	१३	मं	४३	२६	ह	०१	०२	व्या	०१	११	कौ	१५	४२	तै	१२	२७	१३	३२	२२	१५	[illegible]	[illegible]
कालदं	१४	बु	३८	१८	चि	५५	०१	ब	४७	५६	ग	१०	५२	ब	१३	२८	१४	३२	२५	१६	[illegible]	[illegible]
स्थिर	१५	बृ	३२	३६	स्वा	५१	१७	सि	४०	३८	बि	०५	२७	ब	१४	२९	१५	३२	२८	१७	[illegible]	[illegible]

इ० ५८।१४ ह ५४।५१ श्री जैन सम्वत् २४४१

वैशाखी घोड़े चढी पड़ी पड़ी दुख देत ॥

बसंतऋतुः
रवि उत्तरायणे

चन्द्रदर्शन बृ० पु० द०

बृ० चं० ४८।१४ जमादिउल्लाखर १०

त्रेतायुगादिः

म० १०।२९ उ० ४२।५७ या०

मि० चं० १७।२०

पुमा ४ मीने भृगुः ०३।२८ ऽथे १ मेषे श्र० ५४।२८

आर्द्रा १ शनिः ०३।५७ अर्क० चं ४३।१४ म ५३।४२ उ०

म २४।२४ या ऽमां १ भृगुः ५२।०८

लिं० चं० ३।३१

म २२।३३ उ० ५१।२० या० पुरुषोत्तमा ११ व्रतम्

क० चं० १७।३१

भरे१ऽर्कः १२।४२ भरे १ शः ५६।२८ भौमप्रदोषः

तु० चं २४।५६ म ३८।१८ उ० रे० बे० १ मोमः ४७।१७

म ०५।२७ या०

पं०५ ति० ८बृ० मिश्र ४६।०३ दिनमान३२।०६

उ	उ	ऽस्त	उ	उ	उ	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
००	११	००	१०	११	०२	१०	०४
०९	१२	०२	२६	०२	०६	००	००
०२	०१	२९	१६	४१	५६	२९	२९
०३	३०	४१	२५	३०	५१	५८	५८
५८ २४	[illegible]	[illegible]	११ ०४	०२ ०८	०४ ३१	०३ ११	०३ ११
मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व



अथ वैशाखमास फलम् ।

दोहा—वैशाखे गुरु पांच हैं, लौंद सहित नवचीन ।
अट्ठावन दिन मासके, दुनियां तेरातीन ॥ १ ॥
लौंद मास दिन तीसका, बाकी अट्ठाईस ।
फल दुखदाई होयगा, बर्बर कोकण शीस । २ ॥
तीज विसारी रोहिणी, पूनम दई बहाय ।
रोज़गार सबका चले, भय बिन बिपतडराय॥ ३ ॥
व्यापे रोग बिशूचिका, ज्वर घर बांधे पाल ।
भयकारी वैशाख है, माषै जीयालाल ॥ ४ ॥

पं० ६ ति० १५ बृ० मिश्र ४६।१४ दिनमान ३२।२८



उ	उ	ऽस्त	उ	उ	उ	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
००	११	००	१०	११	०२	१०	०४
१५	१६	१५	२७	११	०७	००	००
०९	[illegible]	५६	३८	०२	२१	[illegible]	[illegible]
५४	३०	१५	१९	३१	०३	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व

ति १५ | श्रीसम्वत् १९७२ शाके १८३७ द्वितीय वैशाखकृष्णा तारीख | जै दि. मान | सूर्य्यः | गत | श्री जैन सम्वत् २४४१ | वसन्तऋतुः रवि उत्तरायणे

योग	ति.	वा.	घ	प.	न.	घ	प.	यो	घ	प.	क.	घ	प.	के	फा	ई	ति.	घ	प	प्रविष्ट	सूर्यः				गत	
मातंग	१	शु	२६	४३	वि	४७	०७	व्य	३१	०४	कौ	२६	४३	तै	१५	३०	०१	३२	३०	१८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
अमृत	२	श	२०	४४	ऽनु	४३	०८	व	२४	२२	ग	२०	४४	व	१६	३१	०२	३२	३१	१९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
काण.	३	र	१४	४८	ज्ये	३९	०९	प	१८	१५	वि	१४	४८	व	१७	२	०३	३२	१६	२०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
लुम्ब	४	चं	०९	०४	मू	३५	३४	शि	१०	३१	बा	०९	०४	कौ	१८	३	०४	३२	३९	२१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मैत्र	५	मं	०३	४१	पू	३१	२२	सि	०३	३४	तै	०३	४१	ग	१९	४	०६	३२	४२	२२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	६	मं	५९	०१	अर्क्षदिनम			सा	५६	०३	ग	२९	३०	व	००	००	००	००	००	००	०	०	०	०	०	०
वज्र	७	बु	५५	१९	उ	१०	०४	शु	५९	१७	वि	२७	०५	व	२०	५	०७	३२	४५	२३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
ध्वज:	८	बृ	५२	१५	श्र	२८	२८	शु	४४	२३	बा	२१	४३	कौ	२१	६	०८	३२	४८	२४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
प्रजा०.	९	शु	५०	११	ध	२८	१५	ब्र	४२	३१	तै	२१	२३	ग	२२	७	०९	३२	५१	२५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
आनंद	१०	श	५०	०९	श	२९	०२	ऐं	३०	१३	व	२०	२०	वि	२३	८	१०	३२	५४	२६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
चर	११	र	५०	४१	पू	३०	०१	वै	३७	०५	व	२०	२६	बा	२४	९	११	३२	५७	२७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
गदा०	१२	चं	५२	४५	उ	३४	११	वि	३६	०१	कौ	२१	४३	तै	२५	१०	१२	३३	००	२८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
शुभ	१३	मं	५५	५९	रे	३८	४९	प्री	१५	५०	ग	२४	२२	व	२६	११	१३	३३	०३	२९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मृत्यु	१४	बु	६०	००	अ	४४	०६	आ	१६	२१	वि	२८	०४	श	२७	१२	१४	३३	०६	३०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
पद्म०	१४	बृ	००	०९	भ	५०	१३	सौ	३०	३९	श	००	०९	च	२८	१३	१५	३३	१०	३१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
शुभ	३०	शु	०४	४९	कृ	५६	१५	शो	२९	०३	ना	०४	४९	कि	२९	१४	शु	३३	१३	ज्ये१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

लोक बोक मुखद्वीपि वसु रस सर थोड़ा हेत ॥ २ ॥

वृ० च ३३।१०

म ४७।४६ उ मई ३१

म १४।४८ या० धनेष्टे२ मकरे राहु-सार्पेश्कर्के केतुः२८।१० ध० चं३९।०९ गणेश०४

रेवे १ भृगुः ००।०४ म० चं ४६।४८ कृते १ क्षः ५८।२६ म ५९।०१ उ०

म २७।०५ या

कृते ०२ वृषे क्षः ५०।२६ कुं०चं ५८।२१

म २०।२० उ ५०।०९ या०

भी०चं १४।४५ पुरुषोत्तमा ११ व्रतम्

पुरुषोत्तमा ११

कृते १ऽ र्कः००।४५ पश्चिमोदयं क्षः १४।४५ मे०चं० ३८।४९ म ५५।५९ उ. प्रदोषः

रोहे १ क्षः २३।५९ म २८।०४ या०

पूर्णा ४ मीने गुरुः ०९।०८

अस्तं मुनि ३/२ कृ १२ सं वृषे ऽर्कः ३/६ मु. १० ऊ कृ. चं. ४/० चित्रांगद प्रवेशः ३/० कुम्भ ३०

प० ७ ति० ८ शु० मिश्र ४६।२४ दिनमान ३३।४८

उ	उ	ऽस्त	उ	उ	उ	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व

अथ वृषसंक्रांति कथनम् ।

दोहा—लौंदअमावस शुक्र दिन, वृषपर दिनकर जाय ।
तीस मुहूर्त आदि फल, नीच जमाना होय ॥ १ ॥

गीताछंद—वाहन रंगीला कूकड़ा उपमृकट बाण कमान है ।
भोजन मिठाई लेप कर्पूर अनरूप अत्रान है ॥
फल सकल महिमा जानि घटिया पुष्प जवासुवासनी ।
पांडुक वसनभूषणसुनहरी अधिक वस्तुविनाशिनी ॥

दोहा—मिश्रा पशु सुखदायिनी, दुखी वैश्य धनपाल ।
अनभाव गड़बड़ करे, भाषे जीयालाल । २ ॥

पं० ८ ति ३० शु० मिश्र ४६।२६ दिनमान ३३।१३

उ	उ	उ	उ	उ	उ	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
०१	११	०१	११	११	०२	०९	०३
००	२८	१३	००	२९	०८	२९	२९
१८	५१	२३	२२	०९	४९	२०	२०
४०	३२	४१	२७	०५	२९	०२	०२
५३ ४०	४७ ५०	१०३ ३२	११ ०४	७२ ०८	०६ ३९	०३ ११	०३ ११
मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व

ति १४ | श्रीसम्वत् १९७२ शाके १८३७ द्वितीय वैशाखशुक्ला | तारीख | जे | दि मा. | सूर्य्यः | गत

योग	ति	वा.	घ.	प	न.	घ.	प	यो	घ.	प.	क	घ	प.	क	का	इं	ति	घ.	प.	प्रविष्टाः	रा.	अंश	क.	वि.	घ.	प.
श्रीव	०१	श	०९	४७	रो	६०	०	Sगं	४०	२५	व	०९	४७	बा	३०	१५	-१	३३	१६	२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
प्रजा.	०२	र	१४	४०	रो	०३	०३	सु	४१	४९	कौ	१४	४०	ते	१	१६	०२	३३	१९	३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
आनंद	०३	चं	१९	०६	मृ	०८	५९	धृ	४२	३०	ग	१९	०६	व	२	१७	०३	३३	२२	४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
चर.	०४	मं	२२	४४	आ	१४	०३	शू	४२	४७	वि	२२	४४	व	३	१८	०४	३३	२५	५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
गदा.	०५	बु	२५	१५	पु	१८	२०	गं	४१	४६	बा	२५	१५	कौ	४	१९	०५	३३	२८	६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
शुभ	०६	बृ	२६	३३	पु	२१	२७	वृ	३९	५९	ते	२६	३३	ग	५	२०	०६	३३	३०	७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मृत्यु	०७	शु	२६	३७	श्ले	२३	११	ध्रु	३०	१२	व	२६	३७	वि	६	२१	०७	३३	३३	८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
पद्म.	०८	श	२५	१९	म	२३	५०	व्या	३३	१९	व	२५	१९	बा	७	२२	०८	३३	३५	९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
छत्र.	०९	र	२२	५०	पू	२३	१६	ह	२८	४८	कौ	२२	५०	ते	८	२३	०९	३३	३८	१०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
श्रीव.	१०	चं	१९	२२	उ	२१	३३	व	२३	०६	ग	१९	२२	व	९	२४	१०	३३	४०	११	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
सौम्य	११	मं	१४	५७	ह	२०	५७	सि	१६	५२	वि	१४	५७	व	१०	२५	११	३३	४२	१२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
काल	१२	बु	०९	४८	चि	१५	४२	व्य	०९	५६	बा	०९	४८	कौ	११	२६	१२	३३	४३	१३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
स्थिर	१३	बृ	०४	०८	स्वा	१२	५१	व	०२	५२	ते	०४	०८	ग	१२	२७	१४	३३	४५	१४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
अमृत्	१४	बृ	५८	०१	अर्द्धदिनम्			प	१५	२३	ग	२९	०१	व	००	००	००	००	००	००	०	०	०	०	०	०
मातंग	१५	शु	५१	५३	वि	०८	०३	शि	४७	४९	वि	२४	५७	व	१३	२८	१५	३३	४६	१५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

श्रीजैन सम्वत् २४४१

लौंदी नौंदी क्या कहैं सुनियो ध्यान लगाय ॥

वसंत ऋतुः रविरुत्तरायणे

चन्द्रदर्शन० पुस्तक० दे० ऽश्वे १ मेषे भृगोः ०५।१२ * रजब १०

मृ.रे.९।।।।।ऽ।।।।अ.वा.ऽश्वे १ मेषे.मै(म):०६।२८मि.वं३६।०१परशुरामजयन्ती.*

म० ५०।५५ उ० अक्षय० ३

म २२।४४ या०

कं० चं० ०२।१५

मृगे १ कुः २१।४६

सिं० चं २३।११ म २६।३७ उ० ५५।५८ वा० श्रीगंगाजन्म० ७

म० रे० १९।।।।।।ऽ।। उ० अ०

ऊफा ।ऽ।।ऽऽऽ। पातः क० च२१।५०

ह ऽ।।ऽऽ।।।। श०ला०म ४२।०९ उ० मृगे३मिथुनेकुः५१।२१रोहि१ऽकेः५४।२९

म १४।५७ या. तु० चं. ४८।१९ मोहिनी११व्रतम्

स्वा. रे. ८।।।ऽऽ।।।। म. रे १ भृगु ०७।४४ प्रदोषः

बृ. चं ५४।१५ म०२८।०१ उ० श्रीनृसिंह १४

०

म २४।५७ वा०ऽनु० रे ४।ऽ। वं०शु० करैजपन्नी वैशाखस्नानसमाप्तम् १५

पं. ९ ति. ७ शु. मिश्र ४६।४६ दिनमान ३३।३३

उ	उ	उ	उ	उ	उ	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
०१	०	०१	११	०	०२	०९	०३
०७	०४	१४	०१	०७	०९	२८	२८
०१	०९	१४	३५	३५	३६	५७	५७
३८	१६	३२	२[illegible]	१७	१३	४७	४७
५७ २८	४७ ०२	८७ ५६	०९ ४६	७२ ४४	०६ ३९	०३ ११	०३ ११
मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व

के ३ श सु २ गु १ अं श सू १२ ४ चं ५ ११ ६ ८ १० रा ७ ९

अथ निजमन्तव्यकथनम् ।

दोहा सदा छपा पञ्चाङ्ग यह, दिल्लीनगर मझार ।
लोभ प्रमाद अजाण पण, किया अशुद्धि अपार ॥ १ ॥
पिछले दिन बीते गये, क्या उनका अफसोस ।
आगेकी सुध लीजिये, मिटै मिटाया दोष ॥ २ ॥
बहु दिन से मन चाव था, देखें चढे बडोत ।
देख से निश्चय हुआ, दामिनि सम उद्योत ॥ ३ ॥
फल पाया नहिं मन बसा, याद रहै यह ख्याल ।
व्यर्थ गमाये शुगल पष, भाषै जीयामल ॥ ४ ॥

पं १० ति १५ शु मिश्र ४६।५२ दिनमानं ३३।४६

श गु मं शु ३ के ५ १ १२ ४ २ बु ११ ६ ८ चं १० रा ७ ९

उ	उ	उ	उ	उ	उ	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
०१	०	०२	११	०	०२	०९	०३
१३	०९	०४	०२	१६	१०	२८	२८
४३	२६	४५	३८	०४	२५	२५	२५
०६	५८	०५	३२	२२	५५	१२	१२
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व

ति १५ | श्रीसम्वत् १९७२ शाके १८३७ ज्येष्ठकृष्णा

योग	ति	वा	घ	प	न	घ	प	यो	घ	प	क	घ	प	क	तारीख फा	तारीख इं	जे ति	दि.मान घ	दि.मान प	क्रांतिः	सूर्य्यः रा	सूर्य्यः अं	सूर्य्यः क	सूर्य्यः वि	गतः	गतः
अमृत	१	श	४६	२	ऽनु	३	५९	सि	४०	२२	बा	१८	५८	कौ	१४	२९	१	३३	४७	१६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
कारण	२	र	४०	११	ज्ये	०	१	सा	३२	५६	तै	१३	७	ग	१५	३०	२	३३	४८	१७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
उत्पात	३	चं	३६	४३	पू	५२	३	शु	२५	५४	व	८	२७	वि	१६	३१	३	३३	४९	१८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मानस	४	मं	२९	५५	उ	५०	२९	शु	१९	२१	व	३	१९	बा	१७	जू १	४	३३	५०	१९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
छत्र	५	बु	२५	५९	श्र	४८	४३	ब्र	१३	२८	तै	२५	५९	ग	१८	२	५	३३	५१	२०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मित्र	६	बृ	२२	५५	ध	४८	८	ऐं	८	१९	व	२२	५५	वि	१९	३	६	३३	५२	२१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
सौम्य	७	शु	२१	०	श	४८	३७	वै	४	१२	व	२१	०	बा	२०	४	७	३३	५३	२२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
कालदं	८	श	२०	१६	पू	५०	२१	वि	०	५७	कौ	२०	१६	तै	२१	५	८	३३	५४	२३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
स्थिर	९	र	२०	५७	उ	५३	२२	आ	५६	१९	ग	२०	५७	व	२२	६	९	३३	५६	२४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मातंग	१०	चं	२२	४०	रे	५७	३२	सौ	५७	४	वि	२२	४०	व	२३	७	१०	३३	५७	२५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
अमृत	११	मं	२५	५२	अ	६०	०	शो	५७	३१	बा	२५	५२	कौ	२४	८	११	३३	५८	२६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मृत्यु	११	बु	२९	५५	अ	२	४१	ऽगं	५८	४६	तै	२९	५५	ग	२५	९	१२	३३	५९	२७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
पद्मा०	१२	बृ	३४	३१	भ	८	४०	सु	६०	०	ग	२	१४	व	२६	१०	१३	३४	१	२८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
छत्र	१४	शु	१९	३७	कृ	१४	५८	सु	०	११	वि	६	५९	श	२७	११	१४	३४	२	२९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
श्रीव०	३०	श	४४	५५	रो	२१	२६	धृ	१	४८	च	११	५१	ना	२८	१२	३०	३४	३	३०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

मू ५४।२५ प्री ५८।३७ श्रीजैन सम्वत् २४४१

विधि मुख रस वसु खंडकर सट्टा लेहु फलाय ॥ ३ ॥

ग्रीष्म ऋतुः रविउत्तरायणे

आर्द्रा १ ज्ञः ५७।४३

मू. रे. ७।ऽ।ऽऽ॥. पातः चोर. वाण. ध. चं. ००।०१

म० ८।२७ उ. ३६।४३ या. गणेश ४

उ. ॥ऽऽ॥ऽऽ के. म. चं. ७।२५ जून ३०

मरे १ भौमः ५९।२७

कु. चं १८।२५ भ २२।५५ उ०५१।५८ या. चम १ गुरुः ४९।२२

मी. चं ३४।५५

उ- ऽ।ऽ।ऽ॥ शु- ला- कृते १ भृगुः ८।५ म- ५१ ४८उ०

रे. ऽ॥ऽ॥ बु- ला- म- २२।४० या- मृगे १ ऽर्कः ५२।३८ मे चं- ५७।३२

कृते २ वृष भृगुः ५८ ५९ अपरा ११ व्रतम्

मृ- चं- २५।१४ म० ३४।३१ प्रदोषः

रो- ऽ॥ऽ॥ म- ६।५९ उ- वर्की ः ५ ।५३

पश्चिमोस्तं शनिः २१।४४ मि- चं- ५४।२५ वटसावित्री ३०

पं० ११ ति ८ श मिश्र ४६।५७ दिनमान ३३।५४

व	व	उ	व	व	व		
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
१	०	२	११	०	१	९	३
२१	१५	१३	३	२५	११	२८	२८
२३	१७	८	४४	४५	१०	१०	१०
१३	५१	४५	४७	४४	१९	६	६
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व

बु श के ३ सू म ९ चं २ ४ १२ बृ ५ ११ रा ६ ८ १० ७ ९

अथ ज्येष्ठ मास फलम्

दोहा-पांच शनिश्चर पांच रवि, ज्येष्ठ मास भयकार।
कुछ कुछ होंव विशूचिका, ओला जलके लार ॥१॥
अन्न भाव कुछ हट चले, उष्ण समीर अपार।
अकरी रहै अफीम नख, केसर मृग मद्दार ॥२॥
मार्ग विशेष चलै नहीं, सस्ते रहैं मंजूर।
इमली खिन्नी फालसा, निपजै पिंड खजूर ॥३॥
सैन्या देखैं भूपती, मनमें हर्ष विशाल।
मध्यम फल इस मासका, भाषै जीयालाल ॥४॥

पं० १२ ति ३० श मिश्र ४७।१ दिनमान ३४।३

शा बु के ३ स मं १ बृ चं २ शु ४ १२ ५ ११ रा ६ ८ १० ७ ९

उ	उ	उ	उ	उ	ऽस्त		
सु	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
१	०	२	११	१	२	९	३
२८	२०	१६	४	४	१२	२७	२७
१	४३	१४	३६	१०	१४	४७	४७
१२	४१	१४	५१	४२	५२	५१	५१
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	मा	व	मा	मा	मा	व	व

ति१५	श्रीसम्वत् १९७२ शाक १८३७ ज्येष्ठशुक्ल																			तारीख जे दि. ना	सूर्य:				गत	
योग	ति	वा	घ.	प.	न	घ.	प	यो	घ.	प	क	घ	प.	क	फ	ई	ति	घ.	प	दि.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.
सौम्य	०१	र	४८	४०	मृ	२७	२४	शू	०३	९	कि	१६	२८	व	२९	१३	·	३४	५	११	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
कालदं	०२	चं	५२	१६	आ	३२	१०	गं	०४	८	बा	२०	२८	कौ	३०	१४	२	३१	६	३२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
स्थिर	०३	मं	५४	११	पु	३७	३४	वृ	०४	२२	तै	२३	३३	ग.	१	१५	३	३४	७	६१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मातंग	०४	बु	५६	१२	पु	४०	५३	ध्रु	०३	४३	व	२५	३२	वि	२	१६	४	३४	८	२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
अमृत	०५	वृ	५६	५	श्ले	४२	३३	व्या	०२	१३	व	२६	१३	बा	३	१७	५	३४	९	३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
काल	०६	शु	५५	०१	म	४३	१८	ह	५८	४१	कौ	२५	३८	तै	४	१८	६	३४	११	४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
लुम्ब	०७	श	५२	१४	पु	४३	३५	वि	५१	१७	ग	२३	४७	व	५	१९	७	३४	१२	५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मैत्र.	०८	र	४९	०४	उ	४१	४६	व्य	४५	५५	व	२०	३९	ब	६	२०	८	३४	१३	६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
वज्र	०९	चं	४४	३९	ह	३९	२१	व	३९	५८	बा	१६	५१	कौ	७	२१	९	३४	१४	७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
ध्वा.	१०	मं	३९	३३	चि	३६	२२	प	३३	९	तै	१२	६	ग	८	२२	१०	३४	१६	८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
धूम्र	११	बु	३३	१४	स्वा	३२	४३	शि	२६	१०	व	६	४४	वि	९	२३	११	३४	१५	९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
प्रवध	१२	बृ	२७	१७	वि	२८	४३	सि	१८	४१	व	००	१५	बा	१०	२४	१२	३४	१६	१०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
राक्षस	१३	शु	२१	४७	अनु	२४	४१	सा	११	९	तै	२१	४७	ग	११	२५	१३	३४	१२	११	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मुसल	१४	श	१५	४३	ज्य	२०	३२	शु	०३	१४	व	१५	४३	वि	१२	२६	१४	३४	१२	१२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मिथि	१५	र	०९	४९	मू	१६	४०	ब्र	४९	८	व	९	४९	श	१३	२७	१५	३४	१०	१३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

ह ५९।२८ मु ५०।५२ श्री जैन सम्वत् २४४१
पुजन आई अम्बिका निज पतिका बड़वीर ॥

ग्रीष्म ऋतुः
रवि उत्तरायणे

मृगे ३ सं. मिथुनेऽर्कः ५४।३७ मु० ४५ सू० चन्द्रदर्शन. कुर्वी. दे.
पश्चिमोस्तं बु:१०।५३ज्वाल्पुम् प्रवेशः १७।६ ल. कन्या. कै. चं. २१।१३ ●
म २५।३२ ह० ५६।१२ या.
[शावन २९]
रोहे १ मृगुः ३।३१ सिं. चं ४२।३३
म ।ऽ।।।।।।। पातः
म ५२।३४ उ. क. चं ५८।०८
उ. ।।।ऽ।।ऽ।ऽ ह ऽऽऽ श. ला. म. २०।४९ या. कुते १ भौमः ५६।३९
आर्द्राकें प्रवेशः ५५।४८ स्त्री. र. चं. यो. ना. वृद्धना वा. ना.
स्वा ।।।ऽ।।।। तु. चं ७।५१ श्रीगंगा दशहरा १०
म० ६।४४ ह. ३३।५४ या. रवि दक्षिणायन हुआ. निर्जला ११ व्रतम्
ऽनु ०ऽऽ।।ऽ।।।। रखेर्क्रान्तः बृ. चं १४।४३ प्रदोषः
कुते २ वृषे भौमः ३८।५३
मू ।।।ऽऽऽऽ।रविश्च विनश सम्वत् प्रवेशः ६।० म २५।४३ ह. ४३।४६ या. व.
मूंग १ मृगुः ५१।२८ मन्वादि १५ अर्च०२०।३२ मृगे ४ वक्री बु ५९।४५

पं. १३ ति ८ रविः मिश्र ४७।७ दिनमान ३४।१३ ।

उ.	उ.	ऽस्त,उ		उ.	ऽस्त	०	०
सू.	मं	बु	बृ.	शु	श	रा.	के
२	०	२	११	१	२	९	३
१	२६	१३	५	१४	१३	२७	२७
३७	३१	१०	२६	३	१७	२२	२२
३	१९	३३	१३	५९	६	२५	२५
५६ ५९	४४ ३८	४२ २३	६ ६	७३ २०	८ १५	३ ११	३ ११
मा.	मा;	व.	वा.	मा.	मा.	व.	व.



अथ मिथुने रवि कथनम्

दोहा ज्येष्ठ शुक्ल युग चन्द्र दिन, मिथुन दिवाकर सार।
निशागत पैंताली पल, अन्त भाग सुखकार ॥
गीता छन्द।
वाहन गधा उपवेश भ वाँ वस्त्र लहँगाई भली।
कर पात्र कांसा दड आयुध जाते राक्षस बड़ भली ॥
रजतिलक भक्षण पान भँगिया भोजपत्र समान है।
कर कनकीका फूल मूँगा हार फल कल्यान है ॥२॥
दोहा नीचमुखी उत्तम दुखी, अकरा करसी माल।
इसका फल आषाढ़ में, भाषे ओंकारलाल ॥

| पं. १४ ति. १५ रविः मिश्र ४७।५ दिनमान३४।१०



उ	उ.	ऽस्त	उ.	उ	ऽस्त	०	००
सू	मं.	बु	बृ.	शु	श	रा.	के
२	१	२	११	१	२	९	३
१२	५	०	६	२२	१७	२७	२७
१६	२२	२२	५	३६	१५	०	०
१	५६	१०	४०	५८	१	१०	१०
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	मा	व	मा	मा.	मा.	व.	व.

ति.१५ | श्रीसम्वत् १९७२ शाके १८३७ आषाढकृष्ण | मि॰ स्व | अं॰ दि॰ मा॰

योग	ति	वा	घ	प	न	घ	प	यो	घ	प	क	घ	प	क	का	इं	ति.	घ	प	प्रविष्टाः	सूर्यः	गतः
उत्पात	१	च	४	१७	पू	१३	२६	ऐं	४२	२७	कौ	०४	१७	तै	१४	२८	०२	३४	०८	१४	[illegible]	[illegible]
[illegible]	२	चं	५९	२६	अर्धदिनम्			०	००	००	तै	२९	४३	ग	०	०	०	०	०	०	० ० ० ०	० ०
मानस	३	मं	५५	२२	उ	१०	१९	वै	३६	१८	व	२७	२४	वि	१५	२१	०३	३४	७	१५	[illegible]	[illegible]
छत्र	४	बु	५२	१४	श्र	८	४२	वि	३१	१४	ब	३३	४८	बा	१६	३०	०४	३४	६	१६	[illegible]	[illegible]
ध्वांक्ष	५	बृ	५०	६	ध	७	५०	प्री	२६	५३	कौ	२१	१०	तै	१७	जे	०५	३४	५	१७	[illegible]	[illegible]
सौम्य	६	शु	४९	९	श	८	७	आ	२३	१७	ग	१९	३७	ब	२८	२	०६	३४	४	१८	[illegible]	[illegible]
कालदं	७	श	४९	५५	पू	१०	१६	सौ	२०	५९	वि	१९	३२	व	१९	३	०७	३४	२	१९	[illegible]	[illegible]
स्थिर	८	र	५१	३८	उ	१२	०८	शो	१९	३५	बा	२१	२७	कौ	२०	४	०८	३४	१	२०	[illegible]	[illegible]
मातंग	९	चं	५४	३५	रे	१६	०२	ऽग	१९	०४	तै	२३	०६	ग	२१	५	०९	३३	५९	२१	[illegible]	[illegible]
अमृत	१०	मं	५८	३०	अ	२०	५४	सु	१९	२६	व	२६	३२	वि	२२	६	१०	३३	५८	२२	[illegible]	[illegible]
काण	११	बु	६०	०	भ	२६	०५	धृ	२०	२९	ब	२९	४७	बा	२३	७	११	३३	५७	२३	[illegible]	[illegible]
लुम्ब	११	बृ	०१	०३	कृ	३३	३	शू	२१	५३	बा	०३	०३	कौ	२४	८	१२	३३	५६	२४	[illegible]	[illegible]
[illegible]	१२	शु	०६	५५	रो	३९	२८	गं	२३	३२	तै	०६	५५	ग	२५	९	१२	३३	५४	२५	[illegible]	[illegible]
वज्र	१३	श	१२	४७	मृ	४५	३७	वृ	२६	०	व	१२	४७	वि	२६	१०	१३	३३	५३	२६	[illegible]	[illegible]
[illegible]	१४	र	१७	१०	आ	५१	१५	ध्रु	२५	५६	श	१७	१०	च	२७	११	१४	३३	५२	२७	[illegible]	[illegible]
[illegible]	३०	चं	२०	५२	पु	५५	५६	व्या	२६	२१	ना	२०	५२	कि	२८	१२	३०	३३	५०	२८	[illegible]	[illegible]

श्रीजैन सम्वत् २४४१

सब रस लोकाकाश में निर्मल बहै समीर ॥ ४ ॥

ग्रीष्मऋतुः रवि दक्षिणे

उ॰ ॥ऽ बु॰ शु॰ म॰ चं॰ २७४४ शल्वरात

म २७।२४ उ॰ ५५।२२ या॰

पूर्वोदयं ब्रु: ८।४० कुं॰ चं॰ ३८।१६ गणेश ०४

जौलाई ३१

म ४९।९ उ॰ मी॰ चं॰ ५४।४४

उ ।ऽ॥ऽ॥ऽ गु॰ यु॰ म॰ १९।३२ या॰मृगे ३ मिथुने भृगुः २९।२८

रे॰॥॥ऽ॥ऽ मार्गी ब्रु. २८।४०

मे॰ चं॰ १६।२

पुने१ऽर्कः ११।१५श्री॰पु॰चं॰यो॰मा॰बायुः षा॰मेष म२६।३२उ५८।३० या॰

वृ॰चं ४३।३०

रो॰ऽऽ॥ऽ॥॥ राहु ला॰ योगिनी ११ व्रतम्

मृ ॥ऽ॥॥ बु॰ यु॰ आर्द्रा १ भृगुः ००।०४ रोह १ भौमः ३५।४० प्रदोषः

आर्द्रा १ ब्रु: ८।४५ मि॰चं १२।३२ म १२।४७ उ॰ ४४।५८ या॰

कं॰ चं॰ ३९।४५ सौम्यवती ३०

पं॰ १५ ति॰ ८ दर्शः मिश्र ४७।१ दिनमान३४।१

व	उ	उ	उ	उ	ऽस्त	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
२	१	२	११	२	२	९	३
१८	६	४	६	१	१५	२६	२६
५४	१६	५९	२८	५	१३	१७	२७
३	२५	३९	५	९	३४	५५	५५
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	मा	व	मा	मा	मा	व	व



आषाढ मासफलम् ।

दोहा-आषाढ शशि पांचहै जल बरसन की आशा ।
सौम्यवती सुखदायिनी, बेहूं जाय कपास ॥ १ ॥
जिस वारं रवि संक्रमें, वही अमावस होय ।
ऐसा योग दिखावतीं, कुछ मन में भय जाय ॥ ॥
भृगुबुध मध्य विनशहैं नित्य पिय योग अखंड ।
ऐसी भरी अन्न हो, वायु चलै प्रचंड ॥ ३ ॥
उपजेगी कुछ बाजरी, ज्वार ज्वार गुण दाळ ।
मध्यम फल इस मासका, माषै जीयालाल ॥ ४ ॥

पं॰ १६ ति॰३० चं॰ मिश्र ४६।५५ दिनमान३३।५०



उ	उ	उ	उ	उ	ऽस्त	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
२	१	२	११	२	२	९	३
२६	१२	८	६	१०	१६	२६	२६
२९	१५	३५	५३	४५	१९	१२	५२
१४	१३	२९	२७	८	१०	२९	२९
५६ ५५	४२ ५०	४० ४४	०३ २६	७१ ४४	०८ १५	०३ ११	०३ ११
मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व

मि० १४ | श्रीसम्वत् १९७२ शाके १८३७ आषाढ शुक्ल | ता० स्व० जै० | ए.भा.

योग	ति	वा	घ.	प.	न	घ.	प.	यो.	घ	प	क	घ.	प	क	फा	ई	ता	घ	प.	चन्द्र	सूर्य: रा	अं	क	वि	गत रा	अं
प्रबर्द्ध	०१	मं	२३	५४	पु	५९	३०	इ	२५	५८	व	२१	५४	बा	२९	१३	०१	३३	४८	०२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
राक्षस	०२	बु	२४	५०	इल	६०	०	व	२४	३५	कौ	२४	५०	तै	१	१४	०२	३३	०७	३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
अमृत	०३	बृ	२५	०३	इल	०१	५०	ध्रि	२०	१५	ग	२५	०३	व	२	१५	०३	३३	४६	११	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
काण	०४	शु	२३	४७	म	०३	०१	व्य	१८	४८	वि	२३	४७	व	३	१६	०४	३३	४५	आ	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
लुम्ब.	०५	श	२१	२८	पू	०३	०५	व	१४	२४	बा	२१	४८	कौ	४	१७	०५	३३	४४	२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मैत्र	०६	र	१८	०२	उ	०१	३८	प	०९	१०	तै	१८	०२	ग	५	१८	०६	३३	४३	३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मुद्गर	०७	चं	१३	४२	चि	५६	४०	शि	०३	०८	व	१३	४२	वि	६	१९	०७	३३	४१	४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
ध्वांक्ष.	०८	मं	०८	३७	स्वा	५२	५७	सा	४९	३३	व	०८	३७	बा	७	२०	०८	३३	४०	५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
प्रजा.	०९	बु	०२	५८	वि	४९	०४	शु	४१	५८	कौ	०२	५८	तै	८	२१	१०	३३	३८	६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
अवम	१०	बु	५७	०३	अनं	दि	नं	००	००	००	तै	२८	३२	ग	००	००	००	००	००	००	०	०	०	०	०	०
आनन्द	११	बृ	५०	५६	अनु	४४	४८	शु	३४	०३	व	२३	५७	वि	९	२२	११	३३	३६	०७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
चर	१२	शु	४४	५१	ज्ये	४०	५०	ब्र	२६	५२	व	१७	५३	बा	१०	२३	१२	३३	३४	८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
गदा.	१३	श	३८	५४	मू	३६	५६	ऐं	१८	५५	कौ	११	५३	तै	११	२४	१३	३३	३२	९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
शुभ	१४	र	३३	१७	पू	३३	३०	वै	१२	१२	ग	०६	०६	व	१२	२५	१४	३३	३०	१०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मृत्यु	१५	चं	२८	२०	उ	३०	३४	वि	०५	२५	वि	००	४८	व	१३	२६	१५	३३	२८	११	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

इ ५९।२५ स ५६।२१ प्री ५९।१५ श्रीजैन सम्वत २४४१ | मीठा ऋतु: गवित अन्न
पावस ऋतु आई भली लाई सदा सुहाग ॥

चन्द्रदर्शन० खड्ग० दे०

रथजात्रा ३०

लि० चं ०१।५२ म ५४।२५उ०

• मिथुन०

म२३।४७या०पुने४सं०कर्कऽर्कः२२।२६मु३०वै०सीलप्रवेशः १८।५५ह० •

क० च १७।४३ वक्री गुरुः ५५।४९

चन्दन ६

म० ११।४२ उ० ४९।१० या० तु० चं २८।४ नन्दीश्वर व्रतारम्भ ८

पुष्येऽर्कः ३।५ औ० यो०१० चं यो० नाडीवायु:बा०सर०पुने१भृगु:३।०१

वृ० चं० ३५।२

•

म २३।५७ उ० ५०।५६ या० पुने १ श: ४१।५५ देवशयनी ११

पूर्वोदयं शनिः ३२।१७ ध०चं० ४०।५०

प्रदोषः

म ३३।१७ उ०म० चं ४७।४८

म ०।४८ या० व्यासपूजा १५ पवनपरीक्षा१५

पं० १७।ति० ७ च० मिश्र ४६।५१ दिनमान ३३।४२ | अथ कर्कसंक्रान्ति कथनम् ॥ | पं०१८।ति० १५ च० मिश्र ४६।४४ दिनमान ३३।२८

व	व	उ	उ	उ	ऽस्त	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
०३	०१	०२	११	०२	०२	०९	०३
०३	१७	१५	०७	१९	१७	२५	२५
०७	०६	५५	०७	११	१४	५०	१०
४१	४७	०१	४७	५६	५२	१४	१४
५६ ५६	४२ ५०	०६ ४४	०३ २६	०१ ४४	०६ २०	०३ ११	०३ ११
मा	मा	मा	व	मा	मा	व	व

५ ६ मं ४ के ३ श शु मं २ ७ चं १ रा १० ८ ९ ११ बु १२

दाहा-चौथ शुक्ल आषाढ़की भृगु दिन सकल प्रकार।
कर्क दिवाकर तीन पद आदि भोग फलसार ॥१॥
गीता छन्द।
वन राजवाहन अति बली गजराज उपवाहन सही।
भयभाव पड़े श्वेत करमें शस्त्र भुसुंडी गही ॥१॥
कर स्वर्णभाजन अन्नभक्षन तिलक मृगमद गुण मई।
कंचुकि विचित्र पुन्नाग नूपुर पुष्प भूषण सोहई ॥२॥
शाद्वलक सुख भागवे आनन्दित गोपाल।
मध्य जमाना कर्क रवि भाखे जीयालाल ॥३॥

५ ६ सू ४ के ३ व बु शु मं २ ७ चं १ रा १० ८ ९ ११ बु १२

व	व	उ	उ	उ	उ	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
०३	०१	०२	११	०१	०२	०९	०३
०४	२१	२५	०७	२७	१८	२४	२४
४६	४६	३०	०१	३७	०७	२५	४०
११	२०	५५	२२	१९	१६	४६	४६
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	मा	मा	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

ति॰ १५ | श्रीसम्वत् १९७२ शाके १८३७ श्रावणकृष्ण | तारीख | जै. दि. मान | सूर्य्यः | गत:

योग	ति	वा	घ	प	न	घ	प	यो	घ	प	क	घ	प	क	ता	ई	ति	घ	प	प्रवेश	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
कुम्भ.	१	मं	२४	१०	अ	२८	१५	आ	५२	११	कौ	२४	१०	तै	१४	२७	१	३१	२५	१२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मेष	२	बु	२०	५९	भ	२७	१३	सौ	४९	२३	ग	२०	५९	व	१५	२८	२	३२	२२	१३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
वज्र	३	बृ	१८	५३	कृ	२७	११	शो	४४	३४	वि	१८	५३	ब	१६	२९	३	३२	१९	१४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
ध्वांक्ष	४	शु	१८	००	रो	२८	१९	ऽगं	४२	४२	बा	१८	००	कौ	१७	३०	४	३२	१६	१५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
धूम्र	५	श	१८	३२	मृ	३०	४१	सु	४१	०९	तै	१८	३२	ग	२८	३१	५	३३	१३	१६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
प्रवर्ध	६	र	२०	९	आ	३४	२१	धृ	४०	३३	व	२०	०९	वि	१९	३१	६	३३	१०	१७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
राक्षस	७	चं	२३	०१	अ	३९	०६	शू	४०	०८	व	०३	०१	बा	२०	२	७	३३	०७	१८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
सुकल	८	मं	२६	५४	प	४४	४०	गं	४१	[illegible]	कौ	२६	५४	तै	२१	३	८	३३	[illegible]	१९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
सिद्धि	९	बु	३१	२८	कृ	५०	१६	वृ	४२	३२	ग	३१	२८	व	२२	४	९	३३	[illegible]	२०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	१०	बृ	३६	२०	म	५६	२१	ध्रु	४२	५६	व	०३	५४	वि	१३	५	१०	३२	५८	२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मानस	११	शु	४१	१४	पू	६०	००	व्या	४६	[illegible]	व	०८	४७	बा	१४	६	११	३२	५५	२१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
पद्म	१२	श	४५	४१	पू	०३	२९	ह	४०	१८	कौ	[illegible]	२०	तै	२५	७	१२	३२	५२	२३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
ध्वांक्ष	१३	र	४९	२४	उ	०९	१३	व	४०	४३	ग	१७	३३	व	२६	८	१३	३२	४९	२४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
धूम्र	१४	चं	५२	०५	ह	१४	०८	सि	४०	२८	व	[illegible]	[illegible]	श	२७	९	१४	३२	४६	२५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
प्रवर्ध	३०	मं	५३	३९	चि	१८	०१	व्य	४६	१५	च	[illegible]	[illegible]	ना	२८	१०	१५	३२	४३	२६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

श्रीजैन सम्वत् २४४१

सखियाँ चढ़ी हिंडोलने मिल जुल गावैं राग ॥ ५ ॥

ग्रीष्म ऋतुः
रविर्दक्षिणायने

कुं. चं ५७।४४

पुने ४ कर्केभृगुः २२।३५ मृगे १ भौमः ४८।७ म ४९।४६ उ०

म १८।५३ या० पुने ४ कर्केबुः ३६।४९ गणेश० ४

मी० चं० १३।२

पुष्ये १ भृगुः २।२७ पुष्ये १ बुः २८।२५ नाग ५

म २०।१९ उ. ५१।३५ या. मे० चं ३४।२१ अगस्त ३१

सायं ०५ र्कः ४।५५ स्त्री. पु. चं यो. ना. चंडा. वाहन. दादुर.

वृ. चं ०।१९ पूर्वास्तं भृगुः १०।१६ पूर्वास्तंबुः २२।३९

म ३।१४ उ ३६।२० या.

मि. चं ३०।२५ कामिका ११ व्रत

मृगे ३ मिथुनभौमः ५८।१७

सायं १ बुः १९।४७ म ४९।२५ उ. कं. चं ५८।५१ प्रदोषः

म २ ।१५ या०

हरियाली ३०

पं० १९ मि ८ सं मिश्र ४६।३२ दिनमान ३३।०४ | अथ श्रावणमास फलम् | पं० २० मि ३० सं मिश्र ४६।२२ दिनमान ३२।४३

उ	उ	उ	उ	उ	उ	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
३	१	१	११	१	[illegible]	९	३
१४	१०	८	६	४	२९	०५	०५
२३	००	९	३८	५६	०८	०२	०२
२३	५८	३५	३४	४८	००	३३	३३
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
व	मा	मा	व	मा	मा	व	व

दोहा-श्रावण में कुज पांचई, अन्न भाव घट जाय ॥
राजा बढ़ै संसार में, राजयक्ष दुखदाय ॥ १ ॥
श्रवण बहुनां श्रावणी, नहिं उपजै तृणधान ॥
कष्ट होय संसार में, घरघर मेघ समान ॥ २ ॥
शनी पड़ै तहांमकी, कुछ आशासे न्यून ॥
दुनवाँ फिर बराबरी, बंधे मास कछून ॥ ३ ॥
अन्न भाव सम तेजरस, लवण फिटकरी काल ॥
श्रावण कृ [illegible] [illegible] आप [illegible] ॥ ४ ॥

उ	उ	ऽस्त	उ	ऽस्त	उ	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
३	२	३	११	३	२	९	३
२४	०१	२०	६	१५	१९	२४	२४
३	५३	०९	२५	५५	५४	४०	४०
२८	२४	३८	५४	५४	०९	१८	१८
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	मा	मा	व	मा	मा	व	व

ति१४। श्रीसम्वत् १९७२ शाके १८३७ श्रावणशुक्ल | तारीख अं०द मा.

योग	ति	वा.	घ.	प	न.	घ.	प	यो	घ.	प.	क	घ.	प	क	फा	इं	ति	घ.	प.		सूर्यः	मंगल
राक्ष.	०१	बु	५३	५७	श्र	२०	३९	व	४७	१	कि	२३	४८	व	२९	११	०१	३२	४०	२७	[illegible]	[illegible]
मुसल	०२	बृ	५२	५२	ध	२५	००	प	४०	४८	बा	२३	२४	कौ	३०	१२	०२	३२	३६	२८	[illegible]	[illegible]
सिद्धि	०३	शु	५०	३२	पू	२२	१२	शि	३६	३३	तै	२१	४२	ग	१	१३	०३	३२	३३	२९	[illegible]	[illegible]
उत्पात	०४	श	४७	११	उ	२१	११	सि	३१	२७	व	१८	५१	वि	२	१४	०४	३२	३०	१०	[illegible]	[illegible]
मान.	०५	र	४२	५८	रे	१९	८	सा	२५	३२	ब	१५	५	बा	३	१५	०५	३२	२७	३१	[illegible]	[illegible]
मुद्गर	०६	चं	३७	५९	अ	१६	२६	शु	१९	३	कौ	१०	२८	तै	४	१६	०६	३२	२४	३	[illegible]	[illegible]
ध्वाक्ष	०७	मं	३२	२१	भ	१३	२	शु	११	५७	ग	५	१०	व	५	१७	०७	३२	२१	२१	[illegible]	[illegible]
प्रजा.	०८	बु	२१	२६	कृ	९	३	ब्र	४	३२	वि	२६	२६	बा	६	१८	०८	३२	१८	२	[illegible]	[illegible]
आनंद	०९	बृ	२०	१९	ऽरो	५	१	वै	४९	२१	कौ	२०	१९	तै	७	१९	०९	३२	१५	३	[illegible]	[illegible]
चर.	१०	शु	१४	१८	आ	००	२१	वि	४१	५१	ग	१५	१८	व	८	२०	१०	३२	१२	४	[illegible]	[illegible]
मातंग	११	श	८	३३	पू	५३	१४	प्री	३४	५४	वि	८	२३	व	९	२१	११	३२	९	५	[illegible]	[illegible]
अमृत	१२	र	२	४५	पु	१०	१५	आ	२७	२०	बा	२	४१	कौ	१०	२२	१३	३२	६	६	[illegible]	[illegible]
अवम्	१३	र	५७	४६	अवदिनम्			००	००	००	कौ	२८	५३	तै	००	००	००	००	००	००	० ० ० ०	० ०
सिद्धि	१४	चं	५३	३६	अ	४७	५७	सौ	२०	५७	ग	२५	४१	व	११	२३	१४	३२	३	७	[illegible]	[illegible]
उत्पात	१५	मं	५०	२५	म	४६	३०	शो	१५	३६	वि	२२	००	व	१२	२४	१५	३२	००	८	[illegible]	[illegible]

मूल ५४।१२ पं ५६।५३ श्रीजैन सम्वत् २४४१
मौसम राग मलार का,श्रावण में मन मोद।

वर्षाऋतुःरवि दक्षिणायने

सार्पे १ भृगुः ००।११ पुने १ शनिः ८।२७ सि. चं २०।३९
चन्द्रदर्शन. नीलाम्बर.
क० चं ३६।५७ शव्वाल २९ ईद. कजरी० १
म० १८।५१ उ. ४७।११ या.
मघा १ सिंहे बुः ४४।४० नाग० ५ तु० चं ४५।४७

४ घा१सं. सिंहेऽर्कः१।२०मु.१५ वै श्री.र.च.ना.वायुःवा.मृग.तिथि ...
आर्द्रा१ भौमः१२।५९ प्रवेशः२३।५६ल०ध.म ३२।२१उ.... या वृ.चं०५५।१

ध० च० ००।५१ म ४१।२० उ०
म० ८।२३ या० मघा १ सिंहे भृगुः ५१।११ पुत्रदा ११ व्रतं.
पूफा १ बुः ३।३५ म० चं० ७।२९

म ५३।३६ उ०
कुं० चं० १७।१४ म २२।०० या० रक्षाबन्धन १५

पं २१ ति. ७ मं. मिश्र ४६।११ दिनमान ३२।२१

उ	उ	ऽस्त	उ	ऽस्त	उ	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
०४	३	४	११	३	०२	०३	०३
००	६	२	०५	२४	२०	२४	२४
४५	२५	५३	५:	३०	४१	१८	१८
५९	३९	२३	१७	३	३३	३	३
५७ ३४	३९ २६	१०७ ५६	४ ३४	७२ ५३	०५ ५३	०३ ११	०३ ११
मा	मा	मा	व	मा	मा	व	व

अथ सिंहरवि कथनम्।

दोहा-श्रावण शुक्ला सप्तमी, कुजदिन सिंह दिनेश।
आदिभोग पद पंचदश, भूपी मर विशेष ॥ १ ॥
गोपी छन्द।
गजराज वाहनसार उपवाहन गधा पद लाल हैं।
कर धनुष मांजनदुग्ध गऊमद तिलक मृगमद चाल हैं ॥
फल मिलत कमला पात्र लोहा फूलबेल पवित्र ही।
प्रौढ़ा अवस्था नीप कंचुक मुक्त माल विचित्रही॥ २ ॥
दोहा-संज्ञा नाम महोदरी, वारन को सुखहाल।
साधारण दुख सकल विधि, भाषै जोयालाल ॥ ३ ॥

पं २२ ति १५ मं मिश्र ४६।०० दिनमान ३२।००

उ	उ	ऽस्त	उ	ऽस्त	उ	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
०५	२	४	११	[illegible]	[illegible]	०५	०३
०७	१०	१५	०१	०३	२१	[illegible]	[illegible]
२९	५६	३५	[illegible]	०७	२१	[illegible]	[illegible]
४१	५६	२२	२२	१८	[illegible]	[illegible]	[illegible]
५७ ४१	३८ १४	१०७ ५६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	मा	मा	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

ति. १६ | श्रीमत्सम्वत् १९७२ शाके १८३७ भाद्रपदकृष्ण | तारीख | अं.दि.मान | सूर्य्यः | गत

योग	ति.	वा	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो	घ.	प.	क.	घ	प.	क.	ता	ई	ति.	घ	प.	[illegible]	सूर्य्यः				गत	
मानस	१	बु	४८	२०	श	४६	१०	ऽगं	१०	४४	बा	१९	२२	कौ	१३	२५	०१	३१	१७	९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मुद्गर	२	बृ	४७	१६	पू	४६	५५	सु	०६	४६	तै	१७	४८	ग	१४	२६	०२	३१	५३	१०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
छत्र	३	शु	४८	१	उ	४९	११	धृ	०३	४०	व	१७	३९	वि	१५	२७	०३	३१	४९	११	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
प्रजा०	४	श	४९	३०	रे	५२	२६	शू	०२	०१	व	१८	४०	बा	१६	२८	०४	३१	४५	१२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
आनंद	५	र	५२	२८	अ	५६	५६	गं	००	५५	कौ	२१	०३	तै	१७	२९	०५	३१	४१	१३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
ध्वां०	६	चं	५६	२२	भ	६०	००	वृ	०१	०५	ग	२४	२५	व	१८	३०	०६	३१	३७	१४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
गदा०	७	मं	६०	००	भ	२	२५	ध्रु	०१	३९	वि	२८	४१	व	१९	३१	०७	३१	३३	१५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
सिद्धि	७	बु	००	५९	कृ	८	२०	व्या	०२	४७	व	००	५९	बा	२०	सि१	०८	३१	२९	१६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
उत्पात	८	बृ	५	२१	रो	१४	४५	ह	०४	१६	कौ	०५	५३	तै	२१	२	०९	३१	२५	१७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मानस	९	शु	१०	५०	मृ	२०	४९	व	०५	४९	ग	१०	५०	व	२२	३	०९	३१	२१	१८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मुद्गर	१०	श	१५	३०	आ	२६	५७	सि	०६	५३	वि	१५	३०	व	२३	४	१०	३१	१८	१९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
छत्र	११	र	१९	१५	पु	३१	५८	व्य	०७	३४	बा	१९	१५	कौ	२४	५	११	३१	१४	२०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
प्रजा०	१२	चं	२२	३	पु	३६	१०	व	०७	२७	तै	२२	०३	ग	२५	६	१२	३१	१०	२१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
आनंद	१३	मं	२३	४३	श्ले	३८	५८	प	०६	२५	व	२३	४३	वि	२६	७	१३	३१	०६	२२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
ध्वां०	१४	बु	२४	७	म	४०	४२	शि	०४	२६	श	२४	७	च	२७	८	१४	३१	०२	२३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
गदा०	३०	बृ	२३	४	पू	४१	२६	सि	०१	२६	ना	२३	४	कि	२८	९	१०	३०	५८	२४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

सा ५७१२० श्रीजैन सम्वत् २४४१ | वर्षाऋतुः

मधुसूदन का जन्मदिन, शिव रवि सकलविनोद ॥६॥ | रवि दक्षिणायने

मी० चं ३१।४४

म० १७।३९ उ० ४८।०१ या०

मे० चं ५२।२६ बहुला० ४ गणश०४

उकां० २ श्: २४।६ पूफां ऽके: ५१।२४ श्री पु.र.चं.यो.ना.चंद्रा वा.यो० ●

वृ० चं० ८।५६ म० २८।४१ या० शीतला० ७ ● म५६।२२ हलषर० ६

उफां २ कन्ये श्: २३।१७ पूफां १ भृगुः १८।३१ जन्म० ८ सितम्बर ३०

मि० चं० ४७।४७ जन्म० ८

म ४३।१० उ० गूगा० ९

म १५।३० या अंब ४ राहु० स्पष्ट २ केतुः ५९।५२

कं० चं० १५।४३ पश्चिमोदयं श्: १९।१७ अजा ११ प्रमं०

प्रयूषण बैठे० सांम प्रदोषः योग १२

करे१ श्: १२।४९ पूभां ४ वक्री गुरु ००।३० म २३।४३ उ ५३।५५ या०सिं ●

पुन १ भौमः ४५।१४

● चं ३८।५८

क० चं ५६।११ कुशाग्रहणी ३० मन्वादिः

पं० २३ लि० ७ बु० मिश्र ४५।४४ दिनमान ३१।२९

उ	उ	ऽस्त	उ	[illegible]	उ	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
०४	०२	०५	११	०४	१	०९	०३
१५	१५	००	०४	१३	२२	२१	२३
१४	५१	३६	२६	००	१५	३०	१०
३३	५५	२४	४१	२६	५६	२२	२९
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	मा	शु	बु	मा	मा	व	व

अथ भाद्रपद मासफलम् ॥

दोहा-भादों में बुध पांच हैं, उत्तम फलकी आश।
वृषपड़वा भयदायिनी, करैं अन्न का नाश ॥ १ ॥
राहु आये श्रवणपर, इसका फल अंधकार।
गड़बड़ाट व्यापार में, कुछ दिन हाय पुकार। २ ॥
गर्भवान दूसरा नहीं, दामनि लखमयखायँ।
सदा सुहागण सासरे, पीहर परणी जायँ ॥ ३ ॥
शुक्लपक्ष षष्ठी घटी, युगकारी रुमाल।
मध्यमफल इस मासका, भाषै जीयालाल ॥ ४ ॥

पं० २४ लि० ३० बृ० मिश्र ४५।२९ दिनमान ३०।५८

उ	उ	उ	उ	ऽस्त	उ	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
०४	०२	०५	११	०४	०२	०९	०३
२२	२०	१३	०३	२२	२२	२३	२३
५७	४२	१४	२२	५६	४९	०४	०४
३०	४१	५७	४१	००	०४	५६	५६
[illegible]	[illegible]	[illegible]	०६ ३४	७४ ४१	०४ ५१	०३ ११	०३ ११
मा	मा	मा	व	मा	मा	व	व

नि.१५ | श्रीसम्वत् १९७२ शाके १८३७ भाद्रपदशुक्ल | तारीख | जै. | दिनमान | सूर्यः | गत

योग	ति.	वा	घ.	प	न.	घ.	प.	यो	घ	प.	क	घ.	प	क.	फ़	इं.	ति.	घ.	प	प्र	सूर्यः				गत	
शुभ	१	शु	२०	४९	उ	४०	२७	शु	५१	२५	व	२०	४९	बा	२९	१०	०१	३०	५५	२५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मृत्यु	२	श	१७	३४	ह	३८	३६	शु	४३	३९	कौ	१७	३४	तै	१	११	०२	३०	५१	२६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
पद्म	०३	र	१३	२७	चि	३५	४०	ब्र	४०	०६	ग	१३	२७	व	२	१२	०३	३०	४७	२७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
छत्र	०४	चं	०८	३०	स्वा	३२	३८	ऐं	३३	०८	वि	०८	३०	व	३	१३	०४	३०	४३	२८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
श्रीव	०५	मं	०२	५७	वि	२८	०७	वै	२५	४४	बा	०२	५७	कौ	४	१४	०६	३०	३९	२९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
अश्रम्	०६	मं	५७	१५	अशेदिनम्			00	•	०0	कौ	२८	३७	तै	००	००	००	0०	००	००	० ०	० ०	० ०	० ०	०	०
सौम्य	०७	बु	५१	०५	ऽअनु	२४	४९	वि	१८	०६	ग	२४	१०	व	५	१५	०७	३०	३५	३०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
कालदं	०८	बृ	४५	०३	ज्ये	२०	४१	प्री	१०	२३	वि	१८	०४	बं	६	१६	०८	३०	३१	३१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
स्थिर	०९	शु	३९	१२	मू	१६	४२	आ	०२	१५	वा	१२	०८	कौ	७	१७	०९	३०	२८	कौ	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मातंग	१०	श	३३	२८	पू	१३	०२	शो	४८	१७	तै	०६	२५	ग	८	१८	१०	३०	२४	२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
अमृत	११	र	२८	३२	उ	०९	५०	ऽगं	४१	३८	व	०१	०५	वि	९	१९	११	३०	२०	३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
सिद्ध	१२	चं	२४	३७	श्रं	०७	२५	सु	३५	४२	बा	२४	३७	कौ	१०	२०	१२	३०	१६	४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
उत्पात	१३	मं	२१	२९	ध	०५	३९	धृ	३०	३२	तै	२१	२९	ग	११	२१	१३	३०	१२	५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मानस	१४	बु	१९	२७	श	०५	०२	शू	२६	२०	व	१९	२७	वि	१२	२२	१४	३०	०८	६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मुद्गर	१५	बृ	१८	४१	पू	०५	३७	गं	२३	०६	व	१८	४१	बा	१३	२३	१५	३०	०४	७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

सौ० ५५।२० श्री जैन सम्वत् २४४१

कारी रैन डरावनी दामिनि चमक प्रचण्ड ॥ | वर्षाऋतुः रवि दक्षिणायने

चन्द्रदर्शन कुमार दृ०

ज़िलकादि १० बधू ०२

(वाराहजयन्ती

तु०चं०७।४उफा१भृगुः२३।११म४०।५९उ० तत्र्यं मुनि५।१३ हरितालिका १

५०८।२०या०चहा०४उफा।ऽकें ३६।४५श्री।०ग०९०या०ना०चंडा०बा०वात

तृ० घं० १४।५२ बलदेव ०६

(क्षकाबि०५

उफा ०२ कन्ये भृगु ०३।४९ म ५१।०५ उ० मुक्ताभरण ०७

विष्टे१॥ः१३।४४म१८।०४या० ध०चं० २०।४१राधाजन्म०८महालक्ष्मी ०८

उफां२सं०कन्येऽर्कः ०१।४१मु०३० वै० निशास्थान प्रवेशः २४।१४ल०मकर

म०चं० २७।१६ सुगन्ध १० दशावतारव्रतम्

म० ११५ उ०२८।३२ या० पद्मा ११ व्रतम् हरिवासर २८।३२ उ०

हरिवासर ०७/२५या. कुं०चं० ३६/३२चित्रा।तुले ५९।५८वामन१२सौम्य प्रदोषः

म १९।२७ उ ५९।०४ या० मी० चं० ५०।२८ अनन्त १४

करे १ भृगुः ०८।३३ महालयारम्भः

पं०२५ ति० ८बृ०रमिश्र ४५।१६ दिनमान३०।३१ | अथ कन्य रांवकथ्यम् । | प० २६ ति०१५ बु० मिश्र ४५।०२ दिनमान ३०।०४

व	व	व	व	स्त	व	०	०
सू	म	बु	बृ	शु	श	रा	के
०४	०२	०५	११	०५	०२	०९	०३
२९	२४	२३	०२	०१	१३	२२	२२
४५	५७	३६	२५	३६	२२	४२	४२
५०	००	०१	२९	४४	०३	४१	४१
४८/२५	३६/५६	८०/२०	०६/३४	७४/४९	०४/११	०३/११	०३/११
मा	मा	मा	व	मा	मा	व	व

दोहा-नवमी उजली भाद्रपद भृगुदिन कन्य भानु ।
तीस मुहूर्त शुभायुत अंत भाग बलवान ॥१॥
गीतालंद लख उथाग्रवाहन अइवरवाहन सकलपटपीनहैं ।
भवभाव कलंग गदाधारी भक्त पावन सीत हैं ॥
कुंकुम तिलक नवकुमारि रूपापात्र भूरिशरमली ।
करकांगणी शिर पुष्पमाल विलाप अँगाणी परमली॥
दोहा-मल्ल कृपाण गुलाब दधि, गुड़ शाकर खल माल ।
भक्ष कन्या कर चले, भावि अंयाकाल ॥ २ ॥

व	व	व	व	स्त	व	•	•
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
०५	०२	०६	११	०५	०२	०९	०३
०६	२९	०२	०१	१०	२२	२२	२२
३६	०४	२८	२८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
०१	३३	२६	४५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	मा	मा	व	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

सि१५ | श्रीसम्वत १९७१ शाके १८३६ आश्विनकृष्ण | तारीख अं | [illegible]

योग	ति.	वा	घ	प.	न	घ.	प.	यो	घ.	प.	क	घ	प.	क	फा	इं	ति	घ	प.	प्रविष्टाः	सूर्यः				गत	
ध्वजः	०१	बु	१९	१७	उ	०७	०३	हृ	२०	५५	कौ	१९	१७	तै	१४	२४	०१	३०	००	८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
प्रजा.	०२	श	२०	५८	रे	१०	२९	ध्रु	१९	२७	ग	२०	५८	व	१५	२५	०२	२९	५६	९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
आनंद	०३	र	२३	५१	अ	१४	४१	व्या	१९	०५	वि	२३	५१	व	१६	२६	०३	२९	५२	१०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
चरः	०४	चं	२७	५३	भ	१९	५६	ह	१९	३४	बा	२७	५३	कौ	१७	२७	०४	२९	४८	११	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
गदा	०५	मं	३२	३४	कृ	२५	४२	व	२०	३४	कौ	००	१२	तै	१८	२८	०५	२९	४४	१२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
शुभः	०६	बु	३७	३५	रो	३२	१०	सि	२१	५६	ग	०५	०५	व	१९	२९	०६	२९	४०	१३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मृत्युः	०७	बृ	४२	४०	मृ	३८	३४	व्य	२३	३२	वि	१०	०७	व	२०	३०	०७	२९	३६	१४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
पद्मा	०८	शु	४७	१८	आ	४४	३१	व	२४	३५	बा	१४	५९	कौ	२१	०१	०८	२९	३२	१५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
छत्र	०९	श	५१	११	पु	४९	५६	प	२५	१८	तै	१९	१०	ग	२२	२	०९	२९	२८	१६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
श्रीव.	१०	र	५४	०२	पु	५४	१५	शि	२५	०५	व	२०	३६	वि	२३	३	१०	२९	२४	१७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
सौम्य	११	चं	५५	४७	श्ले	५७	३६	सि	२६	२५	व	२४	५४	बा	२४	४	११	२९	२०	१८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
कालदं	१२	मं	५६	१५	म	५९	१७	सा	२२	३७	कौ	२६	०१	तै	२५	५	१२	२९	१६	१९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
स्थिर	१३	बु	५५	१८	पू	६०	००	शु	१९	४६	ग	२५	४६	व	२६	६	१३	२९	१२	२०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मातंग	१४	बृ	५३	०७	पू	००	०५	शु	१५	५७	वि	२४	१२	श	२७	७	१४	२९	०८	२१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
अमृत	१५	शु	४९	५६	ह	५८	०२	ब्र	११	०९	च	२१	३२	ना	२८	८	३०	२९	०४	२२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

उ० ५९।३८ श्रीजैन सम्वत २४४१

आई औज समीर खल रवि शशि तपै अखंड ॥ ७ ॥

वर्षाऋतुः

रवि दक्षिणायने

क्षयावृणी १

म० चं० १०।२९ पुने ४ कर्के भौमः ४६।२५ म ५२।२५ उ०

म २३।५१ या० गणेश ४

करे१5कं: १४।१६ श्री०पु०र०चं०यो०ना० चं०या० स्व० वृ० चं ३६।२३

स्वाते १ बुः २०।२९

म ३७।३५ उ०

मि० चं० ५।२२ म १० ७ या०

पुष्प १ भौमः ५८।२४ महालक्ष्मीव्रत अकटूबर१

वर्को कुम्भे गुरुः ३।४६ कं० चं ३३।३७

म २२।३६ उ० ५४।२ या० चित्रे १ भृगुः ५१।५५

सिं० चं ५७।३६ इंदरा ११ व्रतम्

वर्कीबुः ३५।९

म ५५।१८ उ० प्रदोषः

क० चं० १५।०१ म २४।१२ या०

पश्चिमास्तं बुः ५५।०९ पितृपटा ३०

पं० १० ति० ८ शु० मिश्र ४४।४६ दिनमान २९।३२

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
०५	०३	०६	११	०५	०२	०९	०३
१४	०३	०८	००	२०	२४	२१	२१
२७	२२	५१	४२	१३	१६	५५	५५
३८	२६	५५	५१	४३	५०	००	००
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	मा	मा	व	मा	मा	व	व

बृ ७ सू ६ बु मं ५ ४ के श ३ चं २ ८ ९ १० रा ११ बु० १२ १

अथ आश्विनमासफलम् ।

दोहा—आश्विनमें भृगु पांच हैं, विजयदशीकी हानि ।
ज्वर बूढ़ी सब लोक में, चिन्ता रहै महान ॥१॥
मूँग मटर अन्न अदस भर, कपड़ा भी धर लेय ।
[illegible] होवे माघ में, ऐसा योग करेय ॥२॥
[illegible] थोड़ा अलवर अधिक, दुखकारी भयभीत ।
[illegible] उलटा पड़े, कामी करे अनीत ॥३॥
[illegible] दुख उतना होत है, जितना अंकित माल ।
मध्यम फल इस मासका, भाषै जीयालाल ॥४॥

पं० २८ ति० ३० शु० मिश्र ४४।३९ दिनमान २९।०४

बु ७ शु चं ६ शु ५ मं ४ के श ३ २ ९ १० रा ११ बृ. १२ १

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
०५	०३	०६	१०	०५	०२	०९	०३
२१	०७	१०	२९	१८	२४	२१	२१
२१	०९	०५	३५	५६	३७	३२	३[illegible]
४६	३०	५१	३७	२५	२९	४५	४[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	मा	व	व	मा	मा	व	व

ति १४ | श्रीसम्वत् १९७२ शाके १८३७ आश्विनशुक्ल | तारीख जे | दि.मा. | सूर्यः | गत

योग	ति	वा	घ.	प.	न	घ.	प.	यो.	घ	प.	क.	घ.	प	क.	फा	इं	ति	घ	प.	प्रविष्टे	सूर्यः				गत	
कारण	०१	श	४५	५४	चि	५५	३३	वै	०५	३२	कि	१७	५५	व	२९	२	०१	२९	००	२३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
लुम्ब.	०२	र	४१	०२	स्वा	५२	२७	वि	५२	१४	वा	१३	२८	कौ	१०	१०	०२	२८	४७	२४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मित्र	०३	चं	३५	३५	वि	४८	४३	प्री	४४	५०	तै	०८	१९	ग	१	११	०३	२८	५४	२५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
वज्र	०४	मं	२९	४७	ऽनु	४४	४०	आ	३६	३१	व	०२	४१	वि	२	१२	०४	२८	५०	२६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
ध्वांक्षः	०५	बु	२३	४८	ज्ये	४०	३४	सौ	२९	२५	बा	२३	४८	कौ	३	१३	०५	२८	४६	२७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
धूम्र	०६	बृ	१७	५०	मू	३६	३१	शो	२१	४४	तै	१७	५०	ग	४	१४	०६	२८	४२	२८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
प्रवर्ध	०७	शु	१२	०४	पू	३०	४५	ऽगं	१३	५७	व	१२	०४	वि	५	१५	०७	२८	३८	२९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
राक्षस	०८	श	०६	३७	उ	२९	२५	सु	०६	५०	ब	०६	३७	बा	६	१६	०८	२८	३४	३०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
गदा.	०९	र	०१	४७	श्र	२६	५०	धृ	००	०३	कौ	०१	४७	तै	७	१७	१०	२८	३०	का १	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
अवम	१०	र	५७	४८	अवःदिनं			००	००	००	तै	२८	५४	ग	००	००	००	००	००	०	०	०	०	०	०	०
शुभ	११	चं	५८	४७	ध	२४	४९	ग	४८	२४	व	२६	१७	वि	८	१८	११	२८	२६	२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मृत्यु	१२	मं	५२	५२	श	२४	०३	वृ	४३	५४	व	२३	४९	बा	९	१९	१२	२८	२२	३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
पद्मा.	१३	बु	५२	१०	पू	२४	२०	ध्रु	४०	१४	कौ	२२	३१	तै	१०	२०	१३	२८	१८	४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
छत्र	१४	बृ	५२	५४	उ	२५	४१	व्य	३७	३१	[illegible]	२२	३२	व	११	२१	१४	२८	१४	५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
श्रीव.	१५	शु	५४	४३	रे	२८	२७	ह	३५	५६	वि	२२	४८	ब	१२	२२	१५	२८	१०	६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

वै ५९।०९ शू ५३।५२ श्रीजैन सम्वत् २४४१
आगम शीत अतीत अति तीषी तोल खराब ॥

शरद् ऋतुः
रविदक्षिणायने

चित्रा तुलभृगुः १३।१३ तु०चं०२६।४८ नवदुर्गा०१
विवे १ऽर्कः ४८।४५ श्री०यो०र०यो०ना०वायु बा०जम्बुक.चन्द्रदर्शनकन्यादे०
वृ० चं०३४।३९ जिल्हिज्ज २९
म०२।४१ उ०२९।४७ या०
ध० चं ४०।३४
स्वात्यां १ भृगुः ३५।२४ सरस्वती०६
म १२।०४ उ०३९।२० या० म० चं० ४६।५५ सरस्वतीपूजनम्
दुर्गा०८ महासरस्वती बलि दानम्
चित्रा १सं०तुलेऽर्कः २७।०१ मु०३०मूपितृमिस प्रवेशः ४९।३ ०क०सि०कुं०चं०५५
०
१५० महा०९ वि०१०
म २६।१७उ०५४।४७ या०पापांकुशा ११ व्रतं०
पश्चिमोऽयंभृगः १७।३३
मी०चं०९।१६ वक्री कन्येज्यः २३।१४ प्रदोषः
म ५२।५४ उ०कोजागरी १४
म २३।४८ या०चं०चं०२८।२७ शरद् १५ कार्तिक स्नानारंभ १५

पं० २९ति० ७ शु० मिश्र ४४।१९ दिनमान २८।३८

[illegible]	व	ऽस्त	उ	ऽस्त	उ	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
०५	०३	०६	१०	०६	०२	०९	०३
२८	१०	०६	२८	०७	२४	२१	२१
१८	५६	०३	५३	३८	५२	१०	१०
१२	४३	५७	०४	५६	०५	३०	३०
[illegible]	३२ १४	५८ ४३	०४ ३४	७४ ५३	०२ १७	०३ ११	०३ ११
मा	मा	व	व	मा	मा	व	व

बु शु ७ ५ सू ६ मं ४ के ८ च ९ ३ रा १० १२ ११ बृ २ १

अथ तुलेसंक्रान्ति कथनम् ॥

दोहा–आश्विन शुक्ला दशम रवि तुला दिवाकर वक्ष ॥
भूषा थोड़ा तसि पद मध्य भोग शुभ लेख ॥ १ ॥
गीताछन्द–वाहन गधाउपमेष मगवाँ वस्त्र तरुणाई भली।
कर पात्र काँसा दण्ड आयुध जाति राक्षसवलमली ॥
रज तिलक मषपकमान आँगिया भोजपत्र समान है।
करकेतकीका फूल मूँगा हार फल कल्यान है ॥ २ ॥
दोहा–तुले दिवाकर मध्य फल, भृगु बुध निजघर चाल।
जल बरसाव सुख करे, मतै जीयालाल ॥ ३ ॥

पं०३०ति० १५शु० मिश्र ४४।०५ दिनमान २८।१०

८ सु ७ बु ६ श ५ म ४ के ९ ११ १० बृ १२ १ २ च ३

उ	उ	ऽस्त	उ	उ	उ	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
०६	०३	०५	१०	०६	०२	०९	०३
०५	१४	११	२८	१६	२५	२०	२०
१६	२३	५९	१०	२१	०४	[illegible]	[illegible]
२४	५६	५६	[illegible]	५०	००	[illegible]	[illegible]
५२ ५२	२७ १४	५३ ४०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	मा	व	व	मा	मा	व	व

ति१५ | श्रीसम्वत् १९७२ शाके १८३७ आश्विनकृष्ण | तारीख अं० दिल्ली | स्पष्ट: | गत

उ० ५९।३८ श्रीजैन सम्वत् २४४१
आई मौज समीर खल रवि शशि तपै अखंड ॥ ७ ॥

वर्षाऋतुः
रवि दक्षिणायने

योग	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ.	प.	क.	घ.	प.	क.	फा	इ	ति	घ	प.	प्रविष्टा	स्पष्ट				गत	
ध्वज:	०१	शु	१९	१७	उ	०७	०३	वृ	२०	५५	कौ	१९	१७	तै	१४	२४	०१	३०	००	८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
प्रजा.	०२	श	२०	५८	रे	१०	२९	ध्रु	१९	२७	ग	२०	५८	व	१५	२५	०२	२९	५६	९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
आनंद	०३	र	२३	५१	अ	१४	४१	व्या	१९	०५	वि	२३	५१	व	१६	२६	०३	२९	५२	१०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
चर:	०४	चं	२७	५३	भ	१९	५६	ह	१९	३४	बा	२७	५३	कौ	१७	२७	०४	२९	४८	११	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
वज्र	०५	मं	३२	३४	कृ	२५	४२	व	२०	३४	कौ	००	१२	तै	१८	२८	०५	२९	४४	१२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
शुभ:	०६	बु	३७	२५	रो	३२	१०	सि	२१	५६	ग	०५	०५	व	१९	२९	०६	२९	४०	१३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मृत्यु:	०७	बृ	४१	४०	मृ	३८	३४	व्य	२३	१२	वि	१०	०७	व	२०	३०	०७	२९	३६	१४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
पद्म	०८	शु	४७	१८	आ	४४	३१	व	२४	३५	बा	१४	४९	कौ	२१	अ१	०८	२९	३२	१५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
लुम्ब	०९	श	५१	११	पु	४९	५६	प	२५	१८	तै	१९	१०	ग	२२	२	०९	२९	२८	१६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
श्रीव.	१०	र	५४	०२	पु	५४	१५	शि	२५	०५	व	२१	३६	वि	२३	३	१०	२९	२४	१७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
धौम्र	११	चं	५५	४७	श्ले	५७	३६	सि	२६	२५	व	२४	५४	बा	२४	४	११	२९	२०	१८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
कालदं	१२	मं	५६	१५	म	५९	१७	सा	२२	३७	कौ	२६	०१	तै	२५	५	१२	२९	१६	१९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
स्थिर	१३	बु	५५	१८	पू	६०	००	शु	१९	४६	ग	२५	४६	व	२६	६	१३	२९	१२	२०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मातंग	१४	बृ	५३	०७	पू	००	०५	शु	१५	५०	वि	२४	१२	श	२७	७	१४	२९	०८	२१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
अमृत	१५	शु	४९	५६	उ	५८	०२	ब्र	११	०९	च	२१	३२	ना	२८	८	३०	२९	०४	२२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

क्षयावणी १
म० चं० १०।२९ पुने ४ कर्के भौमः ०१।२५ म ५९।२५ उ०
म २३।५१ या० गणेश ४
कर१5कं:१४।१६ श्री०पु०र०चं०यो०ना० चं०या०स्व०वृ०चं ३६।२३
स्वाते १ बु: २०।२९
म ३७।३५ उ०
मि०चं० ५।२२ म १० ७ या०
पुष्पे १ भौमः ५८।२४ महालक्ष्मीव्रत अक्टूबर ३१
थर्का कुम्भे गुरुः ३।४६ कं०चं ३३।३७
म २२।३६ उ० ५४।२ या० चित्रे १ भृगुः ५१।५५
सिं० चं ५७।३६ इंदरा ११ व्रतम्
वर्कीशः ३५।९
म ५५।१८ उ० प्रदोषः
क० चं० १५।०१ म २४।१२ या०
पश्चिमास्ते शः ५५।०९ पितृपटा ३०

पं० १७ति० ८ शु० मिश्र ४४।४६ दिनमान २९।३२

सू०	मं०	बु०	बृ०	शु०	श०	रा०	के०
०५	०१	०६	११	०५	०२	०९	०३
१४	०३	०८	००	?०	२४	२१	२१
२७	२२	५१	२१	११	१६	५५	५५
२८	२९	५५	५५	४१	५०	००	००
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	मा	मा	व	मा	मा	व०	व०

बु० ७ | सू० | ५ | मं० ४ | ८ | ६ | शु० | श | के | ३ | चं० | ९ | बृ० | ११ | १० | रा | ११ | २

अथ आश्विनमासफलम्।

दोहा—आश्विनमें भृगु पांच हैं, विजयदशीकी हानि।
ज्वर खुही सब लोक में, चिन्ता रहै महान ॥१॥
मूँग मटर अरु अदस भर, कपड़ा भी घरलेय।
लाभा होवे माघ में, ऐसा योग करेय ॥२॥
जल थोड़ा अलवर अधिक, दुखकारी भयभीत।
अन्नभाव टूटा पड़े, लोभी करैं अनीत ॥३॥
शुभ शुभफलना होत है, जितना अंकित माल।
मध्यम फल इस मासका, भाषै जीयालाल ॥४॥

पं० २८ ति० ३० शु० मिश्र ४४।३२ दिनमान २९।०४

बु | ७ | सू | ५ | चं | ६ | शु | मं | ८ | ४ | के | श | ९ | ३ | १० | रा | २ | १२ | ११ बृ.

सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
०५	०३	०६	१०	०५	०२	०९	०३
२१	०७	१०	२९	२८	२४	२१	२१
२१	०९	०५	१५	५६	२७	३२	३?
४६	३०	५१	३७	२५	२९	४५	४५
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	मा	व	व	मा	मा	व	व

ति१४ | श्रीसम्वत् १९७२ शाके १८३७ आश्विनशुक्ल | तारीख | जै | वि.मा. | सूर्यः | गत

योग	ति	वा	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो.	घ	प.	क.	घ.	प	क.	फा	ई	ति	घ.	प.	प्रवि	सूर्यः				गत	
कारण	०१	श	४५	५४	चि	५५	३३	वैं	०५	३२	कि	१७	५५	व	२९	९	०१	२९	००	२३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
लुम्ब.	०२	र	४१	०२	स्वा	५२	२७	वि	५२	१४	बा	१३	२८	कौ	३०	१०	०२	२८	५७	२४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मैत्र	०३	चं	३५	३५	वि	४८	४३	प्री	४४	५०	तै	०८	१९	ग	१	११	०३	२८	५४	२५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
वज्र	०४	मं	२९	४७	ऽनु	४४	४०	आ	३६	११	व	०२	४१	वि	२	१२	०४	२८	५०	२६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
ध्वांक्ष:	०५	बु	२३	४८	ज्ये	४०	३४	सौ	२९	२५	बा	२३	४८	कौ	३	१३	०५	२८	४६	२७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
धूम्र	०६	बृ	१७	५०	मू	३६	३१	शो	२१	४४	तै	१७	५०	ग	४	१४	०६	२८	४२	२८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
प्रवर्ध	०७	शु	१२	०४	पू	३०	४५	ऽगं	१३	५७	व	१२	०४	वि	५	१५	०७	२८	३८	२९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
राक्षस	०८	श	०६	३७	उ	२९	२५	सु	०६	५०	व	०६	३७	बा	६	१६	०८	२८	३४	३०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
गदा.	०९	र	०१	४७	श्र	२६	५०	धृ	००	०३	कौ	०१	४७	तै	७	१७	१०	२८	३०	का	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
अवम	१०	र	५७	४८	अवःदिनं			००	००	००	तै	२८	५४	ग	००	००	००	००	००	०	०	०	०	०	०	०
शुभ	११	चं	५८	४७	ध	२४	४९	ग	४८	२४	व	२६	१७	वि	८	१८	११	२८	२६	२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मृत्यु	१२	मं	५२	५२	श	२४	०३	वृ	४३	५४	व	२१	४९	बा	९	१९	१२	२८	२२	३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
पद्मा.	१३	बु	५२	१०	पू	२४	२०	ध्रु	४०	१४	कौ	२२	३१	तै	१०	२०	१३	२८	१८	४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
छत्र	१४	बृ	५२	५४	उ	२५	४१	व्य	३७	३३	००	२२	३२	व	११	२१	१४	२८	१४	५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
श्रीव.	१५	शु	५४	४३	रे	२८	२७	ह	३५	५६	वि	२२	४८	ब	१२	२२	१५	२८	१०	६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

वै ५९।०९ श्रू ५३।५२ श्रीजैन सम्वत् २४४१
आगम शीत अतीत अति तीषी तोल खराब ॥

शरद् ऋतुः
रविदक्षिणायने

चित्र२तुलभृगुः१३।६२तु०चं०२६।४८ नवदुर्गा०१
चिवे१ऽर्कः४४।४५श्री०यो०र०यो०ना०वायु०सा०जम्बुक.चन्द्रदर्शनकन्यादे०
वृ० चं०३४।३९ जिकहिज्ज २९
म०२।४१ उ०२९।४७ या०
ध० चं ४०।३४
स्वात्यां १ भृगुः ३५।२४ सरस्वती०६
म १२।०४ उ०३९।२० या० म० चं० ४६।५५ सरस्वतीपूजनम्
दुर्गा०८ महासरस्वती बलि दानम्
चित्र१सं०तुलेऽर्कः२७।०१मु०३०सूपितृमिस प्रवेशः४५।३०ल०सि०कुं०चं०५५
०
१५० महा०९ वि०१०
म २६।१७उ०५४।४७ या०पापांकुशा ११ व्रतं०
पश्चिमोऽयंभृगः१७।३३
मी०चं०९।१६ वक्री कन्येज्ञः२३।१४ प्रदोषः
म ५२।५४ उ०कोजागरी १४
म २३।४८ या०वं०चं०२८।२७ शरद् १५ कार्तिक स्नानारंभ १५

पं० २९ति० ७ शु० मिश्र ४४।१९ दिनमान २८।३८

अथ तुलसंक्रान्ति कथनम् ॥

पं०३०ति० १५शु० मिश्र ४४।०५ दिनमान २८।१०

उ	उ	ऽस्त	उ	ऽस्त	उ	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
०५	०३	०६	१०	०६	०२	०९	०३
१८	१०	०६	२८	०७	२४	२१	२१
१८	५६	०३	५३	३८	५२	१०	१०
१२	४३	५७	०४	५६	०५	३०	३०
[illegible]	३२ १४	५८ ४३	०४ ३४	७४ ५३	०२ १७	०३ ११	०३ ११
मा	मा	व	व	मा	मा	व	व

दोहा—आश्विन शुक्ला दशम रवि तुला दिवाकर दृक्ष ॥
भृगु थोड़ा तसि पर मध्य भोग शुभ लेख ॥ १ ॥
गीता छन्द—वाहन गधारुपंमष मगवाँ वस्त्र तरुणाई भली।
कर पात्र कांसा दण्ड आयुध जाति राक्षसवल्लभकी ॥
रज तिलक भषपकमान अँगिया भोजपत्र समान है।
कर्कतरकीका फूल मूँगा हार फल कल्यान है ॥ २ ॥
दोहा—तुले दिवाकर मध्य फल, भृगु बुध निजवर चाल।
जल बरसाव सुख करे, भाषै जीयालाल ॥ ३ ॥

उ	उ	ऽस्त	उ	उ	उ	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
०६	०३	०५	१०	०६	०२	०९	०३
०५	१४	२९	१८	१६	२५	२०	२०
१६	२१	५९	१७	२१	०४	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	५६	५९	५०	०१	[illegible]	[illegible]
५२ ५२	२६ १४	३३ ३०	०२ १४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	मा	व	व	मा	मा	व	व

ति.१६	श्रीसम्वत्१९७२शाके १८३७ कार्तिककृष्ण														ताराबं		अं.दि.मा.				सूर्यः				गतः	
योग	ति	वा	घ	प	न	घ	प	यो	घ	प	क	घ	प	क	फा	ई	ति.	घ	प							
सौम्यः	०१	श	५७	४७	अ	३२	३५	व	३५	१२	बा	२६	१५	कौ	१३	२३	०१	२८	०६	७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
कालदं	०२	र	६०	००	भ	३७	३०	सि	३५	२६	तै	२९	४२	ग	१४	२४	०२	२८	०२	८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
स्थिर	०२	चं	०१	५१	कृ	४३	१६	व्य	३६	११	ग	०१	५१	व	१५	२५	०३	२७	५८	९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मातंग	०३	मं	०६	३९	रो	४९	३५	व	३७	२२	वि	०६	३९	व	१६	२६	०३	२७	५५	१०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
अमृत	०४	बु	११	४७	मृ	५२	५८	प	३८	४४	बा	११	४७	कौ	१७	२७	०४	२७	५१	११	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
कारणा	०५	बृ	१६	५६	आ	६०	००	शि	३९	५८	तै	१६	५६	ग	१८	२८	०५	२७	४८	१२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
पद्मास्य	०६	शु	२१	३६	आ	०२	३०	सि	४०	४६	व	२१	३६	वि	१९	२९	०६	२७	४५	१३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मैत्रे	०७	श	२५	३५	पु	०७	३४	सा	४०	५५	व	२५	३५	बा	२०	३०	०७	२७	४१	१४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
श्रीवत्स	०८	र	२८	२६	पु	१२	१२	शु	४०	१९	कौ	२८	२६	तै	२१	३१	०८	२७	३८	१५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
सौम्यः	०९	चं	३०	१३	श्ले	१५	४०	शु	३८	४१	ग	३०	१३	व	२२	न१	०९	२७	३५	१६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
कालदं	१०	मं	३०	४२	म	१७	५१	ब्र	३६	०६	व	००	२८	वि	२३	२	१०	२७	३२	१७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
स्थिर	११	बु	२९	४६	पू	१८	५४	ऐं	३४	३३	व	००	१४	बा	२४	३	११	२७	२८	१८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मातंग	१२	बृ	२७	३८	ह	१८	४३	वै	२७	५६	तै	२७	३८	ग	२५	४	१२	२७	२५	१९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
अमृत	१३	शु	२४	२९	ह	१७	१६	वि	२२	२८	व	२४	२९	वि	२६	५	१३	२७	२२	२०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
कारणा	१४	श	२०	२५	चि	१५	०३	प्री	१६	१२	श	२०	२५	च	२७	६	१४	२७	१९	२१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
धुम्रक	३०	र	१५	३५	स्वा	११	०८	आ	०९	२४	ना	१५	३५	किं	२८	७	३०	२७	१६	२२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

श्रीजैन सम्वत् २४४१
नारायण आकाश शशि, निज घर मूष नवाब ॥ ८ ॥

शरद् ऋतुः
रवि दक्षिणायने

स्वात्यां १ ऽर्कः ०८।२१ श्री.पु.व. चं. श्रो ना.खंडा. बा. मृग.वृ चं. ५३।४६
पुर्वोदयं शः ०३।०४ विशाखां १ भृगुः १७।२५ म. २४।३९ व.
म. ६।३९ या. करवा० ४ गणेश०४
मि. चं. २२।४७ मार्गी शः ५८।५४
वक्रीशनिः १२।२५ सांपे १ भौमः २८।५१
म २१।३६उ० ५३।३५ या०र्क० चं५१०।१
अहोई ०८

सिं० चं० १५।४० नवम्बर ३०।१
म. ०।२८ उ. ३०।४२ या. विशाखा ४ वृश्चिके भृगुः ३०।५९
क. चं. ३३।५१ रमा ११ व्रतम्
चित्रे ३ तुले श. ११।५५ गोवत्स १२ प्रदोषः धन १३
मैत्रे १ भृगुः ०५।१६ म. २४।२९ उ. ५३।२७ या. तु. चं ४६।१० नर्क १४
विशाखा १ ऽर्कः १९।५७ दीपमालिका ३०
वृ० चं ५४।०८ गोवर्द्धन०१

प० ३१ ति० ७ शु० मिश्र ४३।५० दिनमान२७।४१

व	व	व	व	व	व	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
०६	०१	०५	१०	०६	०२	०९	०३
१२	१७	२८	२७	२६	१५	२०	२०
१३	५३	४५	५०	१८	०९	२२	२२
१२	५५	१८	५१	२४	५१	४९	४९
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	मा	मा	व	मा	व	व	व



अथ कार्तिक मासफलम्।

दोहा-कार्तिक में शनि पांच हैं, टूटी धौरी तीज।
रवि दिन मावस मध्य फल, बोया खोया बीज ॥ १ ॥
जिन बारां रवि संक्रमे, वही अमावस होय।
अन्न घटावे भय करे, राजी रहै न कोय ॥ २ ॥
डूबे माल बहुतरा, खोवे जगकी लाज।
बढ़े वादे दुर्भिक्षका, प्रजा लड़ाई राज ॥ ३ ॥
पत्रे में जो लिखदिया, उसपर कौन ख्याल।
लाभ हानि सब भाग्य बस, माधे जीयालाल ॥ ४ ॥

पं० ३२ ति०३० रवि मिश्र ४३।३८ दिनमान२७।१६

श
सू
चं ७ बु
६
९
५
रा
१०
मं ४ के
११
बृ
१
३
श
१२
२

व	व	व	व	व	व	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
०६	०२	०६	१०	०७	०२	०९	०३
२१	२१	०३	२७	०६	२५	१९	१९
१८	४०	११	३०	१०	०९	५७	५७
३२	२१	१३	३६	०५	४८	३२	३२
६० २२	२७ १४	५५ ३२	०१ ०६	७४ ३२	०० ५५	०३ ११	०३ ११
मा	मा	मा	व	मा	व	व	व

ति १४ | श्रीसम्वत् १९७२ शाके १८३७ कार्त्तिकशुक्ल | तारीख | जे | दि. मा

	ति	वा	घ.	प	न	घ	प	यो	घ	प	क	घ	प	क	फा	इं	ति	घ.	प	[illegible]	सूर्यः				गत	
मित्र	०१	चं	१०	११	वि	०८	२२	सौ	०१	३३	व	१०	११	बा	२९	८	०१	२७	१२	२३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
वज्र	०२	मं	०४	२८	ऽनु	०४	२६	ऽग	४६	४०	कौ	०४	२८	तै	१	९	०३	२७	०९	२४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
अवम	०३	मं	५८	३५	अवंदिनम्			००	००	००	तै	२९	१८	ग	००	००	००	००	००	००	०	०	०	०	०	०
ध्वांक्ष	०४	बु	५२	४२	ज्ये	०१	२८	सु	२९	०२	व	२५	३९	वि	२	१०	०४	२७	०६	२५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
धूम्र	०५	बृ	४७	०१	मू	५२	१८	धृ	३१	१५	व	१९	५२	बा	३	११	०५	२७	०३	२६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
आनंद	०६	शु	४१	४७	उ	४८	५२	शू	२३	४१	कौ	१४	२४	तै	४	१२	०६	२७	००	२७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
स्थिर	०७	श	३६	५९	श्र	४६	०१	गं	१६	४६	ग	०९	२३	व	५	१३	०७	२६	५७	२८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मातंग	०८	र	३३	०९	ध	४३	५५	वृ	१०	०८	वि	०५	०४	व	६	१४	०८	२६	५४	२९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
अमृत	०९	च	३०	१७	श	४२	५२	ध्रु	०४	१४	बा	०१	५३	कौ	७	१५	०९	२६	५०	३०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
कार०	१०	मं	२८	३१	पू	४३	०५	व्या	००	०४	ग	२८	३१	व	८	१६	१०	२६	४६	मा १	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
लुम्ब.	११	बु	२७	५७	उ	४४	०६	ह	५२	३०	वि	२७	५७	व	९	१७	११	२६	४३	२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मैत्र.	१२	बृ	२८	५०	रे	४६	३४	सि	५०	२६	बा	२८	५०	कौ	१०	१८	१२	२६	४०	३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
वज्र	१३	शु	३१	००	अ	५०	१६	व्य	४९	१५	तै	३१	००	ग	११	१९	१३	२६	३७	४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
ध्वा.	१४	श	३४	०५	भ	५५	०८	व	४९	१६	ग	०२	३३	व	१२	२०	१४	२६	३४	५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
धूम्र	१५	र	३८	११	कृ	६०	००	प	४९	४२	वि	०६	१२	व	१३	२१	१५	२६	३१	६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

मू५६॥१४शो ५४१४ ह ५५।१४ श्रीजैनसम्वत् १४४१ दीपिमाल कोरी गई मिला न मुद्रा सूल ॥

शरद् ऋतुः
रवि दक्षिणायने

चन्द्रदर्शन स्वर्ण. दे. श्रीजैनसम्वत् १४४२ प्रवेशः माई ०२
मुहर्रम ३० सन् १३३४ हिजरी प्रवेशः यम०२

घ. चं. १।२४ म २५।३९ उ. ५२।४२ या.
स्वाते १ ब्रः ०२।११
म. चं. ०६।२७ मार्गीगुरुः ५०।१५ स्वामीकार्त्तिक ०६
म ३६।५९ उ०
म ५।४ या. कुं. चं १४।५८ नन्दीश्वर व्रतारम्भ ८
ज्येष्ठे १ मृगुः ४८।५५ अक्षय ९ कृतयुग दि [४२।२६ ल.कर्क म५८।१४उ०
विशाखां ४ सं० वृश्चिकेऽर्कः १९।५७मु. ३० वै मी. चं. १८।२श्रीपूजन प्रवेशः
म २७।५७ या. प्रबोधिनी ११व्रतम् हरिवासर ५४।०६ उ०
मे. चं ४६।३४हरिवासर २८।५० या. दहे
मैत्र१ऽर्कः ३७।२३ प्रदोषः
म ३४।५ उ. वैकुंठ १४
म ६।१२ या. वृ. चं १०।३४ विशाखां १ ब्रः १३।३४ गंगास्नान १५

पं. ३३ ति. ८ रविः मिश्र ४३।२७ दिनमान २६।५४

व	उ	उ	उ	उ	उ	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
०६	०३	०६	१०	०७	०२	०९	०३
२८	२४	१०	२७	१४	२५	१९	१९
२१	५३	४२	३४	५२	०२	३५	३५
५७	५९	२७	१०	५६	५९	०८	०८
६० ३४	१९ २६	६९ ५६	०१ ०६	७४ ३२	०० ५५	०३ ११	०३ ११
मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व

अथ वृश्चिके रविः कथनम्

दोहा-कार्त्तिकशुक्ला दशम कुज, वृश्चिक राशि दिनेश।
आदि भोगता तीसपल, गड़बड़ करे हमेश ॥ १ ॥
गीताछंद-गजराजवाहन खार उपवाहन गधा पटलाल है।
करधनुष्य भोजन दुग्धगऊ मद तिलक मृगसम चाल है॥
फल मिलत कमला पात्र लोहा फूल बेल पवित्रही।
प्रोढा अवस्था सीप कंचुकि मुक्तमाळ विचित्रही ॥२॥
दोहा-चौर सुखी घातक दुखी, तृण का काल कराल।
घर घराट गड़बड़ बढै, मांबै जीवाकाल ॥ ३ ॥

पं. ३४ ति. १५ रविः मिश्र ४३।१५ दिनमान २६।३१

व	व	उ	व	व	व	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
०७	०३	०६	१०	०७	०२	०९	०३
०५	२७	१०	२७	२३	२४	१९	१९
२६	०८	१४	३७	३२	५४	१२	१२
३८	११	४५	५७	२०	४०	२३	५३
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व

ति.१५ | श्रीसम्वत् १९७२ शाके १८३७ मार्गशीर्षकृष्ण | तारीख | जै दि. मान | सूर्य्यः | गत

योग	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो	घ.	प.	क.	घ	प.	क.	फा	ई	ति.	घ.	प.	प्रवि	सूर्य्यः				गत	
स्थिर	१	चं	४३	१४	कृ	००	५१	शि	५०	४८	बा	१०	४०	कौ	१४	२२	०१	२६	२९	७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मातंग	२	मं	४८	२७	रो	७	२	सि	५२	८	तै	१५	५१	ग	१५	२३	०२	२६	१७	८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
अमृत	३	बु	५३	३२	मृ	१३	२१	सा	५३	१८	व	२१	००	बि	१६	२४	०३	२६	२५	९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
कारणा	४	बृ	५८	१९	आ	१९	३८	शु	५४	३९	व	२५	५६	बा	१७	२५	०४	२६	२३	१०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
लुम्बक	५	शु	६०	००	पु	२५	१४	शु	५४	३३	कौ	३०	१७	तै	१८	२६	०५	२६	२२	११	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मैत्र	५	श	२	१५	पु	३०	७	ब्र	२४	११	तै	०२	१५	ग	१९	२७	०६	२६	२०	१२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
वज्र	६	र	५	८	श्ले	३३	५४	ऐं	५२	५०	व	०५	०८	बि	२०	२८	०७	२६	१८	१३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
ध्वांक्ष	७	चं	६	५४	म	३६	२६	वै	५०	३०	व	०६	५४	बा	२१	२९	०७	२६	१६	१४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
धूम्र	८	मं	७	२०	पू	३७	४२	वि	४७	२०	कौ	०७	३०	तै	२२	३०	०८	२६	१४	१५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
प्रवर्ध.	९	बु	६	२४	उ	३७	४७	प्री	४२	५०	ग	०६	२४	व	२३	दि१	०९	२६	१२	१६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
राक्षस	१०	बृ	४	१८	ह	३६	३९	आ	३७	३६	वि	०४	१४	व	२४	२	११	२६	१०	१७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मुसल	११	शु	१	५	चि	३४	३३	सौ	३१	३६	बा	०१	०५	कौ	२५	३	१२	२६	०९	१८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
अवमम्	१२	शु	५७	२	अवमदिनम्			००	००	००	कौ	२८	३१	तै	००	००	००	००	००	००	०	०	०	०	०	०
सिद्धि	१३	श	५२	१२	स्वा	३१	३९	शो	२६	५८	ग	२४	३७	व	२६	४	१३	२६	०८	१९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
उत्पात	१४	र	४१	५२	वि	२८	१५	ऽगं	१७	४३	वि	१९	३१	श	२७	५	१४	२६	०७	२०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मानस	३०	चं	४१	११	ऽनु	२४	२१	सु	१०	१७	च	१४	१	ना	२८	६	१०	२६	०६	२१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

श्रीजैन सम्वत् २४४२ | शरदृतुः

अगहन घन शिव नेत्र सब, मनमें किये कबूल ॥ १ ॥ | रवि दक्षिणायने

रा ॥ऽऽ॥

मू ॥ऽ॥ मि० चं० ४०।१२

म २१।० ह० ५३।३२ या०

गणेश ४

के०चं० ९।५ मूले १ धने भृगुः ३६।२२ पूर्वोस्तं बु: ४४।१४

विशाखां ४ वृश्चिके बु: ४१।४९

म ऽ॥ऽ तु०ला०१।०चं०म० ५।८ ह०३६।१ या० सिं०चं ३३।५४

मैत्र १ बु: ४४।५१ महाकालभैरव ८

ह ॥ऽ॥ऽ॥ क०चं ५२।४३

म ३५।१९ ह० कुंभां १ सिंहे भौमः ४५।२९ दिसम्बर ३१

ह० ॥॥॥ म० ४।१४ धा०ज्ये०१ऽर्कः ४४।४५

स्वा ऽ॥ऽ॥ शु०ला०तु०चं० ५।३६ उत्पत्तिका ११ व्रतं

म ५२।१३ ह० शनि प्रदोषः

ऽनु ॥ऽ॥ऽ मृ०धा०वृ०चं १४।६ म २९।३३ या०

सौम्यवती ३०

पं० ३५ ति० ७ घं० मिश्र ८।३।८ दिनमान २६।१६

ध.	ध	ऽस्त	उ.	ध.	ध	०	०
सू	मं	बु	बृ.	शु	श	रा.	के.
०७	३	७	१०	८	२	९	३
११	२९	०२	२८	३	२४	१८	१८
३३	४१	४१	०२	२७	३३	४७	४७
५६	०२	२६	२२	३६	४०	२७	२७
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा.	मा	मा	मा.	मा	म.	व	व.

बु ७ | सू ८ शु | ६ | चं | १० रा | श ११ | के ४ मं | १२ | १ | ३ बृ.

अथ मार्गशीर्ष मासफलम् ॥

दोहा—अगहन में शशि पांच हैं, अन्नभाव सामान।
कुछ भय घटे अहालका, सकल लोक कल्यान ॥१॥
कार्तिक से अगशिर भला, कहिं कहिं अन्न में होय।
प्रजा सहाई राजपक्ष, चहुँ दिश देखे जोय ॥२॥
घृत गुड़ चावल खांड़ दधि रुई नारियल हींग।
मृगमद लाल मजीठ कल, चन्दन केशर सींग ॥३॥
साठै आठे प्रथम पक्ष, हष्टि पड़े भौंचाल।
समता व्यापै कुछक दिन भाष भौंपालाल ॥ ४ ॥

पं० ३६ ति० ३० घं० मिश्र ४।३।३ दिनमान २६।६

बु | रा | १ | ७ | सू | चं ८ बु | ६ | १० | बृ | ११ | श | ५ | के | १२ | शा | ४ | १ | ३

ध	उ.	ऽस्त	ध	उ.	ध	०	००
सू.	मं.	बु	बृ.	शु	श	रा.	के
७	४	०७	१०	८	२	९	३
२०	१	१४	२८	१२	२४	१८	१८
४०	५९	२९	२१	१०	१५	२५	२५
५३	५५	०४	२८	३०	१७	१२	१२
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	मा	मा	मा	मा.	व	व.	व.

ति१५ | श्रीसम्वत् १९७२ शाके १८३७ मार्गशीर्षशुक्ल | तारीख | जै.दि.मान | | सूर्यः | गतः

योग	ति	वा	घ	प	न	घ	प	यो	घ	प	क	घ	प	क	फा	इं	ति	घ	प	प्रविष्टाः	सूर्यः				गतः	
सुद्गर	१	मं	३५	१७	ज्ये	२०	२२	धृ	०२	२६	कि	०८	१४	ब	२९	७	१	२६	०४	२२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
ध्वजः	२	बु	२९	२६	मू	१६	१४	गं	४६	१४	बा	०२	२१	कौ	३०	८	२	२६	०३	२३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
प्रजाप	३	बृ	२३	५०	पू	१२	१४	वृ	३९	१७	ग	२३	५०	ब	१	९	३	२६	०२	२४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
आनंद	४	शु	१८	३८	उ	०८	४४	ध्रु	३२	०६	वि	१८	३८	ब	२	१०	४	२६	०१	२५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
स्थिर	५	श	१४	०४	श्र	०५	३७	व्या	२५	२३	बा	१४	४	कौ	३	११	५	२६	००	२६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मांतग	६	र	१०	२२	ध	०३	२६	ह	१९	१४	तै	१०	२२	ग	४	१२	६	२५	५८	२७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
अमृत	७	चं	०७	३७	श	०२	०४	व	१४	१	ब	०७	३७	बि	५	१३	७	२५	५७	२८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
कारण	८	मं	०५	५६	पू	०१	४९	सि	०९	४३	व	४	५६	बा	६	१४	९	२५	५६	२९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
लुम्ब.	९	बु	०५	३३	उ	०२	४४	व्य	०६	२२	कौ	५	३३	तै	७	१५	१०	२५	५५	३०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मैत्र	१०	बृ	०६	३५	रे	०४	५४	व	०३	५०	ग	६	३५	ब	८	१६	१०	२५	५३	प्र १	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
वज्र	११	शु	०८	४८	अ	०८	२४	प	०२	२५	बि	०८	४८	ब	९	१७	११	२५	५२	२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
ध्वांक्ष	१२	श	१२	१०	भ	१३	००	सि	०२	४	बा	१२	१०	कौ	१०	१८	१२	२५	५०	३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
धूम्र	१३	र	१६	३१	कृ	१८	३३	शि	०२	१८	तै	१६	३१	ग	११	१९	१३	२५	४९	४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
प्रबर्ध	१४	चं	२१	२८	रो	२४	४१	सा	०३	९	व	२१	२८	बि	१२	२०	१४	२५	४८	५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
राक्षस	१५	मं	२६	४४	मृ	३१	०४	शु	०४	२६	ब	२६	४४	बा	१३	२१	१५	२५	४६	६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

शू. ५४।३७ श्रीजैन सम्वत् २४४२
बालक गोद खिलावती, मनमें हर्ष अपार॥

हेमंत ऋतुः
रवि दक्षिणे

मू ।ऽऽ पा. श. चं, पूषां १ भृगुः १६।५९ च चं २।२१ ज्येष्ठे १ः ३५।४०
चन्द्रदर्शन दर्पण है॰

उ० ।।।ऽ।।।। म० चं २६।१२ मं ५१।१४ उ० सफर २९

म १८।३८ या०

कुं॰ च० ३४।३१ नाग०५

म ७।३७ उ. ३६।४६ या. मी. च ४६।८

उ ।।।ऽ मू. वा. कालाष्टमी ८

मूले१धनेशः६।३६मूले१सं.धनेऽर्कः४८।३९मु३० वै. शिवठंडन प्रवेशः११।०८ल कुं.

मे. चं. ४।५४ म ३७।४२ उ

म ८।४८ या. उषां १ भृगुः ५७।४१ मोक्षदा ११ व्रतं

सू. चं. २९।२३ शनि प्रदोषः

म २१।२८ उ. ५४।६ या०उषां २ मकरे भृगुः ३६।२३ मि. चं.५७।५२
श्रीदत्तजयन्ती १५ बलदेव १५

पं० ३७ ति ८ मं मिश्र ४२।५८ दिनमान २५।५६

व	व	ऽस्त	व	व	व	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
७	४	७	१०	८	२	९	३
२८	४	१८	१९	२१	२३	१७	१७
५०	५	३७	१	१२	४४	५९	५९
२६	५८	५१	०	३८	३५	४६	४६
६१ १३	०२ ०२	१०४ ४४	०६ ०६	७६ ०८	०३ ४३	०३ ११	०३ ११
मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व

श्रु ९ | सू ८ बु | ७
मा १० | बृ ११ | ६ | मं ५
चं १२ | २ | के ४
१ | ३ रा

अथ घटस्थि: कथनम्

दोहा--अगहन नवमी शुक्लपक्ष, धमक दिनकर जान।
तीस मुहूर्त रात्रिगत, अन्न भोग जलपान ॥१॥
गीताछंद-गजराजवाहन स्वर उपवाहन गधा पटकालहै।
करधनुष्य भोजन दुग्ध गऊ पद तिलक मृगमद चालहै।
फल मिलत कमला पात्र लोहा फूल बेल पवित्रही।
प्रोढ़ा अवस्था स्वीप कंचुकि मुक्तमाल विचित्रही ॥२॥
दोहा-मातु अभावस एकदिन, मन्दा कम्बल शाल।
राजसुखी खलकन दुखी, मांबै जौपाकाल ॥३॥

पं० ३८ ति १५ मं मिश्र ४२।५३ दिनमान२५।४६

शु रा १० | सू ९ बु | ८
११ | ७
सू १२ | ६
१ | क ३ चं | मं ५
२ | के ४

व	व	ऽस्त	व	व	व	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
८	४	८	१०	९	२	९	३
५	०४	१०	२९	०	२३	१७	१७
०२	०४	५६	४७	५५	१७	३७	३७
२५	१९	३४	११	०३	३४	११	११
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व

ति१५। श्रीसम्वत् १९७२ शाके १८३७ पौषकृष्ण

योग	ति.	वा.	घ.	प.	न.	घ.	प.	यो	घ.	प.	क	घ.	प.	क	तारीख फा	जै इं	ति	दि.मा. घ.	प.	मु	सूर्यः				गत	
मुसल	०१	बु	२१	५५	भा	२६	५१	शु	०५	४१	कौ	२१	५५	तै	१४	२२	०१	२५	४५	७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
सिद्धि	०२	बृ	२६	३९	पु	४२	१८	ब्र	०६	३९	तै	०५	१७	ग	१५	२३	०२	२५	४४	८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
उत्पात	०३	शु	४०	३४	पु	४८	१७	ऐं	०७	०५	व	०८	३६	वि	१६	२४	०३	२५	४५	९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मान.	०४	श	४३	२७	श्ले	५२	२४	वै	०६	४९	ब	१२	०१	बा	१७	२५	०४	२५	४६	१०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मुद्गर	०५	र	४५	०६	म	५५	११	वि	०५	५४	कौ	१४	१६	तै	१८	२६	०५	२५	४८	११	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
ध्वज	०६	चं	४५	३०	पू	५६	४४	प्री	०३	४९	ग	२५	१८	व	१९	२७	०६	२५	४९	१२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
प्रमा.	०७	मं	४४	२७	उ	५७	८	आ	००	५०	वि	१४	५८	ब	२०	२८	०७	२५	५१	१३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
आनंद	०८	बु	४२	१५	ह	५६	२०	शो	५२	०२	बा	१३	२१	कौ	२१	२९	०८	२५	५३	१४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
चर.	०९	बृ	३९	०३	चि	५४	२५	ऽगं	४६	१२	तै	१०	३९	ग	२२	३०	०९	२५	५४	१५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
गद।०	१०	शु	३४	५८	स्वा	५१	४९	सु	३९	४५	व	०६	५९	वि	२३	३१	१०	२५	५५	१६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
शुभ	११	श	३०	०४	वि	४८	१८	धृ	३२	४७	ब	०२	३१	बा	२४	ज१	११	२५	५६	१७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मृत्यु	१२	र	२४	३९	ऽनु	४४	४५	शू	१५	२०	तै	२८	३९	ग	२५	२	१२	२५	५७	१८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
पद्म।०	१३	चं	१८	५९	ज्ये	४०	४०	गं	१७	३२	व	१८	५९	वि	२६	३	१३	२५	५९	१९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
छत्र	१४	मं	१३	०७	मू	३६	३२	वृ	०९	४२	श	१३	०५	च	२७	४	१४	२६	००	२०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
श्रीव.	३०	बु	०७	२२	पू	३२	३४	ध्रु	०१	५८	ना	०७	२२	कि	२८	५	३०	२६	१०	२१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

सौ ५६।५२ व्या ५४।११ श्रीजैन सम्वत २४४२
शिव रवि लोक बिलोक अज, घर घर मङ्गलचार ॥ १०॥

हेमंतऋतुः
रवि उत्तरायणं

पूषां १ क्षः ४२।८

कं. चं. २६।४२

म ८।३६ उ ४०।३४ या. रवि उत्तरायण हुआ

सिं. चं. ५२।२४ पूभां ४ मीनेगुरुः ५६।२५ गणेश।८

म ४५।३०. उ.

अवे१भृगुः३क.चं.३१पश्चिमे दयं बु: १८।३२म१४।५८या पूषां१ऽकं: ५०।२६

बु. च. २५।२२ उषां १ क्षः ४१।२०

म ६।५९ उ. ३४।५८ या.

वृ.च१४।१८उषां १मकरे क्षः४४।४८सफला११ व्रतं जनवरी१सन्१९१६आरंभः

प्रदोषः

म १८।५९ उ. ४६।३ या अ. च. ४०।४०

वक्रीभौमः २८।१२ म. चं ४६।३९ कुहिया ३०

पं. ३९ ति. ८ बु. मिश्र ४३।५७ दिनमान २५।५२

उ	उ	उ	उ	उ	उ	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
०८	४	८	११	९	०२	०९	०३
१४	४	२४	०	१०	२२	१७	१७
२०	४४	३०	४०	५४	३७	१२	१२
[illegible]	४५	५८	१२	३१	४६	५	५
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व

शु रा
१०
११
सू ९ बु
८
७
१२ बृ
चं ६
श ३
मं
१
२
४ के
५

अथ पौषमासफलम् ।

दोहा—पौषमास बुध पांच हैं, मध्यम फल दातार ।
शीत पड़े तन थर हर, विकल होय संसार ॥ १ ॥
हुई अमावस बुध दिन, अकाल चारा ज्वार ।
शुक्र दूज टूटी बुधी, मध्यम फल निर्धार ॥ २ ॥
कुज दिन शुक्ल त्रयोदशी, गेहूं मेर जु कोय ।
पांच महीने रोकता, दाम सवाया होय ॥ ३ ॥
कुछ पानी बरसे कहीं, आगम उत्तम माल ।
बंधे जावें खेत सब, भाषै जीयालाल ॥ ४ ॥

पं. ४० ति ३० बु मिश्र ४३।०१ दिनमान २६।०१

बु रा शु
१०
सू
११
९ चं
८
७
बृ
१२
६
मं
श ३
१
२
के ४
५

उ	उ	उ	उ	उ	उ	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
०८	४	९	११	०९	०२	०९	०३
२१	५	५	०१	१९	२२	१६	१६
२०	६	३९	३९	३६	२	४९	४९
५९	३५	४४	०	४५	१५	[illegible]	५०
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	व	मा	मा	मा	व	व	व

ति१५ | श्रीसम्वत् १९७२ शाके १८३७ पौषशुक्ल | तारीख | जे | दिमा | | सूर्य्यः | | गत

योग	ति.	वा.	घ.	प.	न	घ.	प.	यो	घ.	प.	क	घ.	प.	क	फा	इं	ति	घ	प.	[illegible]	सूर्य्यः				गत	
																					[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
सौम्य	०१	बृ	०१	५१	उ	२८	१३	ह	४६	४२	ब	०१	५१	बा	२९	६	०२	२६	०३	२२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
अवम	०२	बृ	५१	४३	अवंदिनम्			००	००	००	बा	२८	२१	कौ	००	००	००	००	००	००	०	०	०	०	०	०
धूम्र	०३	शु	५२	१३	श्र	२५	५४	ब	३९	५७	तै	२४	२३	ग	१	७	०३	२६	०५	२३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
प्रवर्ध	०४	श	४८	४१	ध	२३	३२	सि	३१	४२	ब	२०	२७	वि	२	८	०४	२६	०६	२४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
राक्षस	०५	र	४६	०२	श	२१	४३	व्य	२८	१४	ब	१७	२२	बा	३	९	०५	२६	०७	२५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मुसल	०६	चं	४४	३२	पू	११	१६	ब	२३	३९	कौ	१५	१७	तै	४	१०	०६	२६	०९	२६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
सिद्धि	०७	मं	४४	१४	उ	२१	१८	प	१९	४७	ग	१४	२३	ब	५	११	०७	२६	१०	२७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
उत्पात	०८	बु	४५	२५	रे	१३	४९	शि	१७	०५	बि	१४	४९	ब	६	१२	०८	२६	१२	२८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मानस	०९	बृ	४७	४५	अ	२७	०५	सि	१४	५९	बा	१६	३५	कौ	७	१३	०९	२६	१३	२९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मुद्गर	१०	शु	५१	१५	भ	३१	१२	सा	१४	४०	तै	१९	३०	ग	८	१४	१०	२६	१५	१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
ध्वजः	११	श	११	४३	कृ	३६	४३	शु	१४	४१	ब	२२	२९	बि	९	१५	११	२६	१६	२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
प्रजाप	१२	र	६०	००	रो	४३	४६	शु	१५	२७	ब	१८	१४	बा	१०	१६	१२	२६	१८	३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
आनंद	१२	चं	००	४४	मृ	४९	०७	ब्र	१६	३६	बा	००	४४	कौ	११	१७	१३	२६	१९	४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
चर	१३	मं	०६	००	आ	१५	३४	ऐं	१७	४७	तै	०६	००	ग	१२	१८	१४	२६	२१	५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मद्दा	१४	बु	२१	०८	पु	६०	००	वै	१८	५३	ब	१२	०८	वि	१३	१९	१४	२६	२२	६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
सिद्ध	१५	बृ	१५	४९	पु	०१	१८	वि	१९	३४	ब	१५	४९	बा	१४	२०	१५	२६	२३	७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

श्रीजैनसम्वत् २४४२

शीत पड़े तन थर हरे झुरमट झोके खाय ॥ | हेमंतऋतुः रवि उत्तरे

चन्द्रदर्शन जळ भौम दे०

कुं० चं ५४।४३ रविउल्लवळ ३०

धनेष्टे१भृगुः१९।४४म२०।२७उ० ४८।४१ या०श्रवे१बुः३६।४६श्रवेशराहु पुष्ये [रकेतुः५०।१०

मी० चं ६।२३ उषां१ऽर्कः ५१।२

म० ४४।१४ उ०

म १४।४९ या०मे० चं० २३।४९

धनेष्टे ३ कुंभे भृगुः ४२।३७

उषां२सं०मकरेऽर्कः७।३६मु०१५सू०सुखखंडन प्रवेशः३०।५ल०कर्क बु०बः ३ २

म २३।२९ उ० ५५।४३ या० पुत्रदा ११ व्रतं

रो० ||||||ऽऽ क्रां० सा०

मि० चं १५।१७ उमां १ गुरुः २६।४२ सोमप्रदोषः मृऽ।।ऽ र०ला०

म ११।८ उ ४३।३० या०शतां ९ भृगुः ११।३४ कुं० चं० १२।६

धनेष्टे १ बुः ३८।४७ ऽमि प्र०ऽर्कः ५७।५१ माघस्नानारम्भः १५

पं० ४१ ति० ८ बु० मिश्र ४३।०८ दिनमान २६।१२ | अथ मकरसक्रांतिः कथनम् । | पं० ४२ ति० १५ बृ० मिश्र ४३।१२ दिनमान २६।२३

बृ०	बृ०	बृ०	बृ०	उ०	बृ०	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
०८	०४	०९	११	०९	०२	०९	०३
२८	०५	१५	०२	२८	२१	१६	१६
३१	०१	०२	३८	१८	२६	२७	२७
०८	१४	१९	२१	५९	४५	३५	३५
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	०३ ११	०३ ११
मा	ब	मा	मा	मा	ब	ब०	ब०

बु शु श १० सू ९ ८ ११ ७ बु १२ ६ चं १ श ३ मं ५ २ ४ के

दोहा–भृगु दिन दशमी पौषकी, मकर दिवाकर ठीक ।
सकल मुहूरत पंचदश, अंत भागनी मीक ॥ १ ॥
गीताछन्द–वाहन गधा उपवेष मगवांवस्त्र तरुणाई मढ़े।
करपात्र कांसा दंड आयुध जाति राक्षस दलचढ़ी ॥
रज तिलक भष पकवान अँगिया भोजपत्र समान है ।
कर केतकीका फूल मूँगा हार फल कल्यान है ॥ २ ॥
दोहा–शीत पडे कुछ चोरका, पूर्व डाकनी बाल ।
मकर दिवाकर चार फल, माघै जीवालाल ॥ ३ ॥

बु ११ सू ९ १२ रा १० बु ८ १ ७ चं ४ २ ६ के ५ मं

बृ०	उ०	बृ०	बृ०	उ०	बृ०	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
०९	०४	०९	११	१०	०२	०९	०३
०६	०३	१२	०४	०८	२०	१६	१६
४१	२०	४१	००	०८	४६	०२	०२
४४	२७	२७	१९	०५	१३	०९	०९
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	ब	मा	मा	मा	ब	ब	ब

ति.१४ | श्रीसम्वत् १९७२ शाके १८३७ माघकृष्ण | तारीख | जै. | दिनमान | सूर्यः | गत

योग	ति	वा	घ.	प.	न.	घ	प.	यो	घ	प.	क	घ.	प.	क.	फा	इं.	ति	घ.	प.	प्र.	सूर्यः				गत	
उत्पात	०१	शु	१९	४४	पु	०६	४८	प्री	१९	३८	कौ	१०	४४	तै	१५	२१	०१	२६	२७	८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मानस	०२	श	१२	३०	श्ले	११	०५	आ	१८	५६	ग	२२	३०	व	१६	२१	०२	२६	३०	९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मुद्गर	०३	र	२४	०२	म	१४	२९	सौ	१७	१७	वि	२४	०२	ब	१७	२३	०३	२६	३३	१०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
ध्वज:	०४	चं	२४	१५	पू	१६	०४	शो	१४	३९	बा	२४	१५	कौ	१८	२४	०४	२६	३६	११	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
प्रजाप	०५	मं	२३	१२	उ	१६	४८	ऽगं	११	०१	तै	२३	१२	ग	१९	२५	०५	२६	३९	१२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
आनंद	०६	बु	२०	५४	ह	१६	१३	सु	०६	२५	व	२०	५४	वि	२०	२६	०६	२६	४२	१३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
चर	०७	बृ	१७	३८	चि	१४	३५	धृ	००	५८	ब	१७	३८	बा	२१	२७	०७	२६	४५	१४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
गदा.	०८	शु	१३	१७	स्वा	१२	०१	गं	४७	५३	कौ	१३	२७	तै	२२	२८	०८	२६	४८	१५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
शुभ	०९	श	०८	२९	वि	०८	५०	वृ	४०	३५	ग	०८	२९	व	२३	२९	०९	२६	५१	१६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मृत्यु	१०	र	०३	१	ऽनु	०५	१०	ध्रु	३३	०४	वि	०३	०१	ब	२४	३०	११	२६	५४	१७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
आनस	११	र	५७	१६	अनु	वि	नं	००	०	०८	व	२८	३८	बा	००	००	००	००	००	००	:	:	:	:	०	०
पद्मा.	१२	चं	५१	२०	ज्ये	०१	१४	व्या	२५	११	कौ	२४	२१	तै	२५	३१	१२	२६	५७	१८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मैत्र	१३	मं	४५	४१	मू	५७	०४	ह	१७	२८	ग	१८	१५	व	२६	१फ	१३	२७	०१	१९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
वज्र	१४	बु	४०	११	पू	४९	२८	व	०९	४५	वि	१२	५७	श	२७	२	१४	२७	०४	२०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
ध्वज:	३०	बृ	३५	७	उ	४६	११	सि	०२	१७	च	०७	३१	ना	२८	३	१५	२७	०७	२१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

मू ५७।१२ शू ५३।४७ व्य ५५।१३ श्रीजैन सं० २४४२ | हेमंतऋतुः

रवि शशि अज केशर तुला, दृग तिये देत मिलाय॥११॥ | रवि उत्तरे

मं ॥ऽऽ मो० यु० रा० वे सिं० चं १।१५ म ५३।१६ उ०
म १४।२ बा० अवे१ऽकें: ५४।५३ संकष्ट ४ गणेश ४
उ० ऽ॥ऽऽ।ऽ॥ मो०ला०क०चं० ३१।१५
ह ॥ऽ वे० गु० ऽसि० नि० ऽकें: ५६।२१
म २०।५४ उ० ४९।१६ या० तु० चं० ४५।२५
स्वा ० ।ऽ।ऽ या०शु०वे० वक्रीबु: ४२।५१
बृ०चं०५४।३८ सार्पे वक्री कर्के भौमः ५८।३२
म ३५।४५ उ० ऽनु ऽ॥ऽ॥ बु० ला०
म ३।१या० पूर्मा १ भृगुः ३।५२आर्द्रा४वक्री शनिः ३।१७ षट्तिला ११ व्रत

मू॥ऽऽऽऽ॥ श० या० घ० चं १।१४ पश्चिमेऽस्ते बु: २।५१
म ४५।४३ उ० भौमप्रदोषः फरवरी २९
उ० ऽ॥ऽऽ॥ शु० ला० म० चं० ७।५५ म १२।५७ या०
भौमा ३०

पं०४ १ ति० भू० मिश्र ४३।२३ दिनमान २६।४५

उ	उ	उ	उ	उ	उ	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
०९	०४	०९	११	१०	०२	०९	०३
११	०१	२७	०५	१६	२०	१५	१५
४६	०५	०३	१२	४१	१६	२९	२९
४२	२५	४४	३७	०४	५१	५४	५४
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	व	व	मा	मा	व	व	व

११ शु, बु, रा१० शु, १२, बृ, १, मं, ७, के, ४, २, ३ श, ५, मं, ६, ८, ९

अथ माघमासफलम्।

दोहा–माघ मास भृगु पांच हैं, उत्तम होय बसंत।
खोटे दिन अब ना रहे हुवा नीच का अन्त॥१॥
महिंगी होय कपास कुछ, घर घर मंगलचार।
धन्धा सबका भाग सम, लगै समय अनुसार॥२॥
सस्ते हों कुछ धान तृण, मीठा नमक अफीम।
पाला पड़े बजार में, बैठे लखें हकीम॥३॥
मीठा सीठा सर्वरा, समता गहै पराल।
मध्यम फल इस मासका, भाषै जीयालाल॥४॥

पं० ४४ ति० ३० भू० मिश्र ४३।३३ दिनमान २७।०७

११ शु, बु, चं १० बु, रा, १२, सू, ९, ७, के, ४, मं, ८, २, ३, ५, ६

उ	उ	ऽस्त	उ	उ	उ	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
०९	०३	०९	११	१०	०२	०९	०३
२०	२०	२५	०५	२५	१९	१५	१५
५७	२३	२८	३१	०६	५०	१७	१७
०७	५०	१८	१९	१२	२७	३९	३९
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	व	व	मा	मा	व	व	व

ति. १६ | श्रीसम्वत् १९७२ शाके १८३७ माघशुक्ल | तारीख | जै वि. मा. | सूर्य्यः | गतः

योग	ति	वा	घ	प	न	घ	प	यो	घ	प	क	घ	प	क	फा	ई	ति.	घ	प	प्र	सूर्य्यः	गतः
प्रजा.	०१	शु	३०	०१	घ	४३	३५	व	४८	४५	कि	०२	५४	व	१९	४	०१	२७	११	२२	[illegible]	[illegible]
आनंद	०२	श	२७	०६	श	४१	४२	प	४३	०१	कौ	२७	०५	तै	३०	५	०२	२७	१४	२३	[illegible]	[illegible]
खर	०३	र	२४	३५	पु	४१	०२	शि	३८	१०	ग	२४	३५	व	१	६	०३	२७	१७	२४	[illegible]	[illegible]
गदाख	०४	चं	२१	०७	[illegible]	४१	२२	सि	३४	११	बि	२१	०७	व	२	७	०४	२७	२०	२५	[illegible]	[illegible]
शुभ	०५	मं	२१	०३	रे	४३	०५	सा	३१	१०	बा	१३	०३	कौ	३	८	०५	२७	२३	२६	[illegible]	[illegible]
मृत्यु	०६	बु	२४	०८	अ	४६	००	शु	२९	०९	तै	२०	०८	ग	४	९	०६	२७	२६	२७	[illegible]	[illegible]
पद्माख्य	०७	बृ	२६	१२	भ	५०	०८	शु	२८	०६	व	२६	१२	वि	५	१०	०७	२७	३०	२८	[illegible]	[illegible]
छत्र	०८	शु	३०	०६	कृ	५५	१८	ब्र	०७	५६	व	३०	०६	बा	६	११	०८	२७	३३	२९	[illegible]	[illegible]
श्रीवत्स	०९	श	३४	२४	रो	६०	००	ऐं	२८	३४	बा	०२	२०	कौ	७	१२	०९	२७	३६	फा १	[illegible]	[illegible]
प्रजा.	१०	र	३९	३४	रो	०१	०२	वै	२९	३५	तै	०७	०४	ग	८	१३	१०	२७	४०	२	[illegible]	[illegible]
आनंद	११	चं	४४	५६	मृ	०६	१७	वि	३०	१३	व	१२	१२	वि	९	१४	११	२७	४३	३	[illegible]	[illegible]
घ	१२	मं	४९	२५	आ	१३	१४	प्री	३१	५८	व	१७	२३	बा	१०	१५	१२	२७	४६	४	[illegible]	[illegible]
गदा	१३	बु	५४	३३	पु	२०	१९	आ	३३	००	कौ	२२	१४	तै	११	१६	१३	२७	५०	५	[illegible]	[illegible]
शुभ	१४	बृ	५८	१८	पु	२५	३६	सौ	३३	२४	ग	२६	२६	व	१२	१७	१४	२७	५३	६	[illegible]	[illegible]
मृत्यु	१५	शु	६०	००	श्ले	३०	०५	शो	३३	१८	वि	२९	४०	व	१३	१८	१५	२७	५६	७	[illegible]	[illegible]
पद्माख्य	१५	श	०१	०१	म	३३	१९ऽ	गं	३१	३४	व	०१	०१	बा	१४	१९	०१	२७	५९	८	[illegible]	[illegible]

श्रीजैन सम्वत् २४४२

माघ अंधेरी बल बसी, कर फागण की आश ॥

शिशिरऋतुः
रवि उत्तरायणं

कुं. चं १४।५३

चन्द्र. दर्शन. बकरी. ईद. बूढे बाबू १ * ५५।२३ वर्ष०४रविउत्तमाबार २९

धनेष्ठे १ Sर्कः ०।४३ मी. चं. २६।१२ म ५३।५१ उ. अश्वे ४ बको बु: *

म २३।०७ या. पूर्मा ४ मीनेभृगुः २६।५४ व ॥SIS॥ रे. रे.९।S॥॥

मे. चं. ४३।०५ बसंत ०५

रथ ०६ अरुणोदय स्नान.

उशा १ भृगुः १४।४६ म २६।३२ उ ५८।१९ या. मन्वादि० ७ अचला० ७

वृ. चं ६।२५ भीष्म तर्पणम् ८

धनेष्ठ ३ सं. कुंवेSर्कः ३४।४९ बु. ४५ उ. आमनप्रवेशः ५६।० क. मकर

मि. चं. ३३।४४ दशावृत्यवनम

म १२।१२ उ ४४।५१ या. जया ११ व्रतं

पूर्वाविर्थ ॥ ५४।४३

कं. चं. ३।४३ प्रदोषः

म ५८।१८ व.

म २९।४० या. म ॥IS बु. रा. बे सिं. चं १०।५

शनां १ Sर्कः १०।२२ मार्गीशः १४।४३ माघस्नानसमाप्त होरिहारा १५

प० ४५ ति० ८ शु० मिश्र ४३।४७ दिनमान२७।३३

ब	ब	अस्त	व	व	व	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
०९	०३	०९	११	११	०२	०९	०३
२९	२५	१८	०७	०४	१९	१४	१४
०४	०५	४१	०५	४१	२५	५३	५३
१९	५५	१०	१७	४२	०८	१३	१३
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	व	व	मा	मा	व	व	व

अथ कुंभ संक्रान्ति कथनम् ।

दोहा-माघ धवल पख नवम शनि, कुम्भ राशिगत भानु ॥
पैंतालीस विनाट पर, आदि भोग बलवान ॥१॥
गीताछन्द-बाराह वाहन लाल उपवाहन वृषभ पद हरितहो ॥
कर खड्ग भोजन नीरचन्दन तिलक अँगिया [illegible]॥
फल राग मुक्तामाल जात भुजंग ताम्र तमालिका॥
कर फूल बकुल सुगन्धकारी [illegible] ठाढ़ गतालिका॥२॥
दोहा-शीत [illegible] शीतला, सुखी होय चंडाल ॥
अकरी बिकै कपास कछु, भाषै जीवालाल ॥१॥

पं० ४६ ति० १५ शु० मिश्र ४३।५९ दिनमान२७।५९

ब	ब	व	व	व	व	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
१०	०२	०१	११	११	०२	०९	०३
०७	११	१५	०९	१४	१९	१४	१४
११	४०	२८	[illegible]	०८	०४	[illegible]	[illegible]
४१	५८	०४	००	३६	३६	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	व	मा	मा	मा	व	व	व

ति १४ | श्रीसम्वत् १९७२ शाक १८३७ फाल्गुनकृष्ण | तारीख | उ दि.मा | सूर्यः | ग्रह

योग	ति	वा	घ.	प.	न	घ.	प	यो	घ.	प.	क	घ	प	क	फा	ई	ति	घ.	प	प्रवि.	ग्रह					
छत्र	०१	र	०२	२३	पू	३५	३९	शु	२९	१७	कौ	०२	२३	तै	१५	२०	०२	२८	०३	९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
श्रीव.	०२	सो	०२	२९	उ	३६	४१	धृ	२५	५८	ग	०२	२५	व	१६	२१	०३	२८	०७	१०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
सौम्य	०३	मं	०१	२०	ह	३६	२५	शू	३१	४२	वि	०१	२०	व	१७	२२	०४	२८	११	११	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
ध्वज	०४	मं	५८	५५	अर्ध	है	म	००	००	००	व	२०	२८	पा	००	००	००	००	००	००	०	०	०	०	०	०
काल.	०५	बु	५५	३१	चि	३५	००	गं	१६	३२	कौ	२६	१३	तै	१८	२३	०५	२८	१५	१२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
स्थिर	०६	गु	५१	१४	स्वा	३२	२७	वृ	१०	३९	ग	१२	२२	व	१९	२४	०६	२८	१९	१३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मातंग	०७	शु	४६	१०	वि	२९	४१	ध्रु	०४	०५	वि	१८	४२	ब	२०	२५	०७	२८	२३	१४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
अमृत	०८	श	४०	१८	ऽअनु	२६	०७	व्या	४९	३५	बा	१३	२४	कौ	२१	२६	०८	२८	२७	१५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
काण.	०९	र	३४	५१	ज्ये	२२	०८	ह	४१	५०	तै	०७	४४	ग	२२	२७	०९	२८	३१	१६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
शुभ.	१०	सो	२९	००	मू	१८	०१	व	३४	०७	व	०१	५८	वि	२३	२८	१०	२८	३५	१७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मित्र.	११	मं	२३	०८	पू	१२	५४	सि	२६	३४	बा	२३	०८	कौ	२४	२९	११	२८	३९	१८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
वज्र	१२	बु	१७	४२	उ	१०	०४	व्य	१९	००	तै	१५	४२	ग	२५	मा	१२	२८	४३	१९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
ध्वजः	१३	गु	१२	२४	श्र	०८	४९	व	१२	३१	व	१२	३४	वि	२६	२	१३	२८	४७	२०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
प्रजा	१४	शु	०८	०९	ध	०४	०८	शि	०५	१५	श	०८	०९	च	२७	३	१४	२८	५१	२१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
आमव	३०	श	०४	३७	श	०२	०५	सि	५४	१८	ना	०४	३५	कि	२८	४	३०	२८	५५	२२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

क्या ००।०३ सि ५९।१४ श्रीजैनसम्वत्२४४२
शशि दग सर रहना रटै बहु रुलांई सास ॥ १२ ॥

शिशिर ऋतुः
रवि उत्तरायणे

उ ॥ ऽऽ।॥ र. क्षा. क. चं ५०।५४
रे. ब्रे १ मृगुः ३०।४३ म ३१।५५ उ
म ०१।२० या ह ऽऽ। ऽ श. क्षा. या. गु. वे. गणेश०४
०
स्वा. ॥ऽ र. वं. क्ता. सा.
म ५१।१४ उ.
म १८।४२ या. ऽनु ॥।॥ऽ॥ मृ. चं १५।२५
सीताजन्म ०८
मू ॥ऽऽऽऽ॥ श. आ. चो. बा. ध चं २२।०८
म ०१।५५ उ. २९।०० या
उ ।ऽ।ऽऽ॥॥ या. रो. बा. म. चं २७।५८ विजया ११ प्रथम
प्रदोष व्रतं मार्च ११
म ११।३४ उ. ४०।३६ या कुंभचन्द्रमां ३५।३९ महाशिवरात्रि १४
धनेष्टे १ ब्रः १८।५७ पूर्सां १ ऽकः २४।३२ ऽभ्बे १ मेष मृगुः ५०।२७
मी. चं ४६।१५ खप्परमरणी ३०

पं. ४७ ति. ८ श. मिश्र ४४।१२ दिनमान २८।२३

उ	उ	उ	उ	उ	उ	०	०
सू	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
१०	०१	०९	११	११	०२	०५	०३
१४	१२	१८	२१	२२	१८	१४	१४
१६	१४	१३	१८	२०	५१	०५	०५
३०	०७	५५	३३	५९	५९	३२	१२
६० ३२	१९ ०५	३८ ०८	२२ ३३	०३ ३५	०० ५५	०८ ११	०३ ११
मा	व	मा	मा	मा	व	व	व

१२ सू ११ १० ९ १ चं २ ८ श ३ ५ ७ ४ मं के ६

अथ फाल्गुण मासफलम् ।

दोहा- फागण फीका माघ सं, थोड़ा बरसे रंग ॥
बाधा बढ़े जहानमें, विसरे चाव उमंग ॥ १ ॥
रोग शीतला भय करे, प्रजा बिना सन्मान ॥
घर घर होवे श्वान सम, दानदार बलवान ॥ २ ॥
अन्न माव इस मासमें, दीखत है सामान ॥
कहूं कुछ घट जाय तो, अचरज नहीं सुजान ॥ ३ ॥
खप्परमरणी मन्वदिन योग निपट विकराल ॥
स्वामी माया दया करें, मांग श्री[illegible] ॥ ४ ॥

पं. ४८ ति. ३० श. मिश्र ४४।२८ दिनमान २८।५५

१२ सू ११ १० ९ १ चं २ ८ श ३ ५ ४ ७ मं के ६

उ	उ	उ	उ	उ	उ	०	०
सू	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
१०	०३	०९	११	००	०२	०१	०३
२१	१७	२४	१२	००	१८	१३	१३
१८	४०	५६	५२	३९	४५	४३	४३
३१	५१	२७	०५	२२	०९	१७	१५
६० १०	१४ ११	७५ ०८	१४ ४८	६९ ०२	०० ५५	०३ ११	०३ ११
मा	व	मा	पा	मा	व	व	व

त.१५ | श्रीसम्वत् १९७० शाके १८३७ फाल्गुण शुक्ल | तारीख | जैन | दिनमान | सूर्य: | गत

योग	ति	वा	घ.	प.	न.	घ	प.	यो	घ	प	क	घ.	प	क	फा	ई.	ति	घ.	प	दिनमान	सूर्य				गत	
घर	०१	र	०२	१२	पु	००	५९	शु	५०	०९	व	०१	१६	बा	२८	५	०२	२८	५९	२३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
गदा०	०२	चं	००	३६	उ	०१	१४	शु	४६	५२	कौ	००	३४	तै	१	६	०३	२९	०३	२४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
शुभ	०३	मं	००	२१	रे	००	३७	ब्र	४४	३०	ग	००	२१	व	२	७	०४	२९	०७	२५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मृत्यु	०४	बु	०१	३३	अ	०५	०८	ऐं	४३	२०	वि	०१	३३	व	३	८	०५	२९	११	२६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
पद्मा०	०५	बृ	०३	५७	भ	०९	२६	वै	४२	५६	बा	०३	५७	कौ	४	९	०६	२९	१५	२७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
छत्र०	०६	शु	०७	३४	कृ	१३	५८	वि	४३	१४	तै	०७	३४	ग	५	१०	०६	२९	२०	२८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
श्रीव०	०७	श	१२	०१	रो	१९	४६	प्री	४४	२८	व	१२	०१	वि	६	११	०७	२९	२४	२९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
प्रजा०	०८	र	१६	५७	मृ	२६	१०	आ	४५	४२	व०	१६	५७	बा	७	१२	०८	२९	२८	३०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
कालदं	०९	चं	२२	००	आ	३२	३२	सौ	४७	००	कौ	२२	००	तै	८	१३	०९	२९	३२	च१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
स्थिर	१०	मं	२७	०४	पु	३८	४१	शो	४८	१०	ग	२७	०४	व	९	१४	१०	२९	३६	२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मातंग	११	बु	३१	४२	पु	४३	२९	ऽगं	४८	५२	वि	३१	४२	व	१०	१५	११	२९	४०	३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
अमृत	१२	बृ	३५	२०	श्ले	४९	१२	शु	४८	३८	ग	०३	३१	बा	११	१६	१२	२९	४४	४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
काण	१३	शु	३७	५१	म	५१	५२	धृ	४८	००	कौ	०६	३६	तै	१२	१७	१३	२९	४८	५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
लुम्बक	१४	श	३९	७	पू	५५	०८	शू	४५	३६	ग	०८	३९	व	१३	१८	१४	२९	५२	६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मैत्र	१५	र	३९	०८	उ	५६	३४	गं	४२	४२	वि	००	००	व	१४	१९	१५	२९	५५	७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

श्रीजैन सं० २४४२

होरी आई धूमकी घरघर चाव उमंग ॥

शिशिरऋतु: रवि उत्तर

पुष्प ४ वक्रीभौम: ४४।३५ उ०।ऽ।।।चन्द्र०दर्शनरूपा०द फुलेरा०२

रे।।।ऽ।।जमादि उलअव्वल१०

मे०चं०२।२७म१०।५७उ०

म०१।३३या०वनेष्टे १ कुंभेबु: ३०।०३

वृ०चं२५।२७

रो ऽ।।।।।।गु०ला

म१२।०१उ०४४।२९या०।मि०चं५२।५८

नन्दीश्वर व्रता:ऽ:होलाष्टक०८

शतां०१बु:११।५६गुमा०४सं०मीनेऽऽं:२४।४६गु०१५सू० आवम४७।१५ल.घ

कें०चं०२२।१२मार्गीभौम ४३।४०म५९।२३उ

मरे१भूगु:२३।२४म३१।४२या०आमर्दकी१५व्रतं

उभां१ऽक:४४।५०मार्गीशनि:४७।५८ सिं०चं०४९।१२

प्रदोषव्रतं०

म३९।०७उ०

म०९।००या०क०चं०१०।१३०होलिकादहन०१५

पं० ४९ ति० ८ राव०मिश्र४४।४४ दिनमान२९।२८

व	व	उ	उ	उ	व	००	००
सू	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
१०	०३	१०	११	००	०२	०९	०३
२९	१६	०५	१४	०९	१८	१३	०३
१९	०८	४०	४१	५२	४२	१७	१७
०८	३९	३८	३३	१०	०३	५१	५१
५९	०१	८५	१२	६६	००	०३	०३
मा	व	मा	मा	मा	व	व	व

अथ मीनसंक्रांतिकथनम् ।

दोहा-फाल्गुण शुक्ला दशम कुज, मीनराशि दिननाथ ॥
सकलमुहूर्तपंचदश, अंतभोग सुख साथ ॥ १ ॥

गीताछन्द ।

वाहन गधा उपप्रेष मगर्वाँ वस्त्र तरुणाई भली ॥
कर पात्र कांसा दंड आयुध जाति राक्षसदलमली ॥
रज तिलक भष पकवान आँगिया भोजपत्र मकान है ॥
करकेतकी का फूल मुँगाहार फल कल्यान है ॥ २ ॥

दोहा-शीत घटै चिंता बढ़ै, अन्न दिखावे चाल ।
फीकी होरी होयगी, मावै ओयाकाल ॥ ३ ॥

पं० ५० ति० १५ र० मिश्र ४४।५८ दिनमान २९।५५

व	व	व	व	उ	व	००	००
सू	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
११	०३	१०	११	००	०२	०९	०३
०६	१६	२६	१६	१०	१८	१२	१२
१७	२०	३६	१६	०५	४६	५५	५५
४५	१०	०८	४१	१०	४०	३६	३६
५९	०१	११	११	६८	००	०३	०३
मा	म	मा	मा	मा	मा	व	व

ति १४ | श्रीसम्वत् १९७२ शाके १८३७ चैत्रकृष्ण | तारीख | अं | दि.मान | सूर्यः | गतः

योग	ति	वा	घ	प	न	घ	प	यो	घ	प	क	घ	प	क	फा	इं	ति	घ	प	प्रविष्टा	सूर्यः				गतः	
वज्र	१	चं	३७	११	ह	२६	२४	वृ	३८	४५	बा	०८	३०	कौ	१५	३०	१	२९	५९	८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
ध्वांक्ष	२	मं	३५	२२	चि	५५	२४	ध्रु	१३	५५	तै	०६	३७	ग	१६	२१	२	३०	०३	९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
धूम्र	३	बु	३१	३३	स्वा	५३	१९	व्या	२८	१८	व	०३	३७	वि	१७	२२	३	३०	०७	१०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
प्रवर्ध	४	बृ	२७	३३	वि	५०	११	ह	२२	०१	बा	१७	३३	कौ	१८	२३	४	३०	११	११	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
राक्षस	५	शु	२२	११	ऽनु	४६	५६	व	१५	१२	तै	२२	११	ग	१९	२४	५	३०	१५	१२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मुसल	६	श	१६	४२	ज्ये	४१	५६	सि	०७	४०	व	१६	४२	वि	२०	२५	६	३०	१९	१३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
सिद्धि	७	र	१०	१२	मू	३८	१९	व्य	००	९	व	१०	५३	बा	२१	२६	७	३०	२३	१४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
उत्पात	८	चं	०४	०५	पू	३४	५३	प	४४	५३	कौ	०४	११	तै	२२	२७	८	३०	२७	१५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	९	चं	५९	०५	अव म	००	०	००	००		तै	२९	३२	ग	००	००	००	३०	००	००	०	०	०	०	०	०
मानस	१०	मं	५३	२६	उ	३	०१	शि	३७	१७	व	२६	१६	वि	३३	२८	१०	३०	३३	१६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
छत्र	११	बु	४८	१६	श्र	२७	३६	सि	३०	०७	ब	२०	५१	ब	२४	२९	११	३०	३५	१७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
श्रीव.	१२	बृ	४३	१२	ध	२४	१९	सा	[illegible]	४५	कौ	१६	०८	तै	२५	३०	१२	३०	३९	१८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
सौम्य	१३	शु	००	१६	श	२०	२०	शु	१७	३०	ग	३२	०४	व	०६	३१	१३	३०	४३	१९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
कालदं.	१४	श	३७	३७	पू	३५	३४	शु	३२	९	वि	०८	४४	श	१७	अ९	१४	३०	४७	२०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
स्थिर	३०	र	३६	०२	उ	२१	०६	ब्र	०७	५१	च	०६	११	ना	२८		२	३०	३०	५२ २१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

म ५२।३६ श्रीजैन सम्वत् २४४२

अगला साल सुहावना, सून्वा बन्या संग ॥ १३ ॥

शिशिर ऋतुः
रवि उत्तरायणे

पश्चिमो स्तं गुरुः ०९।४६ पूर्वोऽ तं बुः ५७।२१ धूलडोल०१

पूर्मां १ बुः २३।१२ तु. चं २५।४९

रेवे १ गुरुः ००।४७ म ०३।३७ उ. ३१।५३ या. गणेश ०४

सार्पे १ भौमः २४।२४ वृ. चं ३६।०७

रंग ०५.

म १६।४२ उ ४३।४८ या. ध. चं ४२।५६

कुंभे १ भृगु ००।०९ पूर्मां ४ मीने बुः ०३।५८ म. च ४८।५५

०

म २६।१६ उ ५३।२६ या. उर्मां १ बुः ५८।५९

कुंभे २ वृषभृगुः ५१।०० कु ५६।०७ पापमोचनी ११ व्रतम्

रेवे १ ऽर्कः १३।१३ आरणीपर्व २४ या.

म ४०।१६ उ.

मी. चं ६।१६ म ०८।५७ या. अप्रेल १०

मन्वादि ३०

पं० ५१ लि ० रविःमिश्र ४५।१२ दिनमान ३०।२१

उ	उ	ऽस्त	ऽस्त	उ	उ	०	०
सू	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
११	१	१०	११	००		५	३
११	१६	२०	१८	२०	३८	१०	३५
१४	४४	४०	००	५०	१२	३१	३१
३०	१९	५३	४५	३४	५८	२५	२१
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व



अथ चैत्रमास फलम् ।

दोहा–चैत्रमास शशि पांचवें, अच्छे फलकी आश ॥
साठ तिहत्तर (७३) शुभ मिले, पसा है विश्वास ॥ १ ॥
अलसी अ शा है नहीं, मीठा तेजी खास ॥
खेती साढ़ी सुख भरी, अन्न फले लहराय ॥ २ ॥
गेहूं चावल नारियल, गुड़ घृत हलदी तेल ॥
अकोर हो अचरज नहीं, कुदरत खेले खेल ॥ ३ ॥
शशी भूपाल दिवान बुध, ऐसा अगला साल॥
आनन्द मंगल होय नित, भाषे जीयालाल ॥ ४ ॥

पं० ५२ लि ३० रविः मिश्र ४५।२५ दिनमान ३०।५१



उ	उ	ऽस्त	ऽस्त	उ	उ	०	०
सू	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
११	०३	११	११	०१	२	९	३
२०	१७	११	१९	०३	१९	१७	१२
९	०८	३८	४३	४०	०८	११	११
३०	४७	१६	०३	०४	५८	०६	०६
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व

नक्षत्र	योनि	वैर	गण	नाड़ी
अश्विनी	अश्व	महिष	देवता	आद्य
भरणी	गज	सिंह	मनुष्य	मध्य
कृत्तिका	मेष	मर्कट	राक्षस	अंत
रोहिणी	सर्प	नकुल	मनुष्य	अंत
मृगशिरा	सर्प	नकुल	देवता	मध्य
आर्द्रा	श्वान	मृग	मनुष्य	आद्य
पुनर्वसु	मार्जार	मूषक	देवता	आद्य
पुष्य	मेष	कपि	देवता	मध्य
श्लेषा	बिल्ली	चूहा	राक्षस	अंत
मघा	मूषक	मार्जार	राक्षस	अंत
पूर्वा फा०	गाय	व्याघ्र	मनुष्य	मध्य
उत्तरा फा०	गाय	व्याघ्र	मनुष्य	आद्य
हस्त	महिष	अश्व	देवता	आद्य
चित्रा	व्याघ्र	गाय	राक्षस	मध्य
स्वाति	महिष	अश्व	देवता	अंत
विशाखा	मृगेन्द्र	गाय	राक्षस	अंत
अनुराधा	मृग	श्वान	देवता	मध्य
ज्येष्ठा	मृग	श्वान	राक्षस	आद्य
मूल	श्वान	मृग	राक्षस	आद्य
पूर्वाषाढ़	कपि	मेष	मनुष्य	मध्य
उत्तराषाढ़	नौला	सर्प	मनुष्य	अंत
अभिजित	नौला	सर्प	मनुष्य	अंत
श्रवण	मर्कट	मेष	देवता	अंत
धनिष्ठा	सिंह	गज	राक्षस	मध्य
शतभिषा	अश्व	महिष	राक्षस	आद्य
पूर्वा-भाद्र	सिंह	गज	राक्षस	आद्य
उत्तराभाद्र	गाय	व्याघ्र	मनुष्य	मध्य
रेवती	गज	सिंह	देवता	अंत

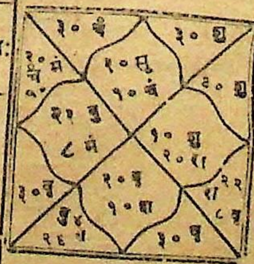
मूल

पत्र	५	राजमंत्री
पुष्प	६	परिवार
फल	५	लाभ
शाखा	११	कुलनाश
त्वचा	१०	आयु
गुद्दा	८	मातानाश
स्तम्भ	५	पितानाश
मूल	८	भ्राताना०

अरिमित्रोदासीनचक्रम् ।

ग्रहा	सू	च	मं	बु	बृ	शु	श
मित्रः	चं मं बृ	०० सू बु	सू चं बृ	०० सू शु	सू चं मं	०० बु श	०० बु शु
सम	बु	मं बृ शु श	श शु	मं बृ श	श	मं बृ	बृ
शत्रुः	शु श	० ०	बु ०	च ०	शु बु	सू चं	सू चं मं

अथ दिनदशाचक्रम् ।



कालचक्र

सू	उत्तर
च	वायव्य
मं	पश्चिम
बु	नैर्ऋत्य
बृ	दक्षिणः
शु	अग्निः
श	पूर्व
श	ईशान

अथ सन्मुख चन्द्रमा

मेषे च सिंहे धनुपूर्वभागः वृष च कन्या मकरे च याम। मिथुने तुले कुंभ स्तपश्चिमायां। कर्कालि मीने दिशिचोत्तरायाम् ॥ १ ॥ सन्मुखे अर्थलाभाय दक्षिणे सुखसम्पदा। पृष्ठता प्राणनाशाये वामे चन्द्र धनक्षयम् ॥ २ ॥ १।५।९ पूर्व २।६।१० दक्षिण ३।७।११ । पश्चिम ४।८।१२ । उत्तर

अथ गुरु शु० ऽस्तवर्जित कर्म

वापी कूप तडाग यज्ञ गमनेषु क्षौरे प्रतिष्ठा व्रतम्। विद्यामंदिर कर्णवेधन महादाने गुरो सेविसं तीर्थस्नान विवाहकार्यं भवनं मंत्रोपदेशे शुभौ ॥ दूरेणैव विवर्जयेत परिहरेऽस्तं गुरोर्भार्गवम्।

यागिनीचक्र

१	९	पूर्व
२	१०	उत्तर
३	११	अग्नि
४	१२	नैर्ऋत्य
५	१३	दक्षिण
६	१४	पश्चिम
७	१५	वायव्य
८	३०	ईशान

अथ दिक्शूलचक्रम् ।

उत्तर

मंगल बुध

पश्चिम शुक्र रविः

दिशा शूल ले जवो वामे, राहु योगिनी पूठ। सन्मुख लेवे चन्द्रमा, लावे लक्ष्मी लूट ॥ १ ॥

सोम शनि पूर्व

बृहस्पतिः

दक्षिण

अथ चन्द्रघातचक्रम् ।

मे	वृ	मि	क	सिं	क	तु	वृ	ध		कुं	मी
१	८	७	९	६	३	४	२	१०	११	५	१२

वर्ण विचार	ब्रा	क्ष	वै	शू
	४	१	२	३
	८	५	६	७
	१२	९	१०	११

अथ गोचरग्रहाः

सू	चं	मं	बु	बृ	शु	श	रा	के
००	०२	०६	०२	०१	०२	०३	०३	०३
०३	०३	००	०३	०५	०४	०६	०६	०६
०३	०५	०३	०५	०७	००	००	००	००
००	०६	१०	०७	०९	०७	००	००	००
१०	०७	००	०९	१०	०९	१०	१०	१०
०९	०९	००	१०	००	१०	००	००	००
००	१०	००	११	११	००	११	११	११
११	११	११	००	००	११	००	००	००

अथ ग्रहाणां दशा तथा दृष्टि तथा वर्ष संख्या उपायादि चक्रमिदम् ।

सू	चं	मं	बु	बृ	भृ	श	रा	के	नवग्रहादि
०६	१०	०७	१७	१६	२०	१९	१८	०७	विंशोत्तरीदशा१२०वर्ष
०६	१५	०८	१७	१९	२१	१०	१२	००	अष्टोत्तरीदशा१०८वर्ष
पिं २	मं १	भ्रा.४	भ ५	धा.३	सि.७	उ.६	सं.८	००	योगिनीदशा ३६ वर्ष
३।१०	३।१०	५।९	३।१०	४।८	३।१०	५।९	००	००	ग्रहणां १ पाददृष्टिः
५।९	५।९	३।१०	५।९	०७	५।९	४।८	००	००	ग्रहाणां २ पाददृष्टिः
४।८	४।८	५।९	४।८	३।१०	४।८	०७	००	००	ग्रहाणां ३ पाददृष्टिः
०७	०७	४।८	०७	५।९	०७	३।१०	००	००	ग्रहाणां सम्पूर्णदृष्टिः
२२	२४	२८	३२	१६	२५	३६	४२	४२	ग्रहफल वर्षसंख्या
हरिवंश	त्रिपुर	रुद्रम्	विष्णुनाम	क्षमा	चण्डी:	मृत्युः	भुजंग	ध्वज	नवग्रह उपाय
मास ०१	दिन २१	मास १८	मास ०१	मास १३	मास ०७	मास ३०	मास १८	मास १८	ग्रह एक राशि भुक्तप्रमाणम्
माणक	मोती	प्रवाल	पन्ना	पुखराज	हीरा	नीलम	फीरोजा	लहसनियाँ	ग्रहाणां रत्ननाम
मेष	वृष	मकर	कन्या	कर्क	मीन	तुला	मिथुन	धन	उच्च ग्रहाणाम्
तुला	वृश्चि	कर्क	मीन	मकर	कन्या	मेष	धन	मिथुन	ग्रहों के नीच वर्ण
लाल	श्वेत	रक्त	हरित	पीत	श्वेत	श्याम	कृष्ण	नील	ग्रहों के रंग रूप

अथ विवाहे गुरुबलम्

०२	०५	०७	०९	११	शुभम्
०१	०३	०६	१०	००	पूज्यम्
०४	०८	१२	००	००	नेष्टम्

अथ विवाहे सूर्यबलम्

०३	०६	१०	११	००	शुभम्
०१	०२	०५	०७	०९	पूज्यम्
०४	०८	१२	००	००	नेष्टम्

अथ सर्वघात चक्रम्

मे	वृ	मि	क	सिं	क	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	राशीः
०४	०८	१२	०५	०१	०१	६	१०	०७	११	०२	०३	सूर्यघात
०१	०५	०९	०२	०६	१०	०३	०७	०४	०८	११	१२	चन्द्रघात
०५	०९	०१	०६	१०	०२	०७	११	०८	१२	०३	०५	भौमघात
०२	०६	१०	०३	०७	११	०४	०८	०५	०९	१२	०१	बुधघात
०६	१०	०२	०७	११	०३	०८	१२	०९	०१	०४	०५	गुरुघात
०३	१०	११	०४	०८	१२	०५	०९	०६	१०	०१	०२	भृगुघात
०७	११	०३	०८	१	०१	०९	०४	१०	०२	०५	०६	शनिघात
०८	०७	०६	०४	०५	१०	१२	०१	०२	०९	११	०३	राहुकेतुघात
र	र	त	स	स	त	स	र	र	त	स	स	गुणघात
म	ह	स्वा	अनु	मू	श्र	श	रे	भ	रो	आ	श्ले	नक्षत्रघात
०१	०२	०५	०७	१०	११	०६	०८	०९	११	०३	०५	लग्नघात
र	श	चं	बृ	श	श	बृ	गु	शु	मं	बृ	शु	वारघात
का	मा	पौ	मा	ज्ये	चै	वै	ज्ये	आ	श्र	मा	आ	मासघात
०१	०५	०९	०२	०३	०५	०४	०१	०३	०४	०३	०५	
०६	१०	०७	०७	०८	१०	०९	०६	०८	०२	०८	१०	
११	१५	१२	१२	१३	१५	१४	११	१३	१४	१३	१५	तिथिघात

सप्तनाड़ी चक्रमिदम्

शनि	रवि	भौम	गुरु	भृगुः	बुधः	चन्द्रः
भ	कृ	रो	मृ	आ	पु	पु
श्ले	म	पू	उ	ह	चि	स्वा
वि	अनु	ज्ये	मू	पू	उ	अ
श्र	ध	श	पू	उ	रे	अ
चण्डा	वायु	दहन	सौम्या	नीरा	जला	अमृता

अथ चंद्रबलकजनपायाचक्रं

०१	०२	०५	००	चांदी	शुभम्
०३	०७	१०	००	ताम्र	समम्
०६	११	००	००	सोना	मध्यम
०४	०८	०९	१२	लोहा	नेष्टम्

दिन का चौघड़िया

सू	चं	मं	बु	बृ	शु	श	घ
उ	मृ	रो	ला	शु	च	का	४
च	का	उ	मृ	रो	ला	शु	४
ला	शु	च	का	उ	अमृ	रो	४
अमृ	रो	ला	शु	च	का	उ	४
का	उ	अमृ	रो	ला	शु	च	४
शु	च	का	उ	अमृ	रो	ला	४
रो	ला	शु	च	का	उ	अमृ	४
उ	अमृ	रो	ला	शु	च	का	४

रात्रिका चौघड़िया

सू	चं	मं	बु	बृ	शु	श	घ
शु	च	का	उ	अमृ	रो	ला	४
अमृ	रो	ला	शु	च	का	उ	४
च	का	उ	अमृ	रो	ला	शु	४
रो	ला	शु	च	का	उ	अमृ	४
का	उ	अमृ	रो	ला	शु	च	४
ला	शु	च	का	उ	अमृ	रो	४
उ	अमृ	रो	ला	शु	च	का	४
शु	च	का	उ	अमृ	रो	ला	४

नष्टवस्तुज्ञानचक्रमिदम्

अन्धाक्ष	रो. पु. उ. वि. पू. ध. रे.	[illegible]
मन्दाक्ष	मृ. श्ले. ह. ज्ये. उ. श. अ.	[illegible]
मध्याक्ष	आ. म. चि. मू. अभि. पू. भ.	[illegible]
सुलोचन	पु. पू. स्वा. मू. श्र. उ. कृ.	[illegible]

दस हजार रुपये

यह पुस्तक नागरी भाषा में बहुत उत्तम छपी हुई है।

जो साहिब रोज़गार के इच्छुक हों, और रुपया कमाना चाहते हों वह हमारी प्रसिद्ध और नामी पुस्तक पांच सौ व्यापारको अवश्य खरीदें। इसमें उम्दह२ रोज़गारों के पांच सौ हुनर इस ढंग और सफाई से लिखे गए हैं कि प्रत्येक जन बड़ी सुगमता से बनाकर हज़ारों रुपये कमा सकता है। पांच सौ व्यापार में अंग्रेजी देशी साबुन बनाने के नुसखे, बाल उड़ाने का साबुन, पौडर, अर्क, बाल आयु भर न उगने के ५ मुजरिब नुसखे, बाल काले करने के विचित्र खिज़ाब, जिन से हज़ारों रुपये कमाओ, इसके भिन्न घड़ी साज़ी फोटोग्राफी, तारवर्की, हकीम का काम, डाक्टर का काम, दियासलाई, रवड़ का छापा, मोहरें, गेंद खिलौने, रवड़ का कलमदान बनाना, काग़ज़, टीन लोहे के बटन, चांदी सोने का वृक्ष बनाना, जादू का करम, तिलस्मी सांप बत्ती फीता, बिजली का यंत्र, जादू की अंगूठी, गन्धक का गिलास, पारे का कटोरा, खांड की चूड़ियां, कांच के बर्तन, दन्दांसाज़ी, रंगसाज़ी, गिलटसाज़ी, सोने चांदी का ज़िला करना, चाय की टिकियां, १ मिन्ट में सोडावाटर बनाना, जवाहिर भरी टोकरी बनाना, काली स्त्री का रंग गोरा करना, काग़ज़ की खिजेद, कल्मीशोरा, हाथीदान्त के खिलौने बनाना, इत्यादि २ प्रकार के पूरे पांच सौ हुनर दर्ज हैं, जो एक दूसरे से बढ़ चढ़ कर निकलेंगी बावजूद इन सब खूबियों के मूल्य केवल १॥)

इनाम—इसके खरीदार को ज्योतिष की पुस्तक मुफ्त मिलेगी।

अंग्रेजी सिखाने वाली पुस्तक

यह पुस्तक उन लोगों के लिए तैयार कीगई है जो अंग्रेजी का एक शब्द तक नहीं जानते, इसमें अंग्रेजी के शब्द और फिकरें और सामने नागरी भाषा में अनुवाद लिखा गयाहै, ताकि पढ़ने में किसी प्रकार का कष्ट न हो, और दिल खुश होजावे फिकरे सहज समझने योग्य, व्याकरण के नियम भी लिख दिए गए हैं, जिनसे विद्यार्थी स्वयं फिकरे बनासकते हैं। पत्र लिखने का ढंग भी बताया गयाहै। इसको पढ़कर थोड़े काल में मिडिल पास के बराबर योग्यता प्राप्त करलो ।"" मूल्य १)

मिलने का पताः—

अग्रवाल पुस्तकालय

(लुधियाना) पंजाब.

असली कश्मीरी कोकशास्त्र

❋ इसमें जो उत्तम रंगीन ८४ तसवीरें बनी हुई हैं ❋

पाठक सत्य जानें कि आपकी इच्छा नुसार रजिस्ट्री कृत असली पुराना कश्मीरीकोकशास्त्र कोका पण्डित महामन्त्री महाराजा साहिब कश्मीर रचित है, जिसकी उत्तमता और खूबी ने सब पाठकों को प्रसन्न करदिया है, ऐसी उत्तम और हितकर पुस्तक आज तक नागरी भाषा में नहीं छपी, इस में:—

पद्मिनी, चित्रणी, शंखिनी, हस्तिनी

चारों प्रकार की स्त्रियां, उनकी पहिचान, भली बुरी स्त्री की पहिचान ८४ आसनों का सच्चा वर्णन, सम्भोग के उचित नियम और समय, चारों प्रकार के पुरुषों का वर्णन, स्त्री पुरुषका जोड़ा, जोड़ों का मिलाप, चन्द्र पक्षकी तिथियों के अनुसार स्त्रीके अंगों में कामवास, स्त्री को आयुभर स्वस्थ, सुन्दर और आज्ञाकारी बनाए रखना, सुन्दर सन्तान उत्पन्न करना, कृतकार्य्य होने के भेद, गुप्त सम्मति, गर्भमें पुत्र पुत्री की पहिचान, बांझ स्त्रियों और नपुंसकों का वर्णन और इलाज, कोका पण्डित के आज़मूदह नुसखे, जीवनचरित्र, स्त्रियों की और बहुतसी गुप्त बातें जो यहां लिखनी उचित नहीं कश्मीरी कोकशास्त्र में अंकित हैं, जिनको पढ़कर आपको वह सच्चा आनन्द प्राप्त होगा कि दूसरी दस २० पुस्तकों के पढ़ने से न मिलगा, मूल्य केवल १॥=) महसूल डाक माफ।

इनाम—कोकशास्त्रके ग्राहकोंको रिसाला फन तमाशबीनी मुफ्त मिलेगा॥

साबुनसाज़ी

यह हितकर पुस्तक नागरी में अत्युत्तम मोटे टाइप में छपीहुई है, देखकर आपका चित आनन्द होजायगा।

साबुनसाज़ी में सैंकड़ों प्रकार के देशी अंग्रेज़ी खालिस, मिलावटदार, रंगदार, सुगन्धी जनक साबुन बनाने की बहुत सहज तजरुबा की हुई विधियाँ लिखी गई हैं पचास प्रकारके साबुन बनानेकी सैंकड़ों विधियां इसप्रकार लिखी हैं कि मूर्ख स्त्रियां भी घर बैठी बना सकती हैं। आप इस पुस्तक द्वारा हज़ारों रुपये का साबुन बनाकर बेच सकते हैं। मूल्य २) महसूलडाक माफ।

नोट—एक कार्ड भेजकर सविस्तर सूची मुफ्त मंगाओ।

मिलनेका पता—

अग्रवाल पुस्तकालय

लुधियाना, (पंजाब).

डाक्टर बर्म्मन का प्रसिद्ध पञ्चांग प्रति वर्ष रङ्गीन चित्रों सहित बिना मूल्य मिलता है।

३० वर्ष से हिन्दुस्तान में हर अमीर से गरीबके घर घर व्यवहार में आरही है

कलकत्ते के नामी डाक्टर एस. के. बर्म्मन की

कठिन रोगोंकी सहज दवाएँ।



दवा खरीदते वक़ हमारा रजिष्ट्री किया हुआ पांच कोन कृष्ण सितारा ट्रेड मार्क ज़रूर देख लेना।

४५ प्रकार की दवाओं की पूरे हाल व प्रशंसा पत्रों की पूरी पुस्तक बिना मूल्य मँगा कर पढ़िये।

कारण नकली बर्म्मन और दवाओं की नकल भी हुई है इनसे सावधान।

"जिना काहे जो दूसरे की जानको आराम न देसके"

दूसरे की जानको आराम न देसके" इसी मूल मन्त्र पर डाक्टर बर्म्मन की दवाएँ बनी हैं और इनके अमूल्य गुण के हिसाब से बहुत सस्ती बिकती हैं। यही कारण है कि इन दवाओं के किये हुये लोकोपकार के साथ इनका प्रचार दिन पर दिन बढ़ता जाता है।

परीक्षा का बक्स।



नमूने के लिये बहुधा पत्र आया करते हैं, इस लिये, नमूने का बक्स बनाया गया है जिसमें छः विशेष ज़रूरी दवाएँ रक्खी गई हैं यदि आप डाक्टर बनकर अपने परिवार वर्ग और पड़ोसियों की जान बचाना चाहें तो, इस बक्स को जरूर अपने पास रक्खें। नीचे लिखी हुई छः दवाएँ रहती हैं जोकि आपके हर वक्त और मौके पर काम आयेंगी।

दवाइयों का नाम।

अर्ककपूर—हैजा वा गर्मी के दस्तकी एक ही दवा है।

दमेकी दवा—तत्काल "दम" को दबाती है।

कोलाटानिक—[illegible] एक के लिये बल बढ़ाने की दवा।

धातुपुष्ट की गोली—यथा नाम तथा गुण।

जुलाब की गोली—सहज में पेट साफ करती है।

अर्क पुदीना [सब्ज]—अजीर्ण पेट दर्द व बादी की दवा।

मोल १॥) बक्स डाक खर्च ।) आने। दवाएँ सब जगह दुकानदारों और दवा फरोशों के यहां मिलेंगी अथवा कार्य्यालय से मँगाइये।

तार का ठिकाना—"[illegible]"

डा० एस० के० बर्मन ५, ६, ताराचंद दत्त ष्ट्रीट, कलकत्ता।

दवाएँ बच्चे से बूढ़े तक को समान गुण करती हैं। मौके पर आप भी आजमाइये

ध्यान रखने की बात– इस पेज में लिखा हुआ कोई भी सामान मंगाना हो तो पत्र भेजने का पता–
मैनेजर सुखसंचारक कम्पनी मथुरा इस पतेसे पत्र भेजो, और जगहको भूलसे न लिखो.

२४ वर्षका आजमाया सरकार से रजिष्ट्री कियाहुआ।



गृहस्थों को १ शीशी अवश्य मंगाकर पास रखनी चाहिये। कफ खाँसी, दमा, सर्दी का बुखार हैजा, शूल, संग्रहणी, आँव लोहू अतिसार, पेटका दर्द कै होना जी मचलाना, शरीरका दर्द, बच्चोंके हरे पीले दस्त, कुकर खाँसी, आदिकी स्वादिष्ट सुगन्धित दवा है मूल्य फी शीशी ॥) आना १२ शीशी लेनेसे ४॥) डाक० खर्च।-)

मंगाने का पता–
सुखसंचारककंपनी–मथुरा.

सरकार से रजिष्ट्री कियाहुआ दद्रुगज केशरी।

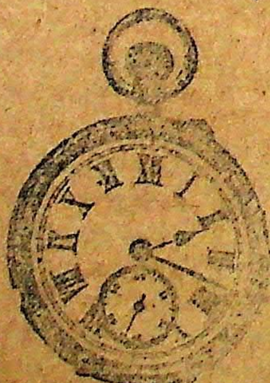
बिना किसी तरह की तकलीफ या जलन के दादको जड़से खोनेवाली दवा कीमत ।)
१२ लेनेसे २।)

हमारे यहांकी परीक्षित औषधें

नमक सुलेमानी दाम ...	... १)
गर्मी (आतशक) के खूनको साफ करने वाला का दवा दाम ...	...१)
ज्वरनाशक वटिका बुखारकी दवा कीमत	॥)
प्लीहा प्रहार–तिल्लीकी दवादाम	...१)
सुखदावटी–हुलासकी दवा कीमत	...।)
दादका मरहम दाम ...	...।)
हिमांशु तैल–सुजाक की दवा	...१॥)
अर्कपूर हैजेकी अपूर्व औषधदाम	...।)
गठिया वातकी दवा दाम	... ॥)
हिंग्वाष्टक चूर्ण दाम ...	... ॥)
अजमायन का तेल दाम ...	...।≈)
पीपरमैंटका तेल दाम ...	...।≈)
लौंगका तेलदाम ...	...।≈)
सौंफका तेलदाम ...	...।=)
सौंठका तेलदाम ...	...।≈)
इलायची का तेल दाम ...	...।≈)

दालचीनी का तेल दाम ...	...।≈)
बाल उड़ाने का साबुन दाम	... ।)

मुफ्त में जेबीघड़ी



यदि आप मुफ्त में जेबीघड़ी चाहते हैं तो हमारे यहां से १२ डिब्बी बाल उड़ाने का साबुन मंगालीजिये जिसकी कीमत ३) रु० होगी, इसके साथ आपको १ जेबीघड़ी मुफ्त मेजेंगे, साबुन बेचकर घड़ीकी कीमत वसूल कर लीजिये कीमत फी चकती ।) आना १२ लेनेसे ३) रु० डाकखर्च ॥) आना।

हारमोनियम बाजा।

सिंगल रीडका मूल्य	२८) रुपया
दुहरे स्वर का मूल्य	... ३५)
गानेकी कल कीमती १६) २५) रु० ३५) ६०)	
हजामत बनाने की कल का मूल्य	॥।)
बाल काटने की कल का दाम	... २।)
दूधमें पानी नापने की कल	... ॥।)
बुखार देखने का थर्मामेटर मूल्य ...	१)
राजर्स उस्तरा	... ॥)
राजर्सचाकू असलीका दाम	... ॥≈)
मिठाई का सारखांड से ५५० गुना मीठा है मूल्यफी शीशी ...	... ॥)
कलाई पर बाँधनेकी घड़ी निकेल धातुकी मूल्य	... ३)
कलाईपर बान्धनेकी चान्दीकी घड़ी...	४)
८ दिनकी चाबीकी जेबीघड़ी निकेलकी ४॥=) चांदीकी घड़ीका मूल्य	.. ८॥)

पूराहाल जानने को बड़ा सूचीपत्र मंगाकर देखो मुफ्त मिलेगा।
सुन्दर चित्र और जंत्री हरएकको मुफ्त मिलती है।

मंगानेका पता–
सुखसंचारककंपनी–मथुरा.

जैनकल्पतरुकार्य्यालय फर्रुखनगरकी शुद्धपवित्र औषधि और दूसरासामान संसारमें प्रसिद्धहै, आओपरीक्षाकरो

सहस्रगुण चूर्ण ।

यह हमारा पाचनशक्ति को बढाने वाला प्रसिद्ध चूर्ण है, जिससे भोजन अच्छी तरह से पचकर नवीन और शुद्ध रक्त उत्पन्न होता है, इसके नित सेवन करने से बदहज़मी, खट्टी डकारों का आना, गलेकी जलन, भोजन पचते समय पेटका अफरना, भूखका न लगना, दस्त साफ न होना, यह सब शिकायतें मिट जाती हैं। विशूचिकाकी तो यह यथार्थ औषधि है। वातव्याधि गठिया अन्य दर्द इससे अच्छे होते हैं, बवासीर रक्त विकार इत्यादि में भी इसका सेवन लाभकारी है, बहु मूत्रकृच्छ्र को भी रोकता है, मस्तक की निर्बलता को दूर करता है, वीर्य्य विकार को मिटाता है, और दृष्टिको उत्तेजन देता है, सर्वप्रकार की निर्बलता को मिटाता है, दाद, खुजली, थकता, शिथलता, वीर्य्यधा-[illegible], नशों का मारा जाना, या कोमल होना, मनका कहीं नहीं लगना, इत्यादिक सब विकारों को दूर कर पुरुषत्व को उत्पन्न करता है, बड़े बड़े डाक्टर इसकी तारीफ़ करते हैं। जो प्राणी निराश होचुके हैं एक बार पांच तोला खरीद कर परीक्षा ही करें सर्व प्रकार के पेटके रोग इससे नष्ट होते हैं, ताऊन के दिनों में भी यह लाभकारी होता है, थोडासा प्रातःकाल सेवन करने ही से पेटको साफ करता है और सारे उपद्रव पेटकी खराबी से ही उत्पन्न होते हैं। मोल ५ तोलाकी शीशी के ।≈) आने १० तोला के ॥≈) आने २० तोलेकी १।) सवा रुपया डाक महसूल जुदा लिया जावगा ॥

मूत्रशोधिनी शुद्ध शिलाजीत वटी ।

यह गोलियां मूत्र के साथ धातु, पीप, रेत आदिक आना बन्द करती हैं, मधु शर्करा सर्व प्रकार के प्रमेहों को नष्ट करती है थोड़ीसी ही खरीदो मोल ५) रुपये की १०० गोली २० से कम नहीं देंगे।

कामकिल्लोल गोली ।

जल समान बहती हुई धातु को पत्थर के समान गाढा करने वाली वीर्य बढ़ाने वाली बलिष्ठ बनाने वाली इनसे बढकर और कोई गोली नहीं बन सकती हैं खाने से ५ मिन्ट में बिजली के समान अपना चमत्कार दिखला देती हैं, कन्नौज के राजा जयचन्द ने यह गोली जिस वैद्य से बनवाई थी उसको जागीर दी थी अब वह राजा और वैद्य दोनों नहीं परंतु गोली मौजूद हैं मोल एक रुपये की १६ गोली, पूरा पूरा फायदा करने को ६० गोली खरीदो !

तिलाकेसरी ।

नपुंसक रोग का इलाज, बालकपन में किये हुवे दोषों से उत्पन्न हुई नपुंसकता, शिथिलता, थकना, निर्बलता, वीर्य्यवाहिनी नशोंकामाराजाना, या कोमल होना, मनका कहीं नहीं लगना, इत्यादिक सब विकारों का दूरकर पुरुषत्व को उत्पन्न करता है संसार भरमें इसकी तारीफ है, एक बार तीन मासे खरीद कर तो अवश्य ही परीक्षा करो मोल तीन रुपये का एक तोला डाक महसूल जुदा होगा।

रासकोपासिष्टम घड़ी ।

सच्चा टाइम बताने वाली खूबसूरत मजबूत एक बार चाबी देने से बराबर [illegible] ट चलती है गारंटी १० साल मोल २॥) रुपया महसूल ≈) आने कुल २॥≈) में घर पर पहुंचा सकते हैं।

(१) [illegible]क कालारिरस आयुर्वेदीय जुल्लाब मो० गोली ।
(२) ज्वरमार्तंड रस काला सर्वप्रकारके ज्वर ७ गो. ।.
(३) नागार्जुन रस प्रसिद्ध अलभ्य दवाई ७ गो. ॥)
(४) ज्वरांकुशरस काला सर्वप्रकार के ज्वरोंपर ७ गो. ।)
(५) विलासनी वल्लभ रस स्थम्भन क्रिया, ७ गो १)
(६) ज्वरमुरारी रस प्रसिद्ध औषधि मोल ७ गो. १)
(७) इन्दु रस स्त्री रोगाधिकार पर „ ७ गो. १)
(८) सिद्ध प्राणेश्वर रस ज्वरातिसार पर „ ७ गो. १)
(९) वृहत् गजकेशरी अजीर्णकंटक रस „ ७ गो. १)
(१०) विशूचिका विध्वन्सरस हैजकीदवा „ ७ गो. १)
(११) अमर सुन्दरी रस प्रबल शीतपर „ ७ गो १)
(१२) चक्रावर्त आनाह पर नाराच रस „ ७ गो. ॥)
(१३) आदित्यवटी दर्द पसली और शूलपर „ ७ गो ।)
(१४) उपदंशारिरस सर्वप्रकारके आतशकपर „ ७ गो. ॥)
(१५) आनन्द भैरव रस सन्निपात ज्वर पर „ ७ गो. ॥)
(१६) संजीवनी वटिका प्रसिद्ध रस „ ७ गो ।)
(१७) चन्द्रप्रभा वटिका सोम प्रमेह पर „ ७ गो. १)
(१८) मंडूरभस्म पांडुकामिला की दवा मोल १) रु० तोला
(१९) मीलतीवसंत वृहत् मोल १०) रु० तोला
(२०) चन्द्रोदय मकरध्वज रस मोल २४) रु० तोला

और सर्वप्रकारके रस भस्म द्रव्य तथा औषधि मिलने का पता—

बाबू शिखरचन्द जैन

फर्रुखनगर जिला गुड़गांव. पंजाब

तमाम खत व किताबत मैनेजर या सेक्रेटरी के होनी चाहिये।

दी गणेश फिलौर मिल्ज़,

कम्पनी लिमीटेड देहली

जिन्स वह कुछ नहीं जिसको करें दो चार पसंद।
माल अच्छा वही है जोकि हो बाज़ार पसन्द॥

हमारी मैदा ने आजतक जिसकदर शोहरत पाई है वह शायद ही किसी कारखाने हमवतने हासिलकी हो हम अपनी खरीदारों की कदरदानी के ममनून हैं जिन्होंने बनज़रे इन्साफ हमारे माल का मुकाबिला करके आजमाया और हमारे मैदाकी कदर अफ़ज़ाई की और हमेशा ही माल मंगातेरहे और मंगाते हैं। और क्यों न हों।

(१) इसलिये कि हमारी मैदा को जबसे गेहूं होपर में डालाजाता है, और मैदा बोरियों में भरी जाती है हाथ इन्सानी बिल्कुल नहीं लगाया जाता और तमाम काम मशीनोंके द्वारा होते हैं।

(२) इसलिये कि गेहूं धोकर खुश्क कियाजाता है और हरएक चीज़ जौ, चना, मटर, रेत, कंकर, पत्थर वगैरह सब मशीन की चलनियों से जुदा जुदा साफ कर दिया जाता है तब काम में लाया जाता है।

(३) इसलिये कि तमाम काम ज़ेर निगरानी एक यूरूपियन मिलरमाहिर विलायत के हैं और काम उसूले तिजारतीपर होताहै, और हमारी मैदा दीगर विलायतोंमें भी जातीहै

(४) इसलिये कि नुमायशों में भी हमने (तमगा) पदक पाया, पसन्द माल यहाँ का नुमायशोंमें आया, ब फज़ल खुदा मिल्ज़ नाम पायाके अंग्रेज़ों ने सैंकड़ों मन मँगाया, कहा करते हैं। गोरेलोग इस तरह पर "हियरलुक हियर व्हाट फाईन फिलौर"

(५) इसलिये कि हमारे ठेके तमाम बड़े बड़े मुकामात कमसरियट हिन्दोस्तान व बर्मा वगैरह में होते हैं, और बहुतसी बिस्कुट कम्पनियाँ और बेकरियाँ क्या हलवाई क्या नानबाई क्या रोटीवाले, सब हमारी ही मैदा काम में लाते हैं, हमारा ट्रेडमार्क रजिस्ट्रीशुदा है, और तस्वीर बाबूकिशनचन्द साहिब मरहूम साबिक मैनेजिंगडाईरेक्टर की हमारी बोरियों पर छपी होती है, तारीख डिलीवरी माल की डालीजाती है, यही पहचान हमारे मालकी है।

खरीदारों को चाहिये कि इन सब हिदायतों के माफिक अपना इतमीनान करके माल खरीदें और धोकेसे बचें. क्योंकि अकसर फरेबी दुकानदार हमारी खाली बोरियों में दीगर कारखानोंका माल भरकर हमारे नामसे फरोख्त करतेहैं, और यह जुर्म है, खरीदारीसेपहलेहमसे नमूना मंगालें, या बराहरास्त हमारे कारखानेसे माल तलबकरें

हमारे यहाँ बर्तन एलोमोनियम व पीतल के मसलन कटोरदान देगची चौघडे बालटी खुर्रे व कला बिरंजी, टिफन कटोरे, थाल, मुरादाबादी के समान डिब्बा टीन मुख्तलिफ पामायश के जो दवाखानोंके काम में बहुत आते हैं बनाये जाते हैं।

अलमुश्तहर-

मैनेजर गणेशफिलौरमिल्ज कम्पनी देहली।

(नोट) यह कम्पनी, नवम्बर सन् १८९१ ई० में रजिस्ट्री हुई, और काम पिसाई १४ मई सन् १८९२ से।

लक्ष्मीनारायण यन्त्रालय की पुस्तकों का संक्षिप्त सूचीपत्र





श्रीमद्भागवत जैसा ग्रन्थ है उसको कौन नहीं जानता? इस कारण उसकी तारीफ करना सूर्य को दीपक दिखाना है। परन्तु इतना तो अवश्य कहेंगे कि-इस पुस्तक को हमने बहुत कुछ रुपया ख़र्च कर और परिश्रम उठाकर जैसी उत्तमता से सर्वसाधारण को लाभकारी कर दिया है, सो देखने से ही प्रतीत होगा। छापा उत्तम बम्बई टाइप, सफेद चिकना मोटा कागज़, भाषानुवाद तो ऐसा ठीक और सरल आजतक भारतवर्ष में कहीं छपा ही नहीं। पुस्तक बहुत बड़ी होजाने के कारण उत्तम विलायती कपड़े की २ जिल्दें बनवाई गई हैं। दोनों जिल्दों की पृष्ठ सं० २१७६ है, तोलमें पक्की तीनसेर है। इतने परभी की० ५) पांच रुपया ही रक्खा है। डाकमें मँगवानेवालों को १) एकरुपया डाकमहसूल का अलग देना होगा। भागवत के प्रेमियोंको खरीदने में शीघ्रता करनी चाहिये। शर्त यह है कि, विज्ञापन में लिखे अनुसार किसी प्रकारकी पुस्तक में कमी होनेसे पुस्तक नापसन्द होगी तो मय डाक महसूल कीमत वापिस देंगे। दश पुस्तकें एक साथ खरीदनेवालों को एक पुस्तक मुफ्त मिलेगी।

श्रीमद्भागवत दशमस्कन्ध।

सान्वयांक भाषाटीकासहित, उत्तम चिकने कागज़ पर छपा तैयार है। बढ़िया कपड़े की जिल्द बँधी का मूल्य २) रुपया।

श्री १०८ स्वामि शंकराचार्यरचित।

❋प्रबोधसुधाकर❋

वेदान्त ग्रन्थ।

मूल और भाषानुवादसहित।

यद्यपि श्रीस्वामि शङ्कराचार्यजीकी अनेकों पुस्तकें छपकर प्रकाशित होचुकी हैं परन्तु यह पुस्तक आजतक कहीं नहीं छपी, कई वर्ष हुए एक वृन्दावन के वृद्ध पण्डित, इस पुस्तककी अति पुरानी हाथकी लिखी मूल प्रति देगए थे, इसको पाकर हम बहुत ही प्रसन्न हुए क्योंकि—यह अलभ्य रत्न हमारे हाथ लगा, परंतु ग्रन्थ मूलमात्र छपने से सर्वसाधारण को इसका आनन्द नहीं मिलता अतः हमने इसका विस्तार के साथ सरल भाषानुवाद कराकर छपवाया है। इस पुस्तक में वैराग्य आदि अनेकों विषयों का ऐसा वर्णन है, कि-कैसाही शोकाकुल, चिन्ताकुल, परिश्रमाकुल तथा गृहस्थाश्रमि पुरुष हो अवश्य शान्ति पावेगा। जो लोग असत्प्रेम कहानियोंमें अपना समय खोते हैं वह अवश्यही इसको देखें, यदि प्रेमकथा से अधिक आनन्द इसके पढ़नेमें न आवे तो हमको उलाहना देना वास्तव में इस पुस्तक के देखने से विद्वान् से लेकर साधारण भाषामात्र पढ़े गृहस्थियों पर्यन्त का बहुतही उपकार होगा। इस पुस्तकमें इतने विषय हैं—देहनिन्दा, विषयनिन्दा, मनोनिन्दा, विषयनिग्रह, वैराग्य, आत्मसिद्धि, मायासिद्धि, लिङ्गशरीरवर्णन, अद्वैतवर्णन, कर्तृत्व, भोक्तृत्ववर्णन, स्वप्रकाशतावर्णन, तत्त्वानुसन्धान, मनोनाशवर्णन, प्रबोध, दो प्रकारकी भक्ति, ध्यानाविधि, सगुण निर्गुणकी एकता भगवदनुग्रह. इस पुस्तकको सुन्दर मोटे कागजपर बम्बई टाइप में छापा है। कीमत कपड़े की जिल्द ॥) आना, पुट्ठेकी जिल्द ।≈) तिसपर भी डाकव्ययसहित।

योगवाशिष्ठसार भाषाटीका।

यदि चित्तको कुछभी उपराम प्राप्तहोता है तो केवल आत्ममनन हीसे होता है, संसार में ऐसा कोईभी पुरुष न होगा जो अपने चित्तको प्रसन्न न रखनाचाहता हो वह आत्ममनन वेदान्तविद्या ही से होसकता है। इस उपरोक्त ग्रन्थ में उन्हीं साधनों का भलीभांति वर्णन कियागया है, यदि वास्तव में सुख चाहतेहो तो इसी ग्रन्थ में मिलेगा। मूल और भाषाटीकासहित मोटे अक्षरोंमें सुन्दर गुटकाकार छपा तैयार है, उत्तम सुनहरी जिल्द बँधी है, मूल्य ॥)

लघुपाराशरी (धर्मशास्त्र)

सरल भाषाटीकासहित।

आजतक यद्यपि लघुपाराशरी ज्योतिष कीतो अनेक स्थानों में छपी हैं, परन्तु धर्मशास्त्र की लघुपाराशरीका होना सचमुच नई बात है। कलियुग में सम्पूर्ण आचरण इसी धर्मशास्त्रके अनुसार होनाचाहिये क्योंकि 'कलौपाराशराः स्मृताः' अर्थात् कलियुग में पराशर के कहे धर्मशास्त्र के अनुसार आचरण करना चाहिये। आजतक यह पुस्तक अन्यत्र कहीं नहीं छपी थी अतएव यह ग्रंथ हमने अधिक परिश्रम से भाषानुवाद सहित छापकर प्रसिद्ध किया है। समस्त महाशयों से प्रार्थना है कि इस पुस्तक को खरीदकर लाभ उठावें और हमारे उत्साह को बढ़ावें। सबके सुभीते के लिए बढ़िया कपड़े की जिल्द बँधी है। मूल्य ॥) डाकव्यय पृथक्।

❋अघमर्षणद्विजराज❋

भाषाटीकासहित।

इस पुस्तक में धर्मशास्त्रानुकूल द्विजातियों के प्रात्य संस्कार और गृहस्थधर्म आदि उत्तमतापूर्वक लिखे हैं, यह अवश्य देखनी चाहिये। मूल्य≈)

❋मनुस्मृति❋

मानव धर्मशास्त्र—मनुसंहिता।

(सम्पूर्ण १२ अध्याय)

मूल, अन्वयांक और मेधातिथि, सर्वज्ञनारायण कुल्लूकभट्ट, राघवानन्दनन्दन और रामचन्द्रकृत संस्कृत व्याख्या उपरोक्त छे टीकाके अनुसार भाषाटीकासहित अति उत्तम चिकने कागज पर बम्बई टाइप में छपी है सुनहरी जिल्द सहित का मूल्य १) डाकव्यय ।)

❋ भर्तृहरिशतकत्रय ❋

भाषाटीकासहित।

इसकी भाषाटीका ऐसी सरल और उत्तम है कि-जिसको सर्वसाधारण भलीप्रकार समझ सकें। स्थूलाक्षर, ग्लेज कागज, सुनहरी उत्तम जिल्द बँधी पुस्तक का मूल्य ॥)

भर्तृहरिकृत वैराग्यशतक-भाषाटीकासहित ≡)

गोस्वामि तुलसीदासकृत-

❋ रामायण ❋

मेरठनिवासी, पण्डित लक्ष्मीदत्त कृत भाषाटीका

सहित। इसका टीका प्रसिद्ध है। बहुत दिनों से यह टीका दुर्लभ होगया था, अब सर्वसाधारण के हितार्थ अति परिश्रम से इसे स्थूलाक्षरोंमें छापकर प्रकाशित किया है। उत्तम सुनहरी जिल्द बँधी। रफ कागज़ का मूल्य ।) डाकव्यय पृथक्।

श्रीगोपालसहस्रनामस्तोत्र।

भाषाटीकासहित।

जो भगवद्भक्त मूलमात्र पढ़कर अर्थोंका आनंद नहीं प्राप्त करसकते उन्हीं की सुगमता के लिये यह पदार्थ भाषाटीकासहित उत्तमता से छापा है, इसका टीका ऐसा उत्तम है कि जिससे सर्वसाधारण लाभ उठासकें। और दूसरा लाभ यह है कि श्रीगोपालजी महाराजका अत्युत्तम रंगीन चित्रभी प्रथम लगा है, तथा उत्तम सुनहरी जिल्द बँधीहुई है, मूल्य ।=) डाकव्यय पृथक्।

शार्ङ्गधरसंहिता।

संस्कृत मूल और शुद्ध सरल हिन्दी अनुवादसहित।

शार्ङ्गधर वैद्यकभण्डार में अमूल्य रत्न है, जो विषय प्राचीन बड़े २ ग्रन्थों में सौ २ पचास २ श्लोकों में कहा है वही विषय इसमें केवल दो चार श्लोकों में कह दिया है इसका परिभाषाक्रम प्रायः सभी ग्रन्थों से श्रेष्ठ है। औषध बनाने का प्रकार जितना सुगम इसमें लिखा है वैसा अन्य किसी में भी नहीं पाया जाता। इसमें वैद्यक के सभी उपयोगी विषय थोड़े २ लिखगए हैं। लाभ इतना है कि-जैसा दूसरा वैद्यक का ग्रन्थ पढ़े इसके द्वारा अल्पज्ञ भी वैद्यक में अनुभव लाभ कर सकते हैं। हमने सर्वसाधारणके उपकारार्थ इसका अत्यन्त सरल भाषाटीका बनवाकर उत्तम बम्बई टाइप में छापा है, उत्तम सुनहरी जिल्द बँधी है तिसपरभी रफ़ काग़ज़ का मूल्य १=) और ग्लेज काग़ज़ का १।) है। डाकव्यय ।)

गृहरोगचिकित्सा।

यह पुस्तक अपने ढंग की एक ही है। हिन्दी में ऐसी पुस्तकों की बहुत कमी है। इसीकारण इस पुस्तक को बहुत परिश्रम से छपाया है। इसके विषय में स्वयं कुछ न लिखकर हिन्दी की सुप्रसिद्ध पत्रिका सरस्वती की सम्मतिका सारांश नीचे देते हैं।

"डाक्टर वासुदेवसहाय" एक साधु-स्वभाव और परोपकारी पुरुष थे। पीलीभीत में डाक्टरी करते थे तीनवर्ष वहीं हुए आपका शरीर छूटगया। यह पुस्तक आपही की लिखी हुई है। सचित्र है। इसमें गर्भिणी के स्वास्थ्य-नियम उसके रोग और उनका इलाज, जच्चा और जच्चखानेका हाल, बच्चों के रोग और उनका पालन की विधि आदि बहुत ही सीधी सादी भाषा में वर्णन है। जो स्त्रियां हिन्दी पढ़ सकती हैं उनको तो यह पुस्तक अवश्य ही अपने पास रखनी चाहिए। पुरुष भी इससे अनेक लाभदायक बातें सीख सकते हैं। पुस्तक सर्वथा उपादेय है।

और भी अनेक पत्रोंमें इसकी समालोचनायें निकली हैं जिनको स्थानाभाव के कारण यहां नहीं प्रकाशित करते। सुन्दर सुनहरी जिल्द बँधी हुई, साइज डबल-क्राउन १६ पेजी, पृष्ठ संख्या ४०० के लगभग, टाइप बड़ा, काग़ज़ ग्लेज तिसपर भी मूल्य १)

❋ सरसकथामाला ❋

इस नामकी एक कथामाला हमारे यहां से बराबर निकल रही है। यदि आप अपने बच्चों को सदाचारी पितृभक्त, देशभक्त तथा धर्मप्रेमी बनाना चाहते हैं तो इस माला को उन्हें पढ़ाइए। इनके पढ़ने से उनका समय व्यर्थ न जावेगा और आपको भी अपना प्रचुर समय और धन बच रहेगा। इस माला की पुस्तकों की भाषाभी इतनी सीधी सादी है कि जो शीघ्रही बच्चों की समझ में आसकती है। इस माला में आजतक जितनी पुस्तकें निकल चुकी हैं उन सबका विवरण नीचे दिया जाता है:-

(१) द्रौपदी स्वयम्वर

इस पुस्तक में, जैसा कि इसके नामसे प्रकट होता है, मुख्यतया द्रौपदी के स्वयम्वर का संक्षिप्त वर्णन दिया गया है। इसके अतिरिक्त पाण्डवों तथा कौरवों का भी थोड़ासा हाल इसमें आगया है। कई तरह के उपदेश यथा माता की भक्ति; भाइयों का प्रेम; विपत्ति में न घबड़ाना आदि २ का समावेश इसमें जगह २ पर किया गया है। इतने परभी मूल्य केवल =)

(२) राजा कर्णकी कथा।

हमारे देशमें दानवीर कर्ण का नाम प्रसिद्ध ही है। दान का ज़िक्र होतेही जिसके चित्तमें कर्ण का ध्यान न आता हो ऐसा हिन्दू विरलाही होगा। दान ही क्यों भारतवर्षके युद्ध में कर्ण अद्वितीय था। इस पुस्तक में इन्हीं राजा कर्ण का चरित दियागया है। एकबार पढ़कर देखिए तो सही। मूल्य केवल =)

(३) भीष्मपितामह की कथा।

महाभारत में जितने महात्माओं के चरित्र चित्रण किए गए हैं उनमें भीष्म सबके शिरोमणि हैं। क्या विद्या, क्या बल, क्या बुद्धि, क्या रणकौशल, और क्या धर्माचातुर्य एवं सच्चरित्र में भीष्म अपना सानी नहीं रखते थे। उन्हीं आदर्श पुरुष, बालब्रह्मचारी महात्मा भीष्म का यह बालोपयोगी जीवनचरित हमने छापकर प्रकाशित किया है। एकबार अवश्य मँगाकर पाढ़िए। फिर तो आप अपने आप बिना इसकी प्रशंसा किए न मानेंगे। मूल्य केवल।-)

(४) राजा नलकी कथा।

राजा नल की विपत्ति और दमयन्तीकी पतिभक्ति की बात हमारे देशका साधारण से साधारण मनुष्य भी भलीभांति जानता है। विपत्ति पड़ने पर भी धैर्यावलम्ब और कर्तव्य पर दृढ रहने का परिणाम कितना सुखमय होता है इसका नलोपाख्यान ज्वलन्त प्रमाण है। उसी नलोपाख्यान को साधारण बच्चों के समझने योग्य भाषा में लिख कर हमने प्रकाशित किया है। विशेष हाल पुस्तक के देखने से प्रतीत होगा। मूल्य।) मात्र।

(५) सावित्री की कथा।

सतीशिरोमणी ने किस भांति अपने पति को अपनी तपस्या तथा विद्याके बलसे यमराजके हाथसे छुड़ाकर अपने पिता तथा अपने श्वशुर के कुलकी कीर्ति की ध्वजा के लिए अमर किया इसी कथा का समावेश इस पुस्तक में किया गया है। इस पुस्तक के पढ़ने से बहुतसी स्त्रियां जानती हैं कि पतिव्रता स्त्रियां ही इस संसार में धन्य हैं। हमारी अबला बहिन भी इस गुण के कारण बड़े २ वीरों और बाकूशूरों के दांत खट्टे कर सकती हैं। मूल्य केवल।)

(६) वीरशिरोमणि अर्जुन।

नामक पुस्तक छपरही है और शीघ्र प्रकाशित होगी।

ललित-विज्ञानविनोद-नाटक।

भाषा, श्री १०८ स्वामि केशवानन्द विनिर्मित। यह वेदान्त का अपूर्व पुस्तक तैयार हुआ है। इसमें यह उत्तम रीति से दिखलायागया है कि सच्चा सुख क्या है? किसमें है? और कैसे प्राप्त होता है कि-जिससे सुखप्राप्ति का यत्न सार्थक हो। सुख उसी पदार्थ से मिलसकता है जो स्वयं सुखरूप है। चित्तकी निर्विक्षेप स्थिति ही सुखका स्वरूप है। सन्तोंके सत्संग से व्यवहार में निर्ममत्व हो चेष्टाकर, सत्शास्त्र का विचार करते हुए योगाभ्यास द्वारा चित्तवृत्तिको आत्मसन्मुख करना ही सुखमूल है। परन्तु आजकल इसके प्रतिकूल प्रातः सायंकाल हवाखाने के निमित्त वन उपवनों में जा सन्तोंका संग, द्रव्य कमाने के निमित्त शास्त्रोंका पठन और योगाभ्यास के स्थान में चित्ताह्लाद के निमित्त-नाटकादि ग्रन्थों को हृदय कर रक्खा है, ऐसी आजकल के अमीरों और फ़कीरों की दशा देखकर अमीरी, फकीरी आदि के सम्वाद को नाटकरूप से सरल, मनोरञ्जक भाषामें दर्शाया गया है। पुस्तककी उत्तमता देखने से ही विदित होगी। सुन्दर, सुनहरी गुटकाकार उत्तम सुफ़ेद कागज़ में छपी, १५० पृष्ठकी पुस्तक का मूल्य ॥) डाकव्यय पृथक्।

प्रबोधचन्द्रोदयनाटक।

भाषा, श्री १०८ स्वामि गोपालदास विनिर्मित। ऐसा कौन वेदान्तप्रेमी होगा, जो इसके नाम से परिचित न हो? यह पण्डित, श्रीकृष्ण मिश्रके रचे हुए प्रसिद्ध संस्कृत नाटकका अविकल अनुवाद है।

यद्यपि इसके अनुवाद अन्यत्र कई स्थानों में छपे हैं; परन्तु उनसे सर्वसाधारण लाभ नहीं उठा सकते। इसी कारण हमने सर्वसाधारण के हितार्थ इसको अत्युत्तमसरल गद्य-पद्यमें रचना कराकर प्रकाशित किया है. जिसकी उत्तमता देखने से ही विदित होगी। मुमुक्षुपुरुषों को इससे अवश्य लाभ उठाना चाहिये। ग्रन्थकर्ता तथा उनके पूज्यगुरुस्वर्गीय श्री १०८ महात्मा ज्ञानदासजी महाराज के दर्शनीय चित्रभी दिये गये हैं। उत्तम सुनहरी जिल्दबँधी, गुटकाकार २१६ पृष्ठ की पुस्तक का मूल्य ॥) डा० ≈)

श्रीमद्भगवद्गीता।

रत्नप्रभाभाषाटीका और दोहोंसहित।

इस का टीका इतना सरल है कि अक्षरमात्र जानने वाला पुरुष भी इसके आशयको भलीप्रकार समझ सकता है और दो चित्र दुरंग भी दर्शनीय दियेगये हैं उत्तम सुनहरी गुटकाकार जिल्द बँधी है मूल्य ॥)

पुस्तकें मिलने का पता--

गणेशीलाल, लक्ष्मीनारायण

अध्यक्ष--लक्ष्मीनारायण प्रेस

मुरादाबाद.

Printed by Lakshmi Narayan
at the Lakshmi Narayan Press, Moradabad.